

भारत सरकार विधी आनी न्याय मंत्रालय

भारताचें संविधान

(85 व्या बदलामेरेन सुधारीत) (4 जानेवारी 2002 मेरेनच्या बदलासयत)

THE CONSTITUTION OF INDIA

(Upto and including the 85 th Amendment) (As modified upto 4th January 2002)

भारत सरकाराचे वतीन गोंय राज्याच्या भाशा संचालनालयावरवीं अनुवादीत, मुद्रीत आनी प्रकाशीत 2004

भारताचें संविधान :-

भारताच्या संविधानाची ही इंग्लीश-कोंकणी आवृत्ती,

भारत सरकाराचे वतीन, संचालक, राजभास संचालनालय, गोंय सरकार, पणजी, हांणी प्रकाशीत केल्या.

CONSTITUTION OF INDIA:-

English–Konkani Version of Constitution of India, Published on behalf of the Government of India by the Director, Directorate of Official Language, Government of Goa, Panaji.

Pp Kon. 326 + XX + Eng. 358 + XX; 2004

- © भारत सरकार
- © Government of India

द्विभाशी आवृत्ती: – गोंय सरकाराचें राजभास संचालनालय आनी गोवा कोंकणी अकादेमी हांणी ही आवृत्ती तयार केल्या.

Diglot Version

prepared by :- Directorate of Official Language, Government of Goa and Goa Konkani Akademi.

AICH CONSTITUTION OF INDIA



उद्देशिका

अभि, भारताचे लोक, भारताचें एक ¹[सार्वभीम समाजवादी धर्मनिरपेक्ष लोकशाय गणराज्य] घडोवपाचो आनी ताच्या सगल्या नागरिकांक :

समाजीक, अर्थीक आनी राजनितीक न्याय; विचार, अभिव्यक्ती, विस्वास, स्रद्धा आनी उपासना हांचें स्वातंत्र्य; दर्ज्याची आनी संदेची समानताय:

निश्चितपणान प्राप्त करून दिवपाचो आनी त्या सगल्यांमदीं व्यक्तीची प्रतिश्ठा आनी ²[राष्ट्राची एकताय आनी एकात्मताय] हांचें आश्वासन दिवपी भावकी प्रवर्धीत करपाचो संकल्पपूर्वक निर्धार करून; आमचे हे संविधानसभेंत आज तारीक 26 नोव्हेंबर, 1949 दिसा (मिती मार्गशीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् 2006 विक्रमी) हेवरवीं हें संविधान अंगीकृत आनी अधिनियमीत करून स्वताप्रत अर्पण करतांत.

- संविधान (बेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1976, अनुभाग 2 वरवीं (3-1-1977 सावन) 'प्रभुत्व-संपन्न लोकतंत्रात्मक गणराज्य' ह्या उतरांचे सुवातेर घालें.
- 2. कितो 'राष्ट्राची एकताय' ह्या उतरांचे सुवातेर घालें.

PREFACE

This is the first diglot edition of the Constitution of India published in English-Konkani. The text of the Constitution of India as given in this edition contains Amendments upto and including the Constitution (Eighty-fifth Amendment) Act, 2001. The Amendments made in the Constitution by subsequent enactments upto the Constitution (Ninety-second Amendment) Act, 2003 have been incorporated by way of appendices to this Volume*. The notes at the end of the Chapter / Part indicate the particular Amendment Acts, by which such amendments have been made. A glossary has also been given at the end.

This edition is being brought out by the Government of India with the sincere efforts and co-operation of the Goa-Konkani Akademi, Directorate of Official Language, Government of Goa.

New Delhi; 26th January, 2004 T. K. VISWANATHAN
Secretary to the Government of India

प्रस्तावना

भारताच्या संविधानाची इंग्लीश-कोंकणी अशी ही पयलीच द्विभाशी आवृत्ती. भारताच्या संविधानाचे हे आवृत्तींतल्या मजकुरांत संविधान अधिनियम, 2001 (85 वो बदल) मेरेनचे बदल आस्पावल्यात. ताचे उपरांत संविधान अधिनियम, 2003 (92 वो बदल) मेरेनच्या अधिनियमनावरवीं केल्ले बदल हया खंडाक जोडिल्ल्या परिशिश्टांवरवीं आस्पावन घेतल्यात.* हे बदल खंयच्या विशिश्ट बदल-अधिनियमांप्रमाण जाल्यात तें, त्या-त्या प्रकरण/भाग हांचे सकयल दिल्ल्या टिपांनी दाखयल्यात. निमाणेकडेन एक (इंग्लीश-कोंकणी) उतरावळ लेगीत जोडल्या.

ही आवृत्ती भारत सरकारान, राजभास संचालनालय, गोंय सरकार आनी गोवा कोंकणी अकादेमी हांच्या पालवान निर्माण केल्या.

नवी दिल्ली 26 जानेवारी, 2004 टी के विश्वनाथन्, सचिव, भारत सरकार

^{*} These appendices will be published soon.

^{*} ही परिशिश्टां रोखडींच उजवाडाक येतलीं.

भारताचें संविधान

विशय सूची

उद्देशिका

| कलमां | | पान |
|-------|--|-----|
| | भाग । | |
| | संघ आनी ताचें राज्यक्षेत्र | |
| 1. | संघाचें नांव आनी राज्यक्षेत्र. | 1. |
| 2. | नवीन राज्यां आस्पावीत करप अथवा स्थापन करप. | ·1 |
| 2क. | [निरसीत] | 1 |
| 3. | नवीन राज्यांची निर्मणी आनी विद्यमान राज्यांचीं क्षेत्रां, शिमो अथवा नांवां हातूंत फेरबदल. | 1 |
| 4. | कलम 2 आनी 3 खाला केल्ल्या कायद्यांवरवीं पयले आनी चवथे अनुसुचयांच्या बदलाखातीर | |
| | आनी पूरक, अनुशगीक आनी परिणामी गजालींखातीर उपबंध करप. | 2 |
| | | |
| | भाग ॥ | |
| | नागरिकत्व | |
| 5. | संविधानाच्या आरंभा वेळचें नागरिकत्व | 3 |
| 6. | पाकिस्तानांतल्यान स्थलांतर करून भारतांत आयिल्ल्या थोड्या व्यक्तींच्या नागरिकत्वाचे अधिकार. | 3 |
| 7. | स्थलांतर करून पाकिस्तानांत गेल्ल्या थोड्या व्यक्तींच्या नागरिकत्वाचे अधिकार | . 3 |
| 8. , | मूळ भारतीय आशिल्ल्या, पूण भारताभायर रावपी थोड्या व्यक्तींच्या नागरिकत्वाचे अधिकार. | 4 |
| 9. | परकी देशांचें नागरिकत्व आपखोशयेन मेळोवपी व्यक्ती नागरीक नासप. | 4 |
| 10. | नागरिकत्वाचे अधिकार चालू उरप. | 4 |
| 11. | संसदेन नागरिकत्वाच्या अधिकाराचें कायद्यावरवीं विनियमन करप. | 4. |
| | | |
| | | |
| · | भाग ॥। | • |
| | मुळावे अधिकार | |
| | सर्वसाधारण | |
| 12. | व्याख्या | 5 |
| 13 | मुळाव्या अधिकारांकडेन विसंगत आशिल्ले अथवा तांकां उणावपी कायदे. | 5 |
| | समानतायेचो अधिकार | |
| 14. | कायद्यामुखार समानताय. | 5 |
| 15. | धर्म, वंश, जात, लिंग अथवा जल्मस्थान ह्या कारणांवेल्यान भेदभाव करपाक बंदी. | 5 |
| 16. | भौशीक सेवायोजनाच्या गजालींनीं समान संद. | 6 |
| 17. | अस्पृश्यताय काडून उडोवप. | 6 |
| 18. | किताब काड्न उडोवप. | 6 |

Right to Freedom

| 19. | Protection of certain rights regarding freedom of speech, etc | |
|-----|--|-------------|
| 20. | Protection in respect of conviction for offences | 8 |
| 21. | Protection of life and personal liberty | 8 |
| 22. | Protection against arrest and detention in certain cases | 8 |
| | Right against Exploitation | |
| 23. | Prohibition of traffic in human beings and forced labour | 9 |
| 24. | Prohibition of employment of children in factories, etc | 10 |
| | Right to Freedom of Religion | • |
| 25. | Freedom of conscience and free profession, practice and propagation of religion | 10 |
| 26. | Freedom to manage religious affairs | 10 |
| 27. | Freedom as to payment of taxes for promotion of any particular religion | 10 |
| 28. | Freedom as to attendance at religious instruction or religious worship in certain | ٠ |
| | educational institutions | <u>,</u> 10 |
| | Cultural and Educational Rights | |
| 29. | Protection of interests of minorities | . 11 |
| 30. | Right of minorities to establish and administer educational institutions | 11 |
| 31. | [Repealed]. | 11 |
| | Saving of Certain Laws | |
| 31A | A. Saving of laws providing for acquisition of estates, etc | 11 |
| 31B | 3 Validation of certain Acts and Regulations | . 13 |
| 310 | C. Saving of laws giving effect to certain directive principles | 13 |
| 310 | D. [Repealed] | 13 |
| | Right to Constitutional Remedies | |
| 32. | Remedies for enforcement of rights conferred by this Part | 13 |
| 32A | A. [Repealed] | 14 |
| 33. | Power of Parliament to modify the rights conferred by this Part in their application | |
| • | to Forces, etc | 14 |
| 34. | Restriction on rights conferred by this Part while martial law is in force in any area | 14 |
| 35. | Legislation to give effect to the provisions of this Part | 14 |

खातंत्र्याचो अधिकार

| 19. | भाशणस्वातत्र्य, इत्यादी संबंदीच्या थोड्या अधिकारांची राखण. | 7 |
|-------------------|--|-----|
| 20. | गुन्यांवाचे दोशसिद्धीसंबंदीं राखण. | 8 |
| 21. | जिवीत आनी व्यक्तिगत स्वात्तंत्र्याची राखण. | 8 |
| 22. | थोड्या प्रकरणांनी अटक आनी स्थानबद्धताय हांचेपासून राखण. | 8 |
| | पिळणुकेआङ अधिकार | |
| 23. | मनशांचो अपवेपार आनी वेठ हांचेर बंदी. | . 9 |
| 24. | कारखाने, इत्यादींनी भुरग्यांक कामाक दवरपाचेर बंदी. | 10 |
| | | , 0 |
| • | धर्म स्वातंत्र्याचो अधिकार | |
| 25., | अंतस्कर्णांतले बुदीचें स्वातंत्र्य आनी धर्माचें मुक्त प्रतिज्ञापन, आचरण आनी प्रसार. | 10 |
| 26. | धर्माविशींच्या वेव्हारांची वेवस्था पळोवपाचें स्वातंत्र्य. | 10 |
| 27. | एखाद्या विशीश्ट धर्माच्या संवर्धनाखातीर कर भरपासंबंदीं स्वातंत्र्य. | 10 |
| 28. | थोड्या शिक्षणीक संस्थांनी धर्मीक शिक्षण अथवा धर्मीक उपासना हांकां हाजीर | |
| | रावपासंबंदींचें स्वातंत्र्य. | 10 |
| | | |
| | संस्कृतीक आनी शिक्षणीक अधिकार. | |
| 29. | अल्पसंख्यांक समाजांच्या हितसंबंदाचीं राखण. | 11 |
| 30 [.] . | अल्पसंख्यांक समाजांचो शिक्षणीक संस्था स्थापपाचो आनी तांचें प्रशासन करपाचो अधिकार. | 11 |
| 31. | [निरसीत] | 11 |
| | | • |
| | विशीश्ट कायद्यांचो आडवाद | |
| | संपदांचे संपादन इत्यादींखातीर उपबंध करपी कायद्यांचो आडवाद. | 11 |
| | विशीश्ट अधिनियम आनी विनियम विधिग्राह्य करप. | 13 |
| 31ग. | थोडीं निदेशक तत्त्वां अंमलांत हाडपी कायद्यांची आडवाद. | 13 |
| 31घ. | [निरसीत] | 13 |
| | | |
| | संविधानीक उपाय येवजुपाचो अधिकार | |
| 32. | ह्या भागान प्रदान केल्ल्या अधिकारांचे बजावणेखातीर अधिकार. | 13 |
| | [निरसीत] | 14 |
| 33. | ह्या भागान प्रदान केल्ले अधिकार सशस्त्र दळांक लागू करतना तातूंत आपरिवर्तन | |
| | करपाचो संसदेक अधिकार. | 14 |
| | एखाद्या क्षेत्रांत लष्करी कायदो लागू आसता तेन्ना ह्या भागान प्रदान केल्ल्या अधिकारांचेर निर्बंध. | 14 |
| 35. | ह्या भागांच्या उपबंधांची अंमलबजावणी करपाखोतीर विधिविधान. | 14 |

PART IV

| DIRECTIVE | PRINCIPL | ES OF | STATE | POLICY |
|-----------|----------|-------|-------|--------|

| 36. | Definition | |
|-----|--|----|
| 37. | Application of the principles contained in this Part | 17 |
| 38. | State to secure a social order for the promotion of welfare of the people | 17 |
| 39. | Certain principles of policy to be followed by the State | 17 |
| | A. Equal justice and free legal aid | 18 |
| 40. | Organisation of village panchayats | 18 |
| 41. | Right to work, to education and to public assistance in certain cases | 18 |
| 42. | Provision for just and humane conditions of work and maternity relief | 18 |
| 43. | Living wage, etc., for workers | 18 |
| 434 | A. Participation of workers in management of industries | 18 |
| 44. | Uniform civil code for the citizens | 18 |
| 45. | Provision for free and compulsory education for children | 18 |
| 46. | Promotion of educational and economic interests of Scheduled Castes, Scheduled | |
| | Tribes and other weaker sections | 19 |
| 47. | Duty of the State to raise the level of nutrition and the standard of living and to | |
| | improve public health | 19 |
| 48. | Organisation of agriculture and animal husbandry | 19 |
| 48/ | A. Protection and improvement of environment and safeguarding of forests and wild life | 19 |
| 49. | Protection of monuments and places and objects of national importance | 19 |
| 50. | Separation of judiciary from executive | 19 |
| 51. | Promotion of international peace and security | 19 |
| | PARTIVA | |
| | FUNDAMENTAL DUTIES | |
| 51/ | A. Fundamental Duties | 21 |
| | PARTV | |
| | THE UNION | |
| | CHAPTER I - THE EXECUTIVE | |
| | The President and Vice-President | |
| 52. | . The President of India | 22 |
| 53. | Executive power of the Union | 22 |
| 54. | Election of President | 22 |
| 55. | Manner of election of President | 22 |
| 56. | Term of office of President | 23 |
| 57. | Eligibility for re-election | 23 |

भाग **IV** राज्य धोरणाचीं निदेशक तत्त्वां

| 36. | व्याख्या. | 4. |
|------|--|---------|
| 37. | ह्या भागांत आस्पावीत तत्त्वां लागू करप. | 1 · |
| 38. | राज्यान लोक कल्याण संवर्धनाखातीर समाजवेवस्था प्रस्थापीत करप. | † ; |
| 39. | राज्यान आपणावपाच्या धोरणाचीं थोडीं तत्त्वां. | .17 |
| 39क. | | 18 |
| 40. | ग्रामपंचायतींची सुसूत्र वेवस्था करप. | 18 |
| 41. | | 18 |
| 42. | कामासंबंदीं न्याय्य आनी मानवोचित परिस्थिती आनी प्रसूती सहाय हांची तरतूद. | 18 |
| 43. | कामगारांखातीर निर्वाह वेतन इत्यादी. | 18 |
| 43क. | | 18 |
| 44 | नागरिकांखातीर एकरूप नागरी विधिसंहिता. | 18 |
| 45. | बालकांखातीर फुकट आनी सक्तीच्या शिक्षणाची तरतूद. | 18 |
| 46. | अनुसूचित जाती, अनुसूचित जनजाती आनी हेर चड दुर्बळ घटक, हांचें शिक्षणीक | 10 |
| | आनी अर्थीक हितसंवर्धन. | 19 |
| 47. | पोशणमान आनी राहणीमान उंचावप आनी भौशीक भलायकी सुदारप हें राष्ट्राचें कर्तव्य. | 19 |
| 48. | कृषी आनी पशुसंवर्धन हांची सुसूत्र वेवस्था करप. | 19 |
| 48क. | | 19 |
| 49. | राष्ट्रीय म्हत्वाचीं यादस्तिकां आनी थळां तशेंच वस्तू हांचो सांबाळ. | 19 |
| 50. | न्यायपालिकेची कार्यपालिकेपसून वेगळावणी. | 19 |
| 51. | आंतरराष्ट्रीय शांतताय आनी सुरक्षा हांचें संवर्धन. | 19 |
| | | ., 1,0 |
| • | भाग IV - क | |
| | मुळावीं कर्तव्यां | |
| 51क. | | 21 |
| | | |
| | भाग ${f V}$ | |
| | संघ | .• |
| | प्रकरण - 1 : कार्यपालिका | |
| | राष्ट्रपती आनी उपराष्ट्रपती | |
| 52. | भारताचो राष्ट्रपती. | 22 |
| 53. | संघाचो शासनाधिकार. | 22 |
| 54. | राष्ट्रपतीची वेंचणूक. | 22 |
| 55. | राष्ट्रपतीचे वेंचणुकेची रीत. | 22 |
| 6. | राष्ट्रपतीचो पदावधी. | 23 |
| 57. | फेरवेंचणुकेक पात्रताय | 23 |

| 58. | Qualifications for election as President | 23 |
|-------------|--|------|
| 59. | Conditions of President's office. | 24 |
| 60. | Oath or affirmation by the President | 24 |
| 61. | Procedure for impeachment of the President | 24 |
| 62. | Time of holding election to fill vacancy in the office of President and the term of | * j |
| | office of person elected to fill casual vacancy | 25 |
| 63. | The Vice-President of India | 25 |
| 64. | The Vice-President to be ex officio Chairman of the Council of States | 25 |
| 65. | The Vice-President to act as President or to discharge his functions during | |
| · . : | casual vacancies in the office, or during the absence, of President. | , 25 |
| 66, | Election of Vice-President | 26 |
| 67. | Term of office of Vice-President | . 26 |
| 68. | Time of holding election to fill vacancy in the office of Vice-President and the term | ۸, |
| | of office of person elected to fill casual vacancy | 26 |
| 69. | Oath or affirmation by the Vice-President | 27 |
| 70. | Discharge of President's functions in other contingencies | 27 |
| 71. | Matters relating to, or connected with, the election of a President or Vice-President | 27 |
| 72. | Power of President to grant pardons, etc., and to suspend, remit or commute | |
| | sentences in certain cases | 27 |
| 73. | Extent of executive power of the Union | 28 |
| | Council of Ministers | |
| 74. | Council of Ministers to aid and advise President: - | . 28 |
| 75 . | Other provisions as to Ministers | 29 |
| • | | |
| | The Attorney General for India | |
| 76. | Attorney-General for India | 29 |
| | Conduct of Government Business | .* . |
| 77. | Conduct of business of the Government of India | 29 |
| 78. | Duties of Prime Minister as respects the furnishing of information to the President, etc | 29 |
| | | |
| . •.• • | General | |
| 79. | Constitution of Parliament | 30 |
| 80. | Composition of the Council of States | 30 |

| 58. | राष्ट्रपतीपदाचे वेंचणुकेखातीर पात्रताय. | 23 |
|------------|---|------|
| 59. | राष्ट्रपतीपदाच्यो अटी. | 24 |
| 60. | राष्ट्रपतीन सोपूत घेवप अथवा दृढकथन करप. | 24 |
| 61. | राष्ट्रपतीवेल्या महाभियोगाची कार्यपद्धत. | 24 |
| 62. | राष्ट्रपतीचें रितें अधिकारपद भरपाखातीर वेंचणूक घेवपाची मुजत आनी खंयच्याय निमतान | 91 |
| | रितें जाल्लें अधिकारपद भरपाखातीर वेंचून आयिल्ले व्यक्तीचो पदावधी. | 25 |
| 63. | भारताचो उपराष्ट्रपती. | 25 |
| 64. | उपराष्ट्रपती राज्यसभेचो पदसिद्ध सभापती आसप. | 25 |
| 65. | राष्ट्रपतीचें अधिकारपद खंयच्याय निमतान रितें जायत त्या त्या वेळार उपराष्ट्रपतीन राष्ट्रपती | |
| | म्हूण कार्य करप अथवा राष्ट्रपतीचे गैरहाजिरेंत ताचीं कार्यां निभावप. | 25 |
| 66. | उपराष्ट्रपतीची वेंचणूक. अध्यक्षित विवास के काम के काम के काम के काम के काम | 26 |
| 67. | उपराष्ट्रपतीचो पदावधी. ११५७० विकास कार्यक्रिका विकास कार्यक्र विकास कार्यक्रिका विकास कार्यक्रिका | 26 |
| 68. | उपराष्ट्रपतीचें रितें अधिकारपद भरपाखातीर वेंचणूक घेवपाची मुजत आनी खंयच्याय निमतान | 1.18 |
| | रितें जाल्लें तें अधिकारपद भरपाखातीर वेंचून आयिल्ले व्यक्तीचो पदावधी. | 26 |
| 69. | उपराष्ट्रपतीन सोपूत घेवप अथवा दृढकथन करप. | 27 |
| 70. | हेर आकरमीक वेळार राष्ट्रपतीचीं कार्यां निभावप. | 27 |
| 71. | राष्ट्रपती अथवा उपराष्ट्रपती हांचे वेंचणुकेसंबंदींच्यो अथवा तिचेकडेन संबंद आशिल्ल्यो गजाली. | 27 |
| 72. | थोड्या प्रकरणांनी माफी, इत्यादी करपाचो आनी शिक्षादेश निलंबीत करपाचो, तातूंत | |
| | मेकळीक दिवपाचो अथवा ते सौम्य करपाचो राष्ट्रपतीचो अधिकार. | 27 |
| 73. | संधाच्या शासनाधिकाराचो विस्तार. | 28 |
| | | 81 |
| | मंत्रिमंडळ | |
| 74. | राष्ट्रपतीक सहाय करपाखातीर आनी सल्लो दिवपाखातीर मंत्रिमंडळ. | 28 |
| 75. | मंत्र्यांसंबंदीं हेर उपबंध. | |
| | economic of Parliaments | |
| | भारताचो महान्यायवादी. | |
| 76. | भारताचो महान्यायवादी. | 29 |
| | Jain or effirmation by members | |
| | सरकारी कामकाज चलोवप | |
| 77. | भारत सरकाराचें कामकाज चलोवप. | 29 |
| 78. | राष्ट्रपतीक माहिती दिवप, इत्यादीविशीं प्रधानमंत्र्याचीं कर्तव्यां. | 29 |
| | प्रकरण 2 - संसद | |
| | सर्वसाधारण विशेषिकालको के सावीसकार करने | |
| 79. 80. | संसदेची घडण. अध्यक्ष विवास विवास विवास के किन्द्र प्रतिकार का विवास के किन्द्र के किन्द्र के किन्द्र के किन्द्र | |
| | राज्यसम्या घडण. | 30 |

| 81. | Composition of the House of the People | 30 |
|-----|--|------|
| 82. | Readjustment after each census | 31 |
| 83. | Duration of Houses of Parliament | 31 |
| 84. | Qualification for membership of Parliament | 31 |
| 85. | Sessions of Parliament, prorogation and dissolution | 32 |
| 86. | Right of President to address and send messages to Houses | 32 |
| 87. | Special address by the President | 32 |
| 88. | Rights of Ministers and Attorney-General as respects Houses | 32 |
| | | |
| | Officers of Parliament | |
| | The Chairman and Deputy Chairman of the Council of States | 32 |
| | Vacation and resignation of, and removal from, the office of Deputy Chairman | 33 |
| 91. | Power of the Deputy Chairman or other person to perform the duties of the office of, | |
| | or to act as, Chairman | 33 |
| 92. | The Chairman or the Deputy Chairman not to preside while a resolution for his | |
| | removal from office is under consideration | 33 |
| 93. | | 33 |
| 94. | Vacation and resignation of, and removal from, the offices of Speaker and Deputy Speaker | 34 |
| 95. | Power of the Deputy Speaker or other person to perform the duties of the office of, | |
| | or to act as, Speaker | 34 |
| 96. | The Speaker or the Deputy Speaker not to preside while a resolution for his removal | ٠. |
| | from office is under consideration | 34 |
| 97. | Salaries and allowances of the Chairman and Deputy Chairman and the Speaker | |
| | and Deputy Speaker | 34 |
| 98. | Secretariat of Parliament | 35 |
| | Conduct of Business | |
| 99. | | 35 |
| 100 | 0. Voting in Houses, power of Houses to act notwithstanding vacancies and quorum. | 35 |
| | Disqualifications of members | |
| 10 | 1. Vacation of seats | - 36 |
| | 2. Disqualifications for membership | 36 |
| | | 37 |
| | 3. Decision on questions as to disqualifications of members | 31 |
| 104 | 4. Penalty for sitting and voting before making oath or affirmation under article 99 or when | ^- |
| • | not qualified or when disqualified | 37 |

Power, Privileges and Immunities of Parliament and its Members

| 105. Powers, privileges, etc., of the Houses of Parliament and of the members and | |
|---|-----------------|
| committees thereof | 37 |
| 106. Salaries and allowances of members | 38 |
| Leislative Procedure | |
| 107. Provisions as to introduction and passing of Bills | 38 |
| 108. Joint sitting of both Houses in certain cases | 38 |
| 109. Special procedure in respect of Money Bills | 39 |
| 110. Definition of "Money Bills" | 40 |
| 111. Assent to Bills | ₄ 40 |
| Procedure in Financial Matters | |
| 112. Annual financial statement | 41 |
| 113. Procedure in Parliament with respect to estimates | 41 |
| 114. Appropriation Bills | 42 |
| 115. Supplementary, additional or excess grants | 42 |
| 116. Votes on account, votes of credit and exceptional grants | 42 |
| 117. Speical provisions as to financial Bills | 43 |
| Procedure Generally | |
| 118. Rules of procedure | 43 |
| 119. Regulation by law of procedure in Parliament in relation to financial business | 44 |
| 120. Language to be used in Parliament | 44 |
| 121. Restriction on discussion in Parliament | . 44 |
| 122. Courts not to inquire into proceedings of Parliament | 44 |
| CHAPTER III | |
| LEGISLATIVE POWERS OF THE PRESIDENT | |
| 123. Power of President to promulgate Ordinances during recess of Parliament | 45 |
| CHAPTER IV | |
| THE UNION JUDICIARY | |
| 124. Establishment and constitution of Supreme Court | 45 |
| 125. Salaries, etc., of Judges | 46 |
| 126. Appointment of acting Chief Justice | 47 |
| 127. Appointment of ad hoc, Judges | 47 |
| 128. Attendance of retired Judges at sittings of the Supreme Court | 47 |
| 129. Supreme Court to be a court of record | 47 |

| | संसद आना तिच वागडी हाचे विशेशाधिकार तशेच उन्मुक्त्यो | |
|------|---|-----|
| 105. | संसदेचीं सभाघरां आनी तांचे वांगडी तशेंच समित्यो हांचे अधिकार, विशेशाधिकार, इत्यादी. | 37 |
| 106. | वांगड्यांचीं वेतनां आनी भत्ते. | 38 |
| | | |
| – | विधिमंडळाच्या कामकाजाची पद्धत | |
| | विधेयकां मांडप आनी पास करप हेसंबंदीं उपबंध. | 38 |
| | विशीश्ट प्रकरणांनी दोनाय सभाघरांची बसका. | 38 |
| | धनविधेयकां संबंदांत खाशेली कार्यपद्धत. | 39 |
| | 'धनविधेयकां' हाची व्याख्या. | 40 |
| 111. | विधेयकांक अनुमती. | 40 |
| | अर्थीक गजालीतली कार्यपद्यत. | |
| 112. | वर्सुकें वित्तीय विवरणपत्र. | 41 |
| | अदमासपत्रकासंबंदीं संसदेंतली कार्यपद्धत. | 41 |
| | विनियोजन विधेयकां. | 42 |
| | पूरक, अतिरिक्त अथवा चड अनुदानां. | 42 |
| | लेखानुदानां, प्रत्ययानुदानां आनी आडवादाचीं अनुदानां. | 42 |
| | वित्तीय विधेयकांसंबंदीं खाशेले उपबंध. | 43 |
| | | |
| | सर्वसाधारणतायेन कार्यपद्धत | |
| | कार्यपद्धतीचे नेम. | 43 |
| | अर्थीक कामकाजासंबंदीं संसदेचे कार्यपद्धतीचें कायद्याउदेशीं विनियमन. | 44 |
| | संसदेंत वापरपाची भास. | 44 |
| | संसदेंतले चर्चेचेर निर्बंध. | 44 |
| 122. | न्यायालयांनी संसदेच्या कामकाजाविशीं चवकशी करप ना. | 44 |
| | प्रकरण 3 - राष्ट्रपतीचे वैधानीक अधिकार | |
| 123. | संसदेच्या विरामकाळांत अध्यादेश प्रख्यापीत करपाचो राष्ट्रपतीचो अधिकार. | 45 |
| | प्रकरण ४ - संघ न्यायपालिका | |
| 124. | सर्वोच्च न्यायालयाची स्थापना आनी घडण. | 45 |
| | न्यायाधीशांचें वेतन, इत्यादी. | 46 |
| | कार्यार्थ मुख्य न्यायाधीशाची नेमणूक. | 47 |
| | तदर्थ न्यायाधीशांची नेमणूक. | 47 |
| | सर्वोच्च न्यायालयाच्या बसकांनी निवृत्त न्यायाधीशांची हाजिरी. | 47 |
| | सर्वोच्च न्यायालय हें अभिलेख न्यायालय आसप. | 47 |
| | - · · · · · · · · · · · · · · · · · · · | • • |

| 130. Seat of Supreme Court | 47 |
|---|------|
| 131. Original jurisdiction of the Supreme Court | 48 |
| 131A. [Repealed] | 48 |
| 132. Appellate jurisdiction of Supreme Court in appeals from High Courts in certain cases | 48 |
| 133. Appellate jurisdiction of Supreme Court in appeals from High Courts in regard to | |
| civil matters | 48 |
| 134. Appellate jurisdiction of Supreme Court in regard to criminal matters | 49 |
| ¹ [134A. Certificate for appeal to the Supreme Court | 49 |
| 135. Jurisdiction and powers of the Federal Court under existing law to be exercisable by | |
| the Supreme Court | 50 |
| 136. Special leave to appeal by the Supreme Court | 50 |
| 137. Review of judgments or orders by the Supreme Court | 50 |
| 138. Enlargement of the jurisdiction of the Supreme Court | 50 |
| 139. Conferment on the Supreme Court of powers to issue certain writs | 50 |
| 139A. Transfer of certain cases | 50 |
| 140. Ancillary powers of Supreme Court | 51 |
| 141. Law declared by Supreme Court to be binding on all courts | 51 |
| 142. Enforcement of decrees and orders of Supreme Court and orders as to discovery, etc | 51 |
| 143. Power of President to consult Supreme Court | 51 |
| 144. Civil and judicial authorities to act in aid of the Supreme Court | 51 |
| 144A. [Repeales] | 52 |
| 145. Rules of Court, etc | 52 |
| 146. Officers and servants and the expenses of the Supreme Ćourt | 53 |
| 147. Interpretation | - 53 |
| CHAPTER 5 - COMPTROLLER AND AUDITOR-GENERAL OF INDIA | |
| | ٠ |
| 148. Controller and Auditor-General of India | 54 |
| 149. Duties and powers of the Comptroller and Auditor-General | 54 |
| 150. Form of accounts of the Union and of the States | 54 |
| 151. Audit reports | 54 |
| PART VI | • |
| THE STATES | |
| CHAPTER 1 - GENERAL | |

| | भाग - VI | |
|------|---|----|
| 151. | लेखापरीक्षा अहवाल. | 54 |
| | संघाच्या आनी राज्यांच्या लेख्यांचो नमुनो. | 54 |
| | नियंत्रक आनी महा लेखापरीक्षक हाचीं कर्तव्यां आनी अधिकार. | 54 |
| 148. | भारताचो नियंत्रक आनी महा लेखापरीक्षक. | 54 |
| | प्रकरण 5 - भारताचो नियंत्रक आनी महा लेखापरीक्षक | |
| | | |
| 147. | अर्थ लावणी. | 53 |
| 146. | सर्वोच्च न्यायालयाचे अधिकारी आनी सेवक तशेंच तांचो खर्च. | 53 |
| 145. | न्यायालयाचे नेम, इत्यादी. | 52 |
| 144क | . [निरसीत] | 52 |
| | मुलकी आनी न्यायीक प्राधिकरणांनी सर्वोच्च न्यायालयाच्या सहायाखातीर कार्य करप. | 52 |
| 143. | सर्वोच्च न्यायालयाचो विचार घेवपाचो न्यायालयाचो अधिकार. | 52 |
| | संबंदांत आदेश. | 51 |
| 142. | सर्वोच्च न्यायालयाचे हुकुमनामे आनी आदेश हांची बजावणी आनी प्रकटीकरण इत्यादी | |
| 141. | सर्वोच्च न्यायालयान घोशीत केल्लो कायदो सगल्या न्यायालयांचेर बंधनकारक आसप. | 51 |
| 140. | सर्वोच्च न्यायालयाचे सहायकारी अधिकार. | 51 |
| 139क | . थोडीं प्रकरणां वर्ग करप. | 50 |
| 139. | थोडे प्राधिलेख काडपाच्या अधिकारांचें सर्वोच्च न्यायालयाक प्रदान. | 50 |
| 138. | सर्वोच्च न्यायालयाचे अधिकारितायेचो विस्तार करप. | 50 |
| 137. | न्यायनिर्णय अथवा आदेश हांचें सर्वोच्च न्यायालयाकडल्यान पुनर्विलोकन. | 50 |
| 136. | अपील करपाक सर्वोच्च न्यायालयाकडल्यान खाशेली अनुज्ञा. | 50 |
| | न्यायालयान वापरप. | 50 |
| 135. | फेडरल न्यायालयाची विद्यमान कायद्याखालची अधिकारिताय आनी अधिकार सर्वोच्च | |
| 134क | .सर्वोच्च न्यायालयाकडेन अपील करपाखातीर प्रमाणपत्र. | 49 |
| 134. | फौजदारी प्रकरणांविशीं सर्वोच्च न्यायालयाची अपील अधिकारिताय. | 49 |
| | दिवाणी प्रकरणाविशीं उच्च न्यायालयांवेल्या अपिलांनी सर्वोच्च न्यायालयाची अधिकारिताय. | 48 |
| 132. | थोड्या प्रकरणांनीं उच्च न्यायालयांवेल्या अपिलांनी सर्वोच्च न्यायालयाची अपील अधिकारिताय. | 48 |
| 131क | .[निरसीत] | 48 |
| 131. | सर्वोच्च न्यायालयाची अव्वल अधिकारिताय. | 48 |
| 130. | सर्वोच्च न्यायालयाचें कार्यस्थान. | 47 |

राज्यां

प्रकरण 1 - सर्वसाधारण

CHAPTER 1- THE EXECUTIVE

THE GOVERNOR

| 153. Governors of States | 59 |
|---|------|
| 154. Executive power of State | 59 |
| 155. Appointment of Governor | 59 |
| 156. Term of office of Governor | - 59 |
| 157. Qualifications for appointment as Governor | 59 |
| 158. Conditions of Governor's office | 60 |
| 159. Oath or affirmation by the Governor | 60 |
| 160. Discharge of the functions of the Governor in certain contingencies | 60 |
| 161. Power of Governor to grant pardons, etc., and to suspend, remit or commute sentences | |
| in certain cases | 60 |
| 162. Extent of executive power of State | 61 |
| Council of Ministers | |
| 163. Council of Ministers to aid and advise Governor | 61 |
| 164. Other provisions as to Ministers | 61 |
| The Advocate-General for the State | |
| 165. Advocate-General for the State | 61 |
| Conduct of Government Business | |
| 166. Conduct of business of the Government of a State | 62 |
| 167. Duties of Chief Minister as respects the furnishing of information to Governor, etc | 62 |
| CHAPTER 3 - THE STATE LEGISLATURE | |
| GENERAL | |
| 168. Constitution of Legislatures in States | 62 |
| 169. Abolition or creation of Legislative Councils in States | 63 |
| 170. Composition of the Legislative Assemblies | 63 |
| 171. Composition of the Legislative Councils | 64 |
| 172. uration of State Legislatures | 64 |
| 173. Qualification for membership of the State Legislature | 65 |
| 174. Sessions of the State Legislature, prorogation and dissolution | 65 |
| 175. Right of Governor to address and send messages to the House or Houses | 65 |

VIII

प्रकरण 2 - कार्यपालिका

राज्यपाल

| 153. | राज्यांचे राज्यपाल. | 59 |
|------|---|----|
| 154. | राज्याचो शासनाधिकार. | 59 |
| 155. | राज्यपालाची नेमणूक. | 59 |
| 156. | राज्यपालाचो पदावधी. | 59 |
| 157. | राज्यपालपदावेले नेमणुकेखातीर पात्रताय. | 59 |
| 158. | राज्यपालपदाच्यो अटी. | 60 |
| 159. | राज्यपालान सोपूत घेवप अथवा दृढकथन करप. | 60 |
| 160. | थोड्या आकस्मिक वेळाप्रसंगांचेर राज्यपालाचीं कार्यां निभावप. | 60 |
| 161. | थोङ्या प्रकरणांनी माफी, इत्यादी करपाचो आनी शिक्षादेश निलंबीत करपाचो, तातूंत | |
| | मेकळीक दिवपाचो अथवा ते सौम्य करपाचो राज्यपालाचो अधिकार. | 60 |
| 162. | राज्याच्या मंत्रिमंडळ शासनाधिकाराची व्याप्ती. | 61 |
| | <i>मंत्रिमंडळ</i> | |
| 163. | राज्यपालाक सहाय करपाखातीर आनी सल्लो दिवपाखातीर मंत्रिमंडळ. | 61 |
| 164. | मंत्र्यांसंबंदीं हेर उपबंध. | 61 |
| | राज्याचो महा अधिवक्तो | |
| 165. | राज्याचो महा अधिवक्तो. | 61 |
| | सरकारी कामकाज चलोवप | |
| 166. | राज्य सरकाराचें कामकाज चलोवप. | 62 |
| 167. | राज्यपालाक माहियती दिवप, इत्यादी संबंदांत मुख्यमंत्र्याचीं कर्तव्यां. | 62 |
| | प्रकरण 3 - राज्य विधानमंडळ | |
| | सर्वसाधारण | |
| 168. | राज्यांतल्या विधानमंडळांची घडण. | 62 |
| 169. | राज्यांतल्यो विधान परिशदो ना करप अथवा निर्माण करप. | 63 |
| 170. | विधानसभांची घडण. | 63 |
| 171. | विधानपरिशदांची घडण. | 64 |
| 172. | राज्य विधानमंडळाचो कालावधी. | 64 |
| 173. | राज्य विधानमंडळाच्या वांगडीपणाखातीर पात्रताय. | 65 |
| 174. | राज्य विधानमंडळाचीं सत्रां, सत्रसमाप्ती आनी विसर्जन. | 65 |
| 175. | राज्यपालाचो सभाघराक अथवा सभाघरांक लेखून अभिभाशण करपाचो आनी संदेश | |
| | धाडपाचो अधिकार. | 65 |

| 176. Special address by the Governor | 65 |
|--|------|
| 177. Rights of Ministers and Advocate-General as respects the Houses | 66 |
| Officers of the State Legislature | |
| 178. The Speaker and Deputy Speaker of the Legislative Assembly | 66 |
| 179. Vacation and resignation of, and removal from, the offices of Speaker and Deputy | |
| Speaker | 66 |
| 180. Power of the Deputy Speaker or other person to perform the duties of the office of, | ٠. |
| or to act as, Speaker | 66 |
| 181. The Speaker or the Deputy Speaker not to preside while a resolution for his removal | |
| from office is under consideration | · 66 |
| 182. The Chairman and Deputy Chairman of the Legislative Council | 67 |
| 183. Vacation and resignation of, and removal from, the offices of Chairman and Deputy | |
| Chairman | 67 |
| 184. Power of the Deputy Chairman or other person to perform the duties of the office of, | |
| or to act as, Chairman. | 67 |
| 185. The Chairman or the Deputy Chairman not to preside while a resolution for his removal | |
| from office is under consideration | 67 |
| 186. Salaries and allowances of the Speaker and Deputy Speaker and the Chairman | |
| and Deputy Chairman | 68 |
| 187. Secretariat of State Legislature | 68 |
| Conduct of Business | ŧ- |
| 188. Oath or affirmation by members | 68 |
| 189. Voting in Houses, power of Houses to act notwithstanding vacancies and quorum | 68 |
| Disqualifications of Members | |
| 190. Vacation of seats | 69 |
| 191. Disqualifications for membership. | 70 |
| 192. Decision on questions as to disqualifications of members | 70 |
| 193. Penalty for sitting and voting before making oath or affirmation under article 188 or | |
| when not qualified or when disqualified | 70 |
| Powers, Privileges and Immunities of State Legislatures | - |
| 194. Powers, privileges, etc., of the Houses of Legislatures and of the members and | |
| committees thereof | 70 |
| 195. Salaries and allowances of members | 71 |

| 176. | राज्यपालाचें खाशेलें अभिभाशण. | 65 |
|------|---|----------------|
| 177. | मंत्री आनी महा अधिवक्तो हांचे सभाघराविशीं अधिकार. | 66 |
| | राज्य विधानमंडळाचे अधिकारी. | |
| 178. | विधानसभेचो अध्यक्ष आनी उपाध्यक्ष. | 66 |
| 179. | अध्यक्षपद आनी उपाध्यक्षपद रितें जावप आनी ताचो राजीनामो दिवप आनी ताचेवेल्यान | |
| | काडून उडोवप. | 66 |
| 180. | उपाध्यक्ष अथवा हेर व्यक्ती हांचीं अध्यक्षपदाचीं कर्तव्यां करपाचो अथवा अध्यक्ष म्हूण कार्य | |
| | करपाचो अधिकार. | 66 |
| 181. | अध्यक्षाक अथवा उपाध्यक्षाक पदावेल्यान कडेक काडपाचो थाराव विचाराधीन आसता तेन्ना ताणें | |
| | अध्यक्षरथान स्वीकारप ना | 66 |
| | विधानपरिशदेचो सभापती आनी उपसभापती. | 67 |
| 183. | सभापतीपद आनी उपसभापतीपद रितें जावप आनी ताचो राजीनामो दिवप आनी ताचेवेल्यान | |
| | कडेक काडप. | 67 |
| 184. | उपसभापती अथवा हेर कोणूय व्यक्ती हांचो सभापतीपदाचीं कर्तव्यां करपाचों अथवा सभापती | o - |
| | म्हूण कार्य करपाचो अधिकार. | 67 |
| 185. | सभापतीक अथवा उपसभापतीक पदावेल्यान कडेक काडपाचो थाराव विचाराधीन आसता | 07 |
| 400 | तेन्ना ताणे अध्यक्षस्थान स्वीकारप ना. | 67 |
| | अध्यक्ष आनी उपाध्यक्ष तशेंच सभापती आनी उपसभापती हांचें वेतन आनी भत्ते. | 68 |
| 187. | राज्य विधानमंडळाचें सचिवालय. | 68 |
| | कामकाज चलोवप | |
| 188. | वांगड्यांनी सोपूत घेवप अथवा दृढकथन करप. | 68 |
| | सभाघरांतलें मतदान, जागो रितो आसतनाय कार्य करपाचो सभाघरांचो अधिकार आनी गणपूर्ती. | 68 |
| | | |
| 100 | <i>वांगड्यांच्यो अपात्रतायो</i> सुवात रिती करप. | 69 |
| | ्रचारा रस्ता परस्य. वागडीपणाविशीं अपात्रताय. | 70 |
| | वांगङ्यांच्या अपात्रतायांसंबंदींच्या प्रस्नावेलो निर्णय. | 70 |
| | कलम 188 खाला सोपूत घेंवचेपयलीं अथवा दृढकथन करचेपयलीं अथवा पात्र नासतना | |
| • | अथवा अपात्र आसतना सुवातेर बसपासंबंदांत आनी मतदान करपासंबंदांत दंड. | 70 |
| | | - |
| | राज्य विधानमंडळां आनी तांचे वांगडी हांचे अधिकार, विशेशाधिकार आनी उन्मुक्ती | |
| 194. | विधानमंडळांचीं सभाघरां आनी तांचे वांगडी आनी समित्यो हांचे अधिकार, विशेशाधिकार, इत्यादी. | 7,0 |
| 195. | वांगङ्यांचे वेतन आनी भत्ते. | 71 |

Legislative Procedure

| 196. Provisions as to introduction and passing of bills | . 11 |
|--|------|
| 197. Restriction on powers of Legislative Council as to Bills other than Money Bills | 71 |
| 198. Special procedure in respect of Money Bills | 72 |
| 199. Definition of "Money Bills" | 72 |
| 200. Assent to Bills | 73 |
| 201. Bills reserved for consideration | 74 |
| Procedure in Financial Matters | |
| 202. Annual financial statement | 74 |
| 203. Procedure in Legislature with respect to estimates | 75 |
| 204. Appropriation Bills | 75 |
| 205. Supplementary additional or excess grants | 75 |
| 206. Votes on account, votes of credit and exceptional grants | 76 |
| 207. Special provisions as to financial Bills | . 76 |
| Procedure Generally | |
| 208. Rules of procedure | . 77 |
| 209. Regulation by law of procedure in the Legislature of the State in relation to financial | |
| business | 77 |
| 210. Language to be used in the Legislature | 77 |
| 211. Restriction on discussion in the Legislature | 78 |
| 212. Courts not to inquire into proceedings of the Legislature | 78 |
| CHAPTER 4-LEGISLATIVE POWER OF THE GOVERNOR | |
| 213. Power of Governor to promulgate Ordinances during recess of Legislature | 78 |
| CHAPTER 5-THE HIGH COURTS IN THE STATES | |
| 214. High Courts for States | . 79 |
| 215. High Courts to be courts of record | . 79 |
| 216. Constitution of High Courts | 79 |
| 217. Appointment and conditions of the office of a Judge of a High Court | . 79 |
| 218. Application of certain provisions relating to Supreme Court to High Courts | 80 |
| 219. Oath or affirmation by Judges of High Courts | 81 |
| 220. Restriction on practice after being a permanent Judge | 81 |
| 221. Salaries, etc., of Judges | 81 |
| 222. Transfer of a Judge from one High Court to another | 81 |

वैधानीक कार्यपद्धत

| 196. | विधेयका मांडप आनी पास करप हांचे संबंदी उपबंध. | 71 |
|------|--|----|
| 197. | धनविधेयकांपरस हेर विधेयकांसंबंदीं विधानपरिशदेच्या अधिकारांचेर निर्बंध. | 71 |
| 198. | धनविधेयकांविशीं खाशेली कार्यपद्धत. | 72 |
| 199. | धनविधेयकां' हाची व्याख्या. | 72 |
| 200. | विधेयकांक अनुमती. | 73 |
| 201. | विचाराखातीर राखून दवरिल्लीं विधेयकां. | 74 |
| | अर्थीक गजालींच्या संबंदांतली कार्यपद्धत | |
| 202. | वर्सुकें वित्तीय विवरणपत्र. | 74 |
| 203. | अंदाजांविशीं विधानमंडळांतली कार्यपद्धत. | 75 |
| 204. | विनियोजन विधेयकां. | 75 |
| 205. | पूरक, अतिरिक्त अथवा चड अनुदानां. | 75 |
| 206. | लेखानुदानां, प्रत्ययानुदानां आनी आडवादाचीं अनुदानां. | 76 |
| 207. | वित्तीय विधेयकांसंबंदीं खाशेले उपबंध. | 76 |
| | सर्वसाधारणतायेन कार्यपद्धत | |
| 208. | कार्यपद्धतीचे नेम. | 77 |
| 209. | वित्तीय कामकाजासंबंदीं राज्य विधानमंडळाचे कार्यपद्धतीचें कायद्यावरवीं विनियमन. | 77 |
| 210. | विधानमंडळांत वापरपाची भास. | 77 |
| 211. | विधानमंडळांतले चर्चेचेर निर्बंध. | 78 |
| 212. | न्यायालयांनी विधानमंडळाच्या कामाजासंबंदीं चवकशी करप ना. | 78 |
| | प्रकरण 4 - राज्यपालाचो वैधानीक अधिकार | |
| 213. | विधानमंडळाच्या विरामकाळांत अध्यादेश प्रख्यापीत करपाचो राज्यपालाचो अधिकार. | 78 |
| | प्रकरण 5 - राज्यांतलीं उच्च न्यायालयां | |
| 214. | राज्यांखातीर उच्च न्यायालयां | 79 |
| 215. | उच्च न्यायालयां हीं अभिलेख न्यायालयां आसप. | 79 |
| 216. | उच्च न्यायालयांची घडण. | 79 |
| 217. | उच्च न्यायालयाच्या न्यायाधीशाची नेमणूक आनी त्या पदाच्यो अटी. | 79 |
| 218. | सर्वोच्च न्यायालयासंबंदींचे थोडे उपबंध उच्च न्यायालयांक लागू आसप. | 80 |
| 219. | उच्च न्यायालयांच्या न्यायाधीशांनी सोपूत घेवप, अथवा दृढकथन करप. | 81 |
| 220. | स्थायी न्यायाधीश जालेउपरांत वेवसायाचेर निर्बंध. | 81 |
| 221. | न्यायाधीशांचीं वेतनां, इत्यादी. | 81 |
| 222. | न्यायाधीशाची एका उच्च न्यायालयांतल्यान दुसऱ्या उच्च न्यायालयांत बदली. | 81 |

| 223. Appointment of acting Chief Justice | 81 |
|--|----|
| 224. Appointment of additional and acting Judges | 82 |
| 224A. Appointment of retired Judges at sittings of High Courts | 82 |
| 225. Jurisdiction of existing High Courts | 82 |
| 226. Power of High Courts to issue certain writs | 83 |
| 226A. [Repealed] | 83 |
| 227. Power of superintendence over all courts by the High Court | 83 |
| 228. Transfer of certain cases to High Court | 84 |
| 228A. [Repealed] | 84 |
| 229. Officers and servants and the expenses of High Courts | 84 |
| 230. Extension of jurisdiction of High Courts to Union territories | 85 |
| 231. Establishment of a common High Court for two or more States | 85 |
| 232. [Repealed] | 85 |
| CHAPTER 6 - SUBORDINATE COURTS | |
| 233. Appointment of district judges | 86 |
| 233A. Validation of appointments of, and judgments, etc., delivered by, certain district judges | 86 |
| 234. Recruitment of persons other than district judges to the judicial service | 86 |
| 235. Control over subordinate courts | 86 |
| 236. Interpretation | 87 |
| 237. Application of the provisions of this Chapter to certain class or classes of magistrates | 87 |
| PART VII | |
| THE STATES IN PART B OF THE FIRST SCHEDULE | |
| 238. [Repealed.] | 91 |
| PART VIII | |
| THE UNION TERRITORIES | |
| 239. Administration of Union territories | 91 |
| 239A. Creation of local Legislatures or Council of Ministers or both for certain Union territories | 91 |
| 239AA. Special provisions with respect to Delhi | 91 |
| 239AB. Provision in case of failure of constitutional machinery. | 93 |
| 239B. Power of administrator to promulgate Ordinances during recess of Legislature | 93 |
| 240. Power of President to make regulations for certain Union territories | 94 |
| 241. High Courts for Union territories | 95 |
| 242. [Repealed] | 95 |

| 223. | कार्यार्थ मुख्य न्यायमूर्तीची नेमणूक. | 81 |
|---------------------|---|----|
| 224. | अतिरीक्त आनी कार्यार्थ न्यायाधीशांची नेमणूक. | 82 |
| 224क | .उच्च न्यायालयांचे बसकेखातीर निवृत्त न्यायाधीशांची नेमणूक. | 82 |
| 225. | विद्यमान उच्च न्यायालयांची अधिकारिताय. | 82 |
| 226. | थोडे प्राधिलेख काडपाचो उच्च न्यायालयाचो अधिकार. | 83 |
| 226क | . [निरसीत] | 83 |
| 227. | उच्च न्यायालयाचो सगल्या न्यायालयांचेर देखरेख करपाचो अधिकार. | 83 |
| 228. | थोडीं प्रकरणां उच्च न्यायालयाकडेन वर्ग करप. | 84 |
| 228क | . [निरसीत] | 84 |
| 229. | उच्च न्यायालयांचे अधिकारी आनी सेवक तशेंच खर्च. | 84 |
| 230. | उच्च न्यायालयांचे अधिकारितायेचो संघ राज्यक्षेत्रांचेर विस्तार करप. | 85 |
| 231. | दोन अथवा चड राज्यांखातीर एका संयुक्त उच्च न्यायालयाची स्थापना. | 85 |
| 232. | [निरसीत] | 85 |
| | | |
| 000 | प्रकरण 6 - दुय्यम न्यायालयां | 86 |
| | जिल्हो न्यायाधीशांची नेमणूक. | 86 |
| | ्थोड्या जिल्हो न्यायाधीशांच्यो नेमणुको आनी ताणीं दिल्ले न्यायनिर्णय इत्यादी विधिग्राह्म करप. | 86 |
| | जिल्हो न्यायाधीशांपरस हेर व्यक्तींची न्यायीक सेवेंतली भरती. | 86 |
| | ्दुय्यम न्यायालयावेलें नियंत्रण. | 87 |
| | अर्थ लावणी. | 87 |
| 237. | दंडाधिकाऱ्यांच्या थोड्या वर्गाक अथवा वर्गांक ह्या प्रकरणांचे उपबंध लागू आसप. | 01 |
| | भाग - VII | |
| | पयले अनुसुचयेच्या भाग - ख हातूंतलीं राज्यां | |
| 238. | [निरसीत] | 91 |
| | | |
| | भाग - VIII | |
| 000 | संघ राज्यक्षेत्रां | 91 |
| | संघ राज्यक्षेत्रांचें प्रशासन. | |
| | 5.थोड्या संघ राज्यक्षेत्रांखातीर थळाव्या विधानमंडळांची अथवा मंत्रिमंडळांची अथवा दोनांयची निर्मणी. | 91 |
| - | क्क. दिल्लीच्या संबंदांत विशेष उपबंध क्ख. संविधानीक यंत्रणा निकामी जावपाचे स्थिती वेळार वापरपाचे उपबंध. | 93 |
| | ज्खः. सावधानाक यत्रणा निकामा जावपाच स्थिता पळार पापरपाच उपवयः. इ. प्रशासकाचो विधानमंडळांच्या विरामकाळांत अध्यादेश काडपाचो अधिकार. | 93 |
| | इ. प्रशासकाचा विधानमञ्जाच्या विरामकाळात अध्यादश काञ्जाया आविपार. राष्ट्रपतीचो थोङ्या संघ राज्यक्षेत्रांखातीर विनियम करपाचो अधिकार. | 94 |
| | राष्ट्रपताचा थाड्या सघ राज्यक्षत्राखातार विनियम करपाया जायकार. संघ राज्यक्षेत्रांखातीर उच्च न्यायालयां. | 95 |
| | संघ राज्यक्षत्राखातार उच्च न्यायालया. [निरसीत] | 95 |
| $\angle + \angle$. | TENNING / | _ |

PART IX

THE PANCHAYATS

| 243. Definitions | 91 |
|--|------|
| 243A. Gram Sabha | 97 |
| 243B. Constitution of Panchayats | 97 |
| 243C. Composition of Panchayats | 97 |
| 243D. Reservation of seats | 98 |
| 243E. Duration of Panchayats, etc | 99 |
| 243F. Disqualifications for membership | . 99 |
| 243G. Powers, authority and responsibilities of Panchayats | 100 |
| 243H. Powers to impose taxes by, and Funds of, the Panchayats | 100 |
| 243-I. Constitution of Finance Commission to review financial position | 100 |
| 243J. Audit of accounts of Panchayats | 101 |
| 243K. Elections to the Panchayats | 101 |
| 243L. Application to Union territories | 101 |
| 243M. Part not to apply to certain areas | 102 |
| 243N. Continuance of existing laws and Panchayats | 102 |
| 243-O. Bar to interference by courts in electoral matters | 103 |
| PART IXA | • |
| THE MUNICIPALITIES | |
| 243P. Definitions | 104 |
| 243Q. Constitution of Municipalities | 104 |
| 243R. Composition of Municipalities | 105 |
| 243S. Constitution and composition of Wards Committees, etc | 105 |
| 243T. Reservation of seats | 106 |
| 243U. Duration of Municipalities, etc | 106 |
| 243V. Disqualifications for membership | 107 |
| 243W. Powers, authority and responsibilities of Municipalities, etc | 107 |
| 243X. Power to impose taxes by, and Funds of, the Municipalities | 107 |
| 243Y. Finance Commission | 108 |
| 243Z. Audit of accounts of Municipalities | 108 |
| 243ZA. Elections to the Municipalities | 108 |
| 243ZB. Application to Union territories | 108 |
| 243ZC. Part not to apply to certain areas | 109 |
| 243ZD. Committee for district planning | 109 |

भाग - IX

पंचायती

| 243. व्याख्या | 97 |
|---|-------|
| 243क. ग्राम सभा | 97 |
| 243ख. पंचायतींची घडण | 97 |
| 243ग. पंचायतींची रचणूक | 97 |
| 243घ. जागांचे आरक्षण | 98 |
| 243 ङ. पंचायतींचो कार्यकाळ इत्यादी | 99 |
| 243च. वांगडीपणाखातीर अपात्रतायो | 99 |
| 243छ. पंचायतीचे अधिकार, प्राधिकार आनी जापसालक्यो | 100 |
| 243ज. पंचायतींकडल्यान कर लावपाचे अधिकार आनी तांचे निधि. | 100 |
| 243झ. वित्तीय स्थिती नियाळपाखातीर वित्त आयोगाची घडण | 100 |
| 243ञ. पंचायतींच्या लेख्यांची तपासणी. | 101 |
| 243ट. पंचायतींखातीर वेचणूको | 101 |
| 243 ह. संघ राज्यक्षेत्रांक लागू जावप. | 101 |
| 243ड. कांय क्षेत्रांत हो भाग लागू ना जावप. | 102 |
| 243 ढ. विद्यमान कायद्ये आनी पंचायती आसा तशो चालू उरप. | 102 |
| 243ण. वेचणूकासंबंदीच्या गजालींनी न्यायालयाच्या हस्तक्षेपाचें वर्जन. | 103 |
| भाग - IXक | |
| नगरपालिका | • |
| 243त. व्याख्या | 104 |
| 243थ. नगरपालिकांची घडण | 104 |
| 243द. नगरपालिकांची रचणूक | 105 |
| 243ध. वाडो समित्यो, इत्यादीचीं घडण आनी रचणूक | . 105 |
| 243न. जाग्यांचे आरक्षण. | 106 |
| 243प. नगरपालिकांचो कार्यकाल, इत्यादी. | 106 |
| 243फ. वांगडीपणाखातीर अपात्रतायो. | 107 |
| 243ब. नगरपालिकांचे अधिकार, प्राधिकार आनी जापसालक्यो, इत्यादी. | 107 |
| 243भ. नगरपालिकाकडल्यान कर लावपाचो अधिकार आनी तांचे निधि. | 107 |
| 243म. वित्त आयोग. | 108 |
| 243य. नगरपालिकांच्या लेख्यांची तपासणी. | 108 |
| 243यक. नगरपालिकांखातीर वेचणूको. | 108 |
| 243यख. संघ राज्यक्षेत्रांक लागू जावप. | 108 |
| 243यग. कांय क्षेत्रांक ह्या भागाचे लागू ना जावप. | 109 |
| 243यघ. जिल्हो येवजणेखातीर समिती. | 109 |

| 243ZE. Committee for Metropolitan planning | 110 |
|---|-----|
| 243ZF. Continuance of existing laws and Municipalities | 110 |
| 243ZG. Bar to interference by courts in electoral matters | 111 |
| PARTX | |
| THE SCHEDULED AND TRIBAL AREAS | |
| 244. Administration of Scheduled Areas and Tribal Areas | 112 |
| 244A. Formation of an autonomous State comprising certain tribal areas in Assam and | |
| creation of local Legislature or Council of Ministers or both therefor | 112 |
| PART XI | |
| RELATIONS BETWEEN THE UNION AND THE STATES | |
| CHAPTER 1 - LEGISLATIVE RELATIONS | |
| Distribution of Legislative Powers | |
| 245. Extent of laws made by Parliament and by the Legislatures of States | 114 |
| 246. Subject-matter of laws made by Parliament and by the Legislatures of States | 114 |
| 247. Power of Parliament to provide for the establishment of certain additional courts | 114 |
| 248. Residuary powers of legislation | 114 |
| 249. Power of Parliament to legislate with respect to a matter in the State List in the | |
| national interest | 114 |
| 250. Power of Parliament to legislate with respect to any matter in the State List if a | |
| Proclamation of Emergency is in operation | 115 |
| 251. Inconsistency between laws made by Parliament under articles 249 and 250 and | |
| laws made by the Legislatures of States | 115 |
| 252. Power of Parliament to legislate for two or more States by consent and adoption of | |
| such legislation by any other State | 115 |
| 253. Legislation for giving effect to international agreements | 116 |
| 254. Inconsistency between laws made by Parliament and laws made by the Legislatures | |
| of States | 116 |
| 255. Requirements as to recommendations and previous sanctions to be regarded | |
| as matters of procedure only | 116 |
| CHAPTER 2 - ADMINISTRATIVE RELATIONS | |
| General | |
| 256. Obligation of States and the Union | 117 |
| 257. Control of the Union over States in certain cases | 117 |
| 257A. [Repealed] | 117 |
| 258. Power of the Union to confer powers, etc., on States in certain cases | 118 |
| 258A Power of the States to entrust functions to the Union | 110 |

| 243यङ. महानगर योजणेखातीर समिती. | 110 | |
|---|-----|--|
| 243यच. विद्यमान कायद्ये आनी नगरपालिका आसा तशींच चालू उरपः | | |
| 243यछ. वेचणूकांसंबंदीच्या गजालींनी न्यायालयाच्या हस्तक्षेपाचे वर्जन. | 111 | |
| | | |
| भाग - X | | |
| अनुसूचित आनी जनजाती - क्षेत्रां | 440 | |
| 244. अनुसूचित क्षेत्रां आनी जनजाती क्षेत्रांचें प्रशासन. | 112 | |
| 244क आसामांतलीं थोडीं जनजाती क्षेत्रां आस्पावीत आशिल्लें स्वायत्त राज्य घडोवप आनी | 440 | |
| ताचेखातीर थळाव्या विधानमंडळांची अथवा मंत्रिमंडळांची अथवा दोनांयची निर्मणी. | 112 | |
| FINANCE, PROPERTY CONTRACTS AND SUITS IX - FIFE | | |
| संघ आनी राज्यांमदले संबंद | | |
| प्रकरण 1 - वैधानीक संबंद | | |
| वैधानीक अधिकारांची विभागणी | | |
| 245. संसदेन आनी राज्यांच्या विधानमंडळांनी केल्ल्या कायद्यांची व्याप्ती. | 114 | |
| 246. संसदेन आनी राज्यांच्या विधानमंडळांनी केल्ल्या कायद्यांची विशयवस्तू. | 114 | |
| 247. थोड्या अतिरीक्त न्यायालयांची स्थापना करपाखातीर उपबंध करपाचो संसदेचो अधिकार. | 114 | |
| 248. विधिविधानाचे अवशीश्ट अधिकार. | 114 | |
| 249. राष्ट्रीय हिताखातीर राज्य वळेरेंतल्या गजालींसंबंदीं विधिविधान करपाची संसदेची अधिकार. | 114 | |
| 250. आणीबाणीची उद्घोशणा लागू आसतना राज्य वळेरेंतले खंयचेय गजालीविशीं विधिविधान | | |
| करपाचो संसदेचो अधिकार कि इस स्थानिक अधिकार अधिकार करणा विकास कि स्थानिक स्थानिक स्थानिक स्थानिक स्थानिक स्थानिक | 115 | |
| 251. संसदेन कलम 249 आनी 250 खाला केल्ले कायदे आनी राज्यांच्या विधानमंडळांनी | | |
| केल्ले कायदे हातूंतली विसंगती. | 115 | |
| 252. दोन अथवा चड राज्यांखातीर तांचे संमतीन विधिविधान करपाचो संसदेचो अधिकार आनी | | |
| अशा विधिविधानाचो हेर खंयच्याय राज्याकडल्यान स्वीकार. | 115 | |
| 253. आंतरराष्ट्रीय करारांची अंमलबजावणी करपाखातीर विधिविधान. | 116 | |
| 254. संसदेन केल्ले कायदे आनी राज्यांच्या विधान मंडळांनी केल्ले कायदे हातूंतली विसंगती. | 116 | |
| 255. शिफारसी आनी पूर्वमंजुरी संबंदींच्यो गरजो ह्यो फकत कार्यपद्धतीच्यो गजाली अशें मानप. | 116 | |
| Inter trom the Union to certain States - 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 | | |
| प्रकरण 2 - प्रशासकीय संबंद | | |
| सर्वसाधारण | | |
| | 117 | |
| 257. थोड्या गजालींनी संघाचें राज्यांचेर नियंत्रण. | 117 | |
| 257क.[निरसीत] | 117 | |
| 258. थोड्या गजालींनी राज्यांक अधिकार इत्यादी प्रदान करपाचो संघाचो अधिकार. | 118 | |
| 258क.संघाकडेन कार्यां सोपोवपाचो राज्यांचो अधिकार. | 118 | |

| 259. [Repealed] | 118 |
|---|-------|
| 260. Jurisdiction of the Union in relation to territories outside India | 118 |
| 261. Public acts, records and judicial proceedings | - 118 |
| Disputes relating to Waters | |
| 262. Adjudication of disputes relating to waters of inter-State rivers or river valleys | 119 |
| Co-ordination between States | |
| 263. Provisions with respect to an inter-State Council | . 119 |
| PART XII | |
| FINANCE, PROPERTY, CONTRACTS AND SUITS | |
| CHAPTER 1 - FINANCE | |
| General | |
| 264. Interpretation | 120 |
| 265. Taxes not to be imposed save by authority of law | 120 |
| 266. Consolidated Funds and public accounts of India and of the States | 120 |
| 267. Contingency Fund | 120 |
| Distribution of Revenues between the Union and the States | |
| 268. Duties levied by the Union but collected and appropriated by the States | 121 |
| 269. Taxes levied and collected by the Union but assigned to the States | 121 |
| 270. Taxes levied and distributed between the Union and the States | 121 |
| 271. Surcharge on certain duties and taxes for purposes of the Union | 122 |
| 272. [Repealed] | 122 |
| 273. Grants in lieu of export duty on jute and jute products | 122 |
| 274. Prior recommendation of President required to Bills affecting taxation in which | • |
| States are interested | 123 |
| 275. Grants from the Union to certain States | 123 |
| 276. Taxes on professions, trades, callings and employments | 124 |
| 277. Savings | 124 |
| 278. [Repealed] | 125 |
| 279. Calculation of "net proceeds", etc | 125 |
| 280. Finance Commission | 125 |
| 281. Recommendations of the Finance Commission | 125 |

| 259. | [निरसीत] | 118 |
|------|---|-----|
| 260. | भारताभायल्या राज्यक्षेत्रासंबंदी संघाची अधिकारिताय. | 118 |
| | अधिशासकीय कृती, अभिलेख आनी न्यायीक कार्यवाही. | 118 |
| | <i>उदकासंबंदींचीं किजिलां</i> | |
| 262. | आंतरराज्यीय न्हंयांच्या अथवा न्हंय घळींतल्या उदकासंबंदींच्या किजिलांचो अभिनिर्णय. | 119 |
| | राज्याराज्यांमदलो समन्वय | |
| 263. | आंतरराज्यीय परिशदेसंबंदीं उपबंध | 119 |
| • | भाग - XII | |
| | वित्त, संपत्ती, संविदा आनी दावे | |
| | प्रकरण 1 - वित्त | |
| | सर्वसाधारण | |
| 264. | अर्थ लावणी. | 120 |
| 265. | कायद्यान प्राधिकार दिलेबगर कर लावप ना. | 120 |
| 266. | भारताचे आनी राज्यांचे एकवटीत निधी आनी लोकलेखे. | 120 |
| 167. | आकस्मिकताय निधी. | 120 |
| | संघ आनी राज्यां हांचेभितरल्या महसुलाचें वितरण | |
| 268. | संघान लायिल्लीं पूण राज्यांनी वसूल केल्लीं आनी विनियोजन केल्लीं शुल्कां. | 121 |
| 269. | संघान लायिल्ले आनी वसूल केल्ले पूण राज्यांक नेमून दिल्ले कर | 121 |
| 270. | संघान लायिल्ले आनी वसूल केल्ले आनी संघ तशेंच राज्य हांचे मदीं वितरीत जातात | |
| | अशे कर. | 121 |
| 271. | संघाच्या प्रयोजनाखातीर थोडीं शुल्कां आनी कर हांचेर अधिभार. | 122 |
| 272. | संघान लायिल्ले आनी वसुल केल्ले पूण संघ आनी राज्यां हांचेमदीं वितरीत करूं येतात | |
| | अशे कर. | 122 |
| 273. | ताग आनी तांगोत्पादीत वस्तू हांचेवेल्या निर्यात शुल्काचे सुवातेर अनुदानां. | 122 |
| | राज्यां जातूंत हितसंबंधीत आसात अशे कर लावणेचेर परिणाम करपी विधेयकांक | |
| | राष्ट्रपतीची पूर्वशिफारस गरजेची. ` | 123 |
| 275. | थोड्या राज्यांक संघाकडल्यान अनुदानां. | 123 |
| 276. | वेवसाय, उदीम, आजीविका आनी नोकऱ्यो हांचेवेले कर. | 124 |
| 277. | आडवाद. | 124 |
| 278. | [निरसीत] | 125 |
| 279. | 'निव्वळ येणावळ' इत्यादींची परिगणना. | 125 |
| 280. | वित्त आयोग. | 125 |
| 281. | वित्त आयोगाच्यो शिफारसी. | 125 |

MISCELLANEOUS FINANCIAL PROVISIONS

| 282. Expenditure defrayable by the Union or a State out of its revenues | 126 |
|--|------|
| 283. Custody, etc., of Consolidated Funds, Contingency Funds and moneys credited | ٠, |
| to the public accounts | 126 |
| 284. Custody of suitors' deposits and other moneys received by public servants and courts | 126 |
| 285. Exemption of property of the Union from State taxation | 126 |
| 286. Restrictions as to imposition of tax on the sale or purchase of goods | 127 |
| 287. Exemption from taxes on electricity | 127 |
| 288. Exemption from taxation by States in respect of water or electricity in certain cases | 127 |
| 289. Exemption of property and income of a State from Union taxation | 128 |
| 290. Adjustment in respect of certain expenses and pensions | 128 |
| 290A. Annual payment to certain Devaswom Funds | 129 |
| 291. [Repealed] | 129 |
| CHAPTER 2 - BORROWING | |
| 292. Borrowing by the Government of India | 129 |
| 293. Borrowing by States | 129 |
| CHAPTER 3 - PROPERTY, CONTRACTS, RIGHTS, LIABILITIES, OBLIGATIONS AND SUITS | • |
| 294. Succession to property, assets, rights, liabilities and obligations in certain cases | 130 |
| 295. Succession to property, assets, rights, liabilities and obligations in other cases | 130 |
| 296. Property accruing by escheat or lapse or as bona vacantia | 131 |
| 297. Things of value within territorial waters or continental shelf and resources of the | |
| exclusive economic zone to vest in the Union | 131 |
| 298. Power to carry on trade, etc | 131 |
| 299. Contracts | 132 |
| 300. Suits and proceedings | 132 |
| CHAPTER 4 - RIGHT TO PROPERTY | - |
| 300A. Persons not to be deprived of property save by authority of law | 132 |
| Part XIII | ٠, . |
| TRADE, COMMERCE AND INTERCOURSE WITHIN THE TERRITORY OF INDIA | • |
| 301. Freedom of trade, commerce and intercourse | 134 |
| 302. Power of Parliament to impose restrictions on trade, commerce and intercourse | 134 |
| 303. Restrictions on the legislative powers of the Union and of the States with regard to | - |
| trade and commerce | -134 |

प्रकीर्ण वित्तीय उपबंध

| 282. | संघान अथवा राज्यान आपणाल्या महसुलांतल्यान भागोवपासारको खर्च. | 126 |
|------|---|------|
| 283. | एकवटीत निधी, आकस्मिकताय निधी आनी लोकलेख्यांच्या खात्यांत जमा केल्लो दुडू | 120 |
| | हांची अभिरक्षा, इत्यादी. | 126 |
| 284. | भौशीक सेवेकार आनी न्यायालयां हांकां मेळिल्ल्यो पक्षकारांच्यो ठेवी आनी हेर दुडू | .20 |
| | हांची अभिरक्षा. | 126 |
| 285. | संघाचे संपत्तीक राज्याचे कर-लावणेपसून मेकळीक. | 126 |
| | मालाची विक्री अथवा खरेदी हांचेर कर लावपासंबंदीं निर्बंध. | 127 |
| | विजेवेल्या करांपसून मेकळीक. | 127 |
| 288. | उदक अथवा वीज हांचेसंबंदीं राज्यांनी केल्ले कर-लावणेपसून थोड्या गजालींनी मेकळीक. | 127 |
| 289. | राज्याचे संपत्तेक आनी प्राप्तेक संघीय कर-लावणेपसून मेकळीक. | 128 |
| 290. | थोंडे खर्च आनी पेन्शनी हांचेसंबंदीं समायोजन. | 128 |
| | o. थोड्या देवस्वम् निधीभितर वर्सुको भरिणो. | 129 |
| | [निरसीत] | 129 |
| | | 120 |
| | प्रकरण 2 - उदार घेवप | |
| 292. | भारत सरकारान रिणां काडप. | 129 |
| 293. | राज्यांनी रिणां काडप | 129 |
| | | 0 |
| | प्रकरण 3 - संपत्ती, संविदा, अधिकार, दायित्वां, आबंधनां आनी दावे | |
| 294. | थोड्या गजालींनी संपत्ती, मत्ता, अधिकार, दायित्वां आनी आबंधनां हांचे संबंदींचो | |
| | उत्तरांधिकार. | 130 |
| 295. | हेर संबंदांत संपत्ती, मत्ता, अधिकार, दायित्वां आनी आबंधनां हांचे संबंदांतलो उत्तराधिकार | 130 |
| | राजगामी अथवा खळीत अथवा बेवारशी मालमत्ता म्हूण उपार्जीत जावपी संपत्ती. | 131 |
| 297. | क्षेत्रीय जलधी अथवा सागरमग्न खंडभूंय हांचे भितरल्यो मोलादीक वस्तू आनी अनन्यसादारण | |
| | अर्थीक परिक्षेत्रांतल्यो साधक संपत्ती संघाचे ठांय निहीत जावप. | 131 |
| 298. | वेपार, इत्यादी चलोवपाचो अधिकार | 131 |
| | संविदा. | 132 |
| 300. | दावे आनी कार्यवाही. | 132 |
| | | 102 |
| | प्रकरण 4 - संपत्तीचो अधिकार | |
| 300क | .कायद्यान प्राधिकार दिलेबगर व्यक्तींक संपत्तेपसून वंचित करप ना. | 132 |
| | | . 32 |
| | भाग - XIII | |
| | भारताच्या राज्यक्षेत्रांतलो वेपार, वाणिज्य आनी वेव्हारसंबंद | |
| 301. | वेपार, वाणिज्य आनी वेव्हारसंबंद हांचें स्वातंत्र्य. | 134 |
| | संसदेचो वेपार, वाणिज्य आनी वेव्हारसंबंद हांचेर निर्बंध घालपाचो अधिकार | 134 |
| | वेपार आनी वाणिज्य हांचेविशींच्या संघाच्या आनी राज्यांच्या वैधानीक अधिकारांचेर निर्बंध. | 134 |
| | | |

| 304. Restrictions on trade, commerce and intercourse among States | 134 |
|---|-------|
| 305. Saving of existing laws and laws providing for State monopolies | . 134 |
| 306. [Repealed] | 135 |
| 307. Appointment of authority for carrying out the purposes of articles 301 to 304 | 135 |
| PART XIV | |
| SERVICES UNDER THE UNION AND THE STATES | |
| CHAPTER 1 - SERVICES | |
| 308. Interpretation | 136 |
| 309. Recruitment and conditions of service of persons serving the Union or a State | 136 |
| 310. Tenure of office of persons serving the Union or a State | 136 |
| 3.11. Dismissal, removal or reduction in rank of persons employed in civil capacities | |
| under the Union or a State | 136 |
| 312. All-India services | . 137 |
| 312A. Power of Parliament to vary or revoke conditions of service of officers of | |
| certain services | 138 |
| 313. Transitional provisions | 139 |
| 314. [Repealed] | 139 |
| CHAPTER 2 - PUBLIC SERVICE COMMISSIONS | |
| 315. Public Service Commissions for the Union and for the States | 139 |
| 316. Appointment and term of office of members | 139 |
| 317. Removal and suspension of a member of a Public Service Commission | 140 |
| 318. Power to make regulations as to conditions of service of members and staff | |
| of the Commission | 141 |
| 319. Prohibition as to the holding of offices by members of Commission on ceasing to be | |
| such members | 141 |
| 320. Functions of Public Service Commissions | 141 |
| 321. Power to extend functions of Public Service Commissions | 142 |
| 322. Expenses of Public Service Commissions | 143 |
| 323. Reports of Public Service Commissions | 143 |
| PART XIVA | |
| TRIBUNALS | - |
| 323A. Administrative tribunals | 143 |
| 323B. Tribunals for other matters | 144 |
| Part XV | |
| ELECTIONS | |
| 324. Superintendence, direction and control of elections to be vested in an | |
| Election Commission | 147 |

| 304. | राज्याराज्यांमदलो वेपार, वाणिज्य आनी वेव्हारसंबंद हांचेर निर्बंध. | 134 |
|--------------|--|-------|
| 305. | विद्यमान कायदे आनी राज्याच्या एकाधिकाराचो उपबंध करपी कायदे हांचो आडवाद. | 134 |
| 306. | [निरसीत] | 135 |
| 307. | 301 ते 304 ह्या कलमांचीं प्रयोजनां निभावपाखातीर प्राधिकरणाची नेमणूक. | 135 |
| | भाग - XIV | |
| | संघ आनी राज्यां हांचेखालच्यो सेवा | |
| | प्रकरण 1 - सेवा | |
| 308. | अर्थ लावणी | 136 |
| 309. | संघ आनी राज्य हांचे सेवेंत आसपी व्यक्तींची सेवा-भरती आनी तांच्यो सेवा-अटी. | 136 |
| 310. | संघ आनी राज्य हांचे सेवेंत आसपी व्यक्तींचो पदावधी. | 136 |
| 311. | संघ अथवा राज्य हांचे अखत्यारेखालच्या मुलकी हुद्यांचेर नेमिल्ल्या व्यक्तींक काडून | |
| | उडोवप, अधिकार पदावेल्यान काडप अथवा पदावनत करप. | 136 |
| 312. | अखिल भारतीय सेवा. | 137 |
| 312क | .थोड्या सेवांतल्या अधिकाऱ्यांच्यो सेवा-अटी बदलपाचो अथवा प्रत्याहृत करपाचो | ٠ |
| | संसदेचो अधिकार. | 138 |
| 313. | संक्रमणी उपबंध. | 139 |
| 314. | [निरसीत] | 139 |
| | प्रकरण 2 - लोक सेवा आयोग | |
| 315. | संघाखातीर आनी राज्यांखातीर लोकसेवा आयोग. | 139 |
| | वांगड्यांची नेमणूक आनी पदावधी. | 139 |
| | लोकसेवा आयोगाच्या वांगड्याक अधिकारपदावेल्यान कडेक काडप आनी निलंबीत करप. | 140 |
| | आयोगाचे वांगडी आनी कर्मचारी वर्ग हांच्या सेवा अटी संबंदांत विनियम करपाचो अधिकार. | 141 |
| | | 141 |
| | लोकसेवा आयोगाचीं कार्यां. | . 141 |
| | लोकसेवा आयोगांचीं कार्यां विस्तारावपाचो अधिकार. | 142 |
| | लोकसेवा आयोगांचो खर्च. | 143 |
| | लोकसेवा आयोगांचे अहवाल. | 143 |
| | भाग - XIVक | |
| | अधिकरणां | |
| 323 க | . प्रशासकीय अधिकरणां | 143 |
| | . हेर गजालींखातीर अधिकरणां. | 144 |
| | भाग - XV | |
| | वेंचणुको | |
| 324. | वेंचणुकांविशीं देखरेख, मार्गदर्शन आनी नियंत्रण करपाचो अधिकार वेंचणूक आयोगाचे | |
| - · • | तांय निहीत आसप | 147 |

| 325. No person to be ineligible for inclusion in, or to claim to be included in a special, | |
|---|-----|
| electoral roll on grounds of religion, race, caste or sex | 147 |
| 326. Elections to the House of the People and to the Legislative Assemblies of States to be | |
| on the basis of adult suffrage | 148 |
| 327. Power of Parliament to make provision with respect to elections to Legislatures | 148 |
| 328. Power of Legislature of a State to make provision with respect to elections to | |
| such Legislature | 148 |
| 329. Bar to interference by courts in electoral matters | 148 |
| 329A. [Repealed] | 148 |
| PART XVI | |
| SPECIAL PROVISIONS RELATING TO CERTAIN CLASSES | |
| 330. Reservation of seats for Scheduled Castes and Scheduled Tribes in the House | |
| of the People | 150 |
| 331. Representation of the Anglo-Indian Community in the House of the People | 150 |
| 332. Reservation of seats for Scheduled Castes and Scheduled Tribes in the Legislative | |
| Assemblies of the States. | 150 |
| 333. Representation of the Anglo-Indian community in the Legislative Assemblies of the States | 151 |
| 334. Reservation of seats and special representation to cease after ¹[sixty years] | 151 |
| 335. Claims of Scheduled Castes and Scheduled Tribes to services and posts | 151 |
| 336. Special provision for Anglo-Indian community in certain services | 152 |
| 337. Special provision with respect to educational grants for the benefit of | |
| Anglo-Indian community | 152 |
| 338. National Commission for Scheduled Castes and Scheduled Tribes | 152 |
| 339. Control of the Union over the administration of Scheduled Areas and the welfare | |
| of Scheduled Tribes | 153 |
| 340. Appointment of a Commission to investigate the conditions of backward classes | 153 |
| 341. Scheduled Castes | 153 |
| 342. Scheduled Tribes | 153 |
| PART XVII | |
| OFFICIAL LANGUAGE | |
| CHAPTER 1- LANGUAGE OF THE UNION | |
| 343. Official language of the Union | 156 |
| 344. Commission and Committee of Parliament on official language | 156 |
| CHAPTER 2 - REGIONAL LANGUAGES | |
| 345. Official language or languages of a State | 157 |
| 346. Official language for communication between one State and another or between a | |
| State and the Union A State and the Union. | 157 |
| 347. Special provision relating to language spoken by a section of the population of a State | 157 |

| 325. | खंयचीच व्यक्ती धर्म, वंश, जात अथवा लिंग ह्या कारणावेल्यान मतदार वळेरेंत आस्पावीत | |
|------|---|-------|
| | जावपाक अपात्र आसची ना अथवा तिणे खास मतदार वळेरेंत आस्पावीत करून घेवपाची | |
| | मागणी करप ना. | 147 |
| 326. | लोकसभा आनी राज्यांच्यो विधानसभा हांच्यो वेंचणुको प्रौढ मताधिकारांच्या तत्वांचेर जावप. | 148 |
| 327. | संसदेचो विधानमंडळांच्या वेचणुकाविशीं उपबंध करपाचो अधिकार. | 148 |
| | राज्य विधानमंडळाचो अशा विधानमंडळाच्या वेंचणुकांविशी उपबंध करपाचो अधिकार. | 148 |
| | वेंचणूक संबंदांतल्या गजालींनी हस्तक्षेप करपाक न्यायालयांक आडकाठी. | 148 |
| | ह. [निरसीत] | 148 |
| | भाग - XVI | .anae |
| | थोड्या वर्गांसंबंदीं खाशेले उपबंध. | |
| 330. | लोकसभेंत अनुसूचित जाती आनी अनुसूचित जनजाती हांचेखातीर सुवातो राखून दवरप. | 150 |
| | लोकसभेंत आंग्लभारतीय समाजाचें प्रतिनिधीत्व. | 150 |
| 332. | राज्यांच्या विधानसभांनी अनुसूचित जाती आनी अनुसूचित जनजाती हांचेखातीर सुवातो | |
| | राखून दवरप. | 150 |
| 333. | राज्यांच्या विधानसभांनी आंग्लभारतीय समाजाचें प्रतिनिधीत्व. | 151 |
| 334. | राखीव सुवातो आनी खाशेलें प्रतिनिधीत्व चाळीस वर्सांउपरांत समाप्त जावप. | 151 |
| | सेवा आनी अधिकारपदां हांचेर अनुसूचित जाती आनी अनुसूचित जनजाती हांचे हक्क. | 151 |
| | थोड्या सेवांनी आंग्लभारतीय समाजाखातीर खाशेली तरतूद. | 152 |
| 337. | आंग्लभारतीय समाजाच्या हिताखातीर शिक्षणीक अनुदानांसंबंदीं खाशेली तरतूद. | 152 |
| 338. | अनुसूचित जाती, अनुसूचित जनजाती इत्यादीं खातीर खाशेलो आयोग. | 152 |
| 339. | अनुसूचित क्षेत्रांचें प्रशासन आनी अनुसूचित जनजातींसंबंदींचें कल्याणकार्य हांचेर | |
| | संघाचें नियंत्रण. | 153 |
| 340. | मागास वर्गांचे स्थितीचों सोदतपास करपाखातीर आयोगाची नेमणूक. | 153 |
| 341. | अनुसूचित जाती. | 153 |
| 342. | अनुसूचित जनजाती. | 153 |
| | | |
| | भाग - XVII | |
| | राजभास | |
| | प्रकरण 1 - संघाची भास | |
| 343. | संघाची राजभास | 156 |
| 344. | राजभाशेखातीर आयोग आनी संसदीय समिती. | 156 |
| | | |
| | प्रकरण 2 - प्रादेशीक भास | |
| | राज्याची अथवा राज्याच्यो राजभास / राजभासो. | |
| | राज्याराज्यांमदल्या अथवा राज्य आनी संघ हांचेमदल्या संपर्काची राजभास. | 157 |
| 347. | राज्याचे लोकसंख्येमदल्या एखाद्या वर्गाकडल्यान उलोवप जाता ते भाशेविशीं | |
| | खाशेलो उपबंध. | 157 |

XVIII

| CHAPTER 3 - LANGUAGE OF THE SUPREME COURT, HIGHCOURTS, ETC. | |
|---|-----|
| 348. Language to be used in the Supreme Court and in the High Courts | |
| and for Acts, Bills, etc | 157 |
| 349. Special procedure for enactment of certain laws relating to language | 158 |
| CHAPTER 4 - SPECIAL DIRECTIVES | . " |
| 350. Language to be used in representations for redress of grievances | 158 |
| 350A. Facilities for instruction in mother-tongue at primary stage | 158 |
| 350B. Special Officer for linguistic minorities | 158 |
| 351. Directive for development of the Hindi language | 159 |
| PART XVIII | |
| EMERGENCY PROVISIONS | |
| 352. Proclamation of Emergency | 160 |
| 353. Effect of Proclamation of Emergency | 161 |
| 354. Application of provisions relating to distribution of revenues while a Proclamation of | |
| Emergency is in operation | 162 |
| 355. Duty of the Union to protect States against external aggression and internal disturbance | 162 |
| 356. Provisions in case of failure of constitutional machinery in States | 162 |
| 357. Exercise of legislative powers under Proclamation issued under article 356 | 164 |
| 358. Suspension of provisions of article 19 during emergencies. – | 164 |
| 359. Suspension of the enforcement of the rights conferred by Part III during emergencies | 165 |
| 360. Provisions as to financial emergency. – | 166 |
| PART XIX | |
| MISCELLANEOUS | • |
| 361. Protection of President and Governors and Rajpramukhs. – | 168 |
| 361A. Protection of publication of proceedings of Parliament and State Legislatures. – | 168 |
| 362. [Repealed] | 169 |
| 363. Bar to interference by courts in disputes arising out of certain treaties, | |
| agreements, etc | 169 |
| 363A. Recognition granted to Rulers of Indian States to cease and privy purses | |
| to be abolished | 169 |
| 364. Special provisions as to major ports and aerodromes. | 170 |
| 365. Effect of failure to comply with, or to give effect to, directions given by the Union | 170 |
| 366. Definitions | 170 |
| 367. Interpretation | 173 |

| प्रकरण 3 - सर्वोच्च न्यायालय, उच्च न्यायालयां इत्यादींची भास. | |
|--|--------------|
| 348. सर्वोच्च न्यायालयांत आनी उच्च न्यायालयांनी आनी अधिनियम, विधेयकां, इत्यादींखातीर | |
| वापरपाची भास. | 157 |
| 349. भाशेसंबंदींचे थोडे कायदे अधिनियमीत करपाखातीर खाशेली कार्यपद्धत. | 158 |
| THE PROPERTY IN THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY. | |
| प्रकरण 4 - खाशेलीं निदेशकां | |
| 350. कागाळींच्या निवारणाखातीर केल्ल्या अभिवेदनांनी वापरपाची भास. | 158 |
| 350क. मुळाव्या पावंड्यार मातृभाशेंतल्यान शिक्षणाच्यो सोयी. | 158 |
| 350ख. भाशीक अल्पसंख्यांक समाजांखातीर खाशेलो अधिकारी. | 158 |
| 351. हिंदी भाशेच्या विकासाखातीर निदेशक. | 159 |
| | |
| भाग - XVIII | |
| आणीबाणी संबंदी उपबंध | |
| 352. आणीबाणीची उद्घोशणा कार्यक्षात्रका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका विकास कार्यका | |
| 353. आणीबाणीचे उद्घोशणेचो परिणाम. | 161 |
| 354. महसुलांच्या वितरणासंबंदींचे उपबंध हे आणीबाणी जारी आसता तेन्ना लागू आसप. | 162 |
| 355. परकी आक्रमण आनी अंतर्गत अशांतताय हांचेपसून संरक्षण करप हें संघाचें कर्तव्य. | 162 |
| 356. राज्यांतली संविधानीक यंत्रणा बंद पडल्यार ताचेसंबंदीं उपबंध. | 162 |
| 357. कलम 356 खाला प्रसृत केल्ले उद्घोशणेखाला वैधानीक अधिकारांचो वापर. | 164 |
| 358. कलम 19 च्या उपबंधांचें आणीबाणीच्या प्रसंगावेळार निलंबन. | 164 |
| 359. भाग - 3 ह्या अन्वयान प्रदान केल्ल्या अधिकारांचे बजावणेचें आणीबाणीच्या | |
| प्रसंगावेळार निलंबन. | 165 |
| 360. अर्थीक आणीबाणीसंबंदीं उपबंध. | 166 |
| भाग - XIX | |
| _0(| |
| | 168 |
| 361. राष्ट्रपती, राज्यपाल आनी राज्यप्रमुख हांकां राखण. 361क.संसद आनी राज्य विधानमंडळां हांच्या कामकाज वृत्तांचे उजवाडावणेक राखण. | 168 |
| [전화] [1 - 1 - 1 - 1 - 1 - 1 - 1 - 1 - 1 - 1 | 169 |
| 362. [निरसीत] 363. थोड्यो कबलाती, करार, इत्यादींतल्यान उप्रासपी किजिलांनी हस्तक्षेप करपाक | and a serior |
| न्यायालयांक आडकाठी. | 169 |
| 363क भारतीय संस्थानांच्या अधिपतींक दिल्ली मान्यताय सोंपप आनी खाशेले तनखे नश्ट करप. | 169 |
| 364. व्हडलीं बंदरां आनी विमानतळ हांचेसंबंदीं खाशेले उपबंध. | 170 |
| 365. संघान दिल्ल्या निदेशांचें अनुपालन करपाक अथवा तांची अंमलबजावणी करपाक | Kalia |
| चुकपाचो परिणाम. | 170 |
| वुकपाचा पारणाम. | 170 |
| | |

367. अर्थ लावणी.

173

PART XX

AMENDMENT OF THE CONSTITUTION

| 368. Power of Parliament to amend the Constitution and procedure thereof | 175 |
|---|-----|
| PART XXI | |
| TEMPORARY, TRANSITIONAL AND SPECIAL PROVISIONS. | - |
| 369. Temporary power to Parliament to make laws with respect to certain matters in the | |
| State List as if they were matters in the Concurrent List | 177 |
| 370. Temporary provisions with respect to the State of Jammu and Kashmir | 177 |
| 371. Special provision with respect to the States of 1*** Maharashtra and Gujarat. | 178 |
| 371A. Special provision with respect to the State of Nagaland | 178 |
| 371B. Special provision with respect to the State of Assam | 181 |
| 371C. Special provision with respect to the State of Manipur. | 181 |
| 371D. Special provisions with respect to the State of Andhra Pradesh | 181 |
| 371E. Establishment of Central University in Andhra Pradesh | 184 |
| 371F. Special provisions with respect to the State of Sikkim | 184 |
| 372. Continuance in force of existing laws and their adaptation | 186 |
| 372A. Power of the President to adapt laws | 187 |
| 373. Power of President to make order in respect of persons under preventive detention | |
| in certain cases | 187 |
| 374. Provisions as to Judges of the Federal Court and proceedings pending in the | |
| Federal Court or before His Majesty in Council | 187 |
| 375. Courts, authorities and officers to continue to function subject to the provisions | |
| of the Constitution | 188 |
| 376. Provisions as to Judges of High Courts | 188 |
| 377. Provisons as to Comptroller and Auditor-General of India | 189 |
| 378. Provisions as to Public Service Commissions | 189 |
| 378A. Special provision as to duration of Andhra Pradesh Legislative Assembly | 189 |
| 379-391. [Repealed] | 189 |
| 392. Power of the President to remove difficulties | 189 |
| Part XXII | |
| SHORT TITLE, COMMENCEMENT AUTHORITATIVE TEXT IN HINDI AND REPEALS | _ |
| 393. Short title | 192 |
| 394. Commencement | 192 |
| 395. Repeals. | 192 |

भाग - ХХ

संविधानांत बदल

| 368. | संसदेचो संविधानांत बदल करपाचो अधिकार आनी तेसंबंदींची कार्यपद्धत. | 175 |
|------|--|-----|
| | भाग - XXI | |
| | अस्थायी, संक्रमणी आनी खाशेले उपबंध | |
| 369. | राज्य वळेरेंतल्यो थोड्यो गजाली जशेपरीं समवर्ती वळेरेंतल्यो आसच्यो अशेतरेन तांचेविशीं | |
| | कायदे करपाचो संसदेक अस्थायी अधिकार. | 177 |
| 370. | जम्मू आनी काश्मीर राज्यासंबंदीं अस्थायी उपबंध. | 177 |
| 371. | महाराष्ट्र आनी गुजरात ह्या राज्यांसंबंदांत खाशेले उपबंध. | 178 |
| 371क | ्र.नागालॅण्ड राज्याविशीं खाशेले उपबंध. | 178 |
| 371ख | व. आसाम राज्याविशीं खाशेले उपबंध. | 181 |
| 371ग | . मणिपूर राज्याविशीं खांशेले उपबंध. | 181 |
| 371घ | ा.आंध्र प्रदेश राज्याविशीं खाशेले उपबंध. | 181 |
| 371ड | .आंध्र प्रदेशांत केंद्रीय विद्यापीठाची स्थापना. | 184 |
| 371च | r. सिक्कीम राज्याविशीं खाशेले उपबंध | 184 |
| 372. | विद्यमान कायद्यांचो अंमल चालू उरप आनी तांचें अनुयोजन. | 186 |
| | o.कायद्याचें अनुयोजन करपाचो राष्ट्रपतीचो अधिकार. | 187 |
| 373. | प्रतिबंधक स्थानबद्धतेंत आशिल्ले व्यक्तीसंबंदीं थोड्या गजालींनी आदेश दिवपाचो | |
| | राष्ट्रपतीचो अधिकार. | 187 |
| 374. | फेडरल न्यायालयाच्या न्यायाधीशांसंबंदीं आनी फेडरल न्यायालयांत अथवा | |
| | हिज मेजस्टी-इन-काउन्सिलामुखार प्रलंबीत आशिल्ले कार्यवाहींसंबंदीं उपबंध. | 187 |
| 375. | ह्या संविधानाच्या उपबंधांचे अधीनतायेन न्यायालयां, प्राधिकरणां आनी अधिकारी हांणी | • |
| | कार्याधिकार बजावपाचें चालू दवरप. | 188 |
| 376. | उच्च न्यायालयांतल्या न्यायाधीशांसंबंदीं उपबंध. | 188 |
| 377. | भारताचो नियंत्रक आनी महा लेखापरीक्षक हांचेसंबंदीं उपबंध. | 189 |
| 378. | लोकसेवा आयोगासंबंदीं उपबंधं. | 189 |
| 378व | ह आंध्र प्रदेश विधानसभेच्या अवधी संबंदीं खाशेलो उपबंध. | 189 |
| 379- | 391 . [निरसीत] | 189 |
| 392. | अडचणी निवारण करपाचो राष्ट्रपतीचो अधिकार. | 189 |
| | भाग - ХХП | |
| | संक्षिप्त नांव, आरंभ आनी निरसनां | |
| 393. | संक्षिप्त नांव | 192 |
| 394. | आरंभ | 192 |
| 395. | निरसनां | 192 |

SCHEDULES

| FIRST SCHEDULE- | |
|--|-----|
| I. The States. | 193 |
| II. The Union territories. | 196 |
| SECOND SCHEDULE- | |
| PART A - Provisions as to the President and the Governors of States. | 199 |
| PART B – [Repealed] | 199 |
| PART C - Provisions as to the Speaker and the Deputy Speaker of the House of the | |
| People and the Chairman and the Deputy Chairman of the Council of States and | |
| the Speaker and the Deputy Speaker of the Legislative Assembly and the Chairman | |
| and the Deputy Chairman of the Legislative Council of a State. | 199 |
| PART D - Provisions as to the Judges of the Supreme Court and of the High Courts | 200 |
| PART E - Provisions as to the Comptroller and Auditor-General of India. | 202 |
| THIRD SCHEDULE – Forms of Oaths or Affirmations. | 204 |
| FOURTH SCHEDULE - Allocation of seats in the Council of States. | 207 |
| FIFTH SCHEDULE - Provisions as to the Administration and Control of Scheduled | |
| Areas and Scheduled Tribes— | 209 |
| PARTA – General | 209 |
| PART B - Administration and control of Scheduled Areas and Scheduled Tribes. | 209 |
| PART C - Scheduled Areas. | 210 |
| PART D – Amendment of the Schedule. | 211 |
| SIXTH SCHEDULE - Provisions as to the Administration of Tribal Areas in the | |
| States of Assam and Meghalaya, and Union Territory of Mizoram. | 212 |
| SEVENTH SCHEDULE | |
| List I – Union List. | 228 |
| List II – State List. | 233 |
| List III - Concurrent List. | 235 |
| EIGHTH SCHEDULE - Languages. | 240 |
| NINTH SCHEDULE - Validation of certain Acts and Regulations. | 241 |
| TENTH SCHEDULE - Provisions as to disqualification on ground of defection. | 255 |
| ELEVENTH SCHEDULE - Powers, authority and responsibilities of Panchayats. | 259 |
| TWELFTH SCHEDULE - Powers, authority and responsibilities of Municipalities, etc. | 260 |
| APPENDIX 1 - The Constitution (Application to Jammu and Kashmir) Order, 1954. | 290 |
| APPENDIX 2 - Re-statement, with reference to the present text of the Constitution, | |
| of the exceptions and modifications subject to which the Constitution applies to the | |
| state of Jammu and Kashmir. | 304 |
| APPEDIX 3 – Extracts from the Constitution (Forty-fourth Amendment) Act, 1978. | 317 |
| GLOSSARY | 326 |

अनुसुचयो

| | 33 | |
|--|--|-----|
| पयली अनुसूची | | |
| i) राज्यां. | | 193 |
| ii) संघ राज्यक्षेत्रां. | | 196 |
| दुसरी अनुसूची | | |
| भाग क - राष्ट्रपती आनी राज्यांचे र | ाज्यपाल हांचेसंबंदीं उपबंध. | 199 |
| भाग ख - [निरसीत] | | 199 |
| भाग ग - लोकसभेचो अध्यक्ष आनी र | उपाध्यक्ष तशेंच राज्यसभेचो सभापती आनी उपसभापती | |
| तेचपरीं राज्याचे विधानसभेच | गे अध्यक्ष आनी उपाध्यक्ष तशेंच विधानपरिशदेचो सभापती | |
| आनी उपसभापती हांचेसंबंर्द | ीं उपबंध. | 199 |
| भाग घ - सर्वोच्च न्यायालयाच्या आ | नी उच्च न्यायालयाच्या न्यायाधीशांसंबंदीं उपबंध. | 200 |
| भाग ङ - भारताचो नियंत्रक आनी म | हा-लेखापरीक्षक हांचे संबंदीं उपबंध. | 202 |
| तिसरी अनुसूची - सोपुतांचे आनी दृढकथनांच | वे नमुने. | 204 |
| चवथी अनुसूची - राज्यसभेंतत्या सुवातांची व | गंटणी. | 207 |
| पांचवी अनुसूची - अनुसूचित क्षेत्रा आनी अनु | सूचित जनजाती हांचे प्रशासन आनी नियंत्रण हेसंबंदीं उपबंध. | 209 |
| भाग क - सर्वसाधारण. | | 209 |
| भाग ख - अनुसूचित क्षेत्रां आनी अनु | सूचित जनजाती हांचे प्रशासन आनी नियंत्रण. | 209 |
| भाग ग - अनुसूचित क्षेत्रां. | | 210 |
| भाग घ - अनुसुचयांचे बदल. | | 211 |
| सवी अनुसूची - आसाम आनी मेघालय ह्या र | राज्यांतल्या आनी मिझोरम ह्या संघ राज्यक्षेत्रांतल्या | |
| जनजाती क्षेत्रांच्या प्रशासनासंबंदीं उ | पबंध. | 212 |
| सातवी अनुसूची - | | |
| वळेरी I - संघ वळेरी | | 228 |
| वळेरी II - राज्य वळेरी | | 233 |
| वळेरी III - समवर्ती वळेरी | | 235 |
| आठवी अनुसूची - भासो | · | 240 |
| णववी अनुसूची - थोडे अधिनियम आनी विनि | नेयम विधिग्राह्य करप. | 241 |
| धावी अनुसूची - पक्षांतराच्या आदारार अपात्र | तायेसंबंदीं उपबंध. | 255 |
| अकरावी अनुसूची - पंचायतींचे अधिकार, प्रा | धिकार आनी जापसालक्यो | 259 |
| बारावी अनुसूची - नगरपालिकांचे अधिकार, | प्राधिकार आनी जापसालक्यो इत्यादी. | 260 |
| परिशीश्ट 1 - संविधान जम्मू-काश्मीराक ल | , | 290 |
| | नम्मू कश्मीर राज्याक लागू जाता त्या आडवादांच्या | |
| आनी उपांतरणांच्या सदर्भांत, विद्यमा | · | 304 |
| परिशीश्ट 3 - संविधान (चोवेचाळिसावो बद | ल) अधिनियम, 1978, हांतूंतले उतारें. | 317 |
| उत्तरावळ | | 326 |

CONSTITUTION OF INDIA

PREAMBLE

WE, THE PEOPLE OF INDIA, having solemnly resolved to constitute India into a '[SOVEREIGN SOCIALIST SECULAR DEMOCRATIC REPUBLIC] and to secure to all its citizens:

JUSTICE, social, economic and political;

LIBERTY of thought, expression, belief, faith and worship;

EQUALITY of status and of opportunity;

and to promote among them all

FRATERNITY assuring the dignity of the individual and the ²[unity and integrity of the Nation];

IN OUR CONSTITUENT ASSEMBLY this twenty-sixth day of November, 1949, do HEREBY ADOPT, ENACT AND GIVE TO OURSELVES THIS CONSTITUTION.

Subs. by the Constitution (Forty-second Amendment) Act, 1976, s. 2, for "SOVEREIGN DEMOCRATIC REPUBLIC" (w.e.f. 3-1-1977).

^{2.} Subs. by s. 2, ibid., for "unity of the Nation" (w.e.f. 3-1-1977).

भारताचें संविधान

उद्देशिका

आमी, भारताचे लोक, भारताचे एक ¹[सार्वभौम समाजवादी धर्मनिरपेक्ष लोकशाय गणराज्य] घडोवपाचो आनी ताच्या सगल्या नागरिकांक :

समाजीक, अर्थीक आनी राजनितीक न्याय; विचार, अभिव्यक्ती, विस्वास, स्रद्धा आनी उपासना हांचें स्वातंत्र्य; दर्ज्याची आनी संदेची समानताय;

निश्चितपणान प्राप्त करून दिवपाचो आनी त्या सगल्यांमदीं व्यक्तीची प्रतिश्ठा आनी ²[राष्ट्राची एकताय आनी एकात्मताय] हांचें आश्वासन दिवपी भावकी प्रवर्धीत करपाचो संकल्पपूर्वक निर्धार करून; आमचे हे संविधानसभेत आज तारीक 26 नोव्हेंबर, 1949 दिसा (मिती मार्गशीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् 2006 विक्रमी) हेवरवीं हें संविधान अंगीकृत आनी अधिनियमीत करून स्वताप्रत अर्पण करतांत.

संविधान (बेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1976, - अनुभाग 2 वरवीं (3-1-1977 सावन) 'प्रभुत्व-संपन्न लोकतंत्रात्मक गणराज्य' ह्या उतरांचे सुवातेर घालें.

कित्तो - 'राष्ट्राची एकताय' ह्या उतरांचे सुवातेर घालें.

CONSTITUTION OF INDIA

PART I

THE UNION AND ITS TERRITORY

- 1. Name and territory of the Union. —
- (1) India, that is Bharat, shall be a Union of States.
- ¹[(2) The States and the territories thereof shall be as specified in the First Schedule.]
- (3) The territory of India shall comprise—
 - (a) The territories of the States;
 - ²[(b) The Union territories specified in the First Schedule; and]
 - (c) Such other territories as may be acquired.
- 2. Admission or establishment of new States. Parliament may by law admit into the Union, or establish, new States on such terms and conditions as it thinks fit.
 - 2A. ³[Sikkim to be associated with the Union.]

Repealed by the Constitution (Thirty-sixth Amendment) Act, 1975, s. 5 (w.e.f. 26-4-1975).

3. Formation of new States and alteration of areas, boundaries or names of existing States. —

Parliament may by law-

- (a) Form a new State by separation of territory from any State or by uniting two or more States or parts of States or by uniting any territory to a part of any State;
 - (b) Increase the area of any State;
 - (c) Diminish the area of any State;
 - (d) Alter the boundaries of any State;
 - (e) Alter the name of any State:

⁴[Provided that no Bill for the purpose shall be introduced in either House of Parliament except on the recommendation of the President and unless, where the proposal contained in the Bill affects the area, boundaries or name of any of the States ⁵[***, the Bill has been referred by the President to the Legislature of that State for expressing its views thereon within such period as may be specified in the reference or within such further period as the President may allow and the period so specified or allowed has expired.]

⁶[Explanation I. — In this article, in clauses (a) to (e), "State" includes a Union territory, but in the proviso, "State" does not include a Union territory.

भारताचें संविधान

भाग – I संघ आनी ताचें राज्यक्षेत्र

- 1. संघाचें नांव आनी राज्यक्षेत्र (1) भारत, म्हळ्यार इंडिया, हो राज्यांचो संघ आसतलो.
- 1[(2) राज्यां आनी तांची राज्यक्षेत्रां पयले अनुसुचयेंत विनिर्दीश्ट केलां ते प्रमाण आसतलीं]
- (3) भारताचें राज्यक्षेत्र हें :-
 - (क) राज्यांची राज्यक्षेत्रां;
 - ²[(ख) पयले अनुसुचयेंत विनिर्दीश्ट केल्लीं संघ राज्यक्षेत्रां; आनी]
 - (ग) संपादीत करूं येतात अशीं हेर राज्यक्षेत्रां, मेळून जाल्लें आसतलें.
- 2. नवीन राज्यां आरपावीत करप अथवा स्थापन करप संसदेक आपणाक योग्य दिसत अशा अटींचेर कायद्यावरवीं नवीन राज्यां संघांत आरपावीत करूंक मेळटलीं अथवा स्थापन करूंक मेळटलीं.
- 2क. ³[सिक्कीम हें संघाकडेन सहयोगी करप] 'संविधान (छत्तिसावो बदल) अधिनियम, 1975' अनुभाग 5 वरवीं (26-4-1975 सावन) निरसीत केलें.
- 3. नवीन राज्यांची निर्मणी आनी सध्याच्या राज्यांची क्षेत्रां, शिमो अथवा नांवां हातूंत फेरबदल संसदेच्यान कायद्यावरवीं
 - (क) खंयच्याय राज्यापासून एखादें राज्यक्षेत्र वेगळें करून अथवा दोन अथवा चड राज्यां अथवा राज्यांचे भाग एकठांय जोडून अथवा खंयचेंय राज्यक्षेत्र खंयच्याय राज्याच्या एखाद्या भागाकडेन जोडून नवीन राज्यांची निर्मणी करूं येता:
 - (ख) खंयच्याय राज्याचें क्षेत्र वाडोवं येता;
 - (ग) खंयच्याय राज्याचें क्षेत्र उणे करूं येता;
 - (घ) खंयच्याय राज्याच्या शिमांनी फेरबदल करूं येता;
 - (ङ) खंयच्याय राज्याच्या नांवांत फेरबदल करूं येता :

^⁴[परंतु, ह्या प्रयोजनाखातीर मांडपाच्या खंयच्याय विधेयकाक राष्ट्रपतीची शिफारस आसलेबगर आनी त्या विधेयकांत आस्पाविल्ल्या प्रस्तावाक लागून जर ^⁵[* * * राज्यांभितरल्या खंयच्याय राज्याचे क्षेत्र शीम अथवा नांव हाचेर परिणाम जाता आसत जाल्यार राष्ट्रपतीन तें विधेयक त्या राज्याच्या विधानमंडळाकडेन ताणे ताचेर आपणाले विचार व्यक्त करचे हेखातीर निदेशिल्लें आसा आनी निदेशनांत तेखातीर कितेंय कालावधी विनिर्दीश्ट केल्लो आसा अथवा राष्ट्रपतीन आनीक कालावधी वाडोवन दिल्लो कालावधी सोंपला अशें जालेबर तें विधेयक संसदेच्या खंयच्याच सभाघरांत मांडचे नात.]

⁶[स्पश्टीकरण - I - ह्या कलमांत, उपकलम (क) ते (ङ) हातूंत 'राज्य' ह्या उतरांत संघ राज्यक्षेत्राचो आस्पाव आसा, पूण परंतुकांतल्या 'राज्य' ह्या उतरांत संघ राज्यक्षेत्राचो आस्पाव ना.

Explanation II. — The power conferred on Parliament by clause (a) includes the power to form a new State or Union territory by uniting a part of any State or Union territory to any other State or Union territory.]

- 4. Laws made under articles 2 and 3 to provide for the amendment of the First and the Fourth Schedules and supplemental, incidental and consequential matters. (1) Any law referred to in article 2 or article 3 shall contain such provisions for the amendment of the First Schedule and the Fourth Schedule as may be necessary to give effect to the provisions of the law and may also contain such supplemental, incidental and consequential provisions (including provisions as to representation in Parliament and in the Legislature or Legislatures of the State or States affected by such law) as Parliament may deem necessary.
- (2) No such law as aforesaid shall be deemed to be an amendment of this Constitution for the purposes of article 368.

Notes

- 1. Subs. by the Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s.2, for cl. (2).
- 2. Subs, by s. 2, ibid, for sub-clause (b).
- 3. Ins. by the Constitution (Thirty-fifth Amendment) Act, 1974, s.2 (w.e.f. 1-3-1975).
- 4. Subs. by the Constitution (Fifth Amendment) Act, 1955, s. 2, for the proviso
- 5. The words and letters "specified in Part A or Part B of the First Schedule" omitted by the Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s. 29 and Sch.
- 6. Ins. by the Constitution (Eighteenth Amendment) Act, 1966, s. 2.

स्पश्टीकरण – Π — उपकलम (क) वरवीं संसदेक प्रदान केल्ल्या अधिकारामदीं, खंयच्याय राज्याक अथवा संघ राज्यक्षेत्राक जोडून नवीन राज्य अथवा नवीन संघ राज्यक्षेत्र घडोवपाच्या अधिकाराचो आस्पाव आसा.]

- 4. कलम 2 आनी 3 खाला केल्ल्या कायद्यांवरवीं पयले आनी चवथे अनुसुचयांच्या बदलाखातीर तशेंच पूरक, आनुषंगिक आनी परिणामी गजालींखातीर उपबंध करप (1) कलम 2 अथवा कलम 3 हातूंत निर्दीश्ट केल्ल्या खंयच्याय कायद्यांत, त्या कायद्यांचे उपबंध परिणामक करपाखातीर गरजेचे आसत अशे, पयली अनुसूची आनी चवथी अनुसुची हांच्या बदलाचे उपबंध आस्पावीत आसातले आनी संसदेक गरजेचे दिसत अशेय पूरक, आनुषंगिक आनी परिणामी उपबंध (संसदेंतले आनी अशा कायद्यांचों परिणाम जावपी राज्यांचे विधानमंडळ अथवा राज्यांचीं विधानमंडळां हातूंतल्या प्रतिनिधीत्वा संबदींचे उपबंध धरून) आस्पावीत आसूं येतात.
- (2) पूर्वोक्त असो कसलोय कायदो कलम 368 च्या प्रयोजनाखातीर त्या संविधानाचो बदल आसा अशें मानचे नात.

टिपो

- 1. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956' अनुभाग 2 वरवीं मूळ उपकलम (2) चे सुवातेर घालां.
- 2. कित्तो अनुभाग 2 वरवीं मूळ उप-उपकलम (ख) चे सुवातेर घालां.
- 3. 'संविधान (पस्तिसावो बदल) अधिनियम, 1974' अनुभाग 2 वर्रवी (1 मार्च 1975 दिसा आनी तेन्नासावन) कलम 2ख घालां.
- 4. 'संविधान (पांचवो बदल) अधिनियम, 1955' वरवीं मूळ परंतुकाचे सुवातेर घालां.
- 5. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956' च्या अनुभाग 29 आनी अनुसुचयेवरवीं 'पयले अनुसुचयेच्या भाग (क) आनी (ख) हातूंत विनिर्दीश्ट' हो मूळ मजकूर रद्द केला.
- 6. 'संविधान (अठरावो बदल) अधिनियम, 1966' च्या अनुभाग 2 वरवीं घालां.

PART - II

CITIZENSHIP

- 5. Citizenship at the commencement of the Constitution. At the commencement of this Constitution, every person who has his domicile in the territory of India and—
 - (a) Who was born in the territory of India; or
 - (b) Either of whose parents was born in the territory of India; or
- (c) Who has been ordinarily resident in the territory of India for not less than five years immediately preceding such commencement?

Shall be a citizen of India.

- 6. Rights of citizenship of certain persons who have migrated to India from Pakistan. Notwithstanding anything in article 5, a person who has migrated to the territory of India from the territory now included in Pakistan shall be deemed to be a citizen of India at the commencement of this Constitution if—
 - (a) He or either of his parents or any of his grand-parents was born in India as defined in the Government of India Act, 1935 (as originally enacted); and
 - (b) (i) In the case where such person has so migrated before the nineteenth day of July, 1948, he has been ordinarily resident in the territory of India since the date of his migration, or
 - (ii) In the case where such person has so migrated on or after the nineteenth day of July, 1948, he has been registered as a citizen of India by an officer appointed in that behalf by the Government of the Dominion of India on an application made by him therefor to such officer before the commencement of this Constitution in the form and manner prescribed by that Government: Provided that no person shall be so registered unless he has been resident in the territory of India for at least six months immediately preceding the date of his application.

Provided that application

7. Rights of citizenship of certain migrants to Pakistan. — Notwithstanding anything in articles 5 and 6, a person who has after the first day of March, 1947, migrated from the territory of India to the territory now included in Pakistan shall not be deemed to be a citizen of India:

Provided that nothing in this article shall apply to a person who, after having so migrated to the territory now included in Pakistan, has returned to the territory of India under a permit for resettlement or permanent return issued by or under the authority of any law and every such person shall for the purposes of clause (b) of article 6 be deemed to have migrated to the territory of India after the nine-teenth day of July, 1948.

भाग – II नागरिकत्व

- **5. संविधानाचे सुरवातीचें नागरिकत्व** ह्या संविधानाच्या आरंभाक, भारताच्या राज्यक्षेत्रांत जे व्यक्तीचो राबितो आसा आनी
 - (क) जी भारताच्या राज्यक्षेत्रांत जल्मल्ली; अथवा
 - (ख) जिच्या आवय-बापयमदलो कोणूय एक भारताच्या राज्यक्षेत्रांत जल्मल्लो; अथवा
 - (ग) जी अशा आरंभाचे मातशी पयलीं उण्यांत उणी पांच वर्सां इतलो काळ भारताच्या राज्यक्षेत्रांत सामान्यतायेन राबितो करून आसा,

अशी दरेक व्यक्ती भारताची नागरीक आसतली.

- **6. पाकिस्तानांतल्यान स्थलांतर करून भारतांत आयिल्ल्या थोड्या व्यक्तींच्या नागरिकत्वाचे अधिकार** कलम 5 त किदेंय आसलें तरी, जी व्यक्ती आतां पाकिस्तानांत आस्पाव जाल्ल्या राज्यक्षेत्रांतल्यान स्थलांतर करून भारताच्या राज्यक्षेत्रांत आयल्या, तिका ह्या संविधानाच्या आरंभाक भारताची नागरीक अशें मानतले, जर
 - (क) तिचो जांव तिच्या आवय-बापायमदल्या अथवा तिच्या आजो-आजी हांचेमदल्या कोणाय एकाचो 'गव्हर्नमेण्ट ऑफ इंडिया ॲक्ट, 1935' (मुळांत अधिनियमीत केल्लेप्रमाण) हातूंत व्याख्या केल्ल्या अशा भारतांत जल्म जाल्लो आसत; आनी
 - (ख) (i) 'अशे व्यक्तीन 19 जुलय, 1948 ह्या दिसाआदीं हेप्रमाण स्थलांतर केल्लें आसत जाल्यार आपणाल्या स्थलांतराचे तारकेसावन ती भारताच्या राज्यक्षेत्रांत सामान्यतायेन रावपी आसत जाल्यार; अथवा
 - (ii) अशे व्यक्तीन 19 जुलय, 1948 ह्या दिसा अथवा ताचेउपरांत हेतरेन स्थलांतर केल्लें आसल्यार भारतीय अधिराज्याच्या सरकारान नोंदणेसंबंदांत नेमिल्ल्या अधिकाऱ्याकडेन, त्या सरकारान थारायल्ल्या नमुन्यांत आनी थारायल्ले रितीन ह्या संविधानाच्या आरंभ काळापयलीं तेखातीर तिणे केल्ल्या अर्जावेल्यान अशा अधिकाऱ्यान तिची भारताचो नागरीक म्हणून नोंदणी केल्ली आसा.

परंतु, खंयचीय व्यक्ती आपणाल्या अर्जाचे तारकेचे निक्तीच आदीं उणेच ते स म्हयने तरी भारताच्या राज्यक्षेत्रांत राविल्ली आसलेबगर तिची हेप्रमाण नोंदणी करूंक मेळची ना.

7. स्थलांतर करून पाकिस्तानांत गेल्ल्या थोड्या व्यक्तींच्या नागरिकत्वाचे अधिकार – कलम 5 आनी 6 हातूंत किदेंय आसलें तरी, जी व्यक्ती 1 मार्च, 1947 ह्या दिसाउपरांत भारताच्या राज्यक्षेत्रांतल्यान स्थलांतर करून सध्या पाकिस्तानांत आस्पाविल्ल्या राज्यक्षेत्रांत गेल्ली आसा ती व्यक्ती भारताची नागरीक आसा अशें मानचे नात :

परंतु, जी व्यक्ती आतां पाकिस्तानांत आस्पाविल्ल्या राज्यक्षेत्रांत हेप्रमाण स्थलांतर केले उपरांत, खंयच्याय कायद्याच्या प्राधिकारावरवीं अथवा ताचेखाला दिल्ल्या, पर्धून स्थायिक जावपाच्या अथवा कायम परतीच्या परवान्याखाला भारताच्या राज्यक्षेत्रांत परतल्ली आसा तिका ह्या कलमांतली खंयचीच गजाल लागू जावंची ना आनी कलंम 6 उपकलम (ख) च्या प्रयोजनाखातीर, अशी दरेक व्यक्ती, 19 जुलय, 1948 ह्या दिसाउपरांत स्थलांतर करून भारताच्या राज्यक्षेत्रांत आयिल्ली व्यक्ती आसा अशें मानतलें.

- 8. Rights of citizenship of certain persons of Indian origin residing outside India. Not-withstanding anything in article 5, any person who or either of whose parents or any of whose grand-parents was born in India as defined in the Government of India Act, 1935 (as originally enacted), and who is ordinarily residing in any country outside India as so defined shall be deemed to be a citizen of India if he has been registered as a citizen of India by the diplomatic or consular representative of India in the country where he is for the time being residing on an application made by him therefor to such diplomatic or consular representative, whether before or after the commencement of this Constitution, in the form and manner prescribed by the Government of the Dominion of India or the Government of India.
- 9. Persons voluntarily acquiring citizenship of a foreign State not to be citizens. No person shall be a citizen of India by virtue of article 5, or be deemed to be a citizen of India by virtue of article 6 or article 8, if he has voluntarily acquired the citizenship of any foreign State.
- 10. Continuance of the rights of citizenship. Every person who is or is deemed to be a citizen of India under any of the foregoing provisions of this Part shall, subject to the provisions of any law that may be made by Parliament, continue to be such citizen.
- 11. Parliament to regulate the right of citizenship by law. Nothing in the foregoing provisions of this Part shall derogate from the power of Parliament to make any provision with respect to the acquisition and termination of citizenship and all other matters relating to citizenship.

- 8. मूळच्या भारतीय, पूण भारताभायर रावपी थोड्या व्यक्तींच्या नागरिकत्वाचे अधिकार कलम 5 त कितेंय आसलें तरी, जी व्यक्ती अथवा जिच्या आवय-बापयमदलो वा जिच्या आजो-आजी हांचेमदलो कोणूय एक 'गव्हर्नमेण्ट ऑफ इंडिया ॲक्ट 1935' (मुळांत अधिनियमीत केल्ले प्रमाण) हातूंत व्याख्या केल्या अशा भारतांत जल्मल्ली आनी जी तेप्रमाण व्याख्या केल्या अशा भारताच्या भायल्या खंयच्याय देशांत सामान्यतायेन राबितो करून आसा अशी खंयचीय व्यक्ती त्या त्या काळांर ज्या देशांत रावता आसत त्या देशांतल्या भारताच्या वाणिज्यविशयक प्रतिनिधीन तिची भारताचो नागरीक म्हूण नोंद केल्ली आसत जाल्यार, ती भारताची नागरीक आसा अशें मानून घेतले.
- 9. परकी देशाचें नागरिकत्व आपखोशयेन मेळोवपी व्यक्ती नागरीक नासप खंयचेय व्यक्तीन खंयच्याय परकी देशाचें नागरिकत्व आपखोशयेन मेळयलां आसत जाल्यार, ती व्यक्ती कलम-5 च्या आधारान भारताचो नागरीक आसची ना, अथवा कलम-6 अथवा कलम-4 च्या आधारान भारताचो नागरीक आसा अशें मानचे नात.
- 10. नागरिकत्वाचे अधिकार चालू उरप ह्या भागांतल्या पूर्वगामी उपबंधांमदल्या खंयच्याय उपबंधाखाला जो भारताचो नागरीक आसा अथवा आसा म्हणपाचें मानतात अशे दरेके व्यक्तीचें नागरिकत्व संसद जो कसलोय कायदो करीत ताच्या उपबंधांचे अधीनतायेन चालू उरतलें.
- 11. संसदेन नागरिकत्वाच्या अधिकाराचें कायद्यावरवीं विनियमन करप ह्या भागाच्या पूर्वगामी उपबंधांतले खंयचेच गजालीक लागून नागरिकत्वाचें संपादन आनी समाप्ती आनी नागरिकत्वविशयक हेर सगल्यो गजाली हांचेसंबंदी कसलोय उपबंध करपाचो संसदेचो अधिकार उणो करूं नजो.

PART - III

FUNDAMENTAL RIGHTS

General

- 12. Definition. In this Part, unless the context otherwise requires, "the State" includes the Government and Parliament of India and the Government and the Legislature of each of the States and all local or other authorities within the territory of India or under the control of the Government of India.
- 13. Laws inconsistent with or in derogation of the fundamental rights. (1) All laws in force in the territory of India immediately before the commencement of this Constitution, in so far as they are inconsistent with the provisions of this Part, shall, to the extent of such inconsistency, bevoid.
- (2) The State shall not make any law, which takes away or abridges the rights conferred by this Part and any law made in contravention of this clause shall, to the extent of the contravention, be void.
 - (3) In this article, unless the context otherwise requires, -
 - (a) "Law" includes any Ordinance, order, bye-law, rule, regulation, notification, custom or usage having in the territory of India the force of law;
 - (b) "Laws in force" includes laws passed or made by a Legislature or other competent authority in the territory of India before the commencement of this Constitution and not previously repealed, notwithstanding that any such law or any part thereof may not be then in operation either at all or in particular areas.
- ¹[(4) Nothing in this article shall apply to any amendment of this Constitution made under article 368.]

Right to Equality

- **14. Equality before law.** The State shall not deny to any person equality before the law or the equal protection of the laws within the territory of India.
 - 15. Prohibition of discrimination on grounds of religion, race, caste, sex or place of birth.
- (1) The State shall not discriminate against any citizen on grounds only of religion, race, caste, sex, place of birth or any of them.
- (2) No citizen shall, on grounds only of religion, race, caste, sex, place of birth or any of them, be subject to any disability, liability, restriction or condition with regard to-
 - (a) Access to shops, public restaurants, hotels and places of public entertainment; or

भाग - III

मुळावे अधिकार

सर्वसाधारण

- 12. व्याख्या ह्या भागांत संदर्भाप्रमाण अथवा हेर तरेन गरज नासत जाल्यार, 'राज्य' ह्या उतरांत भारताचें सरकार अथवा संसद आनी राज्यांच्या संदर्भात दरेका राज्यांचें सरकार अथवा विधानमंडळ आनी भारताच्या राज्यक्षेत्रांतल्या अथवा भारत सरकाराच्या नियंत्रणाखालच्या सगल्या थळाव्या अथवा हेर प्राधिकरणांचो आस्पाव आसा.
- 13. मुळाव्या अधिकारांकडेन विसंगत आशिल्ले अथवा तांचें अल्पीकरण करपी कायदे (1) ह्या संविधानाच्या आरंभाचे निकटपूर्व भारताच्या राज्यक्षेत्रांत लागू आशिल्ले सगले कायदे, जितलेमेरेन ह्या भागाच्या उपबंधांकडेन विसंगत आसात तितलेमेरेन ते अशा विसंगतीच्या आवाठापुरते शून्य आसतले.
- (2) ह्या भागान दिल्ले अधिकार काडून घेवपी अथवा ताचो संक्षेप करपी खंयचोच कायदो राज्य करचें ना आनी ह्या उपकलमाचों भंग करून केल्लो खंयचोच कायदो त्या भंगाच्या आंवाठापुरतो शून्य आसतलो.
 - (3) ह्या कलमांत, संदर्भाप्रमाण अथवा हेरशीं गरज नासत जाल्यार.
 - (क) 'कायदो' हातूंत भारताच्या राज्यक्षेत्रांत कायद्याइतलोच प्रभावी आशिल्लो खंयचोय अध्यादेश, आदेश, उपविधी, नेम, विनियम, अधिसुचोवणी, रूढी अथवा परिपाठ हांचो आस्पाव आसा.
 - (ख) 'लागू आशिल्ले कायदे' हातूंत भारताच्या राज्यक्षेत्रांतल्या विधानमंडळान अथवा हेर सक्षम प्राधिकरणान ह्या संविधानाच्या आरंभकाळापयलीं पास केल्ल्या अथवा केल्ल्या आनी आदीं निरसित जावकं नाशिल्ल्या कायद्याचो आस्पाव आसा मागीर असो खंयचोय कायदो अथवा ताचो खंयचोय भाग त्यावेळार मात्तूय अथवा विशीश्ट क्षेत्रांनी लागू नासल्यारूय हरकत ना.
- ¹[(4) ह्या कलमांतली खंयचीच गजाल कलम 368 खाला संविधानांत केल्ल्या खंयच्याच बदलाक लागू आसची ना.]

समानतायेचो अधिकार

- 14. कायद्यामुखार समानताय राष्ट्र, भारतांतल्या राज्यक्षेत्रांतले खंयचेच व्यक्तीक कायद्यामुखार समानताय अथवा कायद्यांची समान राखण न्हयकारचें ना.
- **15. धर्म, वंश, जात, लींग अथवा जल्माच्या आधारार भेदभाव दाखोवपाक बंदी** (1) राष्ट्र फकत धर्म, वंश, जात, लींग, जल्मस्थान ह्या अथवा हांचेमदल्या खंयच्याच कारणावेल्यान खंयच्याच नागरिकाक प्रतिकूल जायत असो भेदभाव करचें ना.
- (2) फकत धर्म, वंश, जात, लींग, जल्मस्थान ह्या अथवा हांचेमदल्या खंयच्याच कारणावेल्यान खंयचोच नागरीक.
 - (क) दुकानां, भौशीक उपाहार घरां, हॉटेलां आनी भौशीक मनरिझवणेच्यो सुवातो हातूंत प्रवेश; अथवा

- (b) The use of wells, tanks, bathing ghats, roads and places of public resort maintained wholly or partly out of State funds or dedicated to the use of the general public.
- (3) Nothing in this article shall prevent the State from making any special provision for women and children.
- ²[(4) Nothing in this article or in clause (2) of article 29 shall prevent the State from making any special provision for the advancement of any socially and educationally backward classes of citizens or for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes.]
- 16. Equality of opportunity in matters of public employment. (1) There shall be equality of opportunity for all citizens in matters relating to employment or appointment to any office under the State.
- (2) No citizen shall, on grounds only of religion, race, caste, sex, descent, place of birth, residence or any of them, be ineligible for, or discriminated against in respect of, any employment or office under the State.
- (3) Nothing in this article shall prevent Parliament from making any law prescribing, in regard to a class or classes of employment or appointment to an office ³[under the Government of, or any local or other authority within, a State or Union territory, any requirement as to residence within that State or Union territory] prior to such employment or appointment.
- (4) Nothing in this article shall prevent the State from making any provision for reservation in matters of promotion to any class or classes of posts in the services under the State in favour of the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes which, in the opinion of the State, are not adequately represented in the services under the State.
- (4A) Nothing in this article shall prevent the State from considering any unfilled vacancies of a year which are reserved for being filled up in that year in accordance with any provision for reservation made under clause (4) or clause (4A) as a separate class of vacancies to be filled up in any succeeding year or years and such class of vacancies shall not be considered together with the vacancies of the year in which they are being filled up for determining the ceiling of fifty per cent. reservation on total number of vacancies of that year.
- (5) Nothing in this article shall affect the operation of any law which provides that the incumbent of an office in connection with the affairs of any religious or denominational institution or any member of the governing body thereof shall be a person professing a particular religion or belonging to a particular denomination.
- 17. Abolition of Untouchability. "Untouchability" is abolished and its practice in any form is forbidden. The enforcement of any disability rising out of "Untouchability" shall be an offence punishable in accordance with law.
- **18. Abolition of titles.** (1) No title, not being a military or academic distinction, shall be conferred by the State.

- (ख) पुरायेन अथवा अंशतायेन राष्ट्राच्या दुडवांनी राखिल्ल्या अथवा सर्वसामान्य जनतेच्या उपेगाखातीर समर्पीत अशो बांयों, तळीं, स्नानघाट, रस्ते आनी भौशीक राबित्याच्यो सुवातो हांचे वापर. हांचेविशीं कसलीच असमर्थताय, दायित्व, निर्बंध अथवा अट हांचें सुवादीन आसचे नात.
- (3) ह्या कलमांतले खंयचेच गजालीक लागून बायलो आनी भुरगीं हांचेखातीर कसलीय खाशेलीं तरतूद करपाक राष्ट्राक आडकाठी आसची ना.
- ²[(4) ह्या कलमांतले अथवा कलम 29 च्या उपकलम (2) हातूंतले. खंयचेच गजालीक लागून नागरिकांमदल्या समाजीक आनी शिक्षणीक नदरेन फाटीं आशिल्ल्या खंयच्याच वर्गाचे उदरगती खातीर अथवा अनुसूचित जाती आनी अनुसूचित जनजाती हांचेखातीर कसलीय खाशेली तरतूद करपाक राष्ट्राक आडकाठी आसची ना.]
- **16. भौशीक सेवायोजने संबंदांत संदेची समानताय** (1) राष्ट्राचे अखत्यारेखाला सेवायोजन अथवा खंयच्याय पदावेली नियुक्ती हांचेसंबंदींच्या गजालींनी सगल्या नागरिकांक समान संद आसतलीं.
- (2) खंयचोच नागरीक फकत धर्म, वंश, जात, लींग, कूळ, जल्मस्थान, राबितो ह्या अथवा हांचे मदल्या खंयच्याच कारणावेल्यान राष्ट्राचे अखत्यारेखालची खंयचीच नोकरी अथवा पद हांचेखातीर अपांत्र आसचो ना अथवा तांच्या संबंदांत ताका प्रतिकूल असो भेदभाव करचे नात.
- (3) ह्या कलमांतले खंयचेच गजालीक लागून, ³[एखादें राज्य अथवा संघ राज्यक्षेत्र हांच्या शासनाच्या अथवा तांच्यांतल्या खंयच्याय थळाव्या अथवा हेर प्राधिकरणाचे अखत्यारेखालच्या एखाद्या प्रकाराचें अथवा जायत्या प्रकारांचें सेवायोजन अथवा पदिनयुक्ती हांचेसंबंदांत अशें सेवायोजन अथवा नियुक्तेआदीं त्या राज्यांतल्या अथवा संघ राज्यक्षेत्रांतल्या राबित्याविशीं एखादी गरज दाखोवपी] खंयचोय कायदो करपाक संसदेक आडकाठी आसची ना.
- (4) ह्या कलमांतले खंयचेच गजालीक लागून, राष्ट्राच्या सेवांनी नागरिकांमदल्या ज्या खंयच्याय मागास वर्गाक राष्ट्राच्या मत्तान फावो तितलें प्रतिनिधीत्व ना अशा वर्गाखातीर नियुक्ती अथवा पदां राखून दवरपाखातीर कसलीय तरतूद करपाक राष्ट्राक आडकाठी आसची ना.
- (4क) ह्या कलमांतली खंयचीय गजाल राज्यांतल्या मागाशिल्ल्या नागरिकांच्या खंयच्याय वर्गाचे बाबतींत, जाचे प्रतिनिधीत्व राज्याच्या मतान, राज्याचे सेवेंत फावो तितल्या प्रमाणात ना अशें दिसल्यार ते संबंदी उपबंध करपाक कसलीच बाधा हाडचीना.
- (5) ह्या कलमांतले खंयचेच गजालीक लागून, एखादे धर्मीक अथवा संप्रदायीक संस्थेच्या कारभाराकडेन संबंदीत आशिल्ल्या पदाचो धारक अथवा तिच्या शासक मंडळाचो खंयचोय वांगडी म्हळ्यार विशीश्ट धर्म आपणावपी अथवा खंयच्याय एका विशीश्ट संप्रदायाची व्यक्ती आसूंक जाय असो उपबंध करपी खंयच्याच कायद्याच्या प्रवर्तनाचेर परिणाम जावंचो ना.
- 17. अस्पृश्यतायेचो अन्त अस्पृश्यताय ना नपश्चात् केल्या आनी तिच्या खंयच्याय स्वरूपांतल्या आचरणाचेर बंदी आसा. अस्पृश्यतायेंतल्यान उप्रासपी कसलीय निर्योग्यताय लादप हो कायद्याप्रमाण ख्यास्त फावों जावपी गुन्यांव आसतलो.
- 18. किताबांचेर बंदी (1) सेना विशयक अथवा विद्या विशयक मानविशेश नाशिल्लो असो कसलोच किताब राष्ट्र दिवंचें ना.

- (2) No citizen of India shall accept any title from any foreign State.
- (3) No person who is not a citizen of India shall, while he holds any office of profit or trust under the State, accept without the consent of the President any title from any foreign State.
- (4) No person holding any office of profit or trust under the State shall, without the consent of the President, accept any present, emolument, or office of any kind from or under any foreign State.

Right to Freedom

- 19. Protection of certain rights regarding freedom of speech, etc. (1) All citizens shall have the right—
 - (a) To freedom of speech and expression;
 - (b) To assemble peaceably and without arms;
 - (c) To form associations or unions;
 - (d) To move freely throughout the territory of India;
 - (e) To reside and settle in any part of the territory of India, ⁴[and]
 - (f) 5* * * * *
 - (g) To practise any profession, or to carry on any occupation, trade or business.
- ⁵[(2) Nothing in sub-clause (a) of clause (1) shall affect the operation of any existing law, or prevent the State from making any law, in so far as such law imposes reasonable restrictions on the exercise of the right conferred by the said sub-clause in the interests of ⁷[the sovereignty and integrity of India,] the security of the State, friendly relations with foreign States, public order, decency or morality, or in relation to contempt of court, defamation or incitement to an offence.]
- (3) Nothing in sub-clause (b) of the said clause shall affect the operation of any existing law in so far as it imposes, or prevent the State from making any law imposing, in the interests of ⁷[the sovereignty and integrity of India or] public order, reasonable restrictions on the exercise of the right conferred by the said sub-clause.
- (4) Nothing in sub-clause (c) of the said clause shall affect the operation of any existing law in so far as it imposes, or prevent the State from making any law imposing, in the interests of ⁷[the sovereignty and integrity of India or] public order or morality, reasonable restrictions on the exercise of the right conferred by the said sub-clause.
- (5) Nothing in ⁸[sub-clauses (d) and (e)] of the said clause shall affect the operation of any existing law in so far as it imposes, or prevent the State from making any law imposing, reasonable restrictions

- (2) भारताच्या खंयच्याच नागरिकाक खंयच्याच परकी देशाकडल्यान कसलोच किताब स्वीकारूंक मेळचो ना.
- (3) भारताचो नागरीक नाशिल्ली खंयचीच व्यक्ती राज्याचे अखत्यारेंखालचें कसलेंय लाभाचें अथवा विस्वासाचें पद सांबाळटा आसत जाल्यार तिका राष्ट्रपतीचे मान्यतायेबगर खंयच्याच परकी देशाकडल्यान कसलोच किताब स्वीकारूंक मेळचो ना.
- (4) राष्ट्राचे अखत्यारेखालचे कसलेंय लाभाचें अथवा विस्वासाचें पद सांबाळपी खंयचेच व्यक्तीक राष्ट्रपतीचें मान्यतायेबगर परकी देशाकडल्यान अथवा ताचे अखत्यांरेखालच्या कसल्याच प्रकारची भेट, परिलाभ अथवा पद स्वीकारुंक मेळचें ना.

स्वातंत्र्य - अधिकार

- 19. भाशण स्वातंत्र्य इत्यादीसंबंदांत थोड्या विशीश्ट अधिकारांची राखण (1) सगल्या नागरिकांक -
 - (क) भाशण आनी अभिव्यक्ती हांच्या स्वातंत्र्याचो;
 - (ख) शांततायेन आनी शस्त्राबगर एकठांय जावपाचो;
 - (ग) संस्था अथवा पंगड घडोवपाचो;
 - (घ) भारताच्या राज्यक्षेत्रांत सगल्याक मेकळेपणान संचार करपाची;
 - (ङ) भारताच्या राज्यक्षेत्रांत खंयच्याय भागांत रावपाचो आनी स्थायिक जावपाचो ⁴[आनी]
 - (च) ⁵* * * * *
 - (छ) खंयचोय वेवसाय, उपजिविका, धंदो अथवा उदीम-उद्देग आपणावपाचो अधिकार आसतलो.
- ⁶[(2) उपकलम (1) चें उप-उपकलम (क) हातूंतले खंयचेय गजालीक लागून, त्या उप-उपकलमान प्रदान केल्ल्या अधिकाराच्या वापराचेर ज्या कायद्यावरवीं ⁷[भारताची सार्वभौमताय आनी एकात्मताय] राज्याची सुरक्षितताय, परकी देशा वांगडा इश्टागतीचे संबंद, भौशीक सुवेवस्था, सभ्यताय अथवा नितिमत्ता हांच्या हिताखातीर अथवा न्यायालयाचो अवमान, अब्रुनुकसानी अथवा गुन्यांवांक चिथावणी हांच्या संबदांत जितलेमेरेन फावोशे निर्बंध घाल्ले आसतीत तितलेमेरेन अशा खंयच्याय विद्यमान कायद्याच्या प्रवर्तनाचेर परिणाम जावंचो ना अथवा असो खंयचोय कायदो करपाक राष्ट्राक आडकाठी आसची ना.]
- (3) वयल्या उपकलमाचें उप-उपकलम (ख) हातूंतले खंयचेच गजालीक लागून, वयल्या उप-उपकलमान प्रदान केल्ल्या अधिकाराच्या वापराचेर ज्या कायद्यावरवीं ⁷[भारताची सार्वभौमताय आनी एकात्मताय अथवा] भौशीक सुवेवस्था हांच्या हिताखातीर जितलेमेरेन, अशा खंयच्याय विद्यमान कायद्याच्या प्रवर्तनाचेर परिणाम जावंचो ना अथवा असो खंयचोय कायदो करपाक राष्ट्राक आडकाठी आसची ना.
- (4) वयल्या उपकलमाचें उप-उपकलम (ग) हातूंतले खंयचेच गजालीक लागून, वयल्या उप-उपकलमान प्रदान केल्ल्या अधिकाराच्या वापराचेर ज्या कायद्यावरवीं ⁷[भारताची सार्वभौमताय आनी एकात्मताय अथवा] भौशीक सुवेवस्था आनी नीतिमत्ता हांच्या हिताखातीर जितलेमेरेन फावोशे निर्बंध घाल्ले

आसतीत तितलेमेरेन अशा खंयच्याच विद्यमान कायद्याच्या प्रवर्तनाचेर परिणाम जांवचो ना अथवा असो खंयचोय कायदो करपाक राष्ट्राक आडकाठी आसची ना.

(5) वयल्या उपकलमांतल्या ⁸[उप-उपकलम (घ) आनी (ङ)] हातूंतले खंयचेच गजालीक लागून वयल्या उप-उपकलमांनी प्रदान केल्ल्या अधिकांरांमदल्या खंयच्याय अधिकाराच्या वापराचेर ज्या कायद्यावरवीं सर्वसाधारण on the exercise of any of the rights conferred by the said sub-clauses either in the interests of the general public or for the protection of the interests of any Scheduled Tribe.

- (6) Nothing in sub-clause (g) of the said clause shall affect the operation of any existing law in so far as it imposes, or prevent the State from making any law imposing, in the interests of the general public, reasonable restrictions on the exercise of the right conferred by the said sub-clause, and, in particular, ⁹[nothing in the said sub-clause shall affect the operation of any existing law in so far as it relates to, or prevent the State from making any law relating to, -
 - (i) The professional or technical qualifications necessary for practising any profession or carrying on any occupation, trade or business, or
 - (ii) The carrying on by the State, or by a corporation owned or controlled by the State, of any trade, business, industry or service, whether to the exclusion, complete or partial, of citizens or otherwise].
- 20. Protection in respect of conviction for offences. (1) No person shall be convicted of any offence except for violation of a law in force at the time of the commission of the Act charged as an offence, nor be subjected to a penalty greater than that which might have been inflicted under the law in force at the time of the commission of the offence.
 - (2) No person shall be prosecuted and punished for the same offence more than once.
 - (3) No person accused of any offence shall be compelled to be a witness against himself.
- 21. Protection of life and personal liberty. No person shall be deprived of his life or personal liberty except according to procedure established by law.
- ¹⁰[22. Protection against arrest and detention in certain cases. (1) No person who is arrested shall be detained in custody without being informed, as soon as may be, of the grounds for such arrest nor shall he be denied the right to consult, and to be defended by, a legal practitioner of his choice.
- (2) Every person who is arrested and detained in custody shall be produced before the nearest magistrate within a period of twenty-four hours of such arrest excluding the time necessary for the journey from the place of arrest to the court of the magistrate and no such person shall be detained in custody beyond the said period without the authority of a magistrate.
 - (3) Nothing in clauses (1) and (2) shall apply-
 - (a) To any person who for the time being is an enemy alien; or

जनतेच्या हिताखातीर अथवा खंयचेय अनुसूचित जनजातीच्या हितसंबंदांचे राखणेखातीर जितलेमेरेन फावोशो निर्बंध घाल्ले आसतीत तितलेमेरेन अशा खंयच्याच विद्यमान कायद्याच्या प्रवर्तनाचेंर परिणाम जावंचो ना अथवा असो खंयचोय कायदो करपाक राष्ट्राक आडकाठी आसची ना.

- (6) वयल्या उपकलमाचें उप-उपकलम (छ) हातूंतले खंयचेय गाजालीक लागून वयल्या उप-उपकलमान प्रदान केल्ल्या अधिकाराच्या वापराचेर ज्या कायद्यावरवी सर्वसाधारण जनतेच्या हिताखातीर जितलेमेरेन फावोशे निर्बंध घाल्ले आसतीत तितलेमेरेन अश्या खंयच्याच विद्यमान कायद्याच्या प्रवर्तनाचेर परिणाम जावंचो ना अथवा असो खंयचोय कायदो करपाक राष्ट्राक आडखळ आसची ना, आनी, चड करून, ⁹[वयल्या उप-उपकलमांतले खंयचेय गजालीक लागून जो कायदो -
 - (i) खंयचोय वेवसाय आपणावपाखातीर अथवा खंयचोय उद्देग, धंदो, उदीम चलोवपाखातीर गरजेची आशिल्ली वेवसायासंबंदी अथवा तंत्रविशयक पात्रताय अथवा
 - (ii) नागरिकांक पुरायेन अथवा अंशतायेन वगळून अथवा हेर तरेन राष्ट्रान अथवा राष्ट्राचें धनीपण अथवा नियंत्रण आशिल्ल्या निगमान खंयचोय वेपार, धंदो, उद्देग, अथवा सेवा चलोवप, हांचे ठांय जितलेमेरेन संबंद्ध आसत तितलेमेरेन, अशा खंयच्याच विद्यमान कायद्याच्या प्रवर्तनाचेर परिणाम जावंचो ना आनी असो खंयचोय कायदो करपाक राष्ट्राक आडकाठी आसची ना.]
- 20. गुन्यांवांखातीरचे दोशसिद्धीविशीं राखण (1) जें कर्तुब म्हळ्यार गुन्यांव आसा असो दोशारोप जाल्लो आसत तें कर्तुब एखादे व्यक्तीन करपाच्या वेळार लागू आशिल्ल्या कायद्याचो ताका लागून भंग जालेबगर अशा खंयच्याच गुन्यांवाक लागून ती व्यक्ती गुन्यांवकार अशें थारावचें नात, तेचपरीं तो गुन्यांव करपाच्या वेळार लागू आशिल्ल्या कायद्याखाला जी ख्यास्त जावं येताली तेपरस चड ख्यास्तीक ती व्यक्ती पात्र आसा अशें थारावचे नात.
- (2) एकाच गुन्यांवाखातीर एकापरस चड फावटी खंयचेच व्यक्तीचेर खटलो भरचे नात आनी तिका ख्यास्तूय जावंची ना.
 - (3) खंयच्याय गुन्यांवाचो आरोप आशिल्ले खंयचेच व्यक्तीचेर स्वताआड साक्षीदार जावपाची सक्ती करचे नात.
- 21. जिवीत आनी व्यक्तिगत स्वातंत्र्य हांचीं राखण कायद्यावरवीं प्रस्थापीत केल्ली कार्यपद्धत आपणायलेबगर खंयचेच व्यक्तीक तिचें जिवीत आनी व्यक्तिगत स्वातंत्र्य हांचेपसून वंचीत करचे नात.
- ¹⁰[22. (1) अटक केल्ले खंयचेय व्यक्तीक, अशे अटकेचीं कारणां, जाता तितले बेगीन, तिका कळयलेबगर सुरक्षेच्या निमतान स्थानबद्ध करूंन दवरूंक मेळचेंना आनी आपणाले आवडीच्या कायदो वेवसायीचो सल्लो घेवपाचो आनी ताचेवरवीं आपणालो बचाव करपाचो अधिकार तिका न्हयकारचे नात.
- (2) जिका अटक केल्या आनी स्थानबद्ध केल्या अशे दरेके व्यक्तीक अटकेचे सुवातेसावन सगल्यांत लागींच्या दंडाधिकाऱ्याच्या न्यायालयामेरेनच्या प्रवासाक गरजेचो तो वेळ वगळून, अशे अटकेसावन चोवीस वरांच्या काळाभितर त्या दंडाधिकाऱ्यामुखार हाजीर करतले आनी अशे खंयचेच व्यक्तीक वयर सांगलां त्या कालावधी उपरांत दंडाधिकाऱ्यान प्राधिकृत केलेबगर हवालतीत स्थानबद्ध करूंक मेळचेंना.
- (3) उपकलम 1 आनी उपकलम 2 हातूंतली खंयचीच गजाल अशे व्यक्तीक लागू जावचीना जी व्यक्ती -(क) त्या त्या वेळार दुस्मान - देशांतली आसत अशे खंयचेच व्यक्तीक; अथवा

- (b) To any person who is arrested or detained under any law providing for preventive detention.
- (4) No law providing for preventive detention shall authorise the detention of a person for a longer period than three months unless-
 - (a) An Advisory Board consisting of persons who are, or have been, or are qualified to be appointed as, Judges of a High Court has reported before the expiration of the said period of three months that there is in its opinion sufficient cause for such detention:

Provided that nothing in this sub-clause shall authorise the detention of any person beyond the maximum period prescribed by any law made by Parliament under sub-clause (b) of clause (7); or

- (b) Such person is detained in accordance with the provisions of any law made by Parliament under sub-clauses (a) and (b) of clause (7).
- (5) When any person is detained in pursuance of an order made under any law providing for preventive detention, the authority making the order shall, as soon as may be, communicate to such person the grounds on which the order has been made and shall afford him the earliest opportunity of making a representation against the order.
- (6) Nothing in clause (5) shall require the authority making any such order as is referred to in that clause to disclose facts which such authority considers to be against the public interest to disclose.
 - (7) Parliament may by law prescribe-
 - (a) The circumstances under which, and the class or classes of cases in which, a person may be detained for a period longer than three months under any law providing for preventive detention without obtaining the opinion of an Advisory Board in accordance with the provisions of sub-clause (a) of clause (4);
 - (b) The maximum period for which any person may in any class or classes of cases be detained under any law providing for preventive detention; and
 - (c) The procedure to be followed by an Advisory Board in an inquiry under sub-clause (a) of clause (4).

Right against Exploitation

- 23. Prohibition of traffic in human beings and forced labour. (1) Traffic in human beings and begar and other similar forms of forced labour are prohibited and any contravention of this provision shall be an offence punishable in accordance with law.
- (2) Nothing in this article shall prevent the State from imposing compulsory service for public purposes, and in imposing such service the State shall not make any discrimination on grounds only of religion, race, caste or class or any of them.

- (ख) जे व्यक्तीक प्रतिबंधक स्थानबद्धतायेचो उपबंध करपी खंयच्याय कायद्याखाला अटक केल्या अथवा तिका स्थानबद्ध केल्या अशे व्यक्तीक उपकलम (1) आनी उपकलम (2) हातूंतली खंयचीच गजाल लागू जांवची ना.
- (4) प्रतिबंधक स्थानबद्धतायेचो उपबंध करपी खंयचोच कायदो खंयचेच व्यक्तीक तीन म्हयन्यांपरस चड काळ स्थानबद्धतायेंत दवरपाचो प्राधिकार दिवंचो ना जोवेर.
- (क) समुचित उच्च न्यायालयाच्या मूख्य न्यायमूर्तींचे शिफारसीप्रमाण घडयल्ल्या सल्लागार मंडळान वयर सांगला तो तीन म्हयन्यांचो काळ सोंपचेआदीं, आपणाल्या मतान, अशें स्थानबद्धतायेक फावोशें कारण आसा असो अभिप्राय दिल्लो ना.

परंतु, ह्या उप-उपकलमांतली खंयचीच गजाल खंयचेच व्यक्तीक हो चडांत चड असो तीन म्हयन्यांचो कालावधीमेरेन प्रतिबंधीत करपाक संसदेन उपकलम (7) चें उप-उपकलम (ख) हांचे अधीनतायेन संसदेन कितेंय कायदो केल्लो आसल्यार तेखातीर प्राधिकृत करचे नात; अथवा

- (ख) उपकलम (7) चें उप-उपकलम (क) अथवा उप-उपकलम (ख) हांचे अधीनतायेन संसदेन केल्ल्या खंयच्याय कायद्याच्या उपबंधाप्रमाण अशे व्यक्तीक निरूद्ध करचे नात.
- (5) जेन्ना खंयचेय व्यक्तीक प्रतिबंधक स्थानबद्धतायेसंबंदीं उपबंध करपी खंयच्याय कायद्याचे अधीनतायेन केल्लो आदेश अनुसरपाक आडायतले तेन्ना असो आदेश दिवपी प्राधिकारी जाता तितले बेगीन ते व्यक्तीक तो आदेश खंयच्या आधाराचेर केला तें कळयतलो आनी ताचेआड अपील करपाक अवधी दितलो.
- (6) उपकलम (5) त खंयचेय गजालीसंबंदीं त्या उपकलमांत निर्दीश्ट आशिल्लो आदेश करपी प्राधिकाऱ्यान तशें करप लोकहिताआड जातलें अशें ताका दिसता आसल्यार जाहीर करप गरजेचें आसचें ना.
 - (7) संसदेच्यान कायद्यावरवीं निश्चीत करूं येता की -
 - (क) खंयचे परिस्थितीचे अधीनतायेन आनी खंयच्या प्रकाराच्या अथवा प्रकारांच्या गजालींनीं खंयचेय व्यक्तीक प्रतिबंधाचो उपबंध करपी खंयच्या खंयच्या कायद्यान तीन म्हयन्यांपरस चड कालावधीखातीर उपकलम (4) च्या उप-उपकलम (क) च्या उपबंधांखाला सल्लागार मंडळाचो सल्लो घेतले बगर स्थानबद्ध करूं येता;
 - (ख) खंयच्याय प्रकाराचे अथवा प्रकारांचे गजालीनीं चडांत चड कितलो काळमेरेन खंयचेय व्यक्तीक खंयच्या कायद्याच्या उपबंधाचे अधीनतायेन स्थानबद्धतेत दवरू येता; आनी
 - (ग) उपकलम (4) च्या उप-उपकलम (क) चे अधीनतायेन करपाचे चवकशेंत सल्लागार मंडळान आपणावपाची प्रक्रिया कशी आसूं येता.

पिळणुकेआड अधिकार

- 23. मनशांचो अपवेपार आनी वेठ हांचेर बंदी (1) मनशांचो अपवेपार आनी बिगार अथवा ताचेसारकेली हेर स्वरूपांतली वेठ हांकां मनाय केल्या आनी ह्या उपबंधाचें खंयचेय तरेन उल्लंघन करप हो कायद्यान ख्यास्त फावता असो गुन्यांव आसतलो.
- (2) भौशीक प्रयोजनांखातीर सक्तीन सेवा करूंक लावपाक राष्ट्राक ह्या कलमांतले खंयचेच गजालीक लागून आडकाठी जावंची ना आनी अशें सेवाबंधन लायतना फकत धर्म, वंश, जात अथवा वर्ग ह्या अथवा हांचेमदल्या खंयच्याच कारणावेल्यान राष्ट्र कसलोच भेदभाव करचें ना.

24. Prohibition of employment of children in factories, etc. — No child below the age of fourteen years shall be employed to work in any factory or mine or engaged in any other hazardous employment.

Right to Freedom of Religion

- 25. Freedom of conscience and free profession, practice and propagation of religion. (1) Subject to public order, morality and health and to the other provisions of this Part, all persons are equally entitled to freedom of conscience and the right freely to profess, practise and propagate religion.
- (2) Nothing in this article shall affect the operation of any existing law or prevent the State from making any law-
 - (a) Regulating or restricting any economic, financial, political or other secular activity which may be associated with religious practice;
 - (b) Providing for social welfare and reform or the throwing open of Hindu religious institutions of a public character to all classes and sections of Hindus.
- **Explanation I. -** The wearing and carrying of kirpans shall be deemed to be included in the profession of the Sikh religion.
- **Explanation II.** In sub-clause (b) of clause (2), the reference to Hindus shall be construed as including a reference to persons professing the Sikh, Jaina or Buddhist religion, and the reference to Hindu religious institutions shall be construed accordingly.
- **26. Freedom to manage religious affairs.** Subject to public order, morality and health, every religious denomination or any section thereof shall have the right—
 - (a) To establish and maintain institutions for religious and charitable purposes;
 - (b) To manage its own affairs in matters of religion;
 - (c) To own and acquire movable and immovable property; and
 - (d) To administer such property in accordance with law.
- **27. Freedom as to payment of taxes for promotion of any particular religion.** No person shall be compelled to pay any taxes, the proceeds of which are specifically appropriated in payment of expenses for the promotion or maintenance of any particular religion or religious denomination.
- 28. Freedom as to attendance at religious instruction or religious worship in certain educational institutions. (1) No religious instruction shall be provided in any educational institution wholly maintained out of State funds.

24. ल्हान भुरग्यांक कारखान्यांनी इत्यादी कामाक दवरपाक बंदी — चौदा वर्सा पिरायेखालच्या खंयच्याच भुरग्याक खंयच्याच कारखान्यांत अथवा खणीर काम करपाखातीर नोकरेक दवरचे नात अथवा हेर खंयच्याय धोक्याच्या कामाचेर ताची नेमणूक करचे नात.

धर्मस्वातंत्र्याचो अधिकार

- 25. अंतरकर्णाचें स्वातंत्र्य आनी धर्माचे मुक्त प्रतिज्ञापन, आचरण आनी प्रसार करपाचें स्वातंत्र्य—(1) भौशीक सुवेवस्था, नीतिमत्ता आनी भलायकी हांच्या ह्या भागांतल्या हेर उपबंधांच्या आधारान अंतरकर्णाच्या स्वातंत्र्याक आनी धर्म मुक्तपणान प्रतिज्ञापीत करपाच्या, आचरणांत हाडपाच्या आनी ताचो प्रसार करपाच्या अधिकाराक सगल्यो व्यक्ती सारक्यो हकदार आसतल्यो.
 - (2) ह्या कलमांतले खंयचेच गजालीक लागून, -
- (क) धर्माचरणाकडेन सबंदीतं आसत् अशा खंयच्याच आर्थीक, वित्तीय, राजनितीक अथवा हेर धार्मिकेतर कार्यांचे विनियमन करपी अथवा ताचेर निर्बंध घालपी;
 - (ख) समाजीक कल्याण आनी सुदारप हांचेसंबंदीं अथवा भौशीक स्वरूपाच्यो हिंदू धर्मीक संस्था, हिंदूंचे सगले वर्ग आनी पोटभेद हांकां उक्ते करपाविशींचे उपबंध करपी, खंयच्याय विद्यमान कायद्याच्या प्रवर्तनाचेर परिणाम जांवचो ना अथवा असो कसलोय कायदो करपाक राष्ट्राक आडकाठी आसची ना.
- स्पष्टीकरण 1 : कृपाणां धारण करप आनी स्वतावांगडा बाळगप हें शीख धर्माच्या प्रतिज्ञापनांत आस्पावीत केलां अशें मानतले.
- स्पश्टीकरण 2: उपकलम (2) च्या उप-उपकलम (ख) हातूंत 'हिंदू' ह्या उतराच्या उल्लेखांत शीख, जैन, अथवा बौध्द धर्म प्रतिज्ञापीत करपीं व्यक्तींचो उल्लेख आस्पावला असो ताचो अर्थ लायतले आनी हिंदू धर्मीक संस्थांच्या उल्लेखाचो अर्थूय तेचप्रमाण लायतले.
- **26. धर्मासंबंदींच्या वेव्हारांची वेवस्था पळोवपाचें स्वातंत्रय** भौशीक सुवेवस्था, नीतिमत्ता आनी भलायकी हांचे अधीनतायेन, दरेका धर्मीक संप्रदायाक अथवा तांचेमदल्या खंयच्याय गटाक.
 - (क) धर्मीक आनी धर्मादायी प्रयोजनांखातीर संस्थांची स्थापना करून त्यो स्वखर्चान चलोवपाचो ;
 - (ख) धर्मीक गजालीनी आपणाल्या वेव्हारांची वेवस्था पळोवपाचो;
- (ग) जंगम आनी स्थावर संपत्तेचें धनीपण आसपाचो आनी ती संपादन करपाचो, आनी
 - (घ) कायद्याप्रमाण अशें संपत्तेचे प्रशासन करपाचो अधिकार आसतलो.
- 27. एखाद्या विशीश्ट धर्माच्या संवर्धनाखातीर कर दिवपासंबंदांतलें स्वातंत्र्य जांची येणावळ एखाद्या विशीश्ट धर्माचें अथवा धर्मीक संप्रदायाचें संवर्धन करपाखातीर अथवा तो चालू दवरपाखातीर विनिर्दीश्टपणान विनियोजीत केल्ले आसा अशें कसलेय कर दिवपाची खंयचेच व्यक्तीचेर सक्ती करचे नात.
- 28. थोड्या शिक्षणीक संस्थांनी धर्मीक शिक्षण अथवा धर्मीक उपासना हांकां हाजीर रावपासंबंदांत स्वातंत्र्य (1) पुरायेन राष्ट्राच्या दुडवांतल्यान चलयतात अशे खंयचेच शिक्षणीक संस्थेंत कसलेंच धर्मीक शिक्षण दिवंचें नात.

- (2) Nothing in clause (1) shall apply to an educational institution, which is administered by the State but has been established under any endowment or trust which requires that religious instruction shall be imparted in such institution.
- (3) No person attending any educational institution recognised by the State or receiving aid out of State funds shall be required to take part in any religious instruction that may be imparted in such institution or to attend any religious worship that may be conducted in such institution or in any premises attached thereto unless such person or, if such person is a minor, his guardian has given his consent thereto.

Cultural and Educational Rights

- 29. Protection of interests of minorities. (1) Any section of the citizens residing in the territory of India or any part thereof having a distinct language, script or culture of its own shall have the right to conserve the same.
- (2) No citizen shall be denied admission into any educational institution maintained by the State or receiving aid out of State funds on grounds only of religion, race, caste, language or any of them.
- 30. Right of minorities to establish and administer educational institutions. (1) All minorities, whether based on religion or language, shall have the right to establish and administer educational institutions of their choice.
- ¹¹[(1A) In making any law providing for the compulsory acquisition of any property of any educational institution established and administered by a minority, referred to in clause (1), the State shall ensure that the amount fixed by or determined under such law for the acquisition of such property is such as would not restrict or abrogate the right guaranteed under that clause.]
- (2) The State shall not, in granting aid to educational institutions, discriminate against any educational institution on the ground that it is under the management of a minority, whether based on religion or language

¹²* * *

31. * * * * * [Compulsory acquisition of property.] . Rep. by the Constitution (Forty-fourth Amendment) Act, 1978, s. 6 (w.e.f. 20-6-1979).

13[Saving of Certain Laws]

¹⁴[31A. Saving of laws providing for acquisition of estates, etc. — ¹⁵[* * *] (1) Notwithstanding anything contained in article 13, no law providing for—

- (2) जी शिक्षणीक संस्था राष्ट्राकडल्यान प्रशासीत जाता आसली तरीय, अशे संस्थेत धर्मीक शिक्षण दिवप गरजेचें करपी कसलोय दाननिधी अथवा प्रतिश्ठान हाचेखाला ती स्थापन जाल्ली आसत तिका उपकलम (1) हातूंतली खंयचीच गजाल लागू जावंचीना.
- (3) राष्ट्रान मान्यताय दिल्ले अथवा राष्ट्राच्या दुडवांतल्यान आधार मेळटा अशे खंयचेय शिक्षणीक संस्थेंत जें कितें धर्मीक शिक्षण दितले तातूंत भाग घेवपासंबंदीं अथवा अशे संस्थेंत अथवा तिचेकडेन संबंदीत आशिल्ले खंयचेय सुवातेंत जी किदें धर्मीक उपासना चलयतले तिका हाजीर रावपाविशीं अशे संस्थेंत वचपी खंयचेच व्यक्तीन अथवा अशी व्यक्ती अज्ञान आसल्यार तिच्या पालकान आपणाली संमती दिलेबगर, अशे व्यक्तीक तशें करप गरजेचें करचे नात.

संस्कृतीक आनी शिक्षणीक अधिकार

- 29. अल्पसंख्यांक समाजाच्या हितांची राखण (1) भारताच्या राज्यक्षेत्रांत अथवा ताच्या खंयच्याय भागांत रावपी ज्या खंयच्याय नागरीक गटाक आपणाली स्वताची वेगळी भास, लिपी अथवा संस्कृताय आसत जाल्यार ती सांबाळून दवरपाचो अधिकार आसतलो.
- (2) राष्ट्राच्या खर्चान चलपी अथवा राष्ट्राच्या दुडवांतल्यांन आधार मेळटा अशे खंयचेच शिक्षणीक संस्थेंत खंयच्याच नागरिकाक फकत धर्म, वंश, जात, भास ह्या अथवा हातूंतल्या खंयच्याच कारणावेल्यान प्रवेश नाकारचे नात.
- 30. शिक्षणीक संस्था स्थापन करपाचो आनी तांचें प्रशासन चलोवपाचो अल्पसंख्यांक समाजाचो अधिकार (1) धर्म अथवा भास ह्या निकशांप्रमाण अल्पसंख्यांक आशिल्ल्या सगल्या समाजांक आपणाले आवडीच्यो शिक्षणीक संस्था स्थापपाचो आनी तांचें प्रशासन चलोवपाचो अधिकार आसतलो.
- ¹¹[(1क) उपकलम (1) हातूंत निर्दीश्ट केल्लेप्रमाण एखाद्या अल्पसंख्यांक समाजान स्थापन केल्ले आनी चलयल्ले शिक्षणिक संस्थेचे खंयचेच संपतीचें सक्तीन संपादन करपाचो उपबंध करपी कसलोय कायदो करतना राष्ट्र हें अशे संपत्तेच्या संपादनाखातीर अशा कायद्यान थारायल्ले अथवा ताचेखाला थारायल्ले रकमेक लागून त्या उपकलमाखाला हमी दिल्लो अधिकार निर्वंधीत अथवा निराकृत जांवचो ना अशें तरेची ती रक्कम आसतली अशी खात्रीलायक तजवीज करतलें.]
- (2) शिक्षणीक संस्थांक पालव दितना राष्ट्र, एखादी शिक्षणीक संस्था ही धर्म अथवा भास ह्या निकशांप्रमाण अल्पसंख्यांक अशिल्ल्या एखाद्या समाजाच्या वेवस्थापनाखाला आसा ह्या कारणावेल्यान तिका

प्रतिकूल जायत अशे तरेचो भेदभाव करचें ना.

12[* * *]

31.* * * * *[संपदेचें अनिवार्य अर्जनट 'संविधान (चोवेचाळीसावों बदल) अधिनियम 1978'- अनुभाग 6 वरवीं (20-6-1979 सावन) निरसीत केले.]

13[थोड्या कायद्यांचो आडवाद]

¹⁴[31क. संपदांचे संपादन इत्यादींखातीर उपबंध करपी कायद्याचो आडवाद - ¹⁵[(1) कलम 13 त कितेंय आसलें तरी.

- (a) The acquisition by the State of any estate or of any rights therein or the extinguishment or modification of any such rights, or
- (b) The taking over of the management of any property by the State for a limited period either in the public interest or in order to secure the proper management of the property, or
- (c) The amalgamation of two or more corporations either in the public interest or in order to secure the proper management of any of the corporations, or
- (d) The extinguishment or modification of any rights of managing agents, secretaries and treasurers, managing directors, directors or managers of corporations, or of any voting rights of shareholders thereof, or
- (e) The extinguishment or modification of any rights accruing by virtue of any agreement, lease or licence for the purpose of searching for, or winning, any mineral or mineral oil, or the premature termination or cancellation of any such agreement, lease or licence, shall be deemed to be void on the ground that it is inconsistent with, or takes away or abridges any of the rights conferred by ¹⁶[article 14 or article 19]

Provided that where such law is a law made by the Legislature of a State, the provisions of this article shall not apply thereto unless such law, having been reserved for the consideration of the President, has received his assent:]

¹⁷[Provided further that where any law makes any provision for the acquisition by the State of any estate and where any land comprised therein is held by a person under his personal cultivation, it shall not be lawful for the State to acquire any portion of such land as is within the ceiling limit applicable to him under any law for the time being in force or any building or structure standing thereon or appurtenant thereto, unless the law relating to the acquisition of such land, building or structure, provides for payment of compensation at a rate which shall not be less than the market value thereof.]

(2) In this article, —

- ¹⁸[(a) The expression "estate" shall, in relation to any local area, have the same meaning as that expression or its local equivalent has in the existing law relating to land tenures in force in that area and shall also include-
- (i) Any jagir, inam or muafi or other similar grant and in the States of ¹⁹[Tamil Nadu] and Kerala, any janmam right;
 - (ii) Any land held under ryotwari settlement;
 - (iii) Any land held or let for purposes of agriculture or for purposes ancillary thereto, including

- (क) खंयचेय संपदेचे अथवा तिच्यांतल्या खंयच्याय अधिकारांचें राष्ट्रान संपादन करप अथवा अशे कसलेय अधिकार ना करप अथवा तातूंत फेरबदल करप, अथवा
- (ख) खंयचेय संपदेचें वेवस्थापन राष्ट्रान भौशीक हिताखातीर अथवा ते संपदेचें फावो ते तरेन वेवस्थापन जांवंचें हेखातीर मर्यादीत काळापुरतें आपणाल्या हातांत घेवप, अथवा
- (ग) दोन अथवा चड निगमांचें, भौशीक हिताखातीर अथवा तांचेमदल्या खंयच्याय निगमांचें फावो ते तरेन वेवस्थापन जांवंचें हेखातीर संमीलन करप, अथवा
- (घ) निगमांचें वेवस्थापन अभिकर्तो, सचीव अथवा भांडारी, वेवस्थापन संचालक, संचालक अथवा वेवस्थापक हांचे कसलेय अधिकार अथवा निगमांच्या भागधारकांचें कसलेय मतदानाचे अधिकार ना करप अथवा तातूंत फेरबदल करप, अथवा
- (ङ) कसलेंय खनिज अथवा खनिज तेल हांच्या सोदाच्या अथवा निश्कर्शांच्या प्रयोजनाखातीर आशिल्ल्या खंयच्याय कराराच्या, भाडेपट्टेच्या अथवा परवान्याच्या आधारार उप्रासपी खंयचेय अधिकार ना करप अथवा तातूंत फेरबदल करप अथवा असो खंयचोय करार, भाडेपट्टी अथवा परवानो मुजतीपयली समाप्त करप अथवा रद्द करप,

हाचेखातीर उपबंध करपी कसलोय कायदो हो, ¹⁶[कलम 14 अथवा कलम 19] हाणीं प्रदान केल्ल्या अधिकारांमदल्या खंयच्याय अधिकारांकडेन विसंगत आसा अथवा त्या कायद्याक लागून असो अधिकार काडून घेतल्लेवरी जाता अथवा त्या अधिकारांचो संकोच जाता ह्या कारणावेल्यान तो शून्य आसा अशें मानचे नात.

परंतु, असो कायदो हो एखाद्या राज्याचे विधानसभेन केल्लो कायदो आसत तेसंबंदांत असो कायदो राष्ट्रपतीच्या विचाराखातीर राखून दवरला आसत जाल्यार ताका ताची मान्यताय मेळ्ळेबगर ह्या कलमाचे उपबंध त्या कायद्याक लागू जावंचे नात.]

¹⁷[परंतु आनीक अशें की, जर एखाद्या कायद्यांत खंयचेय संपदेचें राष्ट्रान संपादन करपासंबंदींचो उपबंध केला आसत आनी तातूंत आस्पाविल्ली खंयचीय जमीन एखादे व्यक्तीन स्वता आपूण कसचेखातीर धारण केल्ली आसत जाल्यार, अशी जमीन अथवा तिचेर उबी आशिल्ली अथवा तिचेंच एक आंग जावन आशिल्ली खंयचीय इमारत अथवा इमलो हांच्या संपादनाकडेन संबंदीत आशिल्ल्या कायद्यांत तांच्या बाजार मोलापरस उणी आसची ना अशा दरान भरपाय दिवपासंबंदांत उपबंध केलेबगर त्या त्या काळांत विद्यमान आशिल्ल्या खंयच्याय कायद्याप्रमाण ते व्यक्तीक लागू आशिल्ले चडांत चड मर्यादे भितर आशिल्ले अशे जमनीचो खंयचोच भाग अथवा अशी इमारत अथवा इमलो हांचे राष्ट्रान संपादन करप कायदेशीर थारचें ना.]

(2) ह्या कलमांत, -

- ¹⁸[(क) खंयच्याय थळाव्या क्षेत्रांत लागू आशिल्ले जमीन धारणा पद्धतीलागीं संबंदीत अशा विद्यमान कायद्यांत 'संपदा' हें उत्तर अथवा ताचें थळावें समानार्थी उत्तर हाका जो अर्थ आसत तोच अर्थ त्या क्षेत्राच्या संबंदांत त्या उतराक आसतलो आनी तातूंत,
 - (i) खंयचीय जहागीर, इनाम अथवा मुआफी अथवा हांचेसारकेली हेर देणगी आनी ¹⁹[तामिळनाडू] आनी केरळ ह्या राज्यांनी खंयचोय जन्मम् अधिकार;
 - (ii) रयतवारी जमाबंदीखाला धारण केल्ली खंयचीय जमीन;
 - (iii) पडींग जमीन, रानजमीन, गायरान अथवा जमनीचे लागवडदार, शेतमजूर आनी ग्रामीण कारागीर हांच्या ताब्यांतल्यो इमारती आनी हेर इमले हांच्या सुवातो धरून, शेताच्या कामांखातीर अथवा शेतकामाक

waste land, forest land, land for pasture or sites of buildings and other structures occupied by cultivators of land, agricultural labourers and village artisans;]

(b) The expression "rights", in relation to an estate, shall include any rights vesting in a proprietor, sub-proprietor, under-proprietor, tenure-holder, ²⁰[raiyat, under-raiyat] or other intermediary and any rights or privileges in respect of land revenue.]

²¹[31B. Validation of certain Acts and Regulations. — Without prejudice to the generality of the provisions contained in article 31A, none of the Acts and Regulations specified in the Ninth Schedule nor any of the provisions thereof shall be deemed to be void, or ever to have become void, on the ground that such Act, Regulation or provision is inconsistent with, or takes away or abridges any of the rights conferred by, any provisions of this Part, and notwithstanding any judgment, decree or order of any court or Tribunal to the contrary, each of the said Acts and Regulations shall, subject to the power of any competent Legislature to repeal or amend it, continue in force.]

²²[31C. Saving of laws giving effect to certain directive principles. — Notwithstanding anything contained in article 13, no law giving effect to the policy of the State towards securing ²³[all or any of the principles laid down in Part IV] shall be deemed to be void on the ground that it is inconsistent with, or takes away or abridges any of the rights conferred by ²⁴[article 14 or article 19]; ²⁵[and no law containing a declaration that it is for giving effect to such policy shall be called in question in any court on the ground that it does not give effect to such policy:]

Provided that where such law is made by the Legislature of a State, the provisions of this article shall not apply thereto unless such law, having been reserved for the consideration of the President, has received his assent.]

²⁶[31D. [Saving of laws in respect of anti-national activities.] — Rep. by the Constitution (Forty-third Amendment) Act, 1977, s. 2 (w.e.f. 13-4-1978).

Right to Constitutional Remedies

- **32.** Remedies for enforcement of rights conferred by this Part. (1) The right to move the Supreme Court by appropriate proceedings for the enforcement of the rights conferred by this Part is guaranteed.
 - (2) The Supreme Court shall have power to issue directions or orders or writs, including writs in

आधाराच्या अशा वावराखातीर धारण केल्ली अथवा भाडेपट्टीन दिल्ली खंयचीय जमीन, हांचो आस्पाव नासतलों;]

(ख) संपदेच्या संबंदांतल्या 'अधिकार' ह्या उतरांत, स्वामी, उपस्वामी, अवरस्वामी, धृतिधारक, ²⁰[रयत, अवर रयतट अथवा हेर मध्यस्थ हांचेठांय थारावन दिल्ले कसलेय अधिकार आनी जमीन महसुलासंबंदांतले कसलेय अधिकार अथवा विशेशाधिकार हांचो आस्पाव आसतलो.]

²¹[31ख. आडवादाचे अधिनियम आनी विनियम विधिमान्य करप— कलम 31क हातूंत आस्पावीत आशिल्ल्या उपबंधाचे व्यापकतेक बाधा येनासतना, णववे अनुसुचयेंत विनिर्दीश्ट केल्ल्यामदीं खंयचोय अधिनियम आनी विनियम हांच्या उपबंधांमदलो खंयचोय उपबंध हो ह्या भागाच्या खंयच्याय उपबंधांनी प्रदान केल्ल्या अधिकारांमदल्या खंयच्याय अधिकारांकडेन विसंगत आसा अथवा ताकालागून तो अधिकार काडून घेतल्लेवरी जाता अथवा त्या अधिकारांचो संकोच जाता ह्या कारणवेल्यान असो अधिनियम, विनियम अथवा उपबंध शून्य आसा अथवा कन्नाकाळार शून्य आशिल्लो अशें मानचे नात आनी खंयच्याय न्यायालयांचो अथवा अधिकरणांचो खंयचोय न्यायनिर्णय, हुकूमनामो अथवा आदेश विरोधी आसलो तरी, खंयचेच सक्षम विधानसभेक वयल्या अधिनियमांमदलो आनी विनियमांमदलो दरेक अधिनियम आनी विनियम काडून उडोवपांचे अथवा बदलपांचे जे अधिकार आसतले तांचे अधीनतायेन त्या दरेकांचो अंमल चालू उरतलो.

²²[31ग. थोड्या, निदेशक तत्वां चालीक लावपी कायद्यांचे आडवाद — कलम 13 त कितेंय आस्पावीत केल्लें आसलें तरी ²³[4थ्या भागांत घालून दिल्लीं सगलीं अथवा तातूंतली खंयचींय तत्वां] सारकीं थारावपाचें राष्ट्राचें धोरण चालीक लावपी खंयचोय कायदो हो ²⁴[कलम 14 आनी कलम 19] हांणी प्रदान केल्ल्या अधिकारांमदल्या खंयच्याय अधिकाराकडेन विसंगत आसा अथवा त्या कायद्यांक लागून तो अधिकार काडून घेतिल्लेवरी जाता अथवा त्या अधिकाराचों संकोच जाता ह्या कारणावेल्यान तो शून्य आसा अशें मानचे नात, ²⁵[आनी एखादों कायदों अशें धोरण चालीक लावपाखातीर येवजिल्लो आसा अशी घोशणा त्या कायद्यांत आस्पावीत आसत जाल्यार असो खंयचोय कायदों, तो अशें धोरण चालीक लायना ह्या कारणावेल्यान खंयच्याच न्यायालयांत प्रस्नास्पद करूंक मेळचों ना.]

परंतु, असो कायदो राज्य विधानसभेन केल्लो आसत जाल्यार, असो कायदो राष्ट्रपतीच्या विचाराखातीर राखून दवरिल्लो आसल्यार ताका, राष्ट्रपतीची मान्यताय मेळ्ळेबगर ह्या कलमाचे उपबंध लागू जावंचे नात.]

²⁶[31घ. राष्ट्रविरोधी कर्तुबांच्या संबंदांतल्या कायद्यांचे आडवाद] — संविधान (त्रेचाळीसावो बदल) अधिनियम, 1977, अनुभाग 2 वरवीं निरसीत केले.

संविधानीक उपचारांचो अधिकार

- **32. ह्या भागान प्रदान केल्ल्या आधिकारांचे बजावणेखातीर उपचार** (1) ह्या भागान प्रदान केल्ल्या अधिकारांचे बजावणेखातीर समुचित कारवायेवरवीं सर्वोच्च न्यायालयाक अर्ज विनंती करपाच्या अधिकाराची हमी दिल्या.
- (2) ह्या भागान प्रदान केल्ल्या अधिकाराभितरल्या खंयच्याय अधिकाराचे बजावणेखातीर, समुचित आसतीत ते ते निदेश अथवा आदेश अथवा हेबियस कॉर्पस (देहोपस्थिती), मांदामुस (महादेश), प्रोहिबीशन (प्रतिशेध), को वॉरंटो

the nature of habeas corpus, mandamus, prohibition, quo warranto and certiorari, whichever may be appropriate, for the enforcement of any of

- (3) Without prejudice to the powers conferred on the Supreme Court by clauses (1) and (2), Parliament may by law empower any other court to exercise within the local limits of its jurisdiction all or any of the powers exercisable by the Supreme Court under clause (2).
- (4) The right guaranteed by this article shall not be suspended except as otherwise provided for by this Constitution.
- ²⁷[32A. [Constitutional validity of State laws not to be considered in proceedings under article 32.] Rep. by the Constitution (Forty-third Amendment) Act, 1977, s. 3 (w.e.f. 13-4-1978).
- ²⁸[33. Power of Parliament to modify the rights conferred by this Part in their application to Forces, etc. Parliament may, by law, determine to what extent any of the rights conferred by this Part shall, in their application to,
 - (a) The members of the Armed Forces; or
 - (b) The members of the Forces charged with the maintenance of public order; or
 - (c) Persons employed in any bureau or other organisation established by the State for purposes of intelligence or counter intelligence; or
 - (d) Persons employed in, or in connection with, the telecommunication systems set up for the purposes of any Force, bureau or organisation referred to in clauses (a) to (c), be restricted or abrogated so as to ensure the proper discharge of their duties and the maintenance of discipline among them.]
- 34. Restriction on rights conferred by this Part while martial law is in force in any area. Notwithstanding anything in the foregoing provisions of this Part, Parliament may by law indemnify any person in the service of the Union or of a State or any other person in respect of any act done by him in connection with the maintenance or restoration of order in any area within the territory of India where martial law was in force or validate any sentence passed, punishment inflicted, forfeiture ordered or other act done under martial law in such area.
- **35. Legislation to give effect to the provisions of this Part.** Notwithstanding anything in this Constitution, -
 - (a) Parliament shall have, and the Legislature of a State shall not have, power to make laws-
 - (i) With respect to any of the matters which under clause (3) of article 16, clause (3) of article 32, article 33 and article 34 may be provided for by law made by Parliament; and

(क्वाधिकार) आनी सेर्शियोराराय (प्राकर्शण) ह्या स्वरूपांच्या प्राधिलेखांसयत प्राधिलेख काडपाचो सर्वोच्च न्यायालयाक अधिकार आसतलो.

- (3) उपकलम (1) आनी उपकलम (2) वरवीं सर्वोच्च न्यायालयाक प्रदान केल्ल्या अधिकारांक बाधा हाडीनासतना, उपकलम (2) खाला सर्वोच्च न्यायालयाच्यान वापरूं येतात अशे सगले अथवा तातूंतले खंयचेय अधिकार हेर खंयच्याय न्यायालयाक आपणाले अधिकारितायेचे थळावे शिमेभितर वापरपाक संसदेच्यान कायद्यावरवीं अधिकार प्रदान करूं येता.
- (4) ह्या संविधानान हेर तरेन उपबंध केला आसत तितलें सोडून हेरशीं ह्या कलमान हमी दिल्लो अधिकार निलंबीत करचें नात.
- **32क.** ²⁷[राज्याच्या कायद्यांचे संविधानीक वैधतेचेर कलम **32 खाला कारवायेंत विचार करप ना**] संविधान (त्रेचाळीसावो बदल) अधिनियम, 1977 अनुभाग 3 वरवीं (13-4-1977 सावन) निरसीत केले.
- ²⁸[33. ह्या भागान प्रदान केल्ले अधिकार सशस्त्र दळांक लागू करतना तातूंत आपरिवर्तन करपाचो संसदेक अधिकार ह्या भागान प्रदान केल्ल्यांमदले खंयचेय अधिकार संसदेच्यान कायद्यावरवीं -
 - (क) सशस्त्र दळांच्या वांगड्यांक; अथवा
 - (ख) भौशीक सुवेवस्था राखपी दळांच्या वांगड्यांक; अथवा
 - (ग) अन्वेशण तपास अथवा चवकशेखातीर राष्ट्रान घडयल्ल्या कसल्याय ब्यूरो अथवा संघटनाच्या निर्धारीत वांगड्याक; अथवा
- (घ) उपकलम (क) ते उपकलम (ख) हातूंत निर्दीष्ट केल्लें खंयचेंय दळ, ब्यूरो अथवा संघटन हांच्या प्रयोजनाखातीर स्थापन केल्ले दूरसंचार वेवस्थेंत अथवा तांचेकडेन संबंदीत नियोजीत व्यक्तीक, तांच्या कर्तव्यांचें योग्य तरेन पालन जावपाक आनीं शिस्त येवपाक कितले मेरेन निर्बंधीत अथवा निराकृत करूं येता हें निर्धारीत करूं येता.]
- 34. एखाद्या क्षेत्रांत लश्करी कायदो लागू आसत तेन्ना ह्या भागान प्रदान केल्ल्या अधिकारांचेर निर्वंध ह्या भागाच्या पूर्वगामी उपबंधांनी किदेंय आसलें तरी, भारताच्या राज्यक्षेत्रांनी जय लश्करी कायदो लागू आशिल्लो अशा खंयच्याय क्षेत्रांत सुवेवस्था राखप अथवा ती पयलींचेवरी प्रस्थापीत करप ह्या संबंदांत संघराज्याचे अथवा राज्याचे सेवेंतले खंयचेय व्यक्तीन अथवा हेर खंयचेय व्यक्तीन केल्ले कसलेय कृती संबंदांत संसदेच्यान कायद्यावरवीं तिचें दायीत्व-निराकरण कर्फ येता अथवा अशा क्षेत्रांतल्या लश्करी कायद्याखाला दिल्लो कसलोय शिक्षादेश, राज्यादेश, ख्यास्त, समपहरणाचो आदेश अथवा केल्ली हेर कृती हांकां कायदेशीर कर्फ येता.
 - 35. ह्या भागाच्या उपबंधांची बजावणीं करपाखातीर विधिविधान ह्या संविधानांत किदेंय आसलें तरी -
 - (क) कायदे करपाचो अधिकार संसदेक आसतलो आनी राज्याच्या विधानमंडळाक आसचो ना तो असो -
 - (i) कलम 16 चें उपकलम (3) कलम 32 चें उपकलम (3) कलम 33 आनी कलम 34 हांचे अधीनतायेन संसदेन केल्ल्या कायद्यांवरवीं ज्यो गजाली उपबंधीत करूं येतात तातूंतल्या खंयच्याय संबंदांत; आनी

- (ii) For prescribing punishment for those acts which are declared to be offences under this Part; and Parliament shall, as soon as may be after the commencement of this Constitution, make laws for prescribing punishment for the acts referred to in sub-clause (ii);
- (b) any law in force immediately before the commencement of this Constitution in the territory of India with respect to any of the matters referred to in sub-clause (i) of clause (a) or providing for punishment for any act referred to in sub-clause (ii) of that clause shall, subject to the terms thereof and to any adaptations and modifications that may be made therein under article 372, continue in force until altered or repealed or amended by Parliament.

Explanation. — In this article, the expression "law in force" has the same meaning as in article 372.

Part III Fundamental Rights General (Notes)

1. Ins. by the Constitution (Twenty Fourth Amendment) Act, 1971, s.2

Right to Equality

- 2. Ins. by the Constitution (First Amendment) Act, 1951 s.2
- 3. Subs. by the Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s. 29 and Sch., for "under any State specified in the First Schedule or any local or other authority within its territory, any requirement as to residence within that State".

Freedon of Speech

- 4. Ins. by the Constitution (Forty-fourth Amendment) Act, 1978, s. 2 (w.e.f. 20-6-1979).
- 5. Sub-clause (f) omitted by s. 2, ibid. (w.e.f. 20-6-1979).
- 6. Subs. by the Constitution (First Amendment) Act, 1951, s. 3, for cl. (2) (with retrospective effect
- 7. Ins. by the Constitution (Sixteenth Amendment) Act, 1963, s. 2.
- 8. Subs. by the Constitution (Forty-fourth Amendment) Act, 1978, s. 2, for "sub-clauses (d), (e) and (f)" (w.e.f. 20-6-1979)
- 9. Subs. by the Constitution (First Amendment) Act, 1951, s. 3, for certain words.

(ii) ह्या भागाखाला जीं कृत्यां गुन्यांव म्हूण घोशीत केल्ली आसात तांचेखातीर ख्यास्त विहीत करचे पासत.

कायदे करपाचो अधिकार संसदेक आसतलो, राज्यांच्या विधानमंडळाक आसचो ना; आनी संसद ह्या संविधानाच्या आरंभाउपरांत जाता तितले बेगीन उप-उपकलम (2) हातूंत निर्देशिल्ल्या कृत्यांखातीर ख्यास्त विहीत करपाखातीर कायदो करतली:

(ख) उपकलम (क) चें उप-उपकलम (i) हातूंत निदेशिल्ले खंयचेय गजालीच्या संबंदांत ह्या संविधानाच्यां प्रारंभाकाळाचे निकटपूर्व भारताच्या राज्यक्षेत्रांत लागू आशिल्ले अथवा त्या उपकलमाच्या उप-उपकलम (ii) हातूंत निर्देशिल्ल्या कसल्याय कृत्यांखातीर ख्यास्तीचो उपबंध करपी खंयचोय कायदो, तातूंतले अटींचे आनी कलम 372 खाला तातूंत जी अनुकूलनां आनी आपरिवर्तनां करतले तांचे अधीनतायेन, संसदेकडल्यान त्या कायद्यांत फेरबदल अथवा तो निरसीत अथवा बदल जायसर तो तसोच लागू उरतलो.

स्परटीकरण - ह्या कलमांत 'लागू आशिल्लो कायदो' ह्या उतरांक कलम 372 त आशिल्लोच अर्थ आसा.

भाग III मुळावे अधिकार

सर्वसाधारण (टिपो)

1. 'संविधान (चोविसावो बदल) अधिनियम, 1971' - अनुभाग 2 वरवीं घाले.

समानतायेचो अधिकार

- 2. 'संविधान (पयलो बदल) अधिनियम, 1951' अनुभाग 2 वरवीं जोडलें.
- 3. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956, अनुभाग 29 आनी अनुसुचयेवरवीं पयले अनुसुचयेंत विनिर्दीश्ट केल्ल्या खंयच्याच राज्याचे अथवा ताच्या राज्यक्षेत्रांतल्या खंयच्याच थळाव्या अथवा हेर प्राधिकारणाचें अखत्यारेखालच्या एखाद्या प्रकाराचे अथवा जायत्या प्रकारांचे सेवायोजनेचे अथवा नियुक्तेचे पयलीं त्या राज्यातल्या राबित्याविशीं कसलीच गरज विहीत करपी' ह्या मजकुराचे सुवातेर हो मजकूर घालो.

भाशण स्वातंत्र्य

- 4. 'संविधान (चोवेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1978 अनुभाग 2 वरवीं उपकलम (ङ) चे अखेरेक 'आनी' हें उत्तर घालें आनी उपकलम (ग) निरसीत केलें (20-6-1979 सावन)
- 5. 'कित्तो उप-उपकलम (च) निरसीत केलें.
- 6. 'संविधान (पयलो बदल) अधिनयम, 1951' अनुभाग 3 वरवीं (फाटले तारकेन) उपकलम (2) चे सुवातेर घालें.
- 7. 'संविधान (सोळावो बदल) अधिनियम, 1963' अनुभाग 2 वरवीं घालें.
- 8. 'संविधान (चोवेचाळिसावो बदल) अधिनियिम 1978 अनुभाग 2 वरवीं (20-6-1979 सावन) उप-उपकलम (घ) उप-उपकलम (ङ) आनी उप-उपकलम, (च)' चे सुवातेर घालें.
- 9. 'संविधान (पयलो बदल) अधिनियम, 1951 अनुभाग 3 वरवीं मूळ मजकुरांतल्या थोड्या उतरांचे सुवातेर घालें.

Protection in respect of conviction for offences

10. On the enforcement of s. 3 of the Constitution (Forty-fourth Amendment) Act, 1978, art. 22 shall stand amended as directed in s. 3 of that Act. For the text of s. 3 of that Act, see Appendix III.

Cultural and Educational Rights

- 11. Ins. by the Constitution (Forty-fourth Amendment) Act, 1978, s. 4 (w.e.f. 20-6-1979).
- 12. The sub-heading "Right to Property" omitted by s. 5, ibid. (w.e.f. 20-6-1979).

Saving of Certain Laws

- 13. Ins. by the Constitution (Forty-second Amendment) Act, 1976, s. 3 (w.e.f. 3-1-1977).
- 14. Ins. by the Constitution (First Amendment) Act, 1951, s. 4 (with retrospective effect).
- 15. Subs. by the Constitution (Fourth Amendment) Act, 1955, s. 3, for cl. (1) (with retrospective effect).
- 16. Subs. by the Constitution (Forty-fourth Amendment) Act, 1978, s. 7, for "article 14, article 19 or article 31" (w.e.f. 20-6-1979).
- 17. Ins. by the Constitution (Seventeenth Amendment) Act, 1964, s. 2.
- 18. Subs. by s. 2, ibid., for sub-clause (a) (with retrospective effect).
- 19. Subs. by the Madras State (Alteration of Name) Act, 1968 (53 of 1968), s. 4, for "Madras" (w.e.f. 14-1-1969).
- 20. Ins. by the Constitution (Fourth Amendment) Act, 1955, s. 3 (with retrospective effect).

Validation of certain Acts and Regulations

- 21. Ins. by the Constitution (First Amendment) Act, 1951, s. 5.
- 22. Ins. by the Constitution (Twenty-fifth Amendment) Act, 1971, s.3 (w.e.f. 20-4-1972).
- 23. Subs. by the Constitution (Forty-second Amendment) Act, 1976, s. 4, for "the principles specified in clause (b) or clause (c) of article 39" (w.e.f. 3-1-1977). Section 4 has been declared invalid by the Supreme Court in Minerva Mills Ltd. and Others Vs. Union of India and Others (1980) 2. S.C.C. 591.
- 24. Subs. by the Constitution (Forty-fourth Amendment) Act, 1978, s. 8, for "article 14, article 19 or article 31" (w.e.f. 20-6-1979).
- 25. In Kesavananda Bharati Vs. The State of Kerala, (1973) Supp. S.C.R.1, the Supreme Court held the provision in italics to be invalid.
- 26. Ins. by the Constitution (Forty-second Amendment) Act, 1976, s. 5 (w.e.f. 3-1-1977).

Right to Constitutional Remedies

- 27. Ins. by s. 6, ibid. (w.e.f. 1-2-1977).
- 28. Subs. by the Constitution (Fiftieth Amendment) Act, 1984, s. 2.

गुन्यांवाखातीरचे दोशसिद्धीचीं राखण

10. 'संविधान (चोवेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1978 - अनुभाग 3 वरवीं मूळ उपकलम (4) चे सुवातेर धालें.

शिक्षणीक संस्था स्थापन करपाचो....

- 11. 'संविधान (चोवेचाळीसावो बदल) अधिनियम, 1978' अनुभाग 4 वरवीं (20-6-1979 सावन) घालें.
- 12. 'संविधान (चोवेचाळीसावो बदल) अधिनियम, 1978 अनुभाग 5 वरवीं उपशीर्शक 'सम्पदेचो अधिकार' ही उतरां निरसीत केलीं.

(थोड्या कायद्यांचो आडवाद)

- 13. 'संविधान (बेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1976 अनुभाग 3 वरवीं (3-1-1977 सावन) घालें.
- 14. 'संविधान (पयलो बदल) अधिनियम 1951' अनुभाग 4 वरवीं (फाटले तारकेन लागू) घालें.
- 15. 'संविधान (चवथो बदल) अधिनियम, 1955.' अनुभाग 3 वरवीं (फाटले तारकेन लागू) उपकलम (1) चे सुवातेर घाले.
- 16. 'संविधान (चोवेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1978 अनुभाग 7 वरवीं (20-6-1979 सावन) कलम 14, कलम 19 अथवा कलम 31' चे सुवातेर घालें.
- 17. 'संविधान (सतरावो बदल) अधिनियम, 1964 अनुभाग 2 वरवीं घालें.
- 18. संविधान (सतरावो बदल) अधिनियम, 1964 अनुभाग 2 वरवीं (फाटले तारकेन लागू) उप-उपकलम (क) चे सुवातेर घालें.
- 19. मद्रास राज्य (नाम परिवर्तन) अधिनियम, 1968 अनुभाग 4 वरवीं (14-1-1969 सावन) 'मद्रास' चे सुवातेर घालें.
- 20. 'संविधान (चवथो बदल) अधिनियम, 1955 अनुभाग 3 वरवीं (फाटलें तारकेन लागू) घाले.

आडवादांचे अधिनियम विधिग्राह्य करप.

- 21. 'संविधान (पयलो बदल) अधिनियम, 1951' अनुभाग 5 वरवीं घालें.
- 22. संविधान (पंचविसावो बदल) अधिनियम, 1971' अनुभाग 3 वरवीं (20-4-1972 सावन) घालें.
- 23. 'संविधान (बेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1976 अनुभाग 4 वरवीं (3-1-1977 सावन) 'कलम 39 चें उपकलम (ख) अथवा उपकलम (ग) हातूंत विनिर्दीष्ट तत्वां' ह्या मजकुराचे सुवातेर घालें.
- 24. 'संविधान (चोवेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1978 अनुभाग 8 वरवीं' (20-6-1979 सावन) 'कलम 14, कलम 19 अथवा कलम 31' ह्या मजकुराचे सुवातेर घालें.
- 25. सर्वोच्च न्यायालयान केशवानन्द भारती विरुद्ध केरळ राज्य (1973) अनुपूरक एस्. सी. आर. 1 हातूंत कंसांत दिल्ले उपबंध बेकायदेशीर (अविधिमान्य) घोशीत केले.
- 26. 'संविधान (बेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1976' अनुभाग 5 वरवीं (3-1-1977 सावन) घालें.

संविधानीक उपचारांचो अधिकार

- 27. 'संविधान (बेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1976' अनुभाग 6 वरवीं (1-2-1977 सावन) घालें.
- 28. संविधान (पत्रासावो बदल) अधिनियम, 1984' अनुभाग 2 वरवीं (11-9-1984 सावन) घालें.

PART IV

DIRECTIVE PRINCIPLES OF STATE POLICY

- **36. Definition.** In this Part, unless the context otherwise requires, "the State" has the same meaning as in Part III.
- **37. Application of the principles contained in this Part.** The provisions contained in this Part shall not be enforceable by any court, but the principles therein laid down are nevertheless fundamental in the governance of the country and it shall be the duty of the State to apply these principles in making laws.
- 38. State to secure a social order for the promotion of welfare of the people. ${}^{1}[(1)]$ The State shall strive to promote the welfare of the people by securing and protecting as effectively as it may a social order in which justice, social, economic and political, shall inform all the institutions of the national life.
- ²[(2) The State shall, in particular, strive to minimise the inequalities in income, and endeavour to eliminate inequalities in status, facilities and opportunities, not only amongst individuals but also amongst groups of people residing in different areas or engaged in different vocations.]
- **39. Certain principles of policy to be followed by the State.** The State shall, in particular, direct its policy towards securing-
 - (a) That the citizens, men and women equally, have the right to an adequate means of livelihood;
 - (b) That the ownership and control of the material resources of the community are so distributed as best to subserve the common good;
 - (c) That the operation of the economic system does not result in the concentration of wealth and means of production to the common detriment;
 - (d) That there is equal pay for equal work for both men and women;
 - (e) That the health and strength of workers, men and women, and the tender age of children are not abused and that citizens are not forced by economic necessity to enter avocations unsuited to their age or strength ³[* * *]
 - (f) That children are given opportunities and facilities to develop in a healthy manner and in conditions of freedom and dignity and that childhood and youth are protected against exploitation and against moral and material abandonment.]

भाग - IV

राष्ट्र धोरणाची निदेशक तत्वां

- 36. व्याख्या ह्या भागांत हेरशीं गरजेचें नासत जाल्यार 'राष्ट्र' ह्या उतराक तिसऱ्या भागांत आशिल्लोच अर्थ आसा.
- **37. ह्या भागांत आस्पाविल्लीं तत्वां लागू करप** ह्या भागांत आस्पाविल्ले उपबंध खंयच्याय न्यायालयावरवीं बजावणीयोग्य आसचे नात पूण तरीयजावन तातूंत घालून दिल्लीं तत्वां देशाच्या अभिशासनांत मुळावीं आसात आनी कायदे करतासतना हीं तत्वां लागू करप हें राष्ट्रांचें कर्तव्य आसतलें.
- **38. राष्ट्रान लोककल्याण संवर्धनाखातीर समाजवेवस्था प्रस्थापीत करप** ¹[(1)] जे समाज वेवस्थेंत समाजीक, अर्थीक आनी राजनितीक न्याय हो राष्ट्रीय जिविताच्या सगल्या संस्थांक प्रमाणभूत आसतलो अशी समाजवेवस्था, जाता तितले परिणामकारक रितीन मेळोवन दिवन आनी तिची राखण करून लोककल्याणाचें संवर्धन करचेखातीर राष्ट्र प्रयत्नशील रावतलें,
- ²[(2) राष्ट्र हें फकत व्यक्तीव्यक्तींमदींच न्हय तर विशेशतायेन वेगळ्यावेगळ्या क्षेत्रांमदीं रावपी अथवा वेगळ्या वेगळ्या वेवसायांनी कार्यरत आशिल्ल्या लोकसमुहांमदी लेगीत, येणावळीच्या संबंदांत आशिल्ली असमानताय उण्यांत उण्या पावंड्यार हाडचेखातीर खर यत्न करतलें, आनी दर्जो, सुविधा आनी संदी हांचेसंबंदांत आशिल्ली असमानताय ना नपश्चात करपाक प्रयत्नशील रावतलें.]
- **39. राष्ट्रान आपणावपाच्या धोरणाची थोडी तत्वां** राष्ट्र हें विशेशतायेन, फुडल्यो गजाली साध्य करपाचे दिशेन आपणालें धोरण आंखतलें.
 - (क) उपजिविकेचें फावोशे साधन मेळोवपाचो अधिकार बायलमनीस आनी दादलो नागरिकांक समान आसतलो,
 - (ख) जनसामान्याच्या हिताक सर्वाधिक उपकारक जायत अशे तरेन समाजाचे भौतीक संपत्तेचे स्वामीत्वाधिकार आनी नियंत्रणाधिकार हांचें वांटप जावंचें.
 - (ग) अर्थीक यंत्रणा चालीक लायतासतना ताचो परिणाम धन दौलतीक आनी उत्पादन साधनांक अहितकारक जायत अशे तरेन एकेच सुवातेर संचय जावंचो न्हय;
 - (घ) दादले आनी अस्तुऱ्यो ह्या दोगांकूय समान कामाखातीर समान वेतन मेळचें;
 - (ङ) दादलो आनी बायल कामगारांची भलायकी आनी शक्त तशेंच भुरग्यांची कंवळी पिराय हांचो दुरूपेग करून घेवंचो न्हय आनी नागरिकांक अर्थीक गरजेक लागून तांची पिराय अथवा शक्त हांकां झेपना असल्या वेवसायांत रिगप सक्तीचें जावंचें न्हय;
 - ³[(च) भुरग्यांक निरामय रितीन आनी मेकळ्या तशेंच प्रतिश्ठापूर्ण वातावरणांत आपणालो विकास करपाखातीर संदी आनी सुविधा मेळच्यो आनी भुरगीं तशेंच तरणाटे हांचें पिळणुकेपासून आनी नितीक तशेंच भौतीक गरजांच्या संबंदांत उपेक्षेपासून तांची राखण जावंची.]

- ⁴[39A. Equal justice and free legal aid. The State shall secure that the operation of the legal system promotes justice, on a basis of equal opportunity, and shall, in particular, provide free legal aid, by suitable legislation or schemes or in any other way, to ensure that opportunities for securing justice are not denied to any citizen by reason of economic or other disabilities.]
- **40. Organisation of village panchayats.** The State shall take steps to organise village panchayats and endow them with such powers and authority as may be necessary to enable them to function as units of self-government.
- **41. Right to work, to education and to public assistance in certain cases.** The State shall, within the limits of its economic capacity and development, make effective provision for securing the right to work, to education and to public assistance in cases of unemployment, old age, sickness and disablement, and in other cases of undeserved want.
- **42. Provision for just and humane conditions of work and maternity relief.** The State shall make provision for securing just and humane conditions of work and for maternity relief.
- 43. Living wage, etc., for workers. The State shall endeavour to secure, by suitable legislation or economic organisation or in any other way, to all workers, agricultural, industrial or otherwise, work, a living wage, conditions of work ensuring a decent standard of life and full enjoyment of leisure and social and cultural opportunities and, in particular, the State shall endeavour to promote cottage industries on an individual or co-operative basis in rural areas.
- ⁵[43A. Participation of workers in management of industries. The State shall take steps, by suitable legislation or in any other way, to secure the participation of workers in the management of undertakings, establishments or other organisations engaged in any industry.]
- **44. Uniform civil code for the citizens.** The State shall endeavour to secure for the citizens a uniform civil code throughout the territory of India.
- **45. Provision for free and compulsory education for children.** The State shall endeavour to provide, within a period of ten years from the commencement of this Constitution, for free and compulsory education for all children until they complete the age of fourteen years.

- ⁴[39क. समान न्याय आनी कायद्याविशी फुकट आधार— राष्ट्र हें कायद्याचीं यंत्रणा चालीक लायतासतना समान संदेच्या तत्वाचेर न्यायाची वाढ जातली हाची निश्चिती करतलें, आनी, विशेशतायेन, अर्थीक अथवा हेर असमर्थतायेक लागून खंयच्याय नागरिकाक न्याय मेळोवपाची संद नाकारचे नात हाची शाश्वती दिवपाखातीर फावोश्या विधिविधानावरवीं अथवा येवजणेवरवीं अथवा हेर खंयच्याय मार्गान कायद्यासंबंदींचो फुकट आधार मेळोवन दितलें.]
- **40. ग्रामपंचायतींचें संघटन** राष्ट्र ग्रामपंचायतींचे संघटन करपाखातीर पावलां घालतलें आनी तातूंत स्वराज्याचे मुळावे घटक म्हूण कार्य करपाक समर्थ करचेखातीर गरजेचे आसतीत अशें अधिकार आनी प्राधिकार दितलें.
- 41. कामाचो, शिक्षणाचो आनी थोड्या गजालींनी सरकारी पालवाचो अधिकार— राष्ट्र, आपणाली अर्थीक तांक आनी विकास हांचे मर्यादेंत कामाचो आनी शिक्षणाचो अधिकार तशेंच बेकारी, म्हातारपण, पीडा आनी विकलांगताय हांणी पीडीत अशा व्यक्ती संबंदांत आनी कांयच गुन्यांव नासतना दुर्दशेचें जिवीत जांच्या वांट्याक आयलां अशा हेर व्यक्तींच्या संबंदांत सरकारी पालवाचो अधिकार मेळोवन दिवपाखातीर परिणामकारक तरतूद करतलें.
- 42. कामासंबंदांत न्याय्य आनी मानवोचीत परिस्थितीं तशेंच प्रसूतिसहाय हांची तरतूद— राष्ट्र, कामाचे विशीं न्याय्य आनी मानवोचीत परिस्थिती मेळोवन दिवपाखातीर तशेंच प्रसूति सहायाखातीर तरतूद करतलें.
- 43. कामगारांखातीर निर्वाह वेतन इत्यादी— अनुरूप विधिविधानावरवीं अथवा अर्थीक वेवस्था सुसूत्र करून अथवा हेर तरेच्या सगल्या मजुरांक काम, निर्वाह वेतन, समुचीत जीवनमान आनी फुरसतीचो आनी समाजींक तशेंच संस्कृतीक संदेचो पुराय उपभोग हांची शाश्वती दिवपी अशी कामाची परिस्थिती मेळोवन दिवपाखातीर राष्ट्र प्रयत्नशील रावतलें आनी, विशेशतायेन, राष्ट्र ग्रामीण वाठारांनी व्यक्तिगत अथवा सहकारी तत्वाचेर कुटीरोद्योगांचे संवर्धन करचेपासत प्रयत्नशील रावतलें
- ⁵[43क. उद्देगधंद्यांच्या वेवस्थापनांत कामगारांचो सहभाग— खंयच्याय उद्देगधंद्यांत आस्पाविल्ले उपक्रम, आस्थापनां अथवा हेर संघटना हांच्या वेवस्थापनांत कामगारांक वांटेकार जावंक मेळचें हेखातीर राष्ट्र अनुरूप विधिविधानावरवीं अथवा हेर खंयच्याय मार्गान उपाययेवजण करतलें.]
- **44. नागरिकांखातीर एकरूप नागरी विधिसंहिता** नागरिकांक भारताच्या राज्यक्षेत्रांत सगल्याक एकरूप नागरी विधिसंहिता मेळची हेखातीर राष्ट्र प्रयत्नशील रावतलें,
- 45. भुरग्यांखातीर फुकट आनी सक्तीच्या शिक्षणाची तरतूद— राष्ट्र, ह्या संविधानाच्या आरंभासावन धा वर्सांच्या कालावधीभितर, सगल्या भुरग्यांक तांचे पिरायेचीं चवदा वर्सा पुराय जायमेरेन फुकट आनी सक्तीचें शिक्षण दिवपाची तरतूद करपाखातीर प्रयत्नशील रावतलें.

- 46. Promotion of educational and economic interests of Scheduled Castes, Scheduled Tribes and other weaker sections. The State shall promote with special care the educational and economic interests of the weaker sections of the people, and, in particular, of the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes, and shall protect them from social injustice and all forms of exploitation
- 47. Duty of the State to raise the level of nutrition and the standard of living and to improve public health. The State shall regard the raising of the level of nutrition and the standard of living of its people and the improvement of public health as among its primary duties and, in particular, the State shall endeavour to bring about prohibition of the consumption except for medicinal purposes of intoxicating drinks and of drugs which are injurious to health.
- **48. Organisation of agriculture and animal husbandry.** The State shall endeavour to organise agriculture and animal husbandry on modern and scientific lines and shall, in particular, take steps for preserving and improving the breeds, and prohibiting the slaughter, of cows and calves and other milch and draught cattle
- ⁶[48A. Protection and improvement of environment and safeguarding of forests and wild life. The State shall endeavour to protect and improve the environment and to safeguard the forests and wild life of the country.]
- 49. Protection of monuments and places and objects of national importance. It shall be the obligation of the State to protect every monument or place or object of artistic or historic interest, [declared by or under law made by Parliament] to be of national importance from spoliation, disfigurement, destruction, removal, disposal or export, as the case may be.
- **50. Separation of judiciary from executive.** The State shall take steps to separate the judiciary from the executive in the public services of the State.
 - 51. Promotion of international peace and security. —The State shall endeavour to-
 - (a) promote international peace and security;
 - (b) maintain just and honourable relations between nations;
 - (c) foster respect for international law and treaty obligations in the dealings of organised peoples with one another; and
 - (d) encourage settlement of international disputes by arbitration.

- 46. अनुसूचित जाती, अनुसूचित जनजाती आनी हेर दुबळे वर्ग हांचें शिक्षणीक आनी अर्थीक हितसंवर्धन—राष्ट्र, दुबळे जनवर्ग, आनी विशेशतायेन अनुसूचित जाती, अनुसूचित जनजाती हांचें विशेश जतनायेन शिक्षणीक तशेंच अर्थीक हितसंवर्धन करतलें, आनी समाजीक अन्याय तशेंच सगल्या तरांचीं पिळणूक हांचेपसून तांची राखण करतलें.
- 47. खाणाजेवणाचो स्तर आनी जिवीत स्तर उंचावप तशेंच भौशीक भलायकी सुधारप हें राष्ट्राचें कर्तव्य— आपणाले जनतेचें पोशणमान आनी जीवनमान उंचावप तेचपरीं भौशीक भलायकी सुधारप ह्यो गजाली राष्ट्र, आपणाल्या मुळाव्या कर्तव्यांमदल्यो आसात अशें मानतलें आनी, विशेशतायेन, मादक पेयां आनी भलायकेक अपायकारक अशीं अंमली द्रव्यां हांच्या वखदी प्रयोजनांखेरीज हेरशीं सेवन करपाक बंदी हाडून घेवपाखातीर राष्ट्र प्रयत्नशील रावतलें.
- 48. शेतकाम आनी पशुसंवर्धन हांची सुसूत्र वेवस्था करप— अर्विल्ले आनी शास्त्रीय रितीन शेतकाम आनी पशुसंवर्धन हांची सुसूत्र वेवस्था करचेखातीर राष्ट्र प्रयत्नशील रावतलें आनी, विशेशतायेन, गायो आनी वासरां तशेंच हेर दूद दिवपी आनी जोताक बांदपाचीं गोरवां हांच्या जातींचें जतन करप आनी त्यो सुधारपाक आनी तांचे कत्तलीचेर बंदी हाडपाखातीर उपाययेवजण करतलें.
- ⁶[48क. पर्यावरणाची राखण तशेंच सुधारप आनी रानां तशेंच रानवटी प्राण्यांच्या जिविताची राखण— राष्ट्र, देशाचें पर्यावरण राखून दवरचेखातीर आनी तें सुधारचेखातीर तशेंच रानां आनी रानवटी जीव हांच्या सांबाळाखातीर प्रयत्नशील रावतलें.]
- **49. राष्ट्रीय म्हत्वाचीं यादास्तिकां आनी थळां तशेंच वस्तू हांची राखण** ⁷[संसदेन केल्ल्या कायद्यांवरवीं अथवा ताचेखाला] राष्ट्रीय म्हत्वाचीं म्हूण ⁷[घोशीत जाल्लीं] कलेचे नदरेन अथवा इतिहासाचे नदरेन अथवा इतिहासाचे नदरेन अथवा इतिहासाचे नदरेन अथवा वस्तू हांचें त्या त्या प्रकरणाप्रमाण लूट, विटणूक, नाश, स्थलांतरण, विद्वाट अथवा निर्यात हांचेपासून सांबाळ करप हें राष्ट्राचे कर्तव्य आसतलें.
- **50. कार्यपालिकेची न्यायपालिकेपासून फारकत** राष्ट्राच्या लोकसेवांमंदीं कार्यपालिकेची न्यायपालिकेपासून फारकत करचे खातीर राष्ट्र उपाययेवजण करतलें.
 - 51. आंतरराष्ट्रीय शांतताय आनी सुरक्षा हांचें संवर्धन— राष्ट्र, -
 - (क) आंतरराष्ट्रीय शांतताय आनी सुरक्षा हांचें संवर्धन करपाखातीर;
 - (ख) राष्ट्रा राष्ट्रामंदीं न्याय्य आनी सन्मान्य संबंद राखचेखातीर;
 - (ग) संघटीत जनसमाजांच्या आपसांतल्या वेव्हारांमदीं आंतरराष्ट्रीय कायदो आनी कबलांतींचीं बंधनां हांचेविशीं आदरभावना वाडोवपाखातीर: आनी
- (घ) आंतरराष्ट्रीय किजिलां मिटोवपाखातीर प्रोत्साहन दिवंचेपासत, प्रयत्नशील रावतलें.

Part IV Directive principles of State Policy (Notes)

- 1. Art. 38 renumbered as cl. (1) thereof by the Constitution (Forty-fourth Amendment) Act, 1978, s. 9 (w.e.f. 20-6-1979).
- 2. Ins. by s. 9, ibid. (w.e.f. 20-6-1979).
- 3. Subs. by the Constitution (Forty-second Amendment) Act, 1976, s. 7, for cl. (f) (w.e.f. 3-1-1977).
- 4. Ins. by s. 8, ibid. (w.e.f. 3-1-1977).
- 5. Ins. by Constitution (Forty Second Amendment) Act, 1976 s.9 (w.e.f. 3-1-1977)
- 6. Ins. by Constitution (Forty Second Amendment) Act, 1976 s.10 (w.e.f. 3-1-1977)
- 7. Subs. by the Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s. 27, for "declared by Parliament by law".

भाग - IV राज्यधोरणाचीं निदेशक तत्वां (टिपो)

- 'संविधान (चोवेचाळिसावो बदल) अधिनय, 1978' अनुभाग 9 वरवीं (20-6-1979 सावन) कलम 38
 क ताच्या उपकलम (1) च्या रूपान घालें.
- 2. 'संविधान (चोवेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1978' अनुभाग 9 वरवीं (20-6-1979 सावन) घालें.
- 3. 'संविधान (बेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1976' अनुभाग 7 वरतीं (3-1-1977 सावन) उपकलम (च) चे सुवातेर घालें.
- 4. 'संविधान (बेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1976' अनुभाग 8 वरवीं (3-1-1977 सावन) घालें.
- 5. 'संविधान (बेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1976' अनुभाग 9 वरवीं (3-1-1977 सावन) घालें.
- 6. 'संविधान (बेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1976' अनुभाग 10 वरवीं (3-1-1977 सावन) घालें.
- 7. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956' अनुभाग 27 वरवीं मूळ मजकुराचे सुवातेर घालें.

PART - IV - A

FUNDAMENTAL DUTIES

- ¹[51A. Fundamental Duties. It shall be the duty of every citizens of India-
- (a) To abide by the Constitution and respect its ideals and institutions, the National Flag and the National Anthem;
 - (b) To cherish and follow the noble ideals which inspired our national struggle for freedom;
 - (c) To uphold and protect the sovereignty, unity and integrity of India;
 - (d) To defend the country and render national service when called upon to do so;
- (e) To promote harmony and the spirit of common brotherhood amongst all the people of India transcending religious, linguistic and regional or sectional diversities; to renounce practices clerogatory to the dignity of women;
 - (f) To value and preserve the rich heritage of our composite culture;
- (g) To protect and improve the natural environment including forests, lakes, rivers and wild life, and to have compassion for living creatures;
 - (h) To develop the scientific temper, humanism and the spirit of inquiry and reform;
 - (i) To safeguard public property and to abjure violence;
- (j) To strive towards excellence in all spheres of individual and collective activity so that the nation constantly rises to higher levels of endeavour and achievement.]

Note

1. Ins. by the Constitution (Forty-second Amendment) Act, 1976, s. 11 (w.e.f. 3-1-1977).

भाग - IV - क मुळावीं कर्तव्यां

¹[51क. मुळावीं कर्तव्या —

- (क) संविधानाक पाळो दिवप आनी तातूंतले आदर्श आनी संस्था, राष्ट्रध्वज तशेंच राष्ट्रगीत हांचो आदर करप.
- (ख) जांचेकडल्यान आमच्या राष्ट्रीय स्वातंत्र्य झुजाक प्रेरणा मेळ्ळी त्या उदात्त आदर्शांची जोपासना करून तांचें अनुसरण करप;
 - (ग) भारताची सार्वभौमताय, एकताय आनी एकात्मताय उन्नत राखप आनी तांचो सांबाळ करप;
 - (घ) आवाहन करतले तेदेवेळार देशाची राखण करप आनी राष्ट्रांक सेवा अर्पण करप;
- (ङ) धर्मीक, भाशीक आनी प्रदेशीक अथवा वर्गीय भेदांच्या पेल्यान वचून अखिल भारतीय जनतेंत एकवट आनी भावकी वाढीक लावप; अस्तुऱ्यांचे प्रतिश्ठेक उणेंपण हाडपी प्रथा सोडून दिवप.
 - (च) आमचे संमिश्र संस्कृतायेच्या दायजाचें मोल जाणून ताचें जतन करप;
- (छ) रानां, सरोवरां, न्हंयों आनी वन्य जीवसृश्ट तशेंच सैमीक पर्यावरणाची राखण करून तातूंत सुधारप हाडप आनी सजीव प्राण्यांविशीं काकुळट बाळगप;
 - (ज) विज्ञानीक दृष्टिकोन, मानवतावाद आनी शोधकबुद्द तशेंच सुधारणावाद हांचो विकास करप;
 - (झ) भौशीक संपतीची राखण करप आनी हिंसाचाराचो निग्रहान त्याग करप;
- (ञ) राष्ट्र सतत उपक्रम आनी सिद्धी हांच्यो चडट्यो श्रेणी गांठीत वचत अशे तरेन सगल्या व्यक्तिगत तशेंच समुदायीक कार्यक्षेत्रांत पराकाश्ठेचें येस संपादन करपाक झटप, हें दरेका भारतीय नागरिकाचें कर्तव्य आसतलें.ट

टीप

1. 'संविधान (बेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1976' - अनुभाग 11 वरवीं (3-1-1977 सावन) घालें.

PART - V

THE UNION

CHAPTER - I - THE EXECUTIVE

The President and Vice-President

- **52. The President of India.** There shall be a President of India.
- **53.** Executive power of the Union. (1) The executive power of the Union shall be vested in the President and shall be exercised by him either directly or through officers subordinate to him in accordance with this Constitution.
- (2) Without prejudice to the generality of the foregoing provision, the supreme command of the Defence Forces of the Union shall be vested in the President and the exercise thereof shall be regulated by law.
 - (3) Nothing in this article shall-
 - (a) Be deemed to transfer to the President any functions conferred by any existing law on the Government of any State or other authority; or
 - (b) Prevent Parliament from conferring by law functions on authorities other than the President.
- **54. Election of President.** The President shall be elected by the members of an electoral college consisting of-
 - (a) The elected members of both Houses of Parliament; and
 - (b) The elected members of the Legislative Assemblies of the States.

[Explanation. — In this article and in article 55, State includes the National Capital Territory of Delhi and the Union territory of Pondicherry.]

- **55. Manner of election of President.** (1) As far as practicable, there shall be uniformity in the scale of representation of the different States at the election of the President.
- (2) For the purpose of securing such uniformity among the States interest as well as parity between the States as a whole and the Union, the number of votes which each elected member of Parliament and of the Legislative Assembly of each State is entitled to cast at such election shall be determined in the following manner: -
 - (a) Every elected member of the Legislative Assembly of a State shall have as many votes as there are multiples of one thousand in the quotient obtained by dividing the population of the State by the total number of the elected members of the Assembly;
 - (b) If, after taking the said multiples of one thousand, the remainder is not less than five hundred, then the vote of each member referred to in sub-clause (a) shall be further increased by one;
 - (c) Each elected member of either House of Parliament shall have such number of votes as may be obtained by dividing the total number of votes assigned to the members of the Legislative

भाग – V संघ प्रकरण - 1 - कार्यपालिका राष्ट्रपती आनी उपराष्ट्रपती

- 52. भारताचो राष्ट्रपती भारताक एक राष्ट्रपती आसतलो.
- 53. संघ कार्यपालिका अधिकार (1) संघाचो कार्यपालिका अधिकार राष्ट्रपतीचे ठांय निहीत आसतलो आनी ताचेकडल्यान प्रत्यक्षपणान अथवा ताच्या हाताखालच्या अधिकाऱ्यांवरवीं ह्या संविधानाप्रमाण ताचो वापर जातलो.
- (2) पूर्वगामी उपबंधाचे व्यापकतायेक बाधा येनासतना, संघाच्या राखणे दळांचे अधिपत्य राष्ट्रपतीचे ठांय निहीत आसतलें आनी त्या अधिपत्याचो वापर कायद्यावरवीं विनियमीत करतलें.
 - (3) ह्या कलमांतले खंयचेच गजालीक लागून, -
 - (क) खंयच्याय विद्यमान कायद्यावरवीं खंयच्याय राज्याच्या सरकाराक अथवा हेर प्राधिकरणाक प्रदान केल्ले कसलेच कार्याधिकार राष्ट्रपतीकडेन हस्तांतरीत जातात अशें मानचे नात; अथवा
 - (ख) राष्ट्रपतीचेभायर हेर प्राधिकरणाक कायद्यावरवीं कार्याधिकार प्रदान करपाक संसदेक प्रतिबंध जावंचो ना.
 - 54. राष्ट्रपतीची वेंचणूक राष्ट्रपतीची वेंचणूक एका वेंचणूक मांडाकडल्यान जातली जाचे वांगडी आसतले -
 - (क) संसदेच्या दोनाय घरांचे वेंचून आयिल्ले वांगडी; आनी
 - (ख) राज्यांचे विधानसभांचे वेंचून आयिल्ले वांगडी.
- ¹[स्पश्टीकरण ह्या कलमांत आनी कलम 55 हातूंत, 'राज्य' ह्या उतरांत राष्ट्रीय राजपाटण राज्यक्षेत्र दिल्ली आनी पाँडीचरी ह्या संघ राज्यक्षेत्राचो आस्पाव आसा.]
- **55. राष्ट्रपतीचे वेंचणुकेची रीत** (1) राष्ट्रपतीचे वेंचणुकेंत, व्यवहार्य आसत तोवेर, समसमान प्रतिनिधीत्व आसतलें.
- (2) राज्या-राज्यांमदी परस्परांत अशी समानताय, तशेंच सगलीं राज्यां मेळून आनी संघ हांची समतुल्यताय साधचेखातीर संसदेचो आनी दरेका राज्यांचे विधानसभेचो दरेक वेंचून आयिल्लो वांगडी अशे वेंचणुकेंत जितलीं मतां दिवपाक हक्कदार आसत तांची संख्या फुडले रितीन थारायतले:-
 - (क) राज्याचे विधानसभेच्या दरेका वेंचून आयिल्ल्या वांगड्याक, त्या राज्याचे लोकसंख्येक ते विधानसभेच्या वेंचून आयिल्ल्या वांगड्याचे एकंदर संख्येन भागलें जाल्यार येवपी भागाकारांत एका हजाराचे जितले पटीन आसतलीं तितलीं मतां आसतलीं;
 - (ख) एका हजाराची वयली पटी हिशोबाक धरल्याउपरांतची उरिल्ली संख्या पांचशांपरस उणी नासल्यार उप-उपकलम (क) त निर्देशिल्ल्या दरेका वांगड्याच्या मतांत आनीक एका मताची वाढ करतले;
 - (ग) संसदेच्या खंयच्याय सभाघरांतल्या दरेका वेंचून आयिल्ल्या वांगड्याक, उप-उपकलम (क) आनी (ख) खाला राज्यांच्या विधानसभांच्या वांगड्यांक नेमून दिल्ल्या मतांचे एकंदर संख्येक संसदेच्या दोनाय सभाघरांतल्या

Assemblies of the States under sub-clauses (a) and (b) by the total number of the elected members of both Houses of Parliament, fractions exceeding one-half being counted as one and other fractions being disregarded.

(3) The election of the President shall be held in accordance with the system of proportional representation by means of the single transferable vote and the voting at such election shall be by secret ballot.

²[Explanation.— In this article, the expression "population" means the population as ascertained at the last preceding census of which the relevant figures have been published:

Provided that the reference in this Explanation to the last preceding census of which the relevant figures have been published shall, until the relevant figures for the first census taken after the year 2000 have been published, be construed as a reference to the 1971 census.]

56. Term of office of President. — (1) The President shall hold office for a term of five years from the date on which he enters upon his office:

Provided that-

- (a) The President may, by writing under his hand addressed to the Vice-President, resign his office;
- (b) The President may, for violation of the Constitution, be removed from office by impeachment in the manner provided in article 61;
- (c) The President shall, notwithstanding the expiration of his term, continue to hold office until his successor enters upon his office.
- (2) Any resignation addressed to the Vice-President under clause (a) of the proviso to clause (1) shall forthwith be communicated by him to the Speaker of the House of the People.
- **57. Eligibility for re-election.** A person who holds, or who has held, office as President shall, subject to the other provisions of this Constitution, be eligible for re-election to that office.
- **58. Qualifications for election as President.** (1) No person shall be eligible for election as President unless he-
 - (a) Is a citizen of India?
 - (b) Has completed the age of thirty-five years, and
 - (c) Is qualified for election as a member of the House of the People.
- (2) A person shall not be eligible for election as President if he holds any office of profit under the Government of India or the Government of any State or under any local or other authority subject to the control of any of the said Governments.

वेंचून आयिल्ल्या वांगड्याचे वट्ट संख्येन भागलें जाल्यार जी संख्या येतली तितलीं मतां आसतलीं; अर्दापरस चड आशिल्ले अपूर्णांक हे पूर्णांक म्हणून मेजतले आनी हेर अपूर्णांकांकडेन दुर्लक्ष करतलें.

(3) राष्ट्रपतीची वेंचणूक प्रमाणशीर प्रतिनिधीत्व पद्धतीप्रमाण एकल संक्रामणीय मतावरवीं घेतले आनी अशें वेंचणुकेंतलें मतदान गुप्त मतदान पद्धतीन जातलें.

²[स्पश्टीकरण - ह्या कलमांत 'लोकसंख्या' हाचो अर्थ, जे जनगणनेची संबद्ध आंकडेवारी उजवाडा आयल्या अशें निकटपूर्व जनगणनेंत अदमाशिल्ली लोकसंख्या असो आसा :

परंतु, ह्या स्पष्टीकरणांतली 'जे जनगणनेची संबद्ध आंकडेवारी उजवाडा आयल्या अशी निकटपूर्व जनगणना' ह्या उल्लेखाचो अर्थ सन 2000 उपरांत जावपा आशिल्ले पयले जनगणनेची संबद्ध आंकडेवारी उजवाडा येमेरेन 1971 वर्साचे जनगणनेचो उल्लेख म्हूण लायतले.]

56. राष्ट्रपतीचो पदावधी — (1) राष्ट्रपती, जे तारकेक आपणालें अधिकारपद ग्रहण करतलो ते तारकेसावन पांच वर्साच्या काळामेरेंन तें अधिकारपद धारण करतलो ः

परंतु -

- (क) उपराष्ट्रपतीक लेखून बरयल्ल्या स्वाक्षरीत लेखावरवीं राष्ट्रपतीच्यान आपणाल्या अधिकारपदाचो राजीनामो दिवं येता;
- (ख) राष्ट्रपतीक, ताणे संविधानाचो भंग केलो जाल्यार, 61 व्या कलमांत तरतूद केल्या ते सकयल दिल्ले पद्धतीन महाभियोगावरवीं पदावेल्यान काडूं येता;
- (ग) राष्ट्रपती, ताचो पदावधी सोंपलो तरीय, ताचो उत्तराधिकारी स्वताचें अधिकारपद ग्रहण करिसर पदधारण चालू दवरतलो.
- (2) उप राष्ट्रपती, उपकलम (1) च्या परंतुकाच्या उपकलम (क) खाला ताका लेखून बरयल्ल्या खंयच्याय राजीनाम्याची खबर लोकसभेच्या अध्यक्षाक तत्काळ कळयतलो.
- **57. फेरवेंचणुकेक पात्रताय** जी व्यक्ती राष्ट्रपती म्हूण अधिकारपद धारण करता अथवा जिणे अशें अधिकारपद धारण केलां ती, ह्या संविधानाच्या हेर उपबंधांचे अधीनतायेन त्या अधिकारपदाखातीर जावपी फेरवेचणुकांक पात्र आसतली.
 - 58. राष्ट्रपतीपदाचे वेंचणुकेखातीर पात्रताय (1) खंयचीय व्यक्ती,-
 - (क) ती भारताचो नागरीक आसा,
 - (ख) तिचे पिरायेक पस्तीस वर्सां पूर्ण जाल्यांत, आनी
 - (ग) लोकसभेचो वांगडी म्हूण वेंचून येवपाक ती पात्र आसा,
 - अशें आसलेबगर राष्ट्रपतीपदाचे वेंचणुकेक पात्र आसची ना.
- (2) एखादी व्यक्ती भारत सरकाराच्या अथवा खंयच्याय राज्य सरकाराचे अखत्यारेखाला अथवा वयर दिल्ल्या सरकारांमदल्या खंयच्याय नियंत्रणाखाला आशिल्ल्या खंयच्याय थळाव्या अथवा हेर प्राधिकरणाच्या अखत्यारेखालचें कसलेंय लाभपद धारण करता आसत जाल्यार, ती राष्ट्रपतीपदाचे वेंचणुकेक पात्र आसची ना.

Explanation. -For the purposes of this article, a person shall not be deemed to hold any office of profit by reason only that he is the President or Vice-President of the Union or the Governor ¹*** of any State or is a Minister either for the Union or for any State.

- **59. Conditions of President's office.** (1) The President shall not be a member of either House of Parliament or of a House of the Legislature of any State, and if a member of either House of Parliament or of a House of the Legislature of any State be elected President, he shall be deemed to have vacated his seat in that House on the date on which he enters upon his office as President.
 - (2) The President shall not hold any other office of profit.
- (3) The President shall be entitled without payment of rent to the use of his official residences and shall be also entitled to such emoluments, allowances and privileges as may be determined by Parliament by law and, until provision in that behalf is so made, such emoluments, allowances and privileges as are specified in the Second Schedule.
- (4) The emoluments and allowances of the President shall not be diminished during his term of office.
- **60. Oath or affirmation by the President.** Every President and every person acting as President or discharging the functions of the President shall, before entering upon his office, make and subscribe in the presence of the Chief Justice of India or, in his absence, the senior-most Judge of the Supreme Court available, an oath or affirmation in the following form, that is to say-
 - "I, A.B., do swear in the name of God/solemnly affirm that I will faithfully execute the office of President (or discharge the functions of the President) of India and will to the best of my ability preserve, protect and defend the Constitution and the law and that I will devote myself to the service and well-being of the people of India."
- **61. Procedure for impeachment of the President.** (1) When a President is to be impeached for violation of the Constitution, the charge shall be preferred by either House of Parliament.
 - (2) No such charge shall be preferred unless-
 - (a) The proposal to prefer such charge is contained in a resolution which has been moved after at least fourteen days' notice in writing signed by not less than one-fourth of the total number of members of the House has been given of their intention to move the resolution, and
 - (b) Such resolution has been passed by a majority of not less than two-thirds of the total membership of the House.

स्पष्टीकरण - ह्या कलमाच्या प्रयोजनाखातीर, फकत एखादी व्यक्ती ही संघाचो राष्ट्रपती अथवा उपराष्ट्रपती अथवा खंयच्याय राज्याचो राज्यपाल ²[* * *] आसा अथवा संघाचो अथवा खंयच्याय राज्याचो मंत्री आसा इतल्याच कारणावेल्यान ती एखादें लाभपद धारण करता अशें मानचे नात.

- **59. राष्ट्रपतीपदाच्यो अटी** (1) राष्ट्रपती संसदेच्या खंयच्याच सभाघराचो अथवा खंयच्याच राज्याच्या विधानमंडळाच्या खंयच्याच सभाघराचो वांगडी आसचो ना, आनी संसदेच्या खंयच्याच सभाघराचो अथवा खंयच्याय राज्याच्या विधानमंडळाच्या सभाघराचो वांगडी राष्ट्रपती म्हूण वेंचून आयलो जाल्यार, तो राष्ट्रपती म्हूण आपणालें अधिकारपद ग्रहण करतलो ते तारकेक ताणे त्या सभाघरांतली आपणाली सुवात रीती केली अशें मानतले.
 - (2) राष्ट्रपती हेर खंयचेच लाभपद धारण करचो ना.
- (3) राष्ट्रपती आपणाल्या अधिकृत निवासस्थानांचे भाडें दिलेबगर वापर करपाक हक्कदार आसतलो आनी संसद कायद्यावरवीं थारायतली अशे परिलाभ, भत्ते आनी विशेशाधिकार हांकांय हक्कदार आसतलो आनी तेसंबंदांत हाचेप्रमाण उपबंध करून जायसर, दुसरे अनुसुचयेंत विनिर्दीश्ट केल्ले अशे परिलाभ, भत्ते आनी विशेशाधिकार हांकां तो हक्कदार आसतलो.
 - (4) राष्ट्रपतीचे परिलाभ आनी भत्ते ताच्या पदावधींत उणे करचे नात.
- 60. राष्ट्रपतीकडल्यान सोपूत आनी दृढकथन दरेक राष्ट्रपती आनी राष्ट्रपती म्हुण कार्य करपी अथवा राष्ट्रपतीचीं कार्यां निभावपी दरेक व्यक्ती, आपणालें अधिकारपद ग्रहण करचेपयलीं, भारताच्या मुख्य न्यायाधीशामुखार, अथवा तो गैरहाजीर आसल्यार, सर्वोच्च न्यायालयाचो जो ज्येश्ठतम न्यायाधीश मेळटा आसत जाल्यार ताचेमुखार फुडल्या नमुन्याप्रमाण सोपूत घेवन अथवा दृढकथन करून ताचेखाला स्वाक्षरी करतलो तें म्हळ्यार अशें -

देवाचे साक्षीन सोपूत घेतां

'हांव, क. ख., गांभीर्यपूर्वक दृढकथन करतां की, हांव भारताचो राष्ट्रपती म्हूण आपणाले पदकार्य निश्ठापूर्वक निभायतलों (अथवा हांव भारताच्या राष्ट्रपतीचीं कार्या निश्ठापूर्वक निभायतलों) आनी म्हज्या सामर्थ्याची पराकाश्ठा करून संविधान आनी कायदो हांचो सांबाळ, राखण आनी बचाव करतलों आनी स्वताक भारतीय जनतेचे सेवेक आनी कल्याणाक ओंपून घेतलों.'

- 61. राष्ट्रपतीवेल्या महाभियोगाची कार्यपद्धत (1) संविधानाचो भंग केल्लेबद्दल राष्ट्रपतीचेर महाभियोग करपाचो आसल्यार, तेन्ना, तेसंबंदींचो आरोप संसदेच्या खंयच्याय एका सभाघराकडल्यान फुडें हाडटलें.
 - (2) असो कसलोच आरोप तोवेर करचेनात जोवेर -
 - (क) असो आरोप मांडपाचो प्रस्ताव एखाद्या थारावांत आस्पावीत केल्लो आसतलो, आनी तो

थाराव मांडपाचो आपणालो उद्देश आसा हें त्या सभाघरांतले एकंदर वागंडी - संख्येच्या उण्यांच त्या एक-चतुर्थांश वांगड्यांनी स्वाक्षरीत केल्ली उण्याच त्या चवदा दिसांची लेखी कळोवणी दिवन जालेउपरांत तो मांडला, आनी

(ख) असो थाराव त्या सभाघराचे एकंदर वांगडी - संख्येच्या उण्यांच त्या दोन - तृतियांश वांगड्यांच्या भोवमत्तान पास जाला,

अशें जालेबगर असो कसलोच आरोप फुडें हाडचे नात.

- (3) When a charge has been so preferred by either House of Parliament, the other House shall investigate the charge or cause the charge to be investigated and the President shall have the right to appear and to be represented at such investigation.
- (4) If as a result of the investigation a resolution is passed by a majority of not less than two-thirds of the total membership of the House by which the charge was investigated or caused to be investigated, declaring that the charge preferred against the President has been sustained, such resolution shall have the effect of removing the President from his office as from the date on which the resoultion is so passed.
- 62. Time of holding election to fill vacancy in the office of President and the term of office of person elected to fill casual vacancy. (1) An election to fill a vacancy caused by the expiration of the term of office of President shall be completed before the expiration of the term.
- (2) An election to fill a vacancy in the office of President occurring by reason of his death, resignation or removal, or otherwise shall be held as soon as possible after, and in no case later than six months from, the date of occurrence of the vacancy; and the person elected to fill the vacancy shall, subject to the provisions of article 56, be entitled to hold office for the full term of five years from the date on which he enters upon his office.
 - **63.** The Vice-President of India. There shall be a Vice-President of India.
- **64.** The Vice-President to be ex officio Chairman of the Council of States. The Vice-President shall be ex officio Chairman of the Council of States and shall not hold any other office of profit:

Provided that during any period when the Vice-President acts as President or discharges the functions of the President under article 65, he shall not perform the duties of the office of Chairman of the Council of States and shall not be entitled to any salary or allowance payable to the Chairman of the Council of States under article 97.

- **65.** The Vice-President to act as President or to discharge his functions during casual vacancies in the office, or during the absence, of President. (1) In the event of the occurrence of any vacancy in the office of the President by reason of his death, resignation or removal, or otherwise, the Vice-President shall act as President until the date on which a new President elected in accordance with the provisions of this Chapter to fill such vacancy enters upon his office.
- (2) When the President is unable to discharge his functions owing to absence, illness or any other cause, the Vice-President shall discharge his functions until the date on which the President resumes his duties.
- (3) The Vice-President shall, during, and in respect of, the period while he is so acting as, or discharging the functions of, President, have all the powers and immunities of the President and be entitled to such emoluments, allowances and privileges as may be determined by Parliament by law and, until provision in that behalf is so made, such emoluments, allowances and privileges as are specified in the Second Schedule.

- (3) संसदेच्या खंयच्याय सभाघरान हेप्रमाण आरोप फुडें हाडटकच दुसरें सभाघर त्या आरोपाचों सोदतपास करतलें अथवा करून घेतलें आनी राष्ट्रपतीक अशा सोदतपासाच्या वेळार हाजीर रावपाचो आनी प्रतिनिधीवरवीं आपणाली बाजू मांडपाचो अधिकार आसतलो.
- (4) जर सोदतपासाउपरांत, राष्ट्रपतीचे आड फुडें हाडिल्लो आरोप सिद्ध जाला अशें घोशीत करपी थाराव ज्या सभाघरान आरोपाचो सोदतपास केलो अथवा करून घेतलो त्या सभाघराचे एकंदर वांगडी-संख्येच्या उण्याच त्या दोन तृतियांश वांगड्यांच्या भोवमतान पास जालो जाल्यार अशा थारावाचो परिणाम म्हूण राष्ट्रपतीक तो थाराव हेप्रमाण पास जाल्ल्याचे तारकेक आनी तेन्नाच्यान आपणाल्या अधिकारपदावेल्यान कडेक सरचें पडटलें.
- 62. राष्ट्रपतीचें रितें अधिकारपद भरपाखातीर वेंचणूक घेवपाची मुजत आनी आकस्मिकपणान रितें जाल्लें अधिकारपद भरपाखातीर वेंचून आयिल्ले व्यक्तीचो पदावधी— (1) राष्ट्रपतीपदाचो पदावधी सोपिल्ल्यान रितें जावपी अधिकारपद भरपाखातीर वेंचणूक घेवपाची आसतली तेन्ना तो अवधी सोंपचेपयलीं ती वेंचणूक पूर्ण करतले.
- (2) राष्ट्रपतीक जर मर्ण आयलें, ताणे राजीनामो दिलो अथवा ताका कडेक काडलो ह्या कारणावेल्यान अथवा हेरभाशेन रितें जाल्लें ताचें अधिकारपद भरपाखातीर जावपाची वेंचणूक तें अधिकारपद रितें जाल्ल्याचे तारकेउपरांत जाता तितले बेगीन घेतले खंयचेच परिस्थितींत ते तारकेसावन स म्हयन्यांच्या उपरांत ना; आनी रितें अधिकारपद भरपाखातीर वेंचून आयिल्ली व्यक्ती, आपणालें अधिकारपद ग्रहण करतलीं त्या दिसाच्यान पांच वर्सांच्या पुराय अवधीमेरेन कलम 96च्या उपबंधाचे अधीनतायेन, अधिकारपद धारण करपाक हक्कदार आसतली.
 - 63. भारताचो उप राष्ट्रपती भारताक एक उपराष्ट्रपती आसतलो.
- **64. उप राष्ट्रपती राज्यसभेचो पदसिद्ध सभापती आसप** उप राष्ट्रपती हो राज्यसभेचो पदसिद्ध सभापती आसतलो आनी तो हेर खंयचेंच लाभपद धारण करचो ना.

परंतु, उप राष्ट्रपती जेन्ना कलम 65 खाला राष्ट्रपती म्हूण कार्य करतलो अथवा राष्ट्रपतींचीं कार्यां निभायतलो तेन्ना, अशा खंयच्याय अवधींत तो राज्यसभेच्या सभापतीपदाचीं कर्तव्यां करचो ना आनी राज्यसभेच्या सभापतीक कलम 97 खाला प्रदेय आशिल्लें कसलेंच वेतन अथवा भत्तो मेळपाक हक्कदार आसचो ना.

- 65. राष्ट्रपतींचें अधिकारपद आकस्मिकपणान रितें जायत त्या त्या प्रसंगार उप राष्ट्रपतीन राष्ट्रपती म्हूण कार्य करप अथवा राष्ट्रपतीचे गैरहाजिरंत ताचीं कार्यां निभावप (1) राष्ट्रपतीक जर मर्ण आयलें, ताणे राजीनामो दिलो अथवा ताका कडेक काडलो ह्या कारणावेल्यान अथवा हेरभाशेन ताचें पद केन्नाय रितें जायत जाल्यार अशें रितें अधिकारपद भरपासंबंदांत ह्या प्रकरणांत आशिल्ल्या उपबंधाप्रमाण वेंचून आयिल्लो नवो राष्ट्रपती आपणालें अधिकारपद ग्रहण करतलो ते तारकेमेरेन उपराष्ट्रपती हो राष्ट्रपती म्हूण कार्य करतलो.
- (2) जेन्ना गैरहाजिरी, पीडा अथवा हेर खंयचेंय कारण हांकांलागून राष्ट्रपती आपणालीं कार्यां निभावपाक असमर्थ आसत तेन्ना, राष्ट्रपती आपणाल्या कामाचेर पर्तून रूजू जातलो ते तारकेमेरेन उप राष्ट्रपती ताचीं कार्यां निभायतलों.
- (3) उप राष्ट्रपती जेन्ना अशेतरेन राष्ट्रपती म्हूण कार्य करता आसत अथवा ताचीं कार्यां निभायता आसत त्या अवधींत आनी त्या अवधीच्या संबंदांत ताका राष्ट्रपतीचे सगले अधिकार आनी उन्मुक्त्यो आसतल्यो आनी संसद कायद्यावरवीं निर्धारीत करीत अशे परिलाभ, भत्ते आनी विशेशाधिकार आनी तेसंबंदांत हेप्रमाण उपबंध करीसर, दुसरे अनुसुचयेंत विनिर्दीश्ट केल्ले प्रमाण परिलाभ, भत्ते आनी विशेशाधिकार हांकां तो हक्कदार आसतलो.

- **66. Election of Vice-President.** (1) The Vice-President shall be elected by the ³[members of an electoral college consisting of the members of both Houses of Parliament] in accordance with the system of proportional representation by means of the single transferable vote and the voting at such election shall be by secret ballot.
- (2) The Vice-President shall not be a member of either House of Parliament or of a House of the Legislature of any State, and if a member of either House of Parliament or of a House of the Legislature of any State be elected Vice-President, he shall be deemed to have vacated his seat in that House on the date on which he enters upon his office as Vice-President.
 - (3) No person shall be eligible for election as Vice-President unless he-
 - (a) Is a citizen of India?
 - (b) Has completed the age of thirty-five years; and
 - (c) Is qualified for election as a member of the Council of States.
- (4) A person shall not be eligible for election as Vice-President if he holds any office of profit under the Government of India or the Government of any State or under any local or other authority subject to the control of any of the said Governments.

Explanation. — For the purposes of this article, a person shall not be deemed to hold any office of profit by reason only that he is the President or Vice-President of the Union or the Governor ⁴*** of any State or is a Minister either for the Union or for any State.

67. Term of office of Vice-President. — The Vice-President shall hold office for a term of five years from the date on which he enters upon his office:

Provided that-

- (a) A Vice-President may, by writing under his hand addressed to the President, resign his office:
- (b) A Vice-President may be removed from his office by a resolution of the Council of States passed by a majority of all the then members of the Council and agreed to by the House of the People; but no resolution for the purpose of this clause shall be moved unless at least fourteen days' notice has been given of the intention to move the resolution;
- (c) A Vice-President shall, notwithstanding the expiration of his term, continue to hold office until his successor enters upon his office.
- 68. Time of holding election to fill vacancy in the office of Vice-President and the term of office of person elected to fill casual vacancy. (1) An election to fill a vacancy caused by the expiration of the term of office of Vice-President shall be completed before the expiration of the term.
- (2) An election to fill a vacancy in the office of Vice-President occurring by reason of his death, resignation or removal, or otherwise shall be held as soon as possible after the occurrence of the

- **66. उप राष्ट्रपतीची वेंचणूक** (1) उपराष्ट्रपती प्रमाणशीर प्रतिनिधीत्व पद्धतीप्रमाण एकल संक्रामणीय मतावरवीं ³[एका वेंचणूक मांडाच्या वांगड्यांकडल्यान वेंचून काडटले आनी तो वेंचणूक मांड संसदेच्या दोनाय सभाघरांचे वांगडी मेळून जाल्लो आसतलो] आनी अशे वेंचणुकेंतलें मतदान गुप्त मतदान पद्धतीन जातलें.
- (2) उप राष्ट्रपती संसदेच्या खंयच्याच सभाघराचो अथवा खंयच्याच राज्याच्या विधानमंडळाच्या सभाघराचो वांगडी आसचो ना, आनी संसदेच्या खंयच्याय सभाघराचो अथवा खंयच्याय राज्याच्या विधानमंडळाच्या सभाघराचो वांगडी उप राष्ट्रपती म्हूण वेंचून आयलो जाल्यार तो उप राष्ट्रपती म्हूण आपणालें अधिकारपद ग्रहण करतलो ते तारकेक ताणे त्या सभाघरांतली आपणाली सुवात रिती केल्ली आसा अशें मानतले.
 - (3) खंयचीय व्यक्ती, -
 - (क) ती भारताची नागरीक आसा,
 - (ख) तिचे पिरायेक पस्तीस वर्सा पूर्ण जाल्यांत आनी
 - (ग) राज्यसभेचो वांगडी म्हूण वेंचून येवपाक ती पात्र आसा, अशें आसलेबगर उप राष्ट्रपतीपदाचे वेंचणूकेक पात्र आसची ना.
- (4) एखादी व्यक्ती भारत सरकाराच्या अथवा खंयच्याय राज्य शासनाच्या अखत्यारेखाला अथवा वयल्या शासनांमदल्या खंयच्याय नियंत्रणाधीन आशिल्ल्या खंयच्याय थळाव्या अथवा हेर प्राधिकरणाचे अखत्यारेखालचें कसलेंय लाभपद धारण करता आसत जाल्यार, ती उपराष्ट्रपतीपदाचे वेंचणुकेक पात्र आसची ना.

स्पश्टीकरण - ह्या कलमाच्या प्रयोजनाखातीर फकत एखादी व्यक्ती ही संघाचो राष्ट्रपती अथवा उपराष्ट्रपती अथवा खंयच्याय राज्याचो राज्यपाल ⁴[* * * आसा अथवा संघराज्याचो अथवा खंयच्याय राज्याचो मंत्री आसा इतल्याचं कारणावेल्यान ती एखादे लाभपद धारण करता अशें मानचे नात.

67. उपराष्ट्रपतीचो पदावधी — उप राष्ट्रपती, जे तारकेक आपणालें अधिकारपद ग्रहण करतलो ते तारकेच्यान पांच वर्सांच्या काळामेरेन तें अधिकारपद धारण करतलो.

परंतु, -

- (क) राष्ट्रपतीक लेखून बरयल्ल्या स्वाक्षरीत लेखावरवीं उप राष्ट्रपतीच्यान आपणाल्या अधिकारपदाचो राजीनामो दिवं येता;
- (ख) राज्यसभेच्या तेदेवेळच्या सगल्या वांगड्यांक भोवमतान पास जाल्ल्या आनी लोकसभेन संमत केल्ल्या थारावावरवीं उपराष्ट्रपतीक ताच्या अधिकारपदावेल्यान कडेक काडूं येतां; पूण ह्या उपकलमाच्या प्रयोजनाखातीर खंयचोय थाराव मांडपाचो उद्देश आसा अशी उण्याच त्या चवदा दिसांची कळोवणी दिलेबगर तो मांडचे नात;
- (ग) उप राष्ट्रपती, ताचो पदावधी सोंपलो तरीय, ताचो उत्तराधिकारी स्वताचें अधिकारपद ग्रहण करीमेरेन पदधारण चालू दवरतलो.
- 68. उपराष्ट्रपतीचें रितें अधिकारपद भारपाखातीर वेंचणूक घेवपाची मुजत आनी आकस्मिकपणान रितें जाल्लें अधिकारपद भरपाखातीर वेंचून आयिल्ले व्यक्तीचो पदावधी— (1) उप राष्ट्रपतीपदाचो पदावधी सोंपिल्ल्यान रितें जावपी अधिकारपद भरपाखातीर घेवपाची वेंचणूक तो अवधी सोंपचेपयलीं पूर्ण करतले.
- (2) उपराष्ट्रपतीक जर मर्ण आयलें, ताणे राजीनामो दिलो अथवा ताका कडेक काडलो ह्या कारणांक लागून अथवा हेरतरेन रितें जाल्लें ताचें अधिकारपद भरपाखातीर घेवपाची वेंचणूक तें अधिकारपद रितें जाल्ल्याचे

vacancy, and the person elected to fill the vacancy shall, subject to the provisions of article 67, be entitled to hold office for the full term of five years from the date on which he enters upon his office.

- **69. Oath or affirmation by the Vice-President.** Every Vice-President shall, before entering upon his office, make and subscribe before the President, or some person appointed in that behalf by him, an oath or affirmation in the following form, that is to say-
 - "I, A.B., do swear in the name of God/solemnly affirm that I will bear true faith and allegiance to the Constitution of India as by law established and that I will faithfully discharge the duty upon which I am about to enter."
- 70. Discharge of President's functions in other contingencies. Parliament may make such provision as it thinks fit for the discharge of the functions of the President in any contingency not provided for in this Chapter.
- *[71. Matters relating to, or connected with, the election of a President or Vice-President.

 (1) All doubts and disputes arising out of or in connection with the election of a President or VicePresident shall be inquired into and decided by the Supreme Court whose decision shall be final.
- (2) If the election of a person as President or Vice-President is declared void by the Supreme Court, acts done by him in the exercise and performance of the powers and duties of the office of President or Vice-President, as the case may be, on or before the date of the decision of the Supreme Court shall not be invalidated by reason of that declaration.
- (3) Subject to the provisions of this Constitution, Parliament may by law regulate any matter relating to or connected with the election of a President or Vice-President.
- (4) The election of a person as President or Vice-President shall not be called in question on the ground of the existence of any vacancy for whatever reason among the members of the electoral college electing him.]
- 72. Power of President to grant pardons, etc., and to suspend, remit or commute sentences in certain cases. (1) The President shall have the power to grant pardons, reprieves, respites or remissions of punishment or to suspend, remit or commute the sentence of any person convicted of any offence-
 - (a) In all cases where the punishment or sentence is by a Court Martial;
 - (b) In all cases where the punishment or sentence is for an offence against any law relating to a matter to which the executive power of the Union extends;

तारकेउपरांत जाता तितले बेगीन घेतले आनी रितें अधिकारपद भरपाखातीर वेंचून आयिल्ली व्यक्ती आपणालें अधिकारपद ग्रहण करतली त्या दिसासावन पांच वर्सांचो अवधी पूर्ण जायमेरेन, कलम 67च्या उपबंधाचे अधीनतायेन अधिकारपद धारण करपाक हक्कदार आसतलीं.

69. उप राष्ट्रपतीचें सोपूत घेवप अथवा दृढकथन करप — दरेक उप राष्ट्रपती आपणालें अधिकारपद ग्रहण करचेपयलीं राष्ट्रपतीच्या अथवा ताणे तेसंबंदांत नियुक्त केल्ले एखादे व्यक्तीमुखार फुडल्या नमुन्याप्रमाण सोपूत घेवन अथवा दृढकथन करून ताचेखाला स्वाक्षरी करतलो, तें म्हळ्यार अशें -

देवाचे साक्षीन सोपूत घेतां

'हांव, क.ख., गांभीर्यपूर्वक दृढकथन करतां की, हांव कायद्यावरवीं प्रस्थापीत जाल्ल्या अशा भारतीय संविधानाविशीं खरेली स्रद्धा आनी निश्ठा बाळिगतलों आनी आतां जें कर्तव्य हांव आपणायतलों तें हांव निश्ठापूर्वक निभायतलों.

70. हेर आकस्मिक प्रसंगावेळार राष्ट्रपतीचीं कार्यां निभावप — ह्या प्रकरणांत जाचेखातीर तरतूद केल्ली ना अशा खंयच्याय आकस्मिक प्रसंगावेळार राष्ट्रपतीचीं कार्यां निभावपाखातीर संसदेच्यान स्वताक योग्य दिसत अशी तरतूद करूं येता.

⁵[71. राष्ट्रपती अथवा उप राष्ट्रपती हांचे वेंचणुकेसंबंदींच्यो अथवा ताचेकडेन संबंदीत आशिल्ल्यो गजाली

- (1) राष्ट्रपती अथवा उप राष्ट्रपती हांचे वेंचणुकेंतल्यान उप्रासपी सगले दुबावाचे मुद्दे आनी कागाळी हांची चवकशी आनी निर्णय सर्वोच्च न्यायालयांकडल्यान करतले आनी ताचो निर्णय निमणो आसतलो.
- (2) जर एखादे व्यक्तीची राष्ट्रपती अथवा उप राष्ट्रपती म्हूण जाल्ली वेंचणूक सर्वोच्च न्यायालयान शून्य म्हूण घोशीत केली जाल्यार, तिणे सर्वोच्च न्यायालयाच्या निर्णयाचे तारकेक अथवा तेआदीं राष्ट्रपतीच्या अथवा प्रकरणाप्रमाण, उप राष्ट्रपतीच्या अधिकारपदाचो अधिकार वापरतना आनी कर्तव्यां निभायतना केल्ल्यो कृती ते घोशणेक लागून बेकायदेशीर थारच्यो नात.
- (3) ह्या संविधानाच्या उपबंधाचे अधीनतायेन, संसदेच्यान राष्ट्रपतीचे अथवा उप राष्ट्रपतीचे वेंचणुकेसंबंदींचें अथवा तिचेकडेन संबदीत आशिल्ले खंयचेय गजालीचें कायद्यावरवीं विनियमन करूं येता.
- (4) एखादे व्यक्तीची राष्ट्रपती अथवा उप राष्ट्रपती म्हूण जाल्ली वेंचणूक तिका वेंचून दिवपी वेंचणूक मांडाच्या वांगडीवर्गामदी खंयच्याय कारणाक लागून एखादी सुवात रिती आशिल्ली ह्या कारणावेल्यान प्रस्नास्पद करूंक मेळची ना.]
- 72. थोड्या प्रकरणांनी माफी, इत्यादी करपाचो आनी शिक्षादेश निलंबीत करपाचो, तातूंत सूट दिवपाचो अथवा तें सौम्य करपाचो राष्ट्रपतीचो अधिकार (1) कसल्याय गुन्यांवांखातीर अपराधी थारायल्ले खंयचेय व्यक्तीक -
 - (क) ख्यास्त अथवा शिक्षादेश लश्करी न्यायालयान दिल्लो आसा अशा सगल्या प्रकरणांनी;
 - (ख) ख्यास्त अथवा शिक्षादेश संघाचे शासनशक्तीचे व्याप्तीतले एखादे गजालीकडेन संबंदीत आशिल्ल्या खंयच्याय कायद्याआड केल्ल्या गुन्यांवांखातीर दिल्लो आसा अशा सगल्या प्रकरणांनी;

- (c) In all cases where the sentence is a sentence of death.
- (2) Nothing in sub-clause (a) of clause (1) shall affect the power conferred by law on any officer of the Armed Forces of the Union to suspend, remit or commute a sentence passed by a Court Martial.
- (3) Nothing in sub-clause (c) of clause (1) shall affect the power to suspend, remit or commute a sentence of death exercisable by the Governor ⁶[* * *] of a State under any law for the time being in force.
- 73. Extent of executive power of the Union. (1) Subject to the provisions of this Constitution, the executive power of the Union shall extend-
 - (a) To the matters with respect to which Parliament has power to make laws; and
 - (b) To the exercise of such rights, authority and jurisdiction as are exercisable by the Government of India by virtue of any treaty or agreement:

Provided that the executive power referred to in sub-clause (a) shall not, save as expressly provided in this Constitution or in any law made by Parliament, extend in any State ** * to matters with respect to which the Legislature of the State has also power to make laws.

(2) Until otherwise provided by Parliament, a State and any officer or authority of a State may, notwithstanding anything in this article, continue to exercise in matters with respect to which Parliament has power to make laws for that State such executive power or functions as the State or officer or authority thereof could exercise immediately before the commencement of this Constitution.

Council of Ministers

74. Council of Ministers to aid and advise President. — ⁸[(1) There shall be a Council of Ministers with the Prime Minister at the head to aid and advise the President who shall, in the exercise of his functions, act in accordance with such advice:]

⁹[Provided that the President may require the Council of Ministers to reconsider such advice, either generally or otherwise, and the President shall act in accordance with the advice tendered after such reconsideration.]

(2) The question whether any, and if so what, advice was tendered by Ministers to the President shall not be inquired into in any court.

(ग) शिक्षादेश हो मृत्युदण्डादेश आसा अशा सगल्या प्रकरणांनी,

ख्यास्तीची माफी दिवपाचो, शिक्षा-तहकुबी दिवपाचो, तातूंत विश्राम अथवा सूट दिवपाचो अथवा शिक्षादेश निलंबीत करपाचो, तातूंत सूट दिवपाचो अथवा तो सौम्य करपाचो राष्ट्रपतीक अधिकार आसतलो.

- (2) संघाच्या सेनादळांच्या खंयच्याय अधिकाऱ्यांक, लष्करी न्यायालयान फर्मायल्लो मृत्युशिक्षादेश निलंबीत करपाचो, सौम्य करपाचो अथवा उणो करपाचो जो अधिकार दिल्लो आसा ताचेर कलम (1) च्या उपकलम (क) हातूंतले खंयचेच गजालीचो परिणाम जावचोना.
- (3) त्या त्या काळात विद्यमान आशिल्या खंयच्याय कायद्याखाला मृत्युशिक्षादेश निलंबीत करपाखातीर अथवा तो सौम्य करपाखातीर राज्याच्या राज्यपालाक ⁶[***] जो वापरूंक मेळपासारको आसतलो त्या अधिकाराचेर उपकलम (1) चें उप-उपकलम (क) हातूंतले खंयचेच गजालीचो परिणाम जावचो ना.
- **73. संघाच्या शासनाधिकाराची व्याप्ती.** (1) ह्या संविधानाच्या उपबंधांचे अधीनतायेन, संघाच्या शासनाधिकाराचे व्याप्तेत -
 - (क) जांचेसंबंदांत संसदेक कायदे करपाचो अधिकार आसा त्यो गजाली; आनी
 - (ख) खंयचेय कबलातीच्या अथवा कराराच्या अन्वयान भारत सरकाराच्यान वापरूं येतात अशे अधिकार, प्राधिकार आनी अधिकारिताय हांचो वापर, हीं आस्पावीत आसतली;

परंतु, ह्या संविधानात अथवा संसदेन केल्ल्या खंयच्याय कायद्यांत स्पश्टपणान उपबंधीत केल्ले आसत तितलें सोडून हेर गजालींनी, उप-उपकलम (क) त निर्देशिल्ल्या शासनाधिकाराचे व्याप्तेंत ⁷* * * खंयच्याय राज्यांत, जांचेसंबंदांत राज्यांच्या विधानमंडळाकूय कायदे करपाचो अधिकार आसा अशो गजाली येवंच्यो नात.

(2) संसदेकडल्यान हेर भाशेन उपबंध करून जायसर, जांच्या संबंदांत संसदेक एखाद्या राज्याखातीर कायदे करपाचो अधिकार आसा अशा गजालींनीं ह्या संविधानाचे निकटपूर्व तें राज्य अथवा त्या राज्याचो खंयचोय अधिकारी अथवा प्राधिकरण जो शासनाधिकार अथवा जे कार्यधिकार वापरुं शकतालीं त्या अधिकाराचो अथवा कार्याधिकारांचो वापर त्या राज्याच्यान आनी त्या अधिकाऱ्याच्यान अथवा प्राधिकरणाच्यान, ह्या कलमांत किदेंय आसलें तरी, चालू दवरूं येता.

मंत्रिमंडळ

74. राष्ट्रपतीक सहाय करपाखातीर आनी सल्लो दिवपाखातीर मंत्रिमंडळ— ⁸[(1) राष्ट्रपतीक सहाय करपाखातीर आनी सल्लो दिवपाखातीर प्रधानमंत्री प्रमुखपदार आशिल्लें एक मंत्रिमंडळ आसतलें आनी राष्ट्रपती आपणाल्या कार्याधिकारांचो वापर करताना अशा सल्ल्याप्रमाण कार्य करतलो.]

⁹[परंतु, राष्ट्रपतीच्यान मंत्रिमंडळाक अशा सल्ल्याचो सर्वसाधारणपणान अथवा हेर तरेन फेरविचार करपाक सांगूं येता, आनी राष्ट्रपती अशा फेरविचाराउपरांत दिल्ल्या सल्ल्याउपरांत कार्य करतलो.]

(2) मंत्र्यांनी राष्ट्रपतीक किदेंय सल्लो दिल्लो व्हय आनी तशें आसल्यार तो कसलो, ह्या प्रस्नाची खंयच्याच न्यायालयांत चवकशी करूंक मेळची ना.

- **75. Other provisions as to Ministers.** (1) The Prime Minister shall be appointed by the President and the other Ministers shall be appointed by the President on the advice of the Prime Minister.
 - (2) The Ministers shall hold office during the pleasure of the President
 - (3) The Council of Ministers shall be collectively responsible to the House of the People.
- (4) Before a Minister enters upon his office, the President shall administer to him the oaths of office and of secrecy according to the forms set out for the purpose in the Third Schedule.
- (5) A Minister who for any period of six consecutive months is not a member of either House of Parliament shall at the expiration of that period cease to be a Minister.
- (6) The salaries and allowances of Ministers shall be such as Parliament may from time to time by law determine and, until Parliament so determines, shall be as specified in the Second Schedule.

The Attorney General for India

- **76.** Attorney-General for India. (1) The President shall appoint a person who is qualified to be appointed a Judge of the Supreme Court to be Attorney-General for India.
- (2) It shall be the duty of the Attorney-General to give advice to the Government of India upon such legal matters, and to perform such other duties of a legal character, as may from time to time be referred or assigned to him by the President, and to discharge the functions conferred on him by or under this Constitution or any other law for the time being in force.
- (3) In the performance of his duties the Attorney-General shall have right of audience in all courts in the territory of India.
- (4) The Attorney-General shall hold office during the pleasure of the President, and shall receive such remuneration as the President may determine.

Conduct of Government Business

- 77. Conduct of business of the Government of India. (1) All executive action of the Government of India shall be expressed to be taken in the name of the President.
- (2) Orders and other instruments made and executed in the name of the President shall be authenticated in such manner as may be specified in rules to be made by the President, and the validity of an order or instrument which is so authenticated shall not be called in question on the ground that it is not an order or instrument made or executed by the President.
- (3) The President shall make rules for the more convenient transaction of the business of the Government of India, and for the allocation among Ministers of the said business.

78. Duties of Prime Minister as respects the furnishing of information to the President, etc.

— It shall be the duty of the Prime Minister-

(a) To communicate to the President all decisions of the Council of Ministers relating to the administration of the affairs of the Union and proposals for legislation;

- **75. मंत्र्याविशीं हेर उपबंध** (1) प्रधानमंत्री राष्ट्रपती कडल्यान नियुक्त जातलो आनी हेर मंत्री राष्ट्रपतीकडल्यान प्रधानमंत्र्याच्या सल्ल्या प्रमाण नियुक्त जातलें.
 - (2) राष्ट्रपतीची खोशी आसमेरेन मंत्री अधिकारपदां धारण करतलें.
 - (3) मंत्रिमंडळ लोकसभेक समुदायीकपणान जापसालदार आसतलें.
- (4) मंत्र्यान आपणालें अधिकारपद ग्रहण करचेपयलीं राष्ट्रपती ताका अधिकारपद आनी गुप्तताय हांचे सोपूत त्या प्रयोजनाखातीर तिसरे अनुसुचयेंत दिल्ल्या नमुन्याप्रमाण दितलों.
- (5) जो मंत्री खंयच्याय कालावधींत सलग स म्हयने संसदेच्या खंयच्याच सभाघराचो वांगडी नासत तांचे मंत्रिपद तो स म्हयन्यांचो अवधी सोंपनाबराबर समाप्त जातलें.
- (6) मंत्र्यांचीं वेतनां आनी भत्ते संसद कायद्यावरवीं त्या त्या वेळार थारायतली ते प्रमाण आसतले आनी संसद हे प्रमाण निर्धारीत करीसर, दुसरे अनुसुचयेंत विनिर्दीश्ट केल्ले प्रमाण आसतले.

भारताचो महा न्यायवादी

- 76. भारताचो महा न्यायवादी (1) राष्ट्रपती, सर्वोच्च न्यायालयाचो न्यायाधीश म्हूण नियुक्त जावपाक जी व्यक्ती पात्र आसत अशे एखादे व्यक्तीक भारताचो महा न्यायवादी म्हूण नियुक्त करतलो.
- (2) राष्ट्रपतीकडल्यान महा न्यायवादीकडेन केन्नाकेन्ना निर्देशतले अशा कायद्याच्या विशयांतल्या गजालींचेर मारत सरकाराक सल्लो दिवप आनी ताका नेमून दितले अशी हेर कायदेविशयक कामां करप आनी ह्या संविधानावरवीं अथवा ताचेखाला अथवा त्या त्या काळांत तात्पुरत्या लागू आशिल्ल्या हेर खंयच्याय कायद्यावरवीं अथवा ताचेखाला ताचेकडेन सोपयल्लीं कामा निभावप हें ताचें कर्तव्य आसतलें.
- (3) आपणालीं कर्तव्यां करता आसतना महा न्यायवादीक भारताच्या राज्यक्षेत्रांतल्या सगल्या न्यायालयांनी ताचें म्हणणे आयकून घेतले म्हणपाचो अधिकार आसतलो.
- (4) महा न्यायवादी राष्ट्रपतीची खोशी आसमेरेन अधिकारपद धारण करतलो आनी ताका राष्ट्रपती निर्धारीत करीत अशे वेतन मेळटलें.

सरकारी कामकाज चलोवप

- 77. भारत सरकाराचें कामकाज चलोवप (1) भारत सरकाराची संपूर्ण शासकीय कारभार राष्ट्रपतीच्या नावान करप जाता अशें व्यक्त करतले.
- (2) राष्ट्रपतीच्या नांवान केल्ले आदेश आनी निश्पादीत केल्ले हेर संलेख राष्ट्रपतीन करपा आशिल्ल्या नेमांमदीं विनिर्दीश्ट करतले अशे रितीन अधिप्रमाणीत करतले, आनी हेप्रमाण अधिप्रमाणीत केल्लो आदेश अथवा संलेख राष्ट्रपतीन केल्लो अथवा निश्पादीत केल्लो ना ह्या कारणावेल्यान ताची कायदेशीरताय प्रस्नास्पद करूंक मेळची ना.
- (3) भारत सरकाराचें काम चड सोयीस्करपणान जावंचें हे खातीर आनी उक्त कामकाज मंत्र्यांमदीं वांटून दिवपाखातीर राष्ट्रपती नेम करतलों.

¹⁰* * * * * *

ننزوت

78. राष्ट्रपतीक माहिती दिवप इत्यादीसंबंदांत प्रधानमंत्र्याची कर्तव्यां —

(क) संघाच्या कारभाराच्या प्रशासनासंबंदींचे मंत्रिमंडळाचे सगले निर्णय आनी विधिविधानाखातीर आयिल्ले सगले प्रस्ताव राष्ट्रपतीक कळोवप;

- (b) To furnish such information relating to the administration of the affairs of the Union and proposals for legislation as the President may call for; and
- (c) If the President so requires, to submit for the consideration of the Council of Ministers any matter on which a decision has been taken by a Minister but which has not been considered by the Council.

CHAPTER 2 - PARLIAMENT

General

- 79. Constitution of Parliament. There shall be a Parliament for the Union which shall consist of the President and two Houses to be known respectively as the Council of States and the House of the People.
 - 80. Composition of the Council of States. (1) 1[2*** The Council of States] shall consist of-
 - (a) Twelve members to be nominated by the President in accordance with the provisions of clause (3); and
 - (b) Not more than two hundred and thirty-eight representatives of the States ³[and of the Union territories].
- (2) The allocation of seats in the Council of States to be filled by representatives of the States ³[and of the Union territories] shall be in accordance with the provisions in that behalf contained in the Fourth Schedule.
- (3) The members to be nominated by the President under sub-clause (a) of clause (1) shall consist of persons having special knowledge or practical experience in respect of such matters as the following, namely: — Literature, science, art and social service.
- (4) The representatives of each State ⁴*** in the Council of States shall be elected by the elected members of the Legislative Assembly of the State in accordance with the system of proportional representation by means of the single transferable vote.
- (5) The representatives of the ^⁵[Union territories] in the Council of States shall be chosen in such manner as Parliament may by law prescribe.
- 6 [81. Composition of the House of the People. 7 [(1) Subject to the provisions of article 331, 8 ***] the House of the People shall consist of-
 - (a) Not more than *[five hundred and twenty five members] chosen by direct election from territorial constituencies in the States, and
 - (b) Not more than ¹⁰[twenty members] to represent the Union territories, chosen in such manner as Parliament may by law provide.
 - (2) For the purposes of sub-clause (a) of clause (1), -
 - (a) There shall be allotted to each State a number of seats in the House of the People in such manner that the ratio between that number and the population of the State is, so far as practicable, the same for all States; and
 - (b) Each State shall be divided into territorial constituencies in such manner that the ratio between the population of each constituency and the number of seats allotted to it is, so far as practicable, the same throughout the State:

- (ख) संघराज्याच्या कारभाराच्या प्रशासनासंबंदीं आनी विधिविधानाखातीर आयिल्ल्या प्रस्तावांसंबंदीं राष्ट्रपती मागयत ती म्हायती ताका दिवप; आनी
- (ग) जे गजालीचेर एखाद्या मंत्र्यान निर्णय घेतिल्लो आसत पूण मंत्रिमंडळान जिचो विचार केल्लो ना अशी कसलीय गजाल, राष्ट्रपतीन गरजेचें केल्यार मंत्रिमंडळाच्या विचाराखातीर सादर करप, हें प्रधानमंत्र्याचें कर्तव्य आसतलें.

प्रकरण 2 - संसद

सर्वसाधारण

79. संसदेची घडण — संघाखातीर एक संसद आसतली आनी राष्ट्रपती तशेंच अनुक्रमान 'राज्यसभा' आनी 'लोकसभा' म्हूण वळखतले अशीं दोन सभाघरां मेळून ती जाल्ली आसतली.

80. राज्यसभेची घडण — (1) ¹[²* * * राज्यसभा] -

- (क) उपकलम (3) च्या उपबंधांप्रमाण राष्ट्रपतीन नामनिर्देशीत करपाचे बारा वांगडीं; आनी
- (ख) राज्यांचे ³[आनी संघ राज्यक्षेत्रांचेट चडांत चड दोनशें आडटीस प्रतिनिधी, मेळून जाल्ली आसतली.
- (2) राज्यसभेंतल्यो ज्यो सुवातो राज्यांच्या ³[आनी संघ राज्यक्षेत्रांच्या] प्रतिनिधींनी भरपाच्यो त्या सुवातांची वांटणी चवथे अनुसुचयेंत आस्पाविल्ल्या तेसंबंदांतल्या उपबंधांप्रमाण जातली.
- (3) उपकलम (1) चें उप-उपकलम (क) हाचेखाला राष्ट्रपतीन नामनिर्देशीत करपाचे वांगडी म्हळ्यार फुडें दिल्ल्या गजालींविशीं विशेश गिन्यान अथवा वेव्हारीक अणभव आशिल्ल्यो व्यक्ती आसतल्यो, त्यो गजाली अशो :- साहित्य, विज्ञान, कला आनी समाजीक सेवा.
- (4) ⁴* * दरेका राज्याचे राज्यसभेंतले प्रतिनिधी त्या राज्याचे विधानसभेच्या वेंचून आयिल्ल्या वांगड्यां कडल्यान प्रमाणशीर प्रतिनिधीत्व पद्धतीप्रमाण एकल संक्रामणीय मतावरवीं वेंचून दितले.
 - (5) ⁵[संघ राज्यक्षेत्रांचे] राज्यसभेंतले प्रतिनिधी संसद कायद्यावरवीं विहीत करतली अशे रितीन वेंचतले.

6 [81. लोकसभेची घडण - (1) 7 [कलम 331 च्या उपबंधांचें अधीनतायेन $^{8}***$] लोकसभा -

- (क) राज्यांमदल्या क्षेत्रीय मंतदारसंघांतल्यान प्रत्यक्ष वेंचणुकेवरवीं वेंचून काडिल्ले चडांत चड ⁹[पांचशेंपंचवीस] वांगडी, आनी
- (ख) संघ राज्यक्षेत्रांचें प्रतिनिधीत्व करपाखातीर संसद कायद्यावरवीं उपबंध करीत अशे रितीन वेंचून काडिल्ले चडांत चड ¹⁰[वीस] वांगडी, मेळून घडिल्ली आसतली.
- (2) उपकलम (1) चें उप-उपकलम (क) हाच्या प्रयोजनखातीर -
- (क) लोकसभेंत दरेका राज्याक अशे रितीन सुवातो वांटून दितले की, त्या सुवातांची संख्या आनी त्या राज्याची लोकसंख्यां हांचें गुणोत्तर, वेवहार्य आसत तितलेमेरेन, सागल्या राज्याच्या संबंदांत सारकेंच आसतलें, आनी
- (ख) दरेक राज्य अशे रितीन क्षेत्रीय मतदारसंघांमदीं विभाजीत जातलें की, दरेका मतदारसंघाची लोकसंख्या आनी ताका वांटून दिल्ल्या सुवातींची संख्या हांचें गुणोत्तर, वेवहार्य आसत तितलेमेरेन राज्यांत सगल्याक सारकेंच आसतलें.

¹¹[Provided that the provisions of sub-clause (a) of this clause shall not be applicable for the purpose of allotment of seats in the House of the People to any State so long as the population of that State does not exceed six millions.]

(3) In this article, the expression "population" means the population as ascertained at the last preceding census of which the relevant figures have been published:

¹²[Provided that the reference in this clause to the last preceding census of which the relevant figures have been published shall, until the relevant figures for the first census taken after the year 2000 have been published, be construed as a reference to the 1971 census.]

82. Readjustment after each census. — Upon the completion of each census, the allocation of seats in the House of the People to the States and the division of each State into territorial constituencies shall be readjusted by such authority and in such manner as Parliament may by law determine:

Provided that such readjustment shall not affect representation in the House of the People until the dissolution of the then existing House:]

¹³[Provided further that such readjustment shall take effect from such date as the President may, by order, specify and until such readjustment takes effect, any election to the House may be held on the basis of the territorial constituencies existing before such readjustment:

Provided also that until the relevant figures for the first census taken after the year 2000 have been published, it shall not be necessary to readjust the allocation of seats in the House of the People to the States and the division of each State into territorial constituencies under this article.]

- **83.** Duration of Houses of Parliament. (1) The Council of States shall not be subject to dissolution, but as nearly as possible one-third of the members thereof shall retire as soon as may be on the expiration of every second year in accordance with the provisions made in that behalf by Parliament by law.
- (2) The House of the People, unless sooner dissolved, shall continue for ¹⁴ [five years] from the date appointed for its first meeting and no longer and the expiration of the said period of ¹⁴ [five years] shall operate as a dissolution of the House:

Provided that the said period may, while a Proclamation of Emergency is in operation, be extended by Parliament by law for a period not exceeding one year at a time and not extending in any case beyond a period of six months after the Proclamation has ceased to operate.

- **84. Qualification for membership of Parliament.** A person shall not be qualified to be chosen to fill a seat in Parliament unless he-
 - ¹⁵[(a) Is a citizen of India, and makes and subscribes before some person authorized in that behalf by the Election Commission an oath or affirmation according to the form set out for the purpose in the Third Schedule;]
 - (b) Is, in the case of a seat in the Council of States, not less than thirty years of age and, in the case of a seat in the House of the People, not less than twenty-five years of age; and

11[परंतु, एखाद्या राज्याची लोकसंख्या स दशलक्षांपरस चड जायना तोंवेर, त्या राज्याक लोकसभेंतल्यो सुवातो वांटून दिवपाच्या प्रयोजनाखातीर ह्या उपकलमाचें उप-उपकलम (क) चे उपबंध लागू जावंचे नात.]

(3) ह्या कलमांत 'लोकसंख्या' ह्या उतराचो अर्थ जे जनगणनेची संबद्ध आंकडेवारी उजवाडा आयल्या अशे

निकटपूर्व जनगणनेंत अदमाशिल्ली लोकसंख्या असो आसा :]

¹²[परंतु, त्या उपकलमांतलो 'जे जनगणनेची संबद्ध आंकडेवारी उजवाडा आयल्या अशी निकटपूर्व जनगणना 'ह्या उल्लेखाचो अर्थ, सन 2000 उपरांत जावपा आशिल्ले पयले जनगणनेची संबद्ध, आंकडेवारी उजवाडा येसर 1971 वर्साचे जनगणनेचो उल्लेख, असो लायतले.]

82. दरेक जनगणनेउपरांत पुनःसमायोजन — दरेक जनगणना पूर्ण जातकच लोकसभेंतल्या सुवातांची राज्यांक दिल्ली वांटणी आनी दरेका राज्याची क्षेत्रीय मतदारसंघांमदीं केल्ली विभागणी हांचें, संसद कायद्यावरवीं निर्धारीत करीत अशा प्राधिकरणाकडल्यान आनी अशे रितीन पुनः समायोजन करतले.

पंरतु, अशा पुनः समायोजनाकलागून, त्या वेळार अस्तित्वांत आशिल्ले लोकसभेचें विसर्जन जायसर त्या सभाघरांतल्या प्रतिनिधीत्वाचेर परिणाम जावंचो नाः

¹³[परंतु, आनीक अशें की, अशें पुनःसमायोजन राष्ट्रपती आदेशावरवीं करतलो अशें तारकेसावन परिणामक जातलें आनी अशें पुनःसमायोजन परिणामक जायमेरेन, त्या सभाघराची खंयचीय वेंचणूक अशा पुनः समायोजनेपयलीं अस्तित्वांत आशिल्ल्या क्षेत्रीय मतदारसंघाच्या आधारान घेवं येता :

परंतु अशेंय की, सन 2000 उपरांत जावपा आशिल्ले जनगणनेची संबंद्ध आंकडेवारी उजवाडा येसर राज्यांक लोकसभेंतल्यान मेळिल्ल्या सुवातांची वांटणी आनी दरेका राज्याची क्षेत्रीय मतदारसंघांमदीं जाल्ली विभागणी हांचें ह्या कलमाखालचें पुनःसमायोजन करपाची गरज आसची ना.]]

83. संसदेच्या सभाघरांचो कार्यावधी — (1) राज्यसभा विसर्जनपात्र आसची ना, पूण संसदेन कायद्यावरवीं निवृत्तेसंबंदांत केल्ल्या उपबंधांप्रमाण तिच्या वांगड्यामदले शक्य जायत तोंवेर लागीलागीं एक तृतीयांश इतले वांगडी दर दुसऱ्या वर्साचे अखेरक जाता तितले बेगीन निवृत्त जातले.

(2) लोकसभा तिचे पयले सभेखातीर थारायिल्ले तारकेसावन 14[पांच वर्सामेरेन] वयलो कार्यावधी सोंपलो

म्हणटकच, ताचो परिणाम म्हूण सभाघराचें विसर्जन घडून येतलें :

परंतु, आणीबाणीची उद्घोशणा लागू आसत तेन्ना संसदेच्यान कायद्यावरवीं वयलो कार्यावधी एका वेळार चेंडांत चड एका वर्सामेरेन वाडोवं येता मात खंयचेच परिस्थितींत उद्घोशणा लागू आसपाचें बंद जायतसावन स म्हयन्याच्या पेल्यान ना.

84. संसदेच्या वांगडीपणाखातीर पात्रताय: — एखादी व्यक्ती -

15[(क) ती भारताचो नागरीक आसा आनी वेंचणूक आयोगान सोपूत अथवा दृढकथन हांच्या संबंदांत प्राधिकृत केल्ले एखादे व्यक्तीमुखार, त्या प्रयोजनाखातीर तिसरे अनुसुचयेंत दिल्ल्या नमुन्याप्रमाण तिणे सोपूत घेवन अथवा दृढकथन करून ताचेखाला स्वाक्षरी केल्या;]

(ख) राज्यसभेंतले सुवातेच्या संबंदांत, ती उण्यांत उणे तीस वर्सांचे पिरायेची आनी लोकसभेंत सुवाते

संदर्भात, ती उण्यांत उणे पंचवीस वर्साचे पिरायेची आसा, आनी

- (c) Possesses such other qualifications as may be prescribed in that behalf by or under any law made by Parliament.
- ¹⁶[85. Sessions of Parliament, prorogation and dissolution. (1) The President shall from time to time summon each House of Parliament to meet at such time and place as he thinks fit, but six months shall not intervene between its last sitting in one session and the date appointed for its first sitting in the next session.
 - (2) The President may from time to time-
 - (a) Prorogue the House or either House;
 - (b) Dissolve the House of the People.]
- **86. Right of President to address and send messages to Houses.** (1) The President may address either House of Parliament or both Houses assembled together, and for that purpose require the attendance of members.
- (2) The President may send messages to either House of Parliament, whether with respect to a Bill then pending in Parliament or otherwise, and a House to which any message is so sent shall with all convenient despatch consider any matter required by the message to be taken into consideration.
- **87. Special address by the President.** (1) At the commencement of the first session after each general election to the House of the People and at the commencement of the first session of each year] the President shall address both Houses of Parliament assembled together and inform Parliament of the causes of its summons.
- (2) Provision shall be made by the rules regulating the procedure of either House for the allotment of time for discussion of the matters referred to in such address ¹⁸* * *.
- 88. Rights of Ministers and Attorney-General as respects Houses. Every Minister and the Attorney-General of India shall have the right to speak in, and otherwise to take part in the proceedings of, either House, any joint sitting of the Houses, and any committee of Parliament of which he may be named a member, but shall not by virtue of this article be entitled to vote.

Officers of Parliament

- 89. The Chairman and Deputy Chairman of the Council of States. (1) The Vice-President of India shall be ex officio Chairman of the Council of States.
- (2) The Council of States shall, as soon as may be, choose a member of the Council to be Deputy Chairman thereof and, so often as the office of Deputy Chairman becomes vacant, the Council shall choose another member to be Deputy Chairman thereof.

- (ग) संसदेन केल्ल्या खंयच्याय कायद्यावरवीं अथवा ताचेखाला तेसंबंदांत विहीत करतले अशो हेर सगल्यो पात्रतायो तिचे ठांय आसात,
- अशें आसलेबगर संसदेंतली सुवात भरपाखातीर जावपी वेंचणुकेक पात्र आसची ना.
- ¹⁶[85. संसदेचीं सत्रां, सत्रसमाप्ती आनी विसर्जन (1) राष्ट्रपती स्वताक योग्य दिसत अशा वेळार आनी अशे सुवातेर बसका घेवपाखातीर संसदेच्या दरेका सभाघराक अभिनिमंत्रीत करतलो, पूण तिची एका सत्रांतली निमणी बसका आनी फुडल्या सत्रांतले पयले बसकेखातीर थारायल्ली तारीक हांचे मजगतीं स म्हयन्यांचें अंतर पडचें ना.
 - (2) राष्ट्रपतीच्यान केन्ना केन्ना -
 - (क) सभाघरांची अथवा तातूंतल्या खंयच्याय सभाघराची सत्रसमाप्ती करूं येता.
 - (ख) लोकसभा विसर्जीत करूं येता.]
- **86. राष्ट्रपतीचो सभाघरांक लेखून अभिभाशण करपाचो आनी संदेश धाडपाचो अधिकार** (1) राष्ट्रपतीच्यान संसदेच्या खंयच्याय सभाघरांक अथवा एकठांय जमिल्ल्या दोनाय सभाघरांक लेखून अभिभाशण करूं येता, आनी त्या प्रयोजनाखातीर वांगड्यांनी हाजीर रावप गरजेचें अशें करूं येता.
- (2) राष्ट्रपतीच्यान संसदेच्या खंयच्याय सभाघराक संदेश धाडूं येता मागीर ते संसदेंत त्यावेळार प्रलबीत आशिल्ल्या एखाद्या विधेयकाविशीं आसूं अथवा हेर तरांचे आसूं आनी जाका हेप्रमाण खंयचोय संदेश धाडला तें सभाघर त्या संदेशाप्रमाण जी गजाल विचारांत घेवप गरजेचें आसत अशी खंयचीय गजाल सोयीप्रमाण जाता तितले बेगीन विचारांत घेतलें.
- 87. राष्ट्रपतीचें विशेश अभिभाशण (1) राष्ट्रपती ¹⁷[लोकसभेचे दरेक सांर्वत्रीक वेंचणुकेउपरांत पयल्या सत्राच्या आरंभाक आनी दर वर्साच्या पयल्या सत्राच्या] आरंभाक, संसदेच्या एकठांय जिमल्ल्या दोनाय सभाघरांक लेखून अभिभाशण करतलो, आनी संसदेक तिका कित्याखातीर अभिनिमंत्रीत केल्यां त्या कारणांची माहिती दितलो.
- (2) अशा अभिभाशणांत निर्देशिल्ल्या गजालींचे चर्चेखातीर वेळ वांटून घेवपा पासत ¹⁸* * * दोनाय सभाघरांचे कार्यपद्धतीचें विनियमन करपी नेमावरवीं उपबंध करतले.
- 88. मंत्री आनी महा न्यायवादी हांचे सभाघरांविशीं अधिकार दरेका मंत्र्याक आनी भारताच्या महा न्यायवादीक संसदेच्या खंयच्याय सभाघरांत, सभाघरांचे खंयचेय संयुक्त बसकेंत, आनी संसदेचे जे संमितेंत ताचे नांव वांगडी म्हूण घाल्लें आसत अशे खंयचेय समितेंत भाशण करपाचो आनी हेर तरेन तांच्या कामकाजांत वांटो घेवपाचो अधिकार आसतलो, पूण ह्या कलमाच्या आधारान ताका मतदान करपाचो अधिकार आसचो ना.

संसदेचे अधिकारी

- **89. राज्यसभेचो सभापती आनी उपसभापती** (1) भारताचो उपराष्ट्रपती हो राज्यसभेचो पदसिद्ध सभापती आसतलो.
- (2) राज्यसभा, जाता तितले बेगीन, राज्यसभेच्या एका वांगङ्याक आपणालो उपसभापती म्हूण वेंचतली आनी, उपसभापतीचें पद रितें जातलें तेन्ना, राज्यसभा दुसऱ्या एका वांगङ्याक आपणालो उपसभापती म्हूण वेंचतली.

- 90. Vacation and resignation of, and removal from, the office of Deputy Chairman. A member holding office as Deputy Chairman of the Council of States—
 - (a) Shall vacate his office if he ceases to be a member of the Council;
 - (b) May at any time, by writing under his hand addressed to the Chairman, resign his office; and
 - (c) May be removed from his office by a resolution of the Council passed by a majority of all the then members of the Council:

Provided that no resolution for the purpose of clause (c) shall be moved unless at least fourteen days' notice has been given of the intention to move the resolution.

- 91. Power of the Deputy Chairman or other person to perform the duties of the office of, or to act as, Chairman. (1) While the office of Chairman is vacant, or during any period when the Vice-President is acting as, or discharging the functions of, President, the duties of the office shall be performed by the Deputy Chairman, or, if the office of Deputy Chairman is also vacant, by such member of the Council of States as the President may appoint for the purpose.
- (2) During the absence of the Chairman from any sitting of the Council of States the Deputy Chairman, or, if he is also absent, such person as may be determined by the rules of procedure of the Council, or, if no such person is present, such other person as may be determined by the Council, shall act as Chairman.
- 92. The Chairman or the Deputy Chairman not to preside while a resolution for his removal from office is under consideration. (1) At any sitting of the Council of States, while any resolution for the removal of the Vice-President from his office is under consideration, the Chairman, or while any resolution for the removal of the Deputy Chairman from his office is under consideration, the Deputy Chairman, shall not, though he is present, preside, and the provisions of clause (2) of article 91 shall apply in relation to every such sitting as they apply in relation to a sitting from which the Chairman, or, as the case may be, the Deputy Chairman, is absent.
- (2) The Chairman shall have the right to speak in, and otherwise to take part in the proceedings of, the Council of States while any resolution for the removal of the Vice-President from his office is under consideration in the Council, but, notwithstanding anything in article 100, shall not be entitled to vote at all on such resolution or on any other matter during such proceedings.
- 93. The Speaker and Deputy Speaker of the House of the People. The House of the People shall, as soon as may be, choose two members of the House to be respectively Speaker and Deputy Speaker thereof and, so often as the office of Speaker or Deputy Speaker becomes vacant, the House shall choose another member to be Speaker or Deputy Speaker, as the case may be.

- 90. उपसभापतीपद रितंं जावप आनी ताचो राजीनामो दिवप आनी ताचेवेल्यान कडेक काडप- राज्यसभेचो उपसभापती म्हूण पद धारण करपी वांगड्याक -
 - (क) ताचें राज्यसभेचें वांगडीपण सोंपलें जाल्यार आपणालें पद सोडचें पडटलें;
 - (ख) सभापतीक लेखून बरयल्ल्या स्वाक्षरीत लेखावरवीं खंयच्याय वेळार आपणाल्या पदाचो उपसभापतीन राजीनामो दिवं येतां; आनी
 - (ग) राज्यसभेच्या त्यावेळावेल्या सगल्या वांगङ्यांच्या भोवमतान पास जाल्ल्या राज्यसभेच्या थारावावरवीं ताका ताच्या पदावेल्यान कडेक काडूं येता :

परंतु, उपकलम (ग) च्या प्रयोजनाखातीर खंयचीय थाराव मांडपाची उद्देश आसा म्हूण निदान चवदा दिसांची कळोवणी दिलेबगर तो थाराव मांडचे नात.

- 91. उप सभापती अथवा हेर व्यक्ती हांचो सभापतीपदाची कर्तव्यां करपाचो अथवा सभापती म्हूण कार्य करपाचो अधिकार (1) सभापतीचें पद रितें आसा तेन्ना अथवा जेन्ना उपराष्ट्रपती हो राष्ट्रपती म्हूण काम करता आसत अथवा ताची कार्यां करता आसत अशा खंयच्याय कार्यावधींत त्या पदाचीं कर्तव्यां, उपसभापतीक, अथवा उपसभापतीपदूय रितें आसत जाल्यार, राष्ट्रपती त्या प्रयोजनाखातीर जाका नियुक्त करीत अशा राज्यसभेच्या वांगङ्याक करचीं पडटलीं.
- (2) राज्यसभेचे खंयचेय बसकेंत सभापती गैरहाजीर आसता तेन्ना उपसभापती, अथवा तोवूय गैरहाजीर आसल्यार, राज्यसभेच्या कार्यपद्धत नेमावरवीं थारायतले अशी व्यक्ती अथवा अशी खंयचीच व्यक्ती हाजीर नासल्यार, राज्यसभा थारायतली अशी दुसरी खंयचीय व्यक्ती सभापती म्हूण कार्य करतली.
- 92. सभापतीक अथवा उपसभापतीक पदावेल्यान कडेक काडपाचो थाराव विचाराधीन आसता तेन्ना ताणें अध्यक्षस्थान स्वीकारप ना (1) राज्यसभेचे खंयचेय बसकेंत, उप राष्ट्रपतीक ताच्या पदावेल्यान कडेक काडपाचो खंयचोय थाराव विचाराधीन आसता तेन्ना सभापती ह्या नात्यान तो अथवा उपसभापतीक ताच्या पदावेल्यान काडपाचो खंयचोय थाराव विचाराधीन आसता तेन्ना उपसभापती, स्वता हाजीर आसलो तरीय, अध्यक्षस्थान स्वाकारचो ना आनी कलम 91 च्या उपकलम (2) चे उपबंध सभापती, अथवा त्या त्या प्रकरणाप्रमाण, उपसभापती गैर हाजीर आशिल्ले बसकेच्या संबंदांत जशे लागू जातात तशे ते पयलीं सांगिल्ले अशे दरेके बसकेसंबंदांत लागू जातले.
- (2) उपराष्ट्रपतीक ताच्या पदावेल्यान कडेक काडपाचो खंयचोय थाराव राज्यसभेंत विचाराधीन आसा तेन्ना, सभापतीक राज्यसभेंत भाशण करपाचो आनी तिच्या कामकाजांत हेर तरेन भाग घेवपाचो अधिकार आसतलो, पूण कलम 100 त कितेंय आसलें तरी अशें कामकाज चालू आसतना अशा थारावाचेर अथवा हेर खंयचेय गजालीचेर मतदान करपाचो ताका अधिकार आसचो ना.
- 93. लोकसभेचो अध्यक्ष आनी उपाध्यक्ष लोकसभा, जाता तितले बेगीन, सभाघराच्या दोन वांगड्यांक अनुक्रमान आपणालो अध्यक्ष आनी उपध्यक्ष म्हूण वेंचतली आनी अध्यक्षाचें अथवा उपाध्यक्षाचें पद रितें जातलें तेन्ना तेन्ना, तें सभाघर हेर एका वांगड्याक अध्यक्ष अथवा प्रकरणा प्रमाण, उपाध्यक्ष म्हूण वेंचतलें.

- 94. Vacation and resignation of, and removal from, the offices of Speaker and Deputy Speaker. A member holding office as Speaker or Deputy Speaker of the House of the People-
 - (a) Shall vacate his office if he ceases to be a member of the House of the People;
 - (b) May at any time, by writing under his hand addressed, if such member is the Speaker, to the Deputy Speaker, and if such member is the Deputy Speaker, to the Speaker, resign his office; and
 - (c) May be removed from his office by a resolution of the House of the People passed by a majority of all the then members of the House:

Provided that no resolution for the purpose of clause (c) shall be moved unless at least fourteen days' notice has been given of the intention to move the resolution:

Provided further that, whenever the House of the People is dissolved, the Speaker shall not vacate his office until immediately before the first meeting of the House of the People after the dissolution.

- 95. Power of the Deputy Speaker or other person to perform the duties of the office of, or to act as, Speaker. (1) While the office of Speaker is vacant, the duties of the office shall be performed by the Deputy Speaker or, if the office of Deputy Speaker is also vacant, by such member of the House of the People as the President may appoint for the purpose.
- (2) During the absence of the Speaker from any sitting of the House of the People the Deputy Speaker or, if he is also absent, such person as may be determined by the rules of procedure of the House, or, if no such person is present, such other person as may be determined by the House, shall act as Speaker.
- 96. The Speaker or the Deputy Speaker not to preside while a resolution for his removal from office is under consideration. (1) At any sitting of the House of the People, while any resolution for the removal of the Speaker from his office is under consideration, the Speaker, or while any resolution for the removal of the Deputy Speaker from his office is under consideration, the Deputy Speaker, shall not, though he is present, preside, and the provisions of clause (2) of article 95 shall apply in relation to every such sitting as they apply in relation to a sitting from which the Speaker, or, as the case may be, the Deputy Speaker, is absent.
- (2) The Speaker shall have the right to speak in, and otherwise to take part in the proceedings of, the House of the People while any resolution for his removal from office is under consideration in the House and shall, notwithstanding anything in article 100, be entitled to vote only in the first instance on such resolution or on any other matter during such proceedings but not in the case of an equality of votes.
- 97. Salaries and allowances of the Chairman and Deputy Chairman and the Speaker and Deputy Speaker. There shall be paid to the Chairman and the Deputy Chairman of the Council of States, and to the Speaker and the Deputy Speaker of the House of the People, such salaries and allowances as may be respectively fixed by Parliament by law and, until provision in that behalf is so made, such salaries and allowances as are specified in the Second Schedule

- 94. अध्यक्षपद आनी उपाध्यक्षपद रितें जावप अथवा ताचो राजीनामो दिवप आनी ताचेवेल्यान कडेक काडप — लोकसभेचो अध्यक्ष अथवा उपाध्यक्ष म्हूण पद धारण करपी वांगङ्याक -
 - (क) ताचें लोकसभेचें वांगडीपण सोंपलें जाल्यार, आपणालें पद रितें करचें पडटलें;
 - (ख) असो वांगडी हो अध्यक्ष आसल्यार, उपाध्यक्षाक आनी असो वांगडी हो उपाध्यक्ष आसल्यार अध्यक्षाक लेखून बरयल्ल्या स्वाक्षरीत लेखावरवीं खंयच्याय वेळार आपणाल्या पदाचो ताच्यान राजीनामो दिवं येता;
 - (ग) लोकसभेच्या त्या वेळावेल्या सगल्या वांगङ्यांच्या भोवमतान पास जाल्ल्या लोकसभेच्या थारावावरवीं ताच्या पदावेल्यान ताका कडेक काडूं येता :

परंतु, उपकलम (ग) च्या प्रयोजनाखातीर, खंयचोय थाराव मांडपाचो उद्देश आसा अशी निदान चवदा दिसांची कळोवणी दिलेबगर तो थाराव मांडचे नात :

परंतु, आनीक अशें की, लोकसभा विसर्जीत जातली तेन्ना विसर्जना उपरांत जावपा आशिल्ले लोकसभेचे पयले सभेचे निकटपूर्व मेरेनच्या अध्यक्षाक आपणालें पद रितें करूंक मेळचें ना.

- 95. उपाध्यक्ष अथवा हेर व्यक्ती हांचो अध्यक्षपदाचीं कर्तव्यां करपाचो अथवा अध्यक्ष म्हूण कार्य करपाचो अधिकार (1) अध्यक्षाचे पद रितें आसा तेन्ना त्या पदाचीं कर्तव्यां उपाध्यक्षाक अथवा उपाध्यक्षाचें पद रितें आसत जाल्यार, राष्ट्रपती त्या प्रयोजनाखातीर जाका नियुक्त करतलो अशा लोकसभेच्या वांगड्याक करचीं पडटलीं.
- (2) लोकसभेचे खंयचेय बसकेंक अध्यक्ष गैरहाजीर आसत तेन्ना उपाध्यक्ष अथवा, तोवूय गैरहाजीर आसल्यार, लोकसभेचे कार्यपद्धत नेमांवरवीं थारायतले अशी व्यक्ती अथवा अशी खंयचीय व्यक्ती हाजीर नासल्यार, लोकसभा थारायतली अशी हेर कोणूय व्यक्ती अध्यक्ष म्हूण कार्य करतली.
- 96. अध्यक्षाक अथवा उपाध्यक्षाक पदावयल्यान कडेक काडपाचो थाराव विचाराधीन आसा तेन्ना ताणे अध्यक्षस्थान स्वीकारप ना (1) लोकसभेचे खंयचेय बसकेंत, अध्यक्षाक ताच्या पदावेल्यान कडेक काडपाचो खंयचोय थाराव विचाराधीन आसा तेन्ना अध्यक्षाक, अथवा उपाध्यक्षाक ताच्या पदावेल्यान कडेक काडपाचो थाराव विचाराधीन आसा तेन्ना उपाध्यक्ष, स्वता हाजीर आसलो तरीय, अध्यक्षस्थान स्वीकारचो ना, आनी कलम 95 च्या उपकलम (2) चे उपबंध अध्यक्ष, अथवा त्या प्रकरणाप्रमाण, उपाध्यक्ष गैरहाजीर आशिल्ले बसके संबंदांत जशें लागू जातात, तशेंच तें वयर सांगिल्ले अशे दरेके बसकेच्या संबंदांत लागू जातलें.
- (2) अध्यक्षाक ताच्या पदावेल्यान कडेक काडपाचो थाराव लोकसभेंत विचाराधीन आसा तेन्ना, ताका लोकसभेंत भाशण करपाचो आनी तिच्या कामकाजांत अथवा हेर तरेन वांटो घेवपाचो अधिकार आसतलो, आनी कलम 100 त कितेंय आसलें तरी, अशें कामकाज चालू आसता तेन्ना अशा थारावाचेर अथवा हेर खंयचेय गजालीचेर फकत पयलेच फेरयेंत मतदान करपाचो ताका हक्क आसतलो, पूण मतां समसमान जालीं जाल्यार मात ना.
- 97. सभापती आनी उपसभापती तशेंच अध्यक्ष आनी उपाध्यक्ष हांचीं वेतनां आनी भत्त राज्यसभेंचो सभापती तशेंच उपसभापती आनी लोकसभेचो अध्यक्ष तशेंच उपाध्यक्ष हांकां दरेकाक संसद काद्यावरवीं थारायतली अशें पगार आनी भत्ते दितले आनी, तेसंबंदांत हेप्रमाण उपबंध करून जायमेरेन, दुसरे अनुसुचयेंत विनिर्दीश्ट केल्लीं वेतनां आनी भत्ते दितले.

98. Secretariat of Parliament. — (1) Each House of Parliament shall have a separate secretarial staff:

Provided that nothing in this clause shall be construed as preventing the creation of posts common to both Houses of Parliament.

- (2) Parliament may by law regulate the recruitment, and the conditions of service of persons appointed, to the secretarial staff of either House of Parliament.
- (3) Until provision is made by Parliament under clause (2), the President may, after consultation with the Speaker of the House of the People or the Chairman of the Council of States, as the case may be, make rules regulating the recruitment, and the conditions of service of persons appointed, to the secretarial staff of the House of the People or the Council of States, and any rules so made shall have effect subject to the provisions of any law made under the said clause.

Conduct of Business

- **99. Oath or affirmation by members.** Every member of either House of Parliament shall, before taking his seat, make and subscribe before the President, or some person appointed in that behalf by him, an oath or affirmation according to the form set out for the purpose in the Third Schedule.
- 100. Voting in Houses, power of Houses to act notwithstanding vacancies and quorum.—
 (1) Save as otherwise provided in this Constitution, all questions at any sitting of either House or joint sitting of the Houses shall be determined by a majority of votes of the members present and voting, other than the Speaker or person acting as Chairman or Speaker. The Chairman or Speaker, or person acting as such, shall not vote in the first instance, but shall have and exercise a casting vote in the case of an equality of votes.
- (2) Either House of Parliament shall have power to act notwithstanding any vacancy in the membership thereof, and any proceedings in Parliament shall be valid notwithstanding that it is discovered subsequently that some person who was not entitled so to do sat or voted or otherwise took part in the proceedings.
- (3) Until Parliament by law otherwise provides, the quorum to constitute a meeting of either House of Parliament shall be one-tenth of the total number of members of the House.
- (4) If at any time during a meeting of a House there is no quorum, it shall be the duty of the Chairman or Speaker, or person acting as such, either to adjourn the House or to suspend the meeting until there is a quorum.

- 98. संसदेचें सचिवालय (1) संसदेच्या दरेका सभाघराक वेगळो वेगळो सचिवीय कर्मचारीवृन्द आसतलो. परंतु, संसदेच्या दोनाय सभाघांक सामायीक अशा पदांची निर्मणी करपाक ह्या उपकलमांतली खंयचीच गजाल प्रतिबंधक आसा असो तिचो अर्थ लावंचे नात.
- (2) संसदेच्यान कायद्यावरवीं संसदेच्या खंयच्याय सभाघराच्या सचिवीय कर्मचारीवृंदांत करपाची भरती आनी तातूंत नियुक्त केल्ले व्यक्तींच्यो सेवा-अटी हांचें विनियमन करूं येता.
 - (3) उपकलम (2) खाला संसद उपबंध करीमेरेन राष्ट्रपतीच्यान, लोकसभेचो अध्यक्ष अथवा

प्रकरणाप्रमाण, राज्यसभेचो सभापती हांचो विचार घेवन उपरांत, लोकसभेच्या अथवा राज्यसभेच्या सिचवीय कर्मचारी वृंदांत करपाची भरती आनी तातूंत नियुक्त केल्ल्या व्यक्तींच्यो सेवा-अटी हांचे विनियमन करपी नेम करूं येतात, आनी हेप्रमाण केल्ले कसलेय नेम वयल्या उपकलमाखाला केल्ल्या खंयच्याय कायद्याच्या उपबंधाचे अधीनतायेन परिणामक आसतले.

कामकाज चलोवप

- 99. वांगड्यांनी सोपूत घेवप अथवा दृढकथन करप संसदेच्या खंयच्याय सभाघराचो दरेक वांगडी आपणाली सुवात ग्रहण करचेपयलीं राष्ट्रपतीमुखार अथवा ताणे सोपूत अथवा दृढकथन हांच्यां संबंदांत नियुक्त केल्ले खंयचेय व्यक्तीमुखार तिसरे अनुसुचयेंत ह्या प्रयोजनाखातीर दिल्ल्या नमुन्याप्रमाण सोपूत घेवन अथवा दृढकथन करून ताचेखाला स्वाक्षरी करतलो.
- 100. सभाघरांतलें मतदान, सुवात रिती आसतनाय कार्य करपाचो सभाघरांचो अधिकार आनी गणपूर्ती (1) ह्या संविधानांत हेर तरेन उपबंध केला आसत जाल्यार तितलें सोडून हेर गजालींनी, खंयच्याय सभाघरांतले खंयचेय बसकेंतलें अथवा, सभाघरांचे संयुक्त बसकेंतले सगले प्रस्न अध्यक्ष, अथवा सभापती म्हणून अथवा अध्यक्ष म्हणून कार्य करपी व्यक्ती हांचे भायर हेर हाजीर आशिल्ल्या आनी मतदान करपी सदस्याच्या भोवमतान निर्णीत करतले.

सभापती अथवा अध्यक्ष, अथवा त्या नात्यान कार्य करपी व्यक्ती पयले फेरयेंत मतदान करची ना पूण मतां समसमान जाल्यार, तिका निर्णायक मत दिवपाचो अधिकार आसतलो आनी तो अधिकार ती वापरतली.

- (2) संसदेच्या खंयच्याय सभाघराच्या वांगडी कुळांत खंयचीय सुवात रिती आसल्यारूय त्या सभाघराक कार्य करपाचो अधिकार आसतलो आनी संसदेंतलें खंयचेंय कामकाज चलता त्या कामकाजाच्या वेळार थंय सुवातेर बसपाचो अथवा मतदान करपाचो अथवा हेर तरेन वांटो घेवपाचो जिका हक्क नाशिल्लो अशे एखादे व्यक्तीन तशें केलां अशें मागीर कळ्ळें तरीय तें कायदेशीर उरतलें.
- (3) संसद, कायद्यावरवीं हेरतरेचो उपबंध करीसर, संसदेच्या दोनांय भितरत्या खंयच्याय सभाघराची सभा जावपाखातीर लागपी गणसंख्या ही त्या सभाघराचे एकंदर वांगडी संख्येचो एक-दशांश इतलीं आसतली.
- (4) एखाद्या सभाघराची सभा चालू आसतना एखाद्या वेळार गणपूर्ती जाल्ली नासत जाल्यार, सभा तहकूब करप अथवा गणपूर्ती जायसर सभा स्थगीत करप हें सभापतीचें अथवा अध्यक्षाचें अथवा त्या नात्यान कार्य करपी व्यक्तीचे कर्तव्य आसतलें.

Disqualifications of members

- **101. Vacation of seats.** (1) No person shall be a member of both Houses of Parliament and provision shall be made by Parliament by law for the vacation by a person who is chosen a member of both Houses of his seat in one House or the other.
- (2) No person shall be a member both of Parliament and of a House of the Legislature of a State ¹⁹* * *, and if a person is chosen a member both of Parliament and of a House of the Legislature of ²⁰[a State], then, at the expiration of such period as may be specified in rules ²¹made by the President, that person's seat in Parliament shall become vacant, unless he has previously resigned his seat in the Legislature of the State.
 - (3) If a member of either House of Parliament-
 - (a) Becomes subject to any of the disqualifications mentioned in ²²[clause (1) or clause (2) of article 102], or ²³[* * *]
 - (b) Resigns his seat by writing under his hand addressed to the Chairman or the Speaker, as the case may be, and his resignation is accepted by the Chairman or the Speaker, as the case may be,] his seat shall thereupon become vacant:
 - ²⁴[Provided that in the case of any resignation referred to in sub-clause (b), if from information received or otherwise and after making such inquiry as he thinks fit, the Chairman or the Speaker, as the case may be, is satisfied that such resignation is not voluntary or genuine, he shall not accept such resignation.]
- (4) If for a period of sixty days a member of either House of Parliament is without permission of the House absent from all meetings thereof, the House may declare his seat vacant: Provided that in computing the said period of sixty days no account shall be taken of any period during which the House is prorogued or is adjourned for more than four consecutive days.
- **102.** Disqualifications for membership. (1) A person shall be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament-
 - (a) If he holds any office of profit under the Government of India or the Government of any State, other than an office declared by Parliament by law not to disqualify its holder;
 - (b) If he is of unsound mind and stands so declared by a competent court;
 - (c) If he is an undischarged insolvent;
 - (d) If he is not a citizen of India or has voluntarily acquired the citizenship of a foreign State, or is under any acknowledgment of allegiance or adherence to a foreign State;
 - (e) If he is so disqualified by or under any law made by Parliament.

वांगङ्यांच्यो अपात्रतायो

- **101**. **सुवातो रित्यो करप** (1) खंयचीच व्यक्ती संसदेच्या दोनाय सभाघरांची वांगडी आसची ना आनी जी व्यक्ती दोनाय सभाघरांचो वांगडी म्हूण वेंचिल्ली आसत जाल्यार तिणे दोनांमदल्या खंयच्याय एका सभाघरांतली तिची सुवात रिती करची हेखातीर संसदेकडल्यान कायद्यावरवीं उपबंध करतले.
- (2) खंयचीय व्यक्ती संसद आनी ¹⁹ * * * राज्याच्या विधानमंडळाचें सभाघर ह्या दोनांयचो वांगडी आसची ना आनी एखादी व्यक्ती संसद आनी ²⁰[एखाद्या राज्याच्या] विधानमंडळाचें सभाघर ह्या दोनांयचो वांगडी म्हूण वेंचून आयली जाल्यार राष्ट्रपतीन केल्ल्या ²¹नेमांत विनिर्दीश्ट करतले असो कार्यावधी सोपतकच, तिची संसदेंतली सुवात रिती जातली, मात तिणे हेपयलीं त्या राज्याच्या विधानमंडळांतले आपणाले सुवातेचो राजीनामो दिल्लो आसल्यार गजाल वेगळी.
 - (3) संसदेच्या खंयच्याय सभाघराचो वागडी -
 - (क) ²²[कलम 102 चें उपकलम (1) अथवा उपकलम (2)] हातूंत उल्लेखिल्ले मदले खंयचेय अपात्रतायेक पात्र आसा जायत जाल्यार, अथवा
- ²³[(ख) सभापतीक अथवा प्रकरणाप्रमाण, अध्यक्षाक लेखून बरयल्ल्या स्वाक्षरीत लेखावरवीं आपणाले सुवातेचो राजीनामो दितलो आनी सभापती अथवा, प्रकरणाप्रमाण अध्यक्ष ताचो राजीनीमो स्वीकारीत

जाल्यार ताचे उपरांत ताची सुवात रिती जातली.

- ²⁴[परंतु, उप-उपकलम (ख) हातूंत निर्देशिल्ल्या खंयच्याय राजीनाम्याच्या संदर्भांत मेळिल्ले माहितेवेल्यान अथवा हेर कारणान, आनी स्वताक योग्य दिसत अशी चवकशी केलेउपरांत जर, असो राजीनामो स्वेच्छेन अथवा प्रामाणिकपणान दिल्लो ना अशी सभापतीची अथवा, प्रकरणाप्रमाण, अध्यक्षाची खात्री जाली जाल्यार, तो असो राजीनामो स्वीकारचो ना.]
- (4) संसदेच्या खंयच्याय सभाघराचो वांगडी सभाघराचे अनुज्ञबगर साठ दिसाच्या कालावधीभितर त्या सभाघराच्या सगल्या सभाक गैरहाजीर रावलो जाल्यार, सभाघराच्यान ताची सुवात रिती म्हूण घोशीत करूं येता :

परंतु, साठ दिसांचो वयलो कालावधी मेजतना जेन्ना सभाघराची समाप्ती जाल्ली आसतली अथवा फाटोफाट चार दिसांपरस चड काळ तें तहकूब आसत असो खंयचोय कालावधी हिशोबाक धरचे नात.

- **102**. वांगडीपणा संदर्भात अपात्रतायो (1) एखादी व्यक्ती संसदेच्या खंयच्याय सभाघराचो वांगडी म्हूण वेंचून येवपाक आनी तसो वांगडी म्हूण रावपाक फुडल्या कारणाक लागून अपात्र जातली, ती अशी -
 - (क) जें लाभपद ताच्या धारकाक अपात्र करपी ना अशें संसदेन कायद्यावरवीं घोशीत केल्लें आसा ताचेपरस हेर अशें, भारत सरकाराच्या अथवा खंयच्याय राज्य शासनाच्या अखत्यारेखालचे कसलेंय लाभपद तिणे धारण केलां आसत जाल्यार :
 - (ख) ती मनोविकल आसत आनी सक्षम न्यायालयाकडल्यान तशी घोशीत जाल्ली आसत जाल्यार;
 - (ग) ती अविमुक्त दिवाळखोर व्यक्ती आसत जाल्यार;
 - (घ) ती भारताचो नागरीक नासत अथवा तिणे आपखोशयेन परकी देशाचें नागरिकत्व मेळयलां आसत अथवा ती परकी देशाक निश्ठा अथवा इमान दिवपाक खंयचेय कबलातीवरवीं बांदिल्ली आसत जाल्यार;
 - (ङ) ती संसदेन केल्ल्या खंयच्याय कायद्यावरवीं अथवा ताचेखाला हेप्रमाण अपात्र जाल्ली आसल्यार.

- ²⁵[Explanation. For the purposes of this clause] a person shall not be deemed to hold an office of profit under the Government of India or the Government of any State by reason only that he is a Minister either for the Union or for such State. ²⁶[* * *]
- (2) A person shall be disqualified for being a member of either House of Parliament if he is so disqualified under the Tenth Schedule.]
- ²⁷[103. Decision on questions as to disqualifications of members. (1) If any question arises as to whether a member of either House of Parliament has become subject to any of the disqualifications mentioned in clause (1) of article 102, the question shall be referred for the decision of the President and his decision shall be final.
- (2) Before giving any decision on any such question, the President shall obtain the opinion of the Election Commission and shall act according to such opinion.]
- 104. Penalty for sitting and voting before making oath or affirmation under article 99 or when not qualified or when disqualified. If a person sits or votes as a member of either House of Parliament before he has complied with the requirements of article 99, or when he knows that he is not qualified or that he is disqualified for membership thereof, or that he is prohibited from so doing by the provisions of any law made by Parliament, he shall be liable in respect of each day on which he so sits or votes to a penalty of five hundred rupees to be recovered as a debt due to the Union.

Power, Privileges and Immunities of Parliament and its Members

- 105. Powers, privileges, etc., of the Houses of Parliament and of the members and committees thereof. (1) Subject to the provisions of this Constitution and to the rules and standing orders regulating the procedure of Parliament, there shall be freedom of speech in Parliament.
- (2) No member of Parliament shall be liable to any proceedings in any court in respect of anything said or any vote given by him in Parliament or any committee thereof, and no person shall be so liable in respect of the publication by or under the authority of either House of Parliament of any report, paper, votes or proceedings.
- (3) In other respects, the powers, privileges and immunities of each House of Parliament, and of the members and the committees of each House, shall be such as may from time to time be defined by Parliament by law, and, until so defined, ²⁸[shall be those of that House and of its members and committees immediately before the coming into force of section 15 of the Constitution (Forty-fourth Amendment) Act, 1978].
 - (4) The provisions of clauses (1), (2) and (3) shall apply in relation to persons who by virtue of this

- ²⁵[स्पष्टीकरण ह्या कलमाच्या प्रयोजनाखातीरट एखादी व्यक्ती संघाचो अथवा खंयच्याय राज्याचो मंत्री आसा इतल्याच कारणान, ती भारत सरकाराचो अथवा अंशा राज्यशासनाचे अखत्यारेखाला लाभपद धारण करता अशें मानचे नात.
 - ²⁶[(2) धावे अनुसुचयेचे अधीनतायेन अशे तरेन संसदेचो वांगडी जावपाक अपात्र जाल्ली आसत जाल्यार.]
- ²⁷[103. वांगड्यांच्या अपात्रतायांसंबंदींच्या प्रस्नांवेलो निर्णय (1) संसदेच्या खंयच्याय सभाघराचो एखादो वांगडी कलम 102, उपकलम (1) हातूंत नमूद केल्ले भितरले खंयचेय अपात्रतायेक पात्र जाला काय किदें ह्या प्रस्नासंबंदांत किदेंय वाद उप्रासल्यार तो प्रस्न राष्ट्रपतीकडेन ताच्या निर्णयाखातीर निर्देशीत करतले आनी ताचो निर्णय निमणो आसतलो.
- (2) अशा कसल्याय प्रस्नाचेर किदेंय निर्णय दिवंचेपयलीं, राष्ट्रपती वेंचणूक आयोगाचें मत घेतलो आनी अशा मताप्रमाण कार्य करतलो.]
- 104. कलम 99 खाला सोपूत घेंवचेपयलीं अथवा दृढकथन करचेपयलीं अथवा पात्र नासतनाय अथवा अपात्र आसतनाय सुवातेर बसपासंबंदीं आनी मतदान करपासंबंदी दंड जर एखादे व्यक्तीन, कलम 99 च्या गरजांक पाळो दिवंचेपयलीं अथवा संसदेच्या खंयच्याय सभाघराच्या वांगडीपणाक आपूण पात्र ना अथवा अपात्र आसां, अथवा संसदेन केल्ल्या खंयच्याय कायद्याच्या उपबंधाप्रमाण त्या सभाघराचो वांगडी म्हूण ते सुवातेर बसपाची अथवा मतदान करपाची आपणाक बंदी आसा हें खबर आसुनूय ताणे तशें केलें जाल्यार ज्या ज्या दिसा ती व्यक्ती ते सुवातेर बिशल्ली आसत अथवा तिणे मतदान केल्लें आसत त्या दरेका दिसाखातीर पांचशीं रूपया इतल्या दंडाक ती पात्र जातली आनी तो दंड संघाक येणे आशिल्लें रीण म्हूण वसूल करतले.

संसद आनी तिच्या वांगड्यांचे अधिकार आनी उन्मुक्त्यो

- **105. संसदेची सभाघरां आनी तांचे वांगडी आनी समिते हांचे अधिकार, विशेशाधिकार, इत्यादी** (1) ह्या संविधानाचे उपबंध आनी संसदेचे कार्यपद्धतीचें विनियमन करपी नेम आनी स्थायी आदेश हांचे अधीनतायेन, संसदेंत भाशण स्वातंत्र्य आसतलें.
- (2) संसदेचो खंयचोय वांगडी, संसदेंत अथवा तिचे खंयचेय सिमतेंत ताणे केल्ल्या खंयच्याच वक्तव्याचें अथवा ताणे केल्ल्या खंयच्याय मतदानांचे बाबतींत, खंयच्याच न्यायालयांत कसलेच कारवायेक पात्र जावचो ना आनी खंयचीय व्यक्ती संसदेच्या खंयच्याय सभाघराच्या प्राधिकारावरवीं अथवा तेखाला उजवाडा अयिल्लो खंयचोच अहवाल, कागदपत्रां, मतदान अथवा कामकाजवृत हांचे उजवाडावणे संबंदांत हे प्रमाण पात्र जावंचो ना.
- (3) हेर संबंदांत, संसदेचें दरेक सभाघर आनी दरेक सभाघराचे वांगडी आनी समित्यो हांचे अधिकार, विशेशाधिकार आनी उन्मुक्त्यो ह्यो संसद, कायद्यावरवीं अदीमंदीं निश्चीत करतली ते प्रमाण आसतल्यो आनी तेप्रमाण त्यो निश्चीत जायसर ²⁸[त्या सभाघराक आनी ताच्या वांगड्यांक आनी समित्यांक 'संविधान (चोवेचाळीसावो बदल) अधिनियम 1978' हार्चों अनुभाग 15 लागू जावपाचे निकटपूर्व जशो आशिल्ल्यो तशो आसतल्यो.]
- (4) उपकलम (1), (2) आनी (3) हांचे उपबंध जशे संसदेच्या वांगड्यांच्या संबंदांत लागू आसात तशे ते, ह्या संविधानाच्या आधारान संसदेच्या खंयच्याय सभाघरांत अथवा ते खंयचेय समितेंत भाशण करपाचो

Constitution have the right to speak in, and otherwise to take part in the proceedings of, a House of Parliament or any committee thereof as they apply in relation to members of Parliament.

106. Salaries and allowances of members. — Members of either House of Parliament shall be entitled to receive such salaries and allowances as may from time to time be determined by Parliament by law and, until provision in that respect is so made, allowances at such rates and upon such conditions as were immediately before the commencement of this Constitution applicable in the case of members of the Constituent Assembly of the Dominion of India

Leislative Procedure

- **107. Provisions as to introduction and passing of Bills.** (1) Subject to the provisions of articles 109 and 117 with respect to Money Bills and other financial Bills, a Bill may originate in either House of Parliament.
- (2) Subject to the provisions of articles 108 and 109, a Bill shall not be deemed to have been passed by the Houses of Parliament unless it has been agreed to by both Houses, either without amendment or with such amendments only as are agreed to by both Houses.
 - (3) A Bill pending in Parliament shall not lapse by reason of the prorogation of the Houses.
- (4) A Bill pending in the Council of States which has not been passed by the House of the People shall not lapse on a dissolution of the House of the People.
- (5) A Bill which is pending in the House of the People, or which having been passed by the House of the People is pending in the Council of States, shall, subject to the provisions of article 108, lapse on a dissolution of the House of the People.
- **108. Joint sitting of both Houses in certain cases.** (1) If after a Bill has been passed by one House and transmitted to the other House-
 - (a) The Bill is rejected by the other House; or
 - (b) The Houses have finally disagreed as to the amendments to be made in the Bill; or
 - (c) More than six months elapse from the date of the reception of the Bill by the other House without the Bill being passed by it, the President may, unless the Bill has elapsed by reason of a dissolution of the House of the People, notify to the Houses by message if they are sitting or by public notification if they are not sitting, his intention to summon them to meet in a joint sitting for the purpose of deliberating and voting on the Bill: Provided that nothing in this clause shall apply to a Money Bill.
- (2) In reckoning any such period of six months as is referred to in clause (1), no account shall be taken of any period during which the House referred to in sub-clause (c) of that clause is prorogued or adjourned for more than four consecutive days.

अथवा हेरतरेन तिच्या कामकाजांत वांटो घेवपाचो अधिकार आशिल्ल्या व्यक्तींच्या संबंदांत लागू आसतले.

106. वांगड्यांचीं वेतनां आनी भत्ते — संसदेच्या खंयच्याय सभाघराचे वांगडी हे संसद, कायद्यावरवीं अदींमदीं थारायतली अशीं वेतनां आनी भत्ते मेळपाक आनी, तेसंबंदांत हेप्रमाण उपबंध जायसर, ह्या संविधानाच्या आरंभाच्या निकटपूर्वेच्या भारतीय अधिराज्याचे संविधानसभेच्या संबंदांत लागू आशिल्ल्या अशा दरांनी आनी अशें अटींचेर भत्ते मेळपाक हक्कदार आसतले.

वैधानीक कार्यपद्धत

- **107. विधेयकां मांडप आनी पास करप हेसंबंदीं उपबंध** (1) अर्थ विधेयकां आनी हेर वित्तीय विधेयकां हांचे संबंदांत कलम 109 आनी कलम 117 हातूंत आशिल्ल्या उपबंधांचे अधीनतायेन, संसदेच्या खंयच्याय सभाघरांत विधेयकाचो आरंभ जावं येता.
- (2) कलम 108 आनी 109 च्या उपबंधांचें अधीनतायेन संसदेच्या समाघरांनी एखादें विधेयक बदला बगर अथवा दोनाय सभाघरांनीं संमत जाल्ले आसत अशाच बदलांसयत संमत केलेबगर दोनाय सभाघरांनी तें पास केल्लें आसा अशें मानचे नात.
 - (3) संसदेंत प्रलंबीत आशिल्लें विधेयक सभाघरांची सत्रसमाप्ती जाल्ले कारणान खळीत जांवंचे ना.
- (4) राज्यसंभेंत प्रलंबीत आशिल्लें जें विधेयक लोकसभेन पास केल्लें नासत तें विधेयक लोकसभेचें विसर्जन जाल्लें आसल्यार खळीत जावंचें ना.
- (5) जें विधेयक लोकसभेंत प्रलंबीत आसत, अथवा लोकसभेकडल्यान पास जावन राज्यसभेंत प्रलंबीत आसत तें विधेयक लोकसभेचें विसर्जन जाल्लें आसल्यार, कलम 108 च्या उपबंधाचे अधीनतायेन, खळीत जातलें.
- 108. थोड्या प्रकरणांनी दोनाय सभाघरांची संयुक्त बसका (1) जर एखादें विधेयक एका सभाघरान पास करून दुसऱ्या सभाघराकडेन धाडले उपरांत -
 - (क) तें विधेयक द्सऱ्या सभाघरान मानून घेतलेंना जाल्यार; अथवा.
 - (ख) विधेयकांत करपाच्या बदलासंबंदीं दोनाय सभाघरांचो अखेरेक मतभेद जालो जाल्यार; अथवा
- (ग) दुसऱ्या सभाघराक विधेयक मेळिल्ल्याचे तारखेसावन तें विधेयक ताचेकडल्यान पास जायनासतना उरून स म्हयन्यापरस चंड अवधी गेला आसल्यार:

विधेयकाचेर विचार-विमर्श करपाखातीर आनी ताचेर मतदान करपाखातीर एक संयुक्त बसका घेवपाक सभाघरांक अभिनिमंत्रीत करपाचो आपणालो उद्देश राष्ट्रपतीच्यान सभाघरांची बसका चालू नासल्यार जाहीर अधिसुचोवणेवरवीं तांकां अधिसुचीत करूं येता; मात लोकसभेचें विसर्जन जाल्ले कारणान विधेयक व्यपगत जालें जाल्यार गजाल वेगळी:

परंतु, ह्या उपकलमांतली खंयचीच गजाल अर्थ विधेयकाक लागू आसची ना.

(2) उपकलम (1) हातूंत निर्देशिल्लो असो स म्हयन्यांचे कालावधी मेजतना तातूंत, ज्या कालावधींत त्या उपकलमाच्या उप-उपकलम (क) त निर्देशिल्ल्या सभाघराची सत्रसमाप्ती जाल्ली आसत अथवा फाटोफाट चारांपरस चड दीस तें तहकूब जाल्लें आसत असो खंयचोच कालावधी हिशोबाक धरचे नात.

- (3) Where the President has under clause (1) notified his intention of summoning the Houses to meet in a joint sitting, neither House shall proceed further with the Bill, but the President may at any time after the date of his notification summon the Houses to meet in a joint sitting for the purpose specified in the notification and, if he does so, the Houses shall meet accordingly.
- (4) If at the joint sitting of the two Houses the Bill, with such amendments, if any, as are agreed to in joint sitting, is passed by a majority of the total number of members of both Houses present and voting, it shall be deemed for the purposes of this Constitution to have been passed by both Houses:

Provided that at a joint sitting-

- (a) If the Bill, having been passed by one House, has not been passed by the other House with amendments and returned to the House in which it originated, no amendment shall be proposed to the Bill other than such amendments (if any) as are made necessary by the delay in the passage of the Bill;
- (b) If the Bill has been so passed and returned, only such amendments as aforesaid shall be proposed to the Bill and such other amendments as are relevant to the matters with respect to which the Houses have not agreed; and the decision of the person presiding as to the amendments which are admissible under this clause shall be final.
- (5) A joint sitting may be held under this article and a Bill passed thereat, notwithstanding that a dissolution of the House of the People has intervened since the President notified his intention to summon the Houses to meet therein.
- **109. Special procedure in respect of Money Bills.** (1) A Money Bill shall not be introduced in the Council of States.
- (2) After a Money Bill has been passed by the House of the People it shall be transmitted to the Council of States for its recommendations and the Council of States shall within a period of fourteen days from the date of its receipt of the Bill return the Bill to the House of the People with its recommendations and the House of the People may thereupon either accept or reject all or any of the recommendations of the Council of States.
- (3) If the House of the People accepts any of the recommendations of the Council of States, the Money Bill shall be deemed to have been passed by both Houses with the amendments recommended by the Council of States and accepted by the House of the People.
- (4) If the House of the People does not accept any of the recommendations of the Council of States, the Money Bill shall be deemed to have been passed by both Houses in the form in which it was passed by the House of the People without any of the amendments recommended by the Council of States.
- (5) If a Money Bill passed by the House of the People and transmitted to the Council of States for its recommendations is not returned to the House of the People within the said period of fourteen days, it shall be deemed to have been passed by both Houses at the expiration of the said period in the form in which it was passed by the House of the People.

- (3) राष्ट्रपतीन उपकलम (1) खाला सभाघरांक संयुक्त बसका घेवपाक अभिनिमंत्रीत करपाचो आपणालो उद्देश अधिसुचीत केला आसत जाल्यार खंयचेंच सभाघर त्या विधेयकाचें कामकाज फुडें चलोवंचें ना, पूण राष्ट्रपतीच्यान, ताणे अधिसुचीत केल्ल्याचे तारकेउपरांत केन्नाय ताणे तातूंत विनिर्दीश्ट केल्ल्या प्रयोजनाखातीर संयुक्त बसका घेवपाखातीर अभिनिमंत्रीत करूं येता आनी ताणे हेप्रमाण केल्यार सभाघरां तेप्रमाण बसका घेतलीं.
- (4) ह्या दोन सभाघरांचे संयुक्त बसकेंत संमत जाल्लीं आसतलीं अशीं थोडीं विधेयकां, बदल जावपाचो आसल्यार तांचेसयत तें विधेयक दोनाय सभाघरांच्या हाजीर आशिल्ल्या आनी मतदान करपी वांगड्यांचे एकंदर संख्येच्या भोवमतान पास जालें जाल्यार ह्या संविधानाच्या प्रयोजनाखातीर तें दोनाय सभाघरांनी पास केलें अशें मानतले:

परंतु, संयुक्त बसकेंत -

- (क) तें विधेयक एका सभाघराकडल्यान पास जाल्लें आसा आनी दुसऱ्या सभाघराकडल्यान बदलासयत पास जाल्लें नासत आनी जंय ताची पयली सुरवात जाली त्या सभाघराकडेन परत धाडूंक नाशिल्ले आसत जाल्यार, विधेयक पास जावपाखातीर जाल्ल्या कळावाक लागून विधेयकांत जे बदल करप गरजेचें जालें आसत अशे थोडे बदल आसल्यार ताचेपरस वेगळे कसलेच बदल विधेयकांत प्रस्तावीत करचे नात;
- (ख) जर हेप्रमाण तें विधेयक पास जावन परत धाडले जाल्यार, विधेयकाक पूर्वोक्त अशें बदल आनी जांचेसंबंदांत मतैक्य जाल्लें नासत अशा गजालीकडेन सुसंगत अशे हेर बदल प्रस्तावीत करतले; आनी ह्या उपकलमाखाला खंयचे बदल ग्राह्य आसात तेसंबंदीं, यजमानपदार आशिल्ले व्यक्तीचो निर्णय निमणो आसतलो.
- (5) संयुक्त बसका घेवंचेखातीर सभाघरांक अभिनिमंत्रीत करपाचो आपणालो उद्देश राष्ट्रपतीन अधिसुचीत केलेउपरांत, मदल्या काळांत लोकसभेचें विसर्जन जाल्ले आसल्यारूय, ह्या कलमाखाला संयुक्त बसका घेवं येता आनी तातूंत विधेयक पास करूं येता.

109. अर्थ विधेयकासंबंदीं खाशेली कार्यपद्धत — (1) अर्थ विधेयक राज्यसभेंत मांडचे नात.

- (2) लोकसभेन अर्थ विधेयक पास केलेउपरांत, तें राज्यसभेकडेन तिचे शिफारसीखातीर धाडटले, आनी तें विधेयक मेळिल्ल्याचे तारकेसावन चवदा दिसांच्या कालावधीभितर राज्यसभा आपणाल्या शिफारसींसयत तें कडेक परतें धाडटली आनी लोकसभेच्यान राज्यसभेच्यो सगल्यो अथवा तांचेमदल्यो खंयच्योय शिफारसी स्वीकारूं येतात अथवा अमान्य करूं येतात.
- (3) लोकसभेन राज्यसभेच्या शिफारसींमदल्यो खंयच्योय शिफारसी स्वीकारल्यो जाल्यार, अर्थ विधेयक राज्यसभेन शिफारस केल्ल्या आनी लोकसभेन स्वीकारिल्ल्या बदलांसयत दोनाय सभाघरांनी पास केलें अशें मानतले.
- (4) लोकसभेन, राज्यसभेन केल्ल्या कसल्याय शिफारसीं मदल्यो खंयच्योय शिफारसी मान्य केल्यो नात जाल्यार, अर्थ विधेयक लोकसभेन जशें पास केल्लें तशा रूपांत, राज्यसभेन शिफारस केल्ल्यामदल्या कसल्याच बदलाबगर तें दोनाय सभाघरांनी पास केलां अशें मानतलें.
- (5) जर लोकसभेन पास केल्लें आनी राज्यसभेकडेन तिचे शिफारसींखातीर धाडिल्लें अर्थ विधेयक वयर सांगल्यात त्या चवदा दिसांच्या कालावधीभितर लोकसभेकडेन परत धाडलें ना जाल्यार, वयर सांगला तो कालावधी सोंपलेउपरांत तें लोकसभेन जशें पास केल्लें तशा रूपांत दोनाय सभाघरांनी पास केलें अशें मानतले.

- **110. Definition of "Money Bills".** (1) For the purposes of this Chapter, a Bill shall be deemed to be a Money Bill if it contains only provisions dealing with all or any of the following matters, namely:
 - (a) The imposition, abolition, remission, alteration or regulation of any tax;
 - (b) The regulation of the borrowing of money or the giving of any guarantee by the Government of India, or the amendment of the law with respect to any financial obligations undertaken or to be undertaken by the Government of India;
 - (c) The custody of the Consolidated Fund or the Contingency Fund of India, the payment of moneys into or the withdrawal of moneys from any such Fund;
 - (d) The appropriation of moneys out of the Consolidated Fund of India;
 - (e) The declaring of any expenditure to be expenditure charged on the Consolidated Fund of India or the increasing of the amount of any such expenditure;
 - (f) The receipt of money on account of the Consolidated Fund of India or the public account of India or the custody or issue of such money or the audit of the accounts of the Union or of a State; or
 - (g) Any matter incidental to any of the matters specified in sub-clauses (a) to (f).
- (2) A Bill shall not be deemed to be a Money Bill by reason only that it provides for the imposition of fines or other pecuniary penalties, or for the demand or payment of fees for licences or fees for services rendered, or by reason that it provides for the imposition, abolition, remission, alteration or regulation of any tax by any local authority or body for local purposes.
- (3) If any question arises whether a Bill is a Money Bill or not, the decision of the Speaker of the House of the People thereon shall be final.
- (4) There shall be endorsed on every Money Bill when it is transmitted to the Council of States under article 109, and when it is presented to the President for assent under article 111, the certificate of the Speaker of the House of the People signed by him that it is a Money Bill.
- **111. Assent to Bills.** When a Bill has been passed by the Houses of Parliament, it shall be presented to the President, and the President shall declare either that he assents to the Bill, or that he withholds assent therefrom:

Provided that the President may, as soon as possible after the presentation to him-of a Bill for assent, return the Bill if it is not a Money Bill to the Houses with a message requesting that they will reconsider the Bill or any specified provisions thereof and, in particular, will consider the desirability of introducing any such amendments as he may recommend in his message, and when a Bill is so returned, the Houses shall reconsider the Bill accordingly, and if the Bill is passed again by the Houses with or without amendment and presented to the President for assent, the President shall not withhold assent therefrom.

- 110. 'अर्थ विधेयकां' हांची व्याख्या (1) ह्या प्रकरणाच्या प्रयोजनाखातीर, एखाद्या विधेयकांत फकत फुडल्यो सगल्यो गजाली अथवा तातूंतल्या खंयच्याय गजालीकडेन संबंदीत आशिल्ले उपबंध आस्पावीत आसले जाल्यार, तें अर्थ विधेयक आसा अशें मानतले, त्यो गजाली अश्यो :-
 - (क) खंयचीय कर बसोवप, तो रद्द करप, तो माफ करप, तातूंत फेरबदल करप अथवा ताचें विनियमन करप;
- (ख) भारत सरकारान दुडू उश्णो घेवप अथवा कसलीय हमी दिवप हांचें विनियमन; अथवा भारत सरकारान पत्करिल्ले अथवा पत्करपाचे कसलेय वित्तीय लागणुकेसंबंदींच्या कायद्यांतलो बदल;
- (ग) भारताचो एकवटीत निधी अथवा आकस्मिकताय निधी हांची अभिरक्षा करप, अशा खंयच्याय निधींत दुडवांचो भरणो करप अथवा तातूंतल्यान दुडू काडप;
 - (घ) भारताच्या एकवटीत निधींतल्या दुडवांचें विनियोजन;
- (ङ) खंयचोय खर्च भारताच्या एकवटीत निधीचेर प्रभारीत आशिल्लो खर्च म्हूण घोशीत करप, अथवा अशा कसल्याय खर्चाची रक्कम वाढोवप;
- (च) भारताच्या एकवटीत निधीच्या अथवा भारताच्या लोकलेख्याच्या खात्यांत दुडवांची प्राप्ती अथवा अशा दुडवांची अभिरक्षा अथवा निर्गमन अथवा संघाची अथवा एखाद्या राज्याची लेखापरीक्षा; अथवा
- (छ) उप-उपकलम (क) ते (च) हातूंत विनिर्दीष्ट केल्ल्यांमदले खंयचेय गजालीक अनुषंगीक आशिल्ली खंयचीय गजाल.
- (2) एखादें विधेयक हें फकत द्रव्यदंड अथवा हेर अर्थीक दंड लावपाखातीर अथवा परवानो शुल्काची अथवा दिल्ले सेवेखातीर शुल्काची मागणी अथवा भरणो करपाखातीर उपबंध करता इतल्याच कारणावेल्यान, अथवा खंयच्याय थळाव्या प्राधिकरणान अथवा निकायान थळाव्या प्रयोजनाखातीर खंयचोय कर लावप, तो रद्द करप, तो माफ करप, तातूंत फेरबदल करप, अथवा ताचें विनियमन करप हाचे खातीर उपबंध करता इतल्याच कारणावेल्यांन तें अर्थ विधेयक आसा अशें मानचे नात.
- (3) एखादें विधेयक अर्थ विधेयक आसा काय ना असो प्रस्न उप्रासल्यार, लोकसभेच्या अध्यक्षाचो ताचेवेलो निर्णय निमणो आसतलो.
- (4) दरेक अर्थ विधेयक कलम 109 खाला राज्यसभेकडेन धाडटले तेन्ना, आनी कलम 111 खाला राष्ट्रपतीक ताचे अनुमतेखातीर दितले तेन्ना, तें अर्थ विधेयक आसा अर्शे लोकसभेच्या अध्यक्षाचे स्वाक्षरेचें प्रमाणपत्र ताचेर पृश्ठांकीत केल्लें आसतलें.
- 111. विधेयकांक अनुमती संसदेच्या सभाघरांकडल्यान विधेयक पास जाल्लें आसतलें तेन्ना, तें राष्ट्रपतीमुखार दवरतले आनी राष्ट्रपती एकतर आपूण त्या विधेयकांक अनुमती दितां अशें घोशीत करतलो अथवा ताचेपासून अनुमती आडावन धरतां अशें घोशीत करतलो :

परंतु, विधेयक राष्ट्रपतीमुखार अनुमतेखातीर दवरले उपरांत, तें अर्थ विधेयक नासल्यार, जाता तितले बेगीन, ताच्यान तें विधेयक सभाघरांकडेन संदेशासयत परत धाडून दिवन अशी विनंती करूं येता की, ताणी त्या विधेयकाचो अथवा तातूंतल्या खंयच्याय विनिर्दीष्ट उपबंधांचो फेरविचार करचो आनी विशेशतायेन,

तो आपणाल्या संदेशांत जांची शिफारस करतलो अशे कसलेय बदल प्रस्तुत करपाचे इश्टतायेचो विचार करचो, आनी विधेयक हेप्रमाण परतें धाडटले तेन्ना, सभाघरां त्या विधेयकाचेर तेप्रमाण फेरविचार करतलीं, आनी जर तें विधेयक सभाघरांनी बदलासयत अथवा ताचेबगर परतेंय पास केलां आनी राष्ट्रपतीमुखार अनुमतेखातीर दवरलां अशें जाल्यार, राष्ट्रपती अनुमती आडावन दवरचो ना.

Procedure in Financial Matters

- **112. Annual financial statement.** (1) The President shall in respect of every financial year cause to be laid before both the Houses of Parliament a statement of the estimated receipts and expenditure of the Government of India for that year, in this Part referred to as the "annual financial statement".
- (2) The estimates of expenditure embodied in the annual financial statement shall show separately-
 - (a) The sums required to meet expenditure described by this Constitution as expenditure charged upon the Consolidated Fund of India; and
 - (b) The sums required to meet other expenditure proposed to be made from the Consolidated Fund of India, and shall distinguish expenditure on revenue account from other expenditure.
 - (3) The following expenditure shall be expenditure charged on the Consolidated Fund of India-
 - (a) The emoluments and allowances of the President and other expenditure relating to his office:
 - (b) The salaries and allowances of the Chairman and the Deputy Chairman of the Council of States and the Speaker and the Deputy Speaker of the House of the People;
 - (c) Debt charges for which the Government of India is liable including interest, sinking fund charges and redemption charges, and other expenditure relating to the raising of loans and the service and redemption of debt;
 - (d) (i) The salaries, allowances and pensions payable to or in respect of Judges of the Supreme Court;
 - (ii) The pensions payable to or in respect of Judges of the Federal Court;
 - (iii) The pensions payable to or in respect of Judges of any High Court which exercises jurisdiction in relation to any area included in the territory of India or which at any time before the commencement of this Constitution exercised jurisdiction in relation to any area included in ²⁹[a Governor's Province of the Dominion of India];
 - (e) The salary, allowances and pension payable to or in respect of the Comptroller and Auditor-General of India;
 - (f) Any sums required to satisfy any judgment, decree or award of any court or arbitral tribunal;
 - (g) Any other expenditure declared by this Constitution or by Parliament by law to be so charged.
- 113. Procedure in Parliament with respect to estimates. (1) So much of the estimates as relates to expenditure charged upon the Consolidated Fund of India shall not be submitted to the vote of Parliament, but nothing in this clause shall be construed as preventing the discussion in either House of Parliament of any of those estimates.
- (2) So much of the said estimates as relates to other expenditure shall be submitted in the form of demands for grants to the House of the People, and the House of the People shall have power to assent, or to refuse to assent, to any demand, or to assent to any demand subject to a reduction of the amount specified therein.
 - (3) No demand for a grant shall be made except on the recommendation of the President.

🕆 वित्तीय गजालींतलीं कार्यपद्धत

- 112. वर्सुकें वित्तीय विवरणपत्र (1) राष्ट्रपती दरेका वित्तीय वर्साविशीं भारत सरकाराची त्या वर्सापुरती अंदाजीत येणावळ आनी खर्च हांचें, ह्या भागांत 'वर्सुकें वित्तीय विवरणपत्र' म्हूण निर्दीष्ट केल्लें विवरणपत्र संसदेच्या दोनाय सभाघरांमुखार दवरूंक लायतलो.
 - (2) वर्सुक्या वित्तीय विवरणपत्रांत दिल्ल्या खर्चाच्या अदमासपत्रकांत -
 - (क) भारताच्या एकवटीत निधीचेर प्रभारीत आशिल्लो खर्च म्हूण ह्या संविधानान वर्णिल्लो खर्च भागोवपाखातीर गरजेच्यो आशिल्ल्यो रकमो; आनी
 - (ख) जो खर्च भारताच्या एकवटीत निधींतल्यान करपाचो अशें प्रस्तावीत केल्लें आसत असो हेर खर्च भागोवपाखातीर गरजेच्यो आशिल्ल्यो रकमो,

वेगळ्यो वेगळ्यो दाखयतले, आनी महसुली लेख्यावेलो खर्च हेर खर्चापरस वेगळो दाखयतले.

- (3) फुडलो खर्च भारताच्या एकवटीत निधीचेर प्रभारीत असो खर्च आसतलो :-
 - (क) राष्ट्रपतीचे परिलाभ आनी भत्ते आनी ताच्या पदासंबंदींचो हेर खर्च;
- (ख) राज्यसभेचो सभापती आनी उपसभापती तशेंच लोकसभेचो अध्यक्ष आनी उपाध्यक्ष हांचीं वेतनां आनी भत्ते;
- (ग) व्याज रीण निवारणनिधी आकार आनी विमोचन आकार हांचे सयत, जांचेखातीर भारत सरकार दायी आसा अशें रीण आकार आनी रीणाची उभारणी तशेंच रीणाचें प्रबंधन आनी विमोचन हांचे संबंदींचो हेर खर्च;
 - (घ) (i) सर्वोच्च, न्यायालयाच्या न्यायाधीशांक अथवा तांचेसंबंदीं दिवपाचीं वेतनां, भत्ते आनी पेन्शन.
 - (ii) फेडरल न्यायालयाच्या न्यायाधीशांक अथवा तांचेसंबंदांत दिवपाच्यो पेन्शनी,
- (iii) भारताच्या राज्यक्षेत्रांत आस्पावीत आशिल्ल्या क्षेत्रासंबंदीं अधिकारिताय वापरपी अशा अथवा संविधानाच्या आरंभापयलीं खंयच्याय वेळार ²⁹[डोमिनियन ऑफ इंडियामदल्या गव्हर्नर प्रांतांत] आस्पावीत आशिल्ल्या खंयच्याय क्षेत्रासंबंदीं जाणे अधिकारिताय वापरिल्ली अशा खंयच्याय न्यायालयाच्या न्यायाधीशांक अथवा तांचेसंबंदांत दिवपाच्यो पेन्शनी;
 - (ङ) भारताचो नियंत्रक आनी महालेखा परीक्षक हाका अथवा ताचेसंबदांत दिवपाचें वेतन, भत्ते आनी पेन्शन;
- (च) खंयच्याय न्यायालयाचो अथवा लवाद अधिकरणाचो खंयचोय न्यायनिर्णय, हुकूमनामो अथवा निवाडो हांची पूर्तताय करपाखातीर गरजेच्यो आशिल्ल्यो रकमो;
- (छ) जो खर्च हेप्रमाण प्रभारीत आसा अशें ह्या संविधानावरवीं अथवा संसदेन कायद्यावरवीं घोशीत केलां आसत असो हेर कसलोय खर्च.
- 113. अदमासपत्रकासंबंदांत संसदेंतली कार्यपद्धत (1) अदमासपत्रकांतलो जितलो भाग भारताच्या एकवटीत निधीचेर प्रभारीत आशिल्ल्या खर्चाकडेन संबंदीत आसत तितलो भाग संसदेच्या मताक दवरचेनात, पूण संसदेच्या खंयच्याय सभाघरांत तातूंतल्या खंयच्याय अदमासावेले चर्चेक ह्या उपकलमांतली खंयचीच गजाल प्रतिबंधक आसा असो तिचो अर्थ लावंचे नात.
- (2) वयल्या अदमासपत्रकांतलो तितलो भाग हेर खर्चाकडेन संबंदीत आसत तितलो भाग अनुदानाखातीर मागण्यांच्या रूपान लोकसभेमुखार दवरतले, आनी लोकसभेक खंयचेय मागणेक अनुमती दिवपाचो अथवा अनुमती नाकारपाचे अथवा तातूंत विनिर्दीश्ट केल्ले रकमेंत कपात करून ते मागणेक अनुमती दिवपाचो अधिकार आसतलो.
 - (3) कसलीय अनुदानाखातीरची मागणी राष्ट्रपतीची शिफारस आसले बगर करचे नात.

- **114. Appropriation Bills.** (1) As soon as may be after the grants under article 113 have been made by the House of the People, there shall be introduced a Bill to provide for the appropriation out of the Consolidated Fund of India of all moneys required to meet-
 - (a) The grants so made by the House of the People; and
 - (b) The expenditure charged on the Consolidated Fund of India but not exceeding in any case the amount shown in the statement previously laid before Parliament.
- (2) No amendment shall be proposed to any such Bill in either House of Parliament which will have the effect of varying the amount or altering the destination of any grant so made or of varying the amount of any expenditure charged on the Consolidated Fund of India, and the decision of the person presiding as to whether an amendment is inadmissible under this clause shall be final.
- (3) Subject to the provisions of articles 115 and 116, no money shall be withdrawn from the Consolidated Fund of India except under appropriation made by law passed in accordance with the provisions of this article.

115. Supplementary, additional or excess grants. — (1) The President shall-

- (a) If the amount authorised by any law made in accordance with the provisions of article 114 to be expended for a particular service for the current financial year is found to be insufficient for the purposes of that year or when a need has arisen during the current financial year for supplementary or additional expenditure upon some new service not contemplated in the annual financial statement for that year, or
- (b) If any money has been spent on any service during a financial year in excess of the amount granted for that service and for that year, cause to be laid before both the Houses of Parliament another statement showing the estimated amount of that expenditure or cause to be presented to the House of the People a demand for such excess, as the case any be.
- (2) The provisions of articles 112, 113 and 114 shall have effect in relation to any such statement and expenditure or demand and also to any law to be made authorising the appropriation of moneys out of the Consolidated Fund of India to meet such expenditure or the grant in respect of such demand as they have effect in relation to the annual financial statement and the expenditure mentioned therein or to a demand for a grant and the law to be made for the authorisation of appropriation of moneys out of the Consolidated Fund of India to meet such expenditure or grant.
- **116. Votes on account, votes of credit and exceptional grants**. (1) Notwithstanding anything in the foregoing provisions of this Chapter, the House of the People shall have power-
 - (a) To make any grant in advance in respect of the estimated expenditure for a part of any financial year pending the completion of the procedure prescribed in article 113 for the voting of such grant and the passing of the law in accordance with the provisions of article 114 in relation to that expenditure;

- **114. विनियोजन विधेयकां** (1) लोकसभेन कलम 113 खालचीं अनुदाना मंजूर केलेउपरांत जाता तितले बेगीन,
 - (क) लोकसभेन हेप्रमाण मंजूर केल्लीं अनुदानां, आनी
 - (ख) भारताच्या एकवटीत निधीचेर प्रभारीत आशिल्लो पूण किदेंय जालें तरी, संसदेमुखार पयलीं दवरिल्ल्या विवरणपत्रांत दाखयल्ल्या खर्चापरस जो चड आसचो ना असो खर्च,

भागोवपाखातीर गरजेच्या आशिल्ल्या सगल्या दुडवांचें भारताच्या एकवटीत निधींतल्यान विनियोजन करपाचो उपबंध करपाखातीर एक विधेयक मांडटले.

- (2) ज्या बदलाचो परिणाम म्हणून हेप्रमाण मंजूर केल्ल्या कसल्याय अनुदानाची रकम उणी जायत अथवा ताच्या पूर्वोद्दिश्टांत फेरबदल जायत अथवा भारताच्या एकवटीत निधीचेर प्रभारीत केल्ल्या कसल्याय खर्चाची रकम उणीचड जायत असो कसलोच बदल संसदेच्या खंयच्याच सभाघरांत अशा खंयच्याच विधेयकाक प्रस्तावीत करचे नात आनी ह्या उपकलमाप्रमाण एखादो बदल अग्राह्य आसा काय किदें हे संबंदांत, यजमानपदार आशिल्ले व्यक्तीचो निर्णय निमणो आसतलो.
- (3) कलम 115 आनी 116 हांच्या उपबंधांचे अधीनतायेन ह्या कलमाच्या उपबंधाप्रमाण पास जाल्ल्या कायद्यावरवीं विनियोजन केल्लें आसलेबगर भारताच्या एकवटीत निधींतल्यान कसलोच दुडू काडचे नात.

115. पूरक, अतिरीक्त अथवा अदीक अनुदानां - (1) जर -

- (क) कलम 114 च्या उपबंधाप्रमाण केल्ल्या खंयच्याय कायद्यावरवीं चालू वित्तीय वर्सांत एखादे विशीश्ट सेवेखातीर खर्च करपाची म्हूण प्राधिवृत केल्ली रक्कम त्या वर्साच्या प्रयोजनांखातीर अपुरी आसा अशें दिसलें जाल्यार अथवा चालू वित्तीय वर्साच्या वर्सुक्या वित्तीय विवरणपत्रांत जेसंबंदी पयलीं अदमास बांदूंक नाशिल्लो अशे एखादे नवे सेवेखातीर पूरक अथवा अतिरीक्त खर्चाची त्या वर्सांत गरज उप्रासली आसत, तेन्ना, अथवा
- (ख) एखाद्या वित्तीय वर्सांत खंयचेय सेवेचेर ते सेवेखातीर आनी त्या वर्साखातीर मंजूर जाल्ले रकमेपरस थोडो अदीक दुडू खर्च जाल्लो आसत जाल्यार,

राष्ट्रपती संसदेच्या दोनाय सभाघरांमुखार त्या खर्चाची अदमासीत रकम दाखोवपी दुसरें विवरणपत्र दवरूंक लायतलो आनी प्रकरणाप्रमाण, लोकसभेमुखार अशा अदीक खर्चाची मागणी दवरूंक लायतलो.

- (2) कलम 112, 113 आनी 114 हांचे उपबंध जशे वर्सुकें वित्तीय विवरणपत्र आनी तातूंत नमूद केल्लो खर्च अथवा अनुदाना खातीर मागणी आनी असो खर्च अथवा अनुदान मागोवपाखातीर भारताच्या एकवटीत निधींतल्या दुडवांचें विनियोजन प्राधिकृत करपाखातीर करपाचो कायदो हांच्या संबंदांत परिणामक आसात, तशे ते वयर सांगिल्लें अशें खंयचेय विवरणपत्र आनी खर्च अथवा मागणी हांचेसंबंदांत आनी असो खर्च अथवा अशे मागणेच्या संदर्भातलें अनुदान भागोवपाखातीर भारताच्या एकवटीत निधींतल्या दुडवांचें विनियोजन प्राधिकृत करपाखातीर करपाच्या कसल्याय कायद्याच्या संबंदांतूय परिणामक आसतले.
- **116. लेखानुदानां, प्रत्ययानुदानां आनी अपवादात्मक अनुदानां** (1) ह्या प्रकरणाच्या पूर्वगामी उपबंधांनी किदेय आसले तरी, लोकसभेक
 - (क) खंयच्याय वित्तीय वर्साच्या एखाद्या भागाखातीर अदमोशिल्ल्या खर्चाविशींच्या कसल्याय अनुदानावेल्या मतदानाखातीर कलम 113 त विहीत केल्लेप्रमाण ती प्रक्रिया पूर्ण जावन त्या खर्चाच्या संबंदांत कलम 114 च्या उपबंधाप्रमाण कायदो पास जायसर अशे कसलेंय अनुदान पयलींच मंजूर करपाचो;

- (b) To make a grant for meeting an unexpected demand upon the resources of India when on account of the magnitude or the indefinite character of the service the demand cannot be stated with the details ordinarily given in an annual financial statement;
- (c) To make an exceptional grant which forms no part of the current service of any financial year; and Parliament shall have power to authorise by law the withdrawal of moneys from the Consolidated Fund of India for the purposes for which the said grants are made.
- (2) The provisions of articles 113 and 114 shall have effect in relation to the making of any grant under clause (1) and to any law to be made under that clause as they have effect in relation to the making of a grant with regard to any expenditure mentioned in the annual financial statement and the law to be made for the authorisation of appropriation of moneys out of the Consolidated Fund of India to meet such expenditure.
- 117. Speical provisions as to financial Bills. (1) A Bill or amendment making provision for any of the matters specified in sub-clauses (a) to (f) of clause (1) of article 110 shall not be introduced or moved except on the recommendation of the President and a Bill making such provision shall not be introduced in the Council of States: Provided that no recommendation shall be required under this clause for the moving of an amendment making provision for the reduction or abolition of any tax.
- (2) A Bill or amendment shall not be deemed to make provision for any of the matters aforesaid by reason only that it provides for the imposition of fines or other pecuniary penalties, or for the demand or payment of fees for licences or fees for services rendered, or by reason that it provides for the imposition, abolition, remission, alteration or regulation of any tax by any local authority or body for local purposes.
- (3) A Bill which, if enacted and brought into operation, would involve expenditure from the Consolidated Fund of India shall not be passed by either House of Parliament unless the President has recommended to that House the consideration of the Bill.

Procedure Generally

- 118. Rules of procedure. (1) Each House of Parliament may make rules for regulating, subject to the provisions of this Constitution, its procedure and the conduct of its business.
- (2) Until rules are made under clause (1), the rules of procedure and standing orders in force immediately before the commencement of this Constitution with respect to the Legislature of the Dominion of India shall have effect in relation to Parliament subject to such modifications and adaptations as may be made therein by the Chairman of the Council of States or the Speaker of the House of the People, as the case may be.

- (ख) भारताचे साधनसंपदेंतल्यान पूर्ण करपाची एखादी मागणी ते सेवेचो व्याप अथवा तिचें अनिश्चित स्वरूप हाकालागून वर्सुक्या वित्तीय विवरणपत्रांत साधारपणान दितात त्या तपशीलांसयत नमूद करूंक मेळना तेन्ना, अशी अनपेक्षीत मागणी पूर्ण करपाखातीर अनुदान मंजूर करपाचो;
 - (ग) जें खंयच्याय वित्तीय वर्साचे चालू सेवेचो भाग जायना अशें अपवादात्मक अनुदान मंजूर करपाचो. अधिकार आसतलो, आनी ज्या प्रयोजनाखातीर वयलीं अनुदानां मंजूर केलीं आसतीत तांचे खातीर भारताच्या एकवटीत निधींतल्यान दुडू काडप हें कायद्यावरवीं प्राधिकृत करपाचो संसदेक अधिकार आसतलो.
- (2) कलम 113 आनी 114 हांचे उपबंध जशे वर्सुक्या वित्तीय विवरणपत्रांत नमूद केल्ल्या कसल्याय खर्चासंबंदीं अनुदान मंजूर करपाच्या आनी असो खर्च भागोवपाखातीर भारताच्या एकवटीत निधींतल्या दुडवांचें विनियोजन प्राधिकृत करपाखातीर करपाच्या कायद्याच्या संबंदांत परिणामक आसात तशें ते उपकलम (1) खाला कसलेंय अनुदान मंजूर करपाच्या आनी त्या उपकलमाखाला करपाच्या कसल्याय कायद्याच्या संबंदांत परिणामक आसतले.
- 117. वित्तीय विधेयकांसंबंदीं विशेश उपबंध (1) कलम 110 च्या उपकलम (1) आनी उप-उपकलम (क) ते (च) हातूंत विनिर्दीश्ट केल्ल्यांमदल्या खंयच्याय गजालींखातीर उपबंध करपी विधेयक अथवा बदल राष्ट्रपतीची शिफारस आसले बगर प्रस्तूत करप अथवा मांडप जांवचेंना, आनी असो उपबंध करपी विधेयक राज्यसभेंत मांडचें नात

परंतु, कसलोय कर उणो करप अथवा तो रद्द करप हांचे विशीं उपबंध करपी बदल मांडपाखातीर ह्या उपकलमाखाला कसलेच शिफारसीची गरज आसची ना.

- (2) एखादें विधेयक अथवा बदल हे द्रव्यदंड अथवा हेर द्रव्यख्यास्ती लावपाखातीर, अथवा परवानो शुल्क अथवा दिल्ल्या सेवांखातीर शुल्क हांची मागणी अथवा भरणो हांचेखातीर उपबंध करता इतल्याच कारणान, अथवा खंयच्याय थळाव्या प्राधिकरणान अथवा निकायान थळाव्या प्रयोजनांखातीर कसलोय कर लावप, तो रद्द करप, तो माफ करप, तातूंत फेरफार करप अथवा ताचें विनियमन करप हाचेखातीर उपबंध
- करता इतल्याच कारणान, ते पयलीं सांगिल्ल्यांमदी खंयचेच गजालीखातीर उपबंध करता अशें मानचे नात.
- (3) जें विधेयक अधिनियमीत केल्यार आनी लागू केल्यार भारताच्या एकवटीत निधींतल्यान खर्च करचो पडटलो तें विधेयक संसदेच्या खंयच्याय सभाघराक तें विचारांत घेवपाखातीर राष्ट्रपतीन त्या सभाघराक शिफारस केल्ली आसलेबगर, पास करूंक मेळचें ना.

सर्वसाधारण कार्यपद्धत

- 118. कार्यपद्धतीचे नेम (1) संसदेच्या दरेका सभाघराच्यान ह्या संविधानाच्या उपबंधाचे अधीनतायेन, आपणाली कार्यपद्धत आनी कामकाज चलोवप हांचें विनियमन करपाखातीर नेम करूं येतात.
- (2) उपकलम (1) खाला नेम करीसर, ह्या संविधानाच्या आरंभाचे निकटपूर्व डोमिनिथन ऑफ इंडियाच्या विधानमंडळासंबंदीं लागू आशिल्ले कार्यपद्धतीचे नेम आनी स्थायी आदेश हे, राज्यसभेचो सभापती अथवा, प्रकरणाप्रमाण, लोकसभेचो अध्यक्ष तातूंत जीं आपरिवर्तनां अथवा अनुकूलनां करीत तांचेसयत संसदेच्या संबंदांत परिणामक आसतलें.

- (3) The President, after consultation with the Chairman of the Council of States and the Speaker of the House of the People, may make rules as to the procedure with respect to joint sittings of, and communications between, the two Houses.
- (4) At a joint sitting of the two Houses the Speaker of the House of the People, or in his absence such person as may be determined by rules of procedure made under clause (3), shall preside.
- 119. Regulation by law of procedure in Parliament in relation to financial business. Parliament may, for the purpose of the timely completion of financial business, regulate by law the procedure of, and the conduct of business in, each House of Parliament in relation to any financial matter or to any Bill for the appropriation of moneys out of the Consolidated Fund of India, and, if and so far as any provision of any law so made is inconsistent with any rule made by a House of Parliament under clause (1) of article 118 or with any rule or standing order having effect in relation to Parliament under clause (2) of that article, such provision shall prevail.
- **120.** Language to be used in Parliament. (1) Notwithstanding anything in Part XVII, but subject to the provisions of article 348, business in Parliament shall be transacted in Hindi or in English:

Provided that the Chairman of the Council of States or Speaker of the House of the People, or person acting as such, as the case may be, may permit any member who cannot adequately express himself in Hindi or in English to address the House in his mother-tongue.

- (2) Unless Parliament by law otherwise provides, this article shall, after the expiration of a period of fifteen years from the commencement of this Constitution, have effect as if the words "or in English" were omitted therefrom.
- **121. Restriction on discussion in Parliament.** No discussion shall take place in Parliament with respect to the conduct of any Judge of the Supreme Court or of a High Court in the discharge of his duties except upon a motion for presenting an address to the President praying for the removal of the Judge as hereinafter provided.
- **122.** Courts not to inquire into proceedings of Parliament. (1) The validity of any proceedings in Parliament shall not be called in question on the ground of any alleged irregularity of procedure.
- (2) No officer or member of Parliament in whom powers are vested by or under this Constitution for regulating procedure or the conduct of business, or for maintaining order, in Parliament shall be subject to the jurisdiction of any court in respect of the exercise by him of those powers.

- (3) राष्ट्रपतीच्यान, राज्यसभेचो सभापती आनी लोकसभेचो अध्यक्ष हांचो विचार घेतलेउपरांत, दोनाय सभाघरांच्यो संयुक्त बसको आनी तांचेमदलें दळणवळण हांचेसंबदींचे कार्यपद्धतींसंबंदीं नेम करूं येतात.
- (4) दोनाय सभाघरांचे संयुक्त बसकेंत लोकसभेचो अध्यक्ष अथवा ताचे गैरहाजिरेंत उपकलम (3) खाला केल्ल्या कार्यपद्धत नेमांवरवीं निर्धारीत करतले अशी व्यक्ती यजमानपदार आसतली.
- 119. वित्तीय कामकाजासंबंदीं संसदेचे कार्यपद्धतीचें कायद्यावरवीं विनियमन संसदेच्यान, वित्तीय कामकाज वेळार पूर्ण जांवचें हेखातीर, खंयचेय वित्तीय गजालीच्या संबंदांत अथवा भारताच्या एकवटीत निधींतल्यान दुडवांचें विनियोजन करपाखातीर हाडिल्ल्या खंयच्याय विधेयकाच्या संबंदांत संसदेच्या दरेका सभाघराची कार्यपद्धत आनी तातूंतल्या कामकाजाचें चलोवप हांचें कायद्यावरवीं विनियमन करूं येता, आनी तेप्रमाण केल्ल्या कसल्याय कायद्याचो खंयचोय उपबंध कलम 118 च्या उपकलम (1) खाला संसदेच्या एखाद्या सभाघरान केल्ल्या खंयच्याय नेमाकडेन अथवा त्या कलमाच्या उपकलम (2) खाला संसदेच्या संबंदांत परिणामक आशिल्ल्या खंयच्याय नेमाकडेन अथवा स्थायी आदेशाकडेन विसंगत आसत जाल्यार आनी तितलेच मर्यादेमेरेन असो उपबंध चड प्रभावी थारतलो.
- **120. संसदेंत वापरपाची भास** (1) 17 व्या भागांत किदेंय आसलें तरीय, कलम 348 च्या उपबंधाचे अधीनतायेन, संसदेंतलें कामकाज हिंदींतल्यान अथवा इंग्लिशींतल्यान चलयतले :

परंतु, प्रकरणाप्रमाण राज्यसभेच्या सभापतीच्यान अथवा लोकसभेच्या अध्यक्षाच्यान अथवा त्या नात्यान कार्य करपी व्यक्तीच्यान, ज्या खंयच्याय वांगड्याक हिंदींतल्यान अथवा इंग्लिंशींतल्यान आपणाले विचार समुचीत रितीन उक्तावंक येना आसतीत ताका आपणाले मायभाशेंतल्यान सभाघराक लेखून भाशण करपाची अनुज्ञा दिवं येता.

- (2) संसदेन कायद्यावरवीं हेरतरेन उपबन्ध केलो ना जाल्यार, ह्या संविधानाच्या आरंभासावन पंदरा वर्सांचो कालावधी सोंपलेउपरांत हें कलम 'अथवा इंग्लिशींतल्यान' हीं उतरां जशेंपरीं काडून उडयल्लीं आसतीत त्याप्रमाण परिणामक जातलें.
- 121. संसदेतले चर्चेचर निर्बंध सर्वोच्च न्यायालयाच्या अथवा उच्च न्यायालयाच्या खंयच्याय न्यायाधीशान आपणालीं कर्तव्यां निभायतना केल्ले वागणुकेखातीर हातूंत हेफुडें उपबंधीत केल्लेप्रमाण त्या न्यायाधीशाक पदावेल्यान कडेक काडपाची विनंती करपी समावेदन राष्ट्रपतीमुखार दवरपाचो प्रस्ताव आयलेबगर संसदेंत कसलीच चर्चा करूंक मेळची ना.
- **122.** न्यायालयांनी संसदेच्या कामकाजाविशीं चवकशी करप ना (1) कार्यपद्धतींत एखादी तथाकथीत नेमाभायली गजाल घडल्या ह्या कारणावेल्यान संसदेंतल्या कसल्याच कामकाजाची कायदेशीरताय प्रस्नास्पद करूंक मेळची ना.
- (2) संसदेंतले कार्यपद्धतीचें अथवा कामकाज चालनाचें विनियमन करपाचे अथवा संसदेंत सुवेवस्था राखपाचे अधिकार ह्या संविधानावरवीं अथवा ताचे खाला जाचें ठांय निहीत केल्यात अशा, संसदेच्या खंयच्याय अधिकाऱ्यान अथवा वांगड्यान त्या अधिकाराच्या केल्ल्या वापराविशीं तो खंयच्याच न्यायालयाचे अधिकारितायेक अधीन आसचो ना.

CHAPTER 3 - LEGISLATIVE POWERS OF THE PRESIDENT

- 123. Power of President to promulgate Ordinances during recess of Parliament. (1) If at any time, except when both Houses of Parliament are in session, the President is satisfied that circumstances exist which render it necessary for him to take immediate action, he may promulgate such Ordinances as the circumstances appear to him to require.
- (2) An Ordinance promulgated under this article shall have the same force and effect as an Act of Parliament, but every such Ordinance-
 - (a) Shall be laid before both Houses of Parliament and shall cease to operate at the expiration of six weeks from the reassembly of Parliament, or, if before the expiration of that period resolutions disapproving it are passed by both Houses, upon the passing of the second of those resolutions;
 - (b) May be withdrawn at any time by the President.

Explanation. — Where the Houses of Parliament are summoned to reassemble on different dates, the period of six weeks shall be reckoned from the later of those dates for the purposes of this clause.

(3) If and so far as an Ordinance under this article makes any provision which Parliament would not under this Constitution be competent to enact, it shall be void.

CHAPTER 4 – THE UNION JUDICIARY

- **124. Establishment and constitution of Supreme Court.** (1) There shall be a Supreme Court of India consisting of a Chief Justice of India and, until Parliament by law prescribes a larger number, of not more than seven ¹other Judges.
- (2) Every Judge of the Supreme Court shall be appointed by the President by warrant under his hand and seal after consultation with such of the Judges of the Supreme Court and of the High Courts in the States as the President may deem necessary for the purpose and shall hold office until he attains the age of sixty-five years:

Provided that in the case of appointment of a Judge other than the Chief Justice, the Chief Justice of India shall always be consulted:

Provided further that-

- (a) A Judge may, by writing under his hand addressed to the President, resign his office;
 - (b) A Judge may be removed from his office in the manner provided in clause (4).
- ²[(2A) The age of a Judge of the Supreme Court shall be determined by such authority and in such manner as Parliament may by law provide.]

प्रकरण 3 - राष्ट्रपतीचे वैधानीक अधिकार

- 123. संसदेच्या विरामकाळांत अध्यादेश प्रख्यापीत करपाचो राष्ट्रपतीचो अधिकार (1) संसदेचीं दोनूय सभाघरां सत्रासीन आसतलीं ताचेभायर खंयच्याय वेळार, राष्ट्रपतीन तात्काळ कारवाय करप गरजेचें आसा अशीं परिस्थिती आस्तित्वांत आसा अशी राष्ट्रपतीची खात्री जाली जाल्यार, ताच्यान ते परिस्थितीप्रमाण योग्य दिसत अशे अध्यादेश प्रख्यापीत करूं येतात.
- (2) ह्या कलमाखाला प्रख्यापीत केल्लो अध्यादेश हो संसदेचो अधिनियम आसता ते प्रमाण तितलोच प्रभावी आनी परिणामकारक आसतलो, मात असो दरेक अध्यादेश -
 - (क) संसदेच्या दोनाय सभाघरांमुखार दवरतले आनी संसदेची पर्तून सभा भरलेउपरांत स सप्तकां सोंपनाफुडें अथवा तो कालावधी सोंपचेपयलीं तो अमान्य करपी थाराव दोनाय सभाघरांनी पास केले जाल्यार, ताचेमदलो दुसरो थाराव पास जायनाफुडें तो अध्यादेश लागू आसपाचें बदं जातलें, आनी
- (ख) राष्ट्रपतीच्यान खंयच्याय वेळार अध्यादेश फाटीं घेवं येता. स्पश्टीकरण - जेन्ना संसदेच्या सभाघरांक पर्तून सभा घेवपाखातीर वेगळ्यावेगळ्या तारकांक अभिनिमंत्रीत केल्लें आसत तेन्ना, ह्या उपकलमाच्या प्रयोजनाखातीर, स सप्तकांचो कालावधी तातूंतल्या उपरांतचे तारकेसावन मेजतले.
- (3) संसद ह्या संविधानाखाला जो उपबंध अधिनियमीत करपाक सक्षम ना असो कसलोच उपबंध ह्या कलमाखालच्या अध्यादेशावरवीं केलो जाल्यार आनी तितले मर्यादेमेरेन तो अध्यादेश शून्य आसतलो.

प्रकरण ४ - संघाची न्यायपालिका

- 124. सर्वोच्च न्यायालयाची स्थापना आनी घडण (1) भारताचो मुख्य न्यायमूर्ती आनी संसद कायद्यावरवीं अदीक संख्या विहीत करीसर चडांत चड 1सात हेर न्यायाधीश मेळून घडिल्लें भारताचें एक सर्वोच्च न्यायालय आसतलें.
- (2) सर्वोच्च न्यायालयाच्या दरेका न्यायाधीशाक राष्ट्रपती हो सर्वोच्च न्यायालय आनी राज्यांतलीं उच्च न्यायालयां हातूंतल्या न्यायाधीशांमदीं ताका त्या प्रयोजनाखातीर जांचो विचार घेवप गरजेचें अशें दिसत अशा व्यक्तींचो विचार घेतले उपरांत स्वाक्षरीत आनी स्वमुद्रांकीत अधिपत्रावरवीं नियुक्त करतलो आनी ते न्यायाधीश पासष्ट वर्सां पिरायेचे जायसर पद धारण करतले.
- परंतु, मुख्य न्यायमूर्तीपरस वेगळ्या न्यायाधीशांचे नेमणुकेच्या विशयांत, भारताच्या मुख्य न्यायमूर्तीचो सदांच विचार घेतले.

परंतु, आनीक अशें की, -

- (क) न्यायाधीशाच्यान राष्ट्रपतीक लेखून बरयल्ल्या स्वाक्षरीत लेखावरवीं आपणाल्या पदाचो राजीनामो दिवं येतां;
 - (ख) उपकलम (4) हातूंत उपबंधीत केल्ले रितीन न्यायाधीशाक ताच्या पदावेल्यान कडेक काडूं येता.
- ²[(2क) सर्वोच्च न्यायालयाच्या न्यायाधीशाची पिराय, संसद कायद्यावरवीं उपबंधीत करतली अशा प्राधिकरणाकडल्यान आनी अशे रितीन निर्धारीत करतलीं.]

- (3) A person shall not be qualified for appointment as a Judge of the Supreme Court unless he is a citizen of India and-
 - (a) Has been for at least five years a Judge of a High Court or of two or more such Courts in succession; or
 - (b) Has been for at least ten years an advocate of a High Court or of two or more such Courts in succession; or
 - (c) Is, in the opinion of the President, a distinguished jurist.

Explanation I. — In this clause "High Court" means a High Court which exercises, or which at any time before the commencement of this Constitution exercised, jurisdiction in any part of the territory of India.

Explanation II. — In computing for the purpose of this clause the period during which a person has been an advocate, any period during which a person has held judicial office not inferior to that of a district judge after he became an advocate shall be included.

- (4) A Judge of the Supreme Court shall not be removed from his office except by an order of the President passed after an address by each House of Parliament supported by a majority of the total membership of that House and by a majority of not less than two-thirds of the members of that House present and voting has been presented to the President in the same session for such removal on the ground of proved misbehaviour or incapacity.
- (5) Parliament may by law regulate the procedure for the presentation of an address and for the investigation and proof of the misbehaviour or incapacity of a Judge under clause (4).
- (6) Every person appointed to be a Judge of the Supreme Court shall, before he enters upon his office, make and subscribe before the President, or some person appointed in that behalf by him, an oath or affirmation according to the form set out for the purpose in the Third Schedule.
- (7) No person who has held office as a Judge of the Supreme court shall plead or act in any court or before any authority within the territory of India.
- 125. Salaries, etc., of Judges (1) There shall be paid to the Judges of the Supreme Court such salaries as may be determined by Parliament by law and, until provision in that behalf is so made, such salaries as are specified in the Second Schedule.
- (2) Every Judge shall be entitled to such privileges and allowances and to such rights in respect of leave of absence and pension as may from time to time be determined by or under law made by Parliament and, until so determined, to such privileges, allowances and rights as are specified in the Second Schedule:

- (3) एखादी व्यक्ती भारताचो नागरीक आसा, आनी
- (क) ती एखाद्या उच्च न्यायालयाचो अथवा फाटोफाट अशा दोन अथवा चड न्यायालयांचो उण्यात उणी पांच वर्सां न्यायाधीश आसा; अथवा
- (ख) ती एखाद्या उच्च न्यायालयांत अथवा फाटोफाट अशा दोन अथवा चड न्यायालयांत उण्यांत उणी धा वर्सां अधिवक्तो आसा; अथवा
- (ग) राष्ट्रपतीच्या मतान ती व्यक्ती विख्यात मिमांसक आसा, अशें आसलेबगर ती व्यक्ती सर्वोच्च न्यायालयाचो न्यायाधीश म्हूण नियुक्तेक पात्र आसची ना.
- स्परिताय निर्मा उपकलमांत 'उच्च न्यायालय' हाचो अर्थ, भारताच्या राज्यक्षेत्राच्या खंयच्याय भागांत जें अधिकारिताय वापरता अथवा ह्या संविधानाच्या आरंभापयलीं खंयच्याय काळांत वापरतालें अशें उच्च न्यायालय असो आसा.
- स्परिकरण 2 ह्या उपकलमाच्या प्रयोजनाखातीर, एखादी व्यक्ती जितलो काळ अधिवक्तो आसतली तो काळ मेजतना, ती व्यक्ती अधिवक्तो जातकच तिणे ज्या खंयच्याय कालावधींत जिल्हो न्यायाधीशाच्या पदापरस कनिष्ठ नाशिल्लें न्यायीक अधिकारपद धारण केल्लें आसत तो कालावधी तातूंत आस्पावीत करतले.
- (4) शाबीत जाल्ली गैरवागणूक अथवा अक्षमताय ह्या कारणांकलागून सर्वोच्च न्यायालयाच्या न्यायाधीशाक ताच्या पदावेल्यान कडेक काडपाखातीर, संसदेच्या दरेका सभाघराकडल्यान त्या सभारातले एकंदर वांगडी संख्येच्या भोवमताचो आनी त्या सभाघरांतल्या हाजीर आशिल्ल्या आनी मतदान करपी वांगड्याच्या दोन तृतीयांशापरस उणे न्हय इतल्या भोवमताचो तेंको आशिल्लें समावेदन त्याच सत्रांत राष्ट्रपतीमुखार दवरून उपरांत राष्ट्रपतीन आदेश काडलेबगर त्या न्यायाधीशाक हेप्रमाण कडेक काडचे नात.
- (5) उपकलम (4) खाला समावेदन सादर करप आनी एखाद्या न्यायाधीशाची गैरवागणूक अथवा अक्षमताय हांचें अन्वेशण आनी शाबीती हांचे संबंदीचे कार्यपद्धतीचें संसदेच्यान कायद्यावरवीं विनियमन करूं

येता.

- (6) सर्वोच्च न्यायालयाचो न्यायाधीश म्हूण नियुक्त जाल्ली दरेक व्यक्ती, आपणालें पद ग्रहण करचे पयलीं, राष्ट्रपतीमुखार सोपूत अथवा दृढकथन हांचे संबंदांत ताणे नियुक्त केल्ले एखादे व्यक्तीमुखार, तिसरे अनुसूचयेंत त्या प्रयोजनाखातीर घालून दिल्ल्या नमुन्याप्रमाण सोपूत घेवन अथवा दृढकथन करून ताचे खाला स्वाक्षरी करतली.
- (7) जिणे सर्वोच्च न्यायालयाच्या न्यायाधीशाचें पद धारण केल्लें आसा अशे खंयचेय व्यक्तीक भारताच्या राज्यक्षेत्रांतल्या खंयच्याय न्यायालयांत अथवा खंयच्याय प्राधिकरणामुखार विकलीचें काम करूंक अथवा चलोवंक मेळचें ना
- **125. न्यायाधीशांचें वेतन, इत्यादी** (1) सर्वोच्च न्यायालयाच्या न्यायाधीशांक दुंसरे अनुसुचयेंत विनिर्दीश्ट केल्यात ते प्रमाण वेतनां दितले.
- (2) दरेक न्यायाधीश, संसदेन केल्ल्या कायद्यावरवीं अथवा त्याखाला केन्ना केन्ना निर्धारीत करतले अशे विशेशाधिकार आनी भत्ते आनी गैरहाजीरी-रजा आनी पेन्शन हांचे संबंदांतले अशे अधिकार हांकां, आनी हेप्रमाण निर्धारीत करीसर दुसरे अनुसुचयेंत विनिर्दीश्ट केल्यात अशे विशेशाधिकार, भत्ते आनी अधिकार हांचो हक्कदार आसतलो :

Provided that neither the privileges nor the allowances of a Judge nor his rights in respect of leave of absence or pension shall be varied to his disadvantage after his appointment.

- 126. Appointment of acting Chief Justice. When the office of Chief Justice of India is vacant or when the Chief Justice is, by reason of absence or otherwise, unable to perform the duties of his office, the duties of the office shall be performed by such one of the other Judges of the Court as the President may appoint for the purpose.
- Judges of the Supreme Court available to hold or continue any session of the Court, the Chief Justice of India may, with the previous consent of the President and after consultation with the Chief Justice of the High Court concerned, request in writing the attendance at the sittings of the Court, as an ad hoc Judge, for such period as may be necessary, of a Judge of a High Court duly qualified for appointment as a Judge of the Supreme Court to be designated by the Chief Justice of India.
- (2) It shall be the duty of the Judge who has been so designated, in priority to other duties of his office, to attend the sittings of the Supreme Court at the time and for the period for which his attendance is required, and while so attending he shall have all the jurisdiction, powers and privileges, and shall discharge the duties, of a Judge of the Supreme Court.
- 128. Attendance of retired Judges at sittings of the Supreme Court. Notwithstanding anything in this Chapter, the Chief Justice of India may at any time, with the previous consent of the President, request any person who has held the office of a Judge of the Supreme Court or of the Federal Court ³[or who has held the office of a Judge of a High Court and is duly qualified for appointment as a Judge of the Supreme Court] to sit and act as a Judge of the Supreme Court, and every such person so requested shall, while so sitting and acting, be entitled to such allowances as the President may by order determine and have all the jurisdiction, powers and privileges of, but shall not otherwise be deemed to be, a Judge of that Court:

Provided that nothing in this article shall be deemed to require any such person as aforesaid to sit and act as a Judge of that Court unless he consents so to do.

- 129. Supreme Court to be a court of record. The Supreme Court shall be a court of record and shall have all the powers of such a court including the power to punish for contempt of itself.
- 130. Seat of Supreme Court. The Supreme Court shall sit in Delhi or in such other place or places, as the Chief Justice of India may, with the approval of the President, from time to time, appoint.

परंतु, न्यायाधिशांचे विशेशाधिकार अथवा भत्ते अथवा गैरहाजिरी-रजा अथवा पेन्शन हांचेविशींचे ताचे अधिकार हांचेमदल्या कित्यांतूच ताका नुकसानाचों जायत असो बदल ताचे नियुक्तेउपरांत करचे नात.

- 126. कार्यकारी मुख्य न्यायमूर्तीची नियुक्ती जेन्ना भारताच्या मुख्य न्यायमूर्तीचें पद रितें आसतलें अथवा मुख्य न्यायमूर्ती गैरहाजिरेच्या कारणाकलागून अथवा हेरतरेन आपणाल्या कर्तव्यांक पाळो दिवपाक असमर्थ आसतलो तेन्ना, त्या पदाचीं कर्तव्यां त्या न्यायालयांच्या हेर न्यायाधीशांमदल्या ज्या एकाची राष्ट्रपती त्या प्रयोजना खातीर नियुक्ती करतलो तो न्यायाधीश निभायतलो.
- 127. तदर्थ न्यायाधिशांची नियुक्ती (1) जर एखाद्या वेळार सर्वोच्च न्यायालयाचें एखादें सत्र भरोवपाखातीर अथवा चालू दवरपाखातीर लागपी गणसंख्येइतलें त्या न्यायालयाचे न्यायाधीश मेळनात अशे जायत जाल्यार राष्ट्रपतीचे पूर्वसंमतेन आनी संबंदीत उच्च न्यायालयाच्या मुख्य न्यायमूर्तीचो विचार घेतलेउपरांत, भारताच्या मुख्य न्यायमूर्तीच्यान सर्वोच्च न्यायालयाचो न्यायाधीश म्हूण नियुक्ती जावपाचे नदरेन फावोशी पात्रताय आसपी आनी भारताच्या मुख्य न्यायमूर्तीन पद निर्देशीत करपाच्या उच्च न्यायालयीन न्यायाधीशाक सर्वोच्च न्यायालयाचे बसकेखातीर तदर्थ न्यायाधीश म्हूण, गरजेच्या तितल्या कालावधीमेरेन हाजीर रावपाखातीर लेखी विनंती कर्रु येता.
- (2) हेप्रमाण पदिनर्देशीत केल्ल्या न्यायाधीशाची हाजिरी ज्या वेळार आनी ज्या कालावधीमेरेन गरजेची अशें केल्लें आसत त्यावेळार आनी त्या कालावधींमेरेन आपणाल्या पदाच्या हेर कर्तव्यांपरस अग्रक्रम दिवन सर्वोच्च न्यायालयाच्या बसकांक उपस्थीत रावप हें ताचें कर्तव्य आसतलें, आनी तो हेप्रमाण हाजीर आसता तेन्ना ताका सर्वोच्च न्यायालयाच्या न्यायाधीशाची अधिकारिताय, अधिकार आनी विशेशाधिकार आसतले आनी तो ताचीं कर्तव्यां निभायतलो.
- 128. सर्वोच्च न्यायालयांच्या बसकांनी निवृत न्यायाधीशांची हाजीरी ह्या प्रकरणांत किदेंय आसलें तरी, खंयच्याय वेळार राष्ट्रपतीचे पूर्वसंमतेन भारताच्या मुख्य न्यायमूर्तीच्यान जिणें सर्वोच्च न्यायालयाच्या अथवा फेडरल न्यायालयाच्या न्यायाधीशाचें पद धारण केल्लें आसा ³[अथवा जिणे उच्च न्यायालयाच्या न्यायाधीशाचें पद धारण केल्लें आसा आनी तिचेकडेन सर्वोच्च न्यायालयाचो न्यायाधीश म्हूणन नियुक्ती जावपाचे नदरेन फावोशी पात्रताय आसा] अशे खंयचेय व्यक्तीक सर्वोच्च न्यायालयाचो न्यायाधीश म्हूण सुवातेर बसून कार्य करपाक विनंती करूं येता, आनी हेप्रमाण विनंती केल्ली अशी दरेक व्यक्ती तेप्रमाण ते सुवातेर बसून वावर करता तेन्ना, राष्ट्रपती आदेशावरवीं निर्धारीत करतलो अशे भत्ते मेळपाक ती हक्कदार आसतली आनी तिका त्या न्यायालयाच्या न्यायाधीशाची सगली अधिकारिताय, अधिकार आनी विशेशाधिकार आसतले, पूण हेरशीं ती त्या न्यायालयाचो न्यायाधीश अशें मानचें नात.

परंतु, त्या न्यायालयाचो न्यायाधीश म्हूण ते सुवातेर बसून कार्य करपाक वयर सांगलां अशे खंयचेय व्यक्तीन संमती दिल्ली आसलेबगर, ह्या कलमांतले खंयचेच गजालीक लागून तिका तशें करप सक्तीचें आसा अशें मानचे नात.

- 129. सर्वोच्च न्यायालय हं अभिलेखं न्यायालय आसप सर्वोच्च न्यायालय हं अभिलेख न्यायालय आसतलं आनी ताका आपणाल्या अवमानाखातीर ख्यास्त करपाच्या अधिकारासयत अशा न्यायालयाचे सगले अधिकार आसतले.
- 130. सर्वोच्च न्यायालयाचें कार्यस्थान सर्वोच्च न्यायालय दिल्लींत, अथवा मुख्य न्यायमूर्ती, राष्ट्रपतीचे मान्यतायेन केन्नाकेन्ना नेमून दीत अशे हेर एके अथवा चड सुवातांचेर सन्नासीन जातलें.

- 131. Original jurisdiction of the Supreme Court. Subject to the provisions of this Constitution, the Supreme Court shall, to the exclusion of any other court, have original jurisdiction in any dispute-
 - (a) Between the Government of India and one or more States; or
 - (b) Between the Government of India and any State or States on one side and one or more other States on the other; or
 - (c) Between two or more States, If and in so far as the dispute involves any question (whether of law or fact) on which the existence or extent of a legal right depends:

⁴[Provided that the said jurisdiction shall not extend to a dispute arising out of any treaty, agreement, covenant, engagement, sanad or other similar instrument which, having been entered into or executed before the commencement of this Constitution, continues in operation after such commencement, or which provides that the said jurisdiction shall not extend to such a dispute.]

- 131A. ^⁵[Exclusive jurisdiction of the Supreme Court in regard to questions as to constitutional validity of Central laws.] Rep. by the Constitution
 - 132. Appellate jurisdiction of Supreme Court in appeals from High Courts in certain cases.
- (1) An appeal shall lie to the Supreme Court from any judgment, decree or final order of a High Court in the territory of India, whether in a civil, criminal or other proceeding, ⁶[if the High Court certifies under article 134A] that the case involves a substantial question of law as to the interpretation of this Constitution.
 - (2) 7* * * * * *
- (3) Where such a certificate is given, **** any party in the case may appeal to the Supreme Court on the ground that any such question as aforesaid has been wrongly decided ****.

Explanation. — For the purposes of this article, the expression "final order" includes an order deciding an issue, which, if decided in favour of the appellant, would be sufficient for the final disposal of the case.

- 133. Appellate jurisdiction of Supreme Court in appeals from High Courts in regard to civil matters. ⁹[(1) An appeal shall lie to the Supreme Court from any judgment, decree or final order in a civil proceeding of a High Court in the territory of India ¹⁰[if the High Court certifies under article 134A-]
 - (a) That the case involves a substantial question of law of general importance; and
 - (b) That in the opinion of the High Court the said question needs to be decided by the Supreme Court.]

- 131. सर्वोच्च न्यायालयाची आरंभीक अधिकारिताय ह्या संविधानाच्या उपबंधाचे अधीनतायेन, -
 - (क) भारत सरकार आनी एक अथवा अदीक राज्यां हांचेमदल्या; अथवा
 - (ख) एके वटेन भारत सरकार आनी खंयचेंय राज्य अथवा राज्यां, हांचेमदल्या; अथवा
 - (ग) दोन अथवा अदीक राज्यांमदल्या,

कसल्याय किजिलांत जाचेर एखाद्या कायदेशीर अधिकाराचें अस्तित्व अथवा व्याप्ती अवलंबून आसा असो कसलोय प्रस्न (मागीर तो कायद्याविशीं आसूं अथवा तथ्याविशीं आसूं) आस्पावीत आसत जाल्यार आनी तितलेमेरेन, त्या किजिलांत सर्वोच्च न्यायालयाक आरंभीक अधिकारिताय आसतली - हेर खंयच्याच न्यायालयाक आरंभी ना:

⁴[परंतु, खंयचीय कबलात, करार, प्रसंविदा, वचनबद्धताय सनद अथवा हेर तत्सम संलेख ह्या संविधानाच्या आरंभापयलीं केल्लो आसत आनी तो निश्पादीत जावन अशा आरंभाउपरांत लागू उरला आसत अथवा तातूंतल्यान उप्रासपी किजील वयले अधिकारितायेचे व्याप्तेंत येवंचें ना असो तातूंत उपबंध केल्लो आसत जाल्यार, अशें किजिल वयले अधिकारितायेचे व्याप्तेंत येवंचें ना.]

- 131क. ⁵[केंद्रीय कायद्यांचे संविधानीक वैधतेलागीं संबंदीत प्रस्नाविशीं सर्वोच्च न्यायालयाची अनन्य अधिकारिताय] संविधान (त्रेचाळीसावो बदल) अधिनियम, 1977 च्या अनुभाग 4 वरवीं (13-4-1978 सावन) निरसीत केले.
- 132. थोड्या प्रकरणांनी उच्च न्यायालयांवेल्या अपिलांनी सर्वोच्च न्यायालयाची अपील अधिकारिताय (1) भारताच्या राज्यक्षेत्रांतल्या उच्च न्यायालयाचो खंयचोय न्यायनिर्णय, हुकूमनामो अथवा निमणो आदेश मागीर तो दिवाणी, फौजदारी अथवा हेर कारवायेंतलो आसूं ताचेर त्या उच्च न्यायालयान त्या प्रकरणांत ह्या संविधानाचो अर्थ लावपासंबंदीं सार आस्पावीत करपी कायद्याचो प्रस्न घेतला अशें ⁶[कलम 134 क खाला प्रमाणीत केल्यार] सर्वोच्च न्यायालयाकडेन अपील जावं येता.
 - (2) 7* * * * * *
- (3) अशें प्रमाणपत्र दिलां आसत ⁸* * * ते संबंदांत, पयलीं सांगला असलो खंयच्याय प्रस्नाचेर चुकीचो निर्णय दिल्लो ह्या कारणावेल्यान ⁸* * * त्या प्रकरणांतल्या खंयच्याय पक्षकाराच्यान सर्वोच्च न्यायालयाकडेन अपील करूं येता.

स्पश्टीकरण - ह्या कलमाच्या प्रयोजनाखातीर 'निमणो आदेश' ह्या उतरांत, अपीलकर्त्यांचे वटेन निर्णीत जाल्यार जो वाद प्रस्न तें प्रकरण निकालांत काडपाक पुरो असो जायत ताचो निर्णय करपी आदेशाचो आस्पाव आसा.

- 133. दिवाणी प्रकरणांविशीं उच्च न्यायालयांवेल्या अपिलांनी सर्वोच्च न्यायालयाची अपील अधिकारितांय— ⁹[(1) भारताच्या राज्यक्षेत्रांतल्या एखाद्या उच्च न्यायालयाचो दिवाणी कारवायेंतलो खंयचोय न्यायानिर्णय, हुकूमनामो अथवा निमणो आदेश हाचेर, ¹⁰[जर त्या उच्च न्यायालयान कलम 134 क खाला] अशें प्रमाणीत केलें की, -
 - (क) त्या प्रकरणांत एखादो सर्वसाधारण म्हत्वाचो सार आस्पांवीत करपी कायद्याचो प्रस्न आयला; आनी
 - (ख) उच्च न्यायालयाच्या मत्तान वयर सांगला तो प्रस्न सर्वोच्च न्यायालयान न्यायनिर्णीत करप गरजेचें आसा,]

- (2) Notwithstanding anything in article 132, any party appealing to the Supreme Court under clause
 (1) may urge as one of the grounds in such appeal that a substantial question of law as to the interpretation of this Constitution has been wrongly decided.
- (3) Notwithstanding anything in this article, no appeal shall, unless Parliament by law otherwise provides, lie to the Supreme Court from the judgment, decree or final order of one Judge of a High Court.
- 134. Appellate jurisdiction of Supreme Court in regard to criminal matters. (1) An appeal shall lie to the Supreme Court from any judgment, final order or sentence in a criminal proceeding of a High Court in the territory of India if the High Court-
 - (a) Has on appeal reversed an order of acquittal of an accused person and sentenced him to death; or
 - (b) Has withdrawn for trial before itself any case from any court subordinate to its authority and has in such trial convicted the accused person and sentenced him to death; or
 - (c) 11[certifies under article 134A] that the case is a fit one for appeal to the Supreme Court:

Provided that an appeal under sub-clause (c) shall lie subject to such provisions as may be made in that behalf under clause (1) of article 145 and to such conditions as the High Court may establish or require.

- (2) Parliament may by law confer on the Supreme Court any further powers to entertain and hear appeals from any judgment, final order or sentence in a criminal proceeding of a High Court in the territory of India subject to such conditions and limitations as may be specified in such law.
- ¹²[134A. Certificate for appeal to the Supreme Court. Every High Court, passing or making a judgment, decree, final order, or sentence, referred to in clause (1) of article 132 or clause (1) of article 133, or clause (1) of article 134, -
 - (a) May, if it deems fit so to do, on its own motion; and
 - (b) Shall, if an oral application is made, by or on behalf of the party aggrieved, immediately after the passing or making of such judgment, decree, final order or sentence, Determine, as soon as may be after such passing or making, the question whether a certificate of the nature referred to in clause (1) of article 132, or clause (1) of article 133 or, as the case may be, sub-clause (c) of clause (1) of article 134, may be given in respect of that case.]

जाल्यार सर्वोच्च न्यायालयाकडेन अपील जावं येता.

- (2) कलम 132 त किदेंय आसलें तरी, उपकलम (1) खाला सर्वोच्च न्यायालयाकडेन अपील करपी खंयच्याय पक्षकाराक ह्या संविधानाच्या निर्वचनासंबंदीं एखादो सार आस्पावीत आशिल्ल्या कायद्याच्या प्रस्नाचेर चुकीचो निर्णय जाला अशें कारण अपिलाच्या कारणांमदलें एक म्हूण मांडूं येता.
- (3) ह्या कलमांत किदेंय आसलें तरी, संसदेन कायद्यावरवीं हेर कितेंय उपबंध केल्लो नासल्यार, उच्च न्यायालयाच्या एका न्यायाधीशाचो न्यायनिर्णय, हुकूमनामो अथवा निमणो आदेश हाचेर सर्वोच्च न्यायालया कडेन कसलेंच अपील जावं नजो.
- 134. फौजदारी प्रकराणांविशी सर्वोच्च न्यायालयाची अपील अधिकारिताय (1) भारताच्या राज्यक्षेत्रांतल्या एखाद्या उच्च न्यायालयाचो फौजदारी कारवायेंतलों कसलोय न्यायनिर्णय, निमणो आदेश अथवा शिक्षादेश हाचेर, जर त्या उच्च न्यायालयान -
 - (क) आरोपी व्यक्तीच्या दोशमुक्तीचो आदेश अपिला अंतीं घुंवडायला आसत आनी तिका देहांताची ख्यास्त दिल्या आसत जाल्यार; अथवा
 - (ख) कसलेंय प्रकरण आपणाले अखत्यारेखाला आशिल्ल्या खंयच्याय दुय्यम न्यायालायंतल्यान काडून स्वताकडेन संपरीक्षेखातीर घेतलां आसत आनीं अशें संपरीक्षेंत आरोपी व्यक्तीक गुन्यांवकार थारावन देहांताची ख्यास्त दिल्ली आसत जाल्यार, अथवा
 - (ग) तें प्रकरण सर्वोच्च न्यायालयाकडेन अपील करपाक फावोशें आसा अशें ¹¹[कलम 134क खाला] प्रमाणीत केल्लें आसत जाल्यार,

सर्वोच्च न्यायालयाकडेन अपील जांव येता :

परंतु उप-उपकलम (ग) खालचें अपील कलम 145 च्या उपकलम (1) खाला तेसंबंदांत करतले अशा उपबंधांचे आनी उच्च न्यायालय प्रस्थापीत करतलें अथवा गरजेच्यो करतलें अशा अटींचे अधीन उरतलें.

- (2) संसदेच्यान कायद्यावरवीं सर्वोच्च न्यायालयाक, अशा कायद्यांत विनिर्दीश्ट करतले अशा अटींचे आनी मर्यादांचे अधीनतायेन, भारताच्या राज्यक्षेत्रांतल्या उच्च न्यायालयाचो फौजदारी कारवायेंतलो खंयचोय न्यायनिर्णय, निमणो आदेश अथवा शिक्षादेश हांचेवेलीं अपिलां विचारार्थ स्वीकारून तांची सुनावणी करपाखातीर आनीक कसलेय अधिकार प्रदान करूं येतात.
- 12[134क. सर्वोच्च न्यायालयाकडेन अपील करपाखातीर प्रमाणपत्र कलम 132 उपकलम (1) अथवा कलम 133 उपकलम (1), अथवा कलम 134 उपकलम (1) हातूंत निर्दीश्ट केल्लेप्रमाण न्यायनिर्णय, हुकूमनामो, निमणो आदेश अथवा शिक्षादेश दिवपी अथवा करपी दरेका उच्च न्यायालयाक, ताणे असो न्यायनिर्णय, हुकूमनामो, निमणो आदेश अथवा शिक्षादेश दिलेउपरांत अथवा केलेउपरांत जाता तितले बेगीन, कलम 132 उपकलम (1) अथवा कलम 133 उपकलम (1) अथवा, प्रकरणाप्रमाण कलम 134 उपकलम (1) उपउपकलम (क) हातूंत निर्देशिल्ल्या स्वरुपाचें प्रमाणपत्र त्या प्रकरणाच्या संबंदांत दिवंचें काय किदें ह्या प्रस्नाचेर -
 - (क) ताका तशें योग्य अशें दिसल्यार आपूण जावन निर्णय दिवं येता; आनी
 - (ख) वयर सांगला असो न्यायनिर्णय, हुकूमनामो, निमणो आदेश अथवा शिक्षादेश दिवप अथवा करप जालेउपरांत रोखडोच, ताकालागून नाराज जाल्ल्या पक्षकाराकडल्यान अथवा ताचे वतीन तोंडी अर्ज केलो जाल्यार, निर्णय दिवंचो पडटलो.]

- 135. Jurisdiction and powers of the Federal Court under existing law to be exercisable by the Supreme Court. Until Parliament by law otherwise provides, the Supreme Court shall also have jurisdiction and powers with respect to any matter to which the provisions of article 133 or article 134 do not apply if jurisdiction and powers in relation to that matter were exercisable by the Federal Court immediately before the commencement of this Constitution under any existing law.
- 136. Special leave to appeal by the Supreme Court. (1) Notwithstanding anything in this Chapter, the Supreme Court may, in its discretion, grant special leave to appeal from any judgment, decree, determination, sentence or order in any cause or matter passed or made by any court or tribunal in the territory of India.
- (2) Nothing in clause (1) shall apply to any judgment, determination, sentence or order passed or made by any court or tribunal constituted by or under any law relating to the Armed Forces.
- 137. Review of judgments or orders by the Supreme Court. Subject to the provisions of any law made by Parliament or any rules made under article 145, the Supreme Court shall have power to review any judgment pronounced or order made by it.
- 138. Enlargement of the jurisdiction of the Supreme Court. (1) The Supreme Court shall have such further jurisdiction and powers with respect to any of the matters in the Union List as Parliament may by law confer.
- (2) The Supreme Court shall have such further jurisdiction and powers with respect to any matter as the Government of India and the Government of any State may by special agreement confer, if Parliament by law provides for the exercise of such jurisdiction and powers by the Supreme Court.
- 139. Conferment on the Supreme Court of powers to issue certain writs. Parliament may by law confer on the Supreme Court power to issue directions, orders or writs, including writs in the nature of habeas corpus, mandamus, prohibition, quo warranto and certiorari, or any of them, for any purposes other than those mentioned in clause (2) of article 32.
- ¹³ [139A. Transfer of certain cases. ¹⁴ [(1) Where cases involving the same or substantially the same questions of law are pending before the Supreme Court and one or more High Courts or before two or more High Courts and the Supreme Court is satisfied on its own motion or on an application

- 135. फेडरल न्यायालयाची अस्तित्वांत आशिल्ल्या कायद्याखालची अधिकारिताय आनी अधिकार सर्वोच्च न्यायालयान वापरप संसद कायद्यावरवीं अथवा दुसरे तरेन उपबंध करीसर, जिका कलम 133 अथवा कलम 134 चे उपबंध लागू जायनात अशे कसलेय गजालीविशींची अधिकारिताय आनी अधिकार ह्या संविधानाच्या आरंभाच्या निकटपूर्व खंयच्याय अस्तित्वांत आशिल्ल्या कायद्याखाला फेडरल न्यायालयाच्यान वापरूं येतात अशें आशिल्लें जायत जाल्यार, त्या गजालीविशींची अधिकारिताय आनी अधिकार सर्वोच्च न्यायालयाकूय आसतले.
- 136. अपील करपाखातीर सर्वोच्च न्यायालयाकडल्यान खाशेली अनुज्ञा (1) ह्या प्रकरणांत किदेंय आसलें तरी, सर्वोच्च न्यायालयाच्यान आपले बुदीन भारताच्या राज्यक्षेत्रांतल्या खंयच्याय न्यायालयान अथवा अधिकरणान कसल्याय कामांत अथवा गजालींत दिल्लो अथवा केल्लो न्यायनिर्णय, हुकूमनामो, निर्धारण, शिक्षादेश अथवा आदेश हांचेर अपील करपाक विशेश अनुज्ञा दिवं येता.
- (2) सशस्त्र दळांसंबंदींच्या खंयच्याय कायद्यावरवीं अथवा ताचेखाला घडण केल्ल्या खंयच्याय न्यायालयान अथवा अधिकरणान दिल्लो अथवा केल्लो कसलोय न्यायनिर्णय, निर्धारण, शिक्षादेश अथवा आदेश हांकां उपकलम (1) मदली खंयचीच गजाल लागू जांवंची ना.
- 137. न्यायनिर्णय अथवा आदेश हांचो सर्वोच्च न्यायालयाकडल्यान पुनर्नियाळ संसदेन केल्ल्या खंयच्याय कायद्याच्या उपबंधांच्या अथवा कलम 145 खाला केल्ल्या खंयच्याय नेमांचे अधीनतायेन सर्वोच्च न्यायालयाक ताणे अधिघोशीत केल्लो खंयचोय न्यायनिर्णय अथवा केल्लो आदेश हांचो पुनर्नियाळ करपाचो अधिकार आसतलो.
- **138. सर्वोच्च न्यायालयाचे अधिकारितायेचो विस्तार करप** (1) सर्वोच्च न्यायालयाक संघ वळेरंत आशिल्ल्यांमदल्या कसल्याय गजालीसंबंदीं कायद्यावरवीं प्रदान करीत तेप्रमाण आनीक अधिकारिताय आनी अधिकार आसतले.
- (2) खंयचेय गजालीसंबंदीं भारत सरकार आनी खंयच्याय राज्याचें खाशेल्या करारावरवीं प्रदान करतलें अशी अधिकारिताय आनी अशे अधिकार हांचो वापर सर्वोच्च न्यायालयान करचो असो संसदेन कायद्यावरवीं उपबंध केल्यार, सर्वोच्च न्यायालयाक तेप्रमाण आनीक अधिकारिताय आनी अधिकार मेळटले.
- 139. थोडे रीट (प्राधिलेख) काडपाच्या अधिकारांचें सर्वोच्च न्यायालयाक प्रदान संसदेच्यान कायद्यावरवीं कलम 32च्या उपकलम (2) त उल्लेखिल्ले परस हेर कसल्याय प्रयोजनाखातीर निदेश, आदेश अथवा हेबियस कॉर्पस (देहोपस्थिति), मांदामुस (महादेश), प्रोहिबिशन (प्रतिशेध), को वॉरंटो (क्वाधिकार) आनी सेर्शियो राराय (प्राकर्शण) ह्या स्वरुपाचे अथवा तांचेमदले रीट हांचेभायरूय रीट काडपाचो अधिकार सर्वोच्च न्यायालयाक प्रदान करूं येता.
- ¹³[139क. थोड्या प्रकरणांचे अंतरण ¹⁴[(1) जर सर्वोच्च न्यायालय आनी एक अथवा अदीक उच्च न्यायालयां हांचेमुखार अथवा दोन अथवा अदीक उच्च न्यायालयां हांचेमुखार अथवा सार स्वरुपासंबंदांत सारकेच कायद्याचे प्रस्न आस्पावीत आशिल्लीं प्रकरणां प्रलंबीत आसतीत आनी अशे प्रस्न हे सर्वसाधारण म्हत्वाचे अशे सारस्वरुपांतले प्रस्न आसात अशी सर्वोच्च न्यायालयाची आपले आपुणूच अथवा भारताचो महा न्यायवादी हाची अथवा

made by the Attorney-General of India or by a party to any such case that such questions are substantial questions of general importance, the Supreme Court may withdraw the case or cases pending before the High Court or the High Courts and dispose of all the cases itself:

Provided that the Supreme Court may after determining the said questions of law return any case so withdrawn together with a copy of its judgment on such questions to the High Court from which the case has been withdrawn, and the High Court shall on receipt thereof, proceed to dispose of the case in conformity with such judgment.]

- (2) The Supreme Court may, if it deems it expedient so to do for the ends of justice, transfer any case, appeal or other proceedings pending before any High Court to any other High Court.]
- 140. Ancillary powers of Supreme Court. Parliament may by law make provision for conferring upon the Supreme Court such supplemental powers not inconsistent with any of the provisions of this Constitution as may appear to be necessary or desirable for the purpose of enabling the Court more effectively to exercise the jurisdiction conferred upon it by or under this Constitution.
- **141.** Law declared by Supreme Court to be binding on all courts. The law declared by the Supreme Court shall be binding on all courts within the territory of India.
 - 142. Enforcement of decrees and orders of Supreme Court and orders as to discovery, etc.
- (1) The Supreme Court in the exercise of its jurisdiction may pass such decree or make such order as is necessary for doing complete justice in any cause or matter pending before it, and any decree so passed or order so made shall be enforceable throughout the territory of India in such manner as may be prescribed by or under any law made by Parliament and, until provision in that behalf is so made, in such manner as the President may by order ¹⁵ prescribe.
- (2) Subject to the provisions of any law made in this behalf by Parliament, the Supreme Court shall, as respects the whole of the territory of India, have all and every power to make any order for the purpose of securing the attendance of any person, the discovery or production of any documents, or the investigation or punishment of any contempt of itself.
- 143. Power of President to consult Supreme Court. (1) If at any time it appears to the President that a question of law or fact has arisen, or is likely to arise, which is of such a nature and of such public importance that it is expedient to obtain the opinion of the Supreme Court upon it, he may refer the question to that Court for consideration and the Court may, after such hearing as it thinks fit, report to the President its opinion thereon.

अशा प्रकरणांतल्या खंयच्याय पक्षकारान अर्ज केल्ल्यान खात्री जाली जाल्यार, सर्वोच्च न्यायालयाच्यान त्या उच्च न्यायालयामुखार अथवा उच्च न्यायालयांमुखार प्रलंबीत आशिल्लें प्रकरण अथवा प्रकरणां काडून घेवन त्या सगल्या प्रकरणांचो स्वताच निर्णय करूं येता :

परंतु, वयर सांगलां त्या कायद्याच्या प्रस्नांचो निर्णय केलेउपरांत सर्वोच्च न्यायालयाच्यान अशे रितीन काडून घेतिल्लें खंयचेंय प्रकरण अशा प्रस्नांवेल्या ताच्या न्यायनिर्णयाचे प्रतीसयत, ज्या उच्च न्यायालयाकडल्यान तें प्रकरण काडून घेतलें आसत त्या उच्च न्यायालयाकडेन परतें धाडूं येता, आनी तें मेळ्ळेउपरांत उच्च न्यायालय त्या प्रकरणाचो अशा न्यायनिर्णयाप्रमाण निकाल करपाची कारवाय करतलें.]

- (2) खंयच्याय उच्च न्यायालयामुखार प्रलंबीत आशिल्लें कसलेय प्रकरण अपील अथवा हेर कारवाय न्यायाचीं उद्दिश्टां साधपाखातीर हेर खंयच्याय उच्च न्यायालयाकडेन अंतरीत करप हें समयोचीत आसा अशें सर्वोच्च न्यायालयाक दिसल्यार, ताच्यान तशें करूं येता.]
- 140. सर्वोच्च न्यायालयाचे आनुशंगिक अधिकार सर्वोच्च न्यायालयाक ह्या संविधानावरवीं अथवा ताचेखाला प्रदान केल्ले अधिकारितायेचो ताका चड परिणामकारक रितीन वापर करपाक मेळचो हे खातीर गरजेचें अथवा समयोचीत दिसतले आनी ह्या संविधानांत आशिल्ल्यामदीं खंयच्याच उपबंधाकडेन विसंगत नासतले अशे पूरक अधिकार सर्वोच्च न्यायालयाक प्रदान करपाखातीर संसदेच्यान कायद्यावरवीं उपबंध करूं येतात.
- **141. सर्वोच्च न्यायालयान घोशीत केल्लो कायदो सगल्या न्यायालयांचेर बंधनकारक आसप** सर्वोच्च न्यायालयान घोशीत केल्लो कायदो भारताच्या राज्यक्षेत्रांतल्या सगल्या न्यायालयाचेर बंधनकारक आसतलो.
- 142. सर्वोच्च न्यायालयाचे हुकूमनामे आनी आदेश हांची बजावणी, आनी प्रकटीकरण, इत्यादी संबंदांत आदेश (1) सर्वोच्च न्यायालयाच्यान आपणाले अधिकारितायेचो वापर करता आसतना ताचेमुखार प्रलंबीत आशिल्ल्या कसल्याय कामांत अथवा गजालींत पूर्ण न्याय करपाखातीर गरजेचो आसत असो हुकूमनामो करूं येता अथवा आदेश करूं येता आनी हेप्रमाण केल्लो कसलोय हुकूमनामो अथवा केल्लो आदेश संसदेन केल्ल्या खंयच्याय कायद्यावरवीं अथवा ताचेखाला विहीत करतले अशें रितीन आनी, तेसंबंदांत हे प्रमाण उपबंध करीसर, राष्ट्रपती ¹⁵आदेशावरवीं विहीत करतलो अशे रितीन भारताच्या राज्यक्षेत्रांत सगल्याक बजावणीयोग्य आसतलो.
- (2) संसदेन हेसंबंदांत केल्ल्या खंयच्याय कायद्याच्या उपबंधांचे अधीनतायेन, खंयचीय व्यक्ती हाजीर जातली, कसल्याय दस्तावेजांचें प्रकटीकरण जातलें आनी तें हाजीर करतले अशी खात्रीलायक तजवीज करपाच्या अथवा आपणाल्या कसल्याय अवमानासंबंदांत सोदतपास करपाच्या अथवा ताचेविशीं ख्यास्त दिवपाच्या प्रयोजनाखातीर कसलोय आदेश करपाचो सर्वोच्च न्यायालयाक भारताच्या संपूर्ण राज्यक्षेत्राखातीर सरसकट अधिकार आसतलो.
- 143. सर्वोच्च न्यायालयाचो विचार घेवपाचो राष्ट्रपतीचो अधिकार (1) जाचेर सर्वोच्च न्यायालयाचें मत मेळोवप समयोचीत आसा अशा स्वरुपाचो आनी इतल्या भौशीक म्हत्वाचो कायद्याविशींचो अथवा तथ्यविशयक प्रस्न उप्रासला अथवा उप्रासपाचो संभव आसा अशा खंयच्याय वेळार राष्ट्रपतीक तशें दिसल्यार, ताका तो प्रस्न त्या न्यायालयाकडेन विचाराखातीर निर्देशीत करूंक मेळटलो आनी त्या न्यायालयाच्यान आपणाक योग्य दिसत अशे सुनावणे उपरांत ताचेवयलें आपणालें मत राष्ट्रपतीक कळोवं येता.

- (2) The President may, notwithstanding anything in ¹⁶*** the proviso to article 131, refer a dispute of the kind mentioned in the ¹⁷[said proviso] to the Supreme Court for opinion and the Supreme Court shall, after such hearing as it thinks fit, report to the President its opinion thereon.
- 144. Civil and judicial authorities to act in aid of the Supreme Court. All authorities, civil and judicial, in the territory of India shall act in aid of the Supreme Court.
- ¹⁸144A. [Special provisions as to disposal of questions relating to constitutional validity of laws.] Rep. by the Constitution (Forty-third Amendment) Act, 1977, s. 5 (w.e.f. 13-4-1978).
- **145.** Rules of Court, etc. (1) Subject to the provisions of any law made by Parliament, the Supreme Court may from time to time, with the approval of the President make rules for regulating generally the practice and procedure of the Court including-
 - (a) Rules as to the persons practising before the Court;
 - (b) Rules as to the procedure for hearing appeals and other matters pertaining to appeals including the time within which appeals to the Court are to be entered;
 - (c) Rules as to the proceedings in the Court for the enforcement of any of the rights conferred by Part III;
 - ¹⁹ [(cc) Rules as to the proceedings in the Court under ²⁰[article 139A];]
 - (d) Rules as to the entertainment of appeals under sub-clause (c) of clause (1) of article 134;
 - (e) Rules as to the conditions subject to which any judgment pronounced or order made by the Court may be reviewed and the procedure for such review including the time within which applications to the Court for such review are to be entered;
 - (f) Rules as to the costs of and incidental to any proceedings in the Court and as to the fees to be charged in respect of proceedings therein;
 - (g) Rules as to the granting of bail;
 - (h) Rules as to stay of proceedings;
 - (i) Rules providing for the summary determination of any appeal which appears to the Court to be frivolous or vexatious or brought for the purpose of delay;
 - (j) Rules as to the procedure for inquiries referred to in clause (1) of article 317.
- (2) Subject to the ²¹[provisions of *** clause (3)], rules made under this article may fix the minimum number of Judges who are to sit for any purpose, and may provide for the powers of single Judges and Division Courts.
 - (3) 23 [The minimum number 22*** of Judges who are to sit for the purpose of deciding any case

- (2) कलम 131 ¹⁶ * * * च्या परंतुकांत किदेंय आसले तरीय ¹⁷ [वयल्या परंतुकांत उल्लेखिले तरेचो वाद] राष्ट्रपतिच्यान सर्वोच्च न्यायालयाकडेन मताखातीर निदेशीत करू येता आनी सर्वोच्च न्यायालय आपणाक योग्य दिसत अशें सुनावणे उपरांत ताचेवयले आपणाले मत राष्ट्रपतीक कळयतलें.
- 144. सिवील आनी न्यायीक प्राधिकरणांनी सर्वोच्च न्यायालयाच्या सहायाखातीर कार्य करप भारताच्या राज्यक्षेत्रांतलीं सगलीं सिवील आनी न्यायीक प्राधिकरणां सर्वोच्च न्यायालयाच्या सहायाखातीर कार्य करतलीं.
- ¹⁸144क. ['संविधान (बेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1976' अनुभाग 25 वरवीं घाल्लें कलम 144क हें 'संविधान (त्रेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1977' अनुभाग 5 वरवीं निरसीत केले.]
- 145. न्यायालयाचे नेम इत्यादी (1) संसदेन केल्ल्या खंयच्याय कायद्याचे अधीनतायेन सर्वोच्च न्यायालयाच्यान त्या त्या वेळार राष्ट्रपतीचे मान्यतायेन त्या न्यायालयाची प्रथा आनी कार्यपद्धत हांचें सर्वसाधारणपणान विनियमन करपाखातीर, फुडल्या प्रकाराच्या नेमाक आस्पावपी नेम करूं येतात -
 - (क) त्या न्यायालयांत वेवसाय करपी व्यक्तींसंबंदांतले नेम;
 - (ख) अपिलांचे सुनावणेखातीर आपणावपाची कार्यपद्धत आनी कितल्या अवधीभितर अपिलां न्यायालयांत दाखल करपाची ताचे सयत अपिलांकडेन संबंदीत आशिल्ल्यो हेर गजाली हेसंबंदींचे नेम;
 - (ग) भाग 3 वरवीं प्रदान केल्ल्यांमदल्या खंयच्याय अधिकाराची बजावणी करपाखातीर त्या न्यायालयांत करपाचे कारवायेसंबंदींचे नेम;
 - (गग) ¹⁹[कलम ²⁰[139 क] हाचेखाला त्या न्यायालयांत करपाचे कारवायेसंबंदींचें नेम;]
 - (घ) कलम 134 उपकलम (1) उप-उपकलम (क) खाला अपिलां विचाराखातीर स्वीकारपासंबंदींचे नेम
 - (ङ) त्या न्यायालयान अधिघोशीत केल्ल्या खंयच्याय न्यायनिर्णयाचीं अथवा केल्ल्या आदेशाचीं जांचे अधीनतायेन पुनर्तपासणी करूं येता त्यो अटी आनी अशे पुनर्तपासणेखातीरचे कार्यपद्धतीसंबंदींचे नेम;
 - (च) त्या न्ययालयांतले खंयचेय कारवायेच्या आनी तदानुशंगिक खर्चासंबंदीं आनी तातूंतले कारवायेसंबंदीं लावपाचे फियेसंबंदींचे नेम:
 - (छ) जामीनादेश दिवपासंबंदींचें नेम;
 - (ज) कारवाय स्थगिती संबंदींचें नेम
 - (झ) त्या न्यायालयाक जें अपील तुच्छ कारणाखातीर अथवा त्रास दिवपाच्या हेतान केलां अशें अथवा कळाव लावपाच्या प्रयोजनाखातीर हाडलां अशें दिसून येतलें अशा कसल्याय अपिलाचो संक्षिप्त रितीन निकाल करपाविशीं उपबंध करपी नेम;
 - (ञ) कलम 317 च्या उपकलम (1) हातूंत निर्देशिल्ले चवकशेचे कार्यपद्धतीसंबंदींचे नेम.
- (2) ²¹[* * * उपकलम (3) च्या उपबंधाचे] अधीनतायेन, ह्या कलमाखाला केल्ल्या नेमावरवीं, कितल्या न्यायाधीशांनी एखाद्या प्रयोजनाखातीर पीठासीन जावंचें ती उण्यांत उणी संख्या थारावं येता आनी एकेकट्यान काम चलोवपी न्यायाधीशांच्या आनी खंडपीठांच्या अधिकारासंबंदीं उपबंध करूं येतात.
- (3) जातूंत ह्या संविधानाचो अर्थ लावपासंबंदीं कसलोय सार स्वरुपाचो कायद्याचो प्रस्न आस्पावला आसत अशा कसल्याय प्रकरणाचो निर्णय करपाच्या प्रयोजनाखातीर अथवा कलम 143 खाला निर्देशीत केल्ल्या प्रकरणाचे

involving a substantial question of law as to the interpretation of this Constitution or for the purpose of hearing any reference under article 143 shall be five:

Provided that, where the Court hearing an appeal under any of the provisions of this Chapter other than article 132 consists of less than five Judges and in the course of the hearing of the appeal the Court is satisfied that the appeal involves a substantial question of law as to the interpretation of this Constitution the determination of which is necessary for the disposal of the appeal, such Court shall refer the question for opinion to a Court constituted as required by this clause for the purpose of deciding any case involving such a question and shall on receipt of the opinion dispose of the appeal in conformity with such opinion.

- (4) No judgment shall be delivered by the Supreme Court save in open Court, and no report shall be made under article 143 save in accordance with an opinion also delivered in open Court.
- (5) No judgment and no such opinion shall be delivered by the Supreme Court save with the concurrence of a majority of the Judges present at the hearing of the case, but nothing in this clause shall be deemed to prevent a Judge who does not concur from delivering a dissenting judgment or opinion.
- 146. Officers and servants and the expenses of the Supreme Court. (1) Appointments of officers and servants of the Supreme Court shall be made by the Chief Justice of India or such other Judge or officer of the Court as he may direct:

Provided that the President may by rule require that in such cases as may be specified in the rule, no person not already attached to the Court shall be appointed to any office connected with the Court, save after consultation with the Union Public Service Commission.

(2) Subject to the provisions of any law made by Parliament, the conditions of service of officers and servants of the Supreme Court shall be such as may be prescribed by rules made by the Chief Justice of India or by some other Judge or officer of the Court authorised by the Chief Justice of India to make rules for the purpose:

Provided that the rules made under this clause shall, so far as they relate to salaries, allowances, leave or pensions, require the approval of the President.

- (3) The administrative expenses of the Supreme Court, including all salaries, allowances and pensions payable to or in respect of the officers and servants of the Court, shall be charged upon the Consolidated Fund of India, and any fees or other moneys taken by the Court shall form part of that Fund.
- 147. Interpretation. In this Chapter and in Chapter 5 of Part VI, references to any substantial question of law as to the interpretation of this Constitution shall be construed as including references to any substantial question of law as to the interpretation of the Government of India Act, 1935 (including any enactment amending or supplementing that Act), or of any Order in Council or order made thereunder, or of the Indian Independence Act, 1947, or of any order made thereunder.

सुनावणेच्या प्रयोजनाखातीर कितले संख्येन न्यायाधीशांनी पीठासीन जावपाचें ती ²³[²²उण्यांत उणी संख्या * * *] पांच आसतली :

परंतु, जेन्ना ह्या प्रकरणाच्या कलम 132 पसून वेगळ्या उपबंधांखाला अपिलाची सुनावणी करपी न्यायालय पांचापरस उण्या न्यायाधीशांचें घडिल्लें आसतलें आनी त्या अपिलाचे सुनावणेच्या ओघांत, तें अपील निकालांत काडपाखातीर जाचें निर्धारण गरजेचें आसा असो ह्या संविधानाचो अर्थ लावपासंबंदीं एखादो सार स्वरूपाचो कायदेविशयक प्रस्न अपिलांत आस्यावीत आसा अशी हेसंबंदीं न्यायालयाची खात्री जातली तेन्ना, अशें न्यायालय जातूंत असो प्रस्न आस्पावीत आसा त्या प्रकरणाचो निर्णय करपाखातीर ह्या उपकलमान गरजेचें केल्लेप्रमाण घडण जाल्ल्या न्यायालयाकडेन असो प्रस्न मताखातीर निर्देशीत करतलें आनी तें मत मेळटकच अशा मताप्रमाण तें अपील निकालांत काडटलें.

- (4) सर्वोच्च न्यायालय उक्त्या न्यायालयांत सुनावणी केलेबगर कसलोच न्यायनिर्णय दिवंचें ना आनी खंयचेंय मत उक्त्या न्यायालयांत दिल्लें आसलेबगर तें कलम 143 खाला तेप्रमाण कळोवचें नात.
- (5) सर्वोच्च न्यायालय कसलोच न्यायनिर्णय अथवा अशें खंयचेच मत प्रकरणाचे सुनावणेच्या वेळार हाजीर आशिल्ल्या न्यायाधीशांमदल्या भोवसंख्यांकांचे सहमतेबगर दिवंचे ना, पूण जो सहमत ना अशा न्यायाधीशांक वेगळो न्यायनिर्णय अथवा मत दिवपाक ह्या उपकलमांतली खंयचीच गजाल प्रतिबंधक आसा अशें मानचें नात.
- 146. सर्वोच्च न्यायालयाचे अधिकारी आनी सेवक आनी खर्च (1) सर्वोच्च न्यायालयाचे अधिकारी आनी सेवक हांच्यो नेमणुको भारताचो मुख्य न्यायमूर्ती अथवा तो निर्देशीत करतलो असो त्या न्यायालयाचो हेर कोणूय न्यायाधीश अथवा अधिकारी हांचे कडल्यान जातल्यो.

परंतु, राष्ट्रपतीच्यान नेमावरवीं अशें गरजेचें करूं येता की, त्या नेमांत विनिर्दीश्ट करतले अशा गजालींनी, त्या न्यायालयाच्यान पयलींसावन संलग्न नाशिल्ले खंयचेय व्यक्तीक त्या न्यायालयाकडेन संबंदीत आशिल्ल्या कसल्याय पदाचेर संघ लोकसेवा आयोगाचो विचार घेतलेबगर नेमणूक करची न्हय.

(2) संसदेन केल्ल्या खंयच्याय कायद्याच्या उपबंधांचे अधीनतायेन, सर्वोच्च न्यायालयाचे अधिकारी आनी सेवक हांच्यो सेवा-अटी भारताच्या मुख्य न्यायमूर्तीन अथवा ताणे त्या प्रयोजनाखातीर नेम करचेपासत प्राधिकृत केल्ल्या त्या न्यायालयाच्या दुसऱ्या कोणाय न्यायाधीशान अथवा अधिकाऱ्यान केल्ल्या नेमावरवीं विहीत करतले अशो आसतल्यो.

परंतु, ह्या उपकलमाखाला केल्ल्या नेमांक जितलेमेरेन ते वेतनां, भत्ते, रजा अथवा पेन्शनी हांचेकडेन संबंदीत आसतली तितलेमेरेन, राष्ट्रपतीची मान्यताय गरजेची आसतली.

- (3) सर्वोच्च न्यायालयाचे अधिकारी आनी सेवक हांकां अथवा तांचेसंबंदांत दिवपाचीं सगलीं वेतनां, भत्ते आनी पेन्शनी हांचेसयत त्या न्यायालयाचो प्रशासकीय खर्च भारताच्या एकवटीत निधीचेर प्रभारीत करतले आनी त्या न्यायालयान घेतिल्ली कसलीय फी अथवा हेर दुडू त्या निधीचोच भाग जातलो.
- 147. अर्थ लावणी ह्या प्रकरणांत आनी भाग VI, प्रकरण-5 हातूंत, ह्या संविधानाचो अर्थ लावपाचे संबंदींच्या खंयच्याय सार रूपांतल्या कायद्याच्या प्रस्नाच्या निर्देशांमदीं 'गव्हर्नमेण्ट ऑफ इंडिया ॲक्ट, 1935' (त्या अधिनियमांत बदल करपी अथवा ताका पूरक आशिल्ली खंयचीय अधिनियमिती लेगीत) अथवा तेखाला केल्ली खंयचीय ऑर्डर-इन-काउन्सिल अथवा आदेश अथवा 'इंडियन इंडिपेण्डेन्स् ॲक्ट, 1947' अथवा तेखाला केल्लो खंयचीय आदेश हांचो अर्थ लावपासंबंदींच्या कसल्याय सार स्वरूपाच्या कायद्याच्या प्रस्नाचे निर्देश आस्पावीत आसात असो त्या निर्देशांचो अर्थ लायतले.

CHAPTER 5 - COMPTROLLER AND AUDITOR-GENERAL OF INDIA

- 148. Controller and Auditor-General of India. (1) There shall be a Comptroller and Auditor-General of India who shall be appointed by the President by warrant under his hand and seal and shall only be removed from office in like manner and on the like grounds as a Judge of the Supreme Court.
- (2) Every person appointed to be the Comptroller and Auditor-General of India shall, before he enters upon his office, make and subscribe before the President, or some person appointed in that behalf by him, an oath or affirmation according to the form set out for the purpose in the Third Schedule.
- (3) The salary and other conditions of service of the Comptroller and Auditor-General shall be such as may be determined by Parliament by law and, until they are so determined, shall be as specified in the Second Schedule:

Provided that neither the salary of a Comptroller and Auditor-General nor his rights in respect of leave of absence, pension or age of retirement shall be varied to his disadvantage after his appointment.

- (4) The Comptroller and Auditor-General shall not be eligible for further office either under the Government of India or under the Government of any State after he has ceased to hold his office.
- (5) Subject to the provisions of this Constitution and of any law made by Parliament, the conditions of service of persons serving in the Indian Audit and Accounts Department and the administrative powers of the Comptroller and Auditor-General shall be such as may be prescribed by rules made by the President after consultation with the Comptroller and Auditor-General.
- (6) The administrative expenses of the office of the Comptroller and Auditor-General, including all salaries, allowances and pensions payable to or in respect of persons serving in that office, shall be charged upon the Consolidated Fund of India.
- 149. Duties and powers of the Comptroller and Auditor-General. The Comptroller and Auditor-General shall perform such duties and exercise such powers in relation to the accounts of the Union and of the States and of any other authority or body as may be prescribed by or under any law made by Parliament and, until provision in that behalf is so made, shall perform such duties and exercise such powers in relation to the accounts of the Union and of the States as were conferred on or exercisable by the Auditor-General of India immediately before the commencement of this Constitution in relation to the accounts of the Dominion of India and of the Provinces respectively.
- ¹[150. Form of accounts of the Union and of the States. The accounts of the Union and of the States shall be kept in such form as the President may, ²[on the advice of] the Comptroller and Auditor-General of India, prescribe.]
- **151.** Audit reports. (1) The reports of the Comptroller and Auditor-General of India relating to the accounts of the Union shall be submitted to the President, who shall cause them to be laid before each House of Parliament.

प्रकरण 5 - भारताचो नियंत्रक आनी महा लेखापरीक्षक

- 148. भारताचो नियंत्रक आनी महा लेखापरीक्षक (1) भारताक एक नियंत्रक आनी महा लेखापरीक्षक आसतलो आनी राष्ट्रपतीकडल्यान स्वाक्षरीत आनी स्वमुद्रांकीत अधिपत्रावरवीं ताची नेमणूक जातली आनी ताका सर्वोच्च न्यायालयाच्या न्यायाधीशाप्रमाण तशेंच रितीन आनी तशाच कारणावेल्यान पदावेल्यान कडेक काडूं येता.
- (2) भारताचो नियंत्रक आनी महा लेखापरीक्षक म्हूण नेमणूक जाल्ली दरेक व्यक्ती आपणालें पद ग्रहण करचेपयलीं राष्ट्रपती मुखार अथवा सोपूत आनी दृढकथन हांच्या संबंदांत ताणे नेमिल्ले खंयचेय व्यक्तीमुखार तिसरे अनुसुचयेंत त्या प्रयोजनाखातीर दिल्ल्या नमुन्याप्रमःण सोपूत घेवन अथवा दृढकथन करून ताचेखाला स्वाक्षरी करतली.
- (3) नियंत्रक आनी महा लेखापरीक्षक हाचें वेतन आनी ताच्यो हेर सेवा-अटी संसद कायद्यावरवीं थारायतली तेप्रमाण आसतल्यो आनी त्यो हेप्रमाण निर्धारीत जायसर, दुसरे अनुसुचयेंत विनिर्दीश्ट केल्लेप्रमाण आसतल्यों :

परंतु, नियंत्रक आनी महा लेखापरीक्षक हाचें वेतन अथवा गैरहाजीरी-रजेसंबंदांतले, पेन्शनीविशींचे अथवा निवृत्तीचे पिरायेसंबदींचे ताचे अधिकार हांचे भितरल्या किद्यांतूच ताका नुकसानकारक जायत असो बदल ताचे नेमणुकेउपरांत करचे नात.

- (4) नियंत्रक आनी महा लेखापरीक्षक हाचें पदधारण बंद जालेउपरांत तो भारत सरकाराचे अखत्यारे खालचे अथवा खंयच्याय राज्य शासनाचे अखत्यारेखालच्या आनीक एखाद्या पदाक पात्र आसचो ना.
- (5) ह्या संविधानाच्या आनी संसदेन केल्ल्या खंयच्याय कायद्याच्या उपबंधांचे अधीनतायेन, 'भारतीय लेखापरीक्षा आनी लेखा विभाग' हातूंत नोकरी करपी व्यक्तींच्यो सेवा-अटी आनी नियंत्रक आनी महा लेखापरीक्षक हांचे प्रशासकीय अधिकार राष्ट्रपतीन नियंत्रक आनी महा लेखापरीक्षक हाचो विचार घेवन उपरांत केल्ल्या नेमांवरवीं विहीत करतले अशो आसतल्यो.
- (6) नियंत्रक आनी महा लेखापरीक्षक हाच्या कार्यालयांत नोकरी करपी व्यक्तींक अथवा तांचेसंबंदीं दिवपाचीं सगलीं वेतनां, भत्ते आनी पेन्शनी हांचेसयत त्या कार्यालयाचो प्रशासकीय खर्च भारताच्या एकवटीत निधीचेर प्रभारीत करतले.
- 149. नियंत्रक आनी महा लेखापरीक्षक हांचीं कर्तव्यां आनी अधिकार नियंत्रक आनी महा लेखापरीक्षक हो संघ आनी राज्यां तशेंच हेर कसलेंय प्राधिकरण अथवा निकाय हांच्या लेख्यांच्या संबंदांत संसदेन केल्ल्या खंयच्याय कायद्यावरवीं अथवा तेखाला विहीत करतले अशा कर्तव्यांक पाळो दितलो आनी अशा अधिकारांचो वापर करतलो, आनी, तेसंबंदांत हेप्रमाण उपबंध करीसर तो, ह्या संविधानाच्या आरंभाचे निकटपूर्व डोमिनियन ऑफ इंडियाच्या आनी प्रांतांच्या लेख्यांच्या संबंदांत भारताच्या महा लेखापरीक्षकाकडेन जीं कर्तव्यां दिल्ली तांचें पालन आनी ताका जे अधिकार वापरूंक येवपासारके आशिल्ले तांचो वापर अनुकमान संघाच्या आनी राज्यांच्या लेख्यांच्या संबंदांत करतलो.
- ¹[150. संघाच्या आनी राज्यांच्या लेख्यांचो नमुनो संघाचे आनी राज्यांचे लेखे भारताचो नियंत्रक आनी महा लेखापरीक्षक ²[हाच्या सल्ल्या वेल्यान] राष्ट्रपती विहीत करतलो अशा नमुन्यांनी दवरतले.]
- 151. लेखापरीक्षा अहवाल (1) भारताचो नियंत्रक आनी महा लेखापरीक्षक हाचें संघाच्या लेख्यांविशींचे अहवाल राष्ट्रपतीमुखार दवरतले आनी तो ते संसदेच्या दरेका सभाघरामुखार दवरूंक लायतलो.

(2) The reports of the Comptroller and Auditor-General of India relating to the accounts of a State shall be submitted to the Governor ³*** of the State, who shall cause them to be laid before the Legislature of the State.

Part V Union Chapter I - Executive President and Vice-President (Notes)

- 1. Subs. by the Constitution (Forty-second Amendment) Act, 1976, s. 12, for the Explanation (w.e.f. 3-1-1977).
- 2. The words "or Rajpramukh or Uparajpramukh" omitted by the Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s. 29 and Sch.
- 3. Subs. by the Constitution (Eleventh Amendment) Act, 1961, s. 2, for "members of both Houses of Parliament assembled at a joint meeting".
- 4. The words "or Rajpramukh or Uparajpramukh" omitted by the Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s. 29 and Sch.
- 5. Art. 71 has been successively subs. by the Constitution (Thirty-ninth Amendment) Act, 1975, s. 2 (w.e.f. 10-8-1975) and the Constitution (Forty-fourth Amendment) Act, 1978, s.10, to read as above (w.e.f. 20-6-1979).
- 6. The words "or Rajpramukh" omitted by the Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s. 29 and Sch.
- 7. The words and letters "specified in Part A or Part B of the First Schedule" omitted by s. 29 and Sch., ibid.
- 8. Subs. by the Constitution (Forty-second Amendment) Act, 1976, s. 13, for cl.(1) (w.e.f. 3-1-1977).
- 9. Ins. by the Constitution (Forty-fourth Amendment) Act, 1978, s. 11 (w.e.f. 20-6-1979).
- ±. See Notifn. No. S.O. 2297, dated the 3rd November, 1958, Gazette of India, Extraordinary, 1958, Pt.II, s. 3 (ii), p.1315, as amended from time to time.
- 10. Cl.(4) was ins. by the Constitution (Forty-second Amendment) Act, 1976, s. 14 (w.e.f. 3-1-1977) and omitted by the Constitution (Forty-fourth Amendment) Act, 1978, s. 12 (w.e.f. 20-6-1979).

(2) भारताचो नियंत्रक आनी महा लेखापरीक्षक हाचे एखाद्या राज्याच्या लेख्यांविशींचे अहवाल त्या राज्याच्या राज्यपालामुखार ³ * * * दवरतले आनी तो ते राज्याच्या विधानमंडळामुखार दवरूंक लायतलो.

भाग - V संघ प्रकरण - 1 : कार्यपालिका राष्ट्रपती आनी उपराष्ट्रपती : (टिपो)

- 1. 'संविधान (बेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1976'- अनुभाग 12 वरवीं (3-1-1977 सावन) स्पष्टीकरणाचे सुवातेर घालें.
- 2. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956'- अनुभाग 29 आनी अनुसुचयेवरवीं 'अथवा राज-प्रमुख अथवा उप-राजप्रमुख' हीं उतरां निरसीत केलीं.
- 3. 'संविधान (अकरावो बदल) अधिनियम, 1961'- अनुभाग 2 वरंवीं मूळ मजकुराचे सुवातेर घालें.
- 4. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956'- अनुभाग 29 आनी अनुसुचयेवरवीं मूळ मजकुराचे सुवातेर घालें.
- 5. 'संविधान (एकोणचाळिसावो बदल) अधिनियम, कलम 71 अनुभाग 2 वरवीं (10-8-1975 सावन) आनी उपरांत 'संविधान (चोवेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1978 अनुभाग 10 वरवीं (20-6-1979 सावन) बदलून वयल्या रुपांत आयलें.
- 6. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956'- अनुभाग 29 आनी अनुसुचयेवरवी 'अथवा राजप्रमुख हीं उतरां निरसीत केलीं '
- 7. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956'- अनुभाग 29 आनी अनुसुचयेवरवीं 'पयले अनुसुचयेचो भाग 'क' आनी भाग 'ख' हातूंत विनिर्दीष्ट' हीं उतरां निरसीत केलीं.
- 8. 'संविधान (बेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1976'- अनुभाग 13 वरवीं (3-1-1977 सावन) उपकलम (1) चे सुवातेर घालें.
- 9. 'संविधान (चोवेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1978'- अनुभाग 11 वरवीं (20-6-1979 सावन) घालें.
- <u>+</u> पळयात, अदींमंदीं त्या त्या वेळार बदलिल्ल्यो अधिसुचोवण्यो सं. का. आ. 2297, तारीख 3 नोवेंबर, 1958 भारताचें राजपत्र असाधारण 1958, भाग 2 अनुभाग 3 (त्त्). पान नं. 1315.
- 10. 'संविधान (बेचाळिसावो बदल) अधिनियम्, 1976' अनुभाग 14 वरतीं (3-1-1977 सावन) उपकलम (4) घालें आनी 'संविधान (चोवेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1978 - अनुभाग 12 वरवीं (20-6-1979 सावन) तें निरसीत केलें.

(Chapter - 2 Parliament)

(Notes).

- 1. Subs. by the Constitution (Thirty-fifth Amendment) Act, 1974, s. 3, for "The Council of States" (w.e.f. 1-3-1975).
- 2. The words "Subject to the provisions of paragraph 4 of the Tenth Schedule," omitted by the Constitution (Thirty-sixth Amendment) Act, 1975, s. 5 (w.e.f. 26-4-1975).
- 3. Added by the Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s. 3.
- 4. The words and letters "specified in Part A or Part B of the First Schedule" omitted by s. 3, ibid.
- Subs. by s. 3, ibid., for "States specified in Part C of the First Schedule".
 Subs. by the Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s. 4, for arts. 81 and 82.
 Subs. by the Constitution (Thirty-Fifth Amendment) Act, 1974- s.4 (w.e.f. 1-3-1975) for words "subject to provisions of Article 331".
- 8. Words "and the para 4 of the 10th Schedule" deleted by Constitution (Thirty-Sixth Amendment)
 Act, 1975 s.5 (w.e.f. 26-4-1975)
- 9. Subs. by the Constitution (Thirty-first Amendment) Act, 1973, s. 2, for "twenty-five members".
- 10. Ins. by s. 2, ibid.
- 12. Ins. by the Constitution (Forty-second Amendment) Act, 1976, s. 15 (w.e.f. 3-1-1977).
- 13. Ins. by s. 16, ibid.
- 14. Subs. by the Constitution (Forty-fourth Amendment) Act, 1978, s. 13, for "six years" (w.e.f. 20-6-1979). The words "six years" were subs. for the original words "five years" by the Constitution (Forty-second Amendment) Act, 1976, s.17 (w.e.f. 3-1-1977).
- 15. Subs. by the Constitution (Sixteenth Amendment) Act, 1963, s. 3 for cl. (a).
- 16. Subs. by the Constitution (First Amendment) Act, 1951, s. 6, for art. 85.
- 17. Subs. by s. 7, ibid., for "every session".
- 18. The words "and for the precedence of such discussion over other business of the House" omitted by s. 7, ibid.
- 19. The words and letters "specified in Part A or Part B of the First Schedule" omitted by the Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s. 29 and Sch.

(प्रकरण - 2 : संसद)

(टिपो)

- 1. 'संविधान (पस्तिसावो बदल) अधिनियम, 1974' अनुभाग 3 वरवीं (1-3-1975 सावन) 'राज्यसभा' ह्या उतराचे सुवातेर घालें.
- 2. 'संविधान (छत्तिसावो बदल) अधिनियम, 1975' अनुभाग 5 वरवीं (26-4-1975 सावन) 'धावे अनुसुचयेच्या परिच्छेद 4 च्या उपबंधाचे अधीनतायेन' ही उतरां निरसीत केलीं.
- 3. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956' अनुभाग 3 वरवीं घालें.
- 4. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956' अनुभाग 3 वरवीं 'पयले अनुसुचयेच्या भाग (क) अथवा भाग (ख) हातूंत विनिर्दीश्ट' हीं उतरां निरसीत केलीं.
- 5. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956' अनुभाग 3 वरवीं 'पयले अनुसुचयेच्या भाग (क) त विनिर्दीश्ट राज्यां' ह्या मजकुराचे सुवातेर घालें.
- 6. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956' अनुभाग 4 वरवीं कलम 81 आनी 82 हांचे सुवातेर घालें.
- 7. 'संविधान (पस्तिसावो बदल) अधिनियम, 1974' अनुभाग 4 वरवीं (1-3-1975 सावन) 'कलम 331 च्या उपबंधांचे अधीनतायेन रावून' ह्या मजकुराचे सुवातेर घालें.
- 8. 'संविधान (छत्तिसावो बदल) अधिनियम, 1975' अनुभाग 5 वरवीं (26-4-1975 सावन) 'आनी धावे अनुसुचयेचो परिच्छेद - 4' ही उतरा निरसीत केलीं.
- 9. 'संविधान (एकतिसावो बदल) अधिनियम, 1973' अनुभाग 2 हातूंत 'पांचशी वांगडी' ह्या उतरांचे सुवातेर धालें.
- 10. 'संविधान (एकतिसावो बदल) अधिनियम, 1973' अनुभाग 2 वरवीं 'पंचवीस वांगडी' ह्या उतरांचे सुवातेर घालें.
- 11. 'संविधान (एकतिसावो बदल) अधिनियम, 1973' अनुभाग 2 वरवीं घालें.
- 12. 'संविधान (बेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1976' अनुभाग 15 वरवीं (3-1-1977 सावन) घालें.
- 13. 'संविधान (बेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1976' अनुभाग 16 वरवीं (3-1-1977 सावन) घालें.
- 14. 'संविधान (चोवेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1978' अनुभाग 13 वरवीं (20-6-1979 सावन) 'स वर्सा' ह्या उतरांचो सुवातेर घालें, 'संविधान (बेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1976' अनुभाग 17 वरवीं (3-1-1977 सावन) मूळच्या 'पांच
 - वर्सां चे सुवातेर 'स वर्सां ही उतरां घालीं.
- 15. 'संविधान (सोळावो बदल) अधिनियम, 1963' अनुभाग 3 वरवीं उपकलम (क) चे सुवातेर घालें.
- 16. 'संविधान (पयलो बदल) अधिनियम, 1951' अनुभाग 6 वरवीं कलम 85 चे सुवातेर घालें.
- 17. 'संविधान (पयलो बदल) अधिनियम, 1951' अनुभाग 7 वरवीं 'दरेक सत्र' चे सुवातेर घालें.
- 18. 'संविधान (पयलो बदल) अधिनियम, 1951' अनुभाग 7 वरवीं 'आनी सभाघराच्या हेर कामकाजांत हे चर्चेक अग्रक्रम दिवपाखातीर' ही उतरां निरसीत केलीं.
- 19. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956' अनुभाग 29 आनी अनुसुचयेवरवीं 'पयले अनुसुचयेच्या भाग (क) अथवा भाग (ख) हातूंत विनिर्दीष्ट' ही उतरां निरसीत केलीं.

- 20. Subs. by s. 29 and Sch., ibid., for "such a State".
- 21. See the Prohibition of Simultaneous Membership Rules, 1950, published with the Ministry of Law Notification No. F.46/50-C, dated the 26th January, 1950, Gazette of India, Extraordinary, p.678
- 22. Subs. by the Constitution (Fifty-second Amendment) Act, 1985, s. 3 for "(2) For the purposes of this article" (w.e.f. 1-3-1985).
- 23. Subs. by the Constitution (Thirty-third Amendment) Act, 1974, s. 2, for sub-clause
- 24. Ins. by Constitution (Thirty-third Amendment) Act, 1974, s. 2.
- 25. Subs. by the Constitution (Fifty-second Amendment) Act, 1985, s. 3, (w.e.f. 01-03-1985) for the words "for the purpose of these Articles."
- 26. Ins. by the Cosntitution (Fifty-second Amendment) Act, 1985, s.3, (w.e.f. 1-3-1985)
- 27. Art. 103 has been successively subs. by the Constitution (Forty-second Amendment) Act, 1976, s. 20 (w.e.f. 3-1-1977) and the Constitution (Forty-fourth Amendment) Act, 1978, s. 14, to read as above (w.e.f. 20-6-1979).
- 28. Subs. by the Constitution (Forty-fourth Amendment) Act, 1978, s. 15, for certain words (w.e.f. 20-6-1979).
- 29. Subs. by the Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s. 29 and Sch., for "a Province corresponding to a State specified in Part A of the First Schedule".

(Chapter - 3 : Constitutional Powers of the President)

(Note)

1. Cl. (4) was ins. by the Constitution (Thirty-eighth Amendment) Act, 1975, s. 2 (retrospectively) and omitted by the Constitution (Forty-fourth Amendment) Act, 1978, s. 16 (w.e.f. 20-6-1979).

(Chapter- 4: The Union Judiciary)

(Notes)

- 1. Now "twenty-five", vide Act 22 of 1986, s. 2.
- 2. Ins. by the Constitution (Fifteenth Amendment) Act, 1963, s. 2.
- 3. Subs. by the Constitution (Fifty-fourth Amendment) Act, 1986, s. 2, for cl. (1) (w.e.f. 1-4-1986). 1. Ins. by the Constitution (Fifteenth Amendment) Act, 1963, s. 3. 1.
- 4. Subs. by the Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s. 5, for the proviso.
- 5. Ins. by the Constitution (Forty-second Amendment) Act, 1976, s. 23 (w.e.f. 1-2-1977).
- 6. Subs. by the Constitution (Forty-fourth Amendment) Act, 1978, s. 17, for "if the High Court certifies" (w.e.f. 1-8-1979).
- 7. Cl. (2) omitted by s. 17, ibid. (w.e.f. 1-8-1979).

- 20. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956' अनुभाग 29 आनी अनुसुचयेवरवीं 'अशें, खंयचेय राज्य' ह्या उतरांचे सुवातेर घालें.
- 21. पळयात, विधी मंत्रालयाची अधिसुचोवणी संख्या एफ. 46/50 सी, तारीक 26 जानेवारी 1950, भारताचें राजपत्र, असाधारण, पान 678 चेर उजवाडायल्ले 'समसामायीक सदस्यता प्रतिशेध नियम, 1950'
- 22. 'संविधान (बावन्नावो बदल) अधिनियम, 1985' अनुभाग 2 वरवीं (1-3-1985 सावन) 'कलम 182 चें उपकलम (1)' ह्या मजकूराचे सुवातेर घालें.
- 23. 'संविधान (तेत्तिसावो बदल) अधिनियम, 1974' अनुभाग 2 वरवीं उप-उपकलम (ख) चे सुवातेर घालें.
- 24. 'संविधान (तेत्तिसावो बदल) अधिनियम, 1974' अनुभाग 2 वरवीं घालें.
- 25. 'संविधान (बावन्नावो बदल) अधिनियम, 1985' अनुभाग 3 वरवीं (1-3-1985 सावन) '(2) ह्या कलमांच्या प्रयोजनांखातीर' ह्या मजकुराचे सुवातेर घालें.
- 26. 'संविधान (बावन्नावो बदल) अधिनियम, 1985' अनुभाग 3 वरवीं (1-3-1985 सावन) घालें.
- 27. 'संविधान (बेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1976' कलम 103, अनुभाग 20 वरवीं (3-1-1977 सावन) घालें आनी उपरांत 'संविधान (चोवेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1978'- अनुभाग 14 वरवीं (20-6-1979 सावन) बदलून वयर दिलां त्या स्वरुपांत घालें.
- 28. 'संविधान (चोवेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1978' अनुभाग 15 वरवीं (20-6-1979 सावन) थोड्या उतरांचे सुवातेर घालें.
- 29. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956' अनुभाग 29 आनी अनुसुचयेवरवीं 'पयले अनुसुचयेचो भाग (क) हातूंत विनिर्दीष्टर राज्याचे तत्स्थानी प्रांत' ह्या मजकुराचे सुवातेर घालें.

(प्रकरण - 3 : राष्ट्रपतीचे वैधानीक अधिकार) (टीप)

 'संविधान (आडिटसावो बदल) अधिनियम, 1975' - अनुभाग 2 वरवीं उपकलम (4) घालें आनी, 'संविधान (चोवेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1978' - अनुभाग 16 वरवीं (20-6-1979 सावन) तें निरसीत केलें.

(प्रकरण - 4: संघाची न्यायपालिका) (टिपो)

- 1. 1986 च्या अधिनियम, संख्या 22 प्रमाण आतां ही संख्या 'पंचवीस' आसा.
- 2. 'संविधान (पंदरावो बदल) अधिनियम, 1963' अनुभाग 2 वरवीं घालें.
- 3. 'संविधान (पंदरावो बदल) अधिनियम, 1963' अनुभाग 3 वरवीं घालें.
- 4. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956' अनुभाग 5 वरवीं परन्तुकाची सुवात दिली.
- 5. 'संविधान (बेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1976' अनुभाग 23 वरवीं (1-2-1977 सावन) घालें.
- 6. 'संविधान (चोवेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1978' अनुभाग 17 वरवीं (1-8-1979 सावन) 'कलम 134 खाला उच्च न्यायालयान प्रमाणीत केल्यार' हो मजकूर घालो.
- 7. 'संविधान (चोवेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1978' अनुभाग 17 वरवीं (1-8-1979 सावन) उपकलम (2) निरसीत केलें.

- 8. Certain words omitted by s. 17, ibid. (w.e.f. 1-8-1979).
- 9. Subs. by the Constitution (Thirtieth Amendment) Act, 1972, s. 2, for cl. (1) (w.e.f. 27-2-1973).
- 10. Subs. by the Constitution (Forty-fourth Amendment) Act, 1978, s. 18, for "if the High Court certifies-" (w.e.f. 1-8-1979).
- 11. Subs. by s. 19, ibid., for "certifies" (w.e.f. 1-8-1979).
- 12. Ins. by s. 20, ibid. (w.e.f. 1-8-1979).
- 13. Ins. by the Constitution (Forty-second Amendment) Act, 1976, s. 24 (w.e.f. 1-2-1977).
- 14. Subs. by the Constitution (Forty-fourth Amendment) Act, 1978, s. 21, for cl. (1) (w.e.f. 1-8-1979).
- 15. See the Supreme Court (Decrees and Orders) Enforcement Order, 1954 (C.O. 47).
- 16. The words, brackets and figure "clause (i) of" omitted by the Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s. 29 and Sch.
- 17. Subs. by s. 29 and Sch., ibid., for "said clause".
- 18. Ins. by the Constitution (Forty-second Amendment) Act, 1976, s. 25 (w.e.f. 1-2-1977).
- 19. Ins. by s. 26, ibid. (w.e.f. 1-2-1977).
- 20. Subs. by the Constitution (Forty-third Amendment) Act, 1977, s. 6, for "articles 131A and 139A" (w.e.f. 13-4-1978).
- 21. Subs. by the Constitution (Forty-second Amendment) Act, 1976, s. 26, for "provisions of clause (3)" (w.e.f. 1-2-1977).
- 22. Certain words omitted by the Constitution (Forty-third Amendment) Act, 1977, s. 6 (w.e.f. 13-4-1978).
- 23. Subs. by the Constitution (Forty-second Amendment) Act, 1976, s. 26, for "The minimum number" (w.e.f. 1-2-1977).

(Chapter - 5 : Comptroller and Auditor General of India) (Notes)

- 1. Subs. by s. 27, ibid., for art. 150 (w.e.f. 1-4-1977).
- 2. Subs. by the Constitution (Forty-fourth Amendment) Act, 1978, s. 22, for "after consultation with" (w.e.f. 20-6-1979).
- 3. The words "or Rajpramukh" omitted by the Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s. 29 and Sch.

- 8. 'संविधान (चोवेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1978' अनुभाग 17 वरवीं (1-8-1979 सावन) थोडीं उतरां निरसीत केलीं.
- 9. 'संविधान (तीसावो बदल) अधिनियम, 1972' अनुभाग 2 वरवीं (27-2-1973 सावन) उपकलम 1 चे सुवातेर घालें.
- 10. 'संविधान (चोवेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1978' अनुभाग 18 वरवीं (1-8-1979 सावन) 'जर उच्च न्यायालयान प्रमाणीत केलें जाल्यार' हो मजकूर घालो.
- 11. 'संविधान (चोवेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1978' अनुभाग 19 वरवीं (1-8-1979 सावन) 'प्रमाणीत करीत जाल्यार' चे सुवातेर घालें.
- 12. 'संविधान (चोवेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1978' अनुभाग 20 वरवीं (1-8-1979 सावन) घालें.
- 13. 'संविधान (बेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1976' अनुभाग 24 वरवीं (1-2-1977 सावन) घालें.
- 14. 'संविधान (चोवेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1978' अनुभाग 21 वरवीं (1-8-1979 सावन) उपकलम (1) चे सुवातेर घालें.
- 15. पळयात, सर्वोच्च न्यायालय (डिक्री आनी आदेश) प्रवर्तन आदेश, 1954 (सं. आ. 47)
- 16. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956' अनुभाग 29 आनी अनुसुचयेवरवीं 'उपकलम (i)', हो मजकूर निरसीत केलो.
- 17. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956' अनुभाग 29 आनी अनुसुचयेवरवीं 'वयलें उपकलम' चे सुवातेर घालें.
- 18. 'संविधान (बेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1976' अनुभाग 25 वरवीं (1-2-1977 सावन) घालें.
- 19. 'संविधान (बेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1976' अनुभाग 26 वरवीं (1-2-1977 सावन) घालें.
- 20. 'संविधान (त्रेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1977' अनुभाग 6 वरवीं (13-4-1978 सावन) 'कलम 131 क आनी 139 क' ह्या सुवातांचेर घालीं.
- 21. 'संविधान (बेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1976' अनुभाग 26 वरवीं (1-2-1977 सावन) 'उपकलम (3) चे उपबंध' हे सुवातेर घालें.
- 22. 'संविधान (त्रेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1977' अनुभाग 6 वरवीं (13-4-1978 सावन) थोडो मजकूर निरसीत केलो.
- 23. 'संविधान (बेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1976' अनुभाग 26 वरवीं (1-2-1977 सावन) 'उण्यांत उणी संख्या' चे सुवातेर घालें.

(प्रकरण - 5 : भारताचो नियंत्रक आनी महा लेखापरीक्षक) (टिपो)

- 'संविधान (बेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1976', अनुभाग 27 वरवीं (1-4-1977 सावन) कलम 150 चे सुवातेर घालें.
- 2. 'संविधान (चोवेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1978', अनुभाग 22 वरवीं (20-6-1979 सावन) मूळ मजकुराचे सुवातेर घालें.
- 3. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956', अनुभाग 29 आनी अनुसुचयेवरवीं 'अथवा राजप्रमुख' हीं उतरां निरसीत केलीं.

PART-VI

THE STATES 1* * *

CHAPTER 1 - GENERAL

152. Definition. — In this Part, unless the context otherwise requires, the expression "State" [does not include the State of Jammu and Kashmir.]

CHAPTER 2 - THE EXECUTIVE

THE GOVERNOR

153. Governors of States. — There shall be a Governor for each State:

³[Provided that nothing in this article shall prevent the appointment of the same person as Governor for two or more States.]

- **154.** Executive power of State. (1) The executive power of the State shall be vested in the Governor and shall be exercised by him either directly or through officers subordinate to him in accordance with this Constitution.
 - (2) Nothing in this article shall-
 - (a) Be deemed to transfer to the Governor any functions conferred by any existing law on any other authority; or
 - (b) Prevent Parliament or the Legislature of the State from conferring by law functions on any authority subordinate to the Governor.
- **155. Appointment of Governor.** The Governor of a State shall be appointed by the President by warrant under his hand and seal.
- **156.** Term of office of Governor. (1) The Governor shall hold office during the pleasure of the President.
 - (2) The Governor may, by writing under his hand addressed to the President, resign his office.
- (3) Subject to the foregoing provisions of this article, a Governor shall hold office for a term of five years from the date on which he enters upon his office:

Provided that a Governor shall, notwithstanding the expiration of his term, continue to hold office until his successor enters upon his office.

157. Qualifications for appointment as Governor. — No person shall be eligible for appointment as Governor unless he is a citizen of India and has completed the age of thirty-five years.

भाग - VI

राज्यां ¹* * *

प्रकरण 1 - सर्वसाधारण

152. व्याख्या – ह्या भागांत, संदर्भाक लागून दुसरे तरेन गरजेचें नासत जाल्यार, 'राज्य' ह्या ²[उतरांत जमू आनी काश्मीर राज्याचो आस्पाव ना.]

प्रकरण 2 - कार्यपालिका

राज्यपाल

153. राज्यांचे राज्यपाल - दरेका राज्याक एक राज्यपाल आसतलो.

³[परंतु, दोन अथवा चड राज्यांखातीर राज्यपाल म्हूण एकेच व्यक्तीची नेमंणूक करपाक ह्या कलमांतली खंयचीच गजाल प्रतिबंधक आसची ना.]

- **154. राज्याचो शासनाधिकार** (1) राज्याचो शासनाधिकार राज्यपालाचे ठांय निहीत आसतलो आनी ताचेकडल्यान प्रत्यक्षपणान अथवा ताच्या हाताखालच्या अधिकाऱ्यांवरवीं ह्या संविधानाप्रमाण ताचो वापर जातलो.
 - (2) ह्या कलमांतले खंयचेच गजालीक लागून -
 - (क) खंयच्याच विद्यमान कायद्यावरवीं हेर खंयच्याय प्राधिकरणाक प्रदान केल्ले कसलेय कार्याधिकार राज्यपालाकडेन हस्तांतरीत जातात अशें मानचे नात; अथवा
 - (ख) राज्यपालाक दुय्यम आशिल्ल्या खंयच्याय प्राधिकरणाक कायद्यावरवीं कार्याधिकार प्रदान करपाक संसदेक अथवा राज्य विधानमंडळाक प्रतिबंध जांवचो ना.
- **155. राज्यपालाची नेमणूक** राज्याच्या राज्यपालाची नेमणूक राष्ट्रपतीकडल्यान स्वाक्षरीत आनी स्वमुद्रांकीत अधिपत्रावरवीं जातली.
 - 156. राज्यपालाचो पदावधी (1) राज्यपाल राष्ट्रपतीची खोशी आससर पद धारण करतलो.
- (2) राष्ट्रपतीक लेखून बरयल्ल्या स्वाक्षरीत लेखावरवीं राज्यपालाच्यान आपणाल्या अधिकारपदाचो राजीनामो दिवं येता.
- (3) ह्या कलमाच्या पूर्वगामी उपबंधांचे अधीनतायेन, राज्यपाल जे तारकेक आपणालें अधिकारपद ग्रहण करतलो ते तारकेसावन पांच वर्सांच्या काळामेरेन तें अधिकारपद धारण करतलो :

परंतु राज्यपाल, ताचो पदावधी सोंपलो तरीय, ताचो उत्तराधिकारी स्वताचें अधिकारपद ग्रहण करीसर पदधारण चालू दवरतलो.

157. राज्यपालपदावेले नेमणुके खातीर पात्रताय — खंयचीय व्यक्ती, ती भारताची नागरीक आसा आनी तिचे पिरायेक पस्तीस वर्सां पूर्ण जाल्यांत अशें आसले बगर राज्यपालपदावेले नेमणुकेक पात्र आसची ना.

- 158. Conditions of Governor's office. (1) The Governor shall not be a member of either House of Parliament or of a House of the Legislature of any State specified in the First Schedule, and if a member of either House of Parliament or of a House of the Legislature of any such State be appointed Governor, he shall be deemed to have vacated his seat in that House on the date on which he enters upon his office as Governor.
 - (2) The Governor shall not hold any other office of profit.
- (3) The Governor shall be entitled without payment of rent to the use of his official residences and shall be also entitled to such emoluments, allowances and privileges as may be determined by Parliament by law and, until provision in that behalf is so made, such emoluments, allowances and privileges as are specified in the Second Schedule.
- ⁴[(3A) Where the same person is appointed as Governor of two or more States, the emoluments and allowances payable to the Governor shall be allocated among the States in such proportion as the President may by order determine.]
- (4) The emoluments and allowances of the Governor shall not be diminished during his term of office.
- **159.** Oath or affirmation by the Governor. Every Governor and every person discharging the functions of the Governor shall, before entering upon his office, make and subscribe in the presence of the Chief Justice of the High Court exercising jurisdiction in relation to the State, or, in his absence, the senior most Judge of that Court available, an oath or affirmation in the following form, that is to say-
- "I, A. B., do swear in the name of God/solemnly affirm that I will faithfully execute the office of Governor (or discharge the functions of the Governor) of(name of the State) and will to the best of my ability preserve, protect and defend the Constitution and the law and that I will devote myself to the service and well-being of the people of(name of the State)."
- **160.** Discharge of the functions of the Governor in certain contingencies. The President may make such provision as he thinks fit for the discharge of the functions of the Governor of a State in any contingency not provided for in this Chapter
- 161. Power of Governor to grant pardons, etc., and to suspend, remit or commute sentences in certain cases. The Governor of a State shall have the power to grant pardons, reprieves, respites or remissions of punishment or to suspend, remit or commute the sentence of any person convicted of any offence against any law relating to a matter to which the executive power of the State extends.

- 158. राज्यपालपदाच्यो अटी (1) राज्यपाल संसदेच्या खंयच्याच सभाघराचो अथवा पयले अनुसुचयेंत. विनिर्दीश्ट केल्ल्या खंयच्याच राज्याच्या विधानमंडळाच्या सभाघराचो वांगडी आसचो ना, आनी संसदेच्या खंयच्याच सभाघराचो अथवा अशा खंयच्याच राज्याच्या विधानमंडळाचो वांगडी राज्यपाल म्हूण नियुक्त जालो जाल्यार, तो राज्यपाल म्हूण आपणालें अधिकारपद ग्रहण करतलो ते तारकेक ताणे त्या सभाघरांतली आपणाली सुवात रिती केली अशें मानतले.
 - (2) राज्यपाल हेर कसलेंच लाभपद धारण करचो ना.
- (3) राज्यपाल आपणाल्या अधिकृत निवासस्थानांचे भाडें दिलेबगर वापर करपाक हक्कदार आसतलो आनी संसद कायद्यावरवीं थारायतली अशे परिलाभ, भत्ते आनी विशेशाधिकार हांकांय हक्कदार आसतलो आनी तेसंबंदांत हेप्रमाण उपबंध करीसर, दुसरे अनुसुचयेंत विनिर्दीश्ट केल्ले अशे परिलाभ, भत्ते आनी विशेशाधिकार हांकांय तो हक्कदार आसतलो.
- ⁴(3)क. एकेच व्यक्तीक दोन अथवा चड राज्यांचो राज्यपाल म्हूण नेमणूक केल्ली आसल्यार तेसंबंदात, राज्यपालाक दिवपाचे परिलाभ आनी भत्ते हांचो खर्च राष्ट्रपती आदेशावरवी निर्धारीत करतलो अशा प्रमाणांत त्या राज्यांमदीं विभागून दितले.
 - (4) राज्यपालाचे परिलाभ आनी भत्ते ताच्या पदावधींत उणे करचे नात.
- 159. राज्यपालान सोपूत घेवप अथवा दृढकथन करप दरेक राज्यपाल अथवा राज्यपालाचीं कर्तव्यां निभावपी दरेक व्यक्ती, आपणालें अधिकारपद ग्रहण करचेपयलीं त्या राज्याच्या संबंदांत अधिकारितायेचो वापर करपी उच्च न्यायालयाच्या मुख्य न्यायमूर्तीमुखार अथवा तो गैरहाजीर आसल्यार, त्या न्यायालयाच्या जो सगल्यांत ज्येश्ठ न्यायाधीश मेळटा आसल्यार ताचेमुखार फुडल्या नमुन्याप्रमाण सोपूत घेवन अथवा दृढकथन करून तेखाला स्वाक्षरी करतलो, तें अशें -

देवाचे साक्षीन सोपूत घेतां

- 160. थोड्या आकस्मिक प्रसंगांवेळार राज्यपालाचीं कार्यां निभावप ह्या प्रकरणांत जाचेखातीर तरतूद करूंक ना अशा कसल्याय आकस्मीक वेळाप्रसंगार राज्याच्यां राज्यपालाची कार्यां निभावपाखातीर राष्ट्रपतीच्यान स्वताक फावोशी दिसतली अशी तरतूद करूं येता.
- 161. थोड्या प्रकरणांनी माफी, इत्यादी करपाचों आनी शिक्षादेश निलंबीत करपाचो, तातूंत सूट दिवपाचो अथवा तीं सीम्य करपाचो राज्यपालाचो अधिकार राज्याच्या शासनाधिकाराच्या विस्तारांत येवपी अशा गजालींकडेन संबंदीत आशिल्ल्या खंयच्याय कायद्याआड केल्ल्या कसल्याय गुन्यांवांखातीर, गुन्यावकार थारायल्ले खंयचेय व्यक्तीक ख्यास्तीखातीर माफी दिवपाचो, शिक्षा-तहकुबी दिवपाचो, तातूंत विश्राम अथवा सूट दिवपाचो अथवा शिक्षादेश निलंबीत करपाचो, तातूंत सूट दिवपाचो अथवा तो सौम्य करपाचो राज्याच्या राज्यपालाक अधिकार आसतलो.

162. Extent of executive power of State. — Subject to the provisions of this Constitution, the executive power of a State shall extend to the matters with respect to which the Legislature of the State has power to make laws:

Provided that in any matter with respect to which the Legislature of a State and Parliament have power to make laws, the executive power of the State shall be subject to, and limited by, the executive power expressly conferred by this Constitution or by any law made by Parliament upon the Union or authorities thereof.

Council of Ministers

- **163.** Council of Ministers to aid and advise Governor. (1) There shall be a Council of Ministers with the Chief Minister at the head to aid and advise the Governor in the exercise of his functions, except in so far as he is by or under this Constitution required to exercise his functions or any of them in his discretion.
- (2) If any question arises whether any matter is or is not a matter as respects which the Governor is by or under this Constitution required to act in his discretion, the decision of the Governor in his discretion shall be final, and the validity of anything done by the Governor shall not be called in question on the ground that he ought or ought not to have acted in his discretion.
- (3) The question whether any, and if so what, advice was tendered by Ministers to the Governor shall not be inquired into in any court.
- **164. Other provisions as to Ministers.** (1) The Chief Minister shall be appointed by the Governor and the other Ministers shall be appointed by the Governor on the advice of the Chief Minister, and the Ministers shall hold office during the pleasure of the Governor:

Provided that in the States of Bihar, Madhya Pradesh and Orissa, there shall be a Minister in charge of tribal welfare who may in addition be in charge of the welfare of the Scheduled Castes and backward classes or any other work.

- (2) The Council of Ministers shall be collectively responsible to the Legislative Assembly of the State.
- (3) Before a Minister enters upon his office, the Governor shall administer to him the oaths of office and of secrecy according to the forms set out for the purpose in the Third Schedule.
- (4) A Minister who for any period of six consecutive months is not a member of the Legislature of the State shall at the expiration of that period cease to be a Minister.
- (5) The salaries and allowances of Ministers shall be such as the Legislature of the State may from time to time by law determine and, until the Legislature of the State so determines, shall be as specified in the Second Schedule.

The Advocate-General for the State

165. Advocate-General for the State. — (1) The Governor of each State shall appoint a person who is qualified to be appointed a Judge of a High Court to be Advocate-General for the State.

162. राज्याच्या शासनाधिकाराचो विस्तार – ह्या संविधानाच्या उपबंधांचे अधीनतायेन, राज्याच्या शासनाधिकाराच्या विस्तारांत, जांचेसंबंदांत राज्य विधानमंडळाक कायदे करपाचो अधिकार आसा त्यो गजाली आस्पावीत आसतल्यो :

परंतु, ज्या गजालीसंबंदीं राज्य विधानमंडळाक अथवा संसदेक कायदे करपाचो अधिकार आसा अशे कसलेय गजालीं संबंदी केल्ल्या खंयच्याय कायद्यावरवीं संघाक अथवा ताच्या प्रांधिकरणाक प्रदान केल्ल्या शासनाधिकाराक अधीन आसतलो आनी ताकालागून मर्यादीत जातलो.

मंत्रिमंडळ

- 163. राज्यपालाक सहाय्य करपाखातीर आनी सल्लो दिवपाखातीर मंत्रिमंडळ (1) राज्यपालाक आपणाले कार्याधिकार वापरपाच्या कामांत ह्या संविधानाप्रमाण अथवा तेखाला ताणे आपणाले कार्याधिकार अथवा तांचेभितरले खंयचेय कार्याधिकार स्वताचे बुदीप्रमाण वापरप गरजेचें आसतलें, तितली मर्यादा वेगळी करून हेरशीं, सहाय करपाखातीर आनी सल्लो दिवपाखातीर मुख्यमंत्री प्रमुखपदार आशिल्लें एक मंत्रिमंडळ आसतलें.
- (2) एखादी गजाल, जिचेविशीं राज्यपालान ह्या संविधानाप्रमाण अथवा ताचेखाला स्वताचे बुदीप्रमाण कृती करप गरजेचें आसा अशा स्वरूपाची आसा काय ना असो कसलोय प्रस्न उप्रासलो जाल्यार, राज्यपालान तेप्रमाण दिल्लो निर्णय निमणो आसतलो, आनी राज्यपालान केल्ले खंयचेच गजालीचे कायदेशीरपण ताणे स्वताचे बुदीप्रमाण कृती करूंक जाय आशिल्ली काय नाका आशिल्ली ह्या कारणावेल्यान प्रस्नापद करूंक मेळची ना.
- (3) मंत्र्यानी राज्यपालाक किदेंय सल्लो दिल्लो काय किदें, आनी, हय आसल्यार तो कसलो, ह्या प्रस्नाची खंयच्याच न्यायालयांत चवकशी करूंक मेळची ना.
- **164. मंत्र्यांसंबंदीं हेर उपबंध** (1) मुख्यमंत्र्याची नेमणूक राज्यपालाकडल्यान जातली आनी हेर मंत्र्यांची नेमणूक राज्यपालाकडल्यान मुख्यमंत्र्याच्या सल्ल्यावेल्यान जातली, आनी राज्यपालाची खोशी आससर मंत्री अधिकारपदां धारण करतले.

परंतु, बिहार, मध्य प्रदेश आनी ओरिसा ह्या राज्यांनी एका मंत्र्याकडेन जनजातींच्या कल्याण कार्याचो प्रभार आसतलो आनी तेभायर ताचेकडेन अनुसूचित जातींचें आनी मागास वर्गाचे कल्याणकार्य अथवा हेर कसलेंय काम हांचो प्रभार आसतलो.

- (2) मंत्रिमंडळ राज्य विधानसभेक समुदायीकपणान जापसालदार आसतलें.
- (3) मंत्र्यान आपणालें अधिकारपद ग्रहण करचेपयलीं राज्यपाल ताका अधिकारपद आनी गुप्तताय हांचे सोपूत त्या प्रयोजना खातीर तिसरे अनुसुचयेंत दिल्ल्या नमुन्या प्रमाण दितलो.
- (4) जो मंत्री खंयच्याय कालावधींत सलग स म्हयने राज्य विधान मंडळाचो वांगडी नासतलो ताचें मंत्रीपद तो स स म्हयन्यांचो कालावधी सोंपतकूच समाप्त जातलें.
- (5) मंत्र्यांचीं वेतनां आनी भत्ते राज्य विधानमंडळ कायद्यावरवीं त्या त्या वेळार निर्धारीत करतलें ते प्रमाण आसतले आनी, राज्य विधानमंडळ हे प्रमाण ते निर्धारीत करीसर, दुसरे अनुसुचयेंत विनिर्दीश्ट केल्ले प्रमाण आसतले.

राज्याचो महा अधिवक्तो

165. राज्याचो महा अधिवक्तो — (1) दरेका राज्याचो राज्यपाल, उच्च न्यायालयाचो न्यायाधीश म्हूण नेमणूक जावपाक जी व्यक्ती पात्र आसत अशे एखादे व्यक्तीक राज्याचो महा अधिवक्तो म्हूण नियुक्त करतलो.

- (2) It shall be the duty of the Advocate-General to give advice to the Government of the State upon such legal matters, and to perform such other duties of a legal character, as may from time to time be referred or assigned to him by the Governor, and to discharge the functions conferred on him by or under this Constitution or any other law for the time being in force.
- (3) The Advocate-General shall hold office during the pleasure of the Governor, and shall receive such remuneration as the Governor may determine.

Conduct of Government Business

- **166.** Conduct of business of the Government of a State. (1) All executive action of the Government of a State shall be expressed to be taken in the name of the Governor.
- (2) Orders and other instruments made and executed in the name of the Governor shall be authenticated in such manner as may be specified in rules to be made by the Governor, and the validity of an order or instrument which is so authenticated shall not be called in question on the ground that it is not an order or instrument made or executed by the Governor.
- (3) The Governor shall make rules for the more convenient transaction of the business of the Government of the State, and for the allocation among Ministers of the said business in so far as it is not business with respect to which the Governor is by or under this Constitution required to act in his discretion.

167. Duties of Chief Minister as respects the furnishing of information to Governor, etc.

- It shall be the duty of the Chief Minister of each State-

- (a) To communicate to the Governor of the State all decisions of the Council of Ministers relating to the administration of the affairs of the State and proposals for legislation;
- (b) To furnish such information relating to the administration of the affairs of the State and proposals for legislation as the Governor may call for; and
- (c) If the Governor so requires, to submit for the consideration of the Council of Ministers any matter on which a decision has been taken by a Minister but which has not been considered by the Council.

CHAPTER 3 - THE STATE LEGISLATURE

General

- **168. Constitution of Legislatures in States.** (1) For every State there shall be a Legislature which shall consist of the Governor, and-
 - (a) In the States of ¹***Bihar, ²*** ^{3*** 4}*** ⁵[Maharashtra], ⁶[Karnataka], ⁷*** [and Uttar Pradesh], two Houses;
 - (b) In other States, one House.

- (2) राज्यपालाकडल्यान महा अधिवक्त्याकडेन त्या त्या वेळार निर्वेशीत जातल्यो अशा कायद्याविशींच्या गजालींचेर सरकाराक सल्लो दिवप आनी ताका नेमून दितले अशी हेर कायद्याविशींचीं कामां करप आनी ह्या संविधानावरवीं अथवा ताचेखाला अथवा त्या त्या काळार लागू आशिल्ल्या हेर खंयच्याय कायद्यावरवीं अथवा ताचेखाला ताचेकडेन दितले तीं कार्यां निभावप हें ताचें कर्तव्य आसतलें.
- (3) महा अधिवक्तो राज्यपालाची खोशी आससर अधिकारपद धारण करतलो, आनी ताका राज्यपाल निर्धारीत करतलो असो मोबदलो मेळटलो.

सरकारी कामकाज चलोवप

- **166. राज्य सरकाराचें काम चलोवप** (1) राज्य सरकाराची संपूर्ण सरकारी कारवाय राज्यपालाच्या नावांन करतात अशें व्यक्त करतले.
- (2) राज्यपालाच्या नांवान केल्ले आदेश आनी निश्पादीत केल्ले हेर संलेख राज्यपालान करपाच्या नेमांमदीं विनिर्दीश्ट करतले अशे रितीन अधिप्रमाणीत करतले, आनी हे प्रमाण अधिप्रमाणीत केल्लो आदेश अथवा संलेख राज्यपालान केल्लो अथवा निश्पादीत केल्लो ना ह्या कारणावेल्यान ताचें कायदेशीरपण प्रस्नास्पद करूंक मेळचें ना.
- (3) राज्य सरकाराचें कामकाज चड सोयीस्करपणान चलचें हाचेखातीर, आनी वयर सांगलां तें कामकाज हें जाचेविशीं ह्या संविधानाप्रमाण अथवा ताचेखाला राज्यपालान स्वताचे बुद्दीप्रमाण कृती करप गरजेचें आसा असलें कामकाज नासत तोंवेर, तें मंत्र्यांमदी वांटून दिवपाखातीर राज्यपाल नेम करतलो.

167. राज्यपालाक माहिती दिवप इत्यादी गजालींविशीं मुख्यमंत्र्याचीं कर्तव्यां -

- (क) राज्याच्या कारभाराच्या प्रशासना संबंदींचे मंत्रिमंडळाचे सगल्या निर्णयांखातीर आनी विधिविधानांखातीर आशिल्ले सगले प्रस्ताव राज्यपालाक कळोवप;
- (ख) राज्याच्या कारभाराच्या प्रशासनासंबंदींचे आनी विधिविधानांखातीर आशिल्ल्या प्रस्तावांसंबंदीं राज्यपाल मागयत ती माहिती दिवप, आनी
- (ग) जे गजालीचेर एखाद्या मंत्र्यान निर्णय घेतला, पूण मंत्रिमंडळान जिचेर विचार करूंक ना अशी कसलीय गजाल, राज्यपालान गरजेचें केल्यार, मंत्रिमंडळाच्या विचाराखातीर मांडप, हें दरेका राज्याच्या मुख्यमंत्र्याचें कर्तव्य आसतलें.

प्रकरण 3 - राज्य विधानमंडळ सर्वसाधारण

- 168. राज्यांच्या विधानमंडळाची घडण (1) दरेका राज्याखातीर एक विधानमंडळ आसतलें आनी राज्यपाल, तशेंच -
 - (क) ¹[* * *] बिहार, ² * * * ³⁻⁴[तामिळनाडू], ⁵[महाराष्ट्र], ⁶[कर्नाटक] ⁷* * * ⁸[आनी उत्तर प्रदेश] ह्या राज्यांमदी, दोन सभाघरां :-
- (ख) हेर राज्यांमदीं, एक सभाघर, मेळून तें घडिल्लें आसतलें.

5*

- (2) Where there are two Houses of the Legislature of a State, one shall be known as the Legislative Council and the other as the Legislative Assembly, and where there is only one House, it shall be known as the Legislative Assembly.
- **169. Abolition or creation of Legislative Councils in States.** (1) Notwithstanding anything in article 168, Parliament may by law provide for the abolition of the Legislative Council of a State having such a Council or for the creation of such a Council in a State having no such Council, if the Legislative . Assembly of the State passes a resolution to that effect by a majority of the total membership of the Assembly and by a majority of not less than two-thirds of the members of the Assembly present and voting.
- (2) Any law referred to in clause (1) shall contain such provisions for the amendment of this Constitution as may be necessary to give effect to the provisions of the law and may also contain such supplemental, incidental and consequential provisions as Parliament may deem necessary.
- (3) No such law as aforesaid shall be deemed to be an amendment of this Constitution for the purposes of article 368.
- § [170. Composition of the Legislative Assemblies. (1) Subject to the provisions of article 333, the Legislative Assembly of each State shall consist of not more than five hundred, and not less than sixty, members chosen by direct election from territorial constituencies in the State.
- (2) For the purposes of clause (1), each State shall be divided into territorial constituencies in such manner that the ratio between the population of each constituency and the number of seats allotted to it shall, so far as practicable, be the same throughout the State.
- ¹⁰[Explanation. In this clause, the expression "population" means the population as ascertained at the last preceding census of which the relevant figures have been published:

Provided that the reference in this Explanation to the last preceding census of which the relevant figures have been published shall, until the relevant figures for the first census taken after the year 2000 have been published, be construed as a reference to the 1971 census.]

(3) Upon the completion of each census, the total number of seats in the Legislative Assembly of each State and the division of each State into territorial constituencies shall be readjusted by such authority and in such manner as Parliament may by law determine:

Provided that such readjustment shall not affect representation in the Legislative Assembly until the dissolution of the then existing Assembly:]

¹¹[Provided further that such readjustment shall take effect from such date as the President may, by order, specify and until such readjustment takes effect, any election to the Legislative Assembly may be held on the basis of the territorial constituencies existing before such readjustment:

Provided also that until the relevant figures for the first census taken after the year 2000 have been published, it shall not be necessary to readjust the total number of seats in the Legislative Assembly of each State and the division of such State into territorial constituencies under this clause.]

- (2) जंय राज्याच्या विधानमंडळाक दोन सभाघरां आसतलीं थंय,एक 'विधान परिशद' म्हणून आनी दुसरें 'विधान सभा' म्हूण वळखतले, आनी जंय फकत एक सभाघर आसत थंय, तें 'विधान सभा' म्हूण वळखतले.
- 169. राज्यांतल्यो विधानपरिशदो काडून उडोवप अथवा निर्माण करप (1) कलम 168 त किदेंय आसलें तरी, विधान परिशद आशिल्ल्या राज्यांत अशी विधान परिशद काडून उडोवपाक अथवा अशी विधानपरिशद नाशिल्ल्या राज्यांत अशी विधान परिशद निर्माण करपाखातीर त्या राज्याचे विधानसभेन सभाघराच्या एकंदर वांगडी संख्येच्या भोवमतान आनी सभाघरांत हाजीर आशिल्ल्या आनी मतदान करपी वांगड्यांच्या दोन-तृतीयांशांपरस उणे न्हय इतल्या भोवमतान तशा अर्थाचें विधेयक पास केल्यार,संसदेच्यान कायद्यावरवीं उपबंध करूं येता.
- (2) उपकलम (1) त निर्देशिल्ल्या खंयच्याय कायद्यांत त्या कायद्याच्या उपबंधांची अंमलबजावणी करपाखातीर गरजेचे आसतले अशे ह्या संविधानाच्या बदलाचे उपबंध आस्पावीत आसतले आनी संसदेक गरजेचे दिसतीत अशेय पूरक, आनुशंगिक आनी परिणामी उपबंध आसूं येतात.
- (3) कलम 368च्या प्रयोजनाखातीर पयलीं सांगला असो खंयचीय कायदो हो ह्या संविधानाचो बदल आसा अशें मानचें नात.
- ⁹170. विधानसभांची घडण (1) कलम 333 च्या उपबंधांचे अधीनतायेन, दरैका राज्याची विधानसभा राज्यांतल्या क्षेत्रीय मतदारसंघांतल्यान प्रत्यक्ष वेंचणुकेवरवीं वेंचिल्ले चडांत चड पांचशीं आनी उण्यांत उणे साठ इतले वांगडी मेळून जाल्ली आसतली.
- (2) उपकलम (1) च्या प्रयोजनाखातीर, दरेक राज्य अशे रितीन क्षेत्रीय मतदारसंघांमदीं विभागतले की, दरेका मतदार संघाची लोकसंख्या आनी ताका वांटून दिल्ल्या सुवातांची संख्या हांचें गुणोत्तर, व्यवहार्य आसत तोंवेर, राज्यांत सगलेकडेन सारकेंच आसतलें.

10[स्पश्टीकरण - ह्या उपकलमांत 'लोकसंख्या' ह्या उतराचो अर्थ, जे जनगणनेची संबद्ध आंकडेवारी उजवाडा आयल्या अशे निकटपूर्व जनगणनेंत अदमाशिल्ली लोकसंख्या असो आसा :

परंतु, ह्या स्पष्टीकरणांतल्या 'जे जनगणनेची संबद्ध आंकडेवारी उजवाडा आयिल्ली आसा अशी निकटपूर्व जनगणना'ह्या उल्लेखाचो अर्थ, सन 2000 उपरांत जावपा आशिल्ले पयले जनगणनेची संबद्ध आंकडेवारी उजवाडा येसर 1971 वर्साचे जनगणनेचो उल्लेख म्हूण लायतले.ट

(3) दरेक जनगणना पूर्ण जातकच दरेका राज्याचे विधानसभैतल्या सुवातांची एकंदर संख्या आनी दरेका राज्याची क्षेत्रीय मतदारसंघामदीं केल्ली विभागणी हांचें संसद, कायद्यावरवीं निर्धारीत करतली अशा प्राधिकरणाकडल्यान आनी अशे रितीन पुनः समायोजन करतलीः

परंतु, अशा पुनः समायोजनाकलागून तेवेळार अस्तित्वांत आशिल्ले विधानसभेचें विसर्जन जायमेरेन त्या सभाघरांतल्या प्रतिनिधीत्वाचेर परिणाम जांवचो नाः]

¹¹[परंतु आनीक अशें की, अशें पुनः समायोजन राष्ट्रपती आदेशावरवीं विनिर्दीश्ट करतलो अशे तारकेसावन परिणामक जातलें आनी अशें पुनःसमायोजन परिणामक जायसर विधानसभेची खंयचीच वेंचणूक अशा पुनःसमायोजनापयलीं अस्तित्वांत आशिल्ल्या क्षेत्रीय मतदारसंघाच्या आधारान घेवं येता.

परंतु, आनीक अशेंय की, सन 2000 उपरांत जावपी पयले जनगणनेची संबद्ध आंकडेवारी उजवाडा येसर दरेका राज्याचे विधानसभेंतल्या सुवातांची एकंदर संख्या आनी अशा राज्याची क्षेत्रीय मतदारसंघांमदीं जाल्ली विभागणी हांचें ह्या उपकलमाखाला पुनःसमायोजन करपाची गरज आसची ना.]

171. Composition of the Legislative Councils. — (1) The total number of members in the Legislative Council of a State having such a Council shall not exceed ¹²[one third of] the total number of members in the Legislative Assembly of that State:

Provided that the total number of members in the Legislative Council of a State shall in no case be less than forty.

- (2) Until Parliament by law otherwise provides, the composition of the Legislative Council of a State shall be as provided in clause (3).
 - (3) Of the total number of members of the Legislative Council of a State-
 - (a) As nearly as may be, one-third shall be elected by electorates consisting of members of municipalities, district boards and such other local authorities in the State as Parliament may by law specify;
 - (b) As nearly as may be, one-twelfth shall be elected by electorates consisting of persons residing in the State who have been for at least three years graduates of any university in the territory of India or have been for at least three years in possession of qualifications prescribed by or under any law made by Parliament as equivalent to that of a graduate of any such university;
 - (c) As nearly as may be, one-twelfth shall be elected by electorates consisting of persons who have been for at least three years engaged in teaching in such educational institutions within the State, not lower in standard than that of a secondary school, as may be prescribed by or under any law made by Parliament;
 - (d) As nearly as may be, one-third shall be elected by the members of the Legislative Assembly of the State from amongst persons who are not members of the Assembly;
 - (e) The remainder shall be nominated by the Governor in accordance with the provisions of clause (5).
- (4) The members to be elected under sub-clauses (a), (b) and (c) of clause (3) shall be chosen in such territorial constituencies as may be prescribed by or under any law made by Parliament, and the elections under the said sub-clauses and under sub-clause (d) of the said clause shall be held in accordance with the system of proportional representation by means of the single transferable vote.
- (5) The members to be nominated by the Governor under sub-clause (e) of clause (3) shall consist of persons having special knowledge or practical experience in respect of such matters as the following, namely: Literature, science, art, co-operative movement and social service.
- **172. Duration of State Legislatures.** (1) Every Legislative Assembly of every State, unless sooner dissolved, shall continue for ¹²[five years] from the date appointed for its first meeting and no longer and the expiration of the said period of ¹³[five years] shall operate as a dissolution of the Assembly:

Provided that the said period may, while a Proclamation of Emergency is in operation, be extended by Parliament by law for a period not exceeding one year at a time and not extending in any case beyond a period of six months after the Proclamation has ceased to operate.

- 171. विधानपरिशदांची घडण (1) विधान परिशद आशिल्ल्या राज्यांतल्या अशे विधानपरिशदेंतल्या वांगड्यांची एकंदर संख्या त्या राज्यांतले विधानसभेच्या एकंदर संखेच्या ¹²[एक-तृतीयांशा परस] चड आसची ना. परंतु, राज्याचे विधानपरिशदेच्या वांगड्यांची एकंदर संख्या किदेंय जालें तरी चाळिसांपरस उणी आसची ना.
- (2) संसद कायद्यावरवीं दुसरे तरेन उपबंध करीसर, राज्याचे विधानपरिशदेची घडण उपकलम (3) त उपबंधीत केल्लेप्रमाण उरतली.
 - (3) राज्याचे विधानपरिशदेच्या वांगड्यांचे एकंदर संख्येंतले,
 - (क) जाता तितले मेरेन लागींलागीं एक तृतीयांश वांगडी हे, त्या राज्यांतल्यो नगरपालिका, जिल्हो मंडळां आनी संसद कायद्यावरवीं निर्दीश्ट करतली अशीं हेर थळावीं प्राधिकरणां हांचे वांगडी मेळून घडिल्ल्या मतदार-मांडाकडल्यान वेंचूनं येतले;
 - (ख) जांवं येता तितलेमेरेन लागींलागीं एक-बारांश वांगडी हे, भारताच्या राज्यक्षेत्रांतल्या खंयच्याय विद्यापीठाचे जे उणेच ते तीन वर्सां तरी वांगडी आसात अथवा संसदेन केल्ल्या खंयच्याय कायद्यावरवीं अथवा तेखाला अशा खंयच्याय विद्यापिठाच्या पदवीधरांचे पात्रतायांकडेन तुल्य म्हूण विहीत जाल्ल्यो पात्रतायो उणेच ते तीन वर्सां तरी जांचे ठांय आसात, अशा, त्या राज्यांत रावपी व्यक्तींनी घडिल्ल्या मतदारांकडल्यान वेंचून दितले;
 - (ग) जांवं येता तितले मेरेन लागींलागीं एक-बारांश वांगडी हे, संसदेन केल्ल्या खंयच्याय कायद्यावरवीं अथवा तेखाला विहीत करतली अशा आनी माध्यमीक शाळेच्या दर्ज्यापरस सकयलो दर्जो नाशिल्ल्या अशा, त्या राज्यांतल्या शिक्षणसंस्थांमदीं अध्यापनाच्या कामांत उणेच तीं तीन वर्सां आशिल्ल्या अशा व्यक्तींनी घडिल्ल्या मतदारांकडल्यान वेंचून येतले;
 - (घ) जांव येता तितले मेरेन, लागींलागीं एक-तृतीयांश वांगडी हे, राज्याचे विधानसभेच्या वांगड्यां कडल्यान ते सभेचे वांगडी नाशिल्ल्या व्यक्तींमदल्यान वेंचून दितले.
 - (ङ) उरिल्ले वांगडी उपकलम (5) च्या उपबंधांप्रमाण राज्यपाला कडल्यान नामनिर्देशीत जातले.
- (4) उपकलम (3) चें उप-उपकलम (क), (ख) आनी (ग) हांचेखाला वेंचून दिवपाचे वांगडी संसदेन केल्ल्या खंयच्याय कायद्यावरवीं अथवा तेखाला विहीत करतले अशा क्षेत्रीय मतदारसंघांमदीं वेंचतले आनी वयलें उपकलम अथवा वयल्या उपकलमाचें उप-उपकलम (घ) हाचेखालच्यो वेंचणुको प्रमाणशीर प्रतिनिधीत्व पद्धतीप्रमाण एकल संक्रामणीय मतावरवीं घेतले.
- (5) उपकलम (3) चें उप-उपकलम (ङ) हाचेखाला राज्यपालान नामनिर्देशीत करपाचे वांगडी म्हळ्यार फुडें दिल्ल्यां गजालींसबंदांत खाशेलें गिन्यान अथवा वेव्हारीक अणभव आशिल्ल्यो व्यक्ती आसतल्यो, त्यो गजाली अशो :- वाङ्मय, शास्त्र, कला, सहकारी चळवळ आनी समाजसेवा.
- 172. राज्य विधानमंडळांचो कालावधी— (1) दरेका राज्याची दरेक विधानसभा तिचे पयले सभेखातीर थारायल्ले तारकेसावन ¹²[पांच वर्सांमेरेन]— ते पयलीं ती विसर्जीत जाली ना जाल्यार –चालू उरतली, ते परस चड काळ ना आनी ¹³[पांच वर्सांचो] वयर सांगला तो काळ सोंपतकच परिणाम म्हूण त्या सभाघराचें विसर्जन घडून येतलें : परंतु, आणीबाणीची उद्घोशणा लागू आसता तेन्ना संसदेच्यान वयर सांगला तो काळ चडांत चड एका वर्सामेरेन

वाडोवं येता, मात खंयचेच परिस्थितींत, उद्घोशणा लागू आसपाचें बंद जायतसावन स म्हयन्यांचे पेल्यान ना.

- (2) he Legislative Council of a State shall not be subject to dissolution, but as nearly as possible one-third of the members thereof shall retire as soon as may be on the expiration of every second year in accordance with the provisions made in that behalf by Parliament by law.
- 173. Qualification for membership of the State Legislature. A person shall not be qualified to be chosen to fill a seat in the Legislature of a State unless he-
 - ¹⁴[(a) Is a citizen of India, and makes and subscribes before some person authorised in that behalf by the Election Commission an oath or affirmation according to the form set out for the purpose in the Third Schedule;]
 - (b) Is, in the case of a seat in the Legislative Assembly, not less than twenty-five years of age and, in the case of a seat in the Legislative Council, not less than thirty years of age; and
 - (c) Possesses such other qualifications as may be prescribed in that behalf by or under any law made by Parliament.
- ¹⁵[174. Sessions of the State Legislature, prorogation and dissolution. (1) The Governor shall from time to time summon the House or each House of the Legislature of the State to meet at such time and place as he thinks fit, but six months shall not intervene between its last sitting in one session and the date appointed for its first sitting in the next session.
 - (2) The Governor may from time to time-
 - (a) Prorogue the House or either House;
 - (b) Dissolve the Legislative Assembly.]
- 175. Right of Governor to address and send messages to the House or Houses. (1) The Governor may address the Legislative Assembly or, in the case of a State having a Legislative Council, either House of the Legislature of the State, or both Houses assembled together, and may for that purpose require the attendance of members.
- (2) The Governor may send messages to the House or Houses of the Legislature of the State, whether with respect to a Bill then pending in the Legislature or otherwise, and a House to which any message is so sent shall with all convenient despatch consider any matter required by the message to be taken into consideration.
- **176. Special address by the Governor.** (1) At the commencement of ¹⁶ [the first session after each general election to the Legislative Assembly and at the commencement of the first session of each year], the Governor shall address the Legislative Assembly or, in the case of a State having a Legislative Council, both Houses assembled together and inform the Legislature of the causes of its summons.

(2) राज्याची विधानपरिशद विसर्जनपात्र आसची ना पूण संसदेन कायद्यावरवीं निवृत्तीसंबंदांत केल्ल्या उपबंधांप्रमाण तिच्या वांगड्यांमदले जाता तितले मेरेन एक-तृतीयांश इतले वांगडी दर दुसऱ्या वर्साचे अखेरेक जाता तितले बेगीन निवृत्त जातले.

173. राज्य विधानमंडळाच्या वांगडीपणाखातीर पात्रताय - एखादी व्यक्ती -

- ¹⁴[(क) ती भारताचो नागरीक आसा आनी वेंचणूक आयोगान सोपूत अथवा दृढकथन हांचेसंबंदांत प्राधिकृत केल्ले एखादे व्यक्ती मुखार, त्या प्रयोजनाखातीर तिसरे अनुसुचयेंत दिल्ल्यां नमुन्याप्रमाण तिणें सोपूत घेवन अथवा दृढकथन करून ताचेखाला स्वाक्षरी केल्या;]
- (ख) विधानसभेंतले सुवातेच्या संबंदांत, ती उणीच ती पंचवीस वर्सा पिरायेची आनी विधान परिशदेंतले सुवातेच्या संदर्भांत, ती उणीच ती तीस वर्सा पिरायेची आसा; आनी
- (ग) संसदेच्यान केल्ल्या खंयच्याय कायद्यावरवीं अथवा तेखाला तेसंबंदांत विहीत करतले अशे हेर पात्रतायो तिचे ठांय आसात,

अशें आसलेबगर राज्याच्या विधानमंडळाच्यो सुवातो भरपाखातीर जावपी वेंचणुकेक पात्र जावंची ना.

- ¹⁵[174. राज्य विधानमंडळाचीं सत्रां, सत्रसमाप्ती आनी विसर्जन (1) राज्यपाल स्वताक योग्य दिसत अशा वेळार आनी सुवातेर बसका घेवपाखातीर राज्य विधानमंडळाच्या सभाघराक अथवा दोनांमदल्या दरेका सभाघराक त्या त्या वेळार अभिनिमंत्रीत करतलो, पूण ताची एका सत्रांतली निमणी बसका आनी फुडल्या सत्रांतले ताचे पयले बसके खातीर थारायल्ली तारीक हांचेमजगतीं स म्हयन्यांचें वयर अंतर पडचें ना.
 - (2) राज्यपालाच्यान त्या त्या वेळार -
 - (क) सभाघराची अथवा दोनांयमदल्या खंयच्याय सभाघराची सत्रसमाप्ती करूं येता;
 - (ख) विधानसभा विसर्जीत करूं येता.]
- 175. राज्यपालाचो सभाघराक अथवा सभाघरांक लेखून आभिभाशण करपाचो आनी संदेश धाडपाचो अधिकार (1) राज्यपालाच्यान विधानसभेक अथवा, विधान परिशद आशिल्ल्या राज्याच्या संबंदांत, त्या राज्याच्या विधानमंडळाच्या खंयच्याय सभाघराक, अथवा एकठांय जिमल्ल्या दोनाय सभाघरांक लेखून अभिभाशण करूं येता, आनी त्या प्रयोजनाखातीर वांगङ्यांक हाजीर रावप गरजेचें करूं येता.
- (2) राज्यपालाच्यान राज्य विधानमंडळाच्या सभाघराक अथवा सभाघरांक संदेश धाडूं येता मागीर तो विधानमंडळांत त्या वेळार प्रलंबीत आशिल्ल्या एखाद्या विधेयका संबंदांत आसूं अथवा हेर तरांचे आसूं-आनी जाका हे प्रमाण कसलोय संदेश धाडिल्लो आसा तें सभाघर त्या संदेशाप्रमाण जी गजाल विचारांत घेवप गरजेचें आसत अशी कसलीय गजाल सोयी प्रमाण जाता तितले बेगीन विचारांत घेतलें.
- 176. राज्यपालाचें खाशेलें अभिभाशण (1)¹⁶[विधानसभेचे दरेके सार्वत्रीक वेंचणुकेउपरांत पयल्या सत्राच्या आरंभाक आनी दरेका वर्साच्या पयल्या सत्राच्या] आरंभाक विधानसभेक अथवा, विधान परिशद आशिल्ल्या राज्यांच्या संबंदांत, एकठांय जमिल्ल्या दोनांय सभाघरांक लेखून राज्यपाल अमिभाशण करतलो आनी विधानमंडळाक ताका कित्याखातीर अभिनिमंत्रीत केलां त्या कारणांची माहिती दितलो.

- (2) Provision shall be made by the rules regulating the procedure of the House or either House for the allotment of time for discussion of the matters referred to in such address 17***
- 177. Rights of Ministers and Advocate-General as respects the Houses. Every Minister and the Advocate-General for a State shall have the right to speak in, and otherwise to take part in the proceedings of, the Legislative Assembly of the State or, in the case of a State having a Legislative Council, both Houses, and to speak in, and otherwise to take part in the proceedings of, any committee of the Legislature of which he may be named a member, but shall not, by virtue of this article, be entitled to vote.

Officers of the State Legislature

- 178. The Speaker and Deputy Speaker of the Legislative Assembly. Every Legislative Assembly of a State shall, as soon as may be, choose two members of the Assembly to be respectively Speaker and Deputy Speaker thereof and, so often as the office of Speaker or Deputy Speaker becomes vacant, the Assembly shall choose another member to be Speaker or Deputy Speaker, as the case may be.
- 179. Vacation and resignation of, and removal from, the offices of Speaker and Deputy Speaker. A member holding office as Speaker or Deputy Speaker of an Assembly-
 - (a) Shall vacate his office if he ceases to be a member of the Assembly;
 - (b) May at any time by writing under his hand addressed, if such member is the Speaker, to the Deputy Speaker, and if such member is the Deputy Speaker, to the Speaker, resign his office; and
 - (c) May be removed from his office by a resolution of the Assembly passed by a majority of all the then members of the Assembly:

Provided that no resolution for the purpose of clause (c) shall be moved unless at least fourteen days' notice has been given of the intention to move the resolution:

Provided further that, whenever the Assembly is dissolved, the Speaker shall not vacate his office until immediately before the first meeting of the Assembly after the dissolution.

- 180. Power of the Deputy Speaker or other person to perform the duties of the office of, or to act as, Speaker. (1) While the office of Speaker is vacant, the duties of the office shall be performed by the Deputy Speaker or, if the office of Deputy Speaker is also vacant, by such member of the Assembly as the Governor may appoint for the purpose.
- (2) During the absence of the Speaker from any sitting of the Assembly the Deputy Speaker or, if he is also absent, such person as may be determined by the rules of procedure of the Assembly, or, if no such person is present, such other person as may be determined by the Assembly, shall act as Speaker
- 181. The Speaker or the Deputy Speaker not to preside while a resolution for his removal from office is under consideration. (1) At any sitting of the Legislative Assembly, while any resolution for the removal of the Speaker from his office is under consideration, the Speaker, or while any

- (2) अशा अभिभाशणांत निर्देशिल्ल्या गजालींचे चर्चेखातीर वेळ वांटून दिवपाखातीर ¹⁷* * * सभाघराचे अथवा दोनामदल्या खंयच्याय सभाघराचे कार्यपद्धतीचें विनियमन करपी नेमांवरवी उपबंध करतले.
- 177. मंत्री आनी महा अधिवक्तो हांचे सभाघरासंबदीं अधिकार दरेका मंत्र्याक आनी राज्याच्या महा अधिवक्त्याक राज्याचे विधानसभेंत अथवा, विधानपरिशद आशिल्ल्या राज्यांच्या संबदांत, दोनाय सभाघरांनी भाशण करपाचो आनी हेर तरेन तांच्या कामांत भाग घेवपाचो आनी विधानमंडळाचे जे समितेंत ताचें नांव वांगडी म्हूण घाल्लें आसत अशे खंयचेय समितेंत भाशण करपाचो आनी हेर तरेन तिच्या कामांत भाग घेवपाचो अधिकार आसतलो, पूण ह्या कलमाच्या आधारान ताका मतदान करपाचो हक्क आसचो ना.

राज्य विधानमंडळाचे अधिकारी

- 178. विधानसभेचो अध्यक्ष आनी उपाध्यक्ष दरेका राज्याची विधानसभा, जाता तितले बेगीन, विधानसभेच्या दोन वांगड्यांक अनुक्रमान आपणालो अध्यक्ष आनी उपाध्यक्ष म्हूण वेंचतली आनी अध्यक्षाचें अथवा उपाध्यक्षाचें पद रितें आसतलें. तेन्ना तेन्ना, विधानसभा हेर एका वांगड्याक अध्यक्ष अथवा प्रकरणाप्रमाण उपाध्यक्ष म्हूण वेंचतली.
- 179. अध्यक्षपद आनी उपाध्यक्षपद रितें जावप आनी ताचो राजीनामो दिवप आनी ताचेवेल्यान कडेक काडप विधानसभेचो अध्यक्ष अथवा उपाध्यक्ष म्हूण पद धारण करपी वांगङ्याक -
 - (क) ताचें विधानसभेचें वांगडीपण सोंपिल्लें आसल्यार आपणालें पद रितें करचें पडटलें;
 - (ख) असो वांगडी हो अध्यक्ष आसल्यार, उपाध्यक्षाक आनी असो वांगडी हो उपाध्यक्ष आसल्यार, अध्यक्षाक लेखून बरयल्ल्या स्वाक्षारीत लेखावरवीं खंयच्याय वेळार आपणाल्या पदाचो राजीनामो दिवंक मेळटालो, आनी
 - (ग) विधानसभेच्या त्यावेळावेल्या सगल्या वांगङ्यांच्या भोवमतान पास जाल्ल्या विधानसभेच्या थारावावरवीं ताच्या पदावेल्यान कडेक काडूं येताः

परंतु, उपकलम (ग) च्या प्रयोजनाखातीर खंयचोय थाराव मांडपाचो उद्देश आसा अशें उणेच त्या चवदा दिसांची कळोवणी दिलेबगर तो थाराव मांडचे नात :

परंतु, आनीक अशें की, विधानसभा विसर्जीत जातली तेन्ना तेन्ना, विसर्जना उपरांत जावपी विधानसभेचे पयले सभेचे निकटपूर्वमेरेन अध्यक्षाक आपणालें पद रितें करूंक मेळचेंना.

- 180. उपाध्यक्ष अथवा हेर व्यक्ती हांचो अध्यक्षपदाचीं कर्तव्यां करपाचो अथवा अध्यक्ष म्हूण कार्य करपाचो अधिकार (1) अध्यक्षपदाचें पद रितें आसत तेन्ना त्या पदाचीं कर्तव्यां उपाध्यक्षाक अथवा, उपाध्यक्षाचें पदूय रितें आसत जाल्यार, राज्यपाल त्या प्रयोजनाखातीर जाका नेमतलो अशा विधानसभेच्या वांगङ्यान करचीं पडटलीं.
- (2) विधानसभेचे खंयचेय बसकेंत अध्यक्ष गैरहाजीर आसत तेन्ना उपाध्यक्ष अथवा, तोवूय गैरहाजीर आसल्यार, विधानसभेच्या कार्यपद्धत नेमांवरवीं थारायतले अशी व्यक्ती, अथवा, अशी खंयचीय व्यक्ती हाजीर नासल्यार विधानसभा थारायत अशी हेर कोणूय व्यक्ती अध्यक्ष म्हूण कार्य करतली.
- 181. अध्यक्षाक अथवा उपाध्यक्षाक ताच्या पदावेल्यान कडेक काडपाचो थाराव विचाराधीन आसत तेन्ना ताणे अध्यक्षस्थान स्वीकारप ना (1) विधानसभेचे खंयचेय बसकेंत, अध्यक्षाक ताच्या पदावेल्यान कडेक काडपाचो कसलोय थाराव विचाराधीन आसत तेन्ना अध्यक्ष, अथवा उपाध्यक्ष हाका ताच्या पदावेल्यान कडेक काडपाचो कसलोय

resolution for the removal of the Deputy Speaker from his office is under consideration, the Deputy Speaker, shall not, though he is present, preside, and the provisions of clause (2) of article 180 shall apply in relation to every such sitting as they apply in relation to a sitting from which the Speaker or, as the case may be, the Deputy Speaker, is absent.

- (2) The Speaker shall have the right to speak in, and otherwise to take part in the proceedings of, the Legislative Assembly while any resolution for his removal from office is under consideration in the Assembly and shall, notwithstanding anything in article 189, be entitled to vote only in the first instance on such resolution or on any other matter during such proceedings but not in the case of an equality of votes.
- 182. The Chairman and Deputy Chairman of the Legislative Council. The Legislative Council of every State having such Council shall, as soon as may be, choose two members of the Council to be respectively Chairman and Deputy Chairman thereof and, so often as the office of Chairman or Deputy Chairman becomes vacant, the Council shall choose another member to be Chairman or Deputy Chairman, as the case may be.
- 183. Vacation and resignation of, and removal from, the offices of Chairman and Deputy Chairman. A member holding office as Chairman or Deputy Chairman of a Legislative Council-
 - (a) Shall vacate his office if he ceases to be a member of the Council;
 - (b) May at any time by writing under his hand addressed, if such member is the Chairman, to the Deputy Chairman, and if such member is the Deputy Chairman, to the Chairman, resign his office; and
 - (c) May be removed from his office by a resolution of the Council passed by a majority of all the then members of the Council:

Provided that no resolution for the purpose of clause (c) shall be moved unless at least fourteen days' notice has been given of the intention to move the resolution.

- 184. Power of the Deputy Chairman or other person to perform the duties of the office of, or to act as, Chairman.— (1) While the office of Chairman is vacant, the duties of the office shall be performed by the Deputy Chairman or, if the office of Deputy Chairman is also vacant, by such member of the Council as the Governor may appoint for the purpose.
- (2) During the absence of the Chairman from any sitting of the Council the Deputy Chairman or, if he is also absent, such person as may be determined by the rules of procedure of the Council, or, if no such person is present, such other person as may be determined by the Council, shall act as Chairman.
- 185. The Chairman or the Deputy Chairman not to preside while a resolution for his removal from office is under consideration. (1) At any sitting of the Legislative Council, while any resolution for the removal of the Chairman from his office is under consideration, the Chairman, or (2)

थाराव विचाराधीन आसत तेन्ना उपाध्यक्ष, स्वता हाजीर आसलो तरीय, अध्यक्षस्थान स्वीकारचो ना, आनी कलम 180 च्या उपकलम (2) चे उपबंध अध्यक्ष अथवा, प्रकरणाप्रमाण, उपाध्यक्ष गैरहाजीर आशिल्ले बसकेच्या संबंदांत जशे लागू जातात, तशे ते पयलीं सांगिल्ले अशे दरेके बसकेच्या संबंदांत जशे लागू जातात, तशे ते पयलीं सांगिल्ले अशे दरेके बसकेच्या संबंदांत जशे लागू जातात, तशे ते पयलीं सांगिल्ले अशे दरेके बसकेच्या संबंदांत लागू जातले.

- (2) अध्यक्षाक ताच्या पदावेल्यान कडेक काडपाचो कसलोय थाराव विधानसभेंत विचाराधीन आसत तेन्ना ताका विधानसभेंत भाशण करपाचो आनी तिच्या कामकाजांत हेर तरेन भाग घेवपाचो अधिकार आसतलो, आनी कलम 189 त किदेंय आसलें तरी अशे कामकाज चालू आसत तेन्ना अशा थारावाचेर अथवा हेर खंयचेय गजालीचेर फकत पयलेच फेरयेंत मतदान करपाचो ताका हक्क आसतलो, पूण मतां समसमान जाल्यार मात ना.
- 182. विधान परिशदेचो सभापती आनी उपसभापती— विधान परिशद आशिल्ल्या दरेका राज्याची अशी विधान परिषद, जाता तितले बेगीन विधानपरिशदेच्या दोन वांगड्याक अनुक्रमान आपणालो सभापती आनी उपसभापती म्हूण वेंचंतली आनी, सभापतीचें अथवा उपसभापतीचें पद रितें जायत तेन्ना तेन्ना विधानपरिशद हेर कोणाय वांगड्याक सभापती अथवा, प्रकरणाप्रमाण, उपसभापती म्हूण वेंचतली.
- 183. सभापतीपद आनी उपसभापतीपद रितें जावप आनी ताचो राजीनामो दिवप आनी ताचेवेल्यान कडेक काडप विधानपरिशदेचो सभापती अथवा उपसभापती म्हूण पद धारण करपी वांगङ्चाक -
 - (क) ताचें विधानपरिशदेचें वांगडीपण सोंपिल्लें आसल्यार आपणालें पद रितें करचें पडटलें;
 - (ख) असो वांगडी हो सभापती आसल्यार, उप सभापती आनी असो वांगडी उपसभापती आसल्यार, सभापतीक लेखून बरयल्ल्या स्वाक्षरीत लेखावरवीं खंयच्याय वेळार आपणाल्या पदाचो राजीनामो दिवंक मेळटलो; आनी
 - (ग) विधान परिशदेच्या त्या वेळावेल्या सगल्या वांगड्यांच्या भोवमतान पास जाल्ल्या विधानपरिशदेच्या थारावावरवीं ताच्या पदावेल्यान कडेक काडूं येता :

परंतु, उपकलम (ग) च्या प्रयोजनाखातीर कसलोय थाराव मांडपाचो उद्देश आसा अशें उणेच त्या चवदा दिसांची कळोवणी दिलेबगर तो थाराव मांडूंक मेळचो ना.

- 184. उपसभापती अथवा हेर कोणूय व्यक्ती हांचो सभापतीपदाचीं कर्तव्यां करपाचो अथवा सभापती म्हुण कार्य करपाचो अधिकार (1) सभापतीचें पद रिते आसा तेन्ना त्या पदाचीं कर्तव्यां उपसभापतीक अथवा उपसभापतीचें पदूय रितें आसत जाल्यार, राज्यपाल त्या प्रयोजनाखातीर जाका नेमतलो अशा विधान परिशदेच्या वांगड्यान करचीं पडटलीं.
- (2) विधानपरिशदेचे खंयचेय बसकेंत सभापती गैरहाजीर आसत तेन्ना उपसभापती, अथवा तोवूय गैरहाजीर आसल्यार, विधान परिशदेच्या कार्यपद्धत नेमा वरवीं थारायतले अशी व्यक्ती, अथवा, अशी खंयचीय व्यक्ती हाजीर नासल्यार, विधानपरिशद थारायत अशी हेर कोणूय व्यक्ती सभापती म्हूण कार्य करतली.
- 185. सभापतीक अथवा उपसभापतीक पदावेल्यान कडेक काडपाचो थाराव विचाराधीन आसत तेन्ना ताणे अध्यक्षस्थान स्वीकारप ना (1) विधानपरिशदेचे खंयचेय बसकेंत, सभापतीक ताच्या पदावेल्यान कडेक काडपाचो कसलोय थाराव विचाराधीन आसत तेन्ना उपसभापती, स्वता हाजीर आसलो तरीय, अध्यक्षस्थान स्वीकारचो ना, आनी

while any resolution for the removal of the Deputy Chairman from his office is under consideration, the Deputy Chairman, shall not, though he is present, preside, and the provisions of clause (2) of article 184 shall apply in relation to every such sitting as they apply in relation to a sitting from which the Chairman or, as the case may be, the Deputy Chairman is absent.

- (2) The Chairman shall have the right to speak in, and otherwise to take part in the proceedings of, the Legislative Council while any resolution for his removal from office is under consideration in the Council and shall, notwithstanding anything in article 189, be entitled to vote only in the first instance on such resolution or on any other matter during such proceedings but not in the case of an equality of votes.
- 186. Salaries and allowances of the Speaker and Deputy Speaker and the Chairman and Deputy Chairman. There shall be paid to the Speaker and the Deputy Speaker of the Legislative Assembly, and to the Chairman and the Deputy Chairman of the Legislative Council, such salaries and allowances as may be respectively fixed by the Legislature of the State by law and, until provision in that behalf is so made, such salaries and allowances as are specified in the Second Schedule.
- **187.** Secretariat of State Legislature. (1) The House or each House of the Legislature of a State shall have a separate secretarial staff: Provided that nothing in this clause shall, in the case of the Legislature of a State having a Legislative Council, be construed as preventing the creation of posts common to both Houses of such Legislature.
- (2) The Legislature of a State may by law regulate the recruitment, and the conditions of service of persons appointed, to the secretarial staff of the House or Houses of the Legislature of the State.
- (3) Until provision is made by the Legislature of the State under clause (2), the Governor may, after consultation with the Speaker of the Legislative Assembly or the Chairman of the Legislative Council, as the case may be, make rules regulating the recruitment, and the conditions of service of persons appointed, to the secretarial staff of the Assembly or the Council, and any rules so made shall have effect subject to the provisions of any law made under the said clause.

Conduct of Business

- **188.** Oath or affirmation by members. Every member of the Legislative Assembly or the Legislative Council of a State shall, before taking his seat, make and subscribe before the Governor, or some person appointed in that behalf by him, an oath or affirmation according to the form set out for the purpose in the Third Schedule.
- 189. Voting in Houses, power of Houses to act notwithstanding vacancies and quorum.—

 (1) Save as otherwise provided in this Constitution, all questions at any sitting of a House of the Legislature of a State shall be determined by a majority of votes of the members present and voting, other than the Speaker or Chairman, or person acting as such.

The Speaker or Chairman, or person acting as such, shall not vote in the first instance, but shall have and exercise a casting vote in the case of an equality of votes.

कलम 184 च्या उपकलम (2) चे उपबंध सभापती अथवा, प्रकरणाप्रमाण, उपसभापती गैरहाजीर आशिल्ले बसकेच्या संबंदांत जशे लागू जातात, तशे ते पयलीं सांगलां अशे दरेके बसकेच्या संबंदांत लागू जातले.

- (2) सभापतीक ताच्या पदावेल्यान कडेक काडपाचो कसलोय थाराव विधानपरिशदेंत विचाराधीन आसत तेन्ना, ताका विधानपरिशदेंत भाशण करपाचो आनी तिच्या कामांत हेर तरेन भाग घेवपाचो अधिकार आसतलो आनी कलम 189 त किदेंय आसलें तरी, अशें कामकाज चालू आसत तेन्ना अशा थारावाचेर अथवा हेर कसलेय गजालीचेर फकत पयलेच फेरयेंत मतदान करपाचो ताका हक्क आसतलो, पूण मता समसमान जाल्यार मात ना.
- 186. अध्यक्ष आनी उपाध्यक्ष तशेंच सभापती आनी उपसभापती हांचीं वेतनां आनी भत्ते विधानसभेचो अध्यक्ष आनी उपाध्यक्ष हांकां तशेंच विधानपरिशदेचो सभापती आनी उपसभापती हांकां दरेकीं राज्य विधानमंडळ कायद्यावरवीं थारायतलें अशीं वेतनां आनी भत्ते दितले आनी, ते संबंदांत हे प्रमाण उपबंध करीसर, दुसरे अनुसुचयेंत विनिर्दीष्ट केल्लें वेतन आनी भत्ते दितले.
- 187. राज्य विधानमंडळाचें सचिवालय (1) राज्याच्या विधानमंडळाच्या संबंदांत, अशा विधानमंडळाच्या दोनाय सभाघरांक सामाईक अशा पदांची निर्मणी करपाक अथवा ह्या उपकलमांतली खंयचीच गजाल प्रतिबंधक आसा असो ताचो अर्थ लावंचे नात.
- (2) राज्याच्या विधानमंडळाच्यान कायद्यावरवीं राज्याच्या विधानमंडळाच्या सभाघराच्या अथवा सभाघरांच्या सचिवीय कर्मचारीवृंदांत भरती अथवा तातूंत नेमणूक केल्ल्या व्यक्तींच्यो सेवा-अटी हांचें विनियमन करूं येता.
- (3) उपकलम (2) खाला राज्य विधानमंडळ उपबंध करीसर राज्यपालाच्यान, विधानसभेचो अध्यक्ष अथवा, प्रकरणाप्रमाण, विधानपरिशदेचो सभापती हांचो विचार घेवन उपरांत विधानसभेच्या अथवा विधानपरिशदेच्या सचिवीय कर्मचारीवृंदांत भरती आनी तातूंत नेमणूक केल्ल्या व्यक्तींच्यो सेवा-अटी हांचे विनियमन करपी नेम करूं येतात, आनी हेप्रमाण केल्ले कसलेय नेम वयर सांगलां त्या उपकलमाखाला केल्ल्या खंयच्याय कायद्याच्या उपबंधांचे अधीनतायेन परिणामक आसतले.

कामकाज चलोवप

- 188. वांगड्यांनी सोपूत घेवप अथवा दृढकथन करप राज्याचे विधानसभेचो अथवा विधानपरिशदेचो दरेक वांगडी आपणाली सुवात ग्रहण करचेपयलीं राज्यपालामुखार अथवा 'ताणे सोपूत अथवा दृढकथन हांच्या संबंदांत नेमिल्ले खंयचेय व्यक्तीमुखार, तिसरे अनुसुचयेंत ह्या प्रयोजनाखातीर दिल्ल्या नमुन्याप्रमाण सोपूत घेवन अथवा दृढकथन करून ताचेखाला स्वाक्षरी करतलो.
- 189. सभाघरांतलें मतदान, सुवात रिती आसत तेन्नाय कार्य करपाचो सभाघरांचो अधिकार आनी गणपूर्ती (1) ह्या संविधानातांत हेरभाशेन उपबंध केला आसत तितलें सोडून हेर गजालींनी, राज्य विधानमंडळाच्या सभाघराचे खंयचेय बसकेंतले सगले प्रस्न अध्यक्ष अथवा सभापती, अथवा त्या नात्यान कार्य करपी व्यक्ती हांचेभायर हेर हाजीर आशिल्ल्या आनी मतदान करपी वांगङ्यांच्या भोवमतान निर्णीत करतले.

अध्यक्ष अथवा सभापती, अथवा त्या नात्यान कार्य करपी व्यक्ती पयले फेरयेंत मतदान करची ना, पूण मतां समसमान जाल्यार, तिका निर्णायक मत दिवपाचो अधिकार आसतलो आनी तो अधिकार ती वापरतली.

A House of the Legislature of a State shall have power to act notwithstanding any vacancy in the membership thereof, and any proceedings in the Legislature of a State shall be valid notwithstanding that it is discovered subsequently that some person who was not entitled so to do sat or voted or otherwise took part in the proceedings.

- (3) Until the Legislature of the State by law otherwise provides, the quorum to constitute a meeting of a House of the Legislature of a State shall be ten members or one-tenth of the total number of members of the House, whichever is greater.
- (4) If at any time during a meeting of the Legislative Assembly or the Legislative Council of a State there is no quorum, it shall be the duty of the Speaker or Chairman, or person acting as such, either to adjourn the House or to suspend the meeting until there is a quorum.

Disqualifications of Members

- **190. Vacation of seats.** (1) No person shall be a member of both Houses of the Legislature of a State and provision shall be made by the Legislature of the State by law for the vacation by a person who is chosen a member of both Houses of his seat in one house or the other.
- (2) No person shall be a member of the Legislatures of two or more States specified in the First Schedule and if a person is chosen a member of the Legislatures of two or more such States, then, at the expiration of such period as may be specified in rules ¹⁸ made by the President, that person's seat in the Legislatures of all such States shall become vacant, unless he has previously resigned his seat in the Legislatures of all but one of the States.
 - (3) If a member of a House of the Legislature of a State. -
 - (a) Becomes a subject to any of the disqualifications mentioned in ¹⁹[clause (1) of article 191]; or
 - ²⁰[(b) Resigns his seat by writing under his hand addressed to the speaker or the Chairman, as the case may be, and his resignation is accepted by the Speaker or the Chairman, as the case may be,] His seat shall thereupon become vacant:
 - ²¹[Provided that in the case of any resignation referred to in sub-clause (b), if from information received or otherwise and after making such inquiry as he thinks fit, the Speaker or the Chairman, as the case may be, is satisfied that such resignation is not voluntary or genuine, he shall not accept such resignation.]
- (4) If for a period of sixty days a member of a House of the Legislature of a State is without permission of the House absent from all meetings thereof, the House may declare his seat vacant:

Provided that in computing the said period of sixty days no account shall be taken of any period during which the House is prorogued or is adjourned for more than four consecutive days.

- (2) राज्य विधानमंडळाच्या सभाघराच्या वांगडीकुळांत खंयचीय सुवात रिती आसली तरी त्या सभाघराक कार्य करपाचो अधिकार आसतलो, आनी राज्य विधानमंडळांतलें कसलेंय कामकाज, त्या कामकाजाच्या वेळार थंय सुवातेर बसपाचो अथवा मतदान करपाचो अथवा हेरतरेन भाग घेवपाचो जिका हक्क नाशिल्लो अशे एखादे व्यक्तीन तशें केलां हें मागीर दिसलें तरीय कायदेशीर उरतलें.
- (3) राज्य विधानमंडळ कायद्यावरवीं अथवा हेर तरेन उपबंध करींसर, राज्य विधानमंडळाच्या सभाघराची सभा जावपाखातीर लागपी गणसंख्या ही, धा वांगडी अथवा त्या सभाघराचे एकंदर वांगडी संख्येचो एक-दशांश हांचेमदीं जी संख्या मोटी आसत तितली आसतली.
- (4) राज्याचे विधानसभेची अथवा विधानपरिशदेची सभा चालू आसत तेन्ना एखाद्या वेळार गणपूर्ती जाल्ली नासत जाल्यार, सभाघर तहकूब करप अथवा गणपूर्ती जायसर सभा स्थिगत करप हें अध्यक्षाचें अथवा सभापतीचें अथवा त्या नात्यान कार्य करपी व्यक्तीचें कर्तव्य आसतलें.

वांगङ्यांच्यो अपात्रतायो

- **190. सुवात रिती करप** (1) खंयचीय व्यक्ती राज्य विधानमंडळांच्या दोनाय सभाघरांचो वांगडी आसची ना आनी जी व्यक्ती दोनांय सभाघरांचो वांगडी म्हूण वेंचिल्ली आसत जाल्यार तिणे दोनांमदल्या खंयच्याय एका सभाघरांतली आपणाली सुवात रिती करची हेखातीर राज्य विधानमंडळाकडल्यान कायद्यावरवीं उपबंध करतले.
- (2) खंयचीच व्यक्ती पयले अनुसुचयेंत विनिर्दीष्ट केल्ल्या राज्यांमदीं दोन अथवा चड राज्यांच्या विधान मंडळांचो वांगडी म्हूण वेंचून गेल्यार, राष्ट्रपतीन केल्ल्या नेमांत ¹⁸[विनिर्दीश्ट करतले असो कालावधी सोंपनाफुडें अशा सगल्या राज्यांच्या विधानमंडळांतली ते व्यक्तीची सुवात रिती जातली, मात तिणे तेपयलीं एक सोडून सगल्या राज्यांच्या विधानमंडळांतले आपणाले सुवातेचो राजीनामो दिल्लो आसल्यार गजाल वेगळी.
 - (3) राज्याच्या विधानमंडळाच्या सभाघराचो वांगडी -
 - ¹⁹(क) [कलम 191 चे उपकलम (1)] हातूंत उल्लेखिल्ल्यांमदले खंयचेय अपात्रतायेक पात्र जायत जाल्यार; अथवा
- ²⁰[(ख) अध्यक्षाक अथवा, प्रकरणाप्रमाण, सभापतीक लेखून बरयल्ल्या स्वाक्षरीत लेखावरवीं आपणाले सुवातेचो राजीनामो दितलो आनी अध्यक्ष अथवा, प्रकरणाप्रमाण, सभापती ताचो राजीनामो स्वीकारीत जाल्यार,] ताचे उपरांत ताची सुवात रिती जातली:
 - ²¹[परंतु, उप-उपकलमं (ख) हातूंत निर्देशिल्ल्या खंयच्याय राजीनाम्याच्या संबंदांत, मेळिल्ले माहितेवेल्यान अथवा हेर तरेन, आनी स्वताक योग्य दिसत अशी चवकशी केले उपरांत जर, असो राजीनामो आपखोशयेन अथवा प्रामाणिकपणान दिल्लो ना अशी अध्यक्षाची अथवा, प्रकरणा प्रमाण, सभापतीची खात्री जाली जाल्यार, तो असो राजीनामो स्वीकारचो ना.]
- (4) राज्याच्या विधानमंडळाच्या सभाघराचो वांगडी सभाघराचे अनुज्ञेबगर साठ दिसांच्या कालावधींत त्या सभाघराच्या सगल्य वापनांक गैरहाजीर रावलो ना जाल्यार, सभाघराक ताची सुवात रिती आसा अशें घोशीत करूक मेळटलें;

परंतु, साठ दिसांचो वयर सांगला तो कालावधी मेजतना, जेन्ना सभाघराची सत्रसमाप्ती जाल्ली आसत अथवा फाटोफाट चार दिसांपरस चड काळ तें तहकूब आसत असो कसलोच कालावधी हिशोबाक धरचे नात.

- **191. Disqualifications for membership.** (1) A person shall be disqualifed for being chosen as, and for being, a member of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State-
 - (a) If he holds any office of profit under the Government of India or the Government of any State specified in the First Schedule, other than an office declared by the Legislature of the State by law not to disqualify its holder;
 - (b) If he is of unsound mind and stands so declared by a competent court,
 - (c) If he is an undischarged insolvent;
 - (d) If he is not a citizen of India, or has voluntarily acquired the citizenship of a foreign State, or is under any acknowledgment of allegiance or adherence to a foreign State;
 - (e) If he is so disqualified by or under any law made by Parliament.
- ²²[Explanation. For the purposes of this clause], a person shall not be deemed to hold an office of profit under the Government of India or the Government of any State specified in the First Schedule by reason only that he is a Minister either for the Union or for such State.
- ²³[(2) A person shall be disqualified for being a member of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State if he is so disqualified under the Tenth Schedule.]
- ²⁴[192. Decision on questions as to disqualifications of members. (1) If any question arises as to whether a member of a House of the Legislature of a State has become subject to any of the disqualifications mentioned in clause (1) of article 191, the question shall be referred for the decision of the Governor and his decision shall be final.
- (2) Before giving any decision on any such question, the Governor shall obtain the opinion of the Election Commission and shall act according to such opinion.]
- 193. Penalty for sitting and voting before making oath or affirmation under article 188 or when not qualified or when disqualified. If a person sits or votes as a member of the Legislative Assembly or the Legislative Council of a State before he has complied with the requirements of article 188, or when he knows that he is not qualified or that he is disqualified for membership thereof, or that he is prohibited from so doing by the provisions of any law made by Parliament or the Legislature of the State, he shall be liable in respect of each day on which he so sits or votes to a penalty of five hundred rupees to be recovered as a debt due to the State.

Powers, Privileges and Immunities of State Legislatures

194. Powers, privileges, etc., of the Houses of Legislatures and committees thereof. — (1) Subject to the provisions of this Constitution and to the ulest and standing orders regulating the procedure of the Legislature, there shall be freedom of speech in the Legislature of every State.

- 191. वांगडीपणाविशींच्यो अपात्रतायो (1) एखादी व्यक्ती राज्याचे विधानसभेचो अथवा विधानपरिशदेचो वांगडी म्हूण वेंचणूक जावपाक आनी तसो वांगडी म्हूण रावपाक फुडल्या कारणांकलागून अपात्र थारतली, तीं अशीं -
 - (क) जें लाभपद ताच्या धारकाक अपात्र करपी ना अशें पयले अनुसुचयेंत विनिर्दीश्ट केल्ल्या खंयच्याय राज्याच्या विधानमंडळान कायद्यावरवीं घोशीत केलां ताचेपरस वेगळें अशें, भारत सरकाराच्या अथवा त्या राज्याच्या सरकाराचे अखत्यारेखालचें कसलेंय लाभपद तिणे धारण केलां आसत जाल्यार;
 - (ख) ती मनोविकल आसत अथवा सक्षम न्यायालयाकडल्यान तशी घोशीत जाल्ली आसत जाल्यार;
 - (ग) ती अविमुक्त नादार व्यक्ती आसत जाल्यार;
 - (घ) ती भारताची नागरीक नासत अथवा तिणे आपखेशयेन परकी देशाचें नागरिकत्व मेळयलां आसत, अथवा तिणें परकी देशाक निश्ठा अथवा इमान दिलां अशे कसलेय अभिस्वीकृतीन बांदिल्ली आसंत जाल्यार;
- (ङ) ती संसदेन केल्ल्या खंयच्याय कायद्यावरवी अथवा तेखाला हेप्रमाण अपात्र जाल्ली आसत जाल्यार ²²[स्पश्टीकरण ह्या कलमाच्या प्रयोजनाखातीर] एखादी व्यक्ती संघराज्याची अथवा पयले अनुसुचयेंत विनिर्दीष्ट केल्ल्या खंयच्याय राज्याचो मंत्री आसा इतल्याच कारणान, ती भारत सरकाराचे अथवा अशा खंयच्याय राज्याच्या सरकाराचे अखात्यारेखालचें लाभपद धारण करता अशें मानचे नात.
- ²³[(2) ती ह्या संविधानाचे धावे अनुसुंचयेचे अधीनतायेन जर अशे तरेन अपात्र थारत जाल्यार खंयच्याय राज्याचे विधानसभेखातीर अथवा विधान परिशदेखातीर वांगडी जावपाक अपात्र थारता.]
- ²⁴[192. वांगड्यांच्या अपात्रतायांविशींच्या प्रस्नांचेर निर्णय (1) एखाद्या राज्य विधानमंडळाच्या सभाघराचो एखादो वांगडी कलम 191-उपकलम (1) हातूंत नमूद केल्ल्यांमदले खंयचेय अपात्रतायेक पात्र जाला काय किदें हेसंबंदीं कसलोय प्रस्न उप्रासल्यार, तो प्रस्न राज्यपालाकडेन निर्णयाखातीर निर्देशीत करतले आनी ताचो निर्णय निमणो आसतलो.
- (2) अशा कसल्याय प्रस्नाचेर कसलोय निर्णय दिवंचे पयलीं, राज्यपाल वेंचणूक आयोगाचें मत घेतलो आनी अशा मताप्रमाण निर्णय करतलो.]
- 39. कलम 188 खाला सोपूत घंवचेपयली अथवा दृढकथन करचेपयली अथवा पात्र नासतना अथवा अपात्र आसतना सुवातेर बसल्यार आनी मतदान केल्यार दंड जर एखादे व्यक्तीन, कलम 188 खालच्या गरजांक पाळो दिवंचेपयली अथवा एखाद्या राज्याचे विधानसभेच्या अथवा विधानपरिशदेच्या वांगडीपणाक आपूण पात्र ना अथवा अपात्र आसां अथवा संसदेन अथवा त्या राज्याच्या विधिमंडळान केल्ल्या खंयच्याय कायद्याच्या उपबंधाप्रमाण त्या सभाघराचो वांगडी म्हूण सुवातेर बसपाची अथवा मतदान करपाची आपणाक बंदी आसा हे खबर आसतनांय तशें केलें जाल्यार, ज्या ज्या दिसा ती व्यक्ती सुवातेर बिशल्ली आसत अथवा तिणे मतदान केल्लें आसत त्या दरेका दिसाखातीर पांचशीं रूपया इतल्या दंडाक ती पात्र जातली आनी तो दंड राज्याक येणे आशिल्लें रीण म्हूण वसूल करतले.

राज्य विधानमंडळां आनी तांचे वांगडी हांचे अधिकार, विशेशाधिकार आनी उन्मुक्त्यो.

194. विधानमंडळांची सभाघरां आनी तांचे वांगडी आनी समित्यो हांचे अधिकार, विशेशाधिकार इत्यादी - (1) ह्या संविधानाचे उपबंध आनी विधानमंडळाचे कार्यपद्धतीचें विनियमन करपी नेम आनी स्थायी आदेश हांचे अधीनतायेन, दरेका राज्याच्या विधानमंडळांत भाशण स्वातंत्र्य आसतलें.

- (2) No member of the Legislature of a State shall be liable to any proceedings in any court in respect of anything said or any vote given by him in the Legislature or any committee thereof, and no person shall be so liable in respect of the publication by or under the authority of a House of such a Legislature of any report, paper, votes or proceedings.
- (3) In other respects, the powers, privileges and immunities of a House of the Legislature of a State, and of the members and the committees of a House of such Legislature, shall be such as may from time to time be defined by the Legislature by law, and, until so defined, ²⁵[shall be those of that House and of its members and committees immediately before the coming into force of section 26 of the Constitution (Forty-fourth Amendment) Act, 1978].
- (4) The provisions of clauses (1), (2) and (3) shall apply in relation to persons who by virtue of this Constitution have the right to speak in, and otherwise to take part in the proceedings of, a House of the Legislature of a State or any committee thereof as they apply in relation to members of that Legislature.
- 195. Salaries and allowances of members. Members of the Legislative Assembly and the Legislative Council of a State shall be entitled to receive such salaries and allowances as may from time to time be determined, by the Legislature of the State by law and, until provision in that respect is so made, salaries and allowances at such rates and upon such conditions as were immediately before the commencement of this Constitution applicable in the case of members of the Legislative Assembly of the corresponding Province.

Legislative Procedure

- **196.** Provisions as to introduction and passing of Bills. (1) Subject to the provisions of articles 198 and 207 with respect to Money Bills and other financial Bills, a Bill may originate in either House of the Legislature of a State which has a Legislative Council.
- (2) Subject to the provisions of articles 197 and 198, a Bill shall not be deemed to have been passed by the Houses of the Legislature of a State having a Legislative Council unless it has been agreed to by both Houses, either without amendment or with such amendments only as are agreed to by both Houses.
- (3) A Bill pending in the Legislature of a State shall not lapse by reason of the prorogation of the House or Houses thereof.
- (4) A Bill pending in the Legislative Council of a State which has not been passed by the Legislative Assembly shall not lapse on a dissolution of the Assembly.
- (5) A Bill which is pending in the Legislative Assembly of a State, or which having been passed by the Legislative Assembly is pending in the Legislative Council, shall lapse on a dissolution of the Assembly.
- 197. Restriction on powers of Legislative Council as to Bills other than Money Bills. —(1) If after a Bill has been passed by the Legislative Assembly of a State having a Legislative Council and transmitted to the Legislative Council—

- (2) राज्य विधानमंडळाचो खंयचोय वांगडी, विधानमंडळांत अथवा ताचे खंयचेय सिमतेंत ताणे केल्ल्या कसल्याय वक्तव्याच्या अथवा ताणे केल्ल्या कसल्याय मतदानाच्या संबंदांत, खंयच्याच न्यायालयांत कसलेच कारवायेक पात्र जावचो ना, आनी खंयचीच व्यक्ती अशा विधानमंडळाच्या खंयच्याच सभाघराच्या प्राधिकारावरवीं अथवा तेखाला उजवाडा आयिल्लो कसलोच अहवाल, कागदपत्र, मतदान आनी कामकाजवृत्त हांचे उजवाडणेविशीं हेप्रमाण पात्र जावंचो ना.
- (3) हेर गजालींनी, राज्य विधानमंडळाचें सभाघर आनी अशा विधानमंडळाच्या सभाघराचे वांगडी आनी सिमत्यो हांचे अधिकार, विशेशाधिकार आनी उन्मुक्त्यो हीं तें विधानमंडळ कायद्यावरवी त्या त्या वेळार थारायतलें अश्यो आसतल्यो, आनी हे प्रमाण थारायसर ²⁵ [त्या सभाघराक आनी ताच्या वांगड्यांक आनी सिमत्यांक 'संविधान (चोवेचाळीसावो बदल) अधिनियम 1978' हाचो अनुभाग 26 लागू जांवचे निकटपूर्व जशीं आशिल्लीं तशीं आसतली:]
- (4) उपकलम (1), (2) आनी (3) हांचे उपबंध जशे राज्य विधानमंडळाच्या वांगड्यांच्या संबंदांत लागू आसात तशे ते, ह्या संविधानाच्या आदारान त्या विधानमंडळाच्या सभाघरांत अथवा ताचे खंयचेय समितेंत भाशण करपाचो अथवा हेरतरेन तिच्या कामकाजांत भाग घेवपाचो अधिकार आशिल्ले व्यक्तीच्या संबंदांत लागू आसतलो.
- 195. वांगड्यांचीं वेतनां आनी भत्त राज्याचे विधानसभेचे आनी विधानपरिशदेचे वांगडी हे राज्याचें विधानमंडळ कायद्यावरवीं त्या त्या वेळार थारायतलें अशीं वेतनां आनी भत्ते मेळपाक आनी, तेसंबंदीं हे प्रमाण उपबंध जायसर, ह्या संविधानाच्या आरंभाचे निकटपूर्व समनुरूप प्रांतांचे विधानसभेच्या वांगड्यांक लागू आशिल्ल्या अशा दरांनी आनी अशा अटींचेंर वेतनां आनी भत्ते मेळपाक हक्कदार आसतले.

वैधानीक कार्यपद्धत

- 196. विधेयकां मांडप आनी पास करप हेसंबंदीं उपबंध (1) अर्थविधेयकां आनी हेर वित्तीय विधेयकां हांचेविशीं कलम 198 आनी 207 हातूंत आशिल्ल्या उपबंधांचे अधीनतायेन जाका विधानपरिशद आसा अशा राज्य विधानमंडळाच्या खंयच्याय सभाघरांत विधेयकाचो पयलो आरंभ जावं येता.
- (2) कलम 197 आनी 198 च्या उपबंधाचे अधीनतायेत, विधानपरिशद आशिल्ल्या राज्यांच्या विधानमंडळांच्या सभाघरांनी एखादें विधेयक बदलाखातीर अथवा दोनाय सभाघरांनी, पास जाल्ले आसत अशाच बदलांसयत पास केलेबगर दोनाय सभाघरांनी तें पास केलें अशें मानचे नात.
- (3) राज्याच्या विधानमंडळांत प्रलंबीत आशिल्लें विधेयक ताच्या सभाघराची अथवा सभाघरांची सत्रसमाप्ती जाल्ल्या कारणान खळीत जांवंचें ना.
- (4) राज्याचे विधानपरिशदेंत प्रलंबीत आशिल्लें जें विधेयक विधानसभेन पास केल्लें नासत तें विधेयक विधानसभेचें विसर्जन जालें जाल्यार खळीत जांवचें ना.
- (5) जें विधेयक राज्याचे विधानसभेंत प्रलंबीत आसत, अथवा विधानसभेकडल्यान पास जावन विधानपरिशदेंत प्रलंबीत आसत तें विधेयक विधानसभेचें विसर्जन जालें जाल्यार खळीत जातलें.
- 197. अर्थविधेयकांपरस वेगळ्या विधेयकांसंबंदीं विधानपरिशदेच्या अधिकारांचेर निर्वंध (1) विधानपरिशद आशिल्ल्या राज्याचे विधानसभेन एखादें विधेयक पास करून विधानपरिशदेकडेन धाडले उपरांत जर -

- (a) The Bill is rejected by the Council; or
- (b) More than three months elapse from the date on which the Bill is laid before the Council without the Bill being passed by it; or
- (c) The Bill is passed by the Council with amendments to which the Legislative Assembly does not agree; The Legislative Assembly may, subject to the rules regulating its procedure, pass the Bill again in the same or in any subsequent session with or without such amendments, if any, as have been made, suggested or agreed to by the Legislative Council and then transmit the Bill as so passed to the Legislative Council.
- (2) If after a Bill has been so passed for the second time by the Legislative Assembly and transmitted to the Legislative Council-
 - (a) The Bill is rejected by the Council, or
 - (b) More than one month elapses from the date on which the Bill is laid before the Council without the Bill being passed by it; or
 - (c) The Bill is passed by the Council with amendments to which the Legislative Assembly does not agree; The Bill shall be deemed to have been passed by the Houses of the Legislature of the State in the form in which it was passed by the Legislative Assembly for the second time with such amendments, if any, as have been made or suggested by the Legislative Council and agreed to by the Legislative Assembly.
 - (3) Nothing in this article shall apply to a Money Bill.
- **198.** Special procedure in respect of Money Bills. (1) A Money Bill shall not be introduced in a Legislative Council.
- (2) After a Money Bill has been passed by the Legislative Assembly of a State having a Legislative Council, it shall be transmitted to the Legislative Council for its recommendations, and the Legislative Council shall within a period of fourteen days from the date of its receipt of the Bill return the Bill to the Legislative Assembly with its recommendations, and the Legislative Assembly may thereupon either accept or reject all or any of the recommendations of the Legislative Council.
- (3) If the legislative Assembly accepts any of the recommendations of the Legislative Council, the Money Bill shall be deemed to have been passed by both Houses with the amendments recommended by the Legislative Council and accepted by the Legislative Assembly.
- (4) If the Legislative Assembly does not accept any of the recommendations of the Legislative Council, the Money Bill shall be deemed to have been passed by both Houses in the form in which it was passed by the Legislative Assembly without any of the amendments recommended by the Legislative Council.
- (5) If a Money Bill passed by the Legislative Assembly and transmitted to the Legislative Council for its recommendations is not returned to the Legislative Assembly within the said period of fourteen days, it shall be deemed to have been passed by both Houses at the expiration of the said period in the form in which it was passed by the Legislative Assembly.
- **199. Definition of "Money Bills".** (1) For the purposes of this Chapter, a Bill shall be deemed to be a Money Bill if it contains only provisions dealing with all or any of the following matters, namely: —

- (क) तें विधेयक विधानपरिशदेन अस्वीकार केलें जाल्यार; अथवा विधानपरिशदेन अस्वीकार केलें जाल्यार;
- (ख) तें विधेयक विधानपरिशदेमुखार दवरिल्ल्याचे तारकेसावन तें तिचेकडल्यान पास जायनासतना तीन म्हयन्यांपरत चड काळ गेला आसत जाल्यार; अथवा
- (ग) तें विधेयक विधानपरिशदेन बदलांसयत पास केलें आनी ते बदल विधानसभेन संमत केले नात जाल्यार, विधानसभेच्यान विधानपरिशदेन केल्ले, सुचयल्ले अथवा संमत केल्ले थोडे बदल आसल्यार तांचेसयत अथवा तांचेबगर तें विधेयक त्याच अथवा उपरांतच्या खंयच्याय सत्रांत, आपणाले कार्यपद्धतीचें विनियमन करपी नेमांचे अधीनतायेन, पर्थून पास करूं येता आनी मागीर हे प्रमाण पास जाल्लें विधेयक विधानपरिशदेकडेन धाडूं येता.
 - (2) एखादें विधेयक विधानसभेन हेप्रमाण दुसरे फावट पास करून विधानपरिशदेकडेन धाडले उपरांत जर -
 - (क) तें विधेयक विधानपरिशदेन अस्वीकार केलें जाल्यार; अथवा
 - (ख) तें विधेयक विधानपरिशदेमुखार दवरिल्ल्याचे तारकेसावन तें तिचेकडल्यान पास जायनासतना एका म्हयन्यापरस चड काळ गेलो जाल्यार; अथवा
- (ग) तें विधेयक विधानपरिशदेन बदलांसयत पास केलें आनी ते बदल विधानसभेन पास केले नात जाल्यार, विधानपरिशदेन केल्ले अथवा सुचयल्ले आनी विधानसभेन संमत केल्ले अशे थोडे बदल आसल्यार तांचेसयत विधानसभेन दुसरे फावट तें विधेयक जशें पास केलें त्या रूपांत तें राज्य विधानमंडळाच्या सभाघरांनी पास केलां अशें मानतले.
 - (3) ह्या कलमातली खंयचीच गजाल अर्थविधेयकाक लागू आसची ना.

198. अर्थविधेयकांसंबंदीं खाशेली कार्यपद्धत – (1) अर्थविधेयक विधानपरिशदेंत मांडचे नात.

- (2) विधानपरिशद आशिल्ल्या राज्याचे विधानसभेन अर्थविधेयक पास केलेउपरांत तें विधानपरिशदेकडेन तिचे शिफारसींखातीर धाडटले, आनी तें विधेयक मेळिल्ल्याचे तारकेसावन चवदा दिसांच्या कालावधीभितर विधानपरिशद आपणाल्या शिफारसींसयत तें विधानसभेकडेन परत धाडटलें, आनी ताचे उपरांत विधानसभेच्यान विधानपरिशदेच्यो सगल्यो अथवा तांचेमदल्यो खंयच्योय शिफारसी स्वीकारूं येतात अथवा न्हयकारूं येतात.
- (3) विधानसभेन विधानपरिशदेच्या शिफारसीं भितरत्यो खंयच्योय शिफारसीं स्वीकारत्यो जात्यार, अर्थविधेयक विधानपरिशदेन शिफारस केल्ल्या आनी विधानसभेन स्वीकारिल्ल्या बदलांसयत दोनाय सभाघरांनी पास केलें अशें मानतले.
- (4) विधानसभेन विधानपरिशदेच्या शिफारसींमदल्यो खंयच्योय शिफारसी स्वीकारल्यो नात जाल्यार, अर्थविधेयक विधानसभेन जशें पास केल्ले तशा स्वरूपांत विधानपरिशदेन शिफारस केल्ल्यां मदल्या खंयच्याच बदलाबगर तें दोनाय सभाघरांनी पास केलें अशें मानताले.
- (5) जर विधानसभेन पास केल्लें आनी विधानपरिशदेकडेन तिच्या शिफारसींखातीर धाडिल्लें. अर्थविधेयक वयर सांगल्यात त्या चवदा दिसांच्या कालावधी भितर विधानसभेकडेन परते धाडलें ना जाल्यार, वयर सांगला तो कालावधी सोंपतकच, तें विधानसभेन जशें पास केल्लें तशा रूपांत तें दोनाय सभाघरांनी पास केलें अशे मानतले.
- 199. 'अर्थविधेयकां' हाची व्याख्या (1) ह्या प्रकरणाच्या प्रयोजनाखातीर, एखाद्या विधेयकांत फकत फुडल्यो सगल्यो अथवा तांतूतले खंयचेय गजालीकडेन संबंदीत आशिल्ले उपबंध आस्पावीत आसले जाल्यार तें अर्थविधेयक आसा अशें मानतले, त्यो गजाली अशोः

- (a) The imposition, abolition, remission, alteration or regulation of any tax;
- (b) The regulation of the borrowing of money or the giving of any gurantee by the State, or the amendment of the law with respect to any financial obligations undertaken or to be undertaken by the State:
- (c) The custody of the Consolidated Fund or the Contingency Fund of the State, the payment of moneys into or the withdrawal of moneys from any such Fund;
 - (d) The appropriation of moneys out of the Consolidated Fund of the State;
- (e) The declaring of any expenditure to be expenditure charged on the Consolidated Fund of the State, or the increasing of the amount of any such expenditure;
- (f) The receipt of money on account of the Consolidated Fund of the State or the public account of the State or the custody or issue of such money; or
 - (g) Any matter incidental to any of the matters specified in sub-clauses (a) to (f).
- (2) A Bill shall not be deemed to be a Money Bill by reason only that it provides for the imposition of fines or other pecuniary penalties, or for the demand or payment of fees for licences or fees for services rendered, or by reason that it provides for the imposition, abolition, remission, alteration or regulation of any tax by any local authority or body for local purposes.
- (3) If any question arises whether a Bill introduced in the Legislature of a State which has a Legislative Council is a Money Bill or not, the decision of the Speaker of the Legislative Assembly of such State thereon shall be final.
- (4) There shall be endorsed on every Money Bill when it is transmitted to the Legislative Council under article 198, and when it is presented to the Governor for assent under article 200, the certificate of the Speaker of the Legislative Assembly signed by him that it is a Money Bill.
- 200. Assent to Bills. When a Bill has been passed by the Legislative Assembly of a State or, in the case of a State having a Legislative Council, has been passed by both Houses of the Legislature of the State, it shall be presented to the Governor and the Governor shall declare either that he assents to the Bill or that he withholds assent therefrom or that he reserves the Bill for the consideration of the President:

Provided that the Governor may, as soon as possible after the presentation to him of the Bill for assent, return the Bill if it is not a Money Bill together with a message requesting that the House or Houses will reconsider the Bill or any specified provisions thereof and, in particular, will consider the desirability of introducing any such amendments as he may recommend in his message and, when a Bill is so returned, the House or Houses shall reconsider the Bill accordingly, and if the Bill is passed again by the House or Houses with or without amendment and presented to the Governor for assent, the Governor shall not withhold assent therefrom:

- (क) कसलोय कर लावप, तो रद्द करप, तो माफ करप, तातूंत फेरबदल करप, अथवा ताचें विनियमन करप;
- (ख) राज्य सरकारान दुडू उश्णो घेवप अथवा कसलीय हमी दिवप हांचे विनियमन, अथवा राज्य सरकारान पत्करिल्ल्या अथवा पत्करपाच्या खंयच्याय वित्तीय आबंधनासंबंदींच्या कायद्यांत बदल.
- (ग) राज्याचो एकवटीत निधी अथवा आकस्मिकताय निधी हांची अभिरक्षा करप, अशा कसल्याय निधीत दुडवांचो भरणो करप अथवा तातूंतल्यान दूडू काडप;
 - (घ) राज्याच्या एकवटीत निधींतल्यान दुडवांचें विनियोजन;
- (ङ) कसलोय खर्च राज्याच्या एकवटीत निधीचेर प्रभारीत आशिल्लो खर्च म्हूण घोशीत करप, अथवा अशा कसल्याय खर्चाची रकम वाडोवप;
- (च) राज्याच्या एकवटीत निधीच्या अथवा राज्याच्या लोकलेख्याच्या खात्यांत दुडवांची आवक ना अशा दुडवांची अभिरक्षा अथवा जावक; अथवा
- (छ) उप-उपकलम (क) ते (च) हातूंत विनिर्दीष्ट केल्ल्यांमदीं कसलेय गजालीक अनुशंगीक आशिल्ली कसलीय गजाल.
- (2) एखादें विधेयक हें द्रव्यदंड अथवा हेर द्रव्यशास्ती बसोवपाखातीर, अथवा परवानो-फियेची अथवा दिल्ले सेवेचे फियेची मागणी अथवा भरणो हाचेखातीर उपबंध करता इतल्याच कारणान, अथवा खंयच्याय थळाव्या प्राधिकरणान अथवा निकायान थळाव्या प्रयोजनांखातीर कसलोय कर लावप, तो रद्द करप, तो माफ करप, तातूंत फेरबदल करप अथवा ताचें विनियमन करप हाचेखातीर उपबंध करता इतल्याच कारणावेल्यान तें अर्थविधेयक आसा अशें मानचे नात.
- (3) जंय विधानपरिशद आसा अशा राज्याच्या विधानमंडळांत मांडिल्लें, एखादें विधेयक हें अर्थविधेयक आसा अथवा ना असो प्रस्न उप्रासल्यार अशा राज्याचे विधानसभेच्या अध्यक्षाचो ताचेवेलो निर्णय हो निमणो आसतलो.
- (4) दरेक अर्थविधेयक कलम 198 खाला विधानपरिशदेकडेन धाडटले तेन्ना आनी कलम 200 खाला राज्यपालामुखार ताचे अनुमती खातीर दवरतले तेन्ना, तें अर्थविधेयक आसा अशें विधानसभेच्या अध्यक्षाचे स्वाक्षरेचें प्रमाणपत्र ताचेर पृश्ठांकीत केल्लें आसतलें.
- 200. विधेयकांक अनुमती एखादें विधेयक राज्याचे विधानसभेकडल्यान पास जाल्लें आसत अथवा विधानपरिशद आशिल्ल्या राज्याच्या संबंदांत, राज्याच्या विधानमंडळाच्या दोनाय सभाघरांकडल्यान पास जाल्लें आसत तेन्ना, तें राज्यपालामुखार दवरतले आनी राज्यपाल एकतर आपूण त्या विधेयकाक अनुमती दितां अशें घोशीत करतलो अथवा ताचेपासून अनुमती आडावन धरतां अथवा तें विधेयक राष्ट्रपतीच्या विचाराखातीर राखून दवरतां अशें घोशीत करतलो.

परंतु, विधेयक राज्यपालामुखार अनुमतीखातीर दवरलेउपरांत तें अर्थविधेयक नासल्यार, जाता तितले बेगीन, ताच्यान तें विधेयक सभाघराकडेन अथवा सभाघरांकडेन संदेशासयत परतें धाडून विनंती करूं येता की ताणी त्या विधेयकाचो अथवा तातूंतल्या खंयच्याय विनिर्दीष्ट उपबंधाचो पुनर्विचार करचो आनी, खासा करून, तो आपणाल्या संदेशांत जांची शिफारस करीत अशे कसलेय बदल करपाचे योग्यतायेचो विचार करचो आनी, विधेयक हे प्रमाण परतें धाडटले तेन्ना, सभाघर अथवा सभाघरां त्या विधेयकाचेर ते प्रमाण पुनर्विचार करतलीं, आनी जर तें विधेयक सभाघरान अथवा सभाघरांनी बदलासयत अथवा तेबगर परतेंय पास केलें आनी राज्यपालामुखार अनुमतीखातीर दवरलें जाल्यार, राज्यपाल ताचेपसून अनुमती आडावन दवरचो नाः

Provided further that the Governor shall not assent to, but shall reserve for the consideration of the President, any Bill which in the opinion of the Governor would, if it became law, so derogate from the powers of the High Court as to endanger the position which that Court is by this Constitution designed to fill.

201. Bills reserved for consideration. — When a Bill is reserved by a Governor for the consideration of the President, the President shall declare either that he assents to the Bill or that he withholds assent therefrom:

Provided that, where the Bill is not a Money Bill, the President may direct the Governor to return the Bill to the House or, as the case may be, the Houses of the Legislature of the State together with such a message as is mentioned in the first proviso to article 200 and, when a Bill is so returned, the House or Houses shall reconsider it accordingly within a period of six months from the date of receipt of such message and, if it is again passed by the House or Houses with or without amendment, it shall be presented again to the President for his consideration.

Procedure in Financial Matters

- **202. Annual financial statement.** (1) The Governor shall in respect of every financial year cause to be laid before the House or Houses of the Legislature of the State a statement of the estimated receipts and expenditure of the State for that year, in this Part referred to as the "annual financial statement".
- (2) The estimates of expenditure embodied in the annual financial statement shall show separately-
 - (a) The sums required to meet expenditure described by this Constitution as expenditure charged upon the Consolidated Fund of the State; and
 - (b) The sums required to meet other expenditure proposed to be made from the Consolidated Fund of the State:

And shall distinguish expenditure on revenue account from other expenditure.

- (3) The following expenditure shall be expenditure charged on the Consolidated Fund of each State-
 - (a) The emoluments and allowances of the Governor and other expenditure relating to his office;
 - (b) The salaries and allowances of the Speaker and the Deputy Speaker of the Legislative Assembly and, in the case of a State having a Legislative Council, also of the Chairman and the Deputy Chairman of the Legislative Council;
 - (c) Debt charges for which the State is liable including interest, sinking fund charges and redemption charges, and other expenditure relating to the raising of loans and the service and redemption of debt;
 - (d) Expenditure in respect of the salaries and allowances of Judges of any High Court;
 - (e) Any sums required to satisfy any judgment, decree or award of any court or arbitral tribunal;

परंतु, आनीक अशें की, राज्यपालाच्या मतान जें विधेयक कायद्याच्या रूपांत आयल्यार ताका लागून उच्च न्यायालयाच्या अधिकारांचें अशे तरेन उणें करप जातलें की जेवरवीं त्या न्यायालयाक जीं सुवात आसची अशें ह्या संविधानांत संकल्पीत आसा तें धोक्यांत येतलें, अशा कसल्याच विधेयकाक राज्यपाल अनुमती दिवंचो ना, आनी तें राष्ट्रपतीच्या विचाराखातीर राखून दवरतलो.

201. विचाराखातीर राखून दवरिल्लीं विधेयकां — जेन्ना राज्यपालान एखादें विधेयक राष्ट्रपतीच्या विचाराखातीर राखून दवरलां आसत तेन्ना, राष्ट्रपती एकतर आपूण त्या विधेयकाक अनुमती दिता अशें घोशीत करतलो अथवा ताचेपसून अनुमती आडावन दवरतां अशें घोशीत करतलो.

पारंतु, तें विधेयकं अर्थविधेयक नासत जाल्यार, राष्ट्रपतीच्यान कलम 200 च्या पयल्या परंतुकांत उल्लेखिल्ल्या अशा संदेशासयत तें विधेयक राज्याच्या विधानमंडळाच्या सभाघराकडेन अथवा, प्रकरणाप्रमाण, सभाघरांकडेन परतें धाडपाचो निदेश राज्यपालाक दिवं येता आनी, एखादें विधेयक हे प्रमाण परतें धाडटले तेन्ना, असो संदेश मेळिल्ल्याचे तारकेसावन स म्हयन्यांच्या कालावधीभितर, सभाघर अथवा सभाघरां ते प्रमाण पुनर्विचार करतलीं आनी, जर तें विधेयक सभाघरात अथवा सभाघरांनीं बदलासयत अथवा ताचेबगर पर्थून पास केलें जाल्यार, राष्ट्रपतीमुखार ताच्या विचाराखातीर पर्थून दवरतले.

वित्तीय विशयांसंबंदीं कार्यपद्धत

- 202. वर्सुकें वित्तीय विवरणपत्र (1) राज्यपाल दरेका अर्थीक वर्सांसंबंदीं, राज्याची त्या वर्सापुरती वर्सुकी येणावळ आनी खर्च हांचें, ह्या भागांत 'वर्सुकें वित्तीय विवरणपत्र' म्हूण निर्दीष्ट केल्लें विवरणपत्र राज्याच्या विधानमंडळाच्या सभाघरामुखार अथवा सभाघरांमुखार दवरूंक लायतलो.
 - (2) वर्सुक्या वित्तीय विवरणपत्रांत दिल्ल्या खर्चाच्या अदमासपत्रकांत -
 - (क) राज्याच्या एकवटीत निधीचेर प्रभारीत आशिल्लो खर्च म्हूण ह्या संविधानान वर्णिल्लो खर्च भागोवपाखातीर गरजेच्यो आशिल्ल्यो रकमो: आनी
 - (ख) जो खर्च राज्याच्या एकवटीत निधींतल्यान करपाचो अशें प्रस्तावीत केल्लें आसत तो हेर खर्च भागोवपाखातीर गरजेच्यो आशिल्ल्यो रकमो,
- वेगळ्यो वेगळ्यो दाखयतले; आनी महसुली लेख्यावेलो खर्च हेर खर्चापरस वेगळो दाखयतले.
 - (3) फुडलो खर्च दरेका राज्याच्या एकवटीत निधीचेर प्रभारीत असो खर्च आसतलो :-
 - (क) राज्यपालाचे परिलाभ तशेंच भत्ते आनी ताच्या पदासंबंदींचो हेर खर्च;
 - (ख) विधानसभेचो अध्यक्ष तशेंच उपाध्यक्ष हांचे आनी विधानपरिशद आशिल्ल्या राज्यांच्या संबंदांत, विधानपरिशदेचो सभापती तशेंच उपसभापती हांचींय वेतनां आनी भत्ते;
 - (ग) व्याज, रीण निवारणनिधी आकार तशेंच विमोचन आकार हांचेसयत जांचेखातीर राज्याची जापसालकी आसा अशे रीण-आकार आनी रीणाची उभारणी आनी रीणाचें प्रबंधन तशेंच

विमोचन हांचेसंबंदींचो हेर खर्च:

- (घ) खंयच्याय उच्च न्यायालयाच्या न्यायाधीशांचीं वेतनां आनी भत्ते हांचेसंबंदांतलो खर्च;
- (ङ) खंयच्याय न्यायालयाचो अथवा लवाद अधिकरणाचो कसलोय न्यायनिर्णय, हुकूमनामो अथवा निवाडो हाची पूर्तताय करपाखातीर गरजेच्यो आशिल्ल्यो कसल्योय रकमो;

- (f) Any other expenditure declared by this Constitution, or by the Legislature of the State by law, to be so charged.
- **203.** Procedure in Legislature with respect to estimates. (1) So much of the estimates as relates to expenditure charged upon the Consolidated Fund of a State shall not be submitted to the vote of the Legislative Assembly, but nothing in this clause shall be construed as preventing the discussion in the Legislature of any of those estimates.
- (2) So much of the said estimates as relates to other expenditure shall be submitted in the form of demands for grants to the Legislative Assembly, and the Legislative Assembly shall have power to assent, or to refuse to assent, to any demand, or to assent to any demand subject to a reduction of the amount specified therein.
 - (3) No demand for a grant shall be made except on the recommendation of the Governor.
- **204. Appropriation Bills.** (1) As soon as may be after the grants under article 203 have been made by the Assembly, there shall be introduced a Bill to provide for the appropriation out of the Consolidated Fund of the State of all moneys required to meet-
 - (a) The grants so made by the Assembly; and
 - (b) The expenditure charged on the Consolidated Fund of the State but not exceeding in any case the amount shown in the statement previously laid before the House or Houses.
- (2) No amendment shall be proposed to any such Bill in the House or either House of the Legislature of the State which will have the effect of varying the amount or altering the destination of any grant so made or of varying the amount of any expenditure charged on the Consolidated Fund of the State, and the decision of the person presiding as to whether an amendment is inadmissible under this clause shall be final.
- (3) Subject to the provisions of articles 205 and 206, no money shall be withdrawn from the Consolidated Fund of the State except under appropriation made by law passed in accordance with the provisions of this article.
- **205.** Supplementary additional or excess grants. (1) The Governor shall— (a) If the amount authorised by any law made in accordance with the provisions of article 204 to be expended for a particular service for the current financial year is found to be insufficient for the purposes of that year or when a need has arisen during the current financial year for supplementary or additional expenditure upon some new service not contemplated in the annual financial statement for that year, or
 - (b) If any money has been spent on any service during a financial year in excess of the amount granted for that service and for that year,

Cause to be laid before the House or the Houses of the Legislature of the State another statement showing the estimated amount of that expenditure or cause to be presented to the Legislative assembly of the State a demand for such excess, as the case may be

- (च) जो खर्च हेप्रमाण प्रभारीत आसा अशें ह्या संविधानावरवीं अथवा राज्य विधानमंडळान कायद्यावरवीं घोशीत केलां आसत असो हेर कसलोय खर्च.
- 203. अदमासपत्रकासंबंदांत विधानमंडळांतली कार्यपद्धत (1) अदमासपत्रकांतलो जितलो भाग राज्याच्या एकवटीत निधीचेर प्रभारीत आशिल्ल्या खर्चाकडेन संबंदीत आसत तितलो भाग विधानसभेच्या मताक दवरचे नात, पूण विधानमंडळांत तातूंतल्या खंयच्याच अदमासाचेर चर्चा जावपाक ह्या उपकलमांतली खयंचीच गजाल प्रतिबंधक आसा असो तिचो अर्थ लावंचे नात.
- (2) वयल्या अदमासपत्रकांतलो जितलो भाग हेर खर्चाकडेन संबंदीत आसत तितलो भाग अनुदानाखातीरच्या मागण्यांच्या रूपान विधानसभेमुखार दवरतले, आनी विधानसभेक खंयचेय मागणेक अनुमती दिवपाचो अथवा अनुमती नाकारपाचो अथवा तातूंत विनिर्दीष्ट केल्ले रकमेंत कपात करून ते मागणेक अनुमती दिवपाचो अधिकार आसतलो.
 - (3) कसलीय अनुदानाखातीरची मागणी राज्यपालाची शिफारस आसलेबगर करचे नात.
- **204. विनियोजन विधेयकां** (1) विधानसभेन कलम 203 खाला अनुदानां मंजूर केलेउपरांत जाता तितले बेगीन -
 - (क) विधानसभेन हेप्रमाण मंजूर केल्लीं अनुदानां; आनी
 - (ख) राज्याच्या एकवटीत निधीचेर प्रभारीत आशिल्ल्या, पूण किदेंय जालें तरी सभाघरामुखार अथवा सभाघरांमुखार पयलीं दवरिल्ल्या विवरणपत्रांत दाखयल्ल्या खर्चापरस जो चड आसचो ना असो खर्च,

भागोवपाखातीर गरजेच्या आशिल्ल्या सगल्या दुडवांचें राज्याच्या एकवटीत निधींतल्यान विनियोजन करपाचो उपबंध करपाखातीर एक विधेयक मांडटले.

- (2) ज्या बदलाचो परिणाम म्हूण, हेप्रमाण मंजूर केल्ली कसल्याय अनुदानाची रकम उणी-चड जायत अथवा पूर्वोद्दीश्टांत फेरबदल जायत अथवा राज्याच्या एकवटीत निधीचेर प्रभारीत केल्ल्या कसल्याय खर्चाची रकम उणी-चड जायत असो कसलोच बदल राज्याच्या विधानमंडळाच्या सभाघरांत अथवा दोनांमदल्या खंयच्याच सभाघरांत अशें कसलेंच विधेयक प्रस्तावीत करचे नात, आनी ह्या उपकलमा प्रमाण एखादो बदल कायद्याभायलों आसा काय किदें हे संबंदांतलो, अध्यक्षस्थानार आशिल्ले व्यक्तीचो निर्णय निमणो आसतलो.
- (3) कलम 205 आनी 206 हांच्या उपबंधांचे अधीनतायेन, ह्या कलमाच्या उपबंधांप्रमाण पास जाल्ल्या कायद्यावरवीं विनियोजन केल्लें आसलेबगर राज्याच्या एकवटीत निधींतल्यान कसलोच दुडू काडचे नात.
- 205. पूरक, अतिरिक्त अथवा अदीक अनुदाना (1) (क) कलम 204 च्या उपबंधांप्रमाण केल्ल्या खंयच्याय कायद्यावरवीं चालू वित्तीय वर्सांत एखादे खाशेले सेवेखातीर खर्च करपाची म्हूण प्राधिकृत केल्ली रकम त्या वर्साच्या प्रयोजनाखातीर पावपा इतली ना अशें दिसलें जाल्यार अथवा चालू वित्तीय वर्साच्या वर्सुक्या वित्तीय विवरणपत्रांत जेसंबंदीं पयलीं अदमास बांदूंक नाशिल्लो अशे एके नवे सेवेखातीर पूरक अथवा अतिरिक्त खर्चाची त्या वर्सांत गरज उप्रासली आसत तेन्ना, अथवा
 - (ख) एखाद्या वित्तीय वर्सांत कसलेय सेवेचेर ते सेवेखातीर आनी त्या वर्साखातीर मंजूर जाल्ले रकमेपरस थोडो चड दुडू खर्च जाल्लो आसत जाल्यार,

राज्यपाल, राज्य विधानमंडळाच्या सभाघरामुखार अथवा सभाघरांमुखार त्या खर्चाची अदमासीत रकम दाखेवपी दुसरें विवरणपत्र दवरूंक लायतलो अथवा त्या त्या प्रकरणाप्रमाण, राज्याचे विधानसभेमुखार अशे चड रकमेची मागणी करूंक लायतलो.

- (2) The provisions of articles 202, 203 and 204 shall have effect in relation to any such statement and expenditure or demand and also to any law to be made authorising the appropriation of moneys out of the Consolidated Fund of the State to meet such expenditure or the grant in respect of such demand as they have effect in relation to the annual financial statement and the expenditure mentioned therein or to a demand for a grant and the law to be made for the authorisation of appropriation of moneys out of the Consolidated Fund of the State to meet such expenditure or grant.
- **206.** Votes on account, votes of credit and exceptional grants. (1) Notwithstanding anything in the foregoing provisions of this Chapter, the Legislative Assembly of a State shall have power-
 - (a) To make any grant in advance in respect of the estimated expenditure for a part of any financial year pending the completion of the procedure prescribed in article 203 for the voting of such grant and the passing of the law in accordance with the provisions of article 204 in relation to that expenditure;
 - (b) To make a grant for meeting an unexpected demand upon the resources of the State when on account of the magnitude or the indefinite character of the service the demand cannot be stated with the details ordinarily given in an annual financial statement;
 - (c) To make an exceptional grant which forms no part of the current service of any financial year;

And the Legislature of the State shall have power to authorise by law the withdrawal of moneys from the Consolidated Fund of the State for the purposes for which the said grants are made.

- (2) The provisions of articles 203 and 204 shall have effect in relation to the making of any grant under clause (1) and to any law to be made under that clause as they have effect in relation to the making of a grant with regard to any expenditure mentioned in the annual financial statement and the law to be made for the authorisation of appropriation of moneys out of the Consolidated Fund of the State to meet such expenditure.
- **207.** Special provisions as to financial Bills. (1) A Bill or amendment making provision for any of the matters specified in sub-clauses (a) to (f) of clause (1) of article 199 shall not be introduced or moved except on the recommendation of the Governor, and a Bill making such provision shall not be introduced in a Legislative Council:

Provided that no recommendation shall be required under this clause for the moving of an amendment making provision for the reduction or abolition of any tax.

- (2) A Bill or amendment shall not be deemed to make provision for any of the matters aforesaid by reason only that it provides for the imposition of fines or other pecuniary penalties, or for the demand or payment of fees for licences or fees for services rendered, or by reason that it provides for the imposition, abolition, remission, alteration or regulation of any tax by any local authority or body for local purposes.
- (3) A Bill which, if enacted and brought into operation, would involve expenditure from the Consolidated Fund of a State shall not be passed by a House of the Legislature of the State unless the Governor has recommended to that House the consideration of the Bill.

- (2) कलम 202, 203 आनी 204 हांचे उपबंध जशे वर्सुकें वित्तीय विवरणपत्र आनी तातूंत नमुद केल्लो खर्च अथवा अनुदानाखातीरची मागणी आनी असलो खर्च अथवा अनुदान भागोवपाखातीर राज्याच्या एकवटीत निधींतल्या दुडवांचें विनियोजन प्राधिकृत करपाखातीर करपाचो कायदो हांच्या संबंदांत परिणामक आसात, तशें तें कसलेंय वयर सांगलां तसलें विवरणपत्र आनी खर्च अथवा अशे मागणेच्या संदर्भांतले अनुदान भागोवपाखातीर राज्याच्या एकवटीत निधींतल्यान दुडवांचें विनियोजन प्राधिकृत करपाखातीर करपाच्या कसल्याय कायद्याच्या संबंदांतूय परिणामक आसतलें.
- **206**. **लेखानुदानां, प्रत्ययानुदानां आनी आडवादाचीं अनुदानां** (1) ह्या प्रकरणाच्या पूर्वगामी उपबंधांनी किदेंय आसलें तरी, राज्याचे विधानसभेक -
 - (क) खंयच्याय वित्तीय वर्साच्या एखाद्या भागाखातीर अदमाशिल्ल्या खर्चासंबंदींच्या कसल्याय अनुदानावेल्या मतदानाखातीर कलम 203 त विहीत केल्लेप्रमाण ती प्रक्रिया पुराय जावन त्या खर्चाच्या संबंदांत कलम 204 च्या अनुबंधांप्रमाण कायदो पास जायसर असलें कंसलेंय अनुदान पयलींच मंजूर करपाचो;
 - (ख) राज्याचे साधनसंपत्तेंतल्यान पूर्ण करपाची एखादी मागणी ते सेवेचो व्याप अथवा तिचें अनिश्चीत स्वरूप हांकांलागून वित्तीय विवरणपत्रांत साधारणपणान दितात असल्या तपशीलांसयत नमूद करूंक मेळना तेन्ना, अशी अनपेक्षीत मागणी पूर्ण करपाखातीर अनुदान मंजूर करपाचो;
 - (ग) जें खंयच्याच वित्तीय वर्साचे चालू सेवेचो भाग जायना अशें आडवादाचें अनुदान मंजूर करपाचो अधिकार आसतलो; आनी त्या प्रयोजनाखातीर वयलीं अनुदानां मंजूर केल्लीं आसत तांचेखातीर राज्याच्या एकवटीत निधींतल्यान दुडू काडप हें कायद्यावरवीं प्राधिकृत करपाचो राज्य विधानमंडळाक अधिकार आसतलो.
- (2) कलम 203 आनी 204 हांचे उपबंध जशे वर्सुक्या विवरणपत्रांत नमूद केल्ल्या कसल्याय खर्चासंबंदीं अनुदान मंजूर करपाच्या आनी असलो खर्च भागोवपाखातीर राज्याच्या एकवटीत निधींतल्या दुडवांचे विनियोजन प्राधिकृत करपाखातीर करपाच्या कायद्याच्या संबंदांत परिणामक आसात, तशेच ते उपकलम (1) खाला कसलेंय अनुदान मंजूर करपाच्या आनी त्या उपकलमाखाला करपाच्या कसल्याय कायद्याच्या संबंदांत परिणामक आसतले.
- 207. वित्तीय विधेयकांसंबंदीं खाशेले उपबंध (1) कलम 199 च्या उपकलम (1) चीं उप-उपकलमां (क) ते (च) हातूंत विनिर्दीश्ट केल्ल्यांमदले खंयचेय गजालीखातीर उपबंध करपी विधेयक अथवा बदल राज्यपालाची शिफारस आसलेबगर मांडचे नात आनी असो उपबंध करपी विधेयक विधानपरिशदेंत मांडचे नात :

परंतु, कसलोय कर उणो करप अथवा तो रद्द करप हेसंबंदीं उपबंध करपी बदल मांडपाखातीर ह्या उपकलमाखाला कसलेच शिफारसीची गरज आसची ना.

- (2) एखादें विधेयक अथवा बदल हे द्रव्यदंड अथवा हेर द्रव्यशास्ती बसोवपाखातीर, अथवा परवानो -फी अथवा दिल्ले सेवेखातीरची फी हांची मागणी अथवा भरणो हांचेखातीर उपबंध करता इतल्याच कारणान, अथवा खंयच्याय थळाव्या प्राधिकरणान अथवा निकायान थळाव्या प्रयोजनांखातीर कसलोय कर लावप, तो रद्द करप, तो माफ करप, तातूंत फेरबदल करप अथवा ताचें विनियमन करप हाचेखातीर उपबंध करता इतल्याच कारणावेल्यान, तें वयर सांगल्यात तातूंतले खंयचेच गजालीखातीर उपबंध करता अशें मानचे नात.
- (3) जें विधेयक अधिनियमीत केल्यार आनी अंमलांत हाडल्यार एखाद्या राज्याच्या एकवटीत निधींतल्यान खर्च करचो पडटलो तें विधेयक राज्य विधानमंडळाच्या सभाघराक, तें विचारांत घेवपाखातीर राज्यपालान शिफारस केल्ली आसलेबगर, पास करूंक मेळचें ना.

Procedure Generally

- **208.** Rules of procedure. (1) A House of the Legislature of a State may make rules for regulating, subject to the provisions of this Constitution, its procedure and the conduct of its business.
- (2) Until rules are made under clause (1), the rules of procedure and standing orders in force immediately before the commencement of this Constitution with respect to the Legislature for the corresponding Province shall have effect in relation to the Legislature of the State subject to such modifications and adaptations as may be made therein by the Speaker of the Legislative Assembly, or the Chairman of the Legislative Council, as the case may be.
- (3) In a State having a Legislative Council the Governor, after consultation with the Speaker of the Legislative Assembly and the Chairman of the Legislative Council, may make rules as to the procedure with respect to communications between the two Houses.
- 209. Regulation by law of procedure in the Legislature of the State in relation to financial business. The Legislature of a State may, for the purpose of the timely completion of financial business, regulate by law the procedure of, and the conduct of business in, the House or Houses of the Legislature of the State in relation to any financial matter or to any Bill for the appropriation of moneys out of the Consolidated Fund of the State, and, if and so far as any provision of any law so made is inconsistent with any rule made by the House or either House of the Legislature of the State under clause (1) of article 208 or with any rule or standing order having effect in relation to the Legislature of the State under clause (2) of that article, such provision shall prevail.
- **210.** Language to be used in the Legislature. (1) Notwithstanding anything in Part XVII, but subject to the provisions of article 348, business in the Legislature of a State shall be transacted in the official language or languages of the State or in Hindi or in English:

Provided that the Speaker of the Legislative Assembly or Chairman of the Legislative Council, or person acting as such, as the case may be, may permit any member who cannot adequately express himself in any of the languages aforesaid to address the House in his mother-tongue.

(2) Unless the Legislature of the State by law otherwise provides, this article shall, after the expiration of a period of fifteen years from the commencement of this Constitution, have effect as if the words "or in English" were omitted therefrom:

²⁶[Provided that in relation to the ²⁷[Legislatures of the States of Himachal Pradesh, Manipur, Meghalaya and Tripura] this clause shall have effect as if for the words "fifteen years" occurring therein, the words "twenty-five years" were substituted:]

सर्वसाधारणपणान कार्यपद्धत

- **208**. कार्यपद्धतीचे नेम (1) राज्य विधानमंडळाच्या सभाघरांत ह्या संविधानाच्या उपबंधांचे अधीनतायेन, आपणाली कार्यपद्धत आनी कामकाज चलोवप हांचें विनियमन करपाखातीर नेम करूंक मेळटले.
- (2) उपकलम (1) खाला नेम करून जायसर, ह्या संविधानाचे निकटपूर्व समनुरूप प्रांताच्या विधानमंडळासंबंदांत लागू आशिल्ले कार्यपद्धतीचे नेम आनी कायम आदेश हे, विधानसभेचो अध्यक्ष अथवा त्या त्या प्रकरणाप्रमाण, विधानपरिशदेचो सभापती तातूंत जीं आपरिवर्तनां अथवा अनुकुलना करीत तांचेसयत राज्य विधानमंडळांच्या संबंदांत परिणामक आसतले.
- (3) विधानपरिशद आशिल्ल्या राज्यांमदीं राज्यपालाच्यान विधानसभेचो अध्यक्ष आनी विधानपरिशदेचो सभापती हांचो विचार घेतले उपरांत दोनाय सभाघरांमदल्या दळणवळणासंबंदीच्या कार्यपद्धतींचे विनियमन करूं येता.
- 209. वित्तीय कामकाजासंबंदी राज्य विधानमंडळाचे कार्यपद्धतीचें कायद्यावरवीं विनियमन राज्य विधानमंडळाच्यान, वित्तीय कामकाज वेळार पूर्ण जांवचें हे खातीर, कसलेय वित्तीय गजालीच्या संबंदांत अथवा राज्याच्या एकवटीत निधींतल्यान दुडवांचें विनियोजन करपाखातीर हाडिल्ल्या कसल्याय विधेयकाच्या संबंदांत राज्य विधानमंडळाचें सभाघर अथवा सभाघरां हांची कार्यपद्धत आनी तांतूतल्या कामकाजाचें चलोवप हांचें कायद्यावरवी विनियमन कर्फ येता, आनी हेप्रमाण केल्ल्या कसल्याय कायद्याचो खंयचोय उपबंध कलम 208 च्या उपकलम (1) खाला राज्य विधानमंडळाच्या सभाघरान अथवा ताच्या दोनांमदल्या खंयच्याय सभाघरान केल्ल्या खंयच्याच नेमाकडेन अथवा त्या कलमाच्या उपकलम (2) खाला राज्य विधानमंडळाच्या संबंदांत परिणामक आशिल्ल्या खंयच्याय नेमांकडेन अथवा कायम आदेशाकडेन विसंगत आसत जाल्यार आनी तितले मर्यादे मेरेन असो उपबंध चड प्रभावी थारतलो.
- **210. विधानमंडळांत वापरपाची भास** (1) 17व्या भागांत किदेंय आसलें तरी, पूण कलम 348 च्या उपबंधांचे अधीनतायेन, राज्य विधानमंडळांतलें कामकाज राज्याचे राजभाशेंतल्यान अथवा राजभासांतल्यांन अथवा हिंदींतल्यान अथवा इंग्लिशींतल्यान चलयतले.

परंतु, त्या त्या प्रकरणाप्रमाण, विधानसभेच्या अध्यक्षाच्यान अथवा विधानपरिशदेच्या सभापतीच्यान, अथवा त्या नात्यान कार्य करपी व्यक्तीच्यान ज्या कोणाय वांगड्याक वयर सांगल्यात तांचेमदले खंयचेच भाशेंत आपणाले विचार समुचीत रीतीन उक्तावंक येना आसतीत, ताका आपणाले मायभाशेंत सभाघराक लेखून भाशण करपाची अनुज्ञा दिवं येता.

(2) राज्य विधानमंडळान कायद्यावरवीं दुसरे तरेन उपबंध केलो ना जाल्यार, ह्या संविधानाच्या आरंभासावन पंदरा वर्सांचो कालावधी सोंपले उपरांत हें कलम, तातूंतले 'अथवा इंग्लिशींतल्यान' हीं उतरां जशेंपरी काडून उडयल्यांत जातलीं ते प्रमाण परिणामक जातलें.

²⁶[परंतु, ²⁷[हिमाचल प्रदेश, मणिपूर, मेघालय आनी त्रिपुरा ह्या राज्यांच्या विधानमंडळांच्या संबंदांत, ह्या उपकलमांत आयिल्ल्या 'पंदरा वर्सां' ह्या शब्दोल्लेखाचे सुवातेर जशेपरीं 'पंचवीस वर्सां' असो शब्दोल्लेख घाला आसूं येता ते प्रमाण तें उपकलम परिणामक जातलें]

- **211.** Restriction on discussion in the Legislature. No discussion shall take place in the Legislature of a State with respect to the conduct of any Judge of the Supreme Court or of a High Court in the discharge of his duties.
- **212.** Courts not to inquire into proceedings of the Legislature. (1) The validity of any proceedings in the Legislature of a State shall not be called in question on the ground of any alleged irregularity of procedure.
- (2) No officer or member of the Legislature of a State in whom powers are vested by or under this Constitution for regulating procedure or the conduct of business, or for maintaining order, in the Legislature shall be subject to the jurisdiction of any court in respect of the exercise by him of those powers.

CHAPTER - 4 LEGISLATIVE POWER OF THE GOVERNOR

213. Power of Governor to promulgate Ordinances during recess of Legislature. — (1) If at any time, except when the Legislative Assembly of a State is in session, or where there is a Legislative Council in a State, except when both Houses of the Legislature are in session, the Governor is satisfied that circumstances exist which render it necessary for him to take immediate action, he may promulgate such Ordinances as the circumstances appear to him to require:

Provided that the Governor shall not, without instructions from the President, promulgate any such Ordinance if-

- (a) A Bill containing the same provisions would under this Constitution have required the previous sanction of the President for the introduction thereof into the Legislature; or
- (b) He would have deemed it necessary to reserve a Bill containing the same provisions for the consideration of the President; or
- (c) An Act of the Legislature of the State containing the same provisions would under this Constitution have been invalid unless, having been reserved for the consideration of the President, it had received the assent of the President.
- (2) An Ordinance promulgated under this article shall have the same force and effect as an Act of the Legislature of the State assented to by the Governor, but every such Ordinance-
 - (a) Shall be laid before the Legislative Assembly of the State, or where there is a Legislative Council in the State, before both the Houses, and shall cease to operate at the expiration of six weeks from the reassembly of the Legislature, or if before the expiration of that period a resolution disapproving it is passed by the Legislative Assembly and agreed to by the Legislative Council, if any, upon the passing of the resolution or, as the case may be, on the resolution being agreed to by the Council; and
 - (b) May be withdrawn at any time by the Governor.

- 211. विधानमंडळांतले चर्चेचेर निर्बंध सर्वोच्च न्यायालयाच्या अथवा उच्च न्यायालयाच्या खंयच्याच न्यायाधीशान आपणाली कर्तव्यां निभायतना केल्ले वागणुकेसंबंदीं राज्य विधानमंडळांत कसलीच चर्चा करूंक मेळची ना.
- 212. न्यायालयांनी विधानमंडळाच्या कामकाजासंबंदीं चवकशी करप ना (1) कार्यपद्धतींत एखादी तथाकथीत नेमाभायली गजाल घडल्या ह्या कारणावेल्यान राज्य विधानमंडळांतल्या कसल्याच कामकाजाची विधिग्राह्मताय प्रस्नास्पद करूंक मेळची ना.
- (2) राज्य विधानमंडळांतले कार्यपद्धतीचें अथवा कामकाज चलोवपाचें विनियमन करपाचे अथवा विधानमंडळांत सुवेवस्था राखपाचे अधिकार ह्या संविधानावरवीं अथवा ताचेखाला जाचे ठांय निहीत केल्ले आसात अशा, विधानमंडळाच्या खंयच्याय अधिकाऱ्यान अथवा वांगड्यान त्या अधिकारांच्या केल्ल्या वापरासंबंदांत तो खंयच्याच न्यायालयाचे अधिकारितायेचे अधीनतायेन आसचो ना.

प्रकरण - 4 राज्यपालाचो वैधानीक अधिकार

213. विधानमंडळाच्या विरामकाळांत अध्यादेश प्रख्यापीत करपाचो राज्यपालाचो अधिकार - (1) राज्याची विधानसभा सत्रासीन आसत ताचेभायर अथवा एखाद्या राज्यांत विधानपरिशद आसत थंय विधानमंडळाचीं दोनूय सभाघरां सत्रासीन आसतीत ताचेभायर खंयच्याय वेळार राज्यपालान तात्काळ कारवाय करप गरजेचें जावंचें अशी परिस्थिती अस्तित्वांत आसा अशी राज्यपालाची खात्री जाली जाल्यार,ताच्यान परिस्थितीप्रमाण गरजेचे दिसतले अशे अध्यादेश प्रख्यापीत करूं येतात.

परंतु, अशा कसल्याय अध्यादेशांत जे उपबंध आसतले -

- (क) तेच उपबंध एखाद्या विधेयकांत आस्पावीत आशिल्ले जाल्यार, ज्या संबंदांत तें विधेयक विधानमंडळांत प्रस्तुत करपाखातीर ह्या संविधानाखाला राष्ट्रपतीची पूर्वमंजूरी लागपाची; अथवा
- (ख) तेच उपबंध एखाद्या विधेयकांत आस्पावीत आशिल्ले जाल्यार, ज्या संबंदांत तें विधेयक राष्ट्रपतीच्या विचाराखातीर राखून दवरप राज्यपालाक गरजेचें दिसपाचें; अथवा
- (ग) तेच उपबंध राज्य विधानमंडळाच्या एखाद्या अधिनियमांत आस्पावीत आशिल्ले आनी ज्या संबंदांत तो अधिनियमांत आस्पावीत आशिल्लो आनी ज्या संबंदांत तो अधिनियम राष्ट्रपतीच्या विचाराखातीर दवरून तांका राष्ट्रपतीची अनुमती मेळपाची नाशिल्ली,जाल्यार ह्या संविधानाखाला तो अधिनियम कायद्याभायलो जावपाचो.

अशा गजालींनी राष्ट्रपतीकडल्यान अनुदेश मेळ्ळेबगर राज्यपाल तो अध्यादेश प्रख्यापीत करचो ना.

- (2) ह्या कलमाखाला प्रख्यापीत केल्लो अध्यादेश हो राज्यपालाची अनुमती मेळिल्लो राज्य विधानमंडळाचो अधिनियम आसता तेप्रमाण तितलोच प्रभावी आनी परिणामक आसतलो, परंतु असो दरेक अध्यादेश -
 - (क) राज्याचे विधानसभेमुखार, अथवा राज्यांत विधानपरिशद आसा थंय दोनाय सभाघरांमुखार दवरतले, आनी विधानमंडळाची पर्तून सभा भरत सावन स सप्तकां सोंपनाफुडें, अथवा तो कालावधी सोंपचे पयलीं तो अमान्य करपी थाराव विधानसभेन पास केलो आनी विधानपरिशद आसल्यार तिणे तो थाराव संमत केलो जाल्यार, थाराव पास जायनाफुडें अथवा, त्या त्या प्रकरणाप्रमाण, विधानपरिशदेकडल्यान तो थाराव संमत जायनाफुडें तो अध्यादेश लागू आसप बंद जातलें; आनी
 - (ख) राज्यपालाच्यान खंयच्याय वेळार तो फाटीं घेवं येता.

Explanation. — Where the Houses of the Legislature of a State having a Legislative Council are summoned to reassemble on different dates, the period of six weeks shall be reckoned from the later of those dates for the purposes of this clause.

(3) If and so far as an Ordinance under this article makes any provision which would not be valid if enacted in an Act of the Legislature of the State assented to by the Governor, it shall be void:

Provided that, for the purposes of the provisions of this Constitution relating to the effect of an Act of the Legislature of a State which is repugnant to an Act of Parliament or an existing law with respect to a matter enumerated in the Concurrent List, an Ordinance promulgated under this article in pursuance of instructions from the President shall be deemed to be an Act of the Legislature of the State which has been reserved for the consideration of the President and assented to by him.

²⁸[(4)] * * * * *

CHAPTER - 5 THE HIGH COURTS IN THE STATES

214. High Courts for States. — 29*** There shall be a High Court for each State.

30 * * * * *

- 215. High Courts to be courts of record. Every High Court shall be a court of record and shall have all the powers of such a court including the power to punish for contempt of itself.
- 216. Constitution of High Courts. Every High Court shall consist of a Chief Justice and such other Judges as the President may from time to time deem it necessary to appoint.

31 * * * * *

217. Appointment and conditions of the office of a Judge of a High Court. — (1) Every Judge of a High Court shall be appointed by the President by warrant under his hand and seal after consultation with the Chief Justice of India, the Governor of the State, and, in the case of appointment of a Judge other than the Chief Justice, the Chief Justice of the High Court, and ³²[shall hold office, in the case of an additional or acting Judge, as provided in article 224, and in any other case, until he attains the age of ³³[sixty-two years]]:

Provided that—

(a) A Judge may, by writing under his hand addressed to the President, resign his office;

स्परिटीकरण – विधानपरिशद आशिल्ल्या राज्यांच्या विधानमंडळाच्या सभाघरांक पर्तून सभा घेवपाखातीर वेगळ्यावेगळ्या तारकांक अभिनिमंत्रीत केल्लें आसतलें तेन्ना, ह्या उपकलमाच्या प्रयोजनाखातीर सप्तकांचो कालावधी तांचेमदले मागीरचे तारकेसावन मेजतले.

(3) राज्यपालान अनुमती दिल्ल्या राज्य विधानमंडळाच्या अधिनियमांत हेरशीं जो उपबंध आस्पावीत केल्यार कायद्याभायलो थारचो ना, असो कसलोय उपबंध ह्या कलमाखालच्या अध्यादेशावरवीं केलो जाल्यार आनी तितले मर्यादेमेरेन तो अध्यादेश शून्य आसतलो.

परंतु, राज्य विधानमंडळाचो जो आधिनियम समवर्ती सुचयेंत नमुद केल्ले गजालीच्या संबंदांतल्या संसदीय अधिनियमाक अथवा विद्यमान कायद्याक प्रतिकूल आसत ताच्या परिणामासंबंदीं ह्या संविधानांत आशिल्लो उपबंध लागू करतना, राष्ट्रपतीच्या अनुदेशांप्रमाण ह्या कलमाखाला प्रख्यापीत केल्लो अध्यादेश म्हळ्यार राष्ट्रपतीच्या विचाराखातीर राखून दवरिल्लो आनी ताणे अनुमती दिल्लो असो राज्य विधानमंडळाचो आधिनियम, अशें त्या उपबंधाच्या प्रयोजनाखातीर मानतले.

²⁸[(4)] * * * * *

प्रकरण 5 - राज्यांतलीं उच्च न्यायालयां

- **215. उच्च न्यायालयां हीं अभिलेख न्यायालयां आसप** दरेक उच्च न्यायालय हें अभिलेख न्यायालय आसतलें आनी ताका आपणाल्या अवमानाखातीर ख्यास्त करपाच्या अधिकारासयत अशा न्यायालयाचे सगले अधिकार आसतले.
- 216. उच्च न्यायालयांची घडण दरेक उच्च न्यायालय हें मुख्य न्यायमूर्ती आनी राष्ट्रपतीक त्या त्या वेळार जांकां नेमप गरजेचें दिसतलें अशे हेर न्यायाधीश मेळून घडिल्लें आसतलें.

217. उच्च न्यायालयाच्या न्यायाधीशाची नेमणूक आनी त्या पदाच्यो अटी — (1) राष्ट्रपती उच्च न्यायालयाच्या दरेका न्यायाधीशाची नेमणूक भारताचो मुख्य न्यायमूर्ती, राज्याचो राज्यपाल आनी तेचभाशेन मुख्य न्यायमूर्तीपरस हेर न्यायाधीशाची नेमणूक करपाची आसल्यार उच्च न्यायालयाचो मुख्य न्यायमूर्ती हांचो विचार घेतलेउपरांत स्वाक्षरीत आनी स्वमुद्रांकीत अधिपत्रावरवीं करतलो, आनी ³²[तो अतिरिक्त अथवा कार्यार्थ न्यायाधीश आसत जाल्यार, कलम 224 त उपबंधीत केल्लेप्रमाण आनी हेर कसल्याय संदर्भांत, तो ³³ [बासष्ट वसा] पिरायेचो जायसर पद धारण करतलो]:

परंतु -

(क) अशा न्यायाधीशाच्यान राष्ट्रपतीक लेखून बरयल्ल्या स्वाक्षरीत लेखावरवीं आपणाल्या पदाचो राजीनामो दिवं येता:

- (b) A Judge may be removed from his office by the President in the manner provided in clause(4) of article 124 for the removal of a Judge of the Supreme Court;
- (c) The office of a Judge shall be vacated by his being appointed by the President to be a Judge of the Supreme Court or by his being transferred by the President to any other High Court within the territory of India.
- (2) A person shall not be qualified for appointment as a Judge of a High Court unless he is a citizen of India and-
 - (a) Has for at least ten years held a judicial office in the territory of India; or
 - (b) Has for at least ten years been an advocate of a High Court 3*** or of two or more such Courts in succession; 34***

(c)³⁵ *

Explanation. — For the purposes of this clause—

³⁶[(a) In computing the period during which a person has held judicial office in the territory of India, there shall be included any period, after he has held any judicial office, during which the person has been an advocate of a High Court or has held the office of a member of a tribunal or any post, under the Union or a State, requiring special knowledge of law;]

³⁷[(aa)] In computing the period during which a person has been an advocate of a High Court, there shall be included any period during which the person ³⁸[has held judicial office or the office of a member of a tribunal or any post, under the Union or a State, requiring special knowledge of law] after he became an advocate;

- (b) In computing the period during which a person has held judicial office in the territory of India or been an advocate of a High Court, there shall be included any period before the commencement of this Constitution during which he has held judicial office in any area which was comprised before the fifteenth day of August, 1947, within India as defined by the Government of India Act, 1935, or has been an advocate of any High Court in any such area, as the case may be.
- ³⁹[(3) If any question arises as to the age of a Judge of a High Court, the question shall be decided by the President after consultation with the Chief Justice of India and the decision of the President shall be final.]
- 218. Application of certain provisions relating to Supreme Court to High Courts. The provisions of clauses (4) and (5) of article 124 shall apply in relation to a High Court as they apply in relation to the Supreme Court with the substitution of references to the High Court for references to the Supreme Court.

- (ख) खंयच्याय न्यायाधीशाक राष्ट्रपतीच्यान कलम 124 च्या उपकलम (4) हातूंत सर्वोच्च न्यायालयाच्या न्यायाधीशाक पदावेल्यान कडेक काडपाखातीर उपबंधीत केल्ले रितीन ह्याय न्यायाधीशाक ताच्या पदावेल्यान कडेक काड्रं येता;
- (ग) न्यायाधीशाचें पद राष्ट्रपतीन ताची सर्वोच्च न्यायालयाचो न्यायाधीश म्हूण नेमणूक केल्यार अथवा राष्ट्रपतीन ताची भारताच्या हेर खंयच्याय उच्च न्यायालयांत बदली केल्यार रितें जातलें;
- (2) एखादी व्यक्ती भारताचो नागरीक आसा, आनी -
 - (क) तिणे भारताच्या राज्यक्षेत्रांत उणींच तीं धा वर्सां न्यायीक अधिकारपद धारण केलां; अथवा
- (ख) ती ³⁴* * * एखाद्या उच्च न्यायालयांत अथवा फाटोफाट अशा दोन अथवा चड न्यायालयांनी उणीच तीं धा वर्सां अधिवक्तो आसा.
 - (刊) 35_{*} * * *

अशें आसलेबगर ती उच्च न्यायालयाचो न्यायाधीश म्हूण नेमणुकेक पात्र आसची ना.

रपश्टीकरण - ह्या उपकलमाच्या प्रयोजनाखातीर,-

- ³⁶[(क) एखादे व्यक्तीन भारताच्या राज्यक्षेत्रांत जितलो काळ न्यायीक अधिकारपद धारण केल्लें आसत तो कालावधी मेजतना, न्यायीक पद धारण करून जालेउपरांत ज्या खंयच्याय कालावधींत ती व्यक्ती उच्च न्यायालयाचो अधिवक्तो म्हूण राविल्ली आसत अथवा कायद्याचें विशेश गिन्यान गरजेचें आसपी अशें, संध अथवा राज्य हांचे अखत्यारेखालच्या एखाद्या अधिकरण्याच्या वांगङ्याचें अधिकारपद अथवा कसलेंय पद तिणे धारण केल्लें आसत तो कालावधी तातूंत आस्पावीत करतलेः]
- ³⁷[(कक) एखादी व्यक्ती जितलो काळ उच्च न्यायालयाचो अधिवक्तो जालेउपरांत तिणे ज्या खंयच्याय कालावधींत कायद्याचें खाशेलें अशें गिन्यान गरजेचें आसपी अशें संध अथवा राज्य हांचे अखत्यारेखालचें कसलेंय ³⁸[न्यायीक अधिकारपद अथवा एखाद्या अधिकरणाच्या वांगङ्याचें अधिकारपद अथवा कसलेंय पद धारण केल्लें आसत] तो कालावधी तातूंत आस्पावीत करतलेः
- (ख) एखादे व्यक्तीन जितलो काळ भारताच्या राज्यक्षेत्रांत न्यायीक अधिकारपद धारण केलें आसत अथवा ती एखाद्या उच्च न्यायालयाचो अधिवक्तो आसत तो कालावधी मेजतना, ज्या कालावधींत त्या त्या प्रकरणा प्रमाण 'गव्हर्नमेण्ट ऑफ इंडिया ॲक्ट, 1935' हातूंत व्याख्या केल्ल्या अशा भारतांत 15 आगश्ट, 1947 ह्या दिसापयलीं आस्पावीत आशिल्ल्या खंयच्याय क्षेत्रांत तिणे न्यायीक अधिकारपद धारण केल्लें आसत अथवा ती अशा खंयच्याय क्षेत्रांतल्या उच्च न्यायालयाचो अधिवक्तो आसत असो ह्या संविधानाच्या आरंभापयलींचो खंयचोय कालावधी तातूंत आस्पावीत करतले.
- ³⁹[(3) उच्च न्यायालयाच्या न्यायाधीशाचे पिराये संबंदांत एखादो प्रस्न उप्रासल्यार, राष्ट्रपती भारताच्या मुख्य न्यायमूर्तीचो विचार घेवन उपरांत त्या प्रस्नाचो निर्णय करतलो आनी राष्ट्रपतीचो निर्णय निमणो आसतलो.]
- 218. सर्वोच्च न्यायालयासंबंदींचे थोडे उपबंध उच्च न्यायालयांक लागू आसप कलम 124 चीं उपकलमां (4) आनी (5) हांचे उपबंध जशे सर्वोच्च न्यायालयाचे निर्देश केल्ल्या सुवातांचेर उच्च न्यायालयाचे निर्देश घालून उच्च न्यायालयाच्या संबंदांत लागू जातले.

- 219. Oath or affirmation by Judges of High Courts. Every person appointed to be a Judge of a High Court ⁴⁰* * * shall, before he enters upon his office, make and subscribe before the Governor of the State, or some person appointed in that behalf by him, an oath or affirmation according to the form set out for the purpose in the Third Schedule.
- ⁴¹[220. Restriction on practice after being a permanent Judge. No person who, after the commencement of this Constitution, has held office as a permanent Judge of a High Court shall plead or act in any court or before any authority in India except the Supreme Court and the other High Courts.

Explanation. — In this article, the expression "High Court" does not include a High Court for a State specified in Part B of the First Schedule as it existed before the commencement ⁴²[of the Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956.]

- **221. Salaries, etc., of Judges.** (1) There shall be paid to the Judges of each High Court such salaries as may be determined by Parliament by law and, until provision in that behalf is so made, such salaries as are specified in the Second Schedule.
- (2) Every Judge shall be entitled to such allowances and to such rights in respect of leave of absence and pension as may from time to time be determined by or under law made by Parliament and, until so determined, to such allowances and rights as are specified in the Second Schedule:

Provided that neither the allowances of a Judge nor his rights in respect of leave of absence or pension shall be varied to his disadvantage after his appointment.

- **222.** Transfer of a Judge from one High Court to another. (1) The President may, after consultation with the Chief Justice of India, transfer a Judge from one High Court to any other High Court ⁴³***
- ⁴⁴[(2) When a Judge has been or is so transferred, he shall, during the period he serves, after the commencement of the Constitution (Fifteenth Amendment) Act, 1963, as a Judge of the other High Court, be entitled to receive in addition to his salary such compensatory allowance as may be determined by Parliament by law and, until so determined, such compensatory allowance as the President may by order fix.]
- **223. Appointment of acting Chief Justice.** When the office of Chief Justice of a High Court is vacant or when any such Chief Justice is, by reason of absence or otherwise, unable to perform the duties of his office, the duties of the office shall be performed by such one of the other Judges of the Court as the President may appoint for the purpose.

- 219. उच्च न्यायालयांच्या न्यायाधीशांनी सोपूत घेवप अथवा दृढकथन करप ⁴⁰* * * उच्च न्यायालयाचो न्यायाधीश म्हूण नेमणूक जाल्ली दरेक व्यक्ती आपणालें पद ग्रहण करचेपयलीं राज्याच्या राज्यपालामुखार अथवा ताणें सोपूत अथवा दृढकथन हांच्या संबंदांत नेमिल्ले एखादे व्यक्तीमुखार तिसरे अनुसुचयेंत त्या प्रयोजनाखातीर दिल्ल्या नमुन्याप्रमाण सोपूत घेवन अथवा दृढकथन करून स्वाक्षरी करतली.
- 41[220. स्थायी न्यायाधीश जातकीर वेवसायाचेर निर्बंध जिणे ह्या संविधानाच्या आरंभाउपरांत एखाद्या उच्च न्यायालयाच्या स्थायी न्यायाधीशाचें पद धारण केलां अशे खंयचेच व्यक्तीक सर्वोच्च न्यायालय अथवा हेर उच्च न्यायालयां हांचेभायर भारतांतल्या खंयच्याच न्यायालयांत अथवा खंयच्याच प्राधिकरणामुखार विकली करूंक अथवा काम करूंक मेळचेंना.

स्पश्टीकरण - ह्या कलमांतल्या 'उच्च न्यायालय' ह्या शब्दप्रयोगांत 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956' हाच्या ⁴²आरंभापयलीं अस्तित्वांत आशिल्ल्या पयले अनुसुचयेंतल्या भाग (ब) हातूंत विनिर्दीश्ट केल्ल्या राज्याच्या उच्च न्यायालयाचो आस्पाव ना.]

- **221**. **न्यायाधीशांचीं वेतनां इत्यादी** (1) दरेका उच्च न्यायालयाच्या न्यायाधीशाक दुसरे अनुसुचयेंत विनिर्दीश्ट केल्यात तशीं वेतनां दितले.
- (2) दरेक न्यायाधीश, संसदेन केल्ल्या कायद्यावरवीं अथवा ताचेखाला त्या त्या वेळार निर्धारीत करतले तशे भत्ते आनी गैरहाजिरी रजा आनी पेन्शन ह्यासंबंदांतले अशे अधिकार हांकां आनी हेप्रमाण निर्धारीत जायसर, दुसरे अनुसुचयेंत विनिर्दीश्ट केल्ले आसात अशे भत्ते आनी अधिकार हांकां हक्कदार आसतलो :

परंतु, न्यायाधीशाचे भत्ते अथवा गैरहाजिरी - रजा अथवा पेन्शन हे संबंदांतले ताचे अधिकार हातूंतल्या किद्यांतूच ताका नुकसानाचो जायत असलो बदल ताचे नेमणुके उपरांत करचे नात.

- **222**. **न्यायाधीशाची एका न्यायालयांतल्यान दुसऱ्या न्यायालयांत बदली** (1) राष्ट्रपतीच्यान, भारताच्या मुख्य न्यायमूर्तीचो विचार घेवन उपरांत, एखाद्या न्यायाधीशाची ⁴³* * * एका उच्च न्यायालयांतल्यान दुसऱ्या खंयच्याय उच्च न्यायालयांत बदली करूं येता.
- 44[(2) एखाद्या न्यायाधीशाची हेप्रमाण बदली जाली आसत अथवा जातली ते संबंदांत, तो 'संविधान (पंदरावो बदल) अधिनियम, 1963' हाच्या आरंभा उपरांत जेन्ना दुसऱ्या उच्च न्यायालयाचो न्यायाधीश म्हूण सेवेंत आसतलो त्या कालावधींत तो आपणाल्या वेतनाभायर आनीक, संसद कायद्यावरवीं निर्धारीत करतली असो पूरक भत्तो आनी, तो हेप्रमाण निर्धारीत जायसर, राष्ट्रपती आदेशावरवीं निस्चित करतलो असो पूरक भत्तो मेळपाक हक्कदार आंसतलो.]
- 223. कार्यार्थ मुख्य न्यायमूर्तीची नेमणूक जेन्ना उच्च न्यायालयाच्या मुख्य न्यायमूर्तीचें पद रितें आसतलें अथवा असो कोणूय मुख्य न्यायमूर्ती गैरहाजिरेच्या कारणाक लागून अथवा हेर तरेन आपणाल्या पदाचीं कर्तव्यां निभावंक पावचोना तेन्ना, त्या पदाचीं कर्तव्यां त्या न्यायालयाच्या हेरां न्यायाधीशांमदल्या ज्या एकाची राष्ट्रपती त्या प्रयोजनाखातीर नेमणूक करतलो तो न्यायाधीश निभायतलो.

- ⁴⁵[224. Appointment of additional and acting Judges. (1) If by reason of any temporary increase in the business of a High Court or by reason of arrears of work therein, it appears to the President that the number of the Judges of that Court should be for the time being increased, the President may appoint duly qualified persons to be additional Judges of the Court for such period not exceeding two years as he may specify.
- (2) When any Judge of a High Court other than the Chief Justice is by reason of absence or for any other reason unable to perform the duties of his office or is appointed to act temporarily as Chief Justice, the President may appoint a duly qualified person to act as a Judge of that Court until the permanent Judge has resumed his duties.
- (3) No person appointed as an additional or acting Judge of a High Court shall hold office after attaining the age of ⁴⁶[sixty-two years].]

⁴⁷[224A. Appointment of retired Judges at sittings of High Courts. — Notwithstanding anything in this Chapter, the Chief Justice of a High Court for any State may at any time, with the previous consent of the President, request any person who has held the office of a Judge of that Court or of any other High Court to sit and act as a Judge of the High Court for that State, and every such person so requested shall, while so sitting and acting, be entitled to such allowances as the President may by order determine and have all the jurisdiction, powers and privileges of, but shall not otherwise be deemed to be, a Judge of that High Court:

Provided that nothing in this article shall be deemed to require any such person as aforesaid to sit and act as a Judge of that High Court unless he consents so to do.]

225. Jurisdiction of existing High Courts. — Subject to the provisions of this Constitution and to the provisions of any law of the appropriate Legislature made by virtue of powers conferred on that Legislature by this Constitution, the jurisdiction of, and the law administered in, any existing High Court, and the respective powers of the Judges thereof in relation to the administration of justice in the Court, including any power to make rules of Court and to regulate the sittings of the Court and of members thereof sitting alone or in Division Courts, shall be the same as immediately before the commencement of this Constitution:

⁴⁸[Provided that any restriction to which the exercise of original jurisdiction by any of the High Courts with respect to any matter concerning the revenue or concerning any act ordered or done in the collection thereof was subject immediately before the commencement of this Constitution shall no longer apply to the exercise of such jurisdiction.]

- ⁴⁵[224. अतिरिक्त आनी कार्यार्थ न्यायाधीशांची नेमणूक − (1) उच्च न्यायालयाच्या कामकाजांत तात्पुरती वाड जाल्या ह्या कारणाक लागून अथवा काम थकीत उरलां ह्या कारणाक लागून त्या न्यायालयाच्या न्यायाधिशांची संख्या त्या वेळापुरती वाडोंवची अशें राष्ट्रपतीक दिसल्यार, राष्ट्रपतीच्यान फावोशी पात्रताय आशिल्ले व्यक्तीकं त्या न्यायालयाचे अतिरिक्त न्यायाधीश म्हूण तो विनिर्दीश्ट करीत ते प्रमाण दोन वर्सांपरस चड न्हय इतल्या कालावधीखातीर नेमूं येता.
- (2) जेन्ना उच्च न्यायालयाच्या मुख्य न्यायमूर्ती परस दुसरो कोणूय न्यायाधीश गैरहाजिरेच्या कारणावेल्यान अथवा हेर कसल्याय कारणाक लागून आपणाल्या पदाच्या कर्तव्यांचें पालन करपाक असमर्थ आसत अथवा ताका मुख्य न्यायमूर्ती म्हूण तात्पुरतें कार्य करपाक नेमिल्लो आसत तेन्ना, स्थायी न्यायाधीश आपणाल्या पदाच्या कर्तव्यांचें पालन करपाक असमर्थ आसत अथवा ताका मुख्य न्यायमूर्ती म्हूण तात्पुरतें कार्य करपाक नेमिल्लो आसत तेन्ना, स्थायी न्यायाधीश आपणाल्या कामार पर्तून रूजू जायसर राष्ट्रपतीच्यान फावोशी पात्रताय आशिल्ले व्यक्तीक त्या न्यायालयाचो न्यायाधीश म्हूण कार्य करपाखातीर नियुक्त करूं येता.
- (3) उच्च न्यायालयाचो अतिरिक्त अथवा कार्यार्थ न्यायाधीश म्हूण नेमणूक जाल्ली खंयचीच व्यक्ती ⁴⁶[बांसष्ट वर्सा] पिरायेची जाले उपरांत पद धारण करची ना.]

⁴⁷[224क. उच्च न्यायालयाच्या बसकांखातीर निवृत्त न्यायाधीशांची नेमणूक – ह्या प्रकरणांत किदेंय आसलें तरी, खंयच्याय वेळार राष्ट्रपतीचे पूर्वसंमतीन खंयच्याय राज्याच्या उच्च न्यायालयाच्या मुख्य न्यायमूर्तीच्यान, जिणे त्या न्यायालयाच्या अथवा हेर खंयच्याय उच्च न्यायालयाच्या न्यायाधीशाचें पद धारण केलां अशे खंयचेय व्यक्तीक त्या राज्याच्या उच्च न्यायालयाचो न्यायाधीश म्हूण सुवातेर बसून कार्य करपाखातीर विनंती करूं येता, आनी हेप्रमाण विनंती केल्ली अशे दरेक व्यक्तीप्रमाण सुवातेर बसून कार्य करता तेन्ना राष्ट्रपती आदेशावरवीं निर्धारीत करतलो अशे भत्ते मेळपाक ती हक्कदार आसतली आनी तिका त्या न्यायालयाच्या न्यायाधीशाची सगली अधिकारितायय अधिकार आनी विशेशाधिकार आसतले, पूण हेरशीं ती त्या न्यायालयाचो न्यायाधीश अशें मानचे नातः

परंतु, त्या उच्च् न्यायालयाचो न्यायाधीश म्हूण ते सुवातेर बसून कार्य करपाक वयर सांगल्या अशे खंयचेय व्यक्तीन संमती दिल्ली आसलेबगर,ह्या कलमांतले खंयचेच गजालीक लागून तिका तशें करप सक्तीचें जाता अशें मानचे नात.]

225. विद्यमान उच्च न्यायालयांची अधिकारिताय — ह्या संविधानाच्या उपबंधांच्या आनी ह्या संविधानावरवीं समुचीत विधानमंडळाक प्रदान केल्ल्या अधिकारांच्या आधारार त्या विधानमंडळान केल्ल्या कसल्याय कायद्याच्या उपबंधांचे अधीनतायेन, खंयच्याय विद्यमान उच्च न्यायालयाची अधिकारिताय आनी तातूतं प्रशासीत जावपी कायदो, आनी न्यायालयाचे नेम करपाच्या आनी न्यायालयांच्यां बसकांचें आनी एकेकल्यान अथवा खंडपीठाचेर बसून काम चलोवपी ताच्या वांगडचांच्या बसकांचें विनियमन करपाच्या अधिकारांसयत त्या न्यायालयांतल्या न्यायदानासंबंदीं त्या न्यायालयाच्या न्यायाधीशांक दरेकीं आशिल्ले अधिकार ह्या संविधानाच्या आरंभाचे निकटपूर्व जशे आशिल्ले तशेच आसतलेः

⁴⁸[परंतु, महसुलाकडेन संबंदीत आशिल्ले अथवा ताची वसुली करतना आदेशिल्ले अथवा केल्ले कसलेय कृतीकडेन संबंदीत आशिल्ले कसलेय गजालीविशीं खंयच्याच उच्च न्यायालयान करपाच्या अव्वल अधिकारितायेच्या वापराचेर ह्या संविधानाच्या आरंभाचे निकटपूर्व जो निर्बंध आशिल्लो असलो कसलोच निर्बंध अशे अधिकारितायेच्या वापराक हेफुडें लागू आसचो ना.]

- ⁴⁹[226. Power of High Courts to issue certain writs. (1) Notwithstanding anything in article 32 ⁵⁰* * * every High Court shall have power, throughout the territories in relation to which it exercises jurisdiction, to issue to any person or authority, including in appropriate cases, any Government, within those territories directions, orders or writs, including ⁵¹[writs in the nature of habeas corpus, mandamus, prohibition, quo warranto and certiorari, or any of them, for the enforcement of any of the rights conferred by Part III and for any other purpose.]
- (2) The power conferred by clause (1) to issue directions, orders or writs to any Government, authority or person may also be exercised by any High Court exercising jurisdiction in relation to the territories within which the cause of action, wholly or in part, arises for the exercise of such power, notwithstanding that the seat of such Government or authority or the residence of such person is not within those territories.
- ⁵²[(3) Where any party against whom an interim order, whether by way of injunction or stay or in any other manner, is made on, or in any proceedings relating to, a petition under clause (1), without-
 - (a) Furnishing to such party copies of such petition and all documents in support of the plea for such interim order, and
 - (b) Giving such party an opportunity of being heard,

Makes an application to the High Court for the vacation of such order and furnishes a copy of such application to the party in whose favour such order has been made or the counsel of such party, the High Court shall dispose of the application within a period of two weeks from the date on which it is received or from the date on which the copy of such application is so furnished, whichever is later, or where the High Court is closed on the last day of that period, before the expiry of the next day afterwards on which the High Court is open; and if the application is not so disposed of, the interim order shall, on the expiry of that period, or, as the case may be, the expiry of the said next day, stand vacated.]

- ⁵³[(4)] The power conferred on a High Court by this article shall not be in derogation of the power conferred on the Supreme Court by clause (2) of article 32.
- ⁵⁴[**226A.** [Constitutional validity of Central laws not to be considered in proceedings under article 226.] Rep. by the Constitution (Forty-third Amendment) Act, 1977, s. 8 (w.e.f. 13-4-1978).
- **227.** Power of superintendence over all courts by the High Court. ⁵⁵[(1) Every High Court shall have superintendence over all courts and tribunals throughout the territories in relation to which it exercises jurisdiction.]

- ⁴⁹[226. थोडे प्राधिलेख काडपाचो उच्च न्यायालयांचो अधिकार (1) कलम 32 त किदेंय आस्पावीत आसलें तरी, ⁵⁰* * * दरेका उच्च न्यायालयाक जांचेसंबंदी तें अधिकारिताय वापरता त्या राज्यक्षेत्रांमदीं सगले कड़ेन, त्या राज्यांतले खंयचेय व्यक्तीक अथवा प्राधिकरणाक, तशेंच योग्य प्रकरणांत खंयच्याय सरकाराक लेगीत लेखून ⁵¹[भाग-3 हातूंत प्रदान केल्ल्यांमदल्या कसल्याय अधिकाराची बजावणी करपाखातीर अथवा हेर कसल्याय, प्रयोजनाखातीर निदेश, आदेश अथवा [हेबियस कॉर्पस (देहोपास्थिती), मांदामुस (महादेश), प्रोहिबिशन (प्रतिशेद), को वारांटो (क्वाधिकार) आनी सेर्शिओराराय (प्राकर्शण) हया स्वरूपाच्या प्राधिलेखांसयत हेर प्राधिलेख अथवा तांचेभितरल्या खंयच्याय प्राधिलेखांसयत हेर प्राधिलेख अथवा तांचेभितरल्या खंयच्याय प्राधिलेखांसयत हेर प्राधिलेख अथवा तांचेभितरले खंयचेय प्राधिलेख काडपाचो अधिकार आसतलो.]
- (2) खंयच्याय सरकाराक, प्राधिकरणाक अथवा व्यक्तीक लेखून निदेश, आदेश अथवा प्राधिलेख काडपाचो उपकलम (1) वरवीं इदान केल्लो अधिकार अशा अधिकाराच्या वापराखातीर लागपी वादकारण पुरायेन अथवा अंशतायेन जंय उप्रासता त्या राज्यक्षेत्रांच्या संबंदांत अधिकारिताय वापरपी खंयच्याय उच्च न्यायालयाच्यानूय वापरपासारकेली आसतली, मागीर अशें सरकार अथवा प्राधिकरण हांचें कार्यस्थान अथवा अशे व्यक्तीचें निवासस्थान त्या राज्यक्षेत्रामदीं नासलें तरीय हरकत ना
- ⁵²[(3) ज्या खंयच्याय पक्षकाराआड उपकलम (1) खालच्या विनंती अर्जाचेर अथवा तेसंबंदांतले कसलेय कारवायेंत, अध्यादेशाच्या अथवा स्थगितीच्या रूपांत अथवा हेर कसलेय तरेचे अंतरीम आदेश काडिल्लो आसा आनी,
 - (क) अशा पक्षकाराक अशा विनंती अर्जाच्यो अथवा अशा अंतरीम आदेशाविशींचे विनंतेक पुश्टीकारक आसपी सगल्या दस्तावेजांच्यो प्रती पावयल्ल्यो नासतीत आनी
 - (ख) अशा पक्षकाराक आपणालें म्हणणे मांडपाची संद दिल्ली नासत,

त्या पक्षकारान असो आदेश रद्द जावंचो म्हूण उच्च न्यायालयाकडेन अर्ज केलो आनी अशा अर्जाची एक प्रत जाचेवटेन असो आदेश काडिल्लो आसत त्या पक्षकाराक अथवा अशा पक्षकाराच्या समुपदेशीक दिली जाल्यार तेसंबंदात, उच्च न्यायालयाक जे तारकेक अर्ज मेळत ती तारीक अथवा जे तारकेक अशी अर्जांची प्रत अशे रीतीन दितलो ती तारीक हांचे मदली जी मागीरची आसतली ते तारकेसावन दोन सप्तकांच्या कालावधीभितर, अथवा त्या कालावधीच्या निमण्या दिसा उच्च न्यायालय बंद आसत जाल्यार ताचे उपरांत जेन्ना उच्च न्यायालय चालू जातलें असो फुडलो दीस सोंपचेपयलीं त्या अर्जाचो निकाल करतलें; आनी जर अर्जाचो अशे रितीन निकाल केलो ना जाल्यार, अंतरीम आदेश, तो कालावधी सोंपनाबराबर अथवा, त्या त्या प्रकरणाप्रमाण, वयर दिला तो फुडलो दीस सोंपनाफुडें रद्द जातलो.]

⁵³[(4) ह्या कलमाखाला उच्च न्यायालयाक प्रदान केल्लो अधिकार हो कलम 32-उपकलम (2) वरवीं सर्वोच्च न्यायालयाक प्रदान केल्ल्या अधिकाराक उणो करपी आसचो ना.

⁵⁴226क. [कलम 226 चे अधीनतायेन केल्ल्या करवायांनीं केंद्रीय कायद्यांचे संविधानीक वैधतेचेर विचार करप ना.] 'सांविधान (त्रेचाळीसावो बदल) अधिनियम, 1977 - अनुभाग 8 वरवीं (13-4-1978 सावन) निरसीत केले.

227. उच्च न्यायालयाचो सगल्या न्यायालयांचेर देखरेख करपाचो अधिकार — ⁵⁵[(1)दरेक उच्च न्यायालय ज्या राज्यक्षेत्रांच्या संबंदांत अधिकारिताय वापरता त्या राज्यक्षेत्रांतल्या सगल्या न्यायालयांचेर आनी अधिकरणांचेर ताची देखरेख आसतली.]

- (2) Without prejudice to the generality of the foregoing provision, the High Court may-
 - (a) Call for returns from such courts;
- (b) Make and issue general rules and prescribe forms for regulating the practice and proceedings of such courts; and
- (c) Prescribe forms in which books, entries and accounts shall be kept by the officers of any such courts.
- (3) The High Court may also settle tables of fees to be allowed to the sheriff and all clerks and officers of such courts and to attorneys, advocates and pleaders practising therein:

Provided that any rules made, forms prescribed or tables settled under clause (2) or clause (3) shall not be inconsistent with the provision of any law for the time being in force, and shall require the previous approval of the Governor.

(4) Nothing in this article shall be deemed to confer on a High Court powers of superintendence over any court or tribunal constituted by or under any law relating to the Armed Forces.

⁵⁶(5)* * * * * *

- **228. Transfer of certain cases to High Court.** If the High Court is satisfied that a case pending in a court subordinate to it involves a substantial question of law as to the interpretation of this Constitution the determination of which is necessary for the disposal of the case, ⁵⁷ [it shall withdraw the case and ⁵⁸*** may-]
 - (a) Either dispose of the case itself, or
 - (b) Determine the said question of law and return the case to the court from which the case has been so withdrawn together with a copy of its judgment on such question, and the said court shall on receipt thereof proceed to dispose of the case in conformity with such judgment.
- ⁵⁹228A. [Special provisions as to disposal of questions relating to constitutional validity of State laws.] Rep. by the Constitution (Forty-third Amendment) Act, 1977, s. 10 (w.e.f. 13-4-1978).
- **229.** Officers and servants and the expenses of High Courts. (1) Appointments of officers and servants of a High Court shall be made by the Chief Justice of the Court or such other Judge or officer of the Court as he may direct:

Provided that the Governor of the State ⁵⁰* * * may by rule require that in such cases as may be specified in the rule no person not already attached to the Court shall be appointed to any office connected with the Court save after consultation with the State Public Service Commission.

(2) Subject to the provisions of any law made by the Legislature of the State, the conditions of service of officers and servants of a High Court shall be such as may be prescribed by rules made

- (2) पूर्वगामी उपंबंधाचे व्यापकतायेक बाधा येनासतना, उच्च न्यायालयाच्यान -
 - (क) अशा न्यायालयांकडल्यान प्रतिवेदना मागोवं येता;
- (ख) अशा न्यायालयांची प्रथा आनी कार्यवाही विनयमीत करपाखातीर सर्वसाधारण नेम करून ते वितरावं येतात आनी नमुने विहीत करूं येतात; आनी
- (ग) अशा खंयच्याय न्यायालयांच्या अधिकाऱ्यांनी पुस्तकां, नोंदी आनी लेख कसल्या नमुन्यांप्रमाण दवरूंक जाय तें विहीत करूं येता.
- (3) उच्च न्यायालयाच्यान शेरीफ आनी अशा न्यायालयाचे सगले लिपीक तशेंच अधिकारी आनी वकील हांकां दिवपाच्या मोबदल्याचीं कोश्टकां थारावं येतात :

परंतु, उपकलम (2) अथवा उपकलम (3) खाला केल्ले कसलेय नेम, विहीत केल्ले नमुने आनी थारायल्लीं कोश्टकां त्या त्या काळार लागू आशिल्ल्या खंयच्याच कायद्याच्या उपबंधाकडेन विसंगत आसचीं नात, आनी तांकां राज्यपालाची पूर्वमान्यताय गरजेची आसतली.

(4) सशस्त्र दळांसंबंदींच्या खंयच्याय कायद्यावरवीं अथवा त्याखाला घडयल्ल्या खंयच्याच न्यायालयाचेर अथवा अधिकरणाचेर देखरेख करपाचे अधिकार ह्या कलमाखालचे खंयचेच गजालीकलागून उच्च न्यायालयाक प्रदान जातात अशें मानचे नात.

- 228. थोड्यां प्रकरणांचें उच्च न्यायालयाकडेन अन्तरण आपणांक दुय्यम आशिल्ल्या न्यायालयांत प्रलंबीत अशिल्लें एखादें प्रकरण निकालांत काडपाखातीर जाचो निर्णय जावप गरजेचें आसा असो एखादो ह्या संविधानाच्या अर्थ लावपा संबंदींचो सारभूत विधीप्रस्न त्या प्रकरणांत घुस्पल्लो आसा अशी उच्च न्यायालयाची खात्री जाली जाल्यार, ⁵⁷ [तें न्यायालय तें प्रकरण काडून घेतलें आनी ⁵⁸* * * * * *]
 - (क) एकतर स्वताच तें प्रकरण ताच्यान निकालांत काडूं येता, अथवा
 - (ख) उक्त विधीप्रस्न निर्धारीत करून, ज्या न्यायालयांतल्यान तें प्रकरण काडून घेतलां ताचेकडेन अशा प्रस्नावेल्या आपणाल्या न्यायनिर्णयाचे एके प्रती सयत ताच्यान तें प्रकरण परतें धाडूं येता आनी ती प्रत मेळटकच उक्त न्यायालय अशा न्यायनिर्णयाप्रमाण प्रकरण निकालांत काडपाची कारवाय करतलें.

⁵⁹228क. [राज्य कायद्यांचे संविधानीक वैधतेसंबंदींच्या प्रस्नांच्या निर्णयांविशीं विशेश उपबंध.] 'संविधान (त्रेचाळीसावो बदल) अधिनियम, 1977' अनुभाग 10 वरवी (13-4-1978 सावन) निरसीत केले.

- 229. उच्च न्यायालयांचे अधिकारी आनी सेवक तशेंच खर्च (1) उच्च न्यायालयांचे अधिकारी आनी सेवक हांच्यो नेमणुको त्या न्यायालयांचे मुख्य न्यायमूर्ती अथवा तो निर्देश करीत असो त्या न्यायालयांचे हेर कोणूय न्यायाधीश अथवा अधिकारी हांचेकडल्यान जातल्यो.
- परंतु, ⁶⁰* * * राज्याच्या राज्यपालाच्यान नेमावरवीं अशें गरजेचें करूं येता की, त्या नेमांत विनिर्दीश्ट करतले अशा प्रकरणांत, त्या न्यायालयाकडेन पयलींसावन संलग्न नाशिल्ले खंयचेय व्यक्तीक त्या न्यायालयाकडेन संबंदीत आशिल्ल्या कसल्याय पदाचेर राज्य लोकसेवा आयोगाचो विचार घेतलेबगर नियुक्त करचें न्हय.
- (2) राज्य विधानमंडळान केल्ल्या खंयच्याय कायद्याच्या उपबंधांचे अधीनतायेन, उच्च न्यायालयाचे अधिकारी आनी सेवक हांच्यो सेवा-अटी त्या न्यायालयाच्या मुख्य न्यायमूर्तीन अथवा ताणे त्या प्रयोजना पासत नेम करपाखातीर

by the Chief Justice of the Court or by some other Judge or officer of the Court authorised by the Chief Justice to make rules for the purpose:

Provided that the rules made under this clause shall, so far as they relate to salaries, allowances, leave or pensions, require the approval of the Governor of the State 1***.

- (3) The administrative expenses of a High Court, including all salaries, allowances and pensions payable to or in respect of the officers and servants of the Court, shall be charged upon the Consolidated Fund of the State, and any fees or other moneys taken by the Court shall form part of that Fund.
- ⁶²[230. Extension of jurisdiction of High Courts to Union territories. (1) Parliament may by law extend the jurisdiction of a High Court to, or exclude the jurisdiction of a High Court from, any Union territory.
 - (2) Where the High Court of a State exercises jurisdiction in relation to a Union territory,
 - (a) Nothing in this Constitution shall be construed as empowering the Legislature of the State to increase, restrict or abolish that jurisdiction; and
 - (b) The reference in article 227 to the Governor shall, in relation to any rules, forms or tables for subordinate courts in that territory, be construed as a reference to the President.
- 231. Establishment of a common High Court for two or more States. (1) Notwithstanding anything contained in the preceding provisions of this Chapter, Parliament may by law establish a common High Court for two or more States or for two or more States and a Union territory.
 - (2) In relation to any such High Court, -
 - (a) The reference in article 217 to the Governor of the State shall be construed as a reference to the Governors of all the States in relation to which the High Court exercises jurisdiction;
 - (b) The reference in article 227 to the Governor shall, in relation to any rules, forms or tables for subordinate courts, be construed as a reference to the Governor of the State in which the subordinate courts are situate; and
 - (c) The references in articles 219 and 229 to the State shall be construed as a reference to the State in which the High Court has its principal seat:

Provided that if such principal seat is in a Union territory, the references in articles 219 and 229 to the Governor, Public Service Commission, Legislature and Consolidated Fund of the State shall be construed respectively as references to the President, Union Public Service Commission, Parliament and Consolidated Fund of India.]

प्राधिकृत केल्ल्या त्या न्यायालयाच्या हेर कोणाय न्यायाधीशान अथवा अधिकाऱ्यान केल्ल्या नेमांवरवी विहीत करतल्यो अशो आसतल्यो :

परंतु, ह्या उपकलमांखाला केल्ल्या नेमांक, जितले मेरेन ते वेतनां, भत्ते, रजा अथवा पेन्शनी हांचेकडेन संबंदींत आसतीत तितलेमेरेन, ⁶¹* * * राज्याच्या राज्यपालाची मान्यताय गरजेची आसतली.

- (3) उच्च न्यायालयाचे अधिकारी आनी सेवक हांकां अथवा तांचेसंबंदांत दिवपाचीं सगलीं वेतनां, भत्ते आनी पेन्शनी हांचेसयत त्या न्यायालयाचो प्रशासकीय खर्च राज्याच्या एकवटीत निधीचेर प्रभारीत करतले आनी त्या न्यायालयान घेतिल्ली कसलीय फी अथवा हेर दुडू त्या निधीचों भाग जातली.
- 62[230. उच्च न्यायालयांचे अधिकारितायेचो संघ राज्यक्षेत्रांचेर विस्तार (1) संसदेच्यान कायद्यावरवीं उच्च न्यायालयाची अधिकारिताय खंयच्याय संघ राज्यक्षेत्राचेर विस्तारीत करूं येता अथवा ताचेपसून उच्च न्यायालयाची अधिकारिताय वर्जीत करूं येता.
- (2) एखाद्या राज्याचें उच्च न्यायालय एखाद्या संघ राज्य क्षेत्राच्या संबंदांत अधिकारिताय वापरता आसत ते संबंदांत -
 - (क) ह्या संविधानांतलें खंयचेच गजालीकलागून त्या राज्याच्या विधानमंडळाक ती अधिकारिताय वाडोवपाचो, निर्बंधीत करपाचो अथवा काडून उडोवपाचो, अथवा काडून उडोवपाचो अधिकार प्रदान जाता असो ताचो अर्थ लांवचे नात; आनी
 - (ख) कलम 227 मदल्या राज्यपालासंबंदींच्या निर्देशाचो अर्थ, त्या राज्यक्षेत्रांतल्या दुय्यम न्यायालयांचे कसलेय नेम, नमुने अथवा कोश्टकां हांचे संबंदांत, राष्ट्रपतीचो निर्देश असो लायतले.]
- 231. दोन अथवा चड राज्यांखातीर एकाच उच्च न्यायालयाची स्थापना (1) ह्या प्रकरणाच्या पूर्वगामी उपबंधांत किदेंय आस्पावीत आसलें तरी, संसदेच्यान कायद्यावरवीं दोन अथवा चड राज्यांखातीर अथवा दोन अथवा चड राज्यां आनी एखादे संघ राज्यक्षेत्र हांचेखातीर एक सामाईक उच्च न्यायालय स्थापन करूं येता.
 - (2) अशा खंयच्याय उच्च न्यायालयाच्या संबंदांत -
 - (क) कलम 217 मदल्या राज्यपालासंबंदींच्या निर्देशाचो अर्थ, तें उच्च न्यायालय जांचेसंबंदांत अधिकारिताय वापरता आसत त्या सगल्या राज्यांच्या राज्यपालां संबंदींचो निर्देश असो लायतलें:
 - (ख) कलम 227 मदल्या राज्यपालासंबंदीच्या निर्देशाचो अर्थ, दुय्यम न्यायालयांचे कसलेय नेम, नमुने अथवा कोश्टकां हांचे संबंदांत, तीं दुय्यम न्यायालयां ज्या राज्यांत आसतीत ताच्या राज्यपालासंबंदींचो निर्देश असो लायतले; आनी
 - (ग) कलम् 219 आनी 229 मदल्या राज्यासंबंदींच्या निर्देशांचो अर्थ, जंय उच्च न्यायालयाचें प्रमुख कार्यस्थान आसत त्या राज्यासंबंदींचो निर्देश असो लायतले.

परंतु, अशें प्रमुख कार्यस्थान संघ राज्यक्षेत्रांत आसत जाल्यार कलम 219 आनी कलम 229, मदल्या राज्यपाल, राज्य लोकसेवा आयोग, राज्य विधानमंडळ आनी राज्याचो एकवटीत निधी हांचेविशींच्या निर्देशांचो अर्थ, अनुक्रमान राष्ट्रपती, संघ लोकसेवा आयोग, संसद आनी भारताचो एकवटीत निधी हांचेविशींच्या निर्देशांचो अर्थ, अनुक्रमान राष्ट्रपती, संघ लोकसेवा आयोग, संसद आनी भारताचो एकवटीत निधी हेसंबंदी निर्देश असो लायतले.

CHAPTER - 6 SUBORDINATE COURTS

- **233. Appointment of district judges.** (1) Appointments of persons to be, and the posting and promotion of, district judges in any State shall be made by the Governor of the State in consultation with the High Court exercising jurisdiction in relation to such State.
- (2) A person not already in the service of the Union or of the State shall only be eligible to be appointed a district judge if he has been for not less than seven years an advocate or a pleader and is recommended by the High Court for appointment.
- ⁶³[233A. Validation of appointments of, and judgments, etc., delivered by, certain district judges. Notwithstanding any judgment, decree or order of any court, -
 - (a) (i) No appointment of any person already in the judicial service of a State or of any person who has been for not less than seven years an advocate or a pleader, to be a district judge in that State, and
 - (ii) No posting, promotion or transfer of any such person as a district judge,

Made at any time before the commencement of the Constitution (Twentieth Amendment) Act, 1966, otherwise than in accordance with the provisions of article 233 or article 235 shall be deemed to be illegal or void or ever to have become illegal or void by reason only of the fact that such appointment, posting, promotion or transfer was not made in accordance with the said provisions;

- (b) No jurisdiction exercised, no judgment, decree, sentence or order passed or made, and no other act or proceeding done or taken, before the commencement of the Constitution (Twentieth Amendment) Act, 1966 by, or before, any person appointed, posted, promoted or transferred as a district judge in any State otherwise than in accordance with the provisions of article 233 or article 235 shall be deemed to be illegal or invalid or ever to have become illegal or invalid by reason only of the fact that such appointment, posting, promotion or transfer was not made in accordance with the said provisions.]
- 234. Recruitment of persons other than district judges to the judicial service. Appointments of persons other than district judges to the judicial service of a State shall be made by the Governor of the State in accordance with rules made by him in that behalf after consultation with the State Public Service Commission and with the High Court exercising jurisdiction in relation to such State.
- 235. Control over subordinate courts. The control over district courts and courts subordinate thereto including the posting and promotion of, and the grant of leave to, persons belonging to the judicial service of a State and holding any post inferior to the post of district judge shall be vested in the High Court, but nothing in this article shall be construed as taking away from any such person any right of appeal which he may have under the law regulating the conditions of his service or as

प्रकरण 6 - दुय्यम न्यायालयां

- 233. जिल्हो न्यायाधीशांची नेमणूक (1) खंयच्याय राज्यांतल्या जिल्हो न्यायाधीशांच्या पदांचेर करपाची व्यक्तींची नेमणूक आनी जिल्हो न्यायाधीशांचांचें पदस्थान आनी बडटी ह्यो गजाली त्या राज्याचो राज्यपाल अशा राज्याच्या संबंदांत अधिकारिताय वापरपी उच्च न्यायालयाचो विचार घेवन करतले.
- (2) संघाचे अथवा राज्याचे सेवेंत पयलींसावन नाशिल्ली व्यक्ती जर उणीच तीं सात वर्सा इतलो काळ अधिवक्तो अथवा वकील आसत आनी उच्च न्यायालयान नेमणुकेखातीर तिची शिफारस केल्या आसत जाल्यारूच, ती जिल्हो न्यायाधीश म्हूण नेमणूक जावपाक पात्र आसतली.

63[233क. कांय जिल्हो न्यायाधीशांच्यो नेमणुको आनी ताणी दिल्ले न्यायनिर्णय, इत्यादी कायदेशीर करप – खंयच्याय न्यायालयाचो कसलोय न्यायनिर्णय, हुकूमनामो अथवा आदेश किदेंय आसलो तरी,-

- (क) 'संविधान (विसावो बदल) अधिनियम, 1966' हाच्या आरंभापयलीं खंयच्याय वेळार, कलम 233 अथवा कलम 235 हांच्या उपबंधांचें अनुसरण करीनासतना हेर तरेन केल्ली,-
- (i) राज्याचे न्यायीक सेवेंत पयलींसावन आशिल्ले खंयचेय व्यक्तीची त्या राज्यांतली जिल्हो न्यायाधीश म्हूण खंयचीय नेमणूक, आनी
 - (ii) अशे खंयचेय व्यक्तीचें जिल्हो न्यायाधीश म्हूण खंयचेंय पदस्थापन, बडटी अथवा बदली,

फकत वयल्या उपबंधांप्रमाण केल्ली नाशिल्ली हेच वस्तुस्थितीच्या कारणाक लागून अशी नेमणूक, पदस्थापन, बडटी अथवा बदली बेकायदेशीर अथवा शून्य आसा अथवा केन्नातरी बेकायदेशीर अथवा शून्य आशिल्ली अशें मानचे नात;

- (ख) कलम 233 अथवा कलम 235 हांच्या उपबंधांप्रमाण न्हय, तर हेर तरेन खंयच्याय राज्यांतली जिल्हो न्यायाधीश म्हूण नेमणूक, पदस्थापन, बडटी अथवा बदली जाल्ले खंयचेय व्यक्तीन 'संविधान (विसावो बदल) अधिनियम, 1966 हाच्या आरंभापयलीं वापरिल्ली कसलीय अधिकारिताय, दिल्लो अथवा केल्लो कसलोय न्यायनिर्णय, हुकूमनामो, शिक्षादेश अथवा आदेश आनी तिणे अथवा तिचेमुखार केल्ली हेर कसलीय कृती अथवा कारवाय ही अशी नेमणूक, पदस्थापन, बडटी अथवा बदली फकत वयल्या उपबंधांप्रमाण करूंक नाशिल्ली हेच वस्तुस्थितीच्या कारणाकलागून बेकायदेशीर अथवा कायद्याभायली आशिल्ली अशें मानचे नात.]
- 234. जिल्हों न्यायांधीशांपरस वेगळ्या व्यक्तींची न्यायीक सेवेंतली नेमणूक जिल्हों न्यायाधीशांपरस वेगळ्या व्यक्तींची राज्याचे न्यायीक सेवेंतली नेमणूक राज्याचो राज्यपाल, राज्य लोकसेवा आयोग आनी अशा राज्याच्या संबंदांत अधिकारिताय वापरपी उच्च न्यायालय हांचो विचार घेवन तेसंबंदांत ताणे स्वता केल्ल्या नेमांप्रमाण करतलो.
- 235. दुय्यम न्यायालयांवेलें नियंत्रण जिल्हो न्यायालयां आनी तांकां दुय्यम आसपी न्यायालयां हांचेवेलो नियंत्रणाधिकार उच्च न्यायालयाचे ठांय निहीत आसतलो; राज्याचे न्यायीक सेवेंत आशिल्ले आनी जिल्हो न्यायाधीशांच्या पदापरस किनश्ठ पद धारण करपी व्यक्तींचें पदस्थापन आनी बडटी आनी तांकां रजा मंजुरी ह्योवूय गजाली तातूंत आस्पावीत आसतल्यो, परंतु, ह्या कलमांतले खंयचेच गजालीक लागून, अशे खंयचेच व्यक्तीक तिचे सेवा-अटींचें विनियमन करपी कायद्याप्रमाण आसत असो कसलोच अपीलाधिकार तिचेपसून काडून घेतला अशें अथवा अशा

authorising the High Court to deal with him otherwise than in accordance with the conditions of his service prescribed under such law.

236. Interpretation. — In this Chapter—

- (a) The expression "district judge" includes judge of a city civil court, additional district judge, joint district judge, assistant district judge, chief judge of a small cause court, chief presidency magistrate, additional chief presidency magistrate, session's judge, additional sessions judge and assistant sessions Judge;
- (b) The expression "judicial service" means a service consisting exclusively of persons intended to fill the post of district judge and other civil judicial posts inferior to the post of district judge.

237. Application of the provisions of this Chapter to certain class or classes of magistrates.

— The Governor may by public notification direct that the foregoing provisions of this Chapter and any rules made thereunder shall with effect from such date as may be fixed by him in that behalf apply in relation to any class or classes of magistrates in the State as they apply in relation to persons appointed to the judicial service of the State subject to such exceptions and modifications as may be specified in the notification.

Part V (Chapter - 3 : State Legislature) (Notes)

- 1. The words "Andhra Pradesh," omitted by the Andhra Pradesh Legislatve Council Abolition) Act, 1985 (34 of 1985), s. 4 (w.e.f. 1-6-1985).
- 2. The word "Bombay" omitted by the Bombay Reorganisation Act, 1960 (11 of 1960), s. 20 (w.e.f. 1-5-1960).
- 3. No date has been appointed under s.8(2) of the Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, for the insertion of the words "Madhaya Pradesh" in this sub-clause.
- 4. The word "Madras," substituted by "state of Tamil Nadu" by Madras state (chage of name) Act, 1968 s.4 (w.e.f. 14-1-1969)
- 5. Ins. by the Bombay Reorganisation Act, 1960 (11 of 1960), s. 20 (w.e.f. 1-5-1960).
- 6. Subs. by the Mysore State (Alteration of Name) Act, 1973 (31 of 1973), s. 4, for "Mysore" (w.e.f. 1-11-1973), which was inserted by the Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s. 8 (1).
- 7. The word, 'Punjab Omitted by Punjab Legislature Council (Reorganisation) Act, 1969 s.4 (w.e.f. 07-01-1970)
- 8. Subs. by West Bengal Legislature Council (Reorganisation) Act, 1969 s.4 9w.e.f. 1-8-1969) for the words "Uttar Pradesh and West Bengal".

कायद्याखाला विहीत केल्ले तिचे सेवा-अटींचें अनुसरण करीनासतना हेर तरेन तिचेसंबंदीं कितेंय करपाक ताका लागून उच्च न्यायालय प्राधिकृत जाता, असो तिचो अर्थ लांवचे नात.

236. अर्थ लावणी - ह्या प्रकरणांत, -

- (क) 'जिल्हो न्यायाधीश' ह्या शब्दप्रयोगांत, नगर दिवाणी न्यायालयाचो न्यायाधीश, अपर जिल्हो न्यायाधीश, सह जिल्हो न्यायाधीश, लघुवाद न्यायालयाचो मुख्य न्यायाधीश, मुख्य इलाखो शहर दंडाधिकारी, सत्र न्यायाधीश, अपर सत्र न्यायाधीश आनी सहायक सत्र न्यायाधीश हांचो आस्पाव आसा.
- (ख) 'न्यायीक सेवा' ह्या शब्दप्रयोगाचो अर्थ, जिल्हो न्यायाधीशाचें पद आनी जिल्हो न्यायाधीशाच्या पदापरस किनश्ठ अशी हेर मुलकी न्यायीक पदा भरपाख़ातीर येवजिल्ले व्यक्तींची मेळूनच फकत जाल्ली अशी सेवा असो अर्थ आसा.
- 237. दंडाधिकाऱ्यांच्या थोड्या वर्गाक अथवा वर्गांक ह्या प्रकरणाचे उपबंध लागू आसप राज्यपालाच्यान जाहीर अधिसुचोवणेवरवीं अशें निर्देशीत करूं येता की, ह्या प्रकरणाचे पूर्वगामी उपबंध आनी तेखाला केल्ले कसलेय नेम राज्याचे न्यायीक सेवेंत नेमणूक केल्ले व्यक्तींच्या संबंदांत जशे लागू जातात, तशेच ते अधिसुचोवणेंत विनिर्दीश्ट करतले अशा आडवादांसयत आनी आपरिवर्तनासयत, राज्यांतल्या दंडाधिकाऱ्यांच्या खंयच्याय वर्गांक तेसंबंदांत राज्यपाल निश्चित करतलो अशे तारकेक आनी तेन्नाच्यान लागू जातले.

भाग - ∨ (प्रकरण 3 - राज्य विधानमंडळ) *(टिपो)*

- 'आंध्र प्रदेश' ही उतरां 'आंध्र प्रदेश विधान परिशद (उत्सादन) अधिनियम, 1985'- अनुभाग 4 वरवीं (1-6-'85 सावन) निरसीत केलीं.
- 2. 'मुंबई पुनर्गठन अधिनियम 1960'- अनुभाग 20 वरवीं '(1-5-1960 सावन)' 'मुंबई' हें उतर निरसीत केलें '
- ह्या उप-उपकलमांत 'मध्य प्रदेश' ही उतरां घालपाक 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956'- अनुभाग
 8(2) चे अधीनतायेन खंयचीच तारीक थारावकं ना.
- 4. 'मद्रास राज्य (नाम-परिवर्तन) अधिनियम, 1968'- अनुभाग 4 वर्रवीं (14-1-1969 सावन) 'मद्रास' ह्या उतराचे सुवातेर घालें.
- 5. 'मुबई पुनर्गठन अधिनियम 1960'- अनुभाग 20 वरवीं (1-5-1960 सावन) घालें.
- 6. 'मैसूर राज्य (नाम-परिवर्तन) अधिनियम, 1973' अनुभाग 4 वरवीं ' (1-11-1973 सावन) 'मैसूर' चे सुवातेर घालें.
- 7. 'पंजाब विधान परिशद (उत्सादन) अधिनियम 1969' अनुभाग 4 वरवीं (7-1-1970 सावन) 'पंजाब' हें उतर निरसीत केलें.
- 'पश्चिमी बंगाल विधान परिशद (उत्सादन) अधिनियम, 1969'- अनुभाग 4 वरवी' (1-8-1969 सावन)
 'उत्तर प्रदेश आनी पश्चिमी बंगाल' ह्या उतरांचे सुवातेर घालें.

- 9. Subs. by the Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s. 9, for art. 170.
- 10. Subs. by the Constitution (Forty-second Amendment) Act, 1976, s. 29, for the Explanation (w.e.f. 3-1-1977).
- 11. Ins. by Constitution (Forty-Second Amendment) Act, 1976 s.28 (w.e.f. 3-1-1977)
- 12. Subs. by Constitution (Seventh Amendment) Act, 1976 s.10 for the words "one fourth".
- 13. Subs. by the Constitution (Forty-fourth Amendment) Act, 1978, s. 24, for "six years" (w.e.f. 6-9-1979). The words "six years" were subs. for the original words "five years" by the Constitution (Forty-second Amendment) Act, 1976, s. 30 (w.e.f. 3-1-1977).
- 15. Subs. by the Constitution (First Amendment) Act, 1951, s. 8, for art. 174.
- 16. Subs. by s. 9, ibid. for "every session".
- 17. The words "and for the precedence of such discussion over other business of the House" omitted by s. 9, ibid.
- 18. See the Prohibition of Simultaneous Membership Rules, 1950, published with the Ministry of Law Notification No. F.46/50-C, dated the 26th January, 1950, Gazette of India, Extraordinary, p.678
- 19. Subs. by the Constitution (Fifty-second Amendment) Act, 1985, s. 4, for "clause (1) of article 191" (w.e.f. 1-3-1985).
- 20. Subs. by the Constitution (Thirty-third Amendment) Act, 1974, s. 3, for sub-clause (b).
- 21. Ins. by s. 3, ibid.
- 22. Subs. by the Constitution (Fifty-second Amendment) Act, 1985, s. 5, for "(2) For the purposes of this article" (w.e.f. 1-3-1985).
- 23. Ins. by s. 5, ibid. (w.e.f. 1-3-1985).
 - 24. Art. 192 has been successively subs. by the Constitution (Forty-second Amendment) Act, 1976, s. 33 (w.e.f. 3-1-1977) and the Constitution (Forty-fourth Amendment) Act, 1978, s. 25 to read as above (w.e.f. 20-6-1979).
 - 25. Subs. by the Constitution (Forty-fourth Amendment) Act, 1978, s. 26, for certain words (w.e.f. 20-6-1979).
 - 26. Ins. by the State of Himachal Pradesh Act, 1970 (53 of 1970), s. 46 (w.e.f. 25-1-1971).
 - 27. Subs. by the North-Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 (81 of 1971), s. 71, for "Legislature of the State of Himachal Pradesh" (w.e.f. 21-1-1972).

(Chapter - 4)

28. Cl. (4) was ins. by the Constitution (Thirty-eighth Amendment) Act, 1975, s. 3 (retrospectively) and omitted by the Constitution (Forty-fourth Amendment) Act, 1978, s. 27 (w.e.f. 20-6-1979).

(Chapter - 5)

29. The brackets and figure "(1)" omitted by the Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s. 29 and Sch.

- 9. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956 -' अनुभाग, 9 वरवीं, कलम 170 चे सुवातेर घालें.
- 10. 'संविधान' (बेचाळीसावो बदल) अधिनियम, 1976' अनुभाग 29 वर्रवी (3-1-1977 सावन) स्पश्टीकरण म्हूण घालें.
- 11. 'संविधान (बेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1976' अनुभाग 28 वरवीं (3-1-1977 सावन) घालें.
- 12. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1976'- अनुभाग 10 वरवीं 'एक चतुर्थांश' ह्या उतरांचे सुवातेर घालें.
- 13. 'संविधान (चोवेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1978.' अनुभाग 24 वरवीं (6-9-1979 सावन) 'स वर्सा' ह्या उतरांचे सुवातेर घालें. ताचेपयलीं संविधान (बेचाळीसावो बदल) अधिनियम, 1976'- अनुभाग 30 वरवी (3-1-1977 सावन) मूळ मजकुरांतल्या 'पांच वर्सा' चे सुवातेर 'स वर्सा' अशें घाल्लें.
- 15. 'संविधान (पयलो बदल) अधिनियम, 1951' अनुभाग 8 वरवीं कलम 174 चे सुवातेर घालें.
- 16. 'संविधान (पयलो बदल) अधिनियम, 1951'- अनुभाग 9 वरवीं 'प्रत्येक सत्र' ह्या उतरांचे सुवातेर घाले.
- 17. 'संविधान (पयलो बदल) अधिनियम, 1951'- अनुभाग 9 वरवी 'तशेंच सभाघराच्या हेर कामकाजाचेर हे चर्चेक अग्रक्रम दिवपाखातीर' ही जतरां निरसीत केलीं.
- 18. पळयात, विधि मंत्रालयाची अधिसुचोवणी सं. एफ. 46/50 सी, तारीख 26 जानेवारी, 1950, भारताचें राजपत्र असाधारण, पान 678 चेर उजवाडा आयिल्लो संमसामयीक वांगडीपण प्रतिशेध नेम, 1950.
- 19. 'संविधान (बावन्नावो बदल) अधिनियम, 1985-' अनुभाग 4 वर्रवीं (1-3-1985 सावन) 'कलम 191 चें उपकलम (1)' ह्या मजकुराचे सुवातेर घालें.
- 20. 'संविधान (तेत्तिसावो बदल) अधिनियम, 1974'- अनुभाग 3 वरवीं उपकलम (ख) चे सुवातेर घालें.
- 21. 'संविधान (तेत्तिसावो बदल) अधिनियम, 1974'- अनुभाग 3 वरवीं घालें.
- 22. 'संविधान (बावन्नावो बदल) अधिनियम, 1985'- अनुभाग 5 वर्रवीं (1-3-1985 सावन) '(2) ह्या कलमाच्या प्रयोजनाखातीर' ह्या मजकुराचे सुवातेर घालें.
- 23. 'संविधान (बावन्नावो बदल) अधिनियम, 1985' अनुभाग 5 वरवीं (1-3-1985 सावन) घालें.
- 24. 'संविधान (बेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1976' अनुभाग 33 वरवीं (3-1-1977 सावन) आनी उपरांत 'संविधान (चोवेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1978 अनुभाग 25 वरवीं (20-6-1979 सावन) कलम 192 बदल्ले आनी वयर दिलां त्या रूपांत आयलें.
- 25. 'संविधान (चोवेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1978'-अनुभाग 26 वरवीं (20-6-1979 सावन, थोड्या उतरांचे सुवातेर घालें.
- 26. हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1976 अनुभाग 46 वरवीं (25-1-1971 सावन) घालें.
- 27. 'पूर्वोत्तर क्षेत्र (पुनर्गमन) अधिनियम, 1971'- अनुभाग 71 वरवीं (21-1-1972 सावन) 'हिमाचल प्रदेश राज्याचें विधानमंडळ' अशें आसलें.

(प्रकरण - 4)

28. संविधान (आडिटसावो बदल) अधिनियम, 1975'- अनुभाग 3 वरवीं उपकलम (4) (फाटले तारकेन लागू) घालें आनी 'संविधान (चोवेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1978'- अनुभाग 27 वरवीं (20-6-1979 सावन) तें निरसीत केलें-

(प्रकरण - 5)

29. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956'- अनुभाग 29 आनी अनुसुचयेवरवीं कंस आनी आंकडो '(1)' निरसीत केलो.

- 30. Cls. (2) and (3) omitted by s. 29 and Sch., ibid.
- 31. Proviso omitted by s. 11, ibid.
- 31. Subs. by s. 12, ibid., for "shall hold office until he attains the age of sixty years".
- 33. Subs. by the Constitution (Fifteenth Amendment) Act, 1963, s. 4, for "sixty years".
- 34. The words "in any State specified in the First Schedule" omitted by the Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s. 29 and Sch.
- 35. The word "or" and sub-clause (c) were ins. by the Constitution (Forty-second Amendment) Act, 1976, s. 36 (w.e.f. 3-1-1977) and omitted by the Constitution (Forty-fourth Amendment) Act, 1978, s. 28 (w.e.f. 20-6-1979).
- 36. Ins. by the Constitution (Forty-fourth Amendment) Act, 1978, s. 28 (w.e.f. 20-6-1979).
- 37. Cl. (a) re-lettered as cl. (aa) by s. 28, ibid. (w.e.f. 20-6-1979).
- 38. Subs. by the Constitution (Forty-second Amendment) Act, 1976, s. 36, for "has held judicial office" (w.e.f. 3-1-1977).
- 39. Ins. by the Constitution (Fifteenth Amendment) Act, 1963, s. 4 (with retrospective effect).
- 40. The words "in a State" omitted by the Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s. 29 and Sch.
- 41. Subs. by s. 13, ibid., for art. 220.
- 42. 1st November, 1956.
- 43. The words "within the territory of India" omitted by the Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s. 14.
- 44. Ins. by the Constitution (Fifteenth Amendment) Act, 1963, s. 5. Original Cl. (2) was omitted by the Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s. 14.
- 45. Subs. by the Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s. 15, for art. 224.
- 46. Subs. by the Constitution (Fifteenth Amendment) Act, 1963, s. 6, for "sixty years".
- 47. Ins. by s. 7, ibid.
- 48. Ins. by the Constitution (Forty-fourth Amendment) Act, 1978, s. 29 (w.e.f. 20-6-1979). Original proviso was omitted by the Constitution (Forty-second Amendment) Act, 1976, s. 37 (w.e.f. 1-2-1977).
- 49. Subs. by the Constitution (Forty-second Amendment) Act, 1976, s. 38, for art. 226 (w.e.f. 1-2-1977).
- The words, figures and letters "but subject to the provisions of article 131A and article 226A" omitted by the Constitution (Forty-third Amendment) Act, 1977, s. 7 (w.e.f. 13-4-1978).

- 30. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956'- अनुभाग 29 वरवीं उपकलम (2) आनी (3) निरसीत केलीं.
- 31. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956'- अनुभाग 11 वरवीं परन्तुक निरसीत केलें.
- 32. 'संविधान (सातवों बदल) अधिनियम, 1956'- अनुभाग 12 वरवीं 'साठ वर्साचीं पिराय जायना तोवेर पद धारण करतलो' ह्या मजकुराचे सुवातेर घालें.
- 33. 'संविधान (पंदरावो बदल) अधिनियम, 1963' अनुभाग 4 वरवीं 'साठ वर्सां' ह्या उतरांचे सुवातेर घालें.
- 34. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956'- 'अनुभाग 29 आनी अनुसुचयेंवरवीं' 'पयले अनुसुचयेंत विनिर्दीश्ट केल्ल्यां खंयच्याय राज्यांतले' ह्या मजकुराचे सुवातेर घालें.'
- 35. 'संविधान (बेचाळिंसावो बदल) अधिनियम, 1976'- अनुभाग 36 वरवीं (3-1-1977 सावन) 'अथवा' हें उत्तर आनी उप-उपकलम (क) घालीं' आनी 'संविधान (चोवेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1978'- अनुभाग 28 वरवीं (20-6-1979 सावन) तीं निरसीत केलीं.
- 36. 'संविधान (चोवेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1978'- अनुभाग 28 वरवीं (20-6-1979 सावन) घालें.
- 37. 'संविधान (चोवेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1978'- अनुभाग 28 वर्रवीं (20-6-1979 सावन, उपकलम (क) क उपकलम (कक) च्या रूपांत पर्तून बरोवन काडलें.
- 38. 'संविधान (बेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1976'- अनुभाग 36 वरवीं (3-1-1977 सावन) 'न्यायीक पद' धारण केलां आसत जाल्यार' ह्या मजकुराचे सुवातेर घालें.
- 39. 'संविधान (पंदरावो बदल) अधिनियम, 1963'- अनुभाग 4 वरवीं (फाटले तारकेन लागू) घालें.
- 40. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956'- अनुभाग 29 आनी अनुसुचयेवरवी' खंयच्याय राज्यांत' हीं उतरां निरसीत केलीं.
- 41. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956'- अनुभाग 13 वरवीं कलम 220 चे सुवातेर घाले.
- 42. 01 नोवेंबर, 1956.
- 43. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956.'- अनुभाग 14 वरवीं 'भारताच्या राज्यक्षेत्रांतले' हीं उतरां निरसीत केलीं.
- 44. 'संविधान (पंदरावो बदल) अधिनियम, 1963'- अनुभाग 5 वरवीं घालें; 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956'- अनुभाग 14 वरवीं मूळ उपकलम (2) निरसीत केलें.
- 45. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956'- अनुभाग 15 वरवीं कलम 224चे सुवातेर घाले.
- 46. 'संविधान (पंदरावो बदल) अधिनियम, 1963' अनुभाग 6 वरवीं 'साठ वर्सां' ह्या उतरांचे सुवातेर घालें...
- 47. 'संविधान (पंदरावो बदल) अधिनियम, 1963 अनुभाग 7 वरवीं घालें.
- 48. 'संविधान (चोवेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1978'- अनुभाग 29 वरवीं (20-6-1979 सावन) घालें; 'संविधान (बेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1976'- अनुभाग 37 वरवीं (1-2-1977 सावन') मूळ परतुंक निरसीत केलें.
- 49. 'संविधान (बेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1976'- अनुभाग 38 वरवीं (1-2-1977 सावन) कलम 226 चे सुवातेर घालें.
- 50. 'संविधान (त्रेचाळीसावो बंदल) अधिनियम, 1977'- अनुभाग 7 वरवीं (13-4-1978 सावन) परन्तु कलम 131 क आनी 226 कं च्या उपबंधांचे अधीनतायेन' हो मजकूर निरसीत केलो.

- 51. Subs. by the Constitution (Forty-fourth Amendment) Act, 1978, s. 30, for the portion beginning with the words "writs in the nature of habeas corpus, mandamus, prohibition, quo warranto and certiorari, or any of them" and ending with the words "such illegality has resulted in substantial failure of justice." (w.e.f. 1-8-1979).
- 52. Subs. by s. 30, ibid., for cls. (3), (4), (5) and (6) (w.e.f. 1-8-1979).
- 53. Cl. (7) renumbered as cl.(4) by the Constitution (Forty-fourth Amendment) Act, 1978, s. 30 (w.e.f. 1-8-1979).
- 54. Ins. by the Constitution (Forty-second Amendment) Act, 1976, s. 39 (w.e.f. 1-2-1977).
- 55. Cl. (1) has been successively subs. by the Constitution (Forty-second Amendment) Act, 1976, s. 40 (w.e.f. 1-2-1977) and the Constitution (Forty-fourth Amendment) Act, 1978, s. 31, to read as above (w.e.f. 20-6-1979).
- 56. Cl. (5) ins. by the Constitution (Forty-second Amendment) Act, 1976, s. 40 (w.e.f. 1-2-1977) and omitted by the Constitution (Forty-fourth Amendment) Act, 1978, s. 31 (w.e.f. 20.6.1979).
- 57. Subs. by the Constitution (Forty-second Amendment) Act, 1976, s. 41, for "it shall withdraw the case and may-" (w.e.f. 1-2-1977)
- 58. The words, figures and letter "subject to the provisions of article 131A," omitted by the Constitution (Forty-third Amendment) Act, 1977, s.9 (w.e.f. 13-4-1978).
- 59. Ins. by the Constitution (Forty-second Amendment) Act, 1976, s. 42 (w.e.f. 1-2-1977).
- 60. The words "in which the High Court has its principal seat" omitted by the Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s. 29 and Sch.
- 61. ibid.
- 62. Subs. by s. 16, ibid., for arts. 230, 231 and 232.
- 63. Ins. by the Constitution (Twentieth Amendment) Act, 1966, s. 2.

- 51. 'संविधान (चोवेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1978'- अनुभाग 30 वरवीं (1-8-1979 सावन)' जांचेखाला बंदी प्रत्यक्षीकरण, परमांदेश, प्रतिशेध, अधिकार पृच्छा आनी उत्प्रेशणच्या' तरांचे लेखूय आसात अथवा तांचेमदल्या खंयच्याय 'ह्या उतरांनी सुरू जावन 'न्यायाची सातत्यान निश्फळताय जाल्या, कंसल्याय नुकसानाच्या प्रतितोषाखातीर ' ह्या उतरांनी सोंपपी भागाचे सुवातेर घालें.
- 52. 'संविधान (चोवेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1978'- अनुभाग 30 वरवीं (1-8-1979 सावन) उपकलम (3), उपकलम (4), उपकलम (5) आनी उपकलम (6) च्या सुवातांचेर घालें.
- 53. 'संविधान (चोवेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1979'- अनुभाग 30 वरवीं (1-8-1979 सावन) उपकलम (7) अ उपकलम (4) च्या रूपांत नवो संख्यांक दिलो.
- 54. 'संविधान (बेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1976'- अनुभाग 39 वर्रवीं (1-2-1977 सावन) घालें.
- 55. उपकलम (1), 'संविधान (बेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1976'- अनुभाग 40 वरवीं (1-2-1977 सावन आनी उपरांत 'संविधान (चोवेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1978'- अनुभाग 31 वरवीं (20-6-1979 सावन) बदल जावन वयल्या रूपांत आयलें.
- 56. 'संविधान (बेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1976.' अनुभाग 40 वरवीं (1-2-1977 सावन) उपकलम (7) घालें आनी संविधान (चोवेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1978'- अनुभाग 31 वरवीं (20-6-1979 सावन) निरसीत केलें.
- 57. 'संविधान (बेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1976'- अनुभाग 41 वरवीं (1-2-1977 सावन) मूळ मजकुराचे सुवातेर घालें.
- 58. 'संविधान (त्रेचाळिसावो बदल) अधिनियम 1977'- अनुभाग 9 वर्रवीं (13-4-1978 सावन) 'कलम 131 च्या उपबंधांचे अधीनतायेन' हो मजकूर निरसीत केलो.
- 59. 'संविधान (बेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1976' -अनुभाग 42 वर्रवीं (1-2-1977 सावन) घालें.
- 60. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम 1956'- अनुभाग 29 आनी अनुसुचयेवरवीं 'जातूंत न्यायालयाक मुख्य सुवात आसा' हो मजकूर निरसीत केलो.
- 61. कित्तो.
- 62. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956'- अनुभाग 16 वरवी कलम 230, 231, आनी 232 हांचे सुवातेर घालें.
- 63. 'संविधान (वीसावो बदल) अधिनियम 1966'- अनुभाग 2 वरवीं घालें.

PART - VII

238. [Repealed.]

[The States in Part B of the First Schedule]. Rep. by the Constitution (Seventh Amendment) Act,

PART - VIII

'[THE UNION TERRITORIES]

- **[239. Administration of Union territories.** (1) Save as otherwise provided by Parliament by law, every Union territory shall be administered by the President acting, to such extent as he thinks fit, through an administrator to be appointed by him with such designation as he may specify.
- (2) Notwithstanding anything contained in Part VI, the President may appoint the Governor of a State as the administrator of an adjoining Union territory, and where a Governor is so appointed, he shall exercise his functions as such administrator independently of his Council of Ministers.
- ³[239A. Creation of local Legislatures or Council of Ministers or both for certain Union territories. (1) Parliament may by law create ²[for the Union territory of Pondicherry]-
 - (a) A body, whether elected or partly nominated and partly elected, to function as a Legislature for the Union territory, or
 - (b) A Council of Ministers,
 - Or both with such constitution, powers and functions, in each case, as may be specified in the law.
- (2) Any such law as is referred to in clause (1) shall not be deemed to be an amendment of this Constitution for the purposes of article 368 notwithstanding that it contains any provision which amends or has the effect of amending this Constitution.]
- ⁸ [239AA. Special provisions with respect to Delhi. (1) As from the date of commencement of the Constitution (Sixty-ninth Amendment) Act, 1991, the Union territory of Delhi shall be called the National Capital Territory of Delhi (hereafter in this Part referred to as the National Capital Territory) and the administrator thereof appointed under article 239 shall be designated as the Lieutenant Governor.
- (2) (a) There shall be a Legislative Assembly for the National Capital Territory and the seats in such Assembly shall be filled by members chosen by direct election from territorial constituencies in the National Capital Territory.
 - (b) The total number of seats in the Legislative Assembly, the number of seats reserved for Scheduled Castes, the division of the National Capital Territory into territorial constituencies (including the basis for such division) and all other matters relating to the functioning of the Legislative Assembly shall be regulated by law made by Parliament.

भाग - VII

238. [पयले अनुसुचयेच्या भाग (ख) मदलीं राज्यां] 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम 1953'— कलम 29 आनी अनुसूची हांचेवरवीं निरसीत केले.

भाग - VIII ¹[संघ राज्यक्षेत्रां]

- ²[239. संघ राज्यक्षेत्रांचें प्रशासन (1) संसदेन कायद्यावरवीं हेर तरेन उपबंधीत केल्लें आसत तितलें सोडून हेरशीं, राष्ट्रपती आपणांक योग्य दिसत अशे मर्यादेमेरेन, तो स्वता निर्दीश्ट करतलो अशा पदनामासयत ताणे नेमणूक करपाच्या प्रशासकावरवीं दरेका संघ राज्यक्षेत्राचें प्रशासन करतलो.
- (2) भाग 6 हातूंत किदेंय आस्पावीत आसलें तरी, राष्ट्रपतीच्यान एखाद्या राज्यपालाक शेजारच्या संघ राज्यक्षेत्राचो प्रशासक म्हूण नेमणूक करूं येता, आनी राज्यपाल हे प्रमाण नियुक्त जाला आसत ते संबंदीं, तो असो प्रशासक म्हूण आपणाल्या मंत्रिमंडळाबगर स्वतंत्रपणान आपणालीं कार्यां निभायतलो.
- ³[239क. थोड्या संघ राज्य क्षेत्रांखातीर थळाव्या विधानमंडळांची अथवा मंत्रिमंडळाची अथवा दोनांयची निर्मिती (1) संसदेच्यान कायद्यावरवीं ⁴ * * * ⁵ * * * ⁶[गोवा, दमण आनी दीव, ⁷[पांडिचेरी, मिझोरम आनी अरूणाचल प्रदेश] हांचेभितरल्या खंयच्याय संघ राज्यक्षेत्राखातीर
 - (क) त्या संघ राज्यक्षेत्राचें विधानमंडळ म्हूण कार्य करपाखातीर एखादो निकाय-मागीर तो वेंचून दिवपाचो आसूं अथवा अंशतायेन नामनिर्देशीत करपाचो अथवा अंशतायेन वेंचून दिवपाचो आसूं-,

अथवा

- (ख) एखादें मंत्रिमंडळ,
 - अथवा दोनूय घडोवं येता आनी दरेका संबंदांत, कायद्यांत विनिर्दीश्ट करतले अशी तांची घडण, अधिकार आनी कार्यां आसतलीं.
- (2) उपकलम (1) हातूंत निर्देशिल्ल्या अशा खंयच्याय कायद्यांत, ह्या संविधानाचो जो बदल करता अथवा जाकालागून परिणाम म्हूण ह्या संविधानांत बदल जाता असो कसलोय उपबंध आस्पावीत आसलो तरीय, तो कायदो कलम 368 च्या प्रयोजनाखातीर ह्या संविधानाचो बदल आसा अशें मानचे नात.
- ⁸[239कक. दिल्लीच्या संबंदांत खाशेले उपबंध (1) संविधान (एकोणसत्तरावो बदल) अधिनियम 1991चे सुरवातेसावन दिल्ली संघ राज्यक्षेत्राक राष्ट्रीय राजपाटण राज्यक्षेत्र (जाका ह्या भागांत हेफुडें राष्ट्रीय राजपाटण राज्यक्षेत्र म्हळां) अशें म्हणटले आनी 239व्या कलमाचे अधीनतायेन नेमिल्ल्या ताच्या प्रशासकाचें पदाभिधान उपराज्यपाल अशें आसतलें.
 - (2) (क) राष्ट्रीय राजपाटण राज्यक्षेत्राखातीर एक विधानसभा आसतली आनी अशे विधानसभेंतल्यो सुवातो राष्ट्रीय राजपाटण राज्यक्षेत्रांतल्या मतदार संघांतल्यान प्रत्यक्ष वेचणुकेवरवीं वेंचून आयिल्ल्या वांगड्यांकडल्यान भरतले.
 - (ख) विधानसभेंतल्या वांगङ्यांची वट्ट संख्या अनुसूचीत जातींखातीर सुवातांची संख्या राष्ट्रीय राजपाटण राज्यक्षेत्राचें प्रादेशीक मतदार. संघांनी विभाजन (जातूंत अशा विभाजनाचो आधार आसा) तशेंच विधान सभेच्या कार्यकरणाकडेन संबंदीत अशा सगल्या गजालींचें विनियमन, संसदेन केल्ल्या कायद्यावरवीं जातलें.

- (c) The provisions of articles 324 to 327 and 329 shall apply in relation to the National Capital Territory, Legislative Assembly of the National Capital Territory and the members thereof as they apply, in relation to a State, the Legislative Assembly of a State and the members thereof respectively; and any reference in articles 326 and 329 to "appropriate Legislature" shall be deemed to be a reference to Parliament.
- (3) (a) Subject to the provisions of this Constitution, the Legislative Assembly shall have power to make laws for the whole or any part of the National Capital Territory with respect to any of the matters enumerated in the State List or in the Concurrent List in so far as any such matter is applicable to Union territories except matters with respect to Entries 1, 2 and 18 of the State List and Entries 64, 65 and 66 of that List in so far as they relate to the said Entries 1, 2, and 18.
 - (b) Nothing in sub-clause (a) shall derogate from the powers of Parliament under this Constitution to make laws with respect to any matter for a Union territory or any part thereof.
 - (c) If any provision of a law made by the Legislative Assembly with respect to any matter is repugnant to any provision of a law made by Parliament with respect to that matter, whether passed before or after the law made by the Legislative Assembly, or of an earlier law, other than a law made by the Legislative Assembly, then, in either case, the law made by Parliament, or, as the case may be, such earlier law, shall prevail and the law made by the Legislative Assembly shall, to the extent of the repugnancy, be void:

Provided that if any such law made by the Legislative Assembly has been reserved for the consideration of the President and has received his assent, such law shall prevail in the National Capital Territory:

Provided further that nothing in this sub-clause shall prevent Parliament from enacting at any time any law with respect to the same matter including a law adding to, amending, varying or repealing the law so made by the Legislative Assembly.

(4) There shall be a Council of Ministers consisting of not more than ten per cent. of the total number of members in the Legislative Assembly, with the Chief Minister at the head to aid and advise the Lieutenant Governor in the exercise of his functions in relation to matters with respect to which the Legislative Assembly has power to make laws, except in so far as he is, by or under any law, required to act in his discretion:

Provided that in the case of difference of opinion between the Lieutenant Governor and his Ministers on any matter, the Lieutenant Governor shall refer it to the President for decision and act according to the decision given thereon by the President and pending such decision it shall be competent for the Lieutenant Governor in any case where the matter, in his opinion, is so urgent that it is necessary for him to take immediate action, to take such action or to give such direction in the matter as he deems necessary.

- (ग) कलम 324 सावन कलम 327 आनी कलम 329 चे उपबंध राष्ट्रीय राजपाटण राज्यक्षेत्र, राष्ट्रीय राजपाटण राज्यक्षेत्राची विधानसभा आनी तिच्या वांगड्यंच्या संबंदांत तेचतरेन लागू जातले जशे ते खंयचेंय राज्य, खंयच्याय राज्याची विधानसभा आनी तिच्या वांगड्यांच्या संबंदांत लागू जातात तशेंच कलम 326 आनी 329 हातूंत 'समुचित विधिमंडळाकडेन निदेशीत' संबंदांत अशें धरतले की तो निदेश संसदेक लेखून आसा
- (3) (क) ह्या संविधानाच्या उपबंधांचे अधीनताये भितर रावून, विधानसभेक राज्य वळेरेची नोंद 1, नोंद 2 आनी नोंद 18 सावन तशेंच ते वळेरेची नोंद 64, नोंद 65 आनी नोंद 66 सावन, जितलेमेरेन ताचो संबंद वयर सांगिल्ल्या नोंद 1, नोंद 2 आनी नोंद 18 हांचे कडेन आसत, थंय संबंदीत विशयांपरस वेगळे राज्य वळेरेंत अथवा समवर्ती वळेरेंत आस्पावीत खंयच्याय विशयाच्या संबंदांत, जितले मेरेन असलो खंयचोय विशय संघ राज्यक्षेत्रांक लागू जाता तेन्ना पुराय राष्ट्रीय राजपाटण राज्यक्षेत्राखातीर अथवा ताच्या खंयच्याय भागाखातीर कायदो करपाचो अधिकार आसतलो.
 - (ख) उप-उपकलम (क) हातूंतली खंयचीच गजाल, संघराज्यक्षेत्र अथवा ताच्या खंयच्याय भागाखातीर खंयच्याय विशयांत ह्या संविधानाचे अधीन रावून कायदो करपाच्या संसदेच्या अधिकाराचे अल्पीकरण जावंचे ना.
 - (ग) जर विधानसभेन खंयच्याय विशयाच्या संबंदांत केल्ल्या कायद्याचो संबंद संसदेन त्या विशयांत केल्ल्या खंयच्याय कायद्याकडेन येता आसत, मागीर तो विधानसभेन पास केल्ल्या कायद्याचे पयली अथवा मागीर पास केल्लो आसूं, अथवा खंयच्याय पूर्ववत कायद्याच्या संबंधांत संसदेचो कायदो विधानसभेच्या कायद्यापरस वेगळो आसत, आनी संसंदेच्या कायद्याचे विरुद्ध आसत, मागीर तो पयलीं पास केल्लो आसूं अथवा मागीर, अशा दोनाय स्थितींनी, संसदेन केल्लो कायदो अथवा असलो खंयचोय पूर्ववत कायदो प्रभावी थारतलो आनी विधानसभेन केल्लो कायदो त्या कायद्याच्या विरोधार्थाच्या संबंधामेरेन शून्य जातलो.

परंतु, विधान सभेवरवीं केल्ल्या असल्या खंयच्याय कायद्याक राष्ट्रपतीचे मान्यतायेखातीर जर आरक्षीत केल्लें आसत आनी ताका राष्ट्रपतीची मान्यताय मेळ्ळ्या आसत जाल्यार असलो कायदो राष्ट्रीय राजपाटण राज्याक्षेत्रांत प्रभावी थारतलो.

परंतु आनीक अशें की ह्या उपकलमांतली खंयचीय गजाल संसदेक, त्याच विशयाच्या संबंदांत खंयचीय कायदो, जाचे अंतर्गत असो कायदो आसा जो विधानसभेवरवीं अशे तरेन केल्ल्या कायद्याचेंच पुश्टीकरण, बदल, परिवर्तन वा निरसन करता, जाल्यार खंयच्याय वेळार अधिनियमीत करपापासून परावृत्त करची ना.

(4) ज्या गजालींनी खंयच्याय कायद्यावरवीं अथवा ताचे अधीनतायेन उप-राज्यापालाकडल्यान अशें अपेक्षीत आसा की ताणें आपणाल्या विव्कानुसार कार्य करचें त्यो गजाली सोडून उप-राज्यपालाक, त्या विशयांच्या संबंदांत जांचेबाबतीत विधानसभेक कायदो करपाचो अधिकार आसा, ताच्या कृत्यांचो प्रयोग करपांत पालव आनी सल्लो दिवपाखातीर एक मंत्रिमंडळ आसतलें जें विधान सभेचे वट्ट वांगडी संख्येचे धा प्रतिशत संख्येपरस चड न्हय इतल्या वांगड्यांचे मेळून जातलें, जाचो प्रमुख हो मुख्यमंत्री आसतलो :

परंतु, उप-राज्यपाल आनी ताचे मंत्री हांचेमदीं खंयच्याय विशयासंबंदीं मतभेद उप्रासलो जाल्यार उपराज्यापाल तो विशय सुटावो करपाखातीर राष्ट्रपतीन ताचेर दिल्ल्या निर्णयाप्रमाण कार्य करतलो तशेंच असो निर्णय जायमेरेन उप-राज्यपाल खंयचेय असले गजालींत, जंय तो विशय, ताच्या मतान इतलो गरजेचो आसा जाकालागून ताकतिकेन कारवाय करप ताचेखातीर सामके आवश्यक आसा थंय, त्या विशयांत अशी कारवाय करपाखातीर अथवा असो निदेश दिवपाखातीर, तो गरजेचे अशे धरीत, तेन्ना सक्षम आसतलो.

- (5) The Chief Minister shall be appointed by the President and the other Ministers shall be appointed by the President on the advice of the Chief Minister and the Ministers shall hold office during the pleasure of the President.
 - (6) The Council of Ministers shall be collectively responsible to the Legislative Assembly.
- ⁹[(7) (a)] Parliament may, by law, make provisions for giving effect to, or supplementing the provisions contained in the foregoing clauses and for all matters incidental or consequential thereto.
 - ¹⁰[(b) Any such law as is referred to in sub-clause (a) shall not be deemed to be an amendment of this Constitution for the purposes of article 368 notwithstanding that it contains any provision which amends or has the effect of amending, this Constitution.]
- (8) The provisions of article 239B shall, so far as may be, apply in relation to the National Capital Territory, the Lieutenant Governor and the Legislative Assembly, as they apply in relation to the Union territory of Pondicherry, the administrator and its Legislature, respectively; and any reference in that article to "clause (1) of article 239A" shall be deemed to be a reference to this article or article 239AB, as the case may be.
- **239AB.** Provision in case of failure of constitutional machinery. If the President, on receipt of a report from the Lieutenant Governor or otherwise, is satisfied-
 - (a) That a situation has arisen in which the administration of the National Capital Territory cannot be carried on in accordance with the provisions of article 239AA or of any law made in pursuance of that article; or
 - (b) That for the proper administration of the National Capital Territory it is necessary or expedient so to do,

The President may by order suspend the operation of any provision of article 239AA or of all or any of the provisions of any law made in pursuance of that article for such period and subject to such conditions as may be specified in such law and make such incidental and consequential provisions as may appear to him to be necessary or expedient for administering the National Capital Territory in accordance with the provisions of article 239 and article 239AA.]

¹¹[239B. Power of administrator to promulgate Ordinances during recess of Legislature. — (1) If at any time, except when the Legislature of ¹[the Union territory of Pondicherry] is in session, the administrator thereof is satisfied that circumstances exist which render it necessary for him to take immediate action, he may promulgate such Ordinances as the circumstances appear to him to require:

Provided that no such Ordinance shall be promulgated by the administrator except after obtaining instructions from the President in that behalf:

Provided further that whenever the said Legislature is dissolved, or its functioning remains suspended on account of any action taken under any such law as is referred to in clause (1) of article 239A, the administrator shall not promulgate any Ordinance during the period of such dissolution or suspension.

- (5) मुख्यमंत्र्याची नेमणूक राष्ट्रपती करतलो आनी हेर मंत्र्यांची नेमणूक राष्ट्रपती, मुख्यमंत्र्याच्या सल्ल्यावेल्यान करतलो तशेंच मंत्री राष्ट्रपतीची मर्जी आससर आपणालीं पदां धारण करतले.
 - (6) मंत्रिमंडळ विधानसभेक समूहीक रितीन पाजसालदार आसतले.
- ⁹[(7) (क) संसद, पूर्वगामी उपकलमांक प्रभावी करपाखातीर, अथवा तातूंत आस्पावीत उपबंधांचे पूर्ततायेखातीर आनी तांच्या अनुशंगीक आनी परिणामी अशा सगल्या विशयाखातीर, कायद्यावरवीं, उपबंध करूं शकतली;
- ¹⁰[(ख) उपकलम (क) हातूंत निर्दीष्ट कायद्याक, कलम 368च्या प्रयोजनाखातीर ह्या संविधानाचो बदल तातूंत कसलोय असो उपबंध आस्पावीत आसा जो ह्या संविधानांत बदल करता, अथवा बदल केल्ल्याचो प्रभाव दवरता इतल्याच कारणावेल्यान तो बदल वर्तता अशें मानचे ना.
- (8) कलम 239 ख चो उपबंध, जांव येता, तितलेमेरेन, राष्ट्रीय राजपाटण राज्यक्षेत्र, उप-राज्यपाल आनी विधानसभेच्या संबंदांत तशेच तरेन लागू जाल्ले जशे ते पाँडिचेरी संघ राज्यक्षेत्र प्रशासक आनी ताचें विधानमंडळ हांच्या संबंदांत लागू जातात आनी त्या कलमांत 'कलम 239 क चें उपकलम (1)' हाचेकडल्या निर्देशाविशीं अशें मानतले की तो, ते ते स्थितीप्रमाण हें कलम अथवा कलम 239 कख हाचेकडेन निर्देश आसा.

239कख. संविधानीक वेवस्था निकामी जावपाचे स्थितीवेळार उपबंध – जर राष्ट्रपतीचें, उप-राज्यपालाचो अहवाल मेळ्ळेउपरांत अथवा हेर तरेन अशें समाधान जायत की -

- (क) अशी स्थिती उप्रासल्या जातूंत राष्ट्रीय राजपाला राज्यक्षेत्रांचें प्रशासन कलम 239 कक अथवा त्या कलमाक अनुसरून केल्ल्या खंयच्याय कायद्याच्या उपबंधांनुसार चलोवप शक्य ना; अथवा
- (ख) राष्ट्रीय राजधानी राज्यक्षेत्राच्या समुचीत प्रशासनान अशें करप योग्य अथवा गरजेचें आसा, जाल्यार राष्ट्रपतीच्यान, आदेशावरवीं, कलम 239 कक च्या खंयच्याय उपबंधाच्या अथवा त्या कलमाक अनुसरून केल्ल्या खंयच्याय कायद्याच्या सगल्या अशवा अमुकूच अशा उपबंधांचें लागू आसप अमुक अशा काळाखातीर आनी अशा अटींचे अधीनतायेन रावून ज्यो अशा कायद्यांत विनिर्दीश्ट करतले, निलंबीत करूं येता, तशेंच अशे अनुशंगीक आनी परिणामी उपबंध करूं शकतलो जे कलम 239 आनी कलम 239 कक हांच्या उपबंधांप्रमाण राष्ट्रीय राज्यपाटण राज्यक्षेत्राच्या प्रशासनाखातीर ताका आवश्यक अथवा योग्य दिसतीत.

¹¹[239ख. प्रशासकाचो विधानमंडळाच्या विरामकाळांत अध्यादेश प्रख्यापीत करपाचो अधिकार – कलम 239(क) उपकलम (1) हातूंत निर्दीश्ट केल्ल्या संघ राज्यक्षेत्राचें विधानमंडळ सत्रासीन आसत तेन्नाची गजाल सोडल्यार खंयच्याय वेळार, त्या संघ राज्यक्षेत्राच्या प्रशासकान तात्काळ कारवाय करप गरजेचें जावंचें अशी परिस्थिती अस्तित्वांत आसा अशी त्या प्रशासकाची खात्री जाली जाल्यार ताच्यान ते परिस्थितीक लागून गरजेचे दिसतात अशे अध्यादेश प्रख्यापीत कर्रूक येतातः

परंतु, असलो कसलोच अध्यादेश, प्रशासकान राष्ट्रपतीकडल्यान त्या संबंदांत अनुदेश मेळयलेबगर ताका प्रख्यापीत करूंक मेळचो ना.

परंतु, आनीक अशें की, जेन्ना जेन्ना वयलें विधानमंडळ विसर्जीत जाल्लें आसतलें अथवा ताचें कार्य कलम 239, उपकलम (1) हातूंत निर्दीश्ट केल्ल्या अशा खंयच्याय कायद्याखाला केल्ले कसलेय कारवायेक लागून स्थगीत जाल्लें आसतलें तेन्ना तेन्ना, प्रशासक अशा विसर्जनाच्या अथवा स्थगितीच्या कालावधींत कसलोच अध्यादेश प्रख्यापीत करचो ना.

- (2) An Ordinance promulgated under this article in pursuance of instructions from the President shall be deemed to be an Act of the Legislature of the Union territory which has been duly enacted after complying with the provisions in that behalf contained in any such law as is referred to in clause (1) of article 239A, but every such Ordinance-
 - (a) Shall be laid before the Legislature of the Union territory and shall cease to operate at the expiration of six weeks from the reassembly of the Legislature or if, before the expiration of that period, a resolution disapproving it is passed by the Legislature, upon the passing of the resolution; and
 - (b) May be withdrawn at any time by the administrator after obtaining instructions from the President in that behalf.
- (3) If and so far as an Ordinance under this article makes any provision which would not be valid if enacted in an Act of the Legislature of the Union territory made after complying with the provisions in that behalf contained in any such law as is referred to in clause (1) of article 239A, it shall be void.]

240. Power of President to make regulations for certain Union territories. — (1) The President may make regulations for the peace, progress and good government of the Union territory of-

- (a) The Andaman and Nicobar Islands;
- 13[(b) Lakshadweep;]
- ¹⁴[(c) Dadra and Nagar Haveli;]
- ¹⁵[(d) Goa Daman and Diu;]
- ¹⁶[(e) Pondicherry:]
- ¹⁷[(f) Mizoram:]
- ¹⁸[(g) Arunachal Pradesh:]

¹⁸[Provided that when any body is created under article 239A to function as a Legislature for the ¹⁹[Union territory of Goa, Daman & Diu, ²⁰[Pondicherry, Mizoram or Arunachal Pradesh]], the President shall not make any regulation for the peace, progress and good government of that Union territory with effect from the date appointed for the first meeting of the Legislature:]

²¹[Provided further that whenever the body functioning as a Legislature for the Union territory of ²²[Pondicherry, Mizoram or Arunachal Pradesh] is dissolved, or the functioning of that body as such Legislature remains suspended on account of any action taken under any such law as is referred to in clause (1) of article 239A, the President may, during the period of such dissolution or suspension, make regulations for the peace, progress and good government of that Union territory.]

- (2) राष्ट्रपतीच्या अनुदेशांप्रमाण ह्या कलमाखाला प्रख्यापीत केल्लो अध्यादेश हो कलम 239 क, उपकलम (1) हातूंत निर्दीश्ट केल्ल्या अशा खंयच्याच कायद्यांत तेसंबंदीं आस्पावीत आशिल्ल्या उपबंधांचें अनुपालन करून जो रीतसर अधिनियमीत केला असो संघ राज्यक्षेत्राच्या विधानमंडळाचो अधिनियम आसा अशें मानतले, परंतु असो दरेक अध्यादेश -
 - (क) संघ राज्यक्षेत्राच्या विधानमंडळामुखार दवरतले आनी विधानमंडळाचें सत्र पर्तून भरलेउपरांत स सप्तकां सोंपनाफुडें, अथवा तो कालावधी सोंपचेपयली तो अध्यादेश अमान्य करपी थाराव विधानमंडळान पास केल्यार तो थाराव पास जायनाफुडें तो अध्यादेश लागू आसपाचें बंद जातलें; आनी
 - (ख) हे संबंदांत राष्ट्रपतीकडल्यान अनुदेश मेळयलेउपरांत प्रशासकाच्यान खंयच्याय वेळार तो फाटीं घेवं येता -
- (3) कलम 239 क च्या उपकलम (1) हातूंत निर्दीश्ट केल्ल्या अशा खंयच्याय कायद्यांत तेसंबंदीं आस्पावीत आशिल्ल्या उपबंधांचें अनुपालन करून केल्ल्या संघ राज्यक्षेत्राच्या विधानमंडळाच्या अधिनियमांत आस्पावीत केल्यार जो कायदेशीर जावंचो ना असो कसलोय उपबंध ह्या कलमाखालच्या अध्यादेशांत केल्लो आसत जाल्यार आनी तितलेमेरेन, तो अध्यादेश शून्य आसतलो.

12(4) *

240. राष्ट्रपतीचो थोड्या संघ राज्यक्षेत्रांखातीर विनियम करपाचो अधिकार - (1) राष्ट्रपतीच्यान -

- (क) अंदमान आनी निकोबार जुंवे;
- ¹³[(ख) लक्षद्वीप;]
- 14[(ग) दादरा आनी नगरहवेली;]
- ¹⁵[(घ) गोवा, दमण आनी दीव;] कि कार्य प्रकार कार्य के कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य
- ¹⁶[(ङ) पॉंडिचेरी;]
- ¹⁷[(च) मिझोरम;]
- [(छ) अरूणाचल प्रदेश]

ह्या संघराज्यक्षेत्रांनी शांतताय आसची आनी तांची उदरगत जांवची आनी तांचें शासन सुरळीत जांवचें हे खातीर विनियम करूं येतात:

¹⁸[परंतु, जेन्ना कलम 239 क खाला ¹⁹[गोवा, दमण आनी दीव, ²⁰[पाँडिचेरी, मिझोरम, अथवा अरूणाचल प्रदेश] ह्या संघ राज्यक्षेत्रांखातीर] विधानमंडळ म्हूण कार्य करपाखातीर कसलोय निकाय निर्मितले तेन्ना राष्ट्रपती, त्या संघ राज्यक्षेत्रांत शांतताय उरची आनी ताची उदरगत जावंची आनी ताचें शासन सुरळीत जावंचे हेखातीर विधानमंडळाचे पयले समेखातीर, थारायल्ले तारकेक आनी तेन्नाच्यान परिणामक जावपी असो कसलोच विनियम करचो ना.]

²¹[परंतु, आनीक अशें की, जेन्ना केन्नातरी गोवा, दमण आनी दीव ²²[पाँडिचेरी, मिझोरम अथवा अरूणाचल प्रदेश] ह्या संघ राज्यक्षेत्राचें विधानमंडळ म्हूण कार्य करपी निकाय विसर्जीत जातलो अथवा त्या निकायाचें अशा विधानमंडळाच्या नात्यान आशिल्लें कार्य, कलम 239 क च्या उपकलम (1) हातूंत निर्दीश्ट केल्ल्या अशा खंयच्याय कायद्याखाला केल्ले कसलेय कारवायेक लागून स्थगीत जातलें तेन्ना तेन्ना राष्ट्रपतीच्यान अशा विसर्जनाच्या अथवा स्थिगितीच्या कालावधींत, त्या संघ राज्यक्षेत्रांत शांतताय उरची आनी ताची उदरगत जांवची आनी ताचें शासन स्ररळीत जांवंचे हेखातीर विनियम करूं येता.]

- (2) Any regulation so made may repeal or amend any Act made by Parliament or ²³[any other law] which is for the time being applicable to the Union territory and, when promulgated by the President, shall have the same force and effect as an Act of Parliament which applies to that territory.]
- **241. High Courts for Union territories.** (1) Parliament may by law constitute a High Court for a ²⁴[Union territory] or declare any court in any ²⁵[such territory] to be a High Court for all or any of the purposes of this Constitution.
- (2) The provisions of Chapter V of Part VI shall apply in relation to every High Court referred to in clause (1) as they apply in relation to a High Court referred to in article 214 subject to such modifications or exceptions as Parliament may by law provide.
- ²⁶[(3) Subject to the provisions of this Constitution and to the provisions of any law of the appropriate Legislature made by virtue of powers conferred on that Legislature by or under this Constitution, every High Court exercising jurisdiction immediately before the commencement of the Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, in relation to any Union territory shall continue to exercise such jurisdiction in relation to that territory after such commencement.
- (4) Nothing in this article derogates from the power of Parliament to extend or exclude the jurisdiction of a High Court for a State to, or from, any Union territory or part thereof.]
 - 242. [Coorg.]. Rep. by the Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s. 29 and Sch.

(Part -VIII) (Union Territories) (Notes)

- 1. Subs. by Constitution (Seventh Amendment) Act, 1953 s.17 for the words 'States in part (A)of the First Schedule
- 2. Subs. by s. 17, ibid., for arts. 239 and 240.
- 3. Ins. by the Constitution (Fourteenth Amendment) Act, 1962, s. 4.
- 4. The words "Himachal Pradesh" Omitted by Himachal Pradesh State (Reorganisation) Act, 1970 s.46 (w.e.f 25-1-1971)
- 5. The words "Manipur, Tripura" Omitted by North Eastern Area (Reorganisation) Act, 1971 s.71 (w.e.f. 21-1-1972)

- (2) हेप्रमाण केल्ल्या कसल्याय नेमावरवीं त्या संघ राज्यक्षेत्रांक त्या त्या काळांत लागू आसतलो असो संसदेन केल्लो कसलोय अधिनियम अथवा ²³[हेर कसलोय कायदो] हाचें निरसन अथवा ताचो बदल करूं येता आनी तो विनियम राष्ट्रपतीकडल्यान प्रख्यापीत जातलो तेन्ना, त्या राज्यक्षेत्राक लागू आशिल्ल्या संसदीय अधिनियमाइतलोच प्रभावी आनी परिणामक जातलो.]
- 241. संघ राज्यक्षेत्रांखातीर उच्च न्यायालय (1) संसदेच्यान कायद्यावरवीं ²⁴[एखाद्या संघ राज्यक्षेत्राखातीर] उच्च न्यायालय घडोवं येता अथवा ²⁵[अशा खंयच्याय राज्यक्षेत्रांतलें] खंयचेंय न्यायालय ह्या संविधानाच्या सगल्या अथवा तातूंतल्या खंयच्याय प्रयोजनाखातीर उच्च न्यायालय आसा अशें घोशीत करूं येता.
- (2) भाग-6 प्रकरण-5 हाचे उपबंध हे कलम 214 हातूंत निर्देशिल्ल्या उच्च न्यायालयाच्या संबंदांत जशे लागू जातात, तशे ते संसद कायद्यावरवीं उपबंधीत करतली अशीं आपरिवर्तनां अथवा आडवाद हांचेसयत, उपकलम (1) हातूंत निर्देशिल्ल्या दरेका उच्च न्यायालयाच्या संबंदांत लागू आसतले.
- ²⁶[(3) ह्या संविधानाचे उपबंध आनी समुचीत विधानमंडळान ह्या संविधानावरवीं अथवा ताचेखाला त्या विधानमंडळाक प्रदान केल्ल्या अधिकाराच्या आधारान केल्ल्या खंयच्याय कायद्याचे उपबंध हांचे अधीनतायेन, 'संविधान (सातवो बदल) अधीनियम, 1956' हांच्या आरंभाचे निकटपूर्व खंयच्याय संघराज्यक्षेत्राच्या संबंदांत अधिकारिताय वापरपी दरेक उच्च न्यायालय त्या राज्यक्षेत्राच्या संबंदांत अशा आरंभाउपरांत असो अधिकारितायेचो वापर चालूच दवरतलें.
- (4) ह्या कलमांतले खंयचेच गजालीक लागून, राज्याच्या उच्च न्यायालयाची अधिकारिताय खंयच्याच संघ राज्यक्षेत्राचेर अथवा ताच्या खंयच्याच भागाचेर विस्तारीत करपाच्या अथवा ताचेपसून वर्जीत करपाच्या संसदेच्या अधिकाराक उणो करीना.]
- 242. [कूर्ग.] 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम 1956'- अनुभाग 29 आनी अनुसूची हांचे वरवीं निरसीत केले.

(भाग - VIII) (संघ राज्यक्षेत्रां) (टिपो)

- 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1953'. अनुभाग 17 वरवीं 'पयले अनुसुचयेचो भाग (क) हातूंतलीं राज्यां' ह्या मजकुराचे सुवातेर घालें.
- 2. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956'. अनुभाग 17 वरवीं मूळ कलम 239 आनी कलम 240 हाचे सुवातेर घालें.
- 3. 'संविधान (चवदावो बदल) अधिनियम, 1962'- अनुभाग 4 वरवीं घालें.
- 4. 'हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970'- अनुभाग 46 वरवीं (25-1-1971 सावन) 'हिमाचल प्रदेश' हीं उतरां निरसीत केलीं.
- 5. 'पूर्वोत्तर क्षेत्र (पुंनर्गठन) आधिनियम, 1971' अनुभाग 71 वरवीं (21-1-1972 सावन) 'मणिपूर, त्रिपुरा' ही उतरां निरसीत केलीं.

- 6. Subs. by Constitution (Twenty Seventh Amendment) Act, 1975 s.2 (w.e.f. 15-2-1972) for the words 'Goa Daman & Diu' and Pondichery.
- 7. Subs. by Constitution (Thirty Seventh Amendment) Act, 1975 s.2 for the words Pondichery and Mizoram.
- 8. Ins. by the Constitution (Sixty-ninth Amendment) Act, 1991, s. 2 (w.e.f. 1-2-1992).
- 9. Subs. by the Constitution (Seventieth Amendment) Act, 1992, s.3, for 4(7)" (w.e.f. 21-12-1991).
- 10. Ins. by s. 3, ibid. (w.e.f. 21-12-1991).
- 11. Ins. by Constitution (Twenty Seventh Amendment) Act, 1971 s.3 (w.e.f. 30-12-1971)
- 12. Cl. (4) was ins by the Constitution (Thirty-eighth Amendment) Act, 1975, s. 4 (retrospectively) and omitted by the Constitution(Forty-fourth Amendment) Act, 1978, s. 32 (w.e.f. 20-6-1979).
- 13. Subs. by the Laccadive, Minicoy and Aminidivi Islands Alteration of Name) Act, 1973 (34 of 1973), s. 4, for entry (b) (w.e.f. 1-11-1973).
- 14. Ins. by the Constitution (Tenth Amendment) Act, 1961, s. 3.
- 15. Subs. by the Goa, Daman and Diu Reorganisation Act, 1987 (18 of 1987), s. 63, for entry (d) (w.e.f. 30-5-1987). Entry (d) was ins. by the Constitution (Twelfth Amendment) Act, 1962, s. 3.
- 16. Ins. by the Constitution (Fourteenth Amendment) Act, 1962, ss. 5 and 7 (w.e.f. 16-8-1962).
- 17. Subs. by the Constitution (Twenty-seventh Amendment) Act, 1971, s. 4, for "Union territory of Goa, Daman and Diu or Pondicherry" (w.e.f. 15-2-1972).
- 18. Ins. by the Constitution (Fourteenth Amendment) Act, 1962, s. 5.
- 19. Subs. by s. 4, ibid., for "any existing law" (w.e.f. 15-2-1972).
- 20. Subs. by Constitution (Twenty Seventh Amendment) Act, 1975 s.3 for words "Pondichery or Mizoram".
- 21. Ins. by the Constitution (Twenty-seventh Amendment) Act, 1971, s. 4 (w.e.f. 15-2-1972).
- 22. Subs. by (Thirty Seventh Amendment) Act, 1975, s.3 for the words "Pondichery or Mizoram".
- 23. Subs. by Constitution (Twenty Seventh Amendment) Act, 1971 s.4 (w.e.f. 15-2-1972) for the words "any law existing for the time being".
- 24. The words and letters "specified in Part A of the First Schedule" omitted by the Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s. 29 and Sch.
- 25. The words and letters "specified in Part A or Part B of the First Schedule" omitted by the Constitution (Seventh Amendment) Act; 1956, s. 29 and Sch.
- 26. The words and letters "specified in Part A or Part B of the First Schedule" omitted by the Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s. 29 and Sch.

- 6. 'संविधान (सत्ताविसावो बदल) अधिनियम, 1975'. अनुभाग 2 वरवीं (15-2-1972 सावन) 'गोवा, दमण आनी दीव, आनी पाँडिचेरी' ह्या उतरांचे सुवातेर घालें.
- 7. 'संविधान (सात्तिसावो बदल) अधिनियम, 1975 अनुभाग 2 वरवीं 'पाँडिचेरी आनी मिझोरम' हांचे सुवातेर धालें.
- 8. संविधान (एकोणसत्तरावो बदल) अधिनियम, 1991, अनुभाग 2 वरवीं (1-2-1992 सावन) अंतःस्थापीत
- 9. संविधान (सत्तरावो बदल) अधिनियम, 1992, अनुभाग 3 वरवीं (21-12-1991 सावन) '(7)' चे सुवातेर प्रतिस्थापीत केलें.
- 10. संविधान (सत्तरावो बदल) अधिनियम, 1992, अनुभाग 3 वरवीं (21-12-1991) अंतःस्थापीत केलें.
- 11. 'संविधान (सत्ताविसावो बदल) अधिनियम, 1971 अनुभाग 3 वरवीं (30-12-1971 सावन) घालें.
- 12. 'संविधान (आडटिसावो बदल) अधिनियम, 1975' अनुभाग 4 वरवीं (फाटले तारकेन लागू) उपकलम (4) घालें आनी तें 'संविधान (चोवेचाळिसावों बदल) अधिनियम, 1978'- अनुभाग 32 वरवीं (20-6-1979 सावन) निरसीत केलें.
- 13. 'लखदीप, मिनिकोंय आनी अमिनदिवी जुंवें (नामांतर) अधिनियम, 1973.' अनुभाग 4 वरवीं '(ख) लखदीप, मिनीकॉय आनी अमिनदिवी जुंवे' ह्या मजकुराचे सुवातेर घालें (01-11-1973 दिसा आनी तेन्नासावन).
- 14. 'संविधान (धावो बदल) अधिनियम, 1961' अनुभाग 3 वरवीं घालें.
- 15. 'संविधान (बारावो बदल) अधिनियम, 1962' अनुभाग 3 वरवीं घालें.
- 16. 'संविधान (चवदावो बदल) अधिनियम, 1962' अनुभाग 5 आनी अनुभाग 7 वरवीं (16-8-1962 सावन) घालें
- 17. 'संविधान (सत्ताविंसावो बदल) अधिनियम, 1971 अनुभाग 4 वरवीं (15-2-1972 सावन) घालें.
- 18. 'संविधान (चवदावो बदल) अधिनियम, 1962 अनुभाग 5 वरवीं घालें.
- 19. 'संविधान (सत्ताविसावो बदल) अधिनियम, 1971'- अनुभाग 4 वरवीं (15-2-1972 सावन)' गोवा, दमण आनी दीव अथवा पाँण्डिचेरी अथवा मिझोरम' संघ राज्यक्षेत्र ह्या उतरांचे सुवातेर घालें.
- 20. संविधान (सत्ताविसावो बदल) अधिनियम 1975 अनुभाग 3 वरवीं 'पॉण्डिचेरी अथवा मिझोरम' ह्या उतरांचे सुवातेर घालें.
- 21. 'संविधान (सत्ताविसावो बदल) अधिनियम, 1971'- अनुभाग 4 वरवीं (15-2-1972 सावन) घालें.
- 22. 'संविधान (सात्तिसावो बदल) अधिनियम, 1975'- अनुभाग 3 वरवीं 'पाँण्डिचेरी अथवा मिझोरम' ह्या उतरांचे सुवातेर घालें.
- 23. 'संविधान (सत्ताविसावो बदल) अधिनियम, 1971'- अनुभाग 4 वरतीं (15-2-1972 सावन)' खंयचोय अस्तित्वांत आशिल्लो कायदो ' ह्या उतरांचे सुवातेर घालें.
- 24. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956' अनुभाग 29 आनी अनुसूचयें वरवी' 'पयले अनुसुचयेचो भाग (क) हातूंत उल्लेखिल्ल्या एखाद्या राज्याखातीर' ह्या मजकुराचे सुवातेर घालें.
- 25. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956'- अनुभाग 29 आनी अनुसुचये वरवीं 'अशा खंयच्याय राज्यांतलें ' ह्या उतरांचे सुवातेर घालें.
- 26. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम 1956'- अनुभाग 29 आनी अनुसुचयेवरवीं मूळ उपकलम (3) आनी उपकलम (4) हांचे सुवातेर घालें.

PART - IX

THE PANCHAYATS

- **243. Definitions.** In this Part, unless the context otherwise requires,
 - (a) "District" means a district in a State;
- (b) "Gram Sabha" means a body consisting of persons registered in the electoral rolls relating to a village comprised within the area of Panchayat at the village level;
- (c) "Intermediate level" means a level between the village and district levels specified by the Governor of a State by public notification to be the intermediate level for the purposes of this Part;
- (d) "Panchayat" means an institution (by whatever name called) of self-government constituted under article 243B, for the rural areas;
 - (e) "Panchayat area" means the territorial area of a Panchayat;
- (f) "Population" means the population as ascertained at the last preceding census of which the relevant figures have been published;
- (g) "Village" means a village specified by the Governor by public notification to be a village for the purposes of this Part and includes a group of villages so specified.
- **243A. Gram Sabha.** A Gram Sabha may exercise such powers and perform such functions at the village level as the Legislature of a State may, by law, provide.
- **243B. Constitution of Panchayats.** (1) There shall be constituted in every State, Panchayats at the village, intermediate and district levels in accordance with the provisions of this Part.
- (2) Notwithstanding anything in clause (1), Panchayats at the intermediate level may not be constituted in a State having a population not exceeding twenty lakhs.
- **243C.** Composition of Panchayats. (1) Subject to the provisions of this Part, the Legislature of a State may, by law, make provisions with respect to the composition of Panchayats:

Provided that the ratio between the population of the territorial area of a Panchayat at any level and the number of seats in such Panchayat to be filled by election shall, so far as practicable, be the same throughout the State.

(2) All the seats in a Panchayat shall be filled by persons chosen by direct election from territorial constituencies in the Panchayat area and, for this purpose, each Panchayat area shall be divided into territorial constituencies in such manner that the ratio between the population of each constituency and the number of seats allotted to it shall, so far as practicable, be the same throughout the Panchayat area.

भाग - IX पंचायती

- 243. व्याख्या जोंवेर संदर्भाप्रमाण हेर तरेन अपेक्षीत नासत तोंवेर, ह्या भागांत, -
 - (क) 'जिल्हो' म्हळ्यार खंयच्याय राज्यांतो एक जिल्हो असो अर्थ;
- (ख) 'ग्राम सभा' म्हळ्यार गांव पांवङ्याचेर पंचायत क्षेत्राभितर आस्पाविल्ल्या खंयच्याय गांवांकडेन संबंदीत मतदार वळेरेंत नोंदणीकृत व्यक्तींचें मेळून जाल्लें मंडळ;
- (ग) 'मध्यवर्ती स्तर' म्हळ्यार जिल्हो पावंड्याचे मदलो असो स्तर जाका खंयच्याय राज्याचो राज्यपाल, ह्या भागाच्या प्रयोजनाखातीर, भौशीक अधिसुचोवणेवरवीं, मध्यवर्ती स्तराच्या रूपान विनिर्दीश्ट करतलों,
- (घ) 'पंचायत' म्हळ्यार गांवगिज्या वाठारांखातीर कलम 243 ख चे अधीनतायेन घडयल्ल्या स्वायत्त स्वयं-सरकाराची संस्था (तिका मागीर खंयच्याय नावान वळखूं येता.)
 - (ङ) 'पंचायत क्षेत्र' म्हळ्यार पंचायतीचो प्रादेशीक वाठार.
- (च) 'लोकसंख्या' म्हळ्यार अशे निमाणे पूर्ववर्ती जनगणनेंत अभिनिश्चीत केल्ली संख्या जिचे सुसंगत आंकडे उजवाडा आयल्यात.
- (छ) 'ग्राम' म्हळ्यार राज्यपालाकडल्यान ह्या भागाच्या प्रयोजनाखातीर, भौशीक अधिसुचोवणेवरवीं गांवांच्या रूपान विनिदीश्ट गांव आनी हाचे अंतर्गत अशे तरेन विनिदीश्ट केल्ल्या गांवांचो चोमोय आस्पावता.
- **243क. ग्राम सभा** ग्राम सभा, गांव पावंड्यार, राज्याचें विधानमंडळ, कायद्यावरवीं उपबंधीत करीत अशे अधिकार आनी कृत्यां चालीक लायतली.
- **243ख. पंचायतींची घडण** (1) दरेका राज्यांत, गांव, मध्यवर्ती आनी जिल्हो स्तराचेर ह्या भागाच्या उपबंधांनुसार पंचायतींची घडण करतले.
- (2) उपकलम (1) हातूंत किदेंय आसलें तरी मध्यवर्ती स्तराचेर त्या राज्यांत घडण जावंक पावंची ना ज्या राज्याची लोकसंख्या वीस लाखांपरस उणी आसा.
- **243ग. पंचायतींची रचणूक** (1) ह्या भागाच्या उपबधांचे अधीनतायेन,खंयच्याय राज्याच्या विधानमंडळाच्यान, कायद्यावरवीं, पंचायतींचे रचणुकेविशीं उपबंध करूं येतात.
- परंतु, खंयच्याय स्तराचेर पंचायतीच्या प्रादेशीक क्षेत्राचे जनसंख्येचें, अशे पंचायतींत वेंचणुके मार्फत भरतले त्या सुवातांचे संख्येचें प्रमाण पुराय राज्यांत शक्यतों समसमान आसचें.
- (2) खंयचेय पंचायतीचे सगले जागे, पंचायत वाठारांत मतदारसंघातल्यान प्रत्यक्ष वेंचणुकेवरवीं वेंचून आयिल्ल्या वांगडयांमार्फत भरतले आनी हया प्रयोजनाखातीर दरेका पंचायत क्षेत्राक प्रदेशीक मतदारसंघानी अशे रितीन विभाजीत करतले की दरेका मतदारसंघाची लोकसंख्या आनी वांटून दिल्ल्या सुवातांची संख्या हांचें प्रमाण सबंद पंचायत वाठारांत समसमान आसतलें.

- (3) The Legislature of a State may, by law, provide for the representation-
- (a) Of the Chairpersons of the Panchayats at the village level, in the Panchayats at the intermediate level or, in the case of a State not having Panchayats at the intermediate level, in the Panchayats at the district level;
- (b) Of the Chairpersons of the Panchayats at the intermediate level, in the Panchayats at the district level;
- (c) Of the members of the House of the People and the members of the Legislative Assembly of the State representing constituencies which comprise wholly or partly a Panchayat area at a level other than the village level, in such Panchayat:
- (d) Of the members of the Council of States and the members of the Legislative Council of the State, where they are registered as electors within-
 - (i) A Panchayat area at the intermediate level, in Panchayat at the intermediate level;
 - (ii) A Panchayat area at the district level, in Panchayat at the district level.
- (4) The Chairperson of a Panchayat and other members of a Panchayat whether or not chosen by direct election from territorial constituencies in the Panchayat area shall have the right to vote in the meetings of the Panchayats.
- (5) The Chairperson of— (a) A Panchayat at the village level shall be elected in such manner as the Legislature of a State may, by law, provide; and
 - (b) A Panchayat at the intermediate level or district level shall be elected by, and from amongst, the elected members thereof.

243D. Reservation of seats. — (1) Seats shall be reserved for-

- (a) The Scheduled Castes; and
- (b) The Scheduled Tribes,

In every Panchayat and the number of seats so reserved shall bear, as nearly as may be, the same proportion to the total number of seats to be filled by direct election in that Panchayat as the population of the Scheduled Castes in that Panchayat area or of the Scheduled Tribes in that Panchayat area bears to the total population of that area and such seats may be allotted by rotation to different constituencies in a Panchayat.

- (2) Not less than one-third of the total number of seats reserved under clause (1) shall be reserved for women belonging to the Scheduled Castes or, as the case may be, the Scheduled Tribes.
- (3) Not less than one-third (including the number of seats reserved for women belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) of the total number of seats to be filled by direct election in every Panchayat shall be reserved for women and such seats may be allotted by rotation to different constituencies in a Panchayat.
- (4) The offices of the Chairpersons in the Panchayats at the village or any other level shall be reserved for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and women in such manner as the Legislature of a State may, by law, provide:

- (3) खंयच्याय राज्याच्या विधिमंडळाच्यान कायद्यावरवीं-
 - (क) ग्राम स्तराचेर पंचायतींच्या अध्यक्षांचे मध्यवर्ती पांवड्याचेर पंचायतींनी;
 - (ख) मध्यवर्ती स्तराचेर पंचायतींच्या अध्यक्षांचे जिल्हो स्तराचेर पंचायतींनी;
- (ग) लोकसभेच्या अशा वांगड्यांचें आनी राज्याचे विधानसभेच्या अशा वांगड्याचें जे त्या मतदार संघाचे प्रतिनिधीत्व करतात जातूंत गांव पांवड्यावेल्यापरस वेगळया पावंड्याचेर खंयचेय पंचायत क्षेत्र पुरायेन अथवा अंशतायेन आस्पावीत आसा, अशे पंचायतींत;
 - (घ) राज्यसभा वांगड्यांचें आनी राज्य विधान परिशदेच्या वांगड्यांचें जंय ते-
- (i) मध्यवर्ती स्तराचेर खंयच्याय पंचायत क्षेत्राभितर मतदारांच्या रूपान नोंदणीकृत आसात, मध्यमवर्ती स्तराचेर पंयायतींत;
- (ii) जिल्हो स्तराचेर खंयच्याय पंचायत क्षेत्राभितर मतदारांच्या रूपान नोंदणीकृत आसात, जिल्हो स्तराचेर पंचायतींत,

प्रतिनिधीत्व करपाखातीर उपबंध करूं शकतलें.

- (4) खंयचेय पंचायतीचो अध्यक्ष आनी खंयचेय पंचायतीचे असले हेर वांगडी हांकां, मागीर ते पंचायत क्षेत्रांत प्रादेशीक मतदार-संघातल्यान प्रत्यक्ष वेंचणुकेवरवीं वेंचून आयिल्ले आसूं अथवा नासूं, पंचायतींच्या अधिवेशनांनी मत दिवपाचो अधिकार आसतलो.
- (5) (क) गांव स्तराचेर खंयचेय पंचायतीच्या अध्यक्षाची वेंचणूक ही राज्याच्या विधानमंडळान, कायद्यावरवीं उपबंधीत केल्या आसत अशे रितीन करतले, आनी
 - (ख) मध्यवर्ती स्तराचेर अथवा जिल्हो स्तराचेर खंयचेय पंचायतीच्या अध्यक्षाची वेंचणी तिच्या वेंचून आयिल्ल्या वांगड्यांवरवीं आपलेभितर करतले.

243 घ. जाग्यांचें आरक्षण - (1) दरेके पंयायतींत-

- (क) अनुसूचीत जाती; आनी
- (ख) अनुसूचीत जनजाती,

हांचेखातीर सुवातो (आरक्षीत) आसतल्यो आनी अशे तरेन आरक्षीत जाग्यांचे संख्येचें प्रमाण तशेंच आसतलें जें त्या पंचायत क्षेत्रांत अनूसूचीत जातींचे अथवा त्या पंचायत क्षेत्रांत अनुसूचीत जनजातींचे संख्येचें प्रमाण त्या क्षेत्राचे वट्ट जनसंख्येच्या संदर्भांत आसा आनी अशे जागे खंयचेय पंचायतींत वेगळया वेगळया मतदार संघांक चक्रानुक्रमान वांटून दिवं येतले.

- (2) उपकलम (1) चे अधीनतायेन आरक्षीत जाग्यांची वट्ट संख्या उण्यांत उणी एक-तृतीयांश जागे, ते ते स्थितीप्रमाण, अनुसूचीत जातींतल्या अथवा अनुसूचीत जनजातींतल्या बायलांखातीर आरक्षीत आसतले.
- (3) दरेके पंचायतींत प्रत्यक्ष वेंचणुकेवरवीं भरतले त्या जाग्यांचे वट्ट संख्येचे उण्यांत उणे एक-तृतीयांश जागे (जाचेभितर अनुसूचीत जातींच्या आनी अनुसूचीत जनजातींतल्या बायलांखातीर आरक्षीत जाग्यांची संख्याय आस्पावता) बायलांखातीर आरक्षीत आसतले आनी अशे जागे खंयचेय पंचायतींत वेगळया-वेगळया मतदार संघांक चक्रानुक्रमान वांटून दिवंक मेळूं शकतले.
- (4) गांव वा हेर खंयच्याय स्तराचेर पंचायतींनी अध्यक्षांचे जागे अनुसूचीत जाती, अनुसूचीत जनजाती आनी बायलांखातीर राज्याचें विधान-मंडळ कायद्यावरवीं उपबंधीत करीत अशे रितीन आरक्षीत आसतले;

Provided that the number of offices of Chairpersons reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in the Panchayats at each level in any State shall bear, as nearly as may be, the same proportion to the total number of such offices in the Panchayats at each level as the population of the Scheduled Castes in the State or of the Scheduled Tribes in the State bears to the total population of the State:

Provided further that not less than one-third of the total number of offices of Chairpersons in the Panchayats at each level shall be reserved for women:

Provided also that the number of offices reserved under this clause shall be allotted by rotation to different Panchayats at each level.

- (5) The reservation of seats under clauses (1) and (2) and the reservation of offices of Chairpersons (other than the reservation for women) under clause (4) shall cease to have effect on the expiration of the period specified in article 334.
- (6) Nothing in this Part shall prevent the Legislature of a State from making any provision for reservation of seats in any Panchayat or offices of Chairpersons in the Panchayats at any level in favour of backward class of citizens.
- **243E.** Duration of Panchayats, etc. (1) Every Panchayat, unless sooner dissolved under any law for the time being in force, shall continue for five years from the date appointed for its first meeting and no longer.
- (2) No amendment of any law for the time being in force shall have the effect of causing dissolution of a Panchayat at any level, which is functioning immediately before such amendment, till the expiration of its duration specified in clause (1).
 - (3) An election to constitute a Panchayat shall be completed-
 - (a) Before the expiry of its duration specified in clause (1):
 - (b) Before the expiration of a period of six months from the date of its dissolution:

Provided that where the remainder of the period for which the dissolved Panchayat would have continued is less than six months, it shall not be necessary to hold any election under this clause for constituting the Panchayat for such period.

- (4) A Panchayat constituted upon the dissolution of a Panchayat before the expiration of its duration shall continue only for the remainder of the period for which the dissolved Panchayat would have continued under clause (1) had it not been so dissolved.
- **243F. Disqualifications for membership.** (1) A person shall be disqualified for being chosen as, and for being, a member of a Panchayat-
 - (a) If he is so disqualified by or under any law for the time being in force for the purposes of elections to the Legislature of the State concerned:

परंतु, खंयच्याय राज्यांत दरेका स्तराचेर पंचायतींनी अनुसूचीत जातींखातीर आनी अनुसूचीत जनजातीखातीर आरक्षीत अध्यक्षांच्या पदांचे संख्येचें प्रमाण, दरेका स्तराचेर त्या पंचायतींनी अशा पदांचेर वट्ट संख्येच्या तशाच प्रमाणांत असातलें जें त्या राज्यांत अनुसूचीत जाती आनी अनुसूचीत जनजाती अथवा त्या राज्यांत अनुसूचीत जातींचीं अथवा जनजातींची लोकसंख्या हांचें प्रमाण त्या राज्यांचे वट्ट लोकसंख्येकडेन आसा;

परंतु आनीक अशे की दरेका स्तराचेर पंचायतींनी अध्यक्षांच्या पदांचे वट्ट संख्येच्या उण्यांत उणी एक तृतीयांश पदां बायलांखातीर आरक्षीत आसतलीं

परंतु आनीक अशें की ह्या उपकलमाचे अधीनतायेन आरक्षीत पदांची संख्या दरेका स्तराचेर विंगड विंगड पंचायतींक चक्रानुक्रमान वांटून दितले;

- (5) उपकलम (1) आनी उपकलम (2) हांचे अधिनतायेन जाग्यांचें आरक्षण आनी उपकलम (4) चे अधीनतायेन अध्यक्षांच्या पदांचे आरक्षण (जें बायलांखातीरच्या आरक्षणापरस वेंगळें आसा) कलम 334 हातूंत विनिर्दीष्ट अवधी सोपतकच लागू उरचें ना.
- (6) ह्या भागाची खंयचीच गजाल खंयच्याच राज्याच्या विधानमंडळाक मागाशिल्ल्या नागरिकांच्या खंयच्याच वर्गाचे बाबतींत खंयच्याच स्तराचेर खंयचेच पंचायतींतल्या जाग्यांच्या अथवा पंचायतीनीं अध्यक्षांच्या पदांच्या आरक्षणाखातीर कसलोय उपबंध करपापासून वंचीत करचीना.
- 243 ङ पंचायतींचो अवधी, इत्यादी— (1) दरेक पंचायत जर त्यावेळार विद्यमान कायद्याचे अधीनतायेन पयलींच विसर्जीत केल्ली नासत जाल्यार, आपणाले पयले बसकेखातीर थारायल्ले तारकेसावन पांच वर्सांमेरेन तशीच चालू उरतली, ताचेपरस चड काळ मात ना.
- (2) त्या त्या वेळार विद्यमान अशा खंयच्याय कायद्याच्या खंयच्याय बदलाक लागून खंयच्याय स्तराचेर अशे पंचायतीचें, जी अशा बदलाचे पयलीं कार्य करीत आसा तिचें उपकलम (1) हातूंत विनिर्दीश्ट अवधी सोंपमेरेन विसर्जन जावंचे ना.
 - (3) खंयचेय पंचायतीची घडण करचेखातीर वेंचणूक-
 - (क) उपकलम (1) हातूंत विनिर्दीश्ट तिच्या अवधीचे समाप्तेचे पयली;
 - (ख) तिच्या विसर्जनाचे तारकेच्यान स म्हयन्यांच्या अवधीचे समाप्तेचे पयलीं, पूर्ण करतले.

परंतु, जंय हो उरिल्लो अवधी, जाचेखातीर खंयचीय विसर्जीत पंचायत चालूच उरत, स म्हयन्यापरस उणो आसत थंय अशा अवधीखातीर ते पंचायतीची घडण करपाखातीर ह्या उपकलमाचे अधिनतायेन कसलीय वेंचणूक करून घेवप गरजेचे जावंचेंना.

- (4) खंयचेय पंचायतीच्या अवधीचे समाप्ते पयलीं ते पंचायतीच्या विसर्जनाचेर घडयल्ली खंयचीय पंचायत त्या अवधीच्या फकत उरिल्ल्या भागाखातीर चालू उरतली जाचेखातीर विसर्जीत पंचायत उपकलम (1) चे अधीनतायेन चालूच उरता, जर ती अशे तरेन घडीत केली ना जाल्यार.
- **243 च. वांगडीपणाखातीर अपात्रतायो** (1) खंयचीय व्यक्ती खंयचेय पंचायतीची वांगडी म्हूण वेंचून येवपाक आनी वांगडी जावंचेखातीर अपात्र जातली,
 - (क) जर ती सबंदीत राज्याच्या वेंचणुकांच्या प्रयोजनांखातीर त्यावेळार विद्यमान अशा खंयच्याय कायद्यावरवीं अथवा ताचे अधीनतायेन अशे तरेन अपात्र केल्ली आसाः

Provided that no person shall be disqualified on the ground that he is less than twenty-five years of age, if he has attained the age of twenty-one years;

- (b) If he is so disqualified by or under any law made by the Legislature of the State.
- (2) If any question arises as to whether a member of a Panchayat has become subject to any of the disqualifications mentioned in clause (1), the question shall be referred for the decision of such authority and in such manner as the Legislature of a State may, by law, provide.
- 243G. Powers, authority and responsibilities of Panchayats. Subject to the provisions of this Constitution, the Legislature of a State may, by law, endow the Panchayats with such powers and authority as may be necessary to enable them to function as institutions of self-government and such law may contain provisions for the devolution of powers and responsibilities upon Panchayats at the appropriate level, subject to such conditions as may be specified therein, with respect to-
 - (a) The preparation of plans for economic development and social justice:
 - (b) The implementation of schemes for economic development and social justice as may be entrusted to them including those in relation to the matters listed in the Eleventh Schedule.
- **243H. Powers to impose taxes by, and Funds of, the Panchayats.** The Legislature of a State may, by law, -
 - (a) Authorise a Panchayat to levy, collect and appropriate such taxes, duties, tolls and fees in accordance with such procedure and subject to such limits;
 - (b) Assign to a Panchayat such taxes, duties, tolls and fees levied and collected by the State Government for such purposes and subject to such conditions and limits:
 - (c) Provide for making such grants-in-aid to the Panchayats from the Consolidated Fund of the State; and
 - (d) Provide for constitution of such Funds for crediting all moneys received, respectively, by or on behalf of the Panchayats and also for the withdrawal of such moneys therefrom, As may be specified in the law.
- **243-I.** Constitution of Finance Commission to review financial position. (1) The Governor of a State shall, as soon as may be within one year from the commencement of the Constitution (Seventy-third Amendment) Act, 1992, and thereafter at the expiration of every fifth year, constitute a Finance Commission to review the financial position of the Panchayats and to make recommendations to the Governor as to-
 - (a) The principles, which should govern (i) The distribution between the State and the Panchayats of the net proceeds of the taxes, duties, tolls and fees leviable by the State, which may be divided between them under this Part and the allocation between the Panchayats at all levels of their respective shares of such proceeds:

परंतु खंयचीच व्यक्ती ह्याच एका आधाराचेर अपात्र थारची ना की तिची पिराय पंचवीस वर्सांपरस उणी आसा, जर तिणें एकवीस वर्सांची पिराय पूर्ण केल्या;

- (ख) जर ती राज्याच्या विधान मंडळान केल्ल्या खंयच्याय कायद्यावरवीं अथवा ताचे अधीनतायेन अशे तरेन अपात्र थारायल्या.
- (2) जर असो प्रस्न उप्रासलो की खंयचेय पंचायतीचो कोणूय वांगडी उपकलम (1) हातूंत वर्णिल्ले खंयचेय अपात्रतायेन परिणामीत जाला काय ना जाल्यार तो प्रस्न राज्याच्या विधिमंडळान कायद्यावरवीं उपबंधीत केल्ल्या अशा प्राधिकाऱ्याकडेन त्या कायद्याप्रमाण फावो ते रितीन सोडोवपाखातीर निर्देशीत करतले.
- 243 छ. पंचायतींचे अधिकार, प्राधिकार आनी जबाबदाऱ्यों संविधानाच्या उपबंधांचे अधीनतायेन रावून, खंयच्याय राज्याच्या विधानमंडळाच्यान, कायद्यावरवीं पंचायतींक अशे अधिकार आनी प्राधिकार दिवकं जातले जे तांकां स्वायत्त स्वयं-सरकार संस्थांच्या रुपान कार्य करपांत समर्थ करपाखातीर गरजेचे आसतीत आनी अशा कायद्यांत पंचायतींक उपेगी स्तराचेर, अशा अटींचे अधीनतायेन रावून ज्यो तातूंत विनीर्दिश्ट केल्ल्यो आसतल्यो, सकयल्या गजालींच्या संबंदांत अधिकार आनी जबाबदाऱ्यो प्रदान करपाखातीर उपबंध करूंक मेळटले, ते म्हळयार:—
 - (क) अर्थीक विकास आनी समाजीक न्याय हांचेखातीर येवजणी तयार करप;
- (ख) अर्थीक विकास आनी समाजीक न्याय हांच्या असल्या येवजणींनी ज्यो तांचेर सोंपयतले, तातूंत त्योवूय येवजणी आस्पावतल्यो ज्यो अकरावे अनुसुचयेंत आशिल्ल्या विशयांच्या संबदांत आसात, त्योय कार्यान्वीत करप;
- **243 ज. पंचायतीमार्फत कर बसोवपाचे अधिकार आनी तांचे निधी** खंयच्याय राज्याचें विधानमंडळ, कायद्यावरवीं—
 - (क) अशे कर, शुल्कां, पथकर आनी फियो लावप, संग्रह करप आनी त्यो विनियोजीत करपाखातीर खंयचेय पंचायतीक अशे प्रक्रियेप्रमाण आनी अशा निर्बंधांचे अधीनतायेन रावून, प्राधीकृत करूं येता—
 - (ख) राज्य सरकारावरवीं लायिल्ले आनी एकडांय केल्ले कर, शुल्कां, पथकर आनी फियो खंयचेय पंचायतीक अशा प्रयोजनांखातीर, तशेंच अश्यो अटी आनी निर्बंध हांचे अधीनतायेन रावून, पंचायतींचेर सौंपोवं येतात.
 - (ग) राज्याच्या एकत्रीकृत निधींतल्यान पंचायतींखातीर कसलेंय पालव-अनुदान दिवपाखातीर उपबंध करूं येतात; आनी
 - (घ) पंचायतींमार्फत अथवा तांचे वतीन क्रमशा पुंजायल्लो सगलो निधी एकठांय करपाखातीर अशा निधींची घडण करपाक आनी तातूंतल्यान धन काडपाखातीरूय उपबंध करूं येतात, जे कायद्यांत विनिर्दीश्ट केल्लें आसतलें.
- 243 झ. वित्तीय स्थितीचो पुनर्नियाळ करपाखातीर वित्त आयोगाची घडण (1) राज्याचो राज्यपाल, संविधान (त्र्यात्तरावो बदल) अधिनियम, 1992 च्या आरंभासावन एका वर्साभितर जाता तितले बेगीन, आनी ताचे उपरांत, दर पांच वर्सांचे समाप्ते उपरांत, वित्त आयोगाची घडण करतलो जो पंचायतींचे वित्तीय स्थितीचो पुनर्नियाळ करतलो आनी जो-
 - (क) (i) राज्यान लावन पुंजायल्ल्या करांचे, शुल्कांचे, पथकरांचे तशेंच फियांचे निव्वळ येणावळीचें राज्य आनी पंचायत हांचेभितर वांटपाखातीर कायद्यान जी ह्या भागाखाला वांटणी करपाचें निश्चित केलां तेप्रमाण पंचायतींच्या सगल्या स्तरांचेर वेवस्था करून घेतलो:

- (ii) The determination of the taxes, duties, tolls and fees, which may be assigned to, or appropriated by, the Panchayats;
 - (iii) The grants-in-aid to the Panchayats from the Consolidated Fund of the State;
 - (b) The measures needed to improve the financial position of the Panchayats;
- (c) Any other matter referred to the Finance Commission by the Governor in the interests of sound finance of the Panchayats.
- (2) The Legislature of a State may, by law, provide for the composition of the Commission, the qualifications which shall be requisite for appointment as members thereof and the manner in which they shall be selected.
- (3) The Commission shall determine their procedure and shall have such powers in the performance of their functions as the Legislature of the State may, by law, confer on them.
- (4) The Governor shall cause every recommendation made by the Commission under this article together with an explanatory memorandum as to the action taken thereon to be laid before the Legislature of the State.
- **243J.** Audit of accounts of Panchayats. The Legislature of a State may, by law, make provisions with respect to the maintenance of accounts by the Panchayats and the auditing of such accounts.
- **243K.** Elections to the Panchayats. (1) The superintendence, direction and control of the preparation of electoral rolls for, and the conduct of, all elections to the Panchayats shall be vested in a State Election Commission consisting of a State Election Commissioner to be appointed by the Governor.
- (2) Subject to the provisions of any law made by the Legislature of a State, the conditions of service and tenure of office of the State Election Commissioner shall be such as the Governor may by rule determine:

Provided that the State Election Commissioner shall not be removed from his office except in like manner and on the like grounds as a Judge of a High Court and the conditions of service of the State Election Commissioner shall not be varied to his disadvantage after his appointment.

- (3) The Governor of a State shall, when so requested by the State Election Commission, make available to the State Election Commission such staff as may be necessary for the discharge of the functions conferred on the State Election Commission by clause (1).
- (4) Subject to the provisions of this Constitution, the Legislature of a State may, by law, make provision with respect to all matters relating to, or in connection with, elections to the Panchayats.
- **243L. Application to Union territories.** The provisions of this Part shall apply to the Union territories and shall, in their application to a Union territory, have effect as if the references to the Governor of a State were references to the Administrator of the Union territory appointed under article

- (ii) असल्या करांचें, शुल्कांचें, पथकरांचें आनी फियांचे निर्धारण करपाक, जे पंचायतींकडेन पुंजावपाक सोंपोवं येतात अथवा विनियोजीत करूं येतात;
 - (iii) राज्याच्या एकत्रीकृत निधींतल्यान पंचायतीखातीर पालव-अनुदानाक शासीत करपाच्या तत्वांचे बाबतींत;
 - (ख) पंचायतींची वित्तीय स्थिती सुधारपाखातीर गरजेचीं पावलां मारपासंबंदांत;
- (ग) पंचायतींचे सुदृढ अर्थीक स्थितीच्या बऱ्याखातीर राज्यपालावरवीं वित्त आयोगाक निर्दीश्ट केल्ल्या खंयच्याय हेर विशयांत, राज्यपालाक शिफारस करतलो.
- (2) राज्याचें विधानमंडळ, कायद्यावरवीं आयोगाचे रचणुकेचें, पात्रतायांचें ज्यो आयोगाच्या वांगडयांच्या रुपान नेमणूकेखातीर अपेक्षीत आसतल्यो, आनी ते पद्धतीचेंय, जाचे प्रमाण ताची कार्यवाही जातली, तांचेविशीं उपबंध करतलो.
- (3) आयोग आपणाली कार्यपद्धत निश्चीत करतलो आनी ताका आपणाल्या कृत्यांक पाळो दिवपांत असले अधिकार आसतले जे राज्याचे विधानमंडळ कायद्यावरवीं ताका प्रदान करतलें.
- (4) राज्यपाल, ह्या कलमाचे अधीनतायेन आयोगामार्फत केल्ले दरेके शिफारसीक ताचेर केल्ले कार्यवाहीच्या स्पश्टीकरणासयत, राज्याच्या विधानमंडळामुखार दवरूंक लायतलो.
- **243 ज. पंचायतींच्या लेख्यांची तपासणी** खंयच्याय राज्याच्या विधानमंडळाच्यान कायद्यावरवीं पंचायतीमार्फत लेखे दवरप आनी अशा लेख्यांची तपासणी करपासंबंदांत उपबंध करूं येतात.
- 243 ट. पंचायतीखातीर वेंचणूक (1) पंचायतींखातीर जावपी सगल्या वेंचणुकांखातीर, मतदार वळेरी तयार करून घेवपाचें आनी त्या सगल्या वेंचणुकांच्या संचालनाची देखरेख, निदेशन आनी नियंत्रण एका राज्य वेंचणूक आयोगाकडेन निहीत आसतलें जातूंत एक राज्य वेंचणूक आयुक्त आसतलों जाची नेमणूक राज्यपालाकडल्यान जातली
- (2) खंयच्याय राज्याच्या विधानमंडळावरवीं केल्ल्या खंयच्याय कायद्याच्या उपबंधांचे अधीन रावून राज्य वेंचणूक आयुक्ताच्यो सेवा अटी आनी पदावधी असो आसतलो जो राज्यपाल नेमाप्रमाण थारायतलो

परंतु, राज्य निर्वाचन आयुक्ताक ताच्या पदावेल्यान तेच रितीन आनी त्याच आदाराचेर काडटले, जे रितीन आनी ज्या आधारांचेर उच्च न्यायालयाच्या न्यायाधीशाक कडेन काडटात, हेरभाशेन न्हय, आनी राज्य वेंचणूक आयुक्ताच्या सेवेच्या अटींनी नेमणुके उपरांत ताका हानीकारक जायत असले कसलेच बदल करचे नात.

- (3) राज्य आयोग जेन्ना अशी विनंती करीत तेन्ना खंयच्याय राज्याचो राज्यपाल राज्य वेंचणूक आयोगाक तितलो कर्मचारीवृन्द मेळोवन दितलो जितलो उपकलम (1) हाचे वरवीं वेंचणूक आयोगाक ताचेर सोंपयल्लीं कार्यां निभावपाखातीर गरजेचो आसा.
- (4) ह्या संविधानाच्या उपबंधांचे अधीन रावून, खयच्याय राज्याचें विधानमंडळ कायद्यावरवीं, पंचायतींच्या वेंचणुकांकडेन संबंदीत अथवा निगडीत अशा सगल्या विशयां संबंदी उपबंध करतलें.
- 243 ट. संघ राज्यक्षेत्रांक लागू जावप ह्या भागाचे उपबंध संघ राज्यक्षेत्रांक लागू जातले आनी खंयच्याय संघ राज्यक्षेत्रांक ते लागू जावपांत ते अशेतरेन प्रभावी आसतले जशेपरी राज्यपालाक लेखून आशिल्ले निर्देश, कलम 239 चे अधीनतायेन नेमिल्ल्या संघ राज्यक्षेत्राच्या प्रशासकाकडेन ते निर्देश आसात आनी खंयच्याय राज्याचें

239 and references to the Legislature or the Legislative Assembly of a State were references, in relation to a Union territory having a Legislative Assembly, to that Legislative Assembly:

Provided that the President may, by public notification, direct that the provisions of this Part shall apply to any Union territory or part thereof subject to such exceptions and modifications as he may specify in the notification.

- **243M.** Part not to apply to certain areas. (1) Nothing in this Part shall apply to the Scheduled Areas referred to in clause (1), and the tribal areas referred to in clause (2), of article 244.
 - (2) Nothing in this Part shall apply to-
 - (a) The States of Nagaland, Meghalaya and Mizoram;
 - (b) The hill areas in the State of Manipur for which District Councils exist under any law for the time being in force.
 - (3) Nothing in this Part-
 - (a) Relating to Panchayats at the district level shall apply to the hill areas of the District of Darjeeling in the State of West Bengal for which Darjeeling Gorkha Hill Council exists under any law for the time being in force;
 - (b) Shall be construed to affect the functions and powers of the Darjeeling Gorkha Hill Council constituted under such law.
 - (3A) Nothing in article 243D, relating to reservation of seats for the Scheduled castes, shall apply to the state of Arunachal Pradesh.
 - (4) Notwithstanding anything in this Constitution, -
 - (a) The Legislature of a State referred to in sub-clause (a) of clause (2) may, by law, extend this Part to that State, except the areas, if any, referred to in clause (1), if the Legislative Assembly of that State passes a resolution to that effect by a majority of the total membership of that House and by a majority of not less than two-thirds of the members of that House present and voting;
 - (b) Parliament may, by law, extend the provisions of this Part to the Scheduled Areas and the tribal areas referred to in clause (1) subject to such exceptions and modifications as may be specified in such law, and no such law shall be deemed to be an amendment of this Constitution for the purposes of article 368.
- 243N. Continuance of existing laws and Panchayats. Notwithstanding anything in this Part, any provision of any law relating to Panchayats in force in a State immediately before the commencement of the Constitution (Seventy-third Amendment) Act, 1992, which is inconsistent with the provi-

विधानमंडळ अथवा विधानसभा हांचेकडले निदेश खंयच्याय अशा संघ राज्यक्षेत्राच्या संबंदांत, जातूंत विधानसभा आसा, ते विधानसभेक ते लेखून आसात;

परंतु, राष्ट्रपतीच्यान भौशीक अधिसुचोवणेवरवीं असो निदेश दिवं येता की हया भागाचे उपबंध खंयच्याय संघ राज्यक्षेत्र अथवा ताच्या खंयच्याय भागाखातीर अशा अपवादांचे आनी उपांतरणाचे अधीन रावून, लागू जातले, जें तो अधिसुचोवणेंत निर्दीश्ट करीत.

- **243 ड. कांय क्षेत्रांक हया भागाचें लागू ना जावप** (1) हया भागाची खंयचीच गजाल कलम 244 चें उपकलम (1) हातूंत निर्दीश्ट अनुसूचीत क्षेत्रां आनी ताच्या उपकलम (2) हातूंत निर्दीश्ट जनजाती क्षेत्रांक लागू जावंची ना.
 - (2) ह्या भागाची खंचचीच गजाल सकल दिल्ल्यांक लागू जावंची नी, त्यो म्हळयार:-
 - (क) नागालेंड, मेघालय आनी मिजोरम राज्य;
 - (ख) मणिपूर राज्यांतले अशे दोंगरी वाठार जांचेखातीर त्या काळांत थंय लागू आशिल्ल्या खंयच्याय कायद्याचे अधीनतायेन जिल्हो परिशदो विद्यमान आसात;
 - (3) हया भागाची-
 - (क) खंयचीच गजाल जिल्हों स्तराचेर पंचायतींच्या सबंदांत अस्तंत बंगाल राज्याच्या दार्जिलींग जिल्ह्याच्या अशा दोंगरी वाठारांक लागू जावंची ना जांचेखातीर त्या काळांत लागू आशिल्ल्या खंयच्याय कायद्याचे अधीनतायेन दार्जिलींग गुरखा परिशद विद्यमान आसा;
 - (ख) खंयचीय गजाल हाचो अर्थ असो लांवचे नात की ती अशा कायद्याचे अधीनतायेन घडयल्ले दार्जिलींग गुरखा दोंगरी परिशदेच्या कृत्यांचेर आनी अधिकारांचेर प्रभाव घालता
 - (3क) अनुसूचीत जातींखातीर जाग्यांच्या आरक्षणाकडेन संबंदीत कलम 243 घ ची खंयचीय गजाल अरुणाचल प्रदेश राज्याक लागू जावंची ना.
 - (4) हया संविधानांत किदेंय आसलें तरी,-
 - (क) उपकलम (2) चें उप-उपकलम (क) हातूंत निर्दीश्ट केल्ल्या खंयच्याय राज्याचें विधानमंडळ, कायद्यावरवीं ह्या भागाचो विस्तार, उपकलम (1) हातूंत निर्दीश्ट क्षेत्रांचे भायर जर खंयचोय आसत, त्या राज्याचेर ते स्थितींत करूं शकतले जेन्ना त्या राज्याची विधानसभा हया अर्थाचो एक संकल्प त्या सभाघराचे वट्ट वांगडी संख्येच्या भोवमतान तशेंच त्या सभाघारांत हाजीर आशिल्ल्या आनी मतदान करतल्या वांगडयाच्या उण्यांत उण्या दोन-तृतीयांश भोवमतावरवीं पास करीत;
 - (ख) संसद, कायद्यावरवीं ह्या भागाच्या उपबंधाचो विस्तार, उपकलम (1) हातूंत निर्दीश्ट केल्ल्या अनुसूचीत क्षेत्रां आनी जनजाती क्षेत्रांचेर, अशा अपवादांचे आनी उपांतरणांचे अधीन रावून करूं शकतली जो अशा कायद्यांत विनिर्दीश्ट करतले आनी असल्या खंयच्याय कायद्याक कलम 368 च्या प्रयोजनाखातीर तो हया संविधानाचो बदल अशें मानचे नात.
- 243 ढ. विद्यमान कायदे आनी पंचायतींचें चालू उरप- हया भागांत खंयचीय गजाल आसाली तरी संविधान (त्र्यात्तरावो बदल) अधिनियम, 1992 च्या आरंभाचे निकटपूर्व खंयच्याय राज्यांत लागू आशिल्ल्या पंचायतींकडेन

sions of this Part, shall continue to be in force until amended or repealed by a competent Legislature or other competent authority or until the expiration of one year from such commencement, whichever is earlier:

Provided that all the Panchayats existing immediately before such commencement shall continue till the expiration of their duration, unless sooner dissolved by a resolution passed to that effect by the Legislative Assembly of that State or, in the case of a State having a Legislative Council, by each House of the Legislature of that State.

- 243-O. Bar to interference by courts in electoral matters. Notwithstanding anything in this Constitution, -
 - (a) The validity of any law relating to the delimitation of constituencies or the allotment of seats to such constituencies, made or purporting to be made under article 243K, shall not be called in question in any court;
 - (b) No election to any Panchayat shall be called in question except by an election petition presented to such authority and in such manner as is provided for by or under any law made by the Legislature of a State.]

Note

Ins. by the Constitution (Eighty Third Amendment) Act, 2000 - s. 2 (w.e.f 1-9-2000)

संबंदीत खंयच्याय कायद्याचो खंयचोय उपबंध, जो हया भागाच्या उपबंधांकडेन विसंगत आसत, जोंवेर सक्षम विधानमंडळावरवीं अथवा हेर सक्षम प्राधिकारीवरवीं तातूंत बदल वा निरसन करप जायना अथवा जोंवेर अशा आरंभासावन एक वर्स सोंपना, तेन्ना हातूंतले जें पयलीं घडटा तोंवेर लागू आसप चालू उरतलें.

परंतु, आरंभाचे निकटपूर्व विद्यमान सगल्यो पंचायती जी त्या राज्यावे विधानसभेवरवीं अथवा अशा राज्याचे बाबतींत जातूंत विधान परिशद आसा, त्या राज्याच्या विधानमडळाच्या दरेका सभाघरावरवीं पास केल्ल्या हया अर्थाच्या संकल्पावरवीं पयलींच विसर्जीत करप जायना, तेन्ना आपणालो अवधी सोंपसर तश्योच उरतल्यो.

- 243 ण. वेंचणूक संबदीं प्रकरणांनी न्यायालयांच्या हस्तक्षेपाक मनाय- ह्या संविधानांत खंयचीय गजाल आसली तरी-
 - (क) कलम 243 ट चे अधीनतायेन केल्लो अथवा करचेखातीर तात्पर्यीत खंयच्याय कायद्याची ग्राह्यताय, जो मतदारसंघाचे परिसीमन अथवा अशा मतदारसंघाच्या जाग्यांचे वांटणेकडेन संबंदीत आसा, खंयच्याच न्यायालयांत प्रस्नास्पद करचे नात.
 - (ख) खंयचेय पंचायतीखातीर खंयचीय वेंचणूक, अशा वेंचणूक अर्जाचेरूच प्रस्नगत करतले जो अशा प्राधिकारीकडेन अशे रितीन प्रस्तुत केला, जाचो खंयच्याय राज्याच्या विधानमंडळावरवीं केल्ल्या खंयच्याय कायद्यावरवीं ताचे अधीनतायेन उपबंध केल्लो आसत, हेर भाशेन न्हय.

टीपः

संविधान (त्र्यांयश्यावो बदल) अधिनियम, 2000 अनुभाग 2 वरवीं अंतःस्थापीत, (1 - 9 - 2000 सावन)

¹[PART IXA

THE MUNICIPALITIES

243P. Definitions. -- In this Part, unless the context otherwise requires, --

- (a) "Committee" means a Committee constituted under article 2435;
- (b) "District" means a district in a State:
- (c) "Metropolitan area" means an area having a population of ten lakhs or more, comprised in one or more districts and consisting of two or more Municipalities or Panchayats or other contiguous areas, specified by the Governor by public notification to be a Metropolitan area for the purposes of this Part;
 - (d) "Municipal area" means the territorial area of a Municipality as is notified by the Governor,
 - (e) "Municipality" means an institution of self-government constituted under article 243Q;
 - (f) "Panchayat" means a Panchayat constituted under article 243B;
- (g) "Population" means the population as ascertained at the last preceding census of which the relevant figures have been published.
- 243Q. Constitution of Municipalities. (1) There shall be constituted in every State, -
- (a) A Nagar Panchayat (by whatever name called) for a transitional area, that is to say, an area in transition from a rural area to an urban area;
 - (b) A Municipal Council for a smaller urban area; and
 - (c) A Municipal Corporation for a larger urban area,

In accordance with the provisions of this Part:

Provided that a Municipality under this clause may not be constituted in such urban area or part thereof as the Governor may, having regard to the size of the area and the municipal services being provided or proposed to be provided by an industrial establishment in that area and such other factors as he may deem fit, by public notification, specify to be an industrial township.

(2) In this article, "a transitional area", "a smaller urban area" or "a larger urban area" means such area as the Governor may, having regard to the population of the area, the density of the population therein, the revenue generated for local administration, the percentage of employment in non-agricultural activities, the economic importance or such other factors as he may deem fit, specify by public notification for the purposes of this Part.

¹[भाग - IX क नगरपालिका

243 त. व्याख्या - ह्या भागांत, जोंवेर संदर्भा प्रमाण हेर तरेन अपेक्षीत नासत,-

- (क) "सिमती" म्हळ्यार कलम 243 ध चे अधीनतायेन घडयल्ली सिमती
- (ख) "जिल्हा" म्हळ्यार खंयच्याय राज्याचो एक जिल्हो;
- (ग) "महानगर क्षेत्र" म्हळ्यार धा लाख अथवा ताचेपरस चड लोखसंख्येचें अशें क्षेत्र जातूंत एकापरस चड जिल्हे आस्पावतात आनी जें दोन अथवा हेर नगरपालिका अथवा पंचायती अथवा हेर संलग्न क्षेत्रांचें मेळून जाता तशेंच जाका राज्यपाल, हया भागाच्या प्रयोजनाखातीर, भौशीक अधिसुचोवणेवरवीं, महानगर क्षेत्राच्या रूपान विनिर्दीश्ट करीत;
 - (घ) "नगरपालिका क्षेत्र" म्हळ्यार राज्यपालाकडल्यान अधिसूचीत खंयचेय नगरपालिकेचें प्रादेशीक क्षेत्र;
- (ङ) "नगरपालिका" म्हळ्यार कलम 243 थ हाचे अधीनतायेन घडयल्ल्या स्वायत्त स्वयं-सरकाराची खंयचीय संस्था:
 - (च) "पंचायत" म्हळ्यार कलम 243 ख चे अधीनतायेन घडयल्ली खंयचीय पंचायत;
- (छ) "लोकसंख्या" म्हळ्यार अशे निमाणे पूर्ववर्ती जनगणनेंत अभिनिश्चीत केल्ली लोकसंख्या जिचे सुसंगत आंकडे उजवाडा आयल्यात.

243 थ. नगरपालिकांची घडण – (1) दरेका राज्यांत, हया भागाच्या उपबंधांक उनुसरून,–

- (क) खंयच्याय संक्रमणशील क्षेत्राखातीर, म्हळ्यार, गांवगिऱ्या क्षेत्रासावन नगर क्षेत्रांत संक्रमणगत क्षेत्राखातीर खंयचेंय नगर पंचायतीचें (मागीर तें खंयच्याय नांवान वळखतात, आसूं);
 - (ख) खंयच्याय ल्हानशा नागरी क्षेत्राखातीर नगरपालिका परिशदेची, आनी
 - (ग) खंयच्याय व्हडल्याश्या नगर क्षेत्राखातीर नगर निगमाची घडण करतले.

परंतु,

ह्या उपकलमाचे अधीनतायेन खंयचीय नगरपालिका अशा नागरी क्षेत्रांत अथवा ताच्या खंयच्याय भागांत घडीत जावं शकचिना, जिका राज्यपाल, क्षेत्राचो आकार आनी त्या क्षेत्रांत खंयच्याय उद्देगीक आस्थापनावरी दिवप जाता अथवा दिवपाखातीर प्रस्तावीत नगरपालिका सेवा आनी अशा हेर गजालींक, ज्यो ताका योग्य दिसतीत, मतींत दवरून, भौवशीक अधिसुचोवणेवरवीं, उद्देगीक नगरीच्या रुपान विनिर्दीश्ट करीत.

(2) हया कलमांत "संक्रमणशील क्षेत्र", "ल्हानशें नागरी क्षेत्र" अथवा "व्हडलेंशे नागरी क्षेत्र" म्हळ्यार अशें क्षेत्र अभिप्रेत आसा जाका राज्यपाल हया भागाच्या प्रयोजनाखातीर त्या क्षेत्राची लोकसंख्या, तातूंतली लोकसंख्येची दाटाय, थळाव्या प्रशासनाखातीर उत्पन्न जावपी येणावळ, शेतकामापरस वेगळ्या वावरांतलें प्रतिशत सेवानियोजन, अर्थिक म्हत्व अथवा हेर गजालींक, ज्यो ताका योग्य दिसतीत, मतींत दवरून भोवशीक अधिसुचोवणेवरवीं विनिर्दीश्ट करीत.

- **243R.** Composition of Municipalities. (1) Save as provided in clause (2), all the seats in a Municipality shall be filled by persons chosen by direct election from the territorial constituencies in the Municipal area and for this purpose each Municipal area shall be divided into territorial constituencies to be known as wards.
 - (2) The Legislature of a State may, by law, provide-
 - (a) For the representation in a Municipality of-
 - (i) Persons having special knowledge or experience in Municipal administration;
 - (ii) The members of the House of the People and the members of the Legislative Assembly of the State representing constituencies which comprise wholly or partly the Municipal area;
 - (iii) The members of the Council of States and the members of the Legislative Council of the State registered as electors within the Municipal area;
- (iv) The Chairpersons of the Committees constituted under clause (5) of article 243S: Provided that the persons referred to in paragraph (i) shall not have the right to vote in the meetings of the Municipality;
 - (b) The manner of election of the Chairperson of a Municipality.
- **243S.** Constitution and composition of Wards Committees, etc. (1) There shall be constituted Wards Committees, consisting of one or more wards, within the territorial area of a Municipality having a population of three lakhs or more.
 - (2) The Legislature of a State may, by law, make provision with respect to-
 - (a) The composition and the territorial area of a Wards Committee;
 - (b) The manner in which the seats in a Wards Committee shall be filled.
- (3) A member of a Municipality representing a ward within the territorial area of the Wards Committee shall be a member of that Committee.
 - (4) Where a Wards Committee consists of-
 - (a) One ward, the member representing that ward in the Municipality; or
 - (b) Two or more wards, one of the members representing such wards in the Municipality elected by the members of the Wards Committee,

Shall be the Chairperson of that Committee.

(5) Nothing in this article shall be deemed to prevent the Legislature of a State from making any provision for the constitution of Committees in addition to the Wards Committees.

- **243 द. नगरपालिकांची रचणूक** (1) उपकलम (2) हातूंत जशें उपबंधीत आसा तेभायर, खंयचेय नगरपालिकचे सगले जागे नगरपालिका क्षेत्रांत प्रादेशीक मतदारसंघांतल्यान प्रत्यक्ष वेंचणुकेवरवीं वेंचिल्ल्या व्यक्तींवरवीं भरतले आनी हर्या प्रयोजनाखातीर दरेक नगरपालिका क्षेत्राक प्रादेशीक मतदारसंघांनी विभाजीत करतले जांकां वार्ड हया नावांन वळखतले.
 - (2) खंयच्याय राज्याचें विधानमंडळ, कायद्यावरवीं,-
 - (क) नगरपालिकेंत-
 - (i) नगरपालिका प्रशासनाचें विशेश गिन्यान अथवा अणभव आसपी व्यक्तींचें;
 - (ii) लोकसभेच्या अशा वांगडयांचें आनी राज्याचे विधानसभेच्या अशा वांगडयांचें, जे त्या मतदारसंघाचें प्रतिनिधित्व करतात, जातूंत खंयचेंय नगरपालिका क्षेत्र पुरायेन अथवा अंशता आस्पावलां;
 - (iii) राज्यसभेच्या अशा वांगडयांचें आनी राज्याचे विधान परिशदेच्या अशा वांगडयांचें, जे नगरपालिका क्षेत्राभितर मतदारांच्या रूपान नोंदणीकृत आसात;
 - (iv) कलम 243 ध चें उपकलम (5) चे अधीनतायेन घडयल्या समित्यांच्या अध्यक्षांचें; प्रतिनिधीत्व करपाखातीर उपबंध करूं शकतलें;

परंतु

- परिच्छेद (i) हांतूत निर्दीश्ट व्यक्तींक नगरपालिकेच्या बसकांनी मत दिवपाचो अधिकार आसचोना.
 - (ख) खंयचेय नगरपालिकेच्या अध्यक्षाचे वेंचणुकेचे रितीचो उपबंध करूं शकतले.
- **243 ध. वार्ड समित्यो इत्यादींची घडण आनी रचणूक** (1) अशे नगरपालिकेची, जिची लोकसंख्या तीन लाख अथवा ताचेपरस चड आसा, प्रादेशीक क्षेत्राचे भितर वार्ड समित्यांची घडण करतले जी एक अथवा चड वार्डांची मेळून जातली.

राज्याचें विधानमंडळ कायद्यावरवीं-

- (क) वार्ड समितेची रचणूक आनी तिच्या प्रादेशीक क्षेत्राचे बाबतींत;
- (ख) ताचे रितीचे बाबतींत जिचेवरवी खंयचेय वार्ड समितींत जागे भरतले,

उपलब्ध करूं शकतलें

- (3) वार्ड समितेच्या प्रादेशीक क्षेत्राचे भितर खंयच्याय वार्डाचें प्रतिनिधीत्व करपी खंयचेय नगरपालिकेचो वांगडी ते समितेचो वांगडी जातलो.
 - (4) जंय खंयचीय वार्ड समिती-
 - (क) एका वार्डाची मेळून जाता, थंय नगरपालिकेन वार्डाचें प्रतिनिधीत्व करपी वांगडी, अथवा
 - (ख) दोन अथवा चड वार्डांची मेळून जाता, थंय नगरपालिकेंत अशा वार्डांचें प्रतिनिधीत्व करपी वांगडयांतलो एक वांगडी, जो त्या वार्ड समितेवरवी वेंचून काडटले

ते समितेचो अध्यक्ष जातलो.

(5) हया कलमाचे खंयचेच गजालीवेल्यान अशें समजुपाचें न्हय की तें खंयच्याय राज्याच्या विधान मंडळाक वार्ड समित्यांच्या अतिरीक्त समित्याची घडण करपाखातीर कसलोय उपबंध करपाक मनाय करता.

- 243T. Reservation of seats. (1) Seats shall be reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in every Municipality and the number of seats so reserved shall bear, as nearly as may be, the same proportion to the total number of seats to be filled by direct election in that Municipality as the population of the Scheduled Castes in the Municipal area or of the Scheduled Tribes in the Municipal area bears to the total population of that area and such seats may be allotted by rotation to different constituencies in a Municipality.
- (2) Not less than one-third of the total number of seats reserved under clause (1) shall be reserved for women belonging to the Scheduled Castes or, as the case may be, the Scheduled Tribes.
- (3) Not less than one-third (including the number of seats reserved for women belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) of the total number of seats to be filled by direct election in every Municipality shall be reserved for women and such seats may be allotted by rotation to different constituencies in a Municipality.
- (4) The offices of Chairpersons in the Municipalities shall be reserved for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and women in such manner as the Legislature of a State may, by law, provide.
- (5) The reservation of seats under clauses (1) and (2) and the reservation of offices of Chairpersons (other than the reservation for women) under clause (4) shall cease to have effect on the expiration of the period specified in article 334.
- (6) Nothing in this Part shall prevent the Legislature of a State from making any provision for reservation of seats in any Municipality or offices of Chairpersons in the Municipalities in favour of ward class of citizens.
- **243U.** Duration of Municipalities, etc. (1) Every Municipality, unless sooner dissolved under any law for the time being in force, shall continue for five years from the date appointed for its first meeting and no longer:

Provided that a Municipality, shall be given a reasonable opportunity of being heard before its dissolution.

- (2) No amendment of any law for the time being in force shall have the effect of causing dissolution of a Municipality at any level, which is functioning immediately before such amendment, till the expiration of its duration specified in clause (1).
 - (3) An election to constitute a Municipality shall be completed, -
 - (a) Before the expiry of its duration specified in clause (1);
 - (b) Before the expiration of a period of six months from the date of its dissolution:

Provided that where the remainder of the period for which the dissolved Municipality would have continued is less than six months, it shall not be necessary to hold any election under this clause for constituting the Municipality for such period.

- 243 न. जाग्यांचें आरक्षण दरेके नगरपालिकेंत अनुसूचीत जाती आनी अनुसूचीत जनजातींखातीर जागे आरक्षीत आसतले आनी अशे तरेन आरक्षीत जाग्यांचे संख्येचे प्रमाण ते नगरपालिकेंत प्रत्यक्ष वेचणुकेवरवी भरतलें त्या जाग्यांचे वट्ट संख्येपरस जाता ते परीन तितलेंच आसतलें जें त्या नगरपालिका क्षेत्रांत अनुसूचीत जातींचे अथवा नगरपालिका क्षेत्रांत अनुसूचीत जनजातींचे लोकसंख्येचें प्रमाण त्या क्षेत्रांचे वट्ट लोकसंख्येच्या संबंदांत नगरपालिकच्या विंगड-विंगड मतदार संघाक चक्रानुनक्रमां वांट्रन दिवंक मेळटले.
- (2) उपकलम (1) चे अधीनतायेन आरक्षीत जाग्यांचे वट्ट संख्येचे उण्यांत उणे एक तृतीयांश जागे, प्राप्त स्थितीप्रमाण, अनुसूचीत जाती अथवा अनुसूचीत जनजातींच्या बायलांखातीर आरक्षीत उरतले.
- (3) दरेके नगरपालिकेंत प्रत्यक्ष वेंचणुके वरवीं भरतले त्या जाग्यांचे वट्ट संख्येचे उण्यांत उणे एक तृतीयांश जागे जातून अनुसूचीत जाती आनी अनुसूचीत जनजातीच्या बायलांखातीर आरक्षीत जाग्यांची संख्याय आस्पावता बायलांखातीर आरक्षीत उरतले आनी अशे जागे खंयचेय नगरपालिकेच्या विंगड-विंगड मतदारसंघाक चक्रानुक्रमान वाटून दिवंक मेळटले.
- (4) नगरपालिकांनी अध्यक्षांची पदां अनुसूचीत जाती, अनुसूचीत जनजाती आनी बायलांखातीर अशे रितीन आरक्षीत उरतले जी राज्याचें विधानमंडळ, कायद्यावरवीं उपबंधीत करीत.
- (5) उपकलम (1) आनी उपकलम (2) हांचे अधीनतायेन जाग्यांचें आरक्षण आनी उपकलम (4) चे अधीनतायेन अध्यक्षांच्या पदांचें आरक्षण, जें बायलांखातीरच्या आरक्षणापरस वेगळें आसा, कलम 334 हातूंत विनीर्दीश्ट समाप्ते उपरांत प्रभावी उरचें ना.
- (6) ह्या भागाची खंयचीच गजाल खंयच्याय राज्याच्या विधानमंडळाक मागाशिल्ल्या नागरिकांच्या खंयच्याय वर्गाचे बाबतींत खंयचेच नगरपालिकेंत जाग्यांच्या अथवा नगरपालिकांनी अध्यक्षांच्या पदांच्या आरक्षणाखातीर कसलोय उपबंध करपापासून वंचीत करचीना.

243 प. नगरपालिकांचो अवधी, इत्यादी -

(1) दरेक नगरपालिका, जर त्या काळांत लागू आशिल्ल्या खंयच्याय कायद्याचे अधीनतायेन पयलींच विसर्जीत केलीना जाल्यार आपणाले पयले बसकेखातीर थारायल्ले तारकेसावन पांच वर्सामेरेन आसा तशीच उरतली, ताचेपरस चड न्हय.

परंतु

खंयचेय नगरपालिकेच्या विसर्जनाचे पयलीं तिका सुनावणेचो उचित वेळ दितले.

- (2) त्या काळांत लागू आशिल्ल्या खंयच्याय कायद्याच्या खंयच्याय बदलाक लागून खंयच्याय स्तराचेर अशे नगरपालिकेचें, जी अशा बदलाचे निकटपूर्व कार्य करीत आसा, तोंवेर विसर्जन जावंचेना जोंवेर उपकलम (1) हातूंत विनिर्दीश्ट, तिचो अवधी समाप्त जायना.
 - (3) खंयचेय नगरपालिकेची घडण करपाखातीर वेंचणूक-
 - (क) उपकलम (1) हातूंत विनिर्दीश्ट, तिचे अवधीचे समाप्तेचे पयलीं
 - (ख) तिच्या विसर्जनाचे तारकेसावन स म्हयन्याच्या अवधीचे समाप्तेपयलीं पुराय करतलेः

परंत्र

जंय तो उरिल्लो अवधी, जाचेखातीर विसर्जीत नगरपालिका अस्तित्वांत उरता, स म्हयन्यापरस उणो आसा थंय अशा अवधीखातीर ते नगरपालिकेची घडण करपाखातीर हया उपकलमाचे अधीनतायेन खंयची वेंचणूक घडोवन हाडप गरजेचें आसचेंना.

- (4) A Municipality constituted upon the dissolution of a Municipality before the expiration of its duration shall continue only for the remainder of the period for which the dissolved Municipality would have continued under clause (1) had it not been so dissolved.
- **243V.** Disqualifications for membership. (1) A person shall be disqualified for being chosen as, and for being, a member of a Municipality-
 - (a) If he is so disqualified by or under any law for the time being in force for the purposes of elections to the Legislature of the State concerned:

Provided that no person shall be disqualified on the ground that he is less than twenty-five years of age, if he has attained the age of twenty-one years;

- (b) If he is so disqualified by or under any law made by the Legislature of the State.
- (2) If any question arises as to whether a member of a Municipality has become subject to any of the disqualifications mentioned in clause (1), the question shall be referred for the decision of such authority and in such manner as the Legislature of a State may, by law, provide.
- 243W. Powers, authority and responsibilities of Municipalities, etc. Subject to the provisions of this Constitution, the Legislature of a State may, by law, endow-
 - (a) The Municipalities with such powers and authority as may be necessary to enable them to function as institutions of self-government and such law may contain provisions for the devolution of powers and responsibilities upon Municipalities, subject to such conditions as may be specified therein, with respect to-
 - (i) The preparation of plans for economic development and social justice;
 - (ii) The performance of functions and the implementation of schemes as may be entrusted to them including those in relation to the matters listed in the Twelfth Schedule;
 - (b) The Committees with such powers and authority as may be necessary to enable them to carry out the responsibilities conferred upon them including those in relation to the matters listed in the Twelfth Schedule.
- 243X. Power to impose taxes by, and Funds of, the Municipalities. The Legislature of a State may, by law, -
 - (a) Authorise a Municipality to levy, collect and appropriate such taxes, duties, tolls and fees in accordance with such procedure and subject to such limits;

(4) खंयचेय नगरपालिकेच्या अवधीचे समाप्ते पयलीं ते नगरपालिकेच्या विसर्जना उपरांत घडीत केल्ली खंयचीय नगरपालिका, त्या अवधीच्या उरिल्ल्या भागाखातीर तशीच चालू उरतली, जाचेखातीर विसर्जीत नगरपालिका उपकलम (1) चे अधीनतायेन चालू उरपाची, जर ती अशे तरेन विसर्जीत करूंक नाशिल्ली.

243 फ. वांगडीपणाखातीर अपात्रतायो –

- (1) खंयचीय व्यक्ती खंयचेय नगरपालिकेचो वांगडी म्हूण वेंचून येवपाखातीर आनी वांगडी जावपाखातीर अपात्र आसतली--
 - (क) जर ती संबंदीत राज्याच्या विधानमंडळाचे वेंचणुकांच्या प्रयोजनांखातीर त्या वेळार लागू आशिल्ल्या खंयच्याय कायद्यावरवीं अथवा ताचे अधीनतायेन अशे तरेन अपात्र थरताः

परंतु खंयचीच व्यक्ती केवळ हया आधाराचेर अपात्र जावंची ना की ताची पिराय पंचवीस वर्सांपरस उणी आसा, जर तिणें एकवीस वर्सांची पिराय पूर्ण केल्या.

- (ख) जर ती राज्याच्या विधानमंडळावरवीं केल्ल्या खंयच्याय कायद्यावरवीं अथवा ताचे अधीनतायेन अशे तरेन अपात्र थारता.
- (2) जर असो प्रस्न उप्रासलो की खंयचेय नगरपालिकेचो कोणूय वांगडी उपकलम (1) हातूंत वर्णीत खंयचेय अपात्रतायेन ग्रस्त जाला अथवा ना, जाल्यार तो प्रस्न अशा प्राधिकारीकडेन आनी अशे रितीन, जी राज्याचें विधानमंडळ, कायद्यावरवीं उपबंधीत करीत,निर्णयाखातीर निर्देशीत करतले.

243 ब. नगरपालिका, इत्यादींचे अधिकार, प्राधिकार आनी जबाबदारी — हया संविधानाच्या उपबंधांचे अधीनतायेन रावून, खंयच्याय राज्याचें विधानमंडळ, कायद्यावरवीं,

(क) नगरपालिकांक अशे अधिकार आनी प्राधिकार प्रदान करूं शकतलें जे तांकां स्वायत्त स्वयं-सरकारांच्या रुपान कार्य करपाक समर्थ करपाखातीर गरजेचे जायत आनी अशा कायद्यांत नागरपालिकांक, अशा अटींचे अधीनतायेन रावून ज्यो तातूंत विनीर्दीश्ट केल्ल्यो आसतीत,

सकयल्या गजालींच्या संबंदांत अधिकार आनी जबाबदाऱ्यो घेवपाक उपबंध करूं येतात, त्यो म्हळ्यार:-

- (i) अर्थिक विकास आनी समाजीक न्यायाखातीर येवजणी तयार करप;
- (ii) अशा कृत्यांक पाळो दिवप आनी अशा येवजणींक, ज्यो तांचेर सोंपयल्ल्यो आसतीत, जातूंत त्योय येवजणी आसतल्यो ज्यो बारावे अनुसूचयेंत आस्पावीत विशयांच्या संबंदांत चालीक लावप
- (ख) सिमत्यांक अशे अधिकार आनी प्राधिकार दिवं शकतलें जे तांकां तांचेर सोंपयल्ल्यां जबाबदाऱ्यांक, जांचे अंतर्गत ते जापसालदार आसात जे बारावे अनुसुचयेंत आस्पावीत विशयांच्या संबंदांत आसात, चालीक लावपांत समर्थ करपाखातीर गरजेचे आसतीत.

243 भ. नगरपालिकांचे वरवीं कर बसोवपाचो अधिकार आनी तांचे निधी — खंयच्याय राज्याचें विधानमंडळ, कायद्यावरवीं,—

(क) अशे कर, शुल्कां, पथकर आनी फियो हांची वसुली संग्रहीत आनी विनियोजीत करपाखातीर खंयचेय नगरपालिकेक अशे प्रक्रियेक अनुसरून आनी अशा निर्बधांचे अधीनतायेंत रावून, प्राधिकृत करूं शकतलें;

- (b) Assign to a Municipality such taxes, duties, tolls and fees levied and collected by the State Government for such purposes and subject to such conditions and limits;
- (c) Provide for making such grants-in-aid to the Municipalities from the Consolidated Fund of the State: and
- (d) Provide for constitution of such Funds for crediting all moneys received, respectively, by or on behalf of the Municipalities and also for the withdrawal of such moneys therefrom,

As may be specified in the Law.

- **243Y. Finance Commission.** (1) The Finance Commission constituted under article 243-I shall also review the financial position of the Municipalities and make recommendations to the Governor as to-
 - (a) The principles, which should govern-
 - (i) The distribution between the State and the Municipalities of the net proceeds of the taxes, duties, tolls and fees leviable by the State, which may be divided between them under this Part and the allocation between the Municipalities at all levels of their respective shares of such proceeds;
 - (ii) The determination of the taxes, duties, tools and fees, which may be assigned to, or appropriated by, the Municipalities;
 - (iii) The grants-in-aid to the Municipalities from the Consolidated Fund of the State;
 - (b) The measures needed to improve the financial position of the Municipalities;
 - (c) Any other matter referred to the Finance Commission by the Governor in the interests of sound finance of the Municipalities.
- (2) The Governor shall cause every recommendation made by the Commission under this article together with an explanatory memorandum as to the action taken thereon to be laid before the Legislature of the State.
- 243Z. Audit of accounts of Municipalities. The Legislature of a State may, by law, make provisions with respect to the maintenance of accounts by the Municipalities and the auditing of such accounts.
- **243ZA.** Elections to the Municipalities. (1) The superintendence, direction and control of the preparation of electoral rolls for, and the conduct of, all elections to the Municipalities shall be vested in the State Election Commission referred to in article 243K.
- (2) Subject to the provisions of this Constitution, the Legislature of a State may, by law, make provision with respect to all matters relating to, or in connection with, elections to the Municipalities.
- **243ZB.** Application to Union territories. The provisions of this Part shall apply to the Union territories and shall, in their application to a Union territory, have effect as if the references to the Governor of a State were references to the Administrator of the Union territory appointed under article

- (ख) राज्य सरकारामार्फत वसुली आनी संग्रह केल्ले असले कर, शुल्कां, पथकर आनी फियो खंयचेय नगरपालिकेक, अशा प्रयोजनाखातीर तशेंच अशा अटींचेर आनी निर्बधांचे अधीन रावून, समनुदीश्ट करूं शकतलें
- (ग) राज्याच्या संचीत निधीतल्यान नगरपालिकेखातीर असो पालव-अनुदान दिवपाखातीर उपबंध करूं शकतलें आनी;
- (घ) नगरपालिकां वरवीं अथवा तांचे वतीन क्रमशा मेळयल्ल्या सगल्या धनांक एकठांय करचेखातीर अशा निधींची घडण करपाक आनी त्या निधींतल्यान अशी धनां काडपाखातीरूय उपबंध करूं शकतलें, जें कायद्यांत विनिर्दीश्ट करप जायत.
- **243 म. वित्त आयोग** (1) कलम 243 झ चे अधीनतायेन घडित वित्त आयोग पगरपालिकांचे वित्तीय स्थितीचोय पुनर्नियाळ करतले जो–
 - (क)(i) राज्यावरवीं अशा करांच्या, शुल्कांच्या, पथकरांच्या आनी फियांच्या निव्वळ येणावळीच्या राज्य आनी नगरपालिका हांचेभितर, जे हया भागाचे अधीनतायेन तांचेभितर वांटून दितले, वितरणाक आनी सगल्या स्तरांचेर नगरपालिकांमदीं अशें येणावळीच्या तत्सम भागाचे वांटणेक
 - (ii) अशा करांच्या, शुल्कांच्या, पथकरांच्या आनी फियांच्या निर्धारणाक जें नगरपालिकांक समनुदीश्ट करूं येता; तांचेवरवी विनियोजीत करूं येता अथवा;
 - (iii) राज्याच्या एकवटीत निधीतल्यान नगरपालिकांखातीर पालव-अनुदानाक, शासीत करपी तत्वांच्या संबंदांत;
 - (ख) नगरपालिकांचे अर्थिक स्थितीक सुधारपाखातीर गरजेच्या उपायांच्या संबंदांत;
 - (ग) नगरपालिकांच्या घटमूटीच्या हिताचे नदरेन राज्यपालावरवीं वित्त आयोगाक निर्दीश्ट केल्ल्या खंयच्याय हेर विशयाच्या संबंदात, राज्यपालाक शिफारस करतलो.
- (2) राज्यपाल ह्या कलमाचे अधीनतायेन आयोगावरवीं केल्ले दरेके शिफारसीक तिचेर केल्ले कारवायेच्या स्पश्टीकारक अहवालासयत राज्याच्या विधानमंडळा-मुखार मांडूक लायतालो.
- **243 य. नगरपालिकांच्या लेख्यांची तपासणी** खंयच्याय राज्याचें विधानमंडळ, कायद्यावरवीं, नगरपालिकामार्फत लेखे दवरप, आनी अशा लेख्यांची तपासणी करपाच्या संबंदांत, उपबंध कर्रू शकतलें.
- 243 यक. नगरपालिकांखातीर वेंचणूक (1) नगरपालिकांखातीर घेतले त्या सगल्या वेंचणूकांखातीर मतदार वळेरी तयार करून घेवपाच्या संचालनाचें अधीक्षण, निदेशन आनी नियंत्रण कलम 243 ट हातूंत निर्दीश्ट राज्य वेंचणूक आयोगाकडेन निहीत आसतलें.
- (2) ह्या संविधानाचे अधीनतायेंत रावून, खंयच्याय राज्याचें विधानमंडळ, कायद्यावरवीं, नगरपालिकांच्या वेंचणुकांकडेन संबंदीत अथवा निगडीत सगल्या विशयांच्या संबंदांत उपबंध करूं शकललें.
- 243यख. संघ राज्यक्षेत्रांक लागू जावप ह्या भागाचे उपबंध संघ राज्यक्षेत्रांक लागू जातले आनी खंयच्याय संघ राज्यक्षेत्रांक तांच्या लागू जावपांत अशे तरेन प्रभावी आसतले जशेपरी खंयच्याय राज्याच्या राज्यपालाकडले निर्देश, कलम 239 चे अधीनतायेन नेमिल्ल्या संघ राज्यक्षेत्राच्या प्रशासकाकडेन ते निर्देश आसात आनी खंयच्याय

239 and references to the Legislature or the Legislative Assembly of a State were references in relation to a Union territory having a Legislative Assembly, to that Legislative Assembly:

- **243ZC.** Part not to apply to certain areas. (1) Nothing in this Part shall apply to the Scheduled Areas referred to in clause (1), and the tribal areas referred to in clause (2), of article 244.
- (2) Nothing in this Part shall be construed to affect the functions and powers of the Darjeeling Gorkha Hill Council constituted under any law for the time being in force for the Hill areas of the district of Darjeeling in the State of West Bengal.
- (3) Notwithstanding anything in this Constitution, Parliament may, by law, extend the provisions of this Part to the Scheduled Areas and the tribal areas referred to in clause (1) subject to such exceptions and modifications as may be specified in such law, and no such law shall be deemed to be an amendment of this Constitution for the purposes of article 368.
- **243ZD.** Committee for district planning. (1) There shall be constituted in every State at the district level a District Planning Committee to consolidate the plans prepared by the Panchayats and the Municipalities in the district and to prepare a draft development plan for the district as a whole.
 - (2) The Legislature of a State may, by law, make provision with respect to-
 - (a) The composition of the District Planning Committees;
 - (b) The manner in which the seats in such Committees shall be filled:

Provided that not less than four-fifths of the total number of members of such Committee shall be elected by, and from amongst, the elected members of the Panchayat at the district level and of the Municipalities in the district in proportion to the ratio between the population of the rural areas and of the urban areas in the district:

- (c) The functions relating to district planning, which may be assigned to such Committees;
- (d) The manner in which the Chairpersons of such Committees shall be chosen.
- (3) Every District Planning Committee shall, in preparing the draft development plan, -
 - (a) Have regard to-
- (i) Matters of common interest between the Panchayats and the Municipalities including spatial planning, sharing of water and other physical and natural resources, the integrated development of infrastructure and environmental conservation:
 - (ii) The extent and type of available resources whether financial or otherwise;
 - (b) Consult such institutions and organisations as the Governor may, by order, specify.
- (4) The Chairperson of every District Planning Committee shall forward the development plan, as recommended by such Committee, to the Government of the State.

राज्याचें विधानमंडळ अथवा विधानसभेकडेन निर्देश, खंयच्याय असल्या संघ राज्यक्षेत्राच्या संबंदांत, जातूंत विधानसभा आसा, ते विधानसभेकडेन निर्देश आसतीत;

- **243 यग. हया भागाचें काय क्षेत्रांक लागू ना जावप** (1) ह्या भागाची खंयचीच गजाल कलम 244 चें उपकलम (1) हातूंत निर्दीश्ट अनुसूचीत क्षेत्रां आनी हाच्या उपकलम (2) हातूंत निर्दीश्ट जनजाती क्षेत्रांक लागू जावंची ना.
- (2) ह्या भागाचे खंयचेच गजालीचो असो अर्थ लावंचे नात की ती अस्तंत बंगाल राज्याच्या दार्जिलींग जिल्ह्याच्या दोंगरी क्षेत्राखातीर त्या काळांतल्या खंयच्याय कायद्याचे अधीनतायेन घडयल्ले गुरखा दोंगरी परिशदेच्या कृत्यांचेर आनी अधिकाराचेर प्रभाव घालता.
- (3) हया संविधानांत किदेंय आसलें तरी, संसद कायद्यावरवीं, हया भागाच्या उपबंधाचो विस्तार उपकलम (1) हातूंत निर्दीश्ट अनुसूचीत क्षेत्रां आनी जनजाती क्षेत्रांचेर, अशा अपवादांचे आनी उपांतरणांचे अधीनतायेंत रावून करूं शकतली जो अशा कायद्यांत विनिर्दीश्ट आसतलो आनी अशा कसल्याय कायद्याक कलम 368 च्या प्रयोजनांखातीर तो ह्या संविधानाचो बदल आसा अशें मानचे नात.
- **243 यघ. जिल्हो येवजणेखातीर समिती** (1) दरेका राज्यांत जिल्हो स्तराचेर, जिल्हयांत पंचायती आनी नगरपालिका हांचेवरवीं तयार केल्ल्या येवजणींचे दृढीकरण करपाक आनी संपूर्ण जिल्ह्याखातीर एक विकास नियोजन समितेची घडण करतले.
 - (2). राज्याचें विधानमंडळ, कायद्यावरवीं, सकयले बाबतींनी उपबंध करूं शकतलें, म्हळ्यार:-
 - (क) जिल्हो नियोजन समित्यांची रचणूक;
 - (ख) ती पद्धत, जातूंतल्यान अशा समित्यांनी जागे भरतले;

परंतु

अशे सिमतेची वट्ट वांगडी संख्या उण्यांत उणी चार-पंचमांश वांगडी, जिल्हो स्तराचेर पंचायतीचे आनी जिल्ह्यांत नगरपालिकांच्या वेंचून आयिल्ल्या वांगडयां वरवीं आपले भितर, जिल्हयांतल्या गांविगऱ्या वाठाराच्या आनी नागरी क्षेत्रांचे लोकसंख्येच्या प्रमाणानुसार वेंचून काडटले;

- (ग) जिल्हो नियोजनाकडेन संबंदीत अशीं कृत्यां जीं समित्यांचेर सोंपोवं येतात
- (घ) ती रीत जिचेतरेन अशा समित्यांचे अध्यक्ष वेंचप जातलें.
- (3) दरेक नियोजन समिती, विकास प्रारूप तयार करपांत-
 - (क) सकयल्यो गजाली मतींत दवरतली, त्यो म्हळयार:-
- (i) पंचायती आनी नगरपालिका हांच्या सामान्य हितांचे विशय, जातूंत थळावी येवजण, उदक तशेंच हेर भौतीक आनी सैमी संसाधनांत भाग वांटप, अवसंरचनेचो एकत्रीकृत विकास आनी पर्यावरण राखण आसा
 - (ii) उपलब्ध वित्तीय अथवा हेर संसाधनांची व्याप्ती आनी प्रकार;
- (ख) अशा संस्थांकडेन आनी संघटनांकडेन सल्ल्याखातीर संपर्क दवरतली जांकां राज्यपाल, आदेशावरवीं निर्दीश्ट करीत.
- (4) दरेक जिल्हो नियोजन समितेचो अध्यक्ष ती विकास येवजण, जिची अशे समितेवरवीं शिफारस जायत, राज्य सरकाराक धाडटलो.

- **243ZE.** Committee for Metropolitan planning. (1) There shall be constituted in every Metropolitan area a Metropolitan Planning Committee to prepare a draft development plan for the Metropolitan area as a whole.
 - (2) The Legislature of a State may, by law, make provision with respect to-
 - (a) The composition of the Metropolitan Planning Committees;
 - (b) The manner in which the seats in such Committees shall be filled:

Provided that not less than two-thirds of the members of such Committee shall be elected by, and from amongst, the elected members of the Municipalities and Chairpersons of the Panchayats in the Metropolitan area in proportion to the ratio between the population of the Municipalities and of the Panchayats in that area;

- (c) The representation in such Committees of the Government of India and the Government of the State and of such organisations and institutions as may be deemed necessary for carrying out the functions assigned to such Committees;
- (d) The functions relating to planning and coordination for the Metropolitan area, which may be assigned to such Committees;
 - (e) The manner in which the Chairpersons of such Committees shall be chosen.
- (3) Every Metropolitan Planning Committee shall, in preparing the draft development plan, -
 - (a) Have regard to-
 - (i) The plans prepared by the Municipalities and the Panchayats in the Metropolitan area;
- (ii) Matters of common interest between the Municipalities and the Panchayats, including coordinated spatial planning of the area, sharing of water and other physical and natural resources, the integrated development of infrastructure and environmental conservation;
- (iii) The overall objectives and priorities set by the Government of India and the Government of the State;
- (iv) The extent and nature of investments likely to be made in the Metropolitan area by agencies of the Government of India and of the Government of the State and other available resources whether financial or otherwise:
 - (b) Consult such institutions and organisations as the Governor may, by order, specify.
- (4) The Chairperson of every Metropolitan Planning Committee shall forward the development plan, as recommended by such Committee, to the Government of the State.

²[243ZF. Continuance of existing laws and Municipalities. — Notwithstanding anything in this Part, any provision of any law relating to Municipalities in force in a State immediately before the commencement of the Constitution (Seventy-fourth Amendment) Act, 1992, which is inconsistent with the provisions of this Part, shall continue to be in force until amended or repealed by a competent Legislature or other competent authority or until the expiration of one year from such commencement, whichever is earlier:

- 243 यङ. महानगर नियोजनाखातीर समिती (1) दरेका महानगर क्षेत्रांत, संपूर्ण महानगर क्षेत्राखातीर विकास नियोजनाचें प्रारूप तयार करपाखातीर, एके महानगर नियोजन समितेची घडण करतले.
 - (2) राज्याचें विधानमंडळ, कायद्यावरवीं सकयल्या बाबतींनी उपबंघ करूं शकतलें तें म्हळयार:-
 - (क) महानगर नियोजन समित्यांची रचणूक;
 - (ख) ती रीत जिचेवरवी अशा समित्यांनी जागे भरतलेः

परंतु अशे सिमतेचे उण्यांत उणे दोन-तृतीयांश वांगडी महानगर क्षेत्रांत नरगपालिकेच्या वेंचून आयिल्ल्या वांगडयांवरवीं आनी पंचायतींच्या अध्यक्षांवरवीं, आपले मदल्यान, त्या क्षेत्रांत नगरपालिकेचे आनी पंचायतींचे लोकसंख्येच्या प्रमाणानुसार वेंचून काडटले;

- (ग) अशा समित्यांनी भारत सरकार आनी राज्य सरकार तशेंच अशीं संघटना आनी संस्था हांचे प्रतिनिधीत्व जें अशा समित्यांच्या समनुदिश्टीत कृत्यांक कार्यान्वीत करपाखातीर गरजेचें अशें मानतले;
- (घ) महानगर क्षेत्राखातीर नियोजन आनी समन्वय हांचेकडेन संबंदीत अशीं कृत्या जीं अशा समित्यांकडेन सोंपयतले;
 - (ङ) ती रीत जिचेवरवीं अशा समित्यांच्या अध्यक्षांक वेंचून काडटले.
- (3) दरेक महानगर नियोजन समिती, विकास नियोजन प्रारूप तयार करपांत,-
 - (क) सकयल्यो गजाली मतींत दवरतली, त्यो म्हळ्यार:-
 - (i) महानगर क्षेत्रांत नगरपालिकांनी आनी पंचायतीनी तयार केल्ल्यो येवजणी
- (ii) नगरपालिका आनी पंचायती हांच्या सामान्य हितांचे विशय, जातूंत त्या क्षेत्राची समन्वीत थळावी येवजण;

उदक तशेंच हेर भौतीक आनी सैमी साधनांचो वांटो विभाजीत करप, अवसंरचनेचो एकत्रीकृत विकास आनी पर्यावरण राखण आसा

- (iii) भारत सरकार आनी राज्य सरकार हांचेवरवीं थारायल्ले सगले उद्देश आनी अग्रक्रम;
- (iv) त्या गुंतवणुकांची व्याप्ती आनी स्वरूप, ज्यो भारत सरकार आनी राज्य सरकार हांच्या अभिकरणांवरवीं महानगर क्षेत्रांत जावपाचो संभव आसा तशेंच हेर उपलब्ध वित्तीय तशेंच हेर संसाधन.
- (ख) अशा संस्थांकडेन आनी संघटनांकडेन सल्ल्याखातीर संपर्क दवरतली जांकां राज्यपाल आदेशावरवीं विनिर्दीश्टे करीत.
- (4) दरेक महानगर नियोजन समितेचो अध्यक्ष, ती विकास येवजण, जिची अशे समितेवरवीं शिफारस जायत, राज्य सरकाराकडेन धाडटलो.

²[243यच. विद्यमान कायदे आनी नगरपालिकांचें वालू उरप — हया भागांत खंयचीय गजाल आसली तरी, संविधान चौऱ्यात्तरावों बदल अधिनियम, 1992 च्या आरंभाचे निकटपूर्व खंयच्याय राज्यांत अस्तित्वांत आशिल्ल्या नगरपालिकांकडेन संबंदीत खंयच्याय कायद्याचो खंयचोय उपबंध, जो हया भागाच्या उपबंधाकडेन विसंगत आसा, जोंवेर सक्षम विधानमंडळावरवीं अथवा हेर समक्ष प्रधिकारीवरवीं ताचो बदल वा निरसन जायना अथवा जोंवेर अशा आरंभापयली सावन समाप्त जायना, हातूंतली खंयच्यीय गजाल पयलीं जायत, तोंवेर मेरेन आशिल्लो तसोव चालू उरतलो

Provided that all the Municipalities existing immediately before such commencement shall continue till the expiration of their duration, unless sooner dissolved by a resolution passed to that effect by the Legislative Assembly of that State or, in the case of a State having a Legislative Council, by each House of the Legislature of that State.

243ZG. Bar to interference by courts in electoral matters. — Notwithstanding anything in this Constitution, -

- (a) The validity of any law relating to the delimitation of constituencies or the allotment of seats to such constituencies, made or purporting to be made under article 243ZA shall not be called in question in any court;
- (b) No election to any Municipality shall be called in question except by an election petition presented to such authority and in such manner as is provided for by or under any law made by the Legislature of a State.]

Notes

- 1. Inserted by Constitution (Seventy Fourth Amendment), Act 1992 s.2 (w.e.f. 1-6-1993)
- 2. Provisions in Article 243 ZD notified as not applicable to the National Capital of Delhi vide Notification S.O. 1125 (E) dtd. 12-11-2001
- Ibid.

परंतु, अशा आरंभाचे निकटपूर्व विद्यमान सगल्यो नगरपालिका जर त्या राज्याचे विधानसभेवरवीं अथवा अशा राज्याचे बाबतींत, जातूंत विधानपरिशद आसा, त्या राज्याच्या दरेका सभाघरावरवीं पास केल्ल्या अशा अर्थाच्या संकल्पावरवीं पयलीसावन विसर्जीत करप जायना जाल्यार त्यो आपणालो अवधी सोंपमेरेन चालूच उरतल्यो.]

³[243यछ. वेंचणुकांसंबंदीं प्रकरणांनी न्यायालयांची हस्तक्षेपाक मनाय — हया संविधानात खंयचीय गजाल आसली तरीय—

- (क) कलम 243 यक चे अधीनतायेन केल्ल्या अथवा करपाखातीर तात्पर्यीत अशा कसल्याय कायद्याची विधिमान्यताय जो मतदारसंघाचे परिसीमन अथवा अशा मतदारसंघांचे जाग्यांचे वांटणेकडेन संबंदीत आसा, खंयच्याय न्यायालयांत प्रस्तास्पद करचे नात;
- (ख) खंयचेय नगरपालिकेखातीर खंयचीय वेंचणूक, अशा अर्जाचेरूय प्रस्नगत करतले जो अशा प्राधिकाराडेन अशे रितीन प्रस्नगत केल्या आसत जिचो खंयच्याय राज्य सरकाराच्या विधानमंडळावरवीं केल्ल्या खंयच्याय कायद्यावरवीं अथवा ताचे अधीनतायेन उपबंध करूं येता, हेरशी ना.]

टिपोः

- 1. संविधान (चौऱ्यात्तरावो बदल) अधिनियम 1992, अनुभाग 2 वरवीं (1-6-1993 सावन) अंतःस्थापीत.
- 2. कलम 243.यघ हातूंतले उपबंध, 12 नोवेंबर 2001 तारकेच्या, एस. ओ. 1125(ङ) ह्या अध्यादेशाच्या संदर्भान दिल्लीच्या राष्ट्रीय राजपाटण राज्यक्षेत्राक लागू जावंचे नात.
- 3. कित्तो—

PART X THE SCHEDULED AND TRIBAL AREAS

- **244.** Administration of Scheduled Areas and Tribal Areas. (1) The provisions of the Fifth Schedule shall apply to the administration and control of the Scheduled Areas and Scheduled Tribes in any State ¹*** other than ²[the States of Assam ³[Meghalaya, Tripura and Union Territory of Mizoram.]
- (2) The provisions of the Sixth Schedule shall apply to the administration of the tribal areas in ²[the States of Assam, ³[Meghalaya, Tripura and Union Territory of Mizoram.].

⁴[244A. Formation of an autonomous State comprising certain tribal areas in Assam and creation of local Legislature or Council of Ministers or both therefor. — (1) Notwithstanding anything in this Constitution, Parliament may, by law, form within the State of Assam an autonomous State comprising (whether wholly or in part) all or any of the tribal areas specified in ⁵[Part I] of the table appended to paragraph 20 of the Sixth Schedule and create therefor-

- (a) A body, whether elected or partly nominated and partly elected, to function as a Legislature for the autonomous State, or
 - (b) A Council of Ministers,

Or both with such constitution, powers and functions, in each case, as may be specified in the law.

- (2) Any such law as is referred to in clause (1) may, in particular, -
- (a) Specify the matters enumerated in the State List or the Concurrent List with respect to which the Legislature of the autonomous State shall have power to make laws for the whole or any part thereof, whether to the exclusion of the Legislature of the State of Assam or otherwise;
- (b) Define the matters with respect to which the executive power of the autonomous State shall extend;
- (c) Provide that any tax levied by the State of Assam shall be assigned to the autonomous State in so far as the proceeds thereof are attributable to the autonomous State;
- (d) Provide that any reference to a State in any article of this Constitution shall be construed as including a reference to the autonomous State; and
- (e) Make such supplemental, incidental and consequential provisions as may be deemed necessary.
- (3) An amendment of any such law as aforesaid in so far as such amendment relates to any of the matters specified in sub-clause (a) or sub-clause (b) of clause (2) shall have no effect unless the amendment is passed in each House of Parliament by not less than two-thirds of the members present and voting.

भाग – X अनुसूचित क्षेत्रां आनी जनजाती – क्षेत्रां

- **244. अनुसूचित क्षेत्रां आनी जनजाती क्षेत्रां हांचें प्रशासन** (1) पांचवे अनुसूचयेचे उपबंध ²[आसाम, [मेघालय आनी त्रिपुरा] हीं राज्यां सोडल्यार ¹* * * हेर खंयच्याय राज्यांतलीं अनुसूचित क्षेत्रां आनी अनुसूचित जनजातींचें प्रशासन आनी नियंत्रण हांचे संबंदांत लागू जातले.
- (2) सवे अनुसुचयेचे उपबंध ²[आसाम, ³[मेघालय आनी त्रिपुरा] हीं राज्यां आनी मिझोरम हें संघ राज्यक्षेत्र हातूंतल्या] जनजाती - क्षेत्रांच्या प्रशासनांच्या संबंदांत लागू आसतले

⁴[244क. आसामांतलीं थोडीं जनजाती क्षेत्रां आस्पावीत आशिल्लें स्वायत्त राज्य घडोवप आनी तेंखातीर थळाव्या विधानमंडळाची अथवा मंत्रिमंडंळाची निर्मणी − (1) ह्या संविधानांत किदेंय आसलें तरी, संसदेच्यान कायद्यावरवीं आसाम राज्यांत, सवे अनुसुचयेंतल्या 20 व्या परिच्छेदावांगडा जोडिल्ल्या तकट्यांतल्या ⁵[(भाग-1)] हातूंत निर्दीश्ट केल्लीं सगलीं अथवा तातूंतलीं खंयचीय जनजाती-क्षेत्रां (पुरायेन अथवा अंशतायेन) आस्पावीत आशिल्लें राज्य घडोवं येता आनी ताचेखातीर−

(क) त्या स्वायत्त राज्याचें विधानमंडळ म्हूण कार्य करपी एक निकाय - मागीर तो वेंचून दिवपाचो आसूं अथवा अंशतायेन वेंचून दिवपाचो आसूं,—

अथवा

(ख) एक मंत्रिमंडळ

अथवा दोनूय घडोवं येतात आनी दरेकाच्या संबंदांत कायद्यांत विनिर्दीष्ट करतले अशी तांची घडण, अधिकार आनी कार्यां आसतलीं.

- (2) उपकलम (1) हातूंत निर्देशिल्ल्या अशा कसल्याय कायद्यांवरवीं; विशेशतायेन,-
- (क) राज्य वळेरंत अथवा समवर्ती वळेरंत नमूद केल्ले कसलेय गजालीसंबंदीं स्वायत्त राज्याच्या विधानमंडळाक ताच्या संपूर्ण अथवा खंयच्याय भागाखातीर कायदे करपाचो अधिकार आसत तें विनिर्दीश्ट करूं येता - मागीर ती आसाम राज्याच्या विधानमंडळाक वगळून आसूं अथवा हेर तरेन आसूं;
 - (ख) स्वायत्त राज्याच्या शासनाधिकाराचे व्याप्तेंत खंयच्यो गजाली येतल्यो तें निश्चीत करूं येता;
- (ग) आसाम राज्यान लायिल्ल्या कसल्याय कराची येणावळ राज्याकडेन संबंदीत आसत तितले मेरेन ते त्या स्वायत्त राज्याक नेमून दिवंचे अशे उपबंधीत करूं येता;
- (घ) ह्या संविधानाच्या खंयच्याय कलमांतल्या राज्यासंबंदींच्या कसल्याय निर्देशांत, त्या स्वायत्त राज्यासंबंदींच्या निर्देशाचो आस्पाव आसा असो ताचो अर्थ लावंचो अशेंय उपबंधीत करूं येता;

आनी

- (ङ) गरजेचे दिसतीत अशे पूरक, आनुशंगिक आनी परिणामी उपबंध करूं येतात.
- (3) वयर सांगिल्ल्या अशा कसल्याय कायद्यांत बदल हो उपकलम (2) च्या उप-उपकलम (क) अथवा उप-उपकलम (ख) हातूंत विनिर्दीश्ट केल्ल्यामदल्या गजालींकडेन संबंदीत आसत तितलेमेरेन ते संसदेच्या दरेका सभाघरांत हाजीर आशिल्ल्या आनी मतदान करपी वांगड्यांमदल्या उण्याच त्या दोन-तृतीयांश इतल्या वांगड्यांनी पास केलेबगर परिणामक जावंचे नात.

(4) Any such law as is referred to in this article shall not be deemed to be an amendment of this Constitution for the purposes of article 368 notwithstanding that it contains any provision which amends or has the effect of amending this Constitution.]

Part - X

The Scheduled and Tribal Ares

Notes

- 1. The words 'specified in part (A) and (B) of the First Schedule omitted by Constitution (Seventh Amendment) s.29 and Schedule.
- 2. Words substituted for 'Assam state' by North-Eastern Region (Reorganisation) Act, 1971-s.71 (w.e.f 21-1-1992)
- 3. Substituted for 'and Meghalaya' by Constitution (Forty Ninth Amendment) Act, 1984 s.2 (w.e.f. 1-4-1985)
- 4. Inserted by Constitution (Twenty Second Amendment) Act, 1969.
- 5. Substituted for Part A of North-Eastern Region (Reorganisation) Act, 1971-s.71 (w.e.f. 21-1-1972)

(4) ह्या कलमांत निर्देशिल्ल्या अशा कसल्याच कायद्यांत, ह्या संविधानाचो जो बदल करता अथवा जाकालागून परिणामी ह्या संविधानांत बदल जाता असो कसलोय उपबंध आसलो तरीय, तो कायदो कलम 368 च्या प्रयोजनाखातीर ह्या संविधानाचो बदल आसा अशें मानचे नात.]

भाग - X अनुसूचित क्षेत्रां आनी जनजाती - क्षेत्रां

- 1. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956'- अनुभाग 29 आनी अनुसूची हांचेवरवीं 'पयले अनुसुचयेच्या भाग (क) अथवा भाग (ख) हातूंत विनिर्दीश्ट' हीं उतरां निरसीत केल्यांत.
- 2. 'पूर्वोत्तर क्षेत्र (पुनर्रचणूक) अधिनियम, 1971'- अनुभाग 71 वरवीं (21-1-1972 सावन) आसाम राज्य' ह्या उतरांचे सुवातेर घालें.
- 3. 'संविधान (एकोणपत्रासावो बदल) अधिनियम, 1984'- अनुभाग 2 वरवीं 'आनी मेघालय' ह्या उतरांचे सुवातेर (1-4-1985 सावन) घालें.
- 4. 'संविधान (बाविसावो बदल) अधिनियम, 1969'- अनुभाग 2 वरवीं घालें.
- 5. 'पूर्वोत्तर क्षेत्र (पुनर्रचणूक) अधिनियम, 1971'- अनुभाग 71 वरवीं (21-1-1972 सावन) 'भाग क' चे सुवातेर घालें.

PART – XI RELATIONS BETWEEN THE UNION AND THE STATES CHAPTER – 1 LEGISLATIVE RELATIONS

Distribution of Legislative Powers

- **245.** Extent of laws made by Parliament and by the Legislatures of States. (1) Subject to the provisions of this Constitution, Parliament may make laws for the whole or any part of the territory of India, and the Legislature of a State may make laws for the whole or any part of the State.
- (2) No law made by Parliament shall be deemed to be invalid on the ground that it would have extraterritorial operation.
- 246. Subject-matter of laws made by Parliament and by the Legislatures of States. (1) Notwithstanding anything in clauses (2) and (3), Parliament has exclusive power to make laws with respect to any of the matters enumerated in List I in the Seventh Schedule (in this Constitution referred to as the "Union List").
- (2) Notwithstanding anything in clause (3), Parliament, and, subject to clause (1), the Legislature of any State ¹*** also, have power to make laws with respect to any of the matters enumerated in List III in the Seventh Schedule (in this Constitution referred to as the "Concurrent List").
- (3) Subject to clauses (1) and (2), the Legislature of any State ¹*** has exclusive power to make laws for such State or any part thereof with respect to any of the matters enumerated in List II in the Seventh Schedule (in this Constitution referred to as the "State List").
- (4) Parliament has power to make laws with respect to any matter for any part of the territory of India not included ²[in a State] notwithstanding that such matter is a matter enumerated in the State List.
- 247. Power of Parliament to provide for the establishment of certain additional courts. Notwithstanding anything in this Chapter, Parliament may by law provide for the establishment of any additional courts for the better administration of laws made by Parliament or of any existing laws with respect to a matter enumerated in the Union List.
- 248. Residuary powers of legislation. (1) Parliament has exclusive power to make any law with respect to any matter not enumerated in the Concurrent List or State List.
- (2) Such power shall include the power of making any law imposing a tax not mentioned in either of those Lists.
- 249. Power of Parliament to legislate with respect to a matter in the State List in the national interest. (1) Notwithstanding anything in the foregoing provisions of this Chapter, if the Council of States has declared by resolution supported by not less than two-thirds of the members

भाग – XI संघ आनी राज्यां हांचेमदले संबंद प्रकरण 1 – वैधानीक संबंध वैधानीक अधिकारांची विभागणी

- 245. संसदेन आनी राज्यांच्या विधानमंडळांनी केल्ल्या कायद्यांची व्याप्ती (1) ह्या संविधानाच्या उपबंधांचे अधीनतायेन, संसदेच्यान भारताच्या संपूर्ण राज्यक्षेत्राखातीर अथवा त्याच्या खंयच्याय भागाखातीर कायदे करूं येतात.
- (2) संसदेन केल्लो कसलोय कायदो राज्यक्षेत्राभायर लागू जावं येता आनी ह्या कारणावेल्यान तो बेकायदेशीर आसा अशें मानचे नात.
- 246. संसदेन आनी राज्यांच्या विधानमंडळांनी केल्ल्या कायद्यांची विशयवस्तु (1) उपकलम (2) आनी उपकलम (3) हातूंत किदेंय आसलें तरी संसदेक सातवे अनुसुचयेंत (ह्या संविधांनांत 'संघ वळेरी' म्हूण निर्दीश्ट केल्ले). पयले वळेरेंत नमूद केल्ले खंयचेय गजालीसंबंदीं कायदे करपाचो अनन्य साधारण अधिकार आसा.
- (2) उपकलम (3) हातूंत किदेंय आसलें तरी संसदेक, आनी उपकलम (1) चे अधीनतायेन 1* * * ' खंयच्याय राज्याच्या विधानमंडळाक, सातवे अनुसुचयेंतले (ह्या संविधानांत 'समवर्ती वळेरी' म्हूण निर्दीश्ट केल्ले) तिसरे वळेरेंत नमूद केल्ले खंयचेय गजालीसंबंदीं कायदे करपाचो अधिकार आसा.
- (3) उपकलम (1) आनी उपकलम (2) हांचे अधीनतायेन ¹* * * खंयच्याय राज्याच्या विधानमंडळाक अशा राज्याखातीर अथवा ताच्या खंयच्याय भागाखातीर, सातवे अनुसुचयेंतले (ह्या संविधानांत 'राज्य वळेरी' म्हूण निर्दीश्ट केल्ले.) दुसरे वळेरेंत नमूद केल्ले खंयचेय गजालीसंबंदीं कायदे करपाचो अनन्य साधारण अधिकार आसा.
- (4) संसदेक ²[एखाद्या राज्यांत] आस्पावीत नाशिल्ल्या अशा, भारताच्या राज्यक्षेत्राच्या खंयच्याय भागाखातीर कसलेंय गजालीसंबंदीं कायदे करपाचो अधिकार आसा मागीर अशी गजाल राज्य वळेरेंत नमूद केल्ली गजाल आसली तरी हरकत ना.
- 247. थोड्या अतिरिक्त न्यायालयांची स्थापना करपाखातीर उपबंध करपाचो संसदेचो अधिकार ह्या प्रकरणांत किदेंय आसलें तरी, संघ वळेरेंत नमूद केल्ले गजालीसंबंदीं संसदेन केल्ल्या कायद्यांचें अथवा कसल्याय अस्तित्वांत आशिल्ल्या कायद्यांचें चड बरे तरेन प्रशासन जांवंचे हेखातीर संसदेच्यान कसलींय अतिरिक्त न्यायालयां स्थापन करपाखातीर उपबंध करूं येतात.
- **248. विधिविधानाचे अवशीश्ट अधिकार** (1) संसदेक समवर्ती वळेरी अथवा राज्य वळेरी हातूंत नमूद करूंक नाशिल्ले कसलेय गजालीसंबंदीं कसलोय कायदो करपाचो अनन्यसाधारण अधिकार आसा.
- (2) अशा अधिकारांत, त्या दोनायमदले खंयचेच वळेरेंत उल्लेख जावंक नाशिल्लो, कर लावपी कसलोय कायदो करपाच्या अधिकाराचो आस्पाव आसतलो.
- 249. राष्ट्रीय हिताखातीर राज्य वळेरेंतले गजालीसंबंदी विधिविधान करपाचो संसदेक अधिकार -(1) ह्या प्रकरणाच्या पूर्वगामी उपबंधांनी किदेंय आसलें तरी, जर राज्यसभेन तिच्या हाजीर आशिल्ल्या आनी मतदान करपी

present and voting that it is necessary or expedient in the national interest that Parliament should make laws with respect to any matter enumerated in the State List specified in the resolution, it shall be lawful for Parliament to make laws for the whole or any part of the territory of India with respect to that matter while the resolution remains in force.

(2) A resolution passed under clause (1) shall remain in force for such period not exceeding one year as may be specified therein:

Provided that, if and so often as a resolution approving the continuance in force of any such resolution is passed in the manner provided in clause (1), such resolution shall continue in force for a further period of one year from the date on which under this clause it would otherwise have ceased to be in force.

- (3) A law made by Parliament which Parliament would not but for the passing of a resolution under clause (1) have been competent to make shall, to the extent of the incompetency, cease to have effect on the expiration of a period of six months after the resolution has ceased to be in force, except as respects things done or omitted to be done before the expiration of the said period.
- 250. Power of Parliament to legislate with respect to any matter in the State List if a Proclamation of Emergency is in operation. (1) Notwithstanding anything in this Chapter, Parliament shall, while a Proclamation of Emergency is in operation, have power to make laws for the whole or any part of the territory of India with respect to any of the matters enumerated in the State List.
- (2) A law made by Parliament which Parliament would not but for the issue of a Proclamation of Emergency have been competent to make shall, to the extent of the incompetency, cease to have effect on the expiration of a period of six months after the Proclamation has ceased to operate, except as respects things done or omitted to be done before the expiration of the said period.
- 251. Inconsistency between laws made by Parliament under articles 249 and 250 and laws made by the Legislatures of States. Nothing in articles 249 and 250 shall restrict the power of the Legislature of a State to make any law which under this Constitution it has power to make, but if any provision of a law made by the Legislature of a State is repugnant to any provision of a law made by Parliament which Parliament has under either of the said articles power to make, the law made by Parliament, whether passed before or after the law made by the Legislature of the State, shall prevail, and the law made by the Legislature of the State shall to the extent of the repugnancy, but so long only as the law made by Parliament continues to have effect, be inoperative.
- 252. Power of Parliament to legislate for two or more States by consent and adoption of such legislation by any other State. (1) If it appears to the Legislatures of two or more States to be desirable that any of the matters with respect to which Parliament has no power to make laws

उण्यांत उण्या दोन-तृतीयांश वांगड्यांनी तेंको दिल्ल्या थारावावरवीं, राज्य वळेरेंत नमूद केल्लेमदले त्या थारावांत विनिर्दीश्ट केल्ले अशे खंयचेय गजालीसंबंदीं संसदेन कायदो करप हें राष्ट्रीय हिताखातीर गरजेचें आनी समयोचीत आसा अशें घोशीत केल्लें आसत जाल्यार तो थाराव अंमलांत आसा तोवेर संसदेन भारताच्या संपूर्ण राज्यक्षेत्राखातीर अथवा ताच्या खंयच्याय भागाखातीर ते गजाली संबंदीं कायदे करप हें विधिसंमत जातलें.

(2) उपकलम (1) खाला पास केल्लो थाराव, तातूंत विनिर्दीश्ट करतले अशा चडांत चड एका वर्साच्या कालावधीमेरेन लागू उरतलो :

परंतु, जर आनी जेन्ना जेन्ना अशा कसल्याय थारावाचो अमंल चालू दवरपाक मान्यताय दिवपी थाराव उपकलम (1) हातूंत उपबंधीत केल्ले रितीन पास जायत जाल्यार आनी तेन्ना तेन्ना, अशा थारावाचो अमंल ह्या उपकलमाखाला हेरशीं जे तारकेक बंद जावपाचो ते तारकेसावन फुडें एका वर्साच्या कालावधीमेरेन तो चालू उरतलो.

- (3) उपकलम (1) खाला थाराव पास जावंक नाशिल्लो जाल्यार, जो कायदो करपाक, संसद सक्षम जावंची, नाशिल्ली असो संसदेन केल्लो कायदो थारावाचो अंमल बंद जावपाच्या दिसासावन स म्हयन्यांचो कालावधी सोंपनाफुडें अक्षमतायेचे व्याप्ते मेरेन निश्परिणामक जातलो, मात वयलो कालावधीं सोंपचेपयलीं त्या कायद्यावरवीं केल्ल्यो अथवा करपाचें वर्जीत केल्ल्यो गजाली हाका आडवाद आसतल्यो.
- 250. आणीबाणीची उद्घोशणा लागू आसत तेन्ना राज्य वळेरंतले खंयचेय गजालीविशीं विधिविधान करपाचो संसदेचो अधिकार (1) ह्या प्रकरणांत किदेंय आसलें तरी, संसदेक आणीबाणीची घोशणा लागू आसत तेन्ना, राज्य वळेरेंत नमूद केल्ले कसलेय गजालीसंबंदीं भारताच्या संपूर्ण राज्यक्षेत्राखातीर अथवा ताच्या खंयच्याय भागाखातीर कायदे करपाचो अधिकार आसतलो.
- (2) आणीबाणीची उद्घोशणा जांवक नाशिल्ली जाल्यार जो कायदो करपाक संसद सक्षम जावंची नाशिल्ली असो संसदेन केल्लो कायदो उद्घोशणा लागू आसपाचें बंद जायतसावन स म्हयन्यांचो कालावधी सोंपनाफुडें अक्षमतेचे व्याप्तेमेरेन निश्परिणामक जातलो, मात वयलो कालावधी सोंपचेपयलीं त्या कायद्यावरवीं केल्ल्यो अथवा करपाचें वर्जीत केल्ल्यो गजाली हाका आडवाद आसतल्यो.
- 251. संसदेन कलम 249 आनी कलम 250 हांचेखाला केल्ले कायदे आनी राज्यांच्या विधानमंडळांनी केल्ले कायदे हांचेमदली विसंगती. ह्या संविधानाखाला राज्य विधानमंडळाक जो कायदो करपाचो अधिकार आसा असो कसलोय कायदो करपाच्या ताच्या अधिकाराचेर कलम 249 आनी कलम 250, हातूंतले खंयचेच गजालीक लागून निर्वंध पडचो ना, परंतु, जर राज्य विधानमंडळान केल्ल्या कायदाचो खंयचोय उपबंध हो वयल्या कलमांमदल्या खंयच्याय कलमाखाला जो कायदो करपाचो संसदेक अधिकार आसा अशा संसदीय कायदाच्या खंयच्याय उपबंधाक प्रतिकूल आसत जाल्यार, संसदेन केल्लो कायदो मागीर तो राज्य विधानमंडळान केल्ल्या कायदाचे पयलीं पास जाल्लो आसूं अथवा मागीर जाल्लो आसूं चड प्रभावी थारतलो, आनी राज्य विधानमंडळान केल्लो कायदो, प्रतिकूलतेचे व्याप्तेपुरतो, परंतु संसदेन केल्लो कायदो परिणामकारक आसमेरेनूच, निश्प्रभावी जातलो.
- 252. दोन अथवा चड राज्यांखातीर तांचे संमतेन विधिविधानाचो हेर खंयच्याय राज्याकडल्यान अंगीकार — (1) जर दोन अथवा चड राज्यांच्या विधानमंडळांक, कलम 249 आनी कलम 250 हातूंत उपबंधीत केलां ते भायर जांचेविशीं संसदेक राज्यांखातीर कायदे करपाचो अधिकार ना अशां मदल्या खंयच्याय गजालींचें अशा राज्यांनी

for the States except as provided in articles 249 and 250 should be regulated in such States by Parliament by law, and if resolutions to that effect are passed by all the Houses of the Legislatures of those States, it shall be lawful for Parliament to pass an Act for regulating that matter accordingly, and any Act so passed shall apply to such States and to any other State by which it is adopted afterwards by resolution passed in that behalf by the House or, where there are two Houses, by each of the Houses of the Legislature of that State.

- (2) Any Act so passed by Parliament may be amended or repealed by an Act of Parliament passed or adopted in like manner but shall not, as respects any State to which it applies, be amended or repealed by an Act of the Legislature of that State.
- **253.** Legislation for giving effect to international agreements. Notwithstanding anything in the foregoing provisions of this Chapter, Parliament has power to make any law for the whole or any part of the territory of India for implementing any treaty, agreement or convention with any other country or countries or any decision made at any international conference, association or other body.
- 254. Inconsistency between laws made by Parliament and laws made by the Legislatures of States. (1) If any provision of a law made by the Legislature of a State is repugnant to any provision of a law made by Parliament which Parliament is competent to enact, or to any provision of an existing law with respect to one of the matters enumerated in the Concurrent List, then, subject to the provisions of clause (2), the law made by Parliament, whether passed before or after the law made by the Legislature of such State, or, as the case may be, the existing law, shall prevail and the law made by the Legislature of the State shall, to the extent of the repugnancy, be void.
- (2) Where a law made by the Legislature of a State *** with respect to one of the matters enumerated in the Concurrent List contains any provision repugnant to the provisions of an earlier law made by Parliament or an existing law with respect to that matter, then, the law so made by the Legislature of such State shall, if it has been reserved for the consideration of the President and has received his assent, prevail in that State:

Provided that nothing in this clause shall prevent Parliament from enacting at any time any law with respect to the same matter including a law adding to, amending, varying or repealing the law so made by the Legislature of the State.

- 255. Requirements as to recommendations and previous sanctions to be regarded as matters of procedure only. No Act of Parliament or of the Legislature of a State ³***, and no provision in any such Act, shall be invalid by reason only that some recommendation or previous sanction required by this Constitution was not given, if assent to that Act was given-
 - (a) Where the recommendation required was that of the Governor, either by the Governor or by the President;

संसदेन कायद्यावरवीं विनियमन करप हें बरोबर आसा अशें दिसून आयलें, आनी त्या राज्यांच्या विधानमंडळाच्या सगल्या सभाघरांनी त्या आशयाचे थाराव पास केले जाल्यार, तेप्रमाण ते गजालीचें विनियमन करपाखातीर संसदेन अधिनियम पास करप हें विधिसंमत जातलें, आनी हेप्रमाण पास जाल्लो कसलोय कायदो अशा राज्यांक आनी तें राज्य ताच्या विधानमंडळाच्या सभाघरान अथवा दोन सभाघरां आसतीत थंय तातूंतल्या दरेका सभाघरान ताचेउपरांत तेसंबंदांत पास केल्ल्या थारावावरवीं तो कायदो अंगीकृत करतलीं.अशा हेर खंयच्याय राज्याक लागू जातलो.

- (2) संसदेन हेप्रमाण पास केल्लो खंयचोय अधिनियम, तशेच रितीन पास केल्ल्या अथवा अंगीकृत केल्ल्या संसदीय अधिनियमावरवीं निरसीत करूं येता अथवा बदलूं येता, परंतु जाका तो लागू आसा अशा खंयच्याय राज्याच्या संदर्भांत, तो त्या राज्याच्या विधानमंडळाच्या अधिनियमावरवीं बदलूंक अथवा निरसीत करूंक मेळचो ना.
- 253. आंतरराष्ट्रीय करारांची अंमलबजावणी करपाखातीर विधिविधान ह्या प्रकरणाच्या पूर्वगामी उपबंधांत किदेंय आसलें तरी संसदेक हेर खंयच्याय देशावांगडा अथवा देशांकडेन जाल्ली कसलीय कबलात, कसलोय करार अथवा प्रथा अथवा खंयचेय आंतरराष्ट्रीय परिशदेंत अधिसंघांत अथवा हेर निकायांत जाल्लो कसलोय निर्णय कार्यान्वीत करपाखातीर भारताच्या संपूर्ण राज्यक्षेत्राखातीर अथवा ताच्या खंयच्याय भागाखातीर कसलोय कायदो करपाचो अधिकार आसा.
- 254. संसदेन केल्ले कायदे आनी राज्यांच्या विधानमंडळानी केल्ले कायदे हातूंतली विसंगती (1) राज्याच्या विधानमंडळान केल्ल्या कायद्याचा खंयचाय उपबंध जर संसद जो कायदो अधिनियमीत करपाक सक्षम आसा अशा संसदीय कायद्याच्या खंयच्याय उपबंधाक अथवा समवर्ती वळेरेंत नमूद केल्ल्यांभितरले एखादे गजालीसंबंदीं अस्तित्वांत आशिल्ल्या खंयच्याय कायद्याच्या खंयच्याय उपबंधाक प्रतिकूल आसत जाल्यार, संसदेन केल्लो कायदो मागीर तो अशा राज्याच्या विधानमंडळान केल्ल्या कायद्याचे पयलीं पास जाल्लो आसूं अथवा मागीर जाल्लो आसूं अथवा त्या त्या प्रकरणाप्रमाण, अस्तित्वांत आशिल्लो कायदो, उपकलम (2) च्या उपबंधांचे अधीनतायेन, चड प्रभावी थारतलो आनी राज्याच्या विधानमंडळान केल्लो कायदो प्रतिकुलतेचे व्याप्तेपुरतो शून्य जातलो.
- (2) ³* * राज्याच्या विधानमंडळान समवर्ती वळेरंत नमूद केल्ले आशिल्ले एखादे गजालीसंबंदांत केल्ल्या कायद्यांत, ते गजालीसंबंदीं संसदेन पयलीं केल्ल्या कायद्यांतल्या अथवा विद्यमान कायद्यांतल्या उपबंधाक प्रतिकूल असो कसलोय उपबंध आस्पावीत आसत ते संबंदांत, अशा राज्याच्या विधानमंडळान हे प्रमाण केल्लो कायदो, जर तो राष्ट्रपतीच्या विचाराखातीर राखून दवरून ताका ताची मान्यताय मेळ्ळ्या आसत जाल्यार, त्या राज्यांत चड प्रभावी थारतलो.

परंतु, राज्याच्या विधानमंडळान हेप्रमाण केल्ल्या कायद्यांत भर घालपी, तातूंत बदल करपी अथवा ताचें निरसन करपी कायद्यासयत, तेच गजालीसंबंदीं कसलोय कायदो खंयच्याय वेळार अधिनियमीत करपाक ह्या उपकलमांतले खंयचेच गजालीकलागून संसदेक आडकाठी जावंची ना.

- 255. शिफारसी आनी पूर्वमंजुरी हेसंबंदींच्यो गरजो ह्यो फकत कार्यपद्धतीच्यो गजाली मानप संसदेच्या अथवा ³* * * राज्याच्या विधानमंडळाच्या एखाद्या अधिनियमाक
 - (क) राज्यपालाची शिफारस गरजेची आशिल्ल्याच्या संबंदांत, राज्यपालान अथवा राष्ट्रपतीन;

- (b) Where the recommendation required was that of the Rajpramukh, either by the Rajpramukh or by the President;
- (c) Where the recommendation or previous sanction required was that of the President, by the President.

CHAPTER - 2 ADMINISTRATIVE RELATIONS

General

- **256. Obligation of States and the Union.** The executive power of every State shall be so exercised as to ensure compliance with the laws made by Parliament and any existing laws which apply in that State, and the executive power of the Union shall extend to the giving of such directions to a State as may appear to the Government of India to be necessary for that purpose.
- 257. Control of the Union over States in certain cases. (1) The executive power of every State shall be so exercised as not to impede or prejudice the exercise of the executive power of the Union, and the executive power of the Union shall extend to the giving of such directions to a State as may appear to the Government of India to be necessary for that purpose.
- (2) The executive power of the Union shall also extend to the giving of directions to a State as to the construction and maintenance of means of communication declared in the direction to be of national or military importance:

Provided that nothing in this clause shall be taken as restricting the power of Parliament to declare highways or waterways to be national highways or national waterways or the power of the Union with respect to the highways or waterways so declared or the power of the Union to construct and maintain means of communication as part of its functions with respect to naval, military and air force works.

- (3) The executive power of the Union shall also extend to the giving of directions to a State as to the measures to be taken for the protection of the railways within the State.
- (4) Where in carrying out any direction given to a State under clause (2) as to the construction or maintenance of any means of communication or under clause (3) as to the measures to be taken for the protection of any railway, costs have been incurred in excess of those which would have been incurred in the discharge of the normal duties of the State if such direction had not been given, there shall be paid by the Government of India to the State such sum as may be agreed, or, in default of agreement, as may be determined by an arbitrator appointed by the Chief Justice of India, in respect of the extra costs so incurred by the State.

⁴257A. [Assistance to States by deployment of armed forces or other forces of the Union.].

— Rep. by the Constitution (Forty-fourth Amendment) Act, 1978, s. 33 (w.e.f. 20-6-1979). [□]

- (ख) राजप्रमुखाची शिफारस गरजेची आशिल्ल्याच्या संबंदांत, राजप्रमुखान अथवा राष्ट्रपतीन;
- (ग) राष्ट्रपतीची शिफारस अथवा पूर्वमंजूरी गरंजेची आशिल्ल्याच्या संबंदांत, राष्ट्रपतीन, अनुमती दिल्या आसत जाल्यार, ह्या संविधानान गरजेचें केलां आसत तेप्रमाण तशी शिफारस करूंक नाशिल्ली अथवा पूर्वमंजुरी दिवंक नाशिल्ली इतल्याच कारणाक लागून असो कसलोच अधिनियम आनी अशा खयंच्याच अधिनियमांतले उपबंध कायद्याभायले थारचे नात.

प्रकरण 2 — प्रशासनीक संबंद सर्वसाधारण

- 256. राज्यां आनी संघ हांची लागुणूक दरेका राज्याचे शासनाधिकार अशे तरेन वापरतले की, ताचे वरवीं, संसदेन केल्ल्या कायद्यांचें आनी त्या राज्यांत जे लागू आसतले अशा कसल्याय अस्तित्वांत आशिल्ल्या कायद्यांचें पालन सुनिश्चीत जातलें, आनी त्या प्रयोजनाखातीर भारत सरकाराक गरजेचे दिसतीत अशे निदेश राज्याक दिवप हें संघाच्या शासनाधिकाराचे व्याप्तेंत येतलें.
- 257. थोड्या गजालींनी संघाचें राज्यांचेर नियंत्रण (1) दरेका राज्याचो शासनाधिकार अशे तरेन वापरतले की, ताकालागून संघाच्या शासनाधिकाराच्या वापराक आडखळ अथवा बाधा येवंची ना, आनी त्या प्रयोजनाखातीर भारत सरकाराक गरजेचे दिसतीत अशे निदेश राज्याक दिवप हें सधाच्या शासनाधिकाराचे व्याप्तेंत येतलें.
- (2) एखाद्या राज्याक निदेश दिवन तातूंत राष्ट्रीय अथवा लश्करी नदरेन म्हत्वाचीं म्हूण घोशीत केल्ल्या दळणवळण साधनांची उभारणी आनी देखभाल हांचे संबंदीं तेवरवीं निदेशन करप हेंवूय संघाच्या शासनाधिकाराचे व्याप्तेंत येतलें :

परंतु, महामार्ग अथवा जलमार्ग हे राष्ट्रीय महामार्ग अथवा राष्ट्रीय जलमार्ग म्हूण घोशीत करपाच्या संसदेच्या अधिकाराक अथवा हेप्रमाण घोशीत केल्ल्या महामार्गांच्या अथवा जलमार्गांच्या संबंदांतल्या संघाच्या अधिकाराक अथवा नौदलीय, भूदलीय अथवा वायुदलीय बांधकामासंबंदींच्या आपणाल्या कार्याचो भाग म्हूण दळणवळण - साधनां उभारपाच्या आनी ताची देखभाल करपाच्या संघराज्याच्या अधिकाराक ह्या उपकलमांतली खंयचीच गजाल निर्बंधक आसा अशें मानचे नात.

- (3) एखाद्या राज्यांतल्या रेल्वेमार्गांचे राखणेखातीर येवजुपाच्या उपायांसंबंदीं त्या राज्याक निदेश दिवप हेंवूंय संघाच्या शासनाधिकाराचे व्याप्तेंत येतलें.
- (4) कसल्याय दळणवळण सांधनांची उभारणी अथवा देखभाल हांचेसंबंदीं उपकलम (2) खाला अथवा खंयच्याय रेल्वेमार्गाचे राखणेखातीर येवजुपाच्या उपायांसंबंदीं उपकलम (3) खाला राज्याक दिल्ल्या कसल्याय निदेशाची अंमलबजावणी करतना, असो निदेश दिवंक नाशिल्लो जाल्यार राज्याक आपणालीं सदांचीं कर्तव्यां निभायतना जितलो खर्च येतलो आशिल्लो ताचेपरस चड खर्च आयिल्लो आसत जाल्यार तेसंबंदांत, हेप्रमाण राज्याक आयिल्ल्या चड खर्चासंबदांत एकमतान थारत अथवा एकमत जालें ना जाल्यार भारताच्या मुख्य न्यायमूर्तीकडल्यान नेमणूक जाल्ल्या लवादाकडल्यान निर्धारीत जातली अशी रकम भारत सरकाराकडल्यान राज्याक मेळटली.
- ⁴257क. [संघाच्या सशस्त्र दळांक अथवा हेर दळांच्या अभिनियोजनावरवीं राज्यांक मजत] 'संविधान (चोवेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1978'- अनुभाग 33 वरवीं (20.6.1979 सावन) निरसीत केले.

- 258. Power of the Union to confer powers, etc., on States in certain cases. (1) Notwithstanding anything in this Constitution, the President may, with the consent of the Government of a State, entrust either conditionally or unconditionally to that Government or to its officer's functions in relation to any matter to which the executive power of the Union extends.
- (2) A law made by Parliament which applies in any State may, notwithstanding that it relates to a matter with respect to which the Legislature of the State has no power to make laws, confer powers and impose duties, or authorise the conferring of powers and the imposition of duties, upon the State or officers and authorities thereof.
- (3) Where by virtue of this article powers and duties have been conferred or imposed upon a State or officers or authorities thereof, there shall be paid by the Government of India to the State such sum as may be agreed, or, in default of agreement, as may be determined by an arbitrator appointed by the Chief Justice of India, in respect of any extra costs of administration incurred by the State in connection with the exercise of those powers and duties.
- ⁵[258A. Power of the States to entrust functions to the Union. Notwithstanding anything in this Constitution, the Governor of a State may, with the consent of the Government of India, entrust either conditionally or unconditionally to that Government or to its officers functions in relation to any matter to which the executive power of the State extends.]
- 259. [Armed Forces in States in Part B of the First Schedule.]. Rep. by the Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s. 29 and Sch.
- 260. Jurisdiction of the Union in relation to territories outside India. The Government of India may by agreement with the Government of any territory not being part of the territory of India undertake any executive. legislative or judicial functions vested in the Government of such territory, but every such agreement shall be subject to, and governed by, any law relating to the exercise of foreign jurisdiction for the time being in force.
- **261.** Public acts, records and judicial proceedings. (1) Full faith and credit shall be given throughout the territory of India to public acts, records and judicial proceedings of the Union and of every State.
- (2) The manner in which and the conditions under which the acts, records and proceedings referred to in clause (1) shall be proved and the effect thereof determined shall be as provided by law made by Parliament.
- (3) Final judgments or orders delivered or passed by civil courts in any part of the territory of India shall be capable of execution anywhere within that territory according to law.

- 258. थोड्या गजालींनी राज्यांक अधिकार, इत्यादी प्रदान करपाचो संघाचो अधिकार (1) ह्या संविधानांत किदेंय आसलें तरी, राष्ट्रपतीच्यान, संघाच्या शासनाधिकाराचे व्याप्तेंत येत अशे कसलेय गजाली संबंदींचीं कार्यां राज्य सरकाराचे संमतेन त्या सरकाराकड़ेन अथवा ताच्या अधिकाऱ्यांकडेन अटींसयत अथवा अटींबगर दिवं येतात.
- (2) एखाद्या राज्यांत जो लागू आसा असो संसदेन केल्लो कायदो, राज्य विधानमंडळाक ज्या गजालींसंबंदीं कायदो करपाचो अधिकार ना तिचेकडेन संबंदीत आसलो तरी तेवरवीं त्या राज्याक अथवा ताच्या अधिकाऱ्यांक आनी प्राधिकरणांक अधिकार प्रदान करूं येतात, आनी तांचेकडेन कर्तव्यां दिवं येतात अथवा अधिकारांचें प्रदान आनी कर्तव्यांची सोंपवणूक प्रदान करूं येता.
- (3) जंय ह्या कलमाच्या आदारान राज्याक अथवा ताच्या अधिकाऱ्यांक अथवा प्राधिकरणांक अधिकार प्रदान केल्ले आसतीत अथवा तांकां कर्तव्यां दिल्लीं आसतीत थंय, राज्याक त्या अधिकारांचे अथवा कर्तव्यांचे बजावणेसंबंदांत येवपी चड प्रशासकीय खर्चाच्या संबंदांत, एकमतान थारत अथवा एकमत जालेंना जाल्यार भारताच्या मुख्य न्यायमूर्तीन नेमणूक केल्ल्या लवादावरवीं निर्धारीत जातली अशी रकम भारत सरकाराकडल्यान राज्य सरकाराक मेळटली.
- ⁵[258क. संघाकडेन कार्या सुपूर्व करपाचो राज्यांचो अधिकार ह्या संविधनांत किदेंय आसलें तरी, एखाद्या राज्याच्या राज्याच्या राज्याच्या शासनाधिकाराचे व्याप्तेंत येता आसत अशे कसलीय गजालीसंबंदांतलीं कार्यां, भारत सरकाराचे संमतेन त्या सरकाराकडेन अथवा ताच्या अधिकाऱ्याकडेन अटींसयत अथवा अटींबगर सुपूर्व कर्रं येतात.]
- 259. [पयले अनुसुचयेच्या भाग (ख) हातूंतलीं 'राज्यांचीं सशस्त्र दळां'] हीं उतरां संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956 अनुभाग 29 आनी अनुसुचयेवरवीं निरसीत केले.
- 260. भारताभायल्या राज्यक्षेत्रांसंबंदीं संघाची अधिकारिताय भारत सरकाराक भारताच्या राज्यक्षेत्राचो भाग नाशिल्ल्या खंयच्याय राज्यक्षेत्राच्या सरकारावांगडा करार करून ताचेवरवीं अशा राज्य सरकाराचे ढांय निहीत आशिल्लीं कसलींय शासकीय, वैधानीक अथवा न्यायीक कार्या पत्करूंक मेळटलीं, परंतु असो दरेक करार विदेशविशयक अधिकारितायेच्या वापरासंबंदीं त्या त्या काळांत अस्तित्वांत आशिल्ल्या खंयच्याय कायद्याचे अधीनतायेंन आसतलीं आनी ताचेवरवीं नियंत्रीत जातलीं.
- **261. अधिशासकीय कृती, अभिलेख आनी न्यायीक कार्यवाही** (1) संघाच्यो आनी दरेका राज्याच्यो अधिशासकीय कृती, अभिलेख आनी न्यायीक कार्यवाही हांकां भारताच्या राज्यक्षेत्रांत सगलेकडेन संपूर्ण विश्वासपात्रताय आनी प्रामाण्य दितले.
- (2) उपकलम (1) हातूंत निदेशिल्ल्यो कृती, अभिलेख आनी कार्यवाही कशे रितीन आनी कसल्या अटींचेर शाबीत करच्यो आनी तांचो परिणाम कसो थारावंचो ह्यो गजाली संसदेन केल्ल्या कायद्यावरवीं उपबंधीत केल्यात ते प्रमाण थारतल्यो.
- (3) भारताच्या राज्यक्षेत्राच्या खंयच्याय भागांतल्या मुलकी न्यायालयांनी दिल्ले निमणे न्यायनिर्णय अथवा दिल्ले आदेश त्या राज्यक्षेत्रांत खंयूंय कायद्याप्रमाण बजावणीयोग्य आसतले.

Disputes relating to Waters

- 262. Adjudication of disputes relating to waters of inter-State rivers or river valleys. (1) Parliament may by law provide for the adjudication of any dispute or complaint with respect to the use, distribution or control of the waters of, or in, any inter-State river or river valley.
- (2) Notwithstanding anything in this Constitution, Parliament may by law provide that neither the Supreme Court nor any other court shall exercise jurisdiction in respect of any such dispute or complaint as is referred to in clause (1).

Co-ordination between States

- **263.** Provisions with respect to an inter-State Council. If at any time it appears to the President that the public interests would be served by the establishment of a Council charged with the duty of-
 - (a) Inquiring into and advising upon disputes which may have arisen between States;
 - (b) Investigating and discussing subjects in which some or all of the States, or the Union and one or more of the States, have a common interest; or
 - (c) Making recommendations upon any such subject and, in particular, recommendations for the better co-ordination of policy and action with respect to that subject,

It shall be lawful for the President by order to establish such a Council, and to define the nature of the duties to be performed by it and its organisation and procedure.

Notes

- The words and letters "specified in Part A or Part B of the First Schedule" omitted by the Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s. 29 and Sch.
- Subs. by Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956 s.29 & schedule for the words, 'in the part (A) or part (B) of the First Schedule
- 3. The words 'Specified in part (A) or part (B) of the First Schedule' omitted by the Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956 s.29
- 4. Ins. by Constitution (Forty-Second Amendment) Act, 1976, s.43 (w.e.f. 3-01-1977)
- 5. Ins. by Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956 s.18

उदकारांबंदींचीं किजिलां

- **262. आंतरराज्यीय न्हंयांच्या, अथवा न्हयां-घाटांच्या उदकासंबंदींच्या किजिलांचो अभिनिर्णय** (1) संसदेच्यान कायद्यावरवीं खंयचेय आंतरराज्यीय न्हंयेंच्या अथवा न्हंय-घाटांच्या उदकाचो वापर, वांटप अथवा ताचेवेलें नियंत्रण हेसंबदींच्या कसल्याय किजिलाच्या अथवा कागाळेच्या अभिनिर्णयाखातीर उपबंध करूं येता.
- (2) ह्या संविधानांत किर्देय आसलें तरी, संसदेच्यान कायद्यावरवीं उपकलम (1) हातूंत निदेशिल्ल्या अशा कसल्याय किजिलाच्या अथवा कागाळेच्या संबंदांत सर्वोच्च न्यायालयाक अथवा हेर खंयच्याय न्यायालयाक अधिकारिताय वापरूक मेळची ना असो उपबंध करूं येता.

राज्याराज्यांमदलो समन्वय

263. आंतरराज्यीय परिशदेसंबंदीं उपबंध.

- (क) राज्याराज्यांमदीं किजिलां उप्रासल्यां आसतीत तांचेविशीं चवकशी करप आनी तांचेर सल्लो दिवप.
- (ख) राज्यांमदल्या सगल्यांचो अथवा थोड्यांचो अथवा संघ आनी एक अथवा चड राज्यां हांचो जातूंत समाजीक हितसंबंद आसा अशा विशयांसंबंदीं सोदतपास करप आनी चर्चा करप; अथवा
- (ग) अशा कसल्याय विशयाचेर शिफारसी आनी, विशेशतायेन, त्या विशयासंबंदींचें धोरण आनी कारवाय हांचो चड बरे तरेन समन्वय सादपाखातीर शिफारसी करप,

हें काम सुपूर्व करपासारकेले एके परिशदेची स्थापना केल्यार लोकहित सादतलें अशें केन्नाय राष्ट्रपतीक दिसलें जाल्यार, राष्ट्रपतीन आदेशावरवीं अशी परिशद स्थापन करप आनी तिणे करपाच्या कर्तव्यांचें स्वरूप तशेंच तिची रचणूक आनी कार्यपद्धत निश्चित करप हें विधिसंमत जातलें.

टिपो

- (1) 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956'- अनुभाग 29 आनी अनुसुचयेवरवीं 'पयले अनुसुचयेच्या भाग (क) अथवा भाग (ख) हातूंत निर्दीश्ट केल्ल्या' हीं उतरां निरसीत केलीं.
- (2) 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956'- अनुभाग 29 आनी अनुसुचयेवरवीं 'पयले अनुसुचयेच्या भाग (क) अथवा भाग (ख) हातूंत 'ह्या उतरांचे सुवातेर घालें.
- (3) 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956' अनुभाग 29 वरवीं 'पयले अनुसुचयेच्या भाग (क) अथवा भाग (ख) हातूंत निदीश्ट केल्ल्या 'हीं उतरां निरसीत केलीं.
- (4) 'संविधान (बेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1976' अनुभाग 43 वरवीं (3-1-1977 सावन) घालें.
- (5) 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956'- अनुभाग 18 वरवीं घालें.

PART – XII FINANCE, PROPERTY, CONTRACTS AND SUITS CHAPTER 1 – FINANCE

General

- ¹[264. Interpretation. In this Part, "Finance Commission" means a Finance Commission constituted under article 280.]
- 265. Taxes not to be imposed save by authority of law. No tax shall be levied or collected except by authority of law.
- 266. Consolidated Funds and public accounts of India and of the States. (1) Subject to the provisions of article 267 and to the provisions of this Chapter with respect to the assignment of the whole or part of the net proceeds of certain taxes and duties to States, all revenues received by the Government of India, all loans raised by that Government by the issue of treasury bills, loans or ways and means advances and all moneys received by that Government in repayment of loans shall form one consolidated fund to be entitled "the Consolidated Fund of India", and all revenues received by the Government of a State, all loans raised by that Government by the issue of treasury bills, loans or ways and means advances and all moneys received by that Government in repayment of loans shall form one consolidated fund to be entitled "the Consolidated Fund of the State".
- (2) All other public moneys received by or on behalf of the Government of India or the Government of a State shall be credited to the public account of India or the public account of the State, as the case may be.
- (3) No moneys out of the Consolidated Fund of India or the Consolidated Fund of a State shall be appropriated except in accordance with law and for the purposes and in the manner provided in this Constitution.
- 267. Contingency Fund. (1) Parliament may by law establish a Contingency Fund in the nature of an imprest to be entitled "the Contingency Fund of India" into which shall be paid from time to time such sums as may be determined by such law, and the said Fund shall be placed at the disposal of the President to enable advances to be made by him out of such Fund for the purposes of meeting unforeseen expenditure pending authorisation of such expenditure by Parliament by law under article 115 or article 116.
- (2) The Legislature of a State may by law establish a Contingency Fund in the nature of an imprest to be entitled "the Contingency Fund of the State" into which shall be paid from time to time such sums as may be determined by such law, and the said Fund shall be placed at the disposal of the Governor of the State ²* * * to enable advances to be made by him out of such Fund for the purposes of meeting unforeseen expenditure pending authorisation of such expenditure by the Legislature of the State by law under article 205 or article 206.

भाग – **XII** वित्तवेवस्था, संपत्ती, संविदा आनी दावे प्रकरण 1 – वित्तवेवस्था सर्वसाधारण

- ¹[264. अर्थ लावणी ह्या भागांत 'वित्त आयोग' हाचो अर्थ, कलम् 280 खाला घडयल्लो वित्त आयोग असो आसा]
- **265. कायद्यान प्राधिकार दिलेबगर कर लावप ना.** कायद्यान प्राधिकार दिलेबगर, कसल्याच कराचें लावप अथवा वसुली करचे नात.
- 266. भारताचे आनी राज्यांचे एकवटीत निधी आनी लोकलेखे (1) कलम 267 च्या उपबंधांचे अधीनतायेन आनी थोडे कर आनी शुल्कां हांची निव्बळ येणावळ पुरायेन अथवा अंशतायेन राज्यांक नेमून दिवपासंबंदीं ह्या प्रकरणांत आशिल्ल्या उपबंधांचे अधीनतायेन, भारत सरकाराक मेळिल्लो सगलो महसूल, त्या सरकारान कोशागार विपत्रां, रीणां आनी रीणांचे परतफेडीखातीर त्या सरकाराक मेळिल्लो सगलो दुडू मेळून 'भारताचो एकवटीत निधी' ह्या नांवांचो एक एकवटीत निधी तयार जातलो, आनी राज्य सरकाराक मेळिल्लो सगलो महसूल, त्या सरकारान कोशागार विपत्रां, रीणां तशेंच अर्थोपाय अग्रिमां काडून उबीं केल्लीं सगलीं रीणां आनी रीणांचे परतफेडीखातीर त्या सरकाराक मेळिल्लो सगलो दुडू मेळून 'राज्याचो एकवटीत निधी' ह्या नांवांचो एक एकवटीत निधी तयार जातलो.
- (2) भारत सरकारान अथवा राज्य सरकारान अथवा ताचे वतीन स्वीकारिल्लो हेर सगलो भौशीक दुडू, त्या त्या प्रकरणाप्रमाण, भारताच्या लोकलेख्यांच्या अथवा राज्याच्या लोकलेख्यांत जमाखात्यांत घालतले.
- (3) भारताच्या एकवटीत निधींतल्या अथवा राज्याच्या एकवटीत निधींतल्या कसल्याय दुडवांचें विनियोजन, तें कायद्याक धरून आसलेबगर आनी ह्या संविधानांत उपबंधीत केल्ल्या प्रयोजनाखातीर आनी तशेच तरेचें आसलेबगर करचे नात.
- 267. आकरमीकताय निधी (1) संसदेच्यान कायद्यावरवीं अग्रधनाच्या स्वरूपांत 'भारताचो आकरमीकताय निधी' ह्या नांवांचो एक आकरमीकताय निधी स्थापन करूं येता आनी अशा कायद्यावरवीं निर्धारीत करतले अशो रकमो तातूंत त्या त्या वेळार भरतले, आनी अनपेक्षीत खर्च भागोवपाखातीर, कलम 115 अथवा कलम 116 खाला संसदेकडल्यान कायद्यावरवीं असो खर्च प्राधिकृत जायसर अशा निधींतल्यान अग्रिमां दिवप राष्ट्रपतीक शक्य जांवंचे हेखातीर वयलो निधी ताचे सेवेक आसतलो.
- (2) राज्य विधानमंडळाच्यान कायद्यावरवीं अग्रधनाच्या स्वरूपांत 'राज्याचो आकस्मीकताय निधी' ह्या नांवांचो एक आकस्मिकताय निधी स्थापन करूं येता आनी अशा कायद्यावरवीं निर्धारीत करतले अशो रकमो त्या त्या वेळार तातूंत भरतले, आनी अनपेक्षीत खर्च भागोवपाखातीर कलम 205 अथवा कलम 206 खाला राज्य विधानमंडळाकडल्यान कायद्यावरवीं असो खर्च प्राधिकृत जायसर अशा निधींतल्यान अग्रिमां दिवप राज्यपालाक शक्य जांवचें म्हूण वयलो निधी राज्याच्या राज्यपालाचे ²* * सेवेक आसतलो.

Distribution of Revenues between the Union and the States

- 268. Duties levied by the Union but collected and appropriated by the States. (1) Such stamp duties and such duties of excise on medicinal and toilet preparations as are mentioned in the Union List shall be levied by the Government of India but shall be collected-
 - (a) In the case where such duties are leviable within ³[any Union territory], by the Government of India, and
 - (b) In other cases, by the States within which such duties are respectively leviable.
- (2) The proceeds in any financial year of any such duty leviable within any State shall not form part of the Consolidated Fund of India, but shall be assigned to that State.
- 269. Taxes levied and collected by the Union but assigned to the States. [(1) Taxes on the sale or purchase of goods and taxes on the consignment of goods shall be levied and collected by the Government of India but shall be assigned and shall be deemed to have been assigned to the States on or after the 1st day of April, 1996 in the manner provided in clause (2). Explanation-For the purposes of this clause,
 - ⁴[(a) The expression "taxes on the sale or purchase of goods" shall mean taxes on sale or purchase of goods other than newspapers, where such sale or purchase takes place in the course of inter-State trade or commerce;]
 - ⁵[(b) The expression "taxes on the consignment of goods" shall mean taxes on the consignment of goods (whether the consignment is to the person making it or to any other person), where such consignment takes place in the course of inter-State trade or commerce;]
- (2) The net proceeds in any financial year of any such tax, except in so far as those proceeds represent proceeds attributable to Union territories, shall not form part of the Consolidated Fund of India, but shall be assigned to the State within which that tax is leviable in that year, and shall be distributed among those States in accordance with such principles of distribution as may be formulated by Parliament by law.]
- ⁴[(3) Parliament may by law formulate principles for determining when a ⁶[sale or purchase of, or consignment of, goods] takes place in the course of inter-State trade or
- 270. Taxes levied and collected by the Union and distributed between the Union and the States (1) All taxes and duties surcharge on taxes and duties and any cess levied for specific purposes under any law made by Parliament shall be levied and collected by the Government of India and shall be distributed between the Union and the States in the manner provided in clause (2).

संघ आनी राज्यां हांचेभितर महसुलाचें वितरण

- **268. संघान लायिल्लीं पूण राज्यांनी वसुली केल्लीं आनी विनियोजन केल्लीं शुल्का** (1) संघ वळेरेंत उल्लेखिल्लीं अशीं मुद्रांक शुल्कां आनी अशीं वखदीं आनी प्रसाधन जिनसांवेलीं उत्पादन शुल्कां हांचें लावप भारत सरकार करतलें, पूण तांची वसुली
 - (क) अशीं शुल्कां ³[खंयच्याय संघ राज्यक्षेत्रांत] लावपासारकेलीं आसतीत तेसंबंदांत, भारत सरकार करतलें, आनी
 - (ख) हेर संबंदांत, अशीं शुल्कां ज्या राज्यांभितर लावपासारकीं आसतलीं तेसंबदीं तीं राज्यां करतलीं.
- (2) अशें जें कसलेंय शुल्क एखाद्या राज्यांत लावपासारकें आसतलें ताची खंयच्याय वित्तीय वर्सांतली येणावळ भारताच्या एकवट़ीत निधीचो भाग जावची ना, तर ती राज्याक नेमून दितले.
- 269. संघराज्यान लायिल्ले आनी वसुल केल्ले पूण राज्यांक नेमून दिल्ले कर (1) फुडलीं शुल्का आनी कर लावप आनी तांची वसुली भारत सरकार करतलें, पूण उपकलम (2) हातूंत उपबंधीत केल्ले रितीन एप्रिल 1996 चो पयलो दीस वा ते उपरांत तीं राज्यांक नेमून दितले, ह्या उपकलमाच्या उपबंधांखातीर स्वष्टीकरण—
 - ⁴[(क) खबरेपत्रांपरस वेगळ्या मालाची विक्री अथवा खरेदी जंय आंतरराज्यीय वेपार अथवा वाणिज्यवेव्हार, हांच्या ओघांत घडटा थंय, अशी विक्री अथवा खरेदी हांचेवेलो कर;]
 - ⁵[(ख) आंतरराज्यीय वेपार अथवा वाणिज्यवेव्हार हांच्या ओघांत मालाचें धाडप जालां आसत जाल्यार, अशा मालाचे धाडणेवेलो कर (मागीर असो माल तो धाडपी व्यक्तीकडेनूच धाडिल्लो आसूं अथवा हेर खंयचेय व्यक्तीकडेन धाडिल्लो आसूं.)
- (2) अशा कसल्याय शुल्काची अथवा कराची खंयच्याय वित्तीय वर्सांतली येणावळ ही, ³[संघ राज्यक्षेत्राकडेन] संबंदनीय अशी येणावळ दाखोवपी आसत तितली मर्यादा कडेक काडून, ती भारताच्या एकवटीत निधीचो भाग जांवची ना, तर ती येणावळ ज्या राज्यांत त्या वर्सां तें शुल्क अथवा तो कर लावपासारको आसत तांकां नेमून दितले, आनी संसद कायद्यावरवीं सूत्रबध्द करतली अशा वितरण त्तत्त्वां प्रमाण ती त्या राज्यांत वितरीत करतले.
- 4[(3) संसदेच्यान कायद्यावरवीं ⁶[मालाची विक्री अथवा खरेदी अथवा ताची धाडणी हीं] केन्ना राज्यीय वेपार अथवा वाणिज्यवेव्हार हांच्या ओघांत घडटा हें थारावपाखातीर तत्त्वां सूत्रबध्द करूं येतात.]
- 270. संघान लायिल्ले आनी वसुली केल्ले आनी संघ तशेंच राज्यां हांचेभितर वितरीत जातात ते कर (1) कृषि प्राप्तेपरस हेर प्राप्तेवेल्या करांचें लावप आनी वसुली भारत सरकार करतलें आनी ते कर उपकलम (2) हातूंत उपबंधीत केल्ले रितीन संघ आनी राज्यां हांचे भितर वितरीत करतले.

- (2) Such percentage, as may be prescribed, of the net proceeds of any such tax or duty in any financial year shall not form part of the Consolidated Fund of India, but shall be assigned to the States within which that tax or duty is leviable in that year, and shall be distributed among those States in such manner and from such time as may be prescribed in the manner provided in clause (3).
 - (3) In this article, "Prescribed" means -
 - (i) Until a Finance Commission has been constituted, prescribed by the President by order, and
 - (ii) After a Finance Commission has been constituted, prescribed by the President by order after considering the recommendations of the Finance Commission.']
- 271. Surcharge on certain duties and taxes for purposes of the Union. Notwithstanding anything in articles 269 and 270, Parliament may at any time increase any of the duties or taxes referred to in those articles by a surcharge for purposes of the Union and the whole proceeds of any such surcharge shall form part of the Consolidated Fund of India.
- 272. Taxes which are levied and collected by the Union and may be distributed between the Union and the States. Union duties of excise other than such duties of excise on medicinal and toilet preparations as are mentioned in the Union List shall be levied and collected by the Government of India, but, if Parliament by law so provides, there shall be paid out of the Consolidated Fund of India to the States to which the law imposing the duty extends sums equivalent to the whole or any part of the net proceeds of that duty, and those sums shall be distributed among those States in accordance with such principles of distribution as may be formulated by such law.
- 273. Grants in lieu of export duty on jute and jute products. (1) There shall be charged on the Consolidated Fund of India in each year as grants-in-aid of the revenues of the States of Assam, Bihar, Orissa and West Bengal, in lieu of assignment of any share of the net proceeds in each year of export duty on jute and jute products to those States, such sums as may be prescribed.
- (2) The sums so prescribed shall continue to be charged on the Consolidated Fund of India so long as any export duty on jute or jute products continues to be levied by the Government of India or until the expiration of ten years from the commencement of this Constitution whichever is earlier.

- (2) अशा कसल्याय कराच्या खंयच्याय वित्तीय वर्साचे निव्वळ येणावळीची विहित 7करतले अशी टक्केवारी ही [संघ राज्यक्षेत्रांकडेन] अथवा संघीय परिलाभासंबंदीं दिवपाच्या करांकडेन संबंदनीय अशी येणावळ दाखोवपी आसत तितली मर्यादा कडेक काडून, ती भारताच्या एकवटीत निधीचो भाग जावंची ना, तर ती टक्केवारी ज्या राज्यांनी त्या वर्सा तो कर लावपासारको आसत तांकां नेमून दितले, आनी विहीत करतले अशे रितीन आनी अशा वेळासावन त्या राज्यांमदीं वितरीत करतले.
 - (3) ह्या कलमांत 'विहीत' हाचो अर्थ फुडले तरेन आसा
 - (i) वित्त आयोगाची घडण जायसर राष्ट्रपतीन आदेशावरवीं विहीत केल्ले, आनी
 - (ii) वित्त आयोग घडयल्याउपरांत राष्ट्रपतीन वित्त आयोगाच्या शिफारसींचो विचार करून आदेशावरवीं विहीत केल्ले;
- 271. संघाच्या प्रयोजनांखातीर थोडीं शुल्कां आनी थोडे कर हांचेर अधिभार कलम 269 आनी 270 हातूंत किदेंय आसलें तरी, संसदेच्यान खंयच्याय वेळार त्या कलमांत उल्लेखिल्ल्यांमदलें कसलेंय शुल्क अथवा कसलोय कर संघाच्या प्रयोजनाखातीर, अधिभार लावन वाढोवं येता आनी अशा कसल्याय अधिभाराची पुराय येणावळ भारताच्या एकवटीत निधीचो भाग जातली.
- 272. संघान लायिल्ले आनी वसुली केल्ले संघ आनी राज्यां हांचेभितर वितरावं येतात अशे कर जीं उत्पादन-शुल्कां संघ वळेरेंत उल्लोखिल्लीं आसात अशा, वखदी आनी प्रसाधन जिनसांवेल्या उत्पादन शुल्कांपरस वेगळ्या संघीय उत्पादन-शुल्कांचें लावप आनी वसुली भारत सरकार करतलें, पूण संसदेन कायद्यावरवीं तशें उपबंधीत केल्यार, शुल्क लावपी कायदो ज्या राज्यांचेर विस्तारीत आसतलो तांकां भारताच्या एकवटीत निधींतल्यान त्या शुल्काचे पुराय येणावळीइतल्यो अथवा ताच्या एखाद्या भागाइतल्यो रकमो दितले आनी अशा कायद्यावरवीं सुत्रबध्द करतले अशा वितरण तत्वांप्रमाण त्यो रकमो त्या राज्यांनी वितरीत करतले.
- 273. ताग आनी तागोत्पादीत वस्तू हांचेवेल्या निर्यात-शुल्कांचे सुवातेर अनुदानां (1) ताग आनी तागोत्पादीत वस्तू हांचेवेल्या निर्यात-शुल्काच्या दरेका वर्सांतले निव्वळ येणावळीचो खंयचोय वांटो आसाम, बिहार, ओरिसा आनी अस्तंत बंगाल ह्या राज्यांक नेमून दिवपाचे सुवातेर, त्या राज्यांच्या महसुलाक सहायक अनुदानां म्हूण विहीत करतले अशो रकमो भारताच्या एकवटीत निधीचेर दर वर्सा प्रभारीत करतले.
- (2) हेप्रमाण विहीत केल्ल्यो रकमो ह्यो ताग आनी तागोत्पादीत वस्तू हांचेर भारत सरकार कसलेंय निर्यात-शुल्क बसोवपाचें जितलो काळ चालू दवरीत तितलो काळ अथवा ह्या संविधानाच्या आरंभासावन धा वर्सांचो काळ हांचेभितरलो जो पयलीं सोंपतलो त्या कालावधीमेरेन भारताच्या एकवटीत निधीचेर प्रभारीत करपाचें चालू उरतलें.

- (3) In this article, the expression "prescribed" has the same meaning as in article 270.
- 274. Prior recommendation of President required to Bills affecting taxation in which States are interested. (1) No Bill or amendment which imposes or varies any tax or duty in which States are interested, or which varies the meaning of the expression "agricultural income" as defined for the purposes of the enactments relating to Indian income-tax, or which affects the principles on which under any of the foregoing provisions of this Chapter moneys are or may be distributable to States, or which imposes any such surcharge for the purposes of the Union as is mentioned in the foregoing provisions of this Chapter, shall be introduced or moved in either House of Parliament except on the recommendation of the President.
 - (2) In this article, the expression "tax or duty in which States are interested" means-
 - (a) A tax or duty the whole or part of the net proceeds whereof are assigned to any State; or
 - (b) A tax or duty by reference to the net proceeds whereof sums are for the time being payable out of the Consolidated Fund of India to any State.
- 275. Grants from the Union to certain States. (1) Such sums as Parliament may by law provide shall be charged on the Consolidated Fund of India in each year as grants-in-aid of the revenues of such States as Parliament may determine to be in need of assistance, and different sums may be fixed for different States:

Provided that there shall be paid out of the Consolidated Fund of India as grants-in-aid of the revenues of a State such capital and recurring sums as may be necessary to enable that State to meet the costs of such schemes of development as may be undertaken by the State with the approval of the Government of India for the purpose of promoting the welfare of the Scheduled Tribes in that State or raising the level of administration of the Scheduled Areas therein to that of the administration of the rest of the areas of that State:

Provided further that there shall be paid out of the Consolidated Fund of India as grants-in-aid of the revenues of the State of Assam sums, capital and recurring, equivalent to-

- (a) The average excess of expenditure over the revenues during the two years immediately preceding the commencement of this Constitution in respect of the administration of the tribal areas specified in ¹[Part I] of the Table appended to paragraph 20 of the Sixth Schedule; and
- (b) The costs of such schemes of development as may be undertaken by that State with the approval of the Government of India for the purpose of raising the level of administration of the said areas to that of the administration of the rest of the areas of that State.
- ¹⁰[(1A) On and from the formation of the autonomous State under article 244A, -
- (i) Any sums payable under clause (a) of the second proviso to clause (1) shall, if the autonomous State comprises all the tribal areas referred to therein, be paid to the autonomous State, and,

- (3) ह्या कलमांत 'विहीत' ह्या उतराक कलम 270 त आशिल्लोच अर्थ आसा.
- 274. राज्यां जातूतं हितसंबंदीत आसात अशा कर-लावपाचेर परिणाम करपी विधेयकांक राष्ट्रपतीची पूर्व शिफारस गरजेची (1) राज्यां जातूंत हितसंबंदीत आसात असो कसलोय कर अथवा कसलेंय शुल्क अथवा तातूंत बदल करपी अथवा भारतीय प्राप्तीकरासंबदींच्या अधिनियमितींच्या प्रयोजनाखातीर जशी व्याख्या केल्या तशो 'कृषि-प्राप्ती' ह्या उतरांच्या अर्थात बदल करपी अथवा ह्या प्रकरणाच्या पूर्वगामी उपबंधांमदल्या खंयच्याय उपबंधाखाला राज्यांक ज्या तत्त्वांचेर दुडू वितरीत करूंक मेळटा अथवा मेळटलो तांचेर परिणाम करपी अथवा ह्या प्रकरणाच्या पूर्वगामी उपबंधांत उल्लेखिल्लो असो कसलोय अधिभार संघाच्या प्रयोजनाखातीर लावपी अशे खंयचेंय विधेयक अथवा असो बदल राष्ट्रपतीची शिफारस आसलेबगर संसदेच्या खंयच्याच सभाघरांत प्रस्तुत करचेनात अथवा मांडचे नात.
 - (2) ह्या कलमांत 'राज्यां जातूंत हितसंबंदीत आसात असो कर अथवा अशें शुल्क' ह्या उतरांचो अर्थ असो :-
 - (क) जांची निव्वळ येणावळ पुरायेन अथवा अंशतायेन खंयच्याय राज्याक नेमून दितात असो कर अथवा शुल्क; अथवा
 - (ख) जाचे निव्वळ येणावळीच्या संदर्भांत खंयच्याय राज्याक भारताच्या एकवटीत निधींतल्यान त्या त्या वेळार रकमो प्रदेय आसतीत असो कर अथवा शुल्क.
- 275. थोड्या राज्यांक संघाकडल्यान अनुदानां (1) संसद कायद्यावरवीं उपबंधीत करतली अशो रकमो जांकां सहायाची गरज आसा अशें संसद थारायतली अशा राज्यांच्या महसुलाक सहायक अनुदानां म्हूण दर वर्सा भारताच्या एकवटीत निधीचेर प्रभारीत करतली, आनी वेगळ्या वेगळ्या राज्यांखातीर वेगळ्यो वेगळ्यो रकमो निश्चीत करूं येतातः

परंतु, एखाद्या राज्यांतले अनुसूचित जातींचे कल्याणवृध्दीखातीर अथवा त्या राज्यांतल्या अनुसूचित क्षेत्रांचो प्रशासन - पावंडो त्या राज्याच्या उरिल्ल्या क्षेत्रांच्या प्रशासन - पावंडचाइतलो उंचावपाखातीर तें राज्य भारत सरकाराचे मान्यतायेन हातांत घेतलें अशा विकास येवजणींचो खर्च भागोवप राज्याक शक्य जांवंचें हेखातीर, गरजेच्यो आसतल्यो अशो भांडवली रकमो आनी आवर्ती रकमो त्या राज्याच्या महसुलाक सहायक अनुदानां म्हूण भारताच्या एकवटीत निधींतल्यान दितलेः

परंतु, आनीक अशे की, आसाम राज्याच्या महसुलाक सहायक अनुदानां म्हूण —

- (क) सवे अनुसुचयेच्या 20व्या परिच्छेदाक जोडिल्ल्या तकट्याचो ⁹[भाग (1)] हातूंत विनीर्दीश्ट केल्ल्या जनजाती क्षेत्रांच्या प्रशासनाविशीं ह्या संविधानाच्या आरंभाचे निकटपूर्वींच्या दोन वर्सांतल्या महसुलापरस चड जाल्ल्या खर्चाचे सरासरीइतलो आनी
- (ख) त्या राज्यांतलो वयल्या क्षेत्रांचो प्रशासन पांवडो उरिल्ल्या क्षेत्रांच्या प्रशासन पांवडचाइतलो उंचावपाच्या प्रयोजनाखातीर तें राज्य भारत सरकाराचे मान्यतायेन हातांत घेतलें अशा विकास-येवजणींच्या खर्चाइतल्यो भांडवली आनी आवर्ती रकमो भारताच्या एकवटीत निधींतल्यान दितले.
- ⁻¹⁰[(1क) कलम 244 क खाला स्वायत्त राज्य जातलें तेन्ना आनी तेन्नाच्यान —
- (i) उपकलम (1) च्या परंतुकांतलें उपकलम (क) खाला दिवपाच्यो कसल्योय रकमो जर स्वायत्त राज्य त्या उपकलमांत निर्दीश्ट केल्लीं सगलीं जनजाती-क्षेत्रां मेळून जाल्लें आसत जाल्यार स्वायत्त राज्याक दितले, आनी,

if the autonomous State comprises only some of those tribal areas, be apportioned between the State of Assam and the autonomous State as the President may, by order, specify;

- (ii) There shall be paid out of the Consolidated Fund of India as grants-in-aid of the revenues of the autonomous State sums, capital and recurring, equivalent to the costs of such schemes of development as may be undertaken by the autonomous State with the approval of the Government of India for the purpose of raising the level of administration of that State to that of the administration of the rest of the State of Assam.]
- (2) Until provision is made by Parliament under clause (1), the powers conferred on Parliament under that clause shall be exercisable by the President by order and any order made by the President under this clause shall have effect subject to any provision so made by Parliament:

Provided that after a Finance Commission has been constituted no order shall be made under this clause by the President except after considering the recommendations of the Finance Commission.

- **276. Taxes on professions, trades, callings and employments.** (1) Notwithstanding anything in article 246, no law of the Legislature of a State relating to taxes for the benefit of the State or of a municipality, district board, local board or other local authority therein in respect of professions, trades, callings or employments shall be invalid on the ground that it relates to a tax on income.
- (2) The total amount payable in respect of any one person to the State or to any one municipality, district board, local board or other local authority in the State by way of taxes on professions, trades, callings and employments shall not exceed two thousand and five hundred rupees per annum.
- (3) The power of the Legislature of a State to make laws as aforesaid with respect to taxes on professions, trades, callings and employments shall not be construed as limiting in any way the power of Parliament to make laws with respect to taxes on income accruing from or arising out of professions, trades, callings and employments.
- 277. Savings. Any taxes, duties, cesses or fees which, immediately before the commencement of this Constitution, were being lawfully levied by the Government of any State or by any municipality or other local authority or body for the purposes of the State, municipality, district or other local area may, notwithstanding that those taxes, duties, cesses or fees are mentioned in the Union List, continue to be levied and to be applied to the same purposes until provision to the contrary is made by Parliament by law.

स्वायत्त राज्य त्या जनजाती-क्षेत्रांभितरत्या थोड्यांचेंच मेळून जाल्ले आसत जाल्यार, राष्ट्रपती आदेशावरवीं विनिर्दीश्ट करतलो तेप्रमाण आसाम राज्य आनी स्वायत्त राज्य हांचेमदीं संविभाजीत करतले;

- (ii) स्वायत्त राज्याचो प्रशासन-पावंडो उरिल्ल्या आसाम राज्याच्या प्रशासन-पावंडचाइतलो उंचावपाखातीर स्वायत्त राज्य भारत सरकाराचे मान्यतायेन हातांत घेतलें अशा विकास-येवजणींच्या खर्चाइतल्यो भांडवली आनी आवर्ती रकमो त्या राज्याच्या महसुलाक सहायक अनुदानां म्हण भारताच्या एकवटीत निधींतल्यान दितलें.]
- (2) संसदेकडल्यान उपकलम (1) खाला उपबंध करून जायमेरेन, त्या उपकलमाखाला संसदेक प्रदान केल्ले अधिकार राष्ट्रपतीक आदेशावरवीं वापरूक मेळपासारके आसतले आनी राष्ट्रपतीन ह्या उपकलमाखाला केल्लो कसलोय आदेश संसदेन हेप्रमाण केल्ल्या खंयच्याय उपबंधाचे अधीनतायेन परिणामक जातलो :

परंतु, वित्त आयोगाची घडण जातकच, वित्त आयोगाच्या शिफारसींचो विचार केलेबगर, राष्ट्रपती ह्या उपकलमाखाला कसलोच आदेश करचो ना.

- 276. वेवसाय, उदीम, आजिविका आनी नोकऱ्यो हांचेवेलो कर (1) कलम 246त किदेंय आसलें तरी, वेवसाय, उदीम, आजिविका अथवा नोकऱ्यो हांचेविशीं एखाद्या राज्याच्या अथवा तातूंतली नगरपालिका, जिल्हो मंडळ, थळावें मंडळ अथवा हेर थळावें प्राधीकरण हांच्या लाभाखातीर आशिल्ल्या करासंबंदींचो राज्य विधानमंडळाचो खंयचोय कायदो तो प्राप्तीकराकडेन संबंदीत आसा ह्या कारणावेल्यान विधिभायलो थारचो ना.
- (2) वेवसाय, उदीम, आजिविका आनी नोकऱ्यो हांचेवेल्या करांच्या रूपान खंयचेय एके नगरपालिकेक, जिल्हों मंडळाक, थळाव्या मंडळाक, अथवा हेरा थळाव्या प्राधीकरणाक दिवपाची एकंदर रकम दर वर्सा दोनशें पन्नास रूपयां परस चड आसची ना.
- (3) वेवसाय, उदीम, आजिविका, आनी नोकऱ्यो हांचेवेल्या करांविशीं वयर सांगलां तेंप्रमाण कायदे करपाचो राज्य विधानमंडळाचो अधिकार हो वेवसाय, उदीम, आजिविका आनी नोकऱ्यो हातूंतल्यान उपार्जीत जावपी अथवा उप्रासपी प्राप्तेवेल्या करांविशीं कायदो करपी संसदेच्या अधिकाराचेर कसलेय तरेन मर्यादा घालता असो ताचो अर्थ लांवचे नात.
- 277. आडवाद ह्या संविधानाच्या आरंभाचे निकटपूर्व खंयच्याय राज्याचें सरकार अथवा, खंयचीय नगरपालिका अथवा हेर थळावें प्राधिकरण अथवा निकाय हांचेकडल्यान राज्य, नगरपालिका, जिल्हो अथवा हेर थळावें क्षेत्र हांच्या प्रयोजनाखातीर कायदेशीरपणान लायतले अशे कसलेय कर, शुल्कां, उपकर अथवा फी जरी संघ वळेरेंत उल्लेखिल्लीं आसलीं तरीय, ते कर, शुल्कां, उपकर अथवा फी हांचें लावप आनी त्या प्रयोजनाखातीर जावपी तांचो विनियोग, संसदेकडल्यान कायद्यावरवीं विरुद्ध उपबंध करून जायसर चालू दवरूं येतात.

- 278. [Agreement with States in Part B of the First Schedule with regard to certain financial matters.]. Rep. by the Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s. 29 and Sch.
- **279.** Calculation of "net proceeds", etc. —(1) In the foregoing provisions of this Chapter, "net proceeds" means in relation to any tax or duty the proceeds thereof reduced by the cost of collection, and for the purposes of those provisions the net proceeds of any tax or duty, or of any part of any tax or duty, in or attributable to any area shall be ascertained and certified by the Comptroller and Auditor-General of India, whose certificate shall be final.
- (2) Subject as aforesaid, and to any other express provision of this Chapter, a law made by Parliament or an order of the President may, in any case where under this Part the proceeds of any duty or tax are, or may be, assigned to any State, provide for the manner in which the proceeds are to be calculated, for the time from or at which and the manner in which any payments are to be made, for the making of adjustments between one financial year and another, and for any other incidental or ancillary matters.
- **280. Finance Commission.** (1) The President shall, within two years from the commencement of this Constitution and thereafter at the expiration of every fifth year or at such earlier time as the President considers necessary, by order constitute a Finance Commission which shall consist of a Chairman and four other members to be appointed by the President.
- (2) Parliament may by law determine the qualifications, which shall be requisite for appointment as members of the Commission and the manner in which they shall be selected.
- (3) It shall be the duty of the Commission to make recommendations to the President as to-
 - (a) The distribution between the Union and the States of the net proceeds of taxes which are to be, or may be, divided between them under this Chapter and the allocation between the States of the respective shares of such proceeds;
 - (b) The principles which should govern the grants-in-aid of the revenues of the States out of the Consolidated Fund of India;
 - (c) * in the state of the control of the state of the sta
 - (d) Any other matter referred to the Commission by the President in the interests of sound finance.
- (4) The Commission shall determine their procedure and shall have such powers in the performance of their functions as Parliament may by law confer on them.
- 281. Recommendations of the Finance Commission. The President shall cause every recommendation made by the Finance Commission under the provisions of this Constitution together with an explanatory memorandum as to the action taken thereon to be laid before each House of Parliament.

- **278.** [थोड्या वित्तीय विशयासंबंदीं पयले अनुसुचयेच्या भाग (ख) हातूंतले राज्यावांगडचे करार] 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956'- अनुभाग 29 आनी अनुसुचयेवरवीं निरसीत केले.
- 279. 'निव्वळ येणावळ' इत्यादींची परिगणना (1) ह्या प्रकरणाच्या पूर्वगामी उपबंधांनी 'निव्वळ येणावळ' हाचो कसल्याय कराच्या अथवा शुल्काच्या संबंदांतलो अर्थ, वसुलेचो खर्च काडून उरिल्ली येणावळ असो आसा. आनी त्या उपबंधांच्या प्रयोजनाखातीर, खंयच्याय क्षेत्रांतली अथवा ताचेकडेन संबंदीत आशिल्ल्या कसल्याय कराची अथवा शुल्काची अथवा कसल्याय कराच्या अथवा शुल्काच्या भागाची निव्वळ येणावळ, भारताचो नियंत्रक आनी महा लेखापरीक्षक हांचेकडल्यान विनिश्चीत आनी प्रमाणीत करतले आनी ताचें प्रमाणपत्र निमणें आसतलें.
- (2) वयर सांगला ते प्रमाण, आनी ह्या प्रकरणाच्या हेर खंयच्याय उपबंधाचे अधीनतायेन ह्या भागाखाला कसल्यांय शुल्काची अथवा कराची येणावळ खंयच्याय राज्याक नेमून दिल्ली आसत अथवा दिवं येता अशा खंयच्याय संदर्भात कशे रितीन परिगणना करची, कसले भरिणे खंयच्या वेळासावन अथवा खंयच्या वेळार कशे रितीन करपाचे हेसंबंदीं, दोन अर्थीक वर्सांच्या दरम्यान समायोजन करपासंबंदीं, संसदीय कायदो अथवा राष्ट्रपतीचो आदेश हांचेवरवीं उपबंध करूं येता.
- 280. वित्त आयोग (1) ह्या संविधानाच्या आरंभासावन दोन वर्सांचे भितर आनी तेउपरांत दरेक पांचवें वर्सा सोंपनाफुडें अथवा राष्ट्रपतीक गरजेचें दिसत अशें ताचे पयलीं, राष्ट्रपती आदेशावरवीं वित्त आयोग घडयतलो आनी राष्ट्रपती जांची नेमणूक करतलो असो अध्यक्ष तशेंच हेर चार वांगडी मेळून तो घडिल्लो आसतलो.
- (2) आयोगाचे वांगडी म्हूण नेमणूक जावपाखातीर कसल्यो पात्रतायो गरजेच्यो आसतल्यो आनी ते कशे पद्धतीन वेंचतले तें संसदेच्यान कायद्यावरवीं निर्धारीत करूं येता.
 - (3) फूडल्या गजालींसंबंदांत राष्ट्रपतीक शिफारसी करप हें आयोगाचें कर्तव्य आसतलें, त्यो शिफारसी अशो :-
 - (क) ह्या प्रकरणाखाला संघ आनी राज्यां हांचेभितर जे विभागून दिवपाचे आसात अथवा विभागून दिवं येतात अशा करांचे निव्वळ येणावळीचें तांचेमदीं वितरण करप आनी राज्यांभितर अशे

येणावळीतले तांचे भाग वांटून दिवप;

(ख) भारताच्या एकवटीत निधींतल्यान दिवपाचीं राज्य महसुलाक सहायक अशीं अनुदानां जांचेप्रमाण नियंत्रीत जांवंचीं तीं तत्त्वां;

¹¹(ग) * * * *

- (घ) वित्तवेवस्था बळीश्ट जांवची हे नदरेन राष्ट्रपतीन वित्त आयोगाकडेन निर्देशीत केल्ली हेर खंयचीय गजाल.
- (4) आयोग आपणाली कार्यपद्धत थारायतलो आनी आपणालीं कार्यां निभायतना ताका संसदेकडल्यान कायद्यावरवीं प्रदान करतले अशे अधिकार आसतले.
- 281. वित्त आयोगाच्यो शिफारसी राष्ट्रपती, ह्या संविधानाच्या उपबंधांखाला वित्त आयोगान केल्ली दरेक शिफारस, तिचेर कसली कारवाय केली ताचें स्पश्टीकरण करपी निवेदनासयत, संसदेच्या दरेका सभाघरामुखार दवरूंक लायतलो.

Miscellaneous Financial Provisions

- 282. Expenditure defrayable by the Union or a State out of its revenues. The Union or a State may make any grants for any public purpose, notwithstanding that the purpose is not one with respect to which Parliament or the Legislature of the State, as the case may be.
- 283. Custody, etc., of Consolidated Funds, Contingency Funds and moneys credited to the public accounts. (1) The custody of the Consolidated Fund of India and the Contingency Fund of India, the payment of moneys into such Funds, the withdrawal of moneys therefrom, the custody of public moneys other than those credited to such Funds received by or on behalf of the Government of India, their payment into the public account of India and the withdrawal of moneys from such account and all other matters connected with or ancillary to matters aforesaid shall be regulated by law made by Parliament, and, until provision in that behalf is so made, shall be regulated by rules made by the President.
- (2) The custody of the Consolidated Fund of a State and the Contingency Fund of a State, the payment of moneys into such Funds, the withdrawal of moneys therefrom, the custody of public moneys other than those credited to such Funds received by or on behalf of the Government of the State, their payment into the public account of the State and the withdrawal of moneys from such account and all other matters connected with or ancillary to matters aforesaid shall be regulated by law made by the Legislature of the State, and, until provision in that behalf is so made, shall be regulated by rules made by the Governor ¹³* * * of the State.
- 284. Custody of suitors' deposits and other moneys received by public servants and courts. All moneys received by or deposited with-
 - (a) Any officer employed in connection with the affairs of the Union or of a State in his capacity as such, other than revenues or public moneys raised or received by the Government of India or the Government of the State, as the case may be, or
 - (b) Any court within the territory of India to the credit of any cause, matter, account or persons, Shall be paid into the public account of India or the public account of State, as the case may be.
- 285. Exemption of property of the Union from State taxation. (1) The property of the Union shall, save in so far as Parliament may by law otherwise provide, be exempt from all taxes imposed by a State or by any authority within a State.
- (2) Nothing in clause (1) shall, until Parliament by law otherwise provides, prevent any authority within a State from levying any tax on any property of the Union to which such property was immediately before the commencement of this Constitution liable or treated as liable, so long as that tax continues to be levied in that State.

प्रकीर्ण वित्तीय उपबंध

- 282. संघान अथवा राज्यान आपणाल्या महसुलांतल्यान भागोवपासारको खर्च एखादें भौशीक प्रयोजन, जांचेविशीं संसदेच्यान अथवा, त्या त्या प्रकरणा प्रमाण राज्य विधानमंडळाच्यान कायदो करूं येता अशे तरेचें नासलें तरी, संघाच्यान अथवा त्या राज्याच्यान तेखातीर कसलींय अनुदानां दिवं येतात.
- 283. एकवटीत निधी, आकरमीकताय निधी, आनी लोकलेख्यांच्या खात्यांत जमा केल्लो दुडू हांची अभिरक्षा, इत्यादी (1) भारताचो एकवटीत निधी आनी भारताचो आकरमीकताय निधी हांची अभिरक्षा, अशा निधींत दुडवांचो भरिणो करप, तातूंतल्यान दुडू काडप, अशा निधींत जमा जाल्लेपरस वेगळ्या अशा, भारत सरकारान अथवा ताचे वतीन स्वीकारिल्ल्या भौशीक दुडवांची अभिरक्षा, ताचो भारताच्या लोकलेख्याच्या खात्यांत भरिणो करप आनी अशा खात्यांतल्यान दुडू काडप ह्यो आनी पयलीं सांगिल्ल्या गजालींकडेन निगडीत अथवा तांकां सहायक अशो हेर सगल्यो गजाली संसदेन केल्ल्या कायद्यावरवीं विनयमीत जातल्यो, आनी ते संबंदांत हेप्रमाण उपबंध करून जायसर, राष्ट्रपतीन केल्ल्या नेमांवरवीं विनियमीत जातल्यो.
- (2) राज्याचो एकवटीत निधी आनी राज्याचो आकस्मीकताय निधी हांची अभिरक्षा, अशा निधींत दुडवांचो भरिणो करप, तातूंतल्यान दुडू काडप, अशा निधींत जमा जाल्लेपरस वेगळ्या अशा राज्य सरकारान अथवा ताचे वतीन स्वीकारिल्ल्या भौशीक दुडवाची अभिरक्षा, ताचो राज्याच्या लोकलेख्याच्या खात्यांत भरिणो करप आनी अशा खात्यांतल्यान दुडू काडप ह्या आनी वयर सांगल्यात त्या गजालींकडेन निगडीत तांकां सहायक अशो सगल्यो गजाली राज्य विधानमंडळान केल्ल्या कायद्यावरवीं विनयमीत जातल्यो, आनी तेसंबंदात हेप्रमाण उपबंध करून जायमेरेन, त्या राज्याच्या राज्यपालान 13 * * * केल्ल्या नेमांवरवीं विनयमीत जातल्यो.
- 284. लोकसेवक आनी न्यायालयां हांकां मेळिल्ल्यो पक्षकारांच्यो जमा राशी आनी हेर दुडू हांची अभिरक्षा —
 - (क) संघाचो अथवा एखाद्या राज्यांच्या कारभाराच्या संबंदात नेमिल्लो अधिकारी ह्या नात्यान खंयच्याय अधिकाऱ्याक, भारत सरकारान अथवा त्या त्या प्रकरणाप्रमाण, राज्य शासनान उभारिल्लो अथवा ताका मेळिल्लो महसूल अथवा भौशीक दुडू हाचेभायर हेर स्वरूपांत अथवा,
 - (ख) भारताच्या राज्यक्षेत्रांतल्या खंयच्याय न्यायालयाकडेन, कसलेंय काम, गजाल, लेखा अथवा व्यक्ती हांच्या नांवान मेळिल्ल्या अथवा, तांचेकडेन जमा जाल्ल्या सगल्या दुडवांचो भरिणो भारताच्या लोकलेख्यांनी अथवा प्रकरणाप्रमाण, राज्याच्या लोकलेख्यांनी करतले.
- 285. संघाचे संपत्तेक राज्याच्या कर-लावणेंतल्यान मेकळीक (1) राज्यान अथवा रोज्यांतल्या खंयच्याय प्राधिकरणान लायिल्ल्या सगल्या करांपासून संघराज्याचे संपत्तेक, संसद कायद्यावरवीं हेर कितेंय उपबंध करीत तितलें सोडून हेरशीं, मेकळीक मेळटली.
- (2) संघाची कसलीय संपत्ती ह्या संविधानाच्या आरंभाचे निकटपूर्व ज्या कराक पात्र आशिल्ली अथवा पात्र अशें मानिल्लें असो कसलोय कर, अशे संपत्तेचेर तो कर लावपाक, संसद कायद्यावरवीं हेर किदेंय उपबंध करीसर, उपकलम (1) हातूंतले खंयचेच गजालीक लागून प्रतिबंध जांवचो ना.

- 286. Restrictions as to imposition of tax on the sale or purchase of goods. (1) No law of a State shall impose, or authorise the imposition of, a tax on the sale or purchase of goods where such sale or purchase takes place-
 - (a) Outside the State; or
 - (b) In the course of the import of the goods into, or export of the goods out of, the territory of India.

14* * *

- ¹⁵[(2) Parliament may by law formulate principles for determining when a sale or purchase of goods takes place in any of the ways mentioned in clause (1).
 - 16 (3) Any law of a State shall, in so for as it imposes, or authorises the imposition of, -
 - (a) A tax on the sale or purchase of goods declared by Parliament by law to be of special importance in inter-State trade or commerce; or
 - (b) A tax on the sale or purchase of goods, being a tax of the nature referred to in sub-clause(b), sub-clause (c) or sub-clause (d) of clause (29A) of article 366,

Be subject to such restrictions and conditions in regard to the system of levy, rates and other incidents of the tax as Parliament may by law specify.]]

- 287. Exemption from taxes on electricity. Save in so far as Parliament may by law otherwise provide, no law of a State shall impose, or authorise the imposition of, a tax on the consumption or sale of electricity (whether produced by a Government or other persons) which is-
 - (a) Consumed by the Government of India, or sold to the Government of India for consumption by that Government; or
 - (b) Consumed in the construction, maintenance or operation of any railway by the Government of India or a railway company operating that railway, or sold to that Government or any such railway company for consumption in the construction, maintenance or operation of any railway,

And any such law imposing, or authorising the imposition of, a tax on the sale of electricity shall secure that the price of electricity sold to the Government of India for consumption by that Government, or to any such railway company as aforesaid for consumption in the construction, maintenance or operation of any railway, shall be less by the amount of the tax than the price charged to other consumers of a substantial quantity of electricity.

288. Exemption from taxation by States in respect of water or electricity in certain cases.

- (1) Save in so far as the President may by order otherwise provide, no law of a State in force

- 286. मालाची विक्री अथवा खरेदी हांचेर कर लावपासंबंदी निर्बंध (1) मालाची विक्री अथवा खरेदी -
 - (क) राज्याचे भायर घडटा, अथवा
- (ख) भारताच्या राज्यक्षेत्रांत मालाची आयात करपाच्या अथवा ताचेभायर मालाची निर्यात करपाच्या ओघांत घडटा.

अशा संबंदांत, राज्याचो खंयचोच कायदो अशे विक्रेचेंर अथवा खरेदेचेर कर लावचो ना अथवा तो लावप प्राधिकृत करचो ना.

14* * * * * *

- ¹⁵[(2) मालाची विक्री अथवा खरेदी उपकलम (1) हातूंत उल्लेखिल्ल्यामदल्या खंयच्याय प्रकारान केन्ना घडटा हें निर्धारीत करपाखातीर संसदेच्यान कायद्यावरवीं तत्त्वां सूत्रबद्ध करूं येतात.
 - 16[(3) राज्याचो खंयचीय कायदो हो जोवेर,-
- (क) संसदेन कायद्यावरवीं आंतरराज्यीय वेपारांत अथवा वाणिज्य वेव्हारांत खाशेल्या म्हत्वाचो अशें घोशीत केल्ल्या मालाचे विक्रेचेर अथवा खरेदेचेर कर लायता आसत अथवा असो कर बसोवप प्राधिकृत करता आसत, अथवा
- (ख) मालाचे विक्रेचेर अथवा खरेदेचेर कर लायता आसत अथवा असो कर लावप प्राधिकृंत करता आसत आनी असो कर हो कलम 366, उपकलम (29क) चें उप-उपकलम (ख), उप-उपकलम (ग), अथवा उप-उपकलम (घ) हातूंत उल्लेखिल्ल्या स्वरूपाचो कर म्हूण आसत.

तोवेर तो कायदो, त्या कराचे लावणेची रीत, दर आनी हेर आनुशंगिक गजाली हांचेविशीं संसद कायद्यावरवीं विनिर्दीष्ट करतली अशा निर्बंधाचे आनीं शर्तींचे अधीनतायेन आसतलो.]]

287. विजेवेल्या करांपसून मेकळीक - जी वीज,

- (क) भारत सरकाराकडल्यान वापरप जाता अथवा भारत सरकाराच्या वापराखातीर त्या सरकाराक विकप जाता; अथवा
- (ख) खंयचीय रेल्वे बांदप, तिची देखभाल करप अथवा ती चलोवप ह्या कामांनी भारत सरकाराकडल्यान अथवा ती रेल्वे चलोवपी रेल्वे कंपनेकडल्यान वापरप जाता अथवा खंयचीय रेल्वे बांदप, तिची देखभाल करप अथवा ती चलोवप ह्या कामांनी वापरपाखातीर त्या सरकाराक अथवा अशे खंयचेय रेल्वे कंपनेक विकप जाता, (मागीर तिचें उत्पादन सरकारान केल्ले आसूं नाजाल्यार हेर कोणा व्यक्तीन केल्लें आसूं) तिच्या वापराचेर अथवा विक्रेचेर, संसद कायद्यावरवीं हेर किदेंय उपबंध करीत तितलें सोडून हेरशीं, राज्याच्या खंयच्याच कायद्यावरवीं कर लावपाक मेळचो ना, आनी विजेचे विक्रेचेर कर लावपी अथवा लावप प्राधिकृत करपी अशा कसल्याच कायद्यावरवीं, भारत सरकाराक त्या सरकाराच्या वापराखातीर अथवा पयलीं सांगल्या अशे खंयचेय रेल्वे कंपनीक खंयचीय रेल्वे बांदप, तिची देखभाल करप अथवा ती चलोवप ह्या कामांखातीर विकिल्ले विजेचो दर हो विजेचो भरीवं प्रमाणांत वापर करपी हेर उपभोक्त्यांचेर लायतात त्या दरापरस करांइतले रकमेन उणो आसतलो अशी खात्रीलायक तजवीज करतले.
- 288. उदक आनी वीज हांचेविशीं राज्यांनी केल्ले कर-लावणेंपसून थोड्या गजालींनी मेकळीक (1) राष्ट्रपती आदेशावरवीं हेर किदेंय उपबंध करीत तितलें सोडून हेरशीं, ह्या संविधानाच्या आरंभाचे निकटपूर्व लागू

immediately before the commencement of this Constitution shall impose, or authorise the imposition of, a tax in respect of any water or electricity stored, generated, consumed, distributed or sold by any authority established by any existing law or any law made by Parliament for regulating or developing any inter-State river or river-valley.

Explanation. — The expression "law of a State in force" in this clause shall include a law of a State passed or made before the commencement of this Constitution and not previously repealed, notwithstanding that it or parts of it may not be then in operation either at all or in particular areas.

- (2) The Legislature of a State may by law impose, or authorise the imposition of, any such tax as is mentioned in clause (1), but no such law shall have any effect unless it has, after having been reserved for the consideration of the President, received his assent; and if any such law provides for the fixation of the rates and other incidents of such tax by means of rules or orders to be made under the law by any authority, the law shall provide for the previous consent of the President being obtained to the making of any such rule or order.
- **289.** Exemption of property and income of a State from Union taxation. (1) The property and income of a State shall be exempt from Union taxation.
- (2) Nothing in clause (1) shall prevent the Union from imposing, or authorising the imposition of, any tax to such extent, if any, as Parliament may by law provide in respect of a trade or business of any kind carried on by, or on behalf of, the Government of a State, or any operations connected therewith, or any property used or occupied for the purposes of such trade or business, or any income accruing or arising in connection therewith.
- (3) Nothing in clause (2) shall apply to any trade or business, or to any class of trade or business, which Parliament may by law declare to be incidental to the ordinary function.
- 290. Adjustment in respect of certain expenses and pensions. Where under the provisions of this Constitution the expenses of any court or Commission, or the pension payable to or in respect of a person who has served before the commencement of this Constitution under the Crown in India or after such commencement in connection with the affairs of the Union or of a State, are charged on the Consolidated Fund of India or the Consolidated Fund of a State, then, if-
 - (a) In the case of a charge on the Consolidated Fund of India, the court or Commission serves any of the separate needs of a State, or the person has served wholly or in part in connection with the affairs of a State; or
 - (b) In the case of a charge on the Consolidated Fund of a State, the court or Commission serves any of the separate needs of the Union or another State, or the person has served wholly

आशिल्लो राज्याचो कसलोय कायदो हो खंयचीय आंतरराज्यीय न्हंय अथवा न्हंय-घाटी हांचें विनियमन अथवा विकास करपाखातीर खंयच्याय विद्यमान कायद्यावरवीं अथवा संसदेन केल्ल्या खंयच्याय कायद्यावरवीं स्थापन केल्ल्या खंयच्याय प्राधिकरणान सांठयल्ल्या, निर्माण केल्ल्या कसल्याय उदकाच्या अथवा विजेच्या संबंदांत कर लावचो ना अथवा तो लावप प्राधिकृत करचो ना.

स्पष्टीकरण - ह्या उपकलमांतल्या 'विद्यमान राज्याचो कायदो' ह्या उतरांनी ह्या संविधानाच्या आरंभापयलीं पास केल्लो अथवा केल्लो आनी तेपयलीं निरसीत करूंक नाशिल्लो राज्याचो कायदो आस्पावीत आसतलो - मागीर तो अथवा ताचे भाग तेवेळार मातूय अथवा खाशेल्या क्षेत्रांनी लागू नाशिल्लो अशें आसल्यारूय हरकत ना.

- (2) राज्य विधानमंडळाच्यान उपकलम (1) हातूंत उल्लेखिल्लो असो कसलोय कर कायद्यावरवीं लावं येता अथवा लावप प्राधिकृत करूं येता, परंतु असो कसलोय कायदो राष्ट्रपतीच्या विचाराखातीर राखून दवरून ताका ताची अनुमती मेळ्ळेबगर तो कसलेच तरेन परिणामक जांवचो ना, आनी जर अशा खंयच्याय कायद्यांत, अशा कराच्यो दरो अथवा हेर आनुशंगीक गजाली एखाद्या प्राधिकरणान त्या कायद्याखाला करपाच्या नेमांचे अथवा आदेशांचे वरवीं निश्चीत करच्यो असो उपबंध केल्लो आसत जाल्यार, तातूंत असो कसलोय नेम अथवा आदेश करपाखातीर राष्ट्रपतीची पूर्वसंमती मेळोवंक जाय असो उपबंध करचो पडटलो.
- **289. राज्याचे संपत्तेक आनी प्राप्तेक संघीय कर-लावणेंतल्यान मेकळीक** (1) राज्याची संपत्ती आनी प्राप्ती हांकां संधीय कर लावणेंतल्यान मेकळीक आसतली.
- (2) राज्य सरकारान अथवा ताचे वतीन चलयल्लो कसलेय तरेचो वेपार अथवा धंदो अथवा ताचेकडेन निगडीत आशिल्ले कसलेय वेव्हार अथवा अशा वेपाराच्या अथवा धंद्याच्या प्रयोजनाखातीर वापरिल्ली अथवा ताब्यांत घेतिल्ली कसलीय संपत्ती अथवा तिच्या संदर्भांत उपार्जीत जावपी अथवा उप्रासपी कसलीय प्राप्ती हांचेविशीं संसदेन कायद्यावरवीं जर किदेंय मर्यादा घालून दिली आसत जाल्यार तितले मर्यादेमेरेन संघाक कसलोय कर लावपाक अथवा लावप प्राधिकृत करपाक उपकलम (1) हातूंतले खंयचेच गजालीक लागून प्रतिबंध जांवचो ना.
- (3) उपकलम (2) हातूंतली खंयचीय गजाल, संसद कायद्यावरवीं शासनाच्या सर्वसाधारण कार्यांक आनुशंगीक म्हूण घोशीत करीत अशा कसल्याच वेपाराक अथवा धंद्याक अथवा वेपाराच्या अथवा धंद्याच्या खंयच्याच वर्गांक लागू आसची ना.
- 290. थोडो खर्च आनी पेन्शनी हांचेसंबंदीं समायोजन जेन्ना ह्या संविधानाच्या उपबंधांखाला खंयच्याय न्यायालयाचो अथवा आयोगाचो खर्च अथवा ह्या संविधानाच्या आरंभापयलीं ब्रिटिश राजसत्तेखाला भारतांत अथवा अशा आरंभा उपरांत संघाच्या अथवा राज्याच्या कारभारासंबंदांत जे व्यक्तीन सेवा केल्ली आसा तिका अथवा तिचेंविशीं दिवपाची पेन्शन भारताच्या एकवटीत निधीचेर अथवा एखाद्या राज्याच्या एकवटीत निधीचेर प्रभारीत आसत तेन्ना, जर,-
 - (क) भारताच्या एकवटीत निधीवेल्या प्रभाराच्या संबंदांत, त्या न्यायालयान अथवा आयोगान एखाद्या राज्याच्या स्वतंत्र कामांमदल्या कसल्याय कामाची गरज भागयल्या आसत अथवा ते व्यक्तीन एखाद्या राज्याच्या कारभारासंबंदांत पुरायेन अथवा अंशतायेन सेवा केल्ली आसत जाल्यार; अथवा
 - (ख) एखाद्या राज्याच्या एकवटीत निधीवेल्या प्रभाराच्या संबंदांत, त्या न्यायालयान अथवा आयोगान संघाच्या अथवा दुसऱ्या राज्याच्या स्वतंत्र कामांमदल्या कसल्याय कामाची गरज भागयल्या आसत अथवा ते

or in part in connection with the affairs of the Union or another State,

There shall be charged on and paid out of the Consolidated Fund of the State or, as the case may be, the Consolidated Fund of India or the Consolidated Fund of the other State, such contribution in respect of the expenses or pension as may be agreed, or as may in default of agreement be determined by an arbitrator to be appointed by the Chief Justice of India.

¹⁷[290A. Annual payment to certain Devaswom Funds. — A sum of forty-six lakhs and fifty thousand rupees shall be charged on, and paid out of, the Consolidated Fund of the State of Kerala every year to the Travancore Devaswom Fund; and a sum of thirteen lakhs and fifty thousand rupees shall be charged on, and paid out of, the Consolidated Fund of the State of ¹[Tamil Nadu] every year to the Devaswom Fund established in that State for the maintenance of Hindu temples and shrines in the territories transferred to that State on the 1st day of November, 1956, from the State of Travancore-Cochin].

291. [Privy purse sums of Rulers.]. — Rep. by the Constitution (Twenty-sixth Amendment) Act, 1971, s. 2.

CHAPTER 2 - BORROWING

- 292. Borrowing by the Government of India. The executive power of the Union extends to borrowing upon the security of the Consolidated Fund of India within such limits, if any, as may from time to time be fixed by Parliament by law and to the giving of guarantees within such limits, if any, as may be so fixed.
- 293. Borrowing by States. (1) Subject to the provisions of this article, the executive power of a State extends to borrowing within the territory of India upon the security of the Consolidated Fund of the State within such limits, if any, as may from time to time be fixed by the Legislature of such State by law and to the giving of guarantees within such limits, if any, as may be so fixed.
- (2) The Government of India may, subject to such conditions as may be laid down by or under any law made by Parliament, make loans to any State or, so long as any limits fixed under article 292 are not exceeded, give guarantees in respect of loans raised by any State, and any sums required for the purpose of making such loans shall be charged on the Consolidated Fund of India.
- (3) A State may not without the consent of the Government of India raise any loan if there is still outstanding any part of a loan which has been made to the State by the Government of India or by its predecessor Government, or in respect of which a guarantee has been given by the Government of India or by its predecessor Government.
- (4) A consent under clause (3) may be granted subject to such conditions, if any, as the Government of India may think fit to impose.

व्यक्तीन संघाच्या अथवा दुसऱ्या राज्याच्या कारभारासंबंदांत पुरायेन अथवा अंशतायेन सेवा केल्ली आसत जाल्यार,

तांचेभितर एकमतान थारतलें अथवा एकमत जालें ना जाल्यार भारताच्या मुख्य न्यायमूर्तीन नेमणूक करपाच्या लवादाकडल्यान निर्धारीत जातलें अशे खर्चाविशींचे अथवा पेन्शनीविशींचें अंशदान त्या राज्याच्या एकवटीत निधीचेर अथवा त्या दुसऱ्या राज्याच्या एकवटीत निधीचेर प्रभारीत करतले आनी तातूंतल्यान दितले.

¹⁷[290क. थोड्या देवरवम् निधींनी वर्सुको भरिणो — दर वर्सा शेचाळीस लाख पन्नास हजार रूपयांची रकम केरळ राज्याच्या एकवटीत निधीचेर प्रभारीत करून ती त्या निधींतल्यान त्रावणकोर-देवस्वम् निधीक दितले, आनी दर वर्सा तेरा लाख पन्नास हजार रूपयांची रकम [तामिळनाडू] राज्याच्या एकवटीत निधीचेर प्रभारीत करून ती त्या निधींतल्यान 1 नोवेंबर 1953 ह्या दिसा त्रावणकोर-कोची राज्यांतल्यान त्या राज्याकडेन हस्तांतरीत जाल्ल्या राज्यक्षेत्रांतल्या हिंदू देवालयांचे आनी पवित्र स्थानांचे देखभालीखातीर त्या राज्यांत स्थापन जाल्ल्या देवस्वम् निधीक दितले.]

291. [अधिपतींच्या खासगत तनख्यांच्यो रकमो] 'संविधान (सव्विसावो बदल) अधीनियम, 1971'- अनुभाग 2 वरवीं निरसीत केले

प्रकरण 2 - रिणां काडप

- 292. भारत सरकारान रीण काडप संसदेकडल्यान कायद्यावरवीं त्या त्या वेळार निश्चीत जातल्यो अशो ज्यो किदें मर्यादा आसतीत त्यो सांबाळून, भारताच्या एवटीत निधीचे प्रतिभूतीचेर रिणां काडप आनी अशे तरेन निश्चीत करतले अशो जर किदेंय मर्यादा आसतीत जाल्यार त्यो सांबाळून, हमी दिवप हे संघाच्या शासनाधिकाराचे व्याप्तेंत येतलें.
- 293. राज्यांनी रिणां काडप (1) ह्या कलमाच्या उपबंधांचे अधीनतायेन, अशा राज्यांच्या विधानमंडळाकडल्यान कायद्यावरवीं त्या त्या वेळार निश्चीत करतले अशो जर किदेंय मर्यादा आसतीत जाल्यार त्यो सांबाळून, राज्याच्या एकवटीत निधी प्रतिभूतीचेर भारताच्या राज्यक्षेत्रांत रिणां काडप आनी अशे तरेन निश्चीत करतले अशो जर किदेंय मर्यादा आसतीत जाल्यार त्यो सांबाळून, हमी दिवप हें राज्याच्या शासनाधिकाराचे व्याप्तेंत येतलें.
- (2) भारत सरकाराच्यान संसदेन केल्ल्या कसल्याय कायद्यावरवीं अथवा ताचेखाला घालून दितले अशे अटीचे अधीनतायेन खंयच्याय राज्याक रिणा दिवं येतात अथवा कलम 292 खाला निश्चीत केल्ल्यो कसल्योय मर्यादा हुपप जायना तितलेमेरेन, खयंच्याय राज्यान उभारिल्ल्या रिणासंबंदीं हमी दिवं येता आनी अशीं रिणां दिवपाच्या प्रयोजनाखातीर गरजेच्यो आशिल्ल्यो कसल्योय रकमो भारताच्या एकवटीत निधीचेर प्रभारीत करतले.
- (3) भारत सरकारान अथवा ताच्या पूर्वाधिकारी सरकारान राज्याक जें रीण दिल्लें आसत अथवा जाचेविशीं भारत सरकारान अथवा ताच्या पूर्वाधिकारी सरकारान हमी दिल्ली आसत त्या रिणाचो कसलोय वांटो अजून दिवपाचो बाकी आसत जाल्यार, त्या राज्याक भारत सरकाराचे संमतेबगर कसलेंच रीण उबें करूंक मेळचेंना.
- (4) उपकलम (3) खालची संमती, भारत सरकाराच्यान फावोशो दिसतात अशो जर किदेंय अटी घालपाच्यो आसतीत जाल्यार तांचे अधीनतायेन, दिवं येता.

CHAPTER 3 - PROPERTY, CONTRACTS, RIGHTS, LIABILITIES, OBLIGATIONS AND SUITS

- 294. Succession to property, assets, rights, liabilities and obligations in certain cases. —
 As from the commencement of this Constitution-
 - (a) All property and assets which immediately before such commencement were vested in His Majesty for the purposes of the Government of the Dominion of India and all property and assets which immediately before such commencement were vested in His Majesty for the purposes of the Government of each Governor's Province shall vest respectively in the Union and the corresponding State, and
 - (b) All rights, liabilities and obligations of the Government of the Dominion of India and of the Government of each Governor's Province, whether arising out of any contract or otherwise, shall be the rights, liabilities and obligations respectively of the Government of India and the Government of each corresponding State,

Subject to any adjustment made or to be made by reason of the creation before the commencement of this Constitution of the Dominion of Pakistan or of the Provinces of West Bengal, East Bengal, West Punjab and East Punjab.

295. Succession to property, assets, rights, liabilities and obligations in other cases. — (1) As from the commencement of this Constitution-

- (a) All property and assets which immediately before such commencement were vested in any Indian State corresponding to a State specified in Part B of the First Schedule shall vest in the Union, if the purposes for which such property and assets were held immediately before such commencement will thereafter be purposes of the Union relating to any of the matters enumerated in the Union List, and
- (b) All rights, liabilities and obligations of the Government of any Indian State corresponding to a State specified in Part B of the First Schedule, whether arising out of any contract or otherwise, shall be the rights, liabilities and obligations of the Government of India, if the purposes for which such rights were acquired or liabilities or obligations were incurred before such commencement will thereafter be purposes of the Government of India relating to any of the matters enumerated in the Union List,

Subject to any agreement entered into in that behalf by the Government of India with the Government of that State.

(2) Subject as aforesaid, the Government of each State specified in Part B of the First Schedule shall, as from the commencement of this Constitution, be the successor of the Government of the corresponding Indian State as regards all property and assets and all rights, liabilities and obligations, whether arising out of any contract or otherwise, other than those referred to in clause (1).

प्रकरण 3 - संपत्ती, संविदा, अधिकार, दायित्वां, आबंधनां

294. थोड्या गजालींनीं संपत्ती, मालमत्ता, अधिकार, दायित्व, आनी आबंधना हांचे संबंदींचे उत्तराधिकार — ह्या संविधानाच्या आरंभाक आनी तेन्नासावन —

- (क) अशा आरंभाचे निकटपूर्व जी 'डोमिनियन ऑफ इंडिया' सरकाराच्या प्रयोजनाखातीर हिज मॅजिस्ट्रीचे ठांय निहित आशिल्ली अशी सगली संपत्ती आनी मालमत्ता आनी अशा आरंभाचे निकट पूर्ण जी दरेक गव्हर्नर-प्रांत सरकाराच्या प्रयोजनांखातीर हिज मॅजेस्टीचे ठांय निहीत आशिल्ली अशी सगली संपत्ती अनुक्रमान संघ आनी समनुरूप राज्य हांचे ठांय निहीत जातली, आनी
- (ख) 'डॉमिनियन ऑफ इंडिया' सरकाराचे आनी दरेका गव्हर्नर-प्रांत सरकाराचे सगले अधिकार, दायित्वां आनी आबंधनां हीं मागीर तीं कसलेंय संविदेंतल्यान उप्राशिल्लीं आसूं अथवा हेर तरेन उप्राशिल्लीं आसूं अनुक्रमान भारत सरकाराचे आनी दरेका समनुरूप राज्य सरकाराचीं अधिकार, दायित्वां आनी आबंधनां थारतलीं, परंतु, ह्या संविधानाच्या आरंभापयलीं पाकिस्तान डोमिनियनाची अथवा अस्तंत बंगाल, पूर्व बंगाल, अस्तंत पंजाब आनी पूर्व पंजाब ह्या प्रांतांची निर्मणी जाल्ले कारणान केल्ले अथवा करपाचे कसलेय समायोजनेचो हेसंबंदीं आडवाद उरतलो.

295. हेर गजालींनीं संपत्ती, मालमत्ता, अधिकार, दायित्व, आनी आबंधनां हांचे संबंदींचे उत्तराधिकार — (1) ह्या संविधानाच्या आरंभाक आनी तेन्नासावन —

- (क) अशा आरंभाचे निकटपूर्ण जी पयले अनुसुचयेच्या भाग (ख) हातूतं विनिर्दीश्ट केल्ल्या राज्याक समनुरूप आशिल्ल्या खंयच्याय भारतीय संस्थानाचे ठांय निहीत आशिल्ली अशी सगली संपत्ती आनी मालमत्ता ही अशा आरंभाचे निकटपूर्ण अशीं संपत्ती आनी मालमत्ता जेखातीर धारण केल्ली तीं प्रयोजनां ते उपरांत संघ वळेरेंत नमूद केल्लेमदल्या कसल्याय गजालींकडे संबंदीत आशिल्लीं भारत सरकाराचीं प्रयोजनां जालीं जाल्यार, संघाचे ठांय निहीत जातली, आनी
- (ख) पयले अनुसुचयेच्या भाग (ख) हातूंत विनिर्दीश्ट केल्ल्या राज्याक समनुरूप आशिल्ल्या खंयच्याय भारतीय संस्थानाचे सगले अधिकार, दायित्वां आनी आबंधनां हीं मागीर ती खंयचेय संविदेंतल्यान उप्राशिल्ली आसूं अथवा हेर तरेन उप्राशिल्ली आसूं अशा आरंभापयलीं जेखातीर संपादन केल्लीं अथवा अशीं दायित्वां अथवा आबंधनां येवन पिंडल्लीं तीं प्रयोजनां उपरांत संघ वळेरेंत नमूद केल्लेमदले खंयचेय गजालीकडेन संबंदीत आशिल्लीं भारत सरकाराची प्रयोजनां जालीं जाल्यार, भारत सरकाराचीं अधिकार, दायित्वां आनी आबंधनां थारतलीं.

परंतु, भारत सरकारान तेसंबंदांत त्या संस्थानाच्या सरकारावांगडा केल्ल्या कसल्याय कराराची हेसंबंदांत अपवाद उरतलो.

(2) पयलीं सांगिल्लेवरी त्या त्या गजालींचे अधीनतायेन, उपकलम (1) हातूंत विनिर्दीश्ट केल्लेपरस हेर सगली संपत्ती, मालमत्ता आनी अशे सगले अधिकार, दायित्वां आनी आबंधनां - मागीर तीं खंयचेय संविदेंतल्यान उप्राशिल्लीं आसूं अथवा हेरतरेन उप्राशिल्लीं आसूं - तांचेविशीं पयले अनुसुचयेच्या भाग (ख) हातूंत विनिर्दीश्ट केल्ल्या दरेका राज्याचें सरकार हें ह्या संविधानांच्या आरंभाक आनी तेन्नासावन समनुरूप भारतीय संस्थानाच्या सरकाराचो उत्तराधिकारी जातलें.

296. Property accruing by escheat or lapse or as bona vacantia. — Subject as hereinafter provided, any property in the territory of India which, if this Constitution had not come into operation, would have accrued to His Majesty or, as the case may be, to the Ruler of an Indian State by escheat or lapse, or as bona vacantia for want of a rightful owner, shall, if it is property situate in a State, vest in such State, and shall, in any other case, vest in the Union:

Provided that any property which at the date when it would have so accrued to His Majesty or to the Ruler of an Indian State was in the possession or under the control of the Government of India or the Government of a State shall, according as the purposes for which it was then used or held were purposes of the Union or of a State, vest in the Union or in that State.

Explanation. — In this article, the expressions "Ruler" and "Indian State" have the same meanings as in article 363.

- ¹⁹[297. Things of value within territorial waters or continental shelf and resources of the exclusive economic zone to vest in the Union. (1) All lands, minerals and other things of value underlying the ocean within the territorial waters, or the continental shelf, or the exclusive economic zone, of India shall vest in the Union and be held for the purposes of the Union.
- (2) All other resources of the exclusive economic zone of India shall also vest in the Union and be held for the purposes of the Union.
- (3) The limits of the territorial waters, the continental shelf, the exclusive economic zone, and other maritime zones, of India shall be such as may be specified, from time to time, by or under any law made by Parliament.]
- [298. Power to carry on trade, etc. The executive power of the Union and of each State shall extend to the carrying on of any trade or business and to the acquisition, holding and disposal of property and the making of contracts for any purpose:

Provided that-

- (a) The said executive power of the Union shall, in so far as such trade or business or such purpose is not one with respect to which Parliament may make laws, be subject in each State to legislation by the State; and
- (b) The said executive power of each State shall, in so far as such trade or business or such purpose is not one with respect to which the State Legislature may make laws, be subject to legislation by Parliament.]

296. राजगामी अथवा खळीत अथवा बेवारशी मालमत्ता म्हूण उपार्जीत जावपी संपत्ती — हातूंत हे फुडें उपबंधीत केलां तेप्रमाण ते ते गजालीचे अधीनतायेन, हें संविधान लागू जावंक नाशिल्लें जाल्यार जी संपत्ती राजगामी अथवा खळीत म्हूण अथवा साधिकार धनयाच्या अभावान बेवारशी मालमत्ता म्हूण, त्या त्या प्रकरणा प्रमाण हिज मंजेस्टीक अथवा खंयच्याय भारतीय संस्थानाच्या अधिपतीक उपार्जीत, जावपाची अशी भारताच्या राज्यक्षेत्रांतली खंयचीय संपत्ती, जर ती एखाद्या राज्यांतली संपत्ती आसत जाल्यार, त्या राजाचे ठांय निहीत जातली आनी हेर कसल्याय संबंदांत, संघाचे ठांय निहीत जातलीः

परंतु, अशे तरेन जर एखादी संपत्ती हिज मॅजेस्टीक अथवा एखाद्या भारतीय संस्थानाच्या अधिपतीक ती जेन्ना उपार्जित जातली आशिल्ली ते तारखेक भारत सरकाराच्या अथवा एकाद्या राज्य सरकाराच्या ताब्यांत अथवा नियंत्रणाखाला आसत जाल्यार अशी कसलीय संपत्ती, ज्या प्रयोजनांखातीर ती त्या वेळार वापरिल्ली अथवा धारण केल्ली आसत ती संघाची अथवा राज्याचीं प्रयोजना असातीत ते प्रमाण संघाचे अथवा त्या राज्याचे ठांय निहीत जातली.

रपश्टीकरण - ह्या कलमांत 'अधिपती' आनी 'भारतीय संस्थान' ह्या उतरांक कलम 363 हातूंत आशिल्लोच अर्थ आसा.

- ¹⁹[297. क्षेत्रीय जलधी अथवा सागरमग्न खंडभूमी हांचे भितरत्यो मोलादीक वस्तू आनी अनन्यसाधारण अर्थीक परिक्षेत्रांतली साधनसंपत्ती संघाचे ठांय निहीत आसप (1) भारताचो क्षेत्रीय जलधी, ताची सागरमग्न खंडभूमी अथवा ताचें अनन्यसाधारण अर्थीक परिक्षेत्र हांचे भितरत्यो दर्यापोंदां आशिल्ल्यो सगल्यो जमनी, खनिजां आनी हेर मोलादीक वस्तू संघाचे ठांय निहीत जातल्यो आनी संघाच्या प्रयोजनाखातीर त्यो धारण करतले.
- (2) भारताच्या अनन्यसाधारण अर्थीक परिक्षेत्रांतली हेर सगली साधनसंपत्ती हीवूय संघाचे ठांय निहीत आसतली आनी संघाच्या प्रयोजनाखतीर ती धारण करतलें.
- (3) भारताचो क्षेत्रीय जलधी, ताची सागरमग्न खंडभूमी, ताचें अनन्यसाधारण अर्थीक परिक्षेत्र आनी हेर सागरी परिक्षेत्रां हांच्यो मर्यादा हे संसदेन केल्ल्या खंयच्याय कायद्यावरवीं अथवा ताचेखाला त्या त्या वेळार विनिर्दीश्ट करतले ते प्रमाण आसतल्यो.]
- [298. वेपार, इत्यादी चलोवपाचो अधिकार कसलोय वेपार अथवा धंदो चलोवप आनी संपत्ती संपादन करप, धारण करप अथवा तिचो विलो लावप आनी कसल्याय प्रयोजनाखातीर संविदा करप हें संधाच्या आनी दरेका राज्याच्या शासनाधिकाराचे व्याप्तेंत येतलें:

परंतु, -

- (क) संघाचो वयलो शासनाधिकार, जितलेमेरेन असो वेपार अथवा धंदो अथवा अशें प्रयोजन हें, जेविशीं संसदेच्यान कायदे करूं येतात अशा तरांचो नासत तितलेमेरेन, दरेका राज्यांत त्या राज्यान केल्ल्या विधिविधानाचे अधीन आसतलो; आनी
- (ख) दरेका राज्याचो वयलो शासनाधिकार, जितलेमेरेन असो वेपार अथवा धंदो अथवा अशें प्रयोजन हें जाचेविशीं राज्य विधानमंडळाच्यान कायदे करूं येतात अशा तरांचो नासत तितलेमेरेन, संसदेन केल्ल्या विधिविधानाचे अधीन आसतलो.]

- 299. Contracts. (1) All contracts made in the exercise of the executive power of the Union or of a State shall be expressed to be made by the President, or by the Governor 20 * * * of the State, as the case may be, and all such contracts and all assurances of property made in the exercise of that power shall be executed on behalf of the President or the Governor * * * by such persons and in such manner as he may direct or authorise.
- (2) Neither the President nor the Governor ²¹* * * shall be personally liable in respect of any contract or assurance made or executed for the purposes of this Constitution, or for the purposes of any enactment relating to the Government of India heretofore in force, nor shall any person making or executing any such contract or assurance on behalf of any of them be personally liable in respect thereof.
- 300. Suits and proceedings. (1) The Government of India may sue or be sued by the name of the Union of India and the Government of a State may sue or be sued by the name of the State and may, subject to any provisions which may be made by Act of Parliament or of the Legislature of such State enacted by virtue of powers conferred by this Constitution, sue or be sued in relation to their respective affairs in the like cases as the Dominion of India and the corresponding Provinces or the corresponding Indian States might have sued or been sued if this Constitution had not been enacted.
 - (2) If at the commencement of this Constitution-
 - (a) Any legal proceedings are pending to which the Dominion of India is a party, the Union of India shall be deemed to be substituted for the Dominion in those proceedings; and
 - (b) Any legal proceedings are pending to which a Province or an Indian State is a party, the corresponding State shall be deemed to be substituted for the Province or the Indian State in those proceedings.

²²[CHAPTER 4 – RIGHT TO PROPERTY

300A. Persons not to be deprived of property save by authority of law. — No person shall be deprived of his property save by authority of law.]

Notes

- 1. Subs. by Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s.29 & Schedule for Article 264.
- 2. The words "or Rajpramukh" deleted by Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s.29 and Sch.

- 299. संविदा (1) संघाच्या अथवा राज्याच्या शासनाधिकाराचो वापर करून केल्ल्यो सगल्यो संविदा, त्या त्रकरणाप्रमाण, राष्ट्रपतीकडल्यान अथवा राज्याच्या राज्यपालाकडल्यान ²⁰* * *केल्यांत अशें व्यक्त करतले, आनी त्या अधिकाराचो वापर करून केल्ल्यो अशो सगल्यो संविदा आनी संपत्तेचीं सगलीं हस्तांतरणपत्रां राष्ट्रपतीचे अथवा राज्यपालाचे * * * वतीन, तो निर्देशीत अथवा प्राधिकृत करतलो अशे व्यक्तीकडल्यान आनी अशे रितीन निश्पादीत करतले.
- (2) ह्या संविधानाच्या प्रयोजनाखातीर अथवा हाचेपयलींमेरेन लागू आशिल्ल्या भारत सरकारासंबंदींच्या खंयच्याय आधिनियमितीच्या प्रयोजनाखातीर केल्ली अथवा निश्पादिल्ली कसलीच संविदा अथवा हस्तांतरणपत्र हेसंबंदांत राष्ट्रपतीं अथवा राज्यपाल ²¹* * * हांचेमदलो कोणूच व्यक्तिशा दायी आसचो ना, तशेंच तांचेमदल्या कोणाचेय वतीन अशी कसलीय संविदा अथवा हस्तांरणपत्र करपी अथवा निश्पादीत करपी खंयचीच व्यक्ती तेसंबंदीं व्यक्तिशा दायी जांवची ना.
- 300. वाद आनी कार्यवाही (1) भारत सरकाराच्यान अथवा ताचेआड भारतीय संघाच्या नांवांन दावे करूं येतात आनी राज्याच्या सरकाराच्यान अथवा ताचे आड त्या राज्याच्या नांवान दावो करूं येता आनी ह्या संविधानान प्रदान केल्ल्या अधिकारांच्या आधारान अधिनियमीत करतले अशा खंयच्याय उपबंधाचे अधीनतायेन, आपापल्या कारभारासंबंदांत तांच्यानी अथवा तांचेआड, जर हें संविधान अधिनियमीत जांवंक नाशिल्लें जाल्यार 'डोमिनियन ऑफ इंडिया' आनी समनुरूप प्रांत अथवा समनुरूप भारतीय संस्थानां हांच्यांनी अथवा तांचेआड जेसंबंदांत दावो करूं येतालो, तशा सारकेल्याच गजालीनीं दावो करूं येता.
 - (2) जर ह्या संविधानाच्या आरंभाक —
 - (क) जातूंत 'डोमिनियन ऑफ इंडिया' हो एक पक्षकार आसा अशी कसलीय कायदेशीर कार्यवाही प्रलंबीत आसत जाल्यार, ते कार्यवाहेंत भारतीय डोमिनियनाचे सुवातेर भारतीय संघ आयलां अशें मानतले; आनी
 - (ख) जातूंत एखादो प्रांत अथवा भारतीय संस्थान हो एक पक्षकार आसा, अशी खंयचीय कायदेशीर कार्यवाही प्रलंबीत आसत जाल्यार, ते कार्यवाहेंत प्रांताचे अथवा भारतीय संस्थानाचे सुवातेर समनुरूप राज्य आयलां अशें मानतले.

22 प्रकरण 4 - संपत्तेचो अधिकार

300क. कायद्यान प्राधिकार दिलेबगर व्यक्तींक संपत्तेपसून वंचीत करप ना — कायद्यान प्राधिकार दिलेबगर खंयचेच व्यक्तीक तिचे संपत्तेपसून वंचीत करचे नात.]

टिपो

- 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956 अनुभाग 29 आनी अनुसुचयेंवरवीं कलम 264 चे सुवातेर घालें.
- 2. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956 अनुभाग 29 आनी अनुसुचयेवरवी' 'अथवा राजप्रमुख' हीं उतरा निरसीत केलीं.

- 3. Subs. by Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s. 29 and Schedule for the state Specified in part (A) of the First Schedule
- 4. Ins. by the Constitution (Sixth Amendment) Act, 1956, s. 3.
- 5. Ins. by Constitution (Forty Sixth Amendment) Act, 1982. s.2 (a)
- 6. Subs. by the Constitution (Forty-sixth Amendment) Act, 1982, s. 2, for "sale or purchase of goods".
- 7. See constitution (Revenue Distribution) order 1980, स. आ. 112
- 8. Subs. by Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s.29 and Schedule State specified in part (A) of the First Schedule sub. cl. (C)
- Subs. by the North-Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 (81 of 1971), s. 71, for "Part A" (w.e.f. 21-1-1972).
- 10. Ins. by the Constitution (Twenty-second Amendment) Act, 1969, s. 3.
- 11. Repealed by Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s.29 and Schedule
- 12. New Number allotted to Sub-clause (d) in the form of Sub-Clause (c) by Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s.29 & Schedule.
- 13. The words "or Rajpramukh" omitted by the Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s. 29 and Sch.
- 14. Explanation to clause (1) omitted by the Constitution (Sixth Amendment) Act, 1956, s. 4.
- 15. Subs. by s. 4, ibid., for cls. (2) and (3).
- 16. Subs. by the Constitution (Forty-sixth Amendment) Act, 1982, s. 3, for cl. (3).
- 17. Ins. by Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s.19.
- 18. Subs. by the Madras State (Alteration of Name) Act, 1968 (53 of 1968), s. 4, for "Madras" (w.e.f. 14-1-1969).
- 19. Subs. by Constitution (Fortieth Amendment) Act, 1976, s.2 (w.e.f. 27-5-1976) for Article 294
- 20. Subs. by Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s.20 for Article 298
- 21. Words 'or Rajpramukh' Repealed by Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s.29
- 22. Ins. by Constitution (Forty fourth Amendment) Act, 1978, s.34 (w.e.f. 20-6-1979)

- 3. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956'- अनुभाग 29 आनी अनुसुचयेवरवीं 'पयले अनुसुचयेच्या भाग (क) हातूंत विनिर्दीश्ट राज्य' ह्या उतरांचे सुवातेर घालें.
- 4. 'संविधान (सवो बदल) अधिनियम, 1956'- अनुभाग 3 वरवीं घालें.
- 5. 'संविधान (शेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1982' अनुभाग 2 (क) वरवीं घालें.
- 6. 'संविधान (शेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1982' अनुभाग 2 (क) वरवीं 'मालाची खरेदी अथवा विक्री' ह्या उतरांचे सुवातेर घालें.
- 7. पळयात.'संविधान (राजस्व वितरण) आदेश, 1980' सं. आ. 112)
- 8. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956'- अनुभाग 29 आनी अनुसुचयेवरवीं 'पयले अनुसुचयेचो भाग (ग) हातूंत विनिर्दीष्ट राज्यां' ह्या उतरांचे सुवातेर घालें.
- 9. 'पूर्वोत्तर क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971'- अनुभाग 71 वरवीं (21-1-1972 सावन) 'भाग (क)'चे सुवातेर घालें.
- 10. 'संविधान (बाविसावो बदल) अधिनियम, 1969'- अनुभाग 3 वरवीं घालें.
- 11. संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956'- अनुभाग 29 आनी अनुसुचयेवरवीं उप-उपकलम (ग) निरसीत केलें.
- 12. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956'- अनुभाग 29 आनी अनुसुचयेवरवीं उप-उपकलम (घ) हाका उप-उपकलम (ग) च्या रूपान नव्यान क्रमांक दिलो.
- 13. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956'- अनुभाग 29 आनी अनुसुचयेवरवीं 'अथवा राजप्रमुख' हीं उतरां काडून उडयलीं.
- 14. 'संविधान (सर्वो बदल) अधिनियम, 1956'- अनुभाग 4 वरवीं उपकलम (1) हाचें स्पष्टीकरण निरसीत केलें.
- 15. 'संविधान (सवो बदल) अधिनियम, 1956'- अनुभाग 4 वरवीं उपकलम (2) आनी उपकलम (3) हांचे सुवातेर घालें.
- 16. 'संविधान (शेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1982'- अनुभाग 3 वरवीं (12-2-1983 सावन, उपकलम (3) चे सुवातेर घालें.
- 17. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956'- अनुभाग 19 वरवीं घालें.
- 18. 'मद्रास राज्य (नामपरिवर्तन) अधिनियम, 1968'- अनुभाग 4 वरवीं (14-1-1969 सावन) 'मद्रास'चे सुवातेर घालें.
- 19. 'संविधान (चाळिसावो बदल) अधिनियम, 1976'- अनुभाग 2 वरवीं (27-5-1976 सावन) कलम 294 चे सुवातेर घालें.
- 20. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956' अनुभाग 20 वरवीं कलम 298 चे सुवातेर घालें.
- 21. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956' अनुभाग 29 आनी अनुसुचयेवरवीं 'अथवा राजप्रमुख' हीं उतरां निरसीत केलीं.
- 22. 'संविधान (चोवेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1978'- अनुभाग 34 वरवीं (20.6.1979 सावन) घालें.

Part XIII

TRADE, COMMERCE AND INTERCOURSE WITHIN THE TERRITORY OF INDIA

- 301. Freedom of trade, commerce and intercourse. Subject to the other provisions of this Part, trade, commerce and intercourse throughout the territory of India shall be free.
- 302. Power of Parliament to impose restrictions on trade, commerce and intercourse. Parliament may by law impose such restrictions on the freedom of trade, commerce or intercourse between one State and another or within any part of the territory of India as may be required in the public interest.
- 303. Restrictions on the legislative powers of the Union and of the States with regard to trade and commerce. (1) Notwithstanding anything in article 302, neither Parliament nor the Legislature of a State shall have power to make any law giving, or authorising the giving of, any preference to one State over another, or making, or authorising the making of, any discrimination between one State and another, by virtue of any entry relating to trade and commerce in any of the Lists in the Seventh Schedule.
- (2) Nothing in clause (1) shall prevent Parliament from making any law giving, or authorising the giving of, any preference or making, or authorising the making of, any discrimination if it is declared by such law that it is necessary to do so for the purpose of dealing with a situation arising from scarcity of goods in any part of the territory of India.
- 304. Restrictions on trade, commerce and intercourse among States. Notwithstanding anything in article 301 or article 303, the Legislature of a State may by law—
 - (a) Impose on goods imported from other States ¹[or the Union territories] any tax to which similar goods manufactured or produced in that State are subject, so, however, as not to discriminate between goods so imported and goods so manufactured or produced; and
 - (b) Impose such reasonable restrictions on the freedom of trade, commerce or intercourse with or within that State as may be required in the public interests:

Provided that no Bill or amendment for the purposes of clause (b) shall be introduced or moved in the Legislature of a State without the previous sanction of the President.

²[305. Saving of existing laws and laws providing for State monopolies. —Nothing in articles 301 and 303 shall affect the provisions of any existing law except in so far as the President may by order otherwise direct; and nothing in article 301 shall affect the operation of any law made before the commencement of the Constitution (Fourth Amendment) Act, 1955, in so far as it relates to, or prevent

भाग - XIII

भारताच्या राज्यक्षेत्रांतलो वेपार, वाणिज्य आनी वेव्हारसंबंध

- **301. वेपार, वाणिज्य आनी वेव्हारसंबंध हांचें स्वातंत्र्य** ह्या भागाच्या हेर उपबंधांचे अधीनतायेन, भारताच्या राज्यक्षेत्रांत सगलेकडेन वेपार, वाणिज्य आनी वेव्हारसंबध हांचें स्वातंत्र्य आसतलें.
- **302. संसदेचो वेपार, वाणिज्य आनी वेव्हारसंबंध हांचेर निर्वंध घालपाचो अधिकार** संसदेच्यान कायद्यावरवीं राज्याराज्यां भितरलो अथवा भारतीय राज्याक्षेत्रांच्या खंयच्याय भागांतलो वेपार, वाणिज्य अथवा वेव्हारसंबंध हांच्या स्वातंत्र्याचेर भौशीक हिताचे नदरेन गरजेचे आसतीत अशे निर्वंध घालूं येतात.
- 303. वेपार आनी वाणिज्य हांचे विशींच्या संघाच्या आनी राज्यांच्या वैधानीक अधिकारांचेर निर्बंध (1) कलम 302 हातूंत किदेंय आसलें तरी, सातवे अनुसुचयेंतले खंयचेय वळेरेंतलो वेपार आनी वाणिज्य हांचेसंबंधींचे कसलेय नोंदीच्या आधारान एका राज्याक दुसऱ्यापरस अग्रक्रम दिवपी अथवा दिवप प्राधिकृत करपी अथवा राज्याराज्यांमदीं भेदभाव करपी अथवा करप प्राधिकृत करपी कसलोय कायदो करपाचो संसद अथवा राज्य विधानमंडळ हांचेमदल्या कोणाकूच अधिकार आसचो ना.
- (2) कसलोय अग्रक्रम दिवपी अथवा दिवप प्राधिकृत करपी अथवा कसलोय भेदभाव करपी अथवा करप प्राधिकृत करपी कसलोय कायदो करप हें भारताच्या राज्यक्षेत्राच्या खंयच्याय भागांतले माल-टंचायेंतल्यान उप्रासपी परिस्थिती हाताळपाच्या प्रयोजनाखातीर गरजेचें आसा अशें अशा कायद्यावरवीं घोशीत केलां आसत जाल्यार, असो कायदो करपाक संसदेक उपकलम (1) हातूंतले खंयचेच गजालीकलागून आडखळ आसची ना.
- **304. राज्याराज्यांमदले वेपार, वाणिज्य आनी वेव्हारसंबंध हांचेर निर्बंध** कलम 301 अथवा कलम 303 हातूंत किर्देय आसलें तरी, राज्याच्या विधानमंडळाच्यान कायद्यावरवीं
 - (क) हेर राज्यांतल्यान ¹[अथवा संघ राज्यक्षेत्रांतल्यान] आयात केल्ल्या मालाचेर त्या राज्यांत निर्मिल्लो अथवा उत्पादीत केल्लो सदृश माल जाका अधीन आसत असो कसलोय कर लावं येता, मात अशे तरेन की, जाकालागून असो आयात केल्लो माल आनी असो निर्मिल्लो अथवा उत्पादिल्लो माल हांचेभितर भेदभाव जावंचो ना; आनी
 - (ख) त्या राज्यावांगडा अथवा ताचेभितर जावपी वेपार, वाणिज्य आनी वेव्हारसंबंध हांच्या स्वातंत्र्याचेर भौशीक हिताखातीर गरजेचे आसतीत अशे योग्य निर्बंध घालूं येतात;
- परंतु, उपकलम (ख) च्या प्रयोजनाखातीर खंयचेंय विधेयक अथवा बदल राज्याच्या विधानमंडळांत राष्ट्रपतीचे पूर्वमान्यतायेबगर प्रस्तुत करचे नात अथवा मांडचे नात.
- ²[305. अस्तित्वांत आशिल्ले कायदे आनी राज्याच्या एकाधिकाराचो उपबंध करपी कायदे हांचो आडवाद कलम 301 आनी कलम 303 हातूंतले खंयचेय गजालीक लागून खंयच्याय अस्तित्वांत आशिल्ल्या कायद्याच्या उपबंधांचेर, राष्ट्रपती आदेशावरवीं हेरतरेन निदेशीत करीत तितलें सोडून हेरशीं, परिणाम जांवचो ना; आनी कलम 301 हातूंतले खंयचेच गजालीकलागून, 'संविधान' (चवथो बदल) अधिनियम, 1955' हाच्या आरंभापयलीं केल्लो

Parliament or the Legislature of a State from making any law relating to, any such matter as is referred to in sub-clause (ii) of clause (6) of article 19.]

306. [Power of certain States in Part B of the First Schedule to impose restrictions on trade and commerce.]. — Rep. by the Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s. 29 and Sch.

307. Appointment of authority for carrying out the purposes of articles 301 to 304. — Parliament may by law appoint such authority as it considers appropriate for carrying out the purposes of articles 301, 302, 303 and 304, and confer on the authority so appointed such powers and such duties as it thinks necessary.

Notes

- 1. Ins. by Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s.29
- 2. Substituted for the original Article by the Constitution (Fourth Amendment) Act, 1955

खंयचोय कायदो हो कलम 19 - उपकलम (6) - उप-उपकलम (ii) हातूंत निर्दीष्ट केल्ले अशे खंयचेय गजालीकडेन संबंधीत असो कसलोय कायदो करपाक संसदेक अथवा राज्याच्या विधानमंडळाक आडखळ जांवची ना.]

306. [पयले अनुसुचयेचो भाग ख हातूंतल्या थोड्या राज्यांचो वेपार आनी वाणिज्य हांचेर बंधनां घालपाचो अधिकार] 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956' - अनुभाग 29 आनी अनुसुचयेवरवीं निरसीत केले.

307. कलम 301 ते 304 ह्या कलमांची प्रयोजनां निभावपाखातीर प्राधिकरणाची नेमणूक — संसदेच्यान कायद्यावरवीं कलम 301, 302, 303 आनी 304 हांचीं प्रयोजनां निभावपाखातीर स्वताक योग्य दिसत अशा प्राधिकरणाची नेमणूक करूं येता, आनी अशे तरेन नेमिल्ल्या प्राधिकरणाकडेन तिका गरजेचे दिसतीत अशे अधिकार आनी कर्तव्यांची सोपोवणी करूं येता.

टिपो

- 1. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956' अनुभाग 29 आनी अनुसुचयेवरवीं घालें.
- 2. 'संविधान (चवथो बदल) अधिनियम, 1955' अनुभाग 4 वरवीं मूळ कलमाचे सुवातेर घालें.

Part - XIV

SERVICES UNDER THE UNION AND THE STATES CHAPTER 1 – SERVICES

- 308. Interpretation. In this Part, unless the context otherwise requires, the expression "State" [does not include the State of Jammu and Kashmir].
- 309. Recruitment and conditions of service of persons serving the Union or a State. Subject to the provisions of this Constitution, Acts of the appropriate Legislature may regulate the recruitment, and conditions of service of persons appointed, to public services and posts in connection with the affairs of the Union or of any State:

Provided that it shall be competent for the President or such person as he may direct in the case of services and posts in connection with the affairs of the Union, and for the Governor ²* * * of a State or such person as he may direct in the case of services and posts in connection with the affairs of the State, to make rules regulating the recruitment, and the conditions of service of persons appointed, to such services and posts until provision in that behalf is made by or under an Act of the appropriate Legislature under this article, and any rules so made shall have effect subject to the provisions of any such Act.

- 310. Tenure of office of persons serving the Union or a State. (1) Except as expressly provided by this Constitution, every person who is a member of a defence service or of a civil service of the Union or of an all-India service or holds any post connected with defence or any civil post under the Union holds office during the pleasure of the President, and every person who is a member of a civil service of a State or holds any civil post under a State holds office during the pleasure of the Governor ³* * * of the State.
- (2) Notwithstanding that a person holding a civil post under the Union or a State holds office during the pleasure of the President or, as the case may be, of the Governor ²*** of the State, any contract under which a person, not being a member of a defence service or of an all-India service or of a civil service of the Union or a State, is appointed under this Constitution to hold such a post may, if the President or the Governor ⁴* * *, as the case may be, deems it necessary in order to secure the services of a person having special qualifications, provide for the payment to him of compensation, if before the expiration of an agreed period that post is abolished or he is, for reasons not connected with any misconduct on his part, required to vacate that post.
- 311. Dismissal, removal or reduction in rank of persons employed in civil capacities under the Union or a State. (1) No person who is a member of a civil service of the Union or an all-India

भाग $-\mathbf{XIV}$ संघ आनी राज्यां हांचे अखत्यारेखालच्यो सेवा.

प्रकरण 1 – सेवा

- 308. अर्थ लावणी ह्या भागांत, संदर्भाकलागून हेरतरेन गरेचें नासत जाल्यार, 'राज्य' ह्या ¹[शब्दप्रयोगांत जम्मू आनी काश्मीर ह्या राज्याचो अस्पाव जायना.]
- 309. संघ अथवा राज्य हांचे सेवंत आसपी व्यक्तींची भरती आनी तांच्यो सेवा-अटी ह्या संविधानाच्या उपबंधाचे अधीनतायेन, समुचित विधानमंडळाच्या अधिनियमांक संघाच्या अथवा खंयच्याय राज्याच्या कारभारासंबंदांतल्या लोकसेवांत आनी लोक अधिकारपदांचेर करपाची भरती अथवा थंय नेमणूक करतात ते व्यक्तींच्यो सेवा-अटी हाचें विनियमन करूं येता;

परंतु, संघाच्या कारभारासंबंदांतल्यो सेवा आनी अधिकारपदां हांचे संबंदांत राज्यपालान ²* * * अथवा तो निदेशीत करतलो अशे व्यक्तीन, ह्या कलमाखाला समुचित विधानमंडळाच्या अधिनियमावरवीं अथवा तेखाला ताचेसंबंदीं उपबंध करून जायसर अशा सेवांनीं आनी अधिकारपदांचेर करपाची भरती अथवा थंय नेमणूक जावपी व्यक्तींच्यो सेवा-अटी हांचें विनियमन करपी नेम करप विधिमान्य आसतलें, आनी हेप्रमाण केल्ले कसलेय नेम अशा खंयच्याय अधिनियमांच्या उपबंधांचे अधीनतायेन परिणामक जातलें.

- 310. संघ अथवा राज्य हांचे सेवेंत आसपी व्यक्तींचो पदावधी (1) ह्या संविधानान व्यक्तपणान उपबंधीत केल्लें आसत तितलें वेगळें काडून हेरशीं जी जी व्यक्ती संघाची संरक्षण सेवा अथवा मुलकी सेवा अथवा अखिल भारतीय सेवा हांची वांगडी आसत, अथवा संघाचे अखत्यारेखालच्या संरक्षणाकडेन संबंद्ध आशिल्लें असलें खंयचेंय अधिकारपद अथवा ताचे अखत्यारेखालाचें कसलेंय मुलकी अधिकारपद धारण करता आसत अशी दरेक व्यक्ती, राष्ट्रपतीची खोशी आससर अधिकारपद धारण करतली, आनी जी जी व्यक्ती राज्याचे मुलंकी सेवेंची वांगडी आसत अथवा राज्यांचे अखत्यारे खालचें कसलेंय मुलकी अधिकारपद धारण करता आसत अशी दरेक व्यक्ती राज्याच्या राज्यपालाची 3* * * खोशी आससर अधिकारपद धारण करतली.
- (2) संघ अथवा राज्य हांचे अखत्यारेखालचें मुलकी अधिकारपद धारण करपी व्यक्ती, त्या त्या प्रकरणाप्रमाण, राष्ट्रपतीची अथवा, राज्याच्या राज्यपालाची ²* * * खोशी आससर अधिकारपद धारण करता आसली तरीय, संरक्षण सेवेची अथवा अखिल भारतीय सेवेची अथवा संघ अथवा राज्य हांचे मुलकी सेवेची वांगडी नाशिल्ली व्यक्ती ह्या संविधानाखाला अशें अधिकारपद धारण करपाखातीर जे संविदेंवरवीं नियुक्त जातली अशे खंयचेय संविदेंत, जर खाशेली पात्रताय आशिल्ले व्यक्तीची सेवा प्राप्त करून घेवपाखातीर तशें गरजेचें आसा अशें, त्या त्या प्रकरणाप्रमाण, राष्ट्रपतीक अथवा त्या राज्यपालाक ⁴ * * * दिसलें जाल्यार, संमत कार्यकाळाचे समाप्तेआदीं तें पद ना अशें केल्यार अथवा ते व्यक्तीचे गैरवागणुकेकडेन संबंध नाशिल्ल्या कारणाकलागून तिका तें अधिकारपद रितें करचें पडल्यार तिका भरपाय दिवंची असो उपबंध करंह येता.
- 311. संघ अथवा राज्य हांचे अखत्यारेखालच्या मुलकी हुद्यांचेर सेवानियुक्त केल्ले व्यक्तींक बडतर्फ करप, अधिकारपदावेल्यान कडेक काडप अथवा पदावनत करप (1) जी व्यक्ती संघाचे मुलकी सेवेची अथवा अखिल भारतीय सेवेची अथवा राज्याचे मुलकी सेवेची वांगडी आसत, अथवा संघ अथवा राज्य हाचे अखत्यारेखालचें मुलकी

service or a civil service of a State or holds a civil post under the Union or a State shall be dismissed or removed by an authority subordinate to that by which he was appointed.

⁵[(2) No such person as aforesaid shall be dismissed or removed or reduced in rank except after an inquiry in which he has been informed of the charges against him and given a reasonable opportunity of being heard in respect of those charges ⁶***:

⁷[Provided that where it is proposed after such inquiry, to impose upon him any such penalty, such penalty may be imposed on the basis of the evidence adduced during such inquiry and it shall not be necessary to give such person any opportunity of making representation on the penalty proposed:

Provided further that this clause shall not apply-

- (a) Where a person is dismissed or removed or reduced in rank on the ground of conduct which has led to his conviction on a criminal charge; or
- (b) Where the authority empowered to dismiss or remove a person or to reduce him in rank is satisfied that for some reason, to be recorded by that authority in writing, it is not reasonably practicable to hold such inquiry; or
- (c) Where the President or the Governor, as the case may be, is satisfied that in the interest of the security of the State it is not expedient to hold such inquiry.
- (3) If, in respect of any such person as aforesaid, a question arises whether it is reasonably practicable to hold such inquiry as is referred to in clause (2), the decision thereon of the authority empowered to dismiss or remove such person or to reduce him in rank shall be final.]
- **312. All-India services.** (1) Notwithstanding anything in ⁸[Chapter VI of Part VI or Part XI], if the Council of States has declared by resolution supported by not less than two-thirds of the members present and voting that it is necessary or expedient in the national interest so to do, Parliament may by law provide for the creation of one or more all India services ⁹[(including an all-India judicial service)] common to the Union and the States, and, subject to the other provisions of this Chapter, regulate the recruitment, and the conditions of service of persons appointed, to any such service.
- (2) The services known at the commencement of this Constitution as the Indian Administrative Service and the Indian Police Service shall be deemed to be services created by Parliament under this article.
- ¹⁰[(3) The all-India judicial service referred to in clause (1) shall not include any post inferior to that of a district judge as defined in article 236.
- (4) The law providing for the creation of the all-India judicial service aforesaid may contain such provisions for the amendment of Chapter VI of Part VI as may be necessary for giving effect to the provisions of that law and no such law shall be deemed to be an amendment of this Constitution for the purposes of article 368.]

अधिकारपद धारण करता आसत अशे खंयचेय व्यक्तीक, ज्या प्राधिकरणान तिची नेमणूक केल्ली ताचेपरस दुय्यम आशिल्ल्या प्राधिकरणाकडल्यान बडतर्फ केली अथवा अधिकारपदावेल्यान कडेक काडलीं अशें जांवचें ना.

⁵(2) जे चवकशेंत पूर्वोक्त अशे खंयचेय व्यक्तीक तिचेवेल्या दोशारोपांची माहिती करून दिल्ली आसा आनी त्या दोशारोपासंबंदीं तिका आपणालें म्हणणें मांडपाची फावोशी संद दिल्ली आसा अशी चवकशी जालेबगर ⁶* * * तिका बडतर्फ करचे नात अथवा पदावेल्यान कडेक काडचे नात अथवा पदावनत करचे नात.

⁷[परंतु, अशे चवकशेउपरांत, तिका अशी कसलीय ख्यास्त दिवपाचें प्रस्तावीत केल्लें आसत ते संबंदांत, अशे चवकशेंत सादर केल्ल्या पुराव्याच्यां आधारार अशी ख्यास्त दिवं येता आनी अशे व्यक्तीक ख्यास्तीआड अभिवेदन करपाखातीर कसलीच संद दिवपाची गरज आसची नाः

परंतु, आनीक अशें की, हें उपकलम फुडल्या गजालींनी लागू जांवचें ना —]

- (क) एखादी व्यक्ती जाकालागून फौजदारी दोशारोपावेल्यान दोशी थारल्या अशे वागणुकेच्या कारणावेल्यान तिका बडतर्फ अथवा अधिकारपदावेल्यान कडेक काडल्या आसत अथवा पदावनत केल्या आसत तेसंबंदांत; अथवा
- (ख) एखादे व्यक्तीक बडतर्फ अथवा पदावेल्यान कंडेक काडपाचो अथवा तिका पदावनत करपाचो अधिकार आशिल्ल्या प्राधिकरणाक कसल्याय कारणाक लागून - तें कारण त्या प्राधिकारणान नमूद करचें पडटलें - अशी चवकशी करप फावोशे तरेन व्यवहार्य ना अशें खात्रीपूर्वक दिसत्लें तेसंबंदांत; अथवा
- (ग) अशीं चवकशी करप राज्याचे सुरक्षिततायेचे नदरेन समयोचित ना अशें राष्ट्रपतीक, अथवा त्या त्या प्रकरणाप्रमाण, राज्यपालाक खात्रीपूर्वक दिसतलें तेसंबंदांत.
- (3) जर पूर्वोक्त अशे खंयचेय व्यक्तीसंबंदांत उपकलम (2) हातूंत निदीष्ट केल्ली चवकशी करप फावो ते तरेन व्यवहार्य आसा काय किदें असो प्रस्न उप्रासलो जाल्यार, अशे व्यक्तीक बडतर्फ अथवा अधिकारपदावेल्यान कडेक काडपाचो अथवा तिका पदावनत करपाचो अधिकार आशिल्ल्या प्राधिकरणाचो ताचेवेलो निर्णय निमणो आसत्तलो.ट
- 312. अखिल भारतीय सेवा (1) ⁸[भाग-VI, प्रकरण 6वें अथवा भाग-XI] हातूंत किदेंय आसलें तरी राज्यसभेंत हाजीर आशिल्ल्या आनी मतदान करपी तिच्या वांगड्यांभितरल्या उण्यांत उण्या दोन-तृतीयांश वांगड्यांनी तेंको दिल्ल्या थारावावरवीं जर तशें करप राष्ट्रहिताखातीर गरजेचें अथवा समयोचित आसा अशें घोशीत केल्लें आसत जाल्यार, संसदेच्यान कायद्यावरवीं संघ आनी राज्यां हांकां सामायीक अशो एक अथवा जायत्यो अखिल भारतीय सेवा ⁹[(अखिल भारतीय न्यायीक सेवा धक्तन)] निर्माण करपाचो उपबंध कक्तं येता, आनी, ह्या प्रकरणाच्या हेर उपबंधांचें अधीनतायेन, अशें खंयचेय सेवेंत करपाची भरती आनी तातूंत नेमणूक जावपी व्यक्तींच्यो सेवा-अटी हांचें विनियमन कक्तं येता.
- (2) ह्या संविधानाच्या आरंभाक 'भारतीय प्रशासकीय सेवा' आनी 'भारतीय पोलीस सेवा' म्हूण वळखतात त्यो सेवा संसदेन ह्या कलमाखाला निर्माण केंल्ल्यो सेवा आसात अशें मानतले.
- ¹⁰[(3) उपकलम (1) हातूंत निर्दीष्ट अखिल भारतीय न्यायीक सेवेंत कलम 236त व्याख्या केल्या अशा जिल्हो न्यायाधीशाच्या अधिकारपदापरस कनिष्ठ आशिल्ल्या खंयच्याच अधिकारपदाचो आस्पाव आसचो ना.
- (4) पूर्वोक्त अखिल भारतीय न्यायीक सेवा निर्माण करपाखातीर उपबंध करपी कायद्यांत, त्या कायद्याच्या उपबंधांची अंमलबजावणी करपाखातीर गरजेचे आसतीत अशे, भाग VI प्रकरण 6 वें हातूंत बदल करपी उपबंध आस्पावीत आसतले आनी असो कसलोय कायदो हो कलम 368 च्या प्रयोजनाखातीर ह्या संविधानाचो बदल आसा अशें मानचे नात.]

¹¹[312A. Power of Parliament to vary or revoke conditions of service of officers of certain services. — (1) Parliament may by law—

- (a) Vary or revoke, whether prospectively or retrospectively, the conditions of services as respects remuneration, leave and pension and the rights as respects disciplinary matters of persons who, having been appointed by the Secretary of State or Secretary of State in Council to a civil service of the Crown in India before the commencement of this Constitution, continue on and after the commencement of the Constitution (Twenty-eighth Amendment) Act, 1972, to serve under the Government of India or of a State in any service or post;
- (b) Vary or revoke, whether prospectively or retrospectively, the conditions of service as respects pension of persons who, having been appointed by the Secretary of State or Secretary of State in Council to a civil service of the Crown in India before the commencement of this Constitution, retired or otherwise ceased to be in service at any time before the commencement of the Constitution (Twenty-eighth Amendment) Act, 1972:

Provided that in the case of any such person who is holding or has held the office of the Chief Justice or other Judge of the Supreme Court or a High Court, the Comptroller and Auditor-General of India, the Chairman or other member of the Union or a State Public Service Commission or the Chief Election Commissioner, nothing in sub-clause (a) or sub-clause (b) shall be construed as empowering Parliament to vary or revoke, after his appointment to such post, the conditions of his service to his disadvantage except in so far as such conditions of service are applicable to him by reason of his being a person appointed by the Secretary of State or Secretary of State in Council to a civil service of the Crown in India.

- (2) Except to the extent provided for by Parliament by law under this article, nothing in this article shall affect the power of any Legislature or other authority under any other provision of this Constitution to regulate the conditions of service of persons referred to in clause (1).
 - (3) Neither the Supreme Court nor any other court shall have jurisdiction in-
 - (a) Any dispute arising out of any provision of, or any endorsement on, any covenant, agreement or other similar instrument which was entered into or executed by any person referred to in clause (1), or arising out of any letter issued to such person, in relation to his appointment to any civil service of the Crown in India or his continuance in service under the Government of the Dominion of India or a Province thereof;
 - (b) Any dispute in respect of any right, liability or obligation under article 314 as originally enacted.
- (4) The provisions of this article shall have effect notwithstanding anything in article 314 as originally enacted or in any other provision of this Constitution.

11[312क. थोड्या सेवांतल्या अधिकाऱ्यांच्यो सेवा-अटी बदलपाचो अथवा फाटीं घेवपाचो संसदेचो अधिकार — (1) संसदेच्यान कायद्यावरवीं —

- (क) ह्या संविधानाच्या आरंभापयलीं ज्यो व्यक्ती सेक्रेटरी ऑफ स्टेट अथवा सेक्रेटरी ऑफ स्टेट-इन-काउन्सिल हांणी ब्रिटीश राजसत्तेचे भारतीय मुलकी सेवेंत नियुक्त केल्ल्यो आशिल्ल्यो आनी, 'संविधान (अठ्ठाविसावो बदल) अधिनियम, 1972' हाच्या आरंभाक आनी उपरांत भारताच्या अथवा राज्याच्या सरकाराचे अखत्यारेखालचे खंयचेय सेवेंत अथवा अधिकारपदाचेर उरल्या आसतीत तांचें पारिश्रमिक, रजा आनी पेन्शन हांचे संबंदांतल्यो तांच्यो सेवा-अटी आनी शिस्तीच्या गजालीं संबंदांतले तांचे अधिकार भविश्यलक्षी अथवा भूतलक्षी प्रभावान बदलूं येतात अथवा फाटीं घेवं येतात;
- (ख) ह्या संविधानाच्या आरंभापयलीं ज्यो व्यक्ती सेक्रेटरी ऑफ स्टेट अथवा सेक्रेटरी ऑफ स्टेट-इन-काउन्सिल हाणी ब्रिटीश राजसत्तेचे भारतीय मुलकी सेवेंत नियुक्त केल्ल्यो आशिल्ल्यो आनी 'संविधान (अठ्ठाविसावो बदल) अधिनियम, 1972' हाच्या आरंभापयलीं खंयच्याय वेळार सेवानिवृत जाल्ल्यो आसतीत अथवा हेरतरेन सेवेंत आसपाचें बंद जाल्लें आसत तांचे पेन्शनी संबंदांतल्यो सेवा-अटी भविश्यलक्षी अथवा भूतलक्षी प्रभावान बदलूं येतात अथवा फाटीं घेवं येतातः

परंतु, सर्वोच्च न्यायालयाचो मुख्य न्यायमूर्ती अथवा हेर न्यायाधीश, भारताचो नियंत्रक आनी महालेखा परीक्षक, संघ अथवा राज्य लोकसेवा आयोगाचो अध्यक्ष अथवा हेर वांगडी अथवा मुख्य वेंचणूक आयुक्त हें अधिकारपद जिणे धारण केलां अथवा धारण केल्लें अशे खंयचेय व्यक्तीच्या संबंदांत, अशा अधिकारपदाचेर तिची नेमणूक जालेउपरांत तिच्यो सेवा-अटी, ती व्यक्ती सेक्रेटरी ऑफ स्टेट अथवा सेक्रेटरी ऑफ स्टेट-इन-काउन्सिल हाणी ब्रिटीश राजसत्तेचे भारतीय मुलकी सेवेंत नेमणूक केल्ली आशिल्ल्या कारणान अशो सेवा-अटी तिका लागू आसतल्यो. तितली मर्यादा सोडून, तिका नुकसानाचें जायत अशे तरेन बदलपाचो अथवा फाटीं घेवपाचो अधिकार संसदेक उप-उपकलम (क) अथवा उप-उपकलम (ख) हातूंतले खंयचेय गजालीक लागून प्रदान जाता असो तिचो अर्थ लांवचे नात.

- (2) उपकलम (1) हातूंत उल्लेखिल्ले व्यक्तींच्या सेवा-अटींचें विनियमन करपाचो खंयच्याय विधानमंडळाक अथवा हेर प्राधिकरणाक संविधानाच्या हेर खंयच्याय उपबंधाखाला जो अधिकार आसत तिचेर ह्या कलमाखाला संसदेन कायद्यावरवीं उपबंधीत केल्लें आसत तितली मर्यादा वेगळी करून, ह्या कलमांतले खंयचेच गजालीक लागून परिणाम जांवचो ना.
 - (3) सर्वोच्च न्यायालयाक अथवा हेर खंयच्याच न्यायालयाक -
 - (क) उपकलम (1) हातूंत उल्लेखिल्ले खंयचेच व्यक्तीची ब्रिटीश राजसत्तेचे खंयचेच भारतीय मुलकी सेवेंतली नेमणूक अथवा डोमिनियन ऑफ इंडियाच्या अथवा तातूंतल्या प्रांताच्या सरकाराचे अखत्यारेखाला तिची सेवा चालू उरप हाचे संबंदीं तिणे केल्ली अथवा निश्पादीत केल्ली अशी कसलीच प्रसंविदा, करार अथवा हेर तत्सम संलेख हाच्या खंयच्याच उपबंधांतल्यान अथवा ताचेवेल्या खंयच्याच पृश्ठांकनांतल्यान उप्रासपी अथवा तिका धाडिल्ल्या खंयच्याच पत्रांतल्यान उप्रासपी कसलोय वाद,
 - (ख) मुळांत जसो अधिनियमीत जालो तसो कलम 314 हाचेखाला कसलोय अधिकार, दायित्व अथवा आबंधन हांचे संबंदांतलो कसलोय वाद, हांचेसंबंदांत अधिकार आसचो ना.
- (4) मुळांत जसो अधिनियमीत जालो तसो कलम 314 हातूंत अथवा ह्या संविधानाच्या हेर खंयच्याय उपबंधांत किदेंय आसलें तरी, ह्या कलमाचे उपबंध परिणामक जातले.]

- 313. Transitional provisions. Until other provision is made in this behalf under this Constitution, all the laws in force immediately before the commencement of this Constitution and applicable to any public service or any post which continues to exist after the commencement of this Constitution, as an all-India service or as service or post under the Union or a State shall continue in force so far as consistent with the provisions of this Constitution.
- **314.** [Provision for protection of existing officers of certain services.]. Rep. by the Constitution (Twenty-eighth Amendment) Act, 1972, s. 3 (w.e.f. 29-8-1972).

CHAPTER 2 - PUBLIC SERVICE COMMISSIONS

- **315.** Public Service Commissions for the Union and for the States. (1) Subject to the provisions of this article, there shall be a Public Service Commission for the Union and a Public Service Commission for each State.
- (2) Two or more States may agree that there shall be one Public Service Commission for that group of States, and if a resolution to that effect is passed by the House or, where there are two Houses, by each House of the Legislature of each of those States, Parliament may by law provide for the appointment of a Joint State Public Service Commission (referred to in this Chapter as Joint Commission) to serve the needs of those States.
- (3) Any such law as aforesaid may contain such incidental and consequential provisions as may be necessary or desirable for giving effect to the purposes of the law.
- (4) The Public Service Commission for the Union, if requested so to do by the Governor ¹²* * * of a State, may, with the approval of the President, agree to serve all or any of the needs of the State.
- (5) References in this Constitution to the Union Public Service Commission or a State Public Service Commission shall, unless the context otherwise requires, be construed as references to the Commission serving the needs of the Union or, as the case may be, the State as respects the particular matter in question.
- **316.** Appointment and term of office of members. (1) The Chairman and other members of a Public Service Commission shall be appointed, in the case of the Union Commission or a Joint Commission, by the President, and in the case of a State Commission, by the Governor ¹²* * * of the State:

Provided that as nearly as may be one-half of the members of every Public Service Commission shall be persons who at the dates of their respective appointments have held office for at least ten years either under the Government of India or under the Government of a State, and in computing the said period of ten years any period before the commencement of this Constitution during which a person has held office under the Crown in India or under the Government of an Indian State shall be included.

- 313. संक्रमणी उपबंध हे संबंदांत ह्या संविधानाखाला हेर उपबंध करून जायसर, ह्या संविधानाच्या आरंभाचे निकटपूर्व अंमलांत आशिल्ले आनी ह्या संविधानाच्या आरंभाउपरांत अखिल भारतीय सेवा म्हूण अथवा संघ अथवा राज्य हांचे अखत्यारेखालचें सेवा अथवा अधिकारपद म्हूण अस्तिवांत उरिल्ले अशे खंयचेय लोकसेवेक अथवा कसल्याय अधिकारपदाक लागू आशिल्ले सगले कायदे, जितलेमेरेन ते ह्या संविधानाच्या उपबंधांकडेन सुसंगत आसतीत तितले मेरेन अंमलांत उरतले.
- 314. थोड्या सेवांतल्या विद्यमान अधिकाऱ्यांच्या संरक्षणाखातीर उपबंध ['संविधान (अठ्ठाविसावो बदल) अधिनियम, 1972' अनुभाग 3 वरवीं (29 आगश्ट, 1972 दिसा आनी तेन्नासावन) निरसीत केलें.]

प्रकरण 2 - लोक सेवा आयोग

- 315. संघाखातीर आनी राज्यांखातीर लोक सेवा आयोग (1) ह्या कलमाच्या उपबंधांचे अधीनतायेन, संघाखातीर एक लोक सेवा आयोग आनी दरेका राज्याखातीर एकक लोक सेवा आयोग आसतलो.
- (2) दोन अथवा चड राज्यांक त्या राज्य समूहाखातीर एक लोक सेवा आयोग आसचो अशें एकमतान थारांव येता आनी जर त्या राज्यांमदल्या दरेका राज्याच्या विधानमंडळाच्या सभाघरान अथवा जंय दोन सभाघरां आसतीत थंय दरेका सभाघरान तशा अर्थाचो थाराव पास केलो जाल्यार, संसदेच्यान कायद्यावरवीं त्या राज्यांच्या कामांची गरज भागोवपाखातीर एक 'संयुक्त लोक सेवा आयोग' (ह्या प्रकरणांत 'संयुक्त आयोग' म्हूण उल्लेखिल्लो) नेमपाचो उपबंध करूं येता.
- (3) पूर्वोक्त अशा खंयच्याय कायद्यांत, त्या कायद्याचीं प्रयोजनां निभावपाखातीर गरजेचे अथवा योग्य आसतीत अशे आनुशंगिक आनी परिणामी उपबंध आस्पावीत आसूं येतात.
- (4) संघाच्या लोक सेवा आयोगाक एखाद्या राज्याच्या राज्यपालान 12 * * * तशी विनंती केली जाल्यार, ताका राष्ट्रपतीचे मान्यतायेन त्या राज्यांचीं सगलीं अथवा तातूंतल्या खंयच्याय कामाची गरज भागोवपाचें कबूल करूं येता.
- (5) ह्या संविधानांतल्या 'संघ लोक सेवा आयोग' अथवा 'राज्य लोक सेवा आयोग' हेसंबंदींच्या निर्देशाचो अर्थ, संदर्भाक लागून दुसरे तरेन गरजेचो नासल्यार, विशिश्ट प्रस्तूत गजालींसंबंदीं संघाच्या अथवा, त्या त्या प्रकरणाप्रमाण, राज्यांच्या कामांची गरज भागोवपी आयोगासंबंदींचे निदेश म्हूण लायतले.
- 316. वांगड्यांची नेमणूक आनी अधिकारकाळ (1) लोक सेवा आयोगाचो अध्यक्ष आनी हेर वांगडी हे संघ आयोगाचे अथवा संयुक्त आयोगाचे संबंदीं राष्ट्रपतीकडल्यान आनी राज्याच्या आयोगाच्या संबंदींत राज्यपालाकडल्यान 12* * * नियुक्त जातलेः

परंतु, दरेका लोक सेवा आयोगाच्या वांगड्यांमदले शक्य जाता तितलेमेरेन लागीं लागीं अर्दाइतलें वांगडी हे अशो व्यक्ती आसतले की, जाणी आपापणाले नेमणुकांचे तारकेक एकतर भारत सरकाराचे अखत्यारेखाला अथवा एखाद्या राज्य सरकाराचे अखत्यारेखाला उणीच तीं धा वर्सां अधिकारपद धारण केल्लें आसतलें आनी उक्त धा वर्सांचो काळ मेजतना, एखादे व्यक्तीन जेन्ना ब्रिटीश राजसत्तेचे अखत्यारेखालच्या भारतांत अथवा एखाद्या भारतीय संस्थानाच्या सरकाराचे अखत्यारेखाला अधिकारपद धारण केल्लें आसत असो ह्या संविधानाच्या आरंभापयलींचो खंयचोय काळ आस्पावीत करतले.

- ¹³[(1A) If the office of the Chairman of the Commission becomes vacant or if any such Chairman is by reason of absence or for any other reason unable to perform the duties of his office, those duties shall, until some person appointed under clause (1) to the vacant office has entered on the duties thereof or, as the case may be, until the Chairman has resumed his duties, be performed by such one of the other members of the Commission as the President, in the case of the Union Commission or a Joint Commission, and the Governor of the State in the case of a State Commission, may appoint for the purpose.]
- (2) A member of a Public Service Commission shall hold office for a term of six years from the date on which he enters upon his office or until he attains, in the case of the Union Commission, the age of sixty-five years, and in the case of a State Commission or a Joint Commission, the age of ¹⁴[sixty-two years], whichever is earlier:

Provided that-

- (a) A member of a Public Service Commission may, by writing under his hand addressed, in the case of the Union Commission or a Joint Commission, to the President, and in the case of a State Commission, to the Governor ¹⁵* * * of the State, resign his office;
- (b) A member of a Public Service Commission may be removed from his office in the manner provided in clause (1) or clause (3) of article 317.
- (3) A person who holds office as a member of a Public Service Commission shall, on the expiration of his term of office, be ineligible for re-appointment to that office.
- 317. Removal and suspension of a member of a Public Service Commission. (1) Subject to the provisions of clause (3), the Chairman or any other member of a Public Service Commission shall only be removed from his office by order of the President on the ground of misbehaviour after the Supreme Court, on reference being made to it by the President, has, on inquiry held in accordance with the procedure prescribed in that behalf under article 145, reported that the Chairman or such other member, as the case may be, ought on any such ground to be removed.
- (2) The President, in the case of the Union Commission or a Joint Commission, and the Governor in the case of ¹⁵* * *a State Commission, may suspend from office the Chairman or any other member of the Commission in respect of whom a reference has been made to the Supreme Court under clause (1) until the President has passed orders on receipt of the report of the Supreme Court on such reference.
- (3) Notwithstanding anything in clause (1), the President may by order remove from office the Chairman or any other member of a Public Service Commission if the Chairman or such other member, as the case may be, -
 - (a) Is adjudged an insolvent; or
 - (b) Engages during his term of office in any paid employment outside the duties of his office; or
 - (c) Is, in the opinion of the President, unfit to continue in office by reason of infirmity of mind or body.

- ¹³[(१क) जर आयोगाच्या अध्यक्षाचें अधिकारपद रितें जालां आसत अथवा आयोगाचो असो खंयचोय अध्यक्ष गैर हाजिरेकलागून अथवा हेर कसल्याय कारणाकलागून आपणाल्या अधिकारपदाचीं कर्तव्यां करपाक असमर्थ आसत जाल्यार, उपकलम (१) खाला त्या रित्या अधिकारपदाचेर नेमणूक जाल्ली एखादी व्यक्ती त्या अधिकारपदाचीं कर्तव्यां हातांत घेमेरेन अथवा, त्या त्या प्रकरणाप्रमाण, अध्यक्ष आपणाल्या कामार परतो रुजू जायमेरेन, तीं कर्तव्यां संघ आयोगाच्या अथवा संयुक्त आयोगाच्या संबंदांत राष्ट्रपती आनी राज्य आयोगाच्या संबंदांत राज्याचो राज्यपाल हेर वांगड्यांमदल्या ज्या एकाक त्या प्रयोजनाखातीर नेमतलो ताचेकडल्यान तीं करप जातलें.]
- (2) लोक सेवा आयोगाचो वांगडी, जे तारकेक आपणालें अधिकारपद ग्रहण करतलो तेन्नाच्यान स वर्सांचो काळ वचप अथवा संघ आयोगाच्या संबंदांत, तो पासश्ट वर्सां पिरायेचो जावप आनी राज्य आयोगाच्या अथवा संयुक्त आयोगाच्या संबदांत, तो ¹⁴[बांसश्ट वर्सां] पिरायेचो जावप हांचेभितरलें पयलीं घडटलें ते घडणुकेमेरेन अधिकारपद धारण करतलो.
 - (क) परंतु, लोक सेवा आयोगाच्या वांगङ्याच्यान संघ आयोगाच्या अथवा संयुक्त आयोगाच्या संदर्भात राष्ट्रपतीक आनी राज्य आयोगाच्या संदर्भात राज्याच्या राज्यपालाक ¹⁵* * * लेखून बरयल्ल्या स्वाक्षरित लेखावरवीं आपणाल्या अधिकारपदाचो राजीनामो दिवं येता;
 - (ख) लोक सेवा आयोगाच्या वांगङ्याक कलम 317 चें उपकलम (1) अथवा उपकलम (3) हातूंत उपबंधीत केल्ले रितीन ताच्या अधिकारपदावेल्यान कडेक काडूं येता.
- (3) लोक सेवा आयोगाचो वांगडी म्हूण अधिकारपद धारण करता आसत ती व्यक्ती, तिचो कार्यकाळ सोंपतकच, त्या पदाचेर पर्तून नेमणूक जावपाक अपात्र आसतली.
- 317. लोक सेवा आयोगाच्या वांगङ्याक अधिकारपदावेल्यान कडेक काडप आनी निलंबीत करप (1) उपकलम (3) च्या उपबंधांचे अधीनतायेन, लोक सेवा आयोगाचो अध्यक्ष अथवा हेर खंयचोय वांगडी हांच्या संबंदांत राष्ट्रपतीनं सर्वोच्च न्यायालयाकडेन निर्देशन केलेउपरांत त्या न्यायालयान कलम 147 खाला तेसंबंदांत विहित केल्या अशे कार्यपद्धतीप्रमाण रीतसर चवकशी चलोवन उपरांत त्या अध्यक्षाक अथवा त्या त्या प्रकरणाप्रमाण, अशा हेर कोणाय वांगङ्याक गैरवागणुकेच्या कारणाकलागून अधिकारपदावेल्यान कडेक काडूंक जाय असो अभिप्राय दिलेउपरांतूच राष्ट्रपतीच्या आदेशावरवीं अशा कसल्याय कारणाकलागून ताका ताच्या अधिकारपदावेल्यान कडेक काडटले.
- (2) संघ आयोगाच्या अथवा संयुक्त आयोगाच्या संबंदांत राष्ट्रपतीच्यान आनी राज्य आयोगाच्या संबंदांत राज्यपालाच्यान ¹⁵* * * जाचेसंबंदीं उपकलम (1) खाला सर्वोच्च न्यायालयाकडेन निर्देशन केल्लें आसत अशा, आयोगाच्या अध्यक्षाक अथवा हेर कोणाय वांगड्याक, सर्वोच्च न्यायलयाचें अशा निर्देशनावेले अभिप्राय मेळ्ळेउपरांत राष्ट्रपती आदेश दीम्हणसर त्याच्या अधिकारपदावेल्यान निलंबीत करूं येता.
 - (3) उपकलम (1) हातूंत किदेंय आसलें तरी, लोक सेवा आयोगाचो अध्यक्ष अथवा हेर कोणूय वांगडी जर-
 - (क) दिवाळखोर म्हूण अभिनिर्णीत जालो जाल्यार; अथवा
 - (ख) आपणाल्या अधिकारकाळांत आपणाल्या अधिकारपदाच्या कामाभायर कसलेंय भरपगारी काम करीत जाल्यार; अथवा
 - (ग) राष्ट्रपतीच्या मत्तान मानसीक अथवा शारीरिक दुर्बळतायेकलागून अधिकारपदाचेर रावपाक अयोग्य आसत जाल्यार,

- (4) If the Chairman or any other member of a Public Service Commission is or becomes in any way concerned or interested in any contract or agreement made by or on behalf of the Government of India or the Government of a State or participates in any way in the profit thereof or in any benefit or emolument arising therefrom otherwise than as a member and in common with the other members of an incorporated company, he shall, for the purposes of clause (1), be deemed to be guilty of misbehaviour.
- 318. Power to make regulations as to conditions of service of members and staff of the Commission. In the case of the Union Commission or a Joint Commission, the President and, in the case of a State Commission, the Governor 16* * * of the State may by regulations-
 - (a) Determine the number of members of the Commission and their conditions of service; and
 - (b) Make provision with respect to the number of members of the staff of the Commission and their conditions of service:

Provided that the conditions of service of a member of a Public Service Commission shall not be varied to his disadvantage after his appointment.

- 319. Prohibition as to the holding of offices by members of Commission on ceasing to be such members. On ceasing to hold office-
 - (a) The Chairman of the Union Public Service Commission shall be ineligible for further employment either under the Government of India or under the Government of a State;
 - (b) The Chairman of a State Public Service Commission shall be eligible for appointment as the Chairman or any other member of the Union Public Service Commission or as the Chairman of any other State Public Service Commission, but not for any other employment either under the Government of India or under the Government of a State:
 - (c) A member other than the Chairman of the Union Public Service Commission shall be eligible for appointment as the Chairman of the Union Public Service Commission or as the Chairman of a State Public Service Commission, but not for any other employment either under the Government of India or under the Government of a State;
 - (d) A member other than the Chairman of a State Public Service Commission shall be eligible for appointment as the Chairman or any other member of the Union Public Service Commission or as the Chairman of that or any other State Public Service Commission, but not for any other employment either under the Government of India or under the Government of a State.
- **320. Functions of Public Service Commissions.** (1) It shall be the duty of the Union and the State Public Service Commissions to conduct examinations for appointments to the services of the Union and the services of the State respectively.
- (2) It shall also be the duty of the Union Public Service Commission, if requested by any two or more States so to do, to assist those States in framing and operating schemes of joint recruitment for any services for which candidates possessing special qualifications are required.

राष्ट्रपतीच्यान, त्या त्या प्रकरणाप्रमाण, अध्यक्षाक अथवा अशा हेर कोणाय वांगड्याक आदेशावरवीं अधिकारपदावेल्यान कडेक काडूं येता.

- (4) एखादे निगमीत कंपनीचो वांगडी म्हूण न्हय आनी ते कंपनेच्या हेर वांगड्यांचे समवेत न्हय तर हेरतरेन लोक सेवा आयोगाचो अध्यक्ष अथवा हेर कोणूय वांगडी, जर भारत सरकारान अथवा राज्य सरकारान अथवा ताचे वतीन केल्ले खंयचेय संविदेकडेन अथवा कराराकडेन कसलेय रितीन संबंदीत अथवा हितसंबंदीत आसलो अथवा जालो अथवा ताच्या फायद्यांत अथवा तातूंतल्यान उप्रासपी कसल्याय लाभांत अथवा परिलाभांत खंयचेय रितीन सहभागी जालो जाल्यार उपकलम (1) च्या प्रयोजनाखातीर तो गैर वागणुकेक लागून गुन्यांवकार आसा अशें मानतले.
- **318. आयोगाचे वांगडी आनी कर्मचारी-वर्ग हांच्या सेवा-अटीसंबंदांत विनियमन करपाचो अधिकार** संघ आयोगाच्या अथवा संयुक्त आयोगाच्या संबंदांत राष्ट्रपतीच्यान आनी राज्य आयोगाच्या संबंदांत, राज्याच्या राज्यपालाच्यान ¹⁶* * * विनियमांवरवीं.
 - (क) आयोगाच्या वांगड्यांची संख्या आनी तांच्यो सेवा-अटी निर्धारीत करूं येतात; आनी
- (ख) आयोगाच्या कर्मचारी वर्गाच्या वांगड्यांची संख्या आनी तांच्यो सेवा-अटी हांचेसंबंदीं उपबंध करूं येतात. परंतु, लोक सेवा आयोगाच्या वांगड्याच्या सेवा-अटींनी ताका नुकसानाचो असो बदल ताचे नेमणुकेउपरांत करचे नात.
- 319. आयोगाच्या वांगड्यांनी, अशें वांगडीपण सोंपतकच अधिकारपदां धारण करपाक मनाय अधिकारपद धारण करप सोंपलेउपरांत —
- (क) संघ लोक सोवा आयोगाचो अध्यक्ष हो भारत सरकाराचे अखत्यारेखाला अथवा राज्य सरकाराचे अखत्यारेखाला तेउपरांत नोकरी करपाक अपात्र आसतलो;
- (ख) राज्य लोक सेवा आयोगाचो अध्यक्ष हो संघ लोक सेवा आयोगाचो अध्यक्ष अथवा हेर कोणूय वांगडी म्हूण अथवा हेर खंयच्याय राज्य लोक सेवा आयोगाचो अध्यक्ष म्हूण नेमणूक जावपाक पात्र आसतलो, परंतु भारत सरकाराच्या अखत्यारेखालचे अथवा राज्य सरकाराचे अखत्यारेखालचे हेर कसलेच नोकरेक पात्र आसचो नाः
 - (ग) संघ लोक सेवा आयोगाचो अध्यक्ष सोड्न हेर कोणूय वांगडी हो संघ लोक सेवा

आयोगाचो अध्यक्ष म्हूण अथवा राज्य लोक सेवा आयोगाचो अध्यक्ष म्हूण नेमणूक जावपाक पात्र आसतलो, परंतु भारत सरकाराचे अखत्यारेखालचे अथवा राज्य सरकाराचे अखत्यारेखालचे हेर कसलेच नोकरेक पात्र आसचो ना;

- (घ) राज्य लोक सेवा आयोगाचो अध्यक्ष सोडून हेर कोणूय वांगडी हो संघ लोक सेवा आयोगाचो अध्यक्ष अथवा हेर कोणूय वांगडी म्हूण अथवा त्या अथवा हेर खंयच्याय राज्य लोक सेवा आयोगाचो अध्यक्ष म्हूण नेमणूक जावपाक पात्र आसतलो, परंतु भारत सरकाराचे अखत्यारेखालचे अथवा राज्य सरकाराचे अखत्यारेखालचे हेर कसलेच नोकरेक पात्र आसचो ना.
- **320. लोक सेवा आयोगांचे कार्याधिकार** (1) संघाच्या सेवांनी आनी राज्याच्या सेवांनी नेमणूक करपाखातीर परीक्षा घेवप हें अनुक्रमान संघ आनी राज्य लोक सेवा आयोगाचें कर्तव्य आसतलें.
- (2) खंयच्याय दोन अथवा चड राज्यांनी तशी विनंती केल्यार, जांचेखातीर खाशेली पात्रताय आशिल्ले उमेदवार गरजेचे आसात अशा खंयच्याय सेवांखातीर संयुक्त भरतेच्यो येवजणी तयार करपाच्या अथवा त्यो अंमलांत हाडपाच्या कामांत त्या राज्यांक पालव दिवप हेंवूंय संघ लोक सेवा आयोगाचें कर्तव्य आसतलें.

- (3) The Union Public Service Commission or the State Public Service Commission, as the case may be, shall be consulted (a) On all matters relating to methods of recruitment to civil services and for civil posts;
 - (b) On the principles to be followed in making appointments to civil services and posts and in making promotions and transfers from one service to another and on the suitability of candidates for such appointments, promotions or transfers;
 - (c) On all disciplinary matters affecting a person serving under the Government of India or the Government of a State in a civil capacity, including memorials or petitions relating to such matters;
 - (d) On any claim by or in respect of a person who is serving or has served under the Government of India or the Government of a State or under the Crown in India or under the Government of an Indian State, in a civil capacity, that any costs incurred by him in defending legal proceedings instituted against him in respect of acts done or purporting to be done in the execution of his duty should be paid out of the Consolidated Fund of India, or, as the case may be, out of the Consolidated Fund of the State;
 - (e) On any claim for the award of a pension in respect of injuries sustained by a person while serving under the Government of India or the Government of a State or under the Crown in India or under the Government of an Indian State, in a civil capacity, and any question as to the amount of any such award, And it shall be the duty of a Public Service Commission to advise on any matter so referred to them and on any other matter which the President, or, as the case may be, the Governor 17** * * of the State, may refer to them:

Provided that the President as respects the all-India services and also as respects other services and posts in connection with the affairs of the Union, and the Governor *** *, as respects other services and posts in connection with the affairs of a State, may make regulations specifying the matters in which either generally, or in any particular class of case or in any particular circumstances, it shall not be necessary for a Public Service Commission to be consulted.

- (4) Nothing in clause (3) shall require a Public Service Commission to be consulted as respects the manner in which any provision referred to in clause (4) of article 16 may be made or as respects the manner in which effect may be given to the provisions of article 335.
- (5) All regulations made under the proviso to clause (3) by the President or the Governor ¹⁹* * * of a State shall be laid for not less than fourteen days before each House of Parliament or the House or each House of the Legislature of the State, as the case may be, as soon as possible after they are made, and shall be subject to such modifications, whether by way of repeal or amendment, as both Houses of Parliament or the House or both Houses of the Legislature of the State may make during the session in which they are so laid.
- 321. Power to extend functions of Public Service Commissions. An Act made by Parliament or, as the case may be, the Legislature of a State may provide for the exercise of additional

- (3) (क) मुलकी सेवांनी आनी मुलकी अधिकारपदांचेर भरती करपाचे पद्धतीसंबंदींच्या सगल्या गजालींविशीं;
- (ख) मुलकी सेवांनी आनी अधिकारपदांचेर नेमणुको करतना आनी बडट्यो दितना आनी एके सेवेंतल्यान दुसरे सेवेंत बदल्यो करतना आपणावपाच्या तत्वांविशीं आनी अशो नेमणुको, बडट्यो अथवा बदल्यो हांच्या प्रयोजनांखातीर उमेदवारांच्या योग्यतायांविशीं;
- (ग) भारत सरकार अथवा राज्य सरकार हांचे अखत्यारेखालच्या मुलकी हुद्याचेर सेवा करपी व्यक्तीक लागू जावपी सगल्या शिस्तीविशींच्या गजालीं संबदांत - अशा गजालींचीं विज्ञापनां आनी विनंती अर्ज हांचेसयत;
- (घ) भारत सरकार अथवा राज्य सरकार हांचे अखत्यारेखाला अथवा ब्रिटीश राजसत्तेच्या अखत्यारेखाला भारतांत अथवा भारतीय संस्थानांच्या सरकाराचे अखत्यारेखाला मुलकी हुद्याचेर जी व्यक्ती सेवा करता अथवा जिणे सेवा केल्या तिणे आपणालें कर्तव्य निभायतना केल्ले अथवा तेखातीर म्हूण केल्ले कृतीसंबंदांत तिचेआड दाखल केल्ले कसलेय वैध कार्यवाहींत बचाव दिवपाखातीर तिका आयिल्लो कसलोय खर्च, भारताच्या एकवटीत निधींतल्यान अथवा, त्या त्या प्रकरणाप्रमाण, राज्याच्या एकवटीत निधींतल्यान दिवंचो अशी तिणे अथवा तिचेसंबंदीं जी कसलीय मागणी केल्ली आसत तिचेविशीं;
- (ङ) भारत सरकार अथवा राज्य सरकार हांचे अखत्यारेखाला अथवा ब्रिटीश राजसत्तेचे अखत्यारेखाला भारतांत अथवा भारतीय संस्थानाच्या सरकाराचे अखत्यारेखाला मुलकी हुद्याचेर सेवा करता आसतना एखादे व्यक्तीक जाल्ल्या नुकसानासंबंदीं पेन्शन दिवपासंबंदांत केल्ले कसलेय मागणेविशीं आनी अशे तरेन दिवपाचे कसलेय रकमेविशींच्या कसल्याय प्रस्नासंबंदीं संघ लोक सेवा आयोगाचो अथवा, त्या त्या प्रकरणाप्रमाण, राज्य लोक सेवा आयोगाचो विचार घेतले, आनी लोक सेवा आयोगाकडेन अशे तरेन निर्देशिल्ले कसलेय गजालीचेर आनी राष्ट्रपती अथवा, त्या त्या प्रकरणाप्रमाण त्या राज्याचो 17 * * * ताचेकडेन निर्देशीत करतलो अशे हेर खंयचेय गजालीचेर, सल्लो दिवप हें ताचें कर्तव्य आसतलें :

परंतु, अखिल भारतीय सेवांसंबंदीं आनी संघाच्या कारभाराकडेन संबंदीत हेर सेवा आनी अधिकारपदां हांचेय संबंदांत राष्ट्रपतीच्यान आनी राज्याच्या कारभाराकडेन राज्यापालाच्यान चड अधिकार वापरू येतात अशे उपबंध करूं येतात. संबंदीत हेर सेवा आनी अधिकारपदां हांचेसंबंदीं राज्यपालाच्यान ¹⁸*** खंयच्या गजालींचेर सर्वसाधारणपणान अथवा खाशेल्या वर्गांतल्या प्रकरणांत अथवा खंयचेय खाशेले परिस्थितींत लोक सेवा आयोगाचो विचार घेवपाची गरज आसची ना ते विनिर्दीष्ट करपी विनियम करूं येतात.

- (4) कलम 16च्या उपकलम (4) हातूंत निर्दीष्ट केल्ली कसलीय तरतूद कशे रितीन करूं येता तेसंबंदीं कलम 335 चे उपबंध कशे रितीन परिणामक करूं येतात तेसंबंदांत लोक सेवा आयोगाचो विचार घेवप उपकलम (3) हातूंतले खंयचेच गजालीक लागून गरजेचें जांवचें ना.
- (5) उपकलम (3) च्या परंतुकाखाला राष्ट्रपतीन अथवा राज्याच्या राज्यपालान ¹⁹* * * केल्ले सगले विनियम, ते केलेउपरांत जाता तितले बेगीन, त्या त्या प्रकरणाप्रमाण, संसदेच्या दरेका सभाघरामुखार अथवा राज्य विधानमंडळाच्या सभाघरामुखार अथवा दरेका सभाघरामुखार उण्याच त्या चवदा दिसांभितर दवरतले, आनी ज्या सत्रांत ते अशे तरेन दवरिल्ले आसतीत त्या काळांत संसदेचीं दोनूय सभाघरां अथवा त्या राज्याच्या विधानमंडळाचें सभाघर अथवा दोनूय सभाघरां निरसनाच्या रूपान अथवा बदलाच्या रूपान तातूंत जे फेरफार करतलीं तांकां ते विनियम अधीन आसतले.
- 321. लोक सेवा आयोगांचे कार्याधिकार विस्तारावपाचो अधिकार संसदेन अथवा, त्या त्या प्रकरणाप्रमाण, राज्य विधानमंडळान केल्ल्या अधिनियमांवरवीं संघाच्या अथवा राज्यांच्या सेवासंबंदीं आनी खंयच्याय थळाव्या

functions by the Union Public Service Commission or the State Public Service Commission as respects the services of the Union or the State and also as respects the services of any local authority or other body corporate constituted by law or of any public institution.

- 322. Expenses of Public Service Commissions. The expenses of the Union or a State Public Service Commission, including any salaries, allowances and pensions payable to or in respect of the members or staff of the Commission, shall be charged on the Consolidated Fund of India or, as the case may be, the Consolidated Fund of the State.
- **323. Reports of Public Service Commissions.** (1) It shall be the duty of the Union Commission to present annually to the President a report as to the work done by the Commission and on receipt of such report the President shall cause a copy thereof together with a memorandum explaining, as respects the cases, if any, where the advice of the Commission was not accepted, the reasons for such non-acceptance to be laid before each House of Parliament.
- (2) It shall be the duty of a State Commission to present annually to the Governor ²⁰* * * of the State a report as to the work done by the Commission, and it shall be the duty of a Joint Commission to present annually to the Governor ²⁰* * * of each of the States the needs of which are served by the Joint Commission a report as to the work done by the Commission in relation to that State, and in either case the Governor ²¹* * *, shall, on receipt of such report, cause a copy thereof together with a memorandum explaining, as respects the cases, if any, where the advice of the Commission was not accepted, the reasons for such non-acceptance to be laid before the Legislature of the State.

²²[PART XIVA TRIBUNALS

- **323A. Administrative tribunals.** (1) Parliament may, by law, provide for the adjudication or trial by administrative tribunals of disputes and complaints with respect to recruitment and conditions of service of persons appointed to public services and posts in connection with the affairs of the Union or of any State or of any local or other authority within the territory of India or under the control of the Government of India or of any corporation owned or controlled by the Government.
 - (2) A law made under clause (1) may-
 - (a) Provide for the establishment of an administrative tribunal for the Union and a separate administrative tribunal for each State or for two or more States;
 - (b) Specify the jurisdiction, powers (including the power to punish for contempt) and authority, which may be exercised by each of the said tribunals;
 - (c) Provide for the procedure (including provisions as to limitation and rules of evidence) to be followed by the said tribunals;
 - (d) Exclude the jurisdiction of all courts, except the jurisdiction of the Supreme Court under article 136, with respect to the disputes or complaints referred to in clause (1);

प्राधिकरणावरवीं अथवा कायद्यावरवीं घडयल्ल्या हेर निगमनिकायाच्या अथवा खंयच्याय भौशीक संस्थेच्या सेवांसंबदीं संघ लोक सेवा आयोगाच्यान अथवा राज्य लोक सेवा आयोगाच्यान चड कार्याधिकार वापरचे हेखातीर उपबंध कर्रुं येतात.

- **322. लोक सेवा आयोगांचो खर्च** संघ अथवा राज्य लोक सेवा आयोग हांचो खर्च आयोगाच्या वांगड्यांक अथवा कर्मचारीवर्गाक अथवा तांचेसंबंदीं दिवपाचे कसलेय पगार, भत्ते आनी पेन्शनी धरून, भारताच्या एकवटीत निधीचेर अथवा, त्या त्या प्रकरणाप्रमाण, राज्याच्या एकवटीत निधीचेर प्रभारीत करतले.
- 323. लोक सेवा आयोगांचे अहवाल (1) दर वर्सा राष्ट्रपतीक संघ लोकसेवा आयोगान केल्ल्या वावराचो अहवाल सादर करप हें त्या आयोगांचें कर्तव्य आसतलें आनी तो मेळटकच आयोगांचों सल्लो ज्या गजालींनी स्वीकारूंक नाशिल्लो अशीं थोडी प्रकरणां आसल्यार तांचेसंबंदांत अशा अस्वीकारांच्या कारणां स्पश्ट करपी निवेदनासयत अहवालांची एक प्रत राष्ट्रपती संसदेच्या दरेका सभाघरामुखार दवरूंक लायतलो.
- (2) दर वर्सा राज्याच्या राज्यपालाक ²⁰* * * राज्य आयोगान केल्ल्या वावराचो अहवाल सादर करप हें त्या आयोगाचें कर्तव्य आसतलें आनी संयुक्त आयोगान ज्या राज्यांच्या वावराची गरज पूर्ण केल्या आसत तांचेमदल्या दरेकाच्या राज्यपालाक ²⁰* * * त्या राज्याच्या संबंदांत आयोगान केल्ल्या वावराचो अहवाल सादर करप हें संयुक्त आयोगाचें कर्तव्य आसतलें, आनी दोनायच्या संबंदांत, तो मेळटकच, आयोगाचो सल्लो जे गजालींनी स्वीकारूक नाशिल्लो अशीं थोडीं प्रकरणां आसल्यार तांचेसंबंदांत अशा अस्वीकाराचीं कारणां स्पष्ट करपी निवेदनासयत अशा अहवालाची एक प्रत राज्यपाल ²¹ * * * राज्याच्या विधानमंडळामुखार दवरूंक लायतलो.

²²[भाग - XIV क अधिकरणां

323क. प्रशासकीय अधिकरणां — (1) संघाच्या अथवा भारताच्या राज्यक्षेत्रांतल्या अथवा भारत सरकाराच्या नियंत्रणाखालच्या खंयच्याय राज्याचे अथवा खंयच्याय थळाव्या अथवा हेर प्राधिकरणाचे अथवा सरकाराचे मालकेच्या अथवा ताणे नियंत्रीत केल्ल्या खंयच्याय निगमाच्या कारभारासंबंदांतल्यो लोक सेवा अथवा अधिकारपदां हांचेर नेमणूक केल्ले व्यक्तींची भरती आनी सेवा-अटी हांचेसंबंदींचीं किजिलां अथवा कागाळी हांचो अभिनिर्णय अथवा संपरीक्षा प्रशासकीय अधिकरणांमार्फत जांवची हेखातीर संसदेच्यान कायद्यावरवीं उपबंध करूं येतात;

- (2) उपकलम (1) चे अधीन केल्ल्या कायद्यावरवीं —
- (क) संघाखातीर एका प्रशासकीय अधिकरणाची आनी दरेका राज्याखातीर अथवा दोन अथवा चड राज्यांखातीर एका वेगळ्या प्रशासकीय अधिकरणाची स्थापना करपाखातीर उपबंध करूं

येतात;

- (ख) उक्त अधिकारणांमदीं दरेकाच्यान वापरूं येता अशी अधिकारिताय, अधिकार (अवमानाखातीरची ख्यास्त करपाच्या अधिकारासयत) आनी प्राधिकार विनिर्दीष्ट करूं येतात;
- (ग) उक्त अधिकरणांनी आपणावपाच्या कार्यपद्धतींसंबंदी (मुजत आनी पुराव्याचे नेम हांचेसंबंदींच्या उपबंधांसयत) उपबंध करूं येतात;
- (घ) उपकलम (1) हातूंत उल्लेखिल्ले तंटे अथवा कागाळी हांचेसंबंदीं, कलम 136 खालची सर्वोच्च न्यायालयाची अधिकारिताय सोडून, हेर सगल्या न्यायालयांची अधिकारिताय वर्जीत करूं येता;

- (e) Provide for the transfer to each such administrative tribunal of any cases pending before any court or other authority immediately before the establishment of such tribunal as would have been within the jurisdiction of such tribunal if the causes of action on which such suits or proceedings are based had arisen after such establishment;
 - (f) Repeal or amend any order made by the President under clause (3) of article 371D;
- (g) Contain such supplemental, incidental and consequential provisions (including provisions as to fees) as Parliament may deem necessary for the effective functioning of, and for the speedy disposal of cases by, and the enforcement of the orders of, such tribunals.
- (3) The provisions of this article shall have effect notwithstanding anything in any other provision of this Constitution or in any other law for the time being in force.
- **323B. Tribunals for other matters.** (1) The appropriate Legislature may, by law, provide for the adjudication or trial by tribunals of any disputes, complaints, or offences with respect to all or any of the matters specified in clause (2) with respect to which such Legislature has power to make laws.
 - (2) The matters referred to in clause (1) are the following, namely: -
 - (a) Levy, assessment, collection and enforcement of any tax;
 - (b) Foreign exchange, import and export across customs frontiers;
 - (c) Industrial and labour disputes;
 - (d) Land reforms by way of acquisition by the State of any estate as defined in article 31A or of any rights therein or the extinguishment or modification of any such rights or by way of ceiling on agricultural land or in any other way;
 - (e) Ceiling on urban property;
 - (f) Elections to either House of Parliament or the House or either House of the Legislature of a State, but excluding the matters referred to in article 329 and article 329A.
 - (g) Production, procurement, supply and distribution of food-stuffs (including edible oilseeds and oils) and such other goods as the President may, by public notification, declare to be essential goods for the purpose of this article and control of prices of such goods;
 - (h) Offences against laws with respect of any of the matters specified in sub-clauses (a) to (h) and fees in respect of any of those matters;
 - (i) Any matter incidental to any of the matters specified in sub-clauses (a) to (i)

- (ङ) अशा अधिकरणाचे स्थापनेचे निकटपूर्व खंयच्याय न्यायालयामुखार अथवा हेर प्राधिकरणांमुखार प्रलंबीत आशिल्ले दावे अथवा कार्यवाही जांचेर आधारिल्ल्यो आसात तीं वादकारणां अशे स्थापनेउपरांत उप्राशिल्लीं आशिल्लीं जाल्यार अशे दावे अथवा कार्यवाही अशा अधिकरणांचे अधिकारितायेंत येतलीं आशिल्लीं अशा गजालींनी, अशीं कसलींय प्रकरणां अशा दरेका प्रशासकीय अधिकरणांकडेन वर्ग करपाखातीर उपबंध करूं येतात;
- (च) कलम 371 घ उपकलम (3) खाला राष्ट्रपतीन केल्लो खंयचोय आदेश निरसीत करूं येता अथवा बदलूं येता;
- (छ) अशा अधिकरणांचें कार्य परिणामकारक रितीन चलचें आनी तांकां बेगीन प्रकरणां निकालांत काडूंक मेळचीं आनी ताच्या आदेशांची अंमलबजावणी जांवची हेखातीर संसदेक गरजेचे दिसतीत अशे पूरक, आनुशंगिक आनी परिणामी उपबंध (फियेसंबंदींच्या उपबंधांसयत) आस्पावीत आसूं येतात.
- (3) ह्या संविधानाच्या हेर खंयच्याय उपबंधांत अथवा त्या त्या काळांत लागू आशिल्ल्या हेर खंयच्याय कायद्यांत किदेंय आसलें तरी, ह्या कलमाचे उपबंध परिणामक जातले.
- **323ख. हेर गजालींखातीर अधिकरणां** (1) उपकलम (2) हातूंत विनिर्दीश्ट केल्ल्या ज्या गजालींच्या संबंदांत कायदे करपाचो समुचित विधानमंडळाक अधिकार आसतलो त्यो सगल्यो अथवा तांचेभितरल्या खंयच्याय गजालींच्या संबंदांतले कसलेय तंटे, कागाळी अथवा गुन्यांव हांचो अधिकरणांकडल्यान अभिनिर्णय अथवा संपरीक्षा जांवची हेंखातीर अशा विधानमंडळाच्यान कायद्यावरवीं उपबंध करूं येता.
 - (2) उपकलम (1) हातूंत उल्लेखिल्ल्यो गजाली फुडे दिल्यात ते प्रमाण आसात त्यो अशो :-
 - (क) कसलोय कर लावप, तो निर्धारीत करप, ताची उगराणी करप आनी सक्तीची वसुली करप;
 - (ख) परकी चलन, सीमा शुल्क सरादींवेल्यान आयात आनी निर्यात;
 - (ग) उद्देगीक आनी कामगारांसंबंदीं तंटे;
 - (घ) कलम 31क हातूंत व्याख्या केल्या ते प्रमाण कसलेय संपदेचें अथवा तातूंतल्या कसल्याय अधिकारांचें राज्यान संपादन करप अथवा असले कसलेय अधिकार ना करप अथवा तातूंत फेरफार करप हांचेवरवीं अथवा शेतजमनीचेर कमालमर्यादा हाडून ताचेवरवीं अथवा हेर खंयच्याय मार्गान जमनीसंबंदीं सुदारणा;
 - (ङ) नागरी संपत्तेवेली कमालमर्यादा;
 - (च) संसदेच्या दोनांमदल्या खंयच्याय सभाघराच्यो अथवा राज्य विधानमंडळाच्या सभाघराच्यो अथवा दोनांमदल्या खंयच्याय सभाघराच्यो वेंचणुको मात कलम 329 आनी कलम 329अ हातूंत निर्देशीत केल्ल्यो गजालीं वगळून;
 - (छ) अन्नसामुग्री (गळिताचो दाणोगोटो आनी खाद्यतेलां धरून) आनी राष्ट्रपती जाहीर अधिसुचोवणेवरवीं ह्या कलमाच्या प्रयोजनाखातीर चड गरजेचे जिनस म्हूण घोशीत करतेलो अशे हेर जिनस हांचें उत्पादन, प्रापण, पुरवण आनी वितरण तशेंच अशा जिनसांच्या दरांचें नियंत्रण,
 - (ज) उप-उपकलम (क) ते (छ) हातूंत विनिर्दीष्ट केल्ल्यांमदल्या कसल्याय गजालीच्या संबंधांतल्या कायद्यांचे विरोधी गुन्यांव आनी तांचेमदले कसले गजालीच्या संबंधांतली फी;
 - (झ) उप-उपकलम (क) ते (ज) हातूंत विनिर्दीष्ट केल्ल्यांमदले खंयचेय गजालीक आनुशंगिक आशिल्ली कसलीय गजाल.

- (3) A law made under clause (1) may-
 - (a) Provide for the establishment of a hierarchy of tribunals;
- (b) Specify the jurisdiction, powers (including the power to punish for contempt) and authority, which may be exercised by each of the said tribunals;
- (c) Provide for the procedure (including provisions as to limitation and rules of evidence) to be followed by the said tribunals;
- (d) Exclude the jurisdiction of all courts, except the jurisdiction of the Supreme Court under article 136, with respect to all or any of the matters falling within the jurisdiction of the said tribunals;
- (e) Provide for the transfer to each such tribunal of any cases pending before any court or any other authority immediately before the establishment of such tribunal as would have been within the jurisdiction of such tribunal if the causes of action on which such suits or proceedings are based had arisen after such establishment;
- (f) Contain such supplemental, incidental and consequential provisions (including provisions as to fees) as the appropriate Legislature may deem necessary for the effective functioning of, and for the speedy disposal of cases by, and the enforcement of the orders of, such tribunals.
- (4) The provisions of this article shall have effect notwithstanding anything in any other provision of this Constitution or in any other law for the time being in force.

Explanation. -In this article "appropriate Legislature", in relation to any matter, means Parliament or, as the case may be, a State Legislature competent to make laws with respect to such matter in accordance with the provisions of Part XI.]

Notes

- Subs. by the Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s. 29 and Sch. for "means a State specified in Part A or Part B of the First Schedule".
- The words "or Rajpramukh" omitted by s. 29 and Sch. ibid.
- 3. The words "or, as the case may be, the Rajpramukh" omitted by s. 29 and Sch., ibid.
- 4. The words "or Rajpramukh" omitted by s. 29 and Sch., ibid.
- 5. Subs. by the Constitution (Fifteenth Amendment) Act, 1963, s. 10, for cls. (2) and (3).
- Certain words omitted by the Constitution (Forty-second Amendment) Act, 1976, s. 44 (w.e.f. 3-1-1977).

- (3) उपकलम (1) खाला केल्ल्या कायद्यांत
 - (क) क्रमवर्धी अधिकारश्रेणीतलीं अधिकरणां स्थापन करपाखातीर उपबंध करूं येता;
- (ख) उक्त अधिकरणांमदीं दरेकाच्यान वापरूं येता अशी अधिकारिताय, अधिकार (अवमानाखातीर ख्यास्त करपाच्या अधिकारासयत) आनी प्राधिकार विनिर्दीष्ट करूं येतात;
- (ग) उक्त अधिकरणांनी आपणावपाचे कार्यपद्धतीसंबंदीं (मुजत आनी पुराव्याचे नेम हांचे संबंदींच्या उपबंधांसयत) उपबंध करू येता;
- (घ) उक्त अधिकरणांचे अधिकारितायेंत येवपी सगल्या अथवा तांचेमदले खंयचेय गजालीसंबंदीं, कलम 136 खालची सर्वोच्च न्यायालयाची अधिकारिताय सोडून, सगल्या न्यायालयांची अधिकारिताय वर्जित कर्रुं येता;
- (ङ) अशा अधिकरणाचे स्थापनेचे निकटपूर्व खंयच्याय न्यायालयामुखार अथवा हेर खंयच्याय प्राधिकरणामुखार प्रलंबीत आशिल्ले दावे अथवा कार्यवाही जांचेर आधारिल्लीं आसा तीं वादकारणां अशे स्थापनेउपरांत उप्राशिल्लीं जाल्यार अशे दावे अथवा कार्यवाही अशा अधिकरणाचे अधिकारितायेंत येतल्यो आशिल्ल्यो अशा गजालीनी, अशीं कसलींय प्रकरणां अशा दरेका अधिकरणांकडेन वर्ग करपांखातीर उपबंध करूं येता;
- (च) अशा अधिकरणांचो वावर परिणामकारक रितीन चलचो, आनी तांकां बेगीन प्रकरणां निकालांत काडूंक मेळचीं, आनी तांच्या आदेशांची अंमलबजावणी जांवची हेखातीर समुचित विधानमंडळाक गरजेचे दिसतीत अशे पूरक, अनुशंगिक आनी परिणामी उपबंध (फियेसंबंदींच्या उपबंधांसयत) आस्पावीत आसूं येतात.
- (4) ह्या संविधानाच्या हेर खंयच्याय उपबंधांत अथवा त्या त्या काळांत अस्तित्वांत आशिल्ल्या हेर खंयच्याय कायद्यांत किदेंय आसलें तरी, ह्या कलमाचे उपबंध परिणामक जातले.

स्पष्टीकरण - ह्या कलमांत, खंयचेय गजालीच्या संबदांतलें 'समुचित विधानमंडळ' ह्या उतरांचो अर्थ, भाग-XI, हाच्या उपबंधांप्रमाण अशा गजालींसंबंदीं कायदे करपाचो अधिकार आशिल्ली संसद अथवा, त्या त्या. त्या प्रकरणाप्रमाण, अशें एखादें राज्य विधानमंडळ असो आसा.]

टिपो

- 1. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956' अनुभाग 29 आनी अनुसुचयेवरवीं 'ह्या उतरांचो अर्थ पयले अनुसुचयेचो भाग-क अथवा भाग-ख हातूंत उल्लेखिल्लें राज्य असो आसा' हाचे सुवातेर घालें.
- 2: 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956' अनुभाग 29 आनी अनुसुचयेवरवीं 'अथवा राजप्रमुख' हीं उतरां निरसीत केलीं.
- 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956' अनुभाग 29 आनी अनुसुचयेवरवीं 'त्या त्या प्रकरणाप्रमाण, त्या राज्याचो राज्यपाल अथवा राजप्रमुख' हाचे सुवातेर वयल्या स्वरुपांत दवरलें.
- 4. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956' अनुभाग 29 आनी अनुसुचयेवरवीं 'अथवा राजप्रमुख' हीं उतरां निरसीत केलीं.
- 5. 'संविधान (पंदरावो बदल) अधिनियम, 1963' अनुभाग 10 वरवीं उपकलम (2) आनी (3) हांचे सुवातेर घालें.
- 6. 'संविधान (बेचाळीसावो बदल) अधिनियम, 1976' अनुभाग 44 वरवीं मूळ मजकूर निरसीत केलो (03 जानेवारी, 1977 दिसा आनी तेन्नासावन)

- 7. Certain words omitted by the Constitution (Forty-second Amendment) Act, 1976, s. 44 (w.e.f. 3-1-1977).
- 8. Subs. by s. 44, ibid., for certain words (w.e.f. 3-1-1977).
- 9. Subs. by s. 45, ibid., for "Part-XI" (w.e.f. 3-1-1977).
- 10. Ins. by s. 45, ibid. (w.e.f. 3-1-1977).
- 11. Ins. by Constitution (Twenty-Eighth Amenement) Act, 1972, s.2 (w.e.f. 29-8-1972)
- 12. The word, 'or Rajpramukh' omitted by Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s.29 & Schedule
- 13. Ins. by the Constitution (Fifteenth Amendment) Act, 1963, s. 11.
- 14. Subs. by the Constitution (Forty-first Amendment) Act, 1976, s. 2, for "sixty years".
- 15. The word, 'or Rajpramukh' omitted by Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s.29 & Schedule.
- 16. The words "or Rajpramukh" omitted by the Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s. 29 and Sch.
- 17. The words "or Rajpramukh" omitted by the Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s. 29 and Sch.
- 18. The words "or Rajpramukh, as the case may be" omitted by the Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s. 29 and Sch.
- 19. The words "or Rajpramukh" omitted by the Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s. 29 and Sch.
- 20. The words "or Rajpramukh" omitted by the Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s. 29 and Sch.
- 21. The words "or Rajpramukh, as the case may be" omitted by the Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s. 29 and Sch.

Part - XIV A: Tribunals

22. Ins. by the Constitution (Forty-second Amendment) Act, 1976, s. 46 (w.e.f. 3-1-1977).

- 7. 'संविधान (बेचाळीसावो बदल) अधिनियम, 1976' अनुभाग 44 वरवीं मूळ मजकूराचे सुवातेर घालें. (03 जानेवारी, 1977 दिसा आनी तेन्नासावन)
- 8. 'संविधान (बेचाळीसावो बदल) अधिनियम, 1976' अनुभाग 45 वरवीं मूळ मजकूराचे सुवातेर घालें. (03 जानेवारी, 1977 दिसा आनी तेन्नासावन)
- 9. 'संविधान (बेचाळीसावो बदल) अधिनियम, 1976' अनुभाग 45 वरवीं (03-01-1977 सावन) घालें.
- 10. 'संविधान (बेचाळीसावो बदल) अधिनियम, 1976' अनुभाग 45 वरवीं (03-01-1977 सावन) घालें.
- 11. 'संविधान (अठ्ठाविसावो बदल) अधिनियम, 1972' अनुभाग 2 वरवीं (29-08-1972 सावन) घालें.
- 12. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956' अनुभाग 29 आनी अनुसुचयेवरवीं 'अथवा राजप्रमुख' हीं उतरां निरसीत केलीं.
- 13. 'संविधान (पंदरावो बदल) अधिनियम, 1963' अनुभाग 11 वरवीं घालें.
- 14. 'संविधान (एकेचाळीसावो बदल) अधिनियम, 1976' अनुभाग 2 आनी 'साठ वर्सा' चे सुवातेर ही उतरां घालीं.
- 15. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956' अनुभाग 29 आनी अनुसुचयेवरवीं 'अथवा राजप्रमुख' हीं उतरां निरसीत केलीं.
- 16. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956' अनुभाग 29 आनी अनुसुचयेवरवीं 'अथवा राजप्रमुख' हीं उतरां निरसीत केलीं.
- 17. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956' अनुभाग 29 आनी अनुसुचयेवरवीं 'अथवा राजप्रमुख' हीं उत्तरां निरसीत केलीं.
- 18. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956' अनुभाग 29 आनी अनुसुचयेवरवीं 'त्या त्या प्रकरणाप्रमाण, राज्यपाल अथवा राजप्रमुख' ह्या उतरांचे सुवातेर वयल्या स्वरुपांत घालें.
- 19. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956' अनुभाग 29 आनी अनुसुचयेवरवीं 'अथवा राजप्रमुख' हीं उतरां निरसीत केलीं.
- 20. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956' अनुभाग 29 आनी अनुसुचयेवरवीं 'अथवा राजप्रमुख' हीं उतरां निरसीत केलीं.
- 21. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956' अनुभाग 29 आनी अनुसुचयेवरवीं 'त्या त्या प्रकरणाप्रमाण, राज्यपाल अथवा राजप्रमुख' ह्या उतरांचे सुवातेर वयल्या स्वरुपांत दवरलें.

भाग XIV क : अधिकरणां

22. 'संविधान (बेचाळीसावो बदल) अधिनियम, 1976' - अनुभाग 46 वरवीं (03-01-1977 सावन) हो नवो भाग आस्पावीत केलो.

Part - XV

ELECTIONS

- 324. Superintendence, direction and control of elections to be vested in an Election Commission. (1) The superintendence, direction and control of the preparation of the electoral rolls for, and the conduct of, all elections to Parliament and to the Legislature of every State and of elections to the offices of President and Vice-President held under this Constitution ¹*** shall be vested in a Commission (referred to in this Constitution as the Election Commission).
- (2) The Election Commission shall consist of the Chief Election Commissioner and such number of other Election Commissioners, if any, as the President may from time to time fix and the appointment of the Chief Election Commissioner and other Election Commissioners shall, subject to the provisions of any law made in that behalf by Parliament, be made by the President.
- (3) When any other Election Commissioner is so appointed the Chief Election Commissioner shall act as the Chairman of the Election Commission.
- (4) Before each general election to the House of the People and to the Legislative Assembly of each State, and before the first general election and thereafter before each biennial election to the Legislative Council of each State having such Council, the President may also appoint after consultation with the Election Commission such Regional Commissioners as he may consider necessary to assist the Election Commission in the performance of the functions conferred on the Commission by clause (1).
- (5) Subject to the provisions of any law made by Parliament, the conditions of service and tenure of office of the Election Commissioners and the Regional Commissioners shall be such as the President may by rule determine:

Provided that the Chief Election Commissioner shall not be removed from his office except in like manner and on the like grounds as a Judge of the Supreme Court and the conditions of service of the Chief Election Commissioner shall not be varied to his disadvantage after his appointment:

Provided further that any other Election Commissioner or a Regional Commissioner shall not be removed from office except on the recommendation of the Chief Election Commissioner.

- (6) The President, or the Governor ²*** of a State, shall, when so requested by the Election Commission, make available to the Election Commission or to a Regional Commissioner such staff as may be necessary for the discharge of the functions conferred on the Election Commission by clause (1).
- 325. No person to be ineligible for inclusion in, or to claim to be included in a special, electoral roll on grounds of religion, race, caste or sex. There shall be one general electoral roll for every territorial constituency for election to either House of Parliament or to the House or either House of the Legislature of a State and no person shall be ineligible for inclusion in any such roll or

भाग - XV वेंचणुको

- 324. वेंचणुकांसंबंदीं देखरेख, मार्गदर्शन आनी नियंत्रण करपाचो अधिकार वेंचणूक आयोगाचे ठांय निहित आसप (1) ह्या संविधानाखाला घेवपाच्या संसदेच्या आनी दरेका राज्याच्या विधानमंडळाच्या सगल्या वेंचणुकांखातीर मतदार वळेऱ्यो तयार करप आनी त्या वेंचणुकांचें आनी राष्ट्रपती तशेंच उपराष्ट्रपती हांच्या अधिकारपदांच्या वेंचणुकांचें संचालन करप ह्या कामांचेर देखरेख, मार्गदर्शन आनी नियंत्रण करपाचो 1*** अधिकार (ह्या संविधानांत 'वेंचणुक आयोग' म्हूण निर्दीष्ट केल्ल्या एका आयोगाचे ठांय निहित आसतलो.)
- (2) वेंचणूक आयोग हो मुख्य वेंचणूक आयुक्त आनी राष्ट्रपतीन त्या त्या वेळार एखादी संख्या निश्चित केल्यार तितले हेर वेंचणूक आयुक्त मेळून घडिल्लो आसतलो, आनी मुख्य वेंचणूक आयुक्त आनी हेर वेंचणूक आयुक्त हांची नेमणूक, संसदेन तेसंबंदांत केल्ल्या खंयच्याय कायद्याच्या उपबंधांचे अधीनतायेन, राष्ट्रपतीकडल्यान जातली.
- (3) जेन्ना हेप्रमाण हेर कोणूय वेंचणूक आयुक्त नियुक्त करतले तेन्ना, मुख्य वेंचणूक आयुक्त हो वेंचणूक आयोगाचो अध्यक्ष म्हूण कार्य करतलो.
- (4) लोकसभा आनी दरेका राज्याची विधानसभा हांचे दरेके सार्वत्रिक वेंचणुकेपयलीं, आनी विधान परिशद आसपी दरेका राज्याचे विधान परिशदेचे पयले सार्वत्रिक वेंचणुकेपयलीं आनी ताचेउपरांत तिचे दरेके दोन-वर्सुके वेंचणुकेपयलीं वेंचणूक आयोगाचो विचार घेतलेउपरांत राष्ट्रपतीक स्वताक गरजेचे दिसतीत अशे प्रादेशीक आयुक्तूय उपकलम (1) वरवीं वेंचणूक आयोगाक प्रदान केल्ले कार्याधिकार वापरपाच्या कामांत आयोगाक सहाय करपाखातीर नेमूं येतात.
- (5) संसदेन केल्ल्या खंयच्याय कायद्याच्या उपबंधाचे अधीनतायेन, वेंचणूक आयुक्त आनी प्रादेशीक आयुक्त हांच्यो सेवा-अटी आनी कार्यकाळ हे राष्ट्रपती नेमांवरवीं निर्धारीत करतलो ते प्रमाण आसतले :

परंतु, सर्वोच्च न्यायालयाच्या न्यायाधीशाक जशे रीतीन अधिकारपदावेल्यान कडेक काडटात तशीच रीत आपणायलेबगर आनी तशाच तरांचीं कारणां आसलेबगर मुख्य वेंचणूक आयुक्ताक ताच्या अधिकारपदावेल्यान कडेक काडचेनात, आनी मुख्य वेंचणुक आयुक्ताच्या सेवा-अटींनी ताका नुकसानाचें जायत असो बदल ताचे नेमणुकेउपरांत करचे नात:

परंतु, आनीक अशें की, मुख्य वेंचणूक आयुक्ताची शिफारस आसलेबगर, हेर खंयच्याच वेंचणूक आयुक्ताक अथवा प्रादेशीक आयुक्ताक अधिकारपदावेल्यान कडेक काडचे नात.

- (6) राष्ट्रपती अथवा राज्याचो राज्यपाल ²* * * वेंचणूक आयोगाकडल्यान ताका तशी विनंती येत तेन्ना, उपकलम (1) वरवीं वेंचणूक आयोगाक प्रदान केल्ले कार्याधिकार वापरपाखातीर गरजेचो आसत असो कर्मचारीवर्ग वेंचणूक आयोगाक अथवा प्रादेशीक आयुक्ताक मेळोवन दितलो.
- 325. खंयचीय व्यक्ती, धर्म, वंश, जात, अथवा लिंग ह्या कारणांवेल्यान मतदार वळेरेंत आस्पावीत जावपाक अपात्र आसची ना अथवा तिणे खाशेले मतदारवेळेरेंत आपणांक आस्पावीत करपाची मागणी करूंक मेळची ना संसदेच्या दोनांमदल्या खंयच्याय सभाघराचे अथवा राज्य विधानमंडळाच्या सभाघराचे अथवा दोनांमदल्या खंयच्याय सभाघराचे वेंचणुकेखातीर दरेका क्षेत्रीय मतदारसंघाखातीर एक सर्वसाधारण मतदार वळेरी आसतली आनी खंयचीय व्यक्ती, फक्त धर्म, वंश, जात, लिंग अथवा हांचेमदल्या खंयच्याच कारणावेल्यान अशे खंयचेय मतदार

claim to be included in any special electoral roll for any such constituency on grounds only of religion, race, caste, sex or any of them.

- 326. Elections to the House of the People and to the Legislative Assemblies of States to be on the basis of adult suffrage. The elections to the House of the People and to the Legislative Assembly of every State shall be on the basis of adult suffrage; that is to say, every person who is a citizen of India and who is not less than ¹[eighteen years] of age on such date as may be fixed in that behalf by or under any law made by the appropriate Legislature and is not otherwise disqualified under this Constitution or any law made by the appropriate Legislature on the ground of non-residence, unsoundness of mind, crime or corrupt or illegal practice, shall be entitled to be registered as a voter at any such election.
- 327. Power of Parliament to make provision with respect to elections to Legislatures. Subject to the provisions of this Constitution, Parliament may from time to time by law make provision with respect to all matters relating to, or in connection with, elections to either House of Parliament or to the House or either House of the Legislature of a State including the preparation of electoral rolls, the delimitation of constituencies and all other matters necessary for securing the due constitution of such House or Houses.
- 328. Power of Legislature of a State to make provision with respect to elections to such Legislature.—Subject to the provisions of this Constitution and in so far as provision in that behalf is not made by Parliament, the Legislature of a State may from time to time by law make provision with respect to all matters relating to, or in connection with, the elections to the House or either House of the Legislature of the State including the preparation of electoral rolls and all other matters necessary for securing the due constitution of such House or Houses.
- 329. Bar to interference by courts in electoral matters. ³[Notwithstanding anything in this Constitution ⁴* * *-]
 - (a) The validity of any law relating to the delimitation of constituencies or the allotment of seats to such constituencies, made or purporting to be made under article 327 or article 328, shall not be called in question in any court;
 - (b) No election to either House of Parliament or to the House or either House of the Legislature of a State shall be called in question except by an election petition presented to such authority and in such manner as may be provided for by or under any law made by the appropriate Legislature.
- ³329A. [Special provision as to elections to Parliament in the case of Prime Minister and Speaker.]. Rep. by the Constitution (Forty-fourth Amendment) Act, 1978, s. 36 (w.e.f. 20-6-1979).

वळेरेंत आस्पावीत जावपाक अपात्र आसची ना अथवा तिका अशा खंयच्याच मतदारसंघाखातीर आशिल्ले खंयचेच खाशेले मतदार वेळेरेंत आपणाक आस्पावीत करचें अशी मागणी करूंक मेळची ना.

- 326. लोकसभा आनी राज्यांच्यो विधानसभा हांच्यो वेंचणुको प्रौढ मताधिकाराच्या तत्त्वांचेर जावप लोकसभेच्यो आनी दरेका राज्याचे विधानसभेच्यो वेंचणुको प्रौढ मताधिकाराच्या तत्त्वाचेर जातल्यो, म्हळ्यार जी जी व्यक्ती भारताचो नागरीक आसा आनी समुचित विधानमंडळान केल्ल्या खंयच्याय कायद्यावरवीं अथवा ताचेखाला तेसंबंदांत निश्चित करतले अशे तारकेक एकवीस वर्सांपरस उणे पिरायेची ना आनी ह्या संविधानाखाला अथवा समुचित विधानमंडळान केल्ल्या खंयच्याय कायद्याखाला अनिवास, मनाची विकलताय, गुन्यांव अथवा भ्रश्ट अथवा अवैध वागणूक ह्या कारणावेल्यान हेर तरेन अपात्र थारूंक ना अशी दरेक व्यक्ती अशे खंयचेय वेंचणुकेंत मतदार म्हूण नोंद जावपाक हक्कदार आसतली.
- 327. संसदेचो विधानमंडळाच्या वेचणुकांसंबंदीं उपबंध करपाचो अधिकार ह्या संविधानाच्या उपबंधाचें अधीनतायेन, संसदेच्या खंयच्याय सभाघराच्या अथवा राज्य विधानमंडळाच्या सभाघराच्या अथवा दोनांमदल्या खंयच्याय सभाघराच्या वेंचणुकांसंबंदींच्या सगल्या गजालींविशीं अथवा तांचे संबंदांत मतदार वळेऱ्यो तयार करप, वेंचणूक क्षेत्रांचें परिसीमन करप आनी अशें सभाघर अथवा सभाघरां रीतसर घडीत जावंचीं हेखातीर गरजेच्यो आशिल्ल्यो हेर सगल्यो गजाली धरून संसदेच्यान त्या त्या वेळार कायद्यावरवीं उपबंध करूं येता.
- 328. राज्य विधानमंडळाचो अशा विधानमंडळाच्या वेंचणुकांसंबंदांत उपबंध करपाचो अधिकार संविधानाच्या उपबंधांचे अधीनतायेन आनी संसदेन तेसंबंदांत उपबंध केल्लो नासत तितले मर्यादेमेरेन, राज्य विधानमंडळाच्या सभाघराच्या अथवा दोनांमदल्या खंयच्याय सभाघराच्या वेंचणुकांसंबंदांतल्या सगल्या गजालींविशीं अथवा तांचे संबंदांत मतदार वळेऱ्यो तयार करप आनी अशें सभाघर अथवा सभाघरां रितसर घडीत जावंचीं हेखातीर गरजेच्यो आशिल्ल्यो सगल्यो गजाली धरून त्या राज्याच्या विधामंडळाच्यान त्या त्या वेळार कायद्यावरवीं उपबंध करूं येता.
- **329. वेंचणुकांसंबंदींच्या गजालींनी हस्तक्षेप करपाक न्यायालयांक आडखळ** ³[ह्या संविधानांत किदेंय आसलें तरी, ⁴ * * *—]
- (क) मतदारसंघांचें परिसीमन अथवा अशा मतदारसंघामदीं सुवातांचें वांटप हांचेसंबंदीं कलम 327 अथवा 328 खाला केल्ल्या अथवा तेखाला म्हूण केल्ल्या खंयच्याय कायद्याचीं विधिग्राह्यताय खंयच्याच न्यायालयांत प्रस्नास्पद करूंक मेळची ना;
- (ख) संसदेच्या दोनांमदल्या खंयच्याय सभाघराची अथवा राज्य विधानमंडळाच्या सभाघराची अथवा दोनांमदल्या खंयच्याय सभाघराची वेंचणूक समुचित विधानमंडळान केल्ल्या खंयच्याच कायद्यावरवीं अथवा तेखाला उपबंधीत करतले अशा प्राधिकरणाक आनी अशे रितीन वेंचणूक कागाळ अर्ज सादर केलेबगर प्रस्नास्पद करूंक मेळची ना.
- ⁵329क. [प्रधानमंत्री आनी अध्यक्ष हांचेसंबंदांत संसदेखातीर वेंचणुकांच्या संदर्भांत खाशेलो उपबंध] 'संविधान (चोवेचाळीसावो बदल) अधिनियम, 1978' अनुभाग 36 वरवीं (20-06-1979 सावन) निरसीत केले.

Notes

- 1. The words "including the appointment of election tribunals for the decision of doubts and disputes arising out of or in connection with elections to Parliament and to the Legislatures of States" omitted by the Constitution (Nineteenth Amendment) Act, 1966, s. 2.
- 2. The words "or Rajpramukh" omitted by the Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s.29 and Sch.
- 3. Subs. by the Constitution (Thirty-ninth Amendment) Act, 1975, s. 3, for certain words.
- 4. The words, figures and letter "but subject to the provisions of article 329A" omitted by the Constitution (Forty-fourth Amendment) Act, 1978, s. 35 (w.e.f. 20-6-1979).
- 5. Ins. by Constitution (Thirty-Nineth Amendment) Act, 1975, s.4

टिपो

- 1. 'संविधान (एकोणिसावो बदल) अधिनियम, 1966' अनुभाग 2 वरवीं' '- संसदेच्या आनीं राज्यांच्या विधानमंडळांच्या वेंचणुकांतल्यान उप्रासपी अथवा तांचेकडेन संबंदीत आसपी दुबावाचे मुद्दे आनी तंटे हांचो निर्णय करपाखातीर वेंचणूक अधिकरणाची नेमणूक करप हांचेसयत -' हीं उतरां निरसीत केलीं.
- 2. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956' अनुभाग 29 आनी अनुसुचयेवरवीं' 'अथवा राजप्रमुख' हीं उतरां निरसीत केलीं.
- 3. 'संविधान (एकोणचाळीसावो बदल) अधिनियम, 1975' अनुभाग 3 वरवीं मूळ मजकुराचे सुवातेर घालें' (10-08-1975 सावन)
- 4. 'संविधान (चोवेचाळीसावो बदल) अधिनियम, 1978' अनुभाग 35 वरवीं (20-06-1979 सावन) 'परन्तु कलम 329 क च्या उपबंधाचे अधीनतायेन' हीं उतरां आनी आंकडे निरसीत केलीं.
- 5. 'संविधान (एकोणचाळीसावो बदल) अधिनियम, 1975' अनुभाग 4 वरवीं घालें.

Part - XVI

SPECIAL PROVISIONS RELATING TO CERTAIN CLASSES

- 330. Reservation of seats for Scheduled Castes and Scheduled Tribes in the House of the People. (1) Seats shall be reserved in the House of the People for-
 - (a) The Scheduled Castes;
 - (b) The Scheduled Tribes except the Scheduled Tribes in the autonomous districts of
 - 1[(i) Assam;
 - (ii) Nagaland
 - (iii) Meghalaya
 - (iv) Arunachal Pradesh and
 - (v) Mizoram

and]

- (c) The Scheduled Tribes in the autonomous districts of Assam.
- (2) The number of seats reserved in any State ²[or Union territory] for the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes under clause (1) shall bear, as nearly as may be, the same proportion to the total number of seats allotted to that State ²[or Union territory] in the House of the People as the population of the Scheduled Castes in the State ²[or Union territory] or of the Scheduled Tribes in the State ²[or Union territory], as the case may be, in respect of which seats are so reserved, bears to the total population of the State ²[or Union territory].
- ³[(3) Notwithstanding anything contained in clause (2), the number of seats reserved in the House of the People for the Scheduled Tribes in the autonomous districts of Assam shall bear to the total number of seats allotted to that State a proportion not less than the population of the Scheduled Tribes in the said autonomous districts bears to the total population of the State.]
- ⁴[Explanation. In this article and in article 332, the expression "population" means the population as ascertained at the last preceding census of which the relevant figures have been published:

Provided that the reference in this Explanation to the last preceding census of which the relevant figures have been published shall, until the relevant figures for the first census taken after the year 2000 have been published, be construed as a reference to the 1971 census.]

- **331.** Representation of the Anglo-Indian Community in the House of the People. Notwithstanding anything in article 81, the President may, if he is of opinion that the Anglo-Indian community is not adequately represented in the House of the People, nominate not more than two members of that community to the House of the People.
- 332. Reservation of seats for Scheduled Castes and Scheduled Tribes in the Legislative Assemblies of the States. (1) Seats shall be reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes, ⁶[except the Scheduled Tribes in the autonomous districts of Assam], in the Legislative Assembly of every State ⁵***.

भाग - XVI थोड्या वर्गांसंबंदीं खाशेले उपबंध

330. लोकसभेंत अनुसूचित जाती आनी अनुसूचित जनजाती हांचेखातीर सुवातो राखून दवरप —

- (1) लोकसभेंत
 - (क) अनुसूचित जाती;
 - (ख) ¹[(i) आसामाच्या जनजाती क्षेत्रांतली;
 - (ii) नागालँडांतली;
 - (iii) मेघालयांतली;
 - (iv) अरुणाचल प्रदेशांतली; आनी
 - (v) मिझोरमांतली;

जनजाती कडेक दवरून जनजाती; आनी]

- (ग) आसामाच्या स्वायत्त जिल्ह्यांतल्यो अनुसूचित जनजाती, हांचेखातीर सुवातो राखून दवरतले.
- (2) जाचे संबंदांत उपकलम (1) खाला अनुसूचित जाती अथवा अनुसूचित जनजातींखातीर सुवातो राखून दवरल्यात अशें, त्या त्या प्रकरणाप्रमाण, खंयचेंय राज्य ²[अथवा संघ राज्यक्षेत्र] हांचेमदल्या अनुसूचित जातींचे अथवा अशें राज्य ²[अथवा संघ राज्यक्षेत्र] अथवा अशा राज्याचो [अथवा संघ राज्यक्षेत्राचो] भाग हांचेमदल्या जनजातींचे लोकसंख्येचें त्या राज्याचे ²[अथवा संघ राज्यक्षेत्राचे] एकंदर लोकसंख्येकडेन जितलें प्रमाण आसत तितलेंच लागींलागीं, त्या राज्यांत ²[अथवा संघ राज्यक्षेत्रात] अशे तरेन राखून दवरिल्ल्या सुवातांचे संख्येचे लोकसभेंत त्या राज्यांक ²[अथवा संघ राज्यक्षेत्राक] नेमून दिल्ल्या सुवातांचे एकंदर संख्येकडेन प्रमाण आसतलें.
- ³[(3) उपकलम (2) हातूंत किदेंय आस्पावीत आसलें तरी, आसामाच्या स्वायत्त जिल्ह्यांतल्या अनुसूचित जनजातींखातीर लोकसभेंत राखून दविरिल्ल्या सुवातांचे संख्येचें त्या राज्याक नेमून दिल्ल्या सुवातांचे एकंदर संख्येकडेन आसपाचें प्रमाण हें उण्यांत उणे उक्त स्वायत्त जिल्ह्यांतल्या अनुसूचित जनजातींचे लोकसंख्येचें त्या राज्याचे एकंदर लोकसंख्येकडेन आशिल्ल्या प्रमाणाइतलें आसतलें.]

⁴[स्पश्टीकरण - ह्या कलम 322 त 'लोकसंख्या' ह्या उतराचो अर्थ, जे जनगणनेची संबंद्ध आंकडेवारी उजवाडा आयल्या अशे निकटपूर्व जनगणनेत अदमाशिल्ली लोकसंख्या असो आसा :

परंतु, ह्या स्पष्टीकरणांतल्या 'जे जनगणनेची संबद्ध आंकडेवारी उजवाडा आयल्या अशी निकटपूर्व जनगणना' ह्या उल्लेखाचो अर्थ, सन 2000 उपरांत जावपा आशिल्ले पयले जनगणनेची संबद्ध आंकडेवारी उजवाडा येसर 1971 वर्साचे जनगणनेचो उल्लेख असो लायतले.]

- 331. लोकसभेंत आंग्लभारतीय समाजाचें प्रतिनिधीत्व कलम 81 हातूंत किदेंय आसलें तरी, जर आंग्लभारतीय समाजाक लोकसभेंत फावोशें प्रतिनिधीत्व मेळ्ळेंना अशें राष्ट्रपतीचें मत आसलें जाल्यार, ताच्यान त्या समाजाचे चडांत चड म्हळ्यार दोन वांगडी लोकसभेचेर नामनिर्देशीत करूं येता.
- 332. राज्यांच्या विधानसभांनी अनुसूचित जाती आनी अनुसूचित जनजाती हांचेखातीर सुवातो राखून दवरप (1) अनुसूचित जाती आनी ⁶[आसामाच्या जनजाती क्षेत्रातल्यो, नागालँडांतल्यो आनी मेघालयांतल्यो अनुसूचित जनजाती सोडून] अनुसूचित जनजातींखातीर ⁵* * दरेका राज्याचे विधानसभेत सुवात राखून दवरतले.

- (2) Seats shall be reserved also for the autonomous districts in the Legislative Assembly of the State of Assam.
- (3) The number of seats reserved for the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes in the Legislative Assembly of any State under clause (1) shall bear, as nearly as may be, the same proportion to the total number of seats in the Assembly as the population of the Scheduled Castes in the State or of the Scheduled Tribes in the State or part of the State, as the case may be, in respect of which seats are so reserved, bears to the total population of the State.
- (4) The number of seats reserved for an autonomous district in the Legislative Assembly of the State of Assam shall bear to the total number of seats in that Assembly a proportion not less than the population of the district bears to the total population of the State.
- (5) The constituencies for the seats reserved for any autonomous district of Assam shall not comprise any area outside that district ⁷* * * * *
- (6) No person who is not a member of a Scheduled Tribe of any autonomous district of the State of Assam shall be eligible for election to the Legislative Assembly of the State from any constituency of that district ⁷***
- 333. Representation of the Anglo-Indian community in the Legislative Assemblies of the States. Notwithstanding anything in article 170, the Governor **** of a State may, if he is of opinion that the Anglo-Indian community needs representation in the Legislative Assembly of the State and is not adequately represented therein, *[nominate one member of that community to the Assembly.]
- **334.** Reservation of seats and special representation to cease after ¹⁰[sixty years]. Not-withstanding anything in the foregoing provisions of this Part, the provisions of this Constitution relating to-
- (a) The reservation of seats for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in the House of the People and in the Legislative Assemblies of the States; and
- (b) The representation of the Anglo-Indian community in the House of the People and in the Legislative Assemblies of the States by nomination,

Shall cease to have effect on the expiration of a period of ¹⁰[sixty years] from the commencement of this Constitution:

Provided that nothing in this article shall affect any representation in the House of the People or in the Legislative Assembly of a State until the dissolution of the then existing House or Assembly, as the case may be.

335. Claims of Scheduled Castes and Scheduled Tribes to services and posts. — The claims of the members of the Scheduled Castes and Scheduled Tribes shall be taken into consideration, consistently with the maintenance of efficiency of administration, in the making of appointments to services and posts in connection with the affairs of the Union or of a State.

- (2) आसाम राज्याचे विधानसभेंत स्वायत्त जिल्ह्यांखातीर सुवातो राखून दवरतले.
- (3) जांचे संबंदांत उपकलम (1) खाला अनुसूचित जाती आनी अनुसूचित जनजाती हांचेखातीर सुवातो राखून दवरल्यात अशा, त्या त्या प्रकरणाप्रमाण खंयच्याय राज्यांतले अनुसूचित जातींचे अथवा, अशा राज्यांतल्या अथवा राज्याच्या भागांतले अनुसूचित जनजातीचे लोकसंख्येचें त्या राज्याचे एकंदर लोकसंख्येकडेन जें प्रमाण आसतलें तितलेंच लागींलागीं, त्या राज्याचे विधानसभेंत अशे तरेन राखून दवरिल्ल्या सुवातांचे संख्येचें विधानसभेंतल्या सुवातांचे एकंदर संख्येकडेन प्रमाण आसतलें.
- (4) आसाम राज्याचे विधानसभेत एखाद्या स्वायत्त जिल्ह्याखातीर राखून दवरिल्ल्या सुवाताचे संख्येचें ते विधानसभेतल्या सुवातांचे एकंदर संख्येकडेन आसपाचें प्रमाण हें उणेंच तें त्या जिल्ह्याचे लोकसंख्येचे त्या राज्याचे लोकसंख्येकडेन आशिल्ल्या प्रमाणाइतलें आसतलें.
- (5) ⁷* * * * * अासामाच्या खंयच्याय स्वायत्त जिल्ह्याखातीर राखून दवरिल्ल्या सुवातांच्या मतदार संघांनीं त्या जिल्ह्याभायलें खंयचेंच क्षेत्र आस्पावीत आसचें ना.
- (6) आसाम राज्याच्या खंयच्याच स्वायत्त जिल्ह्यांतल्या अनुसूचित जनजातींचो घटक नाशिल्ली अशी खंयचीच व्यक्ती त्या जिल्ह्यांतल्या ⁷* * * खंयच्याच मतदारसंघांतल्यान त्या राज्याचे विधानसभेचे वेंचणुकेक पात्र आसची ना.
- **333. राज्यांच्या विधानसभांनी आंग्लभारतीय समाजाचें प्रतिनिधित्व** कलम 170 हातूंत किदेंय आसलें तरी, जर एखाद्या राज्याचे विधानसभेंत आंग्लभारतीय समाजाक प्रतिनिधीत्व मेळपाची गरज आसा आनी तातूंत ताका फावोशें प्रतिनिधीत्व मेळूं ना अशें त्या राज्याच्या राज्यपालाचें * * * * मत आसत जाल्यार ताच्यान ⁹ [त्या समाजाचो एक वांगडी विधानसभेंचेर नामनिर्देशीत करूं येता.]
- **334. राखीव सुवातो आनी खाशेलें प्रतिनिधीत्व** ¹⁰[साठ वर्सांउपरांत] समाप्त जावप ह्या भागाच्या पूर्वगामी उपबंधांनी किदेंय आसलें तरी —
- (क) लेकसभेंत आनी राज्याच्या विधानसभांनी अनुसूचित जाती आनी अनुसूचित जनजाती हांचेखातीर सुवातो राखून दवरप; आनी
- (ख) लोकसभेत आनी राज्यांच्या विधानसभांनी आंग्लभारतीय समाजाक नामनिर्देशनावरवीं प्रतिनिधीत्व आसप. हेविशींचे ह्या संविधानाचे उपबंध ह्या संविधानाच्या आरंभासावन ¹⁰[साठ वर्सांचो] काळ सोंपतकच परिणामक आसपाचें समाप्त जातलें:

परंतु, ह्या कलमांतले खंयचेच गजालीक लागून लोकसभेंतल्या अथवा राज्याचे विधानसभेंतल्या कसल्याच प्रतिनिधीत्वाचेर, तेदेवेळार अस्तित्वांत आशिल्ले लोकसभेचें अथवा, त्या त्या प्रकरणा प्रमाण, विधानसभेचें विसर्जन जायमेरेन, परिणाम जांवचो ना.

335. सेवा आनी अधिकारपदां हांचेर अनुसूचित जाती आनी अनुसूचित जनजाती हांचे हक्क — संघ अथवा राज्य हांच्या काराभाराच्या संबंदांतल्या सेवांनी आनी अधिकारपदांचेर नेमणूक करतना अनुसूचित जाती आनी अनुसूचित जनजाती हातूतल्या व्यक्तींचे हक्क प्रशासनाची कार्यक्षमता राखपाकडेन सुसंगत आसत अशे रितीन विचारांत घेतले.

336. Special provision for Anglo-Indian community in certain services. — (1) During the first two years after the commencement of this Constitution, appointments of members of the Anglo-Indian community to posts in the railway, customs, postal and telegraph services of the Union shall be made on the same basis as immediately before the fifteenth day of August, 1947.

During every succeeding period of two years, the number of posts reserved for the members of the said community in the said services shall, as nearly as possible, be less by ten per cent. than the numbers so reserved during the immediately preceding period of two years:

Provided that at the end of ten years from the commencement of this Constitution all such reservations shall cease.

- (2) Nothing in clause (1) shall bar the appointment of members of the Anglo-Indian community to posts other than, or in addition to, those reserved for the community under that clause if such members are found qualified for appointment on merit as compared with the members of other communities.
- 337. Special provision with respect to educational grants for the benefit of Anglo-Indian community. During the first three financial years after the commencement of this Constitution, the same grants, if any, shall be made by the Union and by each State ¹¹* * * for the benefit of the Anglo-Indian community in respect of education as were made in the financial year ending on the thirty-first day of March, 1948.

During every succeeding period of three years the grants may be less by ten per cent. than those for the immediately preceding period of three years:

Provided that at the end of ten years from the commencement of this Constitution such grants, to the extent to which they are a special concession to the Anglo-Indian community, shall cease:

Provided further that no educational institution shall be entitled to receive any grant under this article unless at least forty per cent. of the annual admissions therein are made available to members of communities other than the Anglo-Indian community.

- 338. National Commission for Scheduled Castes and Scheduled Tribes. (1) There shall be a Commission for the Scheduled Castes and Scheduled Tribes to be known as the National Commission for the Scheduled Castes and Scheduled Tribes.
- (2) Subject to the provisions of any law made in this behalf by Parliament, the Commission shall consist of a Chairperson, Vice-Chairperson and five other Members and the conditions of service and tenure of office of the Chairperson, Vice-Chairperson and other Members so appointed shall be such as the President may by rule determine.
- (3) The Chairperson, Vice-Chairperson and other Members of the Commission shall be appointed by the President by warrant under his hand and seal.
 - (4) The Commission shall have the power to regulate its own procedure.

336. थोड्या सेवांनी आंग्लभारतीय समाजाखातीर खाशेली तरतूद — (1) ह्या संविधानाच्या आरंभाउपरांत पयल्या दोन वर्सानी आंग्लभारतीय समाजांतले व्यक्तींच्यो नेमणुको संघाच्या रेल्वे, सीमाशुल्क, टपाल आनी तार सेवांतल्या अधिकारपदांचेर 15 आगश्ट 1947 ह्या दिसाचे निकटपूर्व जशो करताले तशाच तत्वाचेर करतले.

दर दोन वर्सांच्या अनुवर्ती काळांत, उक्त समाजांतल्या व्यक्तींखातीर उक्त सेवांनी राखून दवरिल्ल्या अधिकारपदांची संख्या निकटपूर्व दोन वर्सांच्या काळांत हेप्रमाण राखून दवरिल्ल्या अधिकारपद संख्येपरस जाता तितले परीन लागींलागीं धा टक्क्यांनी उणी आसतली :

परंतु, ह्या संविधानाच्या आरंभासावन धा वर्सांचे अखेरेक अशो सगल्यो सुवातो राखून दवरप समाप्त जातलें.

- (2) जर आंग्लभारतीय समाजांतली व्यक्ती, हेर समाजांतल्या व्यक्तींकडेन तुळा केल्यार, गुणवत्तेच्या आदारान नेमणुकेक पात्र आसा अशें दिसलें जाल्यार, उपकलम (1) खाला त्या समाजाखातीर राखून दवरिल्ल्यापरस हेर अथवा चड अधिकारपदांचेर अशा व्यक्तींची नेमणूक करपाक त्या उपकलमातले खंयचेच गजालीक लागून आडखळ जांवची ना.
- **337**. **आंग्लभारतीय समाजाच्या हिताखातीर शिक्षणीक अनुदानांसंबंदीं खाशेली तरतूद** आंग्लभारतीय समाजाच्या हिताखतीर शिक्षणासंबंदीं 31 मार्च, 1948 दिसा सोंपपी आर्थिक वर्सांत दिल्लीं अशीं थोडीं अनुदानां आसतीत जाल्यार, तींच ह्या संविधानाच्या आरंभाउपरांत पयल्या तीन आर्थिक वर्सांनीं संघ आनी ¹¹* * * दरेक राज्य हांचेकडल्यान दिवप जातलें.

दर तीन वर्सांच्या अनुवर्ती काळांत निकटपूर्व तीन वर्सांच्या काळांतल्या अनुदानांपरस तीं धा टक्क्यांनी उणी आसतलीं.

परंतु, ह्या संविधानाच्या आरंभासावन धा वर्सांचे अखेरेक अशीं अनुदानां जितलेमेरेन तीं आंग्लभारतीय समाजाक खाशेली सवलत म्हूण आसतीत तितले व्याप्तेपुरतीं बंद जातलीं :

परंतु, आनीक अशें की, खंयचीय शिक्षण संस्था, तातूंत दिवपाच्या वर्सुक्या प्रवेशांमदले उण्यांत उणे चाळीस टक्के इतले प्रवेश आंग्लभारतीय समाजापरस हेर समाजांतल्या व्यक्तींक मेळोवन दिलेबगर ह्या कलमाखाला कसलेंच अनुदान मेळोवपाक हक्कदार जांवची ना.

- **338. राष्ट्रीय अनुसूचीत जाती आनी अनुसूचीत जनजाती आयोग** (1) अनुसूचीत जाती आनी अनुसूचीत जनजातींखातीर एक आयोग आसतलो आनी ताका राष्ट्रीय अनुसूचीत जाती आनी अनुसूचीत जनजाती आयोग म्हूण वळखतले.
- (2) हे संबंदीं संसदेन केल्ल्या खंयच्याय कायद्याचे अधीनतायेन आयोगाक एक अध्यक्ष, एक उपाध्यक्ष आनी पांच हेर वांगडी आसतले आनी अशे तरेन नेमिल्ल्या अध्यक्ष, उपाध्यक्ष आनी पांच वांगडी हांच्यो सेवा अटी आनी कार्यकाळ राष्ट्रपती नेमावरवीं थारायत तेप्रमाण आसतलो.
- (3) राष्ट्रपती आपणाली स्वाक्षरी आनी मुद्रा हांचेसयत लेखी अधिपत्र दिवन अध्यक्ष, उपाध्यक्ष आनी पांच हेर वांगडी हांच्यो नेमणुको करतलो.
 - (4) आयोगाक आपणाली प्रक्रिया आनी कार्यपद्धत थारावपाचो अधिकार आसतलो.

339. Control of the Union over the administration of Scheduled Areas and the welfare of Scheduled Tribes. — (1) The President may at any time and shall, at the expiration of ten years from the commencement of this Constitution by order appoint a Commission to report on the administration of the Scheduled Areas and the welfare of the Scheduled Tribes in the States 12* * *.

The order may define the composition, powers and procedure of the Commission and may contain such incidental or ancillary provisions, as the President may consider necessary or desirable.

- (2) The executive power of the Union shall extend to the giving of directions to ¹³[a State] as to the drawing up and execution of schemes specified in the direction to be essential for the welfare of the Scheduled Tribes in the State.
- (1) The President may by order appoint a Commission consisting of such persons as he thinks fit to investigate the conditions of socially and educationally backward classes within the territory of India and the difficulties under which they labour and to make recommendations as to the steps that should be taken by the Union or any State to remove such difficulties and to improve their condition and as

340. Appointment of a Commission to investigate the conditions of backward classes. —

- to the grants that should be made for the purpose by the Union or any State and the conditions subject to which such grants should be made, and the order appointing such Commission shall define the procedure to be followed by the Commission.
- (2) A Commission so appointed shall investigate the matters referred to them and present to the President a report setting out the facts as found by them and making such recommendations as they think proper.
- (3) The President shall cause a copy of the report so presented together with a memorandum explaining the action taken thereon to be laid before each House of Parliament.
- **341.** Scheduled Castes. (1) The President ¹⁴[may with respect to any State ¹⁵[or Union territory], and where it is a State ¹²* * *, after consultation with the Governor ¹⁶* * * thereof,] by public notification ¹⁷, specify the castes, races or tribes or parts of or groups within castes, races or tribes which shall for the purposes of this Constitution be deemed to be Scheduled Castes in relation to that State ¹⁵[or Union territory, as the case may be].
- (2) Parliament may by law include in or exclude from the list of Scheduled Castes specified in a notification issued under clause (1) any caste, race or tribe or part of or group within any caste, race or tribe, but save as aforesaid a notification issued under the said clause shall not be varied by any subsequent notification.
- **342. Scheduled Tribes.** (1) The President ¹⁸[may with respect to any State ¹⁹[or Union territory], and where it is a State ²⁰* * *, after consultation with the Governor ²¹* * * thereof,] by public notification ²², specify the tribes or tribal communities or part of or groups within tribes or tribal communities which

339. अनुसूचित क्षेत्रांचें प्रशासन आनी अनुसूचित जनजातीसंबंदींचें कल्याण कार्य हांचेर संघाचें नियंत्रण

— (1) राष्ट्रपतीच्यान आदेशावरवीं, ¹²* * राज्यांतल्या अनुसूचित क्षेत्रांचें प्रशासन आनी अनुसूचित जनजातीसंबंदींचें कल्याणकार्य हांचेर अहवाल दिवपाखातीर एक आयोग खंयच्याय वेळार नेमूं येता, मात ह्या संविधानाच्या आरंभासावन धा वर्सां सोंपनाफुडें तो नेमचोच पडटलो.

त्या आदेशावरवीं आयोगाची घडण, अधिकार आनी कार्यपद्धत निश्चित करूं येता आनी तातूंत राष्ट्रपतीक गरजेचे अथवा योग्य दिसतीत अशे आनुशंगिक अथवा आधाराचे उपबंध आस्पावीत आसूं येतात.

- (2) ¹³[एखाद्या राज्याक] निदेश दिवन, तातूंत त्या राज्यांतत्या अनुसूचित जनजातींच्या कल्याणाखातीर ज्यो येवजणी खूब गरजेच्यो आसात अशें विनिर्दीष्ट केल्लें आसतलें त्या येवजण्यांचो आराखडो तयार करप आनी अंमलबजावणी करप हेसंबंदीं तांचेवरवीं निदेशन करप हेंवूय संघाच्या शासनाधिकाराचे व्याप्तेंत येतलें.
- 340. मागास वर्गांचे स्थितीचो सोदतपास करपाखातीर आयोगाची नेमणूक (1) भारताच्या राज्यक्षेत्रांतल्या समाजीक आनी शिक्षणीक नदरेन मागाशिल्ल्या वर्गांचे स्थितीचें आनी तांकां ज्यो अडचणी सोंसच्यो पडटात तांचो सोदतपास करप आनी अशो अडचणी पयस करपाखातीर आनी तांची स्थिती सुधारपाखातीर संघान अथवा खंयच्याय राज्यान कसल्यो उपाय येवजणी करच्यो तेसंबंदीं आनी त्या प्रयोजनाखातीर संघान अथवा खंयच्याय राज्यान खंयचीं / कसलीं अनुदानां दिवंची आनी कसल्या अटींचे अधीनतायेन अशीं अनुदानां दिवचीं तेसंबंदीं शिफारसी करप हांचेखातीर राष्ट्रपतीच्यान ताका योग्य दिसतीत अशो व्यक्ती मेळून घडयल्लो आयोग आदेशावरवीं नेमूं येता, आनी असो आयोग नेमपी आदेशावरवीं, आयोग ताणें आपणावपाची कार्यपद्धत निश्चित करतलो.
- (2) हेप्रमाण नेमिल्लो आयोग ताचेकडेन निर्देशिल्ल्या गजालींचो सोदतपास करतलो, आनी ताचे नदरेक पडटा अशी वस्तुस्थिती मांडपी आनी ताका योग्य दिसतीत अशो शिफारसी करपी अहवाल राष्ट्रपतीक दितलो.
- (3) राष्ट्रपती हेप्रमाण सादर केल्ल्या अहवालाची प्रत, ताचेर केल्ले कारवायेचें स्पष्टीकरण करपी निवेदनासयत, संसदेच्या दरेका सभाघरामुखार दवरूंक लायतलो.
- 341. अनुसूचित जाती (1) राष्ट्रपतीच्यान ¹⁴[खंयच्याय राज्याच्या ¹⁵[अथवा संघ राज्यक्षेत्राच्या] संबंदांत, आनी तें ¹²* * * राज्य आसत जाल्यार ताच्या राज्यपालाचो ¹⁶* * * विचार घेतलेउपरांत] जाहीर अधिसुचोवणेवरवीं, ¹⁷त्या राज्यांत ¹⁵[अथवा त्या त्या प्रकरणाप्रमाण, संघ राज्यक्षेत्रांत] ह्या संविधानाच्या प्रयोजनाखातीर अनुसूचित जाती म्हूण मानतले. त्यो जाती, वंश अथवा जनजाती अथवा जाती, वंश अथवा जनजाती हांचे भाग अथवा तातूंतले गट विनिर्दीश्ट करूं येतात.
- (2) संसदेच्यान कायद्यावरवीं खंयचीय जात, वंश अथवा जनजाती अथवा खंयचीय जात, वंश अथवा जनजाती हांचो भाग अथवा तातूंतलो गट उपकलम (1) खाला काडिल्ले अधिसुचोवणेंत विनिर्दीश्ट केल्ल्या अनुसूचित जातींचें वळेरेंत आस्पावीत करूं येता अथवा तातूंतल्यान काडून उडोवं येता, पूण उक्त उपकलमाखाला काडिल्ले अधिसुचोवणेंत उपरांतचे खंयचेय अधिसुचोवणेवरवीं पूर्वोक्ताप्रमाण आसत ताचेपरस वेगळो फरक करचे नात.
- **342.** अनुसूचित जनजाती (1) राष्ट्रपतीच्यान 18 [खंयच्याय राज्याच्या] अथवा 19 संघ राज्यक्षेत्राच्या] संबंदांत, आनी तें $^{20}***$ राज्य आसत जाल्यार ताच्या राज्यपालाचो $^{21}***$ विचार घेतलेउपरांतट जाहीर 22 अधिसुचोवणेवरवीं, त्या राज्यांत 19 [अथवा त्या त्या प्रकरणाप्रमाण, संघ राज्यक्षेत्रांत] ह्या संविधानाच्या प्रयोजनाखातीर

shall for the purposes of this Constitution be deemed to be Scheduled Tribes in relation to that State ¹⁹[or Union territory, as the case may be].

(2) Parliament may by law include in or exclude from the list of Scheduled Tribes specified in a notification issued under clause (1) any tribe or tribal community or part of or group within any tribe or tribal community, but save as aforesaid a notification issued under the said clause shall not be varied by any subsequent notification.

Notes

- *. Since there would be changes in the specified form in Article 330, s.2, Constitution (Fifty-First Amendment) Act, 1984, s.2, the contents of that Act shall also be changed. See the contents of that Act.
- 1. Ins. by the Constitution (Thirty-first Amendment) Act, 1973, s. 3.
- 2. Ins. by Constitution (Seventh Amendment) Act, 1953, s.29 & the Schedule.
- Ins. by Constitution (Thirty First Amendment) Act, 1973, s.3.
- 4. Ins. by the Constitution (Forty-second Amendment) Act, 1976, s. 47 (w.e.f. 3-1-1977).
- *. Subs. by the Constitution (Fifty-first Amendment) Act, 1984, s. 3, for certain words (w.e.f. 16-6-1986).
- 5. Subs. for the original contents of the Constitution (Thirty First Amendment) Act, 1973, s.4
- 6. The words and letters "specified in Part A or Part B of the First Schedule" omitted by the Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s. 29 and Sch.
- Certain words omitted by the North-Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 (81 of 1971), s. 71 (w.e.f. 21-1-1972).
- 8. The words "or Rajpramukh" omitted by the Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s. 29 and Sch.
- Subs. by the Constitution (Twenty-third Amendment) Act, 1969, s. 4, for "nominate such number of members of the community to the Assembly as he considers appropriate".
- Ibid. 'these contents mentioned in the First Schedule Part (A) or (B) repealed by Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956,s.29
- 11. The words and letters "specified in Part A or Part B of the First Schedule" omitted by the Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s. 29 and Sch.
- 12. Ibid. The contents 'mentioned in Part (A) or (B) of the First Schedule' repealed by Constitution, s.29.
- 13. Ibid. Words 'for any such state' repealed

अनुसूचित जनजाती म्हूण मानतले त्यो जनजाती अथवा जनजाती-समाज अथवा जनजाती अथवा जनजाती-समाज हांचे भाग अथवा तातूंतले गट विनिर्दीश्ट करूं येतात.

(2) संसदेच्यान कायद्यावरवीं खंयचीय जनजाती अथवा जनजाती-समाज अथवा खंयचीय जनजाती अथवा जनजाती-समाज हांचो भाग अथवा तातूंतलो गट उपकलम (1) खाला काडिल्ले अधिसुचोवणेंत विनिर्दीश्ट केल्ले अनुसूचित जनजातींचे वळेरेंत आस्पावीत करूं येता अथवा तातूंतल्यान काडून उडोवं येता पूण उक्त उपकलमाखाला काडिल्ले अधिसुचोवणेंत उपरांतचे खंयचेय अधिसुचोवणेवरवीं पूर्वोक्ताप्रमाण आसत ताचेपरस वेगळो फरक करचे नात.

टिपो

- * 'संविधान (एकावन्नावो बदल) अधिनियम, 1984' अनुभाग 2 हातूंत बदल जाल्ल्यान कलम 330 व्या अधिनियमाच्या अनुभाग 2 हातूंत निदेशीत रूपांत बदल जातले. त्या अधिनियमाच्या अनुभाग 2 चो मजकूर परिशिष्ट 4 हातूंत पळोवचो.
- 1. 'संविधान (एकतिसावो बदल) अधिनियम, 1973' अनुभाग 3 वरवीं मूळ मजकूराचे सुवातेर घालें.
- 2. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1953' अनुभाग 29 आनी अनुसुचयेवरवीं घालें.
- 3. 'संविधान (एकतिसावो बदल) अधिनियम, 1973' अनुभाग 3 वरवीं घालें.
- 4. 'संविधान (बेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1973' अनुभाग 47 वरवीं घालें (03-01-1977 सावन).
- 'संविधान (एकावन्नावो बदल) अधिनियम, 1984' अनुभाग 3 त बदल जाल्ल्यान कलम 332 व्या
 अधिनियमाचे अनुभाग 3 हातूंत निदेशीत स्वरूपांत बदलून येतले. त्या अधिनियमाच्या अनुभाग 3 चो मजकूर
 परिशिष्ट 4 हांतूंत पळोवचो.
- 5. 'संविधान (एकतिसावो बदल) अधिनियम, 1973' अनुभाग 4 वरवीं मूळ मजकूराचे सुवातेर घालें.
- 6. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956' अनुभाग 29 आनी अनुसुचयेवरवीं 'पयले अनुसुचयेचो भाग क अथवा भाग ख हातूंत उल्लेखिल्ल्या' हीं उतरां निरसीत केलीं.
- 7. 'पूर्वोत्तर क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971' अनुभाग 71 वरवीं (21-01-1972 सावन) 'शिलॉंग छावणी आनी नगरपालिका आस्पावीत आशिल्ल्या मतदारसंघाची गजाल सोडून' हीं उतरां निरसीत केलीं.
- 8. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956' अनुभाग 29 आनी अनुसुचयेवरवीं 'अथवा राजप्रमुख' हीं उतरां निरसीत केलीं.
- 9. 'संविधान (तेविसावो बदल) अधिनियम, 1969' अनुभाग 4 वरवीं 'ते विधानसभेंत ताका समुचित दिसतीत तितले त्या समाजाचे वांगडी नाम निर्देशीत करूं येतात' ह्या मजकुराचे सुवातेर घालें.
- 10. 'संविधान (पंचेचाळीसावो बदल) अधिनियम, 1980' अनुभाग 2 वरवीं 'तीस वर्सां' हांचे सुवातेर ही उतरां घालीं (25 जानेवारी, 1980 सावन).
- 11. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956' अनुभाग 29 आनी अनुसुचयेवरवीं 'पयलें अनुसुचयेचो भाग क अथवा भाग ख हातूंत उल्लेखिल्ले' हो मजकूर निरसीत केलो.
- 12. कित्तो अनुभाग 29 आनी अनुसुची हांचेवरवीं 'पयलें अनुसुचयेचो भाग क अथवा भाग ख हातूंत उल्लेखिल्ले' हो मजकूर निरसीत केलो.
- 13. कितो 'अशा खंयच्याय राज्याक' हो मजकूर निरसीत केलो.

- 14. Subs. by the Constitution (First Amendment) Act, 1951, s. 10, for "may, after consultation with the Governor or Rajpramukh of a State".
- 15. Ins. by the Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s. 29 and Sch.
- 16. The words "or Rajpramukh" omitted by s. 29 and Sch., ibid.
- 17. See the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950 (C.O. 19), the Constitution (cheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951 (C.O. 32), the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956 (C.O.52), the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962 (C.O. 64), the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964 (C.O. 68), the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968 (C.O. 81) and the Constitution (Sikkim) Scheduled Castes Order, 1978 (C.O. 110).
- 18. Subs. by the Constitution (First Amendment) Act, 1951, s. 11, for "may, after consultation with the Governor or Rajpramukh of a State,".
- 19. Ins. by Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s.29 and the Schedule
- 20. The words and letters "specified in Part A or Part B of the First Schedule" omitted by the Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s. 29 and Sch.
- 21. The words "or Rajpramukh" omitted by s. 29 and Sch., ibid.
- 22. See the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950 (C.O.22), the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951 (C.O.33), the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 (C.O.58), the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962 (C.O.65), the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967 (C.O.78), the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968 (C.O.82), the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970 (C.O.88) and the Constitution (Sikkim) Scheduled Tribes Order, 1978 (C.O.111).

- 14. 'संविधान (पयलो बदल) अधिनियम, 1951' अनुभाग 10 वरवीं मूळ मजकूराचे सुवातेर घालें.
- 15. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956' अनुभाग 29 वरवीं घालें.
- 16. कितो 'अथवा राजप्रमुख' हीं उतरां निरसीत केलीं.
- 17. पळोवंचें : 'संविधान (अनुसूचित जाती) आदेश, 1950 (सं.आ.19), संविधान (अनुसूचित जाती) (संघ राज्यक्षेत्र) आदेश, 1951 (सं.आ.32), संविधान (जम्मू-कश्मीर) अनुसूचित जाती आदेश 1956 (सं.आ.52), संविधान (दादरा आनी नगर हवेली) अनुसूचित जाती आदेश, 1962 (सं.आ.64), संविधान (पॉण्डिचेरी) अनुसूचित जाती आदेश, 1964 (सं.आ.68), संविधान (गोवा, दमण, दीव) अनुसूचित जाती आदेश, 1968 (सं.आ.81) आनी संविधान (सिक्कीम) अनुसूचित जाती आदेश, 1978 (सं.आ.110).
- 18. 'संविधान (पयलो बदल) अधिनियम, 1951' अनुभाग 11 वरवीं 'राज्याचो राज्यपाल अथवा राजप्रमुख हांचो विचार घेतलेउपरांत' हो मजकूर घालो.
- 19. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956' अनुभाग 29 आनी अनुसुचयेवरवीं घालें.
- 20. कित्तो अनुभाग 29 आनी अनुसुचयेवरवीं 'पयलें अनुसुचयेचो भाग क अथवा भाग ख हातूंत उल्लेखिल्ले' हो मजकूर निरसीत केलो.
- 21. कित्तो अनुभाग 29 आनी अनुसूची हांचेवरवीं 'अथवा राजप्रमुख' हीं उतरां निरसीत केलीं.
- 22. पळोवंचें, संविधान (अनुसूचित जनजाती) आदेश, 1950 (सं.आ.22), संविधान (अनुसूचित जनजाती) (संघ राज्यक्षेत्र) आदेश, 1951 (सं.आ.33), संविधान (अन्दमान आनी निकोबार द्वीपसमूह) अनुसूचित जनजाती आदेश, 1959 (सं.आ.58), संविधान (दादरा आनी नगरहवेली) अनुसूचित जनजाती आदेश, 1962 (सं.आ.65), संविधान (अनुसूचित जनजाती) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967 (सं.आ.78), संविधान (गोवा, दमण आनी दीव) अनुसूचित जनजाती आदेश, 1968 (सं.आ.82) संविधान (नागालॅण्ड) अनुसूचित जनजाती आदेश, 1978 (सं.आ.111)

of its shall be the duty of the Commission to make recommendations to the President as to

PART - XVII

OFFICIAL LANGUAGE

CHAPTER 1 - LANGUAGE OF THE UNION

- **343.** Official language of the Union. (1) The official language of the Union shall be Hindi in Devanagari script. The form of numerals to be used for the official purposes of the Union shall be the international form of Indian numerals.
- (2) Notwithstanding anything in clause (1), for a period of fifteen years from the commencement of this Constitution, the English language shall continue to be used for all the official purposes of the Union for which it was being used immediately before such commencement:

Provided that the President may, during the said period, by order authorise the use of the Hindi language in addition to the English language and of the Devanagari form of numerals in addition to the international form of Indian numerals for any of the official purposes of the Union.

- (3) Notwithstanding anything in this article, Parliament may by law provide for the use, after the said period of fifteen years, of-
 - (a) The English language, or
 - (b) The Devanagari form of numerals, for such purposes as may be specified in the law.
- 344. Commission and Committee of Parliament on official language. (1) The President shall, at the expiration of five years from the commencement of this Constitution and thereafter at the expiration of ten years from such commencement, by order constitute a Commission which shall consist of a Chairman and such other members representing the different languages specified in the Eighth Schedule as the President may appoint, and the order shall define the procedure to be followed by the Commission.
 - (2) It shall be the duty of the Commission to make recommendations to the President as to-
 - (a) The progressive use of the Hindi language for the official purposes of the Union;
 - (b) Restrictions on the use of the English language for all or any of the official purposes of the Union;
 - (c) The language to be used for all or any of the purposes mentioned in article 348;
 - (d) The form of numerals to be used for any one or more specified purposes of the Union;
 - (e) Any other matter referred to the Commission by the President as regards the official language of the Union and the language for communication between the Union and a State or between one State and another and their use.
- (3) In making their recommendations under clause (2), the Commission shall have due regard to the industrial, cultural and scientific advancement of India, and the just claims and the interests of persons belonging to the non-Hindi speaking areas in regard to the public services.

भाग - XVII

राजभास

प्रकरण 1 - संघाची भास

343. संघाची राजभास -- (1) संघाची राजभास देवनागरी लिपयेंतली हिंदी आसतली.

संघाच्या शासकीय प्रयोजनांखातीर वापरपाच्या संख्यांकांचें रूप हें भारतीय संख्यांकांचें आंतरराष्ट्रीय रूप आसतलें.

(2) उपकलम (1) हातूंत किदेंय आसलें तरी, ह्या संविधानाच्या आरंभासावन पंदरा वर्सांच्या काळामेरेन, संघाच्या ज्या शासकीय प्रयोजनांखातीर अशा आरंभाच्या निकटपूर्व इंग्लिश भास वापरताले त्या सगल्यांखातीर तिचो वापर चालू उरतलो.

परंतु, राष्ट्रपतीच्यान उक्त काळाभितर आदेशावरवीं, संघाच्या शासकीय प्रयोजनांतल्या खंयच्याय प्रयोजनाखातीर इंग्लिश भाशेवांगडाच हिंदी भाशेचो आनी भारतीय संख्यांकांच्या आंतरराष्ट्रीय रूपावांगडा संख्यांकांच्या देवनागरी रूपाचो वापर प्राधिकृत कर्रू येता.

- (3) ह्या कलमांत किदेंय आसलें तरी, संसदेच्यान कायद्यावरवीं उक्त पंदरा वर्सांच्या काळाउपरांत, त्या कायद्यांत विनिर्दीष्ट करतले अशा प्रयोजनांखातीर
 - (क) इंग्लिश भाशेचो, अथवा
 - (ख) संख्यांकांच्या देवनागरी रूपाचो,
 - वापर करपाखातीर उपबंध करूं येता.
- 344. राजभाशेखातीर आयोग आनी संसदीय समिती (1) राष्ट्रपती ह्या संविधानाच्या आरंभासावन पांच वर्सां सोंपतकच आनी तेउपरांत अशा आरंभासावन धा वर्सां सोंपतकच, आदेशावरवीं एक आयोग घडीत करतलो आनी अध्यक्ष तशेंच आठवे अनुसुचयेंत विनिर्दीष्ट केल्ल्या वेगळ्यांवेगळ्या भाशांचें प्रतिनिधीत्व करपी जे वांगडी राष्ट्रपती नेमीत अशे हेर वांगडी मेळून तो आयोग घडयल्लो आसतलो, आनी त्या आदेशावरवीं आयोगान आपणावपाची कार्यपदधत निश्चित करतले.
 - (2)(क) संघाच्या शासकीय प्रयोजनाखातीर हिंदी भाशेचो दिसान दीस चड वापर;
 - (ख) संघाच्या सगल्या अथवा तातूंतल्या खंयच्याय शासकीय प्रयोजनांखातीर इंग्लिश भाशेचो वापर करपाचेर निर्बंध; •
 - (ग) कलम 348 हातूंत उल्लेखिल्ल्या सगल्या अथवा तातूंतल्या खंयच्याय प्रयोजनाखातीर वापरपाची भास;
 - (घ) संघाच्या कसल्याय एका अथवा चड विनिर्दीष्ट प्रयोजनाखातीर वापरपाच्या संख्यांकांचें रूप;
 - (ङ) संघाची राजभास आनी संघ तशेंच एखादें राज्य हांचेमदल्या अथवा राज्याराज्यांमदल्या संपर्काची भास आनी तांचो वापर हांचेविशीं राष्ट्रपतीन आयोगाकडेन निर्देशिल्ली हेर कसलीय गजाल.

हांचेसंबंदांत राष्ट्रपतीक शिफारसी करप हे ह्या आयोगाचें कर्तव्य आसतलें.

(3) उपकलम (2) खाला आपणाल्यो शिफारसी करतना हो आयोग भारताची उद्येगीक, संस्कृतीक आनी विज्ञानीक आभिवृद्धी आनी लोक सेवा हांचेविशीं अहिंदी भाशी क्षेत्रांतल्या व्यक्तींचे न्याय्य हक्क आनी हितसंबंद फावो ते तरेन लक्षांत घेतलो.

- (4) There shall be constituted a Committee consisting of thirty members, of whom twenty shall be members of the House of the People and ten shall be members of the Council of States to be elected respectively by the members of the House of the People and the members of the Council of States in accordance with the system of proportional representation by means of the single transferable vote.
- (5) It shall be the duty of the Committee to examine the recommendations of the Commission constituted under clause (1) and to report to the President their opinion thereon.
- (6) Notwithstanding anything in article 343, the President may, after consideration of the report referred to in clause (5), issue directions in accordance with the whole or any part of that report.

CHAPTER 2 - REGIONAL LANGUAGES

345. Official language or languages of a State. — Subject to the provisions of articles 346 and 347, the Legislature of a State may by law adopt any one or more of the languages in use in the State or Hindi as the language or languages to be used for all or any of the official purposes of that State:

Provided that, until the Legislature of the State otherwise provides by law, the English language shall continue to be used for those official purposes within the State for which it was being used immediately before the commencement of this Constitution.

346. Official language for communication between one State and another or between a State and the Union. — The language for the time being authorised for use in the Union for official purposes shall be the official language for communication between one State and another State and between a State and the Union:

Provided that if two or more States agree that the Hindi language should be the official language for communication between such States, that language may be used for such communication.

347. Special provision relating to language spoken by a section of the population of a State. — On a demand being made in that behalf the President may, if he is satisfied that a substantial proportion of the population of a State desire the use of any language spoken by them to be recognised by that State, direct that such language shall also be officially recognised throughout that State or any part thereof for such purpose as he may specify.

CHAPTER 3 - LANGUAGE OF THE SUPREME COURT, HIGHCOURTS, ETC.

- 348. Language to be used in the Supreme Court and in the High Courts and for Acts, Bills, etc. (1) Notwithstanding anything in the foregoing provisions of this Part, until Parliament by law otherwise provides-
 - (a) All proceedings in the Supreme Court and in every High Court,
 - (b) The authoritative texts-

- (4) तीस वांगडी मेळून एक समिती घडयतले आनी तातूंतले वीस लोकसभेचे वांगडी आसतले आनी धा राज्यसभेचे वांगडी आसतले आनी ते अनुक्रमान लोकसभेचे वांगडी आनी राज्यसभेचे वांगडी हांकां प्रमाणशीर प्रतिनिधीत्व पद्धतीप्रमाण एकल संक्रामणीय मतावरवीं वेंचचें पडटले.
- (5) उपकलम (1) खाला घडयल्ल्या आयोगाच्या शिफारसींची तपासणी करप, आनी ताचेवेलें आपणालें मत नमूद करपी अभिप्राय राष्ट्रपतीक कळोवप हें समितीचें कर्तव्य आसतलें.
- (6) कलम 343 हातूंत किदेंय आसलें तरी, उपकलम (5) हातूंत निर्दीष्ट केल्ल्या अभिप्रायाचो विचार केलेउपरांत राष्ट्रपतीच्यान त्या संपूर्ण अभिप्रायाक अथवा ताच्या खंयच्याय भागाक अनुसरून निदेश दिंव येता.

प्रकरण 2 - प्रादेशीक भासो

345. राज्याची राजभास अथवा राज्याच्यो राजभासो — कलम 346 आनी 347 हांच्या उपबंधांचे अधीनतायेन राज्याच्या विधानमंडळाच्यान राज्यांत वापरांत आशिल्ले खंयचेय एके अथवा चड भाशांचो अथवा हिंदीचो त्या राज्याच्या सगल्या अथवा तातूंतल्या खंयच्याय शासकीय प्रयोजनाखातीर वापरपाची भास अथवा वापरपाच्यो भासो म्हूण कायद्यावरवीं स्वीकारूं येताः

परंतु, राज्य विधानमंडळ कायद्यावरवीं दुसरे तरेन उपबंध करीमेरेन, त्या राज्यांत ह्या संविधानाचे निकटपूर्व ज्या शासकीय प्रयोजनांखातीर इंग्लिश भास वापरताले तांचेखातीर तिचो वापर चालू उरतलो.

346. राज्याराज्यांमदली अथवा राज्य आनी संघ हांचेमदल्या संपर्काची राजभास — संघांत शासकीय प्रयोजनांखातीर त्या त्या काळांत प्राधिकृत जाल्ली भास ही राज्याराज्यामदली आनी एखादें राज्य आनी संघ हांचेमदली संपर्काची राजभास आसतलीः

परंतु, जर दोन अथवा चड राज्यांनी हिंदी भास ही अशा राज्यांमदल्या संपर्काची राजभास आसची अशें एकमतान थारायलें जाल्यार, ती भास अशा संपर्काखातीर वापरंज येता.

347. राज्याचे लोकसंख्येभितरल्या एखाद्या वर्गाकडल्यान उलोवपाची भास म्हूण वापर जाता अशे भाशेविशीं खाशेलो उपबंध — तशी मागणी आयली जाल्यार एखाद्या राज्यांतल्या भरीव प्रमाणांतले लोकसंख्येची ती उलोवपांत वापरता अशे खंयचेय भाशेच्या वापराक त्या राज्याकडल्यान मान्यताय मेळची अशी इत्सा आसा हेविशीं राष्ट्रपतीची खात्री जाली जाल्यार, तो विनिर्दीष्ट करतलो अशा प्रयोजनाखातीर त्या राज्यांत सगलेकडेन अथवा ताच्या खंयच्याय भागांत अशे भाशेक अधिकृत रितीन मान्यताय मेळची अशें ताच्यान निदेशीत करूं येता.

प्रकरण 3 - सर्वोच्च न्यायालय, उच्च न्यायालयां इत्यादींची भास

- 348. सर्वोच्च न्यायालयांत आनी उच्च न्यायालयांभितर आनी अधिनियम, विधेयकां, इत्यादीखातीर वापरपाची भास (1) ह्या भागाच्या पूर्वगामी उपंबंधांनी किदेंय आसलें तरी, संसदेच्यान कायद्यावरवीं हेर तरेन उपबंध करीमेरेन
 - (क) सर्वोच्च न्यायालयांतली आनी दरेका उच्च न्यायालयांतली सगली कार्यवाही,
 - (ख) (i) संसदेच्या दोनांभितरत्या खंयच्याय सभाघरांत अथवा राज्य विधानमंडळाच्या सभाघरांत अथवा दोनाभितरत्या खंयच्याय सभाघरांत मांडपाचीं सगलीं विधेयकां अथवा तांचेर करपाचे बदल हांचे.

- (i) Of all Bills to be introduced or amendments thereto to be moved in either House of Parliament or in the House or either House of the Legislature of a State,
- (ii) Of all Acts passed by Parliament or the Legislature of a State and of all Ordinances promulgated by the President or the Governor 1*** of a State, and
- (iii) Of all orders, rules, regulations and bye-laws issued under this Constitution or under any law made by Parliament or the Legislature of a State,

Shall be in the English language.

(2) Notwithstanding anything in sub-clause (a) of clause (1), the Governor * * * of a State may, with the previous consent of the President, authorise the use of the Hindi language, or any other language used for any official purposes of the State, in proceedings in the High Court having its principal seat in that State:

Provided that nothing in this clause shall apply to any judgment, decree or order passed or made by such High Court.

- (3) Notwithstanding anything in sub-clause (b) of clause (1), where the Legislature of a State has prescribed any language other than the English language for use in Bills introduced in, or Acts passed by, the Legislature of the State or in Ordinances promulgated by the Governor *** of the State or in any order, rule, regulation or bye-law referred to in paragraph (iii) of that sub-clause, a translation of the same in the English language published under the authority of the Governor *** of the State in the Official Gazette of that State shall be deemed to be the authoritative text thereof in the English language under this article.
- 349. Special procedure for enactment of certain laws relating to language. During the period of fifteen years from the commencement of this Constitution, no Bill or amendment making provision for the language to be used for any of the purposes mentioned in clause (1) of article 348 shall be introduced or moved in either House of Parliament without the previous sanction of the President, and the President shall not give his sanction to the introduction of any such Bill or the moving of any such amendment except after he has taken into consideration the recommendations of the Commission constituted under clause (1) of article 344 and the report of the Committee constituted under clause (4) of that article.

CHAPTER 4 - SPECIAL DIRECTIVES

- **350.** Language to be used in representations for redress of grievances. Every person shall be entitled to submit a representation for the redress of any grievance to any officer or authority of the Union or a State in any of the languages used in the Union or in the State, as the case may be.
- **[350A. Facilities for instruction in mother-tongue at primary stage.** It shall be the endeavour of every State and of every local authority within the State to provide adequate facilities for instruction in the mother-tongue at the primary stage of education to children belonging to linguistic minority groups; and the President may issue such directions to any State as he considers necessary or proper for securing the provision of such facilities.
- **350B. Special Officer for linguistic minorities.** (1) There shall be a Special Officer for linguistic minorities to be appointed by the President.

- (ii) संसदेन अथवा राज्य विधानमंडळान पास केल्ल्या सगल्या अधिनियमांचे आनी राष्ट्रपतीन अथवा राज्याच्या राज्यपालान ¹* * * प्रख्यापीत केल्ल्या सगल्या अध्यादेशांचे, आनी
- (iii) ह्या संविधानाखाला अथवा संसदेन अथवा राज्य विधानमंडळान केल्ल्या खंयच्याय कायद्याखाला काडिल्ले सगले आदेश, नियम, विनियम आनी उपविधी हांचे, प्राधिकृत मजकूर इंग्लिश भाशेंत आसतले.
- (2) उपकलम (1) चें उप-उपकलम (क) हातूंत किदेंय आसलें तरी, राज्याच्या राज्यपालाच्यान *** राष्ट्रपतीचे पूर्वसंमतीन, त्या राज्यांत जाचें मुख्य कार्यस्थान आसतलें अशा उच्च न्यायालयांतल्या कामकाजांत हिंदी भाशेचो अथवा त्या राज्याच्या कसल्याय शासकीय प्रयोजनाखातीर वापरांत येवपी हेर खंयचेय भाशेचो वापर प्राधिकृत करूं येता:

परंतु, अशा उच्च न्यायालयान दिल्लो अथवा केल्लो कसलोय न्यायनिर्णय, हुकूमनामो अथवा आदेश हाका ह्या उपकलमांतली खंयचीच गजाल लागू आसची ना.

- (3) उपकलम (1) च्या उप-उपकलम (ख) हातूंत किदेंय आसलें तरी, जंय एखाद्या राज्याच्या विधानमंडळान त्या राज्यांत विधानमंडळांत मांडटात तीं विधेयकां अथवा ताचेकडल्यान पास जातात ते अधिनियम हातूंत अथवा राज्याच्या राज्यपालाकडल्यान ²* * * प्रख्यापीत जातात त्या अध्यादेशांनी अथवा उक्त उप-उपकलमाचो परिच्छेद (iii) हातूंत निर्दीष्ट केल्लो कसलोय आदेश, नियम, विनियम अथवा उपविधी हातूंत वापरपाखातीर इंग्लिश भाशेपरस वेगळी खंयचीय भास विहीत केल्ली आसत थंय, त्या राज्याच्या राज्यपालाच्यान प्राधिकाराच्या अन्वयान त्या राज्याच्या राजपत्रांत उजवाडायल्लो ताचो इंग्लिश भाशेंतलो प्राधिकृत मजकूर आसा अशें मानतले.
- 349. भाशेसंबंदींचे थोडे कायदे करपाखातीर खाशेली कार्यपद्धत ह्या संविधानाच्या आरंभासावन पंदरा वर्सांच्या काळाभितर, कलम 348 चें उपकलम (1) हातूंत उल्लेखिल्ल्यांमदल्या खंयच्याय प्रयोजनाखातीर वापरपाचो भाशेसंबंदांत उपबंध करपी कसलेंय विधेयक अथवा बदल संसदेच्या दोनांमदल्या खंयच्याय सभाघरांत राष्ट्रपतीचे पूर्वमान्यतायेबगर मांडचे नात, आनी राष्ट्रपतीन कलम 344च्या उपकलम (1) खाला घडीत केल्ल्या आयोगाच्यो शिफारसी आनी त्या कलामाच्या उपकलम (4) खाला घडीत केल्ले समितेचो अभिप्राय विचारांत घेतलेबगर राष्ट्रपती अशें कसलेंच विधेयक मांडपाक अथवा असलो कसलोच बदल मांडपाक मान्यताय दिवचो ना.

प्रकरण 4 - खाशेलीं निदेशकां

- 350. कागाळींच्या निवारणाखातीर केल्ल्या अभिवेदनांनी वापरपाची भास दरेक व्यक्ती कसलेय कागाळेच्या निवारणाखातीर संघाच्या अथवा राज्याच्या खंयच्याय अधिकाऱ्याकडेन अथवा प्राधिकरणाकडेन, त्या त्या प्रकरणाप्रमाण, संघांत अथवा त्या राज्यांत वापरतात त्या भासांमदले खंयचेय भाशेंत अभिवेदन मांडपाक हक्कदार आसतलो.
- ³[350क. मुळाव्या पावंड्यार मायभाशंतल्यान शिक्षणाच्यो सोयी दरेक राज्य आनी राज्यांतलें दरेक थळावें प्राधिकरण भाशीक अल्पसंख्यांक समाजांतल्या भुरग्यांक शिक्षणाच्या मुळाव्या पांवड्यार मायभाशेंतल्यान शिक्षण दिवपाच्यो फावोशो सोयी मेळोवन दिवपाखातीर प्रयत्नशील रावतलें, आनी अशो सोयी मेळोवन दिवप शक्य जावचें हेखातीर राष्ट्रपतीच्यान स्वताक गरजेचे आनी योग्य दिसतीत अशे निदेश दिवं येतात.]
- **350ख. भाशीक अल्पसंख्यांक समाजांखातीर खाशेलो अधिकारी** (1) भाशीक अल्पसंख्यांक समाजांखातीर एक खाशेलो अधिकारी आसतलो आनी राष्ट्रपतीन ताची नेमणूक करपाची.

- (2) It shall be the duty of the Special Officer to investigate all matters relating to the safeguards provided for linguistic minorities under this Constitution and report to the President upon those matters at such intervals as the President may direct, and the President shall cause all such reports to be laid before each House of Parliament, and sent to the Governments of the States concerned.]
- **351.** Directive for development of the Hindi language. It shall be the duty of the Union to promote the spread of the Hindi language, to develop it so that it may serve as a medium of expression for all the elements of the composite culture of India and to secure its enrichment by assimilating without interfering with its genius, the forms, style and expressions used in Hindustani and in the other languages of India specified in the Eighth Schedule, and by drawing, wherever necessary or desirable, for its vocabulary, primarily on Sanskrit and secondarily on other languages.

Notes

- 1. The words "or Rajpramukh" omitted by s. 29 and Sch., ibid.
- 2. Ibid
- 3. Ins. by the Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s. 29 and Sch.

- (2) भाशीक अल्पसंख्यांक समाजांखातीर ह्या संविधानाखाला उपबंधीत केल्ल्या संरक्षक तरतुदींसंबंदींच्या सगल्या गजालींचो सोदतपास करप आनी राष्ट्रपती निर्देशीत करतलो अशा कालांतराकणकणी त्या गजालींसंबंदीं राष्ट्रपतीक अहवाल दिवप हें खाशेल्या अधिकाऱ्याचें कर्तव्य आसतलें, आनी राष्ट्रपती अशे सगले अहवाल संसदेच्या दरेका सभाघरामुखार दवरपाची आनी संबंदीत राज्यांच्या सरकाराकडेन धाडपाची तजवीज करतलो.
- 351. हिंदी भाशेच्या विकासाखातीर निदेशक हिंदी भाशेचो प्रसार वाडोवप, ती भारताचे संमिश्र संस्कृतायेच्या सगल्या घटकावयवांक अभिव्यक्तींचें माध्यम म्हूण उपकरा पडटली अशे रितीन तिचो विकास करप, तिचे प्रकृतीक बाधा हाडीनासतना, हिंदुस्थानी आनी आठवे अनुसुचयेंत विनिर्दीश्ट केल्ल्यो हेर भारतीय भासो हांचेभितर वापरतात तीं रूपां, शैल्यो आनी शब्दप्रयोग आस्पावन घेवन आनी जंय जंय गरजेचें अथवा योग्य आसत थंय थंय तिच्या शब्दसंग्रहाक मुखेलपणान संस्कृत भाशेचो आनी गौणतायेन हेर भाशांचो अवलंब करून तिची समृद्धी साधप हें संघाचें कर्तव्य आसतलें.

टिपो

- 1. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956' अनुभाग 29 आनी अनुसुचयेवरवीं 'अथवा राजप्रमुख' हीं उतरां निरसीत केलीं.
- 2. कित्तो
- 3. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956' अनुभाग 29 वरवीं घालें.

PART - XVIII

EMERGENCY PROVISIONS

352. Proclamation of Emergency. — (1) If the President is satisfied that a grave emergency exists whereby the security of India or of any part of the territory thereof is threatened, whether by war or external aggression or ¹ [armed rebellion], he may, by Proclamation, make a declaration to that effect ² [in respect of the whole of India or of such part of the territory thereof as may be specified in the Proclamation].

³[Explanation. - A Proclamation of Emergency declaring that the security of India or any part of the territory thereof is threatened by war or by external aggression or by armed rebellion may be made before the actual occurrence of war or of any such aggression or rebellion, if the President is satisfied that there is imminent danger thereof.]

- ⁴[(2) A Proclamation issued under clause (1) may be varied or revoked by a subsequent Proclamation.
- (3) The President shall not issue a Proclamation under clause (1) or a Proclamation varying such Proclamation unless the decision of the Union Cabinet (that is to say, the Council consisting of the Prime Minister and other Ministers of Cabinet rank appointed under article 75) that such a Proclamation may be issued has been communicated to him in writing.
- (4) Every Proclamation issued under this article shall be laid before each House of Parliament and shall, except where it is a Proclamation revoking a previous Proclamation, cease to operate at the expiration of one month unless before the expiration of that period it has been approved by resolutions of both Houses of Parliament:

Provided that if any such Proclamation (not being a Proclamation revoking a previous Proclamation) is issued at a time when the House of the People has been dissolved, or the dissolution of the House of the People takes place during the period of one month referred to in this clause, and if a resolution approving the Proclamation has been passed by the Council of States, but no resolution with respect to such Proclamation has been passed by the House of the People before the expiration of that period the Proclamation shall cease to operate at the expiration of thirty days from the date on which the House of the People first sits after its reconstitution, unless before the expiration of the said period of thirty days a resolution approving the Proclamation has been also passed by the House of the People.

(5) A Proclamation so approved shall, unless revoked, cease to operate on the expiration of a period of six months from the date of the passing of the second of the resolutions approving the Proclamation under clause (4):

Provided that if and so often as a resolution approving the continuance in force of such a Proclamation is passed by both Houses of Parliament the Proclamation shall, unless revoked, continue in force for a further period of six months from the date on which it would otherwise have ceased to operate under this clause:

भाग - XVIII आणीबाणी संबंदीं उपबंध

352. आणीबाणीची उद्घोशणा — (1) भारताची अथवा ताच्या राज्यक्षेत्राच्या खंयच्याय भागाची सुरिक्षतताय जाकालागून धोक्यांत आयल्या - मागीर ती झुजाक लागून आसूं, परिकी आगळीकेक लागून आसूं अथवा 1 झ्मशस्त्र बंडाक लागूनट आसूं - अशी गंभीर आणीबाणी अस्तित्वांत आसा अशी राष्ट्रपतीची खात्री जाली जाल्यार, ताच्यान उद्घोशणेवरवीं ²[संपूर्ण भारताच्या अथवा ताच्या राज्यक्षेत्रांमदले उद्घोशणेत विनिर्दीष्ट करतले अशा भागाच्या संबंदांत] अशा आशयाची उद्घोशणा करूं येता.

³[स्मश्टीकरण — झूज, परकी आगळीक अथवा सशस्त्र बंड हांचो निकटवर्ती धोको आसा अशी राष्ट्रपतीची खात्री जाली जाल्यार, भारताची अथवा ताच्या राज्यक्षेत्राच्या खंयच्याय भागाची सुरक्षितताय झुजाक लागून अथवा परकी आगळीकेक लागून अथवा सशस्त्र बंडाकलागून धोक्यांत आयल्या अशें घोशीत करपी आणीबाणीची उद्घोशणा तें झूज अथवा अशी कसलीय परकी आगळीक अथवा बंड प्रत्यक्षांत येवंचे पयलीं करूं येता.]

- 4[(2) उपकलम (1) खाला प्रसृत केल्ली उद्घोशणा उपरांतचे उद्घोशणेवरवीं बदलूं येता अथवा फाटीं घेवं येता.
- (3) उपकलम (1) खालची उद्घोशणा अथवा अशे उद्घोशणेत बदल करपी उद्घोशणा काडची असो संघाच्या मंत्रिमंडळाचो (म्हळ्यारूच, प्रधानमंत्री आनी कलम 75 खाला नेमिल्ले प्रधानमंत्री आनी हेर मंत्रिमंडळ पावंड्याचे मंत्री धरून संघाचें मंत्रिमंडळ घडटा) निर्णय राष्ट्रपतीक लेखी कळयलेबगर, राष्ट्रपती अशी उद्घोशणा प्रसृत करचो ना.
- (4) ह्या कलमाखाला प्रसृत केल्ली दरेक उद्घोशणा संसदेच्या दरेका सभाघरामुखार दवरतले आनी ती उद्घोशणा पयलींचे उद्घोशणेक फाटीं घेवपी आसल्यार तितली गजाल सोडून हेरशीं, एक म्हयनो सोंपनाफुडें ती उद्घोशणा लागू आसपाचें बंद जातलें, मात तितलो काळ सोंपचेपयलीं संसदेच्या दोनाय सभाघरांच्या थारावांवरवीं तिका मान्यताय दिल्ली आसत जाल्यार गजाल वेगळी:

परंतु, जर अशी कसलीय उद्घोशणा (पयलींची उद्घोशणा फाटीं घेवपी उद्घोशणा न्हय) लोकसभा जेन्ना विसर्जीत जाल्ली आसा अशा काळांत प्रसृत जाली, अथवा ह्या उपकलमांत निर्दीष्ट केल्ल्या एका म्हयन्याच्या काळाभितर लोकसभेचें विसर्जन जालें जाल्यार, आनी जर तो कालावधी सोंपचेंपयलीं राज्यसभेन उद्घोशणेक मान्यताय दिवपी थाराव पास केला आसत, पूण लोकसभेन अशे उद्घोशणेसंबंदीं कसलोच थाराव पास केल्लो नासत जाल्यार, लोकसभा तिचे पुनर्घटने उपरांत सगळ्यांत पयलीं जे तारकेक भरतली ते तारकेसावन तीस दीस सोंपनाफुडें ती उद्घोशणा लागू आसपाचें बंद जातलें, मात उक्त तीस दिसांचो कालावधी सोंपचेपयलीं ते लोकसभेनूय ते उद्घोशणेक मान्यताय दिवपी थाराव पास केला आसत जाल्यार गजाल वेगळी.

(5) हेतरेन मान्यताय दिल्ली उद्घोशणा, - ती फाटीं घेतली ना जाल्यार, उपकलम (4) खाला उद्घोशणेक मान्यताय दिवपी थारावांमदलो दुसरो थाराव पास जाल्ल्याचे तारकेसावन स म्हयन्यांचो कालावधी सोंपनाफुडें लागू आसपाचें बंद जातलें:

परंतु, अशे एखादे उद्घोशणेचो अंमल चालू उरपाक मान्यताय दिवपी थाराव संसदेच्या दोनाय सभाघरांनी पास जायत जाल्यार आनी तेन्ना तेन्ना, ती उद्घोशणा - ती फाटीं घेतली ना जाल्यार, - ह्या उपकलमाखाला हेरशीं जे तारकेक लागू आसपाचें बंद जातलें आशिल्लें ते तारकेसावन आनीक स म्हयन्यांच्या कालावधीमेरेन ती अंमलांत आसपाचें चालू उरतलें.

Provided further that if the dissolution of the House of the People takes place during any such period of six months and a resolution approving the continuance in force of such Proclamation has been passed by the Council of States but no resolution with respect to the continuance in force of such Proclamation has been passed by the House of the People during the said period, the Proclamation shall cease to operate at the expiration of thirty days from the date on which the House of the People first sits after its reconstitution unless before the expiration of the said period of thirty days, a resolution approving the continuance in force of the Proclamation has been also passed by the House of the People.

- (6) For the purposes of clauses (4) and (5), a resolution may be passed by either House of Parliament only by a majority of the total membership of that House and by a majority of not less than two-thirds of the Members of that House present and voting.
- (7) Notwithstanding anything contained in the foregoing clauses, the President shall revoke a Proclamation issued under clause (1) or a Proclamation varying such Proclamation if the House of the People passes a resolution disapproving, or, as the case may be, disapproving the continuance in force of, such Proclamation.
- (8) Where a notice in writing signed by not less than one-tenth of the total number of members of the House of the People has been given, of their intention to move a resolution for disapproving, or, as the case may be, for disapproving the continuance in force of, a Proclamation issued under clause (1) or a Proclamation varying such Proclamation, -
 - (a) To the Speaker, if the House is in session; or
 - (b) To the President, if the House is not in session,

A special sitting of the House shall be held within fourteen days from the date on which such notice is received by the Speaker, or, as the case may be, by the President, for the purpose of considering such resolution.]

⁵[6] The power conferred on the President by this article shall include the power to issue different Proclamations on different grounds, being war or external aggression or ⁷[armed rebellion] or imminent danger of war or external aggression or ⁷[armed rebellion], whether or not there is a Proclamation already issued by the President under clause (1) and such Proclamation is in operation.

8* * *

- **353.** Effect of Proclamation of Emergency. While a Proclamation of Emergency is in operation, then-
 - (a) Notwithstanding anything in this Constitution, the executive power of the Union shall extend to the giving of directions to any State as to the manner in which the executive power thereof is to be exercised;
 - (b) The power of Parliament to make laws with respect to any matter shall include power to make laws conferring powers and imposing duties, or authorising the conferring of powers and the imposition of duties, upon the Union or officers and authorities of the Union as respects that matter, notwithstanding that it is one which is not enumerated in the Union List:
- ⁹[Provided that where a Proclamation of Emergency is in operation only in any part of the territory of India, -
 - (i) The executive power of the Union to give directions under clause (a), and
 - (ii) The power of Parliament to make laws under clause (b),

परंतु, आनीक अशें की, जर अशा खंयच्याय स म्हयन्यांच्या कालावधींत लोकसभेचें विसर्जन जालें आनी उक्त कालावधींत राज्यसभेन अशे उद्घोशणेचो अंमल चालू उरपाक मान्यताय दिवपी थाराव पास केल्लो नासत जाल्यार, लोकसभा तिचे पुनर्घटने उपरांत पयलेच फावट जे तारकेक भरतली त्या दिसासावन तीस दीस सोंपनाफुडें ती उद्घोशणा लागू आसपाचें बंद जातलें मात उक्त तीस दिसांचो कालावधी सोंपचेपयलीं ते लोकसभेनूय ते उद्घोशणेचो अंमल चालू उरपाक मान्यताय दिवपी थाराव पास केल्लो आसल्यार गजाल वेगळी.

- (6) उपकलम (4) आनी (5) हाच्या प्रयोजनाखातीर, एखादो थाराव संसदेच्या खंयच्याय सभाघराच्यान फकत त्या सभाघराचे एकंदर वांगडी संख्येच्या भोवमतान आनी त्या सभाघरांतल्या हाजीर आशिल्ल्या आनी मतदान करपी वांगड्यांमदले उण्याच त्या दोन-तृतीयांश वांगड्यांच्या भोवमतान पास करूं येता.
- (7) पूर्वगामी उपकलमांच्या उपबंधांनी किदेंय आसलें तरी, उपकलम (1) खाला प्रसृत केल्ली उद्घोशणा अथवा अशे उद्घोशणेत बदल करपी उद्घोशणा अमान्य करपी, अथवा त्या त्या प्रकरणाप्रमाण, ते उद्घोशणेचो अंमल चालू दवरप अमान्य करपी थाराव लोकसभेन पास केलो जाल्यार, राष्ट्रपती अशी उद्घोशणा फाटीं घेतलो.
- (8) उपकलम (1) खाला प्रसृत केल्ली उद्घोशणा अथवा अशे उद्घोशणेंत बदल करपी उद्घोशणा अमान्य करपी, अथवा त्या त्या प्रकरणाप्रमाण ते उद्घोशणेचो अंमल चालू दवरप अमान्य करपी थाराव मांडपाचो आपणालो उद्देश आसा अशी लोकसभेच्या एकंदर वांगड्यांमदल्या उण्याच त्या एक-दशांश इतल्या वांगड्यांनी स्वाक्षरित केल्ली नोटीस
 - (क) सभाघर सत्रासीन आसत जाल्यार, अध्यक्षांक; अथवा
 - (ख) सभाघर सत्रासीन नासत जाल्यार, राष्ट्रपतीक दिल्या आसत तेसंबंदांत, अशी नोटीस अध्यक्षाक अथवा त्या त्या प्रकरणाप्रमाण राष्ट्रपतीक मेळिल्ल्याचे तारकेसावन चौदा दिसांभितर, थारावाचेर विचार करपाखातीर सभाघराची खाशेली बसका आपयतले.
- ⁵[6](9) ह्या कलमावरवीं राष्ट्रपतीक प्रदान केल्ल्या अधिकारांमदीं, झूज अथवा परकी आगळीक अथवा ⁷[सशस्त्र बंडाचें] निकटवर्ती अरीश्ट अशा वेगळ्यावेगळ्या कारणांवेल्यान वेगळ्योवेगळ्यो उद्घोशणा प्रसृत करपाच्या अधिकाराचो आस्पाव जातलो मागीर उपकलम (1) वरवीं राष्ट्रपतीन अशी उद्घोशणा पयलींच प्रसृत केल्ली आसूं अथवा नासूं आनी अशी उद्घोशणा लागू आसूं अथवा नासूं.

* * *

353. आणीबाणीचे उद्घोशणेचो परिणाम — जेन्ना आणीबाणीची उद्घोशणा लागू आसतली तेन्ना -

- (क) ह्या संविधानांत किदेंय आसलें तरी, खंयच्याय राज्याक ताणे आपणाल्या शासनाधिकाराचो वापर कशे रितीन करचो ते विशीं निदेश दिवप हें संघाच्या शासनाधिकाराचे व्याप्तेंत येतलें;
- (ख) कसलेय गजालीसंबंदीं कायदो करपाच्या संसदेच्या अधिकाराक, ती गजाल संघ वळेरेंत नमूद केल्ली नासली तरीय, तिचेसंबंदीं संघ अथवा संघाचे अधिकारी आनी प्राधिकरणां हांकां अधिकार प्रदान करपी आनी तांकां कर्तव्यां नेमून दिवपी अथवा अधिकार प्रदान करप आनी कर्तव्यां नेमून दिवप हें प्राधिकृत करपी कायदे लागू करपाचो अधिकार आस्पावीत आसतलो :

⁹[परंतु, जेन्ना आणीबाणीची उद्घोशणा भारताच्या राज्यक्षेत्राच्या फकत एखाद्याच भागांत लागू आसतली तेन्ना, —

- (i) संघाचो उपकलम (क) खाला निदेश दिवपाचो शासनाधिकार, आनी
- (ii) संसदेचो उपकलम (ख) खाला कायदे करपाचो अधिकार,

Shall also extend to any State other than a State in which or in any part of which the Proclamation of Emergency is in operation if and in so far as the security of India or any part of the territory thereof is threatened by activities in or in relation to the part of the territory of India in which the Proclamation of Emergency is in operation.]

- 354. Application of provisions relating to distribution of revenues while a Proclamation of Emergency is in operation. (1) The President may, while a Proclamation of Emergency is in operation, by order direct that all or any of the provisions of articles 268 to 279 shall for such period, not extending in any case beyond the expiration of the financial year in which such Proclamation ceases to operate, as may be specified in the order, have effect subject to such exceptions or modifications as he thinks fit.
 - (2) Every order made under clause (1) shall, as soon as may be after it is made, be laid before each House of Parliament.
- 355. Duty of the Union to protect States against external aggression and internal disturbance. It shall be the duty of the Union to protect every State against external aggression and internal disturbance and to ensure that the government of every State is carried on in accordance with the provisions of this Constitution.
- **356.** Provisions in case of failure of constitutional machinery in States. (1) If the President, on receipt of a report from the Governor ¹⁰* * * of a State or otherwise, is satisfied that a situation has arisen in which the Government of the State cannot be carried on in accordance with the provisions of this Constitution, the President may by Proclamation—
 - (a) Assume to himself all or any of the functions of the Government of the State and all or any of the powers vested in or exercisable by the Governor ¹¹* * * or any body or authority in the State other than the Legislature of the State;
 - (b) Declare that the powers of the Legislature of the State shall be exercisable by or under the authority of Parliament;
 - (c) Make such incidental and consequential provisions as appear to the President to be necessary or desirable for giving effect to the objects of the Proclamation, including provisions for suspending in whole or in part the operation of any provisions of this Constitution relating to any body or authority in the State:

Provided that nothing in this clause shall authorise the President to assume to himself any of the powers vested in or exercisable by a High Court, or to suspend in whole or in part the operation of any provision of this Constitution relating to High Courts.

(2) Any such Proclamation may be revoked or varied by a subsequent Proclamation.

भारताच्या राज्यक्षेत्रांतल्या ज्या भागांत आणीबाणीची उद्घोशणा लागू आसत थंयची अथवा ताचे सबंदांतले हालचालींक लागून भारताची अथवा ताच्या राज्यक्षेत्राच्या खंयच्याय भागाची सुरक्षितताय धोक्यांत आयिल्ली आसत जाल्यार तितले मर्यादेमेरेन, ज्या राज्यांत अथवा ताच्या खंयच्याय भागांत आणीबाणीची उद्घोशणा लागू आसत ताचेपरस हेर खंयच्याय राज्यांत लेगीत विस्तारीत जातली.]

- **354. महसुलांच्या वितरणासंबंदींचे उपबंध हे आणाबाणीची उद्घोशणा लागू आसतनाय चालू उरप** (1) आणीबाणीची उद्घोशणा लागू आसता तेन्ना राष्ट्रपतीच्यान आदेशावरवीं, कलम 268 ते 279 हांचे सगले अथवा तांचेभितरले खंयचेय उपबंध ताका योग्य दिसतीत अशा आडवादांसयत अथवा फेरफारांसयत, आदेशांत विनिर्दीष्ट करतले अशा कालावधीमेरेन परिणामक जातले अशें निदेशीत करूं येता, मात किदेंय जालें तरी ज्या अर्थीक वर्सांत अशी उद्घोशणा लागू आसपाचें थांबतलें त्या वर्सांचे सामप्तेपेल्यान तो कालावधी लांबचों ना.
- (2) उपकलम (1) खाला केल्लो दरेक आदेश, तो केले उपरांत, जाता तितले बेगीन, संसदेच्या दरेका सभाघरामुखार दवरतले.
- **355. परकी आगळीक आनी अंतर्गत अशांतताय हांचेपसून राज्याची राखण करप हे संघाचें कर्तव्य** परकी आगळीक आनी अंतर्गत अशांतताय, हांचेपसून दरेका राज्याची राखण करप आनी दरेका राज्याचें सरकार ह्या संविधानाच्या उपबंधाप्रमाण चलयतले हाची निश्चिती करप हे संघाचें कर्तव्य आसतलें.
- **356. राज्यांतली संविधानीक यंत्रणा बंद पडल्यार तेसंबंदांत उपबंध** (1) जर एखाद्या राज्याचें सरकार ह्या संविधानाच्या उपबंधाप्रमाण चलोवप शक्य ना अशी परिस्थिती उप्राशिल्ली आसा हेसंबंदीं, त्या राज्याच्या राज्यपालाकडल्यान ¹⁰* * * अहवाल मेळिल्ल्यान अथवा हेर तरेन राष्ट्रपतीची खात्री जाली जाल्यार, राष्ट्रपतीच्यान उदघोशणेवरवीं
 - (क) त्या राज्य सरकाराचीं सगलीं अथवा ताचेभितरलीं कसलींय कार्यां आनी राज्यपाल ¹¹*** अथवा राज्यांतल्या राज्य विधानमंडळापरस हेर वेगळे निकाय अथवा प्राधिकरण हांचे ठांय निहीत आशिल्ले अथवा ताच्यान वापरूं येतात अशे आनुशंगीक आनी परिणामी अधिकार आपणाकडेन घेवं येतात;
 - (ख) त्या राज्याच्या विधानमंडळाचे अधिकार संसदेकडल्यान अथवा तिच्या प्राधिकारणावरवीं वापरतले अशें घोशीत करूं येता:
 - (ग) त्या राज्यांतली खंयचीय निकाय अथवा खंयचेंय प्राधिकरण हाचेकडेन संबंदीत आशिल्ल्या, ह्या संविधानाच्या खंयच्याय उपबंधांचे प्रवर्तन पुरायेन अथवा अंशतायेन निलंबीत करपी उपबंध धरून, उद्घोशणेचीं उद्दीश्टां अंमलांत हाडपाखातीर राष्ट्रपतीच्यान गरजेचे अथवा योग्य दिसतीत अशे आनुशंगीक आनी परिणामी उपबंध करूं येतातः

परंतु, उच्च न्यायालयाचे ठांय विहीत आशिल्ल्या अथवा ताच्यान वापरंत येतात अशा अधिकारांभितरलें खंयचेच अधिकार स्वताकडेन घेवपाक अथवा उच्च न्यायांलयांकडेन संबंदीत आशिल्ल्या, ह्या संविधानांतल्या खंयच्याच उपबंधाचे प्रवर्तन पुरायेन अथवा अंशतायेन निलंबीत करपाक ह्या उपकलमांतले खंयचेच गजालीकलागून राष्ट्रपती प्राधिकृत जावंचो ना.

(2) अशी कसलीय उद्घोशणा, उपरांतचे उद्घोशणवरवीं फाटीं घेवं येता अथवा बदलूं येता.

(3) Every Proclamation under this article shall be laid before each House of Parliament and shall, except where it is a Proclamation revoking a previous Proclamation, cease to operate at the expiration of two months unless before the expiration of that period it has been approved by resolutions of both Houses of Parliament:

Provided that if any such Proclamation (not being a Proclamation revoking a previous Proclamation) is issued at a time when the House of the People is dissolved or the dissolution of the House of the People takes place during the period of two months referred to in this clause, and if a resolution approving the Proclamation has been passed by the Council of States, but no resolution with respect to such Proclamation has been passed by the House of the People before the expiration of that period, the Proclamation shall cease to operate at the expiration of thirty days from the date on which the House of the People first sits after its reconstitution unless before the expiration of the said period of thirty days a resolution approving the Proclamation has been also passed by the House of the People.

(4) A Proclamation so approved shall, unless revoked, cease to operate on the expiration of a period of ¹²[six months from the date of issue of the Proclamation]:

Provided that if and so often as a resolution approving the continuance in force of such a Proclamation is passed by both Houses of Parliament, the Proclamation shall, unless revoked, continue in force for a further period of ¹³[six months] from the date on which under this clause it would otherwise have ceased to operate, but no such Proclamation shall in any case remain in force for more than three years:

Provided further that if the dissolution of the House of the People takes place during any such period of ¹³[six months] and a resolution approving the continuance in force of such Proclamation has been passed by the Council of States, but no resolution with respect to the continuance in force of such Proclamation has been passed by the House of the People during the said period, the Proclamation shall cease to operate at the expiration of thirty days from the date on which the House of the People first sits after its reconstitution unless before the expiration of the said period of thirty days a resolution approving the continuance in force of the Proclamation has been also passed by the House of the People:

- ¹⁴[(5) Notwithstanding anything contained in clause (4), a resolution with respect to the continuance in force of a Proclamation approved under clause (3) for any period beyond the expiration of one year from the date of issue of such Proclamation shall not be passed by either House of Parliament unless-
 - (a) A Proclamation of Emergency is in operation, in the whole of India or, as the case may be, in the whole or any part of the State, at the time of the passing of such resolution, and
 - ¹⁵[Provided in the case of Punjab, taking into account the proclamation made on 6th October, 1983 subject to clause (1), in this clause the words 'any period after the expiry of one year' shall be construed as 'any period after the expiry of two year period'.]
 - (b) The Election Commission certifies that the continuance in force of the Proclamation approved under clause (3) during the period specified in such resolution is necessary on account of difficulties in holding general elections to the Legislative Assembly of the State concerned:]

(3) ह्या कलमाखालची दरेक उद्घोशणा संसदेच्या दरेका सभाघरामुखार दवरतले आनी ती उद्घोशणा पयलींचे उद्घोशणेक फाटीं घेवपी उद्घोशणा आसल्यार तितली गजाल सोडून हेरशीं, दोन म्हयने सोपनाफुडेंच ती उद्घोशणा लागू आसपाचें बंद जातलें, मात तो कालावधी सोपचेपयलीं संसदेच्या दोनाय सभाघरांच्या थारावावरवीं तिका मान्यताय दिल्ली आसत जाल्यार गजाल वेगळी.

परंत, जर अशी कसलीय उद्घोशणा (पयलींची उद्घोशणा फाटीं घेवपी उद्घोशणा न्हय) लोकसभा जेन्ना विसर्जीत जाल्ली आसा अशा काळांत प्रसृत जाली अथवा ह्या उपकलमांत निर्दीष्ट केल्ल्या दोन म्हयन्यांच्या कालावधींत लोकसभेचें विसर्जन जालें जाल्यार, आनी जर तो कालावधी सोंपचेपयलीं राज्यसभेन उद्घोशणेक मान्यताय दिवपी थाराव पास केला आसत, पूण लोकसभेन अशे उद्घोशणेसंबंदीं कसलोच थाराव पास केल्लो नासत जाल्यार, लोकसभा तिचे पुनर्घटने उपरांत पयलींच जे तारकेक भरतली ते तारकेसावन तीस दीस सोंपनाफुडेंच ती उद्घोशणा लागू आसपाचें बंद जातलें, मात उक्त तीस दिसांचो कालावधी सोंपचेपयलीं ते लोकसभेनूय ते उद्घोशणेक मान्यताय दिवपी थाराव पास केला आसत जाल्यार गजाल वेगळी.

(4) हेप्रमाण मान्यताय दिल्ली उद्घोशणा, ती फाटीं घेतलीना जाल्यार, ¹²[अशी उद्घोशणा प्रसृत जाल्ल्याचे तारकेसावन [स म्हयन्यांचो] कालावधी सोंपनाफुडेंच लागू आसपाचें बंद जातलें :

परंतु, अशे एखादे उद्घोशणेचो अंमल चालू उरपाक मान्यताय दिवपी थाराव संसदेच्या दोनाय सभाघरांकडल्यान पास जायत जाल्यार आनी तेन्ना तेन्ना तो उद्घोशणा, - ती फाटी घेतली ना जाल्यार, - ह्या उपकलमाखाला हेरशीं जे तारकेक लागू जावपाचे बंद जावपाचे ते तारकेसावन आनीक ¹³[सं म्हयन्यांच्या] कालावधीमेरेन ती अंमलात आसपाचे चालू उरतलें, पूण कसलीच उद्घोशणा किदेंय जालें तरी तीन वर्सांपरंस चंड काळ अंमलांत उरची नाः परंतु, आनीक अशें की, जर अशा खंयच्याय ¹³[सं म्हयन्यांच्या] कालावधींत राज्यसभेचें विसर्जन जालें आनी उक्त कालावधींत राज्यसभेन अशे उद्घोशणेचो अंमल चालू उरपाक मान्यताय दिवपी थाराव पास केला आसत, पूण लोकसभेन अशे उद्घोशणेचो अंमल चालू उरपासंबदीं कसलोच थाराव पास केल्लो नासत जाल्यार, लोकसभा तिचे पुनर्घटनेउपरांत, पयले फावट जे तारकेक भरतली ते तारकेसावन तीस दीस सींपनाफुडेंच ती उद्घोशणा लागू आसपाचें बंद जातलें, मात उक्त तीस दिसांचो कालावधी सोंपचेपयलीं ते लोकसभेनूय ते उद्घोशणेचो अंमल चालू उरपाक मान्यताय दिवपी थाराव पास केला आसत जाल्यार गजाल वेगळी.

- ¹⁴[(5) उपकलम (4) हातूंत किदेंय आसलें तरी, उपकलम (3) खाला मान्यताय दिल्ले उद्घोशणेचो अंमल, अंशी उद्घोशणा प्रसृत केल्ल्याचे तारकेसावन एक वर्स उलगले उपरांतच्या कालावधींत चालू दवरपासंबंदींचो थाराव पास करपाची आसल्यार, —
- (क) असो थाराव पास करपाच्या वेळार पुराय भारतांत अथवा, त्या त्या प्रकरणाप्रमाण, पुराय राज्यांत अथवा ताच्या खंयच्याय भागांत आणीबाणीची उद्घोशणा लागू आसा, आनी

15[परंतु, पंजाब राज्यासंबंधीं, 6 ऑक्टोबर 1983 दिसा उपकलम (1) चे अधीनतायेन लागू केल्ली उद्घोशणा मतींत घेवन, ह्या उपकलमांत 'एक वर्स सोंपलेंउपरांतचो खंयचोय कालावधीं हाचो अर्थ 'दोन वर्सांचे समाप्तेउपरांतचो खंयचोय काळ' ह्या निर्देशाच्या रूपान लायतले.]

(ख) संबंदीत राज्याच्यो विधानसभेच्यो वेंचणुको घेवपांतल्या अडचणींक लागून, उपकलम (3) खाला मान्यताय दिल्ले उद्घोशणेचो अंमल अशा थारावांत विनिर्दीष्ट केल्ल्या कालावधींत चालू दवरप गरजेचें आसा अशें वेंचणूक आयोगान प्रमाणीत केलां.

अशें जालेबगर संसदेच्या खंयच्याच सभाघराक असो थाराव पास करूंक मेळचोना]

- 357. Exercise of legislative powers under Proclamation issued under article 356.— (1) Where by a Proclamation issued under clause (1) of article 356, it has been declared that the powers of the Legislature of the State shall be exercisable by or under the authority of Parliament, it shall be competent-
 - (a) For Parliament to confer on the President the power of the Legislature of the State to make laws, and to authorise the President to delegate, subject to such conditions as he may think fit to impose, the power so conferred to any other authority to be specified by him in that behalf;
 - (b) For Parliament, or for the President or other authority in whom such power to make laws is vested under sub-clause (a), to make laws conferring powers and imposing duties, or authorising the conferring of powers and the imposition of duties, upon the Union or officers and authorities thereof;
 - (c) For the President to authorise when the House of the People is not in session expenditure from the Consolidated Fund of the State pending the sanction of such expenditure by Parliament.
- ¹⁶[(2) Any law made in exercise of the power of the Legislature of the State by Parliament or the President or other authority referred to in sub-clause (a) of clause (1) which Parliament or the President or such other authority would not, but for the issue of a Proclamation under article 356, have been competent to make shall, after the Proclamation has ceased to operate, continue in force until altered or repealed or amended by a competent Legislature or other authority.]
- 358. Suspension of provisions of article 19 during emergencies. ¹⁷[(1)] ¹⁸[While a Proclamation of Emergency declaring that the security of India or any part of the territory thereof is threatened by war or by external aggression is in operation], nothing in article 19 shall restrict the power of the State as defined in Part III to make any law or to take any executive action which the State would but for the provisions contained in that Part be competent to make or to take, but any law so made shall, to the extent of the incompetency, cease to have effect as soon as the Proclamation ceases to operate, except as respects things done or omitted to be done before the law so ceases to have effect:

¹⁹[Provided that ²⁰[where such Proclamation of Emergency] is in operation only in any part of the territory of India, any such law may be made, or any such executive action may be taken, under this article in relation to or in any State or Union territory in which or in any part of which the Proclamation of Emergency is not in operation, if and in so far as the security of India or any part of the territory thereof is threatened by activities in or in relation to the part of the territory of India in which the Proclamation of Emergency is in operation.]

²¹[(2) Nothing in clause (1) shall apply—

- **357. कलम 356 खाला प्रसृत जाल्ले उद्घोशणेखाला वैधानीक अधिकारांचो वापर** (1) कलम 356 च्या उपकलम (1) खाला प्रसृत केल्ले उद्घोशणेवरवीं, राज्याच्या विधानमंडळाचे अधिकार संसदेकडल्यान अथवा तिच्या प्राधिकारावरवीं वापरतले अशें घोशीत केल्लें आसत जाल्यार तेसंबंदांत,—
 - (क) संसदेन राज्य विधानमंडळाचो कायदे करपाचो अधिकार राष्ट्रपतीक प्रदान करप आनी अशे तरेन प्रदान केल्लो अधिकार, ज्यो अटीं घालप राष्ट्रपतीक योग्य दिसत अशा अटींचे अधीनतायेन, ताणें तेसंबंदांत विनिर्दीष्ट करपाच्या हेर कसल्याय प्राधिकरणाकडेन प्रत्यायोजीत करपाक ताका प्राधिकृत करप;
 - (ख) संसदेन अथवा राष्ट्रपतीन अथवा उप-उपकलम (क) खाला अशे कायदे करपाचो अधिकार जाचे ठांय विहीत केला अशा हेर प्राधिकरणान संघाक अथवा ताच्या अधिकाऱ्यांक अथवा प्राधिकरणांक अधिकार प्रदान करपी आनी तांकां कर्तव्यां नेमून दिवपी अथवा अधिकार प्रदान करपाक अथवा कर्तव्यां नेमून दिवपाक प्राधिकृत करपी कायदे करप;
 - (ग) लोकसभा संत्रासीन नासत तेन्ना राज्याच्या एकवटीत निधींतल्यान खर्च करपाक संसदेकडल्यान अशा खर्चाक मंजुरी मेळसर राष्ट्रपतीन प्राधिकार दिवप,
- ¹⁶[(2) संसदेन अथवा राष्ट्रपतीन अथवा उपकलम (1) च्या उप-उपकलम (क) खाला निर्देशिल्ल्या हेर प्राधिकरणान राज्य विधानमंडळाच्या अधिकाराचो वापर करून केल्लो जो कायदो करपाक संसद, राष्ट्रपती अथवा अशें हेर प्राधिकरण कलम 356 खाला उद्घोशणा प्रसृत जावंक नाशिल्लीं जाल्यार हेरशीं सक्षम जावंचीं नाशिल्लीं असो कसलोय कायदो हो, ती उद्घोशणा चालू आसपाचें बंद जालेउपरांत, एखादें सक्षम विधानमंडळ अथवा हेर प्राधिकरण हांचेकडल्यान तातूंत बदल जायसर अथवा तो रद्द जायसर अंमलांत आसपाचें चालू उरतलें.
- 358. कलम 19च्या उपबंधांचें आणीबाणीच्या वेळार निलंबन ¹⁷[(1)] ¹⁸[भारताची अथवा ताच्या राज्यक्षेत्राच्या खंयच्याय भागाची सुरक्षितताय झुजाक लागून अथवा परकी आगळिकेक लागून धोक्यांत आयल्या अशें घोशीत करपी आणीबाणीची उद्घोशणा लागू आसा त्या काळांत] कलम 19 खाला तातूंतले खंयचेच गजालीक लागून, भाग-III हातूंत व्याख्या केल्लें अशें 'राज्य' हें त्या भागांत आस्पावीत आशिल्ले उपबंध नाशिल्ले जाल्यार हेरशीं जो कायदो अथवा शासकीय कारवाय करपाक सक्षम जावपाचें असो कसलोय कायदो अथवा अशी कसलीय शासकीय कारवाय करपाच्या अधिकाराचेर निर्वंध पडचो ना, पूण हेप्रमाण केल्लो कसलोय कायदो ती उद्घोशणा लागू आसपाचें बंद जायनाफुडें अक्षमतेचे व्याप्तेमेरेन निश्परिणामक जातलें, मात तो कायदो हेप्रमाण निश्परिणामक जावंचेपयलीं केल्ल्यो अथवा करपाच्यो सोडिल्ल्यो गजाली हाका आडवाद आसतल्यो.
- ¹⁹[परंतु, ²⁰[जेन्ना अशी आणीबाणीची उद्घोशणा] भारताच्या राज्यक्षेत्रांच्या फकत एखाद्याच भागांत लागू आसतली तेन्ना, भारताच्या राज्यक्षेत्राच्या ज्या भागांत आणीबाणीची उद्घोशणा लागू आसतली थंयच्या अथवा ताचे संबंदांतल्या हालचालीक लागून भारताची अथवा ताच्या राज्यक्षेत्राच्या खंयच्याय भागांची सुरक्षितताय धोक्यांत आयल्या आसत जाल्यार तितले मर्यादेमेरेन, जातूंत अथवा जाच्या खंयच्याय भागांत, आणीबाणीची उद्घोशणा लागू नासत अशें खंयचेंय राज्य अथवा संघ राज्यक्षेत्र हांच्या संबंदांत अथवा थंय ह्या कलमाखाला असो कसलोय कायदो करूं येता अथवा अशी कसलीय शासकीय कारवाय करूं येता.]

²¹[(2) उपकलम (1) हातूंतली खंयचीय गजाल, —

- (a) To any law which does not contain a recital to the effect that such law is in relation to the Proclamation of Emergency in operation when it is made; or
 - (b) To any executive action taken otherwise than under a law containing such a recital.]

359. Suspension of the enforcement of the rights conferred by Part III during emergencies.

— (1) Where a Proclamation of Emergency is in operation, the President may by order delcare that the right to move any court for the enforcement of such of ²²[the rights conferred by Part III (except articles 20 and 21)] as may be mentioned in the order and all proceedings pending in any court for the enforcement of the rights so mentioned shall remain suspended for the period during which the Proclamation is in force or for such shorter period as may be specified in the order.

²³[(1A) While an order made under clause (1) mentioning any of ¹[of the rights conferred by Part III (except articles 20 and 21)] is in operation, nothing in that Part conferring those rights shall restrict the power of the State as defined in the said Part to make any law or to take any executive action which the State would but for the provisions contained in that Part be competent to make or to take, but any law so made shall, to the extent of the incompetency, cease to have effect as soon as the order aforesaid ceases to operate, except as respects things done or omitted to be done before the law so ceases to have effect:]

²⁴[Provided that where a Proclamation of Emergency is in operation only in any part of the territory of India, any such law may be made, or any such executive action may be taken, under this article in relation to or in any State or Union territory in which or in any part of which the Proclamation of Emergency is not in operation, if and in so far as the security of India or any part of the territory thereof is threatened by activities in or in relation to the part of the territory of India in which the Proclamation of Emergency is in operation.]

- [(1B) Nothing in clause (1A) shall apply— Since a property of the property of
 - (a) To any law which does not contain a recital to the effect that such law is in relation to the Proclamation of Emergency in operation when it is made; or
 - (b) To any executive action taken otherwise than under a law containing such a recital.]
 - (2) An order made as aforesaid may extend to the whole or any part of the territory of India:

²⁶[Provided that where a Proclamation of Emergency is in operation only in a part of the territory of India, any such order shall not extend to any other part of the territory of India unless the President, being satisfied that the security of India or any part of the territory thereof is threatened by activities in

- (क) ज्या खंयच्याय कायद्यांत, तो केलो तेवेळार लागू आशिल्ले आणीबाणीचे उद्घोशणेसंबंधींचो तो कायदो आसा अशा अर्थाचें कथन आस्पावीत नासत त्या कायद्याक अथवा
- (ख) अशें कथन आस्पावीत आशिल्ल्या कायद्याखाला न्हय तर हेरतरेन केल्ले शासकीय कारवायेक, लागू आसचेंना.]
- 359. भाग-III वरवीं प्रदान केल्ल्या अधिकारांच्या वापराचें आणीबाणी वेळार निलंबन (1) आणीबाणीची उद्घोशणा लागू आसत तेसंबंदांत राष्ट्रपतीच्यान आदेशावरवीं, ²²[भाग-III, (कलम 20 आनी 21 सोडून) हेवरवीं प्रदान केल्ल्यांमदले त्या आदेशांत जे उल्लेखिल्ले आसतीत अशा अधिकारांच्या वापराखातीर खंयच्याय न्यायालयाक अर्जविनंती करपाचो अधिकार आनी हेप्रमाण उल्लेखिल्ल्या अधिकारांच्या वापराखातीर खंयच्याय न्यायालयांत प्रलंबीत आशिल्ल्यो सगल्यो कार्यवाह्यो, ती उद्घोशणा अंमलांत आसत त्या कालावधींत अथवा आदेशांत उल्लेख जायत अशा ताचेपरस थोड्या कालावधींत निलंबीत उरतल्यो अशें घोशीत करूं येता.
- ²³[(1क) जेन्ना ²²[भाग-III (कलम 20 आनी 21 सोडून) हाचेवरवीं प्रदान केल्ल्यांमदल्या] खंयच्याय अधिकाराचो उल्लेख करपी उपकलम (1) वरवीं केल्लो आदेश लागू आसत तेन्ना, ते अधिकार प्रदान करपी त्या भागांतले खंयचेय गजालीक लागून, उक्त भागांत व्याख्या केल्लें अशें 'राज्य' हें त्या भागांत आस्पावीत आशिल्ले उपबंध नाशिल्ले जाल्यार हेरशीं जो कायदो अथवा शासकीय कारवाय करपाक सक्षम जावपाचें असो कसलोय कायदो अथवा अशी कसलीय शासकीय कारवाय करपाच्या राज्याच्या अधिकाराचेर निर्बंध पडचोना पूण हेप्रमाण केल्लो कसलोय कायदो पूर्वोक्त आदेश लागू आसपाचें बंद जायनाफुडें अक्षमतेचे व्याप्तेमेरेन निश्परिणामक जातलो, मात तो कायदो हेप्रमाण निश्परिणामक जावंचेपयलीं केल्ल्यो अथवा करपाच्यो सोडिल्ल्यो गजाली हाका आडवाद आसतल्यो :]

²⁴[परंतु, जेन्ना आणीबाणीची उद्घोशणा भारताच्या राज्यक्षेत्राच्या फकत एखाद्याच भागांत लागू आसतली तेन्ना, भारताच्या राज्यक्षेत्राच्या ज्या भागांत आणीबाणीची उद्घोशणा लागू आसत हांचें संबंदांतल्या अथवा त्या भागांतल्या हालचालींक लागून भारताची अथवा ताच्या राज्यक्षेत्राच्या खंयच्याय भागांची सुरक्षितताय धोक्यांत आयल्या आसत जाल्यार आनी तितलेच मर्यादेमेरेन, जातूंत अथवा जाच्या खंयच्याय भागांत आणीबाणीची उद्घोषणा लागू नासत अशें खंयचेंय राज्य अथवा संघ राज्यक्षेत्र हांचेसंबंदांत अथवा थंय ह्या कलमाखाला असो कसलोय कायदो करूंक मेळटलो आनी अशी कसलीय शासकीय कारवाय करूं येता.]

- 25[(1ख) उपकलम (1क) हातूंतली खंयचीय गजाल, —
- (क) ज्या खंयच्याय कायद्यांत, तो केलो त्यावेळार लागू आशिल्ले आणीबाणीचे उद्घोशणेसंबंदींचो तो कायदो आसा अशा अर्थाचें कथन आस्पावीत नासत त्या कायद्याक; अथवा
- (ख) अशें कथन आस्पावीत आशिल्ल्या कायद्याखाला न्हय तर हेर तरेन केल्ले कसलेय शासकीय कारवायेक, लागू आसचो ना.]
- (2) पूर्वोक्तप्रमाण केल्ल्या आदेशाची व्याप्ती भारताच्या पुराय राज्यक्षेत्रात अथवा ताच्या खंयच्याय भागांत आसूं येताः

²⁶[परंतु, जेन्ना आणीबाणीची उद्घोशणा भारताच्या राज्यक्षेत्राच्या फकत एखाद्याच भागांत लागू आसत तेन्ना, भारताच्या राज्यक्षेत्राच्या ज्या भागांत आणीबाणीची उद्घोशणा लागू आसत थॅयच्या अथवा तेसंबंदांतल्या हालचालींक लागून भारताची अथवा ताच्या राज्यक्षेत्राच्या खंयच्याय भागाची सुरक्षितताय धोक्यांत आयल्या अशी राष्ट्रपतीची or in relation to the part of the territory of India in which the Proclamation of Emergency is in operation, considers such extension to be necessary.]

- (3) Every order made under clause (1) shall, as soon as may be after it is made, be laid before each House of Parliament.
- **360.** Provisions as to financial emergency. (1) If the President is satisfied that a situation has arisen whereby the financial stability or credit of India or of any part of the territory thereof is threatened, he may by a Proclamation make a declaration to that effect.
 - ²⁷[(2) A Proclamation issued under clause (1)-
 - (a) May be revoked or varied by a subsequent Proclamation;
 - (b) Shall be laid before each House of Parliament;
 - (c) Shall cease to operate at the expiration of two months, unless before the expiration of that period it has been approved by resolutions of both Houses of Parliament:

Provided that if any such Proclamation is issued at a time when the House of the People has been dissolved or the dissolution of the House of the People takes place during the period of two months referred to in sub-clause (c), and if a resolution approving the Proclamation has been passed by the Council of States, but no resolution with respect to such Proclamation has been passed by the House of the People before the expiration of that period, the Proclamation shall cease to operate at the expiration of thirty days from the date on which the House of the People first sits after its reconstitution unless before the expiration of the said period of thirty days a resolution approving the Proclamation has been also passed by the House of the People.]

- (3) During the period any such Proclamation as is mentioned in clause (1) is in operation, the executive authority of the Union shall extend to the giving of directions to any State to observe such canons of financial propriety as may be specified in the directions, and to the giving of such other directions as the President may deem necessary and adequate for the purpose.
 - (4) Notwithstanding anything in this Constitution-
 - (a) Any such direction may include-
 - (i) A provision requiring the reduction of salaries and allowances of all or any class of persons serving in connection with the affairs of a State;
 - (ii) A provision requiring all Money Bills or other Bills to which the provisions of article 207 apply to be reserved for the consideration of the President after they are passed by the Legislature of the State;
 - (b) It shall be competent for the President during the period any Proclamation issued under this article is in operation to issue directions for the reduction of salaries and allowances of all or any class of persons serving in connection with the affairs of the Union including the Judges of the Supreme Court and the High Courts.

खात्री जाल्ल्यान आदेशाचें विस्तारक्षेत्र वाडोवप गरजेचें आसा अशें ताका दिसलेबगर भारताच्या राज्यक्षेत्राच्या हेर खंयच्याच भागाचेर अशा कसल्याच आदेशाचो हेप्रमाण विस्तार करचेनात.]

- (3) उपकलम (1) खाला केल्लो दरेक आदेश, तो केलेउपरांत, जाता तितले बेगीन, संसदेच्या दरेका सभाघरांमुखार दवरतले.
- 360. अथींक आणीबाणीसंबंदीं उपबंध (1) जिकालागून भारताचें अथवा ताच्या राज्यक्षेत्राच्या खंयच्याय भागाचें आर्थीक स्थिरताय अथवा पत धोक्यांत आयल्या अशी परिस्थिती उप्रासल्या अशी राष्ट्रपतीची जर खात्री जायत जाल्यार ताच्यान उद्घोशणेवरवीं तशा आशयाची उद्घोशणा करूं येता.
 - 27[(2) उपकलम (1) खाला प्रसृत केल्ली उद्घोशणा
 - (क) ते उपरांतचे उद्घोशणेवरवीं फाटीं घेवं येता अथवा बदलूं येता;
 - (ख) संसदेच्या दरेका सभाघरांमुखार दवरतलें;
 - (ग) दोन म्हयने सोंपनाफुडें लागू आसपाचें बंद जातलें,

परंतु, तो कालावधी सोंपचेपयलीं संसदेच्या दोनाय सभाघरांच्या थारावांवरवीं तिका मान्यताय मेळिल्ली आसल्यार गजाल वेगळी :

परंतु, जर अशी कसलीय उद्घोशणा लोकसभा जेन्ना विसर्जीत जाल्ली आसा अशा काळांत प्रसृत केली अथवा उप-उपकलम (ग) हातूंत निर्दीष्ट केल्ल्या दोन म्हयन्यांच्या कालावधींत लोकसभेचें विसर्जन जालें जाल्यार, आनी जर तो कालावधी सोंपचेपयलीं राज्यसभेन उद्घोशणेक मान्यताय दिवपी थाराव पास केला आसत, पूण लोकसभेन अशे उद्घोशणेसंबंदीं कसलोय थाराव पास केल्लो नासत जाल्यार, लोकसभा तिचे पुनर्घटनेउपरांत पयलेच फावट जे तारकेक भरतली ते तारकेसावन तीस दीस सोंपनाफुडेंच ती उद्घोशणा लागू आसपाचें बंद जातलें, मात उक्त तीस दिसांचो कालावधी सोंपचेपयलीं ते लोकसभेनूय ते उद्घोशणेक मान्यताय दिवपी थाराव पास केल्लो आसल्यार गजाल वेगळी.]

- (3) उपकलम (1) खाला उल्लेखिल्ली अशी कसलीय उद्घोशणा लागू आसत त्या कालावधींत खंयच्याय राज्याक अर्थीक औचित्याचें नेम पाळपासंबंदीं निदेश दिवन त्या निदेशांत ते नेम विनिर्दीष्ट करप, आनी त्या प्रयोजनाखातीर राष्ट्रपतीक गरजेचे आनी योग्य दिसतीत अशे हेर निदेश दिवप हें संघाच्या शासनाधिकाराचे व्याप्तेंत येतलें.
 - (4) ह्या संविधानांत किर्देय आसलें तरी -
 - (क) अशा कसल्याय निदेशांत —
 - (i) एखाद्या राज्याच्या कारभारासंबंदांत सेवा करपी सगल्या अथवा खंयच्याय पगारांत आनी भत्त्यांत उणाव करप हें गरजेचें करपी उपबंध;
 - (ii) सगलीं धन विधेयकां, अथवा कलम 207 हातूंतले उपबंध जांकां लागू आसात अशीं हेर विधेयकां राज्य विधानमंडळान पास केलेउपरांत तीं राष्ट्रपतीच्या विचाराखातीर राखून दवरप हें गरजेचें करपी उपबंध आस्पावीत आसूं येतात;
 - (ख) ह्या कलमाखाला प्रसारीत केल्ली कसलीय उद्घोशणा लागू आसत त्या कालावधींत, राष्ट्रपतीन सर्वोच्च न्यायालयाच्या आनी उच्च न्यायालयांच्या न्यायाधीशांसयत, संघाच्या कारभारासंबंदांत सेवा करपी सगल्या अथवा खंयच्याय वर्गांतल्या व्यक्तींच्या पगारांत आनी भत्त्यांत उणाव करपाचो निदेश दिवप कायदेशीर आसतलें.

- על וואר אינערובען אוינערובען אוינערען אוינערען אוינערען אוינערען אוינערען אוינערען אוינערען Subs. by the Constitution (Forty-fourth Amendment) Act, 1978, s. 37, for "internal 1. disturbance"(w.e.f. 20-6-1979).
- 2 Ins. by the Constitution (Forty-second Amendment) Act, 1976, s. 48 (w.e.f. 3-1-1977).
- Ins. by the Constitution (Forty-fourth Amendment) Act, 1978, s. 37 (w.e.f. 20-6-1979). 3.
- Subs. by s. 37, ibid., for cls. (2), (2A) and (3) (w.e.f. 20-6-1979). 4.
- Ins. by the Constitution (Thirty-eighth Amendment) Act, 1975, s. 5 (retrospectively). 5.
- Cl. (4) renumbered as cl.(9) by the Constitution (Forty-fourth Amendment) Act, 1978, s. 37 (w.e.f. 6. 20-6-1979).
- 7. Subs. by s. 37, ibid., for "internal disturbance" (w.e.f. 20-6-1979).
- 8. Cl. (5) omitted by s. 37, ibid. (w.e.f. 20-6-1979).
- Ins. by the Constitution (Forty-second Amendment) Act, 1976, s. 49 (w.e.f. 3-1-1977). 9.
- 10. The words "or Rajpramukh" omitted by s. 29 and Sch., ibid.
- The words "or Rajpramukh, as the case may be" omitted by the Constitution (Seventh Amend-11. ment) Act, 1956, s. 29 and Sch.
- Subs. by the Constitution (Forty-fourth Amendment) Act, 1978, s. 38, for "one year from the date of the passing of the second of the resolutions approving the Proclamation under clause (3)" (w.e.f. 20-6-1979).
- The words "one year" were subs. for the original words "six months" by the Constitution (Forty-13. second Amendment) Act, 1976, s. 50 (w.e.f. 3-1-1977).
- Subs. by the Constitution (Forty-fourth Amendment) Act, 1978, s. 38, for cl.(5) (w.e.f. 20-6-1979). Cl. (5) was ins. by the Constitution (Thirty-eighth Amendment) Act, 1975, s. 6 (retrospectively).
- Ins. by Constitution (Thirty Eighth Amendment) Act, 1984, s.2. The least the plant of the state 15.
- 16. Subs. by the Constitution (Forty-second Amendment) Act, 1976, s. 51, for cl. (2) (w.e.f. 3-1-1977).
- Art. 358 renumbered as cl. (1) thereof by the Constitution (Forty-fourth Amendment) Act, 1978, 17. s. 39 (w.e.f. 20-6-1979).
- Subs. by s. 39, ibid., for "While a Proclamation of Emergency is in operation" (w.e.f. 20-6-1979). 18.
- Ins. by the Constitution (Forty-second Amendment) Act, 1976, s. 52 (w.e.f. 3-1-1977). 19.
- Subs. by the Constitution (Forty-fourth Amendment) Act, 1978, s. 39, for "where a Proclamation 20. of Emergency" (w.e.f. 20-6-1979).
- 21. Ins. by s. 39, ibid. (w.e.f. 20-6-1979).
- Subs. by the Constitution (Forty-fourth Amendment) Act, 1978, s. 40, for "the rights conferred by Part III" (w.e.f. 20-6-1979). 1983 (1987) 3 (1987) 4 (1987) 18 (19
- Ins. by the Constitution (Thirty-eighth Amendment) Act, 1975, s. 7, (retrospectively). 23.
- Ins. by the Constitution (Forty-second Amendment) Act, 1976, s. 53 (w.e.f. 3-1-1977). 24.
- Ins. by the Constitution (Forty-fourth Amendment) Act, 1978, s. 40 (w.e.f. 20-6-1979). 25.
- Ins. by Constitution (Forty-second Amendment) Act, 1976, s.53 26.
- Subs. by the Constitution (Forty-fourth Amendment) Act, 1978, s. 41, for cl.(2) (w.e.f. 20-6-1979). 27.
- Cl. (5) was ins. by the Constitution (Thirty-eighth Amendment) Act, 1975, s. 8 (retrospectively) 28. and omitted by the Constitution (Forty-fourth Amendment) Act, 1978, s. 41 (w.e.f. 20-6-1979).

्र हिपो

- 1. 'संविधान (चोवेचाळिसावो बदल) अधिनियम 1978' अनुभाग 37 वरवीं (20-06-1979 सावन) 'अंतर्गत अशांतताय' हांचे सुवातेर 'सशस्त्र बंड' असो शब्दोल्लेख घालो.
- 2. 'संविधान (बेचाळीसावो बदल) अधिनियम 1976' अनुभाग 48 वरवीं (03-01-1977 सावन) घालें.
- 3. 'संविधान (चोवेचाळिसावो बदल) अधिनियम 1978' अनुभाग 37 वरवीं घालें.
- 4. कितो उपकलम (2), उपकलम (2क) आनी उपकलम (3) हांचे सुवातेर घालें.
- 5. 'संविधान (आडटिसावो बदल) अधिनियम 1975' अनुभाग 5 वरवीं घालें.
- 6. 'संविधान (चोवचाळीसावो बदल) अधिनियम, 1978' अनुभाग 37 वरवीं उपकलम (4) हाका उपकलम (9)चे सुवातेर पुनर्लिखीत केलें.
- 7. कित्तो 'अंतर्गत अशांतताय' ह्या उतरांचे सुवातेर 'सशस्त्र बंड' घालें.
- 8. कित्तो उपकलम (5) निरसीत केलें.
- 9. 'संविधान (बेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1976' अनुभाग 49 वरवीं (03-01-1977 सावन) घालें.
- 10. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956' अनुभाग 29 आनी अनुसुचयेवरवीं 'अथवा राजप्रमुख' हीं उतरां निरसीत केलीं.
- 11. कित्तो 'अथवा, त्या त्या प्रकरणाप्रमाण, राजप्रमुख' हीं उतरां निरसीत केलीं.
- 12. 'संविधान (चोवेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1978' अनुभाग 38 वरवीं (20-06-1979 सावन) मूळ मजकुराचे सुवातेर घालें.
- 13. कित्तो 'एक वर्स' चे सुवातेर घालें.
- 14. कित्तो कलम (5) चे सुवातेर घाले.
- 15. 'संविधान (आङटिसावो बदल) अधिनियम 1984' अनुभाग 2 वरवीं घालें.
- 16. 'संविधान (बेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1976' अनुभाग 51 वरवीं उपकलम (2) चे सुवातेर घालें.
- 17. 'संविधान (चोवेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1978' अनुभाग 39 वरवीं कलम 368 हाका उपकलम (1) च्या रूपांत पुनर्संख्यांकीत केलें.
- 18. कित्तो 'जेन्ना आणीबाणीची उद्घोशणा लागू आसत' ह्या उतरांचे सुवातेर घालें.
- 19. 'संविधान (बेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1976' अनुभाग 52 वरवीं घालें.
- 20. 'संविधान (चोवेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1978' अनुभाग 39 वरवीं 'जेन्ना आणीबाणीची उद्घोशणा' चे सुवातेर घालें.
- 21. कित्तो -
- 22. कित्तो अनुभाग 40 वरवीं 'भाग III वरवीं प्रदान केल्ले अधिकार' ह्या उतरांचे सुवातेर घालें.
- 23. 'संविधान (आडटिसावो बदल) अधिनियम 1975' अनुभाग 7 वरवीं (फाटले तारकेन) घालें.
- 24. 'संविधान (बेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1976' अनुभाग 53 वरवीं घाले.
- 25. 'संविधान (चोवेचाळिसावो बदल) अधिनियम 40 वरवी घालें.
- 26. 'संविधान (बेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1976' अनुभाग 53 वरवीं घालें.
- 27. 'संविधान (चोवेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1978' अनुभाग 41 वरवीं उपकलम (2) चे सुवातेर घालें.
- 28. 'संविधान (आङ्टिसावो बदल) अधिनियम, 1975' अनुभाग 8 वरवीं (फाटले तारकेन) उपकलम (5) घाल्लें तें 'संविधान (चोवेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1978' अनुभाग 41 वरवीं निरसीत केलें.

PART - XIX

MISCELLANEOUS

361. Protection of President and Governors and Rajpramukhs. —(1) The President, or the Governor or Rajpramukh of a State, shall not be answerable to any court for the exercise and performance of the powers and duties of his office or for any act done or purporting to be done by him in the exercise and performance of those powers and duties:

Provided that the conduct of the President may be brought under review by any court, tribunal or body appointed or designated by either House of Parliament for the investigation of a charge under article 61:

Provided further that nothing in this clause shall be construed as restricting the right of any person to bring appropriate proceedings against the Government of India or the Government of a State.

- (2) No criminal proceedings whatsoever shall be instituted or continued against the President, or the Governor ¹*** of a State, in any court during his term of office.
- (3) No process for the arrest or imprisonment of the President, or the Governor **** of a State, shall issue from any court during his term of office.
- (4) No civil proceedings in which relief is claimed against the President, or the Governor ¹*** of a State, shall be instituted during his term of office in any court in respect of any act done or purporting to be done by him in his personal capacity, whether before or after he entered upon his office as President, or as Governor ¹*** of such State, until the expiration of two months next after notice in writing has been delivered to the President or the Governor ²***, as the case may be, or left at his office stating the nature of the proceedings, the cause of action therefor, the name, description and place of residence of the party by whom such proceedings are to be instituted and the relief which he claims.
- ³[361A. Protection of publication of proceedings of Parliament and State Legislatures. —
 (1) No person shall be liable to any proceedings, civil or criminal, in any court in respect of the publication in a newspaper of a substantially true report of any proceedings of either House of Parliament or the Legislative Assembly, or, as the case may be, either House of the Legislature, of a State, unless the publication is proved to have been made with malice:

Provided that nothing in this clause shall apply to the publication of any report of the proceedings of a secret sitting of either House of Parliament or the Legislative Assembly, or, as the case may be, either House of the Legislature, of a State.

(2) Clause (1) shall apply in relation to reports or matters broadcast by means of wireless telegraphy as part of any programme or service provided by means of a broadcasting station as it applies in relation to reports or matters published in a newspaper.

भाग – XIX प्रकीर्ण

361. राष्ट्रपती, राज्यपाल आनी राजप्रमुख हांकां राखण — (1) राष्ट्रपती, अथवा राज्याचो राज्यपाल अथवा राजप्रमुख आपणाल्या पदाच्या अधिकारांच्या वापराच्या संबंदांत आनी कर्तव्यांच्या पालनाखातीर अथवा ते अधिकार वापरतना अथवा तीं कर्तव्यां करतना ताणे केल्ले अथवा ताणे ताचेखातीर म्हूण केल्ले कसलेय कृती संबंदीं खंयच्याच न्यायालयाक जापसालदार आसचो ना.

परंतु, कलम 61 खाला आरोपांचो सोदतपास करपाखातीर संसदेच्या खंयच्याय सभाघरान नेमिल्लें अथवा पदिनर्देशीत केल्लें खंयचेंच न्यायालय, अधिकरण अथवा निकाय हाच्यान राष्ट्रपतीचे वागणुकेची चिकित्साय करूं येता:

परंतु, आनीक अशें की, ह्या उपकलमांतले खंयचेच गजालीक लागून भारत सरकाराचे अथवा राज्य सरकाराचे आड समुचित कार्यवाही करपाचो खंयचेच व्यक्तीचो अधिकार निर्बंधीत जाता असो तिचो अर्थ लावंचे नात.

- (2) राष्ट्रपतीचे अथवा राज्याच्या राज्यपालाचे ¹* * * आड ताच्या कार्यकाळांत खंयच्याच न्यायालयांत कसलेच तरेची फौजदारी कार्यवाही सुरू करचे नात अथवा चालू दवरचे नात.
- (3) राष्ट्रपतीक अथवा राज्याच्या राज्यपालाक ¹* * * अटक करपाखातीर अथवा बंदखणींत घालपाखातीर ताच्या कार्यकाळांत खंयच्याच न्यायालयांतल्यान कसलीच आदेशिका काडचे नात.
- (4) राष्ट्रपतीन अथवा राज्याच्या राज्यपालान ¹* * * स्वताच्या व्यक्तिगत नात्यान केल्ले अथवा त्या नात्यान म्हूण केल्ले खंयचेच कृतीच्या संबंदांत-मागीर ती राष्ट्रपती म्हूण अथवा राज्याचो राज्यपाल म्हूण ¹*** ताणे अधिकारपद ग्रहण करचेपयलींची आसूं अथवा मागीरची आसूं जिचेभितर ताचेआड दाद मागल्या अशी कसलीय दिवाणी कार्यवाही ही, ते कार्यवाहीचें स्वरूप, तिचें वादकारण, ज्या पक्षांकडल्यान अशी कार्यवाही मांडपाची आसा ताचें नांव, वर्णन आनी राबित्याची सुवात आनी तो कसले तरेची दाद मागता तें निवेदन करपी लेखी नोटीस, त्या त्या प्रकरणाप्रमाण, राष्ट्रपतीक अथवा त्या राज्यपालाक ²* * * सुपूर्द करीतसावन अथवा ताच्या कार्यालयाक धाडीतसावन लागींचे उपरांतचे दोन म्हयने सोंपसर ताच्या अधिकारकाळांत खंयच्याय न्यायालयांत सुरू करूंक मेळची ना.

³[361क. संसद आनी राज्य विधानमंडळ हांच्या कामकाज वृत्तांचे उजवाडावणेक राखण — (1) संसदेचें खंयचेंय सभाघर अथवा एखाद्या राज्याची विधानसभा अथवा त्या त्या प्रकरणाप्रमाण ताच्या विधानमंडळाचें खंयचेंय सभाघर हांच्या कसल्याय कामकाजाचें सारासयत यथातथ्य प्रतिवृत्त खबरेपत्रांनी उजवाडावपाच्या संबंदांत खंयच्याच न्यायालयांत खंयचीच व्यक्ती कसलेच फौजदारी अथवा दिवाणी कार्यवाहीक पात्र जांवची ना, मात अशी उजवाडावपी दुर्भावपूर्वक केल्या अशें शाबीत केलें जाल्यार गजाल वेगळी.

परंतु, संसदेचें खंयचेंय सभाघर अथवा एखाद्या राज्याची विधानसभा अथवा त्या त्रया प्रकणाप्रमाण, ताच्या विधानमंडळाचें खंयचेय सभाघर हांचे एखादे गुप्त बसकेच्या कामकाजाचें कसलेंय प्रतिवृत्त उजवाडावपासंबंदीं ह्या उपकलमांतली खंयचीच गजाल लागू जांवची ना.

(2) उपकलम (1) जेप्रमाण खबरेपत्रांत उजवाडा आयिल्ल्या प्रतिवृत्तांच्या अथवा गजालींच्या संबंदांत लागू जाता तेचप्रमाण तें ध्वनिक्षेपण केंद्राच्या पालवान सादर जावपी कार्यावळीचो अथवा सेवेचो भाग म्हूण बिनतारी संदेश यंत्रणेवरवीं ध्वनिक्षेपीत केल्ल्या प्रतिवृत्तांच्या अथवा गजालींच्या संबंदांत लागू जातलें.

Explanation. — In this article, "newspaper" includes a news agency report containing material for publication in a newspaper.]

- 362. [Rights and privileges of Rulers of Indian States.]. Rep. by the Constitution (Twenty-sixth Amendment) Act, 1971, s. 2.
- **363.** Bar to interference by courts in disputes arising out of certain treaties, agreements, etc. (1) Notwithstanding anything in this Constitution but subject to the provisions of article 143, neither the Supreme Court nor any other court shall have jurisdiction in any dispute arising out of any provision of a treaty, agreement, covenant, engagement, sanad or other similar instrument which was entered into or executed before the commencement of this Constitution by any Ruler of an Indian State and to which the Government of the Dominion of India or any of its predecessor Governments was a party and which has or has been continued in operation after such commencement, or in any dispute in respect of any right accruing under or any liability or obligation arising out of any of the provisions of this Constitution relating to any such treaty, agreement, covenant, engagement, sanad or other similar instrument.
 - (2) In this article—
 - (a) "Indian State" means any territory recognised before the commencement of this Constitution by His Majesty or the Government of the Dominion of India as being such a State; and
 - (b) "Ruler" includes the Prince, Chief or other person recognised before such commencement by His Majesty or the Government of the Dominion of India as the Ruler of any Indian State.
- ⁴[363A. Recognition granted to Rulers of Indian States to cease and privy purses to be abolished. Notwithstanding anything in this Constitution or in any law for the time being in force-
- (a) The Prince, Chief or other person who, at any time before the commencement of the Constitution (Twenty-sixth Amendment) Act, 1971, was recognised by the President as the Ruler of an Indian State or any person who, at any time before such commencement, was recognised by the President as the successor of such ruler shall, on and from such commencement, cease to be recognised as such Ruler or the successor of such Ruler;
- (b) On and from the commencement of the Constitution (Twenty-sixth Amendment) Act, 1971, privy purse is abolished and all rights, liabilities and obligations in respect of privy purse are extinguished and accordingly the Ruler or, as the case may be, the successor of such Ruler, referred to in clause (a) or any other person shall not be paid any sum as privy purse.]

स्परटीकरण — ह्या कलमांत, 'वृत्तपत्र' हातूंत, वृत्तपत्रांनी उजवाडावपाची मजकूर जातूंत आस्पावीत आसा अशे एखादे वृत्तसंस्थेन दिल्लें वृत्तनिवेदन आस्पावीत आसा.]

- **362. [भारतीय संस्थानांच्या अधिपतींचे अधिकार आनी विशेशाधिकार**] 'संविधान (सिव्विसावो बदल) अधिनियम, 1971' अनुभाग 2 वरवीं निरसीत केले.
- 363. थोड्या, कबलात, करार इत्यादीतल्यान उप्रासपी तंट्यांनी हस्तक्षेप करपाक न्यायालयांक आडखळ (1) ह्या संविधानांत किदेंय आसलें तरी, कलम 143 च्या उपबंधांचे अधीनतायेन, जी कबलात, करार, प्रसंविदा, अभिसंकेत, सनद अथवा हेर तत्सम संलेख ह्या संविधानाच्या आरंभापयलीं खंयच्याय भारतीय संस्थानाच्या अधिपतीन केल्लो अथवा निश्पादीत केल्लो आनी भारतीय अधिराज्याचें (डोमिनियन ऑफ इंडिया) सरकार अथवा ताच्या पूर्वाधिकाऱ्यांमदलें खंयचेंय सरकार जातूंत पक्ष आशिल्लें आनी अशा आरंभाउपरांत जो लागू उल्ला अथवा चालू दवरला ताच्या खंयच्याय उपबंधांतल्यान उप्रासपी खंयच्याय तंट्यांत अथवा असली कसलीय कबलात, करार, प्रसंविदा, अभिसंकेत, सनद अथवा हेर तत्सम संलेख हांचेकडेन संबंदीत अशा, ह्या संविधानांत आशिल्ल्यांमदल्या खंयच्याय उपबंधाखाला प्रोद्भूत जावपी कसलोय अधिकार अथवा तातूंतल्यान उप्रास्पी कसलीय जापसालकी अथवा आबंधन हांचे संबदींच्या कसल्याय तंट्यांत सर्वोच्च न्यायालयाक अथवा हेर खंयच्याच न्यायालयाक अधिकारिताय आसची ना.
 - (2) ह्या कलमांत —
 - (क) 'भारतीय संस्थान' हाचो अर्थ, हिज मेजेस्टीन अथवा डोमिनियन ऑफ इंडियाच्या सरकारान ह्या संविधानाच्या आरंभापयलीं अशें संस्थान म्हूण मान्यताय दिल्लें खंयचेंय राज्यक्षेत्र असो आसा; आनी
 - (ख) 'अधिपती' हातूंत हिज मेजेस्टीन अथवा डोमिनियन ऑफ इंडियाच्या सरकारान अशा आरंभापयलीं खंयच्याय भारतीय संस्थानाचो अधिपती म्हूण मान्यताय दिल्लो राजा, संस्थानीक अथवा हेर व्यक्ती हांचो आस्पाव आसा.
- ⁴[363क. भारतीय संस्थानांच्या अधिपतींक दिल्ली मान्यताय संपुश्टांत येवप आनी खासगत तनखे काडून उडोवप ह्या संविधानांत अथवा त्या त्या काळांत तात्पुरतो अमलांत अशिल्ल्या खंयच्याय कायद्यांत किदेंय आसलें तरी —
- (क) 'संविधान (सिव्विंसावो बदल) अधिनियम, 1971' हाच्या आरंभापयलीं खंयच्याय वेळार राष्ट्रपतीन भारतीय संस्थानाचो अधिपती म्हूण जाका मान्यताय दिल्ली असो राजा, संस्थानीक अथवा हेर व्यक्ती हांकां अथवा हिका अशा आरंभापयलीं खंयच्याय वेळार राष्ट्रपतीन अशा अधिपतीचो उत्तराधिकारी म्हूण मान्यताय दिल्ली अशे खंयचेय व्यक्तीक असो अधिपती अथवा अशा अधिपतीचो उत्तराधिकारी म्हूण मेळिल्ली मान्यताय अशे आरंभाचेतारकेक आनी तेन्नाच्यान संपुश्टांत येतली;
- '(ख) 'संविधान (संविधान (संविधान) अधिनियम, 1971' हाचे आरंभ तारकेक आनी तेन्नाच्यान खासगत तनखे ना केल्यात आनी खासगत तनख्यांसंबंदांतले सगले अधिकार, जापसालक्यो आनी आबंधनां ना केल्यांत आनी तेप्रमाण उपकलम (क) हातूंत निर्दीष्ट केल्लो अधिपती अथवा, त्या त्या प्रकरणाप्रमाण, अशा अधिपतीचो उत्तराधिकारी अथवा हेर खंयचीय व्यक्ती हांकां खासगत तनखो म्हूण कसलीच रकम दिवंचे नात.]

- **364.** Special provisions as to major ports and aerodromes. (1) Notwithstanding anything in this Constitution, the President may by public notification direct that as from such date as may be specified in the notification-
 - (a) Any law made by Parliament or by the Legislature of a State shall not apply to any major port or aerodrome or shall apply thereto subject to such exceptions or modifications as may be specified in the notification, or
 - (b) Any existing law shall cease to have effect in any major port or aerodrome except as respects things done or omitted to be done before the said date, or shall in its application to such port or aerodrome have effect subject to such exceptions or modifications as may be specified in the notification.

(2) In this article-

- (a) "Major port" means a port declared to be a major port by or under any law made by Parliament or any existing law and includes all areas for the time being included within the limits of such port;
- (b) "Aerodrome" means aerodrome as defined for the purposes of the enactments relating to airways, aircraft and air navigation.
- 365. Effect of failure to comply with, or to give effect to, directions given by the Union. Where any State has failed to comply with, or to give effect to, any directions given in the exercise of the executive power of the Union under any of the provisions of this Constitution, it shall be lawful for the President to hold that a situation has arisen in which the Government of the State cannot be carried on in accordance with the provisions of this Constitution.
- **366. Definitions.** In this Constitution, unless the context otherwise requires, the following expressions have the meanings hereby respectively assigned to them, that is to say-
- (1) "Agricultural income" means agricultural income as defined for the purposes of the enactments relating to Indian income-tax;
- (2) "An Anglo-Indian" means a person whose father or any of whose other male progenitors in the male line is or was of European descent but who is domiciled within the territory of India and is or was born within such territory of parents habitually resident therein and not established there for temporary purposes only;
 - (3) "Article" means an article of this Constitution;
- (4) "Borrow" includes the raising of money by the grant of annuities, and "loan" shall be construed accordingly;

4* * * * . *

- 364. व्हडलीं बंदरां आनी विमानतळ हांचेसंबंदांत खाशेले उपबंध (1) ह्या संविधानांत किदेंय आसलें तरी, राष्ट्रपतीच्यान जाहीर अधिसुचोवणेवरवीं अशें निर्देशीत करूं येता की, अधिसुचोवणेंत विनिर्दीष्ट करतले अशे तारकेक आनी तेन्नासावन
 - (क) संससदेन अथवा राज्य विधानमंडळान केल्लो एखादो कायदो एखादे व्हडलें बंदर अथवा विमानतळ हांकां लागू जांवचो ना अथवा ते अधिसुचोवणेंत विनिर्दीष्ट करतले अशा आडवादांसयत अथवा फेरबदलांसयत तांकां लागू जातलो, अथवा
 - (ख) एखादो विद्यमान कायदो हो एखादे व्हडलें बंदर अथवा विमानतळ हांच्यां संबंधांत, उक्त तारकेपयलीं केल्ल्यों अथवा करपाच्या सोडिल्ल्यो गजालीसोडून हेरशीं, निष्परिणामक जायत, अथवा अशा बंदराक अथवा विमानतळाक लागू जातना, अधिसुचोवणेंत विनिर्दिष्ट करतले अशा आडवादांसयत अथवा फेरबदलांसयत परिणामक जातलो.
 - (2) ह्या कलमांत —
 - (क) 'व्हडलें बंदर' हाचो अर्थ, संसदेन केल्ल्या खंयच्याय कायद्याच्या अथवा खंयच्याय अस्तित्वांत आशिल्ल्या कायद्याचे वरवीं अथवा तेखाला व्हडलें बंदर म्हूण घोशीत केल्लें बंदर असो आसा आनी त्या त्या काळांत अशा बंदरांच्या शीमानीं आस्पावीत केल्ल्या सगल्या क्षेत्रांचो तातूंत आस्पाव आसा;
 - (ख) 'विमानतळ' हाचो अर्थ, हवाई मार्ग, विमान आनी हवाई दिक्चालन हेसंबंदींच्या अधिनियमितींच्या प्रयोजनाखातीर व्यख्या केल्लेप्रमाण विमानतळ असो आसा.
- 365. संघान दिल्ल्या निदेशांचे अनुपालन करपाक अथवा तांची अमंलबजावणी करपाक चुकपाचो परिणाम ह्या संविधानांत आशिल्ल्यामदल्या खंयच्याय उपबंधाखाला संघाच्या शासनाधिकाराचो वापर करून दिल्ल्या खंयच्याय निदेशांचें अनुपालन करपाक अथवा तांची अंमलबजावणी करपाक खंयचेंय राज्य चुकलें आसत ते संबंदांत, त्या राज्याचें सरकार ह्या संविधानाच्या उपबंधांक अनुसरून चलोवप शक्य ना अशी परिस्थिती उप्रासल्या अशें राष्ट्रपतीन थारावप कायदेशीर जातलें.
- 366. व्याख्या ह्या संविधानांत, संदर्भाक लागून हेरतरेन गरजेचें नासत जाल्यार, फुडल्या उतरांक हाचेवरवीं थारावन दिल्यात तेप्रमाण ते ते अर्थ आसतले, ते म्हळ्यार —
- (1) 'कृषि प्राप्ती' हाचो अर्थ, भारतीय प्राप्तिकरविशयक अधिनियमितींच्या प्रयोजनाखातीर व्याख्या केल्लेप्रमाण कृषि-प्राप्ती असो आसा;
- (2) 'आंग्ल भारतीय' हाचो अर्थ जे व्यक्तींच्या प्रजनकांमदलो बापूय अथवा ते पुरुष परंपरेतलो हेर कोणूय मूळचो युरोपी आसा अथवा आशिल्लो, पूण जी व्यक्ती भारताच्या राज्यक्षेत्राचे भितर अधिवासी आसा आनी अशा राज्यक्षेत्रांत फकत तत्कालीक प्रयोजनाखातीर स्थायीक जाल्ली न्हय तर तातूंत कायम राबितो आशिल्ल्या आवाय-बापायच्या पोटांत जी जल्मल्या, अथवा जल्मल्ली अशी व्यक्ती, असो आसा:
 - (3) 'कलम' हाचो अर्थ, ह्या संविधानाचें कलम असो आसा;
- (4) 'रीण घेवप' हातूंत वर्सासन दिवन दुडू उभारप हें आस्पावीत आसा, आनी 'रीण' हाचो अर्थ तेप्रमाण लायतले;

- (5) "Clause" means a clause of the article in which the expression occurs;
- (6) "Corporation tax" means any tax on income, so far as that tax is payable by companies and is a tax in the case of which the following conditions are fulfilled: -
 - (a) That it is not chargeable in respect of agricultural income;
 - (b) That no deduction in respect of the tax paid the by companies is, by any enactments which may apply to the tax, authorised to be made from dividends payable by the companies to individuals:
- (c) That no provision exists for taking the tax so paid into account in computing for the purposes of Indian income-tax the total income of individuals receiving such dividends, or in computing the Indian income-tax payable by, or refundable to, such individuals;
- (7) "Corresponding Province", "corresponding Indian State" or "corresponding State" means in cases of doubt such Province, Indian State or State as may be determined by the President to be the corresponding Province, the corresponding Indian State or the corresponding State, as the case may be, for the particular purpose in question;
- (8) "Debt" includes any liability in respect of any obligation to repay capital sums by way of annuities and any liability under any guarantee, and "debt charges" shall be construed accordingly;
- (9) "Estate duty" means a duty to be assessed on or by reference to the principal value, ascertained in accordance with such rules as may be prescribed by or under laws made by Parliament or the legislature of a State relating to the duty, of all property passing upon death or deemed, under the provisions of the said laws, so to pass;
- (10) "Existing law" means any law, Ordinance, order, bye-law, rule or regulation passed or made before the commencement of this Constitution by any Legislature, authority or person having power to make such a law, Ordinance, order, bye-law, rule or regulation;
 - (11) "Federal Court" means the Federal Court constituted under the Government of India Act, 1935;
 - (12) "Goods" includes all materials, commodities, and articles;
- (13) "Guarantee" includes any obligation undertaken before the commencement of this Constitution to make payments in the event of the profits of an undertaking falling short of a specified amount;
- (14) "High Court" means any Court, which is deemed for the purposes of this Constitution to be a High Court for any State and includes-
 - (a) Any Court in the territory of India constituted or reconstituted under this Constitution as a High Court, and
 - (b) Any other Court in the territory of India which may be declared by Parliament by law to be a High Court for all or any of the purposes of this Constitution;
- (15) "Indian State" means any territory, which the Government of the Dominion of India recognised as such a State;
 - (16) "Part" means a Part of this Constitution;

- (5) 'उपकलम' हाचो अर्थ, ज्या कलमांत तें उतर येता ताचें उपकलम असो आसा;
- (6) 'निगम कर' हाचो अर्थ, तो कर जितलेमेरेन कंपन्यांनी दिवपाचो आसा तितलेमेरेन प्राप्तेवेलो कसलोय कर असो आसा आनी ताचेसंबंदीं फुडल्यो अटी पुराय जातात असो तो कर आसा :-
 - (क) तो शेतकी-प्राप्तीच्या संबंदांत लांवचे नात;
 - (ख) कंपन्यांनी भरपाच्या कराक लागू जातल्यो अशा खंयच्याय अधिनियमितींचे वरवीं त्या कराचे संबंदीं, कंपन्यांनी व्यक्तींक दिवपाच्या लाभांतल्यान कसलीय वजात करपाचो प्रधिकार दिल्लो ना;
 - (ग) अशा लाभांश मेळपी व्यक्तींचे एकंदर प्राप्तेच्या भारतीय प्राप्ती कराच्या प्रयोजनाखातीर गणना करतना अथवा अशा व्यक्तींनी दिवपाच्या अथवा तांकां परतावोयोग्य आशिल्ल्या भारतीय प्राप्ती कराची गणना करतना हेप्रमाण भरिल्लो कर हिशोबांत घेवपाखातीर कसलोच उपबंध अस्तित्वांत ना;
- (7) 'समनुरूप प्रांत', 'समनुरूप भारतीय संस्थान' अथवा 'समनुरूप राज्य' हाचो अर्थ दुबावास्पद गजालींनी, विशीश्ट प्रस्तुत प्रयोजनाखातीर, त्या त्या प्रकरणाप्रमाण, समनुरूप प्रांत, समनुरूप भारतीय संस्थान अथवा समनुरूप राज्य म्हूण राष्ट्रपती थारायतलो असो प्रांत, भारतीय संस्थान अथवा राज्य असो आसा;
- (8) 'रीण' हातूंत वर्सासनांच्या रूपान मुदल रकमांची परतफेड करपाच्या कसल्याच आबंधनासंबंदींची कसलीच जापसालकी अथवा कसलेच हमीखाला कसलीय जापसालकी आस्पाविल्ली आसा, आनी 'रीण-आकार' हाचो अर्थ तेप्रमाण लायतले.
- (9) 'संपदा-शुल्क' हाचो अर्थ, त्या शुल्कासंबंदीं संसदेन अथवा राज्य विधानमंडळान केल्ल्या कायद्यांच्या उपबंधांवरवीं मर्णाउपरांत संक्रामीत जावपी अथवा अशेतरेन संक्रामीत जातात अशे मानतात ते संपदेचें उक्त कायद्यांवरवीं अथवा तांचेखाला विहीत करतले अशा नेमांप्रमाण जें प्रधान मूल्य विनिश्चित केल्लें

आसत ताचेर अथवा ताच्या सदर्भांत निर्धारीत करपाचें शुल्क असो आसा;

- (10) 'अस्तित्वांत आशिल्लो कायदो' हाचो अर्थ, खंयचोय कायदो, अध्यादेश, आदेश, उपविधी, नेम अथवा विनियम करपाचो अधिकार आशिल्ल्या खंयच्याय विधानमंडळान, प्राधिकरणान अथवा व्यक्तीन ह्या संविधानाच्या आरंभापयलीं पास केल्लो अथवा केल्लो असो कायदो अध्यादेश, आदेश, उपविधी, नेम, अथवा विनियम असो आसा;
- (11) 'फेडरल न्यायालय' हाचो अर्थ, 'गवर्नमेण्ट ऑफ इंडिया ॲक्ट, 1935' खाला घडीत जाल्लें फेडरल न्यायालय असो आसा:
 - (12) 'माल' हातूंत सगली सामुग्री, विकपाचे जिनस आनी वस्तू आस्पावीत आसात;
- (13) 'हमी' हातूंत एखाद्या उपक्रमाचो फायदो विनिर्दीष्ट रकमेपरस उणो जाल्यार दुडू भरपाचें ह्या संविधानाच्या आरंभापयलीं पत्करिल्लें कसलेंय बंधन आस्पावीत आसा;
- (14) 'उच्च न्यायालय' हाचो अर्थ, ह्या संविधानाच्या प्रयोजनाखातीर जें खंयच्याय राज्याचें उच्च न्यायालय अशें मानलां अशें खंयचेंय न्यायालय असो आसा, आनी तातूंत —
 - (क) ह्या संविधानाखाला घडीत अथवा पुनर्घडीत जाल्लें भारताच्या राज्यक्षेत्रांतलें खंयचेंय न्यायालय, आनी
 - (ख) संसदेकडल्यान कायद्यावरवीं ह्या संविधानाच्या सगल्या अथवा तातूंतल्या खंयच्याय प्रयोजनाखातीर उच्च न्यायालय म्हूण घोशीत करतले अशें भारताच्या राज्यक्षेत्रांतलें हेर खंयचेय न्यायालय, आस्पावीत आसा;
- (15) 'भारतीय संस्थान' हाचो अर्थ, डोमिनियन ऑफ इंडियाच्या सरकारान जाका अशें संस्थान म्हूण मान्यताय दिल्ली अशें खंयचेंय राज्यक्षेत्र असो आसा;
 - (16) 'भाग' हाचो अर्थ, ह्या संविधानाचो भाग असो आसा;

- (17) "Pension" means a pension, whether contributory or not, of any kind whatsoever payable to or in respect of any person, and includes retired pay so payable; a gratuity so payable and any sum or sums so payable by way of the return, with or without interest thereon or any other addition thereto, of subscriptions to a provident fund;
 - (18) "Proclamation of Emergency" means a Proclamation issued under clause (1) of article 352;
- (19) "Public notification" means a notification in the Gazette of India, or, as the case may be, the Official Gazette of a State;
 - (20) "Railway" does not include-
 - (a) A tramway wholly within a municipal area, or
 - (b) Any other line of communication wholly situates in one State and declared by Parliament by law not to be a railway;
 - ⁶(21)* * * * *
- ⁷[(22) "Ruler" means the Prince, Chief of other person who, at any time before the commencement of the Constitution (Twenty-sixth Amendment) Act, 1971, was recognised by the President as the Ruler of an Indian State or any person who, at any time before such commencement, was recognised by the President as the successor of such Ruler;]
 - (23) "Schedule" means a Schedule to this Constitution;
- (24) "Scheduled Castes" means such castes, races or tribes or parts of or groups within such castes, races or tribes as are deemed under article 341 to be Scheduled Castes for the purposes of this Constitution:
- (25) "Scheduled Tribes" means such tribes or tribal communities or parts of or groups within such tribes or tribal communities as are deemed under article 342 to be Scheduled Tribes for the purposes of this Constitution;
 - (26) "Securities" includes stock;
 - 8(26A)* * * * *
 - (27) "Sub-clause" means a sub-clause of the clause in which the expression occurs;
- (28) "Taxation" includes the imposition of any tax or impost, whether general or local or special, and "tax" shall be construed accordingly;
 - (29) "Tax on income" includes a tax in the nature of an excess profits tax;
 - (29A) "Tax on the sale or purchase of goods" includes-
 - (a) A tax on the transfer, otherwise than in pursuance of a contract, of property in any goods for cash, deferred payment or other valuable consideration;

- (17) 'पेन्शन' हाचो अर्थ, खंयचेय व्यक्तीक अथवा तिच्यासंबंदांत प्रदेय आशिल्ली कसलेय तरेची पेन्शन-मागीर ती अंशदायी आसूं अथवा नासूं असो आसा, आनी तातूंत अशेतरेन प्रदेय अशें निवृत्ती वेतन, अशे तरेन प्रदेय अशें उपदान आनी भविश्य निधींत पटी म्हूण दिल्ल्या रकमांचे परतीखातीर अशेतरेन प्रदेय आशिल्ली रकम अथवा रकमो, तांचेवेलें कळंतर अथवा तातूंतली हेर कसलीय भर हाचेसयत अथवा ताचेबगर, असो आस्पावीत आसात:
- (18) 'आणीबाणीची उद्घोशणा' हाचो अर्थ, कलम 352च्या उपकलम (1) खाला प्रसारीत केल्ली उद्घोशणा असो आसा;
- (19) 'जाहीर अधिसुचोवणी' हाचो अर्थ, भारताचें राजपत्र अथवा, त्या त्या प्रकरणाप्रमाम एखाद्या राज्याचें शासकीय राजपत्र हातूंतली अधिसुचोवणी असो आसा;
 - (20) 'रेल्वे' हातूंत
 - (क) पुरायेन नगरपालिका क्षेत्रांत आशिल्लो ट्राममार्ग, अथवा
 - (ख) पुरायेन एका राज्यांत आशिल्लो आनी संसदेन कायद्यावरवीं रेल्वे न्हय असो घोशीत केल्लो हेर खंयचोय येरादार-मार्ग,

हे आस्पावीत नात;

- ⁶(21)* * * *
- ⁷[(22) 'अधिपती' हाचो अर्थ, जाका राष्ट्रपतीन 'संविधान (सव्विसावो बदल) अधिनियम, 1979' हाच्या आरंभापयलीं खंयच्याय वेळार भारतीय संस्थानाचो अधिपती म्हूण मान्यताय दिल्ली असो राजा, संस्थानीक अथवा हेर व्यक्ती अथवा जिका राष्ट्रपतीन अशा आरंभापयलीं खंयच्याय वेळार अशा अधिपतीचो उत्तराधिकारी म्हूण मान्यताय दिल्ली अशी खंयचीय व्यक्ती असो आसा;]
 - (23) 'अनुसूची' म्हळ्यार ह्या संविधानाची अनुसूची अभिप्रेत आसा;
- (24) 'अनुसूचित जाती' हाचो अर्थ, ह्या संविधानाच्या प्रयोजनाखातीर कलम 341 खाला अनुसूचित जाती आसात अशें मानलां अशो जाती, वंश, अथवा जनजाती अथवा अशा जातींचे, वंशाचे अथवा जनजातींचे भाग अथवा तातूंतले गट असो आसा;
- (25) 'अनुसूचित जनजाती' हाचो अर्थ, ह्या संविधानाच्या प्रयोजनाखातीर कलम 342 खाला अनुसूचित जनजाती आसात अशें मानलां अशो जनजाती अथवा अशा जातींचे, वंशाचे अथवा जनजातींचे भाग अथवा तातूंतले गट असो आसात;
 - (26) 'रोखे' हातूंत पुंजरोखो आस्पावीत आसा;
 - ⁸(26क) * * * * *
 - (27) 'उप-उपकलम' हाचो अर्थ, ज्या उपकलमांत तो शब्दप्रयोग येता ताचें उप-उपकलम असो आसा;
- (28) 'कर-लावणी' हातूंत कसलेय कर अथवा प्रकर लावप मागीर तो सरसक आसूं, थळावो आसूं -, अथवा खाशेलो आसूं- आस्पावीत आसा, आनी 'कर' हाचो अर्थ तेप्रमाण लायतले;
 - (29) 'प्राप्तेवेलो कर' हातूंत अतिरिक्त फायदो कराच्या स्वरूपाचो कसलोय कर आस्पावीत आसा;
 - (29क) 'मालाची विक्री अथवा खरेदी हांचेवेलो कर' ह्या शब्दप्रयोगांत फुडल्या करांचोय आस्पाव जाता —
 - (क) एखादे संविदेचे प्रमाण आसत तेभायर हेर रितीन, कसल्याय मालाचे ठांय आशिल्ल्या स्वत्वाधिकाराचे रोखीन, आस्थिगित प्रदानाचेर अथवा हेर मूल्यवान प्रतिफलाखातीर हस्तांतरण करपाचेर कर;

- (b) A tax on the transfer of property in goods (whether as goods or in some other form) involved in the execution of a works contract;
 - (c) A tax on the delivery of goods on hire-purchase or any system of payment by instalments;
- (d) A tax on the transfer of the right to use any goods for any purpose (whether or not for a specified period) for cash, deferred payment or other valuable consideration;
- (e) A tax on the supply of goods by any unincorporated association or body of persons to a member thereof for cash, deferred payment or other valuable consideration;
- (f) A tax on the supply, by way of or as part of any service or in any other manner whatsoever, of goods, being food or any other article for human consumption or any drink (whether or not intoxicating), where such supply or service, is for cash, deferred payment or other valuable consideration,

And such transfer, delivery or supply of any goods shall be deemed to be a sale of those goods by the person making the transfer, delivery or supply and a purchase of those goods by the person to whom such transfer, delivery or supply is made;]

- ¹⁰[(30) "Union territory" means any Union territory specified in the First Schedule and includes any other territory comprised within the territory of India but not specified in that Schedule.]
- **367. Interpretation.** (1) Unless the context otherwise requires, the General Clauses Act, 1897, shall, subject to any adaptations and modifications that may be made therein under article 372, apply for the interpretation of this Constitution as it applies for the interpretation of an Act of the Legislature of the Dominion of India.
- (2) Any reference in this Constitution to Acts or laws of, or made by, Parliament, or to Acts or laws of, or made by, the Legislature of a State ¹***, shall be construed as including a reference to an Ordinance made by the President or, to an Ordinance made by a Governor ²***, as the case may be.
 - (3) For the purposes of this Constitution "foreign State" means any State other than India:

Provided that, subject to the provisions of any law made by Parliament, the President may by order declare any State not to be a foreign State for such purposes as may be specified in the order.

Notes

- 1. The words "or Rajpramukh" omitted by the Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s. 29 and Sch.
- 2. The words "or the Rajpramukh" omitted by s. 29 and Sch., ibid.

- (ख) एखादे कार्यसंविदेची अंमलबजावणी करतना मालाचे ठांय आशिल्लो स्वत्वाधिकार (मागीर तो मालाच्या स्वरूपांत आसूं अथवा कसल्याय हेर स्वरूपांत आसूं) हस्तांतरीत जाता आसल्यार अशा हस्तांतरावेलो कर:
 - (ग) भाडें खरेदेन अथवा हप्त्याहप्त्यान प्रदान करपाचे हेर कसलेय पद्धतीन केल्ल्या मालाचे सुपूर्देवेलो कर;
- (घ) कसल्याय मालाच्या कसल्याय प्रयोजनाखातीर वापर करपाच्या हक्काचें रोखीन, आस्थिगित प्रदानाचेर अथवा हेर मोलादीक प्रतिफलार्थ हस्तांतरण करपावेलो कर (मागीर तें हस्तांतरण एखादे विनिर्दीष्ट मुजतीखातीर आसूं अथवा नासूं);
- (ङ) खंयच्याय अनियमीत संघान अथवा व्यक्तींच्या निकायान आपणाल्या एखाद्या वांगङ्चाक रोखीन, आस्थिगित प्रदानाचेर अथवा हेर मोलादीक प्रतिलाभर्थ केल्ल्या मालाचे पुरवणेवेलो कर;
- (च) एखादो खावपा जिनस म्हूण अथवा मानवी सेवनाखातीर आशिल्ली कसलीय वस्त म्हूण अथवा कसलेंय पेय (मागीर तें मादक आसूं अथवा नासूं) म्हूण आशिल्ल्या मालाचे, कसलेय सेवेच्या रूपान अथवा अशें सेवेचो भाग म्हूण अथवा हेर कसलेय रितीन, केल्ले पुरवणेवेलो कर; मात, अशी पुरवण अथवा सेवा ही रोखीन, आस्थिगित प्रदानाचेर अथवा हेर मोलादीक, प्रतिफलार्थ केल्ली अथवा दिल्ली आसची, —

आनी कसल्याय मालाचें अशे तरेन केल्लें हस्तांतरण, अथवा केल्ली सुपूर्दी अथवा पुरवण हीं, अशें हस्तांतरण, सुपूर्दी अथवा पुरवण करपी व्यक्तीन केल्ली विक्री आसा आनी जे व्यक्तीकडेन अशें हस्तांतरण, सुपूर्दी अथवा पुरवण केल्ली आसत ते व्यक्तीन त्या मालाची केल्ली खरेदी आसा अशें मानतले.]

- 10[(30) 'संघ राज्यक्षेत्र' हाचो अर्थ, पयले अनुसुचयेंत विनिर्दीष्ट केल्लें खंयचेंय संघ राज्यक्षेत्र असो आसा आनी तातूंत, भारताच्या राज्यक्षेत्रांत आस्पावीत आशिल्ल्या पूण ते अनुसुचयेंत विनिर्दीष्ट करूंक नाशिल्ल्या हेर खंयच्याय राज्यक्षेत्राचो आस्पाव आसा.]
- **367. अर्थ लावणी** (1) संदर्भाक लागून हेर तेरेन गरजेचें नासल्यार, 'सर्वसाधारण वाक्खंड अधिनियम, 1897' जसो डोमिनयन ऑफ इंडियाच्या विधानमंडळाच्या अधिनियमाचे अर्थ लावणेक लागू आसा तसो तो, कलम 372 खाला तातूंत करतले अशा कसल्याय अनुकुलनांसयत आनी फेरबदलांसयत ह्या संविधानाचे अर्थ लावणेसंबंदीं लागू आसतलो.
- (2) संसदेचे अधिनियम अथवा तिणे केल्ले कायदे हेसंबंदीं अथवा ¹¹* * * राज्याच्या विधानमंडळाचे अधिनियम अथवा ताणे केल्ले कायदे हेसंबंदीं ह्या संविधानांत आशिल्ल्या खंयच्याय निर्देशांनी राष्ट्रपतीन काडिल्लो अध्यादेश अथवा, त्या त्या प्रकरणाप्रमाण, राज्यपालन ¹² * * * काडिल्लो अध्यादेश हेसंबंदींचो निर्देश आस्पावीत आसात असो ताचो अर्थ लायतले
- (3) ह्या संविधानाच्या प्रयोजनाखातीर 'परकी राष्ट्र' हाचो अर्थ, भारतापरस हेर खंयचेंय राष्ट्र असो आसा— परंतु, संसदेन केल्ल्या खंयच्याय कायद्याच्या उपबंधांचे अधीनतायेन, राष्ट्रपतीच्यान 13आदेशावरवीं खंयचेय राज्य त्या आदेशांत विनिर्दीष्ट करतले अशा प्रयोजनाखातीर परकी राज्य न्हय अशें घोशीत करूं येता.

टिपो

- 1. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956' अनुभाग 29 आनी अनुसुचयेवरवीं 'अथवा राजप्रमुख' हीं उतरां ' निरसीत केलीं.
- 2. कित्तो -

- 3. Ins. by Constitution (Forty-fourth Amendment) Act, 1978, s.42 (w.e.f. 20-6-1979)
- 4. Ins. by Constitution (Twenty-Sixth Amendment) Act, 1971, s.3.
- 5. Cl. (4A) was ins. by the Constitution (Forty-second Amendment) Act, 1976, s. 54 (w.e.f. 1-2-1977) and omitted by the Constitution (Forty-third Amendment) Act, 1977, s. 11 (w.e.f. 13-4-1978).
- 6. Cl. (21) omitted by the Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s. 29 and Sch.
- 7. Subs. by the Constitutior (Twenty-sixth Amendment) Act, 1971, s. 4, for cl. (22).
- 8. Cl. (26A) was ins. by the Constitution (Forty-second Amendment) Act, 1976, s. 54 (w.e.f. 1-2-1977) and omitted by the Constitution (Forty-third Amendment) Act, 1977, s. 11 (w.e.f. 13-4-1978).
- 9. Ins. by the Constitution (Forty-sixth Amendment) Act, 1982, s. 4.
- 10. Subs. by the Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s. 29 and Sch., for cl. (30).
- 11. The words and letters "specified in Part A or Part B of the First Schedule" omitted by s. 29 and Sch., ibid.
- 12. The words "or Rajpramukh" omitted by s. 29 and Sch., ibid.
- 13. See the Constitution (Declaration as to Foreign States) Order, 1950 (C.O.2).

- 3. 'संविधान (चोवेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1978' अनुभाग 42 वरवीं (20-06-1979) घालें.
- 4. 'संविधान (सव्विसावो बदल) अधिनियम, 1971' अनुभाग 3 वरवीं घालें.
- 5. 'संविधान (बेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1976' अनुभाग 54 वरवीं (01-02-1977) उपकलम (4क) घालें आनी ते 'संविधान (त्रेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1977' अनुभाग 11 वरवीं निरसीत केलें.
- 6. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956' अनुभाग 29 आनी अनुसुचयेवरवीं उपकलम (21) निरसीत केलें.
- 7. 'संविधान (सब्विसावो बदल) अधिनियम, 1971' अनुभाग 4 वरवीं उपकलम (22) चे सुवातेर घालें.
- 8. 'संविधान (बेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1976' अनुभाग 54 वरवीं उपकलम (26क) घालें आनी तें 'संविधान (त्रेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1977' अनुभाग 11 वरवीं निरसीत केलें.
- 9. 'संविधान (शेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1982' अनुभाग 4 वरवीं घालें.
- 10. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956' अनुभाग 29 आनी अनुसुचयेवरवीं उपकलम (30)चे सुवातेर धालें.
- 11. कित्तो 'पयलें अनुसुचयेचो भाग क आनी भाग ख हातूंत, विनिर्दीष्ट' हीं उतरां निरसीत केलीं.
- 12. कित्तो 'अथवा राजप्रमुख' हीं उतरां निरसीत केलीं.
- 13. 'संविधान (विदेशी राज्यांविशीं घोशणा) आदेश, 1950 (सं.आ.) पळीवंचें.

PART - XX

AMENDMENT OF THE CONSTITUTION

- ¹[368. Power of Parliament to amend the Constitution and procedure therefor.]— ²[(1) Not-withstanding anything in this Constitution, Parliament may in exercise of its constituent power amend by way of addition, variation or repeal any provision of this Constitution in accordance with the procedure laid down in this article.]
- ³[(2)] An amendment of this Constitution may be initiated only by the introduction of a Bill for the purpose in either House of Parliament, and when the Bill is passed in each House by a majority of the total membership of that House and by a majority of not less than two-thirds of the members of that House present and voting, ⁴[it, shall be presented to the President who shall give his assent to the Bill and thereupon] the Constitution shall stand amended in accordance with the terms of the Bill:

Provided that if such amendment seeks to make any change in-

- (a) Article 54, article 55, article 73, article 162 or article 241, or
- (b) Chapter IV of Part V, Chapter V of Part VI, or Chapter I of Part XI, or
- (c) Any of the Lists in the Seventh Schedule, or
- (d) The representation of States in Parliament, or
- (e) The provisions of this article,

the amendment shall also require to be ratified by the Legislatures of not less than one-half of the States ⁵*** by resolutions to that effect passed by those Legislatures before the Bill making provision for such amendment is presented to the President for assent.

- ²[(3) Nothing in article 13 shall apply to any amendment made under this article.]
- ⁶[(4) No amendment of this Constitution (including the provisions of Part III) made or purporting to have been made under this article [whether before or after the commencement of section 55 of the Constitution (Forty-second Amendment) Act, 1976] shall be called in question in any court on any ground.
- (5) For the removal of doubts, it is hereby declared that there shall be no limitation whatever on the constituent power of Parliament to amend by way of addition, variation or repeal the provisions of this Constitution under this article.]

Notes

- 1. Subs. by the Constitution (Twenty-fourth Amendment) Act, 1971, s. 3, for "Procedure for amendment of the Constitution.".
- 2. Ins. by s. 3. ibid.
- 3. Art. 368 renumbered as cl.(2) by s. 3, ibid.

भाग - XX

संविधानांत बदल

- ¹[368. संसदेचो संविधान बदलपाचो अधिकार आनी तेसंबंदींची कार्यपद्धत ²[(1) ह्या संविधानांत किदेंय आसलें तरी, संसदेच्यान आपणाल्या संविधायी अधिकारांचो वापर करून, ह्या संविधानाचो खंयचोय उपबंध ह्या कलमांत घालून दिल्ले कार्यपद्धतीप्रमाण, चड भर घालून, फेरबदल करून अथवा निरसन करून त्या रूपांत बदलून घेवं येता.]
- ³[(2)] ह्या संविधानाच्या बदलाचों आरंभ संसदेच्या दोनाभितरत्या खंयच्याय सभाघरांत त्या प्रयोजनाखातीर विधेयक प्रस्तुत करून करूं येता, आनी जेन्ना तें विधेयक दरेका सभाघरांत त्या सभाघरांचे एकंदर वांगडी संख्येच्या भोवमतान आनी त्या सभाघराच्या हाजीर आशिल्ल्या आनी मतदान करपी वांगड्यांभितरत्या उण्याच त्या दोन-तृतीयांश इतल्या वांगड्यांच्या भोवमतान पास जातलें तेन्ना, ⁴[तें राष्ट्रपतीकडेन सादर करतले आनी तो त्या विधेयकाक आपणाली अनुमती दितलो आनी तेउपरांत, संविधान विधेयकाप्रमाण बदलून येतलें.

परंतु, जर असो बदल —

- (क) कलम 54, कलम 55, कलम 73, कलम 162 अथवा कलम 241, अथवा
- (ख) ज्या भागांतले 4थें प्रकरण, ज्क्ष्या भागांतलें 5वें प्रकरण, अथवा ज्क्ष्या भागांतलें पयलें प्रकरण, अथवा
 - (ग) सातवे अनुसुचयेंत आशिल्ल्यांभितर खंयचीय वळेरी, अथवा
 - (घ) राज्यांचें संसदेंतलें प्रतिनिधीत्व, अथवा
 - (ङ) ह्या कलमांचे उपबंध,

हातूंत कसलोय बदल करूंक सोदता आसत जाल्यार, अशा बदलाचो उपबंध करपी विधेयक राष्ट्रपतीमुखार अनुमतेखातीर दवरचेपयलीं तो बदल ⁵ * * * राज्यांमदल्या उण्याच त्या अर्द्या राज्यांच्या विधान मंडळांनी पास केल्ल्या तशाच आशयाच्या थारावांवरवीं त्या विधानमंडळांकडल्यान अनुसंमत जावपूय गरजेचें आसतलें.

- ²[(3) कलम 13 तली खंयचीय गजाल, ह्या कलमाखाला केल्ल्या कसल्याच बदलाक लागू आसची ना.]
- ⁶[(4) ह्या संविधानांत (भागा III च्या उपबंधांसयत) ह्या कलमाखाला केल्लो अथवा तशे म्हूण केल्लो कसलोय बदल [मागीर तो 'संविधान (बेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1976' अनुभाग 55 हाच्या आरंभापयलीं केल्लो आसूं अथवा मागीर केल्लो आसूं] खंयच्याच न्यायालयांत खंयच्याच कारणावेल्यान प्रस्नास्पद करूंक मेळचोना.
- (5) दुबाव काडून उडोवपाखातीर हेवरवीं अशें घोशीत करतात कीं, ह्या संविधानाच्या उपबंधांनी चड भर घालून, तातूंत फेरफार करून अथवा ते निरसीत करून तातूंत बदल करपासंबंदीं ह्या कलमाखाला संसदेक आशिल्ल्या संविधायी अधिकाराचेर कसलेच तरेची मर्यादा आसची ना.]

टिपो

- 1. 'संविधान (चोविसावो बदल) अधिनियम, 1971' अनुभाग 3 वरवीं 'संविधानाच्या बदलाची कार्यपद्धत' ह्या मूळ मजकुराचे सुवातेर घालें.
- 2. कित्तो अनुभाग 3 वरवीं घालें.
- 3. कित्तो कलम 368 क उपकलम (2) चे उपरांत पुनर्संख्यांकीत केलें.

- 4. Subs. by s. 3, ibid., for "it shall be presented to the President for his assent and upon such assent being given to the Bill".
- 5. The words and letters "specified in Parts A and B of the First Schedule" omitted by the Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s. 39 and Sch.
- 6. Cls. (4) and (5) were ins. in article 368 by s. 55 of the Constitution (Forty-second Amendment) Act, 1976.

- 4. कित्तो कलम 3 वरवीं 'तें राष्ट्रपतीक ताचे अनुमतेखातीर सादर करतले आनी विधेयकाक अशी अनुमती मेळ्ळेउपरांत' ह्या मजकुराचे सुवातेर घालें.
- 5. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956' अनुभाग 39 आनी अनुसुचयेवरवीं 'पयलें अनुसुचयेचो भाग क आनी भाग ख हातूंत उल्लेंखिल्ल्या' हो मजकूर निरसीत केलो.
- 6. 'संविधान (बेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1976' अनुभाग 55 वरवीं घालें.

Part - XXI

[Temporary, transitional and special provisions.]

- 369. Temporary power to Parliament to make laws with respect to certain matters in the State List as if they were matters in the Concurrent List. Notwithstanding anything in this Constitution, Parliament shall, during a period of five years from the commencement of this Constitution, have power to make laws with respect to the following matters as if they were enumerated in the Concurrent List, namely: —
- (a) Trade and commerce within a State in, and the production, supply and distribution of, cotton and woollen textiles, raw cotton (including ginned cotton and unginned cotton or kapas), cotton seed, paper (including newsprint), food-stuffs (including edible oilseeds and oil), cattle fodder (including oilcakes and other concentrates), coal (including coke and derivatives of coal), iron, steel and mica;
- (b) Offences against laws with respect to any of the matters mentioned in clause (a), jurisdiction and powers of all courts except the Supreme Court with respect to any of those matters, and fees in respect of any of those matters but not including fees taken in any court;

But any law made by Parliament, which Parliament would not but for the provisions of this article have been competent to make, shall, to the extent of the incompetency, cease to have effect on the expiration of the said period, except as respects things done or omitted to be done before the expiration thereof.

- ²[370. Temporary provisions with respect to the State of Jammu and Kashmir. (1) Notwithstanding anything in this Constitution,
 - (a) The provisions of article 238 shall not apply in relation to the State of Jammu and Kashmir;
 - (b) The power of Parliament to make laws for the said State shall be limited to-
 - (i) Those matters in the Union List and the Concurrent List which, in consultation with the Government of the State, are declared by the President to correspond to matters specified in the Instrument of Accession governing the accession of the State to the Dominion of India as the matters with respect to which the Dominion Legislature may make laws for that State; and
 - (ii) Such other matters in the said Lists as, with the concurrence of the Government of the State, the President may by order specify.

Explanation. — For the purposes of this article, the Government of the State means the person for the time being recognised by the President as the Maharaja of Jammu and Kashmir acting on the advice of the Council of Ministers for the time being in office under the Maharaja's Proclamation dated the fifth day of March, 1948;

- (c) The provisions of article 1 and of this article shall apply in relation to that State;
- (d) Such of the other provisions of this Constitution shall apply in relation to that State subject to such exceptions and modifications as the President may by order ³specify:

Provided that no such order, which relates to the matters specified in the Instrument of Accession of the State referred to in paragraph (i) of sub-clause (b) shall be issued except in consultation with the Government of the State:

भाग - XXI

1[अस्थायी, संक्रमणी आनी विशेश उपबंध]

- 369. राज्य वळेरंतल्यो थोड्यो गजाली जशेपरीं समवर्ती वळेरंतल्यो आसच्यो तेप्रमाण तांचेसंबंदीं कायदे करपाचो संसदेक अधिकार ह्या संविधानांत किदेंय आसलें तरी, ह्या संविधानाच्या आरंभासावन पांच वर्सांच्या कालावधींत संसदेक फुडल्यो गजाली जश्यो किदें समवर्ती वेळेरेंत नमूद केल्ल्योच आसात अशें धरून तेसंबंदांत कायदे करपाचो अधिकार आसतलो, त्यो गजाली अशो :—
- (क) सुती आनी लोकरीचें लुगट, हरवो कापूस (सरकी काङिल्लो आनी सरकी काडूंक नाशिल्लो कापूस अथवा कपास हांचेसयत) लोखंड, पोलाद आनी अभ्रक हांचो राज्यांतर्गत वेपार आनी वाणिज्य तशेंच तांचें उत्पादन, पुरवण आनी वितरण;

जो

(ख) उपकलम (क) हातूंत उल्लेखिल्ल्यांमदले खंयचेय गजालीसंबंदींच्या कायद्यांआड घडपी गुन्यांव, तांचेभितरले गजालींसंबंदी सर्वोच्च न्यायालय सोडल्यार सगल्या न्यायालयांची अधिकरिताय आनी तांचे अधिकार, आनी तांचेमदले खंयचेय गजालीसंबंदींची फी-पूण खंयच्याय न्यायालयांत घेतात ते फियेचो तातूंत आस्पाव ना;

पूण ह्या कलमाचे उपबंध नाशिल्ले जाल्यार जो कायदो करपाक संसद सक्षम जावंची नाशिल्ली असो संसदेन केल्लो कसलोय कायदो उक्त कालावधी सोंपनाफुडें अक्षमतेचे व्याप्तेमेरेन निश्परिणामक जातलो, मात तो सोंपचेपयलीं केल्ल्यो अथवा करपाच्यो सोडिल्ल्यो गजाली हाका आडवाद आसत्तल्यो.

- ²[370. जम्मू आनी काश्मीर राज्यासंबंदी अस्थायी उपबंध (1) ह्या संविधानांत किदेंय आसलें तरी, -
 - (क) कलम 238 चे उपबंध जम्मू आनी काश्मीर राज्याच्या संबंदांत लागू आसचे नात;
 - (ख) उक्त राज्याखातीर कायदे करपाचो संसदेचो अधिकार फुडल्या गजालींसंबंदीं मर्यादीत आसतलो :-
- (i) एखादें संस्थान भारतीय अधिराज्यांत (डोमिनियन ऑफ इंडियांत) सामील जावपाविशीं नियमन करपी सामीलनाम्यांत जांचेसंबंदीं डोमिनियनाच्या विधानमंडळाच्या त्या संस्थानांखातीर कायदे करूं येतात अशो गजाली म्हूण विनिर्दीष्ट केल्ल्या गजालींकडेन ज्यो समनुरूप आसात अशें राष्ट्रपतीन शासनाचो विचार घेवन घोशीत केलां त्यो संघ वळेरेंतल्यो

आनी समवर्ती वळेरेंतल्यो गजालीं; आनी

(ii) त्या राज्याच्या सरकाराचे सहमतीन राष्ट्रपती आदेशावरवीं ज्यो विनिर्दीष्ट करतलो अशों उक्त विशयांतल्यो हेर गजाली.

स्परितकरण :— ह्या कलमाच्या प्रयोजनाखातीर, 'राज्याचें सरकार' हाचो अर्थ, राष्ट्रपतीन जम्मू आनी काश्मीराचो महाराजा म्हूण त्या त्या काळांत मान्यताय दिल्ली, महाराजांच्या तारीक 5 मार्च, 1948 चे उद्घोशणेप्रमाण त्या त्या काळांत अधिकाराचेर आशिल्ल्या मंत्रिमंडळाच्या सल्ल्यान कार्य करपी व्यक्ती असो आसा;

- (ग) कलम (1) चे आनी ह्या कलमाचे उपबंध त्या राज्याच्या संबंदांत लागू आसतले;
- (घ) ह्या संविधानाच्या हेर उपबंधांमदले राष्ट्रपती ³आदेशावरवीं विनिर्दीष्ट करतलो अशे उपबंध, अशे विनिर्दीष्ट आडवाद आनी फेरफार हांचेसयत त्या राज्याच्या संबंदांत लागू आसतले :

परंतु, उपकलम (ख) परिच्छेद (i) हातूंत विनिर्दीष्ट केल्ल्या अशा संस्थानाच्या सामीलनाम्यांतल्या गजालींकडेन संबंदीत आसत असो कसलोच आदेश राज्याच्या सरकाराचो विचार घेतलेबगर काडचे नात : Provided further that no such order, which relates to matters other than those referred to in the last preceding proviso shall be issued except with the concurrence of that Government.

- (2) If the concurrence of the Government of the State referred to in paragraph (ii) of sub-clause (b) of clause (1) or in the second proviso to sub-clause (d) of that clause be given before the Constituent Assembly for the purpose of framing the Constitution of the State is convened, it shall be placed before such Assembly for such decision as it may take thereon.
- (3) Notwithstanding anything in the foregoing provisions of this article, the President may, by public notification, declare that this article shall cease to be operative or shall be operative only with such exceptions and modifications and from such date as he may specify:

Provided that the recommendation of the Constituent Assembly of the State referred to in clause (2) shall be necessary before the President issues such a notification.

- ⁴[371. Special provision with respect to the States of ⁵* * * Maharashtra and Gujarat.—
 ⁶(1) * * *
- (2) Notwithstanding anything in this Constitution, the President may by order made with respect to ⁷the State of Maharashtra or Gujarat], provide for any special responsibility of the Governor for-
 - (a) The establishment of separate development boards for Vidarbha, Marathwada, ^{*}[and the rest of Maharashtra or, as the case may be,] Saurashtra, Kutch and the rest of Gujarat with the provision that a report on the working of each of these boards will be placed each year before the State Legislative Assembly;
 - (b) The equitable allocation of funds for developmental expenditure over the said areas, subject to the requirements of the State as a whole; and
 - (c) An equitable arrangement providing adequate facilities for technical education and vocational training, and adequate opportunities for employment in services under the control of the State Government, in respect of all the said areas, subject to the requirements of the State as a whole.]

⁹[371A. Special provision with respect to the State of Nagaland. — (1) Notwithstanding anything in this Constitution, —

- (a) No Act of Parliament in respect of-
 - (i) Religious or social practices of the Nagas,
 - (ii) Naga customary law and procedure,
 - (iii) Administration of civil and criminal justice involving decisions according to Naga customary law,
 - (iv) Ownership and transfer of land and its resources,

Shall apply to the State of Nagaland unless the Legislative Assembly of Nagaland by a resolution so decides;

(b) The Governor of Nagaland shall have special responsibility with respect to law and order in the State of Nagaland for so long as in his opinion internal disturbances occurring in the Naga Hills-

परंतु, आनीक अशें की, निकटपूर्व परंतुकांत निर्दीष्ट केल्ल्यांपरस हेर गजालींकडेन संबंदीत आसत असो कसलोच आदेश त्या सरकाराची सहमती आसलेबगर काडचे नात.

- (2) जर उपकलम (1) उप-उपकलम (ख) परिच्छेद (ii) हातूंत अथवा त्या उपकलमाच्या उप-उपकलम (घ) हातूंतल्या दुसऱ्या परंतुकांत निर्दीष्ट केल्ली राज्याच्या सरकाराची सहमती त्या राज्याचें संविधान तयार करपाखातीर संविधानसभा आमंत्रीत करचेपयलीं दिल्ली आसत जाल्यार, अशे संविधान सभेन ते सहमतीसंबंदीं निर्णय घेवंचो हेखातीर ती तिचेमुखार दवरतले.
- (3) ह्या कलमांच्या पूर्वगामी उपबंधांत किदेंय आसलें तरी राष्ट्रपतीच्यान, तो विनिर्दीष्ट करतलो अशे तारकेसावन हें कलम लागू आसपाचें बंद जातलें अथवा तेन्नासावन विनिर्दीष्ट अशाच आडवादांसयत आनी फेरफारांसयत लागू जातलें अशें जाहीर अधिसुचोवणेवरवीं घोशीत करूं येता.

परंतु, राष्ट्रपतीन अशी अधिसुचोवणी काडचेपयलीं, उपकलम (2) हातूंत निर्दीष्ट केल्ल्या राज्याच्या विधानमंडळांची शिफारस गरजेची आसतलीं.

⁴[371. ⁵* * * महाराष्ट्र आनी गुजराथ ह्या राज्यांसंबंदांत खाशेले उपबंध — ⁶(1)* * *

- (2) ह्या संविधानांत किदेंय आसलें तरी, ⁷[महाराष्ट्र अथवा गुजराथ ह्या राज्यांसंबंदींट आदेश करून तेवरवीं राष्ट्रपतीच्यान फुडल्या गजालींखातीर राज्यापालाचेर कसलीय खाशेली जापसालकी सोपोवपाचो उपबंध करूं येता
 - (क) विदर्भ, मराठवाडा, ⁸[आनी उरिल्लें महाराष्ट्र अथवा, त्या त्या प्रकरणाप्रमाण,] सौराष्ट्र, कच्छ, आनी उरिल्लें गुजराथ हांचेखातीर वेगळीं वेगळीं विकासमंडळां स्थापन करून, तांचेभितरल्यां दरेका मंडळाच्या कामकाजाचो अहवाल दर वर्सा राज्य विधानसभेमुखार दवरतले अशी तजवीज करप;
 - (ख) सबंद राज्याच्यो गरजो सगल्या तरांनीं मतींत घेवन, उक्त क्षेत्रांवेल्यान विकास खर्चाखातीर दुडवांची समन्यायानुसार वांटणी करप; आनी
 - (ग) सबंद राज्याच्यो गरजो सगल्या तरांनी मतींत घेवन, उक्त क्षेत्रांसंबंधीं तंत्र शिक्षण आनी वेवसायीक प्रशिक्षण हांचेखातीर पर्याप्त सोयी आनी राज्य सरकाराच्या नियंत्रणाखालच्या सेवांनी नोकरेची पर्याप्त संद मेळोवन दिवपी समन्यायाप्रमाण वेवस्था करप]

⁹[371क. नागालॅण्ड राज्यासंबंदीं खाशेले उपबंध - (1) ह्या संविधानांत किदेंय आसलें तरी, —

- (क) (i) नागांचे धर्मीक अथवा सामाजीक आचार,
 - (ii) नागांचो रुढिप्राप्त कायदो आनी प्रक्रिया,
 - (iii) नागांच्या रूढिप्राप्त कायद्याप्रमाण निर्णय दिवप हें जातूंत आस्पावीत आसा अशें दिवाणी आनी फौजदारी न्यायदान,
 - (iv) जमीन आनी तिंचेभितरली साधनसंपत हांचे धनीपण आनी हस्तांतरण,

हेसंबंदांत संसदेचो कसलोच अधिनियम, नागालॅण्डाचे विधानसभेन थारावावरवीं तशें निश्चित केलेबगर नागालॅण्ड राज्याक लागू जांवचो ना.

(ख) नागालॅण्ड राज्याचे निर्मणेच्या निकटपूर्व नागा हिल्सट्यूएनसांग क्षेत्रांत उप्रासपी अंतर्गत दंगे नागालॅण्डाच्या राज्यपालाच्या मतान जोंवेर थंय अथवा ताच्या खंयच्याय भागांत चालू आसात तितलो काळ त्या राज्यातलीं Tuensang Area immediately before the formation of that State continue therein or in any part thereof and in the discharge of his functions in relation thereto the Governor shall, after consulting the Council of Ministers, exercise his individual judgment as to the action to be taken:

Provided that if any question arises whether any matter is or is not a matter as respects which the Governor is under this sub-clause required to act in the exercise of his individual judgment, the decision of the Governor in his discretion shall be final, and the validity of anything done by the Governor shall not be called in question on the ground that he ought or ought not to have acted in the exercise of his individual judgment:

Provided further that if the President on receipt of a report from the Governor or otherwise is satisfied that it is no longer necessary for the Governor to have special responsibility with respect to law and order in the State of Nagaland, he may by order direct that the Governor shall cease to have such responsibility with effect from such date as may be specified in the order;

- (c) In making his recommendation with respect to any demand for a grant, the Governor of Nagaland shall ensure that any money provided by the Government of India out of the Consolidated Fund of India for any specific service or purpose is included in the demand for a grant relating to that service or purpose and not in any other demand;
- (d) As from such date as the Governor of Nagaland may by public notification in this behalf specify, there shall be established a regional council for the Tuensang district consisting of thirty-five members and the Governor shall in his discretion make rules providing for-
- (i) The composition of the regional council and the manner in which the members of the regional council shall be chosen:

Provided that the Deputy Commissioner of the Tuensang district shall be the Chairman ex officio of the regional council and the Vice-Chairman of the regional council shall be elected by the members thereof from amongst themselves;

- (ii) The qualifications for being chosen as, and for being, members of the regional council;
- (iii) The term of office of, and the salaries and allowances, if any, to be paid to members of, the regional council;
 - (iv) The procedure and conduct of business of the regional council;
- (v) The appointment of officers and staff of the regional council and their conditions of services; and
- (vi) Any other matter in respect of which it is necessary to make rules for the constitution and proper functioning of the regional council.
- (2) Notwithstanding anything in this Constitution, for a period of ten years from the date of the formation of the State of Nagaland or for such further period as the Governor may, on the recommendation of the regional council, by public notification specify in this behalf, -
 - (a) The administration of the Tuensang district shall be carried on by the Governor;
 - (b) Where any money is provided by the Government of India to the Government of Nagaland to meet the requirements of the State of Nagaland as a whole, the Governor shall in his discretion arrange for an equitable allocation of that money between the Tuensang district and the rest of the State;

कायदो आनी सुवेवस्था हांचेविशीं ताचेर खाशेली जापसालकी आसतली आनी तेसंबंदींचीं आपणालीं कार्यां निभायतना करपाचे कारवायेसंबंदीं राज्यपाल मंत्रिमंडळाचो विचार घेतलेउपरांत आपणाल्या वैयक्तीक निर्णयाधिकाराचो वापर करतलो :

परंतु, जर कसलीय गजाल ही जिचेसंबंदांत ह्या उप-उपकलमाखाला राज्यापालान आपणालो वैयक्तीक निर्णयाधिकार वापरून कार्य करप गरजेचें आसा अशी गजाल आसा काय ना असो प्रस्न उप्रासलो जाल्यार, राज्यपालाचो आपणाले बुदी प्रमाणचो निर्णय निमणो आसतलो आनी ताणें केल्ले कसलेच गजालीचें कायदेशीरपण हें ताणे आपणालो वैयक्तीक निर्णयाधिकार वापरून कार्य करूंक जाय आशिल्लें काय नाका आशिल्लें, ह्या कारणावेल्यान प्रस्नास्पद करूंक मेळचें ना;

परंतु, आनीक अशें की, जर नागालण्ड राज्यांतलीं कायदो आनी सुवेवस्था हांचेसंबंदीं राज्यपालाचेर खाशेली जापसालकी आसपाचें हाचेफुडें गरजेचें ना हेसंबंदीं राष्ट्रपतीची, राज्यपालाकडल्यान अहवाल मेळिल्ल्यान अथवा हेर तरेन खात्री जाली जाल्यार, ताच्यान आदेशावरवीं अशी जापसालकी आदेशांत विनिर्दीष्ट करूं येता अशे तारकेसावन संपुश्टांत येतली अशें निदेशीत करूं येता;

- (ग) कसलेय अनुदानाचें मागणेसंबदीं आपणाली शिफारस करतना, नागालॅण्डाचो राज्यपाल खंयचेय खाशेले सेवेखातीर अथवा प्रयोजनाखातीर भारत सरकारान भारताच्या एकवटीत निर्धीतल्यान पुरवण केल्ल्या दुडवाचो आस्पाव ते सेवेकडेन अथवा प्रयोजनाकडेन संबंदीत आशिल्ल्या अनुदानाखातीर मागणेंत आसतलो आनी हेर कसलेच मागणेंत आसचो ना अशी खात्रीलायक तजवीज करतलो;
- (घ) ट्यूएनसांग जिल्ह्याखातीर पस्तीस वांगडी मेळून घडिल्लें एक प्रादेशीक मंडळ नागालॅण्डाचो राज्यपाल जाहीर अधिसुचोवणेवरवीं हेसंबंदांत विनिर्दीष्ट करतलो अशे तारकेक आनी तेन्नासावन स्थापन करतलो आनी राज्यपाल आपणाले बुदी प्रमाण फुडल्या गजालींखातीर उपबंध करपी नेम करतलोः—
- (i) प्रादेशीक मंडळाची घडण आनी प्रादेशीक मंडळाचे वांगडी जाचेप्रमाण वेंचतले ताची पद्धत : परंतु, ट्यूएनसांग उप-आयुक्त हो प्रादेशीक मंडळाचो पदसिद्ध अध्यक्ष आसतलो आनी प्रादेशीक मंडळाचो उपाध्यक्ष ताच्या वांगड्यांवरवीं तांचेभितरल्यान वेंचून दितले;
 - (ii) प्रादेशीक मंडळाचे वांगडी म्हूण त्या पदाचेर वेचून वचपाखातीर अथवा रावपाखातीर लागपी पात्रतायोः
 - (iii) प्रादेशीक मंडळाच्या वांगड्यांचो अधिकारकाळ, आनी वांगड्यांक थोडे पगार आनी भत्ते प्रदेय आसल्यार ते:
- (iv) प्रादेशीक मंडळाची कार्यपद्धत आनी ताच्या कामकाजाचें चालन;
 - (v) प्रादेशीक मंडळाच्या अधिकाऱ्यांची आनी कर्मचाऱ्यांची नेमणूक आनी तांच्यो सेवा-अटी; आनी
 - (vi) प्रादेशीक मंडळ घडीत करपाखातीर आनी तिचें कार्य फावो ते तरेन चलोवपाखातीर जाचेसंबंदीं नेम करप गरजेचें आसा अशीं हेर कसलीय गजाल.
- (2) ह्या संविधानांत किदेंय आसलें तरी, नागालॅण्ड राज्याचे निर्मणेचे तारकेसावन धा वर्सांच्या कालावधीमेरेन अथवा राज्यपाल हेसंबंदांत प्रादेशीक मंडळाच्या कारणावेल्यान जाहीर अधिसुचोवणेवरवीं विनिर्दीष्ट करतलो अशा आनीक कालावधीमेरेन, -
 - (क) ट्यूएनसांग जिल्ह्याचें प्रशासन राज्यपालाकडल्यान चलतलें;
 - (ख) सबंद नागालॅण्ड राज्याच्यो गरजो पूर्ण करपाखातीर भारत सरकारान नागालॅण्डाच्या सरकाराक थोडो दुडू पावयला आसत तेसंबंदांत राज्यपाल आपणाले बुदी प्रमाण त्या दुडवाची ट्यूएनसांग जिल्हो आनी उरिल्लें राज्य हांचेभितर समन्यायाप्रमाण वांटणी करपाची वेवस्था करतलो;

(c) No Act of the Legislature of Nagaland shall apply to Tuensang district unless the Governor, on the recommendation of the regional council, by public notification so directs and the Governor in giving such direction with respect to any such Act may direct that the Act shall in its application to the Tuensang district or any part thereof have effect subject to such exceptions or modifications as the Governor may specify on the recommendation of the regional council:

Provided that any direction given under this sub-clause may be given so as to have retrospective effect:

- (d) The Governor may make regulations for the peace, progress and good government of the Tuensang district and any regulations so made may repeal or amend with retrospective effect, if necessary, any Act of Parliament or any other law which is for the time being applicable to that district;
- (e) (i) One of the members representing the Tuensang district in the Legislative Assembly of Nagaland shall be appointed Minister for Tuensang affairs by the Governor on the advice of the Chief Minister and the Chief Minister in tendering his advice shall act on the recommendation of the majority of the members as aforesaid¹;
- (ii) The Minister for Tuensang affairs shall deal with, and have direct access to the Governor on, all matters relating to the Tuensang district but he shall keep the Chief Minister informed about the same:
- (f) Notwithstanding anything in the foregoing provisions of this clause, the final decision on all matters relating to the Tuensang district shall be made by the Governor in his discretion;
- (g) In articles 54 and 55 and clause (4) of article 80, references to the elected members of the Legislative Assembly of a State or to each such member shall include references to the members or member of the Legislative Assembly of Nagaland elected by the regional council established under this article;
 - (h) In article 170-
- (i) Clause (1) shall, in relation to the Legislative Assembly of Nagaland, have effect as if for the word "sixty", the word "forty-six" had been substituted;
- (ii) In the said clause, the reference to direct election from territorial constituencies in the State shall include election by the members of the regional council established under this article;
- (iii) In clauses (2) and (3), references to territorial constituencies shall mean references to territorial constituencies in the Kohima and Mokokchung districts.
- (3) If any difficulty arises in giving effect to any of the foregoing provisions of this article, the President may by order do anything (including any adaptation or modification of any other article) which appears to him to be necessary for the purpose of removing that difficulty:

Provided that no such order shall be made after the expiration of three years from the date of the formation of the State of Nagaland.

Explanation. - In this article, the Kohima, Mokokchung and Tuensang districts shall have the same meanings as in the State of Nagaland Act, 1962.]

(ग) नागालॅण्ड विधानमंडळाचो खंयचोच अधिनियम, राज्यपालान प्रादेशीक मंडळाचे शिफारसीवेल्यान जाहीर अधिसुचोवणेवरवीं तशें निदेशीत केलेबगर ट्यूएनसांग जिल्ह्याक लागू जांवचो ना आनी अशा खंयच्याच अधिनियमासंबंदीं असो निदेश दितना, राज्यपाल तो अधिनियम ट्यूएनसांग जिल्ह्याक अथवा ताच्या खंयच्याय भागाक लागू जातना प्रादेशीक मंडळाचे शिफारसीवेल्यान राज्यपाल विनिर्दीष्ट करीत अशा आडवादांसयत अथवा फेरफारांसयत परिणामक जातलो अशें ताच्यान निदेशीत करूं येता;

परंतु, ह्या उपबंधाखाला दिल्लो खंयचोय निदेश, ताच्यान भूतलक्षी परिणाम आसत अशे तरेन दिवं येता;

- (घ) राज्यपालाच्यान ट्यूएनसांग जिल्ह्यांत शांतताय उरची, ताची उदरगत जांवची आनी ताचें शासन सुरळीत जांवचे हेखातीर विनियम करूं येतात आनी हेप्रमाण केल्ल्या खंयच्याय विनियमांवरवीं त्या जिल्ह्यांक त्या त्या वेळार जो लागू आसत अशा खंयच्याय संसदीय अधिनियमाचें अथवा हेर खंयच्याय कायद्याचें, गरज थंय भूतलक्षी परिणामासयत, निरसन अथवा तातूंत बदल करूं येता;
- (ङ) (i) नागालॅण्डाचे विधानसभेंत ट्यूएनसांग जिल्ह्याचे प्रतिनिधीत्व करपी वांगड्यांभितरल्या एका वांगड्याक मुख्यमंत्र्याच्या सल्ल्यावेल्यान ट्यूएनसांगविशयक वेव्हार मंत्री म्हूण राज्यपालाकडल्यान नेमतले आनी मुख्यमंत्री आपणालो सल्लो दितना पूर्वोक्त 10वांग्यांमदल्या भोवसंख्यांकांचे शिफारसीप्रमाण दितलो;
- (ii) ट्यूएनसांग विशयक वेव्हारमंत्री ट्यूएनसांग जिल्ह्यासंबंदींच्या सगल्या गजालीसंबंदीं कार्यवाही करतलो आनी तेसंबंदांत ताच्यान राज्यपालाकडेन थेट संपर्क सादू येता, पूण मुख्यमंत्र्याक ताचेविशीं तो म्हायती दीत रावतलो;
- (च) ह्या उपकलमाच्या पूर्वगामी उपबंधांनी किदेंय आसलें तरी, ट्यूएनसांग जिल्ह्यासंबंदींच्या सगल्या गजालींचेर राज्यपाल आपणाले बुदी प्रमाण निमणो निर्णय दितलो;
- (छ) कलम 54 आनी 55 आनी कलम 80-उपकलम (4) हातूंत राज्यांचे विधानसभेच्या वेंचून आयिल्ल्या वांगड्यांसंबंदींच्या अथवा अशा दरेका वांगड्यांसंबंदींच्या निर्देशांनी ह्या कलमाखाला स्थापन जाल्ल्या प्रादेशीक मंडळान वेंचून दिल्ल्या नागालॅण्ड विधानसभेच्या वांगड्यांसंबंदींचे अथवा वांगड्यांसंबंदींचे निर्देश आस्पावीत आसतले;
 - (ज) कलम 170 त —
- (i) उपकलम (1) हें नागालॅण्डाच्या संबंदांत, तातूंत 'साठ' हाचे सुवातेर जशेंपरीं 'शेचाळीस' हें उतर आसा अशेतरेन परिणामक जातलें;
- (ii) उक्त उपकलमांत, त्या राज्यांतल्या क्षेत्रीय मतदारसंघातल्यान जावपी प्रत्यक्ष वेंचणुकेसंबंदींच्या निर्देशांत ह्या कलमाखाला स्थापन जाल्ल्या प्रादेशीक मंडळाच्या वांगङ्यांमार्फत जावपी वेंचणूक आस्पावीत आसतलीं;
- (iii) उपकलम (2) आनी (3) हातूंत, क्षेत्रीय मतदारसंघासंबंदींच्या निर्देशांचो अर्थ, कोहिमा आनी मोकोकचुंग जिल्ह्यांच्या क्षेत्रीय मतदारसंघांसंबंदींचे निर्देश असो आसतलो.
- (3) जर ह्या कलमांतल्या पूर्वगामी उपबंधांमदलो खंयचोय उपबंध कार्यान्वीत करतना कसलीय अडचण उप्रासली जाल्यार राष्ट्रपतीच्यान ती अडचण कडेक काडपाखातीर स्वताक गरजेची दिसत अशी कसलीय गजाल (हेर खंयच्याय अनुकूलन अथवा फेरफार हांचेसयत) आदेशावरवीं करूं येता;

परंतु, नागालण्ड राज्याचे निर्मणेचे तारकेसावन तीन वर्सां सोंपलेउपरांत असो खंयचोच आदेश करचे नात.

स्परटीकरण :- कोहिमा, मोकोकचुंग आनी ट्यूएनसांग जिल्हे हांकां 'नागालॅण्ड राज्य अधिनियम, 1962' हातूंत आसतले तेच अर्थ ह्या कलमांत आसतले.

- [371B. Special provision with respect to the State of Assam. Notwithstanding anything in this Constitution, the President may, by order made with respect to the State of Assam, provide for the constitution and functions of a committee of the Legislative Assembly of the State consisting of members of that Assembly elected from the tribal areas specified in ¹²[Part I] of the table appended to paragraph 20 of the Sixth Schedule and such number of other members of that Assembly as may be specified in the order and for the modifications to be made in the rules of procedure of that Assembly for the constitution and proper functioning of such committee.]
- ¹³[371C. Special provision with respect to the State of Manipur. (1) Notwithstanding anything in this Constitution, the President may, by order made with respect to the State of Manipur, provide for the constitution and functions of a committee of the Legislative Assembly of the State consisting of members of that Assembly elected from the Hill Areas of that State, for the modifications to be made in the rules of business of the Government and in the rules of procedure of the Legislative Assembly of the State and for any special responsibility of the Governor in order to secure the proper functioning of such committee.
- (2) The Governor shall annually, or whenever so required by the President, make a report to the President regarding the administration of the Hill Areas in the State of Manipur and the executive power of the Union shall extend to the giving of directions to the State as to the administration of the said areas.

Explanation. — In this article, the expression "Hill Areas" means such areas as the President may, by order, declare to be Hill areas.]

- ¹⁴[371D. Special provisions with respect to the State of Andhra Pradesh. (1) The President may by order made with respect to the State of Andhra Pradesh provide, having regard to the requirements of the State as a whole, for equitable opportunities and facilities for the people belonging to different parts of the State, in the matter of public employment and in the matter of education, and different provisions may be made for various parts of the State.
 - (2) An order made under clause (1) may, in particular, —
 - (a) Require the State Government to organise any class or classes of posts in a civil service of, or any class or classes of civil posts under, the State into different local cadres for different parts of the State and allot in accordance with such principles and procedure as may be specified in the order the persons holding such posts to the local cadres so organised;
 - (b) Specify any part or parts of the State, which shall be regarded as the local area-
 - (i) For direct recruitment to posts in any local cadre (whether organised in pursuance of an order under this article or constituted otherwise) under the State Government;
 - (ii) For direct recruitment to posts in any cadre under any local authority within the State; and
 - (iii) For the purposes of admission to any University within the State or to any other educational institution which is subject to the control of the State Government;

¹¹[371ख. आसाम राज्यासंबंदीं खाशेले उपबंध — ह्या संविधानांत किदेंय आसलें तरी, आसाम राज्यासंबंदीं आदेश करून तेवरवीं राष्ट्रपतीच्यान सवी अनुसूची - परिच्छेद 20 हांचेवांगडा जोडिल्ल्या तकट्यांतलो ¹²[भाग-I] हातूंत विनिर्दीष्ट केल्ल्या जनजाती-क्षेत्रांतल्यान वेंचून आयिल्ले त्या राज्याचे विधानसभेचे वांगडी आनी त्या आदेशांत विनिर्दीष्ट करतले ते संख्येइतले ते विधानसभेचे हेर वांगडी मेळून जाल्ले, ते विधानसभेचे समितेची घडण आनी कार्यां हांचेखातीर आनी अशी समिती घडीत करपाखातीर आनी तिचें कार्य योग्य तरेन चलोवपाखातीर ते विधानसभेचे कार्यपद्धत नेमावळींत फेरफार करपाखातीर उपबंध करूं येतात.

¹³[371ग. मिणपूर राज्याखातीर खाशेले उपबंध — (1) ह्या संविधानांत किदेंय आसलें तरी, मिणपूर राज्यासंबंदीं आदेश करून तेवरवीं राष्ट्रपतीच्यान, त्या राज्याच्या दोंगरी क्षेत्रांतल्यान वेंचून आयिल्ले त्या राज्याचे विधानसभेचे वांगडी मेळून घडिल्ले ते विधानसभेचे समितेची घडण आनी कार्य हांचेखातीर, शासकीय कामकाजाच्या नेमांत आनी त्या राज्याचे विधानसभेच्या कार्यपद्धत नेमांत फेरफार करपाखातीर आनी अशें समितेचें कार्य फावो ते तरेन चलोवपाची निश्चिती करपाखातीर राज्यपालाचेर कसलीय खाशेली जापसालकी सोंपोवपासंबंदीं उपबंध करूं येता.

(2) राज्यपाल दर वर्सा, अथवा जेन्ना जेन्ना राष्ट्रपती हेप्रमाण गरजेचें करीत तेन्ना तेन्ना, मणिपूर राज्यांतल्या दोंगरी क्षेत्रांच्या प्रशासनासंबंदीं राष्ट्रपतीक अहवाल दितलो आनी उक्त क्षेत्रांच्या प्रशासनासंबंदीं त्या राज्याक निदेश दिवप हें संघाच्या शासनाधिकाराचे व्याप्तेंत येतलें.

स्पष्टीकरण: ह्या कलमांत 'दोंगरी क्षेत्रां' ह्या उतरांचो अर्थ राष्ट्रपती आदेशावरवीं दोंगरी क्षेत्रां म्हूण घोशीत करतलो अशीं क्षेत्रा असो आसा.]

¹⁴[371 च. आंध्र प्रदेश राज्यासंबंदीं खाशेले उपबंध — (1) संबंध आंध्रप्रदेश राज्याच्यो गरजो सगल्या तरांनी मतींत घेवन, भौशीक रोजगाराच्या संबंदांत आनी शिक्षणाच्या संदर्भांत राज्याच्या वेगळ्यावेगळ्या भागांतल्या लोकांक फावोशो संदी आनी सुविधा मेळोवन दिवपाखातीर राष्ट्रपतीच्यान त्या राज्यासंबंदीं आदेश करून तेवरवीं उपबंध करूं येता आनी राज्याच्या वेगळ्यावेगळ्या भागांखातीर वेगळेवेगळे उपबंध करूं येतात.

- (2) उपकलम (1) खाला केल्ल्या आदेशावरवीं, चड करून -
- (क) राज्य सरकारान त्या राज्याचे मुलकी सेवेंतल्या खंयच्याय पदवर्गाची अथवा पदवर्गांची राज्याच्या वेगळ्यावेगळ्या भागांखातीर वेगळ्यावेगळ्या थळाव्या संवर्गांनी रचणूक करप आनी अशीं पदां धारण करपी व्यक्ती हेप्रमाण रचणूक केल्ल्या थळाव्या संवर्गाक आदेशांत विनिर्दीष्ट करतले अशा तत्वांप्रमाण आनी प्रक्रियेप्रमाण वांटून दिवप हें गरजेचें करूं येता;
- (ख) (i) त्या राज्य सरकाराचे अखत्यारेखाला खंयच्याय थळाव्या संवर्गांतल्या (मागीर तो ह्या कलमाखालच्या आदेशाप्रमाण रचिल्लो आसूं अथवा हेर तरेन घडीत केल्लो आसूं) पदांचेर थेट भरती करपाच्या प्रयोजनाखातीर;
- (ii) राज्यांत खंयच्याय थळाव्या प्रयोजनाखातीरच्या अखत्यारेखालच्या खंयच्याय संवर्गाखातीरच्या पदांचेर थेट भरती करपाच्या प्रयोजनांखातीर; आनी
- (iii) राज्यांतल्या खंयच्याय विद्यापीठांत अथवा राज्य सरकाराच्या नियंत्रणाखाला आशिल्ले हेर खंयचेय शैक्षणीक संस्थेंत प्रवेश मेळपाच्या प्रयोजनाखातीर, राज्याचो खंयचोय भाग अथवा खंयचेय भाग थळावें क्षेत्र म्हूण मानतले तें विनिर्दीष्ट करू येता;

- (c) Specify the extent to which, the manner in which and the conditions subject to which, preference or reservation shall be given or made-
- (i) In the matter of direct recruitment to posts in any such cadre referred to in sub-clause (b) as may be specified in this behalf in the order;
- (ii) In the matter of admission to any such University or other educational institution referred to in sub-clause (b) as may be specified in this behalf in the order,

To or in favour of candidates who have resided or studied for any period specified in the order in the local area in respect of such cadre, University or other educational institution, as the case may be.

- (3) The President may, by order, provide for the constitution of an Administrative Tribunal for the State of Andhra Pradesh to exercise such jurisdiction, powers and authority [including any jurisdiction, power and authority which immediately before the commencement of the Constitution (Thirty-second Amendment) Act, 1973, was exercisable by any court (other than the Supreme Court) or by any tribunal or other authority] as may be specified in the order with respect to the following matters, namely:
 - (a) Appointment, allotment or promotion to such class or classes of posts in any civil service of the State, or to such class or classes of civil posts under the State, or to such class or classes of posts under the control of any local authority within the State, as may be specified in the order;
 - (b) Seniority of persons appointed, allotted or promoted to such class or classes of posts in any civil service of the State, or to such class or classes of civil posts under the State, or to such class or classes of posts under the control of any local authority within the State, as may be specified in the order;
 - (c) Such other conditions of service of persons appointed, allotted or promoted to such class or classes of posts in any civil service of the State or to such class or classes of civil posts under the State or to such class or classes of posts under the control of any local authority within the State, as may be specified in the order.

(4) An order made under clause (3) may-

- (a) Authorise the Administrative Tribunal to receive representations for the redress of grievances relating to any matter within its jurisdiction as the President may specify in the order and to make such orders thereon as the Administrative Tribunal deems fit;
- (b) Contain such provisions with respect to the powers and authorities and procedure of the Administrative Tribunal (including provisions with respect to the powers of the Administrative Tribunal to punish for contempt of itself) as the President may deem necessary;
- (c) Provide for the transfer to the Administrative Tribunal of such classes of proceedings, being proceedings relating to matters within its jurisdiction and pending before any court (other than the Supreme Court) or tribunal or other authority immediately before the commencement of such order, as may be specified in the order;

- (ग) (i) उप-उपकलम (ख) हातूंत निर्देशिल्लो असो जो खंयचोय संवर्ग आदेशांत हेसंबंदांतं विनिर्दीष्ट करतले तातूंतल्या पदांचेर थेट भरती करतना;
- (ii) उप-उपकलम (ख) हातूंत निर्देशिल्ले अशे जें खंयचेंय विद्यापीठ अथवा हेर शिक्षणीक संस्था आदेशांत हेसंबंदांत विनर्दीष्ट करतले तातूंत प्रवेश दितना.

जाणीं, त्या त्या प्रकरणाप्रमाण, असो संवर्ग, विद्यापीठ अथवा हेर शिक्षणीक संस्था हांच्या संबंदांतल्या थळाव्या क्षेत्रांत आदेशांत विनिर्दीष्ट केल्ल्या खंयच्याय कालावधीमेरेन राबितो केला आसत अथवा शिक्षण घेतलां आसत त्या उमेदवारांक अथवा तांचेखातीर खंयचे मर्यादेमेरेन, खंयचे रितीन आनी खंयच्या अटींचे अधीनतायेन अग्रक्रम दिवंचो अथवा सुवातो राखून दवरच्यो तें विनिर्दीष्ट करूं येता.

- (3) राष्ट्रपतीच्यान आदेशावरवीं आंध्र प्रदेश राज्याखातीर एक प्रशासकीय अधिकरण घडीत करपाखातीर आनी त्या अधिकरणान फुडल्या गजालींविशीं आदेशांत विनिर्दिष्ट करतले अशी अधिकारिता, अधिकार आनी प्राधिकार [(सर्वोच्च न्यायालयापरस हेर) खंयच्याय न्यायालयाक अथवा खंयच्याय अधिकरणाक अथवा हेर प्राधिकरणाक 'संविधान (बित्तसावो बदल) अधिनियम, 1973' हाच्या आरंभापयलीं वापरुंक मेळपासारकी अशी खंयचीय अधिकारिताय, अधिकार आनी प्राधिकार धरून] वापरचे हाचेखातीर उपबंध करूं येता, त्यो गजाली अशो :-
 - (क) आदेशांत विनिर्दीष्ट करतले अशो, राज्याचे खंयचे मुलकी सेवेंतल्या पदवर्गांत अथवा पदवर्गांनी, अथवा राज्याच्या अखत्यारेखालच्या तशा मुलकी पदवर्गांत अथवा पदवर्गांनी अथवा राज्यांतल्या खंयच्याय थळाव्या प्राधिकरणाच्या नियंत्रणाखालच्या तशा पदवर्गांत अथवा पदवर्गांनी नेमणूक, वाटपप्राप्त नेमणूक अथवा बडटी;
 - (ख) आदेशांत वर्णीत करतले, अशो, राज्याच्या खंयच्याय मुलकी वर्गांतल्या पदवर्गांत अथवा पदवर्गांनी, अथवा राज्याचे अखत्यारेखालच्या तशा मुलकी पदवर्गांत अथवा पदवर्गांनी अथवा राज्यांतल्या थळाव्या प्राधिकरणाच्या नियंत्रणाखालच्या तशा पदवर्गांत अथवा पदवर्गांनी नेमणूक केल्ल्या, नेमिल्ल्या, बडटी दिल्ल्या व्यक्तींची ज्येश्ठताय;
 - (ग) आदेशांत विनिर्दीष्ट करतले तशा, राज्यांतल्या खंयच्याय मुलकी सेवेंतल्या पदवर्गांत अथवा पदवर्गांनी, अथवा राज्याचे अखत्यारेखालच्या तशा मुलकी पदवर्गांत, पदवर्गांनी अथवा राज्यांतल्या थळव्या प्राधिकरणाच्या नियंत्रणाकालच्या तशा पदवर्गांत अथवा पदवर्गांनी नेमणूक केल्ल्या, नेमून दिल्ल्या अथवा बडटी दिल्ल्या व्यक्तींच्यो हेर सेवा-अटी;
 - (4) उपकलम (3) खाला जो आदेश करतले -
 - (क) ताचेवरवीं प्रशासकीय अधिकरणांत राष्ट्रपती आदेशांत विनिर्दीष्ट करीत अशी जी खंयचीय गजाल अधिकरणाचे अधिकारितायेंत येत तिचेसंबंदींच्या कागाळींचें निवारण करपाविशींचीं अभिवेदनां स्वीकारपाखातीर आनी तांचेर त्या प्रशासकीय अधिकरणांक योग्य दिसतीत अशे आदेश दिवपाखातीर प्राधिकृत करूं येता;
 - (ख) तातूंत प्रशासकीय अधिकरणाचे अधिकार, प्राधिकार आनी कार्यपद्धत हांचेसंबंदीं राष्ट्रपतीक गरजेचे दिसत अशे उपबंध (आपणाल्या आवमानाखातीर ख्यास्त करपाच्या प्रशासकीय अधिकरणाच्या अधिकारासंबंदींचे उपबंध हांचेसयत) आस्पावीत आसूं येतात;
 - (ग) तेवरवीं प्रशासकीय अधिकरणाचे अधिकारितायेंतल्या गजालींच्या संबंदांतले आनी अशा आदेशाचो आरंभ जावंचे निकटपूर्व खंयचेंय न्यायालय (सर्वोच्च न्यायालयापरस वेगळें) अथवा अधिकरण अथवा हेर प्राधिकरण हांचेमुखार प्रलंबीत आशिल्ले कार्यवाहेभितरल्या आदेशांत विनिर्दीष्ट करतले अशा वर्गांतली कार्यवाही त्या प्रशासकीय अधिकरणाकडेन वर्ग करपाचो उपबंध करूं येता;

- (d) Contain such supplemental, incidental and consequential provisions (including provisions as to fees and as to limitation, evidence or for the application of any law for the time being in force subject to any exceptions or modifications) as the President may deem necessary.
- ¹(5) The order of the Administrative Tribunal finally disposing of any case shall become effective upon its confirmation by the State Government or on the expiry of three months from the date on which the order is made, whichever is earlier:

Provided that the State Government may, by special order made in writing and for reasons to be specified therein, modify or annul any order of the Administrative Tribunal before it becomes effective and in such a case, the order of the Administrative Tribunal shall have effect only in such modified form or be of no effect, as the case may be.

- (6) Every special order made by the State Government under the proviso to clause (5) shall be laid, as soon as may be after it is made, before both Houses of the State Legislature.
- (7) The High Court for the State shall not have any powers of superintendence over the Administrative Tribunal and no court (other than the Supreme Court) or tribunal shall exercise any jurisdiction, power or authority in respect of any matter subject to the jurisdiction, power or authority of, or in relation to, the Administrative Tribunal.
- (8) If the President is satisfied that the continued existence of the Administrative Tribunal is not necessary, the President may by order abolish the Administrative Tribunal and make such provisions in such order as he may deem fit for the transfer and disposal of cases pending before the Tribunal immediately before such abolition.
 - (9) Notwithstanding any judgment, decree or order of any court, tribunal or other authority, -
 - (a) No appointment, posting, promotion or transfer of any person-
 - (i) Made before the 1st day of November, 1956, to any post under the Government of, or any local authority within, the State of Hyderabad as it existed before that date; or
 - (ii) Made before the commencement of the Constitution (Thirty-second Amendment) Act, 1973, to any post under the Government of, or any local or other authority within, the State of Andhra Pradesh; and
 - (b) No action taken or thing done by or before any person referred to in sub-clause (a),

Shall be deemed to be illegal or void or ever to have become illegal or void merely on the ground that the appointment, posting, promotion or transfer of such person was not made in accordance with any law, then in force, providing for any requirement as to residence within the State of Hyderabad or, as the case may be, within any part of the State of Andhra Pradesh, in respect of such appointment, posting, promotion or transfer.

- (घ) तातूंत राष्ट्रपतीक गरजेचे दिसतीत अशे पूरक, आनुशंगीक आनी परिणामी उपबंध (फियेसंबंदींचे आनी मुजत, पुरावो हांचेसंबंदींचे आनी त्या त्या काळांत अंमलांत आशिल्लो कसलोय कायदो कसल्याय अपवादांसयत अथवा फेरफारांसयत लागू करपाखातीर केल्ले उपबंध हांचेसयत) आस्पावीत आसूं येतात)
- (5) खंयच्याय प्रकरणाचो निमणो निकाल करपी प्रशासकीय अधिकरणाचो आदेश हो राज्य सरकारान तो कायम करप अथवा आदेश केल्ल्याचे तारकेसावन तीन म्हयने सोंपप हांचेमदली पयलीं घडत ती घडणूक जातकीर परिणामक जातलो :

परंतु, राज्य सरकाराच्यान लेखी केल्ल्या खाशेल्या आदेशावरवीं आनी तातूंत कारणां विनिर्दीष्ट करून त्या कारणांखातीर प्रशासकीय अधिकरणाचो कसलोय आदेश, तो परिणामक जावंचेपयलीं आपरिवर्तीत अथवा रद्द करूं येता आनी अशें गजालींत, प्रशासकीय अधिकरणाचो आदेश अशा आपरिवर्तीत रूपांतच परिणामक जातलो अथवा, त्या त्या प्रकरणाप्रमाण, मातूय परिणामक जावंचो ना.

- (6) उपकलम (5) च्या परंतुकांवरवीं राज्य सरकारान केल्लो दरेक खाशेलो आदेश, तो केलेउपरांत, जाता तितले बेगीन, राज्य विधानमंडळाच्या दोनाय सभांघरांमुखार दवरतले.
- (7) राज्याच्या उच्च न्यायालयाक प्रशासकीय अधिकरणाचेर देखरेख करपाखातीर कसलेच अधिकार आसचे नात आनी खंयचेंच न्यायलय (सर्वोच्च न्यायालय सोडून) अथवा अधिकरण प्रशासकीय अधिकरणाचे अधिकारितायेचे, अधिकाराचे अथवा प्राधिकाराचे अधीन आशिल्ले अथवा ताचेसंबंदींचे कसलेच गजालीसंबंदांत कसलीच अधिकारिताय, अधिकार अथवा प्राधिकार वापरचीं नात.
- (8) प्रशासकीय अधिकरणाचें अस्तित्व चालू दवरपाची गरज अथवा तशी राष्ट्रपतीची खात्री जाल्यार, राष्ट्रपतीच्यान आदेशावरवीं प्रशासकीय अधिकरण विसर्जीत करूं येता आनी अशा विसर्जनाच्या निकटपूर्व अधिकराणामुखार प्रलंबीत आशिल्लीं प्रकरणां वर्ग करप अथवा निकालांत काडप हांचेखातीर फावोशे दिसतीत अशे उपबंध अशा आदेशांत करूं येतात.
- (9) खंयच्याय न्यायालयाचो, अधिकरणाचो अथवा हेर प्राधिकरणाचो न्यायनिर्णय, हुकूमनामो अथवा आदेश किदेंय आसलो तरी,
 - (क) (i) 1 नोवेंबर, 1956 चे पयलीं जशें अस्तित्वांत आशिल्लें तशा हैद्राबाद राज्याच्या सरकाराच्या अथवा तातूंतल्या खंयच्याय थळाव्या प्राधिकरणाचे अखत्यारेखालच्या कसल्याय पदाचेर ते तारकेपयलीं केल्ली; अथवा
- (ii) आंध्र प्रदेश सरकाराच्या अथवा तातूंतल्या खंयच्याय थळाव्या अथवा हेर प्राधिकरणाचे अखत्यारेखालच्या कसल्याय पदाचेर 'संविधान (बत्तिसावो बदल) अधिनियम, 1973' हाच्या आरंभापयलीं केल्ली. खंयचेय व्यक्तीची नेमणूक, पदस्थापन, बडटी अथवा बदली; आनी
 - (ख) उप-उपकलम (क) हातूंत निर्दीष्ट केल्ले खंयचेय व्यक्तीन अथवा तिचेमुखार आशिल्ली कसलीय कारवाय अथवा गजाल,

हीं फकत अशे व्यक्तींची नेमणूक, पदस्थापन बडटी अथवा बदली अशे नियुक्तेच्या, पदस्थापनाच्या बडटेच्या अथवा बदलेच्या संबंदांत हैद्राबाद राज्यांत अथवा त्या त्या प्रकरणाप्रमाण, आंध्र प्रदेश राज्याच्या खंयच्याय भागांत राबितो आसपासंबंदांत कसलीय गरज उपबंधीत करपी त्या काळांत अंमलांत आशिल्ल्या कसल्याय कायद्यांत करूंक नाशिल्ली इतल्याच कारणावेल्यान बेकायदेशीर अथवा शून्य आसा अथवा केन्नातरी बेकायदेशीर अथवा शून्य आशिल्ली अशें मानचे नात.

- (10) The provisions of this article and of any order made by the President thereunder shall have effect notwithstanding anything in any other provision of this Constitution or in any other law for the time being in force.]
- **371E. Establishment of Central University in Andhra Pradesh.** Parliament may by law provide for the establishment of a University in the State of Andhra Pradesh.]
- ¹⁵[371F. Special provisions with respect to the State of Sikkim. Notwithstanding anything in this Constitution, -
 - (a) The Legislative Assembly of the State of Sikkim shall consist of not less than thirty members;
 - (b) As from the date of commencement of the Constitution (Thirty-sixth Amendment) Act, 1975 (hereafter in this article referred to as the appointed day)-
 - (i) The Assembly for Sikkim formed as a result of the elections held in Sikkim in April, 1974 with thirty-two members elected in the said elections (hereinafter referred to as the sitting members) shall be deemed to be the Legislative Assembly of the State of Sikkim duly constituted under this Constitution;
 - (ii) The sitting members shall be deemed to be the members of the Legislative Assembly of the State of Sikkim duly elected under this Constitution; and
 - (iii) The said Legislative Assembly of the State of Sikkim shall exercise the powers and perform the functions of the Legislative Assembly of a State under this Constitution;
 - (c) In the case of the Assembly deemed to be the Legislative Assembly of the State of Sikkim under clause (b), the references to the period of ¹⁶[five years], in clause (1) of article ¹ shall be construed as references to a period of ¹⁷[four years] and the said period of ¹⁷[four years] shall be deemed to commence from the appointed day;
 - (d) Until other provisions are made by Parliament by law, there shall be allotted to the State of Sikkim one seat in the House of the People and the State of Sikkim shall form one parliamentary constituency to be called the parliamentary constituency for Sikkim;
 - (e) The representative of the State of Sikkim in the House of the People in existence on the appointed day shall be elected by the members of the Legislative Assembly of the State of Sikkim;
 - (f) Parliament may, for the purpose of protecting the rights and interests of the different sections of the population of Sikkim make provision for the number of seats in the Legislative Assembly of the State of Sikkim which may be filled by candidates belonging to such sections and for the delimitation of the assembly constituencies from which candidates belonging to such sections alone may stand for election to the Legislative Assembly of the State of Sikkim;
 - (g) The Governor of Sikkim shall have special responsibility for peace and for an equitable arrangement for ensuring the social and economic advancement of different sections of the population of Sikkim and in the discharge of his special responsibility under this clause, the Governor of Sikkim shall, subject to such directions as the President may, from time to time, deem fit to issue, act in his discretion;

- (10) ह्या कलमाचे अथवा राष्ट्रपतीन तेवरवीं केल्ल्या खंयच्याय आदेशाचे उपबंध ह्या संविधानाच्या हेर खंयच्याय उपबंधांत अथवा त्या त्या काळांत अंमलांत आशिल्ल्या हेर खंयच्याय कायद्यांत किदेंय आसलें तरी परिणामक जातले.
- 371 इ. आंध्र प्रदेशांत केंद्रीय विद्यापीठाची स्थापना संसदेच्यान आंध्र प्रदेश राज्यांत विद्यापीठ स्थापन करपाखातीर कायद्यावरवीं उपबंध करूं येता.]

15[371च. सिक्कीम राज्यासंबंदीं खाशेले उपबंध — ह्या संविधानांत किदेंय आसलें तरी, —

- (क) सिक्कीम राज्याची विधानसभा तीसांपरस उणे नात इतले वांगडी मेळून घडिल्ली आसतली;
- (ख) 'संविधान (छत्तिसावो बदल) अधिनियम, 1975' हाचे आरंभतारकेक आनी तेन्नासावन (ह्या कलमांत हेफुडें 'नियत तारीक' म्हूण विनिर्दीष्ट) —
- (i) एप्रिल, 1974 त सिक्कीमांत वेंचणुको जावन उक्त वेंचणुकांनी वेंचून आयिल्ले, बत्तीस वांगडी (हातूंत हेफुडें 'वर्तमान वांगडी म्हूण निर्दीश्ट) आशिल्ली सिक्कीमाची विधानसभा ही, ह्या संविधानाखाला रीतसर घडीत केल्ली सिक्कीम राज्याची विधानसभा आसा अशें मानतले)
- (ii) विद्यमान वांगडी हे, सिक्कीम राज्याचे विधानसभेचे ह्या संविधानाखाला रीतसर वेंचून आयिल्ले वांगडी आसात अशें मानतले; आनी
- (iii) सिक्कीम राज्याची उक्त विधानसभा, ह्या संविधानाखाला एखाद्या राज्याचे विधानसभेक आशिल्ले अधिकार वापरतली आनी तिचीं कार्यां करतलीं;
- (ग) उपकलम (ख) खाला सिक्कीम राज्याची विधानसभा म्हूण मानतले अशे विधानभेच्या संबंदांत, कलम 172- उपकलम (1) हातूंतल्या ¹⁶[पांच वर्सांच्या] कालावधी संबंदींच्या निर्देशांचो अर्थ, ¹⁷[चार वर्सांच्या] कालावधी संबंदांचो निर्देश असो लायतले आनी उक्त ¹⁷[चार वर्सांचा] कालावधी नियत तारकेसावन सुरू जाता अशें मानतले:
- (घ) संसदेकडल्यान कायद्यावरवीं हेर उपबंध करून जायसर, सिक्कीम राज्याच्या वांट्याक लोकसभेंत एक सुवात दितले आनी सिक्कीम राज्य हो सिक्कीमाचो संसदीय मतदारसंघ जातलो;
- (ङ) नियत तारकेक अस्तित्वांत आशिल्ले लोकसभेंतलो सिक्कीमाचो प्रतिनिधी हो, सिक्कीम राज्याचे विधानसभेंतल्या वांगड्यांनी वेंचून दिल्लो आसतलो;
- (च) सिक्कीमांतल्या वेगळ्यावेळ्या लोकवर्गांच्या अधिकाऱ्यांची आनी हितसंबंदांची राखण करपाखातीर, संसदेच्यान सिक्कीम राज्याचे विधानसभेंत अशा वर्गांच्या उमेदवारांकडल्यान कितल्यो सुवातो भरूं येतात ती संख्या आनी सिक्कीम राज्याचे विधानसभेचे वेंचणुकेखातीर फकत ज्या विधानसभा मतदारसंघांतल्यान अशा वर्गांच्या उमेदवारांक वेंचणुकेखातीर, उबे रावूं येता, तांचें परिसीमन हांचेसंबदांत उपबंध करूं येता;
- (छ) सिक्कीमाच्या राज्यपालाचेर शांतताय राखपासबंदांत आनी सिक्कीमाच्या वेगळ्यावेगळ्या लोकवर्गांची सामाजीक आनी आर्थीक उदरगत सुनिश्चित करपाखातीर समन्यायाप्रमाण वेवस्था करपासंबंदांत खाशेली जापसालकी आसतली आनी ह्या उपबंधाखालची आपणाली खाशेली जापसालकी निभायतना सिक्कीमाचो राज्यपाल, राष्ट्रपतीक योग्य दिसत तेप्रमाण त्या त्या वेळार जो निदेश दितलो तांचे अधीनतायेन, आपणाले बुदी प्रमाण कार्य करतलो;

- (h) All property and assets (whether within or outside the territories comprised in the State of Sikkim) which immediately before the appointed day were vested in the Government of Sikkim or in any other authority or in any person for the purposes of the Government of Sikkim shall, as from the appointed day, vest in the Government of the State of Sikkim;
- (i) The High Court functioning as such immediately before the appointed day in the territories comprised in the State of Sikkim shall, on and from the appointed day, be deemed to be the High Court for the State of Sikkim;
- (j) All courts of civil, criminal and revenue jurisdiction, all authorities and all officers, judicial, executive and ministerial, throughout the territory of the State of Sikkim shall continue on and from the appointed day to exercise their respective functions subject to the provisions of this Constitution:
- (k) All laws in force immediately before the appointed day in the territories comprised in the State of Sikkim or any part thereof shall continue to be in force therein until amended or repealed by a competent Legislature or other competent authority;
- (I) For the purpose of facilitating the application of any such law as is referred to in clause (k) in relation to the administration of the State of Sikkim and for the purpose of bringing the provisions of any such law into accord with the provisions of this Constitution, the President may, within two years from the appointed day, by order, make such adaptations and modifications of the law, whether by way of repeal or amendment, as may be necessary or expedient, and thereupon, every such law shall have effect subject to the adaptations and modifications so made, and any such adaptation or modification shall not be questioned in any court of law;
- (m) Neither the Supreme Court nor any other court shall have jurisdiction in respect of any dispute or other matter arising out of any treaty, agreement, engagement or other similar instrument relating to Sikkim which was entered into or executed before the appointed day and to which the Government of India or any of its predecessor Governments was a party, but nothing in this clause shall be construed to derogate from the provisions of article 143;
- (n) The President may, by public notification, extend with such restrictions or modifications as he thinks fit to the State of Sikkim any enactment, which is in force in a State in India at the date of the notification;
- (o) If any difficulty arises in giving effect to any of the foregoing provisions of this article, the President may, by order 18, do anything (including any adaptation or modification of any other article) which appears to him to be necessary for the purpose of removing that difficulty:

Provided that no such order shall be made after the expiry of two years from the appointed day;

(p) All things done and all actions taken in or in relation to the State of Sikkim or the territories comprised therein during the period commencing on the appointed day and ending immediately before the date on which the Constitution (Thirty-sixth Amendment) Act, 1975, receives the assent

- (ज) नियत तारकेचे निकटपूर्व सिक्कीम सरकाराच्या प्रयोजनां निमतान सिक्कीम सरकाराच्या अथवा हेर खंयच्याय प्राधिकरणाच्या अथवा खंयचेय व्यक्तीचे ठांय निहित आसत अशी (सिक्कीम राज्यांत समावीश्ट आशिल्ल्या राज्यक्षेत्राचे भितरली अथवा भायली) सगली संपत्ती आनी मत्ता नियत तारकेक आनी तेन्नासावन सिक्कीम राज्याच्या सरकाराचे ठांय निहित जातलीं;
- (झ) सिक्कीम राज्यांत आस्पावीत आशिल्ल्या राज्यक्षेत्रांत नियत तारकेचे निकटपूर्व जें उच्च न्यायालय त्या नात्यान काम करता आसत तें नियत तारकेक आनी तेन्नाच्यान सिक्कीम राज्याचें उच्च न्यायालय अशें मानतले;
- (ञ) सिक्कीम राज्याच्या सबंद राज्यक्षेत्रांतलीं सगलीं दिवाणी, फौजदारी आनी महसुली अधिकारितायेचीं न्यायालयां, न्यायीक कार्यकारी आनी प्रशासकी अशीं सगलीं प्राधिकरणां आनी अशे सगले अधिकारी नियत तारकेक आनी तेन्नासावन ह्या संविधानाच्या उपबंधांचे अधीनतायेन आपापले कार्याधिकार बजावपाचें चालू दवरतले;
- (ट) सिक्कीम राज्यांत आस्पावीत आशिल्ल्या राज्यक्षेत्रांनी अथवा तांच्या खंयच्याय भागांत नियत तारकेचे निकटपूर्व अंमलांत आशिल्ले सगले कायदे सक्षम विधानमंडळाकडल्यान अथवा हेर सक्षम प्राधिकरणाकडल्यान बदल अथवा निरसन जायेरेन थंय अंमलांत आसपाचें चालूच उरतलें;
- (ठ) उपकलम (ट) हातूंत निर्दीष्ट केल्लो असो कसलोय कायदो सिक्कीम राज्याच्या प्रशासनाच्या संबंदांत लागू करप सोपें जांवचें हेखातीर आनी अशा खंयच्याय कायद्याचे उपबंध ह्या संविधानाच्या उपबंधांकडेन सुसंवादी करपाखातीर राष्ट्रपतीच्यान नियत तारकेसावन दोन वर्सांभितर आदेशावरवीं, अशा कायद्यांत गरजेचें अथवा समयोचित आसतीत अशीं अनुकूलना आनी फेरफार करूं येतात मागीर तीं निरसनाच्या रूपांत आसूं अथवा बदलांच्या रूपांत आसूं -, आनी तेउपरांत आसो दरेक कायदो हेप्रमाण केल्ल्या अनुकूलनांसयत आनी फेरफेरांसयत परिणामक जातलो, आनी अशें कसलेंय अनुकूलन अथवा फेरफार खंयच्याच न्यायालयांत प्रस्नास्पद करूंक मेळचें ना;
- (ड) जो नियत तारकेपयलीं केलां अथवा निश्पादीत केला आनी भारत सरकार अथवा ताच्या पूर्विधिकाऱ्यांमदलें खंयचेंय सरकार हातूंत पक्ष आशिल्लें अशी सिक्कीमासंबंधींची कसलीय कबलात, करारनामो, अभिसंकेत अथवा हेर तत्सम संलेख हातूंतल्यान उप्रासपी कसलोय तंटो अथवा हेर गजाल, हांचेसंबंदीं सर्वोच्च न्यायालयाक अधिकारिताय आसची ना; पूण ह्या उपकलमांतली खंयचीच गजाल कलम 143 च्या उपबंधांक उणेपण हाडटा असो तिचो अर्थ लांवचे नात;
- (ढ) राष्ट्रपतीच्यान, जाहीर अधिसुचोवणेवरवीं, अधिसुचोवणेचे तारकेक भारतांतल्या एखाद्या राज्यांत अंमलांत आशिल्ली अशी कसलीय अधिनियमिती सिक्कीम राज्यांचेर ताका योग्य दिसतीत अशे निर्बंध अथवा फेरफार हांचेसयत विस्तारीत करूं येता;
- (ण) ह्या कलमाखाला पूर्वगामी उपबंधांमदले खंयचेय उपबंध अंमलांत हाडटना कसलीय अडचण उप्रासली जाल्यार, राष्ट्रपतीच्यान ¹⁸आदेशांवरवीं ती अडचण कडेक काडपाखातीर ताका गरजेची दिसत अशी कसलीय गजाल (हेर खंयच्याय कलमाचें अनुकूलन अथवा फेरफार हांचेसयत) करूं येता :

परंतु, नियत तारकेसावन दोन वर्सां सोंपतकच असो कसलोच आदेश करचे नात;

(त) सिक्कीम राज्य आनी तातूंत आस्पावीत आशिल्लीं राज्यक्षेत्रां हातूंत अथवा तांच्यासंबंदांत नियत तारकेसावन सुरू जावपी आनी 'संविधान (छत्तिसावो बदल) अधिनियम, 1975' हाका राष्ट्रपतीची अनुमती मेळपाचे तारकेसावनचे निकटपूर्व सोंपपी कालावधींत केल्ल्यो सगल्यो गजाली आनी सगली कार्यवाही, 'संविधान

of the President shall, in so far as they are in conformity with the provisions of this Constitution as amended by the Constitution (Thirty-sixth Amendment) Act, 1975, be deemed for all purposes to have been validly done or taken under this Constitution as so amended.

- **372.** Continuance in force of existing laws and their adaptation. (1) Notwithstanding the repeal by this Constitution of the enactments referred to in article 395 but subject to the other provisions of this Constitution, all the law in force in the territory of India immediately before the commencement of this Constitution shall continue in force therein until altered or repealed or amended by a competent Legislature or other competent authority.
- (2) For the purpose of brining the provisions of any law in force in the territory of India into accord with the provisions of this Constitution, the President may by order ¹⁹make such adaptations and modifications of such law, whether by way of repeal or amendment, as may be necessary or expedient, and provide that the law shall, as from such date as may be specified in the order, have effect subject to the adaptations and modifications so made, and any such adaptation or modification shall not be questioned in any court of law.
 - (3) Nothing in clause (2) shall be deemed-
 - (a) To empower the President to make any adaptation or modification of any law after the expiration of ²⁰[three years] from the commencement of this Constitution; or
 - (b) To prevent any competent Legislature or other competent authority from repealing or amending any law adapted or modified by the President under the said clause.

Explanation 1. — The expression "law in force" in this article shall include a law passed or made by a Legislature or other competent authority in the territory of India before the commencement of this Constitution and not previously repealed, notwithstanding that it or parts of it may not be then in operation either at all or in particular areas.

Explanation 2. — Any law passed or made by a Legislature or other competent authority in the territory of India which immediately before the commencement of this Constitution had extra-territorial effect as well as effect in the territory of India shall, subject to any such adaptations and modifications as aforesaid, continue to have such extra-territorial effect.

Explanation 3. — Nothing in this article shall be construed as continuing any temporary law in force beyond the date fixed for its expiration or the date on which it would have expired if this Constitution had not come into force.

(छत्तिसावो बदल) अधिनियम, 1975' हाचेवरवीं बदल केल्ल्या अशा ह्या संविधानाच्या उपबंधांकडेन अनुरूप आसतीत तितलेमेरेन, त्यो हेप्रमाण बदलिल्ल्या ह्या संविधानाखाला कायदेशीरपणान केल्ल्यो आसात अशें सगल्या प्रयोजनांखातीर मानतले.]

- 372. अस्तित्वांत आशिल्ल्या कायद्यांचो अंमल चालू उरप आनी तांचें अनुकूलन (1) कलम 395 हातूंत निदीष्ट केल्ले अधिनियमितीचें ह्या संविधानावरवीं निरसन जाल्लें आसलें तरी, मात ह्या संविधानाच्या हेर उपबंधांचे अधीनतायेन, ह्या संविधानाच्या आरंभाचे निकटपयलीं भारताच्या राज्यक्षेत्रांत अस्तित्वांत आशिल्ल्या समग्र कायद्याचो, सक्षम विधानमंडळाकडल्यान अथवा हेर सक्षम प्राधिकरणाकडल्यान तातूंत फेरफार, निरसन अथवा बदल जायसर, थंय अंमल उरतलो.
- (2) भारताच्या राज्यक्षेत्रांत अस्तित्वांत आशिल्ल्या खंयच्याय कायद्याचे उपबंध ह्या संविधानाच्या उपबंधांकडेन सुसंवादी करपाखातीर राष्ट्रपतीच्यान आदेशावरवीं ¹⁹अशा कायद्यांत गरजेचीं आनी समयोचित आसतीत अशीं अनुकूलनां आनी आपरिवर्तना करूं येतात मागीर तीं निरसनाच्या रूपांत आसूं अथवा बदलाच्या रूपांत आसूं आनी त्या आदेशांत विनिर्दीष्ट करतले अशे तारकेक अथवा तेन्नासावन तो कायदो हेप्रमाण केल्ल्या अनुकूलनांसयत आनी फेरफारांसयत परिणामक जातलो असो उपबंध करूं येता, आनी अशें कसलेंय अनुकूलन अथवा आपरिवर्तन खंयच्याच न्यायालयांत प्रस्नास्पद करूंक मेळचे ना.
 - (3) उपकलम (2) हातूंतले खंयचेच गजालीक लागून —
 - (क) राष्ट्रपतीक खंयच्याय कायद्याचें कसलेंय अनुकूलन अथवा फेरफार ह्या संविधानाच्या आरंभासावन ²⁰[तीन वर्सां] सोंपलेउपरांत करपाचो अधिकार प्रदान जाता, अथवा
 - (ख) उक्त उपकलमाखाला राष्ट्रपतीन अनुकूलन अथवा फेरफार केल्लो खंयचोय कायदो निरसित करपाक अथवा बदलपाक खंयच्याच सक्षम विधानमंडळाक अथवा हेर सक्षम प्राधिकरणाक प्रतिबंध जाता, अशें मानचे नात.
- स्पष्टीकरण –1 ह्या कलमाखाला 'अंमलांत आशिल्लो कायदो' ह्या उतरांनीं, ह्या संविधानाच्या आरंभापयलीं भारताच्या राज्यक्षेत्रांतल्या विधानमंडळान अथवा हेर सक्षम प्राधिकरणान पास केल्ल्या अथवा केल्ल्या आनी पयलीं निरसीत जावंक नाशिल्ल्या कायद्याचो आस्पाव आसतलो मागीर तो अथवा ताचे भाग त्या काळांत मात्तूय अथवा खाशेल्या क्षेत्रानीं लागू नाशिल्ले जाल्यारूय हरकत ना.
- स्पष्टीकरण 2 भारताच्या राज्यक्षेत्रांतल्या विधानमंडळान अथवा हेर सक्षम प्राधिकरणान पास केल्लो अथवा केल्लो जो कायदो ह्या संविधानाच्या आरंभाचे निकटपूर्व राज्यक्षेत्राभायर परिणामक आशिल्लो आनी तेचपरीं भारताच्या राज्यक्षेत्रांत परिणामक आशिल्लो असो खंयचोय कायदो अशा खंयच्याय पूर्वोक्त अनुकूलनांसयत आनी फेरफारंसयत हेप्रमाण राज्यक्षेत्राभायर परिणामक आसपाचें चालू उरतलें.
- स्पष्टीकरण 3 खंयचीय अस्थायी कायदो हो ताचे समाप्तेखातीर निश्चित केल्ले तारकेक अथवा हें संविधान अंमलांत येवंक नाशिल्लें जाल्यार जे तारकेक तो समाप्त जावपाचो ताचेपेल्यान ह्या उपकलमांतले खंयचेच गजालीक लागूंन अंमलांत आसपाचो चालू उरता असो तिचो अर्थ लांवचे नात.

Explanation 4. — An Ordinance promulgated by the Governor of a Province under section 88 of the Government of India Act, 1935, and in force immediately before the commencement of this Constitution shall, unless withdrawn by the Governor of the corresponding State earlier, cease to operate at the expiration of six weeks from the first meeting after such commencement of the Legislative Assembly of that State functioning under cluase (1) of article 382, and nothing in this article shall be construed as continuing any such Ordinance in force beyond the said period.

- ²¹[372A. Power of the President to adapt laws. (1) For the purposes of bringing the provisions of any law in force in India or in any part thereof, immediately before the commencement of the Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, into accord with the provisions of this Constitution as amended by that Act, the President may by order made before the first day of November, 1957, make such adaptations and modifications of the law, whether by way of repeal or amendment, as may be necessary or expedient, and provide that the law shall, as from such date as may be specified in the order, have effect subject to the adaptations and modifications so made, and any such adaptation or modification shall not be questioned in any court of law.
- (2) Nothing in clause (1) shall be deemed to prevent a competent Legislature or other competent authority from repealing or amending any law adapted or modified by the President under the said clause.]
- 373. Power of President to make order in respect of persons under preventive detention in certain cases. Until provision is made by Parliament under clause (7) of article 22, or until the expiration of one year from the commencement of this Constitution, whichever is earlier, the said article shall have effect as if for any reference to Parliament in clauses (4) and (7) thereof there were substituted a reference to the President and for any reference to any law made by Parliament in those clauses there were substituted a reference to an order made by the President.
- 374. Provisions as to Judges of the Federal Court and proceedings pending in the Federal Court or before His Majesty in Council. (1) The Judges of the Federal Court holding office immediately before the commencement of this Constitution shall, unless they have elected otherwise, become on such commencement the Judges of the Supreme Court and shall thereupon be entitled to such salaries and allowances and to such rights in respect of leave of absence and pension as are provided for under article 125 in respect of the Judges of the Supreme Court.
- (2) All suits, appeals and proceedings, civil or criminal, pending in the Federal Court at the commencement of this Constitution shall stand removed to the Supreme Court, and the Supreme Court shall have jurisdiction to hear and determine the same, and the judgments and orders of the Federal

स्परटीकरण – 4 – 'गवर्नमेण्ट ऑफ इंडिया ॲक्ट, 1935' - अनुभाग 88 हेखाला एखाद्या प्रांताच्या गव्हर्नरान प्रख्यापीत केल्लो आनी ह्या संविधानाच्या आरंभाचे निकटपूर्व अंमलांत आशिल्लो अध्यादेश, कलम 382 - उपकलम (1) खाला कार्य करपी, त्या राज्याचे विधानसभेचे अशा आरंभाउपरांतचे पयले बसकेउपरांत स सप्तकां सोंपनाफुडें, - तेपयलीं समनुरूप राज्याच्या राज्यपालान तो फाटीं घेतिल्लो नासल्यार, - लागू आसपाचें बंद जातलें आनी ह्या कलमांतले खंयचेच गजालीक लागून अशा कसल्याच आदेशाचो अंमल उक्त कालावधीपेल्यान चालू उरता असो तिचो अर्थ लांवचे नात.

²¹[372क. कायद्यांचें अनुकूलन करपाचो राष्ट्रपतीचो अधिकार — (1) 'संविधान (सातवो बदल) अदिनियम, 1956' हाच्या आरंभाचे निकटपूर्व भारतांत अथवा ताच्या खंयच्याय भागांत अंमलांत आशिल्ल्या खंयच्याय कायद्याचे उपबंध त्या अधिनियमांवरवीं बदल जाल्ल्या अशा ह्या संविधानाच्या उपबंधांकडेन सुसंवादी करपाखातीर राष्ट्रपतीच्यान, 1 नोवेंबर, 1957 पयलीं, ²²आदेश करून तेवरवीं त्या कायद्यांत गरजेचीं अथवा समयोचित आसतीत अशीं अनुकूलनां अथवा बदलपां करूं येतात - मागीर तीं निरसनाच्या रूपांत आसूं अथवा बदलाच्या रूपांत आसूं-, आनी त्या आदेशांत विनिर्दीष्ट करतले अशे तारकेक आनी तेन्नाच्यान तो कायदो हेप्रमाण केल्ल्या अनुकूलनांसयत आनी बदलांसयत परिणामक जातलो असो उपबंध करूं येता, आनी अशे कसलेंय अनुकूलन अथवा बदलप खंयच्याच न्यायालयांत प्रस्नास्पद करूंक मेळचेंना.

- (2) राष्ट्रपतीन उक्त उपकलमाखाला अनुकूलन केल्लो अथवा फेरफार केल्लो खंयचोच कायदो निरसीत करपाक अथवा बदल करपाक सक्षम विधानमंडळाक अथवा हेर सक्षम प्राधिकरणाक उपकलम (1) हातूतले खंयचेच गजालीक लागून प्रतिबंध जाता अशें मानचे नात.]
- 373. प्रतिबंधक स्थानबद्धतंत आशिल्ले व्यक्तीसंबंदीं थोड्या गजालींनी आदेश करपाचो राष्ट्रपतीचो अधिकार कलम 22च्या उपकलम (7) खाला संसदेकडल्यान उपबंध जावप, अथवा ह्या संविधानाच्या आरंभासावन एक वर्स सोंपप हांचेमदली आदली घडणूक जायसर उक्त कलम, तातूंतलें उप-उपकलम (4) आनी (7) हातूंत संसदेसंबंदींच्या कसल्याय निर्देशाचे सुवातेर जशेपरी राष्ट्रपतीसंबंदींचो निर्देश केल्लो आसचो तेप्रमाण आनी त्या उपकलमांतल्या खंयच्याय कायद्यासंबंदींच्या कसल्याय निर्देशाचे सुवातेर केल्ल्या आदेशासंबंदींचो निर्देश केल्लो आसचो तेप्रमाण परिणामक जातलें.
- 374. फेडरल न्यायालयाच्या न्यायाधीशांसंबंधीं आनी फेडरल न्यायालयांत अथवा हिज मेजस्टी-इन-काउन्सिलामुखार प्रलंबीत आशिल्ल्या कार्यवाह्यांसंबंदांत उपबंध — (1) ह्या संविधानाच्या आरंभाचे निकटपूर्व पद धारण करीत आशिल्ले फेडरल न्यायालयाचे न्यायाधीश अशा आरंभाउपरांत, ताणी हेर पर्याय वेंचिल्लो नासल्यार, सर्वोच्च न्यायालयाचे न्यायाधीश जातले आनी ताचेउपरांत कलम 125 खाला सर्वोच्च न्यायालयाच्या न्यायाधीशांसंबंदांत उपबंधीत केल्यात अशे पगार आनी भत्ते तशेंच अशी अनुपस्थिती रजा आनी पेन्शन हांचेसंबंदींचे अधिकार हांकां ते हक्कदार जातले.
- (2) ह्या संविधानाच्या आरंभाक फेडरल न्यायालयांत प्रलंबीत आशिल्ले सगले दिवाणी आनी फौजदारी दावे, अपिलां आनी कार्यवाही सर्वोच्च न्यायालयाकडेन संक्रामीत जातलीं, आनी सर्वोच्च न्यायालयाक तांची सुनावणी करपाची आनी तांचेर निर्णय दिवपाची अधिकारिताय आसतली, आनी, ह्या संविधानाच्या आरंभापयलीं दिल्ले अथवा

Court delivered or made before the commencement of this Constitution shall have the same force and effect as if they had been delivered or made by the Supreme Court.

- (3) Nothing in this Constitution shall operate to invalidate the exercise of jurisdiction by His Majesty in Council to dispose of appeals and petitions from, or in respect of, any judgment, decree or order of any court within the territory of India in so far as the exercise of such jurisdiction is authorised by law, and any order of His Majesty in Council made on any such appeal or petition after the commencement of this Constitution shall for all purposes have effect as if it were an order or decree made by the Supreme Court in the exercise of the jurisdiction conferred on such Court by this Constitution.
- (4) On and from the commencement of this Constitution the jurisdiction of the authority functioning as the Privy Council in a State specified in Part B of the First Schedule to entertain and dispose of appeals and petitions from or in respect of any judgment, decree or order of any court within that State shall cease, and all appeals and other proceedings pending before the said authority at such commencement shall be transferred to, and disposed of by, the Supreme Court.
- (5) Further provision may be made by Parliament by law to give effect to the provisons of this article.
- 375. Courts, authorities and officers to continue to function subject to the provisions of the Constitution. All courts of civil, criminal and revenue jurisdiction, all authorities and all officers, judicial, executive and ministerial, throughout the territory of India, shall continue to exercise their respective functions subject to the provisions of this Constitution.
- **376.** Provisions as to Judges of High Courts. (1) Notwithstanding anything in clause (2) of article 217, the Judges of a High Court in any Province holding office immediately before the commencement of this Constitution shall, unless they have elected otherwise, become on such commencement the Judges of the High Court in the corresponding State, and shall thereupon be entitled to such salaries and allowances and to such rights in respect of leave of absence and pension as are provided for under article 221 in respect of the Judges of such High Court.
- ²³[Any such Judge shall, notwithstanding that he is not a citizen of India, be eligible for appointment as Chief Justice of such High Court, or as Chief Justice or other Judge of any other High Court.]
- (2) The Judges of a High Court in any Indian State corresponding to any State specified in Part B of the First Schedule holding office immediately before the commencement of this Constitution shall, unless they have elected otherwise, become on such commencement the Judges of the High Court in the State so specified and shall, notwithstanding anything in clauses (1) and (2) of article 217 but subject to the proviso to clause (1) of that article, continue to hold office until the expiration of such period as the President may by order determine.

केल्ले फेडरल न्यायालयाचे न्यायनिर्णय आनी आदेश, ते जशेपरीं सर्वोच्च न्यायालयान दिल्ले अथवा केल्ले आसचे तेचप्रमाण, तितलेच प्रभावी आनी परिणामक आसतले.

- (3) भारताच्या राज्यक्षेत्राच्या खंयच्याय न्यायालयाचो कसलोय न्यायनिर्णय, हुकूमनामो अथवा आदेश हांचेवेलीं वादांचें संबंदींचीं अपिलां तशेंच विनंती अर्ज निकालांत काडपाखातीर हिज-मेजस्टी-इन-काउन्सिलान अधिकारितायेचो केल्लो वापर जितलेमेरेन कायद्यावरवीं प्राधिकृत आसत तितलेमेरेन, अशे अधिकारितायेचो वापर जाचेवरवीं कायद्याभायलो थारत अशेतरेन ह्या संविधानांतली खंयचीच गजाल प्रवर्तीत जावची ना, आनी अशा कसल्याच अपिलाचेर अथवा विनंतीअर्जाचेर हिज-मेजस्टी-इन-काउन्सिलान ह्या संविधानाच्या आरंभाउपरांत केल्लो कसलोच आदेश सगल्या प्रयोजनाखातीर, तो जशेपरीं ह्या संविधानान सर्वोच्च न्यायालयाक प्रदान केल्ले अधिकारितायेचो वापर करून अशा न्यायालयान केल्लो आदेश अथवा हुकूमनामो आसचो तेप्रमाण परिणामक जातलो.
- (4) पयले अनुसुचयेंतलो भाग (ख) हातूंत विनिर्दीष्ट केल्ल्या राज्यांत प्रिव्ही काउन्सिल म्हूण कार्य करपी प्राधिकरणाची त्या राज्यांतल्या खंयच्याय न्यायालयाचो कसलोय न्यायनिर्णय हुकूमनामो अथवा आदेश हांचेवेलीं अथवा तांचेसंबंदींचीं अपिलां आनी विनंती अर्ज स्वीकारपाची आनी निकालांत काडपाची अधिकारिताय ह्या संविधानाच्या आरंभाक आनी तेन्नासावन समाप्त जातली, आनी अशा आरंभाच्या वेळार उक्त प्राधिकरणामुखार प्रलंबीत आशिल्लीं सगलीं अपिलां आनी हेर कार्यवाही सर्वोच्च न्यायालयाकडेन वर्ग जातलीं आनी तांचेकडल्यान तीं निकालांन येतलीं.
 - (5) ह्या कलमाचे उपबंध कार्यान्वीत करपाखातीर संसदेच्यान आनीकूय उपबंध करूं येतात.
- 375. ह्या संविधानाच्या उपबंधांचे अधीनतायेन न्यायालयां, प्राधिकरणां आनी अधिकरणां हांचे कार्याधिकार वापरपाचे चालू दवरप भारताच्या संपूर्ण राज्यक्षेत्रांतलीं दिवाणी, फौजदारी आनी महसुली अधिकारितायेचीं सगलीं न्यायालयां, न्यायीक, कार्यकारी आनी प्रशासकीय अशीं सगलीं प्राधिकरणां तशेंच अशे सगले अधिकारी ह्या संविधानाच्या उपबंधांचे अधीनतायेन आपापले अधिकार बजावपाचें चालूच दवरतले.
- 376. उच्च न्यायालयांतल्या न्यायाधीशांसंबंदीं उपबंध (1) कलम 217च्या उपकलम (2) हातूंत किदेय आसलें तरी, ह्या संविधानाच्या आरंभाचे निकटपूर्व पद धारण करून आशिल्ले, खंयच्याय प्रांतांतल्या उच्च न्यायालयाचे न्यायाधीश अशा आरंभाउपरांत, ताणी हेर पर्याय स्वीकारिल्लो नासल्यार, समनुरूप राज्यांतल्या उच्च न्यायालयांचे न्यायाधीश जातले, आनी ताचेउपरांत कलम 221 खाला अशा उच्च न्यायालयाच्या न्यायाधीशांसंबंदीं उपबंधीत केल्ले आसात अशे पगार आनी भत्ते तशेंच अशी अनुपस्थिती-रजा आनी पेन्शनी हांचेसंबदींचे अधिकार हांकां ते हक्कदार जातले.

²³[असो खंयचोय न्यायाधीश, तो भारताचो नागरीक नासलो तरीय, अशा उच्च न्यायालयाचो मुख्य न्यायमूर्ती अथवा हेर खंयच्याय मुख्य न्यायालयाचो मुख्य न्यायमूर्ती अथवा हेर न्यायाधीश म्हूण नेमणुकेक पात्र जातलो.

(2) ह्या संविधानाच्या आरंभाचे निकटपूर्व पद धारण करून अशिल्ले पयले अनुसुचयेंतल्या भाग ब हातूंत विनिर्दीष्ट केल्ल्या खंयच्याय राज्याकडेन समनुरूप आशिल्ल्या खंयच्याय भारतीय संस्थानांतल्या उच्च न्यायालयाचे न्यायाधीश अशा आरंभाउपरांत, ताणी हेर पर्याय वेंचिल्लो नासल्यार, तेप्रमाण विनिर्दीष्ट केल्ल्या राज्यांतल्या उच्च न्यायालयाचे न्यायाधीश जातले, आनी कलम 217च्या उपकलम (1) आनी (2) हातूंत किदेंय आसलें तरी, मात त्या कलमाच्या उपकलम (1) च्या परंतुकाचे अधीनतायेन, राष्ट्रपती आदेशावरवीं थारायत असो कालावधी सोंपसर तें पद धारण करपाचें चालू दवरतले.

- (3) In this article, the expression "Judge" does not include an acting Judge or an additional Judge.
- 377. Provisons as to Comptroller and Auditor-General of India. The Auditor-General of India holding office immediately before the commencement of this Constitution shall, unless he has elected otherwise, become on such commencement the Comptroller and Auditor-General of India and shall thereupon be entitled to such salaries and to such rights in respect of leave of absence and pension as are provided for under clause (3) of article 148 in respect of the Comptroller and Auditor-General of India and be entitled to continue to hold office until the expiration of his term of office as determined under the provisions which were applicable to him immediately before such commencement.
- 378. Provisions as to Public Service Commissions. (1) The members of the Public Service Commission for the Dominion of India holding office immediately before the commencement of this Constitution shall, unless they have elected otherwise, become on such commencement the members of the Public Service Commission for the Union and shall, notwithstanding anything in clauses (1) and (2) of article 316 but subject to the proviso to clause (2) of that article, continue to hold office until the expiration of their term of office as determined under the rules which were applicable immediately before such commencement to such members.
- (2) The Members of a Public Service Commission of a Province or of a Public Service Commission serving the needs of a group of Provinces holding office immediately before the commencement of this Constitution shall, unless they have elected otherwise, become on such commencement the members of the Public Service Commission for the corresponding State or the members of the Joint State Public Service Commission serving the needs of the corresponding States, as the case may be, and shall, notwithstanding anything in clauses (1) and (2) of article 316 but subject to the proviso to clause (2) of that article, continue to hold office until the expiration of their term of office as determined under the rules which were applicable immediately before such commencement to such members.
- ²⁴[378A. Special provision as to duration of Andhra Pradesh Legislative Assembly. Not-withstanding anything contained in article 172, the Legislative Assembly of the State of Andhra Pradesh as constituted under the provisions of sections 28 and 29 of the States Reorganisation Act, 1956, shall, unless sooner dissolved, continue for a period of five years from the date referred to in the said section 29 and no logner and the expiration of the said period shall operate as a dissolution of that Legislative Assembly.]
 - 379-391. Rep. by the Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s. 29 and Sch.
- **392.** Power of the President to remove difficulties. (1) The President may, for the purpose of removing any difficulties, particularly in relation to the transition from the provisions of the Government of India Act, 1935, to the provisions of this Constitution, by order direct that this Constitution shall,

- (3) ह्या कलमांत 'न्यायाधीश' ह्या उपरांत कार्यार्थ न्यायाधीशाचो अथवा अतिरिक्त न्यायाधीशाचो आस्पाव ना.
- 377. भारताचो नियंत्रक आनी महा लेखा परीक्षक हांचेसंबंदीं उपबंध ह्या संविधानाच्या आरंभाचे निकटपूर्व पद धारण करून राविल्लो भारताचो महा लेखा परीक्षक अशा आरंभाउपरांत, ताणे हेर पर्याय वेंचिल्लो नासल्यार, भारताचो नियंत्रक आनी महा लेखापरीक्षक जातलो आनी ताचेउपरांत कलम 148च्या उपकलम (3) खाला भारताचो नियंत्रक आनी महा लेखा परीक्षक हांचेसंबंदीं उपबंध केल्यात अशें जायसर अशे पगार आनी अशी अनुपस्थिती-रजा आनी पेन्शनी हांचेसंबंदींचे अधिकार हांकां हक्कदार जातलो आनी अशा आरंभाचे निकटपूर्व ताका जे लागू आशिल्ले त्या उपबंधांखाला थारायल्यात तेप्रमाण ताचो अधिकार काळ सोंपसर अधिकारपद धारण करपाचें चालू दवरपाचो ताका हक्क आसतलो.
- 378. लोकसेवा आयोगांसंबंदीं उपबंध (1) ह्या संविधानाच्या निकटपूर्व पद धारण करून आशिल्ले डोमिनियन ऑफ इंडियाच्या लोकसेवा आयोगाचे वांगडी अशा आरंभाउपरांत, ताणी हेर पर्याय वेंचिल्लो नासल्यार, संघाच्या लोकसेवा आयोगाचे वांगडी जातले आनी कलम 316च्या उपकलम (1) आनी (2) हातूंत किदेंय आसलें तरी, मात त्या कलमाच्या उपकलम (2) च्या परंतुकाचे अधीनतायेन, अशा आरंभाचे निकटपूर्व अशा वांगड्यांक जे लागू आशिल्ले त्या नेमांखाला थारायल्लेप्रमाण तांचो अधिकारकाळ सोंपसर तें अधिकारपद धारण करपाचें चालू दवरतले.
- (2) ह्या संविधानाच्या आरंभाचे निकटपूर्व अधिकारपद धारण करून आशिल्ले, एखाद्या प्रांताच्या लोक सेवा आयोगाचे अथवा एखाद्या प्रांत समूहाच्या कामांच्यो गरजो पूर्ण करपी लोकसेवा आयोगाचे वांगडी अशा आरंभाउपरांत, ताणी हेर पर्याय वेंचिल्लो नासल्यार, समनुरूप राज्याच्या लोकसेवा आयोगाचे वांगडी अथवा, त्या त्या प्रकरणाप्रमाण, समनुरूप राज्यांच्या कामांच्यो गरजो पूर्ण करपी संयुक्त राज्य लोक सेवा आयोगाचे वांगडी जातले, आनी कलम 316च्या उपकलम (1) आनी (2) हातूंत किदेंय आसलें तरी, मात त्या कलमाच्या उपकलम (2) च्या परंतुकाचे अधीनतायेन, अशा प्रारंभाचे निकटपूर्व अशा वांगड्यांक जे लागू आशिल्ले त्या नेमांखाला थारायल्लें प्रमाण तांचो अधिकारकाळ सोंपसर ते अधिकारपद धारण करपाचें चालू दवरतले.
- ²⁴[378क. आंध्र प्रदेश विधानसभेच्या कालावधी संबंदांत खाशेले उपबंध कलम 172 हातूंत किदेंय आसलें तरी, 'राज्य पुनर्रचणूक अधिनियम, 1956' अनुभाग 28 आनी 29 हांच्या उपबंधांखाला घडीत जाल्ली अशी आंध्र प्रदेश राज्याची विधानसभा, उक्त अनुभाग 29 हातूंत निर्दीष्ट केल्ले तारकेसावन पांच वर्सांच्या कालावधीमेरेन तेपयलीं विसर्जीत जाली ना जाल्यार-चालू उरतली, मात ताचेपरस चड काळ न्हय, आनी उक्त कालावधी सोंपलो म्हणटकच परिणामी ती विधानसभा विसर्जीत जातली.]
- **379 391** 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956' अनुभाग 29 आनी अनुसुचयेवरवीं निरसीत केले.
- **392. अडचणी निवारण करपाचो राष्ट्रपतीचो अधिकार** (1) कसत्योय अडचणी, चड करून 'गव्हर्नमेंण्ट ऑफ इंडिया ॲक्ट, 1935' हाच्या उपबंधांकडल्यान ह्या संविधानाच्या उपबंधांकडेन संक्रमण करपासंबंदींच्यो अडचणी निवारण करपाखातीर राष्ट्रपतीच्यान आदेशावरवीं अशें निदेशीत करूं येता की, त्या आदेशांत विनिर्दीष्ट

during such period as may be specified in the order, have effect subject to such adaptations, whether by way of modification, addition or omission, as he may deem to be necessary or expedient:

Provided that no such order shall be made after the first meeting of Parliament duly constituted under Chapter II of Part V.

- (2) Every order made under clause (1) shall be laid before Parliament.
- (3) The powers conferred on the President by this article, by article 324, by clause (3) of article 367 and by article 391 shall, before the commencement of this Constitution, be exercisable by the Governor-General of the Dominion of India.

Notes

- 1. Subs. by Constitution (Thirteenth Amendment) Act, 1962, s.2 for 'Temporary and Transitional provisions' (01-12-1963)
- 2. By using powers coferred by this Article the president on the recommendatory of the Jammu & Kashmir Legislative Assembly declared that on 17th Nov, 1952 & from then onwards this explanation in clause (1) of the said Article 370 was be subs. by the following explanation and the said Article will come into force along with that amendment.

Expalanation:- For the purpose of this Constitution the 'Government of the State' shall mean the Government functioning as particular by the advice of the Council of Ministers and the persons recognised by the President as on the advice of State Legislative Assembly in *Sadar-E-Riyasat (Ministry of Law, Order No. C. O. 44 dt. 15-11-1952

- * (Now Governor)
- See the Constitution (Application to Jammu and Kashmir) Order, 1954 (C.O. 48) as amended from time to time, in Appendix I.
- 4. Subs. by Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s.22 for Original contents.
- 5. The words "Andhra Pradesh," omitted by the Constitution (Thiry-second Amendment) Act, 1973, s. 2 (w.e.f. 1-7-1974).
- 6. Cl. (1) omitted by s. 2, ibid. (w.e.f. 1-7-1974).
- 7. Subs. by the Bombay Reorganisation Act, 1960 (11 of 1960), s. 85, for "the State of Bombay" (w.e.f. 1-5-1960).
- 8. Subs. by s. 85, ibid., for "the rest of Maharashtra," (w.e.f. 1-5-1960).
- 9. Ins. by constitution (Thirteenth Amendment) Act, 1962, s.2 (1-12-1963)
- 10. Paragraph 2 of the Constitution (Removal of Difficulties) order No. X provides (w.e.f. 1-12-1963) that article 371A of the Constitution of India shall have effect as if the following proviso were added to paragraph (i) of sub.clause (e) of clause (2) thereof, namely: "Provided that the Governor may, on the advice of the Chief Minister, appoint any person as Minister for Tuensang affairs to act as such until such time as persons are chosen in accordance with law to fill the seats allocated to the Tuensang district in the Legislative Assembly of Nagaland."

करतले अशा कालावधींत हें संविधान ताका गरजेचीं अथवा समयोचित दिसतीत अशा अनुकुलनांसयत परिणामक जातलें - मागीर तीं अनुकुलनां फेरफार करून अथवा चड भर घालून केल्लीं आसूं अथवा तातूंतलें कितेंय काडून उडोवन केल्लीं आसूं :

परंतु, असो कसलोच आदेश भाग-V च्या दुसऱ्या प्रकरणाखाला रीतसर घडीत जाल्ले संसदेचे पयले संभेउपरांत करचे नात.

- (2) उपकलम (1) खाला केल्लो दरेक आदेश संसदेमुखार दवरतले.
- (3) हें कलम, कलम 324, कलम 367 चें उपकलम (3) आनी कलम 391 हांचेवरवीं राष्ट्रपतीक प्रदान केल्ले अधिकार, ह्या संविधानाच्या आरंभापयलीं, डोमिनियम ऑफ इंडियाच्या गव्हर्नर जनरलाच्यान वापरूं येतात.

टिपो

- 'संविधान (तेरावो बदल) अधिनियम, 1962' अनुभाग 2 वरवीं 'अस्थायी आनी संक्रमणी उपबंध' ह्या मजकुराचे सुवातेर घालें (01/12/1963)
- 2. ह्या कलमावरवीं प्रदान केल्ल्या अधिकारांचो वापर करून राष्ट्रपतीन जम्मू आनी काश्मीर राज्याचे विधानसभेच्या शिफारसींवेल्यान अशी घोशणा केली की, 17 नोवेंबर, 1952 दिसा आनी तेन्नासावन, उक्त कलम 370च्या उपकलम (1) मदल्या स्पश्टीकरणाचे सुवातेर फुडलें स्पश्टीकरण घाल्लें आनी त्या बदलासयत तें कलम अंमलांत येतलें, तें स्पश्टीकरण अशें :स्पश्टीकरण ह्या संविधानाच्या प्रयोजनाखातीर, 'राज्याचें सरकार' हाचो अर्थ, त्या राज्यांत त्या त्या वेळार अधिकाराचेर आशिल्ल्या मंत्रिमंडळाच्या सल्ल्यावेल्यान कार्य करपी, राष्ट्रपतीन जम्मू आनी काश्मीराचो *सदर-इ-िरयासत म्हूण त्या राज्याचे विधानसभेचे शिफारसीवेल्यान त्या त्या वेळार मान्यताय दिल्ली व्यक्ती, असो आसा' (विधि मंत्रालय आदेश, क्रमांक सी.ओ.44, ता. 15/11/1952)
 - *(आतां राज्यपाल)
- 3. पळोंवचें : 'संविधान (जम्मू आनी काश्मीर राज्याक लागू जावप) आदेश, 1954'.
- 4. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956' अनुभाग 22 वरवीं मूळ मजकुराचे सुवातेर घाले.
- 5. 'संविधान (बत्तिसावो बदल) अधिनियम, 1973' अनुभाग 2 वर्रवीं काडून उडयलें (01/07/1974)
- 6. कित्तो उपकलमं (1) निरसीत केलें.
- 7. 'मुंबई पुनर्रचणूक अधिनियम, 1960' अनुभाग 85 वरवीं (01.05.1960) 'मुंबई राज्य' चे सुवातेर हो मजकूर घालो.
- 8. 'मुंबई पुनर्रचणूक अधिनियम, 1960' अनुभाग 85 वरवीं 'उरिल्लें महाराष्ट्र' ह्या उतरांचे सुवातेर हो मजकूर घालो (01.05.1960)
- 9. 'संविधान (तेरावो बदल) अधिनियम, 1962' अनुभाग 2 वरवीं घालें (01/12/1963)
- 10. 'संविधान (अडचणींचें निवारण) आदेश, क्रमांक 10' चो परिच्छेद 2 (01/12/1963 सावन) हातूंत असो उपबंध आसा की, भारताच्या संविधानाचें कलम 371क हें जशेंपरीं ताच्या उपकलम (2) च्या उप-उपकलम (ङ) च्या परिच्छेद (।) हातूंत फुडल्या परंतुकाची भर घाल्ली आसची तेप्रमाण परिणामक जातलें, तें अशें :- 'परंतु, नागालॅण्डाचे विधानसभेंत ट्यूएनसांग जिल्ह्याक नेमून दिल्ल्यो सुवातो भरपाखातीर, कायद्याप्रमाण व्यक्तींक वेचीसर राज्यपालाच्यान खंयचेय व्यक्तीक ट्यूएनसांगांसंबंदीं वेव्हारमंत्री म्हूण त्या नात्यान कार्य करपाखातीर मुख्यमंत्र्याच्या सल्ल्यावेल्यान नेमणूक करूं येता'

- 11. Ins. by Constitution (Twenty-second Amendment) Act, 1969, s.4
- 12. Subs. for part 'A' by 'North-Eastern' (Reorganisation) Act, 1974, s.17, (21-01-1972)
- 13. Ins. by Constitution (Twenty-seventh Amendment) Act, 1971, s.5 (15-02-1972)
- 14. Ins. by Constitution (Thirty-second Amendment) Act, 1973, s.3 (01-07-1974)
- 15. Ins. by Constitution (Thirty-sixth Amendment) Act, 1975, s.3 (26-04-1975)
- 16. Subs. by Constitution (Forty-fourth Amendment) Act, 1978, s.43 for Original contents.
- 17. Ibid, substituted for 'five years' by s.43, 6-9-1979
- 18. See Constitution (Removal of difficulties) Order No. 11 (C.O.99)
- 19. See Notification No. S.R.O. 115 dt. 05-06-1950, Government of India (Extraordinary) Part II, Sub-div 3, P. 51, Notification No. S. R. O. 870 dt. 10-11-1950, Government of India Gazette, (Extraordinary) part II sub-div. 3, P 903, Notification No. S. R. O. 508 dt. 04-04-1951, Government of India Gazette (Extraordinary) Part II sub-div. 3 Page 287 and the order amended by Notification No. S. R. O. 1140 B, dt. 02-07-1952, Government of India, Gazette (Extraordinary), Part II sub-div 3, page 616/1 namely Law (Favourability) order, 1950, 1952 dt. 20-11-1952, Government of India Gazette (Extraordinary) Part II sub-div 3 page 923
- 20. Subs. by Constitution (First Amendment) Act, 1951, s.12 for 2 years.
- 21. Ins. by Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s.23.
- 22. See Law (Favourability) Orders of 1956 & 1957.
- 23. Ins.by Constitution (First Amendment) Act, 1951, s.13.
- 24. Ins. by Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s.24.

- 11. 'संविधान (बाविसावो बदल) अधिनियम, 1969' अनुभाग 4 वरवीं घालें.
- 12. 'ईशान्य क्षेत्रां (पुनर्रचणूक) अधिनियम, 1971' अनुभाग 17 वरवीं 'भाग-क' ह्या उतरांचे सुवातेर घालें (21.01.1972)
- 13. 'संविधान (सत्ताविसावो बदल) अधिनियम, 1971' अनुभाग 5 वरवीं घालें (15/02/1972)
- 14. 'संविधान (बत्तिसावो बदल) अधिनियम, 1973' अनुभाग 3 वरवीं घालें (01/07/1974)
- 15. 'संविधान (छत्तिसावो बदल) अधिनियम, 1975' अनुभाग 3 वरवीं घालें (26/04/1975)
- 16. 'संविधान (चोवेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1978' अनुभाग 43 वरवीं मूळ मजकूराचे सुवातेर घालें.
- 17. कित्तो अनुभाग 43 वरवीं (06/09/1979) 'पांच वर्सा' ह्या उतरांचे सुवातेर घालें.
- 18. पळोंवचे : 'संविधान (अडचणींचें निवारण) आदेश क्रमांक 11 (सी.ओ.99)
- 19. पळोवंचें : अधिसूचना क्रमांक एस्.आर.ओ.115, ता.05/06/1950. भारताचें राजपत्र, असाधारण, भाग 2 जपविभाग 3, पा.51, अधिसुचना क्र. एस्.आर.ओ. 870, ता.10/11/1950, भारताचें राजपत्र, असाधारण, भाग-2, जपविभाग 3, पा.903, अधिसुचना क्र. एस्.आर.ओ. 508, ता.04/04/1951, भारताचें राजपत्र, असाधारण, भाग-2, जपविभाग 3, पा.287 आनी अधिसुचोवणी क्र. एस्.आर.ओ. 1140 बी, ता.02/07/1952, भारताचें राजपत्र, असाधारण, भाग-2, जपविभाग 3, पा. 616/1 वरवीं बदल जाल्लो असो 'विधी अनुकूलन आदेश, 1950', ता.26/01/1950, भारताचें राजपत्र, असाधारण, पा. 449 आनी 'त्रावणकोर-कोची भूमि संपादन विधी अनुकूलन आदेश, 1952', ता.20/11/1952, भारताचें राजपत्र, असाधारण, भाग 2 जपविभाग 3, पा.923,
- 20. 'संविधान (पयलो बदल) अधिनियम 1951' अनुभाग 12 वरवीं 'दोन वर्सां' ह्या उतरांचे सुवातेर घालें.
- 21. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम 1956' अनुभाग 23 वरवीं घालें.
- 22. 1956 आनी 1957 चे विधी अनुकूलन आदेश पळोंवचे.
- 23. 'संविधान (पयलो बदल) अधिनियम 1951' अनुभाग 13 वरवीं घालें.
- 24. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम 1956' अनुभाग 24 वरवीं घालें.

Part - XXII

SHORT TITLE, COMMENCEMENT AUTHORITATIVE TEXT IN HINDI AND REPEALS

- 393. Short title. This Constitution may be called the Constitution of India.
- **394. Commencement.** This article and articles 5, 6, 7, 8, 9, 60, 324, 366, 367, 379, 380, 388, 391, 392 and 393 shall come into force at once, and the remaining provisons of this Constitution shall come into force on the twenty-sixth day of January, 1950, which day is referred to in this Constitution as the commencement of this Constitution.
- **395.** Repeals. The Indian Independence Act, 1947, and the Government of India Act, 1935, together with all enactments amending or supplementing the latter Act, but not including the Abolition of Privy Council Jurisdiction Act, 1949, are hereby repealed.

भाग –XXII संक्षिप्त नांव, आरंभ आनी निरसनां

- 393. संक्षिप्त नांव ह्या संविधानाक 'भारताचें संविधान' अशें म्हणटले.
- **394.** आरंभ हें कलम आनी कलम 5,6,7,8,9,60,324,366,367,379,380,388,391,392 आनी 393 तत्काळ अंमलांत येतलीं, आनी ह्या संविधानाचे बाकीचे उपबंध, ह्या संविधानांत ह्या संविधानाचो आरंभ-दीस म्हूण जो निर्दीष्ट केला त्या सव्वीस जानेवारी 1950 ह्या दिसा अंमलांत येतले.
- 395. हेवरवीं 'इंडियन इंडिपेण्डेन्स ॲक्ट, 1947', आनी 'गव्हर्नमेण्ट ऑफ इंडिया ॲक्ट, 1935' निरसीत केल्यात हातूंतल्या दुसऱ्या अधिनियमाच्या सगल्या बदलपी आनी पूरक अधिनियमितींचोय हातूंत आस्पाव आसा, पूण हातूंत 'प्रिव्ही काउन्सिल अधिकारिताय निरसन अधिनियम, 1949' हाचो आस्पाव ना.

'[FIRST SCHEDULE

[Articles 1 and 4]

i. The States

| Name | Territories |
|--------------------------|--|
| SEB recless one, e | E TOE BUT A TE DOLD IN THE HOLD HOLD HOLD HE HE DOWN IN A PERSON AND A SECOND IN |
| 1. Andhra Pradesh | ² [The territories specified in sub-section (1) of section 3 of the Andhra State Act, 1953, sub-section (1) of section 3 of the States Reorganisation Act, 1956, the First Schedule to the Andhra Pradesh and Madras (Alteration of Boundaries) Act, 1959, and the Schedule to the Andhra Pradesh and Mysore |
| | (Transfer of Territory) Act, 1968, but excluding the territories specified in the Second Schedule to the Andhra Pradesh and Madras (Alteration of Boundaries) Act, 1959.] |
| 2. Assam | The territories which immediately before the commencement of this Constitution were comprised in the Province of Assam, the Khasi States and the Assam Tribal Areas, but excluding the territories specified in the Schedule to the Assam (Alteration of Boundaries) Act, 1951 ³ [and the territories specified in sub-section (1) of section 3 of the State of Nagaland Act, 1962] ⁴ [and the territories specified in sections 5, 6 and 7 of the North-Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971]. |
| 3. Bihar | ⁵ [The territories which immediately before the commencement of this Constitution were either comprised in the Province of Bihar or were being administered as if they formed part of that Province and the territories specified in clause (a) of sub-section (1) of section 3 of the Bihar and Uttar Pradesh (Alteration of Boundaries) Act, 1968 but excluding the territories specified in sub-section (1) of section 3 of the Bihar and West Bengal (Tansfer of Territories) Act, 1956, and the territories specified in clause (b) of sub-section (1) of section 3 of the first mentioned Act.] |
| 4. ⁶ [Gujarat | The territories referred to in sub-section (1) of section 3 of the Bombay Reorganisation Act, 1960.] |
| 5. Kerala | The territories specified in sub-section (1) of section 5 of the States Reorganisation Act, 1956. |
| 6. Madhya Pradesh | The territories specified in sub-section (1) of section 9 of the States Reorganisation Act, 1956 ⁷ [and the First Schedule to the Rajasthan and Madhya Pradesh (Transfer of Territories) Act, 1959.] |

¹[पयली अनुसूची (कलम 1 आनी 4) i. राज्यां

| नांव | विस्तार |
|-------------------------|---|
| 1. आंध्र प्रदेश | ² ['आंध्र राज्य अधिनियम, 1953' - अनुभाग 3- उप-उपकलम (1), राज्य पुनर्रचना अधिनियम, 1956' अनुभाग 3, उप-उपकलम (1), 'आंध्र प्रदेश आनी मद्रास (सीमा फेरफार) अधिनियम, 1959' हाची पयली अनुसूची आनी 'आंध्र प्रदेश आनी म्हैसूर (राज्यक्षेत्रांचें हस्तांतरण) अधिनियम, 1968' हाची अनुसूची हातूंत विनिर्दीष्ट केल्लीं राज्यक्षेत्रां, पूण 'आंध्र प्रदेश आनी मद्रास (सीमा फेरफार) अधिनियम, 1959' हाचे दुसरे अनुसुचयेंत विनिर्दीष्ट केल्लीं राज्यक्षेत्रां सोडून.] |
| 2. आसाम | ह्या संविधानाच्या आरंभाचे निकटपूर्व आसाम प्रांत, खासी राज्यां आनी आसाम जनजाती-क्षेत्रां हातूंत जीं आस्पावीत आशिल्लीं तीं राज्यक्षेत्रां, पूण आसाम (सीमा-फेरफार) अधिनियम, 1951' हाचे अनुसुचयेंत विनिर्दीष्ट केल्लीं राज्यक्षेत्रां ³ [आनी 'नागालॅण्ड राज्य अधिनियम, 1962' अनुभाग 3 - उप-उपकलम (1) हातूंत विनिर्दीष्ट केल्लीं राज्यक्षेत्रां] ⁴ [आनी 'ईशान्य क्षेत्रां (पुनर्रचना) अधिनियम, 1971 अनुभाग 5, 6 आनी 7 हातूंत विनिर्दीष्ट केल्लीं राज्यक्षेत्रा] सोडून. |
| 3. बिहार | ⁵ [ह्या संविधानाच्या आरंभाचे निकटपूर्व जीं एकतर बिहार प्रांतांत आस्पावीत आशिल्लीं अशेतरेन प्रशासीत जाताली तीं राज्यक्षेत्रां आनी 'बिहार आनी उत्तर प्रदेश (सीमा-फेरफार) अधिनियम, 1968' अनुभाग 3 उप-उपकलम (ख) हातूंत विनिर्दीष्ट केल्लीं राज्यक्षेत्रां, पूण 'बिहार आनी पश्चिम बंगाल (राज्यक्षेत्रांचें हस्तांतरण) अधिनियम, 1956' अनुभाग 3 उप-उपकलम (1) हातूंत विनिर्दीष्ट केल्लीं राज्यक्षेत्रां सोडून.] |
| 4. ⁶ [गुजराथ | 'मुंबई पुनर्रचना अधिनियम, 1960' अनुभाग 3 उप-उपकलम (1) हातूंत निर्दीष्ट केल्लीं राज्यक्षेत्रां.] |
| 5. केरळ | 'राज्य पुनर्रचना अधिनियम, 1956' अनुभाग 5 उप-उपकलम (1) हातूंत विनिर्दीष्ट केर्ल्ली राज्यक्षेत्रां. |
| 6. मध्य प्रदेश | 'राज्य पुनर्रचना अधिनियम, 1956' अनुभाग 9 उप-उपकलम (1) ⁷ [आनी राजस्थान तशेंच मध्यप्रदेश (राज्यक्षेत्रांचें हस्तांतरण) अधिनियम, 1959' हाची पयलीं अनुसूचीं] हातूंत विनिदीष्ट केल्लीं राज्यक्षेत्रां. |

| | Name | fistages Territories |
|--------------------|--------------------------|--|
| 7. | ⁸ [Tamil Nadu | The territories which immediately before the commencement of this Consti- |
| | | tution were either comprised in the Province of Madras or were being ad- |
| | | ministered as if they formed part of that Province and the territories speci- |
| | | fied in section 4 of the States Reorganisation Act, 1956, 8[and the Second |
| | | Schedule to the Andhra Pradesh and Madras (Alteration of Boundaries) Act, |
| | प्रदेश असि मदास | 1959], but excluding the territories specified in sub-section (1) of section 3 |
| | | and sub-section (1) of section 4 of the Andhra State Act, 1953 and ⁹ [the |
| | | territories specified in clause (b) of sub-section (1) of section 5, section 6 |
| | | and clause (d) of sub-section (1) of section 7 of the States Reorganisation |
| | | Act, 1956 and the territories specified in the First Schedule to the Andhra |
| | | Pradesh and Madras (Alteration of Boundaries) Act, 1959]. |
| 11[8. | Maharashtra | The territories specified in sub-section (1) of section 8 of the States |
| ine i | | Reorganisation Act, 1956, but excluding the territories referred to in sub- |
| | (1) सन्तर्भाव गर | section (1) of section 3 of the Bombay Reorganisation Act, 1960.] |
| 1 ² [9. | Karnataka] | The territories specified in sub-section (1) of section 7 of the States |
| | | Reogranisation Act, 1956 12[but excluding the territory specified in the Sched- |
| | हिंसी आसा विति आ | ule to the Andhra Pradesh and Mysore (Transfer of Territory) Act, 1968]. |
| | Orissa | The territories which immediately before the commencement of this Consti- |
| | | tution were either comprised in the Province of Orissa or were being admin- |
| | | istered as if they formed part of that Province. |
| 14[11.] | Punjab | The territories specified in section 11 of the States Reorganisation Act, 1956 |
| | | 14[and the territories referred to in Part II of the First Schedule to the Acquired |
| | | Territories (Merger) Act, 1960] 15[but excluding the territories refered to in |
| | | Part II of the First Schedule to the Constitution (Ninth Amendment) Act, 1960] |
| | | 16[and the territories specified in sub-section (1) of section 3, section 4 and |
| | | sub-section (1) of section 5 of the Punjab Reorganisation Act, 1966]. |
| 14[12.] | Rajasthan | The territories specified in section 10 of the States Reorganisation Act, 1956 |
| | | |

¹²[but excluding the territories specified in the First Schedule to the Rajasthan

and Madhya Pradesh (Transfer of Territories) Act, 1959].

नांव विस्तार

7. ⁸[तामिळनाडू]

ह्या संविधानाच्या आरंभाचे निकटपूर्व जीं एकतर मद्रास प्रांतांत आस्पावीत आशिल्लीं अथवा जशेपरीं तीं त्या प्रांताचो भाग आशिल्लीं अशे तरेन प्रशासीत जातालीं तीं राज्यक्षेत्रां आनी 'राज्य पुनर्रचना अधिनियम, 1956' अनुभाग 4 ⁹[तशेंच 'आंध्र प्रदेश आनी मद्रास (सीमा-फेरफार) अधिनियम, 1959' हाची दुसरी अनुसूची] हातूंत विनिर्दीष्ट केल्लीं राज्यक्षेत्रां, पूण 'आंध्र राज्य अधिनियम, 1953' अनुभाग 3 उप-उपकलम (1) आनी अनुभाग 4 - उप-उपकलम (1) हातूंत विनिर्दीष्ट केल्लीं राज्यक्षेत्रां आनी, ¹⁰[राज्य पुनर्रचना अधिनियम, 1956' अनुभाग 5 - उप-उपकलम (1) - उपकलम (इ) हातूंत विनिर्दीष्ट केल्लीं राज्यक्षेत्रां आनी 'आंध्र प्रदेश तशेंच मद्रास (सीमा-फेरफार) अधिनियम, 1959' हाचे पयले अनुसुचयेंत विनिर्दीष्ट केल्लीं राज्यक्षेत्रां] सोडून.

¹¹[8. महाराष्ट्र

'राज्य पुनर्रचना अधिनियम, 1956' अनुभाग 8 - उप-उपकलम (1) हातूंत विनिर्दीष्ट केल्लीं राज्यक्षेत्रां, पूण 'मुंबई पुनर्रचना अधिनियम, 1960' अनुभाग 3 उप-उपकलम (1) हातूंत निर्दीष्ट केल्लीं राज्यक्षेत्रां सोडून.]

¹²[9. कर्नाटक]

'राज्य पुनर्रचना अधिनियम, 1956' अनुभाग 7 - उप-उपकलम (1) हातूंत विनिर्दीष्ट केल्लीं राज्यक्षेत्रां, ¹³[पूण 'आंध्र प्रदेश आनी म्हैसूर (राज्यांचें हस्तांतरण) अधिनियम, 1968' हाचे अनुसुचयेंत विनिर्दीष्ट केल्लें राज्यक्षेत्र सोडून.]

¹⁴[10] ओरिसा

ह्या संविधानाच्या आरंभाचे निकटपूर्व जीं ओरिसा प्रांतांत आस्पावीत आशिल्लीं अथवा जशेपरीं तीं त्या प्रातांचो भाग आशिल्लीं अशे तरेन प्रशासीत जातालीं तीं राज्यक्षेत्रां.

¹⁴[11] पंजाब

'राज्य पुनर्रचना अधिनियम, 1956' - अनुभाग 11 हातूंत विनिर्दीष्ट केल्लीं राज्यक्षेत्रां ¹⁵[आनी 'संपादीत राज्यक्षेत्रां (विलीनीकरण) अधिनियम, 1960' हांचे पयले अनुसुचयेंतलो भाग-2 हातूंत निर्दीष्ट केल्लीं राज्यक्षेत्रां] ¹⁶[पूण 'संविधान (णववो बदल) अधिनियम, 1960' हाचे पयले अनुसुचयेंतल्या दुसऱ्या भागांत निर्दीष्ट केल्लीं राज्यक्षेत्रां] ¹⁷[आनी पंजाब पुनर्रचना अधिनियम, 1966' - अनुभाग 3, उप-उपकलम (1), अनुभाग 4 आनी अनुभाग 5 - उप-उपकलम (1) हातूंत विनिर्दीष्ट केल्लीं राज्यक्षेत्रां] सोडून]

¹⁴[12] राजस्थान

'राज्य पुनर्रचना अधिनियम, 1956' अनुभाग 10 हातूंत निर्दीष्ट केल्लीं राज्यक्षेत्रां, ¹⁸[पूण 'राजस्थान आनी मध्य प्रदेश (राज्यक्षेत्रांचें हस्तांतरण) अधिनियम, 1959' हाचे पयले अनुसुचयेंत विनिर्दीष्ट केल्लीं राज्यक्षेत्रां सोडून.]

| W. | Name | Territories |
|---------------------|----------------------|--|
| 14[13.] | Uttar Pradesh | ¹⁹ [The territories which immediately before the commencement of this Constitution were either comprised in the Province known as the United Provinces or were being administered as if they formed part of that Province, the territories specified in clause (b) of sub-section (1) of section 3 of the Bihar and Uttar Pradesh (Alteration of Boundaries) Act, 1968, and the territories specified in clause (b) of sub-section (1) of section 4 of the Haryana and Uttar Pradesh (Alteration of Boundaries) Act, 1979, but excluding the territories sepcified in clause (a) of sub-section (1) of section 3 of the Bihar and Uttar Pradesh (Alteration of Boundaries) Act, 1968, |
| ²⁰ [14.] | West Bengal | The territories which immediately before the commencement of this Constitution were either comprised in the Province of West Bengal or were being administered as if they formed part of that Province and the territory of Chandernagore as defined in clause (c) of section 2 of the Chandernagore (Merger) Act, 1954 and also the territories specified in sub-section (1) of section 3 of the Bihar and West Bengal (Transfer of Territories) Act, 1956. |
| ²⁰ [15.] | Jammu and Kashmir | The territory, which immediately before the commencement of this Constitution was comprised in the Indian State of Jammu and Kashmir. |
| ²¹ [16. | Nagaland | The territories specified in sub-section (1) of section 3 of the State of Nagaland Act, 1962.] |
| | Haryana | ²³ [The territories specified in sub-section (1) of section 3 of the Punjab Reorganisation Act, 1966 and the territories specified in clause (a) of sub-section (1) of section 4 of the Haryana and Uttar Pradesh (Alteration of Boundaries) Act, 1979, but excluding the territories specified in clause (v) of sub-section (1) of section 4 of that Act.] |
| | Himachal | The territories which immediately before the Pradesh commencement of this Constitution were being administered as if they were Chief Commissioners' Provinces under the names of Himachal Pradesh and Bilaspur and the territories specified in sub-section (1) of section 5 of the Punjab Reorganisation Act, 1966.] |
| ²⁵ [19. | Manipur | The territory which immediately before the commencement of this Constitution was being administered as if it were a Chief Commissioner's Province under the name of Manipur. |
| 20. | Tripura | The territory which immediately before the commencement of this Constitution was being administered as if it were a Chief Commissioner's Province under the name of Tripura. |

| नांव | विस्तार |
|---|---|
| 14[13] उत्तरप्रदेश | ¹⁹ [ह्या संविधानाच्या आरंभाचे निकटपूर्व जीं 'संयुक्त प्रांत' म्हूण वळखताले त्या प्रांतात आस्पावीत आशिल्लीं अशे तरेन प्रशासीत जातालीं तीं राज्यक्षेत्रां आनी 'बिहार आनी उत्तर प्रदेश (सीमा-फेरफार) अधिनियम, 1968' अनुभाग 3, उप-उपकलम (1) - उपकलम (ब) हातूंत विनिर्दीष्ट केल्लीं राज्यक्षेत्रां, पूण त्या अधिनियमाचो अनुभाग 3 उप-उपकलम (1) - उपकलम (अ) हातूंत विनिर्दीष्ट केल्लीं राज्यक्षेत्रां सोडून.] |
| ²⁰ [14] पश्चिम बंगाल | ह्या संविधानाच्या आरंभाचे निकटपूर्व जीं अस्तंत बंगाल प्रांतात आस्पावीत आशिल्लीं अथवा जशेंपरी तीं त्या प्रांताचो भाग आशिल्लेवरी प्रशासीत जातालीं तीं राज्यक्षेत्रां आनी 'चंद्रनगर' (विलीनीकरण) अधिनियम, 1954' अनुभाग 2, उपकलम (क) हातूंत निश्चित केल्लेप्रमाण चंद्रनगराचें राज्यक्षेत्र आनी 'बिहार आनी अस्तंत बंगाल (राज्यक्षेत्रांचें हस्तांतरण) अधिनियम, 1956' अनुभाग 3 - उप-उपकलम (1) हातूंत विनिर्दीष्ट केल्लीं राज्यक्षेत्रां धरून. |
| ²⁰ [15] जम्मू आनी काश्मीर | ह्या संविधानाच्या आरंभाचे निकटपूर्व जम्मू आनी काश्मीर ह्या भारतीय संस्थानांत जें आस्पावीत आशिल्लें तें राज्यक्षेत्र. |
| ²¹ [16. नागालॅण्ड | 'नागालॅण्ड राज्य अधिनियम, 1962' अनुभाग 3 उप-उपकलम (1) हातूंत विनिर्दीष्ट केल्लीं राज्यक्षेत्रां.] |
| ²² [17 . हरयाणा | ²³ ['पंजाब पुनर्रचना अधिनियम, 1966' अनुभाग 3, उप-उपकलम (1) आनी 'हरयाणा आनी उत्तर प्रदेश (सीमा-फेरफार) अधिनियम, 1979' अनुभाग 4, उप-उपकलम (1) परिच्छेद (अ), मात ह्या अधिनियमाच्या परिच्छेद (ब) हातूंतलीं राज्यक्षेत्रां सोडून.] |
| ²⁴ [18. हिमाचल प्रदेश | ह्या संविधानाच्या आरंभाचे निकटपूर्व जीं 'हिमाचल प्रदेश' आनी 'विलासपूर' ह्या नांवानी जशेपरीं ते चीफ किमशनर प्रांत आशिल्ले अशे तरेन प्रशासीत जातालीं ती राज्यक्षेत्रां आनी 'पंजाब पुनर्रचना अधिनियम, 1966' अनुभाग 5 उप-उपकलम (1) हातूंत विनिर्दीष्ट केल्लीं राज्यक्षेत्रां.] |
| ²⁵ [19. मणिपूर | ह्या संविधानाच्या आरंभाचे निकटपूर्व जें 'मणिपूर' ह्या नावान जशेपरीं ते चीफ कामिशनर प्रांत आशिल्लेवरी प्रशासीत जातालें तें राज्यक्षेत्र. |
| 20. त्रिपुरा | ह्या संविधानाच्या आरंभाचे निकटपूर्व जें 'त्रिपुरा' ह्या नांवान जशे किदें ते चीफ कामिशनर प्रांत आशिल्लेवरी प्रशासीत जातालें तें राज्यक्षेत्र. |

| 5(1596) | Territories | न्य |
|----------------------------|--|---|
| | | North-Eastern Areas |
| stitution (Thirty-sixth An | nendment) Act, 1975, were | |
| *** _ *** _ **** | | |
| | (Reorganisation) Act, 19 The territories, which in stitution (Thirty-sixth Anderson II. The Unio | The territories specified in section 5 of the (Reorganisation) Act, 1971. The territories, which immediately before the community stitution (Thirty-sixth Amendment) Act, 1975, were |

| प्रातात आरवावीत आहित्त्ती | HI. The Union Territories 130 15 16 16 16 16 16 16 16 16 16 16 16 16 16 |
|--|--|
| (a) Hame 2 DIFFE | भवेश , मण्डिकिस (गण्यानिविद्या Territories |
| । विद्वार आनी अस्तंत बंगाल | नार एडिएगर निपान-इन गामस्किकी कार्डीनी मुन्ह |
| Delhi | The territory, which immediately before the commencement of this Consti- |
| | tution was comprised in the Chief Commissioners Province of Delhi. |
| श्र*। भागावशंत्र विशेषार पात्र अ | ें [15] जम्मू असी 💎 हा संविधानाच्या आरंगाचे निकर्टपूर्व जम्मू आनी काशंभी |
| 28* * | काश्मीर असमावीत आसिल्से ते राज्यक्षेत्र. |
| ²⁹ [2.] The Andaman and | The territory which immediately before the commencement of this Constitu- |
| Nicobar Islands | tion was comprised in the Chief Commissioner's Province of the Andaman |
| | and Nicobar Islands. |
| ²⁹ [3.] ³⁰ [Lakshadweep] | The territory specified in section 6 of the States Reorganisation Act, 1956. |
| ³¹ [²⁹ [4.] Dadra and | The territory which immediately before the eleventh Nagar Haveli day of Au- |
| Nagar Haveli | gust, 1961 was comprised in Free Dadra and Nagar Haveli.] |
| ³² [29[5.] Goa, Daman | The territories as were included immediately before 20th December, 1961] |
| and Diu | |
| ³³ [²⁹ [6.] Pondicherry | The territories which immediately before the sixteenth day of August, 1962 |
| | were comprised in the French Establishments in India known as Pondicherry |
| | |

³⁴[²⁹[7.] Chandigarh..... The territories specified in section 4 of the Punjab Reorganisation Act, 1966.]

Karikal, Mahe and Yanam.]

| नांव | Part g | विस्तार | 4.7 <u>.</u> 86 |
|---|---|--|--|
| -21. मेघालयं : | ंईशान्य (पुनर्रचना) अधि राज्यक्षेत्रां.] | नेयम, 1971' हाच्या अनुभ | ाग 5 हातूंत विनिर्दीष्ट केल्लीं |
| ²⁶ [22. सिक्कीम | | | किटपूर्व सिक्कीमात् आस्पावीत |
| | | | |
| | ii. संघ | राज्यक्षेत्रां | |
| नांव | | विंस्तार | |
| 1. दिल्ली | an ailean an an iomh | 2 | |
| 1. 14001 - 2.4.1.1.1.1.1.1.1.1.1.1.1.1.1.1.1.1.1.1. | ह्या सावधानाच्या आरमाच . आशिल्ले ते राज्यक्षेत्र | ानकटपूर्व दिल्ला ह्या चाफ व | क्रमिशनर प्रांतांत जें आस्पावीत |
| 27 * * · · · · · · · · · · · · · · · · · · | * · · · · · * · · <u>· · · · · · · · · · ·</u> | * * | |
| ²⁹ [2] _अंदमान आनी : निकोबार जुंवे | ह्या संविधानाच्या आरंभाचे f प्रांतांत जें आस्पावीत आशि | नेकटपूर्व अंदमान आनी निक ल्लें तें राज्यक्षेत्र | गेबार जुंवे ह्या चीफ कमिशनर |
| | ं राज्य पुनर्रचना अधिनियम | | विनिर्दिष्ट केल्लें राज्यक्षेत्र. |
| ^{31[29} [4] दादरा आनी नगर हवेली | आस्पावीत आशिल्लें तें राज | यक्षेत्र.] | रादरा आनी नगर हवेलींत जें |
| ^{32[29} [5] गोवा, दमण अानी दीव | | दिसाचे निकटपूर्व गोवा, व ज्यक्षेत्रां.] | दमण आनी दीव हातूंत जीं |
| ^{33[29} [6] पाँडिचेरी | 16 आगश्ट, 1962 ह्या दि | साचे निकटपूर्व जीं भारतांत ळखताले त्या फ्रेंच वसाहतीं | ल्या पाँडिचेरीकारिकल, माहे नी आस्पावीत आशिल्लीं तीं |
| ³⁴ [²⁹ [7] चंडीगढ | 'पंजाब पुनर्रचना अधिनियम, | | गरपावीत केल्ली राज्यक्षेत्रां.] |

| | Name | Territories | | |
|-------------------|----------------------|--|--|--|
| ³⁵ [8. | Mizoram | The territories specified in section 6 of the North-Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971.] | | |
| 9. | Arunachal Pradesh | The territories specified in section 7 of the North-Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971.] | | |

Notes

- 1. Subs. by the Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s. 2, for the First Sch.
- 2. Subs. by the Andhra Pradesh and Mysore (Transfer of Territory) 1968 (36 of 1968), s. 4, for the former entry (w.e.f. 1-10-1968),
- Added by the State of Nagaland Act, 1962 (27 of 1962), s. 4 (w.e.f. 1-12-1963).
- 4. Added by the North-Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 (81 of 1971), s. 9 (w.e.f. 21-1-1972).
- 5. Subs. by the Bihar and Uttar Pradesh (Alteration of Boundries) Act, 1968 (24 of 1968), s. 4, for the former entry (w.e.f. 10-6-1970).
- Subs. by the Bombay Reorganisation Act, 1960 (11 of 1960), s. 4, for entry 4 (w.e.f. 1-5-1960).
- Ins. by the Rajasthan and Madhya Pradesh (Transfer of Territories) Act, 1959 (47 of 1959), s. 4 (w.e.f. 1-10-1959).
- 8. Ins. by State of Madras (Change of Nomame) Act, 1968,s.5 subs. for Madras (14-01-1960)
- 9. Ins. by the Andhra Pradesh and Madras (Alteration of Boundries) Act, 1959 (56 of 1959), s. 6 (w.e.f. 1-4-1960).
- 10. Subs. by s. 6, ibid., for certain words (w.e.f. 1-4-1960).
- 11. Ins. by the Bombay Reorganisation Act, 1960 (11 of 1960), s. 4 (w.e.f. 1-5-1960).
- 12. Subs. by the Mysore State (Alteration of Name) Act, 1973 (31 of 1973), s. 5, for "9. Mysore" (w.e.f. 1-11-1973).
- 13. Ins. by the Andhra Pradesh and Mysore (Transfer of Territory) Act, 1968 (36 of 1968), s. 4 (w.e.f. 1-10-1968).
- 14. Entries 8 to 14 renumbered as entries 9 to 15 by the Bombay Reorganisation Act, 1960 (11 of 1960), s. 4 (w.e.f. 1-5-1960).
- 15. Ins. by the Acquired Territories (Merger) Act, 1960 (64 of 1960), s. 4 (w.e.f. 17-1-1961).
- 16. Added by the Constitution (Ninth Amendment) Act, 1960, s. 3 (w.e.f. 17-1-1961).
- 17. Ins. by the Punjab Reorganisation Act, 1966 (31 of 1966), s. 7 (w.e.f. 1-11-1966).
- 18. Ins. by Rajasthan and Madyapradesh (Transfer of Territories) Act, 1959, s.4 (1-10-1959)

| नांव | विस्तार | | |
|--------------------------|---|---------|--|
| ³⁵ [8. मिझोरम | ंईशान्य क्षेत्रां (पुनर्रचना) अधिनियम, 1971' अनुभाग 6 हातूंत विनिर्दीष्टः राज्यक्षेत्रां. | केल्लीं | |
| 9. अरुणाच | त्र प्रदेश 'ईशान्य क्षेत्रां (पुनर्रचना) अधिनियम, 1971' अनुभाग 7 हातूंत विनिर्दीष्ट राज्यक्षेत्रां.] | केल्लीं | |

टिपो

- 1. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956' अनुभाग 2 वरवीं मूळचे पयले अनुसुचयेचे सुवातेर घालें.
- 2. 'आंध्र प्रदेश आनी म्हैसूर (राज्यक्षेत्रांचे हस्तांतरण) अधिनियम, 1968' अनुभाग 4 वरवीं पयलींचे नोंदीचे सुवातेर घालें (01/10/1968).
- 3. 'नागालॅण्ड राज्य अधिनियम, 1962' अनुभाग 4 वरवीं घालें (01/12/1963).
- 4. 'ईशान्य क्षेत्रां (पुनर्रचणूक) अधिनियम, 1971' अनुभाग 9 वरवीं घालें (21/10/1972).
- 5. 'बिहार आनी उत्तर प्रदेश (सीमा-फेरफार) अधिनियम, 1968' अनुभाग 4 वरवीं मूळ नोंदीचे सुवातेर घालें. (10/06/1970)
- 6. 'मुंबई पुनर्रचना अधिनियम, 1960' अनुभाग 4 वरवीं मूळ नोंदीचे सुवातेर घालें. (01/05/1960)
- 7. 'राजस्थान आनी मध्यप्रदेश (राज्यक्षेत्रांचें हस्तांतरण) अधिनियम, 1959' अनुभाग 4 वरवीं पयलींचे नोंदीचे सुवातेर घालें.
- 8. 'मद्रास राज्य (नामांतर) अधिनियम, 1968' अनुभाग 5 वरवीं 'मद्रास' हाचे सुवातेर हो मजकूर घालो. (14/ 01/1960)
- 9. 'आंध्र प्रदेश आनी मद्रास (सीमा-फेरफार) अधिनियम, 1959' अनुभाग 6 वरवीं घालें (01/04/1960).
- 10. कित्तो थोड्या उतरांचे सुवातेर बदलून घाले.
- 11. 'मुंबई पुनर्रचणूक अधिनियम, 1960' अनुभाग 4 वरवीं घालें (01/05/1960)
- 12. 'म्हेसूर राज्य (नामांतर) अधिनियम, 1973' अनुभाग 5 वरवीं '9-म्हेसूर' हाचे सुवातेर हो मजकूर घालो (01/11/1973)
- 13. 'आंघ्र प्रदेश आनी म्हैसूर (राज्यक्षेत्र हस्तांतरण) अधिनियम, 1968' अनुभाग 4 वरवीं घालें.
- 14. 'मुंबई पुनर्रचणूक अधिनियम, 1960'. अनुभाग 4 वरवीं 8 ते 14 ह्या नोंदींक 9 ते 15 अशे नवे क्रमांक दिले (01/05/1960)
- 15. 'संपादीत राज्यक्षेत्रां (विलीनीकरण) अधिनियम, 1960'. अनुभाग 4 वरवीं घालें (17/01/1961)
- 16. 'संविधान (णववो बदल) अधिनियम, 1960' अनुभाग 3 वरवीं ज्यादा दाखल केलें (17/01/1961)
- 17. 'पंजाब पुनर्रचना अधिनियम, 1966'. अनुभाग 7 वरवीं घालें (01/11/1966)
- 18. 'राजस्थान आनी मध्य प्रदेश (राज्यक्षेत्रांचे हस्तांतरण) अधिनियम, 1959' अनुभाग 4 वरवीं घालें (01/10/ 1959)

- 19. Subs. by the Haryana and Uttar Pradesh (Alteration of Boundaries) Act, 1979 (31 of 1979), s. 5, for the entry against "13. Uttar Pradesh" (w.e.f. 15-9-1983).
- 20. New numbers 9 to 15 allotted to Section 8 to 14 inserted by 'Mumbai Reorganisation Act 1968', s.4
- 21. Ins. by the State of Nagaland Act, 1962 (27 of 1962), s. 4 (w.e.f. 1-12-1963).
- 22. Ins. by Punjab Reorganisation Act, 1966, s.7 (01-11-1966).
- 23. Subs. by the Haryana and Uttar Pradesh (Alteration of Boundaries) Act, 1979 (31 of 1979), s. 5, for the entry against "17. Haryana" (w.e.f. 15-9-1983).
- 24. Ins. by the State of Himachal Pradesh Act, 1970 (53 of 1970) s. 4, (w.e.f. 25-1-1971).
- 25. Ins. by North-Eastern Region (Reorganisation) Act, 1975, s.2
- 26. Ins. by the Constitution (Thirty-sixth Amendment) Act, 1975, s. 2 (w.e.f. 26-4-1975).
- 27. Entry 2 relating to "Himachal Pradesh" omitted by the State of Himachal Pradesh Act, 1970 (53 of 1970), s. 4 (w.e.f. 25-1-1971).
- 28. Entries relating to Manipur and Tripura omitted by the North-Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 (81 of 1971), s. 9 (w.e.f. 21-1-1972).
- 29. Entries 4 to 9 renumbered as entries 2 to 7 by s. 9, ibid. (w.e.f. 21-1-1972).
- 30. Subs. by the Laccadive, Minicoy and Amindivi Islands (Aiteration of Name) Act, 1973 (34 of 1973), s. 5, for "The Laccadive, Minicoy and Amindivi Islands" (w.e.f. 1-11-1973).
- 31. Ins. by the Constitution (Tenth Amendment) Act, 1961, s. 2.
- 32. Ins. by Constitution (Tenth Amendment) Act, 1961, s.2
- 33. Ins. by the Constitution (Fourteenth Amendment) Act, 1962, ss. 3 and 7 (w.e.f. 16-8-1962).
- 34. Ins. by the Punjab Reorganisation Act, 1966 (31 of 1966), s. 7 (w.e.f. 1-11-1966).
- 35. New numbers 2 to 7 allotted for entry nos. 4 to 9 by North-Eastern Region (Reorganisation) Act, 1971-s.9

- 19. 'हरयाणा आनी उत्तर प्रदेश (सीमा फेरफार) अधिनियम, 1979.' अनुभाग 5 वरवीं घाले (15/09/1983).
- 20. 'मुंबई पुनर्रचना अधिनियम, 1968.' अनुभाग 4 वरवीं घाल्ल्या 8 ते 14 ह्या अनुभागाक 9 ते 15 अशे नवे क्रमांक दिले.
- 21. 'नागालॅण्ड राज्य अधिनियम, 1962.' अनुभाग 4 वरवीं मूळचे नोंदीचे सुवातेर घालें (01/12/1963).
- 22. 'पंजाब पुनर्रचना अधिनियम, 1966.' अनुभाग 7 वरवीं (01/11/1966) घालें.
- 23. 'हरयाणा आनी उत्तर प्रदेश (सीमा-फेरफार) अधिनियम, 1979 अनुभाग 5 वरवीं मूळचे नोंदीचे सुवातेर घाले (15/09/1983).
- 24. हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970.' अनुभाग 4 वरवीं (25/01/1971) घालें. अधिनयम, 1970.'
- 25. 'ईशान्य क्षेत्र (पुनर्रचना) अधिनियम, 1975.' अनुभाग 2 वरवीं (20/04/1975) घालें.
- 26. 'संविधान (छत्तिसावो बदल) अधिनियम, 1975.' अनुभाग २ वरवीं (26/04/1975) घालें.
- 27. 'हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970.' अनुभाग 4 वर्रवीं (25/01/1971)हिमाचल प्रदेशा संबंदींची नोंद निरसीत केली.
- 28. ईशान्य राज्यां (पुनर्गठण) अधिनियम 1971. अनुभाग 9 वरवीं (21/01/1972) मणिपूर आनी त्रिपुरा संबंदींच्यो नोंदी निरसीत केल्यो. काणावत्रकां व nozing india you to implicate solv ent elidivi.
- 29. इंशान्य राज्यां (पुनर्गठण) अधिनियम 1971.' अनुभाग 9 वरवीं 4 ते 9 मेरेनच्या नोंदींक 2 ते 7 हे क्रमांक दिले.
- 30. 'लखदीप, मिनिकोय आनी अमिनदिवी जुंवे (नामांतर) अधिनियम, 1973.' अनुभाग 5 वरवीं (01/11/ 1973) 'लखदीप, मिनिकोय आनी अमिनदिवी जुंवे' हांचे सुवातेर घालें.
- 31. 'संविधान (धावो बदल) अधिनियम, 1961.' अनुभाग 2 वरवीं घालें.
- 32. 'संविधान (बारावो बदल) अधिनियम, 1962- अनुभाग 2 वरवीं घालें.
- 33. 'संविधान (चवदावो बदल) अधिनियम, 1962 अनुभाग 3 वरवीं आनी अनुभाग 7 वरवीं (16/02/1962 सावन) घालें. का 10 sepole shi to redisege vhuqs0 shi bas redisege shi ot as snotsivor
- 34. 'पंजाब पुनर्रचणूक अधिनियम, '1966' अनुभाग 7 वरवीं (01/11/1966) घालें. बार्किक कालाहरी
- 35. 'ईशान्य क्षेत्रां (पुनर्रचना) अधिनियम, 1971.' 'अनुभाग 9 वरवीं 4 ते 9 ह्या नोंदींक 2 ते 7 अशे नवे क्रमांक दिले.

8. There shall be paid to the "Speaker and the Deputy Speaker of the Legislative Assembly and to the "Chairman and the Deputy Chairman of the Legislative Council of ja Statej such salaries and salaries as were payable respectively to the Speaker and the Deputy Speaker of the Legislative Assembly and the President and the Deputy President of the Constitution and where the corresponding Province immediately before the commencement of this Constitution and where the corresponding Province had no Legislative Council immediately before such commencement, there shall be paid to Province had no Legislative Council immediately before such commencement, there shall be paid to the Chairman and the Deputy Chairman of the Legislative Council of the State such salaries and

SECOND SCHEDULE

[Articles 59(3), 65(3), 75(6), 97, 125, 148(3), 158(3), 164(5), 186 and 221]

PART A

Provisions as to the President and the Governors of States 1***.

1. There shall be paid to the President and to the Governors of the States 2*** the following emoluments per mensem, that is to say: —

- 2. There shall also be paid to the President and to the Governors of the States 2*** such allowances as were payable respectively to the Governor-General of the Dominion of India and to the Governors of the corresponding Provinces immediately before the commencement of this Constitution.
- 3. The President and the Governors of ³[the States] throughout their respective terms of office shall be entitled to the same privileges to which the Governor-General and the Governors of the corresponding Provinces were respectively entitled immediately before the commencement of this Constitution.
- 4. While the Vice-President or any other person is discharging the functions of, or is acting as, President, or any person is discharging the functions of the Governor, he shall be entitled to the same emoluments, allowances and privileges as the President or the Governor whose functions he discharges or for whom he acts, as the case may be.

PART B

PART C

Provisions as to the Speaker and the Deputy Speaker of the House of the People and the Chairman and the Deputy Chairman of the Council of States and the Speaker and the Deputy Speaker of the Legislative Assembly ** * * and the Chairman and the Deputy Chairman of the Legislative Council of *[a State]

- 7. There shall be paid to the Speaker of the House of the People and the Chairman of the Council of States such salaries and allowances as were payable to the Speaker of the Constituent Assembly of the Dominion of India immediately before the commencement of this Constitution, and there shall be paid to the Deputy Speaker of the House of the People and to the Deputy Chairman of the Council of States such salaries and allowances as were payable to the Deputy Speaker of the Constituent Assembly of the Dominion of India immediately before such commencement.
- 8. There shall be paid to the ⁷Speaker and the Deputy Speaker of the Legislative Assembly and to the ⁸Chairman and the Deputy Chairman of the Legislative Council of [a State] such salaries and allowances as were payable respectively to the Speaker and the Deputy Speaker of the Legislative Assembly and the President and the Deputy President of the Legislative Council of the corresponding Province immediately before the commencement of this Constitution and, where the corresponding Province had no Legislative Council immediately before such commencement, there shall be paid to the Chairman and the Deputy Chairman of the Legislative Council of the State such salaries and allowances as the Governor of the State may determine.

दुसरी अनुसूची

[कलम 59(2), 65(3), 75(6), 97, 125,148(3), 158(3),164(5), 186 आनी 221]

भाग क

राष्ट्रपती आनी 1 * * * राज्यांच्या राज्यपालांसंबंदीं उपबंध.

- 2. ह्या संविधानाच्या आरंभाचे निकटपूर्व डोमिनियन ऑफ इंडियाच्या गव्हर्नर-जनरलाक आनी समनुरूप प्रांतांच्या गव्हर्नरांक प्रदेय आशिल्ले अशे भत्ते अनुक्रमान राष्ट्रपतीक आनी ²* * * राज्यांच्या राज्यपालांक दितले.
- 3. ह्या संविधानाच्या आरंभाचे निकटपूर्व गव्हर्नर-जनरल आनी समनुरूप प्रांतांचे गव्हर्नर हक्कदार आशिल्ले त्याच विशेशांधिकारांक अनुक्रमान राष्ट्रपती आनी ³[राज्यांचे] राज्यपाल आपापल्या अधिकारकाळांत हक्कदार आसतले.
- 4. जेन्ना उप राष्ट्रपती अथवा हेर कोणूय व्यक्ती राष्ट्रपतीचीं कार्यां निभायता आसत, अथवा राष्ट्रपती म्हूण कार्य करता आसत अथवा खंयचीय व्यक्ती राज्यपालाचीं कार्यां निभायता आसत तेन्ना, ती जाचीं कार्यां निभायता आसत अथवा, त्या त्या प्रकरणाप्रमाण, जाचेखातीर कार्य करता आसत तो राष्ट्रपती अथवा राज्यपाल जांकां हक्कदार आसत तेच परिलाभ, भत्ते आनी विशेशाधिकार हांकां ती व्यक्ती हक्कदार आसतली.

भाग ख

भाग ग

लोकसभेचो अध्यक्ष आनी उपाध्यक्ष तशेंच राज्यसभेचो सभापती आनी उपसभापती आनी ⁵* * * ⁶[राज्याचे] विधानसभेचो अध्यक्ष तशेंच उपाध्यक्ष आनी विधान परिशदेचो सभापती तशेंच उपसभापती हांचेसंबंदीं उपबंध.

- 7. ह्या संविधानाच्या आरंभाचे निकटपूर्व डोमिनियन ऑफ इंडियाचे संविधांन सभेच्या अध्यक्षाक प्रदेय आशिल्ले अशे पगार आनी भत्ते लोकसभेच्या अध्यक्षाक आनी राज्यसभेच्या सभापतीक दितले आनी अशा आरंभाचे निकटपूर्व डोमिनियन ऑफ इंडियाच्या संविधान सभेच्या उपाध्यक्षाक प्रदेय आशिल्ले अशे पगार आनी भत्ते लोकसभेच्या उपाध्यक्षाक आनी राज्यसभेच्या उपसभापतीक दितले.
- 8. ⁷* * * राज्यांचे विधानसभेच्या अध्यक्षाक आनी उपाध्यक्षाक तशेंच ⁸* * * विधान परिशदेच्या सभापतीक आनी उपसभापतीक अनुक्रमान, ह्या संविधानाच्या आरंभाचे निकटपूर्व समनुरूप प्रांतांच्या विधानसभेच्या अध्यक्षाक आनी उपाध्यक्षाक तशेंच विधानपरिशदेच्या सभापतीक आनी उपसभापतीक प्रदेय आशिल्ले अशे पगार आनी भत्ते दितले, आनी अशा आरंभाचे निकटपूर्व जंय समनुरूप प्रांताक विधानपरिशद नाशिल्ली थंय त्या राज्याचे विधानपरिशदेच्या सभापतीक आनी उपसभापतीक राज्याचो राज्यपाल निर्धारीत करीत अशे पगार आनी भत्ते दितले.

PART D

Provisions as to the Judges of the Supreme Court and of 9*** the High Courts

9. (1) There shall be paid to the Judges of the Supreme Court, in respect of time spent on actual service, salary at the following rates per mensem, that is to say:

Provided that if a Judge of the Supreme Court at the time of his appointment is in receipt of a pension (other than a disability or wound pension) in respect of any previous service under the Government of India or any of its predecessor Governments or under the Government of a State or any of its predecessor Governments, his salary in respect of service in the Supreme Court ³[shall be reduced-

- 10(a) By the amount of that pension, and the best the tele for the left for the left of th
- (b) If he has, before such appointment, received in lieu of a portion of the pension due to him in respect of such previous service the commuted value thereof, by the amount of that portion of the pension, and
- (c) If he has, before such appointment, received a retirement gratuity in respect of such previous service, by the pension equivalent of that gratuity].
- (2) Every Judge of the Supreme Court shall be entitled without payment of rent to the use of an official residence.
- (3) Nothing in sub-paragraph (2) of this paragraph shall apply to a Judge who, immediately before the commencement of this Constitution, -
 - (a) Was holding office as the Chief Justice of the Federal Court and has become on such commencement the Chief Justice of the Supreme Court under clause (1) of article 374, or
 - (b) Was holding office as any other Judge of the Federal Court and has on such commencement become a Judge (other than the Chief Justice) of the Supreme Court under the said clause,

During the period he holds office as such Chief Justice or other Judge, and every Judge who so becomes the Chief Justice or other Judge of the Supreme Court shall, in respect of time spent on actual service as such Chief Justice or other Judge, as the case may be, be entitled to receive in addition to the salary specified in sub-paragraph (1) of this paragraph as special pay an amount equivalent to the difference between the salary so specified and the salary which he was drawing immediately before such commencement.

- (4) Every Judge of the Supreme Court shall receive such reasonable allowances to reimburse him for expenses incurred in travelling on duty within the territory of India and shall be afforded such reasonable facilities in connection with travelling as the President may from time to time prescribe.
- (5) The rights in respect of leave of absence (including leave allowances) and pension of the Judges of the Supreme Court shall be governed by the provisions which, immediately before the commencement of this Constitution, were applicable to the Judges of the Federal Court.

10 '((1) There shall be paid to the Judge Bot File in Courts, in respect of time spent on actual

सर्वोच्च न्यायालयाच्या आनी 9 * * * उच्च न्यायालयांच्या न्यायाधीशांसंबंदीं उपबंध.

9. (1) सर्वोच्च न्यायालयाच्या न्यायाधीशांक प्रत्यक्ष सेवेंत घालयल्ल्या काळासंबंदांत दर म्हयन्याक फुडें दिल्यात तशे पगार दितले, म्हळ्यार :—

परंतु, जर सर्वोच्च न्यायालयाच्या न्यायाधीशाक आपणाले नेमणुकेच्या वेळार भारत सरकार अथवा ताचे खंयचेंय पूर्वाधिकारी सरकार अथवा राज्य सरकार अथवा तांचें खयंचेंय पूर्वाधिकारी सरकार हाचे अखत्यारेखाला केल्ले खंयचेय पूर्व सेवेसंबंदांत पेन्शन (विकलांगताय अथवा दुखापत पेन्शन हांचेपरस वेगळें) मेळटा आसत जाल्यार, सर्वोच्च न्यायांतले सेवेसंबंदांतलो ताचो पगार — правивова правивова дова вы вы вышения вы правивова правивова вы вышения вы правивова правивова вы вышения вы правивова вы вышения вышения вы правивова вы вышения вышения

to not 10 (क) ते पेन्शनीचे रकमेन, आनी aft solve belluminos ent solves avolven dous to fasassi ni

- (ख) जर अशे नेमणुकेपयलीं ताका अशे पूर्व सेवेसंबंदांत पेन्शनीच्या देय आशिल्ल्या वांट्याचे सुवातेर ताचें संराशीकृत मोल ताका मेळ्ळां आसत जाल्यार, पेन्शनीच्या त्या वांट्याचे रकमेन, आनी
- (ग) जर अशे नेमणुकेपयलीं ताका अशे पूर्वसेवेसंबंदांत सेवानिवृत्ती-उपदान मेळ्ळां आसत जाल्यार, त्या उपदानाइतलेच पेन्शनीचे रकमेन उणे करतले.]
- (2) सर्वोच्च न्यायालयाचो दरेक न्यायाधीश भाडें दिलेबगर अधिकृत निवासस्थानाचो वापर करपाक हक्कदार आसतलो.
 - (3) ह्या संविधानाच्या आरंभाचे निकटपूर्व जो न्यायाधीश —
 - (क) फेडरल न्यायालयाचो मुख्य न्यायमूर्ती म्हूण अधिकारपद धारण करतालो आनी अशा आरंभाउपरांत कलम 374 च्या उपकलम (1) खाला सर्वोच्च न्यायालयाचो मुख्य न्यायमूर्ती जाला, अथवा
 - (ख) फेडरल न्यायालयाचो हेर कोणूय न्यायाधीश म्हूण अधिकारपद धारण करतालो आनी अशा आरंभाउपरांत उक्त उपकलमाखाला सर्वोच्च न्यायालयाचो (मुख्य न्यायमूर्तीपरस वेगळो) न्यायाधीश जाला,

अशा न्यायाधीशाक, तो असो मुख्य न्यायमूर्ती अथवा हेर न्यायाधीश म्हूण अधिकारपद धारण करीत त्या कालावधींत ह्या परिच्छेदाचो पोटपरिच्छेद (2) हातूंतली खंयचीच गजाल लागू आसची ना, आनी जो अशे तरेन सर्वोच्च न्यायालयाचो मुख्य न्यायमूर्ती अथवा हेर न्यायाधीश जाला असो दरेक न्यायाधीश, त्या त्या प्रकरणाप्रमाण, असो मुख्य न्यायमूर्ती अथवा हेर न्यायाधीश म्हूण ताणे प्रत्यक्ष सेवेंत घालयल्ल्या काळासंबंदांत, ह्या परिच्छेदाच्या पोटपरिच्छेद (1) हातूंत विनिर्दीष्ट केल्ल्या पगाराचे भरीक अशेतरेन विनिर्दीष्ट केल्लो पगार आनी अशा आरंभाचे निकटपूर्व ताका मेळटालो तो पगार हांचेमदल्या अंतराइतली रकम खाशेलें वेतन म्हूण घेवपाक हक्कदार आसतलो.

- (5) सर्वोच्च न्यायालयाच्या न्यायाधीशांची गैरहाजिरी रजा (रजा आनी भत्ते धरून) आनी पेन्शन हेसंबंदींच्या अधिकारांचें नियंत्रण ह्या संविधानाच्या आरंभाचे निकटपूर्व फेडरल न्यायालयाच्या न्यायाधीशांक जे लागू आशिल्ले त्या उपबंधांवरवीं जातले.

10. ¹¹[(1) There shall be paid to the Judges of High Courts, in respect of time spent on actual service, salary at the following rates per mensem, that is to say, —

| The Chief Justice | 4,000 rupees. | |
|-------------------|---------------|--|
| Any other Judge | 3,500 rupees: | |

Provided that if a Judge of a High Court at the time of his appointment is in receipt of a pension (other than a disability or wound pension) in respect of any previous service under the Government of India or any of its predecessor Governments or under the Government of a State or any of its predecessor Governments, his salary in respect of service in the High Court shall be reduced-

- (a) By the amount of that pension, and
- (b) If he has, before such appointment, received in lieu of a portion of the pension due to him in respect of such previous service the commuted value thereof, by the amount of that portion of the pension, and
- (c) If he has, before such appointment, received a retirement gratuity in respect of such previous service, by the pension equivalent of that gratuity.]
- (2) Every person who immediately before the commencement of this Constitution-
- (a) Was holding office as the Chief Justice of a High Court in any Province and has on such commencement become the Chief Justice of the High Court in the corresponding State under clause (1) of article 376, or
- (b) Was holding office as any other Judge of a High Court in any Province and has on such commencement become a Judge (other than the Chief Justice) of the High Court in the corresponding State under the said clause,

Shall, if he was immediately before such commencement drawing a salary at a rate higher than that specified in sub-paragraph (1) of this paragraph, be entitled to receive in respect of time spent on actual service as such Chief Justice or other Judge, as the case may be, in addition to the salary specified in the said sub-paragraph as special pay an amount equivalent to the difference between the salary so specified and the salary which he was drawing immediately before such commencement.

- ¹²[(3) Any person who, immediately before the commencement of the Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, was holding office as the Chief Justice of the High Court of a State specified in Part B of the First Schedule and has on such commencement become the Chief Justice of the High Court of a State specified in the said Schedule as amended by the said Act, shall, if he was immediately before such commencement drawing any amount as allowance in addition to his salary, be entitled to receive in respect of time spent on actual service as such Chief Justice, the same amount as allowance in addition to the salary specified in sub-paragraph (1) of this paragraph.]
 - 11. In this Part, unless the context otherwise requires, -
 - (a) The expression "Chief Justice" includes an acting Chief Justice, and a "Judge" includes an ad hoc Judge;

10. ¹¹[(1) उच्च न्यायालयाच्या न्यायाधीशांक प्रत्यक्ष सेवेंत घालयल्ल्या काळासंबंधांतं दर म्हयन्याक फुडल्या दरांनी पगार दितले, म्हळ्यार :—

परंतु, जर उच्च न्यायालयाच्या न्यायाधीशाक आपणाले नेमणुकेवेळार भारत सरकार अथवा ताचें खंयचेंय पूर्वाधिकारी सरकार अथवा राज्य सरकार अथवा ताचें खंयचेंय पूर्वाधिकारी सरकार हांचे अखत्यारेखाला केल्ले कसलेय पूर्वसेवेसंबंदांत पेन्शन (विकलांगताय अथवा दुखापत पेन्शन हांचे परस वेगळें) मेळटा आसत जाल्यार, उच्च न्यायालयांतले सेवेसंबंदांतलो ताचो पगार –

- (क) ते पेन्शनीचे रकमेन, आनी
- (ख) जर अशे नेमणुकेपूर्व ताका अशे पूर्वसेवेसंबंदांत पेन्शनीचे देय वांट्याचे सुवातेर ताचे संराशीकृत मोल ताका मेळ्ळां आसत जाल्यार, पेन्शनीच्या त्या वांट्याचे रकमेन, आनी
- (ग) जर अशे नेमणुकेपूर्व ताका अशे पूर्व सेवेसंबंदांत सेवानिवृत्ती उपदान मेळ्ळां आसत जाल्यार,त्या उपदानाइतले पेन्शनीचे रकमेन उणे करतले]
- (2) ह्या संविधानाच्या आरंभाचे निकटपूर्व जी व्यक्ती —
- (क) खंयच्याय प्रांतांतल्या उच्च न्यायालयाचो मुख्य न्यायमूर्ती म्हूण अधिकारपद धारण करताली आनी अशा आरंभाउपरांत कलम 376 च्या उपकलम (1) खाला समनुरूप राज्यांतल्या उच्च न्यायालयाचो मुख्य न्यायमूर्ती जाल्या अथवा
- (ख) खंयच्याय प्रांतांतल्या उच्च न्यायालयाचो हेर कसलोय न्यायाधीश म्हूण अधिकारपद धारण करताली आनी अशा आरंभाउपरांत उक्त उपकलमाखाला समनुरूप राज्यांतल्या उच्च न्यायालयाचो (मुख्य न्यायमूर्ती परस हेर) न्यायाधीश जाल्या,

अशी प्रत्येक व्यक्ती, जर तिका अशा आरंभापयलीं ह्या परिच्छेदाच्या पोटपरिच्छेद (1)— हातूंत विनिर्दीष्ट केल्ले दरेपरस चड दरेन पगार मेळटालो अशें आसत जाल्यार, त्या त्या प्रकरणाप्रमाण, असो मुख्य न्यायमूर्ती अथवा हेर न्यायाधीश म्हूण प्रत्यक्ष सेवेंत घालयल्ल्या काळासंबंदांत, उक्त पोटपरिच्छेदांत विनिर्दीष्ट केल्ल्या पगाराचे भरीक, अशेतरेन विनिर्दीष्ट केल्लो पगार आनी अशा आरंभाचे निकटपूर्व ताका मेळटालो तो पगार हांचेमदल्या अंतराइतली रकम खाशेलें वेतन म्हूण मेळपाक हक्कदार आसतली.

- 12[(3) 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956 'हाच्या आरंभाचे निकटपूर्व जी व्यक्ती पयले अनुसुचयेच्या भाग (ख) हातूंत विनिर्दीष्ट केल्ल्या राज्याच्या उच्च न्यायालयाचो मुख्य न्यायमूर्ती म्हूण अधिकारपद धारण करताली आनी अशा आरंभाउपरांत उक्त अधिनियमावरवीं बदल केल्ले अशे उक्त अनुसुचयेंत विनिर्दीष्ट केल्ल्या राज्याच्या उच्च न्यायालयाचो मुख्य न्यायमूर्ती जाल्या अशी खंयचीय व्यक्ती, जर अशा आरंभाचे निकटपूर्व तिका आपणाल्या पगाराचे भरीक भत्तो म्हूण कसलीय रकम मेळटा आसत जाल्यार, असो मुख्य न्यायमूर्ती म्हूण प्रत्यक्ष सेवेंत घालयल्या काळासंबंदांत ह्या परिच्छेदाच्या पोटपरिच्छेद (1) हातूंत विनिर्दीष्ट केल्ल्या पगाराचे भरीक भत्तो म्हूण तितलीच रकम मेळपाक हक्कदार आसतली.]
 - 11. ह्या भागांत, संदर्भाक लागून हेर तरेन गरजेचें नासत जाल्यार, —
 - (क) 'मुख्य न्यायमूर्ती' ह्या उतरांनीं कार्यार्थ न्यायमूर्तीचो आनी 'न्यायाधीश' हातूंत तदर्थ न्यायाधीशाचो आस्पाव आसा.

- (b) "Actual service" includes-
 - (i) Time spent by a Judge on duty as a Judge or in the performance of such other functions as he may at the request of the President undertake to discharge;
 - (ii) Vacations, excluding any time during which the Judge is absent on leave; and
 - (iii) Joining time on transfer from a High Court to the Supreme Court or from one High Court to another.

PART E

Provisions as to the Comptroller and Auditor-General of India

- 12. (1) There shall be paid to the Comptroller and Auditor-General of India a salary at the rate of four thousand rupees per mensem.
- (2) The person who was holding office immediately before the commencement of this Constitution as Auditor-General of India and has become on such commencement the Comptroller and Auditor-General of India under article 377 shall in addition to the salary specified in sub-paragraph (1) of this paragraph be entitled to receive as special pay an amount equivalent to the difference between the salary so specified and the salary which he was drawing as Auditor-General of India immediately before such commencement.
- (3) The rights in respect of leave of absence and pension and the other conditions of service of the Comptroller and Auditor-General of India shall be governed or shall continue to be governed, as the case may be, by the provisions which were applicable to the Auditor-General of India immediately before the commencement of this Constitution and all references in those provisions to the Governor-General shall be construed as references to the President.

कारिस विशाप । किन्तु जीविशी मार्थक श्रीवर्ध । Notes

- The words and letter "specified in Part A of the First Schedule" omitted by the Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s. 29 and Sch.
- 2. The words "so specified" omitted by the Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s. 29 and Sch.
- 3. Subs. by s. 29 and Sch., ibid., for "such States".
- 4. Part B Omitted by s. 29 and Sch., ibid.
- 5. The words and letter "of a State in Part A of the First Schedule" omitted by the Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s. 29 and Sch.
- 6. Subs. by s. 29 and Sch., ibid., for "such State".
- 7. Ibid Subs. by S.29 and Schedule for the words 'the States specified in Part (A) of the First Schedule'.
- 8. Ibid words 'such States' repealed by s.29 and schedule.

- (ख) 'प्रत्यक्ष सेवा' हातूंत sone sone of the First Sone the sing is sone (ख)
- (i) न्यायाधीशान, न्यायाधीश म्हूण स्वताचें कर्तव्य निभावपांत अथवा राष्ट्रपतीचे विनंतेवेल्यान जीं कार्यां निभावपाचें तो पत्करीत अशीं हेर कार्यां करपांत घालयल्लो काळ;
 - (ii) दीर्घ सुटयो न्यायाधीश जेन्ना रजेच्या निमतान गैरहाजीर आसत असो खंयचोय काळ सोडून; आनी
 - (iii) उच्च न्यायालयांतल्यान सर्वोच्च न्यायालयांत अथवा एका उच्च न्यायालयांतल्यान दुसऱ्या उच्च न्यायालयांत बदली जातकच रूजू जावपाचो काळ, हांचो आस्पाव आसा.

भाग ङ भारताचो नियंत्रक आनी महा लेखा परीक्षक हाचेसंबंदीं उपबंध

- (12) (1) भारताचो नियंत्रक आनी महा लेखा परीक्षक हाका दर म्हयन्याक चार हजार रूपया ह्या दरान पगार दितले.
- (2) ह्या संविधानाच्या आरंभाचे निकटपूर्व जी व्यक्ती भारताचो महा लेखा परीक्षक म्हूण अधिकारपद धारण करताली आनी अशा आरंभाउपरांत कलम 277 खाला भारताचो नियंत्रक आनी महा लेखा परीक्षक जाल्या ती व्यक्ती ह्या परिच्छेदाच्या पोटपरिच्छेद (1) हातूंत विनिर्दीष्ट केल्ल्या पगाराचे भरीक, अशेतरेन विनिर्दीष्ट केल्लो पगार आनी अशा आरंभाचे निकटपूर्व भारताचो महा लेखा परीक्षक म्हूण तिका मेळटा तो पगार हातूंतल्या अंतरा इतली रकम खाशेलें वेतन म्हूण मेळपाक हक्कदार आसतली.
- (3) भारताचो नियंत्रक आनी महा लेखा परीक्षक हाचे गैर हाजिरी रजा आनी पेन्शन हांचेसंबंदींचे अधिकार आनी ताच्यो सेवा-अटी हांचें नियंत्रण ह्या संविधानाच्या आरंभाचे निकटपूर्व भारताच्या महा लेखा परीक्षकाक जे लागू आशिल्ले त्या उपबंधांवरवी जातलें अथवा, त्या त्या प्रकरणाप्रमाण, जावपाचें चालू उरतलें आनी त्या उपबंधांतल्या गव्हर्नर जनरलासंबंदींच्या सगल्या निर्देशांचो अर्थ राष्ट्रपतीसंबंदींचे निर्देश म्हूण लायतले.

टिपो

- 1. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956'- अनुभाग 29 आनी अनुसूची हांचेवरवीं 'पयले अनुसुचयेच्या भाग (क) हातूंत विनिर्दीश्ट केल्ल्यो ' हो मजकूर निरसीत केलो.
- 2. कित्तो अनुभाग 29 आनी अनुसूची हांचेवरवीं 'अशेतरेन विनिर्दीश्ट केल्ल्यो' हीं उतरां निरसीत केलीं.
- 3. कित्तो अनुभाग 29 आनी अनुसुचयेवरवीं 'अशा राज्यांचे' ह्या उतरांचे सुवातेर घालें.
- 4. कित्तो अनुभाग 29 आनी अनुसुचयेवरवीं भाग (ख) निरसीत केलो.
- 5. कित्तो अनुभाग 29 आनी अनुसुचयेवरवीं' 'पयले अनुसुचयेच्या भाग (क) मदल्या राज्यांच्या ह्या उतरांचे सुवातेर घालें.
- 6. कित्तो अनुभाग 29 आनी अनुसुचयेवरवीं' 'अशा खंयच्याय राज्याच्या' हीं उतरां निरसीत केलीं.
- 7. कित्तो अनुभाग 29 आनी अनुसुचयेवरवीं' 'पयले अनुसुचयेच्या भाग (क) हातूंत विनिर्दीश्ट केल्ल्या राज्याच्या 'ह्या उतरांचे सुवातेर घालें.
- 8. कित्तो अनुभाग 29 आनी अनुसुचयेवरवीं' 'अशीं राज्या' हीं उतरां निरसीत केलीं.

- 9. Ibid- words 'of any States specified in partial of the First Schedule repealed by s.25
- 10. Subs. by the Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s. 25, for "shall be reduced by the amount of that pension".
- 11. Ibid Subs. for sub-paragraph (1) of s.25
- 12. Ibid Subs. for sub-paragraph (3) & (4) by s.25

- 9. कित्तो अनुभाग 25 वरवीं 'पयलें अनुसुचयेच्या भाग (क) हातूंत विनिर्दीश्ट खंयच्याय राज्याचो' हीं उतरां निरसीत केलीं.
- 10. कित्तो अनुभाग 25 वरवीं 'तें पेन्शनीचे रकमेन उबे करतले 'ह्या उतरांचे सुवातेर घालें.
- 11. कित्तो अनुभाग 25 वरवीं 'पोटपरिच्छेद (1)-' हाचे सुवातेर घालें.
- 12. कित्तो अनुभाग 25 वरवीं 'पोटपरिच्छेद (3) आनी (4)-' हांचे सुवातेर घालें.

report advant assisting a very married to store to use 2

If A.B. so swear in the name at Goddonamity animit may resulted directly by a consideration product or reveal to any person or persons any makes which shall be brought under my consideration or shall become known to me as a Minister for the Lown except as may be required for the the discharge of my duties as such Minister.

Form of eath or affirmation to be made by a candidate for election to Partiament -

1 A.B. naving been nominated as a condidate to tillin seature the council of States (or the House of the People) do swear in the name of God/solemning affilm that I will been true feith and allegrance to the Constitution of India as by law established and linar I will uphold the sovereignty and insortively

Form of neth or affirmation to be made by a member of Partiament: --

H. A.B. Insuring been sected (or nominated) a member of the Council at States (or the House of life People) do swear in the name of Godenbury affirm that I will be at this faith and allegishes to the Constitution of India as by two setablished that I will uplied the sovereignty and integrity of thus and the state that the state the state of the state of

THIRD SCHEDULE

[Articles 75(4), 99, 124(6), 148(2), 164(3), 188 and 219]*

Forms of Oaths or Affirmations

1.

Form of oath of office for a Minister for the Union: -

"I, A.B., do swear in the name of God/solemnly affirm that I will bear true faith and allegiance to the Constitution of India as by law established, ¹ [that I will uphold the sovereignty and integrity of India,] that I will faithfully and conscientiously discharge my duties as a Minister for the Union and that I will do right to all manner of people in accordance with the Consitution and the law, without fear or favour, affection or ill-will."

2.

Form of oath of secrecy for a Minister for the Union: -

"I, A.B., do swear in the name of God/solemnly affirm that I will not directly or indirectly communicate or reveal to any person or persons any matter which shall be brought under my consideration or shall become known to me as a Minister for the Union except as may be required for the due discharge of my duties as such Minister."

2[3.

A

Form of oath or affirmation to be made by a candidate for election to Parliament: -

"I, A.B., having been nominated as a candidate to fill a seat in the council of States (or the House of the People) do swear in the name of God/solemnly affirm that I will bear true faith and allegiance to the Constitution of India as by law established and that I will uphold the sovereignty and integrity of India."

B

Form of oath or affirmation to be made by a member of Parliament: -

"I, A.B., having been elected (or nominated) a member of the Council of States (or the House of the People) do swear in the name of God/solemnly affirm that I will bear true faith and allegiance to the Constitution of India as by law established, that I will uphold the sovereignty and integrity of India and that I will faithfully discharge the duty upon which I am about to enter."]

तिसरी अनुसूची

[कलम 75(4), 99,124,(6),148(2), 164(3),188 आनी 219]

सोपूत आनी दृढकथनां हांचे नमुने/

1

संघाच्या मंत्र्याखातीर अधिकारपदाच्या सोपुताचो नमुनो :-

'हांव, क,ख, देवाचो सोपूत घेतां गंभीरतायेन दृढकथन करतां की, कायद्यावरवीं स्थापीत जालां अशा भारतीय संविधानाविशीं हावं खरेली स्रद्धा आनी निश्ठा बाळिगतलों, ¹[हांव भारताची सार्वभौमताय आनी एकात्मताय उन्नत राखतलों] हांव संघाचो मंत्री म्हूण म्हजीं 'कामां निश्ठेन आनी शुद्ध बुद्धीन निभायतलों आनी संविधान आनी कायदो हांचेप्रमाण सगल्या तरांच्या लोकांक हांव धिटायेन आनी भेदभावाबगर तशेंच कोणाचेच संबंदीं मोयपास अथवा दुस्वास बाळिगनासतना न्याय्य वागणूक दितलों.'

2

संघाच्या मंत्र्याखातीर गुप्ततायेच्या सोपुताचो नमुनो :-

'हांव, क.ख., देवाचो सोपूत घेतां गंभीरतायेन दृढकथन करतां की, संघाचो मंत्री म्हूण ह्या विचाराखातीर — हाडटले अथवा म्हाका कळटली अशी कसलीय गजाल, असो मंत्री म्हूण म्हजीं कामा यथायोग्य निभावपाखातीर गरजेचें आसत तितलें सोडल्यार, हांव खंयचेच व्यक्तीक अथवा व्यक्तींक प्रत्यक्षपणान अथवा अप्रत्यक्षपणान कळोवंचो ना वा ताचेलागीं उक्ती करचों ना.'

2[3

क

संसदेचे वेंचणुकेंतल्यान उमेदवारान घेवपाच्या सोपुताचो अथवा करपाच्या दृढकथनाचो नमुनो :--

'हांव, क.ख., राज्यसभेंतलीं (अथवा लोकसभेंतली) सुवात भरपाखातीर उमेदवार म्हूण नामनिर्देशीत जाल्लों आशिल्ल्यान देवाचो सोपूत घेतां गंभीरतायेन दृढकथन करतां. की, कायद्यावरवीं स्थापीत जालां अशा भारतीय संविधानाविशीं हांव खरेली स्रद्धा आनी निश्ठा बाळिगतलों आनी भारताची सार्वभौमताय आनी एकात्मताय उन्नत राखतलों.'

ath or affirmation to the made by a unnoidate for election to the Legislatu B

संसदेच्या वांगङ्यान घेवपाच्या सोपुताचो अथवा करपाच्या दृढकथनाचो नमुनो :-

'हांव, क.ख., राज्यसभेचो (अथवा लोकसभेचो) वांगडी म्हूण वेंचून आयिल्लों आशिल्ल्यान (अथवा नामनिर्देशीत जाल्लों आशिल्ल्यान) देवाचो सोपूत घेतां गंभीरतायेन दृढकथन करतां की, कायद्यावरवीं स्थापीत जालां अशा भारतीय संविधानाविशीं हांव खरेली स्रद्धा आनी निश्ठा बाळिगतलों, भारताची सार्वभौमताय आनी एकात्मताय उन्नत राखतलों आनी आतां जें कर्तव्य हांव हातांत घेतलों तें निश्ठेन निभायतलों.'

4

Form of oath or affirmation to be made by the Judges of the Supreme Court and the Comptroller and Auditor-General of India: —

"I, A.B., having been appointed Chief Justice (or a Judge) of the Supreme Court of India (or Comptroller and Auditor-General of India) do swear in the name of God/solemnly affirm that I will bear true faith and allegiance to the Constitution of India as by law established, ³[that I will uphold the sovereignty and integrity of India,] that I will duly and faithfully and to the best of my ability, knowledge and judgment perform the duties of my office without fear or favour, affection or ill-will and that I will uphold the Constitution and the laws."

5

Form of oath of office for a Minister for a State: -

6

Form of oath of secrecy for a Minister for a State: --

1 7 money fine Charles a many fine to the part to the first term of

A

Form of oath or affirmation to be made by a candidate for election to the Legislature of a State: —

"I, A.B., having been nominated as a candidate to fill a seat in the Legislative Assembly (or Legislative Council), do swear in the name of God/solemnly affirm that I will bear true faith and allegiance to the Constitution of India as by law established and that I will uphold the sovereignty and integrity of India."

4

सर्वोच्च न्यायालयाच्या न्यायाधीशांनी आनी भारताचो नियंत्रक आनी महा लेखा परीक्षक हाणे घेवपाच्या सोपुताचो अथवा करपाच्या दृढकथनाचो नमुनो :—

'हांव क.ख., भारताच्या सर्वोच्च न्यायालयाचो मुख्य न्यायमूर्ती (अथवा न्यायाधीश) (अथवा भारताचो नियंत्रक आनी महा लेखा परीक्षक म्हूण नियुक्त जाल्लों आशिल्ल्यान, देवाचो सोपूत घेतां गंभीरतायेन दृढकथन करतां की, कायद्यावरवीं स्थापीत जालां अशा भारतीय संविधानाविशीं हांव खरेली स्रद्ध आनी

निश्ठा बाळिगतलों, ³[हांव भारताची सार्वभौमताय आनी एकात्मताय उन्नत राखतलों,], हांव यथायोग्य आनी निश्ठेन आनी म्हज्या सामर्थ्याचे, ज्ञानाचे आनी निर्णयशक्तीचे पराकाश्ठेमेरेन, धिटायेन आनी भेदभावाबगर, तशेंच कोणाविशीं मोयपास अथवा दुस्वास बाळिगनासतना म्हज्या अधिकारपदाचीं कामां निभायतलों आनी हांव संविधान आनी कायदो उन्नत राखतलों.'

5

राज्याच्या मंत्र्याखातीर सोपुताचो नमुनो :-

'हांव, क.ख., देवाचो सोपूत घेतां गंभीरतायेन दृढकथन करतां की, कायद्यावरवीं स्थापीत जालां अशी भारतीय संविधानाविशीं हांव खरेली स्रद्धा आनी निश्ठा बाळिगतलों, ³[हांव भारताची सार्वभौमताय आनीं एकात्मताय उन्नत राखतलों,] हांव — राज्याचो मंत्री म्हूण म्हर्जी कामां निश्ठेन आनी शुद्ध बुद्धीन निभायतलों आनी संविधान तशेंच कायदो हाचेप्रमाण सगले तरेच्या लोकांक हावं धिटायेन आनी भेदभावाविरयत, तशेंच कोणाच्याच संबंदांत मोयपास अथवा दुस्वास बाळिगनासतना न्याय्य वागणूक दितलों.'

6

राज्याच्या मंत्र्याखातीर गुप्ततायेच्या सोपुताचो नमुनो :--

'हांव, क.ख., देवाचो सोपूत घेतां गंभीरतायेन दृढकथन करतां की,राज्याचो मंत्री म्हूण म्हज्या विचाराखातीर हाडटले अथवा म्हाका कळटली अशी कसलीय गजाल, असो मंत्री म्हूण म्हजीं कामां यथायोग्य निभावपाखातीर गरजेचें आसत तें सोडून हेरशीं, हांव खंयचेच व्यक्तीक अथवा व्यक्तींक प्रत्यक्षपणान अथवा अप्रत्यक्षपणांन कळोवचों ना अथवा तीचेकडेन उक्ती करचों ना.

4[7

क

राज्य विधानमंडळाचे वेंचणुकेंतल्या उमेदवारान घेवपाच्या सोपुताचो अथवा करपाच्या दृढकथनाचो नमुनो:- 'हांव, क.ख., विधानसभेंतली (अथवा विधानपरिशदेंतली) सुवात भरपाखातीर उमेदवार म्हूण नामनिर्देशीत जाल्लों आशिल्ल्यान, देवाचो सोपूत घेतां गंभीरतायेन दृढकथन करतां, की, कायद्यावरवीं स्थापीत जालां अशा भारतीय संविधानाविशीं हांव खरेली स्रद्धा आनी निश्ठा बाळिगतलों आनी भारताची सार्वभौमताय आनी एकात्मताय उन्नत राखतलों.'

B

Form of oath or affirmation to be made by a member of the Legislature of a State: -

"I, A.B., having been elected (or nominated) a member of the Legislative Assembly (or Legislative Council), do swear in the name of God/solemnly affirm that I will bear true faith and allegiance to the Constitution of India as by law established, that I will uphold the sovereignty and integrity of India and that I will faithfully discharge the duty upon which I am about to enter."]

8

Form of oath or affirmation to be made by the Judges of a High Court: -

"I, A.B., having been appointed Chief Justice (or a Judge) of the High Court at (or of) do swear in the name of God/solemnly affirm that I will bear true faith and allegiance to the Constitution of India as by law established, ⁵[that I will uphold the sovereignty and integrity of India,] that I will duly and faithfully and to the best of my ability, knowledge and judgment perform the duties of my office without fear or favour, affection or ill-will and that I will uphold the Constitution and the laws."

Notes

- 1. Ins. by the Constitution (Sixteenth Amendment) Act, 1963, s. 5.
- 2. Subs. by s. 5, ibid., for Form III.
- 3. Ins. by the Constitution (Sixteenth Amendment) Act, 1963, s. 5.
- 4. Subs. by s. 5, ibid., for Form VII.
- 5. Ibid Ins. by s.5

ख

राज्य विधानमंडळाच्या वांगङ्यान घेवपाच्या सोपुताचो अथवा करपाच्या दृढकथनाचो नमुनो :--

'हांव, क.ख., विधानसभेचो (अथवा विधानपरिशदेचो) वांगडी म्हूण वेंचून आयलां (अथवा नामनिर्देशीत) आशिल्ल्यान, देवाचो सोपूत घेतां गंभीरतायेन दृढकथन करतां की, कायद्यावरवीं स्थापीत जालां अशा भारतीय संविधांनांविशीं हांव खरेली स्रद्धा आनी निश्ठा बाळिगतलों, भारताची सार्वभौमताय आनी एकात्मताय उन्नत राखतलों आनी आतां जें कर्तव्य हांव हातांत घेतलों तें निश्ठेन निभायतलों.']

8

उच्च न्यायालयाच्या न्यायाधीशांनी घेवपाच्या सोपुताचो अथवा करपाच्या दृढकथनाचो नमुनो :--

'हांव, क.ख.,..... हांगांच्या (अथवा हाच्या) उच्च न्यायालयाचो मुख्य न्यायमूर्ती (अथवा न्यायाधीश) म्हूण नियुक्त जालां आशिल्ल्यान, देवाचो सोपूत घेतां गंभीरतायेन दृढकथन करतां की, कायद्यावरवीं स्थापीत जालां अशा भारतीय संविधांनांविशीं हांव खरेली स्रद्धा आनी निश्ठा बाळिगतलों, ⁵[हांव भारताची सार्वभौमताय आनी एकात्मताय उन्नत राखतलों,] हांव यथायोग्य आनी निश्ठेन आनी म्हज्या सामर्थ्याचे, ज्ञानाचे आनी निर्णयशक्तीचे पराकाश्ठेमेरेन धिटायेन आनी भेदभावाविरयत, तशेंच कोणाचेंचिवशीं मोयपास अथवा दुस्वास बाळिगनासतना म्हज्या अधिकारपदाचीं कामां निभायतलों आनी हांव संविधान आनी कायदो उन्नत राखतलों.'

टिपो

- 1. 'संविधान (सोळावो बदल) अधिनियम, 1963'- अनुभाग 5 वरवीं घालें.
- 2. कित्तो अनुभाग 5 वरवीं मूळ नमुनो 3 हाचे सुवातेर घालें.
- 3. 'संविधान (सोळावो बदल) अधिनियम, 1963 -' अनुभाग 5 वरवीं घालें.
- 4. कित्तो अनुभाग 5 वरवीं मूळ नमुनो 7 चे सुवातेर घालें.
- 5. कित्तो अनुभाग 5 वरवीं घालें.

'[FOURTH SCHEDULE

[Articles 4(1) and 80(2)]

Allocation of seats in the Council of States

To each State or Union territory specified in the first column of the following table, there shall be allotted the number of seats specified in the second column thereof opposite to that State or that Union territory, as the case may be.

Table 1. Andhra Pradesh 18 2 Assam 7 3. Bihar 22 4. Goa [5.] Gujarat 11] 16.1 Haryana 5] ⁴[7.] Kerala 9 [.8] Madhya Pradesh 16 [.9] Tamil Nadu] 7[18] 7[8[10.] Maharashtra 19] 8[11. Karnataka].... 12 4[12.] Orissa 10 4[13.] Punjab 10[7] 4[14.] Rajasthan 4[15.] Uttar Pradesh 34 4[16.] West Bengal 16 4[17.] Jammu and Kashmir 11[10[18.] Nagaland 1] 12[19.] Himachal Pradesh..... 3] ¹³[20. Manipur 1 21. Tripura 1 22. Meghalaya 1] 14[23.] Sikkim 1] 15[24.] Delhi 3 15[25.] Pondicherry 1 15[26.] Mizoram 11 15[27.] Arunachal Pradesh 1]

16[233]]

Total

1[चवथी अनुसूची

[कलम 4(1) आनी कलम 80 (2)

राज्यसभेंतल्या सुवातांची वांटणी

फुडल्या तकट्याच्या पयल्या स्तंभांत विनिर्दीष्ट केल्ल्या दरेका राज्याक अथवा संघ राज्यक्षेत्राक तकट्याच्या दुसऱ्या स्तंभांत, त्या राज्यामुखार अथवा त्या त्या प्रकरणाप्रमाण, त्या संघ राज्यक्षेत्रामुखार विनिर्दीश्ट केल्ल्यो सुवातो नेमून दितले :—

| | तकटो | 1-1-41, 1.8 |
|--------------------|-------------------|---------------------|
| a reder w | आंध्र प्रदेश | 18 |
| 2. | आसाम | 7 10 |
| 3. | बिहार | 22 |
| 4. | गोंय | adi vid se |
| ² [5. | गुजराथ | 11] |
| 3[6. | हरयाणा | 5] |
| 4[7] | केरळ | 9 |
| 4[8] | मध्य प्रदेश | 16 |
| 5[9. | तामिळनाडु] | 6[18] |
| 7[4[10] | महाराष्ट्र | 19] |
| 8[11. | कर्नाटक] | 12 |
| 4[12] | ओरिसा | 10 |
| 4[13] | पंजाब | ⁹ [7] |
| 4[14] | राजस्थान | 10 |
| 4[15] | उत्तर प्रदेश | 34 |
| 4[16] | अस्तंत बंगाल | 16 |
| 4[17] | जम्मू आनी काश्मीर | 4 |
| 11[10[18] | नागालॅण्ड | 1] |
| 12[19 | हिमाचल प्रदेश | 3] |
| 13[20. | मणिपूर | 1 |
| 21. | त्रिपुरा | 1 |
| 22. | मेघालय | 1 |
| 14[23. | सिक्कीम | 1] |
| 15[24] | दिल्ली | 3 |
| 15[25] | पाँडिचेरी | 1 |
| ¹⁵ [26] | मिझोराम | 1 |
| ¹⁵ [27] | अरूणाचल प्रदेश | 1] |
| re, i | | ⁶ [233]] |
| | वट्ट ' | [200]] |

Notes

- 1. Subs. by the Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s. 3, for the Fourth Sch.
- Subs. by the Bombay Reorganisation Act, 1960 (11 of 1960), s. 6, for entry 4 (w.e.f. 1-5-1960).
- 3. Ins. by the Punjab Reorganisation Act, 1966 (31 of 1966), s. 9 (w.e.f. 1-11-1966).
- 4. Ibid. Entries 5 to 21 given new numbers as 6 to 22 (w.e.f. 1-11-1966) by s.9
- Subs. by the Madras State (Alteration of Name) Act, 1968 (53 of 1968), s. 5, for "8. Madras" (w.e.f. 14-1-1969).
- Subs. by the Andhra Pradesh and Madras (Alteration of Boundries) Act, 1959 (56 of 1959), s. 8, for "17" (w.e.f. 01-4-1960).
- 7. Ins. by the Bombay Reorganisation Act, 1960 (11 of 1960), s. 6 (w.e.f. 1-5-1960).
- Subs. by the Mysore State (Alteration of Name) Act, 1973- s. 5, for "10. Mysore" (w.e.f. 01-11-1973).
- Subs. by the Punjab Reorganisation Act, 1966 (31 of 1966), s. 9, for "11" (w.e.f. 1-11-1966).
- 10. Ibid. Entries nos. 5 to 21 replaced by nos. 6 to 21 by s.9
- 11. Ins. by the State of Nagaland Act, 1962 (27 of 1962), s. 6 (w.e.f. 1-12-1963).
- 12. Ins. by the State of Himachal Pradesh Act, 1970(53 of 1970), s. 5 (w.e.f. 25-1-1971).
- 13. Original entries nos. 19 to 22 replaced by North-East regions (Reorganisation) Act, 1971 s.10 (w.e.f. 21-01-1972)
- 14. Ins. by the Constitution (Thirty-sixth Amendment) Act, 1975, s. 4 (w.e.f. 26-4-1975).
- 15. Ibid. Original entries nos. 22 to 25 replaced by new nos. 23 to 26 by s.4
- 16. Ibid. No. 231 replaced by s.4 (w.e.f 26-04-1975)

टिपो

- 1. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956' अनुभाग 3 वरवीं मूळ अनुसुचयेवरवीं घालें.
- 2. 'मुंबई पुनर्रचना अधिनियम, 1960'- अनुभाग 6 वरवीं नोंद-4 चे सुवातेर घालें (01-05-1960).
- 3. 'पंजाब पुनर्रचना अधिनियम, 1966'- अनुभाग 9 वरवीं घालें (1-11-1966).
- 4. 'कित्तो अनुभाग 9 वरवीं 5 ते 21 ह्या नोंदींक 6 ते 22 अशे नवीन क्रंमांक दिले (1-11-1966).
- 5. 'मद्रास राज्य (नामांतर) अधिनियम, 1968' अनुभाग 5 वरवीं '8.मद्रास' हाचे सुवातेर घालें (14/01/ 1969.)
- 6. 'आंध्र प्रदेश आनी मद्रास (सीमा फेरफार) अधिनियम, 1959'- अनुभाग 8 वरवीं '17' चे सुवातेर घालें (1/ 4/1960).
- 7. 'मुंबई पुनर्रचना अधिनियम, 1960'- अनुभाग 6 वरवीं घालें (1/5/1960).
- 8. 'म्हैसूर राज्य (नामांतर) अधिनियम, 1973'- अनुभाग 5 वरवीं '10.म्हैसूर' हाचे सुवातेर घाले (01/11/ 1973).
- 9. 'पंजाब पुनर्रचना अधिनियम, 1966'- अनुभाग 9 वरवीं (01/11/1966) '11' चे सुवातेर घालें.
- 10. 'कित्तो अनुभाग 9 वरवीं नोंदी 5 ते 21 हांचे सुवातेर 6 ते 22 अशें घालें.
- 11. 'नागालॅण्ड राज्य अधिनियम, 1962'- अनुभाग 6 वरवीं (1/12/1963) घालें.
- 12. 'हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970'- अनुभाग 5 वरवीं (25/01/1971) घालें.
- 13. 'ईशान्य क्षेत्रां (पुनर्रचना) अधिनियम, 1971'- अनुभाग 10 वरवीं (21/01/1972) मूळच्या 19 ते 22 ह्या नोंदींचे सुवातेर घालें.
- 14. 'संविधान (छत्तिसावो बदल) अधिनियम, 1975'-अनुभाग 4 वरवीं (26/04/1975) घालें.
- 15. 'कित्तो अनुभाग 4 वरवीं मूळच्या 22 ते 25 ह्या नोंदींचें सुवातेर 23 ते 26 अशे नवीन क्रमांक दिले.
- 16. कित्तो अनुभाग 4 वरवीं '231' चे सुवातेर घालें (26/04/1975).

FIFTH SCHEDULE1

[Article 244(1)]

Provisions as to the Administration and Control of Scheduled Areas and Scheduled Tribes

Part A

General

- 1. Interpretation. In this Schedule, unless the context otherwise requires, the expression "State" 2*** does not include the 4[States of Assam and Meghalaya.]
- 2. Executive power of a State in Scheduled Areas. Subject to the provisions of this Schedule, the executive power of a State extends to the Scheduled Areas therein.
- 3. Report by the Governor ³*** to the President regarding the administration of Scheduled Areas. The Governor ³*** of each State having Scheduled Areas therein shall annually, or whenever so required by the President, make a report to the President regarding the administration of the Scheduled Areas in that State and the executive power of the Union shall extend to the giving of directions to the State as to the administration of the said areas.

Part B

Administration and Control of Scheduled Areas and Scheduled Tribes

4. Tribes Advisory Council. — (1) There shall be established in each State having Scheduled Areas therein and, if the President so directs, also in any State having Scheduled Tribes but not Scheduled Areas therein, a Tribes Advisory Council consisting of not more than twenty members of whom, as nearly as may be, three-fourths shall be the representatives of the Scheduled Tribes in the Legislative Assembly of the State:

Provided that if the number of representatives of the Scheduled Tribes in the Legislative Assembly of the State is less than the number of seats in the Tribes Advisory Council to be filled by such representatives, the remaining seats shall be filled by other members of those tribes.

- (2) It shall be the duty of the Tribes Advisory Council to advise on such matters pertaining to the welfare and advancement of the Scheduled Tribes in the State as may be referred to them by the Governor 5***.
 - (3) The Governor 3*** may make rules prescribing or regulating, as the case may be, -
 - (a) The number of members of the Council, the mode of their appointment and the appointment of the Chairman of the Council and of the officers and servants thereof;
 - (b) The conduct of its meetings and its procedure in general; and
 - (c) All other incidental matters.

पांचवी अनुसूची ¹ [कलम 244 (1)]

अनुसूचित क्षेत्रां आनी अनुसूचित जनजाती हांचें प्रशासन आनी नियंत्रण हांचेसंबंदीं उपबंध.

भाग क सर्वसाधारण

- 1. अर्थ लावणी हें अनुसुचयेंत, संदर्भाक लागून हेर तरेन गरजेचें नासत जाल्यार, 'राज्य' ह्या उतरांत ²***
 ⁴[आसाम आनी मेघालय ह्या राज्यांचो] आस्पाव ना.
- 2. अनुसूचित क्षेत्रांत राज्याचो शासनाधिकार हे अनुसुचयेच्या उपबंधांचे अधीनतायेन, राज्याचो शासनाधिकार तातूंतल्या अनुसूचित क्षेत्रांचेर व्याप्त आसा.
- 3. अनुसूचित क्षेत्रांच्या प्रशासनाविशीं राज्यपालाकडल्यान ³ *** राष्ट्रपतीक अहवाल अनुसूचित क्षेत्रां आशिल्ल्या दरेका राज्याचो राज्यपाल ³*** दर वर्साचे अखेरेक, अथवा राष्ट्रपती तशें गरजेचें करीत तेन्ना तेन्ना, त्या राज्यांतल्या अनुसूचित क्षेत्रांच्या प्रशासनाविशीं राष्ट्रपतीक अहवाल दितलो आनी उक्त क्षेत्रांच्या प्रशासनासंबंदीं राज्याक निदेश दिवप हें संघाच्या शासनाधिकाराचे व्याप्तेंत येतलें.

भाग ख

अनुसूचित क्षेत्रां आनी अनुसूचित जनजाती हांचें प्रशासन आनी नियंत्रण.

4. जनजाती सल्लागार मंडळ — (1) अनुसूचित क्षेत्रां आशिल्ल्या दरेका राज्यांत आनी राष्ट्रपतीन तशें निदेशीत केल्यार, अनुसूचित जनजाती आशिल्ल्या पूण अनुसूचित क्षेत्रां नाशिल्ल्या खंयच्याय राज्यांत विसांपरस चड नात इतले वांगडी मेळून घडिल्लें एक 'जन-जाती सल्लागार मंडळ' आसतलें आनी तातूंतले जाता ते परीन लागींलागीं तीन-चतुर्थांश वांगडी अनुसूचित जनजातींचे त्या राज्याचे विधानसभेंतले प्रतिनिधी आसतले :

परंतु, जर राज्याचे विधानसभेंतल्या अनुसूचित जनजातींच्या प्रतिनिधींची संख्या ही, जनजाती सल्लागार मंडळांत अशा प्रतिनिधींनी भरपाच्या सुवातांचे संख्येपरस उणी आसत जाल्यार, उरिल्ल्यो सुवातो त्या जनजातींमदल्या हेर व्यक्तींकडल्यान भरतले.

- (2) राज्यपालाकडल्यान ⁵*** जनजाती सल्लागार मंडळाकडेन निर्देशीत जातल्यो अशा, राज्यांतल्या अनुसूचित जनजातींचें कल्याण आनी उन्नती हांचेसंबंदींच्या गजालींचेर सल्लो दिवप हें ताचें कर्तव्य आसतलें.
- (3) राज्यपालाच्यान ³* * *
 - (क) मंडळाच्या वांगड्यांची संख्या, तांचे नेमणुकेची आनी मंडळाचो अध्यक्ष आनी ताचे अधिकारी तशेंच कर्मचारी हांचे नेमणुकेची पद्धत;
 - (ख) तांच्या बसकांचें चालन आनी ताची सर्वसाधारण कार्यपद्धत; आनी
 - (ग) हेर सगल्यो आनुशंगिक गजाली, त्या त्या प्रकरणाप्रमाण, विहीत अथवा विनियमीत करपाखातीर नेम करूं येतात.

- 5. Law applicable to Scheduled Areas. (1) Notwithstanding anything in this Constitution, the Governor **** may by public notification direct that any particular Act of Parliament or of the Legislature of the State shall not apply to a Scheduled Area or any part thereof in the State or shall apply to a Scheduled Area or any part thereof in the State subject to such exceptions and modifications as he may specify in the notification and any direction given under this sub-paragraph may be given so as to have retrospective effect.
- (2) The Governor *** may make regulations for the peace and good government of any area in a State which is for the time being a Scheduled Area.

In particular and without prejudice to the generality of the foregoing power, such regulations may-

- (a) Prohibit or restrict the transfer of land by or among members of the Scheduled Tribes in such area;
 - (b) Regulate the allotment of land to members of the Scheduled Tribes in such area;
- (c) Regulate the carrying on of business as money-lender by persons who lend money to members of the Scheduled Tribes in such area.
- (3) In making any such regulation as is referred to in sub-paragraph (2) of this paragraph, the Governor ⁷*** may repeal or amend any Act of Parliament or of the Legislature of the State or any existing law which is for the time being applicable to the area in question.
- (4) All regulations made under this paragraph shall be submitted forthwith to the President and, until assented to by him, shall have no effect.
- (5) No regulation shall be made under this paragraph unless the Governor **** making the regulation has, in the case where there is a Tribes Advisory Council for the State, consulted such Council.

Part C

Scheduled Areas

- **6. Scheduled Areas.** (1) In this Constitution, the expression "Scheduled Areas" means such areas as the President may by order declare to be Scheduled Areas.
 - (2) The President may at any time by order 9
 - (a) Direct that the whole or any specified part of a Scheduled Area shall cease to be a Scheduled Area or a part of such an area;
 - ¹⁰[(aa) Increase the area of any Scheduled Area in a State after consultation with the Governor of that State;]
 - (b) Alter, but only by way of rectification of boundaries, any Scheduled Area;
 - (c) On any alteration of the boundaries of a State or on the admission into the Union or the establishment of a new State, declare any territory not previously included in any State to be, or to form part of, a Scheduled Area;

- (5) अनुसूचित क्षेत्रांक लागू आसपी कायदो (1) ह्या संविधानांत किर्देय आसलें तरी, राज्यपालाच्यान ** * जाहीर अधिसुचोवणेवरवीं अशें निदेशीत करूं येता की, संसदेचो अथवा राज्याच्या विधानमंडळाचो एखादो विशीष्ट अधिनियम त्या राज्यांतल्या एखाद्या अनुसूचित क्षेत्राक अथवा ताच्या एखाद्या भागाक लागू आसचो ना, अथवा ते अधिसुचोवणेंत तो विनिर्दीश्ट करीत अशा आडवादांसयत आनी फेरफारांसयत त्या राज्यांतल्या एखाद्या अनुसूचित क्षेत्राक अथवा ताच्या एखाद्या भागाक लागू आसतलो आनी ह्या पोटपरिच्छेदाखाला दितले असो कसलोय निदेश भूतलक्षी परिणामासयत दिवं येता.
- (2) राज्यपालाच्यान ⁷* * * त्या राज्यांतलें त्या त्या काळांत जें अनुसूचित क्षेत्र आसतलें अशा खंयच्याय क्षेत्रांत शांतताय उरची आनी ताचें सरकार सुरळीत चलचें हेखातीर विनियम करूं येतात.

चडकरून आनी पूर्वगामी अधिकाराचे व्याप्तेक बाधा येनासतना, अशा विनियमांवरवीं —

- (क) अशा क्षेत्रांतल्या अनुसूचित व्यक्तींकडल्यान अथवा तांचेभितर आपसांत जमनीचें हस्तांतरण जावपाक मनाय करूं येता आनी ताचेर निर्बंध घालूं येता;
- (ख) अशा क्षेत्रांतल्या अनुसूचित जनजातींभितरल्या व्यक्तींक दिवपाचे जमनीची वांटणी विनियमीत करूं येता;
- (ग) अशा क्षेत्रांतल्या अनुसूचित जनजातींभितरल्या व्यक्तींक ज्यो व्यक्ती दुडू रीण दितात तांणी सावकार म्हूण धंदो चलोवपाविशीं विनियमन करूं येता.
- (3) ह्या परिच्छेदांच्या पोटपरिच्छेद (2) हातूंत निर्दीश्ट केल्लो असो कसलोय विनियम करतना, राज्यपालाच्यान ⁷* * * त्या त्या काळांत संबंदीत क्षेत्राक लागू आसत असो संसदेचो अथवा राज्याच्या विधानमंडळाचो खंयचोय अधिनियम अथवा असो कसलोय अस्तित्वांत आशिल्लो कायदो निरासीत करूं येता अथवा बदलूं येता.
- (4) ह्या परिच्छेदाखाला केल्ले सगले विनियम तत्काळ राष्ट्रपतीमुखार दवरतले आनी तो तांकां अनुमती दीसर, ते कसलेच तरेन परिणामक जांवचे नात.
- (5) ह्या परिच्छेदाखाला, कसलोच विनियम, जंय राज्याखातीर जनजाती सल्लागार मंडळ आसत ते संबंदांत, तो विनियम करपी राज्यपालाच्यान ⁷* * * अशा मंडळाचो सल्लो घेतिल्लो आसलेबगर कर्रूं नजो.

भाग ग अनुसूचित क्षेत्रां

- 6. अनुसूचित क्षेत्रां (1) ह्या संविधानांत 'अनुसूचित क्षेत्रां' ह्या उतरांचो अर्थ, राष्ट्रपती ⁸आदेशावरवीं अनुसूचित क्षेत्रां म्हूण घोशीत करतलो अशीं क्षेत्रां असो आसा.
 - (2) राष्ट्रपतीच्यान खंयच्याय वेळार ⁹आदेशावरवीं —
 - (क) संपूर्ण अनुसूचित क्षेत्र अथवा ताचो खंयचोय विनिर्दीष्ट भाग हो अनुसूचित क्षेत्र अथवा अशा क्षेत्राचो भाग आसपाचें समाप्त जातलें अशें निदेशीत करूं येता;
 - 10[(कक) एखाद्या राज्यांतल्या खंयच्याय अनुसूचित क्षेत्राचो विस्तार त्या राज्याच्या राज्यपालाचो विचार घेतलेबगर वाडोवं येता;]
 - (ख) खंयच्याय अनुसूचित क्षेत्रांत फेरफार पूण फकत सीमांच्या दुरुस्त्यांच्याच रूपान -करूं येता;
 - (ग) राज्यांच्या सीमांनी कसलोय फेरफार जातकच अथवा नवीन राज्याक संघांत प्रवेश दितकच अथवा ताची स्थापना जातकच खंयच्याय राज्यांत आदीं आस्पावीत नाशिल्लें खंयचेंच क्षेत्र अनुसूचित क्षेत्र आसा अथवा ताचो भाग आसा अशें घोशीत करूं येता;

¹⁰[(d) Rescind, in relation to any State or States, any order or orders made under this paragraph, and in consultation with the Governor of the State concerned, make fresh orders redefining the areas which are to be Scheduled Areas;]

And any such order may contain such incidental and consequential provisions as appear to the President to be necessary and proper, but save as aforesaid, the order made under sub-paragraph (1) of this paragraph shall not be varied by any subsequent order.

Part D

Amendment of the Schedule

- 7. Amendment of the Schedule. (1) Parliament may from time to time by law amend by way of addition, variation or repeal any of the provisions of this Schedule and, when the Schedule is so amended, any reference to this Schedule in this Constitution shall be construed as a reference to such Schedule as so amended.
- (2) No such law as is mentioned in sub-paragraph (1) of this paragraph shall be deemed to be an amendment of this Constitution for the purposes of article 368.

Notes

- Not applicable to Jammu and Kashmir
- The words and letters "means a State specified in Part A or Part B of the First Schedule but" omitted by the Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s. 29 and Sch.
- 3. The words "or Rajpramukh" omitted by the Constitution (Seventh Amendment), Act 1956, s. 29 and Sch.
- Subs. by the North-Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971, (81 of 1971), s. 71, for "State of Assam" (w.e.f. 21-1-1972).
- 5. The words "or Rajpramukh, as the case may be" omitted by s. 29 and Sch., ibid.
- 6. The words "or Rajpramukh" omitted by the Constitution (Seventh Amendment), Act 1956, s. 29 and Sch.
- 7. The words "or Rajpramukh, as the case may be" omitted by s. 29 and Sch., ibid.
- 8. (See the Scheduled Areas (Part A States) Order, 1950 (C.O. 9), the Scheduled Areas (Part B States) Order, 1950 (C.O. 26)
- 9. See the Madras Scheduled Areas (Cessor) Order, 1950 (C.O. 30) and the Andhra Scheduled Areas (Cessor) Order, 1955 (C.O. 50).
- 10. Ins. by the Fifth Schedule to the Constitution (Amendment) Act, 1976 (101 of 1976), s. 2.

¹⁰[(घ) ह्या परिच्छेदावरवीं केल्लो अथवा केल्ले आदेश खंयच्याय राज्याच्या अथवा राज्यांच्या संबंदांत विखंडीत करूं येता, आनी संबंदीत राज्याच्या राज्यपालाचो विचार घेवन, जीं क्षेत्रां अनुसूचित क्षेत्रां समजुपाचीं तीं नव्यान निश्चित करपी नवे आदेश दिंवं येतात;]

आनी अशा खंयच्याय आदेशांत राष्ट्रपतीक गरजेचे आनी उचित दिसतीत अशे आनुशंगीक आनी परिणामी उपबंध आस्पावीत आसूं येतात, पूण पूर्वोक्ताभाशेन आसत तें सोडून ह्या परिच्छेदाच्या पोटपरिच्छेद (1) खाला केल्ल्या कसल्याच आदेशांत उपरांतच्या खंयच्याच आदेशावरवीं फरक करचे नात.

भाग घ

अनुसुचयेंत बदल

- 7. अनुसुचयेत बदल (1) संसदेच्यान हे अनुसुचयेंत आशिल्ल्यांमदीं कसलोय उपबंध कायद्यावरवीं त्या त्या वेळार भर घालून, बदल करून अथवा निरसन करून तेवरवीं बदलूं येता, आनी, जेन्ना ही अनुसूची हेप्रमाण बदलतली तेन्ना, हे अनुसुचयेसंबंदीं ह्या संविधानांत आशिल्ल्या खंयच्याच निर्देशाचो अर्थ, हेप्रमाण बदल जाल्ले अशे अनुसुचयेसंबंदींचो निर्देश असो लायतले.
- (2) ह्या परिच्छेदाच्या पोटपरिच्छेद (1) हातूंत उल्लेखिल्लो असो कसलोच कायदो हो कलम 368 च्या प्रयोजनाखातीर ह्या संविधानाचो बदल आसा अशें मानचेनात.

टिपो

- 1. जम्मू आनी काश्मीराक लागू जायना.
- 2. 'संविधांन (सातवो बदल) अधिनियम, 1956-' अनुभाग 29 आनी अनुसुचयेवरवीं 'ह्या शब्दप्रयोगाचो अर्थ पयले अनुसुचयेच्या भाग (क) अथवा भाग (ख) हातूंत विनिर्दीश्ट केल्लें राज्य असो आसा, पूण' हो मजकूर निरसीत केला.
- 3. कित्तो अनुभाग 29 आनी अनुसुचयेवरवीं 'अथवा' हें उत्तर आनी 'राजप्रमुख' हाचो उल्लेख निरसीत केला.
- 4. 'ईशान्य क्षेत्रां (पुनर्रचना) अधिनियम, 1971'- अनुभाग 71 वरवीं 'आसाम राज्याचो' ह्या उतरांचे सुवातेर घालें (21.01.1972)
- 5. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956-' अनुभाग 29 आनी अनुसुचयेवरवीं 'त्या त्या प्रकरणाप्रमाण, राजप्रमुखाकडल्यान' ही उतरां निरसीत केलीं.
- 6. कित्तो अनुभाग 29 आनी अनुसूची हांचे वरवीं 'अथवा तो राजप्रमुख' हीं उतरां निरसीत केलीं.
- 7. कित्तो अनुभाग 29 आनी अनुसुचयेवरवीं 'अथवा' हें उतर आनी 'राजप्रमुख' हो उल्लेख निरसीत केलो.
- 8. पळयात, 'मद्रास अनुसूचित क्षेत्रां विराम आदेश, 1950' (सी.ओ.9) आनी 'अनुसूचित क्षेत्रां (भाग-खं. राज्यां) आदेश, 1950' (सी.ओ.26)
- 9. पळयात, 'मद्रास अनुसूचित क्षेत्रां विराम आदेश,1950' (सी.ओ.30) आनी 'आंध्र अनुसूचित क्षेत्रां (भाग ख: राज्यां) आदेश, 1950, (सी.ओ.50).
- 10. 'संविधान पांचवी अनुसूची (बदल) अधिनियम, 1976' अनुभाग 2 वरवीं घाले.

SIXTH SCHEDULE

[Articles 244(2) and 275(1)]

Provisions as to the Administration of Tribal Areas in ¹[the States of ² [Assam, ³ [Meghalaya and Tripura and Union territory of Mizoram]

- 1. Autonomous districts and autonomous regions. (1) Subject to the provisions of this paragraph, the tribal areas in each item of ²[³[Parts I, II and IIA] and in Part III] of the table appended to paragraph 20 of this Schedule shall be an autonomous district.
- (2) If there are different Scheduled Tribes in an autonomous district, the Governor may, by public notification, divide the area or areas inhabited by them into autonomous regions.
 - (3) The Governor may, by public notification, -
 - (a) Include any area in ²[any of the Parts] of the said table,
 - (b) Exclude any area from [any of the Parts] of the said table,
 - (c) Create a new autonomous district,
 - (d) Increase the area of any autonomous district,
 - (e) Diminish the area of any autonomous district,
 - (f) Unite two or more autonomous districts or parts thereof so as to form one autonomous district,
 - ⁴[(ff) Alter the name of any autonomous district,]
 - (g) Define the boundaries of any autonomous district:

Provided that no order shall be made by the Governor under clauses (c), (d), (e) and (f) of this sub-paragraph except after consideration of the report of a Commission appointed under sub-paragraph (1) of paragraph 14 of this Schedule:

⁴[Provided further that any order made by the Governor under this sub-paragraph may contain such incidental and consequential provisions (including any amendment of paragraph 20 and of any item in any of the Parts of the said table) as appear to the Governor to be necessary for giving effect to the provisions of the order.]

- 2. Constitution of District Councils and Regional Councils. ⁵[(1) There shall be a District Council for each autonomous district consisting of not more than thirty members, of whom not more than four persons shall be nominated by the Governor and the rest shall be elected on the basis of adult suffrage.]
- (2) There shall be a separate Regional Council for each area constituted an autonomous region under sub-paragraph (2) of paragraph 1 of this Schedule
- (3) Each District Council and each Regional Council shall be a body corporate by the name respectively of "the District Council of (name of district)" and "the Regional Council of (name of region)", shall have perpetual succession and a common seal and shall by the said name sue and be sued.

सवी अनुसूची

[कलम 244(2) आनी 275 (1)]

¹[²[आसाम आनी ³[मेघालय आनी त्रिपुरा] ह्या राज्यांतल्या आनी मिझोराम ह्या संघराज्यक्षेत्रांतल्या] जनजाती – क्षेत्रांच्या प्रशासनासंबंदी उपबंध.

- 1. स्वायत्त जिल्हे आनी स्वायत्त प्रदेश (1) ह्या परिच्छेदाच्यां उपबंधांचे अधीनतायेन, ह्या कलमाच्या परिच्छेद 20 वांगडा जोडिल्ल्या तकट्यांतलो ²[³भाग 1, 2 आनी 3 हातूंतले दरेके नोंदींतल्या जनजाती-क्षेत्रांची राज्यपालाच्यान जाहीर अधिसुचोवणेवरवीं स्वायत्त प्रदेशांनी विभागणी करूं येता.
- (2) जर खंयच्याय स्वायत्त जिल्ह्यांत वेगळ्यो वेगळ्यो जनजाती आसत जाल्यार, राज्यपालाच्यान भौशीक अधिसूचोवणेवरवीं त्यो जनजाती रावतात तो वाठार स्वायत्त प्रदेशांनी विभाजीत करूं येता.
 - (3) राज्यपालाच्यान जाहीर अधिसुचोवणेवरवीं;—
 - (क) उक्त तकट्यांतल्या ²[भागांतल्या खंयच्याय भागांतट खंयचेंय क्षेत्र आस्पावीत करूं येता,
 - (ख) उक्त तकट्यांतल्या ³[भागांतल्या खंयच्याय भागांतल्यान] खंयचेंय क्षेत्र कडेक काडूं येता,
 - (ग) नवीन स्वायत्त जिल्हो निर्माण करूं येता,
 - (घ) खंयच्याय स्वायत्त जिल्ह्याचें क्षेत्र वाडोवं येता,
 - (ङ) खंयच्याय स्वायत्त जिल्ह्याचें क्षेत्र आटोवं येता,
 - (च) दोन अथवा चड स्वायत्त जिल्हे अथवा तांचे भाग एकठांय हाडून एक स्वायत्त जिल्हो निर्माण करूं येता, ⁴[(चच) खंयच्याय स्वायत्त जिल्ह्याच्या नांवांत फेरफार करूं येता.]
 - (छ) खंयच्याय स्वायत्त जिल्ह्याच्यो शिमो निश्चित कर्रू येतात :

परंतु, राज्यपाल ह्या परिच्छेदाच्या उपकलम (ग), (घ), (ङ) आनी (च) खाला दिवपाचो कसलोच आदेश हे अनुसुचयेच्या 14व्या परिच्छेदाचो पोटपरिच्छेद (1) खाला नियुक्त जाल्ल्या आयोगाचो अहवाल विचारांत घेतलेबगर दिवंचो ना

³[परंतु आनीक अशें की, ह्या पोटपरिच्छेदाखाला राज्यपालान दिल्ल्या कसल्याय आदेशांत राज्यपालाक त्या आदेशांचे उपबंध कार्यान्वीत करपाखातीर गरज आसाशे दिसतीत अशे आनुंशंगीक आनी परिणामी उपबंध (परिच्छेद 20 चे अथवा उक्त तकट्यांत आशिल्ल्यांमदल्या खंयच्याय भागांतले :- खंयचेय गजालींत बदल हांचे सयत) आस्पावीत आसूं येतात.]

- 2. जिल्हो परिशदो आनी प्रादेशीक परिशदो हांची घडण ⁵[(1) दरेका स्वायत्त जिल्ह्याखातीर तिसांपरस चड न्हय, इतले वांगडी मेळून जाल्ली एकेक जिल्हो परिशद आसतली, तातूंतले चडांत चड चार वांगडी राज्यपालाकडल्यान नामनिर्देशीत जातले आनी बाकीचे वांगडी प्रौढ मताधिकार तत्वाचेर वेंचून दितले.]
- (2) ह्या कलमाच्या परिच्छेद 1 च्या पोटपरिच्छेद (2) खाला स्वायत्त प्रदेश म्हूण घडीत जाल्ल्या दरेका क्षेत्राखातीर एकेक वेगळी प्रादेशीक परिशद आसतली.
- (3) दरेक जिल्हो परिशद आनी दरेक प्रादेशीक परिशद अनुक्रमान '(जिल्ह्याचें नांव) जिल्हो परिशद आनी '(प्रदेशाचें नांव) प्रादेशीक परिशद' ह्या नांवांचो निगम निकाय आसतली, तिका उत्तराधिकाराची निरंतर परंपरा आनी सामाईक म्होर आसतली आनी उक्त नावान ती दावो लायतली आनी तिचेर दावो लायतले.

- (4) Subject to the provisions of this Schedule, the administration of an autonomous district shall, in so far as it is not vested under this Schedule in any Regional Council within such district, be vested in the District Council for such district and the administration of an autonomous region shall be vested in the Regional Council for such region.
- (5) In an autonomous district with Regional Councils, the District Council shall have only such powers with respect to the areas under the authority of the Regional Council as may be delegated to it by the Regional Council in addition to the powers conferred on it by this Schedule with respect to such areas.
- (6) The Governor shall make rules for the first constitution of District Councils and Regional Councils in consultation with the existing tribal Councils or other representative tribal organisations within the autonomous districts or regions concerned, and such rules shall provide for-
 - (a) The composition of the District Councils and Regional Councils and the allocation of seats therein;
 - (b) The delimitation of territorial constituencies for the purpose of elections to those Councils;
 - (c) The qualifications for voting at such elections and the preparation of electoral rolls therefor;
 - (d) The qualifications for being elected at such elections as members of such Councils;
 - (e) The term of office of members of ⁶[Regional Councils];
 - (f) Any other matter relating to or connected with elections or nominations to such Councils;
 - (g) The procedure and the conduct of business ⁴[(including the power to act notwithstanding any vacancy)] in the District and Regional Councils;
 - (h) The appointment of officers and staff of the District and Regional Councils.
 - ⁷[(6A) The elected members of the District Council shall hold office for a term of five years from the date appointed for the first meeting of the Council after the general elections to the Council, unless the District Council is sooner dissolved under paragraph 16 and a nominated member shall hold office at the pleasure of the Governor:

Provided that the said period of five years may, while a Proclamation of Emergency is in operation or if circumstances exist which, in the opinion of the Governor, render the holding of elections impracticable, be extended by the Governor for a period not exceeding one year at a time and in any case where a Proclamation of Emergency is in operation not extending beyond a period of six months after the Proclamation has ceased to operate:

Provided further that a member elected to fill a casual vacancy shall hold office only for the remainder of the term of office of the member whom he replaces.]

- (7) The District or the Regional Council may after its first constitution make rules 'with the approval of the Governor] with regard to the matters specified in sub-paragraph (6) of this paragraph and may also make rules with like approval] regulating-
 - (a) The formation of subordinate local Councils or Boards and their procedure and the conduct of their business; and

- (4) हे अनुसुचयेच्या उपबंधांचे अधीनतायेन स्वायत्त जिल्ह्यासंबंदींचो प्रशासनाधिकार, जितलेमेरेन तो हे अनुसुचयेखाला आनी अशा जिल्ह्यांतले खंयचेय प्रादेशीक परिशदे ठांय निहीत जाल्लो ना तितलेमेरेन, अशे जिल्हो परिशदेचे ठांय निहीत जात्लो आनी स्वायत्त प्रदेशासंबंदींचो प्रशासनाधिकार अशा प्रदेशाचे प्रादेशिक परिशदेचे ठांय निहीत जात्लो.
- (5) प्रादेशीक परिशदो आशिल्ल्या स्वायत्त जिल्ह्यांत, प्रादेशीक परिशदेच्या हुकमतीखालच्या क्षेत्रांसंबंदीं जिल्हो परिशदेक, हे अनुसुचयेवरवीं तिका अशा क्षेत्रांसंबंदीं प्रदान केल्ल्या अधिकारांभायर प्रादेशीक परिशद तिचेलागीं प्रात्योजित करीत अशे अधिकार आसतले.
- (6) संबंदीत स्वायत्त जिल्ह्यांत अथवा प्रदेशांत अस्तित्वांत आशिल्ल्यो जनजाती परिशदो अथवा हेर प्रातिनिधीक जनजाती संघटणा हांचो विचार घेवन राज्यपाल जिल्हो परिशदो आनी प्रादेशीक परिशदो सुरवातेक घडीत करपाखातीर नेम-करीत आनी अशा नेमांभितर फुडल्या गजालींखातीर उपबंध करतलो.
 - (क) जिल्हो परिशदो आनी प्रादेशीक परिशदो हांची घडण आनी तातूंतल्या सुवातांची वांटणी;
 - (ख) त्या परिशदांच्या वेंचणुकांखातीर क्षेत्रीय मतदारसंघांचें परिसीमन;
 - (ग) अशा वेंचणुकांतल्या मतदानाखातीर लागपी पात्रताय आनी तेखातीर मतदार वळेऱ्यो तयार करप;
 - (घ) अशा परिशदांचे वांगडी म्हूण अशा वेंचणुकांनीं वेंचून येवपाखातीर लागपी पात्रताय;
 - (ङ) ⁶[प्रादेशीक परिशदांच्या] वांगड्यांचो अधिकार;
 - (च) अशा परिशदांच्या वेंचणुकांच्या अथवा नामनिर्देशनांच्या संबंदांतली अथवा तांचेकडेन निगडीत आशिल्ली हेर कसलीय गजाल;
 - (छ) जिल्हो आनी प्रादेशीक परिशदांमदली कार्यपद्धत आनी कामकाजाचें चालन ⁷[(खंयचीय सुवात रीती आसली तरी कार्य करपाचो अधिकार धरून)];
 - (ज) जिल्हो आनी प्रादेशीक परिशदांच्या अधिकाऱ्यांची आनी कर्मचाऱ्यांची नेमणूक.
 - ⁷[(6क) जिल्हो परिशदेचे वेंचून आयिल्ले वांगडी परिशदेचे सार्वत्रिक वेंचणुकेउपरांत परिशदेचे पयले सभेखातीर नियत केल्ले तारकेसावन पांच वर्सांच्या अवधीमेरेन-तेपयलीं परिच्छेद 16 खाला जिल्हो परिशद विसर्जीत जाली ना जाल्यार अधिकारपद धारण करतले आनी नामनिर्देशीत वांगडी राज्यपालाची खोशी आससर अधिकारपद धारण करतले :

परंतु, आणीबाणीची उद्घोशणा जारी आसत तेन्ना अथवा जाकालागून राज्यपालाच्या मत्तान वेचणुको घेवप अव्यवहार्य जातलें अशी परिस्थिती अस्तित्वांत आसल्यार, उक्त पांच वर्सांचो कालावधी, राज्यपालाक एकाच वेळार एकापरस चड न्हय इतल्या कालावधीमेरेन आनी आणीबाणीची उद्घोशणा जारी आसत अशे कसलेय गजालींत, उद्घोशणा जारी आसपाचें बंद जातकच स म्हयन्यांपरस चड न्हय इतल्या कालावधीमेरेन वाडोवं येता:

परंतु आनीक अशें की, कसल्याय निमतान रीती जावपी सुवात भरपाखातीर वेंचून दिल्लो वांगडी, जाचे सुवातेर तो आयला आसत त्या वांगड्याच्या उरिल्ल्या अधिकारकाळामेरेन अधिकारपद धारण करतलो.]

- (7) जिल्हो अथवा प्रादेशीक परिशीदेक ती सुरवातेक घडीत जातकच ह्या परिच्छेदाच्या पोटपरिच्छेद (6) हातूंत विनिर्दीष्ट केल्ल्या गजालींविशीं ⁷[राज्यपालाची मान्यताय घेवन] नेम करूं येतात आनी
 - (क) दुय्यम थळाव्यो परिशदो अथवा मंडळां हांची रचना आनी तांची कार्यपद्धत आनी तांच्या कामकाजाचें चालन; आनी

(b) Generally all matters relating to the transaction of business pertaining to the administration of the district or region, as the case may be:

Provided that until rules are made by the District or the Regional Council under this sub-paragraph the rules made by the Governor under sub-paragraph (6) of this paragraph shall have effect in respect of elections to, the officers and staff of, and the procedure and the conduct of business in, each such Council.

- 3. Powers of the District Councils and Regional Councils to make laws. (1) The Regional Council for an autonomous region in respect of all areas within such region and the District Council for an autonomous district in respect of all areas within the district except those which are under the authority of Regional Councils, if any, within the district shall have power to make laws with respect
 - (a) The allotment, occupation or use, or the setting apart, of land, other than any land which is a reserved forest for the purposes of agriculture or grazing or for residential or other non-agricultural purposes or for any other purpose likely to promote the interests of the inhabitants of any village or town:

Provided that nothing in such laws shall prevent the compulsory acquisition of any land, whether occupied or unoccupied, for public purposes ¹⁰[by the Government of the State concerned] in accordance with the law for the time being in force authorising such acquisition;

- (b) The management of any forest not being a reserved forest;
- (c) The use of any canal or water-course for the purpose of agriculture;
- (d) The regulation of the practice of jhum or other forms of shifting cultivation;
- (e) The establishment of village or town committees or councils and their powers;
- (f) Any other matter relating to village or town administration, including village or town police and public health and sanitation;
 - (g) The appointment or succession of Chiefs or Headmen;
 - (h) The inheritance of property;
 - ⁹[(i) marriage and divorce;]
 - (j) Social customs.
- (2) In this paragraph, a "reserved forest" means any area, which is a reserved forest under the Assam Forest Regulation, 1891, or under any other law for the time being in force in the area in question.
- (3) All laws made under this paragraph shall be submitted forthwith to the Governor and, until assented to by him, shall have no effect.

(ख) सर्वसाधारणपणान, जिल्हो अथवा, त्या त्या प्रकरणाप्रमाण, प्रदेश हांच्या प्रशासनासंबंदींचें कामकाज चलोवपाकडेन संबंदींत आशिल्ल्यो सगल्यो गजाली, हांचे विनियमन करपी नेमूय तशीच मान्यताय घेवनट करूं येतात:

परंतु, ह्या पोटपिरच्छेदाखाला जिल्हो अथवा प्रादेशीक परिशदेकडल्यान नेम करून जायसर, ह्या पिरच्छेदाच्या पोटपिरच्छेद (6) खाला राज्यपालान केल्ले नेम अशे दरेके पिरशदेच्यो वेंचणुको आनी तिचे पदाधिकारी आनी कर्मचारीवर्ग आनी तिची कार्यपद्धत आनी तिच्यांतलें कामकाज चालन हांचेसंबंदांत परिणामक आसतलें.

8* * * *

- 3. जिल्हो परिशदो आनी प्रादेशीक परिशदो हांचे कायदे करपाचे अधिकार (1) एखाद्या स्वायत्त प्रदेशांतल्या सगल्या क्षेत्रांसंबंदी अशे तरेचे प्रादेशीक परिशदेक आनी स्वायत्त जिल्ह्यांत खंयच्योय प्रादेशीक परिशदो आसल्यार तांचे हुकमतीखाला आसतल्यो त्यो खेरीज करून त्या जिल्ह्यांतल्या सगल्या क्षेत्रांसंबंदीं जिल्ह्याचे जिल्हो परिशदेक फुडल्या गजालींसंबंदीं कायदे करपाचो अधिकार आसतलो
 - (क) राखीव वन म्हूण आशिल्लेपरस हेर कसलेय जमनीची शेतकामाच्या अथवा चरवाच्या प्रयोजनाखातीर अथवा राबित्याच्या अथवा हेर बिगरशेतकी प्रयोजनाखातीर अथवा खंयच्याय खेडचांतल्या अथवा शारांतल्या रावप्यांचें जाकालागून हितसंवर्धन जावपाचो संभव आसा अशा हेर कसल्याय प्रयोजनाखातीर वांटणी, ताबो अथवा वापर अथवा ती वेगळी राखून दवरप:

परंतु, अशा कायद्यांतले खंयचेय गजालीकलागून, खंयचेय जमनीचें-मागीर ती ताच्यांत आसूं अथवा नासूं -सक्तीन संपादन करपाचो प्राधिकार दिवपी, त्या त्या काळांत अस्तित्वांत आशिल्ल्या कायद्याप्रमाण भौशीक प्रयोजनांखातीर अशें संपादन करपाक ¹⁰[संबंदीत राज्याच्या सरकाराक] आडकाठी जांवची ना;

- (ख) राखीव वन सोडून हेर खंयच्याय वनाची वेवस्था पळोवप;
- (ग) शेतकामाच्या प्रयोजनाखातीर खंयच्याय कालव्याचो अथवा जलप्रवाहाचो उपेग;
- (घ) 'झूम' अथवा हेर स्थानबदलाच्या शेतकामाचे प्रकार हांचें विनियमन;
- (ङ) गांव अथवा नगर समित्यो अथवा मंडळां हांची स्थापना आनी तांचे अधिकार;
- (च) ग्राम अथवा नगर पुलीस आनी भौशीक भलायकी आनी नितळसाण हाचेसयत ग्राम अथवा नगर प्रशासन हांचेसंबंदींची हेर कसलीय गजाल;
 - (छ) नाईक अथवा मुखेली हांची नेमणूक अथवा उत्तराधिकार
 - (ज) संपत्तीचें दायज;
 - ⁹[(झ) लग्न आनी घटस्फोट;]
 - (ञ) सामाजीक प्रथा.
- (2) ह्या परिच्छेदांत 'राखीव वन' हाचो अर्थ जें क्षेत्र 'आसाम वन विनियम, 1891 'हेखाला' अथवा संबंदीत क्षेत्रांत त्या त्या काळांत अस्तित्वांत आशिल्ल्या कसल्याय कायद्याखाला राखीव वन आसत अशें खंयचेंय क्षेत्र असो आसा.
- (3) ह्या परिच्छेदाखाला केल्ले सगले कायदे तत्काळ राज्यपालामुखार दवरतले आनी, तो तांकां अनुमती दीसर ते परिणामक जांवचे नात.

- 4. Administration of justice in autonomous districts and autonomous regions. (1) The Regional Council for an autonomous region in respect of areas within such region and the District Council for an autonomous district in respect of areas within the district other than those which are under the authority of the Regional Councils, if any, within the district may constitute village councils or courts for the trial of suits and cases between the parties all of whom belong to Scheduled Tribes within such areas, other than suits and cases to which the provisions of sub-paragraph (1) of paragraph 5 of this Schedule apply, to the exclusion of any court in the State, and may appoint suitable persons to be members of such village councils or presiding officers of such courts, and may also appoint such officers as may be necessary for the administration of the laws made under paragraph 3 of this Schedule.
- (2) Notwithstanding anything in this Constitution, the Regional Council for an autonomous region or any court constituted in that behalf by the Regional Council or, if in respect of any area within an autonomous district there is no Regional Council, the District Council for such district, or any court constituted in that behalf by the District Council, shall exercise the powers of a court of appeal in respect of all suits and cases triable by a village council or court constituted under sub-paragraph (1) of this paragraph within such region or area, as the case may be, other than those to which the provisions of sub-paragraph (1) of paragraph 5 of this Schedule apply, and no other court except the High Court and the Supreme Court shall have jurisdiction over such suits or cases.
- (3) The High Court ¹¹*** shall have and exercise such jurisdiction over the suits and cases to which the provisions of sub-paragraph (2) of this paragraph apply as the Governor may from time to time by order specify.
- (4) A Regional Council or District Council, as the case may be, may with the previous approval of the Governor make rules regulating-
 - (a) The constitution of village councils and courts and the powers to be exercised by them under this paragraph;
 - (b) The procedure to be followed by village councils or courts in the trial of suits and cases under sub-paragraph (1) of this paragraph;
 - (c) The procedure to be followed by the Regional or District Council or any court constituted by such Council in appeals and other proceedings under sub-paragraph (2) of this paragraph;
 - (d) The enforcement of decisions and orders of such Councils and courts;
 - (e) All other ancillary matters for the carrying out of the provisions of sub-paragraphs (1) and (2) of this paragraph.
- ¹³[(5) On and from such date as the President may, ¹²[after consulting the Government of the State concerned], by notification appoint in this behalf, this paragraph shall have effect in relation to such autonomous district or region as may be specified in the notification, as if-
- (i) In sub-paragraph (1), for the words "between the parties all of whom belong to Scheduled Tribes within such areas, other than suits and cases to which the provisions of sub-paragraph (1) of para-

- 4. स्वायत्त जिल्हे आनी स्वायत्त प्रदेश हातूंतलें न्यायदान (1) स्वायत्त प्रदेशांतल्या क्षेत्रांसंबंदीं अशा प्रदेशाच्या प्रादेशीक मंडळाक आनी स्वायत्त जिल्ह्यांत खंयचींय प्रादेशीक मंडळां आसल्यार, तांचे दुय्यमतीखाला आसतीत तांचेपरस हेर अशा, त्या त्या जिल्ह्यांतल्या क्षेत्रांसंबंदीं जिल्ह्याचे जिल्हो परिशदेक, हे अनुसुचयेच्या परिच्छेद 5 च्या पोटपरिच्छेद (1) हाचे उपबंध जांकां लागू आसात अशे दावे आनी खटले हांचेपरस वेगळे अशे, जांचेभितरले सगळेजाण अशा क्षेत्रांतल्या अनुसूचित जनजातींचे आसात त्या पक्षकारांभितरले दावे आनी खटले हांचे संपरिक्षेखातीर राज्यांतलें खंयचेंय न्यायालय सोडून ग्रामपरिशदांचे अथवा न्यायालया घडीत करूं येतात, आनी अशा ग्रामपरिशदांचे वांगडी अथवा अशा न्यायालयांचे पीठासीन अधिकारी म्हूण सुयोग्य व्यक्तींची नेमणूक करूं येता, आनी हे अनुसुचयेचो परिच्छेद (3) हाचेखाला केल्ल्या कायद्यांच्या प्रशासनाखातीर गरजेचे आसतीत अशाय अधिकाऱ्यांची नेमणूक करूं येता.
- (2) ह्या संविधानांत किदेंय आसलें तरी, स्वायत्त प्रदेशाची प्रादेशीक परिशद अथवा प्रादेशीक मंडळान तेसंबंदांत घडीत केल्लें खंयचेंय न्यायालय, अथवा जर स्वायत्त जिल्ह्यांतल्या खंयच्याय क्षेत्रासंबंदीं खंयचीच प्रादेशीक परिशद नासत जाल्यार, अशा जिल्ह्याची जिल्हो परिशद अथवा जिल्हो परिशदेन तेसंबंदांत घडीत केल्लें खंयचेंय न्यायालय, ह्या परिच्चेदाच्या पोटपरिच्छेद (1) खाला घडीत जाल्ले ग्राम परिशदेकडल्यान अथवा न्यायालयाकडल्यान, त्या त्या प्रकरणाप्रमाण, अशा प्रदेशांत अथवा क्षेत्रांत संपरीक्षायोग्य आशिल्लें, मात हे अनुसुचयेच्या परिच्छेद 5 चो पोटपरिच्छेद (1) हाचे उपबंध जांकां लागू जातात तांचेपरस हेर अशे सगले दावे आनी खटले हांचेसंबंदीं अपील न्यायालयाचे अधिकार वापरतलें, आनी उच्च न्यायालय आनी सर्वोच्च न्यायालय सोडल्यार हेर खंयच्याच न्यायालयाक अशा दाव्यांचेर अथवा खटल्यांचेर अधिकारिताय आसची ना.
- (3) ह्या परिच्छेदाच्या पोटपरिच्छेद (2) हाचे उपबंध जांकां लागू आसात अशा दाव्याचेर आनी खटल्यांचेर राज्यपाल त्या त्या वेळार आदेशावरवीं विनिर्दीश्ट करीत अशी अधिकारिताय ¹¹*** उच्च न्यायालयाक आसतली आनी तें ती अधिकारिताय वापरतलें.
- (4) प्रादेशीक परिशदेच्यान अथवा, त्या त्या प्रकरणाप्रमाण, जिल्हो परिशदेच्यान राज्यपालाची पूर्वमान्यताय घेवन फुडल्या गजालींचें विनियमन करपी नेम कर्रुं येतात :—
 - (क) ग्राम परिशदो आनी न्यायालयां हांची घडण आनी ताणीं ह्या परिच्छेदाखाला वापरपाचे अधिकार;
 - (ख) ह्या परिच्छेदाच्या पोटपरिच्छेद (1) खाला दाव्यांची आनी खटल्यांची संपरीक्षा करतना ग्रामपरिशदांनी अथवा न्यायालयांनी वापरपाची कार्यपद्धत;
 - (ग) ह्या परिच्छेदाच्या पोटपरिच्छेद (2) खाला अपिलांनी आनी हेर कार्यवाहेंत, प्रादेशीक अथवा जिल्हों परिशदेन अथवा अशे परिशदेन घडीत केल्ल्या खंयच्याय न्यायालयान वापरपाची कार्यपद्धत;
 - (घ) अशा परिशदांच्या आनी न्यायालयांच्या निर्णयांची आनी आदेशांची बजावणी;
 - (ङ) ह्या परिच्छेदाचे पोटपरिच्छेद (1) आनी (2) हांचे उपबंध कार्यान्वीत करपाक सहायकारी आशिल्ल्यो हेर गजाली.
- ¹³[(5) ¹²[संबंधीत राज्य सरकाराचो विचार घेतले उपरांत] राष्ट्रपती अधिसुचोवणेवरवीं हेसंबंदीं नियत करीत अशे तारकेक आनी तेन्नासावन, हो परिच्छेद अधिसुचोवणेंत विनिर्दीश्ट करीत अशा स्वायत्त जिल्ह्याच्या अथवा प्रदेशाच्या संबंदांत अशे तरेन परिणामक जातलो की, जशेंपरीं —
- (i) पोटपरिच्छेद (1) हातूंतल्या 'हे अनुसुचयेच्या परिच्छेद (5) च्या पोटपरिच्छेद (1) हाचे उपबंध जांकां लागू आसात अशे दावे आनी खटले हांचेपरस वेगळे अशे, जांचेभितरले सगलेजाण अशा क्षेत्रांभितरल्या 'ह्या उतरांचे

graph 5 of this Schedule apply,", the words "not being suits and cases of the nature referred to in subparagraph (1) of paragraph (5) of this Schedule, which the Governor may specify in this behalf," had been substituted;

- (ii) Sub-paragraphs (2) and (3) had been omitted;
- (iii) In sub-paragraph (4)-
- (a) For the words "A Regional Council or District Council, as the case may be, may with the previous approval of the Governor make rules regulating", the words "the Governor may make rules regulating" had been substituted; and
- (b) For clause (a), the following clause had been substituted, namely: "(a) The constitution of village councils and courts, the powers to be exercised by them under this paragraph and the courts to which appeals from the decisions of village councils and courts shall lie;"
- (c) For clause (c), the following clause had been substituted, namely: "(c) The transfer of appeals and other proceedings pending before the Regional or District Council or any court constituted by such Council immediately before the date appointed by the President under sub-paragraph (5);"; and
- (d) In clause (e), for the words, brackets and figures "sub-paragraphs (1) and (2)", the word, brackets and figure "Sub-paragraph (1)" had been substituted.]
- 5. Conferment of powers under the Code of Civil Procedure, 1908, and the Code of Criminal Procedure, 1898 ¹⁴, on the Regional and District Councils and on certain courts and officers for the trial of certain suits, cases and offences. (1) The Governor may, for the trial of suits or cases arising out of any law in force in any autonomous district or region being a law specified in that behalf by the Governor, or for the trial of offences punishable with death, transportation for life, or imprisonment for a term of not less than five years under the Indian Penal Code or under any other law for the time being applicable to such district or region, confer on the District Council or the Regional Council having authority over such district or region or on courts constituted by such District Council or on any officer appointed in that behalf by the Governor, such powers under the Code of Civil Procedure, 1908, or, as the case may be, the Code of Criminal Procedure, 1898, as he deems appropriate, and thereupon the said Council, Court or officer shall try the suits, cases or offences in exercise of the powers so conferred.
- (2) The Governor may withdraw or modify any of the powers conferred on a District Council, Regional Council, court or officer under sub-paragraph (1) of this paragraph.
- (3) Save as expressly provided in this paragraph, the Code of Civil Procedure, 1908, and the Code of Criminal Procedure, 1898 ¹, shall not apply to the trial of any suits, cases or offences in an autonomous district or in any autonomous region to which the provisions of this paragraph apply.
- ¹⁵[(4) On and from the date appointed by the President under sub-paragraph (5) of paragraph 4 in relation to any autonomous district or autonomous region, nothing contained in this paragraph shall,

सुवातेर' हे अनुसुचयेच्या परिच्छेद (1) हातूंत निर्दीश्ट केल्ल्या स्वरूपाचे नासतीत अशे जे दावे आनी खटले राज्यपाल हेसंबंदीं विनिर्दीश्ट करीत तांच्या हीं उतरां घालीं.

- (ii) पोटपरिच्छेद (2) आनी (3) काडून उडयल्ले;
- (iii) पोटपरिच्छेद (4) हातूंत —
- (क) 'प्रादेशीक परिशदेक अथवा, त्या त्या प्रकरणाप्रमाण, जिल्हो परिशदेच्यान राज्यपालाची पूर्वमान्यताय घेवन फुडल्या गजालींचें विनियमन करपी नेम करूं येतात' ह्या उतरांचे सुवातेर 'राज्यपालाच्यान फुडल्या गजालींचें विनियमन करपी नेम करूं येतात' हीं उतरां घाल्लीं आशिल्लीं; आनी
- (ख) उपकलम (क) चे सुवातेर फुडलें उपकलम घाल्लें आशिल्लें, तें अशें :- '(क) ग्राम परिशदो आनी न्यायालयां हांची घडण, तांणी ह्या परिच्छेदाखाला वापरपाचे अधिकार आनी ग्रामपरिशदांच्या आनी न्यायालयांच्या निर्णयांचेर जांचे लागीं अपिलां करूं येतात तीं न्यायालयां:'
- (ग) उपकलम (ग) चे सुवातेर फुडलें उपकलम घाल्लें आशिल्लें, तें अशें :— '(ग) पोटपिरच्छेद (5) खाला राष्ट्रपतीन नियत केल्ले तारकेचे निकटपूर्व प्रादेशीक अथवा जिल्हों परिशदेमुखार अथवा अशे परिशदेन घडीत केल्ल्या खंयच्याय न्यायालयामुखार प्रलंबीत आशिल्लीं अपिलां आनी हेर कार्यवाह्यों वर्ग करप'; आनी
 - (घ) उपकलम (ङ) हातूंतल्या 'पोटपरिच्छेद (1)' हो मजकूर घाल्लो आशिल्लो.]
- 5. प्रादेशीक आनी जिल्हो परिशदो आनी थोडी न्यायालयां तशेंच अधिकारी हाकां थोडे दावे, खटले आनी गुन्यांव हांचे संपरीक्षेखातीर 'दिवाणी प्रक्रिया संहिता, 1908 आनी फौजदारी प्रक्रिया संहिता, 1898' ⁴हांचेखाला अधिकारांचें प्रदान (1) खंयच्याय स्वायत्त जिल्ह्यात अथवा प्रदेशांत अस्तित्वांत आशिल्लो जो कायदो राज्यपालान तेसंबंदीं विनिर्दीश्ट केल्लो आसत अशा खंयच्याय कायद्यांतल्यान उप्रासपी दाव्यांचे अथवा खटल्यांचे संपरीक्षेखातीर अथवा 'भारतीय दंड संहिते' खाला अथवा अशा जिल्ह्याक अथवा प्रदेशाक त्या त्या काळांत लागू आशिल्ल्या हेर खंयच्याय कायद्याखाला देहान्त, जल्मठेप अथवा उणीच तीं पांच वर्सा इतले मुजतीची बंदखण ह्या ख्यास्तींक पात्र आशिल्ल्या गुन्यांवांचे संपरीक्षेखातीर, राज्यपाल अशा जिल्ह्याचेर अथवा प्रादेशीक परिशदेक अथवा अशे जिल्हो परिषदेन घडीत केल्ल्या न्यायालयाक अथवा राज्यपालान तेसंबंदांत नेमिल्ल्या खंयच्याय अधिकाऱ्याच्यान 'दिवाणी प्रक्रिया संहिता, 1908' अथवा त्या त्या प्रकरणाप्रमाण, 'फौजदारी प्रक्रिया संहिता, 1898' हेखाला ताका समुचित दिसतीत अशे अधिकार प्रदान करूं येतात आनी ते उपरांत उक्त परिशद, न्यायालय अथवा अधिकारी, हेप्रमाण प्रदान केल्ल्या अधिकारांचो वापर करून ते दावे, खटले अथवा गुन्यांव हांची संपरीक्षा करतलों.
- (2) ह्या परिच्छेदाच्या पोटपरिच्छेद (1) खाला जिल्हो परिशदे, प्रादेशीक परिशदेक न्यायालयाक अथवा अधिकाऱ्याक प्रदान केल्ल्या अधिकारांतलो खंयचोय अधिकार राज्यपालाच्यान काडून घेवं येता अथवा तातूंत फेरफार करूं येता.
- (3) ह्या परिच्छेदाचे उपबंध जाका लागू जातात अशा स्वायत्त जिल्ह्यांत अथवा खंयच्याय स्वायत्त प्रदेशांत कसलेय दावे, खटले अथवा गुन्यांव हांची जी संपरीक्षा जाता तिका 'दिवाणी प्रक्रिया संहिता, 1908' आनी 'फौजदारी प्रक्रिया संहिता, 1898' हे ह्या परिच्छेदांत स्पश्टपणान उपबंधीत केल्लें आसत तें सोडून, हेरशीं लागू आसचे नात.
- 15[(4) खंयच्याय स्वायत्त जिल्ह्याच्या अथवा स्वायत्त प्रदेशाच्या संबंदांत परिच्छेद 4च्या पोटपरिच्छेद (5) खाला राष्ट्रपतीन नियत केल्ले तारकेक आनी तेन्नाच्यान ह्या परिच्छेदांत आशिल्ली खंयचीय गजाल त्या जिल्ह्याक

in its application to that district or region, be deemed to authorise the Governor to confer on the District Council or Regional Council or on courts constituted by the District Council any of the powers referred to in sub-paragraph (1) of this paragraph.]

- ¹⁶ **[6. Powers of the District Council to establish primary schools, etc.** (1) The District Council for an autonomous district may establish, construct, or manage primary schools, dispensaries, markets, ²[cattle pounds], ferries, fisheries, roads, road transport and waterways in the district and may, with the previous approval of the Governor, make regulations for the regulation and control thereof and, in particular, may prescribe the language and the manner in which primary education shall be imparted in the primary schools in the district.
- (2) The Governor may, with the consent of any District Council, entrust either conditionally or unconditionally to that Council or to its officers functions in relation to agriculture, animal husbandry, community projects, co-operative societies, social welfare, village planning or any other matter to which the executive power of the State ¹⁷*** extends.]
- 7. District and Regional Funds. (1) There shall be constituted for each autonomous district, a District Fund and for each autonomous region, a Regional Fund to which shall be credited all moneys received respectively by the District Council for that district and the Regional Council for that region in the course of the administration of such district or region, as the case may be, in accordance with the provisions of this Constitution.
- ¹⁸[(2) The Governor may make rules for the management of the District Fund, or, as the case may be, the Regional Fund and for the procedure to be followed in respect of payment of money into the said Fund, the withdrawal of moneys therefrom, the custody of moneys therein and any other matter connected with or ancillary to the matters aforesaid.
- (3) The accounts of the District Council or, as the case may be, the Regional Council shall be kept in such form as the Comptroller and Auditor-General of India may, with the approval of the President, and prescribe.
- (4) The Comptroller and Auditor-General shall cause the accounts of the District and Regional Councils to be audited in such manner as he may think fit, and the reports of the Comptroller and Auditor-General relating to such accounts shall be submitted to the Governor who shall cause them to be laid before the Council.]
- 8. Powers to assess and collect land revenue and to impose taxes. (1) The Regional Council for an autonomous region in respect of all lands within such region and the District Council for an autonomous district in respect of all lands within the district except those which are in the areas under the authority of Regional Councils, if any, within the district, shall have the power to assess and collect revenue in respect of such lands in accordance with the principles for the time being followed ¹⁹[by the Government of the State in assessing lands for the purpose of land revenue in the State generally].
- (2) The Regional Council for an autonomous region in respect of areas within such region and the District Council for an autonomous district in respect of all areas in the district except those which are

अथवा प्रदेशाक लागू जातना, ह्या परिच्छेदाच्या पोटपरिच्छेद (1) हातूंत विनिर्दीश्ट केल्ले भितरलो खंयचोय अधिकार जिल्हो परिशदेक अथवा प्रादेशीक परिशदेक अथवा जिल्हो परिशदेन घडीत केल्ल्या न्यायालयांक प्रदान करपाक राज्यपाल ताकालागून प्राधिकृत जाता अशें मानचें नात.]

- ¹⁶[6. मुळाव्यो शाळा इत्यादी स्थापन करपाचे जिल्हो परिशदेचे अधिकार (1) स्वायत्त जिल्हयाचे जिल्हो परिशदेच्यान जिल्ह्यांत मुळाव्यो शाळा, दवाखाने, बाजार, कोंडवाडे, तारी, नुस्त्या-क्षेत्रां, रस्ते, मार्ग, परिवहन सेवा आनी जलमार्ग स्थापन करूं येतात, बांदूं येतात अथवा तांचें वेवस्थापन करूं येता आनी राज्यपालाची पूर्वमान्यताय घेवन, तांचें विनियमन आनी नियंत्रण हांचेखातीर विनियम करूं येतात आनी, विशेशतायेन, जिल्ह्यांच्या मुळाव्या शाळांतल्यान मुळावें शिक्षण खंयचे भाशेंतल्यान आनी खंयचे रितीन दिवंचें हें विहीत करूं येता.
- (2) राज्यपालाच्यान, खंयचेय जिल्हो परिशदेचे संमतेन, ते परिशदेकडेन अथवा तिच्या अधिकाऱ्यांकडेन शेतकाम, पशुपालन, सामुहीक प्रकल्प, सहकारी सोसायट्यो, समाज कल्याण, ग्राम-नियोजन अथवा ¹⁷* * * राज्याच्या शासनाधिकाराचे व्याप्तेंत येता आसत अशी हेर कसलीय गजाल हांचेसंबंदींचीं कार्यां सशर्त आनी बिनशर्त सोंपोवं येतात.]
- 7. जिल्हो आनी प्रादेशीक निधी (1) दरेका स्वायत्त जिल्ह्याखातीर एक जिल्हो निधी आनी दरेका स्वायत्त प्रदेशाखातीर एक प्रादेशीक निधी घडीत करतले आनी ह्या संविधानाच्या उपबंधांप्रमाण, अशा जिल्ह्याचें अथवा, त्या त्या प्रकरणाप्रमाण, प्रदेशाचें प्रशासन करता आसतना त्या ओघांत त्या जिल्ह्याचे जिल्हो परिशदेकडेन आनी त्या प्रदेशाचे प्रादेशीक परिशदेकडेन आयिल्लो सगलो दुडू त्या त्या निधींत जमा करतले.
- ¹⁸[(2) जिल्हों निधीच्या अथवा, त्या त्या प्रकरणाप्रमाण, प्रादेशीक निधीच्या वेवस्थापनाखातीर आनी उक्त निधींत दुडवांचो भरिणों करपाखातीर, तातूंतल्यान दुडू काडप, तातूंतल्या दुडवांची अभिरक्षा करप आनी पूर्वोक्त गजालींकडेन संबंदीत अथवा तांकां सहायकारी आशिल्ली कसलीय गजाल हाचेसंबंदांत आपणावपाच्या कार्यपद्धतीसंबंधीं राज्यपालाच्यान नेम करूं येतात.
- (3) जिल्हो परिशदेंचें अथवा, त्या त्या प्रकरणाप्रमाण, प्रादेशीक परिशदेचे लेखे, भारताचो नियंत्रक आनी महा लेखा परीक्षक राष्ट्रपतीचे मान्यतायेन विहीत करतलो अशा नमुन्यांत दवरतले.
- (4) नियंत्रक आनी महा लेखा परीक्षक, ताका योग्य दिसत अशे रितीन जिल्हो आनी प्रादेशीक परिशदांच्या लेख्यांची लेखापरीक्षा करूंक लायतलो, आनी अशा लेख्यांसंबंदींचे नियंत्रक आनी महालेखा परीक्षकाचे अहवाल राज्यपालामुखार दवरतले आनी तो ते परिशदेमुखार दवरूंक लायतलो.]
- 8. जमीन-महसूल निर्धारीत करून ताची उगराणी करपाचे आनी कर लावपाचे अधिकार (1) स्वायत्त प्रदेशाचे प्रादेशीक परिशदेक अशा प्रदेशांतले सगले जमनीसंबंदीं आनी स्वायत्त जिल्ह्याचे जिल्हो परिशदेक, जिल्ह्यांत खंयच्योय प्रादेशीक परिशदो आसल्यार तांचे हुकमतीखालच्या क्षेत्रांनी आसतल्यो त्यो सोडून जिल्ह्यांतल्या सगल्या जमनीसंबंदांत ¹⁹[सर्वसाधारणपणान राज्यांत जमीन-महसुलाखातीर जमनीसंबंदीं निर्धारण करतना राज्याच्या सरकारान] त्या त्या काळांत आपणायल्ल्या तत्त्वांप्रमाण, महसुलाचें निर्धारण करून ताची वसुली करपाचो अधिकार आसतलो.
- (2) स्वायत्त प्रदेशाचे प्रादेशीक परिशदेक अशा प्रदेशांतल्या सगल्या क्षेत्रांसंबंदीं आनी स्वायत्त जिल्हो परिशदेक, जिल्ह्यांत खंयच्योय प्रादेशीक परिशदो आसल्यार तांचे हुकमतीखाला आसतीत त्यो सोडून जिल्ह्यांतल्या सगल्या

under the authority of Regional Councils, if any, within the district, shall have power to levy and collect taxes on lands and buildings, and tolls on persons resident within such areas.

- (3) The District Council for an autonomous district shall have the power to levy and collect all or any of the following taxes within such district, that is to say-
 - (a) Taxes on professions, trades, callings and employments;
 - (b) Taxes on animals, vehicles and boats;
 - (c) Taxes on the entry of goods into a market for sale therein, and tolls on passengers and goods carried in ferries; and
 - (d) Taxes for the maintenance of schools, dispensaries or roads.
- (4) A Regional Council or District Council, as the case may be, may make regulations to provide for the levy and collection of any of the taxes specified in sub-paragraphs (2) and (3) of this paragraph and ²⁰ [every such regulation shall be submitted forthwith to the Governor and, until assented to by him, shall have no effect].
- [9. Licences or leases for the purpose of prospecting for, or extraction of, minerals.— (1) Such share of the royalties accruing each year from licences or leases for the purpose of prospecting for, or the extraction of, minerals granted by ²¹[the Government of the State] in respect of any area within an autonomous district as may be agreed upon between ²¹[the Government of the State] and the District Council of such district shall be made over to that District Council.
- (2) If any dispute arises as to the share of such royalties to be made over to a District Council, it shall be referred to the Governor for determination and the amount determined by the Governor in his discretion shall be deemed to be the amount payable under sub-paragraph (1) of this paragraph to the District Council and the decision of the Governor shall be final.
- 10. Power of District Council to make regulations for the Control of money-lending and trading by non-tribals. (1) The District Council of an autonomous district may make regulations for the regulation and control of money-lending or trading within the district by persons other than Scheduled Tribes resident in the district.
- (2) In particular and without prejudice to the generality of the foregoing power, such regulations may-
 - (a) Prescribe that no one except the holder of a licence issued in that behalf shall carry on the business of money-lending;
 - (b) Prescribe the maximum rate of interest, which may be charged or be recovered by a money-lender;
 - (c) Provide for the maintenance of accounts by money-lenders and for the inspection of such accounts by officers appointed in that behalf by the District Council;
 - (d) Prescribe that no person who is not a member of the Scheduled Tribes resident in the district shall carry on wholesale or retail business in any commodity except under a licence issued in that behalf by the District Council:

क्षेत्रांसंबंदीं अशा क्षेत्रांतल्या जमनींचेर आनी इमारतींचेर कर आनी थंय रावपी व्यक्तींचेर पथकर लावपाचो आनी ताची वसुली करपाचो अधिकार आसतलो.

- (3) स्वायत्त जिल्ह्याचे जिल्हो परिशदेक अशा जिल्ह्यांतले सगले अथवा तांचेमदले कसलेय कर लावपाची आनी ताची वसुली करपाचो अधिकार आसतलो, म्हळ्यार—
 - (क) वेवसाय, उदीम, आजिविका आनी नोकऱ्यो हांचेवेलो कर;
 - (ख) प्राणी, वाहनां आनी नौका हांचेवेलो कर;
 - (ग) बाजारांत विक्रेखातीर मालाची जी आवक जाता तिचेवेलो कर आनी तारींतल्यान हाड-व्हर करतात त्या प्रवाशांवेलो आनी मालावेलो पथ कर; आनी
 - (घ) शाळा, दवाखाने अथवा रस्ते हांचे देखरेखेखातीर कर.
- (4) प्रादेशीक परिशदेच्यान अथवा, त्या त्या प्रकरणाप्रमाण, जिल्हो परिशदेच्यान ह्या परिच्छेदाच्या परिच्छेद (2) आनी (3) हातूंत विनिर्दीश्ट केल्ल्यांमदले कसलेय कर लावपाखातीर आनी तांची वसुली करपाखातीर उपबंध करपी विनियम करूं येतात ²⁰[आनी असो दरेक विनियम तत्काळ राज्यपालाक कळयतले आनी तो ताका अनुमती दीसर, तो परिणामक जावंचो ना.]
- 9. खिनजांखातीर पूर्वेक्षण करपाच्या अथवा तीं काडपाच्या प्रयोजनाखातीर लायसनां अथवा भाडेंपटी (1) स्वायत्त जिल्ह्यांतल्या खंयच्याय क्षेत्रासंबंदीं खिनजांखातीर पूर्वेक्षण करपाच्या अथवा तीं काडपाच्या प्रयोजनाखातीर ²¹[राज्याच्या सरकारान] दिल्लीं लायसनां अथवा भाडेंपटी हांचेपसून दर वर्सा उपार्जीत जावपी स्वामिस्वांचो ²¹[राज्यांचें सरकार] आनी अशा जिल्ह्याची जिल्हो परिशद हांचेभितर एकमतान थारत असो वांटो ते जिल्हो परिशदेकडेन सुपूर्व करतले.
- (2) जर अशा स्वामिस्वांमदल्या जिल्हो परिशदेकडेन सुपूर्व करपाच्या वांट्यासंबंदीं कसलोय तंटो उप्रासलो, जाल्यार, तो निर्णयाखातीर राज्यपालाकडेन व्हरतले आनी राज्यपालान स्वताचे बुदीप्रमाण निर्धारीत केल्ली रकम ह्या परिच्छेदाच्या पोटपरिच्छेद (1) खाला जिल्हो परिशदेक दिवपाची रकम म्हूण निश्चित करतले आनी राज्यपालाचो निर्णय निमणो आसतलो.
- 10. जनजातीचेर व्यक्ती करतात ते सावकारीचेर आनी वेपाराचेर नियंत्रण दवरपाखातीर विनियम करपाचो जिल्हो परिशदेचो अधिकार (1) स्वायत्त जिल्ह्याचे जिल्हो परिशदेक जिल्ह्यांत रावपी अनुसूचित जनजातीभायल्यो व्यक्तीं जी सावकारी अथवा वेपार करतात तांचें विनियमन आनी नियंत्रण करपाखातीर विनियम करूं येतात.
 - (2) विशेशतायेन आनी पूर्वगामी अधिकाराचे व्यापकतेक बांधा येनासताना, अशा विनियमांवरवीं; —
 - (क) सावकारेसंबंदांत दिल्ल्या लायसनाच्या धारकापरस हेर कोणाकूच सावकारेचो धंदो चलोवंक मेळचो ना अशें विहीत करूं येता;
 - (ख) सावकाराच्यान व्याजाचो जो दर लावं येता अथवा ज्या दरान वसुली करूं येता तो चडांत चड दर विहीत करूं येता;
 - (ग) सावकारांनी हिशोब दवरप आनी अशा हिसबांची तपासणी हेसंबंदांत जिल्हो परिशदेन नेमिल्ल्या अधिकाऱ्यांनी करप हांचेखातीर उपबंध करूं येतात;
 - (घ) त्या जिल्ह्यांत रावपी अनुसूचित जनजातींचो घटक ना अशी खंयचीय व्यक्ती कसल्याय जिनसाच्या ठोक अथवा किरकोळ वेपारासंबंदांत जिल्हो परिशदेन लायसनां दिलेबगर असो वेपार चलोवंक मेळचो ना अशें विहीत करूं येता.

Provided that no regulations may be made under this paragraph unless they are passed by a majority of not less than three-fourths of the total membership of the District Council:

Provided further that it shall not be competent under any such regulations to refuse the grant of a licence to a money-lender or a trader who has been carrying on business within the district since before the time of the making of such regulations.

- (3) All regulations made under this paragraph shall be submitted forthwith to the Governor and, until assented to by him, shall have no effect.
- 11. Publication of laws, rules and regulations made under the Schedule. All laws, rules and regulations made under this Schedule by a District Council or a Regional Council shall be published forthwith in the Official Gazette of the State and shall on such publication have the force of law.
- 12. ²²[Application of Acts of Parliament and of the Legislature of the State of Assam to autonomous districts and autonomous regions in the State of Assam. (1) Notwithstanding anything in this Constitution-
 - (a) No Act of the ²³[Legislature of the State of Assam] in respect of any of the matters specified in paragraph 3 of this Schedule as matters with respect to which a District Council or a Regional Council may make laws, and no Act of the ²³[Legislature of the State of Assam] prohibiting or restricting the consumption of any non-distilled alcoholic liquor shall apply to any autonomous district or autonomous region ²⁴[in that State] unless in either case the District Council for such district or having jurisdiction over such region by public notification so directs, and the District Council in giving such direction with respect to any Act may direct that the Act shall in its application to such district or region or any part thereof have effect subject to such exceptions or modifications as it thinks fit;
 - (b) The Governor may, by public notification, direct that any Act of Parliament or of the ²⁴[Legislature of the State of Assam] to which the provisions of clause (a) of this sub-paragraph do not apply shall not apply to an autonomous district or an autonomous region ²⁴[in that State] or shall apply to such district or region or any part thereof subject to such exceptions or modifications as he may specify in the notification.
- (2) Any direction given under sub-paragraph (1) of this paragraph may be given so as to have retrospective effect.
- ²⁵[12A. Application of Acts of Parliament and of the Legislature of the State of Meghalaya to autonomous districts and autonomous regions in the State of Meghalaya. Notwithstanding anything in this Constitution,
 - (a) If any provision of a law made by a District or Regional Council in the State of Meghalaya with respect to any matter specified in sub-paragraph (1) of paragraph 3 of this Schedule or if any provision of any regulation made by a District Council or a Regional Council in that State under paragraph 8 or paragraph 10 of this Schedule, is repugnant to any provision of a law made by the

परंतु, ह्या परिच्छेदाखाला कसलेय विनियम, जिल्हो परिषदेच्या वट्ट वांगडी संख्येच्या उण्यांच त्या तीन चतुर्थांश इतल्या भोवमतान ते पास जालेबगर करूंक मेळचे नातः

परंतु, आनीक अशें की, अशे विनियम करपाच्या वेळाचे पयलींसावन जो सावकार अथवा वेपारी जिल्हयांत धंदो चलयत आयला आसत ताका लायसन दिवपाचें नाकारप अशा कसल्याय नेमांप्रमाण कायदेशीर जांवचें ना.

- (3) ह्या परिच्छेदाखाला केल्ले सगले नेम तत्काळ राज्यपालामुखार दवरतले आनी तो तांकां अनुमती दिमेरेन, ते परिणामक जांवचे नात.
- 11. हे अनुसुचयेखाला केल्ल्या कायद्यांचें, नेमांचे आनी विनियमांचे प्रकाशन जिल्हो परिशदेन अथवा प्रादेशीक परिशदेन हे अनुसुचयेखाला केल्ले सगले कायदे, नेम आनी विनियम तत्काळ राज्याच्या शासकीय राजपत्रांत उजवाडायतले आनी अशी उजवाडावणी जातकच ते कायद्याइतलेच प्रभावी थारतले.
- 12. ²²[संसदेचे आनी आसाम राज्याच्या विधानमंडळाचे अधिनियम आसाम राज्यांतले स्वायत्त जिल्हे आनी स्वायत्त प्रदेश हांकां लागू करप.-] (1) ह्या संविधांनांत किदेंय आसलें तरी,—
 - (क) जांचेसंबंदीं जिल्हो परिशदेच्यान अथवा प्रादेशीक परिशदेच्यान कायदे करूं येतात अशो गजाली म्हूण हे अनुसुचयेच्या परिच्छेद (3) हातूंत विनिर्दीश्ट केल्ल्यांभितरत्या कसल्याय गजालीसंबंदींचो ²³[आसाम राज्याच्या विधानमंडळाचो] खंयचोय अधिनियम आनी गाळूंक नाशिल्ल्या मद्यार्कयुक्त सोन्याचें सेवन मना करणी वा ताचेर निर्वंध घालपी ²³[आसाम राज्याच्या विधानमंडळाचो] कसलोय अधिनियम ²⁴[त्या राज्यांतल्या] खंयच्याय स्वायत्त जिल्ह्याक अथवा स्वायत्त प्रदेशाक दरेके गजालींत अशा जिल्ह्याचे जिल्हो परिशदेन अथवा अशा प्रदेशाचेर अधिकारिताय आसपी जिल्हो परिशदेन जाहीर अधिसुचोवणेवरवीं तशें निदेशीत केलेबगर, लागू जावचो ना, आनी खंयच्याच अधिनियमाचे बाबतींत असो निदेश दितना जिल्हो परिशदेच्यान अशें निदेशीत करूं येता की, अशा जिल्ह्याक अथवा प्रदेशाक अथवा ताच्या खंयच्याय भागाक लागू जातना तो अधिनियम तिका योग्य दिसतीत अशा आडवादांसयत अथवा फेरफारांसयत परिणामक जातलो;
 - (ख) राज्यपालाच्यान जाहीर अधिसुचोवणेवरवीं अशें निदेशीत करूं येता की, जाका ह्या पोटपरिच्छेदाच्या उपकलम (क) चे उपबंध लागू जायनात असो संसदेचो अथवा ²⁴[आसाम राज्याच्या विधानमंडळाचो] खंयचोय अधिनियम, ²⁴[त्या राज्यांतल्या] स्वायत्त जिल्ह्याक अथवा स्वायत्त प्रदेशाक लागू आसचो ना, अथवा अशा जिल्ह्याक अथवा प्रदेशाक अथवा ताच्या एखाद्या भागाक तो अधिसुचोवणेंत विनिर्दीश्ट करीत अशा आडवादांसयत अथवा फेरफारांसयत लागू जातलो.
 - (2) ह्या परिच्छेदाच्या पोटपरिच्छेद (1) खाला दितात तो कसलोय निदेश भूतलक्षी परिणामासयत दिवं येता.
- ²⁵[12क. संसदेचे आनी मेघालय राज्याच्या विधानमंडळाचे अधिनियम मेघालय राज्यांतल्या स्वायत्त जिल्ह्यांक आनी स्वायत्त प्रदेशांक लागू करप ह्या संविधानांत किदेंय आसलें तरी
 - (क) हे अनुसुचयेचो परिच्छेद 3, पोटपरिच्छेद (1), हातूंत विनिर्दीश्ट केल्ले खंयचेय गजालीसंबंदीं मेघालय राज्यांतले जिल्हो अथवा प्रादेशीक परिशदेन केल्ल्या कायद्याचो खंयचोय उपबंध अथवा हे अनुसुचयेचो परिच्छेद 8 अथवा परिच्छेद 10 हाचेखाला त्या राज्यांतले जिल्हो परिशदेन अथवा प्रादेशीक परिशदेन केल्ल्या कसल्याय विनियमाचो खंयचोय उपबंध हो, जर ते गजाली संबंदीं मेघालय राज्याच्या विधानमंडळान केल्ल्या कायद्याच्या

Legislature of the State of Meghalaya with respect to that matter, then, the law or regulation made by the District Council or, as the case may be, the Regional Council whether made before or after the law made by the Legislature of the State of Meghalaya, shall, to the extent of repugnancy, be void and the law made by the Legislature of the State of Meghalaya shall prevail;

- (b) The President may, with respect to any Act of Parliament, by notification, direct that it shall not apply to an autonomous district or an autonomous region in the State of Meghalaya, or shall apply to such district or region or any part thereof subject to such exceptions or modifications as he may specify in the notification and any such direction may be given so as to have retrospective effect.
- ²⁶[12B. Application of Acts of Parliament and of the Legislature of the State of Mizoram to autonomous districts and autonomous regions in the State of Mizoram. Notwithstanding anything in this Constitution, -
 - (a) No Act of the Legislature of the State of Mizoram in respect of any of the matters specified in paragraph 3 of this Schedule as matters with respect to which a District Council or a Regional Council may make laws, and no Act of the Legislature of the State of Mizoram prohibiting or restricting the consumption of any non-distilled alcoholic liquor shall apply to any autonomous district or autonomous region in that State unless, in either case, the District Council for such district or having jurisdiction over such region, by public notification, so directs, and the District Council, in giving such direction with respect to any Act, may direct that the Act shall, in its application to such district or region or any part thereof, have effect subject to such exceptions or modifications as it thinks fit;
 - (b) The President may, with respect to any Act of Parliament, by notification, direct that it shall not apply to an autonomous district or an autonomous region in the State of Mizoram, or shall apply to such district or region or any part thereof, subject to such exceptions or modifications as he may specify in the notification and any such direction may be given so as to have retrospective effect.]]
- **13. Estimated receipts and expenditure pertaining to autonomous districts to be shown separately in the annual financial statement.** The estimated receipts and expenditure pertaining to an autonomous district which are to be credited to, or is to be made from, the Consolidated Fund of the State ²⁷*** shall be first placed before the District Council for discussion and then after such discussion be shown separately in the annual financial statement of the State to be laid before the Legislature of the State under article 202.
- 14. Appointment of Commission to inquire into and report on the administration of autonomous districts and autonomous regions. (1) The Governor may at any time appoint a Commission to examine and report on any matter specified by him relating to the administration of the autonomous districts and autonomous regions in the State, including matters specified in clauses (c),

खंयच्याय उपबंधाक प्रतिकूल आसत जाल्यार, जिल्हो परिशदेन अथवा, त्या त्या प्रकरणाप्रमाण, प्रादेशीक परिशदेन केल्लो कायदो अथवा विनियम - मागीर तो मेघालय राज्याच्या विधानमंडळान केल्ल्या कायद्याचे पयलीं केल्लो आसूं अथवा मागीर केल्लो आसूं - प्रतिकुलतायेचे व्याप्तेपुरतो शून्य जातलो आनी मेघालय राज्याच्या विधानमंडळान केल्लो कायदो चड प्रभावी थारतलो;

(ख) राष्ट्रपतीच्यान अधिसुचोवणेवरवीं संसदेच्या खंयच्याय अधिनियमाविशीं अशें निदेशीत करूं येता की, तो अधिनियम मेघालय राज्यांतल्या एखाद्या स्वायत्त जिल्ह्याक अथवा स्वायत्त प्रदेशाक लागू आसचो ना अथवा अशा जिल्ह्याक अथवा स्वायत्त प्रदेशाक लागू आसचो ना अथवा अशा जिल्ह्याक अथवा प्रदेशाक अथवा ताच्या एखाद्या भागाक तो स्वता अधिसुचोवणेंत विनिर्दीश्ट करीत अशा आडवादांसयत अथवा फेरफारांसयत लागू जातलो आनी असो कसलोय निदेश भूतलक्षी परिणामासयत दिवं येता.

²⁶[12ख. संसदेचे आनी मिझोरम संघ राज्यक्षेत्राच्या निधानमंडळाचे अधिनियम मिझोरम संघ राज्यक्षेत्रांतल्या स्वायत्त जिल्ह्यांक आनी स्वायत्त प्रदेशांक लागू करप. — ह्या संविधानांत किदेंय आसलें तरी, —

- (क) हे अनुसुचयेच्या परिच्छेद 3 च्या पोटपरिच्छेद (1) हातूंत विनिर्दीश्ट केल्ले खंयचेय गजालीसंबंदीं मिझोरम संघ राज्यक्षेत्रांतले जिल्हो परिशदेन अथवा प्रादेशीक परिशदेन केल्ल्या कायद्याचो खंयचोय उपबंध अथवा हे अनुसुचयेचो परिच्छेद 8 अथवा परिच्छेद 10 हांचेखाला त्या संघ राज्यक्षेत्राच्या विधानमंडळान केल्ल्या कायद्याच्या खंयच्याय उपबंधाक प्रतिकूल आसत जाल्यार, जिल्हो परिशदेन केल्लो कायदो अथवा विनियम मागीर तो मिझोरम संघ राज्यक्षेत्राच्या विधानमंडळान केल्ल्या कायद्याच्या खंयच्याय उपबंधाक प्रतिकूल आसत जाल्यार, जिल्हो परिशदेन अथवा, त्या त्या प्रकरणाप्रमाण, प्रादेशीक परिशदेन केल्लो कायदो अथवा विनियम मागीर तो मिझोरम संघ राज्यक्षेत्राच्या विधानमंडळान केल्लो कायदो चड प्रभावी थारतलो;
- (ख) राष्ट्रपतीच्यान अधिसुचोवणेवरवीं संसदेच्या खंयच्याय अधिनियमासंबंदीं अशें निदेशीत करूं येता की, तो अधिनियम मिझोरम संध राज्यक्षेत्रांतल्या एखाद्या स्वायत्त जिल्ह्याक अथवा स्वायत्त प्रदेशाक लागू आसचो ना, अथवा अशा जिल्ह्याक अथवा प्रदेशाक अथवा ताच्या एखाद्या भागाक तो स्वता अधिसुचोवणेंत विनिर्दीश्ट करीत अशा आडवादांसयत अथवा फेरफारांसयत लागू जातलो आनी असो कसलोय निदेश भूतलक्षी परिणामासयत विवं येता.]]
- 13. स्वायत्त जिल्ह्यांसंबंदीची अदमासीत जमा आनी खर्च वर्सुक्या वित्तीय विवरणपत्रांत वेगळेवेगळे दाखोवप ²⁷*** राज्याच्या एकवटीत निधींत जमा करपाच्यो अथवा तातूंतल्यान खर्च करपाच्यो आसतीत अशा रकमांचे स्वायत्त जिल्ह्यासंबंदींचे अदमास पयलीं जिल्हो परिशदेमुखार चर्चेखातीर दवरतले आनी अशे चर्चेउपरांत, कलम 202 खाला राज्याच्या विधानमंडळामुखार दवरपाच्या राज्याच्या वर्सुक्या वित्तीय विवरणपत्रांत त्यो रकमो वेगळ्यो वेगळ्यो दाखयतले.
- 14. स्वायत्त जिल्ह्यांच्या आनी स्वायत्त प्रदेशांच्या प्रशासनाची चवकशी करपाखातीर आनी तेसंबंदीं अहवाल विवपाखातीर आयोगाची नेमणूक (1) राज्यपालाच्यान खंयच्याय वेळार, राज्यांतल्या स्वायत्त जिल्ह्यांच्या आनी स्वायत्त प्रदेशांच्या प्रशासनासंबंदीं ताणे विनिर्दीश्ट केल्ल्या, हे अनुसुचयेच्या परिच्छेद (ग), (घ), (ङ) आनी (च) ह्या कलमांनी विनिर्दीश्ट केल्ल्या गजालींसयत खंयचेय गजालीची तपासणी करून तिचेसंबंदीं अहवाल दिवपाखातीर

- (d), (e) and (f) of sub-paragraph (3) of paragraph 1 of this Schedule, or may appoint a Commission to inquire into and report from time to time on the administration of autonomous districts and autonomous regions in the State generally and in particular on—
 - (a) The provision of educational and medical facilities and communications in such districts and regions;
 - (b) The need for any new or special legislation in respect of such districts and regions; and
 - (c) The administration of the laws, rules and regulations made by the District and Regional Councils:

And define the procedure to be followed by such Commission.

- (2) The report of every such Commission with the recommendations of the Governor with respect thereto shall be laid before the Legislature of the State by the Minister concerned together with an explanatory memorandum regarding the action proposed to be taken thereon by ²⁸[the Government of the State].
- (3) In allocating the business of the Government of the State among his Ministers the Governor may place one of his Ministers specially in charge of the welfare of the autonomous districts and autonomous regions in the State.
- 15. Annulment or suspension of acts and resolutions of District and Regional Councils.—
 (1) If at any time the Governor is satisfied that an act or resolution of a District or a Regional Council is likely to endanger the safety of India ²⁹[or is likely to be prejudicial to public order], he may annul or suspend such act or resolution and take such steps as he may consider necessary (including the suspension of the Council and the assumption to himself of all or any of the powers vested in or exercisable by the Council) to prevent the commission or continuance of such act, or the giving of effect to such resolution.
- (2) Any order made by the Governor under sub-paragraph (1) of this paragraph together with the reasons therefor shall be laid before the Legislature of the State as soon as possible and the order shall, unless revoked by the Legislature of the State, continue in force for a period of twelve months from the date on which it was so made:

Provided that if and so often as a resolution approving the continuance in force of such order is passed by the Legislature of the State, the order shall unless cancelled by the Governor continue in force for a further period of twelve months from the date on which under this paragraph it would otherwise have ceased to operate.

- **16. Dissolution of a District or a Regional Council.** ³⁰[(1)] The Governor may on the recommendation of a Commission appointed under paragraph 14 of this Schedule by public notification order the dissolution of a District or a Regional Council, and-
 - (a) Direct that a fresh general election shall be held immediately for the reconstitution of the Council, or
 - (b) Subject to the previous approval of the Legislature of the State assume the administration of the area under the authority of such Council himself or place the administration of such area

आयोगाची नेमणूक करूं येता, अथवा सर्वसाधारणतायेन राज्यांतल्या स्वायत्त जिल्ह्यांचें आनी स्वायत्त प्रशासनांचें प्रशासन आनी विशेशतायेन,—

- (क) अशा जिल्ह्यांतल्या आनी प्रदेशांतल्या शैक्षणीक आनी वैजकी सुविधांची तरतूद आनी दळणवळण;
- (ख) अशा जिल्ह्यांसंबंदीं आनी प्रदेशासंबंदीं कसल्याय नवीन आनी खाशेल्या विधिविधानाची गरज; आनी
 - (ग) जिल्हो आनी प्रादेशीक परिशदांनीं केल्ले कायदे, नेम आनी विनियम हांचें प्रशासन ,

हांची चवकशीं करून तांचेर त्या त्या वेळार अहवाल दिवपाखातीर आयोगाची नेमणूक करूं येता आनी अशा आयोगान आपणावपाची कार्यपद्धत निश्चित करूं येता.

- (2) अशा दरेका आयोगाचो अहवाल ताचेवांगडा तेसंबंदीं राज्यपालान केल्ल्यो शिफारसी, ²⁸[राज्याच्या सरकारान] ताचेर जी कारवाय करची अशें येवजिल्लें आसत तिचेविशींच्या स्पश्टीकरणात्मक निवेदनासयत संबंदित मंत्र्यावरवीं राज्याच्या विधानमंडळामुखार दवरतले.
- (3) आपणाल्या मंत्र्यांभितर राज्याच्या सरकाराची वांटणी करतना, राज्यपालाच्यान खासा करून राज्यांतल्या स्वायत्त जिल्ह्यांच्या आनी स्वायत्त प्रदेशांच्या कल्याण कार्याचो प्रभार आपणाल्या मंत्र्याभितरल्या कोणाय एकट्याकडेन दिवं येता.
- 15. जिल्हो आनी प्रादेशीक परिशदांच्या कृतींचें आनी थारावांचें शून्यीकरण अथवा निलंबन (1) जर जिल्हो अथवा प्रादेशीक परिशदेचे एखादे कृतीक लागून अथवा थारावाक लागून भारताची सुरक्षितताय संकश्टांत येवपाचो संभव आसा ²⁹ [अथवा भौशीक सुवेवस्थेक बाधा येवपाचो संभव आसा] अशी राज्यपालाची खात्री जाली जाल्यार, ताच्यान अशी कृती अथवा थाराव शून्य अथवा निलंबीत करूं येता आनी अशी कृती करपाक अथवा चालू उरपाक अथवा असो थाराव कार्यान्वीत करपाक प्रतिबंध करपाखातीर (परिशद निलंबीत करप आनी परिशदेचे ठांय विहीत आसतीत अथवा तिच्यान वापरपासारके आसतीत ते सगले अथवा तातूंतले खंयचेय अधिकार स्वताकडेन घेवपासयत) ताका गरजेच्यो दिसतीत अशो उपाय येवजणी करूं येतात.
- (2) ह्या परिच्छेदाचो पोटपरिच्छेद (1) हाचेवरवीं राज्यपालान केल्लो कसलोय आदेश, ताचे फाटल्या कारणांसयत जाता तितले बेगीन राज्याच्या विधानमंडळामुखार दवरतले आनी तो आदेश राज्याच्या विधानमंडळान फाटीं घेतलो ना जाल्यार तो हेप्रमाण दिलो ते तारकेसावन बारा म्हयन्यांच्या कालावधी मेरेन तसोच अंमलांत उरतलो :

परंतु, राज्याच्या विधानमंडळाकडल्यान अशा आदेशाचो अंमल चालू दवरपाक मान्यताय दिवपी थाराव पास जायत जाल्यार आनी तेन्ना तेन्ना तो आदेश, राज्यपालान फाटीं घेतलो ना जाल्यार, ह्या परिच्छेदाखाला हेरशीं जे तारकेक तो जारी आसपाचें बंद जातलें आशिल्लें ते तारकेसावन फुडल्या बारा म्हयन्यांच्या कालावधीमेरेन तो तसोच अंमलांत उरतलो.

- **16. जिल्हो अथवा प्रादेशीक परिशदेचें विसर्जन** ³⁰[(1) हे अनुसुचयेच्या परिच्छेद 14 खाला नेमिल्ल्या आयोगाचे शिफारसी वेल्यान राज्यपालाच्यान जाहीर अधिसुचोवणेवरवीं जिल्हो अथवा, प्रादेशीक परिशदेच्या विसर्जनाचो आदेश दिवं येता, आनी
 - (क) परिशदेचे पुनर्घडणेखातीर तत्काळ नव्यान सार्वत्रिक वेंचणूक घेंवची अशे निर्देशीत करूं येता, अथवा
 - (ख) राज्याच्या विधानमंडळाचे पूर्व मान्यतायेचे अधीनतायेन बारा म्हयन्यांपरस चड न्हय इतल्या कालावधीखातीर अशे परिशदेचे हुकूमतीखालच्या क्षेत्राचें प्रशासन स्वताकडेन घेवं येता अथवा अशा क्षेत्रांचें प्रशासन उक्त

under the Commission appointed under the said paragraph or any other body considered suitable by him for a period not exceeding twelve months:

Provided that when an order under clause (a) of this paragraph has been made, the Governor may take the action referred to in clause (b) of this paragraph with regard to the administration of the area in question pending the reconstitution of the Council on fresh general election:

Provided further that no action shall be taken under clause (b) of this paragraph without giving the District or the Regional Council, as the case may be, an opportunity of placing its views before the Legislature of the State.

³⁰[(2) If at any time the Governor is satisfied that a situation has arisen in which the administration of an autonomous district or region cannot be carried on in accordance with the provisions of this Schedule, he may, by public notification, assume to himself all or any of the functions or powers vested in or exercisable by the District Council or, as the case may be, the Regional Council and declare that such functions or powers shall be exercisable by such person or authority as he may specify in this behalf, for a period not exceeding six months:

Provided that the Governor may by a further order or orders extend the operation of the initial order by a period not exceeding six months on each occasion.

- (3) Every order made under sub-paragraph (2) of this paragraph with the reasons therefor shall be laid before the Legislature of the State and shall cease to operate at the expiration of thirty days from the date on which the State Legislature first sits after the issue of the order, unless, before the expiry of that period it has been approved by the State Legislature.]
- 17. Exclusion of areas from autonomous districts in forming constituencies in such districts. For the purposes of elections to ³¹[the Legislative Assembly of Assam or Meghalaya], the Governor may by order declare that any area within an autonomous district ³²[in the State of Assam or Meghalaya], as the case may be,] shall not form part of any constituency to fill a seat or seats in the Assembly reserved for any such district but shall form part of a constituency to fill a seat or seats in the Assembly not so reserved to be specified in the order.

³³18.*

- 19. Transitional provisions. (1) As soon as possible after the commencement of this Constitution the Governor shall take steps for the constitution of a District Council for each autonomous district in the State under this Schedule and, until a District Council is so constituted for an autonomous district, the administration of such district shall be vested in the Governor and the following provisions shall apply to the administration of the areas within such district instead of the foregoing provisions of this Schedule, namely: -
 - (a) No Act of Parliament or of the Legislature of the State shall apply to any such area unless the Governor by public notification so directs; and the Governor in giving such a direction with

परिच्छेदाखाला नेमिल्ल्या आयोगाकडेन अथवा ताका सुयोग्य दिसत अशा हेर खंयच्याय निकायाकडेन सोंपोंवं येता :

परंतु, जेन्ना ह्या परिच्छेदाच्या उपकलम (क) खाला आदेश दिल्लो आसत तेन्ना, नव्यान सार्वत्रिक वेंचणूक जावन परिशदेची पुर्नघडण जायसर राज्यपालाच्यान संबंदीत क्षेत्राच्या प्रशासनासंबंदीं ह्या परिच्छेदाच्या उपकलम (ख) हातूंत निर्दीश्ट केल्ली कारवाय करूं येता :

परंतु आनीक अशें की, त्या त्या प्रकरणाप्रमाण, जिल्हो अथवा प्रादेशीक परिशदेक राज्याच्या विधान मंडळामुखार आपणाले विचार मांडपाची संद दिलेबगर ह्या परिच्छेदाच्या उपकलम (ख) खाला कसलीच कारवाय करूंक मेळची ना.

³⁰[(2) जर खंयच्याय वेळार, स्वायत्त जिल्ह्याचें अथवा प्रदेशाचें प्रशासन हे अनुसुचयेच्या उपबंधांप्रमाण चलोवप शक्य ना अशी परिस्थिती उप्रासल्या अशी राज्यपालाची खात्री जाली जाल्यार, ताच्यान जाहीर अधिसुचोवणेवरवीं स म्हयन्यांपरस चड न्हय इतल्या कालावधीखातीर, जिल्हों परिशदेचे अथवा, त्या त्या प्रकरणाप्रमाण, प्रादेशीक परिशदेचे ठांय निहीत आशिल्ले अथवा तिका वापरंक मेळत अशे सगले अथवा तातूंतले खंयचेय कार्याधिकार अथवा अधिकार स्वताकडेन घेवं येतात, आनी अशे कार्याधिकार अथवा अधिकार तो हेसंबंदांत विनिर्दीष्ट करीत अशे व्यक्तीच्यान अथवा प्राधिकरणाच्यान वापरपासारके आसात अशें घोशीत करूं येता:

परंतु, प्रारंभीक आदेशाचें प्रवर्तन राज्यपालाच्यान फुडल्या आदेशांवरवीं दरेका प्रसंगावेळार स म्हयन्यांपरस चड न्हय इतल्या कालावधींत वाडोवं येता.

- (3) ह्या परिच्छेदाचो पोटपरिच्छेद (2) हाचेखाला केल्लो दरेक आदेश, ताचेफाटल्या कारणांसयत राज्याच्या विधानमंडळामुखार दवरतले आनी आदेश भायर सरले उपरांत राज्याच्या विधानमंडळाची जेन्ना पयवलेच फावट सभा भरतली ते तारकेसावन तीस दीस सोंपनाफुडें तो जारी आसपाचें बंद जातलें, मात तो कालावधी सोंपचे पयलीं राज्याच्या विधानमंडळान ताका मान्यताय दिल्या आसत जाल्यार गजाल वेगळी.]
- 17. स्वायत्त जिल्ह्यांनी मतदारसंघ घडयतना अशा जिल्ह्यांतल्यान क्षेत्रां वगळप ³¹[आसामाचे अथवा मेघालयाचे विधानसभेच्या] वेंचणुकांच्या प्रयोजनाखातीर, राज्यपालाच्यान आदेशावरवीं अशें घोशीत करूं येता की, ³²[त्या त्या प्रकरणाप्रमाण, आसाम अथवा मेघालय राज्यांतल्या] स्वायत्त जिल्ह्यांतलें एखादें क्षेत्र विधानसभेंत राखून दवरिल्ली सुवात अथवा दवरिल्ल्यो सुवातो भरपाखातीर घडयल्ल्या खंयच्याय मतदारसंघाचो भाग जांवचो ना, पूण आदेशांत विनिर्दीश्ट करतले ते प्रमाण विधानसभेंतली अशी राखून दवरूंक नाशिल्ली सुवात अथवा नाशिल्ल्यो सुवातो भरपाखातीर घडयल्ल्या मतदारसंघाचो भाग जातलो.

³³18. * * * *

- 19. संक्रमणी उपबंध (1) ह्या संविधानाच्या आरंभाउपरांत जाता तितले बेगीन, हे अनुसुचयेखाला राज्यांतल्या दरेका स्वायत्त जिल्ह्याखातीर जिल्हो परिशद घडीत करपाखातीर राज्यपाल कार्यवाही करतलो, आनी स्वायत्त जिल्ह्याखातीर हेप्रमाण जिल्हो परिशद घडीत जायसर, अशा जिल्ह्यासंबंदींचो प्रशासनाधिकार, राज्यपालाचे ठांय निहीत आसतलो आनी अशा जिल्ह्यांतल्या क्षेत्रांच्या प्रशासनाक हे अनुसुचयेच्या पूर्वगामी उपबंधांचे सुवातेर फुडले उपबंध लागू जातले, ते अशे :—
 - (क) संसदेचो अथवा राज्याच्या विधानमंडळाचो खंयचोच अधिनियम, राज्यपालान जाहीर अधिसुचोवणेवरवीं तशें निदेशीत केलेबगर अशा खंयच्याच क्षेत्राक लागू जांवचो ना; आनी खंयच्याय अधिनियमासंबंदीं असो निदेश

respect to any Act may direct that the Act shall, in its application to the area or to any specified part thereof, have effect subject to such exceptions or modifications as he thinks fit;

- (b) The Governor may make regulations for the peace and good government of any such area and any regulations so made may repeal or amend any Act of Parliament or of the Legislature of the State or any existing law which is for the time being applicable to such area.
- (2) Any direction given by the Governor under clause (a) of sub-paragraph (1) of this paragraph may be given so as to have retrospective effect.
- (3) All regulations made under clause (b) of sub-paragraph (1) of this paragraph shall be submitted forthwith to the President and, until assented to by him, shall have no effect.
- 20. Tribal areas. (1) The areas specified in Parts I, II and III of the table below shall respectively be the tribal areas within the State of Assam, the State of Meghalaya and the Union territory of Mizoram.
- (2) Any reference in Part I, Part II or Part III of the table below] to any district shall be construed as a reference to the territories comprised within the autonomous district of that name existing immediately before the day appointed under clause (b) of section 2 of the North-Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971:

Provided that for the purposes of clauses (e) and (f) of sub-paragraph (1) of paragraph 3, paragraph 4, paragraph 5, paragraph 6, sub-paragraph (2), clauses (a), (b) and (d) of sub-paragraph (3) and sub-paragraph (4) of paragraph 8 and clause (d) of sub-paragraph (2) of paragraph 10 of this Schedule, no part of the area comprised within the municipality of Shillong shall be deemed to be within the ³⁵[Khasi - Jaintia Hills District].

TABLE

Part I

- 1. The North Cachar Hills District.
- 2. The Mikir Hills District.

Part II

- ³⁴[1. Khasi Hills District.
- 2. Jaintia Hills District.]
- 3. The Garo Hills District.

Part III

36 * * * * *

- ³⁷[1. The Chakma District.
- 2. The Lakher District.
- 3. The Pavi District.]

दितना राज्यपालाच्यान अशें निदेशीत करूं येता की, त्या क्षेत्राक अथवा ताच्या खंयच्याय विनिर्दीष्ट भागाक लागू जातना तो अधिनियम ताका योग्य दिसतीत अशा आडवादांसयत अथवा फेरफारांसयत परिणामक जातलो;

- (ख) अशा खंयच्याय क्षेत्रांत शांतताय उरची आनी ताचें सरकार सुरळीत चलचें हेखातीर राज्यपालाच्यान विनियम करूं येतात आनी हे प्रमाण केल्ल्या कसल्याय विनियमांवरवीं, अशा क्षेत्राक त्या त्या काळांत लागू आसत असो संसदेचो अथवा राज्यांच्या विधानमंडळाचो कसलोच अधिनियम अथवा असो खंयचोच अस्तित्वांत आशिल्लो कायदो निरसीत करूं येता अथवा बदलूं येता.
- (2) ह्या परिच्छेदाचो पोटपरिच्छेद (1) हाचें उपकलम (क) हाचेखाला राज्यपाल दितलो तो कसलोय निदेश भूतलक्षी परिणामासयत दिवं येता.
- (3) ह्या परिच्छेदाचो पोटपरिच्छेद (1) हाचें उपकलम (ख) हाचेखाला केल्ले सगले विनियम तत्काळ राष्ट्रपतीमुखार दवरतले आनी, तो तांकां अनुमती दीसर, ते परिणामक जांवचे नात.
- 20. जनजाती क्षेत्रां (1) फुडल्या तकट्यांतलो भाग-1, 2 आनी 3 हातूंत विनिर्दीश्ट केल्लीं क्षेत्रां ही अनुक्रमान आसाम राज्य, मेघालय राज्य आनी मिझोरम संघ राज्यक्षेत्र हातूंतलीं जनजाती-क्षेत्रां जातलीं.
- (2) फुडल्या तकट्यांतल्या खंयच्याय जिल्ह्यासंबंदींच्या निर्देशाचो अर्थ 'ईशान्य क्षेत्रां (पुनर्रचना) अधिनियम, 1971'- अनुभाग 2 उपकलम (अ) खाला नियत केल्ले तारकेचे निकटपूर्व अस्तित्वांत आशिल्ल्या, त्या नावाच्या स्वायत्त जिल्ह्यांत आस्पावीत आशिल्ल्या राज्यक्षेत्रासंबंदींचो निर्देश, असो लायतले.

परंतु, हे अनुसुचयेचो परिच्छेद3-पोटपरिच्छेद(1)-उपकलम (ङ) आनी (च), परिच्छेद 4,- परिच्छेद 5, परिच्छेद 6, परिच्छेद 8 हाचो पोटपरिच्छेद (2), पोटपरिच्छेद (3) -उपकलम (क), (ख) आनी (ग) तशेंच पोटपरिच्छेद (4) आनी परिच्छेद 10-पोटपरिच्छेद (2)-उपकलम (ङ) हांच्या प्रयोजनाखातीर, शिलोंगाच्या नगरपालिका क्षेत्रांत आस्पावीत आशिल्ल्या त्या त्या क्षेत्रांचो खंयचोय भाग 35 [खासी - जैतियां दोंगरी जिल्ह्यांत] येतात अशें मानचे नात.

तकटा

भाग पयलो

- 1. उत्तर काचार दोंगरी जिल्हो.
- 2. मिकिर दोंगरी जिल्हो.

भाग दुसरो

- 34[1. खासी दोंगरी जिल्हो.
- 2. जैंतिया दोंगरी जिल्हो.]
- 3. गारो दोंगरी जिल्हो.

भाग तिसरो

36 *

³⁷[1. चकमा जिल्हो.

- 2. लाखेर जिल्हो.
- 3. पावी जिल्हो.]

- ³⁸[20A. Dissolution of the Mizo District Council. (1) Notwithstanding anything in this Schedule, the District Council of the Mizo District existing immediately before the prescribed date (hereinafter referred to as the Mizo District Council) shall stand dissolved and cease to exist.
- (2) The Administrator of the Union territory of Mizoram may, by one or more orders, provide for all or any of the following matters, namely:
 - (a) The transfer, in whole or in part, of the assets, rights and liabilities of the Mizo District Council (including the rights and liabilities under any contract made by it) to the Union or to any other authority;
 - (b) The substitution of the Union or any other authority for the Mizo District Council, or the addition of the Union or any other authority, as a party to any legal proceedings to which the Mizo District Council is a party;
 - (c) The transfer or re-employment of any employees of the Mizo District Council to or by the Union or any other authority, the terms and conditions of service applicable to such employees after such transfer or re-employment;
 - (d) The continuance of any laws, made by the Mizo District Council and in force immediately before its dissolution, subject to such adaptations and modifications, whether by way of repeal or amendment, as the Administrator may make in this behalf, until such laws are altered, repealed or amended by a competent Legislature or other competent authority;
 - (e) Such incidental, consequential and supplementary matters as the Administrator considers necessary.

Explanation. — In this paragraph and in paragraph 20B of this Schedule, the expression "prescribed date" means the date on which the Legislative Assembly of the Union territory of Mizoram is duly constituted under and in accordance with the provisions of the Government of Union Territories Act, 1963.

- 20B. Autonomous regions in the Union territory of Mizoram to be autonomous districts and transitory provisions consequent thereto. (1) Notwithstanding anything in this Schedule, -
 - (a) Every autonomous region existing immediately before the prescribed date in the Union territory of Mizoram shall, on and from that date, be an autonomous district in that Union territory (hereafter referred to as the corresponding new district) and the Administrator thereof may, by one or more orders, direct that such consequential amendments as are necessary to give effect to the provisions of this clause shall be made in paragraph 20 of this Schedule (including Part III of the table appended to that paragraph) and thereupon the said paragraph and the said Part III shall be deemed to have been amended accordingly;
 - (b) Every Regional Council of an autonomous region in the Union territory of Mizoram existing immediately before the prescribed date (hereafter referred to as the existing Regional Council) shall, on and from that date and until a District Council is duly constituted for the corresponding new district, be deemed to be the District Council of that district (hereafter referred to as the corresponding new District Council).

- ³⁸[20क. मिझो जिल्हो परिशदेचें विसर्जन (1) हे अनुसुचयेंत किदेंय आसलें तरी, विहीत तारकेचे निकटपूर्व अस्तित्वांत आशिल्ली मिझो जिल्ह्याची जिल्हो परिशद (हातूंत हे फुडें 'मिझो जिल्हो परिशद' म्हूण निर्देशिल्ली) विसर्जीत जातली आनी अस्तित्वांत आसपाचें बंद जातलें.
- (2) मिझोरम ह्या संघ राज्यक्षेत्राच्या प्रशासकाच्यान एका अथवा चड आदेशांवरवीं फुडल्या सगल्या अथवा तातूंतले खंयचेय गजालीखातीर उपबंध करूं येतात, त्यो अशोः—
 - (क) मिझो जिल्हो परिशदेची मत्ता, अधिकार आनी जापसालक्यो (तिणे केल्ले खंयचेय संविदेखालचे अधिकार आनी दायित्वां सयत) संघा भायर खंयच्याय प्राधिकरणाकडेन पुरायेन अथवा अंशतायेन हस्तांतरीत करप.
 - (ख) मिझो जिल्हो परिशद जातूंत पक्षकार आसत अशे खंयचेय वैध कार्यवाहेंत एक पक्षकार म्हूण मिझो जिल्हो परिशदेचे सुवातेर संघ अथवा हेर खंयचेंय प्राधीकरण हाडप, अथवा तिचे जोडयेक संघ अथवा हेर खंयचेंय प्राधीकरण सामील करप;
 - (ग) मिझो जिल्हो परिशदेच्या कर्मचाऱ्यांची संघाकडेन अथवा हेर खंयच्याय प्राधिकरणाकडेन बदली जावप अथवा संघान अथवा त्या प्राधिकरणान त्या कर्मचाऱ्यांक पर्तून सेवेंत घेवप, अशे बदलेउपरांत अथवा पुनःसेवा येवजणेउपरांत अशा कर्मचाऱ्यांक लागू आसतीत अशो सेवेची अटी;
 - (घ) मिझो जिल्हो परिशदेन केल्ले आनी तिच्या विसर्जनाचे निकटपूर्व अंमलांत आशिल्ले कसलेय कायदे सक्षम विधानमंडळाकडल्यान अथवा हेर सक्षम प्राधिकरणाकडल्यान बदलप; निरसित करप अथवा बदलप जायसर, प्रशासक हेसंबंदीं करीत अशा अनुकुलनांसयत आनी फेरफारांसयत-मागीर अशीं अनुकुलनां अथवा फेरफार निरसन म्हूण केल्लीं आसूं अथवा बदल म्हूण केल्लीं आसूं अशे कायदे चालू दवरप;
 - (ङ) प्रशासकाक गरजेचे दिसतीत अशो अनुशंगीक, परिणामी आनी पूरक गजाली.

स्परटीकरण — ह्या परिच्छेदांत आनी हे अनुसुचयेच्या परिच्छेद 20 ख हातूंत 'विहीत तारीक' ह्या उतरांचो अर्थ, 'संघ राज्यक्षेत्रांचें शासन अधिनियम, 1963' हाच्या उपबंधांखाला आनी ताचेप्रमाण ह्या सगल्या संघ राज्यक्षेत्राची विधानसभा जे तारकेक रीतसर घडीत केली ती तारीक असो आसा.

- 20ख. मिझोरम ह्या संघ राज्यक्षेंत्रांतलो स्वायत्त प्रदेश हे स्वायत्त जिल्हे आसप आनी ताच्या अनुशंगान करपाचे अशे संक्रमणी उपबंध. (1) हे अनुसुचयेंत किदेंय आस्पावीत आसलें तरी,-
 - (क) विहीत तारकेचे निकटपूर्व मिझोरम ह्या संघ राज्यक्षेत्रांत अस्तित्वांत आशिल्लो दरेक स्वायत्त प्रदेश ते तारकेक आनी तेन्नासावन त्या संघ राज्यक्षेत्रांतलो एक स्वायत्त जिल्हो (हे फुडें 'समनुरूप नवीन जिल्हो 'म्हूण निर्देशिल्लो) जातलो आनी ताच्या प्रशासकाच्यान एका अथवा चड आदेशांवरवीं, ह्या उपकलमाचे उपबंध कार्यान्वीत करपाखातीर गरजेचे आसतीत अशे परिणामी बदल हे अनुसुचयेच्या परिच्छेद 20 हातूंत (त्या परिच्छेदाक जोडिल्ल्या तकट्याच्या 3ऱ्या भागासयत) करचे असो निदेश दिवं येता आनी तेउपरांत उक्त परिच्छेद आनी उक्त 3रो भाग हे ते प्रमाण बदल्ल्यात अशें मानतले;
 - (ख) विहीत तारकेचे निकटपूर्व अस्तित्वांत आशिल्ली, मिझोरम ह्या संघ राज्यक्षेत्रांतली स्वायत्त प्रदेशाची दरेक प्रादेशीक परिशद ही (हे फुडें 'वर्तमान प्रादेशीक परिशद' म्हूण निर्देशिल्ली) ते तारकेक आनी तेन्नासावन आनी समनुरूप नवीन जिल्ह्याखातीर जिल्हो परिशद रीतसर घडीत जायसर त्या जिल्ह्याची जिल्हो परिशद (हे फुडें 'समनुरूप नवीन जिल्हो परिशद' म्हूणं निर्देशिल्ली) आसा अशें मानतले.

- (2) Every member whether elected or nominated of an existing Regional Council shall be deemed to have been elected or, as the case may be, nominated to the corresponding new District Council and shall hold office until a District Council is duly constituted for the corresponding new district under this Schedule.
- (3) Until rules are made under sub-paragraph (7) of paragraph 2 and sub-paragraph (4) of paragraph 4 of this Schedule by the corresponding new District Council, the rules made under the said provisions by the existing Regional Council and in force immediately before the prescribed date shall have effect in relation to the corresponding new District Council subject to such adaptations and modifications as may be made therein by the Administrator of the Union territory of Mizoram.
- (4) The Administrator of the Union territory of Mizoram may, by one or more orders, provide for all or any of the following matters, namely: -
 - (a) The transfer in whole or in part of the assets, rights and liabilities of the existing Regional Council (including the rights and liabilities under any contract made by it) to the corresponding new District Council;
 - (b) The substitution of the corresponding new District Council for the existing Regional Council as a party to the legal proceedings to which the existing Regional Council is a party;
 - (c) The transfer or re-employment of any employees of the existing Regional Council to or by the corresponding new District Council, the terms and conditions of service applicable to such employees after such transfer or re-employment;
 - (d) The continuance of any laws made by the existing Regional Council and in force immediately before the prescribed date, subject to such adaptations and modifications, whether by way of repeal or amendment, as the Administrator may make in this behalf until such laws are altered, repealed or amended by a competent Legislature or other competent authority;
 - (e) Such incidental, consequential and supplementary matters as the Administrator considers necessary.
- **20C. Interpretation.** Subject to any provision made in this behalf, the provisions of this Schedule shall, in their application to the Union territory of Mizorani, have effect-
- (1) As if references to the Governor and Government of the State were references to the Administrator of the Union territory appointed under article 239, references to State (except in the expression "Government of the State") were references to the Union territory of Mizoram and references to the State Legislature were references to the Legislative Assembly of the Union territory of Mizoram;

(2) As if-

(a) In sub-paragraph (5) of paragraph 4, the provision for consultation with the Government of the State concerned had been omitted:

- (2) विद्यमान प्रादेशीक परिशदेचो दरेक वांगडी हो -मागीर तो वेंचून आयिल्लो आसूं अथवा नामनिर्देशीत केल्लो आसूं समनुरूप नवे जिल्हो परिशदेचेर वेंचून आयला अशें अथवा त्या प्रकरणाप्रमाण, नामनिर्देशीत केला अशें मानतले आनी तो हे अनुसुचयेखाला समनुरूप नवीन जिल्हयाखातीर जिल्हो परिशद रीतसर घडीत करून जायसर अधिकारपद धारण करतलो.
- (3) समनुरूप नवीन जिल्हो परिशदेकडल्यान हे अनुसुचयेच्या परिच्छेद (4) चो पोटपरिच्छेद (4) हांचेखाला नेम करून जायसर, वर्तमान प्रादेशीक परिशदेन उक्त उपबंधांखाला केल्ले आनी विहीत तारकेचे निकट पूर्व अंमलांत आशिल्ले नेम मिझोरम संघ राज्यक्षेत्राचो प्रशासक तातूंत करीत अशा अनुकुलनांसयत आनी फेरफारांसयत समनुरूप नवीन जिल्हो परिशदेच्या संबंदांत परिणामक जातले.
- (4) मिझोरम ह्या संध राज्यक्षेत्राच्या प्रशासकाच्यान एका अथवा चड आदेशांवरवीं फुडले सगले अथवा तांचेमदले खंयचेय गजालीखातीर उपबंध करूं येता :—
 - (क) विद्यमान प्रादेशीक परिशदेची मत्ता, अधिकार आनी जापसालक्यो (तिणे केल्ले कसलेय संविदेखालचे अधिकार आनी जापसालक्यो हांचेसयत) समनुरूप नवीन जिल्हो परिशदेकडेन पुरायेन अथवा अंशतायेन हस्तांतरीत करप;
 - (ख) विद्यमान प्रादेशीक परिशद जातूंत पक्षकार आसत अथवा अशे कायदेशीर कार्यवाहेंत एक पक्षकार म्हूण वर्तमान प्रादेशीक परिशदेचे सुवातेर समनुरूप नवीन जिल्हो परिशद हाडप;
 - (ग) विद्यमान प्रादेशीक परिशदेच्या खंयच्याय कर्मचाऱ्यांची समनुरूप नवीन जिल्हो परिशदेकडेन बदली जावप अथवा तिणे त्या कर्मचाऱ्यांक नव्यान पर्तून सेवेंत घेवप, अशे बदलेउपरांत अथवा पुनःसेवायेवजणे उपरांत अशा कर्मचाऱ्यांक नव्यान पर्तून सेवेंत घेवप, अशे बदले उपरांत अथवा पुनःसेवा येवजणे उपरांत अशा कर्मचाऱ्यांक लागू आसतीत अशो सेवेच्यो अटी आनी नेम;
 - (घ) विद्यमान प्रादेशीक परिशदेन केल्ले आनी विहीत तारकेचे निकटपूर्व अंमलांत आशिल्ले

कसलेय कायदे सक्षम विधानमंडळाकडल्यान अथवा हेर सक्षम प्राधिकरणाकडल्यान बदलप, निरसीत करप अथवा सुदारप जायसर, प्रशासक हेसंबंदीं करीत अशा अनुकुलनांसयत आनी फेरफारांसयत - मागीर अशीं अनुकुलनां अथवा फेरफार निरसन म्हूण केल्लीं आसूं अथवा बदल म्हूण केल्लीं आसूं, अशे कायदे चालू दवरप.

- (ङ) प्रशासकाक गरजेचे दिसतीत अशो आनुशंगिक, परिणामी आनी पूरक गजाली.
- 20ग. न्यायनिर्णय हे संबंदांत केल्ल्या कसल्याय उपबंधांचे अधीनतायेन, हे अनुसुचयेचे उपबंध मिझोरम ह्या संघ राज्यक्षेत्राक लागू जातना, अशे तरेन परिणामक जातले की, —
- (1) जशेंपरीं थोडे राज्यपाल आनी राज्याचें सरकार हांचेसंबंदींचे निर्देश म्हळ्यार कलम 239 खाला नेमिल्ल्या संघ राज्यक्षेत्राच्या प्रशासकाचे निर्देश आसचे, राज्यांसंबंदींचे निर्देश ('राज्याचें सरकार' ह्या उतरांतलो उल्लेख सोडून) म्हळ्यार मिझोरम ह्या संघ राज्यक्षेत्रासंबंदींचे निर्देश आसचे आनी राज्य विधानमंडळासंबंदींचें निर्देश म्हळ्यार मिझोरम ह्या संघ राज्यक्षेत्राचे विधानसभेसंबंदींचें निर्देश आसचे;
 - (2) जशें परीं -
 - (क) परिच्छेद (4) च्या पोटपरिच्छेद (5) हातूंत संबंदीत राज्याच्या सरकाराचो विचार घेवपासंबंदींचो उपबंध गाळिल्लों आसचो,

- (b) In sub-paragraph (2) of paragraph 6, for the words "to which the executive power of the State extends", the words "with respect to which the Legislative Assembly of the Union territory of Mizoram has power to make laws" had been substituted;
 - (c) In paragraph 13, the words and figures "under article 202" had been omitted.]]
- 21. Amendment of the Schedule. (1) Parliament may from time to time by law amend by way of addition, variation or repeal any of the provisions of this Schedule and, when the Schedule is so amended, any reference to this Schedule in this Constitution shall be construed as a reference to such Schedule as so amended.
- (2) No such law as is mentioned in sub-paragraph (1) of this paragraph shall be deemed to be an amendment of this Constitution for the purposes of article 368.

Notes

- 1. Word 'Assam' substituted by North-East region (Reorganisation Act, 1971) s.71 (I) and Eighth Schedule
- 2. Subs. by the North-Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 (81 of 1971), s. 71(i) and Eighth Sch., for "Part A" (w.e.f. 21-1-1972).
- 3. Ibid. Inserted by s.71 (I) and Eighth Schedule
- 4. Subs. by the Assam Reorganisation (Meghalaya) Act, 1969 (55 of 1969), s.74 and Fourth Sch., for sub-paragraph (1) (w.e.f. 2-4-1970).
- 5. Subs. by s. 74 and Fourth Sch., ibid., for "such Councils" (w.e.f. 2-4-1970).
- 6. Ins. by s. 74 and Fourth Sch. ibid. (w.e.f. 2-4-1970).
- 7. Ibid. Inserted by s.74 and the Fourth Schedule
- 8. Ibid. Second Proviso omitted by s.74 and Fourth Schedule
- 9. Ibid. Substituted for original text by s.74 and Fourth Schedule
- 10. Subs. by the North-Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 (81 of 1971), s. 71(i) and Eighth Sch., for certain words (w.e.f. 21-1-1972).
- 11. The words "of Assam" omitted by the North-Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 (81 of 1971), s. 71(i) and Eighth Sch. (w.e.f. 21-1-1972).
- 12. Ibid. Substituted for original text by s.71 (I) and Eighth Schedule
- 13. Ins. by the Assam Reorganisation (Meghalaya) Act, 1969 (55 of 1969), s. 74 and Fourth Sch. (w.e.f. 2-4-1970).
- 14. See Now the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974).
- 15. Ins. by the Assam Reorganisation (Meghalaya) Act, 1969 (55 of 1969), s. 74 and Fourth Sch. (w.e.f. 2-4-1970).
- 16. Subs. by s. 74 and Fourth Sch., ibid., for paragraph 6 (w.e.f. 2-4-1970).
- 17. Subs. by the Assam Reorganisation (Meghalaya) Act, 1969 (55 of 1969), s. 74 and Fourth Sch., for sub-paragraph (2) (w.e.f. 2-4-1970).

- (ख) परिच्छेद 6 चो पोटपरिच्छेद (2) हातूंत 'राज्याच्या शासनाधिकाराचे व्याप्तेंत येता आसत अशी' ह्या मजकुराचे सुवातेर 'मिझोरम ह्या संघ राज्यक्षेत्राचे विधानसभेक जिच्या संबंदांत कायदे करपाचो अधिकार आसत अशी' हो मजकूर दाखल केल्लो आसचो;
 - (ग) [[परिच्छेद 13 हातूंत 'कलम 202 खाला' हो मजकूर काडून उडयल्लो आसचो.]]
- 21. अनुसुचयेंत बदल (1) संसंदेच्यान हे अनुसुचयेंत आशिल्ल्यांमदलो खंयचोय उपबंध कायद्यावरवीं त्या त्या वेळार तातूंत भर घालून, बदल करून अथवा निरसन करून तेवरवीं सुदारणा करूं येता आनी, जेन्ना ही अनुसूची हेप्रमाण बदलतली तेन्ना, हे अनुसुचयेसंबंदीं ह्या संविधानांत आशिल्ल्या खंयच्याय निर्देशाचो अर्थ हे प्रमाण बदल जाल्ले अशे अनुसुचयेसंबंदींचो निर्देश म्हूण लायतले.
- (2) ह्या परिच्छेदाचो पोटपरिच्छेद (1) हातूंत उल्लेखिल्लो असो खंयचोय कायदो हो, कलम 368 च्या प्रयोजनाखातीर ह्या संविधानाचो बदल आसा अशें मानचे नात.

टिपो

- 1. 'ईशान्य क्षेत्रां (पुनर्रचना अधिनियम, 1971'-.) अनुभाग 71 (झ) आनी आठवी अनुसूची हांचे वरवीं 'आसांमांतल्या' ह्या उतरांचे सुवातेर घाले (21/01/1972).
- 2. 'कित्तो अनुभाग 71 (झ) आनी आठवे अनुसुचयेवरवीं 'भाग क' हांचे सुवातेर हें उतर घालें.
- 3. 'कित्तो अनुभाग (झ) आनी आठवे अनुसुचयेवरवीं घालें.
- 4. 'आसाम पुनर्रचना (मेघालय) अधिनियम 1969'- अनुभाग 74 आनी चवथी अनुसूचीं हांचेवरवीं घालें (02-04-1970).
- 5. 'कित्तो अनुभाग 74 आनी चवथे अनुसुचयेवरवीं घालें.
- 6. 'आसाम पुनर्रचना (मेघालय) अधिनियम 1969'- अनुभाग 74 आनी चवथी अनुसूचीं हांचेवरवीं मूळ मजकुराचे सुवातेर घालें. (02/04/1970 सावन).
- 7. 'कित्तो अनुभाग 74 आनी चवथी अनुसूची हाचेवरवीं घालें.
- 8. 'कित्तो अनुभाग 74 आनी चवथी अनुसुची हाचेवरवीं दुसरे परंतुक निरसीत केलें.
- 9. 'कित्तो अनुभाग 74 आनी चवथी अनुसुची हाचेवरवीं मूळ मजकुराचे सुवातेर घालें.
- 10. 'ईशान्य क्षेत्रां (पुनर्रचना) अधिनियम, 1971' अनुभाग 71 (झ) आनी आठवी अनुसूचीं हाचे वरवीं मूळ मजकुराचे सुवातेर घालें. (21/01/1972).
- 11. कित्तो अनुभाग 71 (झ) आनी आठवी अनुसूची हांचेवरवीं 'आसामाच्या' हें उतर निरसीत केले.
- 12. कित्तो अनुभाग 71 (झ) आनी आठवी अनुसूची हांचेवरवीं मूळ मजकुराचे सुवातेर घालें.
- 13. 'आसाम पुनर्रचना (मेघालय) अधिनियम, 1969'- अनुभाग 74 आनी चवथी अनुसूची हाचेंवरवीं घालें (02/ 04/1970).
- 14. आतां 'फौजदारी प्रक्रिया संहिता, 1973' (174 चो 2) पळयात.
- 15. 'आसाम पुनर्रचना (मेघालय) अधिनियम, 1969'- अनुभाग 74 आनी चवथी अनुसूची हाचेंवरवीं घालें (02/04/1970).
- 16. कित्तो अनुभाग 74 आनी चवथी अनुसूची हाचेंवरवीं मूळ मजकुराचे सुवातेर घालें.
- 17. कित्तो अनुभाग 74 आनी चवथी अनुसूची हाचेंवरवीं मूळ पोटपरिच्छेद (2) चे सुवातेर घालें.

- 18. Words 'Assam and Meghalaya' depending upon respective cases, omitted by North-East region (Reorganisation) Act, 1971 s.71 (I) and Eighth Schedule
- 19. New 'Criminal Procedure Code, 1973' (see II of 1974)
- 19A. Substituted for some words by 'North-East Region (Reorganisation) Act, 1971 s.71 (I) and Eighth Schedule
- 20. Subs. by the North-Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 (81 of 1971), s. 71(i) and Eighth Sch., for "the Government of Assam" (w.e.f. 21-1-1972).
- 21. Ins. by the Assam Reorganisation (Meghalaya) Act, 1969 (55 of 1969), s. 74 and Fourth Sch. (w.e.f. 2-4-1970).
- 22. Substituted for original text by North-East Region (Reorganisation Act 1971 s.71 (I) and Eighth Schedule
- 23. Subs. by the North-Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 (81 of 1971), s. 71(i) and Eighth Sch., for "the Legislative Assembly of Assam" (w.e.f. 21-1-1972).
- 24. Ibid. Inserted by s.71 (I)
- 25. Ibid.— Paras 12A and 12B substituted for original 12A by s.71 (I) and Eighth Schedule
- Subs. by the Government of Union Territories (Amendment) Act, 1971 (83 of 1971), s. 13, for paragraph 20A (w.e.f. 29-4-1972).
- 27. The word 'Assam' omitted by North-East Region (Reorganisation) Act, 1971 and Eighth Schedule
- 28. Ibid. The word 'Assam Administration' substituted by this mention by s.71 (I) and Eighth schedule
- 29. Inserted by Assam Reorganisation (Meghalaya) Act, 1969, s.74 and Fourth schedule.
- 30. Ibid. Para 16A and its sub-para (1) given new numbers and inserted para (2) and (3) by s.74 and Fourth schedule
- 31. Words 'Legislative Assembly of Assam' substituted by this mention by North-East region (Reorganisation Act, 1971-s.71 (I) and Eighth Schedule
- 32. Ibid. Inserted by s.71 (I) and Eighth schedule
- 33. Ibid. Para 18 omitted by s.71 (I) and Eighth Schedule
- 34. Ibid. substituted for paras 20 and 20A by s.71 (I) and Eighth schedule
- 35. Original text substituted by Meghalaya Government Notification No. 31-12-11, dtd. 14-6-1973 and Meghlaya Gazette dtd. 23-06-1973, p 200.
- 36. Words 'Mizo Districts' omitted by Union Territories Govt. (Amendment) Act, 1971-s.13 (29-4 1972)
- 37. Inserted for Mizoram Gazette 1972 dtd. 05-1972, clause 1 para 2 p.17 by Mizoram Districts
 Councils (Miscellaneous Provisions) Notification 1972 (29-04-1972)
- 38. Substituted for original para 29A by paras 20A, 20B and 20C (29-04-1972) by Union Territo ries Government (Amendment) Act, 1971-s.13

- 18. 'ईशान्य क्षेत्रां (पुनर्रचना) अधिनियम, 1971'- अनुभाग 71 (झ) आनी आठवी अनुसूची हांचेवरवीं 'त्या त्या प्रकरणाप्रमाण, आसाम अथवा मेघालय' हीं उतरां निरसीत केलीं.
- 19. आतां 'फोजदारी प्रक्रिया संहिता, 1973' (1974 चो 2 पळयात)
- 19क. 'ईशान्य क्षेत्रां (पुनर्रचना) अधिनियम, 1971'- अनुभाग 71 (झ) आनी आठवी अनुसूची हांचेवरवीं थोड्या उतरांचे सुवातेर घालें.
- 20. कित्तो अनुभाग 71 (झ) आनी आठवी अनुसूची हांचेवरवीं 'आसामाचें सरकार' हांचे सुवातेर हो उल्लेख घालो.
- 21. 'आसाम पुनर्रचना (मेघालय) अधिनियम, 1969 अनुभाग 74 आनी चवथी अनुसूची हांचेवरवीं घाले.
- 22. 'ईशान्य क्षेत्रां (पुनर्रचना) अधिनियम, 1971' अनुभाग 71 (झ) आनी आठवी अनुसूची हाचेवरवीं मूळ मजकुराचे सुवातेर घालें.
- 23. कित्तो अनुभाग 71 (झ) आनी आठवी अनुसूची हांचेवरवीं 'राज्यांचें विधानमंडळ' हांचे सुवातेर हो उल्लेख घालो.
- 24. कित्तो अनुभाग 71 (झ) आनी आठवी अनुसूची हांचेवरवीं घालें.
- 25, कित्तो अनुभाग 71 (झ) आनी आठवी अनुसूची हांचे सुवातेर मूळ परिच्छेद 12 क हाचे सुवातेर 12 क आनी 12 ख हे परिच्छेद घाले.
- 26. 'संघ राज्यक्षेत्राचें शासन (बदल) अधिनियम, 1971'- अनुभाग 13 वरवीं मूळ परिच्छेद' 12ख चे सुवातेर घाले. (29/04/1972).
- 27. 'ईशान्य क्षेत्रां (पुनर्रचना) अधिनियम, 1971' आनी आठवी आनुसूची हांचेवरवीं 'आसाम' हें उतर निरसीत केलें.
- 28. कित्तो अनुभाग 71 (झ) आनी आठवी अनुसूची हांचेवरवीं 'आसामाचें शासन' हाचे सुवातेर हो उल्लेख घालो.
- 29. 'आसाम पुनर्रचना (मेघालय) अधिनियम 1969'- अनुभाग 74 आनी चवथी अनुसूची हांचेवरवीं घालें.
- 30. कित्तो अनुभाग 74 आनी चवथी अनुसूची हांचेवरवीं परिच्छेद 16 क ताचो पोटपरिच्छेद (1) म्हूण नवीन क्रमांक दिलो आनी पोटपरिच्छेद (2) आनी (3) घाले.
- 31. 'ईशान्य क्षेत्रां (पुनर्रचना) अधिनियम, 1971' अनुभाग 71 (झ) आनी आठवी अनुसूची हांचेवरवीं आसामाची विधानसभा' हांचे सुवातेर हो उल्लेख घालो.
- 32. कित्तो अनुभाग 71 (झ) आनी आठवी अनुसूची हांचेवरवीं घालें.
- 33. कित्तो अनुभाग 71 (झ) आनी आठवी अनुसूची हांचेवरवीं परिच्छेद 18 निरसीत केलो.
- 34. 'कित्तो अनुभाग 71 (झ) आनी आठवी अनुसूची हांचेवरवीं परिच्छेद 20 आनी 20 क हांचे सुवातेर घालें.
- 35. 'मेघालय शासन अधिसूचना क्रमांक 31/12/11, ता. 14/6/1973, मेघालय राजपत्र ता. 23/06/1973 पा. 200 हाचेवरवीं मूळ मजकुराचे सुवातेर घालें.
- 36. संघ राज्यक्षेत्राचे सरकार '(बदल) अधिनियम, 1971 अनुभाग 13 वरवीं 'मिझो जिल्हे' हीं उतरां निरसीत केलीं. (29/4/1972).
- 37. मिझोरम राजपत्र, 1972, ता. 05/05/1972, उपकलम 1, भाग 2, पा.17 हातूंत उजवाडायल्लो 'मिझोरम जिल्हो परिशदो' (प्रकीर्ण उपबंध) आदेश, 1972'- हाचेवरवीं घाले (29/04/1972 सावन).
- 38. 'संघ राज्यक्षेत्रांचें शासन (बदल) आधिनियम, 1971'- अनुभाग 13 वरवीं मूळ परिच्छेद 29 क चे सुवातेर 20 क, 20 ख आनी 20 ग हे परिच्छेद घाले. (29/04/1972 सावन)

SEVENTH SCHEDULE

(Article 246)

List 1. - Union List

- 1. Defence of India and every part thereof including preparation for defence and all such acts as may be conducive in times of war to its prosecution and after its termination to effective demobilisation.
 - 2. Naval, military and air forces; any other armed forces of the Union.
- ¹[2A. Deployment of any armed force of the Union or any other force subject to the control of the Union or any contingent or unit thereof in any State in aid of the civil power; powers, jurisdiction, privileges and liabilities of the members of such forces while on such deployment.]
- 3. Delimitation of cantonment areas, local self-government in such areas, the constitution and powers within such areas of cantonment authorities and the regulation of house accommodation (including the control of rents) in such areas.
 - 4. Naval, military and air force works.
 - 5. Arms, firearms, ammunition and explosives.
 - 6. Atomic energy and mineral resources necessary for its production.
- 7. Industries declared by Parliament by law to be necessary for the purpose of defence or for the prosecution of war.
 - 8. Central Bureau of Intelligence and Investigation.
- Preventive detention for reasons connected with Defence, Foreign Affairs, or the security of India; persons subjected to such detention.
 - 10. Foreign affairs; all matters which bring the Union into relation with any foreign country.
 - 11. Diplomatic, consular and trade representation.
 - 12. United Nations Organisation.
- 13. Participation in international conferences, associations and other bodies and implementing of decisions made thereat.
- 14. Entering into treaties and agreements with foreign countries and implementing of treaties, agreements and conventions with foreign countries.
 - 15. War and peace.
 - 16. Foreign jurisdiction.
 - 17. Citizenship, naturalisation and aliens.
 - 18. Extradition.
 - 19. Admission into, and emigration and expulsion from, India; passports and visas.
 - 20. Pilgrimages to places outside India.
- 21. Piracies and crimes committed on the high seas or in the air; offences against the law of nations committed on land or the high seas or in the air.

सातवी अनुसूची

(कलम 246)

वळेरी 1 - संघ वळेरी

- 1. भारत आनी ताचो दरेक भाग हांची संरक्षणाची सिद्धताय आनी झुजा काळांत झूज चालू दवरपाक आनी तें सोपलेउपरांत परिणामकारक रितीन सेवानियोजन करपाक साधक जातल्यो अशा सगल्या कृतींसयत.
 - 2. नौदळ, भूदळ, हवाई दळ, संघाचें हेर खंयचेंय सशस्त्र दळ.

¹[2क. संघाचें खंयचेंय सशस्त्र दळ अथवा संघाच्या नियंत्रणाधीन आशिल्लें हेर खंयचेंय दळ अथवा ताची खंयचीय तुकडी अथवा पथक खंयच्याय राज्यांत मुलकी सत्तेच्या आधाराखातीर प्रतियोजीत करप; हे प्रमाण प्रतियोजन केल्लें आसतनाच्या काळांतले अशा दळांच्या वांगड्यांचे अधिकार, अधिकारिताय, विशेशाधिकार आनी दायीत्वां.]

- 3. छावणी क्षेत्रांचें परिसीमन, अशा क्षेत्रांतल्यो थळाव्यो स्वराज्य संस्था, छावणी प्राधिकरणांची घडण आनी अशा क्षेत्रांतले तांचे अधिकार, आनी अशा क्षेत्रांतले तांचे राबितोवेवस्थेचें (भाडें नियंत्रणासयत) विनियमन.
 - 4. नौसैनिकी, भूसैनिकी आनी वायूसैनिकी कामां.
 - 5. शस्त्रां, अग्निशस्त्रां, दारूगुळो आनी स्फोटक जिनस.
 - 6. अणुउर्जा आनी तिच्या उत्पादनाक गरजेची आशिल्ली खनिज साधनसंपत.
- 7. संसदेन कायद्यावरवीं संरक्षणाच्या प्रयोजनाखातीर अथवा झूज चालू दवरपाखातीर गरज आसा अशें घोशीत केल्ले उद्देगधंदे.
 - 8. केंद्रीय गुप्तवार्ता आनी सोदतपास केंद्र.
 - 9. संरक्षण, विदेश वेव्हार अथवा भारताची सुरक्षितताय हांचेलागीं संबंदीत कारणांखातीर प्रतिबंधक स्थानबद्धताय; अशे स्थानबद्धतायेंत दवरिल्ल्यो व्यक्ती.
 - 10. विदेश वेव्हार; जांकां लागून संघाचो खंयच्याय परकी देशालागीं संबंद येता अशो सगल्यो गजाली.
 - 11. राजदौतिक, वाणिज्यदौतिक आनी वेपारी प्रतिनिधीत्व.
 - 12. संयुक्त राष्ट्र संघटना.
- 13. आंतरराष्ट्रीय परिशदो, अधिसंघ, आनी हेर निकाय हातूंत सहभागी जावप आनी थंय जाल्ल्या निर्णयांची अंमलबजावणी करप.
- 14. विदेशांकडेन कबलाती आनी करार करप तशेंच विदेशांकडेन केल्ल्यो कबलाती, केल्ले करार आनी अभिसमय हांची अंमलबजावणी करप.
 - 15. झूज आनी शांतताय.
 - 16. विदेश विशयक अधिकारिताय.
 - 17. नागरिकत्व, नागरिकीकरण आनी अन्यदेशीय व्यक्ती.
 - 18. प्रत्यर्पण
 - 19. भारतांत प्रवेश दिवप, आनी थंयच्यान उत्प्रवासन तशेंच निर्यापन; पारपत्रां आनी प्रवेशपत्रां.
 - 20. भारताभायल्या थळांच्यो तीर्थयात्रा.
- 21. उकत्या दर्यांत अथवा हवेंत केल्ली चांचेगिरी आनी गुन्यांव; भूंयेंचेर अथवा उक्त्या दर्यांत अथवा हवेंत आंतरराष्ट्रीय कायद्याचे आड केल्ले गुन्यांव.

- 22. Railways.
- 23. Highways declared by or under law made by Parliament to be national highways.
- 24. Shipping and navigation on inland waterways, declared by Parliament by law to be national waterways, as regards mechanically propelled vessels; the rule of the road on such waterways.
- 25. Maritime shipping and navigation, including shipping and navigation on tidal waters; provision of education and training for the mercantile marine and regulation of such education and training provided by States and other agencies.
- 26. Lighthouses, including lightships, beacons and other provision for the safety of shipping and aircraft.
- 27. Ports declared by or under law made by Parliament or existing law to be major ports, including their delimitation, and the constitution and powers of port authorities therein.
 - 28. Port quarantine, including hospitals connected therewith; seamen's and marine hospitals.
- 29. Airways; aircraft and air navigation; provision of aerodromes; regulation and organisation of air traffic and of aerodromes; provision for aeronautical education and training and regulation of such education and training provided by States and other agencies.
- 30. Carriage of passengers and goods by railway, sea or air, or by national waterways in mechanically propelled vessels.
- 31. Posts and telegraphs; telephones, wireless, broadcasting and other like forms of communication.
- 32. Property of the Union and the revenue therefrom, but as regards property situated in a State subject to legislation by the State, save in so far as Parliament by law otherwise provides.
 - 33. * * * * *
 - 34. Courts of wards for the estates of Rulers of Indian States.
 - 35. Public debt of the Union.
 - 36. Currency, coinage and legal tender; foreign exchange.
 - 37. Foreign loans.
 - 38. Reserve Bank of India.
 - 39. Post Office Savings Bank.
 - 40. Lotteries organised by the Government of India or the Government of a State.
- 41. Trade and commerce with foreign countries; import and export across customs frontiers; definition of customs frontiers.
 - 42. Inter-State trade and commerce.
- 43. Incorporation, regulation and winding up of trading corporations, including banking, insurance and financial corporations but not including co-operative societies.

- 22. tod
- 23. संसदेन केल्ल्या कायद्यावरवीं अथवा ताचेखाला राष्ट्रीय महामार्ग आसात अशे घोशीत केल्ले महामार्ग.
- 24. यंत्रचालीत जलयानासंबंदीं संसदेन कायद्यावरवीं राष्ट्रीय जलमार्ग आसात अशें घोशीत केल्ल्या अन्तर्देशीय जलमार्गावेलें नौपरिवहन आनी नौकानयन;अशा जलमार्गावेलें पथनियमन.
- 25. सागरी नौपरिवहन आनी नौकानयन वेलाजलावेलें नौपरिवहन आनी नौकानयन हांचेसयत; वेपारी नाविकांच्या शिक्षणाची आनी प्रशिक्षणाची सोय आनी राज्य सरकारां तशेंच हेर संस्था हांचेकडल्यान दितात त्या शिक्षणाचें आनी प्रशिक्षणाचें विनियमन.
- 26. दिव्याघरां प्रकाशनौका, संकेतदीप आनी नौका तशेंच विमानां हांचे सुरक्षिततायेखातीर हेर उपबंध हांचेसयत.
- 27. संसदेन केल्लो कायदो अथवा अस्तित्वांत आशिल्लो कायदो हांचेवरवीं अथवा तेखाला व्हडलीं बंदरां आसात अशें घोशीत केल्लीं बंदरां तांचें परिसीमन हांचेसयत; आनी तातूंतल्या बंदर प्राधिकरणांची घडण आनी तांचे अधिकार.
- 28. बंदरावेलो पृथक्वास ताचेकडेन संलग्न आशिल्लीं रूग्णालयां हांचेसयत; खलाशांचीं आनी सागरी रूग्णालयां.
- 29. हवाईमार्ग, विमानां आनी हवाई नौकानयन; विमानतळांची सोय; हवाई येरादार आनी विमानतळ हांचें विनियमन आनी सुरळीत वेवस्था; विमानसेवेच्या शिक्षणाची आनी प्रशिक्षणाची सोय आनी राज्य सरकारां तशेंच हेर संस्था हांचेकडल्यान दितात त्या शिक्षणाचें आनी प्रशिक्षणाचें विनियमन.
 - 30. रेल्वेमार्गान, समुद्रमार्गान अथवा हवाईमार्गान अथवा यंत्रचालीत जलयानांतल्यान राष्ट्रीय जलमार्गांनी उतारूंच्या मालाचें हाडप-व्हरप.
 - 31. टपाल आनी तार; दूरध्वनी, बिनतारी यंत्रां, ध्वनिक्षेपण तशेंच हेर तत्सम स्वरूपाचीं दळण-वळण साधनां.
- 32. संघाची संपत्ती आनी तिचेपसून मेळपी महसूल, पूण ³*** राज्यांत आशिल्ले संपत्तेच्या संबंदांत, संसद कायद्यावरवीं हेर तरेन उपबंध करीत तितली मर्यादा कडेक काडून त्या राज्याच्या विधिविधानाचे अधीनतायेन.
 - 33. *
 - 34. भारतीय संस्थानांच्या अधिपतींच्या संपदांखातीर पाल्याधिकरणां.
 - 35. संघाचें लोक रीण.
 - 36. चालन, नाणे येवजणा आनी वैध निविदान; परकी चलन.
 - 37. विदेशी रीणां.
 - 38. भारतीय रिझर्व बँक.
 - 39. टपालघर बचत बँक.
 - 40. भारत सरकारान अथवा राज्याच्या सरकारान आयोजीत केल्ल्यो सोर्ती.
- 41. विदेशांकडेन वेपार आनी वाणिज्य; सीमाशुल्क सरादीं वेल्यान आयात आनी निर्यात; सीमाशुल्क सरादींची निश्चिती.
 - 42. आंतरराज्यीय वेपार आनी वाणिज्य.
- 43. बँक वेवसायी, विमो वेवसायी, आनी वित्तीय निगम धरून वेपारी निगमांचें निगमन, विनियमन आनी परिसमापन -पूण हातूंत सहकारी सोसायट्यांचो आस्पाव ना.

- 44. Incorporation, regulation and winding up of corporations, whether trading or not, with objects not confined to one State, but not including universities.
 - 45. Banking.
 - 46. Bills of exchange, cheques, promissory notes and other like instruments.
 - 47. Insurance.
 - 48. Stock exchanges and futures markets.
 - 49. Patents, inventions and designs; copyright; trade-marks and merchandise marks.
 - 50. Establishment of standards of weight and measure.
- 51. Establishment of standards of quality for goods to be exported out of India or transported from one State to another.
- 52. Industries, the control of which by the Union is declared by Parliament by law to be expedient in the public interest.
- 53. Regulation and development of oilfields and mineral oil resources; petroleum and petroleum products; other liquids and substances declared by Parliament by law to be dangerously inflammable.
- 54. Regulation of mines and mineral development to the extent to which such regulation and development under the control of the Union is declared by Parliament by law to be expedient in the public interest.
 - 55. Regulation of labour and safety in mines and oilfields.
- 56. Regulation and development of inter-State rivers and river valleys to the extent to which such regulation and development under the control of the Union is declared by Parliament by law to be expedient in the public interest.
 - 57. Fishing and fisheries beyond territorial waters.
- 58. Manufacture, supply and distribution of salt by Union agencies; regulation and control of manufacture, supply and distribution of salt by other agencies.
 - 59. Cultivation, manufacture, and sale for export, of opium.
 - 60. Sanctioning of cinematograph films for exhibition.
 - 61. Industrial disputes concerning Union employees.
- 62. The institutions known at the commencement of this Constitution as the National Library, the Indian Museum, the Imperial War Museum, the Victoria Memorial and the Indian War Memorial, and any other like institution financed by the Government of India wholly or in a part and declared by Parliament by law to be an institution of national importance.
- 63. The institutions known at the commencement of this Constitution as the Benares Hindu University, the Aligarh Muslim University and the ⁴[Delhi University; the University established in pursuance of article 371E;] any other institution declared by Parliament by law to be an institution of national importance.

- 44. जांचीं उद्दिष्टां एका राज्यापुरतीं मर्यादीत नात अशा निगमांचें मागीर ते वेपारी आसूं अथवा नासूं निगमन, विनियमन आनी परिसमापन-पूण हांतूंत विद्यापीठांचो आस्पाव ना.
 - 45. बँक वेवसाय.
 - 46. विनियमपत्रां, धनादेश, वचन चिटी आनी हेर तत्सम संलेख.
 - 47. विमो.
 - 48. रोखे-बाजार आनी कायदे बाजार.
 - 49. बुद्धी संपदा, कल्पक सोद आनी संकल्पचित्रां; कॉपीरायट; वेपार चिन्हां आनी पण्य चिन्हां.
 - 50. वजनां आनी मापां हांचीं मानकां प्रस्थापीत करप.
- 51. भारतांतल्यान निर्यात करपाच्या अथवा एका राज्यांतल्यान दुसऱ्या राज्यांत वाहतूक करपाच्या मालाच्या प्रतींची मानकां प्रस्थापीत करप.
- 52. जांचें नियंत्रण भौशीक हिताखातीर संघाकडल्यान जावप समयोचित आसा अशें संसदेन कायद्यावरवीं घोशीत केलां आसत ते उद्देगधंदे.
- 53. तेलक्षेत्रां आनी खनिज तेलाची साधन संपत हांचें विनियमन तशेंच उदरगत; पेट्रोलियम आनी पेट्रोलियम उत्पादनां; भयंकर ज्वालाग्राही आसात अशें संसदेन कायद्यावरवीं घोशीत केल्लीं हेर द्रव्यां आनी घन पदार्थ.
- 54. खणींचें विनियमन आनी खनिज विकास हीं जितले व्याप्तेमेरेन भौशीक हिताखातीर संघाच्या नियंत्रणाखाला आसप समयोचित आसा अशें संसदेन कायद्यावरवीं घोशीत केल्लें आसत तितलेमेरेन अशे

विनियमन आनी विकास.

- 55. खणींतल्या आनी तेलक्षेत्रांतल्या श्रमिकांचें विनियमन आनी सुरक्षितताय.
- 56. आंतरराज्यीय न्हंयों आनी न्हयांचीं खोरीं हांचें विनियमन आनी विकास जे व्याप्तेमेरेन भौशीक हिताखातीर संघाच्या नियंत्रणाखाला आसप समयोचित आसा अशें संसदेन कायद्यावरवीं घोशीत केलां आसत तितलेमेरेन अशें विनियमन आनी विकास.
 - 57. क्षेत्रीय जलधीच्या पेल्यानचीं नुस्तेंमारी आनी नुस्त्या क्षेत्रां.
- 58. संघीय यंत्रणांच्या मार्फत मिठाचें उत्पादन, पुरवण आनी वितरण; हेर यंत्रणांच्या मार्फतीन जावपी मिठाचें उत्पादन, पुरवण आनी वितरण हांचें विनियमन आनी नियंत्रण.
 - 59. अफूची लागवड, निर्मणी आनी निर्यातीखातीर विक्री.
 - 60. चलचित्रांक प्रदर्शनाखातीर मंजुरी दिवप.
 - 61. संघाच्या कर्मचाऱ्यांच्या संबंदांतले उद्देगीक तंटे.
- 62. ह्या संविधानाच्या आरंभाक राष्ट्रीय ग्रंथालय, भारतीय संग्रहालय, इम्पीरियल झूज, संग्रहालय, व्हिक्टोरिया स्मारक आनी भारतीय झूज स्मारक म्हूण वळखतात अशो संस्था, आनी भारत सरकाराकडल्यान पुरायेन अथवा अंशंतायेन जिचो खर्च चलयतात अशी आनी संसदेन कायद्यावरवीं राष्ट्रीय म्हत्वाची संस्था म्हूण घोशीत केल्ली हेर खंयचीय तत्सम संस्था.
- 63. ह्या संविधानाच्या आरंभाक बनारस हिंदू विद्यापीठ, अलिगढ मुस्लिम विद्यापीठ आनी ⁴[दिल्ली विद्यापीठ म्हूण वळखतात त्यो संस्था; कलम 371 ङ प्रमाण स्थापन जाल्लें विद्यापीठ;] संसदेन कायद्यावरवीं राष्ट्रीय म्हत्वाची संस्था म्हूण घोशीत केल्ली हेर खंयचीय संस्था.

- 64. Institutions for scientific or technical education financed by the Government of India wholly or in part and declared by Parliament by law to be institutions of national importance.
 - 65. Union agencies and institutions for-
 - (a) Professional, vocational or technical training, including the training of police officers; or
 - (b) The promotion of special studies or research; or
 - (c) Scientific or technical assistance in the investigation or detection of crime.
- 66. Co-ordination and determination of standards in institutions for higher education or research and scientific and technical institutions.
- 67. Ancient and historical monuments and records, and archaeological sites and remains ⁵[declared by or under law made by Parliament] to be of national importance.
- 68. The Survey of India, the Geological, Botanical, Zoological and Anthropological Surveys of India; Meteorological organisations.
 - 69. Census.
 - 70. Union Public Service; All-India Services; Union Public Service Commission.
- 71. Union pensions, that is to say, pensions payable by the Government of India or out of the Consolidated Fund of India.
- 72. Elections to Parliament, to the Legislatures of States and to the offices of President and Vice-President; the Election Commission.
- 73. Salaries and allowances of members of Parliament, the Chairman and Deputy Chairman of the Council of States and the Speaker and Deputy Speaker of the House of the People.
- 74. Powers, privileges and immunities of each House of Parliament and of the members and the Committees of each House; enforcement of attendance of persons for giving evidence or producing documents before committees of Parliament or commissions appointed by Parliament.
- 75. Emoluments, allowances, privileges, and rights in respect of leave of absence, of the President and Governors; salaries and allowances of the Ministers for the Union; the salaries, allowances, and rights in respect of leave of absence and other conditions of service of the Comptroller and Auditor-General.
 - 76. Audit of the accounts of the Union and of the States.
- 77. Constitution, organisation, jurisdiction and powers of the Supreme Court (including contempt of such Court), and the fees taken therein; persons entitled to practise before the Supreme Court.
- 78. Constitution and organisation ⁶[(including vacations)] of the High Courts except provisions as to officers and servants of High Courts; persons entitled to practise before the High Courts.
- ⁷[79. Extension of the jurisdiction of a High Court to, and exclusion of the jurisdiction of a High Court from, any Union territory.]
- 80. Extension of the powers and jurisdiction of members of a police force belonging to any State to any area outside that State, but not so as to enable the police of one State to exercise powers and

- 64. भारत सरकाराकडल्यान पुरायेन अथवा अंशतायेन जांचो खर्च चलयतात अशो आनी संसदेन कायद्यावरवीं राष्ट्रीय म्हत्वाच्यो संस्था म्हूण घोशीत केल्ल्यो वैज्ञानीक अथवा तांत्रीक शिक्षणाच्यो संस्था.
 - 65.(क) वेवसायासंबंदींचें वेवसायीक अथवा तांत्रीक प्रशिक्षण पुलीस अधिकाऱ्यांचें प्रशिक्षण धरून; अथवा
 - (ख) खाशेलो अभ्यास अथवा संशोधन हांचें प्रवर्धन; अथवा
 - (ग) गुन्यांवांचो सोदतपास अथवा तलास करपाच्या कामांत वैज्ञानीक अथवा तांत्रीक आधार, हांचेखातीर अभिकरणां आनी संस्था.
- 66. उच्च शिक्षणाच्यो अथवा संशोधनाच्यो संस्था आनी वैज्ञानीक आनी तांत्रीक संस्था हांच्यातल्या दर्ज्यांचें समन्वयन आनी निर्धारण.
- 67. ⁵[संसदेन केल्ल्या कायद्यावरवीं अथवा ताचेखाला] राष्ट्रीय म्हत्वांचीं म्हूण ⁵[घोशीत] केल्लीं प्राचीन आनी ईतिहासीक स्मारक शिल्पां आनी अभिलेख, तशेंच पुरातत्त्व थळां आनी अवशेश.
- 68. भारताचें सर्वेक्षण भारताची भूशास्त्रीय, वनस्पतशास्त्रीय, प्राणिशास्त्रीय आनी मानवशास्त्रीय सर्वेक्षणां; हवामानशास्त्रीय संघटना.
 - 69. जनगणना.
 - 70. संघ लोक सेवा; अखिल भारतीय सेवा; संघ लोकसेवा आयोग.
- 71. संघीय पेन्शनी, म्हळ्यार भारत सरकाराकडल्यान अथवा भारताच्या एकवटीत निधींतल्यान प्रदेय आशिल्ल्यो पेन्शनी.
 - 72. संसदेच्यो, राज्यांच्यो, विधानमंडळांच्यो आनी राष्ट्रपती तशेंच उपराष्ट्रपती हांच्या अधिकारपदांच्यो वेंचणुकों; वेंचणूक आयोग.
- 73. संसदेचे वांगडी, राज्यसभेचो सभापती आनी उपसभापती तशेंच लेकसभेचो अध्यक्ष आनी उपाध्यक्ष हांचे पगार तशेंच भत्ते.
- 74. संसदेचें दरेक सभाघर आनी दरेका सभाघराचे वांगडी तशेंच सिनत्यो हांचे अधिकार, विशेशाधिकार आनी उन्मुक्त्यो; संसदेच्या सिनत्यांमुखार अथवा संसदेन नेमिल्ल्या आयोगामुखार साक्ष दिवपाखातीर अथवा दस्तावेज दाखल करपाखातीर व्यक्तींक हाजीर रावपाक सक्तीचें करप.
- 75. राष्ट्रपती आनी राज्यपाल हांचे परिलाभ, भत्ते, विशेशाधिकार तशेंच गैरहाजिरी-रजेसंबंदींचें अधिकार; संघाच्या मंत्र्यांचे पगार आनी भत्ते; नियंत्रक आनी महालेखा परीक्षक हाचो पगार, भत्ते आनी गैरहाजिरी-रजेसंबंदींचे अधिकार तशेंच हेर सेवा-अटी.
 - 76. संघाच्या आनी राज्यांच्या लेख्यांची लेखापरीक्षा.
- 77. सर्वोच्च न्यायालयाची घडण, रचणूक, अधिकारिताय आनी अधिकार (अशा न्यायालयांच्या अवमानासंबंदींचे अधिकार धरून) आनी तांतृत घेतात ती फी; सर्वोच्च न्यायालयांत वेवसाय करपाक हक्कदार आशिल्ल्यो व्यक्ती.
- 78. उच्च न्यायालयांचे अधिकारी तशेंच कर्मचारी हांचेसंबंदींचे उपबंध सोंडून उच्च न्यायालयांची घडण आनी रचणूक ⁶[(दीर्घ सुटयो धरून]; उच्च न्यायालयांत वेवसाय करपाक हक्कदार आशिल्ल्यो व्यक्ती.
- ⁷[79. खंयच्याय संघ राज्यक्षेत्राचेर एखाद्या उच्च न्यायालयाचे अधिकारितायेंचें विस्तारण आनी ताचेपासून उच्च न्यायालयाचे अधिकारिताचें वर्जन.]
- 80. खंयच्याय राज्याच्या पुलीस दलाच्या वांगङ्यांच्या अधिकारांचें आनी अधिकारितायेचें त्या राज्याभायल्या खंयच्याय क्षेत्राचेर विस्तारण पूण जाकालागून एका राज्याच्या पुलीस दलाक त्या राज्याभायल्या खंयच्याय क्षेत्रांत,

jurisdiction in any area outside that State without the consent of the Government of the State in which such area is situated; extension of the powers and jurisdiction of members of a police force belonging to any State to railway areas outside that State.

- 81. Inter-State migration; inter-State quarantine.
- 82. Taxes on income other than agricultural income.
- 83. Duties of customs including export duties.
- 84. Duties of excise on tobacco and other goods manufactured or produced in India except-
 - (a) Alcoholic liquors for human consumption.
 - (b) Opium, Indian hemp and other narcotic drugs and narcotics,

But including medicinal and toilet preparations containing alcohol or any substance included in sub-paragraph (b) of this entry.

- 85. Corporation tax.
- 86. Taxes on the capital value of the assets, exclusive of agricultural land, of individuals and companies; taxes on the capital of companies.
 - 87. Estate duty in respect of property other than agricultural land.
 - 88. Duties in respect of succession to property other than agricultural land.
- 89. Terminal taxes on goods or passengers, carried by railway, sea or air; taxes on railway fares and freights.
 - 90. Taxes other than stamp duties on transactions in stock exchanges and futures markets.
- 91. Rates of stamp duty in respect of bills of exchange, cheques, promissory notes, bills of lading, letters of credit, policies of insurance, transfer of shares, debentures, proxies and receipts.
 - 92. Taxes on the sale or purchase of newspapers and on advertisements published therein.
- ⁸[92A. Taxes on the sale or purchase of goods other than newspapers, where such sale or purchase takes place in the course of inter-State trade or commerce.]
- ⁹[92B. Taxes on the consignment of goods (whether the consignment is to the person making it or to any other person), where such consignment takes place in the course of inter-State trade or commerce.]
 - 93. Offences against laws with respect to any of the matters in this List.
 - 94. Inquiries, surveys and statistics for the purpose of any of the matters in this List.
- 95. Jurisdiction and powers of all courts, except the Supreme Court, with respect to any of the matters in this List; admiralty jurisdiction.
 - 96. Fees in respect of any of the matters in this List, but not including fees taken in any court.
- 97. Any other matter not enumerated in List II or List III including any tax not mentioned in either of those Lists.

ज्या राज्यांत तें क्षेत्र आसत ताच्या सरकाराचे अनुमतेबगर अधिकारांचो आनी अधिकारितेचो वापर करप शक्य जातलें अशे तरेन न्हय; खंयच्याय राज्याच्या पुलीस दळाच्या वांगड्याचें आनी अधिकारितायेचें त्या राज्याभायल्या रेल्वे क्षेत्रांचेर विस्तारण.

- 81. आंतरराज्य स्थलांतर; आंतरराज्य पृथक्वास;
- 82. कृषी प्राप्तेपरस हेर प्राप्तेवेलो कर.
- 83. निर्यात शुल्कांसयत सीमा शुल्कां.
- 84. भारतांत निर्मिल्लो अथवा उत्पादिल्लो तंबाकू आनी हेर माल हांचेवलें उत्पादन शुल्क -
 - (क) मानवी सेवनाखातीर मद्यार्कयुक्त सोरो.
 - (ख) अफू, भांग, हेर घुंवळे वखदी जिनस आनी घुंवळे जिनस,
- हे सोडून, पूण मद्यार्कान अथवा हे नोंदीचो पोटपरिच्छेद (ख) हातूंत आस्पावीत आशिल्ल्या खंयच्याय जिनसांचें अशें वखदी आनी सिद्धपदार्थ धरून
- 85. निगम कर
- 86. व्यक्ती आनी कंपन्यो हांचे मत्तेच्यो शेतजमनी सोडून पुंजीगत मूल्ल्यांवेलो कर; कंपन्यांच्या भांडवलावेलो कर.-
 - 87. शेतजमनीपरस हेर संपत्तेच्या संबंधांतलें संपदा शुल्क.
 - 88. शेतजमनीपरस हेर संपत्तेच्या उत्तराधिकाराच्या संबंधांतलीं शुल्कां.
 - 89. रेल्वेमार्गान, समुहमार्गान वा हवाईमार्गान हाड-व्हर करतात त्या म्हालावेलो वा उतारूंवेलो सीमा-कर; रेल्वे भाडीं आनी वाहणावळी हांचेवेलो कर.
 - 90. रोखे-बाजार आनी वायदे-बाजार हांचेभितरल्या संवेव्हारावेलो मुद्रांक- शुद्कांक हांचेपरस हेर कर.
- 91. विनियमपत्रां, धनादेश, वचनचिटी, भरणपत्रां, पतपत्रां, शेअर्साचें हस्तांतरण, रीणपत्रां, प्रतिपत्रां आनी पावत्यो हांचे संबंधांतल्या मुद्रांक-शुल्कांचे दर.
 - 92. खबरेपत्रांची विक्री वा खरेदी हांचेवेलो आनी तातूंत उजवाडा आयिल्ल्या जायरातींवेलो कर.
- ⁸[92क. खबरेपत्रांपरस हेर मालाची विक्री अथवा खरेदी जंय आंतरराज्यीय वेपार अथवा वाणिज्य वेव्हार हांच्या ओघांत घडटा थंय, अशी विक्री अथवा खरेदी हांचेवेलो कर.]
- ⁹[92ख. आंतरराज्यीय वेपार अथवा वाणिज्य वेव्हार हांच्या ओघांत मालाचें धाडप जालां आसल्यार, अशा मालाच्या धाडपाचेर कर (मागीर असो माल तो धाडपी व्यक्तीकडेनूच धाडिल्लो आसूं अथवा हेर खंयचेय व्यक्तीकडेन धाडिल्लो आसूं,)]
 - 93. हे वळेरेंत आशिल्लेमदले खंयचेय गजालीसंबंदींच्या कायद्याआड गुन्यांव.
 - 94. हे वळेरेंत आशिल्लेमदले खंयचेय गजालीच्या प्रयोजनाखातीर चवकशो, सर्वेक्षणां आनी आंकडेवारी.
- 95. हे वळेरेंत आशिल्लेमदले खंयचेय गजालीसंबंदीं सर्वोच्च न्यायालय सोडून सगल्या न्यायालयांची अधिकारिताय आनी तांचे अधिकार; नौविधि अधिकारिताय.
- 96. हे वळेरेंत आशिल्लेमदले खंयचेय गजालीसंबंदींचीं फी,-पूण हातूंत खंयच्याय न्यायालयांत घेतात ते फियेचो आस्पाव ना.
- 97. वळेरी-2 अथवा वळेरी-3 हातूंत नमूद करूंक नाशिल्ली हेर कसलीय गजाल-तांचेमदले खंयचेच वळेरेंत उल्लेखूंक नाशिल्लो कसलोय कर धरून.

List 2. — State List

- 1. Public order (but not including ¹⁰ [the use of any naval, military or air force or any other armed force of the Union or of any other force subject to the control of the Union or of any contingent or unit thereof] in aid of the civil power).
 - ¹¹[2. Police (including railway and village police) subject to the provisions of entry 2A of List I.]
- 3. ¹²*** Officers and servants of the High Court; procedure in rent and revenue courts; fees taken in all courts except the Supreme Court.
- 4. Prisons, reformatories, Borstal institutions and other institutions of a like nature, and persons detained therein; arrangements with other States for the use of prisons and other institutions.
- 5. Local government, that is to say, the constitution and powers of municipal corporations, improvement trusts, district boards, mining settlement authorities and other local authorities for the purpose of local self-government or village administration.
 - 6. Public health and sanitation; hospitals and dispensaries.
 - 7. Pilgrimages, other than pilgrimages to places outside India.
- 8. Intoxicating liquors, that is to say, the production, manufacture, possession, transport, purchase and sale of intoxicating liquors.
 - 9. Relief of the disabled and unemployable.
 - 10. Burials and burial grounds; cremations and cremation grounds.

¹³11. * * * * *

- 12. Libraries, museums and other similar institutions controlled or financed by the State; ancient and historical monuments and records [other than those declared by or under law made by Parliament] to be of national importance.
- 13. Communications, that is to say, roads, bridges, ferries, and other means of communication not specified in List I; municipal trams ways; ropeways; inland waterways and traffic thereon subject to the provisions of List I and List III with regard to such waterways; vehicles other than mechanically propelled vehicles.
- 14. Agriculture, including agricultural education and research, protection against pests and prevention of plant diseases.
- 15. Preservation, protection and improvement of stock and prevention of animal diseases; veterinary training and practice.
 - 16. Pounds and the prevention of cattle trespass.
- 17. Water, that is to say, water supplies, irrigation and canals, drainage and embankments, water storage and water power subject to the provisions of entry 56 of List I.
- 18. Land, that is to say, rights in or over land, land tenures including the relation of landlord and tenant, and the collection of rents; transfer and alienation of agricultural land; land improvement and agricultural loans; colonization.

¹³[19.

¹³[20.

13[21. Fisheries.

वळेरी 2 - राज्य वळेरी.

- 1. भौशीक सुवेवस्था (पूण हातूंत मुलकी सत्तेच्या आधाराखातीर) ¹⁰[नौदळ, भूदळ अथवा हवाई दळ अथवा संघाची हेर खंयचीय सशस्त्र दळ हांचो अथवा संघाच्या नियंत्रणाधीन आसपी हेर खंयच्या दळाचो अथवा ताची खंयचीय तुकडी अथवा पथक हांचो वापर] आस्पावीत ना.
 - 11[2. पुलीस (रेल्वे आनी ग्राम पुलीस हांचेसयत) 1ले सुचयेंतली नोंद क्र. 2 क च्या उपंबंधांचे अधीनतायेन]
- 3.¹² *** उच्च न्यायालयाचे अधिकारी आनी कर्मचारी; भाडें आनी महसूल न्यायालयांतली प्रक्रिया, सर्वोच्च न्यायालय सोड्न सगल्या न्यायालयांत घेतात ती फी.
- 4. बंदखणी, सुधारालयां, बोस्टल संस्था आनी तत्सम स्वरूपाच्यो हेर संस्था, आनी तातूंत आडावन दविरिल्ल्यो व्यक्ती, बंदखणींच्या आनी हेर संस्थांच्या वापराखातीर हेर राज्यांवांगडा संवेवस्था.
- 5. थळावीं स्वराज्य शासनां म्हळ्यार महानगरपालिका, सुधारणा विश्वस्त मंडळां, जिल्हो मंडळां, खणी वस्ती प्राधिकरणां आनी थळावें स्वयंशासन अथवा ग्राम प्रशासन हांच्या प्रयोजनाखातीर आशिल्लीं हेर थळावीं प्राधिकरणां हांची घडण आनी तांचे अधिकार.
 - 6. भौशीक भलायकी आनी नितळसाण, रूग्णालयां आनी दवाखाने.
 - 7. भारताभायल्या थळांच्या यात्रांपरस हेर यात्रा.
 - 8. मादक सोरो म्हळ्यार मादक सोऱ्याचें उत्पादन, निर्मणी, ताबो, येरादार, खरेदी आनी विक्री.
 - 9. निसमर्थ आनी निकामी आशिल्ल्यांक आधार.
 - 10. दफन, आनी मसंडवट; दफनां आनी मंसंडवटी.

¹³11. * *

- 12. राज्याच्या नियंत्रणाखाला आशिल्लीं आनी ताचेकडल्यान जांचो खर्च चलता अशीं ग्रंथालयां, संग्रहालयां आनी हेर तत्सम संस्था; ¹⁴[संसदेन केल्ल्या कायद्यावरवीं अथवा ताचेखाला] राष्ट्रीय म्हत्वाचीं म्हूण घोशीत केल्ल्यांपरस हेर प्राचीन आनी ईतिहासीक स्मारक शिल्यां आनी अभिलेख.
- 13. दळणवळण, म्हळ्यार रस्ते, पूल, तारी आनी पयले अनुसुचयेंत विनिर्दीष्ट करूंक नाशिल्लीं हेर दळणवळण साधनां; नगरपालिका; द्राममार्ग; रज्जुमार्ग; अंतर्देशीय जलमार्ग आनी तांचेवेली वाहतूक, अशा जलमार्गंसंबंदीं पयले अनुसुचयेंत आनी तिसरे अनुसुचयेंत आशिल्ल्या उपबंधांचे अधीनतायेन; यंत्राचालीत वाहनांपरस हेर वाहनां.
- 14. कृषि-कृषिविशयक शिक्षण आनी संशोधन, उपद्रवी जीवजंतूंपासून राखण आनी वनस्पती रोगांक प्रतिबंध हांचे सयत.
 - 15. पशुधनाची जतनाय, राखण आनी सुदारणा तशेंच पशुरोगांक प्रतिबंध, पशुवैजकी प्रशिक्षण आनी वेवसाय.
 - 16. कोंडवाडे आनी पशु-अतिचाराक प्रतिबंध.
- 17. उदक, म्हळ्यार पयले अनुसुचयेंतली नोंद-56 हिच्या उपबंधांचे अधीनतायेन, उदकाचे सांठे, जलसिंचन आनी कालवे, जलनिरसारण तशेंच बंधारे, उदकाची साठवण आनी जलशक्ती.
- 18. भूंय म्हळ्यार भूंयेतले अथवा तिचेवेले अधिकार, जमीन धनी आनी कुळां हांचे संबंद धरून भूश्रृती आनी खडांची वसुली; शेतजमनीचें हस्तांतरण आनी अन्यक्रामण जमीन-सुदारणा आनी कृषिविशयक रिणां; वसाहतीकरण.

¹³[19.

¹³[20.

¹³[21 . नुस्त्या क्षेत्रां.

- 22. Courts of wards subject to the provisions of entry 34 of List I; encumbered and attached estates.
- 23. Regulation of mines and mineral development subject to the provisions of List I with respect to regulation and development under the control of the Union.
 - 24. Industries subject to the provisions of 15 [entries 7 and 52] of List I.
 - 25. Gas and gas-works.
 - 26. Trade and commerce within the State subject to the provisions of entry 33 of List III.
 - 27. Production, supply and distribution of goods subject to the provisions of entry 33 of List III.
 - 28. Markets and fairs.

16_{29.} *

- 30. Money-lending and money-lenders; relief of agricultural indebtedness.
- 31. Inns and inn-keepers.
- 32. Incorporation, regulation and winding up of corporations, other than those specified in List I, and universities; unincorporated trading, literary, scientific, religious and other societies and associations; co-operative societies.
- 33. Theatres and dramatic performances; cinemas subject to the provisions of entry 60 of List I; sports, entertainments and amusements.
 - 34. Betting and gambling.
 - 35. Works, lands and buildings vested in or in the possession of the State.

¹⁷36. *

- 37. Elections to the Legislature of the State subject to the provisions of any law made by Parliament.
- 38. Salaries and allowances of members of the Legislature of the State, of the Speaker and Deputy Speaker of the Legislative Assembly and, if there is a Legislative Council, of the Chairman and Deputy Chairman thereof.
- 39. Powers, privileges and immunities of the Legislative Assembly and of the members and the committees thereof, and, if there is a Legislative Council, of that Council and of the members and the committees thereof; enforcement of attendance of persons for giving evidence or producing documents before committees of the Legislature of the State.
 - 40. Salaries and allowances of Ministers for the State.
 - 41. State public services; State Public Service Commission.
- 42. State pensions, that is to say, pensions payable by the State or out of the Consolidated Fund of the State.
 - 43. Public debt of the State
 - 44. Treasure trove.
- 45. Land revenue, including the assessment and collection of revenue, the maintenance of land records, survey for revenue purposes and records of rights, and alienation of revenues.
 - 46. Taxes on agricultural income.
 - 47. Duties in respect of succession to agricultural land.
 - 48. Estate duty in respect of agricultural land.

- 22. पाल्याधिकरणां पयले वळेरेंतली नोंद 34 हिच्या उपबंधांचे अधिनतायेन, भारग्रस्त आनी जप्त केल्ल्यो संपदा.
- 23. खणींचें विनियमन आनी खनिज विकास-पयले वळेरेंतल्या संघाच्या नियंत्रणाखाला जावपी विनियमन आनी विकास हांचेसंबंदींच्या उपबंधांचे अधीनतायेन.
 - 24. उद्देगधंदे-पयले वळेरेंतले 15[7 आनी 52 ह्या नोंदींच्याट उपबंधांचें अधीनतायेन.
 - 25. गॅस आनी गॅसाचे कारखाने.
 - 26. राज्यांतलो वेपार आनी वाणिज्य वेव्हार-तिसरे वळेरेंतले नोंद 33 च्या उपबंधांचे अधीनतायेन.
 - 27. मालाचें उत्पादन, पुरवण आनी वितरण तिसरे वळेरेंतले नोंद 33 च्या उपबंधांचे अधीनतायेन.
 - 28. बाजार आनी जात्रा.

1629. *

- * * * *
- 30. सावकारी आनी सावकार; शेतकारांची कर्जबाजारीपणांतल्यान सुटका. 31. पांथघरां आनी पांथ गृहपाठ.
- 32. पयले वळेरेंत विनिर्दीश्ट केल्ल्यांपरस हेर निगमाचें आनी विद्यापीठांचें निगमन, विनियमन, आनी समलन, अनिगमीत अशो वेपारी, वाङमयीन, विज्ञानीक, धर्मीक आनी हेर संस्था तशेंच अधिसंघ; सहकारी सोसायट्यो.
- 33. नाट्यघरां आनी नाट्यप्रयोग, चित्रपट पयले वळेरेंतले नोंद-60 च्या उपबंधांचे आधीनतायेन; क्रीडा, करमणूक आनी मनोविनोदन.
 - 34. पैज लावप आनी जुगार खेळप.
 - 35. राज्याचे ठांय निहीत आशिल्लीं अथवा ताच्या ताब्यांतलीं बांदकामां, जमनी आनी इमारती.

1736.*

- 37. राज्याच्या विधानमंडळाच्यो वेंचणुको संसदेन केल्ल्या खंयच्याय कायद्याच्या उपबंधांचे अधीनतायेन.
- 38. राज्य विधानमंडळाचे वांगडी, विधानसभेचो अध्यक्ष तशेंच उपाध्यक्ष आनी जंय विधानपरिशद आसत जाल्यार, तिचो सभापती तशेंच उपसभापती हांचे पगार आनी भत्ते.
- 39. विधानसभा आनी तिचे वांगडी तशेंच समित्यो आनी विधानपरिशद आसत जाल्यार, ती परिषद आनी तिचे वांगडी तशेंच समित्यो हांचे अधिकार, विशेशाधिकार आनी उन्मुक्त्यो; राज्याच्या विधानमंडळाच्या समित्यांमुखार साक्ष दिवपाखातीर अथवा दस्तावेज दाखल करपाखातीर व्यक्तींक हाजीर रावपाक सक्तीचें करप.
 - 40. राज्याच्या मंत्र्यांचे पगार तशेंच भत्ते.
 - 41. राज्य लोक सेवा; राज्य लोक सेवा आयोग.
 - 42. राज्य पेन्शनी, म्हळ्यार राज्याकडल्यान अथवा राज्याच्या एकवटीत निधींतल्यान प्रदेय आशिल्ल्यो पेन्शनी.
 - 43. राज्याचें लोकरीण.
 - 44. निखात निधी.
- 45. जमीन-महसूल-महसुलाची आकारणी तशेंच उगराणी आनी भूंय-अभिलेख दवरप, महसुली प्रयोजनाखातीर भूमापन आनी हक्क नोंदी, आनी महसुलांचे अन्यक्रामण हांचेसयत.
 - 46. कृषी प्राप्तेवेलो कर.
 - 47. शेतजमनीच्या उत्तराधिकारासंबंदीं शुल्कां.
 - 48. शेतजमनीसंबंदीं संपदाशुल्का.

- 49. Taxes on lands and buildings.
- 50. Taxes on mineral rights subject to any limitations imposed by Parliament by law relating to mineral development.
- 51. Duties of excise on the following goods manufactured or produced in the State and countervailing duties at the same or lower rates on similar goods manufactured or produced elsewhere in India: -
 - (a) Alcoholic liquors for human consumption;
 - (b) Opium, Indian hemp and other narcotic drugs and narcotics,

But not including medicinal and toilet preparations containing alcohol or any substance included in sub-paragraph (b) of this entry.

- 52. Taxes on the entry of goods into a local area for consumption, use or sale therein.
- 53. Taxes on the consumption or sale of electricity.
- ¹⁸[54. Taxes on the sale or purchase of goods other than newspapers, subject to the provisions of entry 92A of List I.]
- 55. Taxes on advertisements other than advertisements published in the newspapers ¹⁹ [and advertisements broadcast by radio or television].
 - 56. Taxes on goods and passengers carried by road or on inland waterways.
- 57. Taxes on vehicles, whether mechanically propelled or not, suitable for use on roads, including tramcars subject to the provisions of entry 35 of List III.
 - 58. Taxes on animals and boats.
 - 59. Tolls.
 - 60. Taxes on professions, trades, callings and employments.
 - 61. Capitation taxes.
 - 62. Taxes on luxuries, including taxes on entertainments, amusements, betting and gambling.
- 63. Rates of stamp duty in respect of documents other than those specified in the provisions of List I with regard to rates of stamp duty.
 - 64. Offences against laws with respect to any of the matters in this List.
- 65. Jurisdiction and powers of all courts, except the Supreme Court, with respect to any of the matters in this List.
 - 66. Fees in respect of any of the matters in this List, but not including fees taken in any court.

List 3. — Concurrent List

1. Criminal law, including all matters included in the Indian Penal Code at the commencement of this Constitution but excluding offences against laws with respect to any of the matters specified in List I or List II and excluding the use of naval, military or air forces or any other armed forces of the Union in aid of the civil power.

- 49. जमनी आनी इमारती हांचेवेलो कर.
- 50. खनिज अधिकारांवेलो कर-खनिज विकासासंबंधींच्या कायद्यावरवीं संसदेन घाल्ल्या कसल्याय मर्यांदांचे अधीनतायेन.
- 51. राज्यांत निर्मिल्ल्या अथवा उत्पादिल्ल्या अशा फुडल्या मालावेलीं उत्पादन शुल्कां आनी भारतांत हेरकडेन निर्मिल्ल्या अथवा उत्पादिल्ल्या सदृश मालावेल्या त्याच दराची अथवा ताचेपरस उण्या दराचीं प्रतिशुल्कां :-
 - (क) मानवी सेवनाखातीर मद्यार्कयुक्त सोरो;
 - (ख) अफू, भांग, हेर घुंवळी वखदी जिनस आनी घुंवळी जिनस;

पूण मद्यार्कान अथवा हे नोंदीचो पोटपरिच्छेद (ख) हातूंत आस्पावीत आशिल्ल्या कसल्याय द्रव्यान मुक्त आशिल्लें वखदी आनी प्रसाधन सिद्ध पदार्थ सोडून.

- 52. एखाद्या थळाव्या क्षेत्रांत उपभोग, वापर अथवा विक्री हाचेखातीर येवपी मालाच्या प्रवेशावेलो कर.
- 53. विजेचो वापर अथवा विक्री हांचेवेलो कर.
- ¹⁸[54. खबरेपत्रांपरस हेर मालाची विक्री अथवा खरेदी हांचेवेलो कर पयले वळेरेंतले नोंद 92अ च्या उपबंधांचे अधीनतायेन.]
- 55. खबरेपत्रांनी उजवाडा आयिल्ल्यो जायराती ¹⁹[आनी आकाशवाणी अथवा दूरदर्शन हांचेवरवीं प्रक्षेपीत करतात त्यो जायराती] सोडून हेर जायरातींवेलो कर.
 - 56. रस्त्यान अथवा अंतर्देशीय जलमार्गांनी हाड-व्हर करतात त्या मालावेलो आनी उतारूंवेलो कर.
- 57. रस्त्यांचेर चलोवपाक योग्य अशा, यंत्रचालीत आशिल्ल्या अथवा नाशिल्ल्या वाहनांचेर-हातूंत ट्रॅमगाड्यांचो आस्पाव आसा लायतात तो कर तिसरे वळेरेंतले नोंद 35च्या उपबंधांचे अधीनतायेन.
 - 58. प्राणी आनी नौका हांचेवेलो कर.
 - 59. पथकर.
 - 60. डोईपट्टी.
 - 61. कृषि प्राप्तेवेलो कर.
 - 62. चैनीच्या वस्तूंवेलों कर करमणूक, मनरिझवण, पैज आनी जुगार हांचेवेलो कर धरून.
- 63. मुद्रांक शुल्काच्या दरांविशीं पयले वळेरेंत आशिल्ल्या उपबंधांनी विनिर्दीष्ट केल्ल्यांपरस हेर दस्तावेजांच्या संबंदांतल्या मुद्रांक शुल्कांचे दर.
 - 64. हे वळेरेंत आशिल्ल्यांमदल्या खंयच्याय गजालींसंबंदींच्या कायद्यांआड गुन्यांव.
- 65. हे वळेरेंत आशिल्ल्यामदल्या खंयच्याय गजालींसंबंदीं सर्वोच्च न्यायालय सोडून सगल्या न्यायालयांची अधिकारिताय आनी तांचे अधिकार.
- 66. हे वळेरेंत आशिल्ल्यामदल्या खंयच्याय गजालींसंबंदींची फी,- पूण खंयच्याय न्यायालयांत घेतात ते फियेचो हातूंत आस्पाव ना.

वळेरी 3 - समवर्ती वळेरी

1. फौजदारी कायदो - ह्या संविधानाच्या आरंभाक, 'भारतीय दंड संहितेंत आस्पावीत आशिल्ल्यो सगल्यो गजाली धरून, पूण पयली वळेरी अथवा दुसरी वळेरी हातूंत विनिर्दीष्ट केल्ल्यामदले खंयचेय गजालीसंबंदांतल्या कायद्यांआड केल्ले अपील सोडून आनी मुलकी सत्तेच्या आधाराखातीर नौदळ, भूदळ अथवा हवाई दळ हांचो अथवा संघाच्या हेर खंयच्याय सशस्त्र दळांचो वापर सोडून.

- 2. Criminal procedure, including all matters included in the Code of Criminal Procedure at the commencement of this Constitution.
- 3. Preventive detention for reasons connected with the security of a State, the maintenance of public order, or the maintenance of supplies and services essential to the community; persons subjected to such detention.
- 4. Removal from one State to another State of prisoners, accused persons and persons subjected to preventive detention for reasons specified in entry 3 of this List.
- 5. Marriage and divorce; infants and minors; adoption; wills, intestacy and succession; joint family and partition; all matters in respect of which parties in judicial proceedings were immediately before the commencement of this Constitution subject to their personal law.
 - 6. Transfer of property other than agricultural land; registration of deeds and documents.
- 7. Contracts, including partnership, agency, contracts of carriage, and other special forms of contracts, but not including contracts relating to agricultural land.
 - 8. Actionable wrongs.
 - 9. Bankruptcy and insolvency.
 - 10. Trust and Trustees.
 - 11. Administrators-general and official trustees.
- ²⁰[11A. Administration of Justice; constitution and organisation of all courts, except the Supreme Court and the High Courts.]
 - 12. Evidence and oaths; recognition of laws, public acts and records, and judicial proceedings.
- 13. Civil procedure, including all matters included in the Code of Civil Procedure at the commencement of this Constitution, limitation and arbitration.
 - 14. Contempt of court, but not including contempt of the Supreme Court.
 - 15. Vagrancy; nomadic and migratory tribes.
- 16. Lunacy and mental deficiency, including places for the reception or treatment of lunatics and mental deficients.
 - 17. Prevention of cruelty to animals.
 - ²⁰[17A. Forests.]
 - ²⁰[17B. Protection of wild animals and birds.]
 - Adulteration of foodstuffs and other goods.
 - 19. Drugs and poisons, subject to the provisions of entry 59 of List I with respect to opium.
 - 20. Economic and social planning.

²¹[20A. Population control and family planning.]

- 2. फौजदारी प्रक्रिया ह्या संविधानाच्या आरंभाक 'फौजदारी प्रक्रिया संहितेंत आशिल्ल्यो सगल्यो गजाली धरून.
- 3. एखाद्या राज्याची सुरक्षितताय, भौशीक सुवेवस्था राखण अथवा लोकांक चड गरजेच्ये आशिल्ल्या वस्तींची पुरवण आनी सेवा चालू दवरप हांचेलागीं संबंधीत आशिल्ल्या कारणुंक लागून प्रतिबंधक स्थानबद्धताय; अशे स्थानबद्धतायेंत दवरिल्ल्यो व्यक्ती.
- 4. कैदी, आरोपी व्यक्ती आनी हे वळेरेचे नोंद-3 हातूंत विनिर्दीष्ट केल्ल्या कारणांखातीर प्रतिबंधक स्थानबद्धतायेंत दवरिल्ल्यो व्यक्ती हांकां एका राज्यांतल्यान दुसऱ्या राज्यांत व्हरप.
- 5. लग्न अथवा काडीमोड; अर्भकां आनी अज्ञान व्यक्ती; पोसके; मृत्युपत्रां, निनामृत्युपत्रताय आनी उत्तराधिकार; रासवळ कुटुंब आनी वांटण्यो; न्यायीक कार्यवाहेंतले पक्षकार ह्या संविधानाच्या आरंभापयलीं जेसंबंदीं आपणाल्या . व्यक्तिगत कायद्याक अधीन आशिल्ले त्यो सगल्यो गजाली.
 - 6. शेतजमनीपरस हेर संपत्तीचें हस्तांतरण; विलेख आनी दस्तावेज हांची नोंदणी.
- 7. संविदा भागीदारी, अभिकरण, परिवहन-संविदा आनी संविदांचे हेर खाशेले प्रकार हांचेसयत पूण हातूंत शेतजमनी संबंदांतल्या संविदांचो आस्पाव ना.
 - 8. कारवाययोग्य दुश्कृती.
 - 9. दिवाळखोरी आनी नादारी.
 - 10. न्यास आवी विश्वस्त.
 - 11. महा प्रशासक आनी पदस्थ विश्वस्त.
- ²⁰[11क. न्यायदान, सर्वोच्च न्यायालय आनी उच्च न्यायालयां सोडून सगल्या न्यायालयांची घडण आनी रचणूक.]
- 12. साक्षीपुरावो आनी सोपूत; कायदे, अधिशासकीय कृती आनी अभिलेख आनी न्यायीक कार्यवाही हांकां मान्यताय.
- 13. ह्या संविधानाच्या आरंभाक दिवाणी प्रक्रिया संहितेंत आस्पावीत आशिल्ल्यो सगल्यो गजाली धरून दिवाणी प्रक्रिया, मुजत, मर्यादा आनी लवाद.
 - 14. न्यायालयाचो अवमान पूण हातूंत सर्वोच्च न्यायालयाच्या अवमानाचो आस्पाव ना.
 - 15. वाळेस; हेडग्यो आनी भोंवत्यो जनजाती.
- 16. पिसायपण आनी मानसीक वैगुण्य-पिशे आनी मनोवैगुण्ययुक्त व्यक्तींचो स्वीकार अथवा तांचेर उपचार करपाखातीर आशिल्लीं ठिकाणां हांचेसयत.
 - 17. प्राण्यांक निश्ठुरतायेन वागोवपाक प्रतिबंध .
 - ²⁰[17क. रानां]
 - 20[17ख. रानवटी प्राणी आनी पक्षी हांची राखण.]
 - 18. खावपा जिनसांतली आनी हेर मालांतली भरस.
 - 19. वखदी जिनस आनी विखाळ जिनस अफूसंबंदीं पयलें वळेरेतले नोंद 59च्या उपबंधांचे अधीनतायेन
 - 20. आर्थीक आनी सामाजीक नियोजन.
 - 21 [20क. लोकसंख्या नियंत्रण आनी कुटुंब येवजण.

- 21. Commercial and industrial monopolies, combines and trusts.
- 22. Trade unions; industrial and labour disputes.
- 23. Social security and social insurance; employment and unemployment.
- 24. Welfare of labour including conditions of work, provident funds, employers' liability, workmen's compensation, invalidity and old age pensions and maternity benefits.
- ²²[25. Education, including technical education, medical education and universities, subject to the provisions of entries 63, 64, 65 and 66 of List I; vocational and technical training of labour.]
 - 26. Legal, medical and other professions.
- 27. Relief and rehabilitation of persons displaced from their original place of residence by reason of the setting up of the Dominions of India and Pakistan.
- 28. Charities and charitable institutions, charitable and religious endowments and religious institutions.
- 29. Prevention of the extension from one State to another of infectious or contagious diseases or pests affecting men, animals or plants.
 - 30. Vital statistics including registration of births and deaths.
- 31. Ports other than those declared by or under law made by Parliament or existing law to be major ports.
- 32. Shipping and navigation on inland waterways as regards mechanically propelled vessels, and the rule of the road on such waterways, and the carriage of passengers and goods on inland waterways subject to the provisions of List I with respect to national waterways.
 - ²³[33. Trade and commerce in, and the production, supply and distribution of, -
 - (a) The products of any industry where the control of such industry by the Union is declared by Parliament by law to be expedient in the public interest, and imported goods of the same kind as such products;
 - (b) Foodstuffs, including edible oilseeds and oils:
 - (c) Cattle fodder, including oilcakes and other concentrates;
 - (d) Raw cotton, whether ginned or unginned, and cotton seed; and
 - (e) Raw jute.]
 - [33A. Weights and measures except establishment of standards.]
- 35. Mechanically propelled vehicles including the principles on which taxes on such vehicles are to be levied.
 - 36. Factories.
 - 37. Boilers.
 - 38. Electricity.
 - 39. Newspapers, books and printing presses.

- 21. वाणिज्यीक आनी उद्देगीक मक्तेदारी, व्यवसायसंहती आनी एखाधिकारन्यास.
- 22. व्यवसाय संघ; उद्देगीकवाद आनी कामगार तंटे,
- 23. सामाजीक सुरक्षा आनी सामाजीक विमो; रोजगार आनी बेकारी.
- 24. कामगार कल्याण कामासंबंदींची परिस्थिती, भविश्य निधी, सेवायोजकाचें दायित्व, कामगार भरपाय, अपंगताय आनी म्हातारपण पेन्शनी तशेंच बाळंतपण लाभ हांचेसयत.
- ²²[25. शिक्षण-तांत्रीक शिक्षण, वैजकी शिक्षण आनी विद्यापीठां हांचेसयत 1लो वळेरंतल्यो 63, 64, 65 आनी 66 ह्या नोंदींच्या उपबंधांचे अधीनतायेन; कामगारांचें वेवसायीक आनी तांत्रीक शिक्षण.]
 - 26. विधि वेवसाय, वैजकी आनी हेर वेवसाय.
- 27. भारत आनी पाकिस्तान हीं अधिराज्यां स्थापन जाल्ले कारणान आपणाल्या रावपाच्या मूळ थळासावन विस्थापीत जाल्ले व्यक्तींक आधार आनी तांचें पुनर्वसन.
 - 28. धर्मादाय आनी धर्मादायी संस्था, धर्मादायी आनी धर्मीक दाननिधी आनी धार्मीक संस्था,
- 29. मनीस प्राणी अथवा वनस्पत हांकां बाधक जावपी संसर्गजन्य अथवा स्पर्शजन्य रोग अथवा उपद्रवी जीवजतूं हांचो एका राज्यांतल्यान दुसऱ्या राज्यांत फैलाव जावपाक प्रतिबंध.
 - 30. जिवितासंबंदीं आंकडेवारी -जल्म आनी मरण हांची नोंदणी धरून.
- 31. संसदेन केल्ल्या कायद्याच्या अथवा अस्तित्वांत आशिल्ल्या कायद्यावरवीं अथवा तेखाला व्हडलीं बंदरां म्हूण घोशीत केल्ल्या बंदरांपरस वेगळीं बंदरां.
- 32. यंत्रचालीत जलयानांपुरतें अंतर्देशीय जलमार्गांवेंलें नौपरिवहन आनी नौकानयन, आनी अशा जलमार्गांवेले पथनियम, आनी अंतर्देशीय जलमार्गांनीं उतारूंची आनी मालाची हाड-व्हर-राष्ट्रीय जलमार्गांसंबंदीं पयले वळेरेंत आशिल्ल्या उपबंधांचे अधीनतायेन.
- ²³[33.(क) एखाद्या उद्देगाचें नियंत्रण भौशीक हिताखातीर संघांकडल्यान जावप समयोचित आसा अशें संसदेन कायद्यावरवीं घोशीत केलां आसत ते संबंदांत, अशा उद्देगांतलीं उत्पादनां आनी अशें उत्पादन म्हूण तशेच तरेचो आयात केल्लो माल;
 - (ख) खावपाचे जिनस-गाळिताचें कड्डण आनी तेलां हांचेसयत;
 - (ग) गोरवांची खावड-पेंड आनी सत्वां हांचेसयत;
 - (घ) कच्चो कापूस मागीर तो सरकी काडिल्लो आसूं अथवा सरकी काडूंक नाशिल्लो आसूं-आनी सरकी; आनी
 - (ङ) कच्चो ताग,

हांचो वेपार, तशेंच वाणिज्य, आनी तांचें उत्पादन, पुरवण आनी वितरण]

[33क. वजनां आनी मांपां - मानकां प्रस्थापीत करप सोडून]

- 34. दरांचें नियंत्रण.
- 35. यंत्रचालीत वाहनां-जांचेप्रमाण अशा वाहनांचेर कर लावपाचो त्या तत्वांसयत.
- 36. कारखाने.
- 37. बॉयलर
- 38. वीज
- 39. खबरेपत्रां, पुस्तकां आनी छापखाने.

- 40. Archaeological sites and remains other than those ²⁴[declared by or under law made by Parliament] to be of national importance.
- 41. Custody, management and disposal of property (including agricultural land) declared by law to be evacuee property.
 - ²⁵[42. Acquisition and requisitioning of property.]
- 43. Recovery in a State of claims in respect of taxes and other public demands, including arrears of land-revenue and sums recoverable as such arrears, arising outside that State.
- 44. Stamp duties other than duties or fees collected by means of judicial stamps, but not including rates of stamp duty.
 - 45. Inquiries and statistics for the purposes of any of the matters specified in List II or List III.
- 46. Jurisdiction and powers of all courts, except the Supreme Court, with respect to any of the matters in this List.
 - 47. Fees in respect of any of the matters in this List, but not including fees taken in any court.

List 1, 2, 3

Notes

- 1. Ins. by the Constitution (Forty-second Amendment) Act, 1976, s. 57 (w.e.f. 3-1-1977).
- 2. The words and letters "specified in Part A or Part B of the First Schedule" omitted by the Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s. 29 and Sch.
- 3. Entry 33 omitted by s. 26. ibid.
- 4. Subs. by the Constitution (Thirty-second Amendment) Act, 1973, s. 4, for "Delhi University and" (w.e.f. 1-7-1974).
- 5. Subs. by the Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s. 27, for "declared by Parlia ment by law".
- 6. Ins. by the Constitution (Fifteenth Amendment) Act, 1963, s. 12 (with retrospective effect).
- 7. Subs. by the Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s. 29 and Sch., for entry
- 8. Ins. by the Constitution (Sixth Amendment) Act, 1956, s. 2.
- 9. Ins. by the Constitution (Forty-sixth Amendment) Act, 1982, s. 5.
- 10. Subs. by the Constitution (Forty-second Amendment) Act, 1976, s. 57, for certain words (w.e.f. 3-1-1977).
- 11. Subs. by s. 57, ibid., for entry 2 (w.e.f. 3-1-1977).
- 12. Ibid. original text omitted by s.57
- 13. Entries 11, 19, 20 and 29 omitted by s. 57, ibid. (w.e.f. 3-1-1977).

- 40. ²⁴[संसदेन केल्ल्या कायद्यावरवीं आनी ताचेखाला] राष्ट्रीय म्हत्वाचीं म्हूण ²⁴[घोशीत] केल्ल्यांपरस हेर पुरातत्वीय थळां आनी अवशेश.
 - 41. निर्वासितांची संपत्ती म्हूण घोशीत केल्या (शेतजमनी धरून) अशे संपत्तेची अभिरक्षा, वेवस्थापन आनी विलो. ²⁵[42. संपत्तेचें संपादन आनी अधिग्रहण.]
- 43. कर आनी हेर सरकारी येणीं हाच्या संबंदांतल्या मागणी रकमांची राज्यांतली वसुली त्या राज्याभायर उत्पन्न जावपी जमीन महसुलाची थकबाकी आनी अशी थकबाकी म्हूण. वसुलीयोग्य आशिल्ल्या रकमांसयत.
- 44. न्यायीक मुद्रांकांवरवीं वसुल केल्लीं शुल्कां अथवा फी हांचेपरस हेर मुद्रांक शुल्कां पूण हातूंत मुद्रांक -शुल्क दरांचो आस्पाव ना.
- 45. दुसरी वळेरी अथवा तिसरी वळेरी हातूंत विनिर्दीश्ट केल्ल्यांमदल्या खंयच्याय गजालींच्या प्रयोजनाखातीर चवकशी आनी आंकडेवारी.
- 46. हे वळेरेंत आशिल्लेमदल्या खंयच्याय गजालीं संबंदांत सर्वोच्च न्यायालय सोडून सगल्या न्यायालयांची अधिकारिताय आनी तांचे अधिकार.
- 47. हे वळेरेंत आशिल्लेमदल्या खंयच्याय गजालींसंबंदांतली फी-पूण खंयच्याय न्यायालयांत घेतात ते फियेचो हातूंत आस्पाव ना.

वळेरी 1,2,3 टिपो

- 1. 'संविधान (बेचाळीसावो बदल) अधिनियम, 1976' अनुभाग 57 वरवीं (03/01/1977) घालें.
- संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956'- अनुभाग 29 आनी अनुसुचयेवरवीं 'पयले अनुसुचयेचो भाग (क) आनी भाग (ख) हातूंत विनिर्दीष्ट' हीं उतरां निरसीत केलीं.
- 3. कित्तो अनुभाग 26 वरवीं घाल्ली 33 क ही नोंद निरसीत केली.
- 4. 'संविधान (बत्तिसावो बदल) अधिनियम, 1973' अनुभाग 4 वरवीं (01-07-1974)' दिल्ली विद्यापीठ आनी' ह्या उतरांचे सुवातेर घालें.
- 5. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956'- अनुभाग 27 वरवीं 'संसदेन कायद्यावरवीं'- ह्या उतरांचे सुवातेर घालें.
- 6. 'संविधान (पंदरावो बदल) अधिनियम, 1963' अनुभाग 12 वरवीं (फाटले तारकेन) घालें.
- 7. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956'- अनुभाग 29 आनी अनुसुचयेवरवीं मूळ 79 वें नोंदीचे सुवातेर घालें.
- 8. 'संविधान (सवो बदल) अधिनियम , 1956'- अनुभाग 2 वरवीं घालें.
- 9. 'संविधान (शेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1982'- अनुभाग 5 वरवीं (02-02-1983) घालें.
- 10. 'संविधान (बेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1976'- अनुभाग 57 वरवीं (03-01-1977) मूळ मजकुराचे सुवातेर घालें.
- 11. कित्तो दुसरे नोंदीचे सुवातेर घालें.
- 12. कित्तो अनुभाग 57 वरवीं मूळ मजकूर निरसीत केलो.
- 13. कित्तो नोंदी 11, 19 आनी 20 निरसीत केले.

- 14. Words 'Parliament by law' substituted by constitution (seventh Amdnement) Act, 1956 s.27
- 15. Subs. by the Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956 s. 28, for "entry 52".
- 16. Entry no. 29 omitted by Constitution (Forty second Amdnement) Act, 1976 s.57
- 17. Entry no. 36 omitted by Constitution (seventh Amendment) Act, 1956-s.26
- 18. Subs. by the Constitution (Sixth Amendment) Act, 1956, s. 2, for entry 54.
- 19. Ins. by the Constitution (Forty-second Amendment) Act, 1976, s. 57 (w.e.f. 3-1-1977).
- 20. Ins. by the Constitution (Forty-second Amendment) Act, 1976, s. 57 (w.e.f. 3-1-1977).
- 21. Ins. by the Constitution (Forty-second Amendment) Act, 1976, s. 57 (w.e.f. 3-1-1977).
- 22. Subs. by s. 57, ibid., for entry 25 (w.e.f. 3-1-1977).
- 23. Subs. by the Constitution (Third Amendment) Act, 1954, s. 2, for entry 33. 34. Price control.
- 24. Words 'Parliament by law' substituted by Constituted (seventh Amendment) Act, 1956-s.27.
- 25. Subs. by the Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956, s.26, for entry 42.

- 14. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956'- अनुभाग 27 वरवीं संसदेन कायद्यावरवीं ह्या उतरांचे सुवातेर घालें.
- 15. कित्तो अनुभाग 28 वरवीं 52 वे नोंदीचे सुवातेर घालें.
- 16. 'संविधान (बेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1976'- अनुभाग 57 वरवीं 29 वीं नोंद निरसीत केली.
- 17. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956'- अनुभाग 26 वरवीं 36 वी नोंद निरसीत केली.
- 18. 'संविधान (सवो बदल) 1956'- अनुभाग 2 वरवीं नोंद 54 चे सुवातेर घालें.
- 19. 'संविधान (बेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1976'- अनुभाग 57 वरवीं (03-01-1977) घालें.
- 20. कित्तो अनुभाग 57 वरवीं घालें.
- 21. कित्तो अनुभाग 57 वरवीं घालें.
- 22. कित्तो अनुभाग 57 वरवीं नोंद 25 चे सुवातेर घालें.
- 23. 'संविधान (तिसरो बदल) अधिनियम, 1954'- अनुभाग 2 वरवीं नोंद -33 चे सुवातेर घालें.
- 24. 'संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956'- अनुभाग 27 वरवीं' 'संसदेन कायद्यावरवीं 'ह्या उतरांचे सुवातेर घालें.
- 25. कित्तो आनुभाग 26 वरंवीं मूळ नोंद 42 चे सुवातेर घालें.

EIGHTH SCHEDULE

(Articles 344 (1) and 351]

Languages

- 1. Assamese.
- 2. Bengali.
- 3. Gujarati.
- 4. Hindi.
- 5. Kannada.
- 6. Kashmiri.
- ¹[7.] Konkani.
- ²[8.] Malayalam.
- ³[9.] Manipuri.
- ⁴[10.] Marathi.
- ⁵[11.] Nepali.
- ⁶[12.] Oriya.
- ⁶[13.] Punjabi.
- ⁶[14.] Sanskrit.
- ⁶[15.] Sindhi.
- ⁶[16.] Tamil.
- ⁶[17.] Telugu.
- ⁶[18.] Urdu.

Notes

- 1. Ins. by the Constitution (Seventy-first Amendment) Act, 1992, s. 2.
- 2. Entry 7 renumbered as entry 8 by s. 2, ibid.
- 3. Ibid. Inserted by s.2 (b)
- 4. Entry 8 renumbered as entry 10 by s.2, ibid.
- 5. Ibid. Inserted by s.2 (c)
- 6. Added by the Constitution (Twenty-first Amendment) Act, 1967, s. 2. Entries 9 to 15 renum bered as entries 12 to 18 by s. 2, ibid.

आठवी अनुसूची

(कलम 344 (1) आनी 351)

भासो

- 1. आसामी
- 2. बंगाली
- 3. गुजराथी
- 4. हिंदी
- 5. কন্নভ
- 6. काश्मिरी
- ¹[7.] कोंकणी
- ²[8.] मल्याळम
- ³[9.] मणिपुरी
- ⁴[10.] मराठी
- ⁵[11.] नेपाळी
- ⁶[12.] उडिया
- ⁶[13.] पंजाबी
- ⁶[14.] संस्कृत
- ⁶[15.] सिंधी
- ⁶[16.] तामिळ
- ⁶[17.] तेलुगु
- ⁶[18.] उर्दू

टिपो

- 1. 'संविधान (एकात्तरावो बदल) अधिनियम, 1992'- अनुभाग 2(क) वरवीं घालें.
- 2. 'कित्तो (अनुभाग 2(क) वरवीं नोंद-7 चे सुवातेर नोंद-8 घाली.
- 3. कित्तो अनुभाग 2(ख) वरवीं घालें.
- 4. कित्तो अनुभाग 2(ख) वरवीं नोंद-8 चे सुवातेर नोंद 10 घाली.
- 5. कित्तो अनुभाग 2(ग) वरवीं घालें.
- 6. 'संविधान (एकविसावो बदल) अधिनियम, 1967'- अनुभाग 2 वरवीं नोंदींक 9 ते 15 क्रमांक दिल्ले तांचे सुवातेर आतां 12 ते 18 अशे नवे क्रमांक दिल्यात.

'[NINTH SCHEDULE

(Article 31B)

- 1. The Bihar Land Reforms Act, 1950 (Bihar Act XXX of 1950).
- 2. The Bombay Tenancy and Agricultural Lands Act, 1948 (Bombay Act LXVII of 1948).
- 3. The Bombay Maleki Tenure Abolition Act, 1949 (Bombay Act LXI of 1949).
- 4. The Bombay Taluqdari Tenure Abolition Act, 1949 (Bombay Act LXII of 1949).
- 5. The Panch Mahals Mehwassi Tenure Abolition Act, 1949 (Bombay Act LXIII of 1949).
- 6. The Bombay Khoti Abolition Act, 1950 (Bombay Act VI of 1950).
- 7. The Bombay Paragana and Kulkarni Watan Abolition Act, 1950 (Bombay Act LX of 1950).
- 8. The Madhya Pradesh Abolition of Proprietary Rights (Estates, Mahals, Alienated Lands) Act, 1950 (Madhya Pradesh Act I of 1951).
- 9. The Madras Estates (Abolition and Conversion into Ryotwari) Act, 1948 (Madras Act XXVI of 1948).
- 10. The Madras Estates (Abolition and Conversion into Ryotwari) Amendment Act, 1950 (Madras Act I of 1950).
- 11. The Uttar Pradesh Zamindari Abolition and Land Reforms Act, 1950 (Uttar Pradesh Act I of 1951).
 - 12. The Hyderabad (Abolition of Jagirs) Regulation, 1358F (No. LXIX of 1359, Fasli).]
 - 13. The Hyderabad Jagirs (Commutation) Regulation, 1359F (No. XXV of 1359, Fasli).
- ²[14. The Bihar Displaced Persons Rehabilitation (Acquisition of Land) Act, 1950 (Bihar Act XXXVIII of 1950).
- 15. The United Provinces Land Acquisition (Rehabilitation of Refugees) Act, 1948 (U.P. Act XXVI of 1948).
 - 16. The Resettlement of Displaced Persons (Land Acquisition) Act, 1948 (Act LX of 1948).
- 17. Sections 52A to 52G of the Insurance Act, 1938 (Act IV of 1938), as inserted by section 42 of the Insurance (Amendment) Act, 1950 (Act XLVII of 1950).
 - 18. The Railway Companies (Emergency Provisions) Act, 1951 (Act LI of 1951).
- 19. Chapter III-A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (Act LXV of 1951), as inserted by section 13 of the Industries (Development and Regulation) Amendment Act, 1953 (Act XXVI of 1953).
- 20. The West Bengal Land Development and Planning Act, 1948 (West Bengal Act XXI of 1948), as amended by West Bengal Act XXIX of 1951.]
- ³[21. The Andhra Pradesh Ceiling on Agricultural Holdings Act, 1961 (Andhra Pradesh Act X of 1961).

1[णववी अनुसूची

(कलम 31ख)

- 1. दि बिहार लॅण्ड रिफॉर्म्स ॲक्ट, 1950 (1950 चो बिहार अधिनियम तीस)
- 2. दि बॉम्बे टेनन्सी ॲण्ड ॲग्रिकल्चरल लॅण्ड्स ॲक्ट, 1948 (1948 चो मुंबय अधिनियम आडसष्ट)
- 3. दि बॉम्बे मलेकी टेन्यूअर ॲबॉलिशन ॲक्ट, 1949 (1949 चो मुंबय अधिनियम एकसष्ट)
- 4. दि बॉम्बे तालुकदारी टेन्यूअर ॲबॉलिशन ॲक्ट, 1949 (1949 चो मुंबई अधिनियम बासष्ट)
- 5. दि पंचमहाल्स मेहवासी टेन्यूअर ॲबॉलिशन ॲक्ट, 1949 (1949 चो मुंबई अधिनियम त्रेसष्ट)
- 6. दि बॉम्बे खोती ॲबॉलिशन ॲक्ट, 1950 (1950 चो मुंबई अधिनियम स)
- 7. दि बॉम्बे परगणा ॲण्ड कुलकर्णी वतन ॲबॉलिशन ॲक्ट, 1950 (1950 चो मुंबई अधिनियम साठ)
- 8. दि मध्य प्रदेश ॲबॉलिशन ऑफ प्रोप्रायटरी रायट्स् (इस्टेट्स्, महाल्स, एलियनेटेड लॅण्डस्) ॲक्ट, 1950, (1951 चो मध्य प्रदेश अधिनियम एक)
- 9. दि मद्रास इस्टेट्स् (ॲबॉलिशन ॲण्ड कन्वर्जन इण्टु रयतवारी) ॲक्ट, 1948 (1948 चो मद्रास अधिनियम सव्वीस)
- 10. दि मद्रास इस्टेट्स् (ॲबॉलिशन ॲण्ड कन्वर्जन इण्टु रयतवारी) अमेंडमेंट ॲक्ट, 1950 (1950 चो मद्रास अधिनियम एक)
- 11. दि उत्तर प्रदेश जमीनदारी ॲबॉलिशन ॲण्ड लॅण्ड रिफॉर्म्स ॲक्ट, 1950 (1951 चो उत्तर प्रदेश अधिनियम एक)
- 12. दि हैदराबाद (ॲबॉलिशन ऑफ जागीर्स) रेग्युलेशन, 1358 फ. (फसली सन 1359 चो विनियम एकुणसत्तर)]
 - 13. दि हैदराबाद जागीर्स (कॉम्युटेशन) रेग्युलेशन, 1359 फ. (फसली सन 1359 चो विनियम पंचवीस)ट
- ²[14. दि बिहार डिस्प्लेस्ड पर्सन्स रिहॅबिलिटेशन (ॲक्विझिशन ऑफ लॅण्ड) ॲक्ट, 1950 (1950 चो बिहार अधिनियम आडटीस)
- 15. दि युनायटेड प्रोविन्सेस लॅण्ड ॲक्विझिशन (रिहॅबिलिटेशन ऑफ रेफ्युजीस) ॲक्ट, 1948 (1948चो संयुक्त प्रांत आधिनियम सब्वीस)
 - 16. दि रीसेटल्मेंट ऑफ डिस्प्लेस्ड पर्सन्स (लॅण्ड ॲक्विझिशन) ॲक्ट, 1948 (1948 चो अधिनियम साठ)
- 17. दि इन्शुअरन्स अमेंडमेंट ॲक्ट, 1950 (1950 चो अधिनियम सत्तेचाळीस) हाच्या 42 व्या अनुभागावरवीं घाल्लेप्रमाण दि इन्शुअरन्स ॲक्ट, 1938 (1938 चो अधिनियम चार) हाचे आनुभाग 52 क ते 52 छ.
 - 18. दि रेल्वे कंपनीज (इमर्जन्सी प्रोविजन्स्) ॲक्ट, 1951 (1951 चो अधिनियम एकावन)
- 19. दि इंडस्ट्रिज (डिव्हलपमेंट ॲण्ड रेग्युलेशन) अमेंडमेंट ॲक्ट, 1953 (1953 चो अधिनियम सव्वीस) हाच्या 12 व्या अनुभागावरवीं घाल्लेप्रमाण दि इंडस्ट्रीज (डिव्हलपमेंट ॲण्ड रेग्युलेशन) ॲक्ट, 1951 (1951 चो अधिनियम पासष्ट) हाचें प्रकरण 3 क.
- 20. 1951 चो अस्तंत बंगाल अधिनियम एकुणटीस हाचेवरवीं बदल केल्लेप्रमाण दि वेस्ट बेंगॉल लॅण्ड डिव्हलपमेंट ॲण्ड प्लॅनिंग ॲक्ट, 1948 (1948 चो अस्तंत बंगाल अधिनियम एकवीस)]
- ³[21. दि आंध्र प्रदेश सिलिंग ऑन ॲग्रिकल्चरल होल्डिंग्ज ॲक्ट, 1961 (1961 चो आंध्र प्रदेश आधिनियम धा).

- 22. The Andhra Pradesh (Telangana Area) Tenancy and Agricultural Lands (Validation) Act, 1961 (Andhra Pradesh Act XXI of 1961).
- 23. The Andhra Pradesh (Telangana Area) Ijara and Kowli Land Cancellation of Irregular Pattas and Abolition of Concessional Assessment Act, 1961 (Andhra Pradesh Act XXXVI of 1961).
- 24. The Assam State Acquisition of Lands belonging to Religious or Charitable Institution of Public Nature Act, 1959 (Assam Act IX of 1961).
 - 25. The Bihar Land Reforms (Amendment) Act, 1953 (Bihar Act XX of 1954).
- 26. The Bihar Land Reforms (Fixation of Ceiling Area and Acquisition of Surplus Land) Act, 1961 (Bihar Act XII of 1962), except section 28 of this Act.
 - 27. The Bombay Taluqdari Tenure Abolition (Amendment) Act, 1954 (Bombay Act I of 1955).
 - 28. The Bombay Taluqdari Tenure Abolition (Amendment) Act, 1957 (Bombay Act XVIII of 1958).
 - 29. The Bombay Inams (Kutch Area) Abolition Act, 1958 (Bombay Act XCVIII of 1958).
- 30. The Bombay Tenancy and Agricultural Lands (Gujarat Amendment) Act, 1960 (Gujarat Act XVI of 1960).
 - 31. The Gujarat Agricultural Lands Ceiling Act, 1960 (Gujarat Act XXVI of 1961).
- 32. The Sagbara and Mehwassi Estates (Proprietary Rights Abolition, etc.) Regulation, 1962 (Gujarat Regulation I of 1962).
- 33. The Gujarat Surviving Alienations Abolition Act, 1963 (Gujarat Act XXXIII of 1963), except in so far as this Act relates to an alienation referred to in sub-clause (d) of clause (3) of section 2 thereof.
- 34. The Maharashtra Agricultural Lands (Ceiling on Holdings) Act, 1961 (Maharashtra Act XXVII of 1961).
- 35. The Hyderabad Tenancy and Agricultural Lands (Re-enactment, Validation and Further Amendment) Act, 1961 (Maharashtra Act XLV of 1961).
 - 36. The Hyderabad Tenancy and Agricultural Lands Act, 1950 (Hyderabad Act XXI of 1950).
 - 37. The Jenmikaram Payment (Abolition) Act, 1960 (Kerala Act III of 1961).
 - 38. The Kerala Land Tax Act, 1961 (Kerala Act XIII of 1961).
 - 39. The Kerala Land Reforms Act, 1963 (Kerala Act I of 1964).
 - 40. The Madhya Pradesh Land Revenue Code, 1959 (Madhya Pradesh Act XX of 1959).
- 41. The Madhya Pradesh Ceiling on Agricultural Holdings Act, 1960 (Madhya Pradesh Act XX of 1960).
 - 42. The Madras Cultivating Tenants Protection Act, 1955 (Madras Act XXV of 1955).
 - 43. The Madras Cultivating Tenants (Payment of Fair Rent) Act, 1956 (Madras Act XXIV of 1956).
- 44. The Madras Occupants of Kudiyiruppu (Protection from Eviction) Act, 1961 (Madras Act XXXVIII of 1961).

- 22. दि आंध्र प्रदेश (तेलंगण एरिया) टेनन्सी ॲण्ड ॲग्रिकल्चरल लॅण्डस् (वॅलिडेशन) ॲक्ट 1961 (1961 चो आंध्र प्रदेश अधिनियम एकवीस)
- 23. दि आंध्र प्रदेश (तेलंगण एरिया) इजारा ॲण्ड कौली लॅण्ड कॅन्सलेशन ऑफ इर्रेग्युलर पट्टाज ॲण्ड ॲबॉलिशन ऑफ कन्सेशनल असेसमेंट ॲक्ट, 1961 (1961 चो आंध्रप्रदेश अधिनियम छत्तीस)
- 24. दि आसाम स्टेट ॲक्विझिशन ऑफ लॅण्ड्स् बिलॉगिंग टू रिलिजस ऑर चॅरिटेबल इन्स्टिट्यूशन्स ऑफ पब्लिक नेचर ॲक्ट, 1959 (1961 चो आसाम अधिनियम णव)
 - 25. दि बिहार लॅण्ड रिफॉर्म्स (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1953 (1954 चो बिहार अधिनियम वीस)
- 26. दि बिहार लॅण्ड रिफॉर्म्स (फिक्सेशन ऑफ सिलिंग एरिया ॲण्ड ॲक्विझिशन ऑफ सरप्लस लॅण्ड) ॲक्ट, 1961 (1962 चो बिहार अधिनियम बारा) (ह्या अधिनियमाचो अनुभाग 28 सोडून)
 - 27. दि बॉम्बे तालुकदारी टेन्युअर ॲबॉलिशन (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1954 (1955 चो मुंबई अधिनियम एक)
 - 28. दि बॉम्बे तालुकदारी टेन्युअर ॲक्ट, 1957 (1958 चो मुंबई अधिनियम अठरा)
 - 29. दि बॉम्बे इनाम्स (कच्छ एरिया) ॲबॉलिशन ॲक्ट, 1958 (1958 चो मुंबई अधिनियम अठ्ठ्याण्णव)
- 30. दि बॉम्बे टेनन्सी ॲण्ड ॲग्रिकल्चरल लॅण्ड्स् (गुजराथ अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1960 (1960 चो गुजराथ अधिनियम सोळा)
 - 31. दि गुजराथ ॲग्रिकल्चरल लॅण्ड्स् सिलिंग ॲक्ट, 1960 (1961 चो गुजराथ अधिनियम सत्तावीस)
- 32. दि सगवारा ॲण्ड मेहवासी इस्टेट्स् (प्रोप्रायटरी रायट्स् ॲबॉलिशन एट्सेट्रा) रेग्युलेशन, 1962 (1962 चो गुजराथ विनियम एक)
- 33. दि गुजराथ सर्वायविंग एलियनेशन ॲबॉलिशन ॲक्ट, 1963 (1963 चो गुजराथ अधिनियम तेत्तीस) ताच्या अनुभाग 2चें उपकलम (3) उप-उपकलम (ड) हातूंत निर्दीश्ट केल्ल्या अन्यक्रामणाकडेन जितलेमेरेन संबंदीत आसा तितलें सोड्न.
- 34. दि महाराष्ट्र ॲग्रिकल्चरल लॅण्ड्स् (सिलिंग ऑन होल्डिंग्ज) ॲक्ट, 1961 (1961 चो महाराष्ट्र अधिनियम सत्तावीस)
- 35. दि हैदराबादी टेनन्सी ॲण्ड ॲग्रिकल्चरल लॅण्ड्स् (रिइनॅक्टमेंट, वॅलिडेशन ॲण्ड फर्दर अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1961 (1961 चो महाराष्ट्र अधिनियम पंचेचाळीस)
- 36. दि हैदराबाद टेनन्सी ॲण्ड ॲग्रिकल्चरल लॅण्ड्स् ॲक्ट, 1950 (1950 चो हैदराबाद अधिनियम एकवीस)
 - 37. दि जेन्मीकारम पेमेंट (ॲबॉलिशन) ॲक्ट, 1960 (1961 चो केरळ अधिनियम तीन)
 - 38. दि केरळ लॅण्ड टॅक्स ॲक्ट, 1961 (1961 चो केरळ अधिनियम तेरा)
 - 39. दि केरळ लॅण्ड रिफॉर्म्स ॲक्ट, 1963 (1964 चो केरळ अधिनियम एक)
 - 40. दि मध्यप्रदेश लॅण्ड रेवेन्यू कोड, 1959 (1959 चो मध्यप्रदेश अधिनियम वीस)
 - 41. दि मध्यप्रदेश सिलिंग ऑन ॲग्रिकल्चरल होल्डिंग्ज ॲक्ट, 1960 (1960 चो मध्यप्रदेश अधिनियम वीस)
 - 42. दि मद्रास कल्टिवेटिंग टेनण्ट्स् प्रोटेक्शन ॲक्ट, 1955 (1955 चो मद्रास अधिनियम पंचवीस)
- 43. दि मद्रास कल्टिवेटिंग टेनण्ट्स् (पेमेंट ऑफ फेअर रेण्ट) ॲक्ट, 1956 (1956 चो मद्रास अधिनियम चोवीस)
- 44. दि मद्रास ऑक्युपण्ट्स् ऑफ कुडियिरिप्पु (प्रोटेक्शन फ्रॉम एविक्शन) ॲक्ट, 1961 (1961 चो मद्रास अधिनियम आडटीस)

- 45. The Madras Public Trusts (Regulation of Administration of Agricultural Lands) Act, 1961 (Madras Act LVII of 1961).
 - 46. The Madras Land Reforms (Fixation of Ceiling on Land) Act, 1961 (Madras Act LVIII of 1961).
 - 47. The Mysore Tenancy Act, 1952 (Mysore Act XIII of 1952).
 - 48. The Coorg Tenants Act, 1957 (Mysore Act XIV of 1957).
 - 49. The Mysore Village Offices Abolition Act, 1961 (Mysore Act XIV of 1961).
- 50. The Hyderabad Tenancy and Agricultural Lands (Validation) Act, 1961 (Mysore Act XXXVI of 1961).
 - 51. The Mysore Land Reforms Act, 1961 (Mysore Act X of 1962).
 - 52. The Orissa Land Reforms Act, 1960 (Orissa Act XVI of 1960).
 - 53. The Orissa Merged Territories (Village Offices Abolition) Act, 1963 (Orissa Act X of 1963).
 - 54. The Punjab Security of Land Tenures Act, 1953 (Punjab Act X of 1953).
 - 55. The Rajasthan Tenancy Act, 1955 (Rajasthan Act III of 1955).
 - 56. The Rajasthan Zamindari and Biswedari Abolition Act, 1959 (Rajasthan Act VIII of 1959).
- 57. The Kumaun and Uttarakhand Zamindari Abolition and Land Reforms Act, 1960 (Uttar Pradesh Act XVII of 1960).
- 58. The Uttar Pradesh Imposition of Ceiling on Land Holdings Act, 1960 (Uttar Pradesh Act I of 1961).
 - 59. The West Bengal Estates Acquisition Act, 1953 (West Bengal Act I of 1954).
 - 60. The West Bengal Land Reforms Act, 1955 (West Bengal Act X of 1956).
 - 61. The Delhi Land Reforms Act, 1954 (Delhi Act VIII of 1954).
 - 62. The Delhi Land Holdings (Ceiling) Act, 1960 (Central Act 24 of 1960).
 - The Manipur Land Revenue and Land Reforms Act, 1960 (Central Act 33 of 1960).
 - 64. The Tripura Land Revenue and Land Reforms Act, 1960 (Central Act 43 of 1960).
 - ^⁴[65. The Kerala Land Reforms (Amendment) Act, 1969 (Kerala Act 35 of 1969).
 - 66. The Kerala Land Reforms (Amendment) Act, 1971 (Kerala Act 25 of 1971).]
- ⁵[67. The Andhra Pradesh Land Reforms (Ceiling on Agricultural Holdings) Act, 1973 (Andhra Pradesh Act 1 of 1973).
- 68. The Bihar Land Reforms (Fixation of Ceiling Area and Acquisition of Surplus Land) (Amendment) Act, 1972 (Bihar Act 1 of 1973).
- 69. The Bihar Land Reforms (Fixation of Ceiling Area and Acquisition of Surplus Land) (Amendment) Act, 1973 (Bihar Act IX of 1973).

- 45. दि मद्रास पब्लिक ट्रस्ट्स् (रेग्युलेशन ऑफ ॲडिमिनिस्ट्रेशन ऑफ ॲग्रिकल्चरल लॅण्ड्स्) ॲक्ट 1961 (1961 चो मद्रास अधिनियम सत्तावन)
- 46. दि मद्रास लॅण्ड रिफॉर्म्स (फिक्सेशन ऑफ सिलिंग ऑन लॅण्ड) ॲक्ट, 1961 (1961 चो मद्रास अधिनियम अठ्ठावन)
 - 47. दि मैसोर टेनन्सी ॲक्ट, 1952 (1952 चो म्हैसूर अधिनियम तेरा)
 - 48. दि कूर्ग टेनण्ट्स् ॲक्ट, 1957 (1957 चो म्हैसूर अधिनियम चवदा)
 - 49. दि मैसोर विलेज ऑफिसेस ॲबॉलिशन ॲक्ट, 1961 (1961 चो म्हैसूर अधिनियम चवदा)
- 50. दि हैदराबाद टेनन्सी ॲण्ड ॲग्रिकल्चरल लॅण्डस (वॅलिडेशन) ॲक्ट, 1961 (1961 चो म्हैसूर अधिनियम छत्तीस)
 - 51. दि मैसोर लॅण्ड रिफॉर्म्स ॲक्ट, 1961 (1962 चो म्हैसूर अधिनियम धा)
 - 52. दि ओरिसा लॅण्ड रिफॉर्म्स ॲक्ट, 1960 (1960 चो ओरिसा अधिनियम सोळा)
- 53. दि ओरिसा मर्ज्ड टेरिटरीज (विलेज ऑफिसेस ॲबॉलिशन) ॲक्ट, 1963 (1963 चो ओरिसा अधिनियम धा)
 - 54. दि पंजाब सिक्युरिटी ऑफ लॅण्ड टेन्युअर्स ॲक्ट, 1953 (1953 चो पंजाब अधिनियम धा)
 - 55. दि राजस्थान टेनन्सी ॲक्ट, 1955 (1955 चो राजस्थान अधिनियम तीन)
- 56. दि राजस्थान जमीनदारी ॲण्ड विश्वेदारी ॲबॉलिशन ॲक्ट, 1959 (1959 चो राजस्थान अधिनियम आठ)
- 57. दि कुमायू ॲण्ड उत्तराखंड जमीनदारी ॲबॉलिशन ॲण्ड लॅण्ड रिफॉर्म्स ॲक्ट, 1960 (1960 चो उत्तर प्रदेश अधिनियम सतरा)
- 58. दि उत्तर प्रदेश इंपोझिशन ऑफ सिलिंग ऑन लॅण्ड होल्डिंग्ज ॲक्ट, 1960 (1961 चो उत्तर प्रदेश अधिनियम एक)
 - 59. दि वेस्ट बेंगॉल इस्टेट्स् ॲक्विझिशन ॲक्ट, 1953 (1954 चो अस्तंत बंगाल अधिनियम एक)
 - 60. दि वेस्ट बेंगॉल लॅण्ड रिफॉर्म्स ॲक्ट, 1955 (1956 चो अस्तंत बंगाल अधिनियम धा)
 - 61. दि देल्ही लॅण्ड रिफॉर्म्स ॲक्ट, 1954 (1954 चो दिल्ली अधिनियम आठ)
 - 62. दि देल्ही लॅण्ड होल्डिंग्ज (सिलिंग) ॲक्ट, 1960 (1960 चो केंद्रीय अधिनियम चोवीस)
 - 63. दि मणिपूर लॅण्ड रेवेन्यू ॲण्ड लॅण्ड रिफॉर्म्स ॲक्ट, 1960 (1960 चो केंद्रीय अधिनियम तेत्तीस)
 - 64. दि त्रिपुरा लॅण्ड रेवेन्यू ॲण्ड लॅण्ड रिफॉर्म्स ॲक्ट, 1960 (1960 चो केंद्रीय अधिनियम शेचाळीस)
 - 4[65. दि केरळ लॅण्ड रिफॉर्म्स (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1969 (1969 चो केरळ अधिनियम पस्तीस)
 - 66. दि केरळ लॅण्ड रिफॉर्म्स (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1971 (1971 चो केरळ अधिनियम पंचवीस)]
- ⁵[67. दि आंध्र प्रदेश लॅण्ड रिफॉर्म्स ॲक्ट (सिलिंग ऑन ॲग्रीकल्चरल होल्डिंग्ज) ॲक्ट, 1973 (1973चो आंध्र प्रदेश अधिनियम एक)
- 68. दि बिहार लॅण्ड रिफॉर्म्स (फिक्सेशन ऑफ सिलिंग एरिया ॲण्ड ॲक्विझिशन ऑफ सर्प्लस लॅण्ड) ॲक्ट, 1972 (1973 चो बिहार अधिनियम एक)
- 69. दि बिहार लॅण्ड रिफॉर्म्स (फिक्सेशन ऑफ सिलिंग एरिया ॲण्ड ॲक्विझिशन ऑफ सर्प्लस लॅण्ड) (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1973 (1973 चो बिहार अधिनियम णव.)

- 70. The Bihar Land Reforms (Amendment) Act, 1972 (Bihar Act V of 1972).
- 71. The Gujarat Agricultural Lands Ceiling (Amendment) Act, 1972 (Gujarat Act 2 of 1974).
- 72. The Haryana Ceiling on Land Holdings Act, 1972 (Haryana Act 26 of 1972).
- 73. The Himachal Pradesh Ceiling on Land Holdings Act, 1972 (Himachal Pradesh Act 19 of 1973).
- 74. The Kerala Land Reforms (Amendment) Act, 1972 (Kerala Act 17 of 1972).
- 75. The Madhya Pradesh Ceiling on Agricultural Holdings (Amendment) Act, 1972 (Madhya Pradesh Act 12 of 1974).
- 76. The Madhya Pradesh Ceiling on Agricultural Holdings (Second Amendment) Act, 1972 (Madhya Pradesh Act 13 of 1974).
 - 77. The Mysore Land Reforms (Amendment) Act, 1973 (Karnataka Act 1 of 1974).
 - 78. The Punjab Land Reforms Act, 1972 (Punjab Act 10 of 1973).
- 79. The Rajasthan Imposition of Ceiling on Agricultural Holdings Act; 1973 (Rajasthan Act 11 of 1973).
- 80. The Gudalur Janmam Estates (Abolition and Conversion into Ryotwari) Act, 1969 (Tamil Nadu Act 24 of 1969).
 - 81. The West Bengal Land Reforms (Amendment) Act, 1972 (West Bengal Act XII of 1972).
 - 82. The West Bengal Estates Acquisition (Amendment) Act, 1964 (West Bengal Act XXII of 1964).
- 83. The West Bengal Estates Acquisition (Second Amendment) Act, 1973 (West Bengal Act XXXIII of 1973).
- 84. The Bombay Tenancy and Agricultural Lands (Gujarat Amendment) Act, 1972 (Gujarat Act 5 of 1973).
 - 85. The Orissa Land Reforms (Amendment) Act, 1974 (Orissa Act 9 of 1974).
- 86. The Tripura Land Revenue and Land Reforms (Second Amendment) Act, 1974 (Tripura Act 7 of 1974).]
 - ⁶[⁷87. * * * * *
 - 88. The Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (Central Act 65 of 1951).
 - 89. The Requisitioning and Acquisition of Immovable Property Act, 1952 (Central Act 30 of 1952).
 - 90. The Mines and Minerals (Regulation and Development) Act, 1957:(Central Act 67 of 1957).
 - 91. The Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (Central Act 54 of 1969).

 - 93. The Coking Coal Mines (Emergency Provisions) Act, 1971 (Central Act 64 of 1971).

- 70. दि बिहार लॅण्ड रिफॉर्म्स (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1972 (1972 चो बिहार अधिनियम पांच.)
- 71. दि गुजराथ ॲग्रिकल्चरल लॅण्डस सिलिंग (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1972 (1974 चो गुजरात अधिनियम दोन)
- 72. दि हरयाणा सिलिंग ऑन लॅण्ड होल्डिंग्ज ॲक्ट, 1972 (1972 चो हरयाणा सिलिंग अधिनियम सब्वीस)
- 73. दि हिमाचल प्रदेश सिलिंग ऑन लॅण्ड होल्डिंग्ज ॲक्ट, 1972 (1973 चो हिमाचल प्रदेश अधिनियम एकोणीस)
 - 74. दि केरळ लॅण्ड रिफॉर्म्स (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1972 (1972 चो केरळ अधिनियम सतरा.)
 - 75. दि मध्यप्रदेश सिलिंग ऑन ॲग्रिकल्चरल होल्डिंग्ज (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1972 (1974 चो मध्यप्रदेश अधिनियम बारा)
- 76. दि मध्यप्रदेश सिलिंग ऑन ॲग्रिकल्चरल होल्डिंग्ज (सेकंड अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1972 (1974 चो मध्यप्रदेश अधिनियम तेरा)
 - 77. दि मैसोर लॅण्ड रिफॉर्म्स (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1973 (1974 चो कर्नाटक अधिनियम एक)
 - 78. दि पंजाब लॅण्ड रिफॉर्म्स ॲक्ट, 1972 (1973 चो पंजाब अधिनियम धा)
- 79. दि राज्यस्थान इंपोजिशन ऑफ सिलिंग ऑन ॲग्रिकल्चरल होल्डिंग्ज ॲक्ट, 1973 (1973 चो राजस्थान अधिनियम इकरा)
- 80. दि गुदालूर जन्मम इस्टेट (ॲबॉलिशन ॲण्ड कन्वर्जन इण्टु रयतवारी) ॲक्ट, 1969 (1969 चो तामिळनाडु अधिनियम चोवीस)
 - 81. दि वेस्ट बेंगॉल लॅण्ड रिफॉर्म्स (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1972 (1972 चो अस्तंत बंगाल अधिनियम बारा)
- 82. दि वेस्ट बेंगॉल इस्टेट्स ॲक्विझिशन (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1964 (1964 चो अस्तंत बंगाल अधिनियम बावीस)
- 83. दि वेस्ट बेंगॉल इस्टेट्स ॲक्विझिशन (सेकंड अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1973 (1973 चो अस्तंत बंगाल अधिनियम तेत्तीस)
- 84. दि बॉम्बे टेनन्सी ॲण्ड ॲग्रिकल्चरल लॅण्ड्स् (गुजराथ अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1972 (1973 चो गुजराथ अधिनियम पांच)
 - 85. दि ओरिसा लॅण्ड रिफॉर्म्स (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1974 (1974 चो ओरिसा अधिनियम णव)
- 86. दि त्रिपुरा लॅण्ड रेवेन्यू ॲण्ड लॅण्ड रिफॉर्म्स (सेकंड अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1974 (1974 चो त्रिपुरा अधिनियम सात)
 - 6[787.* * * * * *
 - 88. दि इंडस्ट्रीज (डिव्हलपमेंट ॲण्ड रेग्युलेशन) ॲक्ट, 1951 (1951 चो केंद्रीय अधिनियम पासष्ट)
- 89. दि रिक्विझिशनिंग ॲण्ड ॲक्विझिशन ऑफ इम्मुवेबल प्रॉपर्टी ॲक्ट, 1952 (1952 चो केंद्रीय अधिनियम तीस)
- 90. दि मायन्स् ॲण्ड मिनरल्स (रेग्युलेशन ॲण्ड डिव्हलपमेंट) ॲक्ट, 1957 (1957 चो केंद्रीय अधिनियम सातसष्ट)
 - 91. दि मॉनॉपॉलिज ॲण्ड रेस्ट्रिक्टिव ट्रेड प्रॅक्टिसेस ॲक्ट, 1969 (1969 चो केंद्रीय अधिनियम चोवपन)
 ⁸92. * * * * * * *
 - 93. दि कोकिंग कोल मायन्स् (इमर्जन्सी प्रोविजन्स) ॲक्ट, 1971 (1971 चो केंद्रीय अधिनियम चौसष्ट,)

- 94. The Coking Coal Mines (Nationalisation) Act, 1972 (Central Act 36 of 1972).
- 95. The General Insurance Business (Nationalisation) Act, 1972 (Central Act 57 of 1972).
- 96. The Indian Copper Corporation (Acquistion of Undertaking) Act, 1972 (Central Act 58 of 1972).
- 97. The Sick Textile Undertakings (Taking Over of Management) Act, 1972 (Central Act 72 of 1972).
- 98. The Coal Mines (Taking Over of Management) Act, 1973 (Central Act 15 of 1973).
- 99. The Coal Mines (Nationalisation) Act, 1973 (Central Act 26 of 1973).
- 100. The Foreign Exchange Regulation Act, 1973 (Central Act 46 of 1973).
- 101. The Alcock Ashdown Company Limited (Acquisition of Undertakings) Act, 1973 (Central Act 56 of 1973).
 - 102. The Coal Mines (Conservation and Development) Act, 1974 (Central Act 28 of 1974).
 - 103. The Additional Emoluments (Compulsory Deposit) Act, 1974 (Central Act 37 of 1974).
- 104. The Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (Central Act 52 of 1974).
 - 105. The Sick Textile Undertakings (Nationalisation) Act, 1974 (Central Act 57 of 1974).
- 106. The Maharashtra Agricultural Lands (Ceiling on Holdings) (Amendment) Act, 1964 (Maharashtra Act XVI of 1965).
- 107. The Maharashtra Agricultural Lands (Ceiling on Holdings) (Amendment) Act, 1965 (Maharashtra Act XXXII of 1965).
- 108. The Maharashtra Agricultural Lands (Ceiling on Holdings) (Amendment) Act, 1968 (Maharashtra Act XVI of 1968).
- 109. The Maharashtra Agricultural Lands (Ceiling on Holdings) (Second Amendment) Act, 1968 (Maharashtra Act XXXIII of 1968).
- 110. The Maharashtra Agricultural Lands (Ceiling on Holdings) (Amendment) Act, 1969 (Maharashtra Act XXXVII of 1969).
- 111. The Maharashtra Agricultural Lands (Ceiling on Holdings) (Second Amendment) Act, 1969 (Maharashtra Act XXXVIII of 1969).
- 112. The Maharashtra Agricultural Lands (Ceiling on Holdings) (Amendment) Act, 1970 (Maharashtra Act XXVII of 1970).
- 113. The Maharashtra Agricultural Lands (Ceiling on Holdings) (Amendment) Act, 1972 (Maharashtra Act XIII of 1972).

- 94. दि कोकिंग कोल मायन्स् (नॅशनलायझेशन) ॲक्ट, 1972 (1972 चो केंद्रीय अधिनियम छत्तीस,)
- 95. दि जनरल इन्शुरन्स बिझनेस (नॅशनलायझेशन) ॲक्ट, 1972 (1972 चो केंद्रीय अधिनियम सत्तावन)
- 96. दि इंडियन कॉपर कॉर्पोरेशन (ॲक्विझिशन ऑफ अण्डरटेकिंग) ॲक्ट, 1972 (1972 चो केंद्रीय अधिनियम अठ्ठावन)
- 97. दि सिक टेक्स्टायल अंडरटेकिंग्ज (टेकिंग ओवर ऑफ मॅनेजमेण्ट) ॲक्ट, 1972 (1972 चो केंद्रीय अधिनियम बात्तर)
 - 98. दि कोल मायन्स (टेकिंग ओवर ऑफ मॅनेजमेण्ट) ॲक्ट, 1973 (1973 चो अधिनियम पंदरा)
 - 99. दि कोल मायन्स (नॅशनलायझेशन) ॲक्ट, 1973 (1973 चो केंद्रीय अधिनियम सव्वीस)
 - 100. दि फॉरेन एक्स्चेंज रेग्युलेशन ॲक्ट, 1973 (1973 चो केंद्रीय अधिनियम शेचाळीस)
- 101. दि अल्कॉक ॲशडावन कंपनी लिमिटेड (ॲक्विझिशन ऑफ अण्डरटेकिंग्ज) ॲक्ट, 1973 (1973 चो केंद्रीय अधिनियम शापन्न)
- 102. दि कोल मायन्स (कॉन्झर्वेशन ॲण्ड डिव्हलपमेंट) ॲक्ट, 1974 (1974 चो केंद्रीय अधिनियम अठ्ठावीस)
- 103. दि ॲडिशनल इमोल्युमेंट्स (कम्पल्सरी डिपॉझिट) ॲक्ट, 1974 (1974 चो केंद्रीय अधिनियम सादतीस)
- 104. दि कॉन्झर्वेशन ऑफ फॉरेन एक्स्चेंज ॲण्ड प्रिवेन्शन ऑफ स्मग्लिंग ॲक्टिविटिज ॲक्ट, 1974 (1974 चो केंद्रीय अधिनियम बावन)
- 105. दि सिक टेक्स्टायल अण्डरटेकिंग्ज (नॅशनलायझेशन) ॲक्ट, 1974 (1974 चो केंद्रीय अधिनियम सत्तावन)
- 106. दि महाराष्ट्र ॲग्रिकल्चरल लॅण्ड्स् (सिलिंग ऑन होल्डिंग्स) (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1964 (1965 चो महाराष्ट्र अधिनियम सोळा)
- 107. दि महाराष्ट्र ॲग्रिकल्चरल लॅण्ड्स् (सिलिंग ऑन होल्डिंग्स) (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1965 (1965 चो महाराष्ट्र अधिनियम बत्तीस)
- 108. दि महाराष्ट्र ॲग्रिकल्चरल लॅण्ड्स् (सिलिंग ऑन होल्डिंग्स) (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1968 (1968 चो महाराष्ट्र अधिनियम सोळा)
- 109. दि महाराष्ट्र ॲग्रिकल्चरल लॅण्ड्स् (सिलिंग ऑन होल्डिंग्स) (सेकंड अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1968 (1968 चो महाराष्ट्र अधिनियम तेत्तीस)
- 110. दि महाराष्ट्र ॲग्रिकल्चरल लॅण्ड्स् (सिलिंग ऑन होल्डिंग्स) (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1969 (1969 चो महाराष्ट्र अधिनियम सादतीस)
- 111. दि महाराष्ट्र ॲग्रिकल्चरल लॅण्ड्स् (सिलिंग ऑन होल्डिंग्स) (सेकंड अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1969 (1969 चो महाराष्ट्र अधिनियम आडटीस)
- 112. दि महाराष्ट्र ॲग्रिकल्चरल लॅण्ड्स् (सिलिंग ऑन होल्डिंग्स) (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1970 (1970 चो महाराष्ट्र अधिनियम सत्तावीस)
- 113. दि महाराष्ट्र ॲग्रिकल्चरल लॅण्ड्स् (सिलिंग ऑन होल्डिंग्स) (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1972 (1972 चो महाराष्ट्र अधिनियम तेरा)

- 114. The Maharashtra Agricultural Lands (Ceiling on Holdings) (Amendment) Act, 1973 (Maharashtra Act L of 1973).
 - 115. The Orissa Land Reforms (Amendment) Act, 1965 (Orissa Act 13 of 1965).
 - 116. The Orissa Land Reforms (Amendment) Act, 1966 (Orissa Act 8 of 1967).
 - 117. The Orissa Land Reforms (Amendment) Act, 1967 (Orissa Act 13 of 1967).
 - 118. The Orissa Land Reforms (Amendment) Act, 1969 (Orissa Act 13 of 1969).
 - 119. The Orissa Land Reforms (Amendment) Act, 1970 (Orissa Act 18 of 1970).
- 120. The Uttar Pradesh Imposition of Ceiling on Land Holdings (Amendment) Act, 1972 (Uttar Pradesh Act 18 of 1973).
- 121. The Uttar Pradesh Imposition of Ceiling on Land Holdings (Amendment) Act, 1974 (Uttar Pradesh Act 2 of 1975).
- 122. The Tripura Land Revenue and Land Reforms (Third Amendment) Act, 1975 (Tripura Act 3 of 1975).
 - 123. The Dadra and Nagar Haveli Land Reforms Regulation, 1971 (3 of 1971).
 - 124. The Dadra and Nagar Haveli Land Reforms (Amendment) Regulation, 1973 (5 of 1973).]
 - [125. Section 66A and Chapter IVA of the Motor Vehicles Act, 1939 (Central Act 4 of 1939).
 - 126. The Essential Commodities Act, 1955 (Central Act 10 of 1955).
- 127. The Smugglers and Foreign Exchange Manipulators (Forfeiture of Property) Act, 1976 (Central Act 13 of 1976).
 - 128. The Bonded Labour System (Abolition) Act, 1976 (Central Act 19 of 1976).
- 129. The Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities (Amendment) Act, 1976 (Central Act 20 of 1976).
 - ¹⁰130. *
 - 131. The Levy Sugar Price Equalisation Fund Act, 1976 (Central Act 31 of 1976).
 - 132. The Urban Land (Ceiling and Regulation) Act, 1976 (Central Act 33 of 1976).
- 133. The Departmentalisation of Union Accounts (Transfer of Personnel) Act, 1976 (Central Act 59 of 1976).
 - 134. The Assam Fixation of Ceiling on Land Holdings Act, 1956 (Assam Act I of 1957).
- 135. The Bombay Tenancy and Agricultural Lands (Vidarbha Region) Act, 1958 (Bombay Act XCIX of 1958).
 - 136. The Gujarat Private Forests (Acquisition) Act, 1972 (Gujarat Act 14 of 1973).
 - 137. The Haryana Ceiling on Land Holding (Amendment) Act, 1976 (Haryana Act 17 of 1976).

- 114. दि महाराष्ट्र ॲग्रिकल्चरल लॅण्ड्स् (सिलिंग ऑन होल्डिंग्स) (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1973 (1973 चो महाराष्ट्र अधिनियम पन्नास)
 - 115. दि ओरिसा लॅण्ड रिफॉर्म्स (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1965 (1965 चो ओरिसा अधिनियम तेरा)
 - 116. दि ओरिसा लॅण्ड रिफॉर्म्स (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1966 (1967 चो ओरिसा अधिनियम आठ)
 - 117. दि ओरिसा लॅण्ड रिफॉर्म्स (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1967 (1967 चो ओरिसा अधिनियम तेरा)
 - 118. दि ओरिसा लॅण्ड रिफॉर्म्स (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1969 (1969 चो ओरिसा अधिनियम तेरा)
 - 119. दि ओरिसा लॅण्ड रिफॉर्म्स (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1970 (1970 चो ओरिसा अधिनियम अठरा)
- 120. दि उत्तर प्रदेश इम्पोझिशन ऑफ सिलिंग ऑन लॅण्ड होल्डिंग्स (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1972 (1973 चो उत्तर प्रदेश अधिनियम अठरा)
- 121. दि उत्तर प्रदेश इम्पोझिशन ऑफ सिलिंग ऑन लॅण्ड होल्डिंग्स (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1974 (1975 चो उत्तर प्रदेश अधिनियम दोन)
- 122. दि त्रिपुरा लॅण्ड रेवेन्यू ॲण्ड लॅण्ड रिफॉर्म्स (थर्ड अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1975 (1975 चो त्रिपुरा अधिनियम तीन)
 - 123. दि दादरा ॲण्ड नगर हवेली लॅण्ड रिफॉर्म्स रेग्युलेशन, 1971 (1971 चो तीन)
- 124. दि दादरा ॲण्ड नगर हवेली लॅण्ड रिफॉर्म्स (अमेंडमेंट) रेग्युलेशन, 1973 (1973 चो अधिनियम पांच)]
- ⁹[125. दि मोटर वेहिकल्स ॲक्ट, 1939 (1939 चो केंद्रीय अधिनियम चार) अनुभाग 66 क आनी प्रकरण 4 थें -क)
 - 126. दि एसेनश्ल कमॉडिटिज ॲक्ट, 1955 (1955 चो केंद्रीय अधिनियम तेरा)
- 127. दि स्मगलर्स ॲण्ड फॉरेन एक्स्चेंज मॅनिप्युलेटर्स (फोरिफचर ऑफ प्रॉपर्टी) ॲक्ट, 1976 (1976 चो केंद्रीय अधिनियम तेरा)
 - 128. धि बॉण्डेंड लेबर सिस्टम (ॲबॉलिशन) ॲक्ट 1976 (1976 चो केंद्रीय अधिनियम एकोणीस)
- 129. दि कॉन्झर्वेशन ऑफ फॉरेन एक्स्चेंज ॲण्ड प्रिवेन्शन ऑफ स्मगलिंग ॲक्टिविटिज (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1976 (1976 चो केंद्रीय अधिनियम वीस)
 - ¹⁰130. * * * * * * *
 - 131. दि लेव्ही शुगर प्रायस इक्वलायझेशन फंड ॲक्ट, 1976 (1976 चो केंद्रीय अधिनियम एकतीस).
 - 132. दि अर्बन लॅण्ड (सिलिंग ॲण्ड रेग्युलेशन) ॲक्ट 1976 (1976 चो केंद्रीय अधिनियम तेत्तीस).
- 133. दि डिपार्टमेण्टलायझेशन ऑफ युनियन अकाउण्ट्स् (ट्रान्सफर ऑफ पर्सोनेल) ॲक्ट, 1976 (1976 चो केंद्रीय अधिनियम एकोणसाठ)
- 134. दि आसाम फिक्सेशन ऑफ सिलिंग ऑन लॅण्ड होल्डिंग्स ॲक्ट, 1956 (1957 चो आसाम अधिनियम एक).
- 135. दि बॉम्बे टेनन्सी ॲण्ड ॲग्रिकलचरल लॅण्ड्स् (विदर्भ रिजन) ॲक्ट, 1958 (1958 चो मुंबई अधिनियम णव्याण्णव)
 - 136. दि गुजराथ प्रायव्हेट फॉरेस्ट्स् (ॲक्विझिशन) ॲक्ट, 1972 (1973 चो गुजराथ आधिनियम चवदा)
- 137. दि हरयाणा सिलिंग ऑन लॅण्ड होल्डिंग्स (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1976 (1976 चो हरयाणा आधिनियम सतरा)

- 138. The Himachal Pradesh Tenancy and Land Reforms Act, 1972 (Himachal Pradesh Act 8 of 1974).
- 139. The Himachal Pradesh Village Common Lands Vesting and Utilization Act, 1974 (Himachal Pradesh Act 18 of 1974).
- 140. The Karnataka Land Reforms (Second Amendment and Miscellaneous Provisions) Act, 1974 (Karnataka Act 31 of 1974).
 - 141. The Karnataka Land Reforms (Second Amendment) Act, 1976 (Karnataka Act 27 of 1976).
 - 142. The Kerala Prevention of Eviction Act, 1966 (Kerala Act 12 of 1966).
 - 143. The Thiruppuvaram Payment (Abolition) Act, 1969 (Kerala Act 19 of 1969).
 - 144. The Sreepadam Lands Enfranchisement Act, 1969 (Kerala Act 20 of 1969).
- 145. The Sree Pandaravaka Lands (Vesting and Enfranchisement) Act, 1971 (Kerala Act 20 of 1971).
 - 146. The Kerala Private Forests (Vesting and Assignment) Act, 1971 (Kerala Act 26 of 1971).
 - 147. The Kerala Agricultural Workers Act, 1974 (Kerala Act 18 of 1974).
 - 148. The Kerala Cashew Factories (Acquisition) Act, 1974 (Kerala Act 29 of 1974).
 - 149. The Kerala Chitties Act, 1975 (Kerala Act 23 of 1975).
- 150. The Kerala Scheduled Tribes (Restriction on Transfer of Lands and Restoration of Alienated Lands) Act, 1975 (Kerala Act 31 of 1975).
 - 151. The Kerala Land Reforms (Amendment) Act, 1976 (Kerala Act 15 of 1976).
 - 152. The Kanam Tenancy Abolition Act, 1976 (Kerala Act 16 of 1976).
- 153. The Madhya Pradesh Ceiling on Agricultural Holdings (Amendment) Act, 1974 (Madhya Pradesh Act 20 of 1974).
- 154. The Madhya Pradesh Ceiling on Agricultural Holdings (Amendment) Act, 1975 (Madhya Pradesh Act 2 of 1976).
- 155. The West Khandesh Mehwassi Estates (Proprietary Rights Abolition, etc.) Regulation, 1961 (Maharashtra Regulation 1 of 1962).
- 156. The Maharashtra Restoration of Lands to Scheduled Tribes Act, 1974 (Maharashtra Act XIV of 1975).
- 157. The Maharashtra Agricultural Lands (Lowering of Ceiling on Holdings) and (Amendment) Act, 1972 (Maharashtra Act XXI of 1975).
 - 158. The Maharashtra Private Forests (Acquisition) Act, 1975 (Maharashtra Act XXIX of 1975).
- 159. The Maharashtra Agricultural Lands (Lowering of Ceiling on Holdings) and (Amendment) Amendment Act, 1975 (Maharashtra Act XLVII of 1975).

- 138. दि हिमाचल प्रदेश टेनन्सी ॲण्ड लॅण्ड रिफॉर्म्स ॲक्ट, 1972 (1974 चो हिमाचल प्रदेश अधिनियम आठ)
- 139. दि हिमाचल प्रदेश व्हिलेज कॉमन लॅण्ड्स वेस्टिंग ॲण्ड युटिलायझेशन ॲक्ट, 1974 (1974 चो हिमाचल प्रदेश आधिनियम अठरा)
- 140. दि कर्नाटक लॅण्ड रिफॉर्म्स (सेकंड अमेंडमेंट ॲण्ड मिसलीनियस प्रोविजन्स) ॲक्ट, 1974 (1974 चो कर्नाटक आधिनियम एकतीस)
 - 141. दि कर्नाटक लॅण्ड रिफॉर्म्स (सेकंड अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1976 (1976 चो कर्नाटक आधिनियम सत्तावीस)
 - 142. दि केरळ प्रिवेन्शन ऑफ एविक्शन ॲक्ट, 1966 (1966 चो केरळ आधिनियम बारा)
 - 143. दि थिरूप्पुवरम् पेमेंट (ॲबॉलिशन) ॲक्ट, 1969 (1969 चो केरळ आधिनियम एकोणीस)
 - 144. दि श्रीपादम लॅण्डस् एन्फ्रॅन्चायजमेंट ॲक्ट, 1969 (1969 चो केरळ आधिनियम वीस)
- 145. दि श्री पान्डरवक लॅण्डस् (वेस्टिंग ॲण्ड एन्फ्रॅन्चायजमेंट) ॲक्ट, 1971 (1971 चो केरळ आधिनियम वीस)
- 146. दि केरळ प्रायवेट फॉरेस्टस् (वेस्टिंग ॲण्ड आसायन्मेण्ट) ॲक्ट, 1971 (1971 चो केरळ आधिनियम संव्वीस)
 - 147. दि केरळ ॲग्रिकलचरल वर्कर्स ॲक्ट, 1974 (1974 चो केरळ आधिनियम अठरा)
 - 148. दि केरळ कॅश्यू फॅक्टरीज (ॲक्विझिशन) ॲक्ट, 1974 (1974 चो केरळ आधिनियम एकोणटीस)
 - 149. दि केरळ चिट्टीज ॲक्ट, 1975 (1975 चो केरळ आधिनियम तेवीस)
- 150. दि केरळ शेड्यूल्ड ट्रायब्स (रेस्ट्रिक्शन ऑन ट्रान्सफर ऑफ लॅण्डस् ॲण्ड रेस्टोरेशन ऑफ एलियनेटेड लॅण्डस्) ॲक्ट, 1975 (1975 चो केरळ आधिनियम एकतीस)
 - 151. दि केरळ लॅण्ड रिफॉर्म्स (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1976 (1976 चो केरळ आधिनियम पंदरा)
 - 152. दि कानम् टेनन्सी ॲबॉलिशन ॲक्ट, 1976 (1976 चो केरळ आधिनियम पंदरा)
- 153. दि मध्यप्रदेश सिलिंग ऑन ॲग्रिकल्चरल होल्डिंग्ज (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1974 (1974 चो मध्यप्रदेश आधिनियम वीस)
- 154. दि मध्यप्रदेश सिलिंग ऑन ॲग्रिकल्चरल होल्डिंग्ज (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1975 (1976 चो मध्यप्रदेश आधिनियम दोन)
- 155. दि वेस्ट खानदेश मेहवासी इस्टेट्स् (प्रोप्रायटरी रायट्स् ॲबॉलिशन एस्टेट्स्) रेग्युलेशन, 1961 (1962 चो महाराष्ट्र विनियम एक)
- 156. दि महाराष्ट्र रेस्टोरेशन ऑफ लॅण्ड्स् टू शेड्यूल्ड ट्रायब्स ॲक्ट, 1974 (1975 चो महाराष्ट्र अधिनियम चवदा)
- 157. दि महाराष्ट्र ॲग्रिकल्चरल लॅण्डस् (लोअरिंग ऑफ सिलिंग ऑन होल्डिंग्ज) ॲण्ड (अमेंडमेण्ट) ॲक्ट, 1973 (1975 चो महाराष्ट्र अधिनियम एकवीस)
- 158. दि महाराष्ट्र प्रायवेट फॉरेस्ट्स् (ऑन्वीझिशन) ॲक्ट, 1975 (1975 चो महाराष्ट्र अधिनियम एकोणतीस)
- 159. दि महाराष्ट्र ॲग्रिकलचरल लॅण्ड्स् (लोअरिंग ऑफ सिलिंग ऑन होल्डिंग्स) ॲण्ड (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1975 (1975 चो महाराष्ट्र अधिनियम सत्तेचाळीस)

- 160. The Maharashtra Agricultural Lands (Ceiling on Holdings) (Amendment) Act, 1975 (Maharashtra Act II of 1976).
 - 161. The Orissa Estates Abolition Act, 1951 (Orissa Act lof 1952).
 - 162. The Rajasthan Colonisation Act, 1954 (Rajasthan Act XXVII of 1954).
- 163. The Rajasthan Land Reforms and Acquistion of Landowners' Estates Act, 1963 (Rajasthan Act 11 of 1964).
- 164. The Rajasthan Imposition of Ceiling on Agricultural Holdings (Amendment) Act, 1976 (Rajasthan Act 8 of 1976).
 - 165. The Rajasthan Tenancy (Amendment) Act, 1976 (Rajasthan Act 12 of 1976).
- 166. The Tamil Nadu Land Reforms (Reduction of Ceiling on Land) Act, 1970 (Tamil Nadu Act 17 of 1970).
- 167. The Tamil Nadu Land Reforms (Fixation of Ceiling on Land) Amendment Act, 1971 (Tamil Nadu Act 41 of 1971).
- 168. The Tamil Nadu Land Reforms (Fixation of Ceiling on Land) Amendment Act, 1972 (Tamil Nadu Act 10 of 1972).
- 169. The Tamil Nadu Land Reforms (Fixation of Ceiling on Land) Second Amendment Act, 1972 (Tamil Nadu Act 20 of 1972).
- 170. The Tamil Nadu Land Reforms (Fixation of Ceiling on Land) Third Amendment Act, 1972 (Tamil Nadu Act 37 of 1972).
- 171. The Tamil Nadu Land Reforms (Fixation of Ceiling on Land) Fourth Amendment Act, 1972 (Tamil Nadu Act 39 of 1972).
- 172. The Tamil Nadu Land Reforms (Fixation of Ceiling on Land) Sixth Amendment Act, 1972 (Tamil Nadu Act 7 of 1974).
- 173. The Tamil Nadu Land Reforms (Fixation of Ceiling on Land) Fifth Amendment Act, 1972 (Tamil Nadu Act 10 of 1974).
- 174. The Tamil Nadu Land Reforms (Fixation of Ceiling on Land) Amendment Act, 1974 (Tamil Nadu Act 15 of 1974).
- 175. The Tamil Nadu Land Reforms (Fixation of Ceiling on Land) Third Amendment Act, 1974 (Tamil Nadu Act 30 of 1974).
- 176. The Tamil Nadu Land Reforms (Fixation of Ceiling on Land) Second Amendment Act, 1974 (Tamil Nadu Act 32 of 1974).
- 177. The Tamil Nadu Land Reforms (Fixation of Ceiling on Land) Amendment Act, 1975 (Tamil Nadu Act 11 of 1975).
- 178. The Tamil Nadu Land Reforms (Fixation of Ceiling on Land) Second Amendment Act, 1975 (Tamil Nadu Act 21 of 1975).

- 160. दि महाराष्ट्र ॲग्रिकसचरल लॅण्ड्स् (सिलिंग ऑन होल्डिंग्स) (अमेडमेंट) ॲक्ट, 1975 (1976 चो महाराष्ट्र अधिनियम दोन)
 - 161. दि ओरिसा इस्टेट्स ॲबॉलिशन ॲक्ट, 1951, (1952 चो ओरिसा अधिनियम एक)
 - 162. राजस्थान उपनिवेशन अधिनियम, 1954 (1954 चो राजस्थान अधिनियम सत्तावीस)
- 163. दि राजस्थान लॅण्ड रिफॉर्म्स ॲण्ड ॲक्विझिशन ऑफ लॅण्ड ओनर्स एस्टेट्स् ॲक्ट, 1963 (1964 चो राजस्थान अधिनियम इकरा)
- 164. दि राजस्थान इम्पोझिशन ऑफ सिलिंग ऑन ॲग्रिकल्चरल होल्डिंग्स (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1976 (1976 चो राजस्थान अधिनियम आठ)
 - 165. दि राजस्थान टेनन्सी (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1976 (1976 चो राजस्थान अधिनियम बारा)
- 166. दि तामिळनाडू लॅण्ड रिफॉर्म्स (रिडक्शन ऑफ सिलिंग ऑन लॅण्ड) ॲक्ट, 1970 (1970 चो तामिळनाडु अधिनियम सतरा)
- 167. दि तामिळनाडु लॅण्ड रिफॉर्म्स (फिक्सेशन ऑफ सिलिंग ऑन लॅण्ड) अमेंडमेंट ॲक्ट, 1971 (1971 चो तामिळनाडु अधिनियम एकेचाळीस)
- 168. दि तामिळनाडु लॅण्ड रिफॉर्म्स (फिक्सेशन ऑफ सिलिंग ऑन लॅण्ड) अमेंडमेंट ॲक्ट, 1972 (1972 चो तामिळनाडु अधिनियम धा)
- 169. दि तामिळनाडु लॅण्ड रिफॉर्म्स (फिक्सेशन ऑफ सिलिंग ऑन लॅण्ड)सेकंड अमेंडमेंट ॲक्ट, 1972 (1972 चो तामिळनाडु अधिनियम वीस)
- 170. दि तामिळनाडु लॅण्ड रिफॉर्म्स (फिक्सेशन ऑफ सिलिंग ऑन लॅण्ड) थर्ड अमेंडमेंट ॲक्ट, 1972 (1972 चो तामिळनाडु अधिनियम सादतीस)
- 171. दि तामिळनाडु लॅण्ड रिफॉर्म्स (फिक्सेशन ऑफ सिलिंग ऑन लॅण्ड) फोर्थ अमेंडमेंट ऑक्ट, 1972 (1972 चो तामिळनाडु अधिनियम एकोणचाळीस)
- 172. दि तामिळनाडु लॅण्ड रिफॉर्म्स (फिक्सेशन ऑफ सिलिंग ऑन लॅण्ड) सिक्स्थ अमेंडमेंट ॲक्ट, 1972 (1974 चो तामिळनाडु अधिनियम सात)
- 173. दि तामिळनाडु लॅण्ड रिफॉर्म्स (फिक्सेशन ऑफ सिलिंग ऑन लॅण्ड) फिफ्थ अमेंडमेंट ऑक्ट, 1972 (1974 चो तामिळनाडु अधिनियम धा)
- 174. दि तामिळनाडु लॅण्ड रिफॉर्म्स (फिक्सेशन ऑफ सिलिंग ऑन लॅण्ड) अमेंडमेंट ॲक्ट, 1974 (1974 चो तामिळनाडु अधिनियम पंदरा)
- 175. दि तामिळनाडु लॅण्ड रिफॉर्म्स (फिक्सेशन ऑफ सिलिंग ऑन लॅण्ड) थर्ड अमेंडमेंट ॲक्ट, 1974 (1974 चो तामिळनाडु अधिनियम तीस)
- 176. दि तामिळनाडु लॅण्ड रिफॉर्म्स (फिक्सेशन ऑफ सिलिंग ऑन लॅण्ड) सेकंड अमेंडमेंट ॲक्ट, 1974 (1974 चो तामिळनाडु अधिनियम बत्तीस)
- 177. दि तामिळनाडु लॅण्ड रिफॉर्म्स (फिक्सेशन ऑफ सिलिंग ऑन लॅण्ड) अमेंडमेंट ॲक्ट, 1975 (1975 चो तामिळनाडु अधिनियम इकरा)
- 178. दि तामिळनाडु लॅण्ड रिफॉर्म्स (फिक्सेशन ऑफ सिलिंग ऑन लॅण्ड) सेकंड अमेंडमेंण्ट ऑक्ट, 1975 (1975 चो तामिळनाडु अधिनियम एकवीस)

- 179. Amendments made to the Uttar Pradesh Zamindari Abolition and Land Reforms Act, 1950 (Uttar Pradesh Act I of 1951) by the Uttar Pradesh Land Laws (Amendment) Act, 1971 (Uttar Pradesh Act 21 of 1971) and the Uttar Pradesh Land Laws (Amendment) Act, 1974 (Uttar Pradesh Act 34 of 1974).
- 180. The Uttar Pradesh Imposition of Ceiling on Land Holdings (Amendment) Act, 1976 (Uttar Pradesh Act 20 of 1976).
- 181. The West Bengal Land Reforms (Second Amendment) Act, 1972 (West Bengal Act XXVIII of 1972).
 - 182. The West Bengal Restoration of Alienated Land Act, 1973 (West Bengal Act XXIII of 1973).
 - 183. The West Bengal Land Reforms (Amendment) Act, 1974 (West Bengal Act XXXIII of 1974).
 - 184. The West Bengal Land Reforms (Amendment) Act, 1975 (West Bengal Act XXIII of 1975).
 - 185. The West Bengal Land Reforms (Amendment) Act, 1976 (West Bengal Act XII of 1976).
 - 186. The Delhi Land Holdings (Ceiling) Amendment Act, 1976 (Central Act 15 of 1976).
- 187. The Goa, Daman and Diu Mundkars (Protection from Eviction) Act, 1975 (Goa, Daman and Diu Act 1 of 1976).
- 188. The Pondicherry Land Reforms (Fixation of Ceiling on Land) Act, 1973 (Pondicherry Act 9 of 1974).]
 - ¹¹[189. The Assam (Temporarily Settled Areas) Tenancy Act, 1971 (Assam Act XXIII of 1971).
- 190. The Assam (Temporarily Settled Areas) Tenancy (Amendment) Act, 1974 (Assam Act XVIII of 1974).
- 191. The Bihar Land Reforms (Fixation of Ceiling Area and Acquisition of Surplus Land) (Amendment) Amending Act, 1974 (Bihar Act 13 of 1975).
- 192. The Bihar Land Reforms (Fixation of Ceiling Area and Acquisition of Surplus Land) (Amendment) Act, 1976 (Bihar Act 22 of 1976).
- 193. The Bihar Land Reforms (Fixation of Ceiling Area and Acquisition of Surplus Land) (Amendmend) Act, 1978 (Bihar Act VII of 1978).
 - 194. The Land Acquisition (Bihar Amendment) Act, 1979 (Bihar Act 2 of 1980).
 - 195. The Haryana Ceiling on Land Holdings (Amendment) Act, 1977 (ℍaryana Act 14 of 1977).
- 196. The Tamil Nadu Land Reforms (Fixation of Ceiling on Land) Amendment Act, 1978 (Tamil Nadu Act 25 of 1978).
- 197. The Tamil Nadu land reforms (Fixation of Ceiling on Land) Amendment Act, 1979 (Tamil Nadu Act 11 of 1979).

- 179. दि उत्तर प्रदेश जिमनदारी ॲबॉलिशन ॲण्ड लॅण्ड रिफॉर्म्स ॲक्ट, 1950 (1951 चो उत्तर प्रदेश अधिनियम एक), दि उत्तर प्रदेश लॅण्ड लॉज (अमेडमेंट) ॲक्ट, 1971 (1971 चो उत्तर प्रदेश अधिनियम एकवीस) आनी दि उत्तर प्रदेश लॅण्ड लॉज (अमेंडमेंट) ॲक्ट 1974 (1974 चो उत्तर प्रदेश अधिनियम चवतीस) हांचेवरवीं केल्ले बदल.
- 180. दि उत्तर प्रदेश इम्पोझिशन ऑफ सिलिंग ऑन लॅण्ड होल्डिंग्स (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1976 (1976 चो उत्तर प्रदेश अधिनियम वीस)
- 181. दि वेस्ट बेंगॉल लॅण्ड रिफॉर्म्स (सेकंड अमेडमेंट) ॲक्ट, 1972 (1972 चो अस्तंत बंगाल अधिनियम अठ्ठावीस)
- 182. दि वेस्ट बेंगॉल रेस्टोरेशन ऑफ एलियनेटेड लॅण्ड ॲक्ट, 1973 (1973 चो अस्तंत बंगाल अधिनियम तेवीस)
 - 183. दि वेस्ट बेंगॉल लॅण्ड रिफॉर्म्स (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1974 (1974 चो अस्तंत बंगाल अधिनियम तेत्तीस)
 - 184. दि वेस्ट बेंगॉल लॅण्ड रिफॉर्म्स (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1975 (1975 चो अस्तंत बंगाल अधिनियम तेवीस)
 - 185. दि वेस्ट बेंगॉल लॅण्ड रिफॉर्म्स (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1976 (1976 चो अस्तंत बंगाल अधिनियम बारा)
 - 186. दि देल्ही लॅण्ड होल्डिंग्ज (सिलिंग) अमेंडमेंट ॲक्ट, 1976 (1976 चो केंद्रीय अधिनियम पंदरा)
- 187. दि गोवा, दमण ॲण्ड दीव मुंडकार्स (प्रोटेक्शन फ्रॉम एविक्शन) ॲक्ट, 1975 (1976 चो गोवा, दमण आनी दीव अधिनियम एक)
- 188. दि पाँडिचेरी लॅण्ड रिफॉर्म्स (फिक्सेशन ऑफ सिलिंग ऑन लॅण्ड) ॲक्ट, 1973 (1974 चो पाँडिचेरी अधिनियम णव)]
- ¹¹[189. दि आसाम (टेम्परिली सेटल्ड एरियाज) टेनन्सी ॲक्ट, 1971 (1971 चो आसाम अधिनियम तेवीस)
- 190. दि आसाम (टेम्परिल्ली सेटल्ड एरियाज) टेनन्सी (अभेंडमेंट) ॲक्ट, 1974 (1974 चो आसाम अधिनियम अठरा)
- 191. दि बिहार लॅण्ड रिफॉर्म्स (फिक्सेशन ऑफ सिलिंग एरियाज ॲण्ड ॲक्विझिशन ऑफ सर्प्लस लॅण्ड (अमेंडमेंट) (अमेंडिंग) ॲक्ट, 1974 (1975 चो बिहार अधिनियम तेरा)
- 192. दि बिहार लॅण्ड रिफॉर्म्स (फिक्सेशन ऑफ सिलिंग एरियास ॲण्ड ॲक्विझिशन ऑफ सर्प्लस लॅण्ड) (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1976 (1976 चो बिहार अधिनियम बावीस)
- 193. धि बिहार लॅण्ड रिफॉर्म्स (फिक्सेशन ऑफ सिलिंग एरियाज ॲण्ड ॲक्विझिशन ऑफ सर्प्लस लॅण्ड) (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1978 (1978 चो बिहार अधिनियम सात)
 - 194. दि लॅण्ड ॲक्विझिशन (बिहार अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1979 (1980 चो बिहार अधिनियम दोन)
- 195. दि हरयाणा सिलिंग ऑन लॅण्ड होल्डिंग्स (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1977 (1977 चो हरयाणा अधिनियम चवदा)
- 196. दि तामिळनाडु लॅण्ड रिफॉर्म्स (फिक्सेशन ऑफ सिलिंग ऑन लॅण्ड) अमेंडमेंट ॲक्ट, 1978 (1978 चो तामिळनाडु अधिनियम पंचवीस)
- 197. दि तामिळनाडु लॅण्ड रिफॉर्म्स (फिक्सेशन ऑफ सिलिंग ऑन लॅण्ड) अमेंडमेंट ॲक्ट, 1979 (1979 चो तामिळनाडु अधिनियम इकरा)

- 198. The Uttar Pradesh Zamindari Abolition Laws (Amendment) Act, 1978 (Uttar Pradesh Act 15 of 1978).
- 199. The West Bengal Restoration of Alienated Land (Amendment) Act, 1978 (West Bengal Act XXIV of 1978).
- 200. The West Bengal Restoration of Alienated Land (Amendment) Act, 1980 (West Bengal Act LVI of 1980).
 - 201. The Goa, Daman and Diu Agricultural Tenancy Act, 1964 (Goa, Daman and Diu Act 7 of 1964).
- 202. The Goa, Daman and Diu Agricultural Tenancy (Fifth Amendment) Act, 1976 (Goa, Daman and Diu Act 17 of 1976).]
- ¹²[203. The Andhra Pradesh Scheduled Areas Land Transfer Regulation, 1959 (Andhra Pradesh Regulation 1 of 1959).
- 204. The Andhra Pradesh Scheduled Areas Laws (Extension and Amendment) Regulation, 1963 (Andhra Pradesh Regulation 2 of 1963).
- 205. The Andhra Pradesh Scheduled Areas Land Transfer (Amendment) Regulation, 1970 (Andhra Pradesh Regulation 1 of 1970).
- 206. The Andhra Pradesh Scheduled Areas Land Transfer (Amendment) Regulation, 1971 (Andhra Pradesh Regulation 1 of 1971).
- 207. The Andhra Pradesh Scheduled Areas Land Transfer (Amendment) Regulation, 1978 (Andhra Pradesh Regulation 1 of 1978).
 - 208. The Bihar Tenancy Act, 1885 (Bihar Act 8 of 1885).
- 209. The Chota Nagpur Tenancy Act, 1908 (Bengal Act 6 of 1908) (Chapter VIII-sections 46, 47, 48, 48A and 49; Chapter X-section 71, 71A and 71B; and Chapter XVIII-sections 240, 241 and 242).
- 210. The Santhal Parganas Tenancy (Supplementary Provisions) Act, 1949 (Bihar Act 14 of 1949) except section 53.
 - 211. The Bihar Scheduled Areas Regulation, 1969 (Bihar Regulation 1 of 1969).
- 212 The Bihar Land Reforms (Fixation of Ceiling Area and Acquisition of Surplus Land) (Amendment) Act, 1982 (Bihar Act 55 of 1982).
 - 213. The Gujarat Devasthan Inams Abolition Act, 1969 (Gujarat Act 16 of 1969).
 - 214. The Gujarat Tenancy Laws (Amendment) Act, 1976 (Gujarat Act 37 of 1976).
 - 215. The Gujarat Agricultural Lands Ceiling (Amendment) Act, 1976 (President's Act 43 of 1976).
 - 216. The Gujarat Devasthan Inams Abolition (Amendment) Act, 1977 (Gujarat Act 27 of 1977).
 - 217. The Gujarat Tenancy Laws (Amendment) Act, 1977 (Gujarat Act 30 of 1977).

- 198. दि उत्तर प्रदेश जिमनदारी ॲबॉलिशन लॉज (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1978 (1978 चो उत्तर प्रदेश अधिनियम पंदरा.)
- 199. दि वेस्ट बेंगॉल रेस्टोरेशन ऑफ एलियनेटेड लॅण्ड (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1978 (1978 चो अस्तंत बंगालचो अधिनियम चोंवीस)
- 200. दि वेस्ट बेंगॉल रेस्टोरेशन ऑफ एलियनेटेड लॅण्ड (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1980 (1980 चो अस्तंत बंगालाचो अधिनियम छाप्पन)
- 201. दि गोवा, दमण ॲण्ड दीव ॲग्रिकल्चरल टेनन्सी ॲक्ट, 1964 (1964 चो गोवा, दमण आनी दीव अधिनियम सात)
- 202. दि गोवा, दमण आनी दीव ॲग्रिकल्चरल टेनन्सी (फिफ्थ अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1976 (1976 चो गोवा, दमण आनी दीव अधिनियम सतरा)
- 12[203. दि आंध्र प्रदेश शेड्यूल्ड एरियास लॅण्ड ट्रान्सफर रेग्युलेशन 1959 (1959 चो आंध्र प्रदेश विनियम एक)
- 204. दि आंध्र प्रदेश शेड्यूल्ड एरियास लॉज (एक्स्टेन्शन ॲण्ड अमेंडमेंट) रेग्युलेशन, 1963 (1963 चो आंध्र प्रदेश विनियम दोन)
- 205. दि आंध्र प्रदेश शेड्यूल्ड एरियाज लॅण्ड ट्रान्स्फर (अमेंडमेंट) रेग्युलेशन, 1970 (1970 चो आंध्र प्रदेश विनियम एक)
- 206. दि आंध्र प्रदेश शेड्यूल्ड एरियाज लॅण्ड ट्रान्स्फर (अमेंडमेंट) विनियम, 1971 (1971 चो आंध्र प्रदेश विनियम एक)
- 207. दि आंध्र प्रदेश शेड्यूल्ड एरियाज लॅण्ड ट्रान्स्फर (अमेंडमेंट) रेग्युलेशन, 1978 (1978 चो आंध्र प्रदेश विनियम एक)
 - 208. दि बिहार टेनन्सी ॲक्ट, 1985 (1985 चो बिहार अधिनियम आठ)
- 209. दि छोटा नागपूर टेनन्सी ॲक्ट, 1908 (1908 चो बंगाल अधिनियम (प्रकरण 8-अनुभाग 46,47,48,48क आनी 49; प्रकरण 10 अनुभाग 71क आनी 71ख; आनी प्रकरण 18-अनुभाग 240, 241 आनी 242.)
- 210. दि संथाल परगणाज टेनन्सी (सप्लिमेंटरी प्रोविजन्स) ॲक्ट, 1949 (1949 चो बिहार अधिनियम चवदा) अनुभाग - 53 सोडून.
 - 211. दि बिहार शेड्यूल्ड एरियाज रेग्युलेशन, 1969 (1969 चो बिहार विनियम एक)
- 212. दि बिहार लॅण्ड रिफॉर्म्स (फिक्सेशन ऑफ सिलिंग एरिया ॲण्ड ॲक्विझिशन ऑफ सर्प्लस लॅण्ड) (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1982 (1982 चो बिहार अधिनियम पंचावन)
 - 213. दि गुजराथ देवस्थान इनाम्स ॲबॉलिशन ॲक्ट, 1969 (1969 चो गुजराथ अधिनियम सोळा)
 - 214. दि गुजराथ टेनन्सी लॉज (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1976 (1976 चो गुजराथ अधिनियम सादतीस)
- 215. दि गुजराथ ॲग्रिकल्चरल लॅण्ड्स् सिलिंग (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1976 (1976 चो राष्ट्रपती अधिनियम त्रेचाळीस)
- 216. दि गुजराथ देवस्थान इनाम्स ॲबॉलिशन (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1977 (1977 चो गुजराथ अधिनियम सत्तावीस)
 - 217. दि गुजराथ टेनन्सी लॉज (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1977 (1977 चो गुजराथ अधिनियम तीस)

- 218. The Bombay Land Revenue (Gujarat Second Amendment) Act, 1980 (Gujarat Act 37 of 1980).
- 219. The Bombay Land Revenue Code and Land Tenure Abolition Laws (Gujarat Amendment) Act, 1982 (Gujarat Act 8 of 1982).
- 220. The Himachal Pradesh Transfer of Land (Regulation) Act, 1968 (Himachal Pradesh Act 15 of 1969).
- 221. The Himachal Pradesh Transfer of Land (Regulation) (Amendment) Act, 1986 (Himachal Pradesh Act 16 of 1986).
- 222. The Karnataka Scheduled Castes and Scheduled Tribes (Prohibition of Transfer of certain Lands) Act, 1978 (Karnataka Act 2 of 1979).
 - 223. The Kerala Land Reforms (Amendment) Act, 1978 (Kerala Act 13 of 1978).
 - 224. The Kerala Land Reforms (Amendment) Act, 1981 (Kerala Act 19 of 1981).
- 225. The Madhya Pradesh Land Revenue Code (Third Amendment) Act, 1976 (Madhya Pradesh Act 61 of 1976).
- 226. The Madhya Pradesh Land Revenue Code (Amendment) Act, 1980 (Madhya Pradesh Act 15 of 1980).
- 227. The Madhya Pradesh Akrishik Jot Uchchatam Seema Adhiniyam, 1981 (Madhya Pradesh Act 11 of 1981).
- 228. The Madhya Pradesh Ceiling on Agricultural Holdings (Second Amendment) Act, 1976 (Madhya Pradesh Act 1 of 1984).
- 229. The Madhya Pradesh Ceiling on Agricultural Holdings (Amendment) Act, 1984 (Madhya Pradesh Act 14 of 1984).
- 230. The Madhya Pradesh Ceiling on Agricultural Holdings (Amendment) Act, 1989 (Madhya Pradesh Act 8 of 1989).
- 231. The Maharashtra Land Revenue Code, 1966 (Maharashtra Act 41 of 1966), sections 36, 36A and 36B.
- 232. The Maharashtra Land Revenue Code and the Maharashtra Restoration of Lands to Scheduled Tribes (Second Amendment) Act, 1976 (Maharashtra Act 30 of 1977).
- 233. The Maharashtra Abolition of Subsisting Proprietary Rights to Mines and Minerals in certain Lands Act, 1985 (Maharashtra Act 16 of 1985).
- 234. The Orissa Scheduled Areas Transfer of Immovable Property (by Scheduled Tribes) Regulation, 1956 (Orissa Regulation 2 of 1956).
 - 235. The Orissa Land Reforms (Second Amendment) Act, 1975 (Orissa Act 29 of 1976).
 - 236. The Orissa Land Reforms (Amendment) Act, 1976 (Orissa Act 30 of 1976).
 - 237. The Orissa Land Reforms (Second Amendment) Act, 1976 (Orissa Act 44 of 1976).
 - 238. The Rajasthan Colonisation (Amendment) Act, 1984 (Rajasthan Act 12 of 1984).
 - 239. The Rajasthan Tenancy (Amendment) Act, 1984 (Rajasthan Act 13 of 1984).

- 218. दि बॉम्बे लॅण्ड रेवेन्यू (गुजराथ सेकंड अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1980 (1980 चो गुजराथ अधिनियम साद तीस)
- 219. दि बॉम्बे लॅण्ड रेवेन्यू कोड ॲण्ड लॅण्ड टेन्युअर ॲबॉलिशन लॉज (गुजराथ अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1982 (1982 चो गुजराथ अधिनियम आठ)
- 220. दि हिमाचल प्रदेश ट्रान्स्फर ऑफ (रेग्युलेशन) ॲक्ट, 1968 (1969 चो हिमाचल प्रदेश विनियम-बदल पंदरा)
- 221. दि हिमाचल प्रदेश ट्रान्स्फर ऑफ लॅण्ड (रेग्युलेशन अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1986 (1986 चो हिमाचल प्रदेश अधिनियम सोळा)
- 222. दि कर्नाटक शेड्यूल्ड कास्ट्स् ॲण्ड शेड्यूल्ड ट्रायब्स (प्रोहिबिशन ऑफ ट्रान्स्फर ऑफ सर्टन लॅण्ड्स्) ॲक्ट, 1978 (1979 चो कर्नाटक अधिनियम दोन)
 - 223. दि केरळ लॅण्ड रिफॉर्म्स (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1978 (1978 चो केरळ अधिनियम तेरा)
 - 224. दि केरळ लॅण्ड रिफॉर्म्स (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1981 (1981 चो केरळ अधिनियम एकोणीस)
- 225. दि मध्य प्रदेश लॅण्ड रेवेन्यू कोड (थर्ड अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1976 (1976 चो मध्यप्रदेश आधिनियम एकसष्ट)
 - 226. दि मध्य प्रदेश लॅण्ड रेवेन्यू कोड (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1980 (1980 चो मध्यप्रदेश आधिनियम पंदरा)
- 227. दि मध्य प्रदेश अकृषिक जोत उच्चाटन सीमा अधिनियम, 1981 (1981 चो मध्यप्रदेश अधिनियम इकरा)
- 228. दि मध्य प्रदेश सिलिंग ऑन ॲग्रिकल्चरल होल्डिंग्ज (सेकंड अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1976 (1976 चो मध्य प्रदेश अधिनियम एक)
- 229. दि मध्य प्रदेश सिलिंग ऑन ॲग्रिकल्चरल होल्डिंग्ज (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1984 (1984 चो मध्यप्रदेश अधिनियम चवदा)
- 230. दि मध्य प्रदेश सिलिंग ऑन ॲग्रिकल्वरल होल्डिंग्स (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1989 (1989 चो मध्यप्रदेश अधिनियम आठ)
 - 231. दि महाराष्ट्र लॅण्ड रेवेन्यू कोड, 1966 (1966 चो महाराष्ट्र अधिनियम एकेचाळीस)
- 232. दि महाराष्ट्र लॅण्ड रेवेन्यू कोड ॲण्ड दि महाराष्ट्र रेस्टोरेशन ऑफ लॅण्डस् टु शेड्यूल्ड ट्रायब्स (सेकंड अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1976 (1977 चो महाराष्ट्र अधिनियम तीस)
- 233. दि महाराष्ट्र ॲबॉलिशन ऑफ सबिसिस्टिंग प्रोप्रायटरी रायट्स टु मायन्स ॲण्ड मिनरल्स इन सर्टन लॅण्ड्स् ॲक्ट, 1985 (1985 चो महाराष्ट्र अधिनियम सोळा)
- 234. दि ओरिसा शेड्यूल्ड एरियास ट्रान्स्फर ऑफ इम्मुवेबल प्रॉपर्टी (बाय शेड्यूल्ड ट्रायब्स) रेग्युलेशन, 1956 (1956 चो ओरिसा अविनियम दोन)
 - 235. दि ओरिसा लॅण्ड रिफॉर्म्स (सेकंड अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1975 (1976 चो ओरिसा अधिनियम एकोणतीस)
 - 236. दि ओरिसा लॅण्ड रिफॉर्म्स (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1976 (1976 चो ओरिसा अधिनियम तीस)
 - 237. दि ओरिसा लॅण्ड रिफॉर्म्स (सेकंड अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1976 (1976 चो ओरिसा अधिनियम चोवेचाळीस)
 - 238. दि राजस्थान कोलोनायझेशन (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1984 (1984 चो राजस्थान अधिनियम बारा)
 - 239. दि राजस्थान टेनन्सी (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1984 (1984 चो राजस्थान अधिनियम तेरा)

- 240. The Rajasthan Tenancy (Amendment) Act, 1987 (Rajasthan Act 21 of 1987).
- 241. The Tamil Nadu Land Reforms (Fixation of Ceiling on Land) Second Amendment Act, 1979 (Tamil Nadu Act 8 of 1980).
- 242. The Tamil Nadu Land Reforms (Fixation of Ceiling on Land) Amendment Act, 1980 (Tamil Nadu Act 21 of 1980).
- 243. The Tamil Nadu Land Reforms (Fixation of Ceiling on Land) Amendment Act, 1981 (Tamil Nadu Act 59 of 1981).
- 244. The Tamil Nadu Land Reforms (Fixation of Ceiling on Land) Second Amendment Act, 1983 (Tamil Nadu Act 2 of 1984).
 - 245. The Uttar Pradesh Land Laws (Amendment) Act, 1982 (Uttar Pradesh Act 20 of 1982).
 - 246. The West Bengal Land Reforms (Amendment) Act, 1965 (West Bengal Act 18 of 1965).
 - 247. The West Bengal Land Reforms (Amendment) Act, 1966 (West Bengal Act 11 of 1966).
- 248. The West Bengal Land Reforms (Second Amendment) Act, 1969 (West Bengal Act 23 of 1969).
 - 249. The West Bengal Estate Acquisition (Amendment) Act, 1977 (West Bengal Act 36 of 1977).
 - 250. The West Bengal Land Holding Revenue Act, 1979 (West Bengal Act 44 of 1979).
 - 251. The West Bengal Land Reforms (Amendment) Act, 1980 (West Bengal Act 41 of 1980).
- 252. The West Bengal Land Holding Revenue (Amendment) Act, 1981 (West Bengal Act 33 of 1981).
- 253. The Calcutta Thikka Tenancy (Acquisition and Regulation) Act, 1981 (West Bengal Act 37 of 1981).
- 254. The West Bengal Land Holding Revenue (Amendment) Act, 1982 (West Bengal Act 23 of 1982).
- 255. The Calcutta Thikka Tenancy (Acquisition and Regulation) (Amendment) Act, 1984 (West Bengal Act 41 of 1984).
 - 256. The Mahe Land Reforms Act, 1968 (Pondicherry Act 1 of 1968).
 - 257. The Mahe Land Reforms (Amendment) Act, 1980 (Pondicherry Act 1 of 1981).]
- ¹³[257A. The Tamil Nadu Backward Classes, Scheduled Castes and Scheduled Tribes (Reservation of Seats in Educational Institutions and of appointments or posts in the Services under the State) Act, 1993 (Tamil Nadu Act 45 of 1994).]

¹⁴[258. The Bihar Privileged Persons Homestead Tenancy Act, 1947 (Bihar Act 4 of 1948).

- 240. दि राजस्थान टेनन्सी (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1987 (1987 चो राजस्थान अधिनियम एकवीस)
- 241. दि तामिळनाडु लॅण्ड रिफॉर्म्स (फिक्सेशन ऑफ सिलिंग ऑन लॅण्ड) (सेकंड अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1979 (1980 चो तामिळनाडु अधिनियम आठ)
- 242. दि तामिळनाडु रिफॉर्म्स (फिक्सेशन ऑफ सिलिंग ऑन लॅण्ड) अमेंडमेंट ॲक्ट, 1980 (1980 चो तामिळनाडु अधिनियम एकवीस)
- 243. दि तामिळनाडु लॅण्ड रिफॉर्म्स (फिक्सेशन ऑफ सिलिंग ऑन लॅण्ड) अमेंडमेंट ॲक्ट, 1981 (1981 चो तामिळनाडु अधिनियम एकुणसाठ)
- 244. दि तामिळनाडु लॅण्ड रिफॉर्म्स (फिक्सेशन ऑफ सिलिंग ऑन लॅण्ड) सेकंड अमेंडमेंट ॲक्ट, 1983 (1984 चो तामिळनाडु अधिनियम दोन)
 - 245. दि उत्तर प्रदेश लॅण्ड लॉज (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1982 (1982 चो उत्तर प्रदेश अधिनियम 1982)
 - 246. दि वेस्ट बेंगॉल लॅण्ड रिफॉर्म्स (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1965 (1965 चो अस्तंत बंगाल अधिनियम अठरा)
- 247. दि वेस्ट बेंगॉल लॅण्ड रिफॉर्म्स (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1966 (1966 चो अस्तंत बंगालाचो अधिनियम इकरा)
- 248. दि वेस्ट बेंगाल लॅण्ड रिफॉर्म्स (सेकंड अमेंडमेंण्ट) ॲक्ट, 1969 (1969 चो अस्तंत बंगाल अधिनियम तेवीस)
- 249. दि वेस्ट बेंगॉल एस्टेट ॲक्विझिशन (अमेंडमेंट ॲक्ट, 1977 (1977 चो अस्तंत बंगाल अधिनियम छत्तीस)
 - 250. दि वेस्ट बेंगॉल लॅण्ड होल्डिंग्स रेवेन्यू ॲक्ट, 1979 (1979 चो अस्तंत बंगाल अधिनियम चोवेचाळीस)
- 251. दि वेस्ट बेंगॉल लॅण्ड रिफॉर्म्स (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1980 (1980 चो अस्तंत बंगाल अधिनियम एकेचाळीस).
- 252. दि वेस्ट बेंगॉल लॅण्ड होल्डिंग रेवेन्यू (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1981 (1981 चो अस्तंत बंगाल अधिनियम तेत्तीस).
- 253. दि केलकटा थिक्का टेनन्सी (ॲक्विझिशन ॲण्ड रेग्युलेशन) ॲक्ट, 1981 (1981 चो अस्तंत बंगाल अधिनियम सादतीस)
- 254. दि वेस्ट बेंगॉल लॅण्ड होल्डिंग रेवेन्यू (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1982 (1982 चो अस्तंत बंगाल अधिनियम तेवीस)
- 255. दि केलकटा थिक्का टेनन्सी (ॲक्विझिशन ॲण्ड रेग्युलेशन) (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1984 (1984 चो अस्तंत बंगाल अधिनियम एकेचाळीस).
 - 256. दि माहे लॅण्ड रिफॉर्म्स ॲक्ट, 1968 (1968 चो पॉंडिचेरी अधिनियम एक)
 - 257. दि माहे लॅण्ड रिफॉर्म्स (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1980 (1980 चो पॉंडिचेरी अधिनियम एक)ट
- ¹³[257क. दि तामिळनाडु बॅकवर्ड क्लासेस, शेड्यूल्ड कास्ट्स् ॲण्ड शेड्यूल्ड ट्रायब्स (रिझर्वेशन ऑफ सीट्स् इन एडुकेशनल इंस्टिटूशन्स् ॲण्ड ऑफ अपॉयण्टमेंट्स् ऑर पोस्ट्स इन दि सर्विसेस अंडर दि स्टेट) ॲक्ट, 1993 (1994 चो तामिळनाडु अधिनियम पंचेचाळीस)]
 - 14[258. दि बिहार प्रिविलेज्ड पर्सन्स हामस्टेड टेनन्सी ॲक्ट, 1947 (1947 चो बिहार अधिनियम चार)

- 259. The Bihar Consolidation of Holdings and Prevention of Fragmentation Act, 1956 (Bihar Act 22 of 1956).
- 260. The Bihar Consolidation of Holdings and Prevention of Fragmention (Amendment) Act, 1970 (Bihar Act 7 of 1970).
- 261. The Bihar Privileged Persons Homestead Tenancy (Amendment) Act, 1970 (Bihar Act 9 of 1970).
- 262. The Bihar Consolidation of Holdings and Prevention of Fragmentation (Amendment) Act, 1973 (Bihar Act 27 of 1975).
- 263. The Bihar Consolidation of Holdings and Prevention of Fragmentation (Amendment) Act, 1981 (Bihar Act 35 of 1982).
- 264. The Bihar Land Reforms (Fixation of Ceiling Area and Acquisition of Surplus Land) (Amendment) Act, 1987 (Bihar Act 21 of 1987).
- 265. The Bihar Privileged Persons Homestead Tenancy (Amendment) Act, 1989 (Bihar Act 11 of 1989).
 - 266. The Bihar Land Reforms (Amendment) Act, 1989 (Bihar Act 11 of 1990).
- 267. The Karnataka Scheduled Castes and Scheduled Tribes (Prohibition of Transfer of Certain Lands) (Amendment) Act, 1984 (Karnataka Act 3 of 1984).
 - 268. The Kerala Land Reforms (Amendment) Act, 1989 (Kerala Act 16 of 1989).
 - 269. The Kerala Land Reforms (Second Amendment) Act, 1989 (Kerala Act 2 of 1990).
 - 270. The Orissa Land Reforms (Amendment) Act, 1989 (Orissa Act 9 of 1990).
 - 271. The Rajasthan Tenancy (Amendment) Act, 1979 (Rajasthan Act 16 of 1989).
 - 272. The Rajasthan Colonisation (Amendment) Act, 1987 (Rajasthan Act 2 of 1987).
 - 273. The Rajasthan Colonisation (Amendment) Act, 1989 (Rajasthan Act 12 of 1989).
- 274. The Tamil Nadu Land Reforms (Fixation of Ceiling on Land) Amendment Act, 1983 (Tamil Nadu Act 3 of 1984).
- 275. The Tamil Nadu Land Reforms (Fixation of Ceiling on Land) Amendment Act, 1986 (Tamil Nadu Act 57 of 1986).
- 276. The Tamil Nadu Land Reforms (Fixation of Ceiling on Land) Second Amendment Act, 1987 (Tamil Nadu Act 4 of 1988).
- 277. The Tamil Nadu Land Reforms (Fixation of Ceiling on Land) Amendment (Amendment) Act, 1989 (Tamil Nadu Act 30 of '1989).
 - 278. The West Bengal Land Reforms (Amendment) Act, 1981 (West Bengal Act 50 of 1981).
 - 279. The West Bengal Land Reforms (Amendment) Act, 1986 (West Bengal Act 5 of 1986).
- 280. The West Bengal Land Reforms (Second Amendment) Act, 1986 (West Bengal Act 19 of 1986).

259. दि बिहार कन्सॉलिडेशन ऑफ होल्डिंग्स ॲण्ड प्रिवेन्शन ऑफ फ्रॅगमेंटेशन ॲक्ट, 1956 (1956 चो बिहार अधिनियम बावीस)

260. दि बिहार कन्सॉलिडेशन ऑफ होल्डिंग्स ॲण्ड प्रिवेन्शन ऑफ फ्रॅगमेंटेशन (अमेंडमेण्ट) ॲक्ट, 1970 (1970 चो बिहार अधिनियम सात)

261. दि बिहार प्रिविलेज्ड पर्सन्स होमस्टेड टेनन्सी (अमेंडमेण्ट) ॲक्ट, 1970 (1970 चो बिहार अधिनियम णव)

262. दि बिहार कन्सॉलिडेशन ऑफ होल्डिंग्स ॲण्ड प्रिवेन्शन ऑफ फ्रॅग्मेंटेशन (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1973 (1973 चो बिहार अधिनियम सत्तावीस)

263. दि बिहार कन्सॉलिडेशन ऑफ होल्डिंग्स ॲण्ड प्रिवेन्शन ऑफ फ्रॅग्मेंटेशन (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1981 (1981 चो बिहार अधिनियम पस्तीस)

264. दि बिहार लॅण्ड रिफॉर्म्स (फिक्सेशन ऑफ सिलिंग एरियास ॲण्ड ॲक्विझिशन ऑफ सर्प्लस लॅण्ड (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1987 (1987 चो बिहार अधिनियम एकवीस)

265. दि बिहार प्रिविलेज्ड पर्सन्स होमस्टेड टेनन्सी (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1989 (1989चो बिहार अधिनियम इकरा)

266. दि बिहार लॅण्ड रिफॉर्म्स (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1989 (1990 चो बिहार अधिनियम इकरा)

267. दि कर्नाटका शेड्यूल्ड कास्ट्स् ॲण्ड शेड्यूल्ड ट्रायब्स (प्रोहिबिशन ऑफ ट्रान्स्फर ऑफ सर्टन लॅण्डस्) (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1984 (1984 चो कर्नाटक अधिनियम तीन)

268. दि केरळा लॅण्ड रिफॉर्म्स (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1989 (1989 चो केरळ अधिनियम सोळा)

269. दि केरळा लॅण्ड रिफॉर्म्स (सेकंड अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1989 (1990 चो केरळ अधिनियम दोन)

270. दि ओरिसा लॅण्ड रिफॉर्म्स (अमेंडमेंण्ट) ॲक्ट, 1989 (1990 चो ओरिसा अधिनियम णव)

271. दि राजस्थान टेनन्सी (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1979 (1979 चो राजस्थान अधिनियम सोळा)

272. दि राजस्थान कोलोनायझेशन (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1987 (1987 चो राजस्थान अधिनियम दोन)

273. दि राजस्थान कोलोनायझेशन (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1989 (1989 चो राजस्थान अधिनियम बारा)

274. दि तामिळनाडु लॅण्ड रिफॉर्म्स (फिक्सेशन ऑफ सिलिंग ऑन लॅण्ड) अमेंडमेण्ट ॲक्ट, 1983 (1984 चो तामिळनाडु अधिनियम तीन)

275. दि तामिळनाडु लॅण्ड रिफॉर्म्स (फिक्सेशन ऑफ सिलिंग ऑन लॅण्ड) अमेंडमेण्ट ॲक्ट, 1986 (1986 चो तामिळनाडु अधिनियम सत्तावन)

276. दि तामिळनाडु लॅण्ड रिफॉर्म्स (फिक्सेशन ऑफ सिलिंग ऑन लॅण्ड) सेकंड अमेंडमेंट ॲक्ट, 1987 (1988 चो तामिळनाडु अधिनियम चार)

277. दि तामिळनाडु लॅण्ड रिफॉर्म्स फिक्सेशन ऑफ सिलिंग ऑन लॅण्ड (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1989 (1989 चो तामिळनाडु अधिनियम तीस)

278. दि वेस्ट बेंगॉल लॅण्ड रिफॉर्म्स (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1981 (1981 चो अस्तंत बंगाल अधिनियम पन्नास)

279. दि वेस्ट बेंगॉल लॅण्ड रिफॉर्म्स (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1986 (1986 चो अस्तंत बंगाल अधिनियम पांच)

280. दि वेस्ट बेंगॉल लॅण्ड रिफॉर्म्स (सेकंड अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1986 (1986 चो अस्तंत बंगाल अधिनियम एकोणीस)

- 281. The West Bengal Land Reforms (Third Amendment) Act, 1986 (West Bengal Act 35 of 1986).
- 282. The West Bengal Land Reforms (Amendment) Act, 1989 (West Bengal Act 23 of 1989).
- 283. The West Bengal Land Reforms (Amendment) Act, 1990 (West Bengal Act 24 of 1990).
- 284. The West Bengal Land Reforms Tribunal Act, 1991 (West Bengal Act 12 of 1991).

Explanation. — Any acquisition made under the Rajasthan Tenancy Act, 1955 (Rajasthan Act III of 1955), in contravention of the second proviso to clause (1) of article 31A shall, to the extent of the contravention, be void.]

Notes

- 1. Added by the Constitution (First Amendment) Act, 1951, s. 14.
- 2. Added by the Constitution (Fourth Amendment) Act, 1955, s. 5.
- 3. Added by the Constitution (Seventeenth Amendment) Act, 1964, s. 3
- 4. Ins. by the Constitution (Twenty-ninth Amendment) Act, 1972, s. 2.
- 5. Ins. by the Constitution (Thirty-fourth Amendment) Act, 1974, s. 2.
- 6. Ins. by the Constitution (Thirty-ninth Amendment) Act, 1976, s. 5.
- 7. Entry 87 omitted by the Constitution (Forty-fourth Amendment) Act, 1978, s. 44 (w.e.f. 20-6-1979).
- 8. Entry 92 omitted by s. 44, ibid. (w.e.f. 20-6-1979).
- 9. Ins. by the Constitution (Fortieth Amendment) Act, 1976, s. 3.
- 10. Entry 130 omitted by the Constitution (Forty-fourth Amendment) Act, 1978, s. 44 (w.e.f. 20-6-1979).
- 11. Ins. by the Constitution (Forty-seventh Aendment) Act, 1984, s.2.
- 12. Ins. by the Constitution (Sixty-sixth Amendment) Act, 1990, s. 2.
- 13. Ins. by the Constitution (Seventy-sixth Amendment) Act, 1994, s. 2.
- 14. Ins. by the Constitution (Seventy-eighth Amendment) Act, 1995, s. 2.

- 281. दि वेस्ट बेंगॉल लॅण्ड रिफॉर्म्स (थर्ड अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1986 (1986 चो अस्तंत बंगाल अधिनियम पस्तीस)
 - 282. दि वेस्ट बेंगॉल लॅण्ड रिफॉर्म्स (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1989 (1990 चो अस्तंत बंगाल अधिनियम तेवीस)
 - 283. दि वेस्ट बेंगॉल लॅण्ड रिफॉर्म्स (अमेंडमेंट) ॲक्ट, 1990 (1990 चो अस्तंत बंगाल अधिनियम चोवीस)
 - 284. दि वेस्ट बेंगॉल लॅण्ड रिफॉर्म्स ट्रायबूनल ॲक्ट, 1991 (1991 चो अस्तंत बंगाल अधिनियम बारा)]

स्परिटीकरण — कलम 31 अ हांतूतल्या उपकलम (1) च्या दुसऱ्या परंतुकाचें व्यतिक्रमण करून 'राजस्थान टेनन्सी ॲक्ट, 1955 (1955 चो राजस्थान अधिनियम तीन) हाचेखाला केल्लें कसलेंय संपादन व्यतिक्रमणाचे व्याप्तेपुरतें शून्य आसतलें.]

टिपो

- 1. 'संविधान (पयलो बदल) अधिनियम, 1951'- अनुभाग 14 वरवीं ही अनुसूची वाडयली.
- 2. 'संविधान (चवथो बदल) अधिनियम 1955'- अनुभाग 5 वरवीं 14 ते 20 ह्यो नोंदी ज्यादा दाखल केल्यो.
- 3. 'संविधान (सतरावो बदल) अधिनियम, 1964'- अनुभाग 3 वरवीं 21 ते 64 ह्यो नोंदी स्पश्टिकरणासयत ज्यादा दाखल केल्यो.
- 4. 'संविधान (एकोणतिसावो बदल) अधिनियम, 1972'- अनुभाग 2 वरवीं 65 आनी 66 ह्यो नोंदी जोडल्यो.
- 5. 'संविधान (चोवतिसावो बदल) अधिनियम, 1974'- अनुभाग 2 वरवीं 67 ते 86 ह्यो नोंदी जोडल्यो.
- 6. 'संविधान (एकोणचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1976'- अनुभाग 5 वरवीं 87 ते 124 ह्यो नोंदी जोडल्यो.
- 7. 'संविधान (चोवेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1978'- अनुभाग 44 वरवीं 87 वी नोंद काडून उडयली.
- 8. कितो अनुभाग 44 वरवीं 92 वी नोंद निरसीत केली.
- 9. 'संविधान (चाळिसावो बदल) अधिनियम, 1976'- अनुभाग 3 वरवीं 125 ते 188 ह्यो नोंदी घाल्यो.
- 10. 'संविधान (चोवेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1978'- अनुभाग 44 वरवीं 130 वी नोंद निरसीत केली.
- 11. 'संविधान (सत्तेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1984'- अनुभाग २ वरवीं (26/08/1984) घालें.
- 12. 'संविधान (सासष्टावो बदल) अधिनियम, 1990'- अनुभाग 2 वर्रवीं (07/06/1990) 203 ते 257 ह्यो नोंदी जोडल्यो.
- 13. 'संविधान (श्यात्तरावो बदल) अधिनियम, 1994 वरवीं घालें.
- 14. 'संविधान (अठ्ठ्यातरावो बदल) अधिनियम, 1995 वरवीं घालें.

'[TENTH SCHEDULE

[Articles 102(2) and 191(2)]

Provisions as to disqualification on ground of defection

- 1. Interpretation. In this Schedule, unless the context otherwise requires, -
- (a) "House" means either House of Parliament or the Legislative Assembly or, as the case may be, either House of the Legislature of a State;
- (b) "Legislature party", in relation to a member of a House belonging to any political party in accordance with the provisions of paragraph 2 or paragraph 3 or, as the case may be, paragraph 4, means the group consisting of all the members of that House for the time being belonging to that political party in accordance with the said provisions;
- (c) "Original political party", in relation to a member of a House, means the political party to which he belongs for the purposes of sub-paragraph (1) of paragraph 2;
 - (d) "Paragraph" means a paragraph of this Schedule.
- **2. Disqualification on ground of defection.** (1) Subject to the provisions of paragraphs 3, 4 and 5, a member of a House belonging to any political party shall be disqualified for being a member of the House-
 - (a) If he has voluntarily given up his membership of such political party, or
 - (b) If he votes or abstains from voting in such House contrary to any direction issued by the political party to which he belongs or by any person or authority authorised by it in this behalf, without obtaining, in either case, the prior permission of such political party, person or authority and such voting or abstention has not been condoned by such political party, person or authority within fifteen days from the date of such voting or abstention.

Explanation. — For the purposes of this sub-paragraph, -

- (a) An elected member of a House shall be deemed to belong to the political party, if any, by which he was set up as a candidate for election as such member;
 - (b) A nominated member of a House shall, -
- (i) Where he is a member of any political party on the date of his nomination as such member, be deemed to belong to such political party:
- (ii) In any other case, be deemed to belong to the political party of which he becomes, or, as the case may be, first becomes, a member before the expiry of six months from the date on which he takes his seat after complying with the requirements of article 99 or, as the case may be, article 188.

¹[धावी अनुसूची

[कलम 102 (2) आनी 191 (2)]

पक्षांतराच्या आधाराचेर अपात्रतायेसंबंदीं उपबंध

- 1. अर्थ लावणी हे अनुसुचयेंत, खंयच्याय संदर्भांत हेर तरेन अपेक्षीत नासत जाल्यार,-
- (क) 'सभाघर' म्हळ्यार संसदेचें खंयचेंय सभाघर, आनी राज्याच्या संबंधांत, त्या त्या प्रकरणाप्रमाण, विधानसभा अथवा विधानपरिषद हांचें खंयचेंय सभाघर असो अर्थ आसा;
- (ख) सभाघराच्या खंयच्याय अशा वांगड्यांच्या संबंदांत, जो त्या त्या प्रकरणाप्रमाण उप-उपकलम (2) अथवा (3) अथवा (4) च्या उपबंधांप्रमाण खंयच्याय राजकी पक्षाचो वांगडी आसत तेन्ना 'विधिमंडळ पक्ष' हाचो अर्थ, अशा सगल्या वांगड्यांचो चोमो अशें अभिप्रेत आसा, ज्या राजकी पक्षाचे त्यावेळार तो असो वांगडी आसा.
- (ग) सभाघराच्या खंयच्याय वांगड्याच्या संबंदांत, 'मूळ राजकी पक्ष' म्हळ्यार असो राजकी पक्ष जाचो त्या उप-उपकलम (2) च्या परिच्छेद (1) च्या प्रयोजनाखांतीर तो वांगडी असो अर्थ आसा;
 - (घ) 'उप-उपकलम' म्हळ्यार हे अनुसुचयेचें उप-उपकलम असो अर्थ जाता.
- 2. पक्षांतराक लागून अपात्रताय (1) उप-उपकलम (3) अथवा उप-उपकलम (4) अथवा उप-उपकलम (5) हांच्या उपबंधांचे अधीनतायेन, जी व्यक्ती खंयच्याय राजकी पक्षाची वांगडी आसा, ती फुडल्या कारणांच्या आधारार अपात्र थारूं येता, तीं कारणां अशीं
 - (क) ज्या राजकी पक्षाचो ती व्यक्ती वांगडा आसा तिणे त्या पक्षाचें आपणालें वांगडीपण आपणाले खोश्येन सोडलां आसत; अथवा
 - (ख) ज्या अशा राजकी पक्षाचो ती व्यक्ती वांगडी आसा अथवा जाचे वरवीं ह्या कामाखातीर खंयचीय व्यक्ती अथवा प्राधिकारी हाणे दिल्ल्या खंयच्याय प्रदेशाआड, असो राजकी पक्ष, व्यक्ती अथवा प्राधिकारी हाचे पूर्वमान्यतायेबगर, अशा सभाघरांत. मतदान करीत अथवा मतदान करीनासतना रावत आनी ताणे अशें मतदान करप अथवा मतदान करिनासतना रावप हाका अशा राजकी पक्षान अथवा व्यक्तीन अथवा प्राधिकारीन अशें मतदान करपाचे अथवा ना करपाचे तारकेच्या पंदरा दिसां भितर ताका माफी दिली ना.

रपश्टीकरण — ह्या उप-उपकलमाच्या प्रयोजनाखातीर.

- (क) ज्या राजकी पक्षान त्या वांगड्याक आपणालो अधिकृत उमेदवार म्हूण उबो केल्लो त्या वेंचून आयिल्ल्या सभाघराच्या वांगड्याक त्या राजकी पक्षाचो वांगडी अशें धरतले;
 - (ख) सभाघराच्या खंयच्याय नेमणूक केल्ल्या वांगड्याच्या संबंदांत -
- (i) जेन्ना ताचे अशे नेमणुकेचे तारकेक तो खंयच्याय एका राजकी पक्षाचो वांगडी आशिल्लो तो त्या राजकी पक्षाचो वांगडी अशें धरतले;
- (ii) हेर खंयचेय परिस्थितीच्या संबंदांत, खंयच्याय वांगड्याचे संबंदांत, त्या त्या प्रकराणाप्रमाण, कलम 99 अथवा कलम 188 च्या अपेक्षांक पाळो दिवन तेउपरांत आपली सुवात घेवपाचे तारकेसावन स म्हयन्याभितर, त्या त्या प्रकरणाप्रमाण, खंयच्याय राजकी पक्षाचो वांगडी जाला आसत अथवा पयले फावट वांगडी जाला आसत.

- (2) An elected member of a House who has been elected as such otherwise than as a candidate set up by any political party shall be disqualified for being a member of the House if he joins any political party after such election.
- (3) A nominated member of a House shall be disqualified for being a member of the House if he joins any political party after the expiry of six months from the date on which he takes his seat after complying with the requirements of article 99 or, as the case may be, article 188.
- (4) Notwithstanding anything contained in the foregoing provisions of this paragraph, a person who, on the commencement of the Constitution (Fifty-second Amendment) Act, 1985, is a member of a House (whether elected or nominated as such) shall, -
 - (i) Where he was a member of political party immediately before such commencement, be deemed, for the purposes of sub-paragraph (1) of this paragraph, to have been elected as a member of such House as a candidate set up by such political party;
 - (ii) In any other case, be deemed to be an elected member of the House who has been elected as such otherwise than as a candidate set up by any political party for the purposes of sub-paragraph (2) of this paragraph or, as the case may be, be deemed to be a nominated member of the House for the purposes of sub-paragraph (3) of this paragraph.
- 3. Disqualification on ground of defection not to apply in case of split. Where a member of a House makes a claim that he and any other members of his legislature party constitute the group representing a faction which has arisen as a result of a split in his original political party and such group consists of not less than one-third of the members of such legislature party, -
 - (a) He shall not be disqualified under sub-paragraph (1) of paragraph 2 on the ground-
 - (i) That he has voluntarily given up his membership of his original political party; or
 - (ii) That he has voted or abstained from voting in such House contrary to any direction issued by such party or by any person or authority authorised by it in that behalf without obtaining the prior permission of such party, person or authority and such voting or abstention has not been condoned by such party, person or authority within fifteen days from the date of such voting or abstention; and
 - (b) From the time of such split, such faction shall be deemed to be the political party to which he belongs for the purposes of sub-paragraph (1) of paragraph 2 and to be his original political party for the purposes of this paragraph.
- 4. Disqualification on ground of defection not to apply in case of merger. (1) A member of a House shall not be disqualified under sub-paragraph (1) of paragraph 2 where his original political party merges with another political party and he claims that he and any other members of his original political party-
 - (a) Have become members of such other political party or, as the case may be, of a new political party formed by such merger; or

- (2) खंयच्याय राजकी पक्षाचे तर्फेन अधिकृत उमेदवार म्हणनासतना हेर खंयचेय तरेन एखादो उमेदवार वांगडी म्हूण वेंचून आयला आसत जाल्यार तो वेंचून आयलें उपरांत खंयच्याय राजकी पक्षांचो वांगडी जालो जाल्यार अपात्र थारतलो.
- (3) कलम 99 अथवा कलम 188 हांच्या त्या त्या प्रकरणाप्रमाण अपेक्षांक पाळो दिलेउपरांत एखादो नेमणूक केल्लो सभाघराचो वांगडी आपली सुवात घेतलेउपरांत जर ते तारकेच्या स म्हयन्या उपरांत खंयच्याय राजकी पक्षांत वचत जाल्यार अपात्र थारतलो.
- (4) ह्या उप-उपकलमाच्या खंयच्याय पूर्वगामी उपबंधांनी किदेंय आसलें तरी अशे खंयचेय व्यक्तीच्या संबंदांत, ती व्यक्ती 'संविधान (बावन्नावो बदल) अधिनियम, 1985' च्या आरंभाक सभाघराचो वांगडी आसा (ती मागीर ती वेंचून आयिल्ली वांगडी आसूं अथवा नेमणूक केल्ली) तिचेसंबंदांत
 - (i) जर ती अशा आरंभाचे पयलीं खंयच्याय राजकी पक्षाचो वांगडी आशिल्ली जाल्यार, ह्या उप-उपकलमाच्या परिच्छेद (1) खातीर, ती अशा राजकी पक्षाचो वांगडी आशिल्ली अशें धरतले;
 - (ii) हेर खंयचेय परिस्थितींत, त्या त्या प्रकरणाप्रमाण, ह्या उप-उपकलमाच्या परिच्छेद (2)च्या योजनाखातीर अशें धरतले की असो वेंचून आयिल्लो वांगडी जावन आसा जो खंयच्याय राजकी पक्षावरवीं उबो केल्ल्या उमेदवारापरस वेगळे तरेन वेंचून आयला तशेंच ह्या उप-उपकलमाच्या परिच्छेद (3) च्या प्रयोजनाखातीर, अशें धरतले की तो सभाघराचो नेमणूक केल्लो वांगडी आसा.
- 3. पक्षांतराच्या आधारावेली अपात्रताय पक्षाचे फुटीक लागू जावप जेन्ना सभाघराचो खंयचोय वांगडी असो दावो करता की तो आनी ताच्या पक्षाचे हेर कोणूय वांगडी अशा एका गटाचें प्रतिनिधीत्व करपी पंगड घडयतात जो मूळ राजकी पक्ष फुटिल्ल्यान निर्माण जाला आनी अशा गटांत अशा राजकी पक्षाचे उण्यांत उणे एक-तृतीयांश इतले वांगडी ताचे बराबर आसात तेन्ना
 - (क) तो उप-उपकलम (2) च्या परिच्छेद (1) चे अधीनतायेन त्या कारणावेल्यान अपात्र थारचो ना की -
 - (i) ताणे आपणाल्या मूळ राजकी पक्षाचें वांगडीपण आपखोशयेन सोडलां; अथवा
 - (ii) ताणे अशा राजकी पक्षान अथवा त्या पक्षाच्या ह्या निमतान प्राधिकृत केल्ले खंयचेय व्यक्तीवरवीं अथवा प्रतोदावरवीं केल्ल्या खंयच्याय निदेशाआड, असो पक्ष, व्यक्ती अथवा प्राधिकारी हांचे पूर्व मान्यताये बगर, अशा सभाघरांत मतदान केलां अथवा तो मतदान करप अथवा करीनासतना रावप हाका असो पक्ष, व्यक्ती अथवा प्रतोद हाणे अशे मतदान करप अथवा करीनासतना रावप हाचे तारकेसावन पंदरा दिसांभितर माफी दिवंक ना; आनी
 - (ख) अशे पक्ष फुटीसावन, अशा गटाच्या संबंदांत अशें धरतले की, तो उप-उपकलम (2) च्या परिच्छेद (1) च्या प्रयोजनाखातीर, असो एक राजकी पक्ष आसा जाचो तो वांगडी आसा आनी तो ह्या उप-उपकलमाच्या प्रयोजनांखातीर तो मूळ राजकी पक्ष आसा.
- 4. पक्षांतराचो परिणाम पक्षाच्या विलीनीकरणाक लागू जायना (1) सभाघराच्या वांगङ्याचो मूळ राजकी पक्ष जर हेर खंयच्याय राजकी पक्षांत विलीन जायत जाल्यार उप-उपकलम (2) चो परिच्छेद (1) हाचे अधीनतायेन तो अपात्र थारचो ना पूण ताणे असो दावो करचो पडटलो की तो आनी ताच्या मूळ राजकी पक्षाचे हेर वांगडी
 - (क) त्या त्या प्रकरणाप्रमाण, अशा हेर राजकी पक्षाचे अथवा अशा विलीनीकरणाक लागून जाल्ल्या नव्या पक्षाचे वांगडी जाल्यात : अथवा

(b) Have not accepted the merger and opted to function as a separate group,

And from the time of such merger, such other political party or new political party or group, as the case may be, shall be deemed to be the political party to which he belongs for the purposes of subparagraph (1) of paragraph 2 and to be his original political party for the purposes of this sub-paragraph.

- (2) For the purposes of sub-paragraph (1) of this paragraph, the merger of the original political party of a member of a House shall be deemed to have taken place if, and only if, not less than two-thirds of the members of the legislature party concerned have agreed to such merger.
- 5. Exemption. Notwithstanding anything contained in this Schedule, a person who has been elected to the office of the Speaker or the Deputy Speaker of the House of the People or the Deputy Chairman of the Council of States or the Chairman or the Deputy Chairman of the Legislative Council of a State or the Speaker or the Deputy Speaker of the Legislative Assembly of a State, shall not be disqualified under this Schedule, -
 - (a) If he, by reason of his election to such office, voluntarily gives up the membership of the political party to which he belonged immediately before such election and does not, so long as he continues to hold such office thereafter, rejoin that political party or become a member of a another political party; or
 - (b) If he, having given up by reason of his election to such office his membership of the political party to which he belonged immediately before such election, rejoins such political party after he ceases to hold such office.
- 6. Decision on questions as to disqualification on ground of defection.—(1) If any question arises as to whether a member of a House has become subject to disqualification under this Schedule, the question shall be referred for the decision of the Chairman or, as the case may be, the Speaker of such House and his decision shall be final:

Provided that where the question which has arisen is as to whether the Chairman or the Speaker of a House has become subject to such disqualification, the question shall be referred for the decision of such member of the House as the House may elect in this behalf and his decision shall be final.

- (2) All proceedings under sub-paragraph (1) of this paragraph in relation to any question as to disqualification of a member of a House under this Schedule shall be deemed to be proceedings in Parliament within the meaning of article 122 or, as the case may be, proceedings in the Legislature of a State within the meaning of article 212.
- 7. Bar of jurisdiction of courts. Notwithstanding anything in this Constitution, no court shall have any jurisdiction in respect of any matter connected with the disqualification of a member of a House under this Schedule.

- (ख) ताणी विलीनीकरण आपणायनासतना एक वेगळो गट करून कार्य करपाचो ताणी निश्चय केला, आनी अशा विलीनीकरणाच्या वेळासावन, त्या त्या प्रकरणाप्रमाण, अशा हेर राजकी पक्षाच्या अथवा नव्या राजकी पक्षाच्या अथवा गटाच्या संबंदांत अशें धरतलें की तो उप-उपकलम (2) चो परिच्छेद (1) च्या प्रयोजनाखातीर तोच ताचो मूळ राजकी पक्ष जाला.
- (2) ह्या उप-उपकलमाच्या परिच्छेद (1) च्या प्रयोजनाखातीर, सभाघराच्या खंयच्याय वांगड्याच्या मूळ राजकी पक्षाचें विलीनीकरण जाला अशें तेन्नाच धरतले जेन्ना संबंदीत विधिमंडळ पक्षाचे उण्यांत उणे दोन-तृतीयांश वांगडी अशा विलीनीकरणाक सहमत आसात.
- 5. सूट हे अनुसुचयेंत किदेंय आसलें तरी, खंयचीय व्यक्ती जी लोकसभेचो अध्यक्ष अथवा उपाध्यक्ष अथवा राज्यसभेचो सभापती अथवा उपसभापती अथवा खंयच्याय राज्याचे विधानपरिशदेचो सभापती अथवा उपसभापती अथवा राज्याचे खंयचेय विधानसभेचो अध्यक्ष अथवा उपाध्यक्ष ह्या पदाचेर वेंचून आयल्या आसत जाल्यार हे अनुसुचयेचे अधीनतायेन अपात्र जांवची ना,
 - (क) जर तो वांगडी, अशा पदाचेर ताची वेंचणी जाल्ल्यान अशा राजकी पक्षाचो जाचो अशे वेंचणेचे पयलीं वांगडी आशिल्लो त्या पक्षाचें वांगडीपण आपखोशेन सोडीत आनी ताचे उपरांत जोमेरेन तो तें पद धारण करून रावता तोमेरेन, त्या राजकी पक्षांत पर्थून वचनासतना रावत अथवा दुसऱ्या खंयच्याय राजकीय पक्षांत पर्तून वचनासतना रावत अथवा दुसऱ्या खंयच्याय राजकीय पक्षांत सामील जायनासतना रावत; अथवा
 - (ख) जर तो, अशा पदाचेर जाल्ले ताचे वेंचणेक लागून अशा राजकी पक्षाचो ,-जाचो तो अशे वेंचणेपयलीं वांगडी आशिल्लो,- आपणालें वांगडीपण सोडून दीत आनी अशा अधिकारपदाचेर रावनासतना आसत ताचे उपरांत पर्तून अशा राजकी पक्षांत सामील जावं येता.
- 6. पक्षांतराक लागून अपात्रतायेसंबंदांत दुबावांचें निराकरण (1) हे अनुसुचयेचे अधीनतायेन अपात्रतायेक सभाघराचो एखादो वांगडी पात्र जाता काय ना असो प्रस्न उप्रासल्यार, तो प्रस्न अशा सभाघराच्या, त्या त्या प्रकरणाप्रमाण, सभापती वा अध्यक्ष हाच्या विचाराखातीर निर्देशीत करतले आनी ताचो निर्णय निमणो आसतलो :

परंतु, जेन्ना सभाघराचो खुद्द सभापती अथवा अध्यक्षच अशे अपात्रतायेक पात्र थारता अथवा थारता असो प्रस्न उप्रासलो जाल्यार तो प्रस्न सभाघराच्या अशा एखाद्या वांगड्याच्या निर्णयाखातीर सोंपयतले - ज्या वांगड्याक सभाघर ह्या कामानिमतान वेंचून काडीत - आनी ताचो निर्णय निमणो आसतलो.

- (2) हे अनुसुचयेचे अधीनतायेन सभाघराच्या खंयच्याय वांगड्याचे अपात्रतायेसंबंदांतल्या कसल्याय प्रस्नासंबंदांत ह्या उप-उपकलमाचो परिच्छेद (1) हाचे अधीनतायेन सगल्या कार्यवाह्याविशीं अशें धरतले की त्यो, त्या त्या प्रकराणाप्रमाण, कलम 122 च्या अर्थान संसदेच्यो कार्यवाह्यो आसात अथवा कलम 212 च्या अर्थान राज्याच्या विधानमंडळाच्यो कार्यवाह्यो आसात.
- 7. न्यायालयांच्या अधिकरितायांचें वर्जन ह्या संविधानांत किर्देय आसलें तरी खंयच्याच न्यायालयाक हे अनुसुचयेचे अधीनतायेन सभाघराच्या खंयच्याच वांगड्यांची अपात्रतायेकडेन संबंदीत कसल्याच विशयांत कसलीच अधिकारिताय आसची ना.

- 8. Rules. (1) Subject to the provisions of sub-paragraph (2) of this paragraph, the Chairman or the Speaker of a House may make rules for giving effect to the provisions of this Schedule, and in particular, and without prejudice to the generality of the foregoing, such rules may provide for-
 - (a) The maintenance of registers or other records as to the political parties, if any, to which different members of the House belong;
 - (b) The report which the leader of a legislature party in relation to a member of a House shall furnish with regard to any condonation of the nature referred to in clause (b) of sub-paragraph (1) of paragraph 2 in respect of such member, the time within which and the authority to whom such report shall be furnished;
 - (c) The reports which a political party shall furnish with regard to admission to such political party of any members of the House and the officer of the House to whom such reports shall be furnished; and
 - (d) The procedure for deciding any question referred to in sub-paragraph (1) of paragraph 6 including the procedure for any inquiry which may be made for the purpose of deciding such question.
- (2) The rules made by the Chairman or the Speaker of a House under sub-paragraph (1) of this paragraph shall be laid as soon as may be after they are made before the House for a total period of thirty days which may be comprised in one session or in two or more successive sessions and shall take effect upon the expiry of the said period of thirty days unless they are sooner approved with or without modifications or disapproved by the House and where they are so approved, they shall take effect on such approval in the form in which they were laid or in such modified form, as the case may be, and where they are so disapproved, they shall be of no effect.
- (3) The Chairman or the Speaker of a House may, without prejudice to the provisions of article 105 or, as the case may be, article 194, and to any other power which he may have under this Constitution direct that any wilful contravention by any person of the rules made under this paragraph may be dealt with in the same manner as a breach of privilege of the House.]

Note

1. Added by Constitution (Fifty Second Amendment), Act 1985-s.6 (w.e.f. 01-03-1985)

- 8. नेम (1) ह्या उप-उपकलमाचो परिच्छेद (2) हांच्या उपबंधांचे अधीनतायेन, सभाघराच्या सभापतीच्यान अथवा अध्यक्षाच्यान, हे अनुसुचयेचे उपबंध कार्यान्वीत करपाखातीर नेमावळ करूं येता तशेंच विशेशतायेन आनी पूर्वगामी अधिकाराचे व्यापकतायेचेर विपरीत परिणाम करीनासतना, अशा नेमांखातीर फुडले तरेन उपबंध करूं येता :—
 - (क) सभाघराचे साबार वांगडी ज्या राजकी पक्षांचे वांगडी जावन आसात, तांचेसंबंदांत रजिस्टर अथवा हेर अभिलेख दवरप;
 - (ख) असो अहवाल जो सभाघराच्या खंयच्याय वांगङ्याच्या संबंदांत विधिमंडळ पक्षाचो फुडारी, त्या वांगङ्याच्या संबंदांत उप-उपकलम (2) चो परिच्छेद (1) हाच्या उपकलम (ख) हातूंत निर्दीष्ट तरेची माफीच्या संबंधांत दितलो, तशेंच वेळकाळ जाचे भितर आनी प्राधिकारी जाका हो अहवाल दिवपाचो आसतलो;
 - (ग) एक असो अहवाल जो खंयचेय राजकी पक्ष सभाघराच्या खंयच्याय वांगड्याक अशा राजकी पक्षांत सामील जावपासंबंदांत रजिस्टर अथवा हेर अभिलेख दवरप;
 - (घ) उप-उपकलम (6) चो परिच्छेद (1) हातूंत निर्दीष्ट अशा खंयच्याय प्रस्नाचें निराकरण करपाची प्रक्रिया, जाचेभितर अशी चवकशी आस्पावीत आसतली, जी अशा प्रस्नांच्या निर्णयाखातीर केल्ली आसतली.
- (2) ह्या उप-उपकलमाचो परिच्छेद (1) हाचे अधीनतायेन सभापतीन अथवा अध्यक्षान केल्लो नेम तो केले उपरांत जाता तितले बेगीन, अदमासान तीस दिसां भितर सभाघरामुखार दवरतलें; हो कालावधी एका सत्रांत अथवा दोन अथवा चड आनुक्रमीक सत्रांनी पूर्ण जावं येता; तो नेम तीस दिसांची समाप्ती जातकच परिणामकारी जातलो, जोवेळमेरेन त्या नेमाक फेरफारांसयत अथवा फेरफाराबगर सभाघरावरवीं अनुमोदन अथवा अननुमोदन जाल्लें आसूंक जाय; जर तो नेम अशेतरेन अनुमोदीत जालो तर तो, त्या त्या प्रकरणाप्रमाण, अशा स्वरूपांत म्हळ्यार परिवर्तीत स्वरूपांत परिणामकारी जातलो आनी तो अशे तरेन जमा जालो जाल्यार परिणामकारी जांवचो ना.
- (3) सभाघराच्या सभापतीच्यान अथवा अध्यक्षाच्यान, कलम 105 अथवा कलम 194 हांच्या उपबंधांचेर अथवा अशा खंयच्याय हेर अधिकाराचेर विपरीत परिणाम करीनासतना, ह्या संविधानाचे अधीनतायेन, असो निदेश दिवं येता कि ह्या परिच्छेदाचे अधीनतायेन केल्ल्या नेमांचे खंयचेय व्यक्तीन जाणा जावन केल्ल्या कसल्याय भंगाच्या संबंदांत तशेच रितीन कारवाय जावंची जशे रितीन संसदेच्या विशेशाधिकाराच्या भंगाच्या संबंदांत करतात.]

टीप

1. 'संविधान (बावन्नावो बदल) अधिनियम, 1985 - अनुभाग 6 वरवीं (01/03/1985 सावन) जोडलें.

[ELEVENTH SCHEDULE

(Article 243G)

- 1. Agriculture, including agricultural extension.
- 2. Land improvement, implementation of land reforms, land consolidation and soil conservation.
- 3. Minor irrigation, water management and watershed development.
- 4. Animal husbandry, dairying and poultry.
- 5. Fisheries.
- 6. Social forestry and farm forestry.
- Minor forest produce.
- 8. Small scale industries, including food processing industries.
- 9. Khadi, village and cottage industries.
- 10. Rural housing.
- 11. Drinking water.
- 12. Fuel and fodder.
- 13. Roads, culverts, bridges, ferries, waterways and other means of communication.
- 14. Rural electrification, including distribution of electricity.
- 15. Non-conventional energy sources.
- 16. Poverty alleviation programme.
- 17. Education, including primary and secondary schools.
- 18. Technical training and vocational education.
 - 19. Adult and non-formal education.
 - 20. Libraries.
 - 21. Cultural activities.
 - 22. Markets and fairs.
 - 23. Health and sanitation, including hospitals, primary health centres and dispensaries.
 - 24. Family welfare.
 - 25. Women and child development.
 - 26. Social welfare, including welfare of the handicapped and mentally retarded.
- 27. Welfare of the weaker sections, and in particular, of the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes.
 - 28. Public distribution system.
 - 29. Maintenance of community assets.]

Note

Added by Constitution (Seventy Third Amendment), Act 1992-s.4

1[इकरावी अनुसूची

(कलम 243 छ)

- 1. कृषि, हातूंत कृषि विस्तार आस्पावता.
- 2. भूंय सुदारणा, जमीन सुदारणांची कार्यवाही, जमीन दृढीकरण आनी भूंयेंचो सांबाळ.
- 3. ल्हान शिपणावळ, उदकाचें वेवस्थापन आनी जल विभाजक क्षेत्राची उदरगत.
- 4. पशुपालन आनी चिकित्साय, डेयरी आनी कुक्कुटपालन.
- 5. मत्स्यालयां.
- 6. सामाजीक वनीकरण आनी शेतकी वनीकरण.
- 7. ल्हान रानवटी उत्पादन.
- 8. लघु उद्देग, हातूंत खावपा जिनसांची निवळावणी आस्पावता.
- 9. खादी, ग्राम आनी कुटीरोद्देग.
- 10. ग्रामीण घर निर्माण.
- 11. पिवपाचें उदक
- 12. इंधन आनी गोरवां खावड.
- 13. रस्ते, सांकव, पूल, फेरीसेवा, जलमार्ग आनी दळणवळणाचीं हेर साधनां.
- 14. ग्रामीण विद्युतीकरण, हातूंत वीज पुरवण आनी वितरण आस्पावता.
- 15. अपारंपारीक ऊर्जा उगम.
- 16. गरिबी निर्मूलन कार्यक्रमं.
- 17. शिक्षण, हातूंत मुळाच्यो आनी माध्यमीक शाळा आस्पावतात.
- 18. तांत्रीक/तकनिकी प्रशिक्षण आनी वेवसायीक शिक्षण.
- 19. प्रौढ आनी अनौपचारीक शिक्षण.
- 20. वाचपघरां.
- . 21. संस्कृतीक कार्यावळी.
 - 22. बाजार आनी फेरयो.
 - 23. भलायकी आनी भलायकी राखण, हातूंत रूग्णालयां, मुळावी भलायकी केंद्रां आनी दवाखाने आस्पावतात.
 - 24. महिला कल्याण.
 - 25. महिला आनी बाल उदरगत.
 - 26. समाज कल्याण, हातूंत विकलांगांचें आनी मतिमंदाचेंय कल्याण आस्पावता.
 - 27. दुबळ्या समाजाचें कल्याण आनी विशेशतायेन, अनुसूचित जाती जनजातींचें कल्याण.
 - 28. भौशीक वितरण वेवस्था.
 - 29. भौसाचे संपत्तीची देखभाल.]

टीप

TWELTH SCHEDULE

(Article 243W)

- 1. Urban planning including town planning.
- 2. Regulation of land-use and construction of buildings.
- 3. Planning for economic and social development.
- 4. Roads and bridges.
- 5. Water supply for domestic, industrial and commercial purposes.
- 6. Public health, sanitation conservancy and solid waste management.
- 7. Fire services.
- 8. Urban forestry, protection of the environment and promotion of ecological aspects.
- 9. Safeguarding the interests of weaker sections of society, including the handicapped and mentally retarded.
 - 10. Slum improvement and upgradation.
 - 11. Urban poverty alleviation.
 - 12. Provision of urban amenities and facilities such as parks, gardens, playgrounds.
 - 13. Promotion of cultural, educational and aesthetic aspects.
 - 14. Burials and burial grounds; cremations, cremation grounds and electric crematoriums.
 - 15. Cattle pounds; prevention of cruelty to animals.
 - 16. Vital statistics including registration of births and deaths.
 - 17. Public amenities including street lighting, parking lots, bus stops and public conveniences.
 - 18. Regulation of slaughter houses and tanneries.]

Note

1. Added by Constitution (Seventy Fourth Amendment), Act 1992-s.4

¹[बारावी अनुसूची

(कलम 243 ख)

- 1. शहरी नियोजन, हातूंत नगर नियोजनूय आस्पावता.
- 2. जमीन वापराचें नियमन आनी इमारती बांदकाम.
- 3. आर्थीक आनी सामाजीक विकासाखातीर नियोजन .
- 4. रस्ते आनी पूल.
- 5. घरगुती, उद्देगीक आनी वेपारी प्रयोजनाखातीर उदका पुरवण.
- 6. भौशीक भलायकी, भलायकी राखण वेवस्थेचो सांबाळ आनी म्हेळ विसर्जन वेवस्थापन.
- 7. उजो सेवा.
- 8. शहरी वनीकरण, पर्यावरण सांबाळ आनी पर्यावरणीय संतुलनाक उर्बा.
- 9. समांजातल्या दुर्बळ घटकांक राखण, तातूंत विकलांग आनी मंतिमंदांचोय आस्पाव जाता.
- 10. झोपडंपट्टी विकास आनी सुधारणा.
- 11. शहरी गरिबीचें निर्मूलन.
- 12. बागो, जार्दिनां, खेळा-मैदानां हांच्यो सोयी तयार करून दिवपी विकास.
- 13. सांस्कृतीक, शैक्षणीक आनी सौंदर्यवादी आंगांचो विकास.
- 14. सिमितेरी आनी पुरपाच्यो सुवातो, मसंडवटी, स्मशानभुंयो आनी विद्युती मसंडवटी.
- 15. गोरवांच्या कत्तलंखान्यांत जनावरांक क्रूरतायेपसून राखण.
- 16. जल्म, मरण नोंदी आनी गरजेची तत्सम माहिती.
- 17. रस्त्यावेली विजे-दिव्या वेवस्था, गाडयो थांबोवपाच्यो सुवातो, बस थांबे आनी भौशीक सोयी सुविधांची सुवेवस्था राखप.
 - 18. कत्तलखाने आनी चामडें कमावपाच्या कारखान्यांचें नियमन.]

टीप

1. 'संविधान (चौऱ्यात्तरावो बदल) अधिनियम, 1992'- अनुभाग 4 वरवीं जोडलें.

Synopsis of some Amendment Acts

Constitution (First Amendment) Act, 1951 (18th June, 1951)

- 1. Short title
- 2. Amendment of Article 15
- **3. Amending Article 19 and validating some laws** (1) in Article 19 of the Constitution the following clause will be substituted for
 - (a) clause (2) and this clause will be deremed to have been always there enacted in this form that is
 - (b) * * *
- (2) The law which was in force immediately before the commencement of this Constitution had been changedby sub-clause (1) and such Article of theConstitution with the provisions of which any law was comperible may be adverse to or infringing upon righs provided by the above sub-clause (a) the law which was not prevented from being effective by s(2) of the original enactment will not be void only on that ground.

Explanation: In this clause the words 'existing law' will have the same meaning which clause (1) of Article 13 has.

- **4. Inserting new Article 31A.** After Article 31 the following Article will be inserted and it will be deemed to have always been there in that form, that is * * *
 - 5. Inserting the new Article 31 B
 - 6. Amendment of Article 85
 - 7. Amendment of Article 87
 - 8. Amendment of Article 174
 - 9. Amendment of Article 176
 - 10. Amendment of Article 341
 - 11. Amendment of Article 342
 - 12. Amendment of Article 372
 - 13. Amendment of Article 376
 - 14. Addition of Ninth Schedule

Constitution (Second Amendment) Act, 1952

(1st May, 1953)

- 1. Short title
- 2. Amendment of Article 81

कांय बदल अधिनियमांचो सार

संविधान (पयलो बदल) अधिनियम, 1951 (18 जून, 1951)

- 1. संक्षिप्त नांव
- 2. कलम 15चो बदल
- 3. कलम 19चो बदल करप आनी थोडे कायदे विधीग्राह्म करप (1) संविधानाच्या कलम 19 हातूंत (क) उपकलम (2) चे सुवातेर, फुडलें उपकलम घालतले आनी तें उपकलम सदांच फुडल्या रुपांत
- अधिनियमीत केल्लें अशें मानतले, तें अशें -

(ख) * *

(2) संविधानाच्या आरंभाचे निकटपूर्व भारताच्या राज्यक्षेत्रांत अस्तित्वांत आशिल्लो जो कायदो ह्या अनुभागाच्या उप-उपकलम (1) वरवीं बदलिल्लो अशें संविधानाचें कलम 19 हाच्या उपबंधाकडेन सुसंगत असो खंयचोय कायदो हो वेल्या उप-उपकलम (क) वरवीं प्रदान केल्लो अधिकार काडून घेवपी अथवा ताचो संकोच करपी असो कायदो आशिल्ल्यान, मुळांत जसो अधिनियमीत जाला तशा त्या कलमाच्या अनुभाग (2) वरवीं त्या कायद्याचें प्रवर्तन वर्जीत जावंक नाशिल्लें इतल्याच कारणावेल्यान तो शून्य आसा अशें अथवा केन्नातरी शून्य जाल्लो अशें मानचे नात

स्पश्टीकरण: ह्या उप-उपकलमांत 'अस्तित्वांत आशिल्लो कायदो' ह्या शब्दप्रयोगाक संविधानाच्या कलम 13 हाच्या उपकलम (1) हातूंत आशिल्लोच अर्थ आसा.

- 4. नवीन कलम 31क घालप संविधानाच्या कलम 31 उपरांत फुडलें कलम घालतले आनी तें सदांच तशें घाल्लें आशिल्लें अशें मानतले तें अशें * *
 - 5. नवीन कलम 31ख घालप.
 - 6. कलम 85 चो बदल.
 - 7. कलम 87 चो बदल.
 - 8. कलम 174 चो बदल.
 - 9. कलम 176 चो बदल.
 - 10. कलम 341 चो बदल.
 - 11. कलम 342 चो बदल.
 - 12. कलम 372 चो बदल.
 - 13. कलम 376 चो बदल
 - 14. णववे अनुसुचयेची भर घालप.

संविधान (दुसरो बदल) अधिनियम 1952 (1 मे 1953)

- 1. संक्षिप्त नांव
- 2. कलम 81 चो बदल

Constitution (Third Amendment) Act, 1954

(22nd February, 1955)

- 1. Short title
- 2. Amendment of Seventh Schedule

Constitution (Fourth Amendment) Act, 1955

(27th April, 1955)

- 1. Short title
- 2. Amendment of Article 31
- 3. Amendment of Article 31-A In this Article 31-A of the Constitution—
- (a) The following clause will be substituted for clause (1) and it will be deemed to have always been there, that is:—
 - (b) In this clause (2), —
- (i) In the sub-clause (a) after the word 'grant' and in the states of Madras and Travancese-Cochin, any Janmam Right will be inserted and it will be deemed that they were always there and
- (ii) In sub-clause (b) after the word 'dhritidharak' the words 'Rayat' 'Avar Rayat' will be inserted and it will be deemed that they were always there,
- 4. Substituting a new Article for Article 305
- 5. Amendment of Article 9

Constitution (Fifth Amendment) Act, 1955

(24th December, 1955)

- 1. Short title
- 2. Amendment of Article 3

Constitution (Sixth Amendment) Act, 1956

(11th September, 1956)

- 1. Short title
- 2. Amendment of seventh schedule
- 3. Amendment of Article 269
- 4. Amendment of Article 286

Constitution (Seventh Amendment) Act, 1956

(19th October, 1956)

- 1. Short title and commencement (1) *
 - (2) It will come in force on 1st of November, 1956.

संविधान (तिसरो बदल) अधिनियम 1954

(22 फेब्रेर, 1955)

- 1. संक्षिप्त नांव
- 2. सातवे अनुसुचर्यंत बदल.

संविधान (चवथो बदल) अधिनियम 1955

(27 एप्रिल, 1955)

- 1. संक्षिप्त नांव
- 2. कलम 31 चो बदल
- 3. कलम 31-क चो बदल संविधानाचें कलम 31-क हातूंत, -
 - (क) उपकलम 1 चे सुवातेर फुडलें उपकलम घालतले आनी तें तशें सदांच घाल्लें आशिल्लें अशें मानतले, तें अशें :—
 - (ख) उपकलम (2) हातूंत, —
- (i) उप-उपकलम (क) हातूंत 'अनुदान' ह्या उतरा उपरांत 'आनी मद्रास तशेंच त्रावाणकोर कोची ह्या राज्यांनी कसलोय जन्मम् अधिकार' हीं उतरां घालतले आनी तीं तशीं सदांच आशिल्लीं अशें मानतले; आनी
- (ii) उप-उपकलम (ख) हातूंत 'धृतिधारक' ह्या उतरा उपरांत 'रयत, अवर रयत' हीं उतरां घालतले आनी तीं तशीं सदांच घाल्लीं आशिल्लीं अशें मानतले.
 - 4. कलम 305 चे सुवातेर नवीन कलम घालप
 - 5. णववे अनुसुचयेंत बदल.

संविधान (पांचवो बदल) अधिनियम, 1955

(24 डिसेंबर, 1955)

- 1. संक्षिप्त नांव
- 2. कलम 3 चो बदल

संविधान (सवो बदल) अधिनियम 1956

(11 सप्टेंबर, 1956)

- 1. संक्षिप्त नांव
- 2. सातवे अनुसुचयेचो बदल.
- 3. कलम 269 चो बदल.
- 4. कलम 286 चो बदल.

संविधान (सातवो बदल) अधिनियम, 1956

19 अक्टोबर, 1956

- 1. संक्षिप्त नांव आनी आरंभ (1) *
 - (2) 1 नोवेंबर, 1956 दिसा तो अंमलांत येतलो.

- 2. Amendment of Article 1 and First Schedule
- 3. Amendment of Article 80 and Fourth Schedule
- 4. Amendment of Article 81 and 82 substituted by new Articles
- 5. Amendment of Article 131
- 6. Amendment of Article 153
- 7. Amendment of Article 158
- 8. Amendment of Article 168
- 9. Article 170 substituted by new Article
- 10. Amendment of Article 171
- 11. Amendment of Article 216
- 12. Amendment of Article 217
- 13. Article 220 substituted by a new Article
- 14. Amendment of Article 222
- 15. Article 224 substituted by a new Article
- 16. Article 230, 231 and 232 substituted by new Article
- 17. Amendment of Part 8
- 18. Insertion of new Article 258 A
- 19. Insertion of new Article 290A
- 20. Substitution of Article 298 by a new Article
- 21. Insertion of Articles 350 A and 350 B
- 22. Substitution of Article 371 by a new Article
- 23. Insertion of new Article 372
- 24. Insertion of new Article 378
- 25. Amendment of second schedule
- 26. Changes in entries regarding acquision and holding of property contained in the Lists.
- 27. Amendment of some provisions regarding ancient and historical monuments etc.
- 28. Amendment of entry 24 in the State List
- 29. Effective and minor Amendments and Repeals as well as savings (1) As prescribed in the Constitution and in Constitution (Removal of doubts) Order number eight made under Article 392 some effective changes and repeals will be made
 - (2) Notwithstanding the repealment of Article 243 by above schedule all regulations made under that Article and all the existing regulations immediately before the commencement of this Act will remain in force until they are amended changed or repealed by the legislature or competent authority

- 2. कलम 1 आनी पयली अनुसूची हांचो बदल.
- 3. कलम 80 आनी चवथी अनुसूची हांचो बदल.
- 4. कलम 81 आनी 82 हांचे सुवातेर नवीन कलमां घालप.
- 5. कलम 131 चो बदल
- 6. कलम 153 चो बदल.
- 7. कलम 158 चो बदल.
- 8. कलम 168 चो बदल.
- 9. कलम 170 चे सुवातेर नवीन कलम घालप.
- 10. कलम 171 चो बदल.
- 11. कलम 216 चो बदल.
- 12. कलम 217 चो बदल.
- 13. कलम 220 चे सुवातेर नवीन कलम घालप.
- 14. कलम 222 चो बदल.
- 15. कलम 224 चे सुवातेर नवीन कलम घालप.
- 16. कलम 30, 231 आनी 232 हांचे सुवातेर नवीन कलम घालप.
- 17. भाग 8 हाचो बदल.
- 18. नवीन कलम 258 क घालप.
- 19. नवीन कलम 290 क घालप.
- 20. कलम 298 चे सुवातेर नवीन कलम घालप.
- 21. नवीन कलम 350 क आनी 350 ख घालप.
- 22. कलम 371 चे सुवातेर नवीन कलम घालप.
- 23. नवीन कलम 372 क घालप.
- 24. नवीन कलम 378 क घालप.
- 25. दुसरे अनुसुचयेंत बदल.
- 26. वळेऱ्यांनी संपदेचें संपादन आनी अधिग्रहण हांचेसंबंदीं आशिल्ल्या नोंदींनी फेरफार.
- 27. प्राचीन आनी इतिहासीक स्मारक शिल्पां, इत्यादी संबंदींच्या थोड्या उपंबंधांत बदल.
- 28. राज्य वेळेरेतलें नोंद 24 हातूंत बदल.
- **29. परिणामी आनी किरकोळ बदल आनी निरसनां तशेंच व्यावृत्ती.** (1) अनुसूचयेंत निर्देशिल्लेप्रमाण संविधानांत आनी संविधानाच्या कलम 392 खाला केल्ला 'संविधान (शंकानिरसन) आदेश क्रमांक आठ' हातूंत परिणामी आनी किरकोळ बदल आनी निरसनां करतले.
 - (2) वयले अनुसुचयेवरवीं कलम 243 चें निरसन केल्लें आसलें तरी, राष्ट्रपतीन त्या कलमाखाला केल्ले आनी ह्या अधिनियमाच्या आरंभाचे निकटपूर्व अस्तित्वांत आशिल्ले सगले विनियम सक्षम विधानमंडळाकडल्यान अथवा हेर सक्षम प्राधिकरणाकडल्यान तातूंत फेरफार करप जायसर अथवा तांचें निरसन जायसर अथवा तातूंत बदल जायसर ते अंमलांत आसपाचें चालूच उरतलें.

Schedule

(see section 29)

Minor and effective amendments and repeals in the Constitution

Effective amendments (removal of doubts) order number eight in the Constitution.

Constitution (Eigth Amendment) Act, 1960

[28th December, 1960]

- 1. Short title.
- 2. Amendment of Article 334.

Constitution (Nineth Amenement) Act, 1960

[28th December, 1960]

- 1. Brief title.
- 2. Definitions In this Act, —
- (a) 'Appointed day' means as the date of exchange of territories with reference to the Treaty with Pakistan, after thus exchanging and those specified territories in the First Schedule marking these boundaries, the Central Government that dates which will be notified in the Central Government Gazette and such territories from various states and the Union Territory of Tripura for which different dates may be fixed
- (b) 'India Pakistan Treaty means, the agreements reached between India and Pakistan on 10th September, 1958, 23rd October, 1959 and 11th January, 1960 the relevant extracts of which are given in the second schedule.
- (c) 'The exchanged territories means the territories as specified in the Indian Pakistan Treaty with reference to the above mentioned for the purposes of exchange.

3. Amendment in the second schedule of the Constitution

First Schedule

[See sections 2(a), 2(b) and 3]

Part - First

Transferred territories regardig matter (7) from para 2 of the agreement of 10th September, 1958, and matter (i) from para 6 of the agreement of 23rd October, 1959

अनुसूची

(अनुभाग 29 पळयात)

संविधानांतलो परिणामी आनी किरकोळ बदल आनी निरसनां संविधानांतले परिणामी बदल (शंका निरसन) आदेश क्रमांक आठ.

संविधान (आठवो बदल) अधिनियम, 1960. [28 डिसेंबर, 1960]

- 1. संक्षिप्त नांव.
- 2. कलम 334 चो बदल.

संविधान (णववो बदल) अधिनियम, 1960 [28 डिसेंबर, 1960]

- 1. संक्षिप्त नांव.
- 2. व्याख्या ह्या अधिनियमांत, -
- (क) 'थारायिल्लो दीस' हाचो अर्थ, भारत-पाकिस्तान कबलातींक अनुसक्तन पाकिस्तानाक करपाच्या राज्यक्षेत्रांच्या हस्तांतरणाची तारीक म्हूण, हेप्रमाण हस्तांतरीत करपाचीं आनी पयलें अनुसुचयेंत निदीष्ट केल्लीं राज्यक्षेत्रां त्या प्रयोजनाखातीर सीमांकीत करूंक लावन घेतले उपरांत केंद्र सरकार शासकीय राजपत्रांतले अधिसुचोवणेवरवीं थारायतलें ती तारीक 1 असो आसा आनी अशीं राज्यक्षेत्रां वेगळ्यावेगळ्या राज्यांतल्यान तशेंच त्रिपुरा ह्या संघ राज्यक्षेत्रांतल्यान हस्तांतरीत करपाखातीर वेगळ्यो वेगळ्यो तारको निश्चित करूं येतात;
- (ख) 'भारत-पाकिस्तान कबलात' हाचो अर्थ, भारत आनी पाकिस्तान हांच्या सरकारांमदीं जाल्ल्यो 10 सप्टेंबर, 1958, 23 ऑक्टोबर, 1959 आनी 11 जानेवारी, 1960, ह्या तारकांच्यो कबलाती आसात, तातूंतले संबंदीत वाके दुसरे अनुसुचयेंत दिल्यात;
- (ग) 'हस्तांतरीत राज्यक्षेत्र' हाचो अर्थ, भारत-पाकिस्तान कबलांतींत आस्पावित केल्ल्या आनी पयले अनुसुचयेंत निर्दीश्ट केल्ल्या राज्यक्षेत्रांमदल्या वयल्या कबलातींक अनुसरून पाकिस्तानाक हस्तांतरीत करपाच्या प्रयोजनाखातीर सीमांकीत केल्लीं आसतलीं तितलीं राज्यक्षेत्रां असो आसा.
- 3. संविधानाचे पयले अनुसुचयेंत बदल.

पयली अनुसूची

[अनुभाग 2(क), 2(ख) आनी 3 पळयात]

भाग - पयलो

तारीक 10 सप्टेंबर, 1958 चे कबलातींतलो परिच्छेद 2 हातूंतली गजाल (7), आनी तारीक 23 ऑक्टोबर, 1959 चे कबलातींतलो परिच्छेद 6 हांतूंतली गजाल (i) हांच्या संबंदांतलीं हस्तांतरीत राज्यक्षेत्रां.

Part - Second

Trasferred territories regarding matter (i) and matter (4) from para 1 of the agreement of 11th January, 1960

Part - Third

Transferred territories regarding matter (3), matter (5) and matter (10) from para 2 of the Agreement of 10th September, 1958 as well as transferred territories regarding para 4 of the agreement of 23rd October, 1959.

Part - Fourth

Transferred territories regarding matter (8) from para 2 of the agreement of 10th September, 1958.

Second Schedule

[see section 2(b)]

- 1. Extracts from notes which includes the agreement of 10th September, 1958.
- 2. As outcome of talks, following agreements were made:-
- 3. Berubari Union no. 12 ---

This territory will be divided in such manner that half of it will be given to Pakistan and the other half closer to India will remain with India. Berubari Union no. 12 will be divided parallel to the horizon and it will begin from the corner of North East corner at the Devijang outpost.

Division will be made in such a manner that the Panchagar outpost of East Pakistan and in West Bengal the territory marked in Karachi, Bihar the Berubari Union no. 12 of Jalpaigudi out post which is in India will be attached to Indian territory. The territory between the Woda outpost and Berubari Union no. 12 the lower portion of Kuchbiharancilliary territory will be made with referred to general exchange of these territories and they will go to Pakistan.

(5) 24 - Parganas - Khulna 24 - Parganas - Jessore Border-disputes

In case of the second dispute as far as possible each of the both India and Pakistan where they have staked claim on any territory it has been agreed that the same may be marked with the river as the dividing middle line (Icchamati River)

भाग - दुसरो

तारीक 11 जानेवारी, 1960 चे कबलातींतलो परिच्छेद 1 हातूंतली गजाल (i) आनी गजाल (4) हांच्या संबंदांतलीं हस्तांतरीत राज्यक्षेत्रां.

भाग तिसरो

तारीक 10 सप्टेंबर, 1958 चे कबलातींतलो परिच्छेद 2 हातूंतली गजाल (3), गजाल (5) आनी गजाल (10) तशेंच तारीक 23 ऑक्टोबर, 1959 चे कबलातींतलो परिच्छेद 4 हांच्या संबंदांतलीं हस्तांतरीत राज्यक्षेत्रां.

भाग - चवथो

तारीक 10 सप्टेंबर, 1958 चे कबलातींतलो परिच्छेद 2 हातूंतली गजाल (8) हांच्या संबंदांतलीं हस्तांतरीत राज्यक्षेत्रां.

दुसरी अनुसूची

[अनुभाग 2(ख) पळयात]

- 1. तारीक 10 सप्टेंबर, 1958 ची कबलात आस्पावीत आशिल्ल्या टिपणांतले उतारे
- 2. चर्चेचें फळ म्हूण फुडल्यो कबलाती जाल्यों :--
- 3. बेरुबारी संघ क्रमांक 12 —

हें क्षेत्र अशे रितीन विभागतले की, अर्दें क्षेत्र पाकिस्तानाक दितले आनी भारताक लागीं आशिल्लें दुसरें अर्दें क्षेत्र भारताकडेन उरतलें. बेरूबारी संघ क्रमांक 12 ची विभागणी क्षितिजसमांतर आसतली आनी ती देवीजंग ठाण्याचे ईशान्य कोनशासावन सुरू जातली.

विभागणी अशे तरेन करची की, उदेंत पाकिस्तानाचें पाचगर ठाणे आनी अस्तंत बंगालाच्या जालपायगुडी ठाण्याचो बेरूबारी संघ क्रमांक 12 हांतूंतले कुचिबहारचे परवृत्त प्रदेश सध्या आसात तेप्रमाण भारताच्या राज्यक्षेत्राक जोडिल्ले उरतले आनी ते भारताकडेन उरतले. उदेंत पाकिस्तानाचें वोडा ठाणे आनी बेरूबारी संघ क्रामांक 12 हांचेमदलें सकयले वटेनच्या कुचिबहाराच्या परवृत्त प्रदेशाची देव घेव ही परवृत्त प्रदेशांची एकंदर देव घेव जातना जातली आनी ते पाकिस्तानाकडेन वतले.

(5) 24-परगणे-खुलना 24-परगणे-जेसोर

दुसऱ्या तंट्याच्या संबंदांत, जाता तोवेर भारत आनी पाकिस्तान ह्या दोगांयमदल्या दरेकान ज्या प्रदेशाचेर हक्क सांगला ताची न्हंयेंच्या आदारान मध्यरेग स्वीकारची अशें संमत जालां (इच्छामती न्हंय)

- (7) Notification regarding the river region Dhiyom and Surma, maps about land registration entry survey and if necessary these may be reasonably marked and whatever the outcome of such marking may be, there must be the freedom of navigation for citizens of both the governments.
- (8) The Government of India agrees to give to Pakistan on permanent rights of the land on the Western rail road of Tripura state as well as the land near the Bhagalpur railway track.

* * * *

(10) It is agreed not to claim the adjacent land from the old Rooch Bihar ancilliary region and similar territories of Pakistan in India while exchanging the territories in the event of residual territories.

(sd) M. S. A. Baig
Foreign Secretary Foreign and
Commonwealth Relation Ministry
Government of Pakistan

(sd) M. J. Desai Commonwealth Secretary Ministry of Foreign Affairs Govt. of India.

New Delhi, 10th September, 1958

2. Extracts from the Agreement reached on 23rd October, 1959 under the title 'The decisions' and procedure adopted to solve border territory disputes between East Pakistan and India and to curb cross border firing there.

•

4. West Bengal -East Pakistan border lines

This border line is already mapped upto more than 12000 miles. It was agreed upon that the river territories border lines of the rivers Mahananda, Burming and Karto between West Bengal and East Pakistan fresh land registration survey, maps and for the confirmation of them mapping will be done as per notifications and survey rights thereof.

6. Border line of Assam-East Pakistan-

(i) The dispute related to Baag Award III has been solved by accepting the following logical border lines in the Patharid Reserved Forest Regions.

As shown in Regional map page no. 83-D-5 from the point of the sign on the old patharia reserved border on the side of BA Rediff line bearing no (A 522558) from the point of which it proceeds. The tram will proceed from the southern point from very close to the road parallely upto the point A (H531554) from there on the south shoulder and towards Cuttack side upto the hill top marked as c (H532523); from there on the south upto the point D(H530517) from there towards South East upto the Plateau E(H 523507) from there towards South upto the point F(H524500) from there towards South East in the straight line in the Gandhayee canal stream upto point and G (H 540494); from there towards the South West direction on the upper side of Ghandhayee Canal upto point H(H 533482); from there above shoulders and on Cuttack side upto point I (H

- (7) धियान आनी सुरमा ह्या न्हंय-प्रदेशांसंबंदीं अधिसुचोवणी, भूनोंदविशयक सर्वेक्षण नकशे आनी गरज पडल्यार हांचे प्रामण सीमांकन करपाचें ह्या सीमांकनाचें फळ किदेंय आसलें तरी दोनाय सरकाराच्या नागरिकांक दोनाय न्हंयांचेर नौकानयनाची सोय आसची.
- (8) भारत सरकार त्रिपुरा राज्याची रेल्वेमार्गाचे अस्तमेकडली जमीन, तेचपरीं भागलपूराच्या रेल्वेमार्गालागची जमीन पाकिस्तानाक शाश्वत हक्कान दिवपाचें मान्य करता.
- (10) पाकिस्तानांतल्या पोरण्या कुचिबहाराचे परवृत्त प्रदेश आनी भारतांतले पाकिस्तानाचे परवृत्त प्रदेश हांची देवघेव करतना वचपी ज्यादा क्षेत्रासंबंदीं भरपायेचो दावो करचो न्हंय अशी कबलात जाल्या.

(सय) एम.एस.ए. बेग विदेश सचिव, विदेश आनी राष्ट्रकुल संबंद मंत्रालय राष्ट्रकुल सचिव, विदेश मंत्रालय, पाकिस्तान सरकार

(सय) एम.जे. देसाई भारत सरकार

नवी, दिल्ली, 10 सप्टेंबर, 1958

- 2. तारीक 23 ऑक्टोबर, 1959 चे 'भारत उदेंत पाकिस्तान सीमा क्षेत्रांसंबंदींचे तंटे मिटोवपाखातीर आनी थंयच्या चकमकींक आळाबंद घालचेखातीर मानून घेतिल्लें निर्णय आनी कार्यपद्धत' ह्या नांवांचे कबलातींतले उतारे.
- 4. अस्तंत बंगाल उदेंत पाकिस्तान शीमरेगो 1,200 परस चड मैलांमेरेन ही शीमरेग पयलींच आंखिल्ली आसा. अस्तंत बंगाल आनी उदेंत पाकिस्तान हांचेमदल्यो महानंदा, बुरनंग आनी करतो, ह्या न्हंयांच्या क्षेत्रांतल्या शीमरेगांसंबंदांत नवीन भूनोंदविशयक सर्वेक्षण, नकशे आनी तांचे पूष्टीखातीर संबद्ध अधिसुचोवण्यो आनी हक्कनोंदी हांचेप्रमाण सीमांकन करतले अशें मान्य जाल्लें.
 - 6. आसाम-पूर्व पाकिस्तान शीमरेग —
 - (i) पठारिया वन राखीव प्रदेशांतल्यो फुडल्यो तर्कसंगत शीमरेगो स्वीकारून बाग निवाडो 3 रो हांचेकडेन संबंदीत आशिल्लो तंटो मिटयला.

प्रदेशिक नकसो पान क्रमांक 83-डी-5 हातूंत दाखयलां ते प्रमाण पोरण्या पठारिया राखीव शिमेवेले बीए रॅडक्लिफ रेगेचे वटेन एक्स (एच 522558) हे कुरवेच्या बिंदूकडल्यान ती शीमरेग ताचे दक्षिणेकडल्या गाडी रस्त्याच्या सामकी लागींच्यान आनी ताका समांतर अशी ए (एच 531554) ह्या बिंदूमेरेन वतली; थंयच्यान दक्षिण दिशेक बाह्रवेल्यान आनी कटकाचे वटेन बी (एच 523529) हे कुरवेच्या दोंगरमाथ्यामेरेन; थंयच्यान आग्नेय दिशेक कटकाचे वटेन बाह्वेल्यान सकयल, झरो वलांडून पेल्यान सी (एच 532523) हे कुरवेच्या दोंगरामाथ्यामेरेन; थंयच्यान दक्षिण दिशेक डी (एच 530517) ह्या बिंदूमेरेन; थंयच्यान नैऋत्य दिशेन ई (एच 523507) ह्या सपाट माथ्यामेरेन; थंयच्यान दक्षिणेक एफ (एच 524500) ह्या बिंदूमेरेन; थंयच्यान आग्नेय दिशेन सरळ रेगेंत गंधई नाल्याचे धारेंतलें जी (एच 540494) हे कुरवेच्या बिंदुमेरेन; थंयसून नैऋत्व दिशेन गंधई नाल्याचे धारेचे वयले वटेन एच (एच 533482) हे कुरवेच्या बिंदूमेरेन; थंयसून बाहूवेल्यान आनी

517460); from there towards south on Cuttack upto point J(H518455) from there towards southwest straight upto a height of 364 ft. then further in the same direction on the side of the same Cuttack upto point K(H500428); from there on the southern south-west on the same Cuttack side upto point L (H 496420); from there on the North-West direction on the same Cuttack side upto point M(H 499417); from there towards the south-west on the Cuttack side upto a height of 587 ft. upto the point of horse-path thereafter from the shoulders on the hill top upto point N (H 487393); thereafter towards south-east direction on the Cuttack side upon hill-top point (from a height of 692 ft; from there on the southern direction above shoulder down from Burachhra to the point O (H 484344); from there towards south-west on the shoulder on Cuttack side upto the point at a height of 690 ft. to the traingular Land Survey Centre; thereafter on the South on Cuttack side upto the point of 490 ft. height therefrom exactly in the straight line prodeeding towards South towards point Y (S 473203) sign on along Panaria Reserved Vanachiya East Border; on the side of line BA, above mentioned. These have been document in two copies of the regional map page nos. 83 D/5, 83 D/6 and 83 D/7.

The experts in the field of land mapping will have athority to effect changes in the mapped said border line in conformity with regional specialities.

Army state losing any territory or related territories in the process of mapping as a result of changes will be balanced by the experts.

(sd) J. G. Ravaras

Acting Foreign Secretary,

Foreign and Commonwealth Relation's Ministry

Karachi

(sign) M. J. Desai common Wealth Secretary Ministry of Foreign Affairs New Delhi.

New Delhi, 23rd October, 1959

- 3. Extracts form the agreement entered into on 11th January 1960
- 4. West Pakistani-Punjab Border In this region the mapping of borders out of total 325 miles, the border of about 252 miles has been already completed since there is difference of opinion between the decision of Commissioner for Punjab Border Commission Sir Cyril Rediff and the Arbitration verdict and the Government of India and Pakistan about their interpretation the mapping of border of 73 miles approximately has not yet been done. The differences has been settled as follows keeping in view the mutual convenience:—
 - (i) The border between India, and Pakistan in the region of Theh Rurza Marza, Raakh Radit Bing and Pathanki (Amritsar-Lahore border) should be in the manner as the border between Lahore and Kashmir with reference to Punjab Government Notification no. 2183 -E dtd. 2nd June, 1939. This has been agreed upon by Government of India and Pakistan. Consequently, these three villages will come under territorial jurisdiction of Pakistan

*

कटकाचे वटेन आय (एच 517460) ह्या बिंदूमेरेन; थंयसावन दक्षिणेक कटकावेल्या जे (एच 518455) ह्या बिंदूमेरेन; थंयसून नैऋत्य दिशेक कटकाचे वटेन सरळ 364 फूट उंचायेमेरेन, मागीर फुडें तेच दिशेन त्याच कटकाचे वटेन के (एच 500428) ह्या बिंदूमेरेन; थंयच्यान दक्षिण नैऋत्य दिशेन त्याच कटकाचे वटेन एल (एच 496420) ह्या बिंदूमेरेन; थंयसून आग्नेय दिशेन त्याच कटकाचे वटेन एम (एच 499417) ह्या बिंदूमेरेन; थंयच्यान नैऋत्य दिशेन कटकाचे वटेन 587 फूट उंचायेचेर आशिल्ले घोडवाटेवेल्या बिंदूमेरेन; उपरांत भुजावेल्यान दोंगरामाथ्याचेर एन (एच 487393) ह्या बिंदूमेरेन; उपरांत आग्नेय दक्षिण नैऋत्य दिशेक कटकाचे वटेन 692 फूट उंचायेवेल्यान दोंगरामाथ्यामेरेन; थंयच्यान दक्षिण दिशेक भुजावेल्यान सकयल बुराछेरावेल्यान ओ (एच 484344) ह्या बिंदूमेरेन, थंयसून नैऋत्य दिशेक भुजाचेर कटकाचे वटेन 690 फूट उंचायेवेले त्रिकोणमिती भूमापन केंन्द्रामेरेन; थंयसून दक्षिण दिशेक कटकाचे वटेन 490 फूट उंचायेवेल्या बिंदूमेरेन; थंयच्यान ज्युस्त दक्षिणेकडेन वचपी सरळ रेगेंत, पनिरया राखीव वनाचेया उदेंत शीमेवेल्या वाय (एच 473263) हे कुरवेच्या बिंदूमेरेन; रंडक्लिफ रेग बीए चे वटेन, वयर वर्णिल्ली रेग, प्रादेशीक नकशाचीं पानां क्र 83 डी/5, 83 डी/6 आनी 83 डी/7 हांच्या दोन प्रतींनी आलेखीत केल्यांत.

जमनी सीमांकीत करपी जाणकारांक, आंखिल्ली शीमरेग वर्णिल्ल्या प्रदेश-वैशिश्ट्यांकडेन जुळोवपाखातीर किरकोळ फेरफार करपाचो प्राधिकार आसतलो.

नकशाचेर आंखिल्ले रेगेच्या संबंदांतल्या फेरफारांचो परिणाम म्हूण खंयच्याय राज्याक वगडावंचे पडिल्ले आनी ताचेलागीं आशिल्ले भूभाग हांचे जाणकारांकडल्यान संतुलन जातलें.

(सय) जे.जी. रवारस कार्यार्थ, परराष्ट्र सचिव, विदेश आनी राष्ट्रकुल संबंध मंत्रालय, कराची. (सय) एम्.जे. देसाई राष्टकुल सचिव विदेश मंत्रालय, नवी दिल्ली.

नवी दिल्ली, 23 ऑक्टोंबर, 1959

- 3. तारीक 11 जानेवारी 1960 चे 'भारत अस्तंत पाकिस्तान सीमाक्षेत्रांसंबंदींचे तंटे मिटोवपाखातीर आनी थंयच्या चकमकींक आळाबंद घालपाखातीर संमत जाल्ले निर्णय आनी कार्यपद्धत' ह्या नांवांचे कबलातींतले वाके.
- 4. अस्तंत पाकिस्तान-पंजाब शीम ह्या क्षेत्रांतले शीमेच्या वट्ट 325 मैलांतले अदमासान 252 मैलांचें सीमांकन पूर्ण केलां. पंजाब शीम आयोगाचो अध्यक्ष ह्या नात्यांन सर सिरील रॅडक्लिफ हांणे मांडिल्लो त्या आयोगाचो निर्णय आनी लवाद-निवाडो हांचो अर्थ लावपाखातीर भारताचें आनी पाकिस्तानाचें सरकार हांचेमंदीं मतभेद आशिल्ल्यान अदमासान 73 मैलांची शीम अजून आंखिल्ली ना. एकामेकांची सोय पळोवपाचे नदरेन हे मतभेद सकयल दिलां ते प्रमाण मिटयल्यांत :—
 - (i) थेह रूर्जा मर्जा, राख रदित बिंग आनी पठाणकी (अमृतसर-लाहोर शीम) ह्या प्रदेशांत अस्तंत पाकिस्तान आनी भारत हांचेमदली शीम पंजाब सरकार अधिसुचोवणी क्र. 2183-ई, तारीक 2 जून, 1939 हेखाला थारावन दिल्ल्या लाहोर आनी कसूर ह्या तहसिलांमदल्या शीमांप्रमाण आसची अशें भारत सरकार आनी पाकिस्तान सरकार हाणी मानून घेतलां. परिणामी हीं तीन खेडीं पाकिस्तान सरकाराच्या राज्यक्षेत्रीय अधिकारितायेभितर येतलीं.

(iv) Sulemanki (Ferozepur Montgomenry Border) It has been agreed upon by Governments of India and Pakistan to make changes in borders of these districts as per the map appended thereto as Appendix - I

(sd) M. J. Desai

Commonwealth Secretary

Foreign Ministry

Govt. of India

(sd) J. G. Ravaras

Joint Secretary

Foreign & Commonwealth Rela Ministry

Govt. of Pakistan

New Delhi, 11th Jan, 1960

Note

1. In relation to the territory shown in second part of the First Schedule of this Act, 17th of January, 1961, see Notification no. G. S. R. 73, dtd 14th January 1961, Government of India Gazette, Extraordinary, Part II - Division (3) (i) paged no. 15

Constitution (Tenth Amendment) Act, 1961

[16th August, 1961]

- 1. Short title and commencement (1) *
 - (2) It shall be deemed to have come into effect on 11th August, 1961
- 2. Amendment of the First Schedule of the Constitution
- 3. Amendment of Article 240

Constitution (Eleventh Amendment) Act, 1961

[19th December, 1961]

- 1. Short title
- 2. Amendment of Article 66
- 3. Amendment of Article 71

Constitution (Twelfth Amendment) Act, 1962

[27th March, 1962]

- 1. Short title and Commencement (1) *
 - (2) It will be deemed to have come into effect on 20th December 1961.
- 2. Amendment in the First Schedule of the Constitution
- 3. Amendment of Article 240

(iv) सुलेमानकी (फिरोझपूर - माँटगोमेरी शीम) — वांगडा जोडिल्ले अनुसुचयेंत विनिर्दीष्ट केल्लेप्रमाण आनी ताचेवांगडा 'जोडपत्र-1 लें' म्हणून जोडिल्ल्या नकशांत दाखयल्ले प्रमाण ह्या प्रदेशांतल्या जिल्ह्याच्या शीमांनी फेरफार करपाचें भारत सरकार आनी पाकिस्तान सरकार हाणी मान्य केलां.

(सय) एम्.जे. देसाई राष्ट्रकुल सचिव, विदेश मंत्रालय, भारत सरकार (सय) जे.जी. रवारस सह सचिव, विदेश आनी राष्ट्रकुल संबंद मंत्रालय, पाकिस्तान सरकार

नवी दिल्ली, 11 जानेर, 1960.

टीप

1. ह्या अधिनियमाचे पयले अनुसुचयेच्या दुसऱ्या भागांत निर्दीष्ट केल्ल्या राज्यक्षेत्राच्या संबंधांत, 17 जानेर, 1961; पळयात, अधिसुचोवणी क्रमांक जी. एस्. आर. 73, ता. 14 जानेर, 1961 भारताचें राजपत्र, असाधारण, भाग दोन - विभाग (3) (i) पा. क्र. 15.

संविधान (धावो बदल) अधिनियम, 1961 [16 आगश्ट, 1961]

- 1. संक्षिप्त नांव आनी आरंभ (1) *
 - (2) 11 आगश्ट, 1961 दिसा तो अंमलांत आयलो अशें मानतले. अंग्रिक To membroom के
- 2. संविधानाचे पयले अनुसुचयेचो बदल.
- 3. कलम 240 चो बदल.

संविधान (अकरावो बदल) अधिनियम, 1961

- 1. संक्षिप्त नांव
- 2. कलम 66चो बदल.
- 3. कलम 71चो बदल.

संविधान (बारावो बदल) अधिनियम, 1962 [27 मार्च, 1962]

- 1. संक्षिप्त नांव आनी आरंभ (1) *
 - (2) 20 डिसेंबर, 1961 दिसा तो अंमलांत आयलो अशें मानतले.
- 2. संविधानाचे पयले अनुसुचयेंत बदल.
- 3. कलम 240 चो बदल.

Constitution (Thirteenth Amendment) Act, 1962

[28th December, 1962]

1. Short title and commecement — (1) *

(2) It shall come into effect as and when the Government of India may in the Official Notification in the Gazette specify¹.

2. Amendment of Part 21.

Note

Constitution (Thirteenth Amendment)

1. See Notification no. G. S. R. 1734 of 1st December, 1963 and Government of India Gazette — Part two — Division p. 2030 of 30th October, 1963.

Constitution (Fourteenth Amendment) Act, 1962

[28th December, 1962]

- 1. Short title
- 2. Amendment of Article 81
- 3. Amendment of First Schedule
- 4. Insertion of nes Article 239A
- 5. Amendment of Article 240
- 6. Amendment of Fourth Schedule
- 7. Alteration of some provisions with restrospective effect section 3 and section 5(a) will be deemed to have come into effect from 16th August, 1962.

Constitution (Fifteenth Amendment Act, 1963)

[5th October, 1963]

- 1. Short title
- 2. Amendment of Article 124
- 3. Amendment of Article 128
- 4. Amendment of Article 217
- 5. Amendment of Article 222
- 6. Amendment of Article224
- 7. Insertion of new Article 224 A
- 8. Amendment of Article 226
- 9. Amendment of Article 297

संविधान (तेरावो बदल) अधिनियम, 1962 [28 डिसेंबर, 1962]

1. संक्षिप्त नांव आनी आरंभ — (1) *

(2) केंद्र सरकार शासकीय राजपत्रांतले अधिसुचोवणेवरवीं थारायतली अशे तारकेक¹ तो अंमलांत येतलो.

2. भाग 21 वो हातूंत बदल.

टीप

संविधान (तेरावो बदल)

1. 1 डिसेंबर, 1963, पळयात, अधिसुचोवणी जी.एस्.आर. 1734, ता. 30 ऑक्टोबर, 1963 भारताचें राजपत्र - भाग दोन - विभाग पा. 2030

संविधान (चवदावो बदल) अधिनियम, 1962 [28 डिसेंबर, 1962]

- 1. संक्षिप्त नांव
- 2. कलम 81 चो बदल
- 3. पयले अनुसुचयेंत बदल
- 4. नवीन कलम 239 क घालप.
- 5. कलम 240त बदल
- 6. चवथे अनुसुचयेंत बदल
- 7. थोड्या उपबंधांचें भूतलक्षी प्रवर्तन अनुभाग 3 आनी अनुभाग 5 (क) हें 16 आगश्ट, 1962 हे तारकेसावन अंमलांत आयलें अशें मानतले.

संविधान (पंदरावो बदल) अधिनियम, 1963. [5 ऑक्टोबर, 1963]

- 1. संक्षिप्त नांव
- 2. कलम 124 चो बदल
- 3. कलम 128 चो बदल
- 4. कलम 217 चो बदल
- 5. कलम 222 चो बदल
- 6. कलम 224 चो बदल
- 7. नवीन कलम 224-क घालप
- 8. कलम 226 चो बदल
- 9. कलम 297 चो बदल

- 10. Amendment of Article 311
- 11. Amendment of Article 316
- 12. Amendment of Seventh Schedule The words '(including holidays)' will be inserted after the words 'to create' in the entry 78 of the first List of the Seventh Schedule of the Constitution and it will be deemed to have always been there.

Constitution (Sixteenth Amendment) Act, 1963

[5th October, 1963]

- 1. Short title
- 2. Amendment of Article 19
- 3. Amendment of Article 84
- 4. Amendment of Article 173
- 5. Amendment in the Third Schedule

Constitution (Seventeenth Amendment) Act, 1964

[20th June, 1964]

- 1. Short title
- 2. Amendment of Article 31 A (1) *
- (2) The following sub-clause shall be inserted instead of section (2) and it shall be deemed to have always existed there that is :—
- 3. Amendment in Article 3

Constitution (Eighteenth Amendment) Act, 1961

[27th Aug. 1966]

- 1. Short title
- 2. Amendment of Article 3

Constitution (Nineteenth Amendment) Act, 1966

[11th Dec. 1966]

- 1. Short title
- 2. Amendment of Article 324

Constitution (Twentieth Amendment) Act, 1966

[22nd Dec. 1966]

- 1. Short title
- 2. Insertion of new Article 233 A

- 10. कलम 311 चो बदल
- 11. कलम 316 चो बदल
- 12. सातवे अनुसुचयेचो बदल संविधानाचे सातवे अनुसुचयेंत, पयले वळेरेंतलें नोंद 78 त 'रचपाक' ह्या उतराउपरांत '(दीर्घ सुटयो धरून)' हें उतर घालतले आनी तें सदांच तशें घाल्लें आशिल्लें अशें मानतले.

संविधान (सोळावो बदल) अधिनियम, 1963 (5 ऑक्टोबर, 1963)

- 1. संक्षिप्त नांव
- 2. कलम 19 चो बदल
- 3. कलम 84 चो बदल
- 4. कलम 173 चो बदल
- 5. तिसरे अनुसुचयेंत बदल

संविधान (सतरावो बदल) अधिनियम, 1964 (20 जून, 1964)

- 1. संक्षिप्त नांव
- 2. कलम 31क चो बदल (1)*
- (2) अनुभाग (2) हातूंत, उप-कलम (क) चे सुवातेर फुडलें उप-उपकलम घालतले आनी तें सदांच तशें घाल्लें आशिल्लें अशें मानतले, तें अशें :-
- 3. णववे अनुसुचयेंत बदल.

संविधान (अठरावो बदल) अधिनियम, 1966 [27 आगश्ट, 1966]

- 1. संक्षिप्त नांव
- 2. कलम 3 चो बदल.

संविधान (एकोणिसावो बदल) अधिनियम, 1966 [11 डिसेंबर, 1966]

- 1. संक्षिप्त नांव
- 2. कलम 324 चो बदल

संविधान (विसावो बदल) अधिनियम, 1966 [22 डिसेंबर, 1966]

- 1. संक्षिप्त नांव
- 2. नवीन कलम 233 क घालप

Constitution (Twenty First Amendment) Act, 1967

[10th April, 1967]

- 1. Short title
- 2. Amendment of Eighth Schedule

Constitution (Twenty Second Amendment) Act, 1969

[25th September, 1969]

- 1. Short title
- 2. Insertion of new Article 244 C
- 3. Amendment of Article 275
- 4. Insertion of new Article 371 B

Constitution (Twenty Third Amendment) Act, 1969

[23rd January, 1970]

- 1. Short title
- 2. Amendment of Article 330
 - 3. Amendment of Article 332
- 4. Amendment of Article 333 (1)*
- (2) Nothing contained in sub-clause (1) will affect the representation of Anglo-Indian Community in any State under any law existing at the commencement of this Act.
- 5. Amendment of Article 334

North-East Regions (Reorganisation Act, 1971)

(81 of 1971) [31st December, 1971]

Part - 1

Section 1 and 2 *

Part - 2

Section 3 to 8 *

9. Amendment of First Schedule of the Constitution

संविधान (एकविसावो बदल) अधिनियम, 1967 [10 एप्रिल, 1967]

- 1. संक्षिप्त नांव
- 2. आठवे अनुसुचयेचो बदल

संविधान (बाविसावो बदल) अधिनियम, 1969 [25 सप्टेंबर, 1969]

- 1. संक्षिप्त नांव
- 2. नवीन कलम 244 क घालप
- 3. कलम 275 चो बदल
- 4. नवीन कलम 371 ख घालप

संविधान (तेविसावो बदल) अधिनियम, 1969 [23 जानेर, 1970]

- 1. संक्षिप्त नांव
- 2. कलम 330 चो बदल
- 3. कलम 332 चो बदल
- 4. कलम 333 चो बदल (1) *
- (2) उप-उपकलम (1) हातूंत आस्पाविल्ले खंयचेय गजालीक लागून, ह्या अधिनियमाच्या आरंभाक अस्तित्वांत आशिल्ल्या खंयच्याय राज्याचे विधानसभेंतल्या आंग्लभारतीय समाजाच्या प्रतिनिधीत्वाचेर ते विधानसभेचें विसर्जन जायसर परिणाम जावंचो ना.
- 5. कलम 334 चो बदल.

ईशान्य क्षेत्रां (पुनर्रचणूक) अधिनियम, 1971. (1971चो 81वो) [31 डिसेंबर, 1971]

भाग - 1 लो

अनुभाग 1 आनी 2 *

भाग - 2 रो

अनुभाग 3 ते 8 *

9. संविधानाचे पयले अनुसुचयेचो बदल

Part - 3

| iv. Amendment of | routui Sched | ule of the Constitu | | |
|--------------------|-----------------|----------------------|---------------------------------------|----------------------|
| Sections 11 to 27 | * | * | * . | * |
| : | | | İ | |
| | | Part - 4 | | · |
| Sections 28 to 43 | * | * * * | * | * |
| 300110110 20 10 10 | | , " | | |
| | _ | Part - 5 | | - |
| Continu 44 to 40 | * | * | * | * |
| Section 44 to 49 | | • | | |
| | | D 4 A | | |
| | | Part - 6 | • • • | |
| Sections 50 to 52 | * | * | * | * |
| | | | | |
| | • | Part - 7 | ļ | |
| Sections 53 to 60 | * | * | * | * |
| | | | | |
| | | Part - 8 | | |
| Sections 61 to 70 | * | * | * | * |
| Sections of to 70 | | - | | |
| | | Dort 0 | | * (|
| | | Part - 9 | i ļ | • |
| | | | | |
| 71. Amendment of A | rticle 210, 239 | C, 244 244 C, 275, 3 | 332, 3/1 B and | Fifth and Sixth Sche |
| ne Constitution. | | | | |
| | | | | |
| (a) * | * | * | * | |
| (b) * | * | * | · · · · · · · · · · · · · · · · · · · | |
| (c) * | * | * | *• | |
| (d) * (e) * | * | . * | * | |
| (e) (f) * | * | * | * | |
| (g) * | * | * | * | |
| (a) (h) * | * | * * | * | |
| (11) | | | | |

Second Schedule
Third Schedule
Fourth Schedule

| | | | | 2/2 | | | | |
|---|--------------|---------------|-----------------------|----------------|---------|------------------|-------------------|-------|
| | | | | भाग - 3 रो | | | | |
| | 10. संविध | ानाचे चवथे | अनुसुचयेचो बदल | | | | | |
| | अनुभाग 11 | | * | D*thod thre | | * | | |
| | | | | | | | | |
| | | | | भाग - 4 थो | | | | |
| | अनुभाग 28 | 3 ते 43 | * | * | | * | | |
| | | | | | | | | |
| | | | | भाग - 5 वो | | | | |
| | अनुभाग 44 | 4 ते 49 | * | * | * | * | | |
| | | | | | | | | |
| | | | | भाग - 6 वो | | | | |
| | अनुभाग 50 | 0 ते 52 | * | * | * | * | | |
| | | | | | | | | |
| | | | | भाग - 7 वो | | | | |
| | अनुभाग 50 | 3 ते 60 | * | * | * | * | | |
| | | | | | | | | |
| | | | | भाग - 8 वो | | | | |
| | अनुभाग 6 | 1 ते 70 | * | * | * | * | eltit fjortë | |
| | | | | | | | | |
| | | | | भाग - 9 वो | | | | |
| | 71. संविध | गानाचीं कल | मां 210, 239क, | 244, 244क, | 275, | 332, 371 ख अ | ानी पांचवी तशें | व सवी |
| अ | नुसूची हांचो | बदल. | | | | | | |
| | (ক) | * | * | | * | | * sine mone | |
| | (ख) | * | * | | * 54 | | * 0 2 2 2 2 2 2 2 | |
| | (ग) | * | * | | * | EDE albumA Mo | | |
| | (घ) | * | * | | * | | to *manufiam/ | |
| | (룡) | * | * | | * | | * | |
| | (च) | * | tet ten daumb | | * | | * | |
| | (छ) | * | * | | * | | * | |
| | (ज) | * | * | | * | | bris epit hait | |
| | | गठवे अनुसूच | वयंत निर्देशीत केल्ले | प्रमाण संविधान | ाची सवी | | | |
| | ancialvola p | en inismisi s | | पयली अनुसूची | | a E fioliosa one | | 1 |
| | | | | 3 10 3 11 | | | | |

दुसरी अनुसूची तिसरी अनुसूची चवथी अनुसूची Fifth Schedule
Sixth Schedule
Seventh Schedule
Eighth Schedule

Amendment of Sixth Schedule of the Constitution
Section 1 to 14
Ninth Schedule
Tenth Schedule

Constitution (Twenty Fourth Amendment) Act, 1971 [5th November, 1972]

- 1. Short title
- 2. Amendment of Article 13
- 3. Amendment of Article 368.

Constitution (Twenty Fifth Amendment) Act, 1971 [20th April, 1972]

- 1. Short title
- 2. Insertion of new Article 31C

Constitution (Twenty Sixth Amendment) Act, 1971 [28th December, 1971]

- 1. Short title
- 2. Repeals of Article 291 and 362
- 3. Insertion of new Article 363 A
- 4. Amendment of Article 363

Constitution (Twenty Seventh Amendment) Act, 1971

[30th December, 1971]

- 1. Short title and commencement (1) *
- (2) This section and section 3 shall come into force immediately and the remaining provisions shall come into force from the date not before the day specified by Central Government by Notification in the Government Gazette under s (2) clause (b) of 'North-East Regions (Reorganisation) Act 1971'
- 2. Amendment of Article 239A

पांचवी अनुसूची
सवी अनुसूची
सातवी अनुसूची
आठवी अनुसूची
अंविधानाचे सवे अनुसूचयेचे बदल
अनुभाग 1 ते 14
णववी अनुसूची
धावी अनुसूची

संविधान (चोविसावो बदल) अधिनियम, 1971 [5 नोवेंबर, 1971]

- 1. संक्षिप्त नांव
- 2. कलम 13 त बदल
- 3. कलम 368 त बदल

संविधान (पंचविसावो बदल) अधिनियम, 1971 [20 एप्रिल, 1972]

- 1. संक्षिप्त नांव
- 2. नवीन कलम 31ग घालप

संविधान (सव्विसावो बदल) अधिनियम, 1971 [28 डिसेंबर, 1971]

- 1. संक्षिप्त नांव
- 2. कलम 291 आनी 362 निरसीत करप
- 3. नवीन कलम 363 क घालप
- 4. कलम 363 त बदल ata matahamatana pubbag pubbag palamagar anot

संविधान (सत्ताविसावो बदल) अधिनियम, 1971 [30 डिसेंबर, 1971]

- 1. संक्षिप्त नांव आनी आरंभ (1) *
- (2) हो अनुभाग आनी अनुभाग 3 तात्काळ अंमलांत येतले आनी ह्या अधिनियमाचे उरिल्ले उपबंध 'ईशान्य क्षेत्रां (पुनर्रचणूक) अधिनियम, 1971' अनुभाग (2) उपकलम (ख) हाचेखाला निश्चित केल्ल्या दिसापयलींची नासतली अशी जी तारीक केंद्र सरकार शासकीय राजपत्रांतले अधिसुचोवणेवरवीं थारायतलें ते तारकेक अंमलांत येतले.
 - 2. कलम 239-क चो बदल

- 3. Insertion of new Article 239 B
- 4. Amendment of Article 240
- 5. Insertion of new Article 371-C

Constitution (Twenty Eigheth Amendment) Act, 1972

[27th August 1972]

- 1. Short title and commencement (1) *
- (2) It will commence on such date as the Central Government by Notification in the Official Gazette may specify
- 2. Insertion of new Article 312 A
- 3. Repeal of Article 314

Constitution (Twenty Ninth Amendment) Act, 1972

[9th June, 1972]

- 1. Short title
- 2. Amendment of Ninth Schedule

Constitution (Thirtieth Amendment) Act, 1972

[22nd February, 1973]

- 1. Short title and commencement (1) *
- (2) It will commence on such date as the Central Government by Notification in the Official Gazette may specify
- 2. Amendment of Article 133
- 3. Special provisions regarding pending implementation etc. (1) on account of anything contained in this Act,
 - (a) which immediately before the commencement of this Act was pending before the High Court and any appeal under sub-clause (a) or sub-clause (b) or sub-clause (c) of section (1) of Article 123 of the Constitution or
 - (b) any appeal made at the commencement or immediately before the Commencement of this Act, under the certificate issued under the High Court under Article 133 s-(1) sub-clause (b) with reference to any civil action by the High Court,

shall not be affected and as if in case this Act was not passed, the Supreme Court could have heard each of such appeal and given the verdict or as per the given cases, could have accepted it and given the verdict.

- 3. नवीन कलम 239-ख घालप
- 4. कलम 240 त बदल
- 5. नवीन कलम 371-ग घालप

संविधान (अठ्ठाविसावो बदल) अधिनियम, 1972 [27 आगश्ट, 1972]

- 1. संक्षिप्त नांव आनी आरंभ (1) *
 - (2) केंद्र सरकार शासकीय राजपत्रांतले अधिसुचोवणेवरवीं करतलें अशे तारकेक तो अंमलांत येतलो.
- 2. नवीन कलम 312-क घालप
- 3. कलम 314 काडून उडोवप

संविधान (एकोणतिसावो बदल) अधिनियम, 1972 [9 जून, 1972]

- 1. संक्षिप्त नांव
- 2. णववे अनुसुचयेंत बदल

संविधान (तिसावो बदल) अधिनियम, 1972 [22 फेब्रुवारी, 1973]

- 1. संक्षिप्त नांव आनी आरंभ (1) *
 - (2) केंद्र सरकार शासकीय राजपत्रांतले अधिसुचोवणेवरवीं थारायतलें अशे तारकेक तो अंमलांत येतलो.
- 2. कलम 133 त बदल
- 3. प्रलंबीत कार्यवाही, इत्यादीं संबंदांत खाशेले उपबंध (1) ह्या अधिनियमांतले खंयचेय गजालीक लागून,
- (क) जें ह्या अधिनियमाच्या आरंभाचे निकटपूर्व उच्च न्यायालयामुखार प्रलंबीत आसत अशें, संविधानाचें कलम 123-अनुभाग (1) हाचें उप-उपकलम (क) अथवा उप-उपकलम (ख) अथवा उप-उपकलम (ग) हाचेखाला कसलेंय अपील, अथवा
- (ख) एखाद्या उच्च न्यायालयाचो दिवाणी कार्यवाहेंतलो न्यायनिर्णय अथवा हुकुमनामो अथवा अंतरिम आदेश हाचेआड, ह्या अधिनियमाच्या आरंभापयलीं उच्च न्यायालयान कलम 133-अनुभाग (1) हाचें उप-उपकलम (ख) हाचेखाला दिल्ल्या प्रमाणपत्राच्या आधारान ह्या अधिनियमाच्या आरंभाक अथवा ताचे उपरांत दाखल केल्लें खंयचेंय अपील,

हाचेर परिणाम जावंचे ना आनी जशेंपरीं हो अधिनियम पास करूंक नाशिल्लो तेप्रमाण सर्वोच्च न्यायालयाच्यान अशा दरेका अपिलाची सुनावणी करून निकाल दिवं येता अथवा, त्या त्या प्रकरणाप्रमाण, तें स्वीकारूं येता आनी सुनावणी करून ताचो निकाल करूं येता.

Notes

Constitution (27th, 28th, 29th and 30th Amendments) Act

- 1. See the Notification No. G.S. R. 73 (E) of 15th February, 1972 and Government of India Gazette (Extraordinary) Part II Division 3 (i) p. 225 dtd. 14th February 1972
- 2. See Notification No. G.S. R. 391 (E) of 29th August 1972 and Government of India Gazette (Extraordinary) Part- II, Division 3 (i) P. 1029
- 3. See Notification No. G. S. R. 73 (E) of 27th February 1973 and Government of India Gazette (Extraordinary) Part II, Division 3 (i) p. 235 of 27th February, 1973.
- (2) Subject to provisions of clause (1) the appeal shall not lie unless followed according to changed provisions of this Act in the case of appeals to be preferred to Supreme Court under clause (1) Article -133, any verdict, Hukumnama or final Order.

Constitution (Thirty First Amendment) Act, 1973

[17th October, 1973]

- 1. Short title
- 2. Amendment of Article 81
- 3. Amendment of Article 330 (1) * * * * * * * * * *
- (2) Nothing contained in the amendment of section (1) of the Article 330 of the Constitution will affect the existing representatives in the composition of the House of People until it is dissolved at the time of commencement of this Act.
- 4. Amendment of Article 332 (1) *
- (2) Nothing contained in the Amendments of section (1) of the Article 332 of the Constitution will affect the existing representative in the composition of the Legislative Assembly of a State while it is dissolved at the time of the commencement of this Act

Constitution (Thirty Second Amendment) Act, 1973

[3rd May, 1974]

- 1. Short title and commencement (1) *
- (2) It shall commence on the date which the Central Government by Notification in the Official Gazette may specify.

टिपो

संविधान (27 वो, 28, 29 वो आनी 30 वो बदल) अधिनियम.

- 1. 15 फेब्रेर, 1972, पळयात, अधिसुचोवणी क्र.जी.एस.आर. 73(ई), ता. 14 फेब्रेर, 1972, भारताचें राजपत्र, असाधारण, भाग-दोन, विभाग-3 (i) पा. 225,
- 2. 29 आगश्ट, 1972; पळयात, अधिसुचोवणी क्र.जी.एस.आर. 391(ई) ता. 29 आगश्ट, 1972, भारताचें राजपत्र, असाधारण, भाग दोन, विभाग 3 (i) पा. 1029
- 3. 27 फेब्रेर, 1973, पळयात, अधिसुचोवणी क्र.जी.एस.आर. 73(ई), ता. 27 फेब्रेर, 1973, भारताचें राजपत्र, असाधारण, भाग दोन विभाग 3 (i) पा. 235
- (2) अनुभाग उपकलम (1) च्या उपबंधांचे अधीनतायेन, ह्या अधिनियमाच्या आरंभापयलीं खंयच्याय न्यायालयांत मांडिल्ल्या अथवा सुरू केल्ल्या दाव्यांतल्यान अथवा हेर दिवाणी कार्यवाहेंतल्यान उप्राशिल्लो कसलोय न्यायनिर्णय, हुकूमनामो अथवा अंतिम आदेश हाचेर संविधानाचों कलम 133 उपकलम (1) हेखाला सर्वोच्च न्यायालयाकडेन जावपाच्या अपिलाचे बाबतींत ह्या अधिनियमावरवीं बदलिल्ल्या अशा त्या अनुभागाच्या उपबंधाचें अनुपालन जालेबगर अशें अपिल जावंक पावचें ना.

संविधान (एकतिसावो बदल) अधिनियम, 1973.

(17 ऑक्टोबर, 1973)

- 1. संक्षिप्त नांव
- 2. कलम 81 त बदल
- 3. कलम 330 चो बदल (1) *

(क) *

(ख) *

- (2) अनुभाग (1) वरवीं संविधानाच्या 330 व्या कलमात केल्ल्या बदलाक लागून ह्या अधिनियमाच्या आरंभाक चालू आशिल्ले लोकसभेचें विसर्जन जायमेरेन ते लोकसभेंतल्या खंयच्याच प्रतिनिधीत्वाचेर परिणाम जांवचो ना.
- 4. कलम 332 त बदल (1) *
- (2) अनुभाग (1) वरवीं संविधानाच्या 332व्या कलमांत केल्ल्या बदलाकलागून, ह्या अधिनियमाच्या आरंभाक चालू आशिल्ले विधानसभेचें विसर्जन जायसर ते विधानसभेंतल्या खंयच्याच प्रतिनिधीत्वाचेर परिणाम जांवचो ना.

संविधान (बत्तिसावो बदल) अधिनियम, 1973

[3 中, 1974]

- 1. संक्षिप्त नांव आनी आरंभ (1) *
 - (2) केंद्र सरकार शासकीय राजपत्रांतले अधिसुचोवणेवरवीं थारायतलें ते तारकेक तो अंमलांत येतलो.

- 2. Amendment of Articles 371
- 3. Insertion of new Articles 371 D and E
- 4. Amendment of Seventh Schedule

Note

1. See Notification No. G. S. R. 297 (E) of 1st July, 1974 and Government of India Gazette Part - II, Division 3 (one) p. 1380 of 1st July 1974

Costitution (Thirty Third Amendment) Act, 1974

[19th May, 1974]

- 1. Short title
- 2. Amendment of Article 101
- 3. Amendment of Article 190

Constitution (Thirty Fourth Amendment) Act, 1974

[7th September, 1974]

- 1. Short title
- 2. Amendment of Ninth Schedule

Constitution (Thirty Fifth Amendment) Act, 1974

[22nd February, 1975]

- 1. Short title and commencement (1) ***
- (2) It shall commence on the date which the Central Government by Notification in the Official Gazette may specify
- 2. Insertion of new Article 2 A
- 3. Amendment of Article 80
- 4. Amendment of Article 81
- 5. Addition of tenth Article

Constitution (Thirty Sixth Amendment) Act, 1975

[16th May, 1975]

- 1. Short title and commencement (1) *
- (2) This Act shall be deemed to have commenced from the date on which it is passed by the Rajyasabha after its being tabled in the Loka Sabha as 'Constitution (Thiry Sixth Amendment) Act, 1975'.

- 2. कलम 371 त बदल.
- 3. 371-घ आनी ङ हीं नवीन कलमां घालप.
- 4. सातवे अनुसुचयेंत बदल.

टीप

1. 1 जुलय, 1974, पळयात, अधिसुचोवणी क्र.जी.एस.आर. 297 (ई), ता. 1 जुलय, 1974, भारताचें राजपत्र, भाग दोन - विभाग 3 (एक) पा. 1380.

संविधान (तेत्तिसावो बदल) अधिनियम, 1974 [19 मे, 1974]

- 1. संक्षिप्त नांव
- 2. कलम 101 त बदल.
- 3. कलम 190 त बदल.

संविधान (चवतिसावो बदल) अधिनियम, 1974 (7 सप्टेंबर, 1974)

- 1. संक्षिप्त नांव
- 2. णववे अनुसुचयंत बदल.

संविधान (पस्तिसावो बदल) अधिनियम, 1974 [22 फेब्रुवारी, 1975]

- 1. संक्षिप्त नांव आनी आरंभ (1) * *
 - (2) केंद्र सरकार शासकीय राजपत्रांतले अधिसुचोवणेवरवीं थारायतली अशे तारकेक तो अंमलांत येतलो.
- 2. नवीन कलम 2-क घालप.
- 3. कलम 80 त बदल.
- 4. कलम 81 त बदल.
- 5. धाव्या कलमाची भर घालप.

संविधान (छत्तिसावो बदल) अधिनियम, 1975 [16 मे, 1975]

- 1. संक्षिप्त नांव आनी आरंभ (1) *
- (2) लोकसभेंत 'संविधान (छत्तिसावो बदल) विधेयक 1975' म्हूण मांडले उपरांत लोकसभेन संमत केल्लें ह्या अधिनियमाचें विधेयक जे तारकेक राज्यसभेन संमत केलें ते तारकेक हो अधीनियम अंमलांत आयलो अशें मानतले.

- 2. Amendment of the First Schedule
- 3. Insertion of new Article 371 F
- 4. Amendment of Fourth Schedule
- 5. Consequental Amendment

Notes

Constitution (35th and 36th Amendments) Act,

- See Notification No. G. S. R. 61 (E) of 1st March 1975 and Government of India Gazette (Extraordinary) Part - II - Division - 3 p-417
- 2. 26th April, 1975

Constitution (Thirty Seventh Amendment) Act, 1975

[3rd May, 1975]

- 1. Short title
- 2. Amendment of Article 239
- 3. Amendment of Article 240

Constitution (Thirty Eighth Amendment) Act, 1975

[1st August, 1975]

- 1. Short title
- 2. Amendment of Article 123 The following clause shall be included in the Article 123, clause (3) of the Constitution that is:—
- 3. Amendment of Article 213 The following clause shall be included after clause (3) of the Article 213 of the Constitution and it shall be deemed to have always been there so included, that is:—
- **4.** Amendment of Article 239 B The following clause shall be included after clause (3) of Article 239 A and it shall be deemed to have always been there so included that is:—
- **5.** Amendment of Article 352— The following clause shall be included after clause (3) of Article 352 and it shall be deemed to have always been there so included, that is:—
- 6. Amendment of Article 356 The following clause shall be included after clause (3) of 356 in the Constitution and it shall be deemed to have always been there so inculded that is:—

- 2. पयले अनुसूचयेचो बदल.
- 3. नवीन कलम 371-च घालप.
- 4. चवथे अनुसुचयेचो बदल.
- 5. परिणामी बदल

टिपो

संविधान (35 वो आनी 36 वो बदल) अधिनियम.

- 1. 1 मार्च, 1975, पळयात, अधिसुचोवणी क्र.जी.एस.आर. 61 (ई), ता. 28 फेब्रेर, 1975, भारताचें राजपत्र, असाधारण भाग दोन - विभाग 3 (i) पृ. 417.
- 2. 26 एप्रिल, 1975.

संविधान (सादतिसावो बदल) अधिनियम, **1975** [3 मे, 1975]

- 1. संक्षिप्त नांव
- 2. कलम 239 त बदल.
- 3. कलम 240 त बदल.

संविधान (आडिटसावो बदल) अधिनियम, **1975** [1 आगश्ट, 1975]

- 1. संक्षिप्त नांव
- 2. कलम 123 त बदल संविधानाच्या कलम 123त, उपकलम (3) उपरांत सकयलें उपकलम आस्पावन घेतले आनी तें सदांच तशें आस्पावीत आशिल्लें अशें मानतले, तें अशें :—
- **3. कलम 213 त बदल** संविधानाच्या कलम 213त, उपकलम (3) उपरांत सकयलें उपकलम आस्पावीत करतले, आनी तें सदांच तशें आस्पावीत आशिल्लें अशें मानतले, तें अशें :-
- 4. कलम 239ख चो बदल संविधानाच्या कलम 239ख त, उपकलम (3) उपरांत सकयलें उपकलम आस्पावीत करतले, आनी तें सदांच तशें आस्पावीत आशिल्लें अशें मानतले, तें अशें :-
- **5. कलम 352 त बदल** संविधानाच्या कलम 352 त, उपकलम (3) उपरांत सकयलें उपकलम आस्पावीत करतले, आनी तें सदांच तशें आस्पावीत आशिल्लें अशें मानतले, तें अशें :-
- **6. कलम 356 त बदल** संविधानाच्या कलम 356 त, उपकलम (4) उपरांत सकयलें उपकलम आस्पावीत करतले, आनी तें सदांच तशें आस्पावीत आशिल्लें अशें मानतले, तें अशें :-

- 7. Amendment of Article 359 The following clause shall be included after clause (3) of Article 359 of the Constitution and it shall, be deemed to have always been there so included that is:—
- **8. Amendment of Article 360** The following clause shall be included after clause (3) of Article 360 of the Constitution and it shall, be deemed to have always been there so included that is:—

Constitution (Thirty Ninth Amendment) Act, 1975

[10th August, 1975]

- 1. Short title
- 2. Substitution of Article 71 by a new Article
- 3. Amendment of Article 329
- 4. Insertion of new Article 329 C
- 5. Amendment of Ninth Schedule

Constitution (Fortieth Amendment) Act, 1976

[27th May, 1976]

- 1. Short title
- 2. Substitution of Article 297 by a new Article
- 3. Amendment of Ninth Schedule

Constitution (Forty First Amendment) Act, 1976

[7th September, 1976]

- 1. Short title
- 2. Amendment of Article 316

Fifth Schedule of the Constitution (Amendment) Act, 1976

[7th September, 1976]

- 1. Short title
- 2. Amendment of Fifth Schedule

Constitution (Forty Second Amendment) Act, 1976

[18th September, 1976]

- 1. Short title and commencement— (1) *
- (2) It shall come into force on the date to be specified by the Central Government in the Notification of the Gazette and for various provisions of this Act, the Central Government may specify different dates

- 7. कलम 359 त बदल संविधानाच्या कलम 359 त, उपकलम (1) उपरांत सकयलें उपकलम आस्पावीत करतले, आनी तें सदांच तशें आस्पावीत आशिल्लें अशें मानतले, तें अशें :-
- 8. कलम 360 त बदल संविधानाच्या कलम 360 त, उपकलम (4) उपरांत सकयलें उपकलम आस्पावीत करतले, आनी तें सदांच तशें आशिल्लें अशें मानतले, तें अशें :-

संविधान (एकोणचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1975 [10 आगश्ट, 1975]

- 1. संक्षिप्त नांव
- 2. कलम 71 चे सुवातेर नवीन कलम घालप.
- 3. कलम 329 त बदल
- 4. नवीन कलम 329-क आस्पावित करप.
- 5. णववे अनुसुचयेंत बदल.

संविधान (चाळिसावो बदल) अधिनियम, 1976 [27 मे, 1976]

- 1. संक्षिप्त नांव
- 2. कलम 297 चे सुवातेर नवीन कलम घालप.
- 3. णववे अनुसुचयेचो बदल.

संविधान (एकेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1976 [7 सप्टेंबर, 1976]

- 1. संक्षिप्त नांव
- 2. कलम 316 त बदल.

संविधानाची पांचवी अनुसूची (बदल) अधिनियम, 1976 [7 सप्टेंबर, 1976]

- 1. संक्षिप्त नांव
- 2. पांचवे अनुसुचयेंत बदल.

संविधान (बेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1976 [18 डिसेंबर, 1976]

- 1. संक्षिप्त नांव आनी आरंभ (1) *
- (2) केंद्र सरकार शासकीय राजपत्रांतले अधिसुचोवणेवरवीं थारायतलें अशे तारकेक तो अंमलांत येतलो आनी ह्या अधिनियमाच्या वेगळ्यावेगळ्या उपबंधांखातीर वेगळेवेगळ्यो तारको निश्चित करूं येतात.

- 2. Amendment in the Preamble
- 3. Insertion of new sub-heading after Article 31
- 4. Amendment of Article 31 C
- 5. Insertion of new Article 31-D
- 6. Insertion of new Article 32 -A
- 7. Amendment of Article 39
- 8. Insertion of new Article 39 A
- 9. Insertion of new Article 43 -A
- 10. Insertion of new Article 48 -A
- 11. Insertion of new Article 4-A
- 12. Insertion of new Article 55
- 13. Amendment of Article 74
- 14. Amendment of Article 77
- 15. Amendment of Article 81
- 16. Amendment of Article 82
- 17. Amendment of Article 83 (1) *
- (2) The Amendments effected by clause (1) in the clause (2) of Article 83 shall also apply to the Lok Sabha existing at the time of implementation of this Act, however, the right of the House to extend the tenure of the House conferred by the provisions of that clause shall not be affected
- ¹[18. Amendment of Article 100]
- ¹[19. Amendment of Article 102]
- 20. Substitution of Article 103 by a new Article
- ¹[21. Amendment of Article 105]
- ¹[22. Amendment of Article 118]
- 23. Insertion of new Article 131-A
- 24. Insertion of new Article 139 -A
- 25. Insertion of new Article 144 -A
- 26. Amendment of Article 145
- 27. Substitution of Article 50 by a new Article
- 28. Amendment of Article 166
- 29. Amendment of Article 170
- 30. Amendment of Article 172 (1)*
- (2) The Amendment to clause (1) of Article 172 made by s-(1) shall apply to every Legislative Assembly including the Assembly of the State of Kerala as existing on the day of commencement of this amendment

- 2. उद्देशिकंत बदल.
- 3. कलम 31 उपरांत नवीन उपशीर्शक आस्पावीत करप.
- 4. कलम 31-ग चो बदल.
- 5. नवीन कलम 31-घ आस्पावीत करप.
- 6. नवीन कलम 32-क आस्पावीत करप.
- 7. कलम 39 त बदल.
- 8. नवीन कलम 39-क घालप.
- 9. नवीन कलम 43-क आस्पावीत करप.
- 10. नवीन कलम 48-क आस्पावीत करप.
- 11. नवीन भाग 4थो-क आस्पावीत करप.
- 12. कलम 55 त बदल.
- 13. कलम 74 त बदल.
- 14. कलम 77 त बदल.
- 15. कलम 81 त बदल.
- 16. कलम 82 त बदल.
- 17. कलम 83 त बदल (1) *
- (2) कलम 83 उपकलम (2) हातूंत पोटकलम (1) वर्रवीं केल्ले बदल, हों अनुभाग अंमलांत येवपाचे तारकेक चालू आशिल्ले लोकसभेकूय लागू जातले मात त्या उपकलमाच्या परंतुकाखाला सभाघराचो कार्यकाळ वाडोवपासंबंदीं संसदेक आशिल्ल्या अधिकाराक ताका लागून कांयच बादिकार जावंचो ना.
- ¹[18. कलम 100 त बदल]
- 1[19. कलम 102 त बदल]
- 20. कलम 103 चे सुवातेर नवीन कलम घालप.
- ¹[21. कलम 105 त बदल]
- ¹[22. कलम 118 त बदल]
- 23. नवीन कलम 131-क आस्पावीत करप.
- 24. नवीन कलम 139-क आस्पावीत करप.
- 25. नवीन कलम 144-क आस्पावीत करप.
- 26. कलम 145 त बदल
- 27. कलम 50 चे सुवातेर नवीन कलम घालप.
- 28. कलम 166 त बदल
- 29. कलम 170 त बदल
- 30. कलम 172 त बदल (1) *
- (2) अनुभाग (1) वरवीं केल्लो कलम 172-उपकलम (1) चो बदल, हो (कलम) अनुभाग अंमलांत येवपाचे तारकेक चालू आशिल्ले (केरळ राज्याची विधानसभा धरून) दरेके विधानसभेकूय लागू जातलें, मात त्या उपकलमाच्या परंतुकाखाला विधानसभेचो कार्यकाळ वाडोवपासंबंदीं संसदेक आशिल्ल्या अधिकाराक ताकालागून बाधा येवंची ना.

- ¹[31. Amendment of Article 189]
- ¹[32. Amendment of Article 191]
- 33. Substitution of Article 192 by a new Article
- ¹[34. Amendment of Article 194]
- [35. Amendment of Article 208]
- 36. Amendment of Article 217
- 37. Amendment of Article 225
- 38. Substitution of Article 226 by a new Article
- 39. Insertion of Article 226 A
- 40. Amendment of Article 227
- 41. Amendment of Article 228
- 42. Insertion of Article 228 -A
- 43. Insertion of new Article 257 -A
- 44. Amendment of Article 311
- 45. Amendment of Article 312
- 46. Insertion of new Part 14 -A
- 47. Amendment of Article 330
- 48. Amendment of Article 352
- 49. Amendment of Article 353
- 50. Amendment of Article 356
- 51. Amendment of Article 357 (1) *
- (2) The amendment made by clause (1) shall apply to any law which was existing immediately before Article 357 clause (2) came in force and which was specified therein.
- 52. Amendment of Article 358
- 53. Amendment of Article 359
- 54. Amendment of Article 363
- 55. Amendment of Article 368
- 56. Amendment of Article 371
- 57. Amendment of Seventh Schedule
- ¹[Special provisions regarding pleadings pending under Article 226]
- [59. Presidents' power to remove difficulties]

Note

Constitution (Forty Second Amendment) Act

1. Repealed by Constitution (Forty Fourth Amenement) Act 1978, section 45.

1[31. कलम 189 त बदल]

1[32. कलम 191 त बदल]

33. कलम 192 चे सुवातेर नवीन कलम घालप.

1[34. कलम 194 त बदल]

[35. कलम 208 त बदल]

36. कलम 217 त बदल

37. कलम 225 त बदल

38. कलम 226 चे सुवातेर नवीन कलम घालप.

39. कलम 226-क आस्पावीत करप.

40. कलम 227 त बदल

41. कलम 228 त बदल

42. कलम 228-क आस्पावीत करप.

43. नवीन कलम 257-क आरपावीत करप.

44. कलम 311 त बदल

45. कलम 312 त बदल

46. नवीन भाग 14 वो-क आस्पावीत करप.

47. कलम 330 त बदल

48. कलम 352 त बदल

49. कलम 353 त बदल

50. कलम 356 त बदल

51. कलम 357 त बदल - (1) *

(2) पोटकलम (1) वरवीं केल्लो बदल हो संविधानाचें कलम 357-उपकलम (2) हातूंत निर्देशीत केल्लो जो कायदो हो अनुभाग अंमलांत येवपाचें निकटपूर्व अंमलांत आसत अशा खंयच्याय कायद्याक लागू जातलो.

52. कलम 358 त बदल.

53. कलम 359 त बदल.

54. कलम 363 त बदल.

55. कलम 368 त बदल.

56. कलम 371 त बदल.

57. सातवे अनुसुचयेत बदल

1[58. कलम 226 खाला प्रलंबीत विनंती अर्जांचे संबंदीं खाशेले उपबंध.]

1[59. अडचणी निवारण करपाचो राष्ट्रपतीचो अधिकार.]

टीप

संविधान (बेचाळिसावो बदल) अधिनियम.

1. 'संविधान (चोवेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1978' -अनुभाग 45 वरवीं काडून उडयलीं.

Constitution (Forty Third Amendment) Act, 1977

[13th April, 1978]

- 1. Short title
- 2. Omission of Article 31-D
- 3. Omission of Article 32 A (1) *
- (2) Immediately before the commencement of this Act, the Supreme Court may in the event of implementation of any case pending before it under Article 32 of the Constitution of the litigation presuming that Article 32 A was omitted on and from 1st of Feb. 1977

4. Omission of Article 131 A — (1) *

- (2) Notwithstanding anything contained in clause (1) when under the above mentioned Article
 131 A is specified before the Supreme Court for verdict, then the Supreme Court may either
 - (a) the level at which the case is pending, such a level;and
- (b) the objectives of the law shall take into consideration presuming that Article was not omitted and decide the matter as if it was omitted on 1st of Feb. 1977 and therefrom and may be returned for disposal before it.
- 5. Omission of Article 144 A (1) *
- (2) Immediately before to this Act, any matter pending before the Supreme Court, it may decide the matter as if Article 144 A was omitted on and from 1st of Feb. 1977.
 - 6. Amendment of Article 145
 - 7. Amendment of Article 226
 - 8. Omission of Article 226 A (1) ***
 - (2) Immediately before the commencement of this Act, under the Article 226 of the Constitution the Supreme Court in any matter pending before it, may dispose of the same as if the said Article 226 A had been omitted on and from 1st Feb. 1977.

9. Amendment of Article 228

10. Omission of Article 228 - A — (1) *

(2) Immediate before the commencement of this Act, any matter pending before it can be disposed of by the Supreme Court as if the aforesaid Article 228 - A was in existence on and from 1st of Feb. 1977.

संविधान (त्रेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1977 [13 एप्रिल, 1978]

- 1. संक्षिप्त नांव
- 2. कलम 31-घ काडून उडोवप
- 3. कलम 32-क काडून उडोवप (1) *
- (2) ह्या अधिनियमाच्या आरंभाचे निकटपूर्व, संविधानाच्या कलम 32 खाला सर्वोच्च न्यायालयामुखार प्रलंबीत आशिल्ले कसलेय कार्यवाहीचो सर्वोच्च न्यायालयाक, जशेंपरी वयले कलम 32-क हें 1 फेब्रुवारी, 1977 दिसा आनी तेन्नाच्यान काडून उडयल्लें आशिल्लें अशें समजून परामर्श घेवं येता,

4. कलम 131 क काडून उडोवप. - (1) *

- (2) पोटकलम (1) हातूंत कितेंय अंतर्भूत आसलें तरी, जेन्ना ह्या अधिनियमाचे आरंभाचे निकटपूर्व, वयलें कलम 131-क खाला उच्च न्यायालयान निर्णयाखातीर निर्देशीत केल्लें खंयचेंय प्रकरण सर्वोच्च न्यायालयामुखार प्रलंबीत आसत तेन्ना, सर्वोच्च न्यायालयाच्यान एकतर,
 - (क) तें निर्देशीत प्रकरण ज्या पेण्यार हेप्रमाण प्रलंबीत आसत तें पेणें; आनी
 - (ख) न्यायाची उद्दिश्टां,

हांचो विचार करून, जशें किदें तें कलम काडून उडोवंक नाशिल्लें अशें धरून त्या प्रकरणाचो परामर्श घेवं येता अथवा तें कलम जशेंपरीं 1 फेब्रेर, 1977 दिसा आनी तेन्नासावन काडून उडयल्लें अशें समजून तें प्रकरण निकालांत काडपाखातीर उच्च न्यायालयामुखार परतें धाडूं येता.

5. कलम 144क काडून उडोवप - (1) *

- (2) ह्या अधिनियमाच्या आरंभाचे निकटपूर्व, सर्वोच्च न्यायालयामुखार प्रलंबीत आशिल्ल्या खंयच्याय प्रकरणाचो सर्वोच्च न्यायालयाच्यान, जशेंपरीं कलम 144-अ हें 1 फेब्रुवारी, 1977 दिसा आनी तेन्नासावन काडून उडयल्लें आशिल्लें अशें समजून परामर्श घेवं येता.
- 6. कलम 145 त बदल
- 7. कलम 226 त बदल
- 8. कलम 226-क काडून उडोवप. (1) * *
- (2) ह्या अधिनियमाच्या आरंभाचे निकटपूर्व, संविधानाच्या कलम 226 खाला उच्च न्यायालयामुखार प्रलंबीत आशिल्ले कसलेय कार्यवाहेचो उच्च न्यायालयाच्यान, जशेंपरीं वयलें कलम 226-क हें 1 फेब्रुवारी, 1977 दिसा आनी तेन्नासावन काडून उडयल्लें आशिल्लें अशें समजून परामर्श घेवं येता.
- 9. कलम 228 त बदल
- 10. कलम 228-क काडून उडोवप. (1) * * * *
- (2) ह्या अधिनियमाचे निकटपूर्व, उच्च न्यायालयामुखार प्रलंबीत आशिल्ल्या खंयच्याय प्रकरणाचो उच्च न्यायालयाच्यान, जशेंपरीं वयलें कलम 228-क हें 1 फेब्रेर, 1977 दिसा आनी तेन्नासावन काडून उडयल्लें आशिल्लें अशें धरून परामर्श घेवं येता.

11. Amendment of Article 366

Note

(Constitution Forty Third Amendment)

1. Constitution (Forty Fourth Amendment), 1978 — omitted by s-45

Constitution (Forty Fourth Amendment) Act, 1978

[30th April, 1979]

- 1. Short title and commencement (1)*
- (2) It shall come into effect by official Notification in the Gazette from the date specified by the Central Government and different dates may be specified for implementation of different provision of this Act.
- 2. Amendment of Article 19
- 3. Amendment of Article 22
- 4. Amendment of Article 30
- 5. Omission of sub-heading after Article 30
- 6. Omission of Article 31
- 7. Amendment of Article 31 A
- 8. Amendment of Article 31 B
- 9. Amendment of Article38
- 10. Substitution of Article 71 by a new Article
- 11. Amendment of Article 74
- 12. Amendment of Article 77
- 13. Amendment of Article 83 (1) *
- (2) The amendment made in Article 83 clause (2) by sub-claude (1) shall apply to the Lok Sabha existing before this section came into effect however under the Proviso to extend the tenure of the House therein shall not be affected in any manner
- 14. Substitution of Article 103 by a new Article
- 15. Amendment of Article 105
- 16. Amendment of Article 123
- 17. Amendment of Article 132
- 18. Amendment of Article133
- 19. Amendment of Article 134
- 20. Insertion of Article 134 A
- 21. Insertion of Article 139 A
- 22. Amendment of Article 150

11. कलम 366 त बदल

टीप

(संविधान 43वो बदल)

1. 'संविधान (44वो बदल) अधिनियम, 1978' - अनुभाग 45 वरवीं काडून उडयलें

संविधान (चोवेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1978

[30 एप्रिल, 1979]

- 1. संक्षिप्त नांव आनी आरंभ (1) *
- (2) केंद्र सरकार शासकीय राजपत्रांतले अधिसुचोवणेवरवीं थारायत अशे तारकेक तो अंमलांत येतलो आनी ह्या अधिनियमाच्या वेगळ्यावेगळ्या उपबंधांखातीर वेगळेवेगळ्यो तारको थाराव येतात.
- 2. कलम 19 त बदल.
- 3. कलम 22 त बदल.
- 4. कलम 30 त बदल.
- 5. कलम 30 उपरांतचें उपशीर्शक काडून उडोवप.
- 6. कलम 31 काडून उडोवप.
- 7. कलम 31-क त बदल.
- 8. कलम 31-ख हातूंत बदल.
- 9. कलम 38 त बदल.
- 10. कलम 71 चे सुवातेर नवीन कलम घालप.
- 11. कलम 74 त बदल.
- 12. कलम 77 त बदल.
- 13. कलम 83 त बदल (1) *
- (2) कलम 83 उपकलम (2) हातूंत उप-उपकलम (1) वरवीं केल्ले बदल, हो अनुभाग अंमलांत येवंचे तारकेक चालू आशिल्ले लोकसभेकूय लागू आसतले, मात त्या उपकलमाच्या परंतुकाखाला त्या सभाघराचो कार्यकाळ वाडोवपासंबंदीं संसदेक आशिल्ल्या अधिकाराक ताकालागून बाधा येवची ना.
- 14. कलम 103 चे सुवातेर नवीन कलम घालप
- 15. कलम 105 चो बदल
- 16. कलम 123 चो बदल
- 17. कलम 132 चो बदल
- 18. कलम 133 चो बदल
- 19. कलम 134 चो बदल
- 20. नवीन कलम 134-क घालप
- 21. कलम 139-क घालप
- 22. कलम 150 चो बदल

- 23. Amendment of Article 166
- 24. Amendment of Article 172 (1) *
 - (2) The amendment made in Article 172 clause (1) by section (1) -
- (a) The tenure of existence of any legislative Assembly there existing between the date specified for its first session until the operation of this section (both dates inclusive) taken into account if it exceed a period of eight months, the provisions shall not apply to such assembly however, each of such Assemblies—
 - (i) a tenure of four months from the date of effect of this section or
- (ii) six months from the date of effect of this section of these whichever is early shall take effect but if it is dissolved prior to it the matter is different.
- (b) apply to each existing Assembly, but the under proviso to above clause (1), it shall not affect the power of Parliament, to exceed its tenure.

Explanation 1 — While applying to the Legislative Assembly of Sikkim State as specified in clause (b) of Article 371-f, as if the date for the first session of that Assembly was 26th April, 1975 accordingly and the mention of 'Four years and eight months' and 'Six years' in this section shall be effective to mean as 'Three years and eight months and 'Five years' respectively.

Explanation 2 — According to this clause 'Current Legislative Assembly' means the Assembly which was in existence at the time when this section was made applicable.

- 25. Substitution of Article 192 by a new Article
- 26. Amendment of Article 194
- 27. Amendment of Article 213
- 28. Amendment of Article 217
- 29. Amendment of Article 225
- 30. Amendment of Article 226
- 31. Amendment of Article 227
- 32. Amendment of Article 239 B
- 33. Omission of Article 257 A
- 34. Insertion of new Chapter 4th in the 12th part.
- 35. Amendment of Article 329
- 36. Omission of Article 329
- 37. Amendment of Article 352
- 38. Amendment of Article 356
- 39. Amendment of Article 358
- 40. Amendment of Article 359

- 23. कलम 166 चो बदल
- 24. कलम 172 चो बदल (1) *
 - (2) कलम 172 उपकलम (1) हातूंत अनुभाग (1) वरवीं केल्ले बदल -
- (क) जे खंयचेय चालू राज्य विधानसभेच्या अस्तित्वाचो कार्यकाळ तिचे पयले सभेखातीर थारायिल्ले तारकेसावन हो अनुभाग अंमलांत येवपाचे तारकेमेरेन (दोनूय तारको धक्तन) मेजणी केल्लेप्रमाण चार वर्सां आठ म्हयन्यांपरस चड जाता आसत अशे राज्य विधानसभेक लागू जांवचे नात, पूण अशी दरेक विधानसभा
 - (i) हो अनुभाग अंमलांत येवपाचे तारकेसावन चार म्हयन्यांचो कार्यकाळ, अथवा
 - (ii) तिचे पयले सभेखातीर थारायिल्ले तारकेसावन स वर्सांचो कार्यकाळ

हांचेभितरलो जो पयलीं सोंपतलो तो कार्यकाळ सोंपनाफुडें विसर्जीत जातली, मात ताचेआदीं ती विसर्जीत जाली जाल्यार गजाल वेगळीं;

(ख) हेर दरेके चालू राज्य विधानसभेक लागू जातले, मात वयलें उपकलम (1) हाच्या परंतुकाखाला अशे विधानसभेचो कार्यकाळ वाडोवपासंबंदांत संसदेक आशिल्ल्या अधिकाराक ताकालागून आडखळ येवंची ना.

स्पष्टीकरण – 1 लें - संविधानाचें कलम 371-चें उपकलम (ख) हातूंत निर्दीश्ट केल्ल्या सिक्कीम राज्याचे विधानसभेक लागू करतना, हो अनुभाग जशेपरीं -

- (i) ते विधानसभेचे पयले सभेक थारायिल्ली तारीक 26 एप्रिल, 1975 ही आसची तेप्रमाण; आनी
- (ii) ह्या अनुभागाच्या उपकलम (क) हातूंतले 'चार वर्सां आठ म्हयने' आनी 'स वर्सां' हे निर्देश अनुक्रमान 'तीन वर्सां आठ म्हयने' आनी 'पांच वर्सां' अशे निर्देश आसचे तेप्रमाण, परिणामक जातले.

स्पश्टीकरण — 2 रें - ह्या उपकलमाप्रमाण 'चालू राज्य विधानसभा' हाचो अर्थ, हो अनुभाग अंमलांत येवंचे तारकेर अस्तित्वांत आशिल्ली राज्याची विधानसभा असो आसा.

- 25. कलम 192 चे सुवातेर नवीन कलम घालप.
- 26. कलम 194 त बदल
- 27. कलम 213 त बदल
- 28. कलम 217 त बदल
- 29. कलम 225 त बदल
- 30. कलम 226 त बदल
- 31. कलम 227 त बदल
- 32. कलम 239ख हातूंत बदल
- 33. कलम 257क काडून उडोवप
- 34. 12व्या भागांत नवीन प्रकरण 4थें घालप.
- 35. कलम 329 त बदल
- 36. कलम 329 काडून उडोवप
- 37. कलम 352 त बदल
- 38. कलम 356 त बदल
- 39. कलम 358 त बदल
- 40. कलम 359 त बदल

- 41. Amendment of Article 360
- 42. Insertion of new Article 361
- 43. Amendment of Article 371
- 44. Amendment of Ninth Schedule
- 45. Amendment in 'Constitution (Forty Second Amendment) Act, 1976 Articles 18, 19, 21,22, 31, 32, 34, 35, 58 and 59 replaced by Constitution (Forty second Amendment) Act, 1976

Ordinance*

Government of India Ministry of Law, Justice and Company Affairs (Law - Department)

Advice (A) Section

New Delhi 19th June, 1979

G. S. R. 383 (L)

'Using the right conferred on it by 'Constitution (Forty Fourth Amendment) Act, 1978 - s. (1) clause (2), The Central Government hereby enacts that —

- (a) The date immediately after the date of the publication of this notification in the Government Gazette as per the above Act, section 2. 4, 16, (both inclusive) 22, 23, 25 to 29 (both inclusive) 31 to 42 (both inclusive) 44 and 45 shall come into effect as the same date
- (b) 1st of August, 1979 the section 17 to 21 (both inclusive) and 30 of the above Act, the date on which these come into force, the same date

No. F. 1 (8)/78. Adv (A)

(P. B. Venkatarsubramhanyam,)

Secretary, Govt. of India,

* This Notification is published in the Official Gazette of Govt. of India (Extraordinary) Part II, Div. 3 Sub-division (i)

Constitution (Forty Fifth Amendment) Act, 1980

[14th April, 1980]

- 1. Short title and commencement (1) *
 - (2) This Act shall be deemed to have come into effect on 25th January, 1990
- 2. Amendment of Article 334

- 41. कलम 360 त बदल
- 42. नवीन कलम 361 अ घालप
- 43. कलम 371 त बदल
- 44. णववे अनुसुचयेंत बदल
- 45. 'संविधान (बेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1976' हातूंत बदल 'संविधान (बेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1976' हातूंतलीं कलमा 18, 19, 21, 22, 31, 32, 34, 35, 58 आनी 59 हीं निरसीत केले.

अधिसुचोवणी *

भारत सरकार विधी, न्याय आनी कंपनी कार्य मंत्रालय (विधी कार्य विभाग) ॲडव्हाईस (ए) सेक्शन

नवी दिल्ली, ता. 19 जून, 1979

जी.एस्.आर.383 (झ)

'संविधान (चव्वेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1978' - अनुभाग 1 पोटकलम (2) हाचेवरवीं प्रदान केल्ल्या अधिकाराचो वापर करून केंद्र सरकार हेवरवीं -

- (क) ही अधिसुचोवणी शासकीय राजपत्रांत उजवाडा आयिल्ल्याचे तारकेच्या लागीं उपरांतची तारीक ही, वयल्या अधिनियमाचे अनुभाग 2, 4, ते 16 (दोनूय धरून), 22, 23, 25 ते 29 (दोनूय धरून), 31 ते 42 (दोनूय धरून), 44 आनी 45 जे तारकेक अंमलांत येतली ती तारीक म्हूण;
- (ख) 1 आगश्ट, 1979 ही, वयल्या अधिनियमाचे अनुभाग 17 ते 21 (दोनूय धरून) आनी 30 जे तारकेक अंमलांत येतले ती तारीक म्हूण थारायता.

क्र.एफ.1(8)/78.एडीव्ही.(ए) (पी.बी.वेंकटसुब्रम्हण्यन्) सचिव, भारत सरकार

* ही अधिसुचोवणी भारताचें राजपत्र (असाधारण), भाग दोन, विभाग 3, उपविभाग (i) हातूंत उजवाडा आयली.

संविधान (पंचेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1980.

[14 एप्रिल, 1980]

- 1. संक्षिप्त नांव आनी आरंभ (1) *
 - (2) हो अधिनियम 25 जानेर, 1980 दिसा अंमलांत आयलो अशें मानतले.
- 2. कलम 334 त बदल.

Constitution (Forty Sixth Amendment) Act, 1982

[2nd February, 1983]

- 1. Short title
- 2. Amendment of Article 267
- 3. Amendment of Article 283
- 4. Amendment of Article 366
- 5. Amendment in Seventh Schedule
- 6. Validation and Concessions (1) wherever in any provision of the Constitution whenever the words 'the sale or purchase' of goods occure, for the purpose of each provision it is meant any law made or purported to be made for that provisions and for such —
- (a) it will be deemed to include food stuffs or any edible thing or drink (which may be intoxicating or otherwise) and its consumption in any form or a part thereof, by cash in kind or otherwise which includes the tax in return for any benefit (it is mentioned as 'aforesaid tax' in this section) and this inclusion is deemed to have always existed there
- (b) In the form of supply mentioned in clause (a) any transaction made immediately before the commencement shall be deemed to be a transaction of sale and it has been done forever and one who does such a transaction shall be deemed as a seller and the other a buyer.

And notwithstanding anything contained in any interpretation of any Court, Authority or Tribunal Hakanama or order, such tax has been levied immediately prior to such enactment such law or rule for passing of which the relevant Authority, Court or Tribunal may have been competent, such verdict shall not be taken as legal or valid.

- (i) Whichever taxes levied or acquired before the commencement of this Act by any such law or these purported to be levied and acquired shall be deemed to have been always be partly validate
- (ii) No claim shall be for such acquisition or for recovery of any such dues regarding the levy of the taxes in any Court Tribunal or Authority or to be continued and no such effect can be made for any such repayment by any order, Hukumnama or decree or can be enforced by any Court of law, Tribunal or Authority.

संविधान (शेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1982. [2 फेब्रेर, 1983]

- 1. संक्षिप्त नांव
- 2. कलम 267 त बदल.
- 3. कलम 283 त बदल.
- 4. कलम 366 त बदल.
- 5. सातवे अनुसुचयंत बदल.
- 6. विधिग्राह्म करप आनी सूट दिवप (1) संविधानाच्या ज्या खंयच्याय उपबंधांत 'मालाची विक्री अथवा खरेदी हांचेवेलो कर' अशें उतर मेळटलें, त्या दरेका उपबंधाच्या प्रयोजनाखातीर आनी अशा खंयच्याय उपबंधाच्या अनुरोधान पास केल्ल्या अथवा केल्ल्या अथवा जो अशे तरेन पास केला अथवा केला अशें अभिप्रेत आसा, त्या खंयच्याय कायद्याच्या प्रयोजनाखातीर, —
- (क) वेल्या उतरांत, अन्नपदार्थ म्हूण अथवा मानवी सेवनाखातीर आशिल्लो हेर खंयचोय जिनस अथवा कसलेंय पेय (मगीर तें मादक आसूं अथवा नासूं) म्हूण आशिल्ल्या मालाचे कसलेय सेवेच्या रुपान अथवा अशे सेवेचो भाग म्हूण अथवा हेर कसलेय रितीन रोखीन, आस्थगीत प्रदानाचेर अथवा हेर मोलादीक प्रतिफळाखातीर केल्ले पुरवणेवेल्या कराचो (ह्या अनुभागांत ताचो हाचे फुडें 'उपरोक्त कर' असो उल्लेख केला) आस्पाव आसा अशें आनी सदांकाळाखातीर ताचो आस्पाव जाला अशें धरतले; आनी
- (ख) उपकलम (क) हातूंत उल्लेखिल्ल्या स्वरुपाची पुरवण म्हूण अशा आरंभाआदीं केल्लो दरेक वेव्हार हो विक्री म्हूण केल्लो वेव्हार आसा अशें मानतले आनी तो सदांकाळाखातीरूच विक्री म्हूण केला अशें मानतले आनी अशा वेव्हाराच्या संबंदांत अशी पुरवण करपी व्यक्ती ही विकपी अशें आनी जे व्यक्तीक अशी पुरवण केल्या ती व्यक्तीही खरेदी करपी, अशें मानतले.

आनी खंयच्याय न्यायालयाच्या अधिकरणाच्या अथवा प्राधिकरणाच्या कसल्याय न्याय निर्णयांत, हुकुम नाम्यांत अथवा आदेशांत कितेंय आसलें तरी, अशा आरंभाआदीं पास केल्ल्या अथवा करून जाल्ल्या ज्या खंयच्याय कायद्यावरवीं वयलो कर लावप जालां आसत अथवा असो कर लावपाचें प्राधिकृत जाल्ले आसा, अशें अभिप्रेत आसत, तो कसलोय कायदो, केवळ तो पास करपी अथवा करपी विधिमडळ अथवा हेर प्राधिकरण तो पास करपाक अथवा करपाक सक्षम नाशिल्लें इतल्याच कारणावेल्यान विधिग्राह्य आसा अथवा तो सदांच विधिग्राह्य जाल्लो आसा अशें मानचें नात आनी ते प्रमाण —

- (i) ह्या अधिनियमाच्या आरंभापयलीं अशा खंयच्याय कायद्यावरवीं लायिल्ले अथवा उगराणी केल्ले अथवा जे लायल्यात अथवा जांची वसुली केल्या अशें आभिप्रेत आसा अशे सगले वयले कर हे कायद्याप्रमाण विधिग्राह्य रितीन लायल्यात अथवा तांची वसुली जाल्या अशें सदांच मानतले.
- (ii) वसुली केल्ल्या अशा कसल्याय वयर सांगल्यात त्या कराचे रकमेची फेड मेळपासंबंदांत खंयच्याच न्यायालयांत अथवा खंयच्याच अधिकरणामुखार अथवा प्रधिकरणामुखार कसलोच दावो अथवा हेर कार्यवाही दाखल करूंक मेळची ना अथवा चालू दवरूंक मेळची ना, आनी अशी कसलीय परतफेड दिवपासंबंदी निदेश दिवपी खंयच्याय हुकुमनाम्याची अथवा आदेशाची, खंयच्याच न्यायालयाकडल्यान अथवा अधिकरणाकडल्यान अथवा प्राधिकरणाकडल्या अंमलबजावणी करूंक मेळचीना.

- (iii) All these amounts recoverable if such section was in force at any relevant time, the amount recoverable by its provisions shall be made and they shall be valid.
- (2) Notwithstanding anything contained in clause (1), in the case of supply of any such amount specified therein, the following concession shall be made in the above taxes:-
- (a) In the case of supply by any eating house or restaurant is due (it may be known by any other name) and which was made before or after 7th of September, 1978 before the commencement of this Act if such a tax could not be levied or recovered thereon at that time in the case of such deals; or
- (b) where such supply which was made by any such eating house or restaurant (it might be known by any other name) is not of the above kind and it might have been made on 4th of January, 1972 or thereafter and made at any time before the commencement of this Act, and which could not be levied or recovered at that time, in the case of such cases;

Povided, the responsibility of proving as the case may be of the kind specified in clause (a) or clause (b) that the supply of the above kind was not made, shall be under this clause for concession on the claimant of such concession.

- (3) It is hereby notified for removal of doubts that-
- (a) Any matter specified in clause (1) shall not mean any person is prevented from taking recourse to following things—
- (i) Objecting to levy or recovery, valuation or revaluation of such tax specified in that clause, or
 - (ii) Claiming recovery of any extra amount paid under any Act that legal due; and
- (b) No such action or lapse done by any person shall be illegal or punishable if it would have been legal and unpunishable even if done before the commencement of such Act.

Constitution (Forty Seventh Amendment) Act, 1984

[26th Aug. 1984]

Act to further amend the Constitution

It is being enacted as follows in the thirty fifth year of the Indian Republic:-

This Act may be called 'Constitutional (Forty Seventh Amendment) Act, 1984:-

- (iii) जर हो अनुभाग सगल्या संबंद्ध वेळाप्रसंगार अंमलांत उरिल्लो जाल्यार अशा कायद्याच्या उपबंधां प्रमाण केल्लो कर म्हूण ज्या कोणाक रकमो वसूल करूंक मेळिल्ल्यो त्या सगल्या रकमांची अशा कायद्याच्या उपबंधाप्रमाण वसुली करतले.
- (2) उपकलम (1) हातूंत कितेंय आस्पावीत आसलें तरी, तातूंत निर्दीश्ट केल्ले कसलेय स्वरुपाचे पुरवणेक फुडल्या गजालींनी वयल्या करांतल्यान सूट मेळटली :-
 - (क) जंय अशे तरेची पुरवण, खंयच्याय उपहारगृहाकडल्यान अथवा खाणावळीकडल्यान (मागीर तें खंयच्या नांवान वळखतात अशें आसूं) तारीक 7 सप्टेंबर, 1978 दिसा अथवा ते उपरांत आनी ह्या अधिनियमाच्या आरंभापयलीं केल्ली आसत आनी अशे तेरेचे पुरवणेचेर अशे तरेचो कर तेदेवेळार लावंक मेळ्ळो ना अथवा ताची वसुली करूंक मेळ्ळी ना ह्या कारणावेल्यान ताचेवेल्या वयर सांगल्या त्या कराची वसुली करूंक मेळिल्ली नासत, ते बाबतींत; अथवा
 - (ख) जंय अशी पुरवण जी खंयच्याय उपहारगृहाकडल्यान अथवा खाद्यगृहाकडल्यान (मागीर तें खंयच्या नांवान वळखतात अशें आसूं) केल्ली अशे तरेची पुरवण नासत तारीक 4 जानेर, 1972 दिसा अथवा ताचे उपरांत आनी ह्या अधिनियमाच्या आरंभा पयलीं खंयच्याय वेळार केल्ली आसत आनी अशे तरेचे पुरवणेचेर अशे तरेचो कर तेदेवेळार लायलो ना अथवा ताची वसुली करूंक मेळ्ळी ना ह्या कारणावेल्यान तेन्नाय वयल्या कराची वसुली करूंक मेळ्ळी ना ते संबंदांत :

परंतु, त्या त्या प्रकरणा प्रमाण उपकलम (क) अथवा उपकलम (ख) हातूंचत निदीश्ट केल्ल्या स्वरुपाचे कसलेय पुरवणे वयल्या कराची वसुली करूंक ना हें सिद्ध करपाची जापसालकी ह्या पोटकलमावरवीं सूट मेळपाची मागणी करपी व्यक्तीचेर उरतली.

- (3) दुबाव काडून उडोवपाखातीर हेवरवीं अशे घोशीत करतात कीं —
- (क) उपकलम (1) हातूंतले खंयचेय गजालीचो अर्थ, जाका लागून खंयचेच व्यक्तीक फुडल्यो गजाली करपाक आडकाठी जायत अशे तरेन लावंचे नात:-
- (i) त्या उपकलमांत निर्दीश्ट केल्ल्या खंयच्याय कायद्याच्या उपबंधाप्रमाण, वयल्या कराचें निर्धारण, पुनर्निर्धारण, ताची लावणी अथवा वसुली हांचे संबंदी हरकत घेवप; अथवा
- (ii) अशा खंयच्याय कायद्यावरवीं तिचेकडल्यान येणे आशिल्ल्या रकमेपरस तिणे चड भरिल्ल्या वयल्या कराचे परतफेडीची मागणी करप; आनी
- (ख) त्या अधिनियमाच्या आरंभापयलीं खंयचेय व्यक्तीन केल्ली कसलीय कृती अथवा अकृती ही, हो अधिनियम अंमलांत येवंक नाशिल्लो जाल्यार जो दंडनीय थारचो नाशिल्लो अशे तरेचो गुन्यांव म्हूण दंडनीय थारचोना

संविधान (सत्तेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1984 [26 आगश्ट, 1984]

भारतीय संविधानांत आनीक बदल करपाखातीर अधिनियम

भारतीय गणराज्याच्या पस्तिसाव्या वर्सा संसदेकल्यान फुडले अधिनियम करतात :-ह्या अधिनियमाक 'संविधान (सत्तेचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1984' अशें म्हणूं येता.

- 1. Short title
- Amendment in the Ninth Schedule— The following entries shall be inserted after Article 188 before the Explanation in the Ninth Schedule of the Constitution namely
 - 189. The Assam (Temporarily Settled Areas) Tenancy Act, 1977 (Act XIII of 1971)
 - 190. The Assam (Temporarily Settled Areas) Tenancy (Amendment) Act, 1974 (Act XVIII of 1974)
 - 191. The Bihar Land Reforms (Fixation of Ceiling Area and Acquisition of surplus land)
 (Amendment) Act, 1975 (Act XIII of 1975)
 - 192. The Bihar Land Reforms (Fixation of Ceiling Area and Acquisition of surplus land)
 (Amendment) Act, 1976 (Act XXII of 1976)
 - 193. The Bihar Land Reforms (Fixation of Ceiling Area and Acquisition of surplus land)
 (Amendment) Act, 1978 (Act VII of 1978)
 - 194. The Land Acquisition (Bihar Amendment) Act, 1970 (Act II of 1970)
 - 195. The Haryana ceiling on land holdings (Amendment) Act, 1977 (Act XIV of 1977)
 - 196. The Tamil Nadu Land Reforms (Fixation of ceiling on land) (Amendment) Act, 1978 (Act XXV of 1978)
 - 197. The Tamil Nadu Land Reforms (Fixation of ceiling on land) (Amendment) Act, 1979 (Act XI of 1979)
 - 198. The Uttar Pradesh Zamnidari Abolition Laws (Amendment) Act, 1978 (Act XV of 1978)
 - 199. The West Bengal Restoration of Alienated land (Amendment) Act, 1978 (Act XXIV of1978)
 - 200. The West Bengal Restoration of Alienated land (Amendment) Act, 1980 (Act XXIV of 1980)
 - 201. The Goa, Daman and Diu Agricultural Tenancy Act, 1964 (Act VII of 1964)
 - 202. The Goa, Daman and Diu Agricultural Tenancy (Fifth Amendment) Act, 1976 (Act XVII of 1976)

Constitution (Forty Eighth Amendment) Act, 1984

[26th August, 1984]

Act to further amend the Indian Constitution

The following Act is being enacted in this Thirty Fifth year of Indian Republic

1. Short title — This Act may be called the 'Constitution (Forty Eighth Amenement) Act, 1984.

- 1. संक्षिप्त नांव.
 - 2. णववे अनुसुचयेंत बदल संविधानाचे णववे अनुसुयेंतल्या कलम 188 उपरांत स्पश्टीकरणा पयलीं, फुडल्यो नोंदी आस्पावीत करच्यो, म्हळ्यार :
 - 189. दि आसाम (टेम्परिली सेटल्ड एरियाज) टेनन्सी ॲक्ट, 1971 (1971चो आसाम अधिनियम 13)
 - 190. दि आसाम (टेम्परिली सेटल्ड एरियाज) टेनन्सी (अमेडमेण्ट) ॲक्ट, 1974 (1974चो आसाम अधिनियम 18)
 - 191. दि बिहार लॅण्ड रिफॉर्म्स (फिक्सेशन ऑफ सिलिंग एरिया ॲण्ड ॲक्विझिशन ऑफ सरप्लस लॅण्ड) (अमेंडमेण्ट) ॲक्ट, 1975 (1975 चो बिहार अधिनियम 13)
 - 192. दि बिहार लॅण्ड रिफोर्म्स (फिक्सेशन ऑफ सिलिंग एरिया ॲण्ड ॲक्विझिशन ऑफ सरप्लस लॅण्ड) (अमेंडमेण्ट) ॲक्ट, 1976 (1976 चो बिहार अधिनियम 22)
 - 193. दि बिहार लॅण्ड रिफोर्म्स (फिक्सेशन ऑफ सिलिंग एरिया ॲण्ड ॲक्विझिशन ऑफ सरप्लस लॅण्ड) (अमेंडमेण्ट) ॲक्ट, 1978 (1978 चो बिहार अधिनियम 7)
 - 194. दि लॅण्ड ॲक्विझिशन (बिहार अमेंडमेण्ट) ॲक्ट, 1970 (1970 चो बिहार अधिनियम 2)
 - 195. दि हरयाणा सिलिंग ऑन लॅण्ड होल्डिंग्ज (अमेंडमेण्ट) ॲक्ट, 1977 (1977 चो हरयाणा अधिनियम 14)
 - 196. दि तामिळनाडू लॅण्ड रिफोर्म्स (फिक्सेशन ऑफ सिलिंग ऑन लॅण्ड) अमेंडम्ण्ट ॲक्ट, 1978 (1978 चो तामिळनाडू अधिनियम 25)
 - 197. दि तामिळनाडू लॅण्ड रिफोर्म्स (फिक्सेशन ऑफ सिलिंग ऑन लॅण्ड) अमेंडम्ण्ट ॲक्ट, 1979 (1979 चो तामिळनाडू अधिनियम 11)
 - 198. दि उत्तर प्रदेश जिमनदारी ॲबॉलिशन लॉज (अमेंडमेण्ट) ॲक्ट, 1978 (1978 चो उत्तर प्रदेश अधिनियम 15)
 - 199. दि वेस्ट बेंगॉल रेस्टोरेशन ऑफ एलिनेटेड लॅण्ड (अमेंडम्ण्ट) ॲक्ट, 1978 (1978 चो अस्तंत बंगाल अधिनियम 24)
 - 200. दि वेस्ट बेंगॉल रेस्टोरेशन ऑफ एलिनेटेड लॅण्ड (अमेंडम्ण्ट) ॲक्ट, 1980 (1980 चो अस्तंत बंगाल अधिनियम 24)
 - 201 दि गोवा दमण ॲण्ड दीव ॲग्रिकल्चरल टेनन्सी ॲक्ट, 1964 (1964 चो गोवा, दमण आनी दीव अधिनियम 7)
 - 202. दि गोवा दमण ॲण्ड दीव ॲग्रिकल्चरल टेनन्सी (फिफ्थ अमेंडमेण्ट) ॲक्ट, 1976 (1976 चो गोवा, दमण आनी दीव अधिनियम 17)

संविधान (अठ्ठेचाळिसावो बदल) अधिनियम 1984.

(26 आगश्ट, 1984)

भारतीय संविधानांत आनीक बदल करपाखातीर अधिनियम.

भारतीय गणराज्याच्या पस्तिसाव्या वर्सांत सकल दिल्यात तेप्रमाण अधिनियम करतात :-

1. संक्षिप्त नांव —ह्या अधिनियमाक 'संविधान (अठ्ठेचाळिसावो बदल) अधिनियम 1984' अशें म्हणूं येता.

2. Amendment of Article 356 — The following Proviso shall be inserted at the end of clause (5) of Article 356 of the Constitution that is:—

Provided with reference to the state of Punjab, the ordinance promulgated by clause (1) on 6th October, 1983, the words 'any period after the lapse of one year', in that clause shall mean 'any period' after the lapse of two-years'.

Constitutin (Forty Ninth Amendment) Act, 1984

[11th September, 1984]

Act to further amend the Indian Constitution

It is being enacted in the Thirty Fifth year of Indian Republic.

- 1. Short title It may be called 'Constitution (Forty Ninth Amendment) Act, 1984.
- (2) This Act will be applicable on the date specified by notification in the Official Gazette.
- 2. Amendment of Article 244 (1) The words 'and Meghalaya' will be substituted by the words 'Meghlaya and Tripura' in clause (1) and (2) of Article 244 of the Constitution.
- Amendment of Fifth Schedule Thw words 'and Meghalaya' shall be substituted by the words 'Meghalaya and Tripura' in Chapter - 1 of the Fifth Schedule of the Constitution.
 - 4. Amendment of Sixth Schedule In the Sixth Schedule —
 - (a) The words 'and Meghalaya' shall be substituted by the words 'Meghalaya and Tripura' in the Heading;
 - (b) The following paragraph shall be inserted after paragraph 12-A:-
- '12 AA: The Acts of the Parliament and Tripura State Assembly to be made applicable to the autonomous districts and autonomous regions of Tripura States. Notwithstanding anything contained in this Constitution
 - (a) If in the case of para 3, sub-para (1) of this Schedule, with reference to any matter specified therein, any provision made by the law of Tripura State District of Regional Council or Rules made under para 8 or 10 of this Schedule concerning the District Council or Regional Council conflicts with the provisions made by then Tripura counterparts, to that extent the letter shall be null and void, whethr it was enacted before of after the law made by the Tripura State Assembly shall be valid to the extent it overrides that made by its District Court.
 - (b) The President may, with reference to any Act of Parliament by Notification determine that this Act shall not apply to autonomous district or autonomous region of Tripura state or specify in

2. कलम 356 चो बदल — संविधानाच्या कलम 356च्या उपकलम (5)चे समाप्ते उपरांत फुडल्या परंतुकाचो आस्पाव करचो, म्हळ्यारूच :—

'परंतु, पंजाब राज्याच्या संबंदांत उपकलम (1) वरवीं 6 ऑक्टोबर, 1983 दिसा प्रसारीत केल्ले उद्घोशणेच्या संबंदांत, ह्या उपकलमांतल्या 'एक वर्स सोंपल्या उपरांतचो खंयचोय कालावधी' ह्या निर्देशाचो अर्थ 'दोन वर्सा सोंपले उपरांतचो खंयचोय कालावधी' असो लायतले.

संविधान (एकोणपन्नासावो बदल) अधिनियम 1984.

(11 सप्टेंबर, 1984)

भारतीय संविधानांत आनीक बदल करपाखातीर अधिनियम.

भारतीय गणराज्याच्या पस्तिसाव्या वर्सांत संसदेकडल्यान खाला दिला तेप्रमाण अधिनियम करतात :-

- 1. संक्षिप्त नांव ह्या अधिनियमाक 'संविधान (एकोणपन्नासावो बदल) अधिनियम, 1984' अशें म्हणूं येता.
 - (2) हो अधिनियम केंद्र सरकार शासकीय अधिसुचोवणेवरवीं थारायतलें ते तारकेक लागू जातलो.
- 2. कलम 244चो बदल (1) संविधानाच्या कलम 244च्या उपकलम (1) आनी (2) हातूंत 'आनी मेघालय' ह्या उतरांचे सुवातेर 'मेघालय आनी त्रिपुरा' हो मजकूर घालतले.
- 3. **पांचवे अनुसुचयेंत बदल** संविधानाचे पांचवे अनुसुचयेंच्या प्रकरण 1 हातूंत 'आनी मेघालय' हाचे सुवातेर 'मेघालय आनी त्रिपुरा' हो मजकूर घालतले.
 - 4. सवे अनुसुचयेंत बदल संविधानाचे सवे अनुसुचयेंत -
 - (क) शीर्शकांत 'आनी मेघालय' हाचे सुवातेर, 'मेघालय आनी त्रिपुरा' हो मजकूर घालतले;
 - (ख) परिच्छेद 12-क उपरांत फुडलो परिच्छेद घालतले :-
 - '12 क क. संसदेचें आनी त्रिपुरा राज्य विधानमंडळाचे अधिनियम त्रिपुरा राज्यांतले स्वायत्त जिल्हे आनी स्वायत्त प्रदेश हांकां लागू करप :—
 - ह्या संविधानांत किदेंय आसलें तरी -
 - (क) जर हे अनुसुचयेच्या परिच्छेद 3 च्या परिच्छेद (1) हातूंत विनिर्दीश्ट केल्ले खंयचेय गजालीचे बांबतींत त्रिपुरा राज्याच्या जिल्हो अथवा प्रादेशीक परिशदेन केल्ल्या कायद्याचो खंयचोय उपबंध अथवा हे अनुसुचयेच्या परिच्छेद 8 अथवा 10 वरवीं त्या राज्यांतले जिल्हो परिशदेन अथवा प्रादेशीक परिशदेन केल्ल्या खंयच्याय विनियमाचो खंयचोय उपबंध तेच गजालीच्या संबंदांत त्रिपुरा राज्याच्या विधानमंडळान केल्ल्या कायद्याच्या खंयच्याय उपबंधाक प्रतिकूल आसत जाल्यार, जिल्हो परिशदेन अथवा, त्या त्या प्रकरणाप्रमाण, प्रादेशीक परिशदेन केल्लो कायदो अथवा विनियम मागीर तो त्रिपुरा राज्याच्या विधानमंडळान केल्ल्या कायद्याचे आदीं केल्लो आसूं अथवा मागीर केल्लो आसूं प्रतिकूल आसत ते मर्यादेमेरेन शून्य आसतलो आनी त्रिपुरा राज्याच्या विधानमंडळान केल्लो कायदो प्रभावी थारतलो.
 - (ख) राष्ट्रपतीच्यान संसदेच्या खंयच्याय अधिनियमाच्या संबंदांत अधिसुचोवणेवरवीं अशें निश्चित करूं येता की, हो अधिनियम त्रिपुरा राज्यांतल्या स्वायत्त जिल्ह्याक अथवा स्वायत्त प्रदेशाक लागू जांवचो ना, अथवा तो अधिसुचोवणेंत विनिर्दीश्ट करीत अशा आडवादांसयत अथवा फेरबदलांसयत अशा जिल्ह्याक अथवा प्रदेशाक

the Notification the exceptions or amendments it may apply to such part or parts of that district of region and may such direction may be given with restrospective effect.

- (c) In para 17, the word or Tripura may substituted for the word 'or Meghalaya' wherever it occurs
- (d) In para 20,
 - (i) In sub-para (1)-
 - (a) words '2nd A' shall be added after Part 1st, 2nd,
 - (b) words 'Tripura state' shall be added after 'Meghalaya state'.
- (ii) In sub-para (2) words 'from the following chart' shall be substituted by from Part I, Part II or Part III' shall be substituted.
 - (iii) After sub-para (2), the follwing para shall be inserted, that is:-
- (3) In part II A of the following chart the mention of Tripura Tribal District Region' means the territory as specified in the First Schedule of Tripura Tribunal Region Autonomous Council Act, 1979.
 - (a) Part II in the chart and entries about them shall be followed by the following part, namely:— 'Part II A, Tripura Tribal Region District'.

Constitution (Fiftieth Amendment) Act, 1984

[11th Sept. 1984]

Act to further amend the Indian Constitution

It is being enacted as follows in the Thirty Fifth year of Indian Republic-

- 1. Short title This Act may be called 'Constitution (Fiftieth Amendment) Act, 1984
- Original Article to be substituted by new Article 33 The following Article shall be substituted for Article 33 that is —

The rights conferred by this Part —

- (a) Members of Armed Forces or
- (b) Members of forces on whom lies the responsibility of maintaining public law & order
- (c) Persons appointed in the Secret Information services or Intelligence Bureau etc, or Any force bureau or association specified in clause (a) to (c) for which are enacted.
- (d) Persons appointed under clause (a) to (c) in the form of forces, bureau or associations and personnel appointed for looking after communication machinery etc;

While conferring on them for the purpose of proper dischage of their duties and to enforce discipline among them, the Parliament may by law determine as to what extend they should be spread or curtail.

अथवा ताच्या खंयच्याय भागाक तो लागू जातलो, आनी असो खंयचोय निदेश भूतलक्षी प्रभावासयत दिवं येता.11;

- (ग) परिच्छेद 17 त 'अथवा मेघालय' असो शब्दोल्लेख जंय जंय येता त्या दोनाय सुवातांचेर 'अथवा त्रिपुरा' असो शब्दोल्लेख करूं येता;
 - (घ) परिच्छेद 20 त, -
 - (i) पोटपरिच्छेद (1) हातूंत, -
 - (क) 'भाग 1 लो, 2 रो' ह्या मजकुराउपरांत '2 रो-क' हो मजकूर घालतले ;
 - (ख) 'मेघालय राज्य' ह्या मजकुराउपरांत 'त्रिपुरा राज्य' हो मजकुर घालतले ;
- (ii) पोटपरिच्छेद (2) हातूंत 'फुडल्या तकट्यांतलो' हाचे सुवातेर फुडल्या तकट्याचो भाग 1 लो, भाग 2 रो अथवा भाग 3 रो हातूंतल्या' हो मजकूर घालतले.
 - (iii) पोटपरिच्छेद (2) उपरांत फुडलो परिच्छेद घालतले, म्हणजेच :-
- (3) फुडल्या तकट्याचो भाग 2रो-क हातूंत 'त्रिपुरा जनजाती-क्षेत्र जिल्हो' हाचो निर्देश म्हळ्यार 'त्रिपुरा जनजाती-क्षेत्र स्वायत्त जिल्हो परिशद अधिनियम, 1979' चे पयले अनुसुचयेंत विनिर्दीश्ट आशिल्ल्या राज्यक्षेत्राचो निर्देश आसा असो ताचो अर्थ लायतले.'
 - (क) तक्ट्यांतलो 2 रो भाग आनी तेसंबंदांतल्यो नोंदी हाचे उपरांत फुडलो भाग आस्पावीत करतले, म्हळ्यारूच :-

'भाग 2 रो-क

त्रिपुरा जनजाती-क्षेत्र जिल्हों

संविधान (पन्नासावो बदल) अधिनियम 1984.

(11 सप्टेंबर, 1984)

भारतीय संविधानांत आनीक बदल करपाखातीर अधिनियम.

भारतीय गणराज्याच्या पस्तिसाव्या वर्सा संसदेकडल्यान फुडें दिल्यात तेप्रमाण अधिनियम करतात:-

- 1. संक्षिप्त नांव ह्या अधिनियमाक 'संविधान (पन्नासावो बदल) अधिनियम, 1984' अशें म्हणूं येता.
- 2. मूळ कलमाचे सुवातेर नवीन कलम 33 घालप संविधानाच्या कलम 33 चे सुवातेर फुडलें कलम घालतले, म्हळ्यारूच -

'ह्या भागावरवीं प्रदान केल्ले अधिकार —

- (क) सशस्त्र सेनादळांचे वांगडी; अथवा
- (ख) जांचेर भौशीक स्वेवस्था राखपाची जापसालकी आसा अशा दळांचे वांगडी; अथवा
- (ग) राज्यान गुप्त वार्ता अथवा प्रति-गुप्त वार्ता हांच्या प्रयोजनाखातीर स्थापन केल्ले ब्युरो अथवा हेर संस्था हातूंत नेमिल्ल्यो व्यक्ती, अथवा
- (घ) उपकलम (क) ते (ग) हातूंत निर्देशीत केल्लें खंयचेंय दळ, ब्युरो अथवा संस्था हांच्या कामांखातीर उभारिल्ले दूरसंचार यंत्रणेंत अथवा तेसंबंदांत नेमिल्ल्यो व्यक्ती;

हांकां लागू करतना, निश्चितपणान तांच्या कर्तव्यांचें योग्य रितीन पालन जावंचें आनी तांचेभितर शिस्त उरची हेखातीर ते अधिकार खंयचे व्याप्तेमेरेन निर्बंधीत अथवा निराकृत करचे हें संसदेच्यान कायद्यावरवीं निर्धारीत करूं येता.'

APPENDIX - 1

THE CONSTITUTION (APPLICATION TO JAMMU AND KASHMIR) ORDER, 1954

C.O. 48

In exercise of the powers conferred by clause (1) of article 370 of the Constitution, the President, with the concurrence of the Government of the State of Jammu and Kashmir, is pleased to make the following Order: —

- (1) This Order may be called the Constitution (Application to Jammu and Kashmir) Order, 1954.
 (2) It shall come into force on the fourteenth day of May, 1954 and shall thereupon supersede the Constitution (Application to Jammu and Kashmir) Order, 1950.
- 2. ²[The provisions of the Constitution as in force on the 20th day of June, 1964 and as amended by the Constitution (Nineteenth Amendment) Act, 1966, the Constitution (Twenty-first Amendment) Act, 1967, section 5 of the Constitution (Twenty-third Amendment) Act, 1969, the Constitution (Twenty-fourth Amendment) Act, 1971, section 2 of the Constitution (Twenty-fifth Amendment) Act, 1971, the Constitution (Twenty-sixth Amendment) Act, 1971, the Constitution (Thirtieth Amendment) Act, 1972, section 2 of the Constitution (Thirty-first Amendment) Act, 1973, section 2 of the Constitution (Thirty-third Amendment) Act, 1974, sections 2, 5, 6 and 7 of the Constitution (Thirty-eighth Amendment) Act, 1975, the Constitution (Thirty-ninth Amendment) Act, 1975, the Constitution (Fortieth Amendment) Act, 1976, sections 2, 3 and 6 of the Constitution (Fifty-second Amendment) Act, 1985 and the Constitution (Sixty-first Amendment) Act, 1988 which, in addition to article 1 and article 370, shall apply in relation to the State of Jammu and Kashmir and the exceptions and modifications subject to which they shall so apply shall be as follows: -

(1) THE PREAMBLE.

(2) PART - 1.

To article 3, there shall be added the following further proviso, namely: —

"Provided further that no Bill providing for increasing or diminishing the area of the State of Jammu and Kashmir or altering the name or boundary of that State shall be introduced in Parliament without the consent of the Legislature of that State."

(3) PART - 2.

- (a) This Part shall be deemed to have been applicable in relation to the State of Jammu and Kashmir as from the 26th day of January, 1950.
 - (b) To article 7, there shall be added the following further proviso, namely: -

"Provided further that nothing in this article shall apply to a permanent resident of the State of Jammu and Kashmir who, after having so migrated to the territory now included in Pakistan, returns to the territory of that State under a permit for resettlement in that State or permanent return issued by or under the authority of any law made by the Legislature of that State, and every such person shall be deemed to be a citizen of India."

(4) PART -3.

(a) In article 13, references to the commencement of the Constitution shall be construed as references to the commencement of this Order.

(b) 3* * * *

परिशिश्ट-1

¹संविधान (जम्मू-काश्मीराक लागू जावप) आदेश, 1954

सं.आ. 48

संविधानाच्या 370 व्या कलमाच्या उपकलम (1) वरवीं मेळिल्ल्या अधिकाराचो वापर करून राष्ट्रपती जम्मू आनी काश्मीर राज्याच्या सरकाराचे सहमतीन, खाला दिल्लो आदेश करता–

- 1. (1) ह्या आदेशाचें संक्षिप्त नांव 'संविधान (जम्मू-काश्मीराक लागू जावप) आदेश, 1954 अशें आसा.
- (2) हो आदेश 14 मे, 1954 सावन लागू जातलो आनी अशें जातकच आपसुकूच 'संविधान (जम्मू काश्मीराक लागू जावप) आदेश 1950' हो रद्द जातलो.
- 2. ²[संविधानाचें कलम 1 तशेंच कलम 370 हांचेभायर 20 जून, 1964 क लागू केल्लो आदेश आनी 'संविधान (एकोणिसावो बदल) अधिनियम, 1966', संविधान (एकविसावो बदल) अधिनियम, 1967, 'संविधान (तेविसावो बदल) अधिनियम, 1969'चो अनुभाग-5, 'संविधान (चोविसावो बदल) अधिनियम, 1971', 'संविधान (पंचिसावो बदल) अधिनियम, 1971 चो अनुभाग-2, 'संविधान (सव्वीसावो बदल) अधिनियम, 1971', 'संविधान (तिसावो बदल) अधिनियम, 1972', संविधान (एकितसावो बदल) अधिनियम, 1973 चो अनुभाग-2', 'संविधान (तेत्तिसावो बदल) अधिनियम, 1974 चो अनुभाग 2, 'संविधान (आठ्टीसावो बदल) अधिनियम, 1975 चो अनुभाग-2,5,6 आनी 7, 'संविधान (एकोणचाळिसावो बदल) अधिनियम, 1975' आनी संविधान (चाळिसावो बदल) आधिनियम, 1976 हांचेवरवीं बदिलिल्ल्या स्वरुपांत, जे उपबंध जम्मू काश्मीर राज्याच्या संबंदांत लागू जातले आनी जे आडवाद आनी उपान्तरणां हांचे अधीनतायेन जे तरेन लागू जातले, ते अशे आसतले :-ट

(1) उद्देशिका

(2) भाग - 1

कलम 3 हातूंत सकयल दिलां तें आनीक एक परंतुक जोडलें ते अशे :-

'परंतु आनीक अशें की जम्मू काश्मीर राज्याच्या क्षेत्रांत वाडोवपा संबंदांत अथवा उणे करपा संबंदांत अथवा त्या राज्याचें नांव अथवा शीम हातूंत बदल करपासंबंदांतलो उपबंध करपी, खंयचेंय विधेयक त्या राज्याच्या विधानमंडळाचे मान्यताये बगर संसदेंत मांडूंक मेळचें ना.'

(3) भाग - 2

- (क) हो भाग जम्मू-काश्मीर राज्याच्या संबंधांत 26 जानेवारी 1950 सावन लागू जालो अशें मानतले.
- (ख) कलम 7 हातूंत सकयलें परंतुक जोडटले, तें म्हळ्यार :-

'परंतु आनीक अशें की ह्या कलमाची खंयचीय गजाल जम्मू-काश्मीराच्या खंयच्याच अशा स्थायी रावप्याक लागू जावची ना जो अशा राज्यक्षेत्रांत, जें आज पाकिस्तानांत आस्पावता, प्रवास केल्या उपरांत त्या राज्याच्या क्षेत्रांत रीतसर मान्यताय घेवन तो परतला आनी जो त्या राज्यांत रावपाखातीर स्थायी रूपान परतुपाक त्या राज्याच्या विधानमंडळान अथवा खंयच्याय प्राधिकारावरवीं केल्ल्या कायद्याचे अधीनतायेन केल्ल्या कायद्यावरवीं जाका असो अधिकार मेळ्ळा अशी प्रत्येक व्यक्ती भारताचो नागरीक आसा अशें मानतले.'

(4) भाग - 3

(क) कलम 13 हातूंत, संविधानाच्या आरंभाकडेन जो निर्देश आसा ताचो अर्थ तो, ह्या आदेशाच्या आरंभाकडेन आसा, असो लायतले.

- (c) In clause (3) of article 16, the reference to the State shall be construed as not including a reference to the State of Jammu and Kashmir.
- (d) In article 19, for a period of ⁴[⁵[twenty-five] years] from the commencement of this Order: —
- (i) In clauses (3) and (4), after the words "in the interests of", the words "the security of the State or" shall be inserted;
- (ii) In clause (5), for the words "or for the protection of the interests of any Scheduled Tribe", the words "or in the interests of the security of the State" shall be substituted; and
 - (iii) The following new clause shall be added, namely: -
- ⁶(iv) The words "reasonable restrictions" occurring in clauses (2), (3), (4) and (5) shall be construed as meaning such restrictions as the appropriate Legislature deems reasonable.'.
- (e) In clauses (4) and (7) of article 22, for the word "Parliament", the words "the Legislature of the State" shall be substituted.
- (f) In article 31, clauses (3), (4) and (6) shall be omitted; and for clause (5), there shall be substituted the following clause, namely: -
 - "(5) Nothing in clause (2) shall affect-
 - (a) The provisions of any existing law; or
 - (b) The provisions of any law which the State may hereafter make-
 - (i) For the purpose of imposing or levying any tax or penalty; or
 - (ii) For the promotion of public health or the prevention of danger to life or property; or
 - (iii) With respect to property declared by law to be evacuee property.".
- (g) In article 31A, the proviso to clause (1) shall be omitted; and for sub-clause (a) of clause (2), the following sub-clause shall be substituted, namely: -
- (a) "Estate" shall mean land which is occupied or has been let for agricultural purposes or for purposes subservient to agriculture, or for pasture, and includes-
 - (i) Sites of buildings and other structures on such land;
 - (ii) Trees standing on such land;
 - (iii) Forest land and wooded waste:
 - (iv) Area covered by or fields floating over water;
 - (v) Sites of jandars and gharats;
 - (vi) Any jagir, inam, muafi or mukarrari or other similar grant, but does not include-
- (i) The site of any building in any town, or town area or village abadi or any land appurtenant to any such building or site;

- (ग) कलम 16च्या उपकलम (३) हातूंत, राज्याचो संदर्भ हाचो अर्थ तातूंत जम्मू-काश्मीर राज्याचो आस्पाव जायना असो लायतले.
 - (घ) कलम 16 हातूंत, ह्या आदेशाच्या आरंभासावन ⁴[⁵[पंचवीस] वर्सां] च्या कालावधीखातीर:-
- (i) उपकलम (3) आनी (4) हातूंत, 'अधिकाराच्या वापराचेर' ह्या उतरांउपरांत 'राज्याची सुरक्षितताय अथवा' ही उतरां घालतले;
- (ii) उपकलम (5) हातूंत, 'खंयचेय अनुसूचीत जनजातीच्या हिताचे राखणेखातीर' ह्या उतरांचे सुवातेर 'अथवा राज्याचे सुरक्षिततायेच्या हिताखातीर' हीं उतरां दवरतले; आनी
 - (iii) सकयल दिल्लें नवें उपकलम जोडटले, म्हळ्यार :-
- $^{6}(iv)$ उपकलम (2), (3), (4) आनी (5) हातूंत येवपी 'फावोशीं बंधना' ह्या उतरांचो अर्थ, जांकां योग्य विधानमंडळ फावोशीं बंधनां अशें मानता, असो लायतले :
- (ङ) कलम 22 चें उपकलम (4) आनी (7) हातूंत 'संसद' ह्या उतराचे सुवातेर 'राज्य विधानमंडळ' हीं उतरां घालतले.
- (च) कलम 31 हातूंतलीं उपकलम (3), (4) आनी (6) हीं काडून उडयतलें, आनी उपकलम (5) चे सुवातेर सकयलें कलम घालतले, म्हळ्यार :-
 - '(5) उपकलम (2) हातूंतली खंयचीय गजाल -
 - (क) खंयच्याय सध्याच्या कायद्याच्या उपबंधांचेर; अथवा
 - (ख) खंयच्याय अशा कायद्याच्या उपबंधांचेर जाका राज्य -
 - (i) कसल्याय कराच्या अथवा, अधिभाराच्या लावपाच्या अथवा उगराणीच्या प्रयोजनाखातीर; अथवा
 - (ii) भौशीक भलायकेची वाढ अथवा प्राण अथवा संपत्ती हांच्या संकट निवारणाखातीर; अथवा
- (iii) अशे संपत्तेच्या संबंदांत, जी कायद्यावरवीं निश्चित केल्ली संपत्ती म्हूण घोशीत जाल्या ताचे उपरांत घडिल्ली आसत,

ताचेर कांयच परिणाम जावंचो ना.'

- (छ) कलम 31-क हातूंतलें उपकलम (1) हाचें परंतुक काडून उडयतले; आनी उपकलम (2) च्या उप-उपकलम (क) हाचे सुवातेर सकयलें उप-उपकलम घालतले, म्हळ्यार :-
- (क) 'संपत्ती म्हळ्यार अशी जमीन अभिप्रेत आसतली जी शेतकामाच्या प्रयोजनाखातीर अथवा शेतकामाक पूरक प्रयोजनाखातीर अथवा चरवाखतारी वापरपासारकी आसा अथवा खंडाखातीर दिल्ली जमीन आसा जातूंत भितर सकयल्यो गजाली आस्पावतात, अर्थात :-
 - (i) इमारतीच्यो आनी हेर बांधकामांच्यो सुवातो;
 - (ii) अशे जमनीर उबीं आशिल्लीं झाडांपेडां;
 - (iii) वन भूंय आनी हेर मरडां आनी सडे;
 - (iv) उदकांत धापिल्लो अथवा उदकाचेर आशिल्लो वाठार;
 - (v) 'जंदर' आनी 'घराट' थळां:
- (vi) कसलीय 'जागीर', 'इनाम', 'मुआफी' अथवा 'मुकर्ररी' अथवा अशे तरेचें हेर अनुदान, पूण हातूंत सकयल्यो गजाली आस्पावनात :-
- i) खंयचेंय नगर, अथवा नगरक्षेत्र अथवा ग्राम आबादींतलें खंयचेंय भवन अथवा थळ हाकालागून आसपी भूंय :

- (ii) Any land which is occupied as the site of a town or village; or
- (iii) Any land reserved for building purposes in a municipality or notified area or cantonment or town area or any area for which a town planning scheme is sanctioned.'
 - ⁶[(h) In article 32, clause (3) shall be omitted.]
 - (i) In article 35-
- (i) References to the commencement of the Constitution shall be construed as references to the commencement of this Order;
- (ii) In clause (a) (i), the words, brackets and figures "clause (3) of article 16, clause (3) of article 32" shall be omitted; and
 - (iii) After clause (b), the following clause shall be added, namely: -
- "(c) No law with respect to preventive detention made by the Legislature of the State of Jammu and Kashmir, whether before or after the commencement of the Constitution (Application to Jammu and Kashmir) Order, 1954, shall be void on the ground that it is inconsistent with any of the provisions of this part, but any such law shall, to the extent of such inconsistency, cease to have effect on the expiration of ⁷[8[twenty-five] years] from the commencement of the said Order, except as respects things done or omitted to be done before the expiration thereof."
 - (j) After article 35, the following new article shall be added, namely: -
 - "35A. Saving of laws with respect to permanent residents and their rights. -

Notwithstanding anything contained in this Constitution, no existing law in force in the State of Jammu and Kashmir, and no law hereafter enacted by the Legislature of the State, -

- (a) Defining the classes of persons who are, or shall be permanent residents of the State of Jammu and Kashmir; or
- (b) Conferring on such permanent residents any special rights and privileges or imposing upon other persons any restrictions as respects-
 - (i) Employment under the State Government;
 - (ii) Acquisition of immovable property in the State;
 - (iii) Settlement in the State; or
 - (iv) Right to scholarships and such other forms of aid as the State Government may provide,

Shall be void on the ground that it is inconsistent with or takes away or abridges any rights conferred on the other citizens of India by any provision of this Part.".

(5) PART - 5.

- ⁹[(a) For the purposes of article 55, the population of the State of Jammu and Kashmir shall be deemed to be sixty-three lakhs.
 - (b) In article 81, for clauses (2) and (3), the following clauses shall be substituted, namely: -
 - "(2) For the purposes of sub-clause (a) of clause (1), -

- ii) कसलीय जमीन जी खंयचेंय नगर अथवा गांव हांच्या थळाच्या रुपान वापरांत आसा; अथवा
- iii) खंयचीय नगरपालिका अथवा अधिसूचित क्षेत्र अथवा छावणी अथवा नगरक्षेत्र हातूंत अथवा खंयच्याय क्षेत्रांत, जाचेखातीर कसलीय नगर येवजण मंजूर केल्या, अथवा जंय भवन बांदपाखातीर ती राखून दवरल्या
 - 6[(ज) कलम 32 हातूंतलें उपकलम (3) काडून उडयतल]
 - (झ) कलम 35 हातूंत, -
- (i) संविधानाच्या आरंभाविशींचे जे निर्देश आसात, तांचो अर्थ असो लायतले की ते ह्या आदेशाच्या आरंभासंबंदांतूंय लागू आसात :
- (ii) उपकलम (क) (i) हातूंत, 'कलम 16 चें उपकलम (3) कलम 32चें उपकलम (3)' हीं उतरां आनी आंकडे तशेच कंस काडून उडयतले;
 - (iii) उपकलम (ख) च्या उपरांत सकयलें उपकलम जोडटले, म्हळ्यार :-

'संविधान (जम्मू-काश्मीराक लागू जावप) आदेश, 1954 च्या आरंभाचे पयलीं अथवा उपरांत, निवारक प्रतिबंदाच्या संबंधांत, जम्मू-काश्मीर राज्याच्या विधानमंडळान केल्लो खंयचोय कायदो, तो ह्या भागाच्या उपबंधांकडेन विसंगत आसा इतल्याच कारणावेल्यान शून्य थारचो ना, पूण असल्या खंयच्याय कायद्याचो वयलो आदेश हाच्या आरंभाची ⁷[⁸[पंचवीस]] वर्सां भरतकच, असले विसंगतेचे मर्यादेमेरेन त्या गजालींबगर प्रभावहीन जातलीं जो निवासाचे पयलीं घडयल्ल्यो अथवा काडून उडयल्ल्यो.'

- (ञ) कलम 35 चे उपरांत सकयलें नवें कलम जोडटले, म्हळ्यार :-
- '35 क स्थायी रावपी अथवा तांच्या अधिकाराच्या संबंदांत व्यावृत्ती ह्या संविधानांत कितेंय आसलें तरी, जम्मू-काश्मीर राज्यांत केल्लो खंयचोय असो वर्तमान कायदो आनी हाचे उपरांत राज्याचे विधानमंडळान केल्लो असो खंयचोय कायदो —
- (क) जो जम्मू-काश्मीर राज्याच्या स्थायी रावप्या संबंदान केला आनी जो ते व्यक्तीक परिभाशीत करता अथवा -
 - (ख) जो -
 - (i) राज्य सरकाराचे अधीनतायेन नियोजन;
 - (ii) राज्यांत स्थावर संपत्तेचें अर्जन,
 - (iii) राज्यांत स्थायीक जावप; अथवा
 - (iv) छात्रवृत्त्यो अथवा असल्या हेर तरेच्या पालवाचे अधिकार,

हांचे संबंधांत अशा स्थायी रावप्याक कसले खाशेले अधिकार अथवा विशेशाधिकार दिता अथवा हेर व्यक्तीचेर कसलेय निर्बंध घालता, इतलेच कारणावेल्यान वाद जावचे नात आनी ते ह्या भागाच्या उपबंधाचे अधीनतायेन भारताच्या नागरिकांक मेळिल्ल्या

खंयच्याय अधिकाराकडेन विसंगत आसात अथवा ते काडून घेता अथवा उणे करता इतलेंच कारण पावपासारकें ना.'

(5) भाग - 5

- ⁹[(क) कलम 55 च्या प्रयोजनाखातीर जम्मू-काश्मीर राज्याची लोकसंख्या त्रेसष्ट लाख अशें धरतले;
- (ख) कलम 81 हातूंत, उपकलम (2) आनी (3) हांचे सुवातेर सकयलीं उपकलमां घालतले:-
- '(2) उपकलम (1) हाचें उप-उपकलम (क) हाच्या प्रयोजनाखातीर, -

- (a) There shall be allotted to the State six seats in the House of the People;
- (b) The State shall be divided into single member territorial constituencies by the Delimitation Commission constituted under the Delimitation Act, 1972, in accordance with such procedure as the Commission may deem fit;
- (c) The constituencies shall, as far as practicable, be geographically compact areas, and in delimiting them regard shall be had to physical features, existing boundaries of administrative units, facilities of communication and public convenience; and
- (d) The constituencies into which the State is divided shall not comprise the area under the occupation of Pakistan.
- (3) Nothing in clause (2) shall affect the representation of the State in the House of the People until the dissolution of the House existing on the date of publication in the Gazette of India of the final order or orders of the Delimitation Commission relating to the delimitation of parliamentary constituencies under the Delimitation Act, 1972.
- (4) (a) The Delimitation Commission shall associate with itself for the purpose of assisting it in its duties in respect of the State, five persons who shall be members of the House of the People representing the State.
 - (b) The persons to be so associated from the State shall be nominated by the Speaker of the House of the People having due regard to the composition of the House.
 - (c) The first nominations to be made under sub-clause (b) shall be made by the Speaker of the House of the People within two months from the commencement of the Constitution (Application to Jammu and Kashmir) Second Amendment Order, 1974.
 - (d) None of the associate members shall have a right to vote or to sign any decision of the Delimitation Commission.
 - (e) If owing to death or resignation, the office of an associate member falls vacant, it shall be filled as soon as may be practicable by the Speaker of the House of the People and in accordance with the provisions of sub-clauses (a) and (b).".]
 - ¹⁰[(c) In article 133, after clause (1), the following clause shall be inserted, namely: -
 - (1A) The provisions of section 3 of the Constitution (Thirtieth Amendment) Act, 1972, shall apply in relation to the State of Jammu and Kashmir subject to the modification that references therein to "this Act", "the commencement of this Act", "this Act had not been passed" and "as amended by this Act" shall be construed respectively as references to "the Constitution (Application to Jammu and Kashmir) Second Amendment Order, 1974", "the commencement of the said Order", "the said Order had not been made" and "as it stands after the commencement of the said Order".'.]
 - ¹¹[(d)] In article 134, clause (2), after the words "Parliament may", the words "on the request of the Legislature of the State" shall be inserted.

13, * * * * *

^{12[(}e)] Articles 135 *** and 139 shall be omitted.

- (क) लोकसभेंत ह्या राज्याखातीर 6 सुवातो मेळटल्यो;
- (ख) परिसीमन अधिनियम, 1972 चे अधीनतायेन घडयल्ल्या परिसीमन आयोगावरवीं राज्यांत असले प्रक्रियेमार्फत, जी आयोगाक योग्य दिसत, एका थारावीक वांगड्याच्या प्रादेशीक वेंचणूक वाठारांनी वांटणी करतले.
- (ग) वेंचणूक क्षेत्रां शक्यतोंवेर भौगोलीक रुपांत संलग्न क्षेत्रां आसतलीं आनी तांच्यो शीमो थारयतना सैमी खाशेलेपणां, प्रशासनीक एकमांच्यो वर्तमान शीमो, संचार तशेंच सोयी सवलती आनी भौशीक सुविधा मतींत घेतले;
- (घ) ज्या तक्षिमांनी राज्याची वांटणी जायत, त्या वेंचणूक क्षेत्रांनी, पाकिस्तान व्याप्त वाठाराचो आस्पाव आसचो ना.
- (3) परिसीमन अधिनियम 1972 चे अधीनतायेन संसदीय वेंचणूक क्षेत्राचे परिसीमनाचे बाबतींत आयोगाचो निमणो आदेश अथवा आदेशांची भारताच्या राजपत्रांत प्रकाशनाची तारीक निश्चित जायसर उपकलम (2) तली खंयचीय गजाल, लोकसभेखातीर राज्याच्या प्रतिनिधीत्वाचेर प्रभाव घालूंक पावचीना.
- (4) (क) परिसीमन आयोग, राज्याच्या संबंदांत आपणालीं कर्तव्यां निभावपाखातीर ताका पालव दिवपा पासत आपले वांगडा पांच व्यक्तींक संयोजीत करतलो जे राज्याचें प्रतिनिधीत्व करपी लोगसभेचे वांगडी आसतले.
- (ख) राज्याची अशे तरेन संयोजीत जावपी व्यक्ती संसदेचे संरचनेचो पुरायेन विचार करून लोकसभेच्या अध्यक्षांवरवीं नियुक्त जातलो.
- (ग) उप-उपकलम (ख) चे अधीनतायेन करतले त्यो नेमणूको, लोकसभेच्या अध्यक्षांकडल्यान, 'संविधान (जम्मू-कश्मीराक लागू जावप) दुसरो बदल, आदेश 1973' च्या आरंभासावन 2 म्हयन्याच्या काळाभितर जावंच्यो पडटल्यो.
- (घ) परिसीमन अयोगाच्या खंयच्याय निर्णयाचेर मतदान करपाचो हक्क मात अशा नियुक्त व्यक्तीक आसचो ना.
- (ङ) जर मरणाक लागून अथवा राजीनामो दिल्ल्यान नियुक्त वांगड्याची एखादी सुवात रिती जाली जाल्यार लोकसभेच्या अध्यक्षांवरवी उप-उपकलम (क) आनी (ख) हांचे अधीनतायेन ती जाता तितले बेगीन भरप जातलें.']
 - 10[(ग) कलम 133 त उपकलम (1) चे उपरांत सकयल दिला तो मजकूर घालतले, म्हळ्यार :-
- (क) संविधान (तीसावो बदल) अधिनियम, 1972 चो अनुभाग 3 हाचे उपबंध जम्मू-काश्मीर राज्याच्या संबंदांत ह्या मजकुराचे अधीनतायेन लागू जातले की तातूंत निर्देशीत केल्ले 'हो अधिनियम', 'ह्या अधिनियमाच्या आरंभाक', 'हो अधिनियम पास जावंक नाशिल्लो जाल्यार' आनी 'ह्या अधिनियमांवरवीं योग्य तरेन त्या उपकलमाच्या उपबंधाचे' ह्या उल्लेखांच्या निर्देशांचो अर्थ, असो लायतले की अनुक्रमान ते 'संविधान (जम्मू-काश्मीराक लागू जावप) दुसरो बदल आदेश, 1974', 'वयल्या आदेशाचो आरंभ', 'वयलो आदेश पास करूंक नाशिल्लो जाल्यार' आनी 'वयल्या उपकलमाचे उपबंध' असो लायतले.
- ¹¹[(घ)] कलम 134 च्या उपकलम (2) हातूंत 'संसद' ह्या उतराउपरांत 'राज्य विधानमंडळाच्या आग्रहावयल्यान' हीं उतरां घालतले.
 - ¹²(ङ) कलम 135 * * * आनी 139 काडून उडयतले.

14[(5A) PART - 6.

- ¹⁵[(a) Articles 153 to 217, article 219, article 221, articles 223, 224, 224A and 225 and articles 227 to 237 shall be omitted.]
- (b) In article 220, references to the commencement of the Constitution shall be construed as references to the commencement of the Constitution (Application to Jammu and Kashmir) Amendment Order, 1960.
 - ¹⁶[(c) In article 222, after clause (1), the following new clause shall be inserted, namely: -
- "(1A) Every such transfer from the High Court of Jammu and Kashmir or to that High Court shall be made after consultation with the Governor.".]]

(6) PART - 11.

- ¹⁷[(a) In article 246, for the words, brackets and figures "clauses (2) and (3)" occurring in clause (1), the word, brackets and figure "clause (2)" shall be substituted, and the words, brackets and figure "Notwithstanding anything in clause (3)," occurring in clause (2) and the whole of clauses (3) and (4) shall be omitted.]
 - ¹⁸[(b) For article 248, the following article shall be substituted, namely: -
- "248. Residuary powers of legislation. Parliament has exclusive power to make any law with respect to—
- ²⁰[(a) Prevention of activities involving terrorist acts directed towards overawing the Government as by law established or striking terror in the people or any section of the people or alienating any section of the people or adversely affecting the harmony amongst different sections of the people;]
- ²¹[(aa)] ²²[Prevention of other activities] directed towards disclaiming, questioning or disrupting the sovereignty and territorial integrity of India or bringing about cession of a part of the territory of India or secession of a part of the territory of India from the Union or causing insult to the Indian National Flag, the Indian National Anthem and this Constitution; and
 - (b) Taxes on— (i) Foreign travel by sea or air;
 - (ii) Inland air travel;
 - (iii) Postal articles, including money orders, phonograms and telegrams.".]
- ²³[Explanation. In this article, "terrorist act" means any act or thing by using bombs, dynamite or other explosive substances or inflammable substances or firearms or other lethal weapons or poisons or noxious gases or other chemicals or any other substances (whether biological or otherwise) of a hazardous nature.]
- [(bb) In article 249, in clause (1), for the words "any matter enumerated in the State List specified in the resolution", the words "any matter specified in the resolution, being a matter which is not enumerated in the Union List or in the Concurrent List" shall be substituted.]]
- (c) In article 250, for the words "to any of the matters enumerated in the State List", the words "also to matters not enumerated in the Union List" shall be substituted.

(4)* * * *

14[(5क) भाग 6

- ¹⁵[(क) कलम 153 ते 217 मेरेन, कलम 219, कलम 221, कलम 223, 224, 224(क) आनी 225 तशेंच कलन 227 ते 237 हीं कलमां काडून उडयतले.]
- (ख) कलम 220 हातूंत, संविधानाच्या आरंभाविशींच्या निर्देशांचो अर्थ, ते 'संविधान (जम्मू-काश्मीराक लागू जावप) आदेश, 1960' कडेन निर्देशीत आसात असो लायतले.
 - 16[(ग) कलम 242त, उपकलम (1) चे उपरांत सकयलें नवें उपकलम घालतले, म्हळ्यार:—
- (1क) प्रत्येक स्थानांतरण जें जम्मू-काश्मीराच्या उच्च न्यायालयासावन, अथवा त्या उच्च न्यायालयाकडेन आसत तें राज्यपालाचो विचार घेतलेउपरांतूच करतले.']]

(6) भाग 11

¹⁷[(क) कलम 246 च्या उपकलम (1) हातूंत येवपी 'उपकलम (2) आनी उपकलम (3)' ह्या उतरांचे, कंसांचे आनी आंकड्यांचे सुवातेर 'उपकलम (2)' हीं उतरां, कंस आनी आंकड्यांचे दवरतले आनी उपकलम (2) हातूंत आशिल्ले 'उपकलम (3) हातूंत किदेंय आसलें तरी' हीं उतरां कंस आनी आंकडे तशेंच पुराय उपकलम (3) आनी उपकलम (4) काडून उडयतले.]

18[19[(ख) कलम 248 चे सुवातेर सकयल दिल्लें कलम घालतले, म्हळ्यार :--

'248. अवशीश्ट विधायी अधिकार - संसदेक -

²⁰[(क) कायद्याप्रमाण घडयल्ल्या सरकाराक उचांबळीत करपी अथवा जनतेच्या अथवा जनतेच्या खंयच्याय वर्गांत आकांत निर्मुपी अथवा जनतेच्या खंयच्याय वर्गांक फोडून घालपी विंगड विंगड वर्गांमदीं समाजिकायेचेर प्रतिकूल परिणाम करपी आकांतवादी कर्तुबांक प्रोत्साहन दिवपी कर्तूबांक आळाबंद घालपाचे संबंदांत;]

²¹[(कक)] भारताचें सार्वभौमत्व तशेंच प्रादेशीक अखंडतायेक अस्विकार, प्रस्नास्पद अथवा विच्छिन्न करपी अथवा भारताच्या राज्यक्षेत्रांच्या खंयच्याय भागाचे विघटन अथवा हक्क सोडपी अथवा भारताचो राष्ट्रध्वज, भारतीय राष्ट्रगीत आनी ह्या संविधानाचो अपमान करपी ²²[हेर वायट कर्तुबांक आडावपा] संबंदांत आनी

- (ख) (i) दर्यातल्यान अथवा वाऱ्यावेल्यान विदेश भोंवडेचेर ;
- (ii) अन्तरर्देशीय हवाई भोंवडेचेर ;
- (iii) मनीऑर्डर, फोनतार अथवा तार हांकां धरून टपाल वस्तूंचेर;

कर लावपासंबंदांत,

कायदो करपाचो पुराय अधिकार आसा.

²³[स्पश्टीकरण - ह्या कलमांत, 'आकांतवादी कर्तुबां 'हातूंत बॉमगुळे, डायनेमायट अथवा हेर विस्फोटक जिनस अथवा अग्निबाण अथवा हेर घातक अथवा विखारी जिनस अथवा घातकं गॅस अथवा हेर रसायनां अथवा हेर कसलेय घातक (जैवी अथवा हेर) जिनस आसपावतात.];

(ख ख) कलम 249 काडून उडयतले.]

(ग) कलम 250 त 'राज्य वळेरेंत मेजिल्ल्या खंयच्याय विशयासंबंदांत 'ह्या उतरांचे सुवातेर' 'संघ - वळेरेंत आस्पावीत करूंक नाशिल्ल्या विशयासंबंदांतूय' हीं उतरां घालतले.

(घ) * * * * *

(e) To article 253, the following proviso shall be added, namely: -

"Provided that after the commencement of the Constitution (Application to Jammu and Kashmir) Order, 1954, no decision affecting the disposition of the State of Jammu and Kashmir shall be made by the Government of India without the consent of the Government of that State."

24* * * * *

- ²⁵[(g)] Article 256 shall be re-numbered as clause (1) of that article, and the following new clause shall be added thereto, namely: -
- "(2) The State of Jammu and Kashmir shall so exercise its executive power as to facilitate the discharge by the Union of its duties and responsibilities under the Constitution in relation to that State; and in particular, the said State shall, if so required by the Union, acquire or requisition property on behalf and at the expense of the Union, or if the property belongs to the State, transfer it to the Union on such terms as may be agreed, or in default of agreement, as may be determined by an arbitrator appointed by the Chief Justice of India."

26* * * * *

(7) PART - 12.

28* * * * *

²⁹[(a)] Clause (2) of article 267, article 273, clause (2) of article 283 ³[and article 290] shall be omitted.

²⁹[(b)] In articles 266, 282, 284, 298, 299 and 300, references to the State or States shall be construed as not including references to the State of Jammu and Kashmir.

²⁹[(c)] In articles 277 and 295, references to the commencement of the Constitution shall be construed as references to the commencement of this order.

(8) PART — 13.

³⁰***In clause (1) of article 303, the words "by virtue of any entry relating to trade and commerce in any of the Lists in the Seventh Schedule" shall be omitted.

31* * * * *

²⁵[(f)] Article 255 shall be omitted.

²⁷[(h)] In clause (2) of article 261, the words "made by Parliament" shall be omitted.

(ङ) कलम 253अ हाका सकयलें परंतुक जोडटले, म्हळ्यार :-

'परंतु, संविधान (जम्मू - काश्मीराक लागू जावप) आदेश, 1954 च्या आरंभाचे उपरांत, जम्मू - काश्मीर राज्या संबंदांतले वेवस्थेचेर परिणाम करपी कसलोच निर्णय भारत सरकार त्या राज्याच्या सरकाराचे संमती बगर घेवंचो ना.'

²⁵[(च)] कलम 255 काडून उडयतले.

²⁵[(छ)] कलम 256 क ताच्या उपकलम (1) च्या रूपान पुनःसंख्यांकीत करतले आनी तातूंत सकयलें नवें उपकलम जोडटले, तें म्हळ्यार –

'(2) जम्मू - काश्मीर राज्य आपणालो कार्यपालीक अधिकार अशे तरेन वापरतलें की जाकालागून त्या राज्याच्या संबंदांत संविधानाचे अधीनतायेन संघाचीं कर्तव्यां आनी जापसालक्यो हांचें संघाकडल्यान सोपेपणी पालन जावंचें; आनी विशेशतायेन वयलें राज्य, संघ तशी अपेक्षा करीत जाल्यार, संघाचे वतीन आनी ताच्या खर्चान संपतीचें अर्जन अथवा अधिग्रहण करतलें अथवा जर संपत्ती त्या राज्याची आसत जाल्यार असल्या कसल्याय निर्वधाचेर, जे करार जातले अथवा त्या कराराविणे ते भारत सरकाराच्या मुख्य न्यायमूर्तीवरवीं नेमिल्ल्या मध्यस्थावरवीं थारायतले, तें तें संघाकडेन जमा करतलें.'

²⁷[(ज)] कलम 261 चें उपकलम (2) हातूंत 'संसदेवरवीं केल्ले 'हीं उतरां काडून उडयतले.

(7) भाग 12

28* * * *

²⁹[(क)] कलम 267 चें उपकलम (2), कलम 273, कलम 283 चें उपकलम (2) ³⁰[आनी कलम 290]हीं कलमां काडून उडयतले.

²⁹[(ख)] कलम 266, 282, 284, 298 आनी 300 हातूंत राज्य अथवा राज्यां हांचेकडेन निर्देश आसात ताचो अर्थ असो लायतले की तांचेखाला जम्मू-काश्मीर हीं राज्यां हांचेकडेन निर्देश आसात ताचो अर्थ असो लायतले की तांचेखाला जम्मू-काश्मीर ह्यां राज्याचो निर्देश ना.

²⁹[(ग)] कलम 277 आनी 295 हातूंत, संविधानाच्या आरंभासंबंदी जो निर्देश आसा ताचो अर्थ असो लायतले की तो ह्या आदेशाच्या आरंभाकडेन निर्देशित आसा.

(8) भाग 13

³⁰*** कलम 303 च्या उपकलम (1) हातूंत, 'सातवे अनुसुचयेंतले वळेरेंतल्या कसल्याय व्यापारा संबंदीच्या अथवा उद्योगासंबंधीच्या कसल्याय उपबंधांच्या आधाराचेर 'हीं उतरां काडून उडयतले.

(9) PART - 14.

³²[In article 312, after the words "the States", the brackets and words "(including the State of Jammu and Kashmir)" shall be inserted.]

³³[(10) PART - 15.

- (a) In clause (1) of article 324, the reference to the Constitution shall, in relation to elections to either House of the Legislature of Jammu and Kashmir, be construed as a reference to the Constitution of Jammu and Kashmir.
- ³⁴[(b) In articles 325, 326, 327 and 329, the reference to a State shall be construed as not including a reference to the State of Jammu and Kashmir.
 - (c) Article 328 shall be omitted.]
 - (d) In article 329, the words and figures "or article 328" shall be omitted.]]
 - ³⁵[(e) In article 329A, clauses (4) and (5) shall be omitted.]

(11) PART - 16.

36* * * *

- ³⁹[(b)] In articles 334 and 335, references to the State or the States shall be construed as not including references to the State of Jammu and Kashmir.
- ³⁹[(c) In clause (1) of article 339, the words "the administration of the Scheduled Areas and" shall be omitted.]

(12) PART – 17.

The provisions of the Part shall apply only in so far as they relate to-

- (i) The official language of the Union;
- (ii) The official language for communication between one State and another, or between a State and the Union; and
 - (iii) The language of the proceedings in the Supreme Court.

(13) PART - 18.

- (a) To article 352, the following new clause shall be added, namely: -
- "⁴⁰[(6)] No Proclamation of Emergency made on grounds only of internal disturbance or imminent danger thereof shall have effect in relation to the State of Jammu and Kashmir (except as respects article 354) ⁴¹[unless-
- (a) It is made at the request or with the concurrence of the Government of that State, or Where it has not been so made, it is applied subsequently by the President to that State at the request or with the concurrence of the Government of that State.]";

³⁷[(a)] Articles 331, 332, 333, ³⁸[336 and 337] shall be omitted.

(9) भाग 14

32 किलम 312 त, 'राज्यां' ह्या उतराउपरांत '(जातूंत जम्मू - काश्मीरूय आस्पावता)' हो कंस आनी उतरां ताका जोडटली

³³[(10) भाग **15**

- (क) कलम 324 चें उपकलम(1) हातूंत जम्मू-काश्मीराच्या विधानमंडळाच्या दोनाय सभाघरांमदल्या खंयच्याय सभाधराचे वेचणुकेसंबंदीं संविधानांकडेन जो निर्देश आसा ताचो अर्थ असो लायतले की तो जम्मू-काश्मीराच्या संविधानाकडेन निर्देश आसा.
- 34[(ख) कलम 325, 326, 327 आनी 329 हातूंत राज्याक लेखून जो निर्देश आसा ताचो अर्थ असो लायतले की ताचेखाला आशिल्ले निर्देश जम्मू-काश्मीराक लागू जायनात.
 - (ग) कलम 328 काडून उडयतलें.
 - (घ) कलम 329 त, 'अथवा कलम 328' हीं उतरां आनी आंकडो काडून उडयतले.]
 - 35[(ङ) कलम 329क हांतूंतलें उपकलम (4) आनी (5) हीं काडून उडयतलें]

(11) भाग 16

³⁷[(क)] कलम 331, 332, 333, ³⁸[336 आनी 337] हीं काडून उडयतलें.

³⁹[(ख)] कलम 334 आनी 335 हातूंत राज्य अथवा राज्यां हांचेकडेन निर्देश आसात तांचो अर्थ असो लायतले की तांचेखाला जम्मू - काश्मीर राज्याक लेखून निर्देश ना.

³⁹[(ग) कलम 339 च्या उपकलम (1) हातूंतलीं अनुसूचित क्षेत्रांचें प्रशासन आनी' हीं उतरां काडून उडयतले.

(12) भाग 17

ह्या भागांतले उपबंध फकत तितलेमेरेन लागू जातले जितलेमेरेन ते -

(i) संघाची राजभास,

- (ii) एक राज्य आनी दुसऱ्या राज्यामदीं; अथवा खंयचेंय राज्य आनी संघ हांचेमदीं पत्रवेव्हार इत्यादींची राजभास, आनी
 - (iii) सर्वोच्च न्यायालयांत कामकाजाची भास, हांचेकडेन संबंदीत आसा.

(13) भाग 18

(क) कलम 352 त सकयलें नवें उपकलम घालता, तें म्हळ्यार :-

'40[(6)] फकत अंतर्गत उचांबळाय अथवा अचकीत अरीश्ट आयलां इतल्याच कारणावेल्यान जाहीर केल्ली आणीबाणीची स्थिती (कलम 354 चे बाबतींत सोडल्यार) जम्मू-काश्मीर राज्याच्या संबंदांत तेन्नाच लागू जावंची ना 41 जिन्ना ती -

(क) त्या राज्याचे विनंतेवेल्यान अथवा त्या राज्याच्या सरकाराचे विनंतेवेल्यान अथवा ताचे संमतीन राष्ट्रपतीकडल्यान मागीर लागू केल्ल्या]

- ⁴²[(b) In clause (1) of article 356, references to provisions or provision of this Constitution shall, in relation to the State of Jammu and Kashmir, be construed as including references to provisions or provision of the Constitution of Jammu and Kashmir.
 - (c) Article 360 shall be omitted.]

(14) PART - 19.

43* * * *

⁴⁴[(a)] ⁴⁵[Article 365] shall be omitted.

46* * * * *

- ⁴⁴[(b)] To article 367, there shall be added the following clause, namely: -
- 44"(4) For the purposes of this Constitution as it applies in relation to the State of Jammu and Kashmir-
- (a) References to this Constitution or to the provisions thereof shall be construed as references to the Constitution or the provisions thereof as applied in relation to the said State;
- ⁴⁷[(aa)] References to the person for the time being recognised by the President on the recommendation of the Legislative Assembly of the State as the Sadar-i-Riyasat of Jammu and Kashmir, acting on the advice of the Council of Ministers of the State for the time being in office, shall be construed as references to the Governor of Jammu and Kashmir:
- (b) References to the Government of the said State shall be construed as including references to the Governor of Jammu and Kashmir acting on the advice of his Council of Ministers:

Provided that in respect of any period prior to the 10th day of April, 1965, such references shall be construed as including references to the Sadar-i-Riyasat acting on the advice of his Council of Ministers;]

(c) References to a High Court shall include references to the High Court of Jammu and Kashmir;

48. The state of t

- ⁴⁹[(d)] References to the permanent residents of the said State shall be construed as meaning persons who, before the commencement of the Constitution (Application to Jammu and Kashmir) Order, 1954 were recognised as State subjects under the laws in force in the State or who are recognised by any law made by the Legislature of the State as permanent residents of the State; and
- ⁵⁰[(e) References to a Governor shall include references to the Governor of Jammu and Kashmir:

Provided that in respect of any period prior to the 10th day of April, 1965, such references shall be construed as references to the person recognised by the President as the Sadar-i-Riyasat of Jammu and Kashmir and as including references to any person recognised by the President as being competent to exercise the powers of the Sadar-i-Riyasat.]".

- ⁴²[(ख) कलम 356 चें उपकलम (1) हातूंत ह्या संविधानाचे उपबंध अथवा संविधानांचो उपबंध हांचेकडेन जे निर्देश आसात, ताचो असो अर्थ, ताचेखाला जम्मू काश्मीराच्या संविधानाच्या उपबंधांकडेन तांचो निर्देश आसा, असो लायतले.]
 - (ग) कलम 360 काडून उडयतले.

(14) भाग 19

46*

- 44[(ख)] कलम 367 क सकयलें उपकलम जोडटले, तें म्हळ्यार -
- 44(4) ह्या संविधानाच्या, जशेतरेन तें जम्मू-काश्मीराच्या संबंदांत लागू जाता, प्रयोजनाखातीर -
- (क) हें संविधान अथवा ताच्या उपबंधांकडेन जे निर्देश आसात ताचो अर्थ असो लायतले की वयल्या राज्याच्या संबंदांत लागू आशिल्ल्या संविधानाकडेन अथवा ताच्या उपबंधांकडेनूय निर्देशीत आसात.
- ⁴⁷[(कक) राज्याचे विधानसभेचे शिफारसीवेल्यान राष्ट्रपतीकडल्यान, जम्मू-काश्मीराचो सदर-ए-रियासत हाच्या रूपान अथवा त्या समयार मान्यताप्राप्त तशेंच त्या समयार पदाचेंर आशिल्लें राज्य मंत्रिमंडळ हांच्या सल्ल्यान कार्य करपी व्यक्तीकडेन जे निर्देश आसात तांचो अर्थ असो लायतले की ते जम्मू-काश्मीराच्या राज्यपालाकडेन निर्देशीत आसात.
- (ख) त्या राज्याच्या सरकाराकडेन केल्ल्या निर्देशांचो असो अर्थ लायतले की तांचेखाला आपणाल्या मंत्रिमंडळाच्या सल्ल्यावेल्यान कार्य करपी जम्मू - काश्मीराच्या राज्यपालाक लेखून ते निर्देश आसात.

परंतु 10 एप्रिल, 1965 चे पयलींच्या खंयच्याय काळाच्या संदर्भात, असल्या निर्देशांचो असो अर्थ लायतले की तांचेखाला आपल्या मंत्रिमंडळाच्या सल्ल्यान कार्य करपी सदर-ए-रियासत हांकां लेखून ते निर्देश आसात;]

(ग) उच्च न्यायालयाक लेखून जे निर्देश आसात ताचेखाला जम्मू-काश्मीर राज्याच्या उच्च न्यायालयाक लेखून केल्ले निर्देश आसपावतात.

48* * * * * *

- ⁴⁹[(घ)] वयल्या राज्याच्या कायम रावप्यांक लेखून जे निर्देश आसात तांचो अर्थ असो लायतले की, तातूंत अशो व्यक्ती आसपावतात जांकां राज्यात अस्तित्वांत आशिल्ल्या कायद्यांचे अधीनतायेन राज्याचे जनतेच्या रूपान, संविधान (जम्मू काश्मीराक लागू जावप) आदेश, 1954 च्या आरंभाचे पयलीं, मान्यताय मेळिल्ली अथवा जांकां राज्याच्या विधानमंडळाकडल्यान केल्ल्या खंयच्याय कायद्यावरवीं कायम रावपी ह्या स्वरूपांत मान्यताय मेळ्ळ्या; आनी
- ⁵⁰[(ङ) राज्यपालाक लेखून केल्ल्या निर्देशांखाला जम्मू-काश्मीराच्या राज्यपालाक लेखूनूय ते निर्देश आसात:

परंतु 10 एप्रिल, 1965 चे आदीं खंयच्याय काळाच्या संबंदांत अशा निर्देशांचो असो अर्थ लायतले की ते राष्ट्रपतीकडल्यान जम्मू-काश्मीराच्या सदर-ए-रियासत हाच्या रूपान मान्यताय मेळिल्ले व्यक्तीक लेखून ते निर्देश आसात आनी तांचेखाला राष्ट्रपतीकडल्यान सदर-ए-रियासताच्या अधिकारांचो वापर करपाक सक्षम व्यक्तीच्या रूपान मान्यताय मेळिल्ले खंयचेय व्यक्तीक लेखुनूय ते निर्देश आसात.]

(15) PART - 20.

- ⁵¹[(a) ⁵²[To clause (2) of article 368], the following proviso shall be added, namely: -
- "Provided further that no such amendment shall have effect in relation to the State of Jammu and Kashmir unless applied by order of the President under clause (1) of article 370.".
 - ⁵³[(b) After clause (3) of article 368, the following clause shall be added, namely: -
- "(4) No law made by the Legislature of the State of Jammu and Kashmir seeking to make any change in or in the effect of any provision of the Constitution of Jammu and Kashmir relating to-
- (a) Appointment, powers, functions, duties, emoluments, allowances, privileges or immunities of the Governor; or
- (b) Superintendence, direction and control of elections by the Election Commission of India, eligibility for inclusion in the electoral rolls without discrimination, adult suffrage and composition of the Legislative Council, being matters specified in sections 138, 139, 140 and 50 of the Constitution of Jammu and Kashmir,

Shall have any effect unless such law has, after having been reserved for the consideration of the President, received his assent.".]

(16) PART - 21.

- (a) Articles 369, 371, ⁵⁴[371A], ⁵⁵[372A], 373, clauses (1), (2), (3) and (5) of article 374 and ⁵⁶[articles 376 to 378A and 392] shall be omitted.
 - (b) In article 372-
 - (i) Clauses (2) and (3) shall be omitted;
- (ii) References to the laws in force in the territory of India shall include references to hidayats, ailans, ishtihars, circulars, robkars, irshads, yadashts, State Council Resolutions, Resolutions of the Constituent Assembly, and other instruments having the force of law in the territory of the State of Jammu and Kashmir; and
- (iii) References to the commencement of the Constitution shall be construed as references to the commencement of this Order.
- (c) In clause (4) of article 374, the reference to the authority functioning as the Privy Council of a State shall be construed as a reference to the Advisory Board constituted under the Jammu and Kashmir Constitution Act, 1996 and references to the commencement of the Constitution shall be construed as references to the commencement of this Order.

(17) PART. 22

Articles 394 and 395 shall be omitted.

- (18) FIRST SCHEDULE.
- (19) SECOND SCHEDULE.

(15) भाग 20

51 [(क)52 [कलम 365 चें उपकलम (2) हातूंत] सकयलें परन्तुक घालतले, तें म्हळ्यार,

'परंतु, आनीक अशें, की जम्मू-काश्मीर राज्याच्या संबंदांत कसलोय बदल तेन्नाच लागू जातलो जेन्ना तो कलम 370 च्या उपकलम (1) चे अधीनतायेन राष्ट्रपतीच्या आदेशावरवीं लागू केल्लो आसत;

53[(ख)] कलम 368 च्या उपकलम (3) चे उपरांत सकयलें उपकलम जोडटले, तें म्हळ्यार-

'(4) जम्मू-काश्मीर संविधानाच्या -

(क) राज्यपालाची नेमणूक, अधिकार, कृत्यां, कर्तव्यां, जापसालक्यो, येणावळ, भत्ते, विशेशाधिकार अथवा उन्मुक्त्यो; अथवा

(ख) भारताच्या वेंचणूक आयोगावरवीं वेंचणुकांचें अधीक्षण, निर्देशन आनी नियंत्रण हांचेबगर वेंचणूक वळेरेंत आस्पावीत जावपाखातीरची पात्रताय प्रौढ मताधिकार आनी विधान परिशदेची धडण, जो जम्मू-काश्मीर संविधानाच्या कलम 138, 139, 140 आनी 150 हातूंत आस्पाविल्लो विशय आसा.

हांचेकडेन संबंदीत खंयचोय उपबंध अथवा ताच्या प्रभावान कसलोय फेरफार करपाखातीर, जम्मू-काश्मीर राज्याच्या विधान मंडळांवरवीं केल्ल्या खंयच्याय कायद्याचो तेन्नाच परिणाम जातलो जेन्ना तो कायदो राष्ट्रपतीच्या मताखातीर राखून दवरले उपरांत, ताची मान्यताय ताका मेळिल्ली आसत.']

(16) भाग 21

- (क) कलम 369, 371,⁵⁴[371क] ⁵⁵[372 क], 373, कलम 374 चीं उपकलमां (1), (2), (3) आनी (5) तशेंच ⁵⁶[कलम 376 ते 378 क मेरेन आनी कलम 392] काडून उडयतले.
 - (ख) कलम 372 हातूंत -
 - (i) उपकलम (2) आनी (3) काडून उडयतले.
- (ii) भारताच्या राज्यक्षेत्रांत, लागू आशिल्ल्या निर्देशांमदीं जम्मू-काश्मीराच्या राज्यक्षेत्रांत कायद्याचें बळगें आसपी हिदायती, ऍलानां, इश्तिहार, परिपत्रां, रोबकारूं, इरशदां, याददस्तखां, राज्य परिशदेचे संकल्प, संविधांनसभेचे संकल्प आनी हेर लिखितांक लेखूनूय निर्देश आसतलें; आनी
- (iii) संविधानाच्या आरंभाक लेखून आशिल्ल्या निर्देशांचो अर्थ असो लायतले की ते ह्या आदेशाक लेखून निर्देश आसात.
- (ग) कलम 374 च्या उपकलम (4) हातूंत, राज्याच्या प्रिवी काउन्सिलाच्या रूपान काम करपी प्रधिकारीक लेखून निर्देश आसा ताचो अर्थ असो लायतले की तो जम्मू-काश्मीराचो अधिनियम, संवत् 1996चें अधीनतायेन घडयल्ल्या सल्लागार मंडळाक लेखून निर्देश आसा आनी संविधानाच्या आरंभाचो अर्थ, ह्या संविधानाच्या आरंभाक लेखून आसा असो लायतले.

(17) भाग 22

कलम 394 आनी 395 काडून उडयतले.

- (18) पयली अनुसूची
- (19) दुसरी अनुसूची

57 4

(20) THIRD SCHEDULE.

Forms V, VI, VII and VIII shall be omitted.

(21) FOURTH SCHEDULE.

58 (22) SEVENTH SCHEDULE.

(a) In the Union List-

62

- (i) For entry 3, the enty "3. Administration of cantonments." shall be substituted;
- ⁵⁹[(ii) Entries 8, 9 ⁶⁰[and 34], ⁶¹*** entry 79, and the words "Inter-State migration" in entry 81 shall be omitted;]
- ⁶³[(iii) In entry 72, the reference to the States shall be construed, -
- (a) In relation to appeals to the Supreme Court from any decision or order of the High Court of the State of Jammu and Kashmir made in an election petition whereby an election to either House of the Legislature of that State has been called in question, as including a reference to the State of Jammu and Kashmir;
 - (b) In relation to other matters, as not including a reference to that State]; 64[and]
 - ⁶⁵[(iv) For entry 97, the following entry shall be substituted, namely: —
- ⁶⁶[97. Prevention of activities (a) Involving terrorist acts directed towards overawing the Government as by law established or striking terror in the people or any section of the people or alienating any section of the people or adversely affecting the harmony amongst different sections of the people;
- (b) Directed towards disclaiming, questioning or disrupting the sovereignty and territorial integrity of India or bringing about cession of a part of the territory of India or secession of a part of the territory of India from the Union or causing insult to the Indian National Flag, the Indian National Anthem and this Constitution;

Taxes on foreign travel by sea or air, on inland air travel and on postal articles, including money orders, phonograms and telegrams.

Explanation. — In this entry, "terrorist act" has the same meaning as in the Explanation to article 248.]".]

- (b) The State List shall be omitted.
- 67[(c) In the Concurrent List-

⁶⁸[(i) For entry 1, the following entry shall be substituted, namely: — "1. Criminal law (excluding offences against laws with respect to any of the matters specified in List I and excluding the use of naval, military or air forces or any other armed forces of the Union in aid of the civil power) in so far as such criminal law relates to offences against laws with respect to any of the matters specified in the List."];

(20) तीसरी अनुसूची

प्रपत्रफॉर्म 5, 6, 7, आनी 8 काडून उडयतले.

(21) चवथी अनुसूची

58(22) सातवी अनुसूची

- (क) संघ वळेरेंत -
- (i) नोंद 3 चे सुवातेर '3.छावण्यांचें प्रशासन' हीं उतरां घालतलें,
- ⁵⁹(ii) नोंद 8, 9 ⁶⁰[आनी 34] ⁶¹* * * नोंद 79 आनी नोंद 81 त 'आन्तरराज्य प्रवास' हीं उतरां काडून उडयतलें;]

62*

- 63(iii) नोंद 72 त, -
- (क) त्या राज्याच्या विधानमंडळाच्या दोनांतल्या खंयच्याय एका घराचें वेंचणुकेसंबंदांत खंयचीय अशी वेंचणूक प्रस्नास्पद करपी याचिका जाल्ली आसत जाल्यार, जम्मू-काश्मीर राज्याच्या उच्च न्यायालयांन दिल्ल्या कसल्याय निर्णयाचे अथवा आदेशाचे आड सर्वोच्च न्यायालयाच्या अपीलांच्या संबंदांत हेर राज्यांक लेखून जे निर्देश आसात तांतूत जम्मू-काश्मीराचोय आस्पाव आसा अशें मानतले;
- (ख) हेर गजालींसंबंदांत राज्यांक लेखून जे निर्देश आसात ताचो अर्थ, त्या राज्यांक लेखून निर्देश नात असो लायतले; ⁶⁴[आनी]
 - 65[(iv) नोंद 97चे सुवातेर सकयली नोंद घालतले, ती म्हळ्यार -
- ⁶⁶[97.(क) कायद्यावरवीं स्थापन जाल्ल्या सरकाराक उंचाबळीत करपी अथवा जनतेच्या खंयच्याय वर्गाक आतंकीत करपी अथवा जनतेच्या खंयच्याय वर्गाक वेगळावपी अथवा जनतेच्या विंगड विंगड वर्गांमदीं समजिकाय वसता तिका बाधा हाडपी आकांतवादी कर्तुबांक प्रोत्साहन दिवपी;
- (ख) भारताचें सार्वभौमत्व तशेंच प्रादेशीक अखंडताय हांका बाधा हाडपी, प्रस्नास्पद करपी अथवा फोडपी, अथवा भारताच्या राज्यक्षेत्रांच्या खंयच्याय भागाक कडेक काडपी अथवा भारताच्या राज्यक्षेत्राच्या संघाक वेगळो करपी अथवा भारताचो राष्ट्रध्वज, भारतीय राष्ट्रगीत तशेंच ह्या संविधांनांचो अपमान करपी,

कर्तुबांक आडावप आनी दर्या अथवा मळबांतल्यान यात्रा, आंतरदेशीय हवाई प्रवास अथवा टपाल वस्तूंचेर (जातूंत मनिऑर्डर आनी तार आसपावतात) हांचेर कर लावप.

स्पश्टीकरण – हे नोंदींत, 'आकांतवादी कर्तुबां' ह्या उतरांचो अर्थ कलम 248 च्या स्पश्टीकरणांत आयला.]]

- (ख) राज्य वळेरी काडून उडयतले.
- 67 [(ग) समवर्ती वळेरेंत, -
- 68[(i) नोंद क्र.1 चे सुवातेर सकयली नोंद घालतले, ती म्हळ्यार —

'दंड न्याय (जाचेखाला वळेरी क्र.1 हातूंत दाखयल्ल्या विशयांमदल्या खंयच्याय विशयांसंबंदांत कायद्याआड गुन्यांव आनी सिविल अधिकाऱ्याच्या पालवाखातीर नौ दळ, वायु दळ अथवा संघाच्या खंयच्याय हेर सशस्त्र दळांचो आस्पाव ना) जितले मेरेन असलो दंड कायदो हे अनुसुचयेंत निर्देशीत केल्ल्या खंयच्याय विशयाच्या गुन्यांवांक लागता'];

- $^{69}[^{70}[(ia)]$ For entry 2, the following entry shall be substituted, namely: —
- "2. Criminal procedure (including prevention of offences and constitution and organisation of criminal courts, except the Supreme Court and the High Court) in so far as it relates to,
 - (i) Offences against laws with respect to any matters being matters with respect to which Parliament has power to make laws; and
 - (ii) Administration of oaths and taking of affidavits by diplomatic and consular officers in any foreign country.";
 - (ib) For entry 12, the following entry shall be substituted, namely: -
 - "12. Evidence and oaths in so far as they relate to, —
 - (i) Administration of oaths and taking of affidavits by diplomatic and consular officers in any foreign country; and
 - (ii) Any other matters being matters with respect to which Parliament has power to make laws."];
 - (ic) For entry 13, the entry "13. Civil procedure in so far as it relates to administration of oaths and taking of affidavits by diplomatic and consular officers in any foreign country." Shall be substituted;]

⁷¹*. * * * *

⁷²[⁷³[(ii)] For entry 30, the entry "30. Vital statistics in so far as they relate to births and deaths including registration of births and deaths." shall be substituted;]

74* * * * * *

- ⁷⁵[(iii) Entry 3, entries 5 to 10 (both inclusive), entries 14, 15, 17, 20, 21, 27, 28, 29, 31, 32, 37, 38, 41 and 44 shall be omitted;
- (iiia) For entry 42, the entry "42. Acquisition and requisitioning of property, so far as regards acquisition of any property covered by entry 67 of List I or entry 40 of List III or of any human work of art which has artistic or aesthetic value." shall be substituted; and]
- ⁷⁶(iv) In entry 45, for the words and figures "List II or List III", the words "this List" shall be substituted.]

(23) EIGHTH SCHEDULE.

⁷⁷[(24) NINTH SCHEDULE.

- ⁷⁸[(a)] After entry 64, the following entries shall be added, namely:
- ⁷⁹[64A.] The Jammu and Kashmir State Kuth Act (No. I of Svt. 1978).
- ⁷⁹[64B.] The Jammu and Kashmir Tenancy Act (No. II of Svt. 1980).
- ⁷⁹[64C.] The Jammu and Kashmir Alienation of Land Act (No. V of Svt. 1995).

80 * * * * *

- 69[70[(i क) नोंद क्रं.2 चे सुवातेर सकयली नोंद घालतले, ती म्हळ्यार :-
- '2. दंड प्रक्रिया (जाचेखाला गुन्यांवांक आडावप तशेंच दंड न्यायालयाचो, जांचेखाला सर्वोच्च न्यायालय आनी उच्च न्यायालय नात, घडण आनी संघटण आसा) जितलेमेरेन ताचो संबंद —
- (i) खंयच्याय अशा विशयांनी, जे अशे विशय आसात, की जांचेसंबंदांत संसंदेचो कायदे करपाचो आधिकार आसपावता, संबंदीत कायद्यांआड केल्ल्या गुन्यावांकडेन आसा; आनी
- (ii) खंयच्याय विदेशांत राजनितीक आनी काउन्सीलीय अधिकाऱ्यांवरवीं सोपूत दिवपी तशेंच सोपूतपत्र घेवपाकडेन आसा.'
 - (i ख) नोंद क्रं.12 चे सुवातेर, सकयली नोंद घालतले, ती म्हळ्यार :-
 - '12. गवाय तशेंच सोपूत, जितलेमेरेन तांचो सबंद –
- (i) खंयच्याय परदेशांत राजनितीक आनी काऊन्सिलीय अधिकाऱ्यांवरवीं सोपूत दिवप तशेंच सोपूतपत्र घेवप हांचेकडेन आसा; आनी
- (ii) खंयच्याय हेर विशयांमदल्या, अशा विशयाकडेन आसा जो असो विशय आसत, की जांचेसंबंदांत संसदेचो कायदे करपाचो अधिकार आसपावला. —]
- (i ग) नोंद क्र.13चे सुवातेर '13 सिविल प्रक्रिया, जितलेमेरेन तिचो संबंद खंयच्याय विदेशी राजनितीक तशेंच काउन्सिलीय अधिकाऱ्यांवरवीं सोपूत दिवप अथवा सोपूत-पत्र घेवप हांचेकडेन आसा.' ही नोंद घालतलें;]
- $^{72}[^{73}(ii)]$ नोंद क्र. 30 चे सुवातेर '30ः जल्म-मर्ण सांख्यिकी, जितलेमेरेन ताचो संबंध जल्म तशेंच मर्ण हांचेकडेन आसा, जातूंत जल्म आनी मर्ण नोंदणी आसा' हीं नोंद घालतलें;

⁷⁵[(iii) नोंद क्र. 3, नोंद 5 ते 10 मेरेन, (जातूंत ह्यो दोनूय आस्पावतात) नोंद 14, 15, 17, 20, 21, 27, 28, 29, 31, 32, 37, 38, 41 तशेंच 44 काडून उडयतले;

(iii क) नोंद क्र. 42 चे सुवातेर '42, संपत्तीचें अर्जन आनी अधिग्रहण) जितलेमेरेन ताचो संबंद, वळेरी क्र. 1 ची नोंद क्र. 67 अथवा वळेरी क्र. 3 ची नोंद क्र. 40 हांचेखाला आस्पावपी संपतीच्या अथवा अशे खंयचेय मानवी कलाकृतीच्या, जिचें कलात्मक अथवा सोबितकायेचें मोल आसा, अर्जनाकडेन आसा.' ही नोंद घालतले; आनी

 $^{76}[(iv)]$ नोंद 45 क्र. हातूंत 'वळेरी क्र.2 अथवा वळेरी क्र. 3' हांचे सुवातेर 'हे वळरेंत' हीं उतरां घालतले.]]

(23) आठवी अनुसूची

⁷⁷[(24) णववी अनुसूची.

78[(क)] नोंद क्र. 64 चे उपरांत, सकयल्यो नोंदी जोडटले, त्यो म्हळ्यार :--

⁷⁹[64क] जम्मू-काश्मीर राज्य कुश्ठअधिनियम, (संवत 1978ची सं.1).

⁷⁹[64ख] जम्मू-काश्मीर कूळकायदो अधिनियम (संवत् 1980 ची सं. 2)

79[64ग] जम्मू-काश्मीर भूमी अन्य - संक्रामण अधिनियम, 19 संवत् 1975 चो सं. 5.) :

80*

- ⁸¹[64D.] The Jammu and Kashmir Big Landed Estates Abolition Act (No. XVII of Svt. 2007).
- ⁸¹[64E.] Order No. 6-H of 1951, dated the 10th March, 1951, regarding Resumption of Jagirs and other assignments of land revenue, etc.
- ⁸²[64F. The Jammu and Kashmir Restitution of Mortgaged Properties Act, 1976 (Act XIV of 1976).
 - 64G. The Jammu and Kashmir Debtors' Relief Act, 1976 (Act XV of 1976).
- ⁸³[(b) Entries 87 to 124, inserted by the Constitution (Thirty-ninth Amendment) Act, 1975, shall be renumbered as entries 65 to 102 respectively.]
 - ⁸⁴[(c) Entries 125 to 188 shall be renumbered as entries 103 to 166 respectively.]

Notes

- 1. Notification no. 1610 of May, 14, 1958 Published in Government of India Gazette, Part III, p/821.
- 2. The starting words amended and came in the present form by Constitution order 56, Constitution order 74, Constitution order 79, Constitution order 89, Constitution order 91, Constitution order 94, Constitution order 98, Constitution order 103, Constitution order 104, Constitution order 105, and thereafter Constitution order 108.
- 3. Omitted by Constitution order 124 (from 4-12-1985)
- 4. Substituted for the words 'few years' by Constitution order 69.
- 5. Substituted for the words 'few years' by Constitution order 69.
- 6. Substituted for the clause (h) 'few years' by Constitution order 89.
- 7. Substituted for the words 'few years' by Constitution order 69.
- 8. Substituted for the words 'twenty' by Constitution order 97.
- 9. Substituted for clause (a) and clause (b) by Constitution order 98.
- 10. Inserted by Constitution order 98 clause (c) and clause (d)
- 11. Renamed and renumbered as clause (d) and clause (e) by Constitution order 98.
- 12. The number '136' omitted by Constitution order 60.
- 13. clause (f) and clause (g) omitted by Constitution order 56.
- 14. Inserted by Constitution order 60 (from 26-1-1960)
- 15. Substituted for clause (a) by Constitution order 89
- 16. Substituted for clause (c) by Constitution order 74 (from 24-11-1965)
- 17. Substituted for clause (a) by Constitution order 66
- 18. Substituted for clause (b) by Constitution order 85
- 19. Substituted for clause (b) by Constitution order 93
- 20. Inserted by Constitution order 122 (from 4-6-1985)

- ⁸¹[64घ] जम्मू-काश्मीर बृहद् भू संपदा उत्सादन अधिनियम (संवत् 2007 ची सं. 17);
- ⁸¹[64 ङ] जागीर आनी भू-राजस्व हांच्या हेर समुनेदशनां इत्यादींच्या पुनर्ग्रहणासंबंदांत 1951 चो आदेश सं.6-एच, तारीक 10 मार्च,1951.

82 [64च. जम्मू-काश्मीर बंधक संपत्तीचें पर्तवण अधिनियम, 1976 (1976 चो आधिनियम 14); 64छ. जम्मू-काश्मीर श्रेणी सहायता (राहत) अधिनियम, 1976 (1976 चो अधिनियम 15).]

⁸³[(ख) संविधान (एकोणचाळीसावो बदल) अधिनियम, 1975 वरवीं घाल्ल्या नोंद क्र. 87 ते 124 मेरेनच्या नोंदींक क्रमान नोंद क्र. 65 ते 162 च्या रूपांत पुनःसंख्यांकित करतले.]]

⁸⁴[(ग) नोंद क्र. 125 ते 188 मेरेनच्या नोंदींक क्रमान नोंद क्र. 163 ते 166 च्या रूपांत पुनःसंख्यांकीत करतले.]

टिपो

- 1. विधी मंत्रालयाची अधिसुचोवणी सं. का. नि. आ. 1610, ता. 14 मे, 1958, भारताचें राजपत्र, असाधारण, भाग 3, पान 821 चेर उजवाडायला.
- 2. सुरवातेक येवपी उत्तरां संविधान आदेश 56, संविधांन आदेश 74, संविधान आदेश 79, संविधान आदेश 89, संविधान आदेश 91, संविधान आदेश 94, संविधान आदेश 98, संविधान आदेश 103, संविधान आदेश 104, संविधान आदेश 105 आनी तेउपरांत संविधान आदेश 108 वरवीं बदल जावन वयल्या स्वरूपांत आयलीं.
- 3. संविधान आदेश 124 वरवीं (4-12-1985 सावन) निरसीत केलें.
- 4. संविधान आदेश 69 वरवीं 'धा वर्सां' चे सुवातेर घालें.
- 5. संविधान आदेश 69 वरवीं 'धा वर्सां' चे सुवातेर घालें.
- 6. संविधान आदेश 89 वरवीं उँपकलम (ज) चे सुवातेर घालें.
- 7. संविधान आदेश 69 वरवीं 'धा वर्सां' चे सुवातेर घालें.
- 8. संविधान आदेश 97 वरवीं 'वीस' चे सुवातेर घालें.
- 9. संविधान आदेश 98 वरवीं उपकलम (क) आनी उपकलम (ख) चे सुवातेर घालें.
- 10. संविधान आदेश 98 वरवीं घालें.
- 11. संविधान आदेश 98 वरवीं उपकलम (ग) आनी उपकलम (घ) क उपकलम (घ) आनी उपकलम (ङ) च्या रूपान पुनःअक्षरांकीत केलें.
- 12. संविधान आदेश 60 वरवीं '136' हो आंकडो निरसीत केलो.
- 13. संविधान आदेश 56 वरवीं उपकलम (च) आनी उपकलम (छ) निरसीत केलीं.
- 14. संविधान आदेश 60 वरवीं (26-1-1960 सावन) घालें.
- 15. संविधान आदेश 89 वरवीं उपकलम (क) चे सुवातेर घालें.
- 16. संविधान आदेश 74 वरवीं (24-11-1965 सावन) उपकलम (ग) चे सुवातेर घालें.
- 17. संविधान आदेश 66 वरवीं उपकलम (क) चे सुवातेर घालें.
- 18. संविधान आदेश 85 वरवीं उपकलम (ख) चे सुवातेर घालें.
- 19. संविधान आदेश 93 वरवीं उपकलम (ख) चे सुवातेर घालें.
- 20. संविधान आदेश 122 वरवीं (4-6-1985 सावन) घालें.

- 21. Clause (a) rewritten as clause (aa) 1985 by Constitution order 122 (from 4-6-1985)
- 22. Substituted for 'prevent acts' by Constitution order 122 (from 4-6-1985)
- 23. Inserted by Constitution order 122 (from 4-6-1985)
- 24. Clause (f) omitted by Constitution order 66
- 25. Clause (g) and clause (h) written in the form of clause (f) and clause (g) by Constitution order 66.
- 26. Clause (I) omitted by Constitution order 56.
- 27. Clause (J) omitted by Constitution order 56.
- 28. Clause (a) and clause (b) inserted by Constitution order 55 omitted by Constitution order 56.
- 29. Clause (a, clause (b) clause (c) rewritten as clause (d) and clause (e) inserted by Constitution order 55 rewritting in the form of (d) respect and thereafter omitted by Constitution order 56
- 30. Substituted for Article 290 and 291 by Constitution order 96
- 31. The bracket and the word '(a)' as well as clause (b) omitted by Constitution order 56.
- 32. Substituted for the previous paras by Constitution order 56
- 33. Substituted for sub-paras (10) by Constitution order 60 (from 26-1-1960)
- 34. Substituted for clause (b) and clause (c) by Constitution order 75
- 35. Inserted by Constitution order 105
- 36. Omitted by Constitution order 124 (from 4-12-1985)
- 37. Clause (b) and clause (c) rewritten in the form of clause (a) and clause (b) by Constitution order 124 (from 4-12-1985)
- 38. Substituted for some words and members by Constitution order 124 (from 4-12-1985)
- 39. Inserted by Constitution order 124 (frrom 4-12-1985)
- 40. Substituted for '(4)' by Constitution order 104
- 41. Substituted for some words by Constitution order 100
- 42. Substituted for clause (b) by Constitution order 71
- 43. Clause (a) omitted by Constitution order 74
- 44. Clause (b) and Clause (c) rewritten in the form of clause (a) and clause (b) by Constitution order 74
- 45. Substituted for 'Article 362' and 'Article 365' by Constitution order 94
- 46. Original clause (c) omitted by Constitution order 56
- 47. Substituted for clause (b) by Constitution order 74
- 48. Clause (d) omitted by Constitution order 56

- 21. संविधान आदेश 122 वरवीं (4-6-1985 सावन) उपकलम (क) क उपकलम (क क) च्या रूपान पुनः अक्षरांकीत केलें.
- 22. संविधान आदेश 122 वरवीं (4-6-1985 सावन) 'कर्तुबांक आडावपाखातीर' चे सुवातेर घालें.
- 23. संविधान आदेश, 122 वरवीं (4-6-1985 सावन) घालें.
- 24. संविधान आदेश 66 वरवीं उपकलम (च) निरसीत केलें.
- 25. संविधान आदेश 66 वरवीं उपकलम (छ) आनी उपकलम (ज) क उपकलम (च) आनी उपकलम (छ) च्या रूपान पुनर्रक्षरांकीत केलें.
- 26. संविधान आदेश 56 वरवीं उपकलम (झ) निरसीत केलें.
- 27. संविधान आदेश 56 वरवीं उपकलम (अ) आनी उपकलम (झ) निरसीत केलें.
- 28. संविधान आदेश 55 वरवीं घाल्लीं उपकलम (क) आनी उपकलम (ख) हीं संविधान आदेश 56 वरवीं निरसीत केलीं.
- 29. संविधान आदेश 55 वरवीं उपकलम (क) उपकलम (ख) आनी उपकलम (ग), उपकलम (घ) आनी उपकलम (ङ) च्या रूपान पुनरक्षरांकीत केलीं आनी तेउपरांत संविधान आदेश 56 वरवीं तांकां क्रमान उपकलम (ग) च्या रूपान पुनरक्षरांकीत केलीं.
- 30. संविधान आदेश 94 वरवीं 'कलम 290 आनी कलम 291' चे सुवातेर घालें.
- 31. संविधान आदेश 56 वरवीं कंस आनी उतर '(क)' तशेंच उपकलम (ख) निरसीत केलीं.
- 32. संविधान आदेश 56 वरवीं पयलींच्या परिच्छेदाचे सुवातेर घालें.
- 33. संविधान आदेश 60 वरवीं (26-1-1960 सावन) उपपरिच्छेद (10) चे सुवातेर घालें.
- 34. संविधान आदेश 75 वरवीं उपकलम (ख) आनी उपकलम (ग) चे सुवातेर घालें.
- 35. संविधान आदेश 105 वरवीं घालें.
- 36. संविधान आदेश 124 वरवीं (4-12-1985 सावन) निरसीत केलें.
- 37. संविधान आदेश 124 वरवीं उपकलम (ख) आनी उपकलम (ग) क उपकलम (क) आनी उपकलम (ख) च्या रूपान (4-12-1985 सावन) पुनरक्षरांकीत केलें.
- 38. संविधान आदेश, 124 वरवीं थोडे आंकडे आनी थोड्या उतरांचे सुवातेर (4-12-1985 सावन) घालें.
- 39. संविधान आदेश 124 वरवीं (4-12-1985 सावन) घालें.
- 40. संविधान आदेश 104 वरवीं '(4)' चे सुवातेर घालें.
- 41. संविधान आदेश 100 वरवीं थोड्या उतरांचे सुवातेर घालें.
- 42. संविधान आदेश 71 वरवीं उपकलम (ख) चे सुवातेर घालें.
- 43. संविधान आदेश 74 वरवीं उपकलम (क) निरसीत केलें.
- 44. संविधान आदेश 74 वरवीं उपकलम (ख) आनी उपकलम (ग) क उपकलम (क) आनी उपकलम (ख) च्या रूपान पुनरक्षरांकित केली.
- 45. संविधान आदेश 94 वरवीं 'कलम 362 आनी कलम 365' चे सुवातेर घालें.
- 46. संविधान आदेश 56 वरवीं मूळ उपकलम (ग) निरसीत केलें.
- 47. संविधान आदेश 74 वरवीं उपकलम (ख) चे सुवातेर घालें.
- 48. संविधान आदेश 56 वरवीं उपकलम (घ) निरसीत केलें.

- 49. Clause (e) rewritten in the form of clause (d) by Constitution order 56
- 50. Substituted for clause (e) by Constitution order 74
- 51. The said clause numbered as (a) by Constitution order 101
- 52. Substituted for 'Article 368P' by Constitution order 91
- 53. Inserted by Constitution order 101
- 54. Inserted by Constitution order 74
- 55. Inserted by Constitution order 56
- 56. Substituted for the words from 'Article 376 to Article 392' by Constitution order 56
- 57. Text related with para (6) omitted by Constitution order 56
- 58. Substituted for sub-para (22) by Constitution order 66
- 59. Substituted for item (i) by Constitution order 85
- 60. Substituted for '34 and 60' by Constitution order 92
- 61. Words 'and document' from entry no. 67 omitted by Constitution order 95
- 62. Original item (iii) omitted by Constitution order 74
- 63. Substituted for item (iii) by Constitution order 83
- 64. Inserted by Constitution order 85
- 65. Substituted for item (iv) by Constitution order 93
- 66. Substituted for entry no. 97 by Constitution order 122 (from 4-6-1985)
- 67. Substituted for clause (c) by Constitution order 69
- 68. Substituted for clause (1) by Constitution order 79
- 69. Inserted by Constitution order 94
- 70. Substituted for sub-clause (i a) and (i b) by Constitution order 122 (w.e.f. 4-6-1985)
- 71. item (ii) and item (iii) omitted by Constitution order 74
- 72. Inserted by Constitution order 70
- 73. Item (iv) renumbered in the form of Item (ii) by Constitution order 74
- 74. Item (v) and (vi) omitted by Constitution order 72
- 75. Substituted for item (iii) by Constitution order 95
- 76. Item (viii) renumbered in the form of item (iv) by Constitution order 74
- 77. Substituted for Sub-para (24) by Constitution order 74
- 78. Numbered by Constitution order 105
- 79. Renumbered by Constitution order 98
- 80. Omitted by Constitution order 106
- 81. Renumbered by Constitution order 106
- 82. Inserted by Constitution order 106
- 83. Inserted by Constitution order 105
- 84. Inserted by Constitution order 108 (w.e.f. 31-12-1977)

- 49. संविधान आदेश 56 वरवीं उपकलम (ङ) क उपकलम (घ) च्या रूपान पुनरक्षरांकीत केलें.
- 50. संविधान आदेश 74 वरवीं उपकलम (ङ) चे सुवातेर घालें.
- 51. संविधान आदेश 101 वरवीं उपकलम (क) च्या रूपान संख्यांकीत केलें.
- 52. संविधान आदेश 91 वरवीं 'कलम 368 त' हांचे सुवातेर घालें.
- 53. संविधान आदेश 101 वरवीं घालें.
- 54. संविधान आदेश 74 वरवीं घालें.
- 55. संविधान आदेश 56 वरवीं घालें.
- 56. संविधान आदेश 56 वरवीं 'कलम 376 ते कलम 392 मेरेनचीं' हांचे सुवातेर घाले'.
- 57. संविधान आदेश 56 वरवीं परिच्छेद 6 कडेन संबंदीत मजकूर निरसीत केलो.
- 58. संविधान आदेश 66 वरवीं उपपरिच्छेद (22) चे सुवातेर घालें.
- 59. संविधान आदेश 85 वरवीं नग (i) चे सुवातेर घालें.
- 60. संविधान आदेश 92 वरवीं '34 आनी 60' चे सुवातेर घालें.
- 61. संविधान आदेश 95 वरवीं नोंद क्र.67 तलीं 'आनी अभिलेख' ही उतरां निरसीत केलीं.
- 62. संविधान आदेश 74 वरवीं मूळ नग (iii) निरसीत केलें.
- 63. संविधान आदेश 83 वरवीं नग (iii) चे सुवातेर घालें.
- 64. संविधान आदेश 85 वरवीं घालें.
- 65. संविधान आदेश 93 वरवीं नग (iv) चे सुवातेर घालें.
- 66. संविधान आदेश 122 वरवीं (4-6-1985 सावन) नोंद क्र. 97 चे सुवातेर घालें.
- 67. संविधान आदेश 69 वरवीं उपकलम (ग) चे सुवातेर घाले.
- 68. संविधान आदेश, 79 वरवीं उपकलम (1) चे सुवातेर घालें.
- 69. संविधान आदेश, 94 वरवीं घालें.
- 70. संविधान आदेश 122 वरवीं (4-6-1985 सावन) उप-उपकलम (i क) आनी (i ख) हांचे सुवातेर घालें.
- 71. संविधान आदेश 74 वरवीं नग (ii) आनी नग (iii) निरसीत केलें.
- 72. संविधान आदेश 70 वरवीं घालें.
- 73. संविधान आदेश 74 वरवीं नग (iv) क नग (ii) च्या रूपान पुनर्संख्यांकीत केलें.
- 74. संविधान आदेश 72 वरवीं नग (v) आनी नग (vi) निरसीत केले.
- 75. संविधान आदेश 95 वरवीं नग (iii) चे सुवातेर घालें.
- 76. संविधान आदेश 74 वरवीं नग (viii)क नग (iv) च्या रूपान पुनर्संख्यांकीत केले.
- 77. संविधान आदेश 74 वरवीं उपपरिच्छेद (24) चे सुवातेर घालें.
- 78. संविधान आदेश 105 वरवीं संख्यांकीत केलें.
- 79. संविधान आदेश 98 वरवीं पुनर्संख्यांकीत केले.
- 80. संविधान आदेश 106 वरवीं निरसीत केलें.
- 81. संविधान आदेश 106 वरवीं पुनर्संख्यांकीत केले.
- 82. संविधान आदेश 106 वरवीं घालें.
- 83. संविधान आदेश 105 वरवीं घालें.
- 84. संविधान आदेश 108 वरवीं (31-12-1977 सावन) घालें.

APPENDIX 2

RE-STATEMENT, WITH REFERENCE TO THE PRESENT TEXT OF THE CONSTITUTION, OF THE EXCEPTIONS AND MODIFICATIONS SUBJECT TO WHICH THE CONSTITUTION APPLIES TO THE STATE OF JAMMU AND KASHMIR

[Note. — The exceptions and modifications subject to which the Constitution applies to the State of Jammu and Kashmir are either those provided in the Constitution (Application to Jammu and Kashmir) Order, 1954 or those consequential to the non-application to the State of Jammu and Kashmir of certain amendments to the Constitution. All the exceptions and modifications, which have a practical significance, are included in the re-statement, which is only for facility of quick reference. For ascertaining the exact position, reference will have to be made to the Constitution (Application to Jammu and Kashmir) Order, 1954 and to the text of the Constitution on the 20th June, 1964, as amended by the subsequent amendments to the Constitution mentioned in clause 2 of the said Order.]

(1) THE PREAMBLE.

- (a) In the first paragraph, omit "SOCIALIST SECULAR";
- (b) In the penultimate paragraph, omit "and integrity".

(2) PART 1.

Article 3. -

(a) Add the following further proviso, namely: —

"Provided further that no Bill providing for increasing or diminishing the area of the State of Jammu and Kashmir or altering the name or boundary of that State shall be introduced in Parliament without the consent of the Legislature of that State.":

(b) Omit Explanation 1 and Explanation 2.

(3) PART 2.

- (a) This Part shall be deemed to have been applicable in relation to the State of Jammu and Kashmir as from the 26th day of January, 1950.
 - (b) Article 7. Add the following further proviso, namely: —

"Provided further that nothing in this article shall apply to a permanent resident of the State of Jammu and Kashmir who, after having so migrated to the territory now included in Pakistan, returns to the territory of that State under a permit for resettlement in that State or permanent return issued by or under the authority of any law made by the Legislature of that State, and every such person shall be deemed to be a citizen of India."

(4) PART 3.

(a) Article 13. — References to the commencement of the Constitution shall be construed as references to the commencement of the Constitution (Application to Jammu and Kashmir) Order, 1954 (C.O. 48), i.e., the 14th day of May, 1954.

परिशिष्ट - 2

जांचे अधीनतायेन हें संविधान जम्मू-काश्मीराक लागू जाता त्या, संविधानाच्या आडवादांचें आनी फेरफारांचें, विद्यमान संहितेच्या निर्देशांनी, पुनर्कथन.

[टीप— जे आडवाद अथवा फेरफार एकतर जांचे अधीनतायेन हें संविधान जम्मू-काश्मीर राज्याक लागू जाता अथवा ते जांचे उपबंध संविधान (जम्मू - काश्मीर राज्याक लागू जावप) आदेश, 1954 हातूंत केल्यात जे संविधानाचे थोडे बदल जम्मू-काश्मीराक लागू जायनात अशे परिणामस्वरूप आसात, असले सगलें आडवाद आनी फेरफार जांचे वेव्हारीक म्हत्व आसा, ते ह्या पुर्नकथनांत आस्पावीत आसात आनी जे तत्काळ निर्देशांक सोपंपण हाडपाखातीर आसात. सारकी स्थिती थारावपाखातीर संविधान (जम्मू-काश्मीर लागू करप) आदेश 1954 क वयल्या आदेशाच्या उपकलमांत सांगिल्ल्या संविधानाच्या उपरांतच्या बदलांवरवीं तशेंच बदलिल्ल्या संविधानाचे 20 जून, 1964 चे संहितेकडेन निर्देश करचे पडटले.]

(1) उद्देशिका

- (क) पयल्या परिच्छेदांतलीं समाजवादी धर्मनिरपेक्ष उतरां काडून उडोवप.
- (ख) वयल्या परिच्छेदांतलीं 'आनी अखण्डता' ही उतरां काडून उडोवप.

(2) भाग 1

कलम 3 -

(क) सकयलें आनीक एक परंतुक जोडप, तें म्हळ्यार

'परंतु आनीक अशें की जम्मू-काश्मीर राज्यांच्या क्षेत्राक वाडोवप अथवा त्हान करप अथवा त्या राज्याचें नांव अथवा ताचे शीमेंत फेरफार करपाचो उपबंध करपी खंयचेंय विधेयक त्या राज्याच्या विधानमंडळाचे मान्यतायेबगर संसदेंत मांडूंक मेळचें ना.'

(ख) स्पश्टीकरण 1 आनी स्पश्टीकरण 2 काडून उडोवपाचीं.

(3) भाग 2

- (क) हो भाग जम्मू-काश्मीर राज्याच्या संबंधांत 26 जानेवारी, 1950 सावन लागू जाला अशें धरतलें.
- (ख) कलम-7-सकयले आनीक एक परंतुक घालप, तें म्हळ्यार -

'परंतु आनीक अशें की ह्या कलमांतली खंयचीय गजाल जम्मू-काश्मीर राज्याच्या अशा खंयच्याच स्थायी रावप्याक लागू जांवची ना, जो अशें राज्यक्षेत्र ह्या वेळार पाकिस्तानांत आस्पावता थंय रावता पूण प्रवास केले उपरांत त्या राज्याच्या अशा पूण राज्यक्षेत्रांत अशे मान्यतायेउपरांत परतला जें क्षेत्र पुनर्वासाखातीर अथवा स्थायी रूपान पर्तुपाखातीर त्या राज्याच्या विधानमंडळावरवीं अथवा ताचे अधीनतायेन दिलां, तेचपरीं अशा दरेका नागरिकाक भारतीय नागरीक अशें मानतले.'

(4) भाग 3

(क) कलम -13-संविधानाच्या आरंभाक लेखून आशिल्ल्या निर्देशांचो अर्थ, ते संविधान जम्मू-काश्मीर राज्याक लागू जावप) आदेश 1954 (सं.आ.48)चो आरंभ, म्हळ्यार 14 मे, 1954 कडेन निर्देश आसात, असो लायतले.

- (c) Article 16. In clause (3), reference to the State shall be construed as not including a reference to the State of Jammu and Kashmir.
 - (d) Article 19. —
 - (A) In clause (1), -
 - (i) In sub-clause (e), omit "and" at the end;
 - (ii) After sub-clause (e), insert the following clause, namely: —
 - "(f) To acquire, hold and dispose of property; and";
 - (B) In clause (5), for "sub-clauses (d) and (e)", substitute "sub-clauses (d), (e) and (f)".
- (e) Article 22. In clauses (4) and (7), for "Parliament", substitute "the Legislature of the State".
 - (f) Article 30. Omit clause (1A).
 - (g) After article 30, insert the following, namely: "Right to Property

Right to Property

- 31. Compulsory acquisition of property. (1) No person shall be deprived of his property save by authority of law.
- (2) No property shall be compulsorily acquired or requisitioned save for a public purpose and save by authority of a law which provides for acquisition or requisitioning of the property for an amount which may be fixed by such law or which may be determined in accordance with such principles and given in such manner as may be specified in such law; and no such law shall be called in question in any court on the ground that the amount so fixed or determined is not adequate or that the whole or any part of such amount is to be given otherwise than in cash:

Provided that in making any law providing for the compulsory acquisition of any property of an educational institution established and administered by a minority, referred to in clause (1) of article 30, the State shall ensure that the amount fixed by or determined under such law for the acquisition of such property is such as would not restrict or abrogate the right guaranteed under that clause.

- (2A) Where a law does not provide for the transfer of the ownership or right to possession of any property to the State or to a Corporation owned or controlled by the State, it shall not be deemed to provide for the compulsory acquisition or requisitioning of property, notwithstanding that it deprives any person of his property.
- (2B) Nothing in sub-clause (f) of clause (1) of article 19 shall affect any such law as is referred to in clause (2).
 - (5) Nothing in clause 2 shall affect—
 - (a) The provisions of any existing law; or the provisions of any law which the State may hereafter make-
 - (i) For the purpose of imposing or levying any tax or penalty; or

- (ग) कलम 16 उपकलम (3)त, राज्यांक लेखून आशिल्ल्या निर्देशाचो अर्थ, ताचेखाला जम्मू-काश्मीर राज्याक लेखून निर्देश ना, असो लायतले.
 - (घ) कलम 19
 - (अ) उपकलम (1) हातूंत –
 - (i) उप-उपकलम (ह) त अखेरेचें 'आनी' काडून उडोवपाचें;
 - (ii) उप-उपकलम (ङ) चे उपरांत सकयलें उपकलम घालपाचें, तें म्हळ्यार:-
 - '(च) संपत्तीचें अर्जन, धारण आनी विलो हांचें; आनी ',
- (आ) उपकलम (5) हांतूत, 'उप-उपकलम (घ) आनी उप-उपकलम (ङ) हांचे सुवातेर 'उप-उपकलम' (घ), उप-उपकलम (ङ) आनी उप-उपकलम (च)' दवरपाचीं.
 - (ङ) कलम 22 उपकलम (4) आनी (7) हातूंत, 'संसद' चे सुवातेर 'राज्य-विधानमंडळ' दवरपाचें.
 - (च) कलम 30 उपकलम (1क) काडून उडोवपाचें.
 - (छ) कलम 30 चे उपरांत सकयलो मजकूर घालपाचो, तो म्हळ्यार :--

'संपत्तेचो अधिकार'

- 31. **संपत्तीचें सक्तीचें अर्जन** (1) खंयचीच व्यक्ती कायद्याच्या प्राधिकाराबगर तिका आपले संपत्तीपसून वंचीत केली अशें जावंचें ना.
- (2) खंयचीय संपत्ती, भौशीक प्रयोजनाखातीरूच आनी फकत अशा कायद्याच्या प्राधिकारान अर्जीत करतले अथवा अधिगृहीत करतले जे संपत्तीच्या अर्जनाचो अथवा अधिग्रहणाचो उपबंध करता, तोवूय अशा मोलाचेबदला जें त्या कायद्यावरवीं थारायतले आनी अशे रितीन दितले जी कायद्यांत दाखयल्या आनी अशा कसल्याय कायद्याचेर आधारून खंयच्याच न्यायालयांत कसलोच वाद करचे नात की अशें पुराय मोल अथवा ताचो खंयचोय वांटो रोख दिलोना अथवा हेर तरेन दिवपासारको आसा.

परंतु कलम 30 चें उपकलम (1) हातूंत दाखयल्ल्या खंयच्याय अल्पसंख्यांक वर्गावरवीं स्थापीत आनी प्रशासीत खंयचेय शिक्षणसंस्थेचे संपत्तीचें सक्तीचें अर्जन करपाखातीरचे उपबंध करपाचो कायदो करपा वेळार राज्य अशें निश्चीत करतलें की अशे संपत्तीच्या अर्जनाखातीरच्या असल्या कायद्याचे अधीनतायेन दिल्ल्या अधिकाराक निर्बंधीत अथवा रद्द करचें ना.

- (2क) जंय कायदो खंयचेय संपत्तीच्या धनीपणाच्या, अथवा ताब्यांत घेवपाच्या अधिकाराचें हस्तांतरण, राज्य अथवा खंयच्याय असल्या निगमाकडेन, जें राज्याचें धनीपण अथवा नियंत्रण हांचे अधीनतायेन आसा, करपाक उपबंध करीना तेन्ना ताकालागून खंयचीय व्यक्ती आपणाले संपत्तीपसून वंचीत जाता अशी गजाल आसल्यारूय तेसंबंदांत ती गजाल संपत्तीचें सक्तीचें अर्जन अथवा अधिग्रहणाखातीर उपबंध करता अशें तेविशीं धरचे नात.
- (2ख) कलम 19 चें उपकलम (1) चों उप-उपकलम (च) हांतूतली खंयचीय गजाल उपकलम (2) त आशिल्ले खंयचेयच गजालीचेर परिणाम करची ना.
 - (5) उपकलम (2) तली खंयचीच गजाल
 - (क) खंयच्याय असल्या कायद्याच्या उपबंधांचेर, जाका राज्य —
 - (i) कसलोय कर अथवा दंड लावपाखातीर अथवा वसुलेखातीरच्या प्रयोजनाखातीर; अथवा

- (ii) For the promotion of public health or the prevention of danger to life or property; or
- (iii) With respect to property declared by law to be evacuee property.".

(h) After article 31, omit the following sub-heading, namely: -

"Saving of Certain Laws"

- (i) Article 31A. —
- (A) In clause (1), —
- (i) For "article 14 or article 19", substitute "article 14, article 19 or article 31";
- (ii) Omit the first proviso to clause (1);
- (iii) In the second proviso omit "further";
- (B) In clause (2), for sub-clause (a), substitute the following sub-clause, namely: —
- (a) "Estate" shall mean land, which is occupied or has been let for agricultural purposes or for purposes subservient to agriculture, or for pasture, and includes-
 - (i) Sites of buildings and other structures on such land;
 - (ii) trees standing on such land;
 - (iii) forest land and wooded waste;
 - (iv) area covered by or fields floating over water;
 - (v) sites of jandars and gharats;
 - (vi) Any jagir, inam, muafi or mukarrari or other similar grant,

But does not include-

- (i) The site of any building in any town, or town area or village abadi or any land appurtenant to any such building or site;
 - (ii) Any land which is occupied as the site of a town or village; or
- (iii) Any land reserved for building purposes in a municipality or notified area or cantonment or town area or any area for which a town planning scheme is sanctioned;'.
 - (j) Article 31C. This article is not applicable to the State of Jammu and Kashmir.
 - (k) Article 32. Omit clause (3).
 - (I) Article 35. —
- (A) References to the commencement of the Constitution shall be construed as references to the commencement of the Constitution (Application to Jammu and Kashmir) Order, 1954 (C.O. 48), i.e., the 14th day of May, 1954;
 - (B) In clause (a) (i), omit "clause (3) of article 16, clause (3) of article 32";

- (ii) भौशीक भलायकेचे वाडीखातीर अथवा प्राण तशेंच संपत्तीच्या संकट निवारणाखातीर; अथवा
- (iii) अशे संपत्तीच्या संबंदांत, जी कायद्यावरवीं निर्वासीत संपत्ती म्हूण घोशीत केल्या, ताचें उपरांत केल्या, तांचेर कांयच परिणाम करची ना.'
 - (ज) कलम 31 चे उपरांत, सकयलें उपशीर्शक काडून उडयतले, तें म्हळ्यार :-

'थोड्या कायद्यांचो आडवाद'

- (झ) कलम 31 क -
- (अ) उपकलम (1) हातूंत -
- (i) 'कलम 14 अथवा कलम 19' चे सुवातेर 'कलम 14, कलम 19 आनी कलम 31' घालतले;
- (ii) उपकलम (1) चे पयलींचें परंतुक काडून उडयतलें;
- (iii) दुसऱ्या परंतुकांत 'आनीक अशें की' चे सुवातेर 'अशें की' दवरतले;
- (आ) उपकलम (2) हातूंत उप-उपकलम (क) चे सुवातेर सकयलें उप-उपकलम घालचें, तें म्हळ्यार:-
- (क) 'संपत्ती' म्हळ्यार अशी भूंय धरतले जी शेतकामाच्या प्रयोजनाखातीर अथवा कृषिसंबंदींच्या प्रयोजनाखातीर अथवा चरवाखातीर वापरपासारकी आसा अथवा खंडाक दिल्या आनी ताचेखाला सकयल्यो गजाली आसपावतात, त्यो म्हळ्यार:—
 - (i) तें भूंयेचेर आशिल्ल्यो घरांच्यो सुवातो आनी हेर बादकामां;
 - (ii) ते भुयेंर आशिल्लीं झाडांपेडां;
 - (iii) रानवट जमीन आनी हेर पडीक भूंय;
 - (iv) उदकान धांपिल्ल्यो सुवातो आनी उदकाचेर उफेवपी शेतां;
 - (v) 'जंदर' आनी 'घराट' सुवातो;
 - (vi) खंयचीय 'जागीर' 'इनाम', 'मुआफी' अथवा 'मुकर्ररी' अथवा हे तरेचें दुसरें कसलेंय अनुदान ; पूण हांचेखाला सकयल्यो गजाली आस्पावनातः-
- (i) खंयचेंय नगर, अथवा नगरक्षेत्र अथवा गांव 'आबादी' हातूंतलें खंयचेंय भवन-स्थळ अथवा असलें कसलेंय भवन अथवा थळ हांकां लागून आशिल्ली जमीन;
 - (ii) खंयचीय जमीन जी खंयच्याय नगर अथवा गांव हांच्या थळाच्या रूपांत आसा, अथवा
- (iii) खंयचीय नगरपालिका अथवा अधिसूचित क्षेत्र अथवा छावणी, अथवा नगरक्षेत्र, अथवा जाचेखातीर कसलीय नगरयेवजण मानून घेतल्या अशें क्षेत्र अथवा भवन बांदचेखातीर राखून दवरिल्ली खंयचीय जमीन,
 - (ञ) कलम 31ग हें कलम जम्मू-काश्मीर राज्याक लागू जायना.
 - (ट) कलम 32 उपकलम (3) काडून उडोवंचें.
 - (ठ) कलम 35 -
- (अ) संविधानाच्या आरंभाक लेखून जे निर्देश आसात तांचो अर्थ, ते संविधान (जम्मू-काश्मीर राज्याक लागू जावप) आदेश, 1954 (सं.आ.48) च्या आरंभाक म्हळ्यार 14 मे, 1954 लेखून आसात असो लायतले;
- (आ) उपकलम (क) (त) हातूंत, 'कलम 16 चें उपकलम (3), कलम 32 चें उपकलम (3) 'काडून उडोंवचीं; आनी

- (C) After clause (b), add the following clause, namely: -
- "(c) No law with respect to preventive detention made by the Legislature of the State of Jammu and Kashmir, whether before or after the commencement of the Constitution (Application to Jammu and Kashmir) Order, 1954, shall be void on the ground that it is inconsistent with any of the provisions of this Part, but any such law shall, to the extent of such inconsistency, cease to have effect on the expiration of twenty-five years from the commencement of the said Order, except as respects things done or omitted to be done before the expiration thereof."
 - (m) After article 35, add the following article, namely: —
- "35A. Saving of laws with respect to permanent residents and their rights. Notwithstanding anything contained in this Constitution, no existing law in force in the State of Jammu and Kashmir, and no law hereafter enacted by the Legislature of the State, -
- (a) Defining the classes of persons who are, or shall be, permanent residents of the State of Jammu and Kashmir; or
- (b) Conferring on such permanent residents any special rights and privileges or imposing upon other persons any restrictions as respects-
 - (i) Employment under the State Government;
 - (ii) Acquisition of immovable property in the State;
 - (iii) Settlement in the State; or
 - (iv) Right to scholarships and such other forms of aid as the State Government may provide,

Shall be void on the ground that it is inconsistent with or takes away or abridges any rights conferred on the other citizens of India by any provision of this Part.".

- (5) PART 4. This part is not applicable to the State of Jammu and Kashmir.
- (6) PART 4A. This part is not applicable to the State of Jammu and Kashmir.
- (7) PART 5.
 - (a) Article 55. -
- (A) For the purposes of this article, the population of the State of Jammu and Kashmir shall be deemed to be sixty-three lakhs;
 - (B) In the Explanation omit the proviso.
 - (b) Article 81. For clauses (2) and (3), substitute the following clauses, namely: -
 - "(2) For the purposes of sub-clause (a) of clause (1), -
 - (a) There shall be allotted to the State six seats in the House of the People:
- (b) The State shall be divided into single-member territorial constituencies by the Delimitation Commission constituted under the Delimitation Act, 1972, in accordance with such procedure as the Commission may deem fit;
- (c) The constituencies shall, as far as practicable, be geographically compact areas, and in delimiting them regard shall be had to physical features, existing boundaries of administrative units, facilities of communication and public convenience; and

- (इ) उपकलम (ख) चें उपरांत, सकयलें उपकलम जोडचें, तें म्हळ्यार :-
- '(ग) संविधान (जम्मू-काश्मीराक लागू जावप) आदेश, 1954 च्या आरंभापयलीं अथवा उपरांत, प्रतिबंधात्मक स्थानबद्धतायेच्या संबंदांत जम्मू-काश्मीर राज्याच्या विधानमंडळान केल्लो खंयचोच कायदो, तो ह्या भागाच्या खंयच्याय उपबंधांकडेन विसंगत आसा इतल्याच कारणावेल्यान शून्य थारचो ना पूण असलो कसलोय कायदो वयल्या आदेशाच्या आरंभासावन पंचवीस वर्सां सोंपतकच, अशे विसंगतीचे शीमेमेरेन, हो काळ सोंपचेपयलीं तो कायदो केला अथवा करपाचें येवजिलां जाल्यार ह्या गजालींबगर तो परिणामशून्य थारतलो.'
 - (ड) कलम 35 चे उपरांत सकयलें कलम जोडचें, तें म्हळ्यार :--

'35 क. स्थायी रावपी आनी तांच्या हक्कासंबंदींच्या कायद्यांतले आडवाद - ह्या संविधानात किदेंय आसलें तरी, जम्मू-काश्मीर राज्यांत लागू आशिल्लो खंयचोय असो कायदो आनी हाचेउपरांत राज्याच्या विधानमंडळांत अधिनियमीत केल्लो असो खंयचोय कायदो –

- (क) जो, जे जम्मू-काश्मीर राज्याचे स्थायी रावपी आसात अथवा जातले त्या व्यक्तींची परिभाशा सांगता -
- (ख) जो -
- (i) राज्य सरकाराचे अधीनतायेन नियोजन;
- (ii) राज्यांतले स्थावर संपत्तीचें अर्जन;
- (iii) राज्यांत स्थायीक जावप; अथवा
- (iv) वृत्ती अथवा असल्या हेर तरेच्या पालवाखातीरचे हक्क.

हांचेसंबंदांत अशा स्थायीक रावप्यांक कसलेंय खाशेले हक्क अथवा विशेशाधिकार दिता अथवा हेर व्यक्तींचेर कसलेय निर्बंध घालता, देखून ह्या भागाच्या खंयच्याय उपबंधांवरवीं भारताच्या हेर नागरिकांक दिल्ल्या कसल्याय हक्कांकडेन विसंगत आसा अथवा ते हक्क काडून घेता अशें जाता इतल्याच कारणावेल्यान तो शून्य थारचो ना.'

- (5) भाग 4 हो भाग जम्मू काश्मीर राज्याक लागू जायना,
- (6) भाग 4क हो भाग जम्मू-काश्मीर राज्याक लागू जायना.
- (7) भाग 5 -
 - (क) कलम 55
 - (अ) ह्या कलमाच्या प्रयोजनाखातीर जम्मू-काश्मीर राज्याची लोकसंख्या त्रेसष्ट लाख अशें मानतलें;
 - (आ) स्पश्टीकरणांतलें परन्तुक काडून उडोवंचें.
 - (ख) कलम 81 उपकलम (2) आनी (3) चे सुवातेर सकयलें उपकलम घालचें, तें म्हळ्यार :-
 - '(2) उपकलम (1) च्या उप-उपकलम (क) च्या प्रयोजनांखातीर –
 - (क) लोकसभेंत राज्याखातीर स सुवातो वांटून दितले;
- (ख) परिसीमन अधिनियम, 1972 चे अधीनतायेन घडयल्ल्या परिसीमन आयोगावरवीं राज्यांक हे प्रक्रियेप्रमाण, आयोग योग्य धरीत तेप्रमाण, एका वांगड्याच्या प्रादेशीक मतदारसंघांनीं वांट्रन घालतले;
- (ग) मतदारसंघ, जाता ते परीन, भौगोलीक रूपान सलग वाठार आसतले आनी तांचें परिसीमन करता आसतना सैमिक खाशेलपणां, प्रशासनीक एकमांच्यो सध्यांच्यो शीमो, संचाराचीं सोपेपणां आनी लोकांच्यो सोयसुविधा मतींत घेतले;

- (d) The constituencies into which the State is divided shall not comprise the area under the occupation of Pakistan.
- (3) Nothing in clause (2) shall affect the representation of the State in the House of the People until the dissolution of the House existing on the date of publication in the Gazette of India of the final order or orders of the Delimitation Commission relating to the delimitation of parliamentary constituencies under the Delimitation Act, 1972.
- (4) (a) The Delimitation Commission shall associate with itself for the purpose of assisting it in its duties in respect of the State, five persons who shall be members of the House of the People representing the State.
- (b) The persons to be so associated from the State shall be nominated by the Speaker of the House of the People having due regard to the composition of the House.
- (c) The first nominations to be made under sub-clause (b) shall be made by the Speaker of the House of the People within two months from the commencement of the Constitution (Application to Jammu and Kashmir) Second Amendment Order, 1974.
- (d) None of the associate members shall have a right to vote or to sign any decision of the Delimitation Commission.
- (e) If owing to death or resignation, the office of an associate member falls vacant, it shall be filled as soon as may be practicable by the Speaker of the House of the People and in accordance with the provisions of sub-clauses (a) and (b).".
 - (c) Article 82. Omit the second and third provisos.
- (d) Article 105. In clause (3), for "shall be those of that House and of its members and committees immediately before the coming into force of section 15 of the Constitution (Forty-fourth Amendment) Act, 1978" substitute "shall be those of the House of Commons of the Parliament of the United Kingdom, and of its members and committees, at the commencement of this Constitution".
 - (e) For article 132, substitute the following article, namely: —
- 132. Appellate jurisdiction of Supreme Court in appeals from High Courts in certain cases. (1) An appeal shall lie to the Supreme Court from any judgment, decree or final order of a High Court in the territory of India, whether in a civil, criminal or other proceeding, if the High Court certifies that the case involves a substantial question of law as to the interpretation of this Constitution.
 - (2) Where the High Court has refused to give such a certificate, the Supreme Court may, if it is satisfied that the case involves a substantial question of law as to the interpretation of this Constitution, grant special leave to appeal from such judgment, decree or final order.
 - (3) Where such a certificate is given, or such leave is granted, any party in the case may appeal to the Supreme Court on the ground that any such question as aforesaid has been wrongly decided and, with the leave of the Supreme Court, on any other ground.

- (घ) राज्याक ज्या मतदारसंघानीं वांटून घालां त्या क्षेत्रांत सध्या पाकिस्तानाकडेन आशिल्ल्या क्षेत्रांचो आस्पाव जावंचोना.
- (3) जों मेरेन परिसीमन अधिनियम, 1972 चे अधीनतायेन संसदीय मतदारसंघाच्या परिसीमनासंबंदांत परिसीमन आयोगाचो निमणो आदेश अथवा निमणे आदेश भारताच्या राजपत्रांत उजवाडा येवपाचे तारकेक सध्यांचें सभाघर विघटीत जाल्लें नासत तोमेरेन उपकलम (2) तली खंयचीच गजाल लोकसभेंतल्या राज्याच्या प्रतिनिधीत्वाचेर कसलोच परिणाम करची ना.
- (4) (क) राज्यासंबदांत आपणालीं कर्तव्यां निभावपाच्या कामांत पालव दिवपाखातीर परिसीमन आयोग राज्याचें लोकसभेंत प्रतिनिधीत्व करपासारकेल्या पांच व्यक्तींक सहयोजीत करतलो.
- (ख) राज्याच्यो अशे तरेन सहयोजीत करतले त्यो व्यक्ती सभाघराचे रचणुकेचें स्वरूप बारीकसाणीन मतींत घेवन लोकसभेच्या अध्यक्षांवरवीं नियुक्त जातल्यो.
- (ग) उप-उपकलम (ख) चे अधीनतायेन जावपी पयलींच नेमणूक संविधान (जम्मू-काश्मिराक लागू, जावप) दुसरो बदल आदेश, 1974 चो आरंभ जावन दोन म्हयन्याभितर जातली.
- (घ) खंयच्याच सहयोजीत वांगङ्याक परिसीमन आयोगाच्या कसल्याच निर्णयांत मत दिवपाचो अथवा सय करपाचो अधिकार आसचो ना.
- (ङ) मर्ण अथवा राजिनाम्याच्या कारणान खंयच्याय सहयोजीत वांगडायांचे वांगडीपण रद्द जालें जाल्यार ती रिती सुवात उप-उपकलम (क) आनी (ख) च्या उपबंधांप्रमाण जाता तितले बेगीन लोकसभेच्या अध्यक्षाचेवरवीं भरतले.
 - (ग) कलम 82 दुसरें आनी तिसरें परंतुक काडून उडोवंचें.
- (घ) कलम 105 उपकलम (2) हातूंत 'तितलीच आसतली जी संविधान (चोवेचाळीसावो बदल) अधिनियम, 1976 चें कलम 15 लागू जावंचेपयलीं त्या सभाघराची आनी वांगङ्यांची आनी समित्यांची आशिल्ली' चे सुवातेर 'तितलीच आसतली जी ह्या संविधानाच्या आरंभाउपरांत युनायटेड किंगडमाच्या पार्लमेंटाच्या हावस ऑफ कॉमन्साची आनी ताच्या वांगङ्यांची आनी समित्यांचीं

आशिल्ली' इतलें दवरपाचें.

- (ङ) कलम 132 चे सुवातेंर सकयलें कलम दवरपाचें, तें म्हळ्यार :--
- '132. थोड्या प्रकरणांनी उच्च न्यायालयांकडेन अपीलांनी सर्वोच्च न्यायालयाची अपीली अधिकारिताय (1) एखादें उच्च न्यायालय जर प्रमाणीत करीत की त्या प्रकरणांत ह्या संविधांनाच्या संबंदांतलो खंयचोय कायद्याचो प्रस्न उप्रासता, जाल्यार भारताच्या राज्यक्षेत्रांतल्या खंयच्याय उच्च न्यायालयाच्या सिविल, दंड, फौजदारी, अथवा हेर कारवायेंत दिल्ल्या कसल्याय निर्णय, डिक्री अथवा निमणो आदेश हांचीं अपिलां सर्वोच्च न्यायालयांत जातलीं.
- (2) जंय उच्च न्यायालयान अशें प्रमाणपत्र दिवपाक न्हयकार दिल्लो आसत थंय, सर्वोच्च न्यायालयाचें जर त्या प्रकरणासंबदांत ह्या संविधानांतल्या कायद्याचो प्रस्न उप्रासता अशें समाधान जायत जाल्यार सर्वोच्च न्यायालयाच्यान असलो निर्णय, डिक्री अथवा निमणो आदेश हांच्या अपिलाखातीर विशेश संमती दिवं येता.
- (3) जंय अशें प्रमाणपत्र अथवा अशी परवानगी दिल्या आसत थंय त्या प्रकरणांत,पयलींच्या वयल्या कसल्याय प्रस्नासंबंदांत चुकीचो निर्णय जाला अथवा सर्वोच्च न्यायालयाचे संमतीन खंयच्याय पक्षकाराच्यान ह्या आधाराचेर सर्वोच्च न्यायालयांत अपील करूं येता.

Explanation. — For the purposes of this article, the expression "final order" includes an order deciding an issue which, if decided in favour of the appellant, would be sufficient for the final disposal of the case.'

- (f) Article 133. -
- (A) In clause (1), omit "under article 134A";
- (B) After clause (1), insert the following clause, namely: —
- (1A) The provisions of section 3 of the Constitution (Thirtieth Amendment) Act, 1972, shall apply in relation to the State of Jammu and Kashmir subject to the modification that references therein to "this Act", "the commencement of this Act", "this Act had not been passed" and "as amended by this Act" shall be construed respectively as references to "the Constitution (Application to Jammu and Kashmir) Second Amendment Order, 1974", "the commencement of the said Order", "the said Order had not been made" and "as it stands after the commencement of the said Order".'
 - (g) Article 134. -
 - (A) In clause (1), in sub-clause (c), omit "under article 134A";
 - (B) In clause (2), after "Parliament may" insert "on the request of the Legislature of the State".
- (h) Articles 134A, 135, 139 and 139A. These articles are not applicable to the State of Jammu and Kashmir.
 - (i) Article 145. In clause (1), omit sub-clause (cc).
- (j) Article 150. For "as the President may, on the advice of the Comptroller and Auditor-General of India, prescribe" substitute "as the Comptroller and Auditor-General of India may, with the approval of the President prescribe".

(8) PART 6.

- (a) Omit articles 153 to 217, article 219, article 221, articles 223, 224, 224A and 225, articles 227 to 233, article 233A and articles 234 to 237.
- (b) Article 220. References to the commencement of the Constitution shall be construed as references to the commencement of the Constitution (Application to Jammu and Kashmir) Amendment Order, 1960, i.e., the 26th January, 1960.
 - (c) Article 222. After clause (1), insert the following clause, namely: -
- "(A) Every such transfer from the High Court of Jammu and Kashmir or to that High Court shall be made after consultation with the Governor."
 - (d) Article 226. ---
 - (A) Renumber clause (2) as clause (1A);
 - (B) Omit clause (3):
- (C) Renumber clause (4) as clause (2); and in clause (2) as so renumbered, for "this article" substitute "clause (1) or clause (1A)".
- (9) PART 8. This part is not applicable to the State of Jammu and Kashmir.

स्पश्टीकरण – ह्या कलमाच्या प्रयोजनाखातीर 'निमणो निर्णय' हातूंत असल्या विवादात्मक आदेशाचो आस्पाव जाला आसत तर अपीलांच्या पक्षान तशें पटोवन दिलें जाल्यार, त्या प्रकरणाचो निर्णय करपाक फावोशी गजाल म्हणूं येता.'

- (च) कलम 133 -
- (अ) उपकलम (1) हातूंतली 'कलम 134क चे अधीनतायेन 'हीं उतरां काडचीं.
- (आ) उपकलम (1) चे उपरांत, सकयलें उपकलम घालचें, तें म्हळ्यार :-
- '(1क) संविधान (तीसावो बदल) अधिनियम, 1972 चो अनुभाग 3 चे उपबंध जम्मू-काश्मीर राज्याच्या संबंदांत ह्या फेरफरांचे अधीनतायेन लागू जातले की तातूंत 'ह्या अधिनियमांत,' 'ह्या अधिनियमाचो आरंभ,' हो अधिनियम पास करूंक नासत जाल्यार, 'ह्या अधिनियमावरवीं योग्य ते फेरफार जावन त्या उपकलमाच्या उपबंधांक.' हांका लेखून जे निर्देश आसात ताचो अर्थ, ते क्रमान 'संविधान (जम्मू-काश्मीराक लागू जावप) दुसरो बदल आदेश , 1974,' वयल्या आदेशाचो आरंभ,' 'वयलो आदेश पास करूंक नासत जाल्यार ' आनी 'वयल्या उपकलमाच्या उपबंधांक, जशेपरीं ते वयल्या आदेशाच्या आरंभाचे उपरांत 'हांकां लेखून आसा असो लायतले.'
 - (छ) कलम 134 -
 - (अ) उपकलम (1) चें उपकलम (ग) हातूंत 'कलम 134 क चे अधीनतायेन' हें काडून उडोंवचें.
 - (आ) उपकलम (2) त 'संसद' चे उपरांत 'राज्याच्या विधान-मंडळाचे विनंतेवेल्यान' घालचें.
 - (ज) कलम 134 क, 139 आनी 139 क हीं कलमां जम्मू काश्मीरांक लागू जायनात.
 - (झ) कलम 145 उपकलम (1) तलें उप-उपकलम (ग ग) काडून उडोवंचें.
- (ञ) कलम 150 'जें राष्ट्रपती, भारताचो नियंत्रक महालेखा परीक्षक हाच्या सल्ल्यावेल्यान विहीत करीत चे सुवातेर 'जो भारताचो नियंत्रक महालेखा परीक्षक राष्ट्रपतीच्या अनुमोदनान, विहीत करीत' अशें वरचें.

(8) भाग 6

- (क) कलम 153 ते 227 मेरेन, कलम 219, कलम 221, कलम 223, 224, 224अ आनी 225 तशेंच कलम 227 ते 233, कलम 233 अ आनी कलम 234 ते 237 मेरेनचीं काडून उडोंवचीं.
- (ख) कलम 220 संविधानाच्या आरंभासंबंदीं आशिल्ल्या निर्देशांचो अर्थ, ते संविधान (जम्मू काश्मीराक लागू जावप) आदेश, 1960 चो आरंभ, अर्थात् 26 जानेवारी, 1960 हातूंतल्या निर्देशांक लेखून आसा, असो लायतले.
 - (ग) कलम 222 उपकलम (1) चे उपरांत, सकयलो मजकूर घालचो, तो म्हळ्यार :-
- '(क) जम्मू काश्मिराच्या उच्च न्यायालयासावन अथवा त्या न्यायालयाक जाल्लें दरेक स्थलांतरण राज्यपालाकडेन विचारविनिमय केलेउपरांतूच करतले;
 - (घ) कलम 226 -
 - (अ) उपकलम (2) क उपकलम (1क) च्या रूपान पर्थून संख्यांकीत करचें.
 - (आ) उपकलम (3) काडून उडोंवचें.
- (इ) उपकलम (4) क उपकलम (2) च्या रूपान पर्तून संख्यांकीत करचें आनी अशे तरेन पुनर्संख्यांकीत उपकलम (2) त 'ह्या कलमा' चे सुवातेर 'उपकलम (1) अथवा (1क)' दवरचें.
- (9) भाग 8 हो भाग जम्मू-काश्मीर राज्याक लागू जायना.

- (10) PART 10. This part is not applicable to the State of Jammu and Kashmir.
- (11) PART 11.
 - (a) Article 246. —
 - (A) In clause (1), for "clauses (2) and (3)" substitute "clause (2)";
 - (B) In clause (2), omit "Notwithstanding anything in clause (3),";
 - (C) Omit clauses (3) and (4).
 - (b) For article 248, substitute the following article, namely: -
- 248. Residuary powers of legislation. Parliament has exclusive power to make any law with respect to—
- (a) Prevention of activities involving terrorist acts directed towards overawing the Government as by law established or striking terror in the people or any section of the people or alienating any section of the people or adversely affecting the harmony amongst different sections of the people;
- (aa) Prevention of other activities directed towards disclaiming, questioning or disrupting the sovereignty and territorial integrity of India or bringing about cession of a part of the territory of India or secession of a part of the territory of India from the Union or causing insult to the Indian National Flag, the Indian National Anthem and this Constitution; and
 - (b) Taxes on—(i) Foreign travel by sea or air;
 - (ii) Inland air travel;
 - (iii) Postal articles, including money orders, phonograms and telegrams.

Explanation. — In this article, "terrorist act" means any act or thing by using bombs, dynamite or other explosive substances or inflammable substances or firearms or other lethal weapons or poisons or noxious gases or other chemicals or any other substances (whether biological or otherwise) of a hazardous nature.'.

- (c) Article 249, to be omitted.
- (d) Article 250. For "to any of the matters enumerated in the State List" substitute "also to matters not enumerated in the Union List".
 - (e) Article 251 —

Article 250 to be substituted for Article 249 and Article 250

(f) Article 253. — Add the following proviso, namely: —

"Provided that after the commencement of the Constitution (Application to Jammu and Kashmir) Order, 1954, no decision affecting the disposition of the State of Jammu and Kashmir shall be made by the Government of India without the consent of the Government of that State."

(10) भाग 10 – हो भाग जम्मू-काश्मीर राज्याक लागू जायना.

(11) भाग 11 -

- (क) कलम 246 -
- (अ) उपकलम (1) हातूंत 'उपकलम (2) आनी उपकलम (3)' चे सुवातेर 'उपकलम (2)' दवरचें.
- (आ) उपकलम (2) त 'उपकलम (3) त किर्देय आसलें तरीं' काडून उडोवंचें.
- (इ) उपकलम (3) आनी उपकलम (4) काडून उडोवंचीं.
- (ख) कलम 248 चे सुवातेर सकयलें कलम दवरचें, तें म्हळ्यार :--
- '248. अवशीश्ट विधायी अधिकार संसदेक
- (क) कायद्यावरवीं स्थापन केल्ल्या सरकाराक उचांबळीत करपी अथवा लोक

अथवा लोकांच्या खंयच्याय वर्गांत उचांबळाय करपी अथवा लोकांच्या खंयच्याय विंगड विंगड वर्गांमदीं आशिल्ले समजिकायेचेर प्रतिकूल परिणाम करपी आकांतवादी कर्तुबांक उत्तेजन दिवपी कर्तुबांक आडावपांच्या संबंदांत;

(कक) भारताचें सार्वभौमत्व तशेंच प्रादेशीक अखंडताय मानीनासतना रावप, प्रश्नास्पद करप अथवा विच्छीन्न करप अथवा भारताच्या खंयच्याय भागाचें अध्वर्जन करून घेवपाक अथवा भारताच्या खंयच्याय भागाक वेगळावन घेवप अथवा भारताचो राष्ट्रध्वज, भारतीय राष्ट्रगीत आनी ह्या संविधानाचो अवमान करपी हेर कर्तुबांक आळाबंद घालपाच्या संबंदांत, आनी

- (ख) (i) दर्या अथवा वायुवरवीं विदेश भोंवडेर,
- (ii) अंतर्देशीय हवाई भोंवडेंचेर ;
- (iii) मनिऑर्डर, फोनतार, आनी तार हांकां एकठांय करून, टपालवस्तूंचेर;

कर लावपाच्या संबंदांत कायदे करपाचो हेर अधिकार आसा.

स्पष्टीकरण — ह्या कलमांत, 'आकांतवादी कर्तुबां' मदीं बॉमगुळे, डायनेमायट अथवा हेर विस्फोटक जिनसांचो अथवा ज्वालाग्राही पदार्थांचो अथवा जळोवपी अथवा हेर प्राणघातक आयुधांचो अथवा विखांचो अथवा अपायकारक वायूंचो तशेंच हेर रसायनां अथवा हेर घातक जिनसांचो (ते मागीर सैमी आंसूं अथवा हेर तरेन) उपयोग करपी खंयच्याय कर्तुबाचो आस्पाव जाता.

- (ग) कलम 249 काडून उडोंवचें.
- (घ) कलम 250 'राज्य वळेरेंत प्रमाणीत केल्ल्या खंयच्याय विशयासंबंदीं 'चे सुवातेर'संघ-वळेरेंत प्रमाणीत करूंक नाशिल्ल्या विशयांसंबंदींय' दवरचें.
 - (ङ) कलम 251 -

'कलम 249 आनी कलम 250' चे सुवातेर 'कलम 250' दवरचें.

(च) कलम 253 त सकयलें परंतुक जोडचें, तें म्हळ्यार :--

'परंतु, संविधान (जम्मू-काश्मिराक लागू जावप) आदेश, 1954 च्या आरंभाउपरांत, जम्मू - काश्मीर राज्याविशीं वेवस्थेचेर परिणाम करपी कसलोय निर्णय भारत सरकारावरवीं त्या राज्याच्या सरकाराचे संमतीनूच घेतले.'

- (g) Omit article 255.
- (h) Article 256. Renumber this article as clause (1) thereof, and add the following new clause thereto, namely: —

"The State of Jammu and Kashmir shall so exercise its executive power as to facilitate the discharge by the Union of its duties and responsibilities under the Constitution in relation to that State; and in particular, the said State shall, if so required by the Union, acquire or requisition property on behalf and at the expense of the Union, or if the property belongs to the State, transfer it to the Union on such terms as may be agreed, or in default of agreement, as may be determined by an arbitrator appointed by the Chief Justice of India."

(i) Article 261. — In clause (2), omit "made by Parliament".

(12) PART 12.

- (a) Articles 266, 282, 284, 298, 299 and 300. In these articles references to the State or States shall be construed as not including references to the State of Jammu and Kashmir;
 - (b) Omit clause (2) of article 267, article 273, clause (2) of article 283 and article 290;
- (c) Articles 277 and 295. In these articles references to the commencement of the Constitution shall be construed as references to the commencement of the Constitution (Application to Jammu and Kashmir) Order, 1954, i.e., the 14th day of May, 1954.
 - (d) Omit the sub-heading "Chapter 4. Right to Property" and article 300A.
- (13) PART 13. In article 303, in clause (1), omit "by virtue of any entry relating to trade and commerce in any of the Lists in the Seventh Schedule".
- (14) PART 14. Except in article 312, reference to "State" in this Part does not include the State of Jammu and Kashmir.
 - (15) PART 14A. This Part is not applicable to the State of Jammu and Kashmir.
 - (16) PART 15. Article 324. -
- (a) In clause (1), the reference to the Constitution shall, in relation to elections to either House of the Legislature of Jammu and Kashmir, be construed as a reference to the Constitution of Jammu and Kashmir.
 - (b) Articles 325, 326 and 327. In these articles the references to a State shall be construed as not including a reference to the State of Jammu and Kashmir.
 - (c) Omit article 328.
 - (d) Article 329. -
 - (A) Reference to a State shall be construed as not including a reference to the State of Jammu and Kashmir;

- (छ) कलम 255 काडून उडोंवचें.
- (ज) कलम 256 क ताच्या उपकलम (1) च्या रूपान पुनर्संख्यांकीत करचें आनी तातूंत सकयलें उपकलम जोडचें, तें म्हळ्यार :-

'त्या राज्याच्या संबंदांत संविधानाचे अधीनतायेन संघाचीं कर्तव्यां आनी जापसालक्यो हांकां निभावप संघाक सोपें जांवचें अशे तरेन जम्मू-काश्मीर राज्य आपणालो कार्यपालीक अधिकार वापरतलें; आनी विशेशतायेन वयलें राज्य, जर संघाकडल्यान तशी अपेक्षा करीत जाल्यार, संघाचे वतीन आनी ताच्याच खर्चान संपत्तीचें अर्जन अथवा अधिग्रहण करतलें अथवा जर संपत्ती त्या राज्याची आसत जाल्यार करार पास जावन जांचेर निर्बंध आयल्यात अथवा करार नाशिल्ल्यान अडचणींत आयल्यात ते भारताच्या मुख्य न्यायमूर्तीवरवीं नेमिल्ल्या लवादाकडच्यान

सुटावे करपाखातीर संघाकडेन सोंपयतले.

(झ) कलम 261 – उपकलम (2) त 'संसदेवरवीं केल्ली' काडून उडोंवंचें.

(12) भाग 12

- (क) कलम 266, 282, 284, 298 आनी 300 ह्या कलमांनीं राज्याक अथवा राज्यांक लेखून आशिल्ल्या निर्देशांचो अर्थ, ताचेखाला जम्मू-काश्मीर राज्याक लेखून निर्देश ना, असो लायतले.
- (ख) कलम 267 चें उपकलम (2), कलम 273, कलम 283 चें उपकलम (2) आनी कलम 290 काडून उडोंवचीं.
- (ग) कलम 277 आनी 295 ह्या कलमांनी संविधानाच्या आरंभासंबंदीं आशिल्ल्या निर्देशांचो अर्थ, ते संविधान (जम्मू-काश्मिराक लागू जावप) आदेश, 1954 चो आरंभ म्हळ्यारूच 14 मे, 1954 क लेखून निर्देश, असो लायतले,
 - (घ) उपशीर्शक 'प्रकरण-4-संपत्तेचो हक्क' आनी कलम 300 क काडून उडोवंचीं.
- (13) भाग 13 कलम 303 चें उपकलम (1) हातूंत, 'सातवे अनुसुचयेंतल्या वळेऱ्यांमदले खंयचेय वळेरेंत वेपार आनी वाणिज्य हांचे संबंदांतले खंयचेय नोंदीच्या आदारार' काडून उडोवंचें.
- (14) **भाग 14** कलम 312 चे भायर ह्या भागांत 'राज्य' हाका लेखून निर्देश आसात तांचेखाला जम्मू-काश्मीर राज्य येना.
 - (15) भाग 14 क हो भाग जम्मू-काश्मीर राज्याक लागू जायना.
 - (16) भाग 15 कलम 324 -
 - (क) उपकलम (1) त, जम्मू-काश्मीराच्या विधानमंडळाच्या दोनूय घरांतल्या खंयच्याय एका घराचे वेंचणुकेच्या संबंधांत संविधानाक लेखून निर्देश आसा ताचो अर्थ, तो जम्मू-काश्मीराच्या संविधानाक लेखून आसा असो लायतले.
 - (ख) कलम 325, 326 आनी 227 ह्या कलमांत राज्याक लेखून निर्देश आसा ताचो अर्थ, ताचेखाला जम्मू काश्मीर राज्याक लेखून निर्देश ना, असो लायतले.
 - (ग) कलम 328 काडून उडोंवचें.
 - (घ) कलम 329 -
 - (अ) राज्याक लेखून निर्देश आसा ताचो अर्थ, ताचेखाला जम्मू-काश्मीर राज्याक लेखून निर्देश ना, असो लायतले.

(B) Omit "or article 328".

(17) PART 16. -

(a) Article 330

Original clause (a) omitted and clauses (b) and (c) relettered as clauses (a) and (b).

- (A) Omit "the administration of the Scheduled Areas and".
- (B) Omit Explanation
- (b) Omit articles 331, 332, 333, 336, 337, 339 and 342.
- (c) Articles 334 and 335. References to the State or the States shall be construed as not including references to the State of Jammu and Kashmir.

(18) PART 17. —

The provisions of this Part shall apply to the State of Jammu and Kashmir only in so far as they relate to-

- (i) The official language of the Union;
- (ii) The official language for communication between one State and another, or between a State and the Union; and
 - (iii) The language of the proceedings in the Supreme Court.

(19) PART 18. —

- (a) For article 352, substitute the following article, namely: —
- "352. Proclamation of Emergency. (1) If the President is satisfied that a grave emergency exists whereby the security of India or of any part of the territory thereof is threatened, whether by war or external aggression or internal disturbance, he may, by Proclamation, make a declaration to that effect.
 - (2) A Proclamation issued under clause (1) —
 - (a) May be revoked by a subsequent Proclamation;
 - (b) Shall be laid before each House of Parliament:
- (c) Shall cease to operate at the expiration of two months unless before the expiration of that period it has been approved by resolutions of both Houses of Parliament:

Provided that if any such Proclamation is issued at a time when the House of the People has been dissolved or the dissolution of the House of the People takes place during the period of two months referred to in sub-clause (c), and if a resolution approving the Proclamation has been passed by the Council of States but no resolution with respect to such Proclamation has been passed by the House of the People before the expiration of that period, the Proclamation shall cease to operate at the expiration of thirty days from the date on which the House of the People first sits after its reconstitution unless before the expiration of the said period of thirty days a resolution approving the Proclamation has been also passed by the House of the People.

(3) A Proclamation of Emergency declaring that the security of India or of any part of the territory thereof is thereatened by war or by external aggression or by internal disturbance may be made before the actual occurrence of war or of any such aggression or disturbance if the President is satisfied that there is imminent danger thereof.

(आ) 'अथवा कलम 328' काडून उडोवंचें.

(17) भाग 16

- (क) कलम 330
- (अ) 'अनुसूचित जनजातींक लेखून आशिल्ले निर्देश काडून उडोवंचे.
- (आ) स्पश्टीकरण काडून उडोंवंचें.
- (ख) कलम 331, 332, 333, 336, 337, 339 आनी 342 काडून उडोवंचीं.
- (ग) कलम 334 आनी 335 राज्य अथवा राज्यांक लेखून आशिल्ल्या निर्देशांचो अर्थ, तांचेखाला जम्मू-काश्मीर राज्याक लेखून निर्देश नात, असो लायतले.

(18) भाग 17

ह्या भागाचे उपबंध जम्मू-काश्मीर राज्याक फकत तितलेमेरेन लागू जातले जितलेमेरेन ते —

- (i) संघाची राजभास,
- (ii) एक राज्य आनी दुसरें राज्य हाचेमदीं अथवा खंयचेंय राज्य आनी संघ हांचेमदीं पत्रां इत्यादींची राजभास, आनी
 - (iii) सर्वोच्च न्यायलयांत कार्यवाहींची भास, हांचेकडेन संबंदीत आसा.

(19) भाग 18

- (क) कलम 352 चे सुवातेर सकयलें कलम घालचें, तें म्हळ्यार :-
- '352 आणीबाणीची घोशणा (1) जर राष्ट्रपतीक दिसत की गंभीर अरीश्ट आयलां अथवा देशाच्या क्षेत्राच्या खंयच्याय भागाचे आनी भारताचे सुरक्षेक अथवा अखंडतायेक धोको उप्रासला, ते मागीर झूज, परकी आगळीक अथवा अंतर्गत कलहाक लागून जांव, जाल्यार ताच्यान उद्घोशणेवरवीं त्या अर्थाची आणीबाणी लागू करूं येता.
 - (2) उपकलम (1) चे अधीनतायेन केल्ली उद्घोशणा –
 - (क) फुडले दुसरे उद्घोशणेवरवीं फाटीं घेवं येता;
 - (ख) संसदेच्या दरेका सभाघरामुखार दवरतले;
- (ग) दोन म्हयन्याचो अवधी सोंपचेपयली जर संसदेच्या दोनूय सभाघरांनी तिका मान्यतायेन अनुमोदन दिलेंना जाल्यार आपसुकूच ती रद्द जातली :

परंतु जर अशी उद्घोशणा, लोकसभा बरखास्त जाल्ली आसा अशा वेळार अथवा लोकसभेची बरखास्ती उप-उपकलम (ग) त निर्दीश्ट केल्ल्या दोन म्हयन्यांच्या कालावधीमदीं आनी जर उद्घोशणेक मान्यताय दिवपी थाराव राज्यसभेकडल्यान पास जाला पूण अशी उद्घोशणा लागू करपासंबंदींचो थाराव त्या कालावधींत लोकसभेन पास करूंक ना, अशें जाले जाल्यार ती उद्घोशणा, लोकसभा पुनर्गठीत जाले उपरांत पयलेंच फावट भरता ते उपरांत दीस सोंपतात ते तारकेसावन आनी जर तीस दिसांचो कालावधी सोंपचेपयलीं लोकसभेनूय उद्घोशणेकय मान्यताय दिली ना जाल्यार उद्घोशणा रद्द जातली.

(3) जर राष्ट्रपतीक, झूज अथवा भायली आगळीक अथवा अंतर्गत कलह हांकां लागून देशाचे सुरक्षेक आनी अखंडतायेक धोको उप्रासला अशें दिसत जाल्यार प्रत्यक्ष झूज, परकी आगळीक अथवा अंतर्गत - कलह सुरू जांवचेंपयलींय राष्ट्रपतीच्यान आणीबाणीची उद्घोशणा करूं येता.

- (4) The power conferred on the President by this article shall include the power to issue different Proclamations on different grounds, being war or external aggression or internal disturbance or imminent danger of war or external aggression or internal disturbance, whether or not there is a Proclamation already issued by the President under clause (1) and such Proclamation is in operation.
 - (5) Notwithstanding anything in the Constitution, -
- (a) The satisfaction of the President mentioned in clause (1) and clause (3) shall be final and conclusive and shall not be questioned in any court on any ground;
- (b) Subject to the provisions of clause (2), neither the Supreme Court nor any other Court shall have jurisdiction to entertain any question, on any ground, regarding the validity of-
 - (i) A declaration made by Proclamation by the President to the effect stated in clause (1); or
 - (ii) The continued operation of such Proclamation.
- (6) No Proclamation of Emergency made on grounds only of internal disturbance or imminent danger thereof shall have effect in relation to the State of Jammu and Kashmir (except as respects article 354) unless-
 - (a) It is made at the request or with the concurrence of the Government of that State; or
- (b) Where it has not been so made, it is applied subsequently by the President to that State at the request or with the concurrence of the Government of that State."
 - (b) Article 353, Omit the proviso.
 - (c) Article 356. —
- (A) In clause (1), reference to provisions or provision of this Constitution shall, in relation to the State of Jammu and Kashmir, be construed as including references to provisions or provision of the Constitution of Jammu and Kashmir;
 - (B) In clause (4), (i) For the opening portion, substitute the following, namely: —
- "A Proclamation so approved shall, unless revoked, cease to operate on the expiration of a period of six months from the date of the passing of the second of the resolutions approving the Proclamation under clause (3)";
- (C) For clause (5), substitute the following clause, namely: "(5) Notwithstanding anything in this Constitution, the satisfaction of the President mentioned in clause (1) shall be final and conclusive and shall not be questioned in any court on any ground.".
 - (d) Article 357. For clause (2), substitute the following clause, namely: —

"Any law made in exercise of the power of the Legislature of the State by Parliament or the President or other authority referred to in sub-clause (a) of clause (1) which Parliament or the President or such other authority would not, but for the issue of a Proclamation under article 356, have been competent to make shall, to the extent of the incompetency, cease to have effect on the expiration of a period of one year after the Proclamation has ceased to operate except as respects things done or omitted to be done before the expiration of the said period, unless the provisions which shall so cease to have effect are sooner repealed or re-enacted with or without modification by Act of the appropriate Legislature."

- (4) ह्या कलमाचे अधीनतायेन राष्ट्रपतीक मेळिल्ल्या अधिकाराखाला ताच्यान उपकलम (1) चे अधीनतायेन ताणे पयलीं लागू केल्ली उद्घोशणा अंमलांत आसली अथवा नासली तरी ताच्यान अंतर्गत कलह, झूज अथवा भायली आगळीक हांचें अरीश्ट लागीं आसाशें दिसल्यार वेगळ्या वेगळ्या आदाराचेर उद्घोशणा करूं येता.
 - (5) ह्या संविधानांत किदेंय आसलें तरी —
- (क) उपकलम (1) आनी उपकलम (3) हातूंत सांगिल्लें राष्ट्रपतीचें मत निमणे आनी निर्णायक आसतलें आनी ताका खंयच्याच आदाराचेर खंयच्याच न्यायालयांत प्रस्नास्पद करूंक मेळचेंना;
 - (ख) उपकलम (2) च्या उपबंधांचें अधीनतायेन सर्वोच्च न्यायालयाक तशेंच हेर खंयच्याच न्यायालयाक-
 - (i) राष्ट्रपतीन केल्ले उपकलम (1) त सांगिल्ले प्रमाण केल्ले उद्घोशणेसंबंदांत; अथवा
- (ii) अशी उद्घोशणा लागू आसपासंबंदांत अथवा तिच्या कायदेशीरपणासंबंदांत खंयच्याच आधाराचेर खंयचोच प्रस्न हाताळपाची अधिकारिताय आसची ना.
- (6) फकत अंतर्गत कलह अथवा तशें अरीश्ट लागीं दिसता ह्या आदाराचेर केल्ली आणीबाणीची उद्घोशणा (कलम 354 संबंदींची गजाल सोडून) जम्मू-काश्मीर राज्याच्या संबंदांत तेन्नाच लागू जातली जेन्ना ती-
 - (क) त्या राज्याच्या सरकाराचे विनंतेवेल्यान अथवा ताचे संमतीन केल्ली आसतली; अथवा
- (ख) जंय ती अशेतरेन केल्ली ना तेन्ना ती त्या राज्य सरकाराचे विनंतेवेल्यान अथवा ताचे संमतेन राष्ट्रपतीन मागीर लागू केल्या.'
 - (ख) कलम 353 परंतुक काडून उडोंवचें.
 - (ग) कलम 356 -
- (अ) उपकलम (1) हातूंत, ह्या संविधानाच्या उपबंधांक अथवा उपबंधांक लेखून निर्देश आसत तांचो अर्थ, जम्मू काश्मीर राज्याच्या संबंदांत ताच्या संविधानाच्या उपबंधांक लेखून ते निर्देश आसात, असो लायतले;
 - (आ) उपकलम (4) चे सुरवातेच्या भागाचे सुवातेर सकयलो मजकूर घालचो, तो म्हळ्यार -

'अशे तरेन अनुमोदीत उद्घोशणा, जर फाटीं घेतली ना, जाल्यार उपकलम (3) चे अधीनतायेन उद्घोशणेचें अनुमोदन करपीं थारावांमदीं दुसरो थाराव पास करपाचे तारकेसावन स म्हयन्यांचो कालावधी सोंपमेरेन लागू उरची ना.'

- (इ) उपकलम (5) चे सुवातेर सकयलें उपकलम दवरचें तें म्हळ्यार (5) ह्या संविधानांत किदेंय आसलें तरी, उपकलम (1) हातूंत सांगिल्ले राष्ट्रपतीचें मत निमणे आनी निर्णायक आसतलें आनी खंयच्याच आदाराचेर तें खंयच्याच न्यायालयांत प्रस्नास्पद करूंक मेळचें ना.'
 - (घ) कलम 357 उपकलम (2) चे सुवातेर सकयलें उपकलम घालचें, तें म्हळ्यार :-

'राज्याच्या विधानमंडळाचो अधिकार वापरून संसदेवरवीं अथवा राष्ट्रपतीवरवीं अथवा उपकलम (1)च्या उपकलम (क) हातूंत सांगिल्ल्या हेर खंयच्याय प्राधिकारीवरवीं केल्लो असलो खंयचोय कायदो जाका संसद, राष्ट्रपती अथवा असो हेर खंयचोय प्राधिकारी कलम 356 चे अधीनतायेन केल्ले उद्घोशणेच्या अभावाक लागून ती करपाक सक्षम नाशिल्ल्यान, उद्घोषणा रद्द जालें उपरांत एक वर्स सोंपतकीर, अक्षमतेचे शीमेमेरेन, त्या गजाली बगर जी वयलो अवधी सोंपचे पयलीं केल्ली आसा अथवा काडून उडयल्या, तेन्ना ती परिणामशून्य जातली जर ते उपबंध, जे प्रभावहीन जावंक पावले, तर सक्षम विधानमंडळाच्या अधिनियमांवरवीं पयलींच निरसीत अथवा फेरफारीत सहितेसयत अथवा तिचेबगर पर्तून अधिनियमीत करून घेवंक ना.'

- (e) For article 358, substitute the following article, namely:—
- "358. Suspension of provisions of article 19 during emergencies. While a Proclamation of Emergency is in operation, nothing in article 19 shall restrict the power of the State as defined in Part III to make any law or to take any executive action which the State would but for the provisions contained in that Part be competent to make or to take, but any law so made shall, to the extent of the incompetency, cease to have effect as soon as the Proclamation ceases to operate, except as respects things done or omitted to be done before the law so ceases to have effect."
 - (f) Article 359. —
 - (A) In clause (1) omit "(except articles 20 and 21)";
 - (B) In clause (1A), -
 - (i) Omit "(except articles 20 and 21)";
 - (ii) Omit the proviso;
 - (C) Omit clause (1B);
 - (D) In clause (2), omit the proviso.
 - (g) Omit article 360.

(20) PART 19.

- (a) Article 361A. This article is not applicable to the State of Jammu and Kashmir.
- (b) Omit article 365.
- (c) Article 367. After clause (3), add the following clause, namely: —
- "(4) For the purposes of this Constitution as it applies in relation to the State of Jammu and Kashmir-
- (a) References to this Constitution or to the provisions thereof shall be construed as references to the Constitution or the provisions thereof as applied in relation to the said State;
- (aa) References to the person for the time being recognised by the President on the recommendation of the Legislative Assembly of the State as the Sadar-i-Riyasat of Jammu and Kashmir, acting on the advice of the Council of Ministers of the State for the time being in office, shall be construed as references to the Governor of Jammu and Kashmir;
- (b) References to the Government of the said State shall be construed as including references to the Governor of Jammu and Kashmir acting on the advice of his Council of Ministers:

Provided that in respect of any period prior to the 10th day of April, 1965, such references shall be construed as including references to the Sadar-i-Riyasat acting on the advice of his Council of Ministers:

- (c) References to a High Court shall include references to the High Court of Jammu and Kashmir;
- (d) References to the permanent residents of the said State shall be construed as meaning persons who, before the commencement of the Constitution (Application to Jammu and Kashmir)

(ङ) कलम 358 चे सुवातेर सकयलें कलम घालचें, तें म्हळ्यार :--

'358. आणीबाणीच्या काळांत कलम 19चें निलंबन - जेन्ना आणीबाणीची उद्घोशणा लागू आसा तेन्ना कलम 19 तली खंयचीच गजाल भाग 3 त जशेतरेन सांगलां त्या राज्याच्या खंयचीय असलो कायदो करपाच्या कार्यपालिकेच्या अधिकाराक, जाका तें राज्य त्या भागांत आस्पाविल्ल्या उपबंधांच्या अभावाक लागून तो करपाक अक्षम जाता, निर्बंधीत करचो ना पूण अशे तरेन केल्लो कसलोय कायदो लागू आशिल्ल्यान अक्षमतेचे सीमेमेरेन त्या गजालींबगर तत्काळ शून्य थारतलें, जांकां कायदो अशे तरेन परिणामशून्य जांवचेपयलीं केल्यात अथवा रद्द केल्यात.

- (च) कलम 359 -
- (अ) उपकलम (1) हातूंत '(कलम 20 आनी कलम 21 सोडून)' काडून उडोवंचें;
- (आ) उपकलम 1(क) हातूंत, –
- (i) '(कलम 20 आनी कलम 21 सोडून)' काडून उडोवंचें.
- (ii) परंतुक काडून उडोंवंचें.
- (इ) उपकलम (1 ख) काडून उडोवंचें;
- (ई) उपकलम (2) तलें परंतुक काडून उडोंवचें.
- (छ) कलम 360 काडून उडोंवचें.

(20) भाग 19

- (क) कलम 361 अ हें कलम जम्मू-काश्मीर राज्याक लागू जायना.
- (ख) कलम 365 काडून उडोंवंचें.
- (ग) कलम 367 उपकलम (3) चे उपरांत सकयलें उपकलम जोडचें, तें म्हळ्यार :--
- '(4) ह्या संविधानाच्या, जशेंतरेन तें जम्मू काश्मीर राज्याच्या संबंदांत लागू जाता, प्रयोजनांखातीर-
- (क) ह्या संविधानाक अथवा ताच्या उपबंधांक लेखून निर्देश आसात तांचो अर्थ, ते वयल्या राज्याच्या संबंदांत लागू संविधानाक अथवा ताच्या उपबंधांक लेखूनूय ते निर्देश आसात, असो लायतले;
- (कक) राज्याचे विधानसभेचे शिफारसीन राष्ट्रपती वरवीं, जम्मू काश्मीराच्या सदरे-ए-रियासताच्या रूपान तशे तरेची मान्यताय प्राप्त तशेंच तत्सम पदाचेर आशिल्ले राज्यमंत्रिमंडळ हाच्या सल्ल्यान काम करपी व्यक्तीक लेखून निर्देश आसात तांचो अर्थ, जम्मू - काश्मीर राज्याच्या राज्यपालाक लेखून निर्देश आसात, असो लायतले.
- (ख) वयल्या राज्याच्या सरकाराक लेखून जे निर्देश आसात ताचो अर्थ, तांचेखाला आस्पाविल्ल्या आपणाल्या मंत्रिमंडळाच्या सल्ल्यान काम करपी जम्मू-काश्मीर राज्याच्या राज्यपालाक लेखून ते निर्देश आसात, असो लायतले.
- परंतु 10 एप्रिल, 1965 चे पयलींच्या खंयच्याय काळासंबंदांत, अशा निर्देशांचो अर्थ, ते तांचेखाला आपणाल्या मंत्रिमंडळाच्या सल्ल्यान काम करपी सदरे-ए-रियासताक लेखून ते निर्देश आसात, असो लायतले;
- (ग) उच्च न्यायालयाक लेखून निर्देश आसात तांचेखाला जम्मू-काश्मीर राज्याच्या उच्च न्यायालयाक लेखून निर्देश आसात;
- (घ) वयल्या राज्याच्या स्थायी रावप्यांक लेखून आशिल्ल्या निर्देशांचो अर्थ, तातूंत, राज्यांत अस्तित्वांत आशिल्ल्या कायद्यांचे अधीनतायेन राज्याच्या लोकांच्या रूपान, संविधान (जम्मू काश्मीराक लागू जावप) आदेश, 1954 च्या आरंभापयलीं, मान्यताय मेळिल्ली अथवा जांकां राज्याच्या विधानमंडळावरवीं केल्ल्या

Order, 1954, were recognised as State subjects under the laws in force in the State or who are recognised by any law made by the Legislature of the State as permanent residents of the State; and

(e) References to a Governor shall include references to the Governor of Jammu and Kashmir:

Provided that in respect of any period prior to the 10th day of April, 1965, such references shall be construed as references to the person recognised by the President as the Sadar-i-Riyasat of Jammu and Kashmir and as including references to any person recognised by the President as being competent to exercise the powers of the Sadar-i-Riyasat.".

(21) PART 20.

Article 368. —

(a) In clause (2), add the following further proviso, namely: —

"Provided further that no such amendment shall have effect in relation to the State of Jammu and Kashmir unless applied by order of the President under clause (1) of article 370.";

- (b) Omit clauses (4) and (5) and after clause (3) add the following clause, namely: —
- "(4) No law made by the Legislature of the State of Jammu and Kashmir seeking to make any change in or in the effect of any provision of the Constitution of Jammu and Kashmir relating to: —
- (a) Appointment, powers, functions, duties, emoluments, allowances, privileges or immunities of the Governor; or
- (b) Superintendence, direction and control of elections by the Election Commission of India, eligibility for inclusion in the electoral rolls without discrimination, adult suffrage and composition of the Legislative Council, being matters specified in sections 138, 139, 140 and 50 of the Constitution of Jammu and Kashmir,

Shall have any effect unless such law has, after having been reserved for the consideration of the President, received his assent.".

(22) PART 21. —

- (a) Omit articles 369, 371, 371A, 372A, 373 and articles 376 to 378A and 392.
- (b) Article 372. -
- (A) Omit clauses (2) and (3);
- (B) References to the laws in force in the territory of India shall include references to hidayats, ailans, ishtihars, circulars, robkars, irshads, yadashts, State Council Resolutions, Resolutions of the Constituent Assembly, and other instruments having the force of law in the territory of the State of Jammu and Kashmir;
- (C) References to the commencement of the Constitution shall be construed as references to the commencement of the Constitution (Application to Jammu and Kashmir) Order, 1954 (C.O. 48), i.e., the 14th day of May, 1954.
 - (c) Article 374. —
 - (A) Omit clauses (1), (2), (3) and (5);

खंयच्याय कायद्यावरवीं राज्याच्या स्थायी रावप्यांच्या रूपान मान्यताय आसा तांचो आस्पावं जाता, असो लायतले; आनी

(ङ) राज्यपालाक लेखून आशिल्ल्या निर्देशांखाला जम्मू - काश्मीराच्या राज्यपालाक लेखून निर्देश आसा; परंतु 10 एप्रिल, 1965 पयलींच्या खंयच्याय काळासंबंदांत, अशा निर्देशांचो अर्थ, ते राष्ट्रपतीवरवीं जम्मू-काश्मीराच्या सदरे-ए-रियासताच्या रूपान मान्यताय प्राप्त व्यक्तीक लेखून ते निर्देश आसात आनी तांचेखाला राष्ट्रपतीवरवीं सदरे-ए-रियासताच्या अधिकारांचो वापर करपाक सक्षम व्यक्तीच्या रूपान काम करपी व्यक्तीक लेखुनूय निर्देश आसात, असो लायतले.

(11) भाग 20

कलम 368

(क) उपकलम (3) त सकयलें आनीक एक परंतुक जोडचें, तें म्हळ्यार :-

'परंतु आनीक अशें की कसलोय बदल, 370च्या उपकलम (1) चे अधीनतायेन राष्ट्रपतीमार्फत लागू केल्लो आसत तेन्नाच तो जम्मू-काश्मीर राज्याच्या संबंदांत परिणामकारक जातलो.'

- (ख) उपकलम (4) आनी उपकलम (5) काडून उडोंवचीं, आनी उपकलम (3) चे उपरांत सकयलें उपकलम जोडचें, तें म्हळ्यार :-
 - '(4) जम्मू-काश्मीर संविधानाच्या —
 - (क) राज्यपालाची नेमणूक, अधिकार, कृत्यां, कर्तव्यां, पगार, भत्ते, विशेशाधिकार अथवा उन्मुक्त्यो; अथवा
- (ख) भारताच्या वेंचणूक आयोगावरवीं वेंचणुकांचे अधीक्षण, निदेशन आनी नियंत्रण, भेदभावाबगर मतदारवळेरंत नांवां आस्पावपाखातीरची पात्रताय, प्रौढ मताधिकार आनी विधानपरिशदेची घडण, जो विशय जम्मू-काश्मीर संविधानाच्या अनुभाग 138, 139, 144 आनी 150 हातूंत आस्पाविल्लो आसा,

हांचेकडेन संबंदीत खंयचोय उपबंध अथवा ताचो परिणाम जावपांत किदेंय फेरफार करपाक, तो कायदो राष्ट्रपतीच्या विचाराखातीर राखून दवरलेउपरांतूच आनी ताची मान्यताय मेळ्ळेउपरांतूच परिणामकारक जातलो.'

(12) भाग 21

- (क) कलम 369, 371, 371क, 372क, 373 आनी कलम 376 सावन 378क मेरेनची आनी कलम 392 काडून उडोंवचीं.
 - (ख) कलम 372 त,-
 - (अ) उपकलम (2) आनी उपकलम (3) काडून उडोंवंचीं,
- (आ) भारताच्या राज्यक्षेत्रांत लागू आशिल्ल्या कायद्यांसंबंदांत निर्देश आसात तांचेखाला जम्मू-काश्मीर राज्याच्या संबंदांत कायद्याचें बळगें आशिल्लीं हिदायतां, एलानां, इश्तिहारां, परिपत्रां, रोबकारां, याददाश्तां, राज्य परिशदेचे थाराव, संविधान सभेचे थाराव आनी हेर लिखितांक लेखून केल्ल्या कायद्यांच्या निर्देशांचो आस्पाव आसा;
- (इ) संविधानाच्या आरंभाविशीच्या निर्देशांचो अर्थ, तो संविधान (जम्मू काश्मिराक लागू जावप) आदेश 1954 (सं,.आ.48) चो आरंभ, म्हळ्यार 14 मे, 1954 क लेखून ते निर्देश आसात, असो लायतले.
 - (ग) कलम 374 -
 - (अ) उपकलम (1), (2), (3) आनी (5) काडून उडोंवचीं.

- (B) In clause (4), the reference to the authority functioning as the Privy Council of a State shall be construed as a reference to the Advisory Board constituted under the Jammu and Kashmir Constitution Act, Svt. 1996, and references to the commencement of the Constitution shall be construed as references to the commencement of the Constitution (Application to Jammu and Kashmir) Order, 1954, i.e., the 14th day of May, 1954.
- (23) PART 22. Omit articles 394 and 395.
- (24) THIRD SCHEDULE. Omit forms 5, 6, 7 and 8.
- (25) FIFTH SCHEDULE. This Schedule is not applicable to the State of Jammu and Kashmir.
- (26) SIXTH SCHEDULE. This Schedule is not applicable to the State of Jammu and Kashmir.

(27) SEVENTH SCHEDULE. —

- (a) List I- Union List. —
- (A) Omit entry 2A;
- (B) For entry 3, substitute the following entry, namely: —
- "3. Administration of cantonments.":

(28) NINTH SCHEDULE. -

- (a) After entry 64, add the following entries, namely: —
- "64A. The Jammu and Kashmir State Kuth Act (No. I of Svt. 1978).
- 64B. The Jammu and Kashmir Tenancy Act (No. II of Svt. 1980).
- 64C. The Jammu and Kashmir Alienation of Land Act (No. V of Svt. 1995).
- 64D. The Jammu and Kashmir Big Landed Estates Abolition Act (No. XVII of Svt. 2007).
- 64E. Order No. 6-H of 1951, dated the 10th March, 1951, regarding Resumption of Jagirs and other assignments of land revenue, etc.
 - 64F. The Jammu and Kashmir Restitution of Mortgaged Properties Act, 1976 (Act XIV of 1976).
 - 64G. The Jammu and Kashmir Debtors' Relief Act, 1976 (Act XV of 1976).";
 - (b) Entries 65 to 86 are not applicable to the State of Jammu and Kashmir;
 - (c) After entry 86, insert the following entry, namely: —
- "87. The Representation of the People Act, 1951 (Central Act 43 of 1951), the Representation of the People (Amendment) Act, 1974 (Central Act 58 of 1974) and the Election Laws (Amendment) Act, 1975 (Central Act 40 of 1975).";
 - (d) After entry 91, insert the following entry, namely: -
 - "92. The Maintenance of Internal Security Act, 1971 (Central Act 26 of 1971).";
 - (e) After entry 129, insert the following entry, namely: —
 - "130. The Prevention of Publication of Objectionable Matter Act, 1976 (Central Act 27 of 1976).";
- (f) After insertion of the entries 87, 92 and 130 as indicated above, renumber entries 87 to 188 as entries 65 to 166 respectively.

- (आ) उपकलम (4) हातूंत, राज्याच्या अंतः मंत्रिमंडळाच्या रूपान काम करपी प्राधिकारीच्या संबंदांत निर्देश आसा ताचो अर्थ, तो जम्मू काश्मीर संविधान अधिनियम संवत् 1996 चे अधीनतायेन घडयल्ल्या सल्लागार मंडळाक लेखून तो निर्देश आसा, असो लायतले; आनी संविधानाच्या आरंभाविशीं आशिल्ल्या निर्देशांचो अर्थ, ते संविधान (जम्मू काश्मीराक लागू जावप) आदेश, 1954 चो आरंभ, म्हळ्यार 14 मे, 1954 क लेखून ते निर्देश आसात असो लायतले.
- (23) भाग 22 कलम 394 आनी 395 काडून उडोंवचीं.
- (24) तिसरी अनुसूची प्ररूप 5,6,7 आनी 8 काडून उडोंवचीं.
- (25) पांचवी अनुसूची ही अनुसूची जम्मू-काश्मीर राज्याक लागू जायना.
- (26) सवी अनुसूची ही अनुसूची जम्मू-काश्मीर राज्याक लागू जायना.

(27) सातवी अनुसूची -

- (क) वळेरी 1 संघ वळेरी -
- (अ) नोंद 2क काडून उडोंवचीं.
- (आ) नोंद क्र.3 चे सुवातेर सकयली नोंद दवरची, ती म्हळ्यार :-
- '3. छावण्यांचें प्रशासन;'

(28) णववी अनुसूची

- (क) नोंद क्र.64 चे उपरांत, सकयल्यो नोंदी जोडच्यो, त्यो म्हळ्यार :-
- '64क. जम्मू-काश्मीर राज्य कुठ अधिनियम (संवत् 1978 चो क्र.1)
- 64ख. जम्मू-काश्मीर अभिकृती अधिनियम (संवत् 1980 चो क्र.2)
- 64ग. जम्मू-काश्मीर भूमि अन्य संक्रमण अधिनियम (संवत् 1995 चो क्र. 5)
- 64घ. जम्मू-काश्मीर बृहद् भू-संपदा उत्सादन अधिनियम (संवत् 1995 चो क्र. 5)
- 64ङ. जागीर आनी भू-राजस्वच्या हेर समुनुचो आदेश क्र. 6-एच्, तारीक 10 मार्च, 1951.
- 64च. जम्मू-काश्मीर बंधक संपत्तीचें पर्तवण अधिनियम, 1976 (1976 चो अधिनियम 14)
- 64छ. जम्मू-काश्मीर रिणकारी सवलत अधिनियम, 1976 (1976 चो अधिनियम 15);
- (ख) नोंद क्र. 65 सावन 86 मेरेन, जम्मू-काश्मीर राज्याक लागू नात.
- (ग) नोंद क्र, 86 चे उपरांत सकयली नोंद घालची, ती म्हळ्यार :-
- '87. लोक प्रतिनिधीत्व आधिनियम, 1951 (1951 चो केंद्रीय अधिनियम, 43), लोकप्रतिनिधीत्व (बदल) अधिनियम, 1974 (1974 चो केंद्रीय अधिनियम 58), वेंचणूक कायदो (बदल) अधिनियम, 1975 (1975 चो केंद्रीय अधिनियम 40).'
 - (घ) नोंद क्र.91 चे उपरांत सकयली नोंद घालची; ती म्हळ्यार :-
 - '92. अंतर्गत सुरक्षा अधिनियम, 1971 (1971 चो केंद्रीय अधिनियम 26),
 - (ङ) नोंद क्र.129 चे उपरांत सकयली नोंद घालची, ती म्हळ्यार :-
 - '130. अक्षेपणीय सामुग्री प्रकाशन निवारण अधिनियम, 1976 (1976 चो केंद्रीय अधिनियम 27).'
- (च) वयर सांगल्यात तेप्रमाण नोंद क्र. 87.92 आनी 130 घाले उपरांत नोंद क्र.87 ते नोंद क्र.188 मेरेनच्यो नोंदी ह्यो नोंद क्र. 65 सावन 166 मेरेनच्या रूपान पुनर्संख्यांकीत करच्यो.

APPENDIX 3

EXTRACTS FROM THE CONSTITUTION (FORTY-FOURTH AMENDMENT) ACT, 1978

(1) Short title and Commencement. — (1) * * * *

(2) It shall come into force on such date as the Central Government may, by notification in the Official Gazette, appoint and different dates may be appointed for different provisions of this Act.

* * * * * * * *

- (3) Amendment of article 22. In article 22 of the Constitution,
 - (a) For clause (4), the following clause shall be substituted, namely :-

No law providing for preventive detention shall authorise the detention of a person for a longer period than two months unless an Advisory Board constituted in accordance with the recommendations of the Chief Justice of the appropriate High Court has reported before the expiration of the said period of two months that there is In its opinion sufficient cause for such detention:

Provided that an Advisory Board shtil consist of at Chairman and not less than two other members and the Chairman shall be a serving Judge of the appropriate High Court and the other members shall be serving or retired Judges of any High Court:

Provided further that nothing in this clause shall authorise the detention of any person beyond the maximum period prescribed by any law made by Parliament under sub-clause (a) of clause (7).

Explanation. — In this clause, "appropriate High Court "means, —

- (i) In the case of the detention of a person in pursuance of an order of detention made by the Government of India or an officer or authority subordinate to that Government, the High Court for the Union territory of Delhi;
- (ii) In the case of the detention of a person in pursuance of an order of detention made by the Government of any State (other than a Union territory), the High Court for that State', and
- (iii) In the case of the detention of a person in pursuance of an order of detention made by the administrator of a Union territory or an officer or authority subordinate to such administrator, such High Court as may be specified by or under any law made by Parliament in this behalf.';
- (b) In clause (7),
 - (i) Sub-clause (a) shall be omitted;
 - (ii) Sub-clause (b) shall be re-lettered as sub-clause (a); and
- (iii) Sub-clause (c) shall be re-lettered as sub-clause (b) and in a sub-clause as so re-lettered, for the words, brackets, letter and figure "sub-clause (a) of clause (4)", the word, brackets and figure "clause (4)" shall be substituted.

* * * * * * * * * *

परिशिश्ट 3

संविधान (चोवेचाळीसावो बदल) अधिनियम , 1978 तले वाके

(1) संक्षिप्त नांव आनी आरंभ - (1) * * * *

(2) हो बदल केंद्र सरकार, राजपत्रांत अधिसुचोवणेवरवीं थारायत ते तारकेच्यान लागू जातलो आनी ह्या अधिनियमाच्या विंगडविंगड उपबंधांखातीर वेगळ्यो वेगळयो तारको थारावं येतात.

(3) कलम 22 त बदल - संविधानाच्या कलम 22 त, -

(क) उपकलम (4) चे सुवातेर सकयलें उपकलम घालतले, तें म्हळ्यार :-

जोंवेर समुचित उच्च न्यायालयाचे मुख्य न्यायमूर्तीचे शिफारसीप्रमाण घडयल्ल्या सल्लागार मंडळान एखादे व्यक्तीक दोन म्हयन्याच्या काळाचे समाप्तेपयलीं, आपणाल्या मतान स्थानबद्धतेक कारण आसा असो अहवाल दिना तोंवेर प्रतिबंधात्मक स्थानबद्धतायेचो उपबंध करपी खंयचोच कायदो खंयचेच व्यक्तीक दोन म्हयन्यांपरस चड काळ मेरेन बंदखणींत दवरप प्राधिकृत करचो ना :

परंतु सल्लागार मंडळ एक अध्यक्ष आनी उण्यांत उण्या दोन हेर वांगड्यांक एकठांय करून घडिल्लो आसतलो आनी अध्यक्ष समुचित उच्च न्यायालयाचे सेवेंत आशिल्लो न्यायाधीश आसतलो आनी हेर वांगडी खंयच्याय उच्च न्यायालयाचे सेवेंतले अथवा सेवानिवृत्त न्यायाधीश आसतले.

परंतु आनीक अशें की उपकलम (7) चें उप-उपकलम/(क) चे अधीनतायेन संसदेवरवीं केल्ल्या कायद्याप्रमाण, वयल्या उपकलमाची खंयचीच गजाल खंयचेच व्यक्तीक चडांत चड काळाखातीर स्थानबद्ध करप प्राधिकृत करची ना;

स्पश्टीकरण - ह्या उपकलमांत, 'समुचित उच्च न्यायालय' म्हळ्यार -

- (i) भारत सरकार अथवा त्या सरकाराचे अधीनतायेन वावुरपी खंयचोय अधिकारी अथवा प्राधिकारीवरवीं केल्ल्या अवरोध आदेशाक विरोध करपी व्यक्तीच्या संदर्भांत, दिल्ली संघ राज्यक्षेत्राखातीर उच्च न्यायालय;
- (ii) (संघ राज्यक्षेत्रापरस वेगळें) खंयच्याय राज्य सरकारावरवीं केल्ल्या अवरोध आदेशाक विरोध करपी व्यक्तीच्या संदर्भांत, दिल्ली संघ राज्यक्षेत्राखातीर उच्च न्यायालय.
- (iii) खंयच्याय संघ राज्यक्षेत्राचो प्रशासक अथवा अशा प्रशासकाचे अधीनतायेन काम करपी खंयच्याय आधिकाऱ्यावरवीं अथवा प्राधिकारीवरवीं केल्ल्या अवरोधाच्या आदेशाआड वचपी व्यक्तीच्या संदर्भात, संसदेन कायद्यावरवीं ह्या कामाखातीर घडयल्ल्या कायद्यावरवीं अथवा ताचे अधीनतायेन विनिर्दीश्ट केलां आसत तें उच्च न्यायालय.'
 - (ख) उपकलम (7) त, -
 - (i) उप-उपकलम (क) काडून उडयतले.
 - (ii) उप-उपकलम (ख) क उप-उपकलम (क) च्या रूपान पुनर्क्षरांकीत करतले; आनी
- (iii) उप-उपकलम (ग) क उप-उपकलम (ख) च्या रूपान अक्षरांकीत करतले आनी अशे तरेन पुनरक्षांकीत उप-उपकलमांत '(उपकलम (4) च्या उप-उपकलम (क)' उतरां, कंस आनी आंकडे हांचे सुवातेर 'उपकलम (4)' हीं उतरां कंस आनी आंकडो दवरतले.

CONSTITUTION OF INDIA AMENDMENTS AT A GLANCE

| Amend- ment No./ Year | Date of Assent | Article amended | Article inserted | Article substituted | Article omitted | Sch. added | Sch. amended*/ subs** | Sch. inserted | Amend- ment of Part |
|--------------------------------|--------------------|--|--|--|--------------------|---------------|---------------------------------------|------------------|---------------------------|
| 1st (1951) | 18th June, 1951 | 15, 19, 85, 87, 174, 176, 341, 432, 372, 376 | 31A, 31B | - | 1 | 9th | _ | - | · <u>·</u> |
| 2nd (1952) | 1st May, 1953 | 81 | - | - | | - | | – | - |
| 3rd (1954) | 22nd Feb, 1955 | - | _ | _ | - | - | 7th | - | - |
| 4th (1955) | 27th April 1955 | 31, 31A | 305 | - | - | | 9th | - | - |
| 5th (1955) | 24th Dec. 1955 | 3 | - | _ _ _ | 1 | - | _ | | - |
| 6th (1956) | 11th Sep. 1956 | 269, 286 | <u> </u> | - | - | - | - | - - | - |
| 7th (1956) | 19th Oct. 1956 | 1,131, 153, 158, 168, 171, 216, 217, 222 | 258A 290A 350A 350B 372A 378A | 81, 82 170, 220 224, 230 231, 232 298, 371 | 1 | _ | 1st, 2nd 4th, 5th and 8th | - | |
| 8th (1959) | 5th Jan.1960 | 334 | _ | - | - | _ | - . | - | - - |
| 9th (1960) | 28th Dec. 1960 | <u>-</u> | – | | - | - | 1st | _ | |
| 10th (1961) | 16th Aug. 1961 | 240 | <u> </u> | - | _ | _ | 1st | - - | . – |
| 11th (1961) | 19th Dec. 1961 | 66, 71 | _ | - | - | _ | _ | _ | - |

318

भारताचें संविधान संविधानांतल्या बदलांचेर एक नदर

| बदलाचो क्रमांक/वर्स | मान्यतायेची तारीक | बदिलल्ली कलमां | अंतःस्थापीत कलमां | प्रतिस्थापीत कलमां | निरसींत कलमां | अनुसूची जोडली | अनुसूची बदल्ली*/ /प्रतिस्थापीत** | अनुसूची अंतःस्थापीत | भागाचो बदल |
|------------------------|-----------------------|--|----------------------------|--------------------------------|------------------|------------------|---|-------------------------|------------------|
| 1लो (1951) | 18 जून, 1951 | 15, 19, 85, 87, 174 176, 341, 342, 372, | 31क, 31ख | | | 9 वी | | 1867 | |
| | | 376 | | | | | | Sagrafi | City |
| 2रो (1952) | 1 मे, 1953 | 81 | | - | <u> </u> | E Bable | 1918 - 1718 1818 - 1818 1818 - 1818 | | 10E) |
| | | | | | | | | | |
| 3रो (1954) | 22 फेब्रुवारी 1955 | | | | | | 7 वी | | - |
| 4थो (1955) | 27 एप्रिल, 1955 | 31, 31क | 305 | - | - | | 9 वी | E CHRIS | 1801 |
| 5वो (1955) | 24 डिसेंबर 1955 | 3 | - | _ | - | | | l-mail | -(12.2) 20.27 |
| 6 वो (1956) | 11 सप्टेंबर 1956 | 269, 286 | - | - | = | - | | GEO N | |
| 7 वो (1956) | 19 ऑक्टोंबर 1956 | 1,131,153, 158, 168, 171, 216, | 290 क, 350 क, | 81, 82 170, 220 224, 230 | | | 1ली, 2री 4 थी, 5 वी | 10.00 10.00 10.00 | |
| | | 217, 222 | 350 ख, 372 क, 378 क, | 231, 232 298, 371 | | | आनी 8 वी | recei | |
| 0.4 | 5 - > 0 | 004 | 0.0 4, | | 7.44 | | Studyns | A HOLL | |
| 8 वो (1959) | 5 जानेवारी 1960 | 334 | | | W 10-1 | | | | |
| 9 वो (1960) | 28 डिसेंबर 1960 | | - | - | AFAC I | | 1ली | 3.085 | E 2gos ATTAS |
| 10 वो (1960) | 16 आगश्ट 1961 | 240 | _ | - | - | | 1 ली | omes over 3 | - tr <u>8</u> 1- |
| 11 वो (1961) | 19 डिसेंबर 1961 | 66, 71 | #11 <u>4</u> | = 0 | - | , 1 <u>4</u> 0. | () - x 5 | | 1145 |

| Amend- ment No./ Year | Date of Assent | Article amended | Article inserted | Article substituted | Article omitted | Sch. added | Sch. amended*/ subs** | Sch. inserted | Amend- ment of Part |
|--------------------------------|---------------------|---|------------------|------------------------|--------------------|---------------|-----------------------------|------------------|---------------------------|
| 12th (1962) | 27th March 1962 | 240 | 11- | - | -7 | | 1st | | - |
| 13th (1962) | 28th Dec. 1962 | - | - | - | - | | | - | XXI |
| 14th (1962) | 28th Dec. 1962 | 81, 240 | 239A | - | - 1 | - | 1st, 4th | 7 | - |
| 15th (1963) | 5th Oct. 1963 | 124, 128, 217, 222, 224, 226, 297, 311, 316 | 224A | - | | | 7th | | |
| 16th (1963) | 5th Oct. 1963 | 19, 84, 173 | - | - | 3- | | 3rd | - | - |
| 17th (1964) | 20th June, 1964 | 31A | - | = | - | - | 9th | - | Ī |
| 18th (1966) | 27th Aug. 1966 | 3 | - | - 1 | _ | - | - | - - - | |
| 19th (1966) | 11th Dec. 1966 | 324 | - | - | 7.6 7.6 | - 887 | 3.5 | | |
| 20th (1966) | 22nd Dec. 1966 | | 233A | - | | - | 8th | - | |
| 21st (1967) | 10th April, 1967 | 124, 128 | 244A | - | - | - | | - | |
| 22nd (1969) | 25th Sept. 1969 | 275 | 244A, 371B | - | - | - | - | - | - |
| 23rd (1969) | 23rd Jan. 1970 | 330, 332, 333, 334 | - | - | = | - | _ | | - |
| 24th (1971) | 5th Nov. 1971 | 13, 368 | - | - | | - | | 4 (- | |

| बदलाचो क्रमांक/वर्स | मान्यतायेची तारीक | बदलिल्ली कलमां | अंतःस्थापीत कलमां | प्रतिस्थापीत कलमां | निरसींत कलमां | अनुसूची जोडली | | अनुसूची अंतःस्थापीत | भागाचो बदल |
|------------------------|----------------------|---|----------------------|-----------------------|------------------|------------------|--------------|------------------------|---------------|
| 12 वो (1962) | 27 मार्च 1962 | 240 | _ | _ | | _ | 1 ली | _ | _ |
| 13 वो (1962) | 28 डिसेंबर 1962 | - | | | _ | _ | - | | XXI |
| 14 वो (1962) | 28 डिसेंबर 1962 | 81,240 | 239क | - | _ | _ | 1ली, 4થી | | - |
| 15 वो (1963) | 5 ऑक्टोंबर 1963 | 124, 128 217, 222 224, 226 297, 311 316 | 224क | - | _ | | 7वी | | _ |
| 16 वो (1963) | 5 ऑक्टोंबर 1963 | 19, 84 173 | _ | | . – | _ | 3री | _ | _ |
| 17 वो (1964) | 20 जून 1964 | 31क | - | - | | _ | 9वी | - | |
| 18 वो (1966) | 27 आगश्ट 1966 | 3 | - | | _ | _ | _ | | _ |
| 19 वो (1966) | 11 डिसेंबर 1966 | 324 | - | - | _ | - | - | - | |
| 20 वो (1966) | 22 डिसेंबर 1966 | - | 233क | - | _ | _ | 8वी | | |
| 21 वो (1967) | 10 एप्रिल 1967 | 124, 128 | 244क | _ | - | _ | _ | _ | |
| 22 वो (1969) | 25 सप्टेंबर 1969 | 275 | 244क, 371ख | - | - | _ | _ | _ | <u> </u> |
| 23 वो (1969) | 23 जानेवारी 1970 | 330, 332 333, 334 | - | | - | _ | _ | _ | _ |
| 24 वो (1971) | 5 नोवेंबर 1971 | 13, 368 | _ | - | | _ | - | | · |

| Amend- ment No./ Year | Date of Assent | Article amended | Article inserted | Article substituted | Article omitted | Sch. added | Sch. amended*/ subs** | Sch. inserted | Amend- ment of Part |
|--------------------------------|---------------------|--------------------|---------------------|------------------------|--------------------|---------------|-----------------------------|------------------|---------------------------|
| 25th (1971) | 20th April, 1972 | 31 | 31A | - | | - | | - | - I |
| 26th (1971) | 28th Dec. 1971 | 366 | 363A | - | 291 362 | - | - | | - |
| 27th (1971) | 13th Dec. 1971 | 239 240 | 239B 371C | - | 7/2/5 | 40 | | | - |
| 28th (1972) | 27th Aug. 1972 | _ | 312A | - | 314 | ne) | 1 - 4 | - | |
| 29th (1972) | 9th June 1972 | | - | - | - | 9th | | | - |
| 30th (1972) | 22nd Feb. 1973 | 133 | - | - | - | -40 | - | - | |
| 31st (1973) | 17th Oct. 1973 | 81, 330, 332 | - | - | - | | - | - | |
| 32nd (1973) | 3rd May, 1974 | 371 | 371D 371E | | - | | 7th | | -5 (A) (C) |
| 33rd (1974) | 19th May, 1974 | 101, 190 | - | - | - | | - | 9th | ij - |
| 34th (1974) | 7th Sept. 1974 | | - | - | n-) | - | | - | |
| 35th (1974) | 2nd Feb. 1975 | 80, 81 | 2A | - | - | 10th | | 10th | - |
| 36th (1975) | 16th May, 1975 | 80, 81 | 371F | - | 2 | - | 1st, 4th* 10th** | - | |
| 37th (1975) | 3rd May, 1975 | | 239A 240 | - | - | | | | |

^{*} Preamble amended

** In the Constitution (Forty-Second Amendment) Act, 1976, section 18, 19, 21, 22, 31, 32, 34, 35, 58 and 59 omitted.

| बदलाचो क्रमांक/वर्स | मान्यतायेची तारीक | बद <mark>लिल्ली</mark> कलमां | अंतःस्थापीत कलमां | प्रतिस्थापीत कलमां | निरसींत कलमां | अनुसूची जोडली | अनुसूची बदल्ली*/ /प्रतिस्थापीत** | अनुसूची अंतःस्थापीत | भागाचो बदल |
|------------------------|-----------------------|---------------------------------|----------------------|-----------------------|------------------------------------|-----------------------|--|------------------------|---------------|
| 25 वो (1971) | 20 एप्रिल 1972 | 31 | 31ग | - | - | Set 6 | ers I | | des Man |
| 26 वो (1971) | 28 डिसेंबर 1971 | 366 | 363क | - | ,291 362 | | - | | |
| 27 वो (1971) | 13 डिसेंबर 1971 | 239 240 | 239ख 371ग | | 7075 | - 69 | (m) | 0 m02 j. | (m/2) -172 |
| 28 वो (1972) | 27 आगश्ट 1972 | | 312क | | 314 | - | - | 9 67 C | 1104 3787 |
| 29 वो (1972) | 9 जून 1972 | | - | - | - | 9वी | | S PEY | |
| 30 वो (1972) | 22 फेब्रुवारी 1973 | 133 | | | ANES MUSSH Selsus | 62 6 7 44 88 83 | 60 - 13 60 - 1 | MAST - A | |
| 31 वो (1973) | 17 ऑक्टोंबर 1973 | 81, 330 332 | - | - | ativie Na 16 | 80 F | - | - | - |
| 32 वो (1973) | 3 मे 1974 | 371 | 371ਬ 371ङ | | HAGTA HAGTA | 200 | 7वी | - | 42 |
| 33 वो (1974) | 19 मे 1974 | 101, 190 | - | | ATEN ANTO- | 15 to | | 9वी | - |
| 34 वो (1974) | 7 सप्टेंबर 1974 | | | | ASAS (AS V) AS K | the second | X 0 - 1 | - | |
| 35 वो (1974) | 2 फेब्रुवारी 1975 | 80, 81 | 2क | | - | 10वी | | 10वी | |
| 36 वो (1975) | 16 中 1975 | 80, 81 | 371च | | 2 | 75. | 1ली, 4थी* 10वी** | ener i c | DISE. |
| 37 वो (1975) | 3 单 1975 | - | 239क, 240 | | | - | | - | |

^{*} उद्देशिकंत बदल,

^{**} संविधानाचो (बेचाळीसावो बदल) अधिनियम, 1976 हातूंतले अनुभाग 18, 19, 21, 22, 31, 32, 34, 35, 58 आनी 59 वगळ्ळे.

| Amend- ment No./ Year | Date of Assent | Article amended | Article inserted | Article substituted | Article omitted | Sch. added | Sch. amended*/ subs** | Sch. inserted | Amend- ment of Part |
|--------------------------------|---------------------|---|--|------------------------|--|---------------|-----------------------------|------------------|---|
| 38th (1975) | 1st Aug. 1975 | 123, 213 239B, 352 356, 359 360 | | ı | | - | - | | |
| 39th (1975) | 10th Aug. 1975 | 329 | 329A | 71 | - | - | 9th | <u>.</u> | - |
| 40th (1976) | 27th May, 1976 | - | - | 297 | - | - | 9th | | |
| 41st (1976) | 7th Sept. 1976 | 316 | - | - | - | | - | - | 1 |
| 42nd (1976) | 18th Dec. 1976 | *31C, 39, 55, 74, 77, 81, 82, 83, 100, 102, 105, 118, 145, 166, 170, 172, 189, 191, 194, 208, 217, 225, 227, 228, 311, 312, 330, 352, 353, 356, 357, 358, 359, 366, 368, 371F | sub- heading after article 31, 31D, 32A, 39A, 43A, 48A, 131A, 139A, 144A, 226A, 228A, 257A | 103, 150 192, 226 | | | | | Part- IVA and Part- XIVA inserted |
| 43rd (1977) | 13th April, 1978 | 145, 226 228, 366 | | | 31D 32A 131A 144A 226A 228A | | | | |

| बदलाचो क्रमांक/वर्स | मान्यतायेची तारीक | बदलिल्ली कलमां | अंतःस्थापीत कलमां | प्रतिस्थापीत कलमां | निरसींत कलमां | अनुसूची जोडली | | अनुसूची अंतःस्थापीत | भागाचो बदल |
|------------------------|----------------------|--|---|-----------------------|--|------------------|--------------|------------------------|--|
| 38 वो (1975) | 1 आगश्ट 1975 | 123, 213 239ख, 352 358, 359 360 | _ | _ | 1 | - | _ | - | _ |
| 39 वो | 10 आगश्ट 1975 | 329 | 329क | 71 | _ | - · | 9वी | - | _ |
| 40 वो (1976) | 27 मे 1976 | - | <u>:</u> | 297 | - | - | 9व <u>ी</u> | _ | - |
| 41 वो (1976) | 7 सप्टेंबर 1976 | 316 | _ | | | _ | | - | - |
| 42 वो (1976) | 18 डिसेंबर 1976 | 31可, 39, 55, 74 77, 81 82, 83 100, 102 105, 118 145, 166 170, 172 189, 191 194, 208 217, 225 227, 228 311, 312 330, 352 353, 356 357, 358 359, 366 368,317च | कलमा उपरांत उप-शीर्शक 31, 31घ 32क 39क 43क 131क 139क 144क 226क 228क 257क | 103, 150 192, 226 |) I | | | | — IV क आनी भाग- XIV क अंतःस्थापीत |
| 43 वो (1977) | 13 एप्रिल 1978 | 145, 226 228, 366 | | <u>-</u> | 31घ 32क 131क 144क 226क 228क | _ | - | | _ |

| Amend- ment No./ Year | Date of Assent | Article amended | Article inserted | Article substituted | Article omitted | Sch. added | Sch. amended*/ subs** | Sch. inserted | Amend- ment of Part |
|--------------------------------|---------------------|--|---------------------|------------------------|---|---------------|-----------------------------|------------------|---|
| 44th (1978) | 30th April, 1979 | 19, 22, 30 31A, 31C 38, 74, 77 83, 105 123, 132 133, 134 139A, 150 166, 172 194, 213 217, 225 226, 227 239B, 329 352, 356 358, 359 360, 371F | 134A 361A | 71 103 192 | sub- heading after article 30, 31, 257A, 329A | | 9th | | Chapter- IV in Part-XII inserted |
| 45th (1980) | 14th April, 1980 | 334 | | - | | | | | - |
| 46th (1982) | 2nd Feb. 1983 | 269, 286 366 | - | - | a <u>-</u> | <u> </u> | 7th | - | |
| 47th (1984) | 26th Aug. 1984 | - | - | - | yuR1 | 1/4/ | 9th | - | - |
| 48th (1984) | 26th Aug. 1984 | 356 | - | - | 385 | 323 | SESTI | - | - |
| 49th (1984) | 11th Sept. 1984 | 244 | - | - | - | 168 | 5th, 6th | | |
| 50th (1984) | 11th Sept. 1984 | - | - | 13 | - | - 1 | | - | |
| 51st (1984) | 29th April 1985 | 330, 332 | ₩ Williams | - | - | d <u>a</u> 8 | | | |
| 52nd (1985) | 15th Feb. 1985 | 101, 102 190, 191 | PLA. | - | _ | 10th | - | - | |

| बदलाचो क्रमांक/वर्स | मान्यतायेची तारीक | बदलिल्ली कलमां | अंतःस्थापीत कलमां | प्रतिस्थापीत कलमां | निरसींत कलमां | अनुसूची जोडली | | अनुसूची अंतःस्थापीत | भागाचो बदल |
|------------------------|-----------------------|--|----------------------|-----------------------|--|------------------|----------|--|--|
| 44 वो (1978) | 30 एप्रिल 1979 | 19, 22, 30 31束, 31束 38, 74, 77 83, 105 123, 132 133, 134 139束, 150 166, 172 194, 213 217, 225 226, 227 239每, 329 352, 356 358, 359 360, 371束 | 134क 361क | 71 103 192 | कलम 30, 31 257क 329क हांचे उपरांत उप- -शीर्शक | | 9वी | MITTER MITTER MITTER MITTER MITTER MITTER MITTER | भाग-XII तलें प्रकरणIV अंतःस्थापीत |
| 45 वो (1980) | 14 एप्रिल 1980 | 334 | - | - 1 | ALC: | - | | | 7050 |
| 46 वो (1982) | 2 फेब्रुवारी 1983 | 269, 286 366 | - | | - | - | 7वी | 78#i | (USB) |
| 47 वो (1984) | 26 आगश्ट 1984 | | - | - | WE-E | 一部 | 9वी | M 11 0 8 Jahra | Elffeat. |
| 48 वो (1984) | 26 आगश्ट 1984 | 356 | - | - | - | -8 | - | 030 3 03 8830 | (888) |
| 49 वो (1984) | 11 सप्टेंबर 1984 | 244 | - | . . | - | - 2 | 5वी, 6वी | to e s mark | (CRV 6) |
| | 11 सप्टेंबर 1984 | - | - | 13 | - | -10 | | Ones Osar (| 0 .0 (3) |
| | 29 एप्रिल 1985 | 330, 332 | el u e | | - | -88 | _ | au - a . 6264 | 1 11 73 (8981) |
| | 15 फेब्रुवारी 1985 | 101, 102 190 191 | - | - | - | 10वी | - 1 | Amiar Decem | (SEP) |

| Amend- ment No./ Year | Date of Assent | Article amended | Article inserted | Article substituted | Article omitted | Sch. added | Sch. amended*/ subs** | Sch. inserted | Amend- ment of Part |
|--------------------------------|--------------------|--------------------|-----------------------------------|------------------------|--------------------|---------------|-----------------------------|------------------|-------------------------------|
| 53rd (1986) | 14th Aug. 1986 | - | 371G | - | ili. | 18 <u>1</u> \ | | <u>-</u> | |
| 54th (1986) | 14th March 1987 | 125, 221 | rai <u>t</u> us par | - | - | - | 2nd | | |
| 55th (1986) | 23rd Dec. 1986 | Ī | 371H | - | - | - | | - | _ |
| 56th (1987) | 23rd May 1987 | - | 371-1 | - | - | - | - | | - |
| 57th (1987) | 15th Sept. 1987 | | Clause 3A in article 332 | - | - | - | esa l | - | - |
| 58th (1987) | 9th Dec. 1987 | - | 394A | _ | - | | - 108 1 | | Headin of Part- XXII |
| 59th (1988) | 30th March 1988 | 356 | 359A | - | - | - | | | (#10 H) |
| 60th (1988) | 20th Dec. 1988 | 276 | - | - 4 | - | - | | AGGE | |
| 61st (1988) | 28th March 1989 | 326 | - | - | - | - | - | _ | |
| 62nd (1989) | 25th Jan. 1990 | 334 | - | - | - | - | | | - |
| 63rd (1989) | 6th Jan. 1990 | 356 | - | - | 359A | - | 06. | <u>-</u> | 16 Zi |
| 64th (1990) | 16th April 1990 | 356 | - | - | - | - | GOLD FO | 786 | |
| 65th (1990) | 7th June 1990 | 338 | - | - | - | - | - | _ | _ |

| बदलाचो क्रमांक/वर्स | मान्यतायेची तारीक | बदलिल्ली कलमां | अंतःस्थापीत कलमां | प्रतिस्थापीत कलमां | निरसींत कलमां | अनुसूची जोडली | अनुसूची बदल्ली*/ /प्रतिस्थापीत** | अनुसूची अंतःस्थापीत | भागाचो बदल |
|------------------------|----------------------|-------------------|------------------------------------|-----------------------|------------------|------------------|--|------------------------|----------------------------|
| 53 वो (1986) | 14 आगश्ट 1986 | _ | 371छ | - | _ | | _ | _ | _ |
| 54 वो (1986) | 14 मार्च 1987 | 125 221 | _ | _ | - | - | 2री | _ | <u>-</u> |
| 55 वो (1986) | 23 डिसेंबर 1986 | | 371ज | _ | - | - | - | _ | - |
| 56 वो (1987) | 23 मे 1987 | _ | 371झ | _ | - | _ | _ | - | - |
| 57 वो (1987) | 15 सप्टेंबर 1987 | - | कलम 332 हातूंत उप- कलम 3क | _ | - | - | _ | _ | _ |
| 58 वो (1987) | 9 डिसेंबर 1987 | - | 394क | ~ | - | _ | _ | _ | भाग - -XXI चे शीर्शक |
| 59 वो (1988) | 30 मार्च 1988 | .356 | 359क | - | | - | - ; | _ | · <u> </u> |
| 60 वो (1988) | 20 डिसेंबर 1988 | 276 | _ | _ | _ | _ | _ | - | - |
| 61 वो (1988) | 28 मार्च 1988 | 326 | - | - | | _ | _ | - | - · |
| 62 वो (1988) | 25 जानेवारी 1990 | 334 | - | _ | - | - | ! | . – | - |
| 63 वो (1.989) | 6 जानेवारी 1990 | 356 | . – | - | 359क | _ | | - | - - |
| 64 वो (1990) | 16 एप्रिल 1990 | 356 | , | _ | - | _ | · | . – | - |
| 65 वो (1990) | 7 जून 1990 | 338 | _ | _ | - | _ | _ | - | _ |

| Amend- ment No./ Year | Date of Assent | Article amended | Article inserted | Article substituted | Article omitted | Sch. added | Sch. amended*/ subs** | Sch. inserted | Amend- ment of Part |
|--------------------------------|--------------------|--------------------|---------------------|------------------------|--------------------|---------------|-----------------------------|------------------|---------------------------|
| 66th (1990) | 7th June 1990 | | - | - | - | - | 9th | - | |
| 67th (1990) | 4th Oct 1990 | 356 | - | - | - | - | _ | - | 702 A |
| 68th (1991) | 12th March 1991 | 356 | - | - 1 | | - | - | | |
| 69th (1991) | 21st Dec 1991 | - | 239AA 239AB | - | (r)= | - | - | - Vien- | |
| 70th (1992) | 12th Aug 1992 | 54, 239AA | - | - | en - w | - | + 1 | - | |
| 71st (1992) | 31st Aug 1992 | _ | - | - | _ | - | 8th | - | |
| 72nd (1992) | 4th Dec 1992 | 332 | - | - | - | - | - 0 | - | |
| 73rd (1992) | 20th April 1993 | 280 | = | - | 350 <u>- 1</u> | 11th | - | aur - | IX inserte |
| 74th (1992) | 20th April 1993 | 280 | - | - | - | 12th | | | IXA inserte |
| 75th (1993) | 5th Feb 1994 | 323B | - | - | - | - | - | | |
| 76th (1994) | 31st Aug 1994 | - | - | - | - | - | 9th | | |
| 77th (1995) | 17th June 1995 | 16 | _ | - | - | - | THE | | - |
| 78th (1995) | 30th Aug 1995 | - | - | - | - | - | 9th | - | |
| 79th (1999) | 21st Jan 2000 | 334 | - | - | | - | - | 000 | |

| बदलाचो क्रमांक/वर्स | मान्यतायेची तारीक | बदलिल्ली कलमां | अंतःस्थापीत कलमां | प्रतिस्थापीत कलमां | निरसींत कलमां | अनुसूची जोडली | अनुसूची बदल्ली*/ /प्रतिस्थापीत** | अनुसूची अंतःस्थापीत | भागाचो बदल |
|------------------------|-----------------------|-------------------|---|--|----------------------------|-------------------------------------|--|---------------------------------|--------------------|
| 66 वो (1990) | 7 जून 1990 | - | 7 | | - | | 9वी | izil a Segoni | 6065g |
| 67 वो (1990) | 4 ऑक्टोंबर 1990 | 356 | _ | | - | - | (- | e pla | |
| 68 वो (1991) | 12 मार्च 1991 | 356 | - | -51 | - | - | | 0 = 1 | |
| 69 वो (1991) | 21 डिसेंबर 1991 | | 239कक 239कख | - | - | - | | (0.00 kg) | |
| 70 वो (1992) | 12 आगश्ट 1992 | 54, 239कक | | - | - | - | _ | | |
| 71 वो (1192) | 31 आगश्ट 1992 | - | - | - | - | - 7 | 8वी | - | 445 |
| 72 वो (1992) | 24 डिसेंबर 1992 | - | - | | - | - | - | - | |
| 73 वो (1992) | 20 एप्रिल 1993 | 280 | | star t, A t | | iπ _a | 11वी | | अंतःस्थापीत |
| 74 वो (1992) | 20 एप्रिल 1993 | 280 | 501 <u>1</u> 5 450 51935 16 15 36 5981 16 | in i | aver di | ng <u>u</u> w i- yada mer 1,5 | 12वी | e digit a p habita tengga | अंतःस्थापीत IXक |
| 75 वो (1993) | 5. फेब्रुवारी 1994 | 323ख | | | ns Taipoli Islanda free | | nidelezi Ovelezi | e il e lo | = |
| 76 वो (1994) | 31 आगश्र्ट 1994 | | | - | - | - | 9वी | - | |
| 77 वो (1995) | 17 जून 1995 | 16 | - | - | - | - | - | - | ÷ |
| 78 वो (1995) | 30 आगश्ट 1995 | | - | - | - | - | 9वी | - | |
| 79 वो (1999) | 21 जानेवारी 2000 | 334 | - | - | - | - | - | | - |

| Amend- ment No./ Year | Date of Assent | Article amended | Article inserted | Article substituted | Article omitted | Sch. added | Sch. amended*/ subs** | Sch. inserted | Amend- ment of Part |
|--------------------------------|-------------------|-------------------------------|------------------|---------------------|--------------------|---------------|-----------------------------|------------------|---------------------------|
| 80th (2000) | 9th June 2000 | 269 | _ | 270 | 272 | _ | - | : E | |
| 81st (2000) | 9th June 2000 | 16 | - | - | _ | _ | - | | |
| 82nd (2000) | 8th Sep 2000 | 335 | | - | - | | - | <u>-</u> | 1 <u>10</u> |
| 83rd (2000) | 8th Sep 2000 | 243A | - | - | en <u>dia</u> | - | - | _ | - |
| 84th (2000) | 21st Feb 2002 | 55, 81, 82 170, 330 332 | - | - | - | | | | <u>-</u> |
| 85th (2001) | 4th Jan 2002 | 16 | - | _ | - | | - | | |

^{*} Preamble amended

- (i) The Sixth Schedule to the Constitution amended in 1988 by the Act 67 of 1988, received the assent of President on 16th December, 1988 having the provision of application of sixth Schedule to the States of Tripura and Mizoram, w.e.f. 16th December, 1988 and in 1995 (45 of 1995).
- (ii) The Fifth Schedule to the Constitution amended in 1976 by Act 101 of 1976, received the assent of the President on 7-9-1976 and inserted clause (aa) in Fifth Schedule, Part C, clause 2.

^{**} In the Constitution (Forty-Second Amendment) Act, 1976, section 18, 19, 21, 22, 31, 32, 34, 35, 58 and 59 omitted.

| बदलाचो क्रमांक/वर्स | मान्यतायेची तारीक | बदलिल्ली कलमां | अंतःस्थापीत कलमां | प्रतिस्थापीत कलमां | निरसींत कलमां | अनुसूची जोडली | | अनुसूची अंतःस्थापीत | भागाचो बदल |
|------------------------|-----------------------|-------------------------------|----------------------|-----------------------|------------------|------------------|-----|------------------------|---------------|
| 80 वो (2000) | 9`जून 2000 | 269 | - | 270 | 272 | | | _ | |
| 81 वो (2000) | 9 जून 2000 | 16 | _ | _ | _ | _ | | | _ |
| 82 वो (2000) | 8 सप्टेंबर 2000 | 335 | - | - | - | _ | _ | _ | _ |
| 83 वो (2000) | 8 सप्टेंबर 2000 | 243क | - | _ | - | _ | | _ | |
| 84 वो (2000) | 21 फेब्रुवारी 2002 | 55, 81, 82 170, 330 332 | <u> </u> | | | _ | _ | _ | · - |
| 85 यो (2001) | 4 जानेवारी 2002 | 16 | _ | <u> </u> | _ | _ | . – | _ | _ |

^{*} उद्देशिकेंत बदल,

^{**} संविधानाचो (बेचाळीसावो बदल) अधिनियम, 1976 हातूंतले अनुभाग 18, 19, 21, 22, 31, 32, 34, 35, 58 आनी 59 वगळ्ळे.

⁽i) 1988 वर्सा, संविधानांतले सवे अनुसूचयेंत 1988 च्या 67 व्या अधिनियमावरवीं बदल केलो ताका 16 डिसेंबर, 1988 दिसा राष्ट्रपतीची मान्यताय मेळ्ळी तातूंत सवी अनुसूची त्रिपुरा आनी मिझोराम राज्यांक 16 डिसेंबर, 1988 सावन आनी 1995 त (1995 चो अधिनियम 45) लागू करपाचो उपबंध आसा.

⁽ii) 1976 वर्सा, संविधानातले पांचवे अनुसूचयेंत 1976 च्या अधिनियम 101 वरवीं बदल केल्लो, ताका 17 सप्टेंबर, 1976 दिसा राष्ट्रपतीची मान्यताय मेळ्ळी आनी पांचवे अनुसूचयेचो, भाग (ग), उपकलम (2) हातूंत उपकलम (कक) अंतःस्थापीत केलें.

| Constitution of India | भारताचे संविधान |
|-------------------------------|---------------------------------|
| Glossary | उतरावळ |
| | |
| abandonment | परित्याग |
| material ~ | भौतीक परित्याग |
| moral ~ | नैतीक परित्याग |
| abjure violence | हिंसा सोडून दिवप |
| abolish | काडून उडोवप |
| abridge | संक्षेपण |
| abrogate | निराकृत करप |
| absence | गैरहाजिरी |
| leave of ~ | गैरहाजिरी / सुटी |
| abuse | दुरुपयोग करप |
| access | प्रवेश |
| Accession | सामील जावप |
| Instrument of | सामीलनामो |
| ~of the state to | खंयचेंय संस्थान |
| Dominion of India | भारतीय अधिराज्य |
| accrue | उप्रासप |
| accused person | आरोपी |
| acknowledgement of allegiance | निष्ठे विशींची स्वीकृताय |
| acquisition | संपादन |
| compulsory ~ | सक्तीन संपादन |
| land ~ | भूंय संपादन |
| acquittal | दोश मुक्ती |
| act | कृती |
| Act | अधिनियम |
| Central ~ | केंद्रीय अधिनियम |
| public ~ | भौशीक अधिनियम |
| acting judge | कार्यकारी न्यायाधीश |
| actionable | कारवाय योग्य |
| | |
| actionable wrong | कारवाययोग दुश्कृत्य/वायट कर्तुब |

| adaptation | अनुयोजन |
|--|--|
| additional ~ Chief Presidency magistrate ~ district judge ~ judge ~sessions judge | अतिरिक्त मुख्य इलाखो मुखेल दंडाधिकारी मुखेल जिल्हो न्यायाधीश अतिरिक्त न्यायाधीश अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश |
| addressspecial~ | अभिभाशण खाशेलें अभिभाशण |
| adherence | अनुपालन |
| ad hoc judge | तदर्थ न्यायाधीश |
| adjourn | स्थगीत करप |
| adjudged | न्यायनिर्णीत |
| adjudication | न्यायनिर्णय |
| administer oath | सोपूत दिवप |
| administration of justice | न्यायदान |
| administrator | प्रशासक |
| administrator general | महाप्रशासक |
| admiralty | नौविधि |
| admissible | ग्राह्य ' |
| adopt | अंगिकारप |
| adult suffrage | प्रौढ मताधिकार |
| advanceadvise | अग्रिम/ॲडवान्स सल्लो दिवप |
| advisory board | सल्लो दिवपी मंडळ सल्लो दिवपी परिशद |
| advocate | अधिवक्तो महाअधिवक्तो |
| aerodrome | विमानतळ |
| affection | आपलेपण/आपुलकी/आपुलकाय |

| affirm | प्रतिज्ञेसयत सांगप |
|----------------------------|-----------------------|
| age | पिराय |
| attain~ | पिरायेचो जायसर |
| old~ | जाण्टेपण |
| tender~ | कंवळी पिराय |
| agent | अभिकर्तो |
| managing~ | वेवस्थापन अभिकर्तो |
| aggression | आक्रमण |
| agree | करार करप |
| agreement | करार |
| ~special | खाशेलो करार |
| agricultural income | शेतकी येणावळ |
| ~indebtedness | शेतकाराचें रीण |
| agricultural | शेतकी |
| ~land | शेतजमीन |
| ~loans | शेतकी रीण |
| air | हवा |
| ~craft | विमान |
| ~force | हवाई दळ |
| ~navigation | हवाई चालन |
| ~traffic | हवाई येरादारी |
| ~ways | हवाई मार्ग |
| alien | हेर देशी |
| alienation | अन्यक्रामण |
| allegiance | निष्ठा |
| All India Judicial Service | अखिल भारतीय न्यायसेवा |
| All-India Services | अखिल भारतीय सेवा |
| allocated | विभागणी करप |
| allotment | वांटप / विभागणी |
| alter | फेरबदल करप |
| altered | फेरबदल केल्लें |
| alteration | फेरबदल |

| amalgamation | संमीलन |
|----------------------------|---|
| amend | बदल / बदलावण |
| amending | बदल/बदलावणी करप |
| amendedstands~ | बदलावणी केल्लें / बदलिल्लें बदलिल्लें अशें आसप |
| amendment | बदलावणी / बदल |
| ammunition | दारूगुळो |
| ancilliary | आधारभूत |
| Anglo-Indian | अँग्लो इंडियन |
| Anglo-Indian community | अँग्लो इंडियन समाज |
| annual financial statement | वर्सुकें वित्तीय विवरण |
| annuities | वर्सासन |
| annual | वर्सुकें |
| annul | रद्द करप |
| annulment | रद्द जावप |
| appeal | अपील |
| appellant | अपील करपी |
| Appendix | परिशिष्ट |
| application | अर्ज; लागू जावप / करप |
| appropriate | फावोशें / विनियोजीत करप / विनियोजन करप |
| appropriation | विनियोजन |
| approve | मान्यताय दिवप . |
| appurtenant (thereto) | तातूंत अंतर्भूत |
| arbitral tribunal | लवाद अधिकरण |
| arbitration | लवाद |
| arbitrator | लवाद |
| area | वाठार |

| armed forces | सशस्त्र / दळां |
|--|---|
| armed rebellion | सशस्त्र बंड |
| arms | शस्त्रां |
| Article | कलम |
| assemble | एकठांय येवप / जमप |
| Assembly | जमाव |
| assembly Constituent ~ legislative ~ ture ~ | विधानसभा संविधान सभा विधान सभा विधिमंडळ |
| assent | अनुमती |
| assess | निर्धारीत करप |
| assessment | निर्धारण |
| assets | आस्पत |
| | |
| assign | नेमून दिवप |
| assignassimilate | नेमून दिवप आत्मसात करप |
| | |
| assimilate | आत्मसात करप |
| assistant district judge | आत्मसात करप सहायक जिल्हो न्यायाधीश |
| assistant district judgeassistant session judge | आत्मसात करप सहायक जिल्हो न्यायाधीश सहायक सत्र न्यायाधीश |
| assimilate assistant district judge assistant session judge Attorney | आत्मसात करप सहायक जिल्हो न्यायाधीश सहायक सन्न न्यायाधीश अधिसंघ न्यायवादी |
| assimilate assistant district judge assistant session judge association Attorney ~ General | आत्मसात करप सहायक जिल्हो न्यायाधीश सहायक सत्र न्यायाधीश अधिसंघ न्यायवादी महान्यायवादी |
| assimilate assistant district judge assistant session judge association Attorney ~ General attributable | आत्मसात करप सहायक जिल्हो न्यायाधीश सहायक सत्र न्यायाधीश अधिसंघ न्यायवादी महान्यायवादी संबंधनीय |
| assimilate assistant district judge assistant session judge association Attorney ~ General attributable audience (have a right of) | आत्मसात करप सहायक जिल्हो न्यायाधीश सहायक सत्र न्यायाधीश अधिसंघ न्यायवादी महान्यायवादी संबंधनीय आयकून घेवपाचो अधिकार |
| assimilate assistant district judge assistant session judge association Attorney ~ General attributable audience (have a right of) authenticate authorisation | आत्मसात करप सहायक जिल्हो न्यायाधीश सहायक सत्र न्यायाधीश अधिसंघ न्यायवादी महान्यायवादी संबंधनीय आयकून घेवपाचो अधिकार अधिप्रमाणीत करप |

| anthoritative | प्राधिकृत |
|--|---|
| authority judicial ~ local ~ mining settlement~ port ~ | प्राधिकरण न्यायीक प्राधिकरण थळावें प्राधिकरण खणी-वस्ती प्राधिकरण बंदर-वस्ती प्राधिकरण |
| autonomous | स्वायत्त |
| award | निवाडो |
| bail | जामीन |
| ballot | मतदान |
| bankruptcy | दिवाळखोरी |
| bar | आडवण |
| biennial | दोन-वर्सुकी |
| bill | विधेयक |
| Borstal institution | बोर्स्टल संस्था |
| bye-law | पोट नेम/पोट नियम |
| calculate | परिगणना करप |
| calculation | परिगणना |
| cancellation | रद्द करप |
| call in question | प्ररनगत करप |
| candidate | उमेदवार |
| capacity | तांक |
| case | केस / प्रकरण |
| casting vote | निर्णायक मत |
| cause | कारण वादाचें कारण |
| cease | बंद जावप / पडप |
| ceiling | शीम शीम वाठार |

| ~ limit | चडांत चड मेर |
|--------------------------------|---|
| census | जनगणना |
| central act | केन्द्रीय अधिनियम |
| Central Bureau of Intelligence | केन्द्रीय गुप्तचर विभाग |
| Certiorari | प्राकर्षण / सेर्शिओराराय |
| cess | उपकर |
| Chairman | सभापती |
| charge | आरोप करप |
| chapter | प्रकरण |
| charge | दोशारोप |
| charge | प्रभार |
| Chief | मुखेल / मुख्य मुखेल / मुख्य न्यायमूर्ती मुख्यमंत्री / मुखेलमंत्री महानगर दंडाधिकारी / प्रेसिडेन्सी दंडाधिकारी नागरिक नागरीकत्व सिवील / नागरी / दिवाणी |
| civil ~ capacities | मुलकी हुद्दो |
| ~ code | नागरी संहिता |
| ~ judicial posts | मुलकी न्यायीक पद |
| ~ posts | मुलकी पद |
| ~ procedure | मुलकी प्रक्रिया |
| ~ service | मुलकी सेवा |
| claim | दावो |
| clause | उपकलम |
| Code | संहिता |
| Indian Penal ~ | भारतीय दंड संहिता |
| ~ Civil procedure | दिवाणी प्रक्रिया संहिता |
| ~ Criminal procedure | फौजदारी प्रक्रिया संहिता |
| commencement | सुरवात / आरंभ |

| commission | सुरवात करप / चालीक लागप |
|--|-----------------------------|
| Commission | आयोग |
| election ~ | वेंचणूक आयोग |
| joint ~ | संयुक्त आयोग |
| joint state public service ~ | संयुक्त लोकसेवा आयोग |
| public sevice ~ | लोकसेवा आयोग |
| Paris de la companya del companya de la companya del companya de la companya de l | |
| committee | समिती |
| common Seal | सामान्य म्होर |
| compensatory | पूरक |
| competent | समक्ष/सत्पात्र |
| complaint | कागाळ |
| compliance | पाळो दिवप / अनुपालन |
| composite Culture | संमिश्र संस्कृताय |
| composition | घडण / रचणूक |
| comptroller and Auditor General | नियंत्रक आनी महालेखापरीक्षक |
| compulsory acquisition | सक्ती/चें/न संपादन |
| concentration | केंद्रीकरण |
| concession | सवलत |
| concurrence | सहमती/मान्यताय |
| concurrent list | समवर्ती वळेरी |
| condition | अट |
| conducive | सहायक / अनुकूल |
| conduct | आचरण / वागणूक |
| conduct of business | कामकाज चलोवप / चालीक लावप |
| conformity with, in | फावोशें/सोबसारकें |
| conscience | अंतस्करण |
| consecutive | सलग / लागून |
| consent | संमती |

| consequential | परिणामी |
|----------------------------------|--|
| consistent | सुसंगत |
| Consolidated fund | एकवटीत निधी |
| constituency | मतदार संघ |
| Constituent Assembly | संविधान सभा |
| Constituent power | संविधानीक अधिकार |
| constitute | घडोवप / घडण करप |
| Constitution | संविधान |
| constitutional machinery | संविधानीक यंत्रणा |
| Consular ~ representative | वाणिज्य विशयक वाणिज्य विशयक प्रतिनिधी / दूत |
| contemplate | पूर्वादमास |
| contempt | अवमान |
| context | संदर्भ |
| contingency | आकस्मिकताय |
| Contingency fund | आकस्मिकतायेचो निधी |
| contract | करार |
| contravention of, in | विरुद्ध / आड / भंग |
| Control price ~ | नियंत्रण दर / मोल नियंत्रण |
| convention | प्रथा / चाल / चालगत |
| conviction | दोशसिद्धी / निश्चिती |
| coordination Corporation | समन्वय निगम |
| corresponding ~ province ~ state | समनुरुप समनरुप प्रांत समनुरुप राज्य |
| Council of ministers | मंत्रिमंडळ |

| Council of states | राज्यसभा |
|-------------------------|--------------------------|
| court | न्यायालय |
| division ~ | विभागीय न्यायालय |
| ~ federal | फेडरल न्यायालय |
| high ~ | उच्च न्यायालय |
| ~ martial | सैनिकी न्यायालय |
| ~ of appeal | अपील न्यायालय |
| ~ of law | न्यायालय |
| ~ of the magistrate | दंडाधिकाऱ्याचें न्यायालय |
| ~ of record | अभिलेख न्यायालय |
| ~ of wards | पाल्याधिकरण |
| rent ~ | भाडें न्यायालय |
| revenue ~ | महसूल न्यायालय |
| small causes ~ | लघुवाद न्यायालय |
| Supreme ~ | सर्वोच्च न्यायालय |
| court or tribunal | न्यायालय वा अधिकरण |
| covenant | प्रसंविदा |
| crime | अपराध / गुंन्यांव |
| criminal | फौजदारी |
| ~charge | फौजदारी आरोप |
| ~ proceeding | फौजदारी कार्यवाही |
| Crown in India | ब्रिटीश राजसत्ता |
| custody | अभिरक्षा / कोठडी |
| custom | रूढी / परंपरा / प्रथा |
| Customs | सीमा शुल्क / शीमशुल्क |
| deal with | संबंदांत कार्यवाही करप |
| dealing with | कडे(न) संबंद आशिल्लें |
| debt charges | रीण-भार |
| decent standard of life | शिष्ट जीवनमान |
| decision | निर्णय |
| declaration | घोशणा |
| decree | डिक्री |
| defamation | अब्रुलुसकाणी |

| defend | बचाव करप / प्रतिवाद करप |
|---|-------------------------------|
| deficiency | वैगुण्य |
| deficient | वैगुण्यां आशिल्लें |
| define | निश्चित करप |
| definition | व्याख्या |
| delegate | अधिकार दिवप |
| delimitation | परिसीमन / शिमो आंखप / सीमांकन |
| demand | मागणी |
| ~ grants | अनुदानाची मागणी |
| THE REPORT OF THE PARTY OF THE | organism areas |
| demobilisation | सैन्य विसर्जन |
| democratic | लोकशायी किरामिक |
| deprive | वंचित करप |
| | |
| ~ chairman | उप उप सभापती |
| ~commissioner | उपायुक्त |
| ~ president | उपाध्यक्ष |
| ~ speaker | उपसभापती / उपाध्यक्ष |
| | उन्तानाना / उनाञ्चदा |
| derogate | उणे करप |
| designate | नामनिर्देश करप |
| detention | स्थानबद्धताय |
| developmental expenditure | विकास खर्च |
| dignity of the individual | व्यक्तीची प्रतिष्ठा |
| diplomatic | राजनितीज्ञीक |
| direct election | प्रत्यक्ष वेंचणूक |
| | and a street in |
| direction | निर्देश |
| directive principles | निर्देशक तत्वां |
| disability | असमर्थताय |
| disapprove | अमान्य करप |

| disciplinary | शिस्तीचो/ची/चें |
|---------------------------|---|
| discover | कळून येवप/मेळप |
| discretion | विवेक (विवेकशक्त) |
| discrimination | भेदभाव |
| discussion | चर्चा / भासाभास |
| disposal | निस्तरावप ' |
| dispute industrial ~ | विवाद / तंटो उद्देगीक विवाद / तंटो |
| disqualify | अपात्र जावप |
| dissent | भिन्नमत |
| dissenting judgement | भिन्नमताचो निर्णय |
| dissolution | विसर्जन |
| District Council | जिल्हो परिशद |
| document | दस्तावेज |
| domicile | राबितो |
| Dominion | अधिराज्य |
| duty | कर्तव्य / शुल्क |
| Election | वेंचणूक वेंचणूक आयोग वेंचणूक आयुक्त प्रत्यक्ष वेंचणूक सार्वत्रीक वेंचणूक फेर वेंचणूक |
| electoral college ~ rolls | वेंचणूक मांड मतदार वळेऱ्यो |
| electorate | मतदार |
| eligible | पात्र |
| emergency | आणिबाणी |
| emigration | उत्प्रवासन |

| enact | अधिनियमीत करप |
|-------------------------|---|
| enactmentre ~ | अधिनियमिती / अधिनियमन पुनः अधिनियमन |
| endorse | पृष्ठांकीत करप |
| enemy alien | विदेशी दुस्मान / हेर देशी दुस्मान |
| enforcement | बजावणी |
| enrichment | समृद्धी |
| entitled | हक्ककार / हक्कदार |
| entrust | सुपूर्व करप |
| equality | समानताय |
| equal protection of law | कायद्याची समान राखण |
| equitable | न्यायपूर्ण |
| escheat | राजगामी |
| established by law | कायद्यावरवीं प्रस्थापीत |
| estate | संपदा |
| estate duty | संपदा शुल्क / कर / सोंपो |
| evacuee property | स्थलांतरीत महालमतो |
| eviction | निश्कासन |
| evidence | साक्षी पुरावो मुखार दवरिल्लो साक्षी पुरावो साक्ष दिवप |
| exceptional grant | आडवादी अनुदान |
| Executive | कार्यपालिका |
| exempt | सूट दिवप |
| exercise | वापर करप |
| existing law | सध्याचो कायदो / अस्तित्वांत आशिल्लो कायदो |
| ex-officio | पदसिद्ध |

| expiration | सोपप |
|------------------------|--|
| explanation | स्पश्टीकरण / फोडणिशी . |
| explanatory memorandum | स्पष्टीकरणात्मक स्मरणपत्र |
| exploitation | शोषण / पिळणूक |
| explosive/s | स्फोटक/कां |
| expression medium of ~ | शब्दप्रयोग/अभिव्यक्ती अभिव्यक्तीचें माध्यम |
| expulsion | निष्कासन / भायर घालप |
| external aggression | परकी आक्रमण |
| extradition | प्रत्यर्पण |
| extra territorial | राज्यक्षेत्राभायर |
| fact | तथ्य |
| favour | पक्षपात |
| Federal Court | फेडरल न्यायालय |
| final disposal | अंतिम निस्तरावणी |
| Finance Commission | वित्त आयोग |
| Financial | वित्तीय वित्त विधेयक अर्थीक पत अर्थीक प्रकरणां अर्थीक औचीत्य अर्थीक स्थिरताय अर्थीक विवरण अर्थीक वर्स |
| fire arms | मारफार शस्त्रां |
| forbid | मनाय करप . |
| force | बळगें / बळ / दळ |
| air ~ | |
| ~ armed | हवाई दळ |
| ceased to be in ~ | सशस्त्र दळ |
| come into force ~ | अंमल बंद जावप |
| continue in ~ | अंमलांत येवप अंमलान अपूरा चान न्यानी |
| | अंगलात आसप चालू उरतलें |

| naval ~ police ~ remain in ~ ~ and effect ~ of law | नौसैनिकी पोलीस दळ अंमलात आसतलें प्रभावी आनी परिणामकारक कायद्याचो प्रभाव |
|---|--|
| forced labour | वेठीचो वावर |
| foregoing provisions | पूर्वगामी उपबंध |
| foreign ~ affairs ~ countries ~ jurisdiction ~ loans ~ state | विदेशी वेव्हार परदेश परदेश विदेशसंबंदी अधिकारिताय विदेशी रिणां परकी राज्य |
| forfeiture | समपहरण / जप्ती |
| formulate | सूत्रबद्ध करप |
| free | मेकळें / स्वतंत्र कायधा संबंदीं फुकट सल्लो (धर्माचे) मुक्त पालन |
| freedom ~and dignity (in condition of) ~ of conscience ~ of expression ~ of religion ~ of speech ~ of trade commerce and intercourse ~to manage religious affairs | स्वातंत्र्य/स्वतंत्रताय मुक्त आनी प्रतिष्ठापूर्वक अंतरकरणाचें स्वातंत्र्य अभिव्यक्तीचे स्वातंत्र्य धर्म स्वातंत्र्य भाशण स्वातंत्र्य वेपार उद्देग आनी वेव्हार संबंदांची मेकळीक धर्मासंबंदांतल्या वेव्हाराची वेवस्था पळोवपाची मेकळीक |
| freely to profess, practice and propogate religion | धर्म मेकळेपणान पाळप, आचरप आनी ताचो प्रचार करप |
| functions | कार्या |
| fund consolidated ~ contingency ~ provident ~ sinking ~ state ~ | निधी एकवटीत निधी आकस्मिकताय निधी भविश्य निर्वाह निधी रीण निवारण निधी राज्यांचो निधी |
| fundamental duties | मुळावीं कर्तव्यां |

| fundamental rights | मुळावे अधिकार |
|---|---|
| future markets | वायदो बाजार |
| Gazette general Attorney ~ Clauses Act Comptroller and Auditor ~ election Governor ~ public rules | राजपत्र सर्वसाधारण महान्यायवादी साधारण खंड अधिनियम नियंत्रक आनी महालेखापरीक्षक सार्वत्रीक वेंचणूक गव्हर्नर जनरल सर्वसाधारण जनता सर्वसाधारण नियम/नेम |
| generality | सर्वसाधारणताय |
| governing body | कारभारी मंडळ |
| Government good ~ local ~ ~ of a state ~ of India | सरकार सुशासन थळावें सरकार राज्य सरकार भारत सरकार |
| Governor | राज्यपाल |
| Governor - General | गव्हर्नर-जनरल |
| Governor's Province | राज्यपालांचो प्रांत |
| grant | अनुदान |
| grant-in-aid | सहायक अनुदान चे सुवातेर अनुदान |
| guarantee | हमी/खात्री दिवप |
| guardian | पालक |
| Habeas Corpus | बंदी प्रत्यक्षीकरण / देहोपस्थिती |
| harmony | समरसताय |
| heritage | दायज/परंपरा |
| hierarchy | अधिक्रम |
| High Court | उच्च न्यायालय |
| high seas | भायलो दर्या |

| His Majesty in Council | हिज मेजस्टी इन कोन्सील |
|--|--|
| House ~ of the legislature ~ of Parliament ~ of the people | सभाघर विधानमंडळाचें सभाघर संसदेचें सभाघर लोकसभा |
| humane conditions | माणुसकेची परिस्थिती |
| illegal | अवैध |
| ill-will | दुस्वास |
| immediately (before) | हाचे आदलें मात्शे फाटलें/ली/लो, फाटी, निकट पयलीं, आदी |
| imminent | तत्काळ |
| immunity | उन् प ुक्ती |
| impcachment | महाभियोग |
| imposition | लावप/लागू करप |
| impost | कर |
| imprest | अग्रधन |
| imprisonment | बंदखणींत घालप / बंदी करप |
| improvement trust | सुधारणा विश्वस्त मंडळ |
| inadmissible | अग्राह्य |
| incidental | अनुशंगीक |
| incitement | चिथावणी |
| incompetency | अक्षमताय |
| inconsistent | विसंगत |
| incorporated | आस्पावीत |
| indemnity Indian Administrative Service | भरपाय दिवप / क्षतिपूर्ती भारतीय प्रशासकी सेवा |
| Indian Penal Code | भारतीय दंड संहिता |
| Indian Police Service | भारतीय पोलीस सेवा |

| Indian State | भारतीय संस्थान |
|-------------------------------|--|
| individual judgement | व्यक्तिगत निर्णय |
| industrial dispute/s | उद्देगीक तंटो/तंटे |
| inequalities | असमानतायो |
| inform | कळोवप |
| inquire | वासपूस/चवकशी करप |
| insolvency | दिवाळें |
| insolvent | दिवाळखोर |
| institutions of national life | राष्टीय जिवीतविशयक संस्था |
| instruction | शिक्षण |
| instrument | लिखीत |
| Instrument of Accession | सामिलीकरणाचें लिखीत / सामीलनामो |
| integrity | अखंडताय |
| intention | उद्देश |
| interest | हित, / कळंतर / व्याज |
| interim order | अंतरीम आदेश |
| internal disturbances | अंतर्गत उंचबळाय |
| interpretation | अर्थ लावप / अर्थ लावणी |
| inter-state | आंतरराज्यीय |
| intervene | हस्तक्षेप करप |
| intestacy | मृत्युपत्रताये विण / मृत्युपत्रताविहीन |
| introduce (a Bill) | विधेयक मांडप / सादर करप |
| invalid | कायद्याभायलें/ली/लो |
| investigate | अन्वेषण / सोदतपास |
| irregularity | नेमाभायरेपण |
| joint sitting | संयुक्त बसका |

| Judge | न्यायाधीश |
|----------------------|---|
| assistant district ~ | सहायक जिल्हो न्यायाधीश |
| assistant Sessions ~ | सहायक सत्र न्यायाधीश |
| Chief ~ | मुख्य सत्र न्यायाधीश |
| joint district ~ | पालवी जिल्हो न्यायाधीश |
| Sessions ~ | सत्र न्यायाधीश |
| single ~ | एकटुको न्यायाधीश |
| sit and act as a ~ | आसनार बसून काम करप - (न्यायाधीश म्हणून) |
| judgment | निर्णय |
| | |
| judicial | न्यायीक |
| ~ authorities | न्यायीक अधिकारी |
| ~ functioning | न्यायीक कार्यकक्षा |
| ~ office | न्यायीक अधिकारपद |
| ~ post | न्यायीक पद / हुद्दो |
| ~ proceeding | न्यायीक कार्यवाही |
| ~ service | न्यायीक सेवा |
| ~ stamps | न्यायीक मुद्रा |
| Judiciary | न्यायपालिका |
| jurisdiction | अधिकारिताय |
| admiralty ~ | नौविधी अधिकारिताय |
| appellate ~ | अपील अधिकारिताय |
| foreign ~ | विदेश विशयक अधिकारिताय |
| jurist | विधिवेत्तो/मिमांसक |
| | |
| just | न्यायसंगत |
| justice | न्याय |
| lapse | खळीत जावप / व्यपगत |
| law | कायदो/विधी |
| ~ and order | कायदो आनी सुवेवस्था |
| customary ~ | चालगत कायदों |
| equality before ~ | कायद्यामुखार समानताय |
| established by ~ | कायद्यावरवीं प्रस्थापीत |
| existing ~ | सध्याचो कायदो / अस्तित्वांत आशिल्लो कायदो |
| force of ~ | कायद्याइतलेच प्रभावी |
| ~ made by Parliament | संसदेन केल्लो कायदो |
| martial ~ | लश्करी कायदो |
| ~ of nations | राष्ट्रांमदलो कायदो |
| personal ~ | व्यक्तिगत कायदो |
| leave of absence | अनुपस्थिती / सुटी |

| legal | कायदेशीर / कायद्यासंबंदीं / विधी |
|-----------------------|----------------------------------|
| ~ practitioner | कायदो वेवसायी |
| ~ proceedings | कायद्याची कार्यवाही |
| ~ tender | वैध निविदा |
| legislation | विधीविधान |
| legislative | वैधानीक |
| ~ Assembly | विधानसभा |
| ~ Council | विधानपरिशद |
| ~ funcition | वैधानीक कार्य / वावर |
| ~ powers | वैधानीक अधिकार |
| ~ procedure | वैधानीक कार्यपद्धत |
| legislature | विधिमंडळ |
| liberty | स्वतंत्रताय / मेकळीक |
| limit | शीम |
| | |
| limitation | मर्यादा |
| linguistic minorities | भाशीक अल्पसंख्यांक |
| living wage | निर्वाह वेतन |
| local | थळावें/वो/वी |
| ~ area | थळावें/वो/वी / वाठार |
| ~ authority | थळावे अधिकारी / प्रधिकरण |
| ~ board | थळावें मंडळ |
| ~ council | थळावी परिशद |
| ~ equivalent | थळावें समानार्थी |
| ~ government | थळावें सरकार |
| ~ legislature | थळावें विधीमंडळ |
| ~ limits | थळाव्यो शिमो |
| ~ purpose | थळावें प्रयोजन |
| ~ self-government | थळावें स्वयंन्सरकार |
| magistrate | दंडाधिकारी |
| magnitude | विशालकाय/ताय, व्याप/व्याप्ती |
| maintain | सांबाळ करप |
| majority | भोवमत . |
| make and subscribe | सोपूत घेवन सय करप |
| malice | दुस्वास |

| mandamus | महा-आदेश | |
|--------------------------------|--------------------------|--|
| maritime zone | सागरी क्षेत्र | |
| martial law | लश्करी कायदो | |
| material resources | भौतीक साधन संपत | |
| measure | उपाय | |
| medium of expression | अभिव्यक्तीचें माध्यम | |
| memorandum | निवेदन | |
| memorial | यादस्तीक/स्मारक | |
| mental deficiency | मानसीक वैगुण्य | |
| mercantile marine | वेपारीक तारवोटी | |
| merger | विलिनीकरण / सामिलीकरण | |
| message | संदेश | |
| migrant | स्थलांतर करपी | |
| migrate | स्थलांतर करप | |
| migration | स्थलांतरण | |
| military importance | लश्करी म्हत्व | |
| Minister | मंत्री | |
| Chief ~ | मुख्यमंत्री | |
| Council of ~ | मंत्रि मं डळ | |
| Prime ~ | प्रधानमंत्री | |
| minor | अल्पवयी | |
| minorities | अल्पसंख्याक | |
| modification | फेरबदल | |
| money bill | अर्थ विधेयक | |
| moral and material abandonment | नैतीक आनी भौतीक परित्याग | |
| morality | नितिमत्ता | |
| mother tongue | आवयभास | |

प्रस्ताव

motion ----

| move (a court) | न्यायालयांत वचप | |
|-------------------------------|------------------------------|------------------|
| move (freely) | मेकळेपणी संचार करप | |
| move (a resolution) | थारावणी मांडप | |
| National | राष्ट्रीय | |
| National Anthem | राष्ट्रगीत | |
| National Flag | राष्ट्रध्वज | o namenamen |
| National Highway | राष्ट्रीक म्हामार्ग | |
| National Service | राष्ट्रीय सेवा | |
| National struggle for freedom | स्वतंत्रतायेचो राष्ट्रीय लढो | |
| nationalisation | देशीकरण / राष्ट्रीकरण | |
| nomadic tribes | भोंवत्यो / हेडग्यो जनजाती | |
| non-residence | अनिवासी | |
| notice | नोटीस / कळोवणी | |
| notification | अधिसूचना / अधिसुचोवणी | |
| oath | सोपूत | |
| object | उद्देश / हेत | |
| obligation | लागणूक | Water of William |
| observe | पाळप / पाळो दिवप | ware what |
| offence | अपराध / गुन्याव | |
| office of profit | लाभाचो हुद्दो | Dans |
| Official Gazette | राजपत्र | entinguisher |
| official language | राजभास | - Hale - mark |
| operative | लागू जावप | polkical justine |
| order | आदेश | 0.08863800 |
| by ~ | आदेशावरवीं | 1800 |
| law and ~ | कायदो सुवेवस्था | |
| make ~ | आदेश करप | MOMOR - |
| pass ~ | आदेश दिवप | |

| public ~ | भौशीक सुवेवस्था | |
|--------------------------|------------------------------------|--|
| social ~ | सामाजीक वेवस्था | |
| standing ~ | स्थायी आदेश | |
| ~ in council | सपरिशद आदेश | |
| Ordinance | अध्यादेश | |
| original | आरंभीक | |
| Parliament | संसद | |
| participation of workers | कामगारांचो सहभाग | |
| partnership | भागीदारी | |
| pass (a law) | पास करप | |
| passport | पासपोर्ट / पारपत्र | |
| pecuniary penalty | अर्थीक दंड | |
| people | लोक | |
| performance | पाळो दिवप / आचरण | |
| perpetual succession | निरंतर उत्तराधिकार / दायज / परंपरा | |
| person | व्यक्ती | |
| personal | व्यक्तिगत | |
| ~ capacity | व्यक्तिगत/वैयक्तीक नात्यान | |
| ~ cultivation | स्वता शेतकाम करप / कसप | |
| ~ law | | |
| ~ liberty | व्यक्तिगत स्वातंत्र्य | |
| petition | अर्जिपत्र | |
| plead | विकली करप | |
| policy | धोरण | |
| ~ of insurance | विम्याची पोलिसी | |
| state ~ | राज्याचे धोरण | |
| political justice | राजनितीक न्याय | |
| possession | ताबो / कब्जो | |
| post | पद / हुद्दो | |
| power | अधिकार | |

| Preamble | उद्देशिका |
|--|----------------------------------|
| prejudice to, without | बाधा येनासतना |
| prescribe | विहीत करप |
| presentation | सादर करप / मांडप |
| preside | येजमानकी चलोवप |
| President | राष्ट्रपती |
| prevent | प्रतिबंध |
| preventive detention | प्रतिबंधक स्थानबद्धता |
| principal seat | मुखेल सुवात |
| principles | तत्वां |
| prison | बंदखण |
| privilege | विशेशाधिकार |
| Privy Council | प्रिव्ही कौन्सील |
| privy purse | तनखो/खे |
| procedure | प्रक्रिया |
| proceedings | कार्यवाही |
| Proclamation | उद्घोशणा |
| profess religion | धर्म पाळप |
| prohibition | मनाय / आडवारप |
| prohibition (writ of) | मनाय / आडवारणी याचिका |
| promulgate | घोशीत करप |
| proportional representation, system of - | प्रमाणबद्ध प्रतिनिधीत्वाची पद्धत |
| prorogue | सत्र समाप्ती |
| protect the sovereignty | सार्वभौमत्वाची राखण |
| protection | राखण |
| provision | उपबंध |
| Proviso | परंतुक |

| | परोक्षी |
|--|----------------------------|
| proxies | पराक्षा |
| public | भौशीक |
| ~ account | लेखा |
| ~ assistance | भौशीक आधार |
| ~ character | भौशीक शील |
| ~ debt | भौशीक रीण |
| ~ demand | भौशीक मागणी |
| ~ entertainment | भौशीक करमणुक |
| ~ general | सर्वसाधारण लोक |
| ~ health | भौशीक भलायकी |
| ~ interest | भौशीक हीत |
| ~ notification | जाहीर अधिसूचना / अधिसुचोवण |
| ~ order | भौशीक सुवेवस्था |
| ~ places | भौशीक थळां |
| ~ purpose | भौशीक प्रयोजन |
| ~ records | भौशीक अभिलेख |
| ~ resort, places of | भौशीक राबित्याच्यो सुवातो |
| ~ restaurants | भौशीक खाणावळी |
| ~ servant | भौशीक सेवेकार |
| ~ service | भौशीक सेवा |
| ~ Service Commission | लोक सेवा आयोग |
| | CHAP CHAI SHALL |
| punish | ख्यास्त दिवप |
| purporting to be done | तेखातीर केलां अशें धरून |
| pursuance of, in | की, अनुसरून |
| | |
| qualification | पात्रताय |
| question of law | कायद्याचो प्रस्न |
| quorum | गणपूर्ती |
| Quo warranto | अधिकार-पृच्छा |
| ratify | (अनु) संमत करप |
| readjust | पुनः समायोजन करप |
| | 3 |
| readjustment | पुनः समायोजन |
| reasonable | म्हानीर्थ । गोग |
| Manual Company of the | फावोशें / योग्य |
| reception of bill | विधेयक मेळप |
| | |
| reclkoning | हिसबाक धरप |

| recognise | मान्यताय दिवप | |
|------------------------|----------------------|------------|
| recommend | शिफारस करप | |
| reconsider | पुनर्विचार करप | |
| reconstitution | पुनर्रचणूक | |
| record of rights | हक्क नोंदी | |
| recover | वसूल करप | |
| recruitment | भरती करप | |
| rectification | दुरूस्ती | |
| recurring | आवर्ती | |
| redemption charges | सोडवणेची रक्कम | |
| redress | सोडवण | |
| reduce in rank | हुद्दो देंवोवप | |
| reference | उल्लेख / संदर्भ | |
| reformatory | सुदारघर | |
| refugees | निर्वासीत | |
| regional | प्रादेशीक | |
| ~ commissioner | प्रादेशीक आयुक्त | |
| ~ council | प्रादेशीक परिशद | |
| ~ language | प्रादेशिक भास | |
| regulation | बांदावणी | |
| rehabilitation | पुनर्वसन | |
| religious denomination | धार्मीक संप्रदाय | |
| religious worship | धार्मीक उपासना | |
| remaining provisions | बाकीचे उपबंध | |
| remission | सूट | a language |
| remit | तूट 1444 | |
| repeal | रद्द करप / निरसन करप | |
| represent | प्रतिनिधीत्व करप | |

| representation | निवेदन |
|--|-------------------------|
| reprieve | ख्यास्तीक स्थगिती दिवप |
| Republic | गणराज्य |
| repugnant | प्रतिकूल / विरुद्ध / आड |
| requirement | गरज |
| requisite | आवश्यक |
| requisitioning of property | संपत्ती ताब्यांत घेवप |
| reservation | आरक्षण / राखीवताय |
| resettlement | पुनर्वास |
| resignation | राजिनामो |
| resolution | थारावणी |
| restoration | पुनरस्थापना — |
| restriction | निर्बंध |
| retirement | निवृत्ती |
| retrospective | पूर्वलक्षी |
| returns | कामाचें विवरण |
| revenue | महसूल |
| ~ account | लेखा |
| ~ court | न्यायालय |
| land ~ | जमीन महसूल |
| review | पुनर्तपासणी |
| revoke | फाटी घेवप / रद्द करप |
| right | अधिकार / हक्क |
| ~ accruing | उत्पन्न जावपी अधिकार |
| fundamental ~ | |
| mineral ~ | मुळावो अधिकार |
| ~ of appeal | खनीज विशयक अधिकार |
| ~ of citizenship | अपिलाचो अधिकार |
| proprietory ~ | नागरिकत्वाचो अधिकार |
| ~ to education | धनिपणाचो अधिकार |
| ~ to public assistance | शिक्षणाचो अधिकार |
| The paper and a second a second and a second a second and | सरकारी पालवाचो अधिकार |

| ~ to work | कामाचो अधिकार |
|-----------------------|-----------------------------|
| voting ~ | मतदानाचो अधिकार |
| rule | नेम |
| general ~ | सर्वसाधारण नेम |
| ruler | शासक |
| safeguard | राखणे उपाय |
| sanction | मंजुरी |
| saving | आडवादी |
| schedule | अनुसूची |
| scheduled | अनुसुचीत |
| ~ area | अनुसुचीत क्षेत्र |
| ~ caste | अनुसुचीत जाती |
| ~ tribe | अनुसुचीत जमाती |
| scientific temper | विज्ञानीक नदर |
| seal | मुद्रा |
| seat | स्थान |
| secrecy | गुप्तताय |
| secret ballot | गुप्त मतदान |
| secretariat | सचिवालय |
| sectional diversities | वर्गीय भेद |
| secular | धर्मनिरपेक्ष |
| secure | सुगूर करप |
| security | प्रतिभूती |
| self - government | / स्वराज्य / स्वयं-सरकार |
| seniority | ् ज्येष्टताय |
| sentence | ख्यास्त |
| sessions | ्सत्र |
| settle | थारावप / स्थायीक जावप |

| settlement | वसणूक |
|---------------------------------|---------------------------------|
| | तंटे मिटोवप |
| re ~ | पुनर्वास |
| short title | संक्षिप्त नांव |
| single transferable vote | एकटुके संक्रमणीक मत |
| sitting | बसका |
| social | समाजीक |
| ~ planning | समाजीक नियोजन |
| socialist | समाजवादी |
| solemnly | निष्ठापूर्वक / सहनिष्ठेन |
| sovereign | सार्वभौम |
| special | खास |
| ~ address | खास अभिभाशण |
| ~ agreement | खास करार |
| ~ care | खास जतनायेन |
| ~ diectives | खास निदेशकां |
| ~ electoral roll | खास मतदार वळेरी |
| ~ knowledge | खास गिन्यान |
| ~ leave | खास अनुमती / परवानगी / मान्यताय |
| ~ officer | खास अधिकारी |
| ~ provision | खास तरतूद / उपबंध |
| ~ qualification | खास पात्रताय |
| Speaker | अध्यक्ष / सभापती |
| spirit of enquiry | शोधक बुद्द |
| spoliation | लूट |
| stamp duty | मुद्रा शुल्क |
| State List | राज्य वळेरी |
| State Policy | राज्य धोरण |
| States Reorganisation Act, 1956 | राज्य पुनर्रचणूक अधिनियम, 1956 |
| statement | विवरण पत्र |
| stay of prceedings | कार्यवाही स्थिगिती |

| ability | A |
|--|--|
| strive | नेटान यत्न करप |
| sub-clause | उप-उप कलम |
| subject to | अधीनतायेन |
| THE VISITE WELL STREET | SIGN KING T |
| subjected to (preventive detention) | प्रतिबंधक स्थानबद्धतेंत दवरिल्ल्या |
| subscribe | सय करप |
| and the state of t | |
| substantial | सारभरीत |
| ~ question of law | सारभरीत कायद्याचो प्रस्न |
| substitution | चे सुवातेर |
| successor | उत्तराधिकारी |
| suffrage | मताधिकार |
| | |
| suitor | पक्षकार |
| summary determination | संक्षिप्त रितीन निवाडो करप |
| summon | आपोवन घेवप |
| | जापायम ययप |
| supplemental | पूरक |
| supplementary | पूरक |
| | |
| supreme command | अधिपत्य |
| Supreme Court | सर्वोच्च न्यायालय |
| Time of | |
| suspend | निलंबन / निलंबीत |
| Minute and American | The second second of the secon |
| system | पद्धत |
| ~ of proportional representation | प्रमाणशीर प्रतिनिधीत्वाची पद्धत |
| tax | कर |
| abolition of ~ | कर रद्ध करप |
| agricultural income ~ | कृषी येणावळीवेलो कर |
| alteration of ~ | करात बदल करप |
| amusements ~ | मनरिजवण कर |
| buildings ~ | घरांवयलो कर |
| capitation ~ | प्रतिव्यक्ती कर |
| corporation ~ | निगम कर |
| entertainment ~ | |
| | करमणूक कर |
| excess profits ~ | आलायदो लाभ कर |
| gambling ~ | जुगार कर |
| general ~ | सर्वसाधारण कर |

| imposition of ~ | कर बसोवप / लावप |
|--------------------------|-------------------------|
| income ~ | आयकर |
| land ~ | जमनी संबंदी कर |
| local ~ | थळावो कर |
| luxuries ~ | चैनीच्या जिनसांचेर कर |
| profession ~ | वेवसाय कर |
| purchase ~ | खरेदी कर |
| remission ~ | कर माफ करप |
| sale ~ | विक्री कर |
| special ~ | खास कर |
| terminal ~ | शीम कर |
| vehicles ~ | वाहनावेलो कर |
| temporary | तात्पुरतो |
| tenure holder | काळबद्ध हकदार |
| term (of office) | अधिकार काळ |
| termination | समाप्ती |
| territorial constituency | क्षेत्रीय मतदारसंघ |
| territorial water | क्षेत्रीय दर्या वाठार |
| territory | राज्यक्षेत्र |
| text | मजकूर |
| threatened | संकश्टांत आसप |
| title | किताब |
| traffic in human beings | मनशांचो अपवेपार |
| transactional part | संक्रमणकालीन / संक्रमणी |
| treasury bill | राजहुंडी |
| treaty | कबलात |
| undertaking | उपक्रम |
| uniformity | समानताय / एकरूपताय |
| Union | संघ |
| Union list | संघवळेरी |
| untouchability | अस्पृश्यताय |

| uphold | मान राखप |
|---------------------------|---|
| uphold the Constitution | संविधानाचो मान राखप |
| usage | प्रथा |
| vacancy | रिकामों जावप |
| vacate | रितें करप / सोडप |
| vagrancy | आडांगीपण |
| valid | कायदेशीर / विधिग्राह्य |
| vest | निहीत आसप |
| Vice-Chairman | उपाध्यक्ष |
| Vice-President | उपराष्ट्रपती |
| village | ग्राम / गांव |
| ~ councils | ग्राम परिशदो |
| ~ offices | ग्राम कार्यालयां |
| ~ panchayats | |
| paricilayats | ग्राम पंचायती |
| Violation | भंग |
| Visa | व्हिजा |
| vocabulary | उतरावळ |
| void | पोकें / शून्य |
| vote | मत |
| votes of credit (grant) | प्रत्यानुदानां |
| votes on account (grant) | लेखानुदानां |
| warrant | वॉरंट |
| ways and means advances | उपाय आनी वाटांची अग्रिमताय |
| workmen's compensation | कामगार भरपाय |
| wound pension | दुखापत पेन्शन |
| writ | रीट |
| wrongly decided, has been | चुकीचे पद्धतीन निर्णय दिला / चुकीचो निर्णय दिला |